ДРЕВНЕ-СЛАВЯНСКАЯ КОРМЧАЯ

XIV ТИТУЛОВЪ БЕЗЪ ТОЛКОВАНІЙ.

Трудъ
В. Н. Бенешевича.

ТОМЪ ПЕРВЫЙ.

ВЫП. 3.

ИЗДАНІЕ
ОТДѢЛЕНІЯ РУССКАГО ЯЗЫКА И СЛОВЕСНОСТИ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ.

САНКТПЕТЕРБУРГЪ.
ТИПОГРАФІЯ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ.
Вас. Остр., 9 лин., № 12.
1907.

SYNTAGMA XIV TITULORUM SINE SCHOLIIS

SECUNDUM VER

ADJECT

E VETUSTISSIMIS C

CONSILIO ET AUCTORITATE ACA

V.

TOM

PETROPOLI.

TYPIS ACADEMIAE SCIENTIARUM IMPERIALIS PETROPOLITANAE.

W. O., l. 9, № 12.

1907.

Дополненія, поправки и опечатки.

(Большая арабская цыфра обозначаетъ страницу, маленькая внизу — строку, вверху — примѣчаніе; измѣненія въ примѣчаніяхъ, зависящія отъ исправленій, указаны только тогда, когда они не вытекаютъ прямо изъ общаго правила).

Въ объясненіи сокращеній добавить къ греческимъ рукописямъ:

P_2 = Petropol. 208,
B_1 = Barocc. 173 (Bodl. 173),
B_2 = Barocc. 185 (Bodl. 185).

Сдѣлать измѣненія (скобкой] отдѣлено то, что подлежитъ измѣненію)

а) въ славянскомъ текстѣ *:

6 3 гла] гла҃ 6 16 нианѣ] нианѣ 7 8 гла] гла҃ 9 21 оустиннанѣ] оустиннанѣ 10 6 сщению] сщ҃енню 14 1 іѕ] і҃ѕ 16 13 Гла] Гла҃ 16 14 дни] дн҃и 17 10 просвѣщеный҃] просвѣщеный҃ 18 20 Гла] Гла҃ 20 6 Гла] Гла҃ 20 19 Гла] Гла҃ 20 24 іг] і҃г 21 4 Гла] Гла҃ 21 11 Гла] гла҃ 31 15 кн] к҃н 44 18 Главизна] | Главизна *и in т.* л. 8 b. 46 6 съдѣıанаıа] | съдѣıанаıа *и in т.* л. 9 a 46 14 іа] і҃а 47 23 аг-] | аг- *и in т.* л. 9 b. 63 1 Єппъ] Єп҃пъ 63 21 не] не 71 2 црквьнааго] ц҃рквьнааго[18] *и въ примѣч.:* 18) црквьнааго *cod.* 71 3 честьныıа] ч[ь]стьныıа 78 8 нань] на нь 83 1 СТЫХЪ] С҃ТЫХЪ 88 28 беспринносница] бес принносница 104 14 правомоудроваша] право моудроваша 105 29 въданахаснıемь] въдана хаснıемь 111 5 родивъшаго<и>· и о житиıа] родивъшаго <и>· и ожитиıа 126 10 рече но] речено 126 17—18 дѣıании] дѣıании 127 2 мѣстоу хранителю] мѣстоу хранителю 127 17 правьдьномъ] правьдьномъ 133 27 правлıению] правлıению 140 16 дъвѣıестьствьнѣи] дъвѣ ıестьствьнѣи 140 17 ıедн-] ıедн- 150 22 творнти] творити 152 1 мъ] мы 156 3 ıаже по | стави [1] намъ [2] потрѣбѣ] ıаже по|стави [1] намъ [2] по трѣбѣ 147 7 немощьно быти презву-] не мощьно быти презву- 166 32 нѣкыıа] нѣкыıа 194 28 пълзъ кыıа] пълзъкыıа 240 26 некъли] некъли 273 28 ходѧщи҃] ходѧщии 355 22—23 обиталищи ихъ] обиталищихъ 381 3 капищи ихъ] капищихъ· 183 24 или кѣствьникъ] и ликъствьникъ 601 24 л. 233 a] л. 233 b

41 [4] кано҃ УН] кано҃ м҃ УН 46 [23—27] *должны носить нумерацію 22—26 и на эту же стр. 46 должно быть перенесено прим. 1 со стр. 47, какъ 27-е* 47 [2—26] *должны носить нумерацію* 1—25, 137 [7] сподобо҃] сподобо҃ *C.*

---

* Необходимо вездѣ имѣть въ виду, что ни въ одной рукописи не встрѣчается з, а вездѣ ꙁ.

b) въ греческомъ текстѣ *:

3 12 τινα̣] τινα 4 21 ·ὅπερ] (ὅπερ 4 22 γεγένηται·] γεγένηται) 9 12 Σινόδου] Συνόδου 9 18 Συνόδου] [Συνόδου 9 27 ἢ] [ἢ 16 1 θυσί[αν] θυσί[αν] 19 27 Γαγρῶν] Γαγγρῶν 27 26 ἀπὸ] ὑπὸ 31 5 Γαγρῶν] Γαγγρῶν 53 19 Γαγρῶν] Γαγγρῶν 65 4—5 ἀπέλθη... διατρίβη] ἀπέλθοι... διατρίβοι 66 25 μόνους] μόνον 67 17 κληρικοὶ καὶ [7] ὅσοι] κληρικοὶ ὅσοι 68 17 τὰ χρείας] τὰ πρὸς τὰς χρειας 71 1 Προστάττομεν] Προστάττομεν τὸν 72 18 ψευδ' ἱερέων] ψευδιερέων 72 26 ἀλλ'] ἀλλ' ἢ 73 6 ἀλλά.] ἀλλά· 75 4 προαγέσθω] προαγέσθω [10] *и въ примѣч.*: 10) между ο и α cod. выскобл. σ. 79 6—7 γινέσθω] γινέσθω [6] *и въ примѣч.* 6) cod. ι по скобл. изъ ε (было γενέσθω) 24 πρεσβύτερον [7] *и въ примѣч.*: 7) ἢ διάκονον вставл. cod. рукой X в. 81 19 μυστικά] μυστικά [16] *и въ примѣч.*: 16) cod. переправл. изъ μυστήρια по скобл. 96 7, 8 εἴτουν] ἤτ' οὖν cod., но оба придыханія выскобл. 75 9 δὲ καὶ [4] τὸ] δὲ τὸ 75 22 θῃ] θοι 75 28 ἀποκτείνει] ἀποκτείνῃ 72 29 εἰ] ἐὰν 76 23 νηστεύοι] νηστεύει 77 28 ἀπαντήσῃ καὶ ὁμολογήσῃ] ἀπαντήσοι καὶ ὁμολογήσοι 78 2 [ἐαν] ἐὰν 3 ὑπακούσῃ] ὑπακούσοι 5 αὐτόν·]] αὐτόν· 6 ὑπαντήσῃ] ὑπαντήσοι 81 17 δεῖ] χρὴ 83 5 λαμπροτάτων ὑπάρχων] λαμπροτάτων 84 3 ἔδοξεν ἔχειν] ἔχειν ἔδοξε 23 κλήρῳ ἐξεῖναι] κλήρω [ἐξεῖναι] 85 8 γενομένων] γινομένων 86 12 ἐν τῇ [2] Ῥώμῃ] ἐν [2] Ῥώμῃ 86 31 τοῦ ἀξιώματος] τοῦ οἰκείου ἀξιώματος 92 17 καθῆσθαι] καθῆσθαι [13] *и въ примѣч.*: 13) cod. переправл. рукой X в. изъ κάθεσθαι. 87 29 ἐπινοήσει] ἐπινοήσοι 88 4 ἢ] καὶ 89 21 αὐτοῖς] ἑαυτοῖς 22 ἐπιστρόφειαν] ἐπιστρέφειαν 92 9 ἅπαντα] πάντα 93 8 δὲ] δὲ τῶν 95 5 ἐπιφανείσας] ἐπιφυείσας 98 12 ἀποκλείειν] ἀποκλείειν [6] *и въ примѣч.*: 6) cod. переправл. изъ ἀποκ. λει. (ἀποκαλεῖν? ἀποκωλύειν?) 99 28 ἐπαρχιώτας] ἐπαρχεώτας [5] *и въ примѣч.*: 5) cod. переправл. въ ἐπαρχιώτας. 100 2 ἐνίστασθαι] ἐνίστασθαι [6] *и въ примѣч.*: 6) cod. переправл. въ ἀνίστασθαι 100 4 σθαι] σθαι [7] *и въ примѣч.*: 7) cod. переправл. рукой X в. въ ἐπιτιμήσασθαι 100 10 δικασσήρια] δικαστήρια 10—11 σινοδον] σύνοδον 107 14 βλάβην] πλάνην 110 4 *выбросить* δὲ 112 5 ΑΥΓΟΥΣΙΟΥ] ΑΥΓΟΥΣΤΟΥ 112 7 ΝΩΕΜΒΡΙΩΝ] ΝΟΕΜΒΡΙΩΝ 124 26 ἰδίου] οἰκείου 130 5 ΠΑΤΕΡΩΝ] ΠΑΤΕΡΩΝ 133 32 πραγμάτων] πταισμάτων 134 5 βασιλίδα [1] καὶ θεοφύλακτον] θεοφύλακτον καὶ βασιλίδα 134 10 τοῦ *выбросить* 134 12 διατρανώσασαι] διατρανῶσαι [5] *и въ примѣч.*: 5) διατρανώσασαι PV (и cod. рукой X в.) 135 11—12 Οἱ ζητοῦντες τὸν κύριον εὑρήσουσι [2]] Ὁ ζητῶν τὸν κύριον εὑρήσει 137 25 θεολόγους [5]] θεολόγους περὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος [5] 139 20 μεθ' [5]] ὑφ' 150 *нумерація примѣчаній* 1, 2, 1—4 *должна быть, конечно,* 1, 2, 3—6 151 22 τοιούτοις] τούτοις 152 8 ὠφέλειαν] πρὸς ὠφέλειαν 153 3 ἱερῶν] ἱερατικῶν 153 7 αὐτοὺς *выбросить* 155 5 καταστάσει ἱερατικῇ] ἱερατικῇ καταστάσει 157 9 ἐκκλησίας] ἐκκλησίαις 163 16 τοιαύτῃ] αὐτῇ 164 3 οἱονδήτινα] οἱονδήποτε 166 18 ὡς] ὡς καὶ 166 23 μιγνὺς] μὴ μιγνὺς 167 7 δοκιμάζοντες] δοκιμάζοντας 171 22 τούτῳ] τούτων [7] *и въ примѣч.*: 7) cod. конечное ν выскобл.; τούτῳ PV 174 19—20 τῶν βιωτικῶν πραγμάτων ζάλην ἀποθεμένῳ] ζάλην τῶν βιωτικῶν πραγμάτων ἀποθέμενον 174 22 καὶ] ἂν 175 4 τοὺς κανόνας] τὸν κανόνα 175 23 βεβαιώσασαν] βεβαιοῦσαν 177 13 φανῇ, [5] καὶ [6]] φανῇ [5] [6] 185 3 νων ἐν [1]] νων [1] 185 24 ἐπιχειροῦσι] ἐπιληροῦσι 195 22 προσκλαίεν] προσκλαίειν 195 23 *выбросить* καὶ 198 23 ἀφορισμὸν] τὸν ἀφορισμὸν 199 8 *выбросить* τε 205 17 δηλονότι] δῆλον 605 1 243^b] 245^b

22 [3] ξενοδοχείων по] ξενοδοχείων, но 29 [8] κδ'] κδ'; 31 [8] Ἰουστυνιανοῦ] Ἰουστινιανοῦ 40 [8] 8)] 9) [9] 9)] 8) [15] 15)] 11) 73 [3] PV] PV (и cod. рукой X в.) 80 [11] Ναϋί] Ναΰί; 85 [9] *добавить:* σύνοδον cod. рукой X в. 85 [11] *добавить:* (было ὁμολογούμενοι?) 96 [6] *добавить:* (и cod., переправл. рукой X в.) 97 [6] PV] PV (и cod., переправл. рукой X в.) 107 [2] *добавить:* и cod. вставл. σ рукой X в. 89 [3] буквы)] буквы: было πρέπουσαν?) 128 [4] еще.] еще: 133 [9] 9) ὅπου] 9) cod. εἰ и ο по скобл. 10) ὅπου

Ноябрь 1907 г.
С.-Петербургъ.

---

* Мелкія неисправности греческаго текста въ большихъ буквахъ, удареніяхъ, придыханіяхъ и знакахъ препинанія (главнымъ образомъ на стр. 1—200) каждый легко исправитъ самъ при чтеніи.

аще и кто ѥсть отъ нихъ приимъ приходѧщааго къ цр҇кви крьщати· аще оубо хощеть быти вьсемоу съмотрению[1] пакость· се бы пакы обычаимь добрѣишиимь и съмотривъшиимь[2] ꙗко же на насъ оц҇емь[3] въслѣдьнѥѥ съмо|троу бо да не когда ꙗко же хощемъ· сътворити ꙗ лѣнивы· о крьщении· пакость сътворимъ· съпасающемъсѧ·[4] въстаниꙗ ради лютааго· аще ли они съхранѧть наше крьщениѥ· тогда оумолить ны·[5] неповиньни бо ѥсмъ· противоувъздати имъ бл҇годать· нъ работати извѣщениѥмь канонъ·[6] вьсѧцѣмь же словъмь да оуставлѥно боудеть надъ приходѧщиими къ крьщению онѣхъ· помазыватисѧ ꙗко же и вѣрьныꙗ· ꙗвѣ ꙗко и тако приходити къ таинъıимъ· вѣмь же ꙗко братию иже изои и[7] саторинииѣ·[8] отъ того соуща чина· приꙗхомъ· на сѣдалищи епискоупьскоѥ· ꙗко съвъкоупивъшиихъсѧ съ тѣми[9] чинъми·[10] оуже не можемъ расоужати отъ цр҇кве· ꙗкы[11] канонъ нѣкакъ обьщению ихъ заповѣдавъше приꙗтиꙗ ради еп҇пъ·[12]

κἄν τις ᾖ παρ' αὐτῶν εἰληφώς, προσιόντα τῇ ἐκκλησίᾳ βαπτίζειν.[1] ἐὰν μέντοι μέλλοι τῇ καθόλου (л. 189ᵇ) οἰκονομίᾳ ἐμπόδιον ἔσεσθαι, τούτῳ[2] πάλιν τῷ ἔθει χρηστέον καὶ τοῖς οἰκονομήσασι τὰ καθ' ἡμᾶς πατράσιν ἀκολουθητέον· ὑφορῶμαι γὰρ μή ποτε, ὡς βουλόμεθα[3] ὀκνηρούς αὐτοὺς περὶ τὸ βαπτίζειν ποιῆσαι, ἐμποδίσομεν[4] τοῖς σῳζομένοις διὰ τὸ τῆς προτάσεως αὐστηρόν. εἰ δὲ ἐκεῖνοι φυλάσσουσιν τὸ ἡμέτερον βάπτισμα, τοῦτο ἡμᾶς μὴ δυσωπείτω· οὐ γὰρ ἀντιδιδόναι αὐτοῖς ὑπεύθυνοι χάριν ἐσμέν, ἀλλὰ δουλεύειν ἀκριβείᾳ κανόνων. παντὶ δὲ λόγῳ τυπωθήτω τοὺς ἐπὶ τῶν βαπτισμῶν[5] ἐκείνων προσερχομένους χρίεσθαι, ἐπὶ τῶν πιστῶν δηλονότι, καὶ οὕτως προσιέναι τοῖς μυστηρίοις. οἶδα δέ, ὅτι τοὺς ἀδελφοὺς τοὺς περὶ Ἰζώην[6] καὶ Σατορνῖνον ἀπ' ἐκείνης ὄντας τῆς τάξεως προσεδεξάμεθα εἰς τὴν καθέδραν τῶν ἐπισκόπων·[7] ὥστε τοὺς τῷ τάγματι ἐκείνων[8] συνημμένους οὐκέτι δυνάμεθα διακρίνειν ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας, οἷον κανόνα τινὰ τῆς πρὸς αὐτοὺς κοινωνίας ἐκθέμενοι διὰ τῆς τῶν ἐπισκόπων παραδοχῆς.

л. 180 а.

---

1) гы *C.* 2) сомотрнимъ *C.* 3) оц҇ь *C.* 4) спасающимсѧ *П.* 5) нын *П.* 6) канон҇ѿ *C.* 7) и *проп. П.* 8) саторн҇инѣ *П.* 9) тѣмь *П.* 10) чиномь *П.* 11) *cod. перепpавл. изъ* ꙗко. 12) епискѫпъ *П.*

---

1) τοῦτον ἀναβαπτίζειν V (вм. βαπτίζειν). 2) τοῦτο V. 3) βουλώμεθα cod. 4) ἐμποδίσομεν cod. 5) ἀπὸ τοῦ βαπτισμοῦ V; ἐπὶ τὸν βαπτισμόν CP (но Patm. 173 in m. добавл. ὅρα μὴ ἀπὸ τοῦ βαπτισμοῦ εἶχεν). 6) Εὐζώϊον V; Ἰζόϊον C. 7) cod. противъ προσεδεξάμεθα εἰς τὴν καθέδραν τῶν ἐπισκόπων добавл. in m. τοὺς ἐξ αἱρέσεως ὄντας ἐπισκόπους λέγω ποῦ δέχεται δεξάμενος. 8) ἐκείνῳ V.

в҃·[1] о растьлѣвъшиихъ въ ꙁачинаниє младеньць·

Растьлѣвъшиꙗ[2] въ ꙁачинаниє въ оубиства[3] мѣсто имать· иꙁвѣстословию ѿ въображенаго· и невъображенаго оу насъ нѣсть· сьде бо отъмьщаєтьсѧ· не тъчию бываюштеє нъ и тъ помъісливъіи на сѧ ꙁаниє не на мъноꙁѣ оумирають таковъıимь начина[н]иємь женъı· къ семоу же л. 180 b. ємоу | и растьлѣниє[4] и младеньцѧ· дроугоє[5] оубииство по къꙁни же ихъ си дьржаюштиихъ подобаєть оубо не до исхода простирати ихъ исповѣданиє· нъ приимати оубо число· г҃· лѣ҃· повелѣвати же не лѣтомь нъ образъмь покаꙗниꙗ·[6] ицѣлєниꙗ·

г҃·[7] Дьꙗконъ по дьꙗконьствѣ блоудъ сътворивъıи отъвьрьженъ[8] оубо дьꙗконьства боудеть· въ людьскоє же отъриновенъ мѣсто· отъ обьштениꙗ не въꙁбраненъ боудеть· имьже дрѣвьнии єсть канонъ· отъ чиноу[9] отъпадъшаꙗ· тѣмь єдинѣмь образъмь· въ моучениє въꙁлагати·[10] послѣдовавъшемъ[11] ꙗко же мьню· иже искони·[12] ꙁаконоу ономоу· єже

β'. Περὶ τῆς φθειράσης κατ' ἐπιτήδευσιν τὸ βρέφος.[1]

Ἡ φθείρασα[2] κατ' ἐπιτήδευσιν φόνου δίκην ὑπέχει· ἀκριβολογία[3] ἐκμεμορφωμένου καὶ ἀνεξεικονίστου παρ' ἡμῖν οὐκ ἔστιν· ἐνταῦθα γὰρ ἐκδικεῖται οὐ μόνον τὸ γενησόμενον,[4] ἀλλὰ καὶ αὐτὸς ὁ ἑαυτῷ[5] ἐπιβουλεύσας,[6] διότι ὡς ἐπὶ τὸ πολὺ ἐναποθνήσκουσι ταῖς τοιαύταις ἐπιχειρήσεσιν αἱ γυναῖκες. πρόσεστι δὲ τούτῳ καὶ ἡ φθορὰ τοῦ ἐμβρύου, ἕτερος φόνος κατά γε τὴν ἐπίνοιαν τῶν ταῦτα τολμώντων. δεῖ μέντοι μὴ μέχρι τῆς ἐξόδου παρατείνειν αὐτῶν τὴν ἐξομολόγησιν, ἀλλὰ δέχεσθαι μὲν τὸ μέτρον τῶν ι' ἐτῶν, ὁρίζειν δὲ μὴ χρόνῳ, ἀλλὰ τρόπῳ τῆς μετανοίας τὴν θεραπείαν.

γ'.[7] Διάκονος μετὰ τὴν διακονίαν πορνεύσας ἀπόβλητος μὲν τῆς διακονίας ἔσται, εἰς δὲ τὸν τῶν λαϊκῶν ἀπωσθεὶς τόπον τῆς κοινωνίας οὐκ εἰρχθήσεται·[8] διότι ἀρχαῖός ἐστιν κανὼν τοὺς ἀπὸ βαθμοῦ πεπτωκότας τούτῳ μόνῳ τῷ τρόπῳ τῆς κολάσεως ὑποβάλλεσθαι, ἀκολουθησάντων, ὡς οἶμαι, τῶν ἐξ ἀρχῆς τῷ νόμῳ ἐκείνῳ τῷ,[9]

---

1) в҃ *проп. П.* 2) Растлѣвшєє *П.* 3) мѣ *вставл. У.* 4) растлѣніа *П.* 5) дроуго *У.* 6) *cod. перепр авл. здѣсь* ꙗ *послѣ* а *изъ* и. 7) г҃ *проп. П.* 8) Ѿвєржєнъ *С*; отъръженъ *У.* 9) чиновъ *У.* 10) въꙁлагатіи *П.* 11) послѣдовавшимъ *П.* 12) и *вставл. У.*

1) V и Patm. 173 (in m.): Περὶ τῆς κατ' ἐπιτήδευσιν φθειράσης τὸ κατὰ γαστρός. Въ Patm. 172 нѣтъ никакого заглавія. 2) φθαρεῖσα Patm. 172. 3) δὲ вставл. P; γὰρ вставл. V. 4) надъ слогомъ νη cod. рукой X в. надпис. ν. 5) cod. переправл. рукой X в. въ ἑαυτόν. 6) αὐτὴ ἡ ἑαυτὴν ἐπιβουλεύσασα V. 7) V и Patm. 173 (in m.) съ заглавіемъ: Περὶ διακόνου πορνεύσαντος. 8) οὐχ ειρχθήσεται V. 9) τὸ cod.

не отъмьстиши дъвократию въкоупь·[1] инои же ради винъі· ꙗко соущеи въ простъіхъ чиноу изврьжени[2] отъ мѣста вѣрьнъіхъ· пакъі въ тоѥ же мѣсто· из негоже испадоша· да въсприꙗти[3] боудоуть дьꙗконъ[4] же ѥдиною имать· довъльнъі соудъ отъврьжениꙗ· ꙗко же оубо не отъданоу ѥмоу дьꙗконьствоу·[5] на тои поставиша ѥдинои мьсти· сиꙗ оубо образъ[6] въсоудѣ же истиньнѣ[7] ѥсть ицѣлениѥ грѣховьноѥ отълоученииѥ· ꙗко отъвргъіи плътьскъіꙗ ради сла|сти бл҃годать съкроушениѥмь плъти· и всѧкъіимь поравощениѥмь подвижению·[8] отъпоустивъ[9] сласти имиже развратисѧ· съвршеноѥ намъ подасть ицѣлениꙗ ѥго показаниѥ· ово[10] оубо вѣдѣти намъ подобаѥть· и ꙗже о извѣщении объічаи въслѣдовати же къ неприимъшиимъ коньца· прѣданоуоумоу образоу·

д҃· О[11] трьженитвъіихъ и мъногоженитвьнъіихъ·[12] тъіи же заповѣдаша[13] канонъ·[14] иже и на дъвоженьцѧ по ѥдиномоу словоу· лѣто оубо[15] дъвоженьцѧ·[16] дроузии[17] же и[18] дъвѣ лѣтѣ· трьженьцѧ же трьми[19] и

Οὐκ ἐκδικήσεις[1] δὶς ἐπὶ τὸ αὐτό·[2] καὶ δι' ἑτέραν δὲ αἰτίαν, ὅτι οἱ μὲν ἐν τῷ λαϊκῷ ὄντες τάγματι, ἐκβεβλημένοι τοῦ τόπου τῶν πιστῶν, πάλιν εἰς τὸν ἀφ' οὗ ἐξέπεσον τόπον ἀναλαμβάνονται· ὁ δὲ διάκονος ἅπαξ ἔχει διαρκῆ τὴν δίκην τῆς καθαιρέσεως.[3] ὡς οὖν οὐκ ἀποδιδομένης αὐτῷ τῆς διακονίας, ἐπὶ ταύτης ἔστησαν μόνης τῆς ἐκδικήσεως. Ταῦτα μὲν οὖν τὰ ἐκ τῶν τύπων. καθόλου δὲ ἀληθέστερόν ἐστιν ἴαμα ἡ τῆς ἁμαρτίας ἀναχώρησις· ὥστε ὁ διὰ σαρκὸς ἡδονὴν ἀθετήσας τὴν χάριν, διὰ τοῦ συντριμμοῦ[4] τῆς σαρκὸς καὶ πάσης δου- л. 181 а.
λαγωγίας τῆς[5] κατ' ἐγκράτειαν ἀποστὰς τῶν ἡδονῶν, ὑφ' ὧν κατεστράφη, τελείαν ἡμῖν παρέξει τῆς ἰατρεύσεως αὐτοῦ τὴν ἀπόδειξιν. ἀμφότερα τοίνυν εἰδέναι ἡμᾶς δεῖ, καὶ τὰ τῆς ἀκριβείας καὶ ⟨τὰ⟩ τῆς συνηθείας, ἕπεσθαι δὲ ἐπὶ τῶν μὴ καταδεξαμένων τὴν ἀκρότητα τῷ παραδοθέντι τύπῳ.

δ'.[6] Περὶ τριγάμων καὶ πολυγάμων τὸν αὐτὸν ὥρισαν κανόνα, ὃν καὶ ἐπὶ τῶν διγάμων ἀναλόγως· ἐνιαυτὸν μὲν γὰρ[7] ἐπὶ τῶν διγάμων, ἄλλοι δὲ δύο ἔτη· τοὺς δὲ τριγάμους ἐν τρισὶ καὶ

---

1) въкоупѣ *У.* 2) изврьженѫ *П.* 3) въприꙗти *У.* 4) диꙗконоу *У.* 5) дьꙗньствѹ *П.* 6) въ *вставл. П.* 7) истинныи *П.* 8) повъздвижению *УП.* 9) отъстоупивъ *УП.* 10) ѡво *П*; окоѥ *У.* 11) О *проп. П.* 12) мъногожетвеныи *С.* 13) заповѣдааше *П.* 14) каконъ *С.* 15) нъ *вставл. П.* 16) женьцѧ *У*; вдоженцѧ *С.* 17) дроузи *П.* 18) и *проп. П.* 19) трьми же *У.*

1) cod. переправл. рукой X в. изъ ἐκδίκησις. 2) cod. переправл. изъ τῷ αὐτῷ. 3) καθάρσεως P. 4) συντρίμματος V. 5) это τῆς cod. допис. рукой X в. 6) V съ заглавіемъ: Περὶ τριγάμων καὶ πολυγάμων. 7) V было первонач. только μὲν, гдѣ затѣмъ подскобл. ν и вмѣсто него (схоліастомъ?) поставл. ν γὰρ сжатымъ шрифтомъ.

четырьми[1] лѣты многашьды отълоучають· именоують же таковоѥ· не бракъ мъногыꙗ женитвы· паче ѥже блоудъ[2] моученъ· тѣмь и г҃ь къ самарѧнъıни· е҃· моужь имѣвъши· ѥгоже нынѧ рече имаши нѣсть ти моужь· ꙗко оуже недостоиномъ отъпадъшимъ· чисмене дъвоженьцѧ· моужьньмь или женьскъмь· нарикати[3] гл҃ъмь· обычаи же приꙗхомъ на трьженьцѧ пѧти[4] лѣтъ отълоучениѥ· не отъ канонъ· отъ послѣдованиꙗ прѣжде приимъшихъ·[5] подобаѥть же не отиноудь възбранити имъ отъ ц҃ркве·[6] нъ вънѣ ц҃ркве[7] л. 181 b. | въ притворѣ[8] съподоблꙗти ꙗ[9] стоꙗниꙗ· въ дъвѣ же или въ три лѣта· и по сихъ повелѣвати вьноутрь стоꙗти[10] ѥмоу· обьщениꙗ же бл҃га оудаꙗтисѧ· и тако показавъшемъ[11] плодъ нѣкакъ[12] покаꙗниꙗ· поставлѧти на мѣстѣ обьщениꙗ·

е҃· Кающиихъсѧ ѻ исходѣ еретикъ подобаѥть примати· примати же ꙗвѣ ꙗко не[13] отълоучьно· нъ искоушающе· аще истиньноѥ показають покаꙗниѥ· и аще[14] плоды· имѣють съвѣдѣтельствоующе·[15] къ[16] тъщанию на сп҃сениѥ·

τέτρασι πολλάκις ἔτεσιν ἀφορίζουσιν, ὀνομάζουσι δὲ τὸ τοιοῦτον οὐκέτι γάμον, ἀλλὰ πολυγαμίαν, μᾶλλον δὲ πορνείαν κεκολασμένην· δι' ὃ[1] καὶ ὁ κύριος τῇ Σαμαρείτιδι πέντε ἄνδρας διαμειψάσῃ,[2] Ὃν νῦν, φησίν, ἔχεις, οὐκ ἔστιν σοι[3] ἀνήρ, ὡς οὐκέτι ἀξίων ὄντων τῶν ὑπερεκπεσόντων τοῦ μέτρου τῆς διγαμίας τῷ[4] τοῦ ἀνδρὸς ἢ τῆς γυναικὸς καλεῖσθαι προσρήματι. συνήθειαν δὲ κατελάβομεν ἐπὶ τῶν τριγάμων πενταετίας ἀφορισμὸν οὐκ ἀπὸ κανόνος, ἀλλ' ἀπὸ τῆς τῶν προειληφότων ἀκολουθίας. δεῖ δὲ μὴ πάντῃ αὐτοὺς ἀπείργειν τῆς ἐκκλησίας, ἀλλ' ἀκροάσεως αὐτοὺς ἀξιοῦν ἐν δύο που[5] ἔτεσιν ἢ τρισίν, καὶ μετὰ ταῦτα ἐπιτρέπειν συστήκειν μέν, τῆς δὲ κοινωνίας τοῦ ἀγαθοῦ ἀπέχεσθαι, καὶ οὕτως ἐπιδειξαμένους καρπόν τινα μετανοίας ἀποκαθιστᾶν τῷ τόπῳ τῆς κοινωνίας.

ε'.[6] Τοὺς δὲ ἐπὶ ἐξόδῳ μετανοοῦντας τῶν αἱρετικῶν[7] δέχεσθαι χρή· δέχεσθαι δὲ δηλονότι οὐκ ἀκρίτως, ἀλλὰ δοκιμάζοντας, εἰ ἀληθινὴν ἐπιδείκνυνται τὴν μετάνοιαν καὶ εἰ τοὺς καρποὺς ἔχουσι μαρτυροῦντας τῇ πρὸς τὸ σωθῆναι σπουδῇ.

---

1) четъıри *У.* 2) плодъ *У.* 3) нарицѧти *У.* 4) пѧть *У.* 5) прїимшїимъ *С.* 6) ц҃ркве *У.* 7) ц҃ркве *У.* 8) прѣтворѣ *У.* 9) и *вставл. С.* 10) стаати *П.* 11) показавши *П.* 12) *cod. ставитъ здѣсь въ концѣ надъ к знакъ* ╪. 13) не *проп. С.* 14) и *вставл. П.* 15) съвѣдѣлествоующе *У.* 15) тъ *С.*

1) διὸ PV. 2) ἀμειψάσῃ V. 3) σου PCV (cod. переправл. рукой X в.). 4) τὸ cod.; V добавл. это τῶι между строкъ рукой схоліаста. 5) ποῦ C. 6) V съ заглавіемъ: Πῶς δεῖ δέχεσθαι τοὺς ἐν ἐξόδῳ αἱρετικούς. 7) τοὺς αἱρετικοὺς V.

ѕ҃· Ꙁапрѣщанъıихъ[1] въ[2] блоуженіıа въ бракъ не причитати· нъ вьсѧцѣмь образъмь· отътьргати ихъ съчетаніѥ· цр҃кви на оутвьрженіѥ польза ѥсть· и еретикомъ не дасть на ны вины· ıако волıа ради съгрѣшеніѥ съвъкоуплѧющиимъсѧ[3] къ себѣ·

ꙁ҃· Моужьска пола[4] блоудьници· и скотоблоудьници и оубиицѧ· и чародѣицѧ· и любодѣици· и идолослоужьници·[5] того же осоуженіıа соуть съподоблѥни·[6] ıако иже имаши[7] на инѣхъ образъ· и на тѣхъ съхрани· си же въ· л҃· лѣ҃· покаıавъшиихъсѧ· о нечистотѣ юже невѣжьствъмь съдѣıаша· не подобаѥть невѣровати намъ· подобьнааго на приıманіѥ·[8] или не|вѣжьство ѹбо отъпоущеніıа·[9] съподоблѧѥть творити ıа· и вольноѥ исповѣданіѥ· и простьреніѥ въ толицѣ лѣтъ· бывающеѥ просто бо вьсь родъ члв҃чь продаша[10] сотонѣ· да наказани[11] боудоуть не[12] бестоудьствовати· ıако повелѣніıа неотъложьно приıати· паче же аще и[13] сльзы имоуть молѧщесѧ· млс҃рдию твоѥмоу· житиѥ показають[14] достоино отъпоущеніıа·

ϛʹ.[1] Τῶν κανονικῶν τὰς πορνείας εἰς γάμον μὴ καταλογίζεσθαι, ἀλλὰ παντὶ τρόπῳ διασπᾶν αὐτῶν τὴν συνάφειαν· τοῦτο γὰρ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ πρὸς ἀσφάλειαν λυσιτελὲς καὶ τοῖς αἱρετικοῖς οὐ δώσει καθ' ἡμῶν λαβήν,[2] ὡς διὰ τὴν τοῦ ἁμαρτάνειν ἄδειαν ἐπισπωμένων πρὸς ἑαυτούς.

ζʹ.[3] Ἀῤῥενοφθόροι, καὶ ζωοφθόροι, καὶ φονεῖς, καὶ φαρμακοί,[4] καὶ μοιχοί, καὶ εἰδωλολάτραι, τῆς αὐτῆς καταδίκης εἰσὶν ἠξιωμένοι· ὥστε ὃν ἔχεις ἐπὶ τῶν ἄλλων τύπον,[5] καὶ ἐπὶ τούτων φύλαξον. τοὺς δὲ ἐν λʹ ἔτεσιν μετανοήσαντας ἐπὶ τῇ ἀκαθαρσίᾳ, ἣν ἐν ἀγνοίᾳ ἔπραξαν, οὐ δεῖ[6] ἀμφιβάλλειν ἡμᾶς προσῆκεν εἰς τὸ παραδέξασθαι· ἥ[7] τε γὰρ ἄγνοια συγγνώμης αὐτοὺς ἀξίους ποιεῖ καὶ л. 182 а. τὸ ἑκούσιον τῆς ἐξαγορεύσεως καὶ ἡ παράτασις[8] ἐν τοσούτῳ χρόνῳ γενομένη·[9] σχεδὸν γὰρ ὅλην γενεὰν ἀνθρώπου παρεδόθησαν τῷ σατανᾷ, ἵνα παιδευθῶσιν μὴ ἀσχημονεῖν. ὥστε κέλευσον αὐτοὺς ἤδη[10] ἀνυπερθέτως δεχθῆναι, μάλιστα δὲ[11] εἰ καὶ δάκρυα ἔχουσιν δυσωποῦντά σου τὴν εὐσπλαγχνίαν καὶ βίον ἐπιδείκνυνται ἄξιον συμπαθείας.

---

1) *cod. перепр́авл. здѣсь* ѧ *послѣ* щ *изъ* ѥ. 2) въ *проп. У.* 3) съкоуплѧющиимъсѧ *У.* 4) полѹ *С.* 5) идолослѹжебници *П.* 6) сподоблѥніи *СП.* 7) имати *П.* 8) приıманиıа *У.* 9) ѿ поущеніа *С;* или невѣжьство ѹбо отъпоущеніıа *проп. У.* 10) прѣдаша *У.* 11) наказаніи *П.* 12) не *проп. П.* 13) и *проп. У.* 14) показоують *У.*

1) V съ заглавіемъ: Περὶ κανονικῶν πορνευουσῶν ἤγουν τὸ δοκεῖν νομίμως ζευγνομένων. 2) cod. ἡ по скобл. рукой X в (было λαβεῖν?). 3) V съ заглавіемъ: Περὶ ἀῤῥενοφθόρων καὶ λοιπῶν χαλεπωτάτων ἁμαρτημάτων. 4) φαρμάκοι cod. P. 5) cod. переправл. изъ τύπων. 6) вм. οὐ δεῖ: V οὐδὲ, C οὐδ', P οὐχ. 7) εἴ C. 8) ἡ вставл. CV. 9) γινομένη C. 10) ἤδη проп. V. 11) δὲ проп. CPV.

и҃· Сек'ыроѭ оударив'ыи гнѣв'ъмь свои҆ подроужиѥ[1] оубиицѧ ѥсть· добрѣ же ми въспомѧноу· и достоино своѥго разоума рещи· о томь прострѣнѣѥ· имьже многа вольн'ыихъ и невольн'ыихъ[2] разлиꙗчиꙗ· невольноѥ[3] бо ѥсть отънюдь·[4] и далече отъ начьн'ъшааго·[5] врьг'ъшааго каменьмь на пьса· или дрѣво· и чл҃вка оуполоучить· и стрьмлѥниꙗ оубо бѣ звѣри възбранити· или плодъ потрѧсти· съключи же сѧ особь· ꙗзвꙋ мимоходѧи нанести· ꙗко таковоѥ невольноѥ·[6] невольноѥ же оубо и иже кто хощеть обранити кого ременьмь[7] или жьзлъмь· еда[8] не жестоко биѥть оумьреть же биѥм'ыи· прѣдъложениѥ тамо съмотритьсѧ· ꙗко оуразоумити[9] хотѧаше съгрѣшающааго а не оубити· и[10] невольн'ыихъ[11] ѥсть и то еже помагающю[12] [л. 182 b.] нѣкомоу въ которѣ·[13] дрѣвъмь | или роукоѭ бе щадѣниꙗ·[14] оудареницмь ꙗзвоу нанести· ꙗко озълобити а не отиноудь[15] оубити· нъ то оубо абиѥ приближаѥть къ вольномоу· оударив'ыи оубо толицѣмь образъмь на моучениѥ· или не ꙗвлѥн'ы[16] ꙗзвоу навед'ыи· ꙗвѣ ѥсть зане оудьржаноу б'ыти

η΄.[1] Ὁ ἀξίνῃ παρὰ τὸν θυμὸν κατὰ τῆς ἑαυτοῦ γαμετῆς χρησάμενος φονεύς ἐστιν. καλῶς δέ με ὑπέμνησας καὶ ἀξίως τῆς ἑαυτοῦ[2] συνέσεως εἰπεῖν περὶ τούτου[3] πλατύτερον, διότι πολλαὶ ἐν τοῖς ἑκουσίοις διαφοραί. ἀκούσιον μὲν γάρ ἐστιν παντελῶς καὶ πόῤῥω τοῦ κατάρξαντος τὸν[4] ἀκοντίσαντα λίθον ἐπὶ κύνα ἢ δένδρον ἀνθρώπου τυχεῖν· ἡ μὲν γὰρ ὁρμὴ ἦν τὸ θηρίον ἀμύνασθαι ἢ τὸν καρπὸν κατασεῖσαι, ὑπέβη δὲ αὐτομάτως τῇ πληγῇ κατὰ πάροδον ὁ[5] παραπεσών· ὥστε τὸ τοιοῦτον ἀκούσιον. ἀκούσιον μέντοι καὶ εἴ τις βουλόμενος ἐπιστρέψαι τινὰ ἱμάντι[6] ἢ ῥάβδῳ μὴ σκληρᾷ[7] τύπτοι, ἀποθάνοι δὲ ὁ τυπτόμενος· ἡ γὰρ πρόθεσις ἐνταῦθα σκοπεῖται, ὅτι βελτιῶσαι ἠβούλετο τὸν ἁμαρτάνοντα, οὐκ ἀνελεῖν. ἐν τοῖς ἀκουσίοις ἔστι[9] κἀκεῖνο,[10] τὸ ἀμυνόμενόν τινα ἐν μάχῃ ξύλῳ ἢ χειρὶ ἀφειδῶς ἐπὶ τὰ καίρια[11] τὴν πληγὴν ἐνεγκεῖν, ὥστε κακῶσαι αὐτόν, οὐχ ὥστε παντελῶς ἀνελεῖν· ἀλλὰ τοῦτο ἤδη προσεγγίζει τῷ ἑκουσίῳ· ὁ γὰρ τοσούτῳ[12] χρησάμενος ὀργάνῳ πρὸς ἄμυναν, ἢ ὁ μὴ πεφεισμένως τὴν πληγὴν ἐπαγαγών, δῆλός ἐστιν διὰ τὸ κεκρατῆσθαι

---

1) подрѹженіє *С.* 2) и невольн'ыихъ *проп. С.* 3) невольно *У.* 4) Ѿнюдѫ *П*; отиноудь *У.* 5) нанъшаго *У.* 6) неволное *С.* 7) ремьнь *У.* 8) е҃га *П.* 9) ѹразѹмѣти *СП.* 10) а *У.* 11) невольн'ы *У.* 12) помагѹющѹ *С.* 13) горѣ *У.* 14) и *вставл. У.* 15) Ѿнѹдѹ *П.* 16) ѧвленїи *С*; ꙗвленыа *П.*

1) V съ заглавіемъ: Τί ἑκούσιον ἁμάρτημα καὶ τί ἀκούσιον. 2) σεαυτοῦ P. 3) τούτων PCV. 4) τοῖς проп. Patm. 172. 5) τὸ CP. 6) cod. переправл. рукой X в. изъ ἵμαντι. 7) cod. переправл. изъ σκληρῷ; V σκληρῶς. 8) ὁ cod. рукой X в. 9) ἐστὶ PV. 10) ὁμοίως вставл. P. 11) V переправл. изъ ἔπειτα καιρίαι. 12) τοιούτῳ P.

отъ страсти· нещадѣньно[1] чл҃вка· тако же иже дрѣвъмь и каменьмь[2] большимь· силою чл҃вчею [вьргъ][3] въ невольнъихъ·[4] причитаѥтьсѧ· ино бо изволивъ· ино же нѣчьто сътворивъ отъ ꙗрости бо таковоую изнесе[5] ꙗзвоу ꙗко оубити оуꙗзвенаго· и тъщаниѥ бо вѣ ѥмоу· съкроушити полоучьно невели отъшюдь[6] оумьртвити· мечьмь же оубо[7] оударивъи· или инѣмь чимь[8] таковъимь· ни ѥдиного же имать отъреченига; и паче секырою[9] вьргаи·[10] и ни издроучь ꙗвлꙗѥтьсѧ поразивъи· ꙗко мѣрѣ ꙗзвы на немь быти· нъ вьрже ꙗко тѧжестью желѣзною· и острото и стрьмлениѥмь большимь· пагоубьнѣ ноуждьно ꙗзвѣ быти· вольноѥ же отиноудь·[11] и ни ѥдиного же невѣрия имѣꙗ· ꙗко же ѥсть разбоинъихъ· и ратьнъихъ нашьствиѥ· си оубо имѣниꙗ[12] ради оубиваютъ· обличениꙗ ѿбѣгаю|щиѥ[13] или на браньхъ на оубинства грѧдоуть· ни оустрашити ни оуцѣломоудрьствавати·[14] нъ оубити[15] противьнъиꙗ· ꙗвѣ изволивъше ибо[16] аще и[17] инога ради винъі·

1) нещадно *С.* 2) каменнѥмь *У.* 3) *вставка изъ УП.* 4) неволевольныхъ *У.* 5) изнесеть *У.* 6) ѿнюдю *П*; отиноудь *У.* 7) оубо *проп. П.* 8) чимь *проп. У.* 9) и *вставл. П.* 10) *cod.* а *здѣсь по скобл. (вѣроятно, вм.* ъı); вѣргаи *У.* 11) ѿтинꙋдъ *П.* 12) имѣнꙗ *С.* 13) отбѣгающь *У.* 14) оуцѣломоудрьствовати *УПС.* 15) ꙋбиити *С.* 16) и *С.* 17) и *проп. У.*

ὑπὸ τοῦ πάθους ἀφειδῶν[1] τοῦ ἀνθρώπου. ὁμοίως καὶ ὁ ξύλῳ βαρεῖ καὶ ὁ[2] λίθῳ μείζονι τῆς δυνάμεως τῆς ἀνθρωπίνης χρησάμενος τοῖς ἀκουσίοις ἐναριθμεῖται, ἄλλο μέν τι προελόμενος, ἄλλο δέ τι ποιήσας· ὑπὸ γὰρ τοῦ θυμοῦ τοιαύτην ἤνεγκεν[3] πληγήν, ὥστε ἀνελεῖν τὸν πληγέντα,[4] καίτοι ἡ σπουδὴ ἦν αὐτῷ συντρίψαι τυχόν, οὐχὶ δὲ παντελῶς καὶ[5] θανατῶσαι. ὁ[6] μέντοι ξίφει χρησάμενος ἢ φτινιοῦν[7] τοιούτῳ, οὐδεμίαν ἔχει παραίτησιν, καὶ μάλιστα ὁ τὴν ἀξίνην ἀκοντίσας· καὶ γὰρ οὐδὲ ἀπὸ χειρὸς φαίνεται πλήξας, ὥστε τὸ μέτρον τῆς πληγῆς ἐπ' αὐτῷ εἶναι, ἀλλ' ἠκόντισεν, ὥστε καὶ τῷ βάρει[8] τοῦ σιδήρου καὶ τῇ ἀκμῇ καὶ τῇ διὰ πλείστου φορᾷ ὀλεθρίαν ἀναγκαίως τὴν πληγὴν γενέσθαι. ἑκούσιον δὲ πάλιν παντελῶς[9] καὶ οὐδεμίαν ἀμφιβολίαν ἔχον, οἷόν ἐστι τὸ τῶν λῃστῶν καὶ τὸ τῶν πολεμικῶν ἐφόδων·[10] οὗτοι μὲν γὰρ διὰ χρήματα ἀναιροῦσιν τὸν ἔλεγχον ἀποφεύγοντες, οἵ τε ἐν τοῖς πολέμοις[11] л. 183 а. ἐπὶ φόνους ἔρχονται, οὔτε φοβῆσαι οὔτε σωφρονίσαι, ἀλλ'[12] ἀνελεῖν τοὺς ἐναντιουμένους[13] ἐκ τοῦ φανεροῦ προαιρούμενοι. καὶ μέντοι, κἂν δι' ἄλλην τινὰ αἰτίαν

1) ἀφειδῶς C. 2) ὁ проп. V. 3) τὴν вставл. CPV. 4) ἐξ ἧς τέθνηκεν ὁ πληγείς V (вм. ὥστε ἀνελεῖν τὸν πληγέντα). 5) καὶ проп V. 6) V со словъ Ὁ μέντοι ξίφει... начин. новое правило съ заглавіемъ: θ'. Περὶ ἑκουσίων φόνων. 7) φτινι V. 8) βαρεῖ Patm. 172. 9) τέλος C. 10) cod. переправл. изъ ἔφοδον. 11) cod. между μ и ο выскобл. двѣ буквы и надъ ι выскобл. облеченное удареніе (было πολεμικοῖς?). 12) ἀλλὰ V. 13) cod. рукой X в. переправл. изъ ἐναντιωμένους

прѣльстьноѥ чарованиѥ къто вълмѣситъ· оубиѥть[1] же вольноѥ полагаѥмъı и[2] таковоѥ· ꙗко творѧть женъı многашьдъı· пагоубьницамъ нѣкъıимъ и оуѕьницѧмъ·[3] на свою любъвь· навести искоушающаса·[4] и припадающе[5] имъ· чарованиꙗ[6] омрачениѥ творѧща[7] съмъıслоу· таковъıꙗ оубивающа· аще ино произволивъше· а ино сътвориша обаче ѕа прѣльстьноѥ и отъреченоѥ· ѕачинаниѥ въ[8] вольноѥ[9] оубивающиихъ причитаютьсѧ и дающаꙗ оубо чарованиѥ извраголъ· оубиица соуть и приѥмлющаꙗ младеньць пагоубъı·[10] сиꙗ оубо на толикъ·

ѳ҃· Гд҃ьнѥ же осоужениѥ по послѣдованию[11] съмъıсла· равьно· и моужемъ и женамъ подобаѥть· ꙗко не подобаѥть женитвъı раѕлоучати·[12] раѕвѣ слова блоудьнааго· объıчаи же не тако имать· въ женахъ оубо· много обрѣтаѥмъ иѕвѣстословиѥ· апл҃оу бо гл҃ющю· ꙗко прилѣплꙗꙗисѧ[13] блоудьниц҃и ѥдино тѣло ѥсть· еремии же гл҃ющю· | л. 183 b. ꙗко аще боудеть жена моужю дроугоуоумоу· не обратитьсѧ къ моужю своѥмоу· нъ осквьрнѧѥма осквьрнена[14] боудеть· и

περίεργον φάρμακόν τις ἐγκεράσῃ, ἀνέλῃ δέ, ἑκούσιον τιθέμεθα τὸ τοιοῦτον, οἷον ποιοῦσιν αἱ γυναῖκες πολλάκις, ἐπαοιδαῖς τισιν καὶ καταδέσμοις πρὸς τὸ ἑαυτῶν φίλτρον ἐπάγεσθαι πειρώμεναι καὶ προσδιδοῦσαι[1] αὐταῖς[2] φάρμακα σκότωσιν ἐμποιοῦντα ταῖς διανοίαις· αἱ τοιαῦται[3] ἀνελοῦσαι, εἰ καὶ ἄλλο προελόμεναι ἄλλο ἐποίησαν, ὅμως διὰ τὸ περίεργον καὶ ἀπηγορευμένον τῆς ἐπιτηδεύσεως ἐν τοῖς ἑκουσίως[4] φονεύουσι καταλογίζονται. καὶ αἱ τοίνυν τὰ ἀμβλωθρίδια διδοῦσαι φάρμακα φονεύτριαί εἰσιν καὶ αὗται[5] καὶ αἱ δεχόμεναι τὰ ἐμβρυοκτόνα[6] δηλητήρια. Ταῦτα μὲν εἰς τοσοῦτον.[7]

θ'.[8] Ἡ δὲ τοῦ κυρίου ἀπόφασις κατὰ μὲν τὴν τῆς ἐννοίας[9] ἀκολουθίαν ἐξ ἴσου καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξὶν ἁρμόζει, περὶ τοῦ μὴ ἐξεῖναι γάμου ἐξίστασθαι παρεκτὸς λόγου πορνείας· ἡ δὲ συνήθεια οὐχ οὕτως ἔχει· ἀλλ' ἐπὶ μὲν τῶν γυναικῶν πολλὴν εὑρίσκομεν τὴν[10] ἀκριβολογίαν, τοῦ μὲν ἀποστόλου λέγοντος, ὅτι· Ὁ κολλώμενος τῇ πόρνῃ ἓν σῶμα ἐστίν· τοῦ δὲ Ἱερεμίου ὅτι· Ἂν[11] γένηται γυνὴ ἀνδρὶ ἑτέρῳ, οὐκ ἐπιστρέψει πρὸς τὸν ἄνδρα αὐτῆς, ἀλλὰ μιαινομένη μιανθήσεται. καὶ

---

1) оубиѥ *У.* 2) и *проп. У.* 3) оуѕъльнїцѧмъ *УП.* 4) искоушающесѧ *У.* 5) придающе *УП.* 6) и *вставл. П.* 7) *cod. конечное* а *переправл. изъ* ѥ; творѧщѧ *У.* 8) къ *проп. С.* 9) и *вставл. У.* 10) пагоубьи *П.* 11) *cod. конечное* ю *переправл. изъ* ѥ; послѣдованиѥ *У.* 12) разлѹчити *С.* 13) припламисѧ *У.* 14) осквьрнена *cod.*

1) προδιδοῦσαι Patm. 172. 2) αὐτοῖς CPV. 3) τοίνυν вставл. V. 4) cod. переправл. рукой X в. изъ ἀκουσίως. 5) αὐταὶ CV Patm. 173. 6) cod. переправл. рукой X в. изъ ἐμβρυόκτονα. 7) Ταῦτα μὲν εἰς τοσοῦτον V Patm. 173 относятъ къ началу слѣдующаго правила. 8) V съ заглавіемъ: Περὶ μοιχευόντων καὶ μοιχευουσῶν. 9) ἐκκλησίας V. 10) τὴν проп. V. 11) Ἐὰν CPV.

пакы имѣꙗи[1] прѣлюбодѣицю· безоумьнъ[2] и[3] нечьстивъ· обычанноѥ[4] и любодѣющаꙗ[5] моужа· и въ блоужении соущаꙗ· объдьржимомъ быти· отъ женъ[6] повелѣваѥть· ꙗко живоущиꙗ[7] съ отълоученъıимь[8] моужьмъ· не вѣмь аще можеть прѣлюбодѣицѧ[9] быти· прѣгрѣшениѥ бо сьде поустивъшиꙇ моужа прикасаѥтьсѧ· по коѥи винѣ отъстоупи[10] брака· или биениꙗ ради не тьрпѧщи ранъ· тьрпѣти[11] подобааше паче или съчетаниꙗ[12] ради съ иною живоущааго· или[13] имѣниꙗ ради тъщеты не тьрпѧщи· ни сь[14] извѣтъ достословьсынъ·[15] аще ли въ блоужении ѥмоу жити[16] не ималъ[17] того въ цьркъвьнѣмь отъречении· нъ и отъ[18] невѣрьнааго моужа отълоучитисѧ не повелѣно ѥсть женѣ· нъ жьдати неꙗвлѥнааго ради съключениꙗ· чьто бо вѣси жено· аще моуже[19] спсеши· ꙗко оставъшиꙗ прѣлюбодѣицѧ· или къ иномоу пришьдъши[20] моужю· оставлѥнъıи же отъпоущенъ· и живоущиꙗ съ таковъıимь не осоудитьсѧ· аще оубо моужь отъстоупивъ[21] | женъı къ дроугѣи[22] приде· и

πάλιν· Ὁ ἔχων μοιχαλίδα,[1] ἄφρων καὶ ἀσεβής· ἡ δὲ συνήθεια καὶ μοιχεύοντας ἄνδρας καὶ ἐν πορνείαις ὄντας κατέχεσθαι ὑπὸ[2] γυναικῶν προστάττει·[3] ὥστε ἡ τῷ ἀφειμένῳ[4] ἀνδρὶ συνοικοῦσα οὐκ οἶδα εἰ δύναται μοιχαλὶς[5] χρηματίζειν· τὸ γὰρ ἔγκλημα ἐνταῦθα τῆς ἀπολυσάσης τὸν ἄνδρα ἅπτεται, κατὰ ποίαν αἰτίαν ἀπέστη τοῦ γάμου· εἴτε γὰρ τυπτομένη, μὴ φέρουσα τὰς πληγάς, ὑπομένειν ἐχρῆν μᾶλλον ἢ διαζευχθῆναι τοῦ συνοικοῦντος· εἴτε τὴν εἰς χρήματα ζημίαν μὴ φέρουσα, οὐδὲ αὕτη ἡ πρόφασις ἀξιόλογος·[6] εἰ δὲ διὰ τὸ ἐν πορνείᾳ αὐτὸν ζῆν, οὐκ ἔσχομεν[7] τοῦτο ἐν τῇ συνηθείᾳ τῇ ἐκκλησιαστικῇ τὸ παρατήρημα. ἀλλὰ καὶ ἀπίστου ἀνδρὸς χωρίζεσθαι οὐ προσετάχθη[8] γυνή, ἀλλὰ παραμένειν διὰ τὸ ἄδηλον τῆς ἐκβάσεως· Τί γὰρ οἶδας, γύναι, εἰ τὸν ἄνδρα σώσεις;[9] ὥστε ἡ καταλιποῦσα, μοιχαλίς,[10] εἰ ἐπ' ἄλλον ἦλθεν ἄνδρα· ὁ δὲ καταλειφθεὶς συγγνωστός,[11] καὶ ἡ συνοικοῦσα τῷ τοιούτῳ οὐ κατακρίνεται. εἰ μέντοι ὁ ἀνὴρ[12] ἀποστὰς τῆς γυναικὸς ἐπ' ἄλλην ἦλθεν, καὶ л. 184 а.

1) имѣꙗ *У*. 2) безѹмныи *С*; безоумьнъи *У*. 3) и *проп. С*. 4) обычанноѥ *У*. 5) любодѣющѧ *У*. 6) нъже *С*. 7) живоущаа *П*. 8) отълоуцѣнъıимь *У*. 9) бы *вставл. П* 10) ѿстоупити *С*. 11) не *вставл. С*. 12) съчетании *У*; сочетаніѥ *С*. 13) илѣ *С*. 14) сьи *П*. 15) *cod.* ь *послѣ* к *перепр. изъ* е *и надъ* сь *ставитъ* ⊹; достословенъ *ПУ*. 16) житіи *С*. 17) имъ *С*; имамо *У*. 18) отъ *проп. С*. 19) мѹжа *С*; моужѧ *У*. 20) *cod. перепр. конечное* и *изъ* ю. 21) отъпоустивъ *У*. 22) дроузѣ *У*; дрѹѕи *П*.

1) μοιχαλλίδα cod. C. 2) τῶν вставл. P. 3) προστάσσει CP. 4) cod. ει по скобл. рукой X вѣка, вм. одной буквы (ι?), а за ει выскобл. три буквы (было ἀφισταμένῳ?). 5) μοιχαλλὶς cod. C (и V первонач., но одно λ выскобл.). 6) ἀξιολόγος C. 7) ἔχομεν V. 8) προσετάγη ἡ V. 9) σώσῃς cod. 10) μοιχαλλὶς cod. 11) σύγγνωστος PV. 12) ὁ вставл. P.

тъ[1] прѣлюбодѣиць· ꙁане творить ю[2] прѣлюбодѣиствовати· и живоущиꙗ съ нимь прѣлюбодѣицѧ· ꙁане чюжего[3] моужа къ себѣ престави·

Ї· Ротѧщенсѧ не приемлѣте[4] поставлениꙗ·[5] ротивъшенсѧ[6] да не ноудѧтьсѧ клѧтисѧ· аще бо и мьнитьсѧ нѣкъıи бъıти канонъ· даꙗ[7] таковъıимь· нъ искоушениемь оувѣдѣхомъ· ꙗко не поспѣшають кльноущенсѧ· смотрити же и образа клѧтвъı· и гл҃ъ и ꙁавѣтъ отъ негоже клѧшасѧ· и по тънъкоу[8] въ гл҃ѣхъ[9] приложениꙗ· ꙗко аще ни единого же боудеть никъде же[10] оутѣшениꙗ· подобаеть отънюдъ[11] оставлꙗти таковъıимъ· выщь оубо иже на севира·[12] рекъше поставленнаго имь проꙁвутера·[13] таковое нѣкако ми мьнитьсѧ оутѣшение имѣти· аще и тебѣ мьнитьсѧ село оно подълежащее оброучениемь емоуже проповѣдасѧ чл҃вкъ· повели съвьршити· тако бо и онъ не кльнетьсѧ· не отъходѧ отъ мѣста· и ломъдинъ имѣꙗ цр҃квь съ собою· не ꙁапоустѣеть цр҃квь

αὐτὸς μοιχός, διότι ποιεῖ αὐτὴν μοιχευθῆναι, καὶ ἡ συνοικοῦσα αὐτῷ μοιχαλίς,[1] διότι ἀλλότριον ἄνδρα πρὸς ἑαυτὴν μετέστησεν.

ι΄.[2] Οἱ ὀμνύοντες μὴ καταδέχεσθαι τὴν χειροτονίαν, ἐξομνύμενοι, μὴ ἀναγκαζέσθωσαν ἐπιορκεῖν· εἰ γὰρ καὶ δοκεῖ τις εἶναι κανὼν ὁ συγχωρῶν τοῖς τοιούτοις, ἀλλὰ πείρᾳ ἐγνώκαμεν, ὅτι οὐκ εὐοδοῦνται οἱ παρορκήσαντες.[3] σκοπεῖν δὲ δεῖ[4] καὶ τὸ εἶδος τοῦ ὅρκου καὶ τὰ ῥήματα καὶ τὴν διάθεσιν ἀφ᾽ ἧς ὀμωμόκασιν, καὶ τὰς κατὰ λεπτὸν ἐν τοῖς ῥήμασιν προσθήκας· ὡς ἐὰν μηδεμία ᾖ μηδαμόθεν παραμυθία, χρὴ παντελῶς ἐᾶν τοὺς τοιούτους. τὸ μέντοι κατὰ Σεύηρον[5] πρᾶγμα, ἤτοι τὸν ὑπὸ τούτου χειροτονηθέντα πρεσβύτερον, τοιαύτην τινά μοι δοκεῖ παραμυθίαν ἔχειν, εἰ καὶ σοὶ συνδοκεῖ. τὸν ἀγρὸν ἐκεῖνον τὸν ὑποκείμενον τῇ μνηστείᾳ,[6] ᾧ ἐπεκηρύχθη ὁ ἄνθρωπος, κέλευσον Οὐασόδοις[7] ἐπιτελεῖν·[8] οὕτω γὰρ κἀκεῖνος οὐ παρορκήσει μὴ ἀναχωρῶν τοῦ τόπου, καὶ ὁ Λογγῖνος ἔχων τὸν Κυριακὸν μεθ᾽ ἑαυτοῦ οὐχ ἐρημώσει[9] τὴν ἐκκλησίαν,

---

1) тън *П.* 2) прѣлюбодѣиць· ꙁане творить ю *проп. С.* 3) чюжаго *С.* 4) пріемлѧте *П*; приемлеть *У.* 5) поставлениниꙗ *cod.* 6) родившенсѧ *С.* 7) даꙗ *У.* 8) *cod. переправл.* ъ *послѣ* н *изъ* о; нонтъкȣ *С* (*вм.* потънъкоу). 9) глѣхъ *У.* 10) боудеть никъде же *проп. С.* 11) отнинудь *У*; ѿнюдж *П.* 12) *cod. переправл.* е *послѣ* с *по скобл. изъ какой-то буквы* (ѣ *или* ъ). 13) позвѵ̈тера *С*; прозвютера *У.*

1) μοιχαλλὶς cod. C (и V первонач., но одно λ выскобл.). 2) ια΄. Περὶ ἐπιορχούντων V. 3) ἐπιορχήσαντες V. 4) δεῖ cod. in m. рукой X в. 5) Σευῆρον CP (и cod. переправл. рукой X в.). 6) въ слогѣ μνη cod. пишетъ ι рукой X в. по скобл. вмѣсто νη; CPV Μιστείᾳ. 7) Οὐασάδοις V; οὖν ασόδοις C. 8) ὑποτελεῖν CPV (и cod. переправл. рукой X в.). 9) ἐρημώση C; ἔτι μωμήσει V (вм. ἐρημώσει).

ни своѥꙗ дш҃а праꙁдьньствъмь бо осоудить· и мы мьнимъ не чресъ каноны творити чьто· съподви|ꙁающеся къ цр҃кви[1] родивъшюоумоуся· съпрѣбꙑвати съ минъданы[2] приимъшю же приложениѥ·[3] въꙁвращениѥ бо стража ѥсть клꙗтвꙑ· а ѥже покоритися ѥмоу съмотрению· на клꙗтвоу ѥмоу не мьниться ꙁаниѥ не прилежати ѥмоу клѧтвѣ ни въ малѣ отъходити минъдань[4] жьдати на прочеѥ· севироу же иꙁвѣстоующю ꙁабъвениѥ· мы отъдамъ рекъша· ꙗко таинаꙗ вѣдаꙗи· не прѣꙁьрить своѥꙗ цр҃къве·[5] отъ таковааго гыбноущю·[6] творѧщюю бо неправьдьно[7] искони· ꙁаповѣдию же съвѧꙁающе· чресъ еѵⷢ҃лиѥ· прѣкꙑ же[8] клѧтися оучащааго· имиже прѣложи[9] лъжющюоумоу же· нꙑнѣ имиже ꙁабъвениѥмь прѣльщаѥться понеже бо нѣсмь ср҃дьцьмь соудии· нъ отъ нихъже слꙑшимъ соудимъ· дадимъ г҃еви отъмьщениѥ· сами же неотълоучьно приимѣмъ и отъпоущениѥ дающе чл҃вчьскѣи[10] страсти[11] ꙁабъвениѥмь·

а҃і· Невольноѥ же сътворивъ[12] оубииство· довъльноѥ испълни соудъ

1) и *вставл. П.* 2) и *вставл. П.* 3) прѣложениѥ *УП.* 4) нъ *вставл. УП.* 5) цр҃квь *У.* 6) *cod. переправл.* о *послѣ* н *изъ* к; погꙑбноущю *У.* 7) неправильно *УП.* 8) иже *П.* 9) приложи *П*; прилоложи *С.* 10) чл҃вчьстѣи *У.* 11) страстїи *П.* 12) сътворивꙑи *УП.*

οὐδὲ τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν διὰ τῆς ἀργίας καταδικάσει,[1] καὶ ἡμεῖς δόξομεν[2] μὴ παρὰ κανόνας ποιεῖν τι συμπεριφερόμενοι τῷ Κυριακῷ, ὀμόσαντι μὲν[3] συμπαραμένειν Μινδάνοις, καταδεξαμένῳ δὲ τὴν μετάθεσιν· ἡ γὰρ ἐπάνοδος φυλακὴ ἔσται τοῦ ὅρκου· τὸ δὲ εἶξαι αὐτὸν τῇ οἰκονομίᾳ εἰς ἐπιορκίαν αὐτῷ οὐ λογισθήσεται, διὰ τὸ μὴ προσκεῖσθαι[4] τῷ ὅρκῳ, μηδὲ πρὸς βραχὺ ἀναχωρήσειν[5] Μινδάνων, ἀλλὰ παραμένειν εἰς τὸ ἐφεξῆς. Σευήρῳ δὲ προφασιζομένῳ τὴν λήθην ἡμεῖς συγχωρήσομεν,[6] εἰπόντες ὅτι ὁ τῶν κρυπτῶν γνώστης οὐ περιόψεται τὴν ἑαυτοῦ[7] ἐκκλησίαν ὑπὸ τοιούτου λυμαινομένην, ποιοῦντος μὲν ἀκανονίστως τὸ[8] ἐξ ἀρχῆς, ὅρκῳ δὲ καταδεσμοῦντος παρὰ τὰ εὐαγγέλια, παρορκεῖν δὲ διδάσκοντος[9] δι' ὧν μετετέθη, ψευδομένῳ δὲ νῦν δι' ὧν[10] τὴν λήθην σχηματίζεται. ἐπειδὴ δὲ οὐκ ἐσμὲν καρδιῶν[11] κριταί, ἀλλ' ἐξ ὧν ἀκούομεν κρίνομεν, δῶμεν τῷ κυρίῳ τὴν ἐκδίκησιν, αὐτοὶ δὲ ἀδιακρίτως αὐτὸν δεξώμεθα, συγγνώμην δόντες ἀνθρωπίνῳ πάθει τῇ λήθῃ·[12]

л. 184 b.

ια'.[13] Ὁ δὲ τὸν ἀκούσιον ποιήσας φόνον ἀρκούντως ἐξεπλήρωσεν τὴν δίκην

1) καταδικάσῃ C Patm. 172. 2) δόξωμεν cod. 3) μὲν cod. надъ строкой рукой X в. 4) πρόσκεισθαι C. 5) ἀναχωρῆσαι V. 6) συγχωρήσωμεν CPV. 7) cod. переправл. рукой X в. изъ αὐτοῦ. 8) τῷ cod. 9) cod. переправл. изъ διδάσκοντας. 10) δι' ὧν проп. V. 11) καρδίων P. 12) V переправл. изъ τῆς λήθης. 13) ιβ'. Περὶ τῶν ἀκουσίως φονευσάντων V.

въ ѥдиномь на десѧте лѣтѣ· ꙗвѣ бо· ꙗко при оуꙗꙁвенꙑихъ[1] ꙗже при моисѣи съблюдѣмъ· иꙁъложенааго оубо ранами ꙗже прия· шьдъша (л. 185 а.) | же пакꙑ жьꙁлъмь своимь· не мьнимъ[2] оубивъша· аще ли и не въста по ранахъ· нъ оубо ѥже не проиꙁволити ѥмоу оубити·[3] бивꙑи[4] оубиица оубо· нъ невольнꙑи ꙁа прѣдъложениѥ[5]

ї҃в· Дъвоженьцѧ· отиноудь[6] канонъ· отъ слꙋжениꙗ ꙁаключаѥть·[7]

ї҃г· Ратьнꙑихъ оубииствъ[8] оц҃и наши въ оубииствѣхъ не мьнѣша· мънѣ же мьнитьсѧ прощениѥ давъше· паче цѣломоудриꙗ· и бл҃гочьстиꙗ· помагающиимъ·[9] некъли добрѣ имать съвѣщавати· ꙗко роуками нечистꙑ·[10] г҃· лѣ҃·[11] отъ обьщениꙗ оудалитисѧ·

ї҃д· Лихвоу приѥмлꙗи· аще иꙁволить неправьдьноѥ приобрѣтениѥ· оубогꙑимъ расточити· и прочеѥ отъ недоуга срѣбролюбиꙗ иꙁмѣнитисѧ·[12] приꙗтьнъ ѥсть въ чистительство·

ї҃е·[13] Чюжюсѧ твоѥмоу кънижьноуоумоу иꙁвѣщению· къ написанию отъдающю и не помꙑшлꙗющю· ꙗко

ἐν τοῖς ἕνδεκα ἔτεσιν· δῆλον γὰρ ὅτι ἐπὶ τῶν πληγέντων τὰ Μωσέως[1] παρατηρήσωμεν·[2] καὶ τὸν κατακλιθέντα μὲν ἐπὶ τῶν πληγῶν ἃς[3] ἔλαβεν, βαδίσαντα δὲ πάλιν ἐπὶ τῇ ῥάβδῳ ἑαυτοῦ,[4] οὐ λογισόμεθα[5] πεφονεῦσθαι· εἰ δὲ καὶ οὐκ ἐξανέστη μετὰ τὰς πληγάς, ἀλλ᾽ οὖν τὸ[6] μὴ προελέσθαι αὐτὸν ἀνελεῖν, ὁ τυπτήσας φονευτὴς μέν, ἀλλ᾽ ἀκούσιος διὰ τὴν πρόθεσιν.

ιβ΄.[7] Τοὺς διγάμους παντελῶς ὁ κανὼν τῆς ὑπηρεσίας ἀπέκλεισεν.

ιγ΄.[8] Τοὺς ἐν πολέμοις φόνους οἱ πατέρες ἡμῶν ἐν τοῖς φόνοις οὐκ ἐλογίσαντο, ἐμοὶ[9] δοκεῖν[10] συγγνώμην δόντες[11] τοῖς ὑπὲρ σωφροσύνης καὶ εὐσεβείας ἀμυνομένοις. τάχα δὲ καλῶς ἔχει συμβουλεύειν, ὡς τὰς χεῖρας μὴ καθαρούς, τριῶν ἐτῶν τῆς κοινωνίας μόνης[12] ἀπέχεσθαι.

ιδ΄.[13] Ὁ τόκους λαμβάνων, ἐὰν καταδέξηται τὸ ἄδικον κέρδος εἰς τοὺς[14] πτωχοὺς ἀναλῶσαι καὶ τοῦ λοιποῦ τοῦ νοσήματος τῆς φιλοχρηματίας ἀπαλλαγῆναι, δεκτός ἐστιν εἰς[15] ἱερωσύνην.

ιε΄.[16] Θαυμάζω δέ σου τὴν γραμματικὴν ἀκρίβειαν ἐπὶ τῆς γραφῆς ἀπαιτοῦντος καὶ μὴ λογιζομένου, ὅτι

1) оуꙁвенꙑихъ *У.* 2) мнить *С.* 3) бити *У.* 4) бивꙑ *П.* 5) прѣложениѥ *С.* 6) ѿнюдꙋ *П.* 7) заключаютъ *П.* 8) оубииство *П.* 9) помогающимъ *П.* 10) нечистꙑи *П.* 11) лѣта *У.* 12) иꙁвѣнитисѧ *С.* 13) *У проп. все правило 15.*

1) Μουσέως V. 2) παρατηρήσομεν P. 3) ὧν V. 4) αὑτοῦ P. 5) λογισώμεθα V. 6) τῷ CPatm. 173. 7) ιγ΄. Περὶ διγάμων V. 8) ιδ΄. Περὶ τῶν ἐν πολέμοις φονενόντων V. 9) cod. выскобл. двѣ буквы (δὲ?) передъ ἐμοὶ. 10) δοκεῖ P. 11) cod. выскобл. δι передъ δόντες. 12) μόνης cod. in m. рукой X в. 13) ιε΄. Περὶ τῶν λαμβανόντων τόκους V. 14) τοὺς проп. CPV. 15) τὴν вставл. Patm. 172. 16) ις΄. Περὶ τῶν ζητημάτων V.

ноуждьна ѥсть рѣчь[1] съказаниꙗ· своѥ ꙗсно отъдающю· не въ рѣсноту· отъ жидовьскаго гласа· назнаменоваѥмо[2] прѣложи· понеже бо подобаѥть· непраздьно прѣити· | гаданиѥ же отъ моужа· възискълива· подвижющеса пътица н҃бсьнꙑꙗ· и рꙑбꙑ морьскꙑꙗ· и въ мори творениѥ·[3] тоѥ же приꙗша бꙑтиѥ· отъ водъ бо изнесено бꙑсть обоѥ бꙑтиѥ· вина же ꙗко то же ѥсть въ обоѥю оусобьство· ово[4] бо плавають въ водѣ· овꙑ же парꙙть по въздоухоу[5] сего ради оубо обꙑщенхъ помꙙноу образъ же слова· ꙗко къ рꙑбамъ оубо неподобьно данꙑ· ꙗко же къ вьсѣмъ въ водѣ прѣбꙑвающиимъ· и зѣло своимъ· птица бо н҃бсьнꙑꙗ покарꙙютьсꙙ ч҃лвкоу· и рꙑбꙑ морьскꙑꙗ· и не ти ѥдини· нъ и вьсꙙ ходꙙщаꙗ по стьзꙙмъ морьскꙑимъ· ни водьноѥ бо· аще чьто· и рꙑба ѥсть·

ἠναγκασμένη ἐστὶν ἡ λέξις, τῆς ἑρμηνείας τὸ ἑαυτῆς εὔσημον ἐκδιδούσης, οὐ τὸ κυρίως ὑπὸ τῆς Ἑβραϊκῆς φωνῆς σημαινόμενον μετατιθείσης. ἐπεὶ[1] δὲ δεῖ μὴ ἀργῶς[2] παρελθεῖν τὸ ὑπ' ἀνδρὸς (л. 185 b.) ζητητικοῦ κινηθὲν πρόβλημα, τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ καὶ οἱ ἰχθύες τῆς θαλάσσης καὶ ἐν τῇ κοσμοποιΐᾳ τὴν αὐτὴν ἔλαχον γένεσιν· ἐκ τῶν ὑδάτων γὰρ ἐξηνέχθη[4] ἀμφότερα τὰ γένη. τὸ δὲ αἴτιον, ὅτι ταὐτόν ἐστιν ἐν ἑκατέροις ἰδίωμα· τὰ μὲν γὰρ διανήχεται τὸ ὕδωρ, τὰ δὲ ἐπινήχεται τῷ ἀέρι· διὰ τοῦτο μὲν οὖν[5] κοινῇ αὐτῶν ἐπεμνήσθη. τὸ δὲ σχῆμα τοῦ λόγου ὡς μὲν πρὸς[6] τοὺς ἰχθύας ἀκαταλλήλως ἀποδοθέν, ὡς δὲ πρὸς πάντα τὰ ἐν ὕδασιν διαιτώμενα καὶ πάνυ οἰκείως· τὰ γὰρ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ[7] ὑποτέτακται τῷ ἀνθρώπῳ καὶ οἱ ἰχθύες τῆς θαλάσσης· καὶ οὐκ αὐτοὶ μόνον, ἀλλὰ καὶ πάντα τὰ διαπορευόμενα τρίβους θαλασσῶν· οὐ γὰρ εἴ τι ἔνυδρον, καὶ ἰχθύς ἐστιν, ὡς τὰ κητώδη, φάλλαιναι[8] καὶ ζύγαιναι,[9] καὶ δελφῖνες καὶ φῶκαι, καὶ προσέτι ἵπποι καὶ κύνες, καὶ πρίονες καὶ ξιφίαι καὶ οἱ θαλάσσιοι βοῦς,[10] εἰ δὲ βούλει,[11] καὶ ἀκαληφαὶ[12] καὶ κτένες καὶ τὰ ὀστρακόρινα[13] πάντα, ὧν[14] οὐδέν ἐστιν ἰχθύς,

---

1) рѣче *П.* 2) назнаменовано *С.* 3) миротворенїе *П* (*вм.* мори твореннѥ). 4) ѡвꙑ *П.* 5) въ҃зоухъ *П.*

---

1) ἐπειδὴ V (и cod. первонач., но δὴ выскобл.). 2) cod. переправл. изъ ἀργο[ὑ?]ς. 3) ὑπὸ CPV. 4) ἐξήχθη CP (и cod. in m. рукой X в.). 5) οὖν проп. Patm. 172. 6) πρὸς μὲν P (но Patm. 172 in m. ὡς μὲν πρὸς τοὺς ἰχθύας). 7) οἰκείως τὰ γὰρ πετεινά τοῦ οὐρανοῦ проп. C. 8) φάλλεναι cod.; φάλαιναι P; φάλεναι V. 9) ζύγεναι V. 10) βόες V. 11) βούλη V. 12) ἀκαλῆφαι CPV. 13) ὀστρακώδη V. 14) ὧν проп. V.

и вьсѧ градоуть по стьꙁамъ морьскꙑимъ· ꙗко же бꙑти[1] трьми[2] бꙑтии·[3] пътицѧ небесьнꙑꙗ· и рꙑбꙑ морьскꙑѩ· и ѥлико водьнꙑихъ· рꙑбамъ противоу растоѩщиихъсѧ· ходѧть и ти по стьꙁамъ морьскꙑимъ·

ꙶі҃ѕ·[4] Неимамъ[5] же не велии прѣдъ гмь҃· нъ и прѣдъ гдиньмь҃ своимь· рекъши·[6] прѣдъ вельможами вѣ цр҃ѧ[7] асоурииискаадо· вънемлї оубо извѣсто· писанию· и тоу обрѧщеши раздрѣшение вънисканаадо·[8]

καὶ πάντα διαπορεύεται[1] τρίβους θαλασσῶν,[2] ὡς εἶναι τρία τῷ γένει, πετεινὰ οὐρανοῦ, ἰχθύας[3] τῆς θαλάσσης καὶ ὅσα τῶν ἐνύδρων τοῖς ἰχθῦσιν ἀντιδιαστελλόμενα διαπορεύεται καὶ αὐτὰ[4] τρίβους θαλασσῶν.

ιϛ'.[6] Ὁ δὲ Νεεμὰν[7] οὐχὶ μέγας παρὰ κυρίῳ, ἀλλὰ παρὰ τῷ κυρίῳ αὐτοῦ, τουτέστιν τῶν παραδυναστευόντων[8] ἦν τῷ βασιλεῖ τῶν Σύρων. πρόσεχε οὖν ἀκριβῶς τῇ γραφῇ καὶ αὐτόθεν εὑρήσεις τὴν λύσιν τοῦ ζητήματος.

---

1) бытїи *П.* 2) тремїи *П.* 3) быти *П.* 4) *У проп. все правило 16.* 5) Неиман' *П.* 6) рекше *С.* 7) цр҃ѧ *ПС.* 8) възискааго *П.*

1) διαρεύονται V. 2) все слѣдующее далѣе окончаніе правила въ cod. дописано рукой X в. 3) ἰχθύες V. 4) τῆς проп. P. 5) τὰς вставл. P. 6) ιϛ' проп. V. 7) Ναιμὰν P. 8) παρὰ τῶν δυναστευόντων V Patm. 172 (вм. τῶν παραδυναστευόντων).

| с҃тго[1] василиꙗ ѡ канонѣхъ·

Дрѣвле къ простьреныимъ намъ отъ бл҃гобоꙗзньства твоѥго· въпросомъ отъвѣщавъ не посълахъ писаниꙗ· ово оубо отъ недоуга дългаго· и бѣдьнааго прилежавъ· ово же отъ неимѣниꙗ слоужащиихъ· мало бо ихъ въ насъ· и поути неискоусьни[2] ни съвьршени·[3] къ таковыимъ слоужьбамъ ꙗко оувѣдѣвъ виноу· ꙁамоуждениꙗ даждь намъ простыню· чюдихомъ же сѧ твоѥмоу навычению въкоупь и съмѣреноу[4] съмыслоу·[5] ꙗко наоучатисѧ приѥмлѥши· оучениꙗ чинъ пороученыи· и навыкати отъ насъ· въ нихъже ничьто же велиꙗ прилежить на раꙁоумъ· нъ обаче понеже приѥмлѥши· страха ради б҃жиꙗ творити вещь· неоудобь отъ иного бывающюю· подобаѥть намъ оусьрдиѥмь твоимь· и бл҃гыимь тъщаниѥмь съвъпрашатисѧ и паче силы·[6]

канонъ· ꙁ҃і·[7] Въпросилъ ны[8] ѥси· о виꙗронѣ проꙁвитерѣ· аще приꙗтьнъ ѥсть въ клиросъ клѧтвы ради· аꙁъ же абиѥ нѣкоую обьщюю ꙁаповѣдь·

(л. 195^{a}—199^{b}) ΤΩι ΑΥΤΩι ΠΕΡΙ ΚΑΝΟΝΩΝ.[1] л. 186 а.

Πάλαι πρὸς τὰς παρὰ τῆς εὐλαβείας σου προταθείσας[2] ἡμῖν ἐπερωτήσεις[3] ἀποκρινάμενος οὐκ ἀπέστειλα[4] τὸ γράμμα, τοῦτο μὲν ὑπὸ τῆς ἀῤῥωστίας τῆς μακρᾶς καὶ ἐπικινδύνου ἀσχοληθείς, τοῦτο δὲ ὑπὸ τῆς ἀπορίας[5] τῶν διακονουμένων·[6] ὀλίγοι γὰρ καὶ[7] παρ' ἡμῖν καὶ ὁδοῦ[8] ἔμπειροι καὶ παρεσκευασμένοι πρὸς τὰς τοιαύτας ὑπηρεσίας· ὥστε μαθὼν τὰς αἰτίας τῆς βραδυτῆτος,[9] δὸς ἡμῖν τὴν συγγνώμην. ἐθαυμάσαμεν δέ σου τὴν[10] φιλομαθίαν ὁμοῦ καὶ τὴν ταπεινοφροσύνην, ὅτι καὶ μαθεῖν καταδέχῃ,[11] τὴν τοῦ διδάσκειν[12] τάξιν πεπιστευμένος, καὶ μανθάνειν[13] παρ' ἡμῶν, οἷς οὐδὲν μέγα πρόσεστιν εἰς γνῶσιν. ἀλλ' ὅμως, ἐπειδὴ καταδέχῃ διὰ τὸν φόβον τοῦ θεοῦ ποιεῖν πρᾶγμα οὐ ῥαδίως παρ' ἑτέρου γινόμενον, χρὴ καὶ ἡμᾶς τῇ προθυμίᾳ σου καὶ τῇ ἀγαθῇ σπουδῇ συναίρεσθαι, καὶ ὑπὲρ δύναμιν.

α'.[14] Ἠρώτησας ἡμᾶς περὶ Βιάνορος τοῦ πρεσβυτέρου, εἰ δεκτός ἐστιν εἰς τὸν κλῆρον διὰ τὸν ὅρκον· ἐγὼ δὲ ἤδη τινὰ καὶ κοινὸν ὅρον

---

1) *У проп. все это предисловіе.* 2) неискоусьнїи *П.* 3) съвръшенїи *П.* 4) смѣренѹ *П.* 5) смысленѹ *П.* 6) силны еси *С.* 7) *У проп. все правило 17.* 8) и *вставл. П.*

1) ἐπιστολὴ δευτέρα добавл. VP. 2) προτεθείσας P. 3) ἐρωτήσεις PV. 4) οὐ κατέστειλα Patm. 172. 5) ἀπειρίας V. 6) διακουμένων V. 7) καὶ проп. PV. 8) ὁδῶν V. 9) βραδύτητος PV. 10) cod. выскобл. τε послѣ τὴν. 11) κατεδεηθῆς V. 12) διδασκάλου V. 13) cod. переправл. изъ μαθεῖν. 14) ιζ' PV.

о вьсѣхъ въкоупь· по сихъ ротивъшиихъсѧ· иже по антиохии клирикомъ· вѣмъ проповѣданоѥ· ꙗко людьскыихъ оубо· оудалꙗѥтьсѧ съборищь· ѥдинѣмь же дѣтельствовати· ѥже проꙁвитерьмь· то же самоѥ· л. 186 b. | и къ слоужению ѥго· волю ѥмоу подаꙗти· ꙁанѥ не въ антиохии ѥсть чиститеьство· нъ въ иконии[1] бѣ ꙗко же самъ посълалъ ѥси намъ· антиохиѥ· въ селениѥ иꙁмѣни· ѥсть оубо приꙗтьнъ моужь тъ· испытаваѥмъ· отъ бл҃гобоꙗꙁньства твоѥго· раскаꙗтисѧ о оудобью[2] клꙗтвы· ѥюже при невѣрьнѣмь моужи клѧсѧ· понести сътоуженниѥ· малыꙗ оноꙗ бѣды не възмогъ·

и҃· О[3] отъпадающиихъ дв҃ъ· исповѣдавъшиихъ въ чистотѣ жити гв҃и·[4] по семь ꙁанѥ въпасти въ пльтьскыꙗ страсти· отъмѣтающиимъ своꙗ ꙁавѣты· оц҃и оубо просто и кротъко съподвигающесѧ· немощьми поплъꙁающесѧ· ꙁаконъ положьше[5] приꙗтьнамъ[6] имъ быти· по ѥдиномь лѣтѣ· по подобию дъвоженьць· повелѣвъша· мънѣ же мьнитьсѧ· понеже бж҃ию бл҃годатию· проиcходѧщи[7] цр҃кви· крѣпѣиши бываѥть·

1) иконїи *П.* 2) оругдью *С* (*вм.* о оудобью). 3) О *проп.* *У.* 4) б҃гови *У.* 5) намъ *встав.* *П.* 6) прїать *П.* 7) проискодѧщи *С.*

περὶ πάντων ὁμοῦ τῶν μετὰ ταῦτα[1] ὀμωμοκότων, τοῖς κατὰ Ἀντιόχειαν κληρικοῖς οἶδα ἐκτεθεικώς· ὥστε τῶν μὲν δημοσίων αὐτοὺς ἀπέχεσθαι[2] συλλόγων, ἰδίᾳ δὲ ἐνεργεῖν τὰ τῶν πρεσβυτέρων· τὸ δὲ αὐτὸ τοῦτο καὶ πρὸς τὴν[3] αὐτοῦ ὑπηρεσίαν ἄδειαν αὐτῷ παρέχειν,[4] διότι οὐκ ἐν Ἀντιοχείᾳ ἐστὶν[5] ἱερωσύνη, ἀλλ' ἐν Ἰκονίῳ, ἣν, ὡς αὐτὸς[6] ἐπέστειλας ἡμῖν, τῆς Ἀντιοχείας εἰς οἴκησιν ἀντηλλάξατο. ἔστιν οὖν δεκτὸς ὁ ἀνὴρ ἐκεῖνος, ἀπαιτούμενος παρὰ τῆς εὐλαβείας σου μεταμελεῖσθαι[7] ἐπὶ τῇ εὐκολίᾳ τοῦ ὅρκου, ὃν ἐπὶ τοῦ ἀπίστου ἀνδρὸς ἐξωμόσατο, βαστάξαι[8] τὴν ἐνόχλησιν[9] τοῦ μικροῦ ἐκείνου κινδύνου μὴ δυνηθείς.

β'.[10] Περὶ τῶν ἐκπιπτουσῶν[11] παρθένων, τῶν καθομολογησαμένων τὸν ἐν σεμνότητι βίον τῷ κυρίῳ, εἶτα διὰ τὸ ὑποπεσεῖν τοῖς πάθεσιν τῆς σαρκὸς ἀθετουσῶν τὰς ἑαυτῶν συνθήκας, οἱ μὲν πατέρες ἡμῶν ἁπαλῶς καὶ πράως συμπεριφερόμενοι ταῖς ἀσθενείαις τῶν κατολισθαινόντων ἐνομοθέτησαν δεκτὰς εἶναι μετὰ τὸν ἐνιαυτόν, καθ' ὁμοιότητα τῶν διγάμων διαταξάμενοι. ἐμοὶ δὲ δοκεῖ, ἐπειδὴ τῇ τοῦ θεοῦ χάριτι προϊοῦσα ἡ ἐκκλησία κραταιοτέρα γίνεται

1) μετ' αὐτοῦ PV. 2) ''ἀπέχεσθαι 'αὐτοὺς cod. 3) cod. послѣ τὴν выскобл., кажется, 3 буквы (τοῦ?). 4) παρέχει PV. 5) ἡ вставл. PV. 6) cod. переправл. изъ ὡσαύτως. 7) μεταμέλεσθαι P. 8) βαστάσαι P. 9) ὄχλησιν V. 10) ιη' P; ιη'. Περὶ παρθένων ἐκπεσουσῶν V. 11) ἐκπεσουσῶν PV (и cod. переправл. рукой X в.).

и оумножаѥтьсѧ нынѣ чинъ дв҃чьскыи[1] вънимати извѣстьно· ꙗвлꙗющи же· по оумоу вещи· и[2] писаниꙗ съмысломь· имьже мощьно изобрѣсти· отъ подобьнааго· обьдовѣниѥ бо дѣвичьства мьнѥ· то не въдовиць[3] ли съгрѣшениѥ· болѥ вътороѥ ѥсть дѣвъ· видѣхомъ[4] оубо чьто писано ѥсть тимоѳѣю· отъ павьла·[5] оунѣишихъ | же въдовиць отърицаисѧ·[6] ѥгда бо пороугаѥтьсѧ х҃оу· посагноути хотѧть· имоуще осоужениѥ· ꙗко пьрвоую вѣроу отъвьргоша· аще оубо въдовицѧ· по соудоу повиньна ѥсть тѧжькомоу· ꙗко въ х҃са отъвьргъши вѣроу· чьто подобаѥть намъ непьщевати· о дѣвѣ невѣста ѥсть х҃сва·[7] и съсоудъ чистъ прѣдъложенъ владыцѣ· велии оубо грѣхъ и рабыни таиномоу бракоу давъши себе· тьлѧ напълнити домъ· и ржгатисѧ лоукавымь житиѥмь съзьдавъшюоумоу· болѥ же[8] оубо нѣкъде лютѣѥ· невѣстѣ прѣлюбодѣици[9] быти· и къ съвѣщению жениха· вещьствовавъшю[10] сластьмъ нечистыимъ себѣ прѣдати· оуто не въдовицѧ ли· ꙗко рабыни растьлѣна осоужаѥтьсѧ· а дѣва осоуженю любодѣиства·[11] повиньна ѥсть· ꙗко же бо чюжаго съ чюжеѭ женоѭ· прѣлюбодѣицѧ

καὶ πληθύνεται νῦν τὸ τάγμα τῶν παρθένων, προσέχειν ἀκριβῶς τῷ τε[1] κατ' ἔννοιαν φαινομένῳ πράγματι καὶ τῇ τῆς γραφῆς διανοίᾳ, ἣν δυνατὸν ἐξευρεῖν ἀπὸ τοῦ ἀκολούθου· χηρεία γὰρ παρθενίας ἐλάττων,[2] οὐκοῦν καὶ τὸ τῶν χηρῶν ἁμάρτημα πολλῷ δεύτερόν ἐστιν τοῦ τῶν παρθένων. ἴδωμεν[3] τοίνυν τί γέγραπται Τιμοθέῳ παρὰ τῷ[4] Παύλῳ·[5] Νεωτέρας δὲ χήρας[6] παραιτοῦ· ὅταν γὰρ καταστρηνιάσωσιν τοῦ Χριστοῦ, γαμεῖν θέλουσιν, ἔχουσαι κρίμα, ὅτι τὴν πρώτην πίστιν ἠθέτησαν. εἰ τοίνυν ἡ[7] χήρα κρίματι ὑπόκειται βαρυτάτῳ, ὡς τὴν εἰς Χριστὸν ἀθετήσασα πίστιν, τί χρὴ λογίζεσθαι ἡμᾶς περὶ τῆς παρθένου, ἥτις νύμφη ἐστὶν τοῦ Χριστοῦ καὶ σκεῦος ἱερὸν ἀνατεθὲν τῷ δεσπότῃ; μέγα μὲν ἁμάρτημα καὶ δούλην λαθραίοις γάμοις[8] ἑαυτὴν ἐπιδιδοῦσαν[9] φθορᾶς ἀναπλῆσαι τὸν οἶκον καὶ καθυβρίζειν διὰ τοῦ πονηροῦ βίου τὸν κεκτημένον· πολλῷ δὲ δήπου χαλεπώτερον τὴν νύμφην μοιχαλίδα[10] γενέσθαι καὶ τὴν πρὸς τὸν νυμφίον ἕνωσιν ἀτιμάσασαν ἡδοναῖς ἀκολάστοις ἑαυτὴν ἐπιδοῦναι. οὐκοῦν ἡ μὲν χήρα ὡς δούλη διεφθαρμένη καταδικάζεται, ἡ δὲ παρθένος τῷ κρίματι τῆς μοιχαλίδος[11] ὑπόκειται. ὥσπερ οὖν τὸν ἀλλοτρίᾳ γυναικὶ συνιόντα μοιχὸν

л. 187 а.

1) дѣчь *С.* 2) и *проп. У.* 3) довиче *У.* 4) вѣдѣхомъ *С.* 5) вьла *У.* 6) отърнчаѩнсѧ *У.* 7) хрістосова *У.* 8) же *проп. С.* 9) прѣлюбодѣицѣ *У.* 10) вещьствовати *У.* 6) любодѣиствова *У.*

1) τε проп. P. 2) ἐλάττω V. 3) ἴδομεν cod. 4) τῷ проп. V. 5) τοῦ Παύλου P. 6) cod. переправл. изъ χειρας. 7) ἡ проп. P. 8) γάμοις проп. V. 9) ἐπιδοῦσαν V. 10) μοιχαλλίδα cod. V. 11) μοιχαλλίδος cod. V.

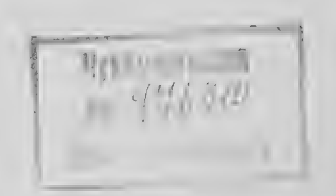

именоуѥмъ· не пьрвѣѥ приимъше въ обыщениѥ· прѣже даже не прѣстаноущемъ отъ грѣха· тако ꙗвѣ· ꙗко и на имоущаꙗ дв҃ы полагаѥмъ· оно бо нънѧ прѣжде исповѣдати намъ поуждьно· ꙗко дѣва именоуѥтьсѧ· волею себе приведъшиꙗ гв҃и· и отъвьргъшисѧ брака· и въ освщ҃ении жити[1] произволивъши исповѣданиꙗ же

л. 187 b. тогда[2] избираѥмъ· отъ|нелѣ же оубо[3] въздрастъ· съконьчаниѥ слова[4] имать· не дѣтьскыꙗ бо гласы· вьсѧко рѣснотивьны· оу таковъıихъ мьнѣти·[5] подобааше· нъ бывъшюю· выше шести на десѧте· или· ꙁ҃і· лѣ· госпожю соущю помысломъ· расмощреноу[6] наипаче· по семь прѣбывъшю и молѧщюсѧ мольбами· на приꙗтиѥ тогда причетатисѧ къ дѣвамъ· и исповѣданиѥ таковыꙗ оутвьржающе· и отъвьрженииѥ ѥꙗ бо отъреченииꙗ моучити· многы бо родители приводѧть и братиꙗ· и отъ подобьныихъ нѣции· не въ своихъ оустрьмльшиихъсѧ· къ непосагании· нъ нѣчьто житиискоѥ себе примышлꙗюще· ихъже не оудобь приимати подобаѥть· доньдеже ꙗвѣ своихъ испытати ꙗ разоумъ·

ὀνομάζομεν, οὐ πρότερον παραδεξάμενοι[1] εἰς κοινωνίαν, πρὶν ἢ παύσασθαι τῆς ἁμαρτίας, οὕτω δηλονότι καὶ ἐπὶ τοῦ τὴν παρθένον ἔχοντος διατεθησόμεθα. ἐκεῖνο δὲ νῦν προδιομολογεῖσθαι[2] ἡμῖν ἀναγκαῖον, ὅτι παρθένος ὀνομάζεται ἡ ἑκουσίως ἑαυτὴν προσαγαγοῦσα τῷ κυρίῳ καὶ ἀποταξαμένη τῷ γάμῳ καὶ τὸν ἐν ἁγιασμῷ βίον προτιμήσασα· τὰς δὲ ὁμολογίας τότε ἐγκρίνομεν, ἀφ᾽ οὗπερ ἂν ἡ ἡλικία τὴν τοῦ λόγου συμπλήρωσιν ἔχῃ·[3] οὐ γὰρ τὰς παιδικὰς φωνὰς πάντως κυρίας ἐπὶ τῶν τοιούτων ἡγεῖσθαι προσῆκεν, ἀλλὰ τὴν ὑπὲρ τὰ ις′ ἢ ιζ′[4] γενομένην ἔτη, κυρίαν οὖσαν τῶν λογισμῶν, ἀνακριθεῖσαν ἐπὶ πλεῖον, εἶτα παραμείνασαν καὶ λιπαροῦσαν διὰ ἱκεσιῶν πρὸς τὸ παραδεχθῆναι, τότε ἐγκαταλέγεσθαι χρὴ ταῖς παρθένοις καὶ τὴν ὁμολογίαν τῆς τοιαύτης κυροῦν[5] καὶ τὴν ἀθέτησιν αὐτῆς ἀπαραιτήτως κολάζειν. πολλὰς γὰρ γονεῖς προσάγουσιν καὶ ἀδελφοὶ καὶ τῶν προσηκόντων τινὲς πρὸ τῆς ἡλικίας,[6] οὐκ οἴκοθεν προσορμηθείσας[7] πρὸς ἀγαμίαν, ἀλλά τι βιωτικὸν ἑαυτοῖς διοικούμενοι· ἃς οὐ ῥᾳδίως προσδέχεσθαι δεῖ, ἕως ἂν φανερῶς τὴν ἰδίαν αὐτῶν ἐρευνήσωμεν γνώμην.

---

1) житїи *П.* 2) и *вставл. С.* 3) оуко *проп. У.* 4) слака *У.* 5) мнити *У.* 6) расмотрєнѹ *С.*

1) παραδεξόμενοι PV. 2) προδιωμολογῆσθαι P. 3) ἔχει V (и cod. первонач.). 4) δέκα καὶ ἑπτὰ PV. 5) cod. выскобл. послѣ κυροῦν три буквы (τες?). 6) πρὸ τῆς ἡλικίας cod. in m. рукой X в. 7) cod. здѣсь надъ προσ ставитъ точки (рукой X в.?).

і҃ѳ· Моужии же исповѣданиі не познахомъ· обаче не аще нѣции себе въ чинъ· инокыихъ причьтоша· мълчаниемь мьнѧтьсѧ приимати· неженитвоу обаче и на тѣхъ оно мьню съказати· подобаеть въпрашати ꙗ· и приимати отъ нихъ исповѣданиѥ ꙗвѣ· ꙗко понеже прилагаютьсѧ· къ плътолюбивомоу· и сластьномоу житию· вести ꙗ въ блоудьныхъ запрѣщениꙗ·

к҃· [1] Ѥлико женъ въ ѥреси соущедѣвьство испо|вѣдаша по семь· бракъ въсприꙗша· не мьню подобати осоуждати ꙗ· ѥлико бо законъ г҃лѥть· законьныимъ г҃лѥть· не приимъшиимъ же еще ига х҃ва· ни законоположениꙗ вѣдоущиимъ вл҃чьнꙗ· ꙗко приꙗтьни [2] соуть къ ц҃ркви съ вьсѣмь· и отъпоущениѥ на тѣхъ имоуще отъ вѣры иже въ х҃са· и по вьсемоу въ оглашенѣмь жи[ти]и [3] бывающа· въ исправлениѥ не прїводѧтьсѧ· сихъ же ꙗвѣ ꙗко развѣ [кре]щениꙗ· [4] ц҃ркы не приѥмлѥть· ꙗко ноуждьшими· надъ тѣми чьтемъ рожьства·

к҃а· Аще моужь съ женою живаи понеже [5] не довълнъ бывъ· [6]

γ'. [1] Ἀνδρῶν δὲ ὁμολογίας οὐκ ἔγνωμεν, πλὴν εἰ μή τινες ἑαυτοὺς τῷ τάγματι τῶν μοναζόντων ἐγκατηρίθμησαν, οἳ κατὰ τὸ σιωπώμενον δοκοῦσι παραδέχεσθαι τὴν ἀγαμίαν. πλὴν καὶ ἐπ' ἐκείνων ἐκεῖνο ἡγοῦμαι προηγεῖσθαι προσήκειν, ἐρωτᾶσθαι αὐτοὺς καὶ λαμβάνεσθαι τὴν παρ' αὐτῶν ὁμολογίαν ἐναργῆ, ὥστε, ἐπειδὰν μετατίθενται πρὸς τὸν φιλόσαρκον καὶ ἡδονικὸν βίον, ὑπάγειν αὐτοὺς τῷ τῶν πορνευόντων ἐπιτιμίῳ.

δ'. [2] Ὅσαι γυναῖκες ἐν αἱρέσει οὖσαι παρθενίαν ὡμολόγησαν, εἶτα μετὰ ταῦτα л. 188 а.
γάμον ἀνθείλοντο, [3] οὐχ ἡγοῦμαι χρῆναι καταδικάζεσθαι ταύτας· ὅσα γὰρ ὁ νόμος λαλεῖ, τοῖς ἐν τῷ νόμῳ λαλεῖ. αἱ δὲ μήπω ὑπελθοῦσαι τὸν ζυγὸν τοῦ Χριστοῦ, οὐδὲ τὴν νομοθεσίαν ἐπιγινώσκουσιν τοῦ δεσπότου· ὥστε δεκταὶ εἰσιν τῇ ἐκκλησίᾳ μετὰ πάντων καὶ τὴν ἐπὶ τούτοις ἄφεσιν ἔχουσαι ἐκ τῆς πίστεως τῆς εἰς Χριστόν. καὶ καθόλου τὰ [4] ἐν τῷ κατηχουμένῳ βίῳ γενόμενα [5] εἰς εὐθύνας οὐκ ἄγεται· τούτους δὲ δηλονότι ἄνευ βαπτίσματος ἡ ἐκκλησία οὐ παραδέχεται· ὥστε ἀναγκαιότατα ἐπὶ τούτοις τὰ πρεσβεῖα τῆς γενέσεως.

ε'. [6] Εἰ ἀνὴρ γυναικὶ συνοικῶν, ἐπειδὰν μὴ ἀρκεσθεὶς

1) *У проп. все правило 20.* 2) пріатніи *П.* 3) *исправл. по П.* 4) *исправл. по П.* 5) поже *У.* 6) кы *У.*

1) ιθ' P; ιθ'. Περὶ μοναχῶν V. 2) κ' PV. 3) ἀνθείλαγτο Patm. 172, но надъ α послѣ λ надпис. ο. 4) конечное α cod. здѣсь по скобл. вмѣсто двухъ буквъ (было τῶν?). 5) γινόμενα V. 6) κα' PV.

бракъмь· въ блоудъ въпадеть блоудьника соудилъ таковаго· и наче простираюмъ юмоу[1] въ ꙁапрѣщениихъ·[2] не оубо имамъ же канона· въ прѣлюбодѣꙗнъıꙗ[3] юго въвести прѣгрѣшенинѥ·[4] аще на свободьноую брака грѣхъ[5] боудеть· ꙁанѥ прѣлюбодѣица оубо· осквьрнꙗюма рече осквьрнюна боудеть· и не възвратитьсѧ[6] къ моужю своюмоу· и имѣꙗи прѣлюбодѣиницю·[7] несъмъıсльнъ и нечьстивъ· блоудивъıи же оубо· не ꙁатворенъ боудеть отъ съвъкоуплениꙗ къ женѣ своюи· ꙗко жена оубо· л. 188 b. отъ блоужениꙗ възвраща|ющиасѧ моужа своюго· пакъı въсприиметь· моужь же осквьрненоую поустить иꙁ домоу своюго· и си же слово не оудобьно а обычаи сице оудьржа·

ⷦв҃· Имѣющиихъ отъ въсхъıщениꙗ женъı·[8] аще инѣмъ боудоуть оброучены и отължченъı· не пьрвѣю[9] подобаюѣть приимати· прѣже даже не отълоучать[10] отъ нихъ· и областию иꙁ начала оброучивъшиихъ·

τῷ γάμῳ εἰς πορνείαν ἐκπέσῃ,[1] πόρνον κρίνομεν[2] τὸν τοιοῦτον καὶ πλεῖον αὐτὸν παρατείνομεν ἐν τοῖς ἐπιτιμίοις. οὐ μέντοι ἔχομεν κανόνα τῷ τῆς μοιχείας αὐτὸν ὑπαγαγεῖν[3] ἐγκλήματι, ἐὰν εἰς ἐλευθέραν γάμου ἡ ἁμαρτία γένηται· διότι ἡ μοιχαλὶς[4] μὲν μιαινομένη,[5] φησίν, μιανθήσεται καὶ οὐκ ἀναστρέφει[6] πρὸς τὸν ἄνδρα αὐτῆς, καὶ ὁ κατέχων μοιχαλίδα[7] ἄφρων καὶ ἀσεβής. ὁ μέντοι πορνεύσας οὐκ ἀποκλεισθήσεται τῆς πρὸς τὴν γυναῖκα ἑαυτοῦ[8] συνοικήσεως. ὥστε ἡ μὲν γυνὴ ἀπὸ πορνείας ἐπανιόντα τὸν ἄνδρα αὐτῆς παραδέξεται, ὁ δὲ ἀνὴρ τὴν μιανθεῖσαν τῶν οἴκων ἑαυτοῦ ἀποπέμψει· καὶ[9] τούτων δὲ ὁ λόγος οὐ ῥᾴδιος,[10] ἡ δὲ συνήθεια οὕτως κεκράτηκεν.

ϛʹ.[11] Τοὺς ἐξ ἁρπαγῆς ἔχοντας γυναῖκας, εἰ μὲν ἄλλοις προμεμνηστευμένας εἶεν ἀφῃρημένοι, οὐ πρότερον χρὴ παραδέχεσθαι, πρὶν ἢ ἀφελέσθαι[12] αὐτῶν[13] καὶ ἐπ' ἐξουσίᾳ τῶν ἐξ ἀρχῆς μνηστευσαμένων

---

1) юмоу *проп.* *У.* 2) ꙁапрѣщениихъ *У.* 3) прѣлободѣꙗнъıꙗ *У.* 4) прѣшениѥ *У.* 5) грѣха *У.* 6) въꙁвратитсѧ *П.* 7) прѣлюбодѣицю *УП.* 8) жены *П.* 9) пьрвѣ *У.* 10) олоучать *У.*

1) ἐμπέσῃ V. 2) cod. переправл. изъ κρινόμενον. 3) ὑπάγειν V. 4) μοιχαλλὶς cod. 5) cod. μεμιαινομένη, но рука X в. вставл. ν между ε и μ. 6) ἀναστρέψει PV. 7) μοιχαλλίδα cod. 8) cod. переправл. рукой X в. изъ αὐτοῦ. 9) καὶ проп. P. 10) cod. переправл. изъ ῥαδίως. 11) κβʹ V. 12) αὐτὰς ἀπ' вставл. V. 13) въ Patm. 173 л. 188[b] оканчивается слогомъ αὐ и дальше вырванъ 1 листъ, на которомъ было окончаніе слова и правила и текстъ всѣхъ дальнѣйшихъ правилъ до словъ μέντοι προσχήματι правила 29 включит.

сътворить· или хотѧть приꙗти ꙗ· или остоупити·[1] аще ли прилежащюю[2] къто поиметь· отѧти оубо подобаѥть·[3] и въ своихъ поставити· повелѣвати же разоумъ своихъ·[4] аще ли родители боудоуть· или братиꙗ или нѣции· стоꙗщеи за отроковицею· и аще хотѧть ѥмоу прѣдати то[5] поставити съчетаниѥ· аще ли помаваютъ ноужда[6] не сътворити·[7] имоущюоумоу оубо женоу отъ растьлѣниꙗ· или таинааго или[8] ноуждьнааго· ноужда[9] блоудьноѥ· познати запрѣщениѥ· ѥсть же въ́ четырьхъ лѣтѣхъ· заповѣданоѥ блоудѧщиихъ запрѣщениѥ· подобаѥть оубо въ пьрвоѥ изгънати из молитвъ· плакати· имъ прѣдъ двьрьми цр҃квьнъıими· вътороѥ же приꙗти въ цр҃квь въ[10] третиѥѥ же на по|кааниѥ· въ четвьртоѥ въ оглашениѥ съ людьми· и оӱдалꙗющемъсѧ приношениꙗ·[11] по семь повелѣвати· обьщениꙗ бл҃гааго приꙗти·

кг҃· О поимающиихъ[12] дъвѣ сестрѣници· или за дъва брата посагающиимъ· посъланъıꙗ намъ·[13] възглашено бысть· ѥгоже въсписаниѥ посълахомъ твоѥмоу бл҃гобоꙗзньствꙋ·

ποιῆσαι, εἴτε βούλοιντο λαβεῖν αὐτὰς εἴτε ἀποστῆναι. εἰ δὲ σχολάζουσάν τις λάβοι, ἀφαιρεῖσθαι μὲν[1] δεῖ καὶ τοῖς οἰκείοις ἀποκαθιστᾶν, ἐπιτρέπειν δὲ τῇ γνώμῃ τῶν οἰκείων, εἴτε γονεῖς εἶεν, εἴτε ἀδελφοί, εἴτε οἱτινεσοῦν προεστῶτες τῆς κόρης· κἂν μὲν ἕλωνται αὐτῷ παραδοῦναι, ἵστασθαι τὸ συνοικέσιον· ἐὰν δὲ ἀνανεύωσιν,[2] μὴ βιάζεσθαι. τὸν μέντοι ἐκ διαφορᾶς[3] εἴτε λαθραίας, εἴτε βιαιοτέρας,[4] γυναῖκα ἔχοντα, ἀνάγκη τὸ τῆς πορνείας ἐπιγνῶναι ἐπιτίμιον. ἔστι δὲ ἐν τέσσαρσιν[5] ἔτεσιν ὡρισμένη τοῖς πορνεύουσιν ἡ ἐπιτίμησις· χρὴ τῷ πρώτῳ[6] ἐκβάλλεσθαι τῶν προσευχῶν καὶ προσκλαίειν αὐτοὺς τῇ θύρᾳ τῆς ἐκκλησίας, τῷ δευτέρῳ δεχθῆναι εἰς ἀκρόασιν, τῷ τρίτῳ εἰς μετάνοιαν, τῷ л. 189 a. τετάρτῳ εἰς σύστασιν μετὰ τοῦ λαοῦ ἀπεχομένους τῆς προσφορᾶς, εἶτα αὐτοὺς[7] ἐπιτρέπεσθαι τὴν κοινωνίαν τοῦ ἀγαθοῦ.

ζ΄.[8] Περὶ δὲ τῶν δύο ἀδελφὰς γαμούντων ἢ ἀδελφοῖς δυσὶ γαμουμένων ἐπιστολίδιον ἡμῖν ἐκπεφώνηται, οὗ τὸ ἀντίγραφον ἀπεστείλαμέν σου τῇ εὐλαβείᾳ.

---

1) ѿстꙋпити *С.* 2) прилежащю *У.* 3) подокаѥть оубо *У,* 4) ихъ *С.* 5) то *проп. С.* 6) ноужѧ *У.* 7) и *вставл. У.* 8) ли *У.* 9) ноужѧ *У.* 10) *это* въ *cod. дописс. подъ строкой.* 11) прошеніѧ *С;* приношенїю *П.* 12) поимающиихъсѧ *С.* 13) посъланъıꙗ намъ *проп. С.*

1) въ ἀφαιρεῖσθαι μὲν буквы σθαι μ V пишетъ по скобл. рукой схоліаста. 2) ἀνανεύσωσιν PV. 3) διαφθορᾶς PV. 4) cod. βιοτέρας, по рукой X в. надпис. αι надъ ιο. 5) въ δὲ ἐν τέσσαρσιν буквы δὲ ἐν τεσ V по скобл. рукой схоліаста. 6) ἔτει вставл. V. 7) V перправл. въ αὐτοῖς. 8) κγ′ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило.

кд҃· Приимъıи же брата своѥго женоу· не пьрвѣѥ приѩтъ боудеть· прѣже даже не остоупить отъ неѩ·

ке҃·[1] Въдовицю не причьтеноую въ число дѣвиць·[2] рекъше слоужьбьници въ цр҃кви· изволи ап҃лъ посаглюща· небрѣщи· моужю же овъдовѣвъшю· ни ѥдинъ же прилежить законъ· нъ довьльно таковоуоумоу дъвоженьць запрѣщениѥ· аще бо въдовицѧ шестидесѧтъ лѣтъ бывъши· аще изволить пакы съ моужьмь жити· не съподобиться бл҃гаго обьщениꙗ· донъдеже отъ страсти нечистыѩ прѣстанеть· аще бо прѣже шестидесѧтъ лѣтъ причьтемъ[3] ю· наше прѣгрѣшениѥ а не женьскоѥ·

ке҃· Растьлѣноую собою· въ женоу имѣвыи· запрѣщениѥ оубо· о растьлѣнии· подъиметь· женоу же имѣти подасться ѥмоу·

кѕ҃· Блоужениѥ нѣсть бракъ· нъ ни
брака же начала· ꙗко аще ѥсть мощь-
л. 189 b. но· съчетавающии|имъсѧ по блоуженню
разлоучитисѧ· се оуне есть· аще ли любѧть отъ вьсѧкого образа· съвъкоуплениѥ· запрѣщениѥ оубо блоужениꙗ да познають· оставлꙗѥми же да соуть· да не горе чьто[4] боудеть·

η′.[1] Ὁ δὲ ἀδελφοῦ ἰδίου γυναῖκα λαβὼν οὐ πρότερον δεχθήσεται πρὶν ἀποστῆναι αὐτῆς.

Χήραν,[2] τὴν καταλεγεῖσαν εἰς τὸν ἀριθμὸν τῶν χηρῶν, τουτέστιν τὴν διακονουμένην ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας, ἔκρινεν[3] ὁ ἀπόστολος γαμουμένην παρορᾶσθαι. ἀνδρὶ δὲ χηρεύσαντι οὐδεὶς ἐπίκειται νόμος, ἀλλ' ἱκανὸν τῷ τοιούτῳ τὸ τῶν διγάμων ἐπιτίμιον. ἡ μέντοι χήρα ἑξηκονταετὴς[4] γεγονυῖα, ἐὰν ἕληται πάλιν ἀνδρὶ συνοικεῖν, οὐ καταξιωθήσεται[5] τῆς τοῦ ἀγαθοῦ κοινωνίας, ἕως ἂν τοῦ πάθους τῆς ἀκαθαρσίας παύσηται. ἐὰν μέντοι πρὸ[6] ἑξήκοντα ἐτῶν ἀριθμήσωμεν αὐτήν, ἡμέτερον τὸ ἔγκλημα, οὐ τοῦ γυναίου.

θ′.[7] Ὁ τὴν διεφθαρμένην ὑφ' ἑαυτοῦ εἰς γυναῖκα κατέχων τὸ μὲν ἐπὶ τῇ φθορᾷ ἐπιτίμιον ὑποστήσεται, τὴν δὲ γυναῖκα ἔχειν συγχωρηθήσεται.

ι′.[8] Ἡ πορνεία γάμος οὐκ ἔστιν, ἀλλ' οὐδὲ γάμου ἀρχή· ὥστε, ἐὰν ᾖ δυνατὸν τοὺς κατὰ πορνείαν συναπτομένους χωρίζεσθαι, τοῦτο κράτιστον· ἐὰν δὲ στέργωσιν ἐκ παντὸς τρόπου τὸ συνοικέσιον, τὸ μὲν τῆς πορνείας ἐπιτίμιον γνωριζέτωσαν, ἀφιέσθωσαν δέ, ἵνα μὴ χεῖρόν τι γένηται.

---

1) ке҃ *проп.* С. 2) въдовиць У. 3) причтемъ С. 4) до него речено У (*вм.* да не горе чьто).

1) η′ проп. V Patm. 172. 2) со словъ Χήραν начин. новое правило κδ′ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 3) V переправл. изъ ἔκκρινεν. 4) ἑξηκονταέτης V. 5) καταξιοῦται V. 6) cod. προ и выскобл. еще одна буква (σ?). 7) κε′ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 8) κϛ′ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило.

к҃з· о попѣ прѣльщьшимьсѧ· По невѣжьствоу безаконьнъıимь бракъмь· заповѣда еже подобааше· сѣдалище оубо имѣти· прочиихъ же дѣтелии огрѣбатисѧ· довълно оубо таковоуоумоу прощению· бл҃гословити[1] же много неподобьно· своимъ прилежати дължьна соуща строупомъ· бл҃гословление бо ст҃ынꙗ подание есть· того же не имѣꙗи за съблажнение[2] невѣжьства· како иномоу подасть ни въ людьхъ оубо ни[3] единъ да не бл҃гсть·[4] ни тѣлесе х҃ва инѣмъ да не[5] подаеть· ни инако како да не слоужить не подобьнъ[6] съı·[7] намѣстьемь да плачетьсѧ къ г҃ви· отъпоустити емоу отъ невѣжьствиꙗ безаконие·[8]

к҃и· Оно бо ли оубо смѣхъ ꙗвис҇ꙗ·[9] еже молитисѧ комоу· свинъıхъ мѧсъ не ѣсти·[10] ꙗко съводоби[11] оучити ꙗ· отъ ненаказанъıхъ молитвъ· и обѣщании оудалꙗтисѧ· приимание оубо неразлично соуще прости· ничьто же бо тварь б҃жиꙗ· отъвържено съ похвалою приимаемо· ꙗко молитвѣ поспѣ|шьнѣ бъıти· а не огрѣбание ноуждьное·

к҃ѳ· Кънѧземъ оубо ротитисѧ· на зълотворение обладаемъıимъ· и

1) благословити *У.* 2) блажение *У.* 3) ни *проп. С.* 4) б҃гословѧть *П.* 5) не *проп. У.* 6) довольнъ *УП.* 7) съ *П.* 8) безаконии *У.* 9) ꙗвити *П.* 10) ꙗсти *УП.* 11) съподоби *УПС.*

ια΄.[1] Περὶ τοῦ πρεσβυτέρου, τοῦ κατὰ ἄγνοιαν ἀθέσμῳ γάμῳ περιπαρέντος, ὥρισα ἃ ἐχρῆν· καθέδρας μὲν μετέχειν, τῶν δὲ λοιπῶν ἐνεργειῶν ἀπέχεσθαι· ἀρκετὸν γὰρ τῷ τοιούτῳ ἡ συγγνώμη. εὐλογεῖν δὲ ἕτερον τὸν τὰ οἰκεῖα τημελεῖν ὀφείλοντα τραύματα ἀνακόλουθον· εὐλογία γὰρ ἁγιασμοῦ μετάδοσίς ἐστιν, ὁ δὲ μὴ τοῦτο[2] ἔχων διὰ τὸ ἐκ[3] τῆς ἀγνοίας παράπτωμα, πῶς ἑτέρῳ μεταδώσει; μήτε τοίνυν δημοσίᾳ μήτε ἰδίᾳ εὐλογείτω, μήτε τὸ σῶμα τοῦ Χριστοῦ κατανεμέτω ἑτέροις, μήτε τι ἄλλο λειτουργείτω, ἀλλὰ ἀρκούμενος τῇ προεδρίᾳ προσκλαιέτω τῷ κυρίῳ συγχωρηθῆναι αὐτῷ τὸ ἐκ τῆς ἀγνοίας ἀνόμημα.

ιβ΄.[4] Ἐκεῖνό γε μὴν γελοῖόν μοι κατεφάνη, τὸ εὔξασθαί τινα[5] ὑείων ἀπέχεσθαι κρεῶν. ὥστε καταξίωσον διδάσκειν αὐτοὺς τῶν ἀπαιδεύτων προσευχῶν καὶ ἐπαγγελιῶν ἀπέχεσθαι, τὴν μέντοι χρῆσιν ἀδιάφορον εἶναι συγχώρησον· οὐδὲν γὰρ κτίσμα θεοῦ ἀπόβλητον μετ' εὐχαριστίας λαμβανόμενον· ὥστε ἡ εὐχὴ καταγέλαστος, οὐχ ἡ л. 190 а.
ἀποχὴ ἀναγκαία.

ιγ΄.[6] Ἄρχοντας μέντοι ὀμνύειν ἐπὶ τὸ κακοποιεῖν τοὺς ἀρχομένους καὶ

1) κζ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 2) τοῦτο μὴ V Patm. 172. 3) ἐκ проп. V. 4) κη΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 5) τινας V. 6) κθ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырвано начало до словъ μέντοι προσχήματι (стр. 488 8).

ѕѣло оугаждати. подобааше оугождениѥ бо сихъ дъвоѥ· ѥдино оубо не ротитиса оучитиса[1] имъ· абиѥ дроугоѥ же· не прѣбывати въ лоукавыихъ· ꙗко клѧтвою[2] обѧтъ къто на ѕълотворениѥ иного· покаꙗниѥ оубо· о мьрѕости клѧтвы да покажеть да не иѕвѣщаѥть оубо́· иѕвѣтъмь бл҃гобоꙗѕньства лоукавьства своѥго· ни иродоу[3] бо подобааше добрѣ кльнъшюса· иже да[4] не клꙗлъсѧ[5] бы· оубиица оубо абиѥ бысть пр҃рка· ѥдиною оубо клѧтва отъречена бысть· мъноѕѣмъ же нѣкъде въправьдоу на ѕълѣ бывающеѥ[6] осоудитиса· ꙗко съмыслити подобаѥть кльноущюоумоуса· а не тъщатиса своѥго иѕвѣщати неподобиѥ· испытаи бо пространѣѥ ѕълобы· аще къто кльнеться иѕвьртѣти[7] очи братоу· аще добро таковоѥ· на дѣло иѕвести ѥмоу· иже оубиѥть аще къто вьсѧкого клѧтвою· ѕаповѣдь нѣкакоу[8] прѣстоупить· клѧхъ бо сѧ и поставихъ· не грѣхъ· нъ съхранити соудьбы правьды твоѥꙗ· ꙗко же ѕаповѣдь· непрѣложьныими соудьбами· подобааше иѕвѣщати такъ грѣхъ· | л. 190 b. отъноудь[9] подобаѥть· раѕарѧти[10] и погоублꙗти·

πάνυ θεραπεύεσθαι[1] προσῆκεν. θεραπεία δὲ τούτων διττή, μία[2] μὲν μὴ ὀμνύειν αὐτοὺς διδάσκεσθαι προχείρως, ἑτέρα δὲ μὴ ἐπιμένειν ἐν ταῖς πονηραῖς κρίσεσιν. ὥστε ὅρκῳ προληφθείς τις εἰς κακοποιίαν ἑτέρου, τὴν μὲν ἐπὶ τῇ προπετείᾳ τοῦ ὅρκου μετάνοιαν ἐπιδεικνύσθω, μὴ μέντοι προσχήματι εὐλαβείας τὴν πονηρίαν ἑαυτοῦ διαβεβαιούτω·[3] οὐδὲ γὰρ Ἡρώδῃ συνήνεγκεν εὐορκήσαντι, ὅς, ἵνα μὴ ἐπιορκήσῃ δῆθεν, φονεὺς ἐγένετο τοῦ προφήτου. ἅπαξ μὲν ὁ ὅρκος ἀπηγόρευται, πολλῷ δὲ δήπου[4] εἰκὸς τὸν[5] ἐπὶ κακῷ[6] γινόμενον κατακεκρίσθαι. ὥστε μεταφρονεῖν χρὴ τὸν ὀμνύοντα, οὐχὶ σπουδάζειν ἑαυτοῦ βεβαιοῦν[7] τὸ ἀνόσιον. ἐξέτασον[8] γὰρ πλατύτερον τὴν ἀτοπίαν· εἴ τις ὀμόσειεν ἐξορύξειν τοὺς ὀφθαλμοὺς τοῦ ἀδελφοῦ, εἰ καλὸν τὸ τοιοῦτον[9] εἰς ἔργον ἀγαγεῖν αὐτῷ;[10] εἴ[11] τις φονεύσειεν;[12] εἴ[13] τις ὅλως δι' ὅρκου ἐντολήν τινα παραβήσεσθαι. ὤμοσα γὰρ καὶ ἔστησα οὐχὶ τὴν ἁμαρτίαν, ἀλλὰ τοῦ[14] φυλάξασθαι τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου. ὥσπερ δὲ τὴν ἐντολὴν ἀμεταθέτοις κρίμασιν προσῆκεν βεβαιοῦσθαι, οὕτω τὴν ἁμαρτίαν παντοίως καθήκει[15] ἀκυροῦσθαι καὶ ἀφανίζεσθαι.

---

1) оучити *У.* 2) *cod. переправл. здѣсь начальное* к *изъ* т. 3) родꙋ *П.* 4) не клѧ *вставл. С.* 5) клѧхсѧ *С.* 6) бывающею *У.* 7) извьрти *У.* 8) вьсѧкою клѧткою· заповѣдь нѣкакоу *проп. У.* 9) ѿнꙋдꙋ *П.* 10) разарѧтїи *П.*

1) ἢ γ' οὖν διορθοῦσθαι διὰ νουθεσίας вставл. V. 2) ἡ V, но впереди ἡ выскобл. одна буква. 3) βεβαιούτω V Patm. 172. 4) που VP. 5) τὸ V. 6) κακοῦ V. 7) βεβαιοῦν ἑαυτοῦ VP. 8) ἐξετάσον P. 9) τῷ τοιούτῳ P. 10) αὐτόν V; αὐτὸ P. 11) ἢ P. 12) PV (и cod. переправл. въ) φονεύσειν. 13) ἢ P. 14) V переправл. τοῦ въ τὸ 15) καθήκειν PV, но V выскобл. ν.

л҃· О въсхытающиихъ·[1] канона ветъхааго не имамъ· свои же разоумъ сътворихомъ· г҃· лѣ҃· и тѣмъ·[2] и съвъсхытающиими съ тѣми· вънѣ мл҃твъ бывати· ово оубо подобаѥть[3] ноуждьно бываѭщеѥ· неповиньно ѥсть ѥгда не тьлѭ боудеть ни окрадениѥ· мьнимоѥ вещи самовластьна же въдовица· и на неи ѥже послѣдовати· ꙗко образъ намъ не печи҃·[4]

л҃а· Аще ошьдъшю[5] моужю и безвѣсти бывъшю· прѣже оуслышати о съмрьти ѥго· за иного шьдъшиꙗ[6] прѣлюбы[7] сътворить·[8]

л҃в· Съгрѣшающии къ съмрьти клирици· отъ чина своѥго отъвождѧтьсѧ· отъ обьщениꙗ же· простыихъ не възбранени[9] боудѫть· не отъмьстиши бо дъвократъ въкоупь·

л҃г· Жена рожьшиꙗ и небрѣгъши рожденаго· въ прѣгрѣшениѥ оубииства· да вложена боудеть·[10]

л҃д· Прѣлюбодѣюща жены·[11] исповѣдающасѧ· бл҃гобоꙗзньства ради· или како оубо ѿбличаѥмы обличати· не повелѣша оц҃и наши· да не съмрьтьноую вины· подамь обличеныимъ·

ιδ'.[1] Περὶ τῶν ἁρπαζόντων κανόνα μὲν παλαιὸν οὐκ ἔχομεν, ἰδίαν δὲ γνώμην ἐποιησάμεθα τρία ἔτη καὶ αὐτοὺς καὶ τοὺς συναρπάζοντας αὐτοῖς ἔξω τῶν εὐχῶν γίνεσθαι. τὸ δὲ[2] μὴ[3] βιαίως γινόμενον ἀνεύθυνόν ἐστιν, ὅταν μὴ φθορὰ ᾖ μηδὲ κλοπὴ ἡγουμένη τοῦ πράγματος. αὐτεξουσία δὲ ἡ χήρα[4] καὶ ἐπ' αὐτῇ τὸ ἀκολουθῆσαι· ὥστε τῶν σχημάτων[5] ἡμῖν οὐ φροντιστέον.

ιε'.[6] Ἡ ἀναχωρήσαντος τοῦ ἀνδρὸς καὶ ἀφανοῦς ὄντος πρὸ τοῦ πεισθῆναι περὶ τοῦ θανάτου αὐτοῦ ἑτέρῳ συνοικήσασα μοιχᾶται.

ις'.[7] Οἱ τὴν πρὸς θάνατον ἁμαρτίαν ἁμαρτάνοντες κληρικοὶ τοῦ βαθμοῦ[8] κατάγονται, τῆς κοινωνίας δὲ τῶν λαϊκῶν οὐκ ἐξείργονται· Οὐδὲ[9] γὰρ ἐκδικήσεις δὶς ἐπὶ τὸ αὐτό.

ιζ'.[10] Ἡ γυνὴ[11] κυήσασα καὶ ἀμελήσασα τοῦ κυήματος τῷ τοῦ φόνου ἐγκλήματι ὑποκείσθω.

ιη'.[12] Τὰς μοιχευθείσας γυναῖκας καὶ ἐξαγορευούσας δι' εὐλάβειαν, ἢ ὁπωσοῦν ἐλεγχομένας, δημοσιεύειν οὐκ ἐκέλευσαν[13] οἱ πατέρες ἡμῶν, ἵνα μὴ θανάτου αἰτίαν παράσχωμεν[14] ἐλεγχθείσαις·

---

1) въсхыщающиихъ *С.* 2) г҃· лѣ҃· и тѣмъ *проп. У.* 3) *cod. переправл. здѣсь* д *изъ* в. 4) попецисѧ *У* (*вм.* не печи҃). 5) ѿшешю *П.* 6) шьдъши *У.* 7) и *вставл. П.* 8) сътвори *УП.* 9) възбранени *С.* 10) боуд҃ *П.* 11) и *вставл. У.*

1) λ' PV. 2) δε cod., при чемъ δ по скобл. рукой X в. (вм. γ?). 3) cod. здѣсь μ по скобл. рукой X в. (вм. δ?). 4) χαρὰ P. 5) σχισμάτων P. 6) λα' PV. 7) λβ' PV. 8) μὲν вставл. PV. 9) Οὐ PV. 10) λγ' PV. 11) ἡ διὰ τῆς ὁδοῦ вставл. P (и cod. in m. рукой X в.). 12) λδ' PV. 13) μὲν ἐκώλυσαν V (вм. οὐκ ἐκέλευσαν). 14) cod. переправл. изъ παρασχῶμεν.

поставлꙗти же ꙗ безъ ѡбьщениꙗ повелѣша· до съконьчаниꙗ | лѣтоу покаꙗниꙗ·[1]

л. 191 а.

л̃е· На оставлѥнѣмь· винoу подобаѥть смотрїти· оставлѥниꙗ· и аще ꙗвиться бесловесьно· отъшьдъшиꙗ· овъ оубо прощениꙗ ѥсть достоинъ· она же запрѣщениꙗ· прощениѥ же томоу· къ обьщению цр҇кви подасться·[2]

л̃г· Воинъıихъ женъı моужемъ нщезъшемъ бъıвъшемъ· посагъшаꙗ· въ то же вълагаються слово· ꙗко же бо не жьдавъшаꙗ· ѡшьствиꙗ[3] ради моужь възвращениꙗ обаче имать· нѣкоущю[4] простъıню[5] вещь· сьдезаниѥ паче къ съмьрти бъıти помъıшлѥнию·

л̃з· По отълоучении·[6] чюжюю поимъıи при пьрвѣмь прилюбодѣꙗнии[7] прѣгрѣшить при вьторѣмь же неповиньнъ боудеть·

л̃и· Дѣвъı чрѣсъ разоумъ оч҇ь· въслѣдовавъша блоудѧть·

ἵστασθαι δὲ αὐτὰς ἄνευ κοινωνίας προσέταξαν μέχρι τοῦ συμπληροῦσθαι τὸν χρόνον τῆς μετανοίας.

ιθʹ.[1] Ἐπὶ δὲ τοῦ ἐγκαταλειφθέντος[2] τὴν αἰτίαν χρὴ σκοπεῖν τῆς ἐγκαταλείψεως· κἂν φανῇ ἀλόγως ἀναχωρήσασα, ὁ μὲν συγγνώμης ἐστὶν[3] ἄξιος, ἡ δὲ ἐπιτιμίου· ἡ δὲ συγγνώμη τούτῳ πρὸς τὸ[4] κοινωνεῖν τῇ ἐκκλησίᾳ δοθήσεται.

κʹ.[5] Στρατιώτιδες, αἱ τῶν ἀνδρῶν ἀφανῶν ὄντων γαμηθεῖσαι, τῷ αὐτῷ ὑπόκεινται λόγῳ, ὥσπερ[6] καὶ αἱ[7] διὰ τὴν ἀποδημίαν τῶν ἀνδρῶν μὴ ἀναμείνασαι τὴν ἐπάνοδον. πλὴν ἔχει τινὰ[8] συγγνώμην τὸ πρᾶγμα ἐνταῦθα διὰ τὸ μᾶλλον πρὸς θάνατον εἶναι τὴν ὑπόνοιαν.

λζʹ. Μετὰ τὸ ἀφαιρεθῆναι τὴν ἀλλοτρίαν ὁ γαμήσας ἐπὶ μὲν τῇ πρώτῃ μοιχείᾳ[9] ἐγκληθήσεται, ἐπὶ δὲ τῇ δευτέρᾳ ἀνεύθυνος ἔσται.

ληʹ. Αἱ κόραι, αἱ παρὰ γνώμην πατρὸς ἀκολουθήσασαι, πορνεύουσιν·

---

1) покаꙗниꙗ *У.* 2) подасть *У.* 3) Ѿшествїа *П.* 4) нѣкоую *УП.* 5) *cod. пишетъ конечное* ю *такъ:* ꙇо. 6) отълоучиии *У.* 7) прѣлюбодѣꙗнии *УП.*

1) λεʹ V Patm. 173; нумерацію проп. Patm. 172. 2) καταλειφθέντος PV; ἀνδρὸς ὑπὸ τῆς γυναικὸς вставл. V. 3) ἔστιν Patm. 172. 4) буквы ος τὸ въ V по скобл., вѣроятно, вмѣсто ος. 5) λςʹ PV. 6) ὥπερ P (и V перепpавл. схоліастомъ изъ ὥσπερ). 7) αἱ проп. P. 8) въ cod. вырваны послѣ л. 199 и вслѣдствіе этого пропалъ текстъ, какъ слѣдующаго далѣе окончанія правила 20 (36) такъ и всѣхъ правилъ до начала 53 (69); недостающее дописано на лл. 200ª—203ᵇ рукой XV—XVI в., но для изданія оно восполнено не съ лл. 200—203, а изъ Patm. 172, безъ помощи текста на лл. 200—203. 9) μοιχείαν V, но ν добавл. схоліастомъ.

съмирьшемъ[1] же[2] родителемъ· мьнитьсѧ въгодие[3] приимати бывъшеѥ· не абие же въ обыщение поставлꙗѭти ѩ[4] нъ запрѣщены боудоуть три лѣта·

л҃ѳ· Съ любодѣицею живоущиꙗ· прѣлюбодѣицѧ ѥсть въ вьсе лѣто[5] своѥ·

м҃· Чрѣсъ разоумъ господина· моужю сѧ въдавъшиꙗ блоудъ сътвори· по сихъ же· дьрзъш бракъ приимъши· посагноу оубо блоу|жение·[6] се же бракъ·[7] завѣти бо иже по<дъ>[8] властию· ничьсо же имоуть[9] извѣсто·

м҃а· Въ овъдовѣнии· власть имоущиꙗ[10] съ[11] собою· жити съ моужьмь безгрѣшьно· аще нѣкъто ѥсть отъторгна[12] съкоупленꙗ· ап҃лоу[13] бо рекъшю· аще оумьреть моужь· свободьна ѥсть за негоже хощеть посагноути· тъкъмо о г҃дѣ·

м҃в· Развѣ дьржащиихъ· браци блоужениꙗ соуть· ни вл҃дыкы разоумѣвающе неповиньни соуть· ꙗко аще повелѧть господие· съчетание тогда приѥмлѥть брака извѣстоѥ·

διαλλαγέντων δὲ τῶν γονέων, δοκεῖ θεραπείαν λαμβάνειν τὸ γεγονός. οὐκ εὐθὺς δὲ εἰς τὴν κοινωνίαν ἀποκαθίστανται, ἀλλ' ἐπιτιμηθήσονται τρία ἔτη.

λθ'. Ἡ τῷ μοιχῷ συζῶσα μοιχαλίς ἐστι πάντα τὸν χρόνον.

μ'. Ἡ παρὰ γνώμην τοῦ δεσπότου ἀνδρὶ ἑαυτὴν ἐκδοῦσα[1] ἐπόρνευσεν· ἡ δὲ μετὰ ταῦτα πεπαῤῥησιασμένῳ γάμῳ
χρησαμένη ἐγήματο· ὥστε ἐκεῖνο μὲν л. 191 b.
πορνεία, τοῦτο δὲ γάμος· αἱ γὰρ συνθῆκαι τῶν ὑπεξουσιῶν[2] οὐδὲν ἔχουσι βέβαιον.

μα'. Ἡ ἐν τῇ χηρείᾳ ἐξουσίαν ἑαυτῆς[3] ἔχουσα[4] συνοικεῖν ἀνέγκλητος, εἰ μηδείς ἐστιν ὁ διασπῶν τὸ συνοικέσιον, τοῦ ἀποστόλου εἰπόντος· Ἐὰν δὲ ἀποθάνῃ ὁ ἀνήρ, ἐλευθέρα ἐστὶν ᾧ θέλει γαμηθῆναι, μόνον ἐν κυρίῳ.

μβ'. Οἱ ἄνευ τῶν κρατούντων γάμοι πορνεῖαί εἰσίν. οὔτε οὖν πατρὸς ζῶντος, οὔτε δεσπότου, οἱ συνιόντες[5] ἀνεύθυνοι εἰσίν· ὡς,[6] ἐὰν ἐπινεύσωσιν οἱ κύριοι τὴν συνοίκησιν, τότε λαμβάνει[7] τὸ τοῦ γάμου[8] βέβαιον.

---

1) съмирьше *У.* 2) сѧ *вставл. У.* 3) въгодное *С.* 4) сѧ *С.* 5) тѣло *С.* 6) блюжение *И.* 7) бракъ *С, но позднѣйшая рука перeправл. начальное* к *въ* б. 8) *С надписыв. другой рукой* д *надъ* по. 9) и *вставл. У.* 10) имоущаа *И.* 11) съ *проп. ИУ.* 12) отъвьргъна *У.* 13) *cod. перeправл. здѣсь* л *изъ* п.

1) ἐκδιδοῦσα V. 2) ὑπεξουσιων Patm. 173. 3) ἑαυτὴν V. 4) ἀνδρὶ вставл. V. 5) συναινοῦντες V. 6) ὥστε V. 7) γίνεται V. 8) τοῦ γάμου проп. V.

м҃г· Иже съмьртьною ꙗзвою ближьнꙗаго оудари· оубиица҄ ѥсть· или нача[1] ꙗзвоу или поможе·

μγʹ. Ὃς θανάτου πληγὴν τῷ πλησίον ἔδωκεν, φονεύς ἐστιν, εἴτε ἦρξεν τῆς πληγῆς, εἴτε ἠμύνατο.[1]

м҃д·[2] Слоужьбьници· блоудивъшиꙗ съ елинъмь· приꙗтьна ѥсть въ обьщениѥ· въ приношениѥ же приꙗта боуть·[3] въ семоѥ лѣто· мнѣ ꙗко въ чистотѣ живоущи· по вѣрѣ же пакы елинъ на свѧщеноокрадениѥ пришьдъ·[4] на бльвотинъı въꙁвратитьсѧ· мы же[5] слоужьбьница[6] тѣлесе· ꙗко освѧщено оуже не повелѣваѥмо· на приманиѥ быти плътьскоѥ·

μδʹ. Ἡ διάκονος ἡ τῷ Ἕλληνι συμπορνεύσασα, δεκτή ἐστιν εἰς τὴν[2] κοινωνίαν,[3] εἰς δὲ τὴν προσφορὰν δεχθήσεται τῷ ἑβδόμῳ ἔτει, δηλονότι ἐν ἁγνείᾳ ζῶσα. ὁ δὲ μετὰ τὴν πίστιν Ἕλλην, πάλιν τῇ[4] ἱεροσυλίᾳ προσιών, ἐπὶ τὸν[5] ἔμετον ὑποστρέψει.[6] ἡμεῖς δὲ τῆς διακόνου τὸ σῶμα ὡς καθιερωμένον οὐκ ἔτι ἐπιτρέπομεν ἐν χρήσει εἶναι σαρκικῇ.

м҃е·[7] Иже аще къто имѧ приимъ хрьстьꙗньства роугаѥтьсѧ х҃оу· нѣсть польꙁы ѥмоу отъ нареченꙗ·[8]

μεʹ. Ὃς ἐάν τις τὸ ὄνομα τοῦ χριστιανισμοῦ λαβὼν[7] ἐνυβρίζῃ τὸν Χριστόν, οὐδὲν ὄφελος αὐτῷ ἀπὸ τῆς προσηγορίας.

л. 192 а. | м҃ѕ· Ꙁа поущенаго къ времени отъ женъı· по невѣжьствоу посагъшиꙗ· по семь поущена бывъши· ꙁаниѥ въꙁвратитисѧ къ ѥмоу пьрвѣи· блоудъ[9] оубо[10] сътвори· невѣжьствъмь же отъ брака оубо не въꙁвратитьсѧ·[11] оуниѥ же аще прѣбоудеть тако·

μϛʹ. Ἡ δὲ τῷ[8] καταλειφθέντι πρὸς καιρὸν παρὰ τῆς γυναικὸς κατὰ ἄγνοιαν γημαμένη, εἶτα ἀφεθεῖσα διὰ τὸ ἐπανελθεῖν πρὸς αὐτὸν τὴν προτέραν, ἐπόρνευσε μέν, ἐν ἀγνοίᾳ δέ. γάμου οὖν[9] οὐκ εἰρχθήσεται, κάλλιον δέ, ἐὰν μείνῃ οὕτως.

м҃ꙁ·[12] Въꙁдьржателиѥ· и врѣтищеносьци· и отърочьници· томоу же подълежать словоу· имьже и

μζʹ.[10] Ἐγκρατῖται[11] καὶ Σακκοφόροι καὶ Ἀποτακτῖται τῷ αὐτῷ ὑπόκεινται λόγῳ, ᾧ καὶ

---

1) чꙗ *У.* 2) *У проп. все правило 44.* 3) боудеть *СП.* 4) прешⷣ҇ *С.* 5) слоужѥ *вставл. П.* 6) слꙗжебничѧ *П.* 7) ме *cod.* 8) нареченꙗ *У.* 9) блоу *У.* 10) бо *У.* 11) възкранитьсѧ *УП.* 12) *У проп. все правило 47.*

1) ἀντημύνατο V. 2) начало правила 44 до τὴν включ. въ Patm. 173 оборвано вверху л. 191ª. 3) μετάνοιαν V; cod. διακονίαν, но обводитъ это слово точками и надписываетъ κοινωνίαν. 4) τῇ cod. проп. 5) ἴδιον вставл. V. 6) ἐπιστρέψει V. 7) λαβὼν τοῦ χριστιανισμοῦ V Patm. 173. 8) το Patm. 173. 9) V выскобл. послѣ οὖν двѣ буквы. 10) V съ заглавіемъ: Περὶ Ἐγκρατιτῶν. 11) Ἐγκρατηταὶ V.

наватиане ꙗко о тѣхъ оубо· аще възглашено бысть различьно· на сиꙗ же помълчано бысть· мы оубо єдинѣмь словомь· второѥ крыщаѥмъ[1] таковꙑꙗ· отъ васъ же речено бысть· второѥ не крыщати· ꙗко же оубо и отъ римлꙗнъ· съмотрениꙗ нѣкоѥго дѣлѧ· отъмѣтати кр҃щениꙗ ради ихъ· наше слово да оукрѣплѧѥтьсѧ· ꙗко понеже маркиꙗнꙗнъ ѥсть прозѧбениѥ· и[2] иже на нихъ ереси· гноушающемъсѧ[3] брака· и отъвращающемъсѧ[4] вина· и тварь бж҃ию оскврьшеноу соущию гл҃ющиихъ· не приѥмлѥмъ ихъ въ цр҃квь· аще не крьстѧтьсѧ въ наше крыщениѥ·[5] еда гл҃ють ꙗко въ оц҃ѧ и сн҃а и ст҃го дх҃а крьстихомъсѧ· злꙑимъ творьца полагающе б҃а· подобьно маркианоу и прочимъ ересьмъ· ꙗко аще въгодьно боудеть се· подобаѥть множаишемъ еп҃омъ·[6] вькоупь быти· и тако заповѣдати канонъ· | да сътворьшюоумоу небѣдьно боудеть· и отъвѣтаꙗи достовѣрьноѥ имать· въ отъвѣтѣ о[7] таковꙑихъ·

мн҃и· Поущенаꙗ же отъ моужа своѥго по моѥмоу[8] разоумоу прѣбꙑвати подобаѥть· аще бо г҃ь рече· ꙗко аще къто оставить женоу· развѣ

Ναυατιανοί, ὅτι περὶ μὲν ἐκείνων κανὼν ἐξεφωνήθη, εἰ καὶ διάφορος, τὰ δὲ κατὰ τούτους ἀποσεσιώπηται. ἡμεῖς μέντοι ἑνὶ λόγῳ ἀναβαπτίζομεν τοὺς τοιούτους· εἰ δὲ παρ' ὑμῖν ἀπηγόρευται[1] τὸ τοῦ ἀναβαπτισμοῦ, ὥσπερ οὖν καὶ παρὰ Ῥωμαίοις, οἰκονομίας τινὸς ἕνεκεν ἀθετεῖσθαι διὰ τὸ βάπτισμα αὐτῶν,[2] ὁ ἡμέτερος λόγος ἰσχὺν ἐχέτω, ὅτι, ἐπειδὴ ὥσπερ Μαρκιωνιστῶν ἐστιν αὐτοβλάστημα ἡ[3] κατ' αὐτοὺς αἵρεσις,[4] βδελυσσομένων τὸν γάμον καὶ ἀποστρεφομένων τὸν οἶνον καὶ τὴν κτίσιν[5] τοῦ θεοῦ μεμιασμένην εἶναι λεγόντων, οὐ δεχόμεθα[6] οὖν αὐτοὺς εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ἐὰν μὴ βαπτισθῶσιν εἰς τὸ ἡμέτερον βάπτισμα· μὴ γὰρ λεγέτωσαν, ὅτι εἰς πατέρα καὶ υἱὸν καὶ ἅγιον πνεῦμα ἐβαπτίσθημεν, οἵ γε κακὸν[7] ποιητὴν ὑποτιθέμενοι τὸν θεὸν ἐφαμίλλως τῷ Μαρκίωνι καὶ ταῖς λοιπαῖς αἱρέσεσιν. ὥστε, ἐὰν ἀρέσῃ τοῦτο, δεῖ πλείονας ἐπισκόπους ἐνταυτῷ[8] γενέσθαι, καὶ οὕτως ἐκθέσθαι τὸν κανόνα, ἵνα καὶ τῷ ποιήσαντι τὸ ἀκίνδυνον ᾖ, καὶ ὁ ἀποκρινόμενος τὸ ἀξιόπιστον ἔχῃ ἐν τῇ περὶ τῶν τοιούτων ἀποκρίσει.

л. 192 b.

μη'. Ἡ δὲ ἐγκαταλειφθεῖσα παρὰ τοῦ ἀνδρὸς κατὰ τὴν ἐμὴν γνώμην μένειν ὀφείλει· εἰ γὰρ ὁ κύριος εἶπεν, ὅτι,[9] Ἐάν τις καταλείπῃ τὴν[10] γυναῖκα ἐκτὸς

---

1) кр҃щамъ *C.* 2) и *проп. II.* 3) гноушающимсѧ *II.* 4) ѿвращающимсѧ *II.* 5) и ст҃ение *C* (*вм.* крыщениѥ). 6) епископомъ *II.* 7) ѿ *II.* 8) ѥмоу *У.*

1) τοῦτο вставл. V. 2) ἀλλ' V, вм. ἀθετεῖσθαι διὰ τὸ βάπτισμα αὐτῶν. 3) ἡ проп. V. 4) κατὰ τὴν αὐτῶν αἵρεσιν V. 5) κτῆσιν cod. 6) οὖν вставл. V. 7) κακῶν V. 8) ἐνταυτὸ V. 9) ὅτι проп. V. 10) τὴν проп. V.

словесе блоудьна· творити[1] ю прѣлюбодѣяти· отъ прѣлюбодѣяния[2] нарещи[3] ю· затвори ю къ иного обыщению· како бо можьть моужь повиньнъ быти· яко прѣлюбодѣяния повиньнъ а жена негрѣшьна[4] быти прѣлюбодѣица отъ Га· обыщения ради къ иномоу нарекъшися·

мѳ· Иже къ ноужди бывающая тьлѣния· неповиньна да[5] боудоуть· яко аще и[6] рабыни приноужена боудеть· отъ своего господина неповиньна есть·

н·[7] Тръженитвья нѣсть законъ· яко законьмь бракъ третии не приводиться·[8] таковая бо яко скверьны црквьныя видимъ· людьская же осоужения не въдагаемъ[9] яко оставленоуоумоу блоужению[10] похотьнѣишая·

λόγου πορνείας, ποιεῖ αὐτὴν μοιχᾶσθαι, ἐκ τοῦ μοιχαλίδα αὐτὴν ὀνομάσαι, ἀπέκλεισεν αὐτὴν τῆς πρὸς ἕτερον κοινωνίας. πῶς γὰρ δύναται ὁ μὲν ἀνὴρ ὑπεύθυνος εἶναι, ὡς μοιχείας αἴτιος, ἡ δὲ γυνὴ ἀνέγκλητος εἶναι, ἡ μοιχαλὶς παρὰ κυρίου[1] διὰ τὴν πρὸς ἕτερον ἄνδρα κοινωνίαν προσαγορευθεῖσα;

μθ΄. Αἱ πρὸς ἀνάγκην γενόμεναι[2] φθοραὶ ἀνεύθυνοι ἔστωσαν· ὥστε καὶ ἡ δούλη, εἰ ἐβιάσθη παρὰ τοῦ ἰδίου δεσπότου, ἀνεύθυνος ἐστίν.[3]

ν΄. Τριγαμίας νόμος οὐκ ἔστιν· ὥστε νόμῳ γάμος τρίτος οὐκ ἄγεται. τὰ μέντοι τοιαῦτα ὡς ῥυπάσματα τῆς ἐκκλησίας ὁρῶμεν, δημοσίαις δὲ καταδίκαις οὐχ ὑποβάλλομεν, ὡς τῆς ἀνειμένης πορνείας αἱρετώτερα.[4]

---

1) творить *УП.* 2) прѣлюбодѣяния *У.* 3) рещи *У.* 4) нарещі ю затворі ю къ иного ѡбыщенію· како бо может мѹжь повиненъ *С* (*вм.* повиньнъ а жена негрѣшьна). 5) да *проп. У.* 6) и *проп. С.* 7) н̄ *С.* 8) проводиться *У.* 9) *cod. переправл. конечное* ъ *изъ* о. 10) блаженію *С.*

1) схоліастъ V переправляетъ первоначальное χ̄ῡ въ τῦ χ̄ῡ. 2) γινόμεναι V. 3) cod. ἔσται, но надъ αι надпис. ιν. 4) αἱρετωτέρα V.

того же о канонѣхъ·[1]

Съ поути далече възвраштьса· бъіхъ бо до понъта· црквьнъіхъ потрѣбъ ради· и по посѣщению готовъіхъ· и тѣло своѥ съкроушено възведъ· и дш҃ю немалы озълоби·[2] поннеже писаниѥ бл҃гобоꙗзньства твоѥго· на роуцѣ приꙗхъ вьсѣхъ абиѥ забъіхъ· и гласа· вьсѣхъ мънѣ сладъкааго· и роукы любьзны[3] въсприимъ образа· ѥлико оубо отъ пс҃ании· таковъіхъ сладъкъі·[4] въобразити дължьнъ ѥси колика достоꙗниꙗ· твори бесѣдоу твою юже промысаить ст҃ы[5] быти· идеже непрѣльстьно ѥсть· и тъ ны призоветь· нбо не люто ми· аще постигнеши домъ· иже къ похвалению быти· въкоупѣ сьде сътоуженъіхъ· бѣгающюоумоу и не къ лицемѣрьнѣи любъви[6] твоѥи идоущю· некъли же ми инако ноуждьны творить· до нонъзиꙗза поуть· напрасноѥ боголюбиваго[7] григориꙗ еп҃па ошьствиѥ·[8] съ коѥю виною бывъшеѥ· невѣдомо до нынѣ· чл҃вкъ же о немьже азъ бѣхъ гл҃авъш· къ съвьршению твоѥмоу· и самъ нынѣ оупъвалъ· и ѥси

* ΤΩι ΑΥΤΩι ΠΕΡΙ ΚΑΝΟΝΩΝ ἘΠΙΣΤΟΛΗ Γ'.[1]

Ἀπὸ ὁδοῦ μακρᾶς ἐπανελθὼν (ἐγενόμην γὰρ μέχρι τοῦ Πόντου ἐκκλησιαστικῶν ἕνεκεν χρειῶν καὶ κατ' ἐπίσκεψιν τῶν ἐπιτηδείων) καὶ τὸ σῶμά μου συντετριμμένον ἐπαναγαγών, καὶ τὴν ψυχήν μου μετρίως κεκακωμένος, ἐπειδὴ τὸ (л. 193 а.) γράμμα τῆς εὐλαβείας σου εἰς χεῖρας ἔλαβον, πάντων ἀθρόως ἐπελαθόμην καὶ τῆς φωνῆς τῆς πασῶν ἐμοὶ ἡδίστης καὶ χειρὸς τῆς φιλτάτης ὑποδεξάμενος σύμβολα. ὡς[2] οὖν ἐκ τῶν γραμμάτων οὕτως ἐγενόμην ἡδίων, εἰκάζειν ὀφείλεις πόσου ἄξιον ποιοῦμαι τὴν συντυχίαν σου, ἣν οἰκονομήσειεν ὁ ἅγιος γενέσθαι, ὅπου ἂν ἐπαχθὲς ᾖ καὶ αὐτὸς ἡμᾶς προσκαλέσῃ· καὶ γὰρ οὐ χαλεπόν μοι, εἰ καταλάβοις τὸν οἶκον τὸν ἐπὶ τῆς Εὐφημιάδος γενέσθαι ὁμοῦ, τά τε ὧδε ὀχληρὰ διαφεύγοντι καὶ πρὸς τὴν ἀνυπόκριτόν σου ἀγάπην ἐπειγομένῳ. τάχα δέ μοι καὶ ἄλλως ἀναγκαίαν ποιεῖ τὴν μέχρι Ναζιανζοῦ ὁδὸν ἡ ἀθρόα τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου Γρηγορίου ἀναχώρησις,[3] μετὰ ποίας αἰτίας γενομένη ἀγνοουμένη μέχρι τοῦ νῦν. ὁ δὲ ἄνθρωπος, περὶ οὗ κἀγὼ ἤμην διαλεχθεὶς τῇ τελειότητί σου καὶ αὐτὸς νῦν ἤλπισας

---

1) *У проп. и это заглавіе и все предисловіе (стр. 495 1—496 20).* 2) о³злоби *С.* 3) любєзныи *П.* 4) слакыи *П.* 5) стыи *П.* 6) *cod. переправл. здѣсь* ю *изъ* и. 7) благолюбиваго *С.* 8) ѡшествїе *П.*

* Такъ какъ въ Vallicell. F 47 вырв. листы (смотр. выше стр 490 15), то до стр. 501 14 весь слѣдующій текстъ печатается тоже по Patm. 172.

1) V заглавіе иначе: Τῷ αὐτῷ ἐπιστολὴ κανονικὴ γ'; послѣ этого заглавія сразу идетъ текстъ правилъ, такъ какъ предисловіе (стр. 495 3—496 20) пропущено. 2) ὃς Patm. 173. 3) ἀναχωρησεις Patm. 173.

готовъ кмоу быти· вѣжь ꙗко въ дълъгъ недоугъ въпадъ· и стражь прочее о тѣхъ образѣхъ· отъ дрѣвьнаꙗ страсти· и отъ прѣже малаго кмоу съключьшаагося недоуга· вьсꙗко неключимо· къ полоучивъшимъся дѣтьмъ оста· инъ же нѣсть оу насъ· ꙗко оуньшюю ꙇе и намъ· повелѣ вецъ· нъ оубо о тѣхъ самѣхъ· коѥго извести· ибо мьнѣти подобаѥть· си л. 193 b. оубо и[ж]ждьни [1] соу|ть гл̅и· дш̅ю же ихъ оного хотѣти· ѥже из начала възискаша· [2] своѥмоу быти наставьникоу· аще ли ѥсть къто отъ новопросвѣщеныихъ· аще ли мьниться македонъ· и аще онъ изведенъ боудеть· въобразиши же и на подобьноѥ· въ вьсѣхъ поспѣшаюши ти г̅и· и на то бл̅годать подающю·

н̅а· Еже на клирикы неразлоучьно каноны заповѣдаша· повелѣвъше ѥдино· въ падъшиихъся заповѣдати томлѥниѥ· [3] отъпадениѥ слоужениꙗ· или въ чиноу боудоуть· [4] или въ нероукоположенѣ слоужьбѣ прибѣгающе· [5]

н̅в· Неврѣгъши рожденаго на поути· аще оубо могоущи· съхранити прѣобидѣ· или покрыти грѣхъ отъмышляти· или вьсꙗко звѣриньмь и нечл̅вчьмь

ἕτοιμον εἶναι, γίνωσκε, ὅτι μακρᾷ ἀῤῥωστίᾳ περιπεσὼν καὶ κάμνων λοιπὸν περὶ αὐτὰς τὰς ὄψεις ἐκ τοῦ παλαιοῦ πάθους καὶ ἐκ τῆς ἔναγχος [1] αὐτῷ ἐπισυμβάσης νόσου παντελῶς ἄχρηστος πρὸς τὰς τυχούσας ἐνεργείας ἀπέμεινεν, ἄλλος δὲ οὐκ ἔστιν παρ' ἡμῖν. ὥστε βέλτιον, εἰ καὶ ἡμῖν ἐπέτρεψαν τὸ πρᾶγμα· ἀλλ' οὖν ἐξ αὐτῶν τινα προβληθῆναι· καὶ γὰρ ἡγεῖσθαι χρὴ ταῦτα μὲν τῆς ἀνάγκης εἶναι τὰ ῥήματα, τὴν δὲ ψυχὴν αὐτῶν ἐκεῖνο βούλεσθαι, ὅπερ ἐξ ἀρχῆς ἐπεζήτησαν οἰκεῖον εἶναι τὸν καθηγούμενον. εἰ δέ ἐστίν τις τῶν νεοφωτίστων, κἂν δοκῇ τῷ Μακεδονίῳ κἂν μή, ἐκεῖνος προβληθήτω· τυπώσης [2] δὲ αὐτὸν πρὸς τὸ δέον τοῦ ἐν πᾶσι συνεργοῦντός σοι κυρίου καὶ τὴν εἰς τοῦτο χάριν παρεχομένου.

να'. Τὸ κατὰ τοὺς κληρικοὺς ἀδιορίστως οἱ κανόνες ἐξέθεντο, κελεύσαντες μίαν ἐπὶ τοῖς παραπεσοῦσιν ὁρίζεσθαι τιμωρίαν, τὴν ἔκπτωσιν τῆς ὑπηρεσίας, εἴτε ἐν βαθμῷ τυγχάνοιεν, εἴτε καὶ ἀχειροθέτῳ ὑπηρεσίᾳ προσκαρτεροῖεν.

νβ'. Ἡ τοῦ κυήματος κατὰ τὴν ὁδὸν ἀμελήσασα, εἰ μὲν οὖν [3] δυναμένη περισώσασθαι κατεφρόνησεν, ἢ συγκαλύψειν [4] τὴν ἁμαρτίαν ἐντεῦθεν νομίζουσα, ἢ ὅλως [5] θηριώδει καὶ ἀπανθρώπῳ

1) *исправл. по П; cod.* иж̅дьни. 2) възискати *П.* 3) томолениѥ *У.* 4) боудеть *У.* 5) прѣбывающе *УП.*

1) ἐνάγχως cod. 2) τυπώσεις Patm. 173. 3) οὖν выскобл. V. 4) συγκαλύψαι cod., но надъ αι надпис. ειν. 5) ὅλως проп. V.

помꙑсльмь ѿнимъши· акꙑ при оубиистві да осоудитьсѧ·[1] аще[2] ли не бъзможе покрꙑти· и поустꙑнѧ ради недомꙑшлениꙗ ноуждьнꙑихъ· растьли роженоє· прощена боудеть мати·

п҃г· Въдовицѧ рабꙑни· нєкли[3] вельми съгрѣши· въсхотѣвъши въторооумоу бракоу въ образъ въсхꙑщениꙗ· ꙗко ничьсо же того ради повѣдати подобаєть· не образи бо соудѧтьсѧ нъ изволєниє· нъ ꙗко дъвоженьцѧ· ожидаєть єꙗ запрѣщениє·

| п҃д·[4] Невольнꙑихъ оубииствъ[5] разлиꙑчиꙗ· прѣже врѣмене вѣмь· посълавъ бл҃гочьстию твоємоу· єлико же ми посълєши· и болє тѣхъ ничьсо[6] могоу рещи· твоєго разоума єсть по своиствоу скърби· простирати запрѣщениꙗ· или отъдаꙗти·

п҃е· Къ разбоиникомъ противоу исходѧщемъ· вънѣ прѣбꙑвающе· обьщениꙗ бл҃гаго· възбранєни боудоуть· клирици же соуще отъ чина[7] отълоучатьсѧ·[8] вьсѧкъ бо рече приимꙑи ножь отъ ножа оумьреть·

п҃ѕ· Волєю оубивꙑи· и по семь раскаꙗвъсѧ· к҃· лѣ҃· отълоученъ боудеть отъ обьщениꙗ свѧщенꙑихъ· дъва десѧте же лѣтъ тако

λογισμῷ χρησαμένη, ὡς ἐπὶ φόνῳ κρινέσθω· εἰ δὲ οὐκ ἠδυνήθη περιστεῖλαι, καὶ[1] δι' ἐρημίαν καὶ ἀπορίαν τῶν ἀναγκαίων[2] διεφθάρη τὸ γεννηθέν, συγγνωστὴ[3] ἡ μήτηρ.

νγ'. Ἡ χήρα δούλη τάχα οὐ μέγα ἔπταισεν ἑλομένη δεύτερον γάμον ἐν σχήματι ἁρπαγῆς· ὥστε οὐδὲν τούτου ἕνεκεν ἐγκαλεῖσθαι χρή· οὐ γὰρ τὰ σχήματα κρίνεται, ἀλλ' ἡ προαίρεσις. δῆλον δέ, ὅτι τὸ τῆς διγαμίας μένει αὐτῇ[4] ἐπιτίμιον.

νδ'. Τὰς τῶν ἀκουσίων φόνων διαφορὰς πρὸ χρόνου οἶδα ἐπιστείλας τῇ θεο- л. 194 а.
σεβείᾳ σου κατὰ τὸ ἐμοὶ δυνατόν, καὶ πλέον ἐκείνων οὐδὲν εἰπεῖν δύναμαι· τῆς δὲ σῆς[5] συνέσεώς ἐστι κατὰ τὸ ἰδίωμα τῆς περιστάσεως ἐπιτείνειν τὰ ἐπιτίμια[6] καὶ ὑφεῖναι.[7]

νε'. Οἱ τοῖς λησταῖς ἀντεπεξιόντες, ἔξω μὲν ὄντες[8] τῆς κοινωνίας εἴργονται[9] τῆς κοινωνίας τοῦ ἀγαθοῦ· κληρικοὶ δὲ ὄντες, τοῦ βαθμοῦ καθαιροῦνται· Πᾶς γάρ, φησίν, ὁ λαβὼν μάχαιραν ἐν μαχαίρᾳ ἀποθανεῖται.

νς'. Ὁ ἑκουσίως φονεύσας καὶ[10] μετὰ[11] τοῦτο μεταμεληθεὶς εἴκοσιν ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τοῖς ἁγιάσμασιν· τὰ δὲ εἴκοσιν ἔτη οὕτως

---

1) сѫдитсѧ *С.* 2) акꙑ при оубиистві да осоудитьсѧ· аще *проп. У.* 3) не *вставл. ПУ.* 4) м҃д *С.* 5) оубииство *П.* 6) же *вставл. ПУ.* 7) чиноу *У.* 8) отълоучаютьсѧ *У.*

1) καὶ проп. V. 2) καὶ τούτου χάριν вставл. V. 3) συγγνώστη V. 4) αὐτὴν V. 5) σῆς δὲ V. 6) ἢ вставл. V Patm. 173. 7) ὑφεῖλαι V. 8) μένοντες V (вм. μὲν ὄντες). 9) εἴργωνται V. 10) καὶ проп. V. 11) δὲ вставл. V.

съмотритѥсѧ[1] на нѥмь· д҃· лѣ҇· плакатисѧ подобаѥть· вънѣ двьрии[2] стоꙗще[3] црк҃вьнаꙗго храма· и вълаꙁѧщиихъ вѣрьнъıихъ· трѣбоуꙗ м҃лтвоу ꙁа нѥ[4] творити·[5] исповѣдаꙗ своѥ беꙁаконьѥ· по четърьхъ же лѣтѣхъ· въ оглашенъıꙗ приꙗтъ боудеть въ притворѣ[6] црк҃вьнѣмь стоꙗ· послоушаꙗи[7] писаниꙗ да иждеНетьсѧ· и[8] не причаститьсѧ молитвъı и до пѧти лѣтъ съ ними исходить· седмь же лѣтъ съ приходѧщиими· да въноутрь[9] црк҃ве станеть· и съ оглашенъıими исходить·[10] ꙁа четъıри же лѣта съ вѣрьнъıими станеть·[11] и не

л. 194 b. исходить съ оглашенъıими· | приношениꙗ же не причаститьсѧ· коньчавъшемъ же[12] тѣмъ· тъгда причаститьсѧ свѧщенъıихъ·

н҃ꙁ· Неволѥю оубивъıи· г҃· лѣ҇· беꙁъ обꙑщениꙗ бѫдеть с҃щнъıихъ· смотрить же сѧ· г҃· лѣ҇ сице· дъвѣ лѣтѣ оубо плачетьсѧ вънѣ цьркъве[13] стоꙗ· три же лѣта въ притворѣ съ ѡглашенъıими да исходить· д҃· лѣ҇· въноутрь црк҃ве да станеть·[14] и иꙁлаꙁить· и лѣто съ вѣрьнъıими да станеть[15] тъкмо· и прочеѥ къ свѧщенъıимъ приꙗтъ боудеть·

οἰκονομηθήσεται. ἐπ' αὐτῷ ἐν τέσσαρσιν ἔτεσιν προσκλαίειν ὀφείλει, ἔξω τῆς θύρας ἑστὼς τοῦ εὐκτηρίου οἴκου καὶ τῶν εἰσιόντων πιστῶν δεόμενος εὐχὴν ὑπὲρ αὐτοῦ ποιεῖσθαι καὶ ἐξαγορεύων τὴν ἰδίαν παρανομίαν· μετὰ δὲ τὰ[1] τέσσαρα ἔτη εἰς τοὺς ἀκροωμένους δεχθήσεται καὶ ἐν πέντε ἔτεσι μετ' αὐτῶν ἐξελεύσεται· ἐν δὲ[2] ἑπτὰ ἔτεσιν μετὰ τῶν ἐν ὑποπτώσει προσευχόμενος ἐξελεύσεται· ἐν τέσσαρσιν συστήσεται μόνον τοῖς πιστοῖς, προσφορᾶς δὲ οὐ μεταλήψεται· πληρωθέντων δὲ τούτων μεθέξει τῶν ἁγιασμάτων.

νζ'. Ὁ ἀκουσίως φονεύσας ἐν δέκα ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τῶν ἁγιασμάτων· οἰκονομηθήσεται δὲ τὰ δέκα ἔτη ἐπ' αὐτῷ οὕτως· δύο μὲν ἔτη προσκλαύσει, τρία δὲ ἔτη ἐν ἀκροωμένοις διατελέσει, ἐν τέσσαρσιν ὑποπίπτων, καὶ ἐν ἐνιαυτῷ συσταθήσεται μόνον καὶ τῷ ἑξῆς εἰς τὰ ἅγια δεχθήσεται.

---

1) *cod. переправл. здѣсь* ѥ *послѣ* т *изъ* и. 2) двьри *У.* 3) стоꙗще *проп. У.* 4) нь *УП.* 5) творить *У.* 6) притворь *У.* 7) послѹшаи *С*; послоушаꙗ *У.* 8) и *проп. П.* 9) вътрь *У.* 10) искодить *С.* 11) стан҃е *П.* 12) сѧ *вставл. У*; кончавшимсѧ *П* (*вм.* коньчавъшемъ же). 13) цьркъве *проп. П.* 14) станеть *У.* 15) стоить *У.*

1) τὰ проп. V. 2) δὲ проп. V.

н҃и· Прѣлюбодѣиство[1] сътворивъи·[2] десѧть[3] и пѧть лѣтъ безъ обьщениꙗ боудеть свѧщенъихъ· четъıри лѣта оубо плачасѧ[4] вънѣ цр҃къве· стоꙗ· пѧть же лѣ҃ въ притворѣ послоушаꙗ съ оглашенъıими исход[ить]·[5] в҃·[6] безъ обьщениꙗ·

н҃ѳ·[7] Блоудьникъ· з҃· лѣ҃· безъ обьщениꙗ боудеть ст҃ънихъ· в҃· лѣ҃·[8] оубо плачасѧ вънѣ цр҃кве и в҃· лѣ҃· въ[9] притворѣ послоушаѧ и съ оглашенъıми исходѧ· в҃· вьноутрь цр҃кве съ вѣрьнъıими стоѧ и едино лѣ҃ прѣбъıвъ тъкмо въ·[10] н҃·[11] приѧтъ боудеть въ обьщение·

ѯ҃· Дв҃ьство исповѣдавъшиꙗ· и отъпадъши овѣщаниꙗ·[12] лѣто испълнить прѣлюбодѣиства грѣха· въ смотрение же на иѭ живота· тоѥ же на мьнишьство овѣщавъшихъсѧ и[13] отъпадающиихъ·

ѯ҃а· Оукрадъи аще о себѣ раскаꙗвъсѧ· и повѣдавъи на сѧ· лѣто тъкмо възбраненъ боудеть· обьщениꙗ ст҃ънихъ· аще ли обличенъ боудеть на двѣ лѣтѣ раздѣлить же сѧ ѥ|моу врѣмѧ·

νη΄. Ὁ μοιχεύσας ἐν δέκα καὶ[1] πέντε ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τῶν ἁγιασμάτων, ἐν τέσσαρσι μὲν προσκλαίων ἔτεσιν, ἐν πέντε δὲ ἀκροώμενος, ἐν τέσσαρσιν ὑποπίπτων, ἐν δυσὶ συνεστὼς ἄνευ κοινωνίας.

νθ΄. Ὁ πόρνος ἐν ἑπτὰ ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τῶν ἁγιασμάτων, δύο προσκλαίων καὶ δύο ἀκροώμενος, καὶ δύο ὑποπίπτων καὶ ἐνὶ συνεστὼς μόνον, τῷ ὀγδόῳ δὲ[2] δεχθήσεται εἰς τὴν κοινωνίαν.

ξ΄. Ἡ παρθενίαν ὁμολογήσασα καὶ ἐκπεσοῦσα τῆς ἐπαγγελίας τὸν χρόνον τοῦ ἐπὶ[3] τῆς μοιχείας ἁμαρτήματος[4] ἐν τῇ οἰκονομίᾳ[5] τῆς καθ᾽ ἑαυτὴν ζωῆς πληρώσει. τὸ αὐτὸ καὶ ἐπὶ τῶν[6] βίον μοναζόντων ἐπαγγειλαμένων καὶ ἐκπιπτόντων.

ξα΄. Ὁ κλέψας, εἰ μὲν ἀφ᾽ ἑαυτοῦ μεταμεληθεὶς κατηγορήσειεν[7] ἑαυτοῦ, ἐνιαυτὸν κωλυθήσεται μόνον τῆς κοινωνίας τῶν ἁγιασμάτων· εἰ δὲ ἐλεγχθείη, ἐν δυσὶν ἔτεσιν· μερισθήσεται δὲ αὐτῷ ὁ χρόνος л. 195 а.

1) Прѣлюбодѣство *П*. 2) рив҄ъıи *У*. 3) деть *У*. 4) плачаша *С*. 5) *исправл. по УП*; исходı *cod.*; исходи *С*. 6) двѣ же *УП* (*вм.* в҃). 7) *cod. противъ начала правила in m.* блаз. 8) *cod. переправл.* л *изъ* т. 9) *cod. дописыв. всю слѣдующую далѣе вторую половину правила in m.* 10) *cod. переправл.* ъ *изъ* о. 11) осмоѥ лѣто *У* (*вм.* н҃). 12) обьщаниꙗ *У*. 13) и *проп. С*.

1) καὶ проп. V. 2) δὲ проп. V. 3) ἐπιτιμίου V. 4) ἁμαρτήματος проп. V. 5) κοινωνίᾳ V. 6) τὸν cod. 7) κατηγορήσει V.

съ оглашенꙑими въходѧщю въ цр҃кьвь· и съ вѣрьнꙑими стоꙗть· и не излазить съ оглашенꙑими· и тъгда съподобитьсѧ обьщениꙗ·

ѯ҃в· Бестоудие[1] съ моужьскъмь[2] полъмь· показавꙑи лѣто въ[3] прѣлюбодѣꙗнии безаконьства да исъпълънить·[4]

ѯ҃г· Исповѣдаꙗи въ бесловесьнꙑихъ своѥ безьстꙑѥ тоѥ же лѣто исповѣдаꙗсѧ съхранить·

ѯ҃д· Клꙗтвьникъ· г҃· лѣ҃· безъ обьщениꙗ да боудеть· дъвѣ лѣтѣ плачасѧ вънѣ цр҃кве· г҃· лѣта съ оглашенꙑими въ притворъ въхлазѧ ї исходѧ съ оглашенꙑими· д҃·[5] въхлазѧ вънѫтрь цр҃кве· и съ оглашенꙑими изълазѧ· съ оглашенꙑими·[6] и тъгда обьщениꙗ съподобитьсѧ·

ѯ҃е· Гоубительство и потворꙑ исповѣдаꙗ· оубиицѧ лѣто исповѣстьсꙗ· тако съмотрьно· ꙗко же и въ ономь грѣсѣ себе обличивꙑи·

ѯ҃ѕ· Гробьнꙑи възгрѣбатель· г҃· лѣтъ безъ обьщениꙗ боудеть· дъвѣ лѣтѣ плачасѧ вънѣ църкъве· три съ оглашенꙑими въ притворѣ изълазѧ·

εἰς ὑπόπτωσιν καὶ σύστασιν, καὶ τότε ἀξιούσθω τῆς κοινωνίας.

ξβʹ.[1] Ὁ τὴν ἀσχημοσύνην ἐν τοῖς ἄρρεσιν ἐπιδεικνύμενος τὸν χρόνον τοῦ ἐν τῇ μοιχείᾳ παρανομοῦντος οἰκονομηθήσεται.

ξγʹ.[2] Ὁ ἐν ἀλόγοις τὴν ἑαυτοῦ ἀσέβειαν ἐξαγορεύων τὸν αὐτὸν χρόνον ἐξομολογούμενος παραφυλάξεται.

ξδʹ.[3] Ὁ ἐπίορκος ἐν δέκα ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται,[4] δυσὶν ἔτεσιν προσκλαίων, τρισὶν ἀκροώμενος, τέσσαρσιν ὑποπίπτων, ἐνιαυτὸν συνεστὼς μόνον, καὶ τότε τῆς κοινωνίας ἀξιούμενος.

ξεʹ.[5] Ὁ γοητείαν ἢ φαρμακείαν ἐξαγορεύων τὸν τοῦ φονέως χρόνον ἐξομολογήσεται, οὕτως οἰκονομούμενος, ὡς ὁ ἐν ἐκείνῳ τῷ ἁμαρτήματι ἑαυτὸν ἐλέγξας.

ξϛʹ.[6] Ὁ τυμβωρύχος ἐν δέκα ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται, ἐν δυσὶ προσκλαίων, ἐν τρισὶν ἀκροώμενος,

---

1) Бестоудьство сътворивꙑи *У* (*вм.* Бестоудие). 2) моужемьскомь *П.* 3) въ *проп. У.* 4) сѧ *добавл. У.* 5) лѣта *вставл. У.* 6) изълазѧ съ оглашенꙑими *проп. У.*

1) въ Patm. 173 вырв. 1 листъ между лл. 194 и 195 и потому текстъ правилъ 62—72 пропалъ. 2) въ Patm. 173 вырв. это правило. 3) ξϛʹ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 4) ἔστω ἐν V. 5) ξδʹ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 6) ξεʹ V; въ Patm. 173 вырв. это правило.

четꙑри же вънѹтрь цр҃кве[1] и[2] изълазѧ съ оглашенꙑими· ѥдино же съ вѣрнꙑими стоꙗ· и не излазѧ съ оглашенꙑими· и тъгда приꙗтъ боудеть·

ѯз҃· Братосъмѣшениѥ· оубиицѧ лѣто исповѣстьсѧ·

| ѯи҃· Отъреченаго родꙑ[3] на женитвоу чл҃вкъ стоꙗниѥ·[4] аще обличено боудеть· въ грѣсѣ бꙑвъшеѥ прѣлюбодѣицѧ запрѣщениѥ прииметь·

ѯѳ҃· Чьтьць аще съ своѥю оброученицеѭ[5] прѣже брака съвъкоупиться· лѣто праздьнъ бꙑвъ·[6] на почитаниѥ приꙗтъ боудеть· прѣбꙑваꙗ безъ[7] оуспѣха· окрадꙑи же бракъ· безъ оброучениꙗ прѣстанеть[8] отъ слоужениꙗ· тоѥ же и слоуга·

о҃· Дьꙗконъ оустьнама осквьрнивꙑисѧ·[9] и до того съгрѣшити[10] исповѣдавъ· слоужениѥ въсприиметь· причащениꙗ же[11] ос҃щенꙑихъ· съ дьꙗконꙑ съподобитьсѧ· тоѥ же и попъ· аще ли къто паче того· обличенъ боудеть съгрѣшивъ· въ немьже аще чиноу ѥсть· отълоученъ боудеть·

оа҃· Отъпоустивꙑи комоужьдо прѣже реченꙑихъ съгрѣшениихъ· и

ἐν τέσσαρσιν ὑποπίπτων, ἐνὶ δὲ συνεστὼς καὶ τότε δεχθησόμενος.[1]

ξζʹ. Ἀδελφομιξία τὸν τοῦ φονέως χρόνον ἐξομολογήσεται.

ξηʹ.[2] Ἡ τῆς ἀπειρημένης συγγενείας εἰς γάμον ἀνθρώπων στάσις, εἰ φωραθείη ἐν ἁμαρτήμασιν γεγενημένη, τὰ τῶν μοιχῶν ἐπιτίμια δέξεται. л. 195 b.

ξθʹ.[3] Ἀναγνώστης, εἰ τῇ ἑαυτοῦ μνηστῇ[4] πρὸ γάμου συναλλάξειεν, ἐνιαυτὸν ἀργήσας εἰς τὸ ἀνα-[5] (л. 204^{a}—206^{b}) γινώσκειν δεχθήσεται, μένων ἀπρόκοπος· κλεψιγαμήσας δὲ ἄνευ μνηστείας, παυθήσεται τῆς ὑπηρεσίας. τὸ δὲ αὐτὸ καὶ ὑπηρέτης.

νδʹ.[6] Διάκονος ἐν χείλεσιν μιανθεὶς καὶ μέχρι τούτου ἡμαρτηκέναι ὁμολογήσας τῆς λειτουργίας ἐπισχεθήσεται, τοῦ δὲ μετέχειν τῶν ἁγιασμάτων μετὰ τῶν διακόνων ἀξιωθήσεται· τὸ δὲ αὐτὸ καὶ πρεσβύτερος. εἰ δέ τι πλεῖον τούτου[7] φωραθείη τις ἡμαρτηκώς, ἐν οἵῳ ἂν ᾖ[8] βαθμῷ,[9] καθαιρεθήσεται.

νεʹ.[10] Ὁ συνεγνωκὼς ἑκάστῳ τῶν προειρημένων ἁμαρτημάτων καὶ

---

1) вънѹтрь *П (вм.* цр҃кве*), но зачеркив. киноварью.* 2) и *проп. П.* 3) сърод**и**ꙗ *УП.* 4) стоꙗниниѥ *У.* 5) оброученицею *У.* 6) прѣбꙑвъ *П;* прѣбꙑваѥть *У.* 7) бе *П.* 8) прѣдъстанеть *У.* 9) осквьрнивъсѧ *У.* 10) съгрѣши *У.* 11) и *оставл. П.*

1) δεχθήσεται V. 2) ξθʹ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 3) ξηʹ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 4) μνήστῃ cod. 5) дальнѣйшій текстъ всѣхъ правилъ есть въ Vallicell. F 47. 6) οʹ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 7) τούτου πλεῖον V. 8) εἴη V. 9) ἀριθμῷ V. 10) οαʹ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило.

не исповѣдавъ· нъ обличенъ· толика лѣта·[1] въ немьже дѣлатель зълыихъ запрѣщенъ быти· и тъ да боудеть въ запрѣщении·[2]

о҃в· Вълъшьбьникомъ себе давъ имъ· или кыимъ таковъіимъ· лѣта оубоиникъ и[3] тъ да испълнить·

о҃г· Отъвьргъися х҃са· и прѣстоупивъ[4] таиноу сп҃сениꙗ въ вьсѧ лѣта живота своѥго· плакатисѧ подобаѥть·

л. 196 а. и исповѣдатисѧ дължь|нъ ѥсть· въ врѣмѧ въ нѥже отъходить житиꙗ· ст҃ыниѧ съподобитьсѧ вѣрою· къ чл҃овѣколюбьцю[5] отъ б҃а·

о҃д· Аще оубо къиждо· въ прѣже писанъіихъ[6] грѣсѣхъ бывъшиихъ· тъщанъ боудеть исповѣдаꙗ· пороученъи отъ чл҃вколюбиꙗ· раздрѣшати и вѧзати· аще чл҃вколюбьнѣи боудеть· больше исповѣданиѥ видѧ съгрѣшьшаго· на оумьнѥниѥ лѣта запрѣщениѥ· нѣсть осоуждениꙗ достоинъ·[7] подобию въ списании[8] съказающю намъ· съ[9] большею болѣзнию исповѣдающюмоусѧ· скоро чл҃вколюбиѥ постигати·

о҃е· Съ сестрою своѥю· ѿ оц҃а· или отъ м҃тре съоскврьньсѧ· въ домъ м҃твы да не повелѣваемъ боудеть

μὴ ὁμολογήσας, ἀλλ' ἐλεγχθείς, τοῦ τοσούτου χρόνου, εἰς ὃν ὁ ἐργάτης τῶν κακῶν ἐπιτετίμηται, καὶ αὐτὸς ἔσται ἐν ἐπιτιμίῳ.

νς'.[1] Ὁ μάντεσιν ἑαυτὸν ἐπιδιδοὺς[2] ἢ τισι τοιούτοις, τὸν χρόνον τῶν φονέων καὶ αὐτὸς οἰκονομηθήσεται.

νζ'.[3] Ὁ τὸν Χριστὸν ἀρνησάμενος καὶ παραβὰς τὸ τῆς σωτηρίας μυστήριον ἐν παντὶ τῷ χρόνῳ τῆς ζωῆς αὐτοῦ προσκλαίειν ὀφείλει καὶ ἐξομολογεῖσθαι χρεωστεῖ, ἐν τῷ καιρῷ, ᾧ ἐκβαίνει τοῦ βίου, τοῦ ἁγιάσματος ἀξιούμενος, πίστει τῆς παρὰ[4] θεοῦ φιλανθρωπίας.

νη'.[5] Ἐὰν μέντοι[6] ἕκαστος τῶν ἐν τοῖς προγεγραμμένοις ἁμαρτήμασιν γεγενημένων[7] σπουδαῖος γένηται ἐξομολογούμενος, ὁ πιστευθεὶς παρὰ τῆς τοῦ θεοῦ φιλανθρωπίας λύειν καὶ δεσμεῖν, εἰ φιλανθρωπότερος γένοιτο, τὸ ὑπερβάλλον τῆς ἐξομολογήσεως ὁρῶν τοῦ ἡμαρτηκότος εἰς τὸ ἐλαττῶσαι τὸν χρόνον τῶν ἐπιτιμίων, οὐκ ἔσται καταγνώσεως ἄξιος· τῆς ἐν ταῖς γραφαῖς ἱστορίας[8] γνωριζούσης ἡμῖν τοὺς μετὰ μείζονος πόνου ἐξομολογουμένους ταχέως τὴν τοῦ θεοῦ φιλανθρωπίαν καταλαμβάνειν.

νθ'.[9] Ὁ ἀδελφῇ ἰδίᾳ ἐκ πατρὸς ἢ ἐκ μητρὸς συμμιανθεὶς εἰς οἶκον προσευχῆς μὴ ἐπιτρεπέσθω

1) мѣта *C.* 2) прощенїи *C.* 3) и *проп. C.* 4) пристоупивъ *УC.* 5) чловѣколюбьцю *cod.* 6) прѣписанъıихъ *У.* 7) достоинъ *C.* 8) писании *У.* 9) во *C.*

1) οβ' V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 2) ἐπιδοὺς V Patm. 172. 3) ογ' VP. 4) τοῦ вставл. Patm. 172. 5) οδ' PV. 6) γε вставл. V. 7) γενομένων PV. 8) cod. переправл. изъ ἱστορίαις. 9) οε' PV.

вънити· доньдеже отъстоупить беззаконьнааго· и неправьдьнааго дѣꙗниꙗ· по пришьствии же· въ чювьство страшьнааго грѣха· г҃· лѣта да плачеться прѣдъ двьрьми црк҃вьнъими· прѣстоꙗ и молѧсѧ· людьмъ въходѧщемъ на молитвоу· ꙗко коѥмоужьдо съ млстию на[1] нь· прилѣжьнъꙗ къ гоу[2] творити млтвы· по семь дроугаꙗ три лѣта· въ послоушаниѥ тъкъмо приꙗтоу быти· и послоушаꙗи[3] писании оучениꙗ· да ижденеться· и не съподобиться млтвы· по семь аще съ сльзами въ|зищеть ѥго· и припадеть къ гоу[4] съкроушенъмь срдцьмь· и[5] съмѣрениѥмь[6] крѣпъкомь·[7] да подасться ѥмоу· въходы[8] съмѣренъими[9] въ црквь въ дроугаꙗ· г҃· лѣта· и тако аще плоды покаꙗниꙗ[10] покажеть· въ десѧтоѥ лѣто въ млтвоу вѣрьнъихъ приꙗтъ боудеть· бес приношениꙗ· и дъвѣ лѣтѣ станеть съ вѣрьнъими на млтвѣ· не исходѧ съ оглашенъими· и[11] тако прочеѥ да съподобиться блгаго ѡбьщениꙗ·

о҃г· Тъи же образъ и надъ поимающиими[12] снъхы своꙗ·

παρεῖναι, ἕως ἂν ἀποστῇ τῆς παρανόμου καὶ ἀθεμίτου πράξεως· μετὰ δὲ τὸ ἐλθεῖν εἰς συναίσθησιν τῆς φοβερᾶς ἁμαρτίας, τριετίαν προσκλαιέτω, τῇ θύρᾳ τῶν εὐκτηρίων οἴκων παρεστηκὼς καὶ δεόμενος τοῦ λαοῦ εἰσιόντος ἐπὶ τὴν προσευχήν, ὥστε ἕκαστον μετὰ συμπαθείας ὑπὲρ αὐτοῦ ἐκτενεῖς ποιεῖσθαι πρὸς κύριον τὰς δεήσεις· μετὰ δὲ τοῦτο ἄλλην τριετίαν εἰς ἀκρόασιν μόνην παραδεχθήτω,[1] καὶ ἀκούων τῶν γραφῶν καὶ τῆς διδασκαλίας ἐκβαλλέσθω καὶ μὴ κα- л. 196 b. ταξιούσθω προσευχῆς. ἔπειτα, εἴπερ μετὰ δακρύων ἐξεζήτησεν αὐτὸν καὶ προσέπεσεν τῷ κυρίῳ μετὰ συντριμμοῦ καρδίας καὶ ταπεινώσεως ἰσχυρᾶς, διδόσθω αὐτῷ ἡ ὑπόπτωσις ἐν ἄλλοις τρισὶν ἔτεσιν· καὶ οὕτως, ἐπειδὰν τοὺς καρποὺς τῆς μετανοίας[2] ἐπιδείξηται, τῷ δεκάτῳ ἔτει εἰς τὴν τῶν πιστῶν εὐχὴν δεχθήτω χωρὶς προσφορᾶς· καὶ δύο ἔτη[3] συστὰς εἰς τὴν εὐχὴν[4] τοῖς πιστοῖς, οὕτως λοιπὸν καταξιούσθω τῆς τοῦ ἀγαθοῦ κοινωνίας.

ξζ'.[5] Ὁ αὐτὸς τύπος καὶ ἐπὶ[6] τῶν τὰς νύμφας ἑαυτῶν λαμβανόντων.

---

1) за *ПУ*. 2) г҃ѕ *С*. 3) послоушаꙗ *У*. 4) г҃ѕ *С*. 5) и *проп*. *С*. 6) съмиремирениѥмь *С*. 7) крѣпкыи *П*. 8) въходъ *У*; и *вставл*. *П*. 9) съ вѣрьнъими *УП* (*вм*. съмѣренъими). 10) покаꙗниꙗ *С*. 11) и *проп*. *П*. 12) поимающиихъ *У*.

1) προσδεχθήτω V. 2) ἀξίους вставл. PV. 3) ἔτει cod., но надъ ει надпис. η. 4) слова δεχθήτω χωρὶς προσφορᾶς καὶ δύο ἔτη συστὰς εἰς τὴν εὐχήν Patm. 172 напис. два раза (въ концѣ л. 207[b] и въ нач. л. 208[a]) и потому въ первомъ случаѣ (т. е. на л. 207) обведены точками. 5) ος' P; ξς' V. 6) περὶ P (и cod. добавл. in m. рукой X в.).

о҃з· Оставлꙗꙗи оубо ꙁаконьно съчетавъшюю сѧ съ нимь женоу· и иноу приведъ· и по г҃ню осоуженію· прѣлюбодѣиника повиньнъ ѥсть соудоу· оуправлѥно же въсть[1] ѿ оц҃ь нашихъ таковъимъ·[2] лѣто плакатисѧ вънѣ ц҃ркве· дъвѣ лѣтѣ послоушати къ притворѣ ц҃рквьнѣмь· и исходити съ оглашенъими· три лѣта вънoутрь ц҃ркве въходити и съ оглашенъими исходити· въ седмоѥ же стати съ вѣрьнъими· и тако приношениꙗ съподобитьсѧ· аще съ сльꙁами поклетьсѧ·

о҃и· Тъи же да оутвьрдитьсѧ образъ·[3] и надъ поимающиими· дъвѣ сестрѣници· на съчетаниѥ· аще и по раꙁличьнаꙗ[4] лѣта·

о҃ѳ· Осквьрнꙗющеи[5] же своꙗ ма-
л. 197 а. чехы· томоу | же повиньни соуть каноноу· ꙗко же съ своими сестрами осквьрнꙗющеисѧ·[6]

п҃· Мъногъıꙗ же женъı оц҃и наши отъвьргоша· ꙗко скотьскъıꙗ· и отиноудь[7] чюже рода человѣчьскаго· намъ же прѣстоить воле нѣчьто блоуженꙗ бъıти съгрѣшенню· тѣмь подобаѥть таковъıꙗ въкладати въ канонъı ꙗвѣ ꙗко ѥдино лѣто· плакавъшемъ сѧ вънѣ ц҃ркве·

ξα΄.[1] Ὁ μέντοι καταλιμπάνων τὴν νομίμως αὐτῷ συναφθεῖσαν[2] γυναῖκα καὶ ἑτέραν ἀγόμενος[3] κατὰ τὴν τοῦ κυρίου ἀπόφασιν τῷ τῆς μοιχείας ὑπόκειται κρίματι. κεκανόνισται δὲ παρὰ τῶν πατέρων ἡμῶν τοὺς τοιούτους[4] ἐνιαυτὸν προσκλαίειν, διετίαν ἐπακροᾶσθαι, τριετίαν ὑποπίπτειν, τῷ ἑβδόμῳ συνίστασθαι τοῖς πιστοῖς, καὶ οὕτω τῆς προσφορᾶς καταξιοῦσθαι, ἐὰν μετὰ δακρύων μετανοήσωσιν.

ξβ΄.[5] Ὁ αὐτὸς δὲ κρατείτω τύπος καὶ ἐπὶ τῶν δύο ἀδελφὰς λαμβανόντων εἰς συνοικέσιον, εἰ καὶ κατὰ διαφόρους χρόνους.

ξγ΄.[6] Οἱ δὲ ταῖς μητρυιαῖς[7] ἑαυτῶν ἐπιμαινόμενοι τῷ αὐτῷ ὑπόκεινται κανόνι, ᾧ καὶ οἱ ταῖς ἑαυτῶν ἀδελφαῖς ἐπιμαινόμενοι.

ξδ΄.[8] Τὴν δὲ[9] πολυγαμίαν οἱ πατέρες ἀπεσιώπησαν, ὡς κτηνώδη καὶ παντελῶς[10] ἀλλοτρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων· ἡμῖν[11] δὲ παρίσταται πλέον τι πορνείας εἶναι τὸ ἁμάρτημα. διὸ εὔλογον τοὺς τοιούτους ὑποβάλλεσθαι τοῖς κανόσιν, δηλονότι ἐνιαυτὸν προσκλαύσαντας,

---

1) бысть *ПС.* 2) таковыи̊ *П.* 3) образъ да оутвьрдитьсѧ *У.* 4) раꙁлицьнаꙗ *У.* 5) *cod. переправл.* ю *изъ* и. 6) осквернꙗющесѧ *С.* 7) ѿнюдъ *П.*

1) οζ΄ P; ξζ΄ V. 2) συναφθεῖσαν αὐτῷ PV. 3) ἀγαγόμενος Patm. 172. 4) τοῖς τοιούτοις V. 5) ξη΄ V; οη΄ V. 6) οϑ΄ P; ξϑ΄ V. 7) μητρύαις cod. 8) π΄ PV. 9) δὲ проп. V. 10) cod. переправл. изъ παντελ[ῆ?]. 11) cod. переправл. изъ ἡμ[εῖς?].

и три лѣта вънoутрь цр҇кве· и исходити съ оглашенъıими· тако приıатьномъ бъıти·

п҇а· Понеже мъноѕи поганьскъıихъ нападениıемь[1] прѣстоупиша вѣроу иже къ б҇оу· клıатвъı поганъıихъ· съвьршивъше· и беѕаконьнъıихъ нѣкъıихъ въкоусивъше иже въ идолѣхъ· вълъшвьнъıими принесеномъ къ нимъ· си по канономъ отъ оц҇ь нашихъ· проповѣданъıимъ абиıе· ови бо ноуждıю лютоу· отъ моукъ подънимъше и не търпѧще болѣѕни· и моучени[2] бъıвъше на отъвьржениıе· г҇· лѣта неприıатомъ имъ бъıти· в҇· лѣтѣ послоушати въ притворѣ съ оглашенъıими· и три вънoутрь цр҇кве· и исходити съ оглашенъıими· тако приıатомъ[3] бъıти на обьщениıе· прѣдавъшеи же развѣ ноуждѧ[4] велиıа· б҇жию вѣроу· и прикосноувъшиисѧ[5] къ трапеѕѣ бѣсьнъıихъ· и клънъшенсѧ[6] клıатвами[7] еллиньска|ми· иѕгънати оубо на три лѣта· и въ дъвѣ[8] послоушати въ притворѣ съ оглашенъıими·[9] вънoутрь[10] же цр҇кве· помолившемъсѧ·[11] г҇· л҇ѣ· съ оглашенъıими исходити· и въ дроугаıа· г҇·

καὶ ἐν[1] τρισὶν[2] ὑποπεσόντας, οὕτως δεκτοὺς εἶναι.

ξε΄.[3] Ἐπειδὴ δὲ πολλοὶ ἐν τῇ τῶν βαρβάρων καταδρομῇ παρέβησαν τὴν εἰς τὸν θεὸν πίστιν, ὅρκους ἐθνικοὺς τελέσαντες καὶ ἀθεμίτων τινῶν γευσάμενοι τῶν ἐν τοῖς εἰδώλοις τοῖς μαγικοῖς προσενεχθέντων αὐτοῖς, οὗτοι κατὰ τοὺς ἤδη παρὰ τῶν πατέρων ἡμῶν ἐξενεχθέντας κανόνας· οἱ μὲν γὰρ[4] ἀνάγκην χαλεπὴν ἐκ βασάνων ὑπομείναντες καὶ μὴ φέροντες τοὺς πόνους καὶ αἰκισθέντες πρὸς τὴν ἄρνησιν, ἐν τρισὶν ἔτεσιν ἀδέκτους εἶναι, καὶ ἐν δυσὶν ἀκροᾶσθαι, καὶ ἐν τρισὶν ὑποπεσόντας, οὕτως δεκτοὺς γενέσθαι εἰς τὴν κοινωνίαν. οἱ δὲ ἄνευ ἀνάγκης μεγάλης προδόντες τὴν εἰς θεὸν πίστιν καὶ ἁψάμενοι τῆς τραπέζης τῶν δαιμονίων[5] καὶ ὀμόσαντες ὅρκους ἑλληνικούς, ἐκβάλλεσθαι μὲν ἐν τρισὶν ἔτεσιν καὶ ἐν δυσὶν ἀκροᾶσθαι, ἐν ὑποπτώσει δὲ εὐξαμένους ἐν τρισὶν ἔτεσιν καὶ ἐν ἄλλοις τρισὶν л. 197 b.

1) нападаниıемь *У*. 2) моучениı *П*. 3) приıатьномъ *УП*. 4) нѫждьнѧ *С*. 5) прикоснѫвшисѧ *П*; прикосноувъшесѧ *У*. 6) кленшисѧ *П*; къ трапезѣ бѣсьнъıихъ· и клънъшенсѧ *проп*. *С*. 7) клѧтвамя *У*. 8) лѣте *вставл*. *У*. 9) съ оглашенъıими въ притворѣ *У*. 10) вънoутри *У*. 11) помолившимс҇ *П*.

1) ἐν проп. V. 2) ἀκροασαμένους καὶ τρισὶν ὑ допис. схоліастъ V вм. выскобленной буквы ὑ слѣдующаго слова (т. е. ὑποπεσόντας). 3) πα΄ PV. 4) γὰρ выскобл. cod. и рукой X в. поставл. δι; V проп. γάρ. 5) δαιμόνων P.

стоꙗти съ вѣрьнꙑими· и[1] не исходити съ оглашенꙑими· ти тако приꙗтьномъ бꙑти къ бл҃гомоу[2] обьщению·

п҃в· И о кльнъшиихъсѧ аще по поужи и по бѣдѣ прѣстоупиша[3] клꙗтвꙑ· въ льжѣниша въложити ȥапрѣщениꙗ· ꙗко по шести лѣтъ· бꙑти имъ приꙗтьномъ· аще ли кромѣ поужа прѣбꙑвъше[4] свою вѣроу· дъвѣ лѣтѣ плакати[5] вънѣ цр҃кве· и дъвѣ послоушавъшемъ[6] въ притворѣ съ оглашенꙑими исходити· и пѧть да вѫноутрь[7] дврии цр҃кврьнꙑихъ стоꙗщемъ съ оглашенꙑими исходити· и въ дъвѣ дроуȥѣи лѣтѣ· бес приношениꙗ въ обьщение м҃лтвꙑ[8] приꙗтьномъ бꙑти· тако коньчьнее[9] достословие· ꙗвѣ покаание показавъше·[10] поставлени[11] боудоуть[12] въ обьщение телесе христосова·[13]

п҃г· Вълъшьствоующеи· и обꙑчаемь поганꙑихъ въслѣдоующе· или въводѧще нѣкꙑꙗ въ своꙗ домꙑ· на обрѣтение потворомъ· и потреблению отъ канона· да ȥапрѣщени боудоуть· лѣто плакати[14] вънѣ цр҃кве· и лѣто послоушати въ при-
л. 198 а. творѣ цр҃кьнѣ|мь· съ оглашенꙑими[15] да исходѧть· и три лѣта

συστάντας τοῖς πιστοῖς εἰς τὴν δέησιν, οὕτω δεκτοὺς εἶναι τῇ τοῦ ἀγαθοῦ κοινωνίᾳ.

ξς'.[1] Καὶ περὶ τῶν ἐπιορκησάντων, εἰ μὲν ἐκ βίας καὶ ἀνάγκης παρέβησαν τοὺς ὅρκους, κουφοτέροις ὑπόκεινται τοῖς ἐπιτιμίοις, ὥστε μετὰ ς' ἔτη[2] εἶναι αὐτοὺς[3] δεκτούς. εἰ δὲ ἄνευ ἀνάγκης προδόντες τὴν ἑαυτῶν πίστιν, ἐν δυσὶν ἔτεσιν προσκλαύσαντες, καὶ ἐν δυσὶν ἀκροασάμενοι, καὶ ἐν πέντε ἐν ὑποπτώσει εὐξάμενοι, καὶ ἐν δυσὶν ἄλλοις ἄνευ προσφορᾶς εἰς τὴν κοινωνίαν τῆς προσευχῆς παραδεχθέντες, οὕτω τελευταῖον ἀξιόλογον δηλαδὴ τὴν μετάνοιαν ἐπιδειξάμενοι, ἀποκατασταθήσονται εἰς τὴν κοινωνίαν τοῦ σώματος τοῦ Χριστοῦ.[4]

ξζ'.[5] Οἱ καταμαντευόμενοι καὶ ταῖς συνηθείαις τῶν ἐθνῶν ἐξακολουθοῦντες, ἢ εἰσάγοντές τινας εἰς τοὺς ἑαυτῶν οἴκους ἐπὶ ἀνευρέσει φαρμακειῶν καὶ καθάρσει, ὑπὸ τὸν κανόνα πιπτέτωσαν τῆς ἑξαετίας· ἐνιαυτὸν προσκλαύσαντες, καὶ ἐνιαυτὸν ἀκροασάμενοι, καὶ ἐν τρισὶν ἔτεσιν[6]

---

1) и *проп. П.* 2) бл҃гоѡмѫ *П.* 3) прѣстоупиша *У.* 4) прѣбꙑвъше *У.* 5) плакатисѧ *У.* 6) послꙋшавшимь *П.* 7) вънотрь *У.* 8) млтвꙑ *cod.* 9) конечное *П.* 10) *cod. переправл.* конечное ѥ *изъ* и; по завше *С.* 11) пѡставлении *П.* 12) *cod. переправл.* д *изъ* т. 13) христова *П.* 14) пл^а^ти *П.* 15) и *вставл. У.*

1) πβ' PV. 2) ἐνιαυτοὺς V. 3) αὐτοὺς проп. V. 4) τοῦ σώματος τοῦ Χριστοῦ проп. V. 5) πγ' PV. 6) ἔτεσιν проп. V.

въноутрь двѣри[1] црк҃вьнъıхъ[2] стоꙗще· съ оглашенъıими исходити· и лѣто съ вѣрьнъıими да стають· не исходѧще съ оглашенъıими· и тако приꙗти да[3] боудоуть·

п҃д· Вьсѧ же си пишемъ· ꙗко плоды искоушати покаꙗниꙗ· не вьсѧко бо лѣтъмь осоуждаемъ таковꙑꙗ· нъ образъмь покаꙗниꙗ вънемлемъ· аще ли неотъторжьно имоуть своихъ обычаи· и сластьмъ плътьскыимъ· паче работати хотѧть нежели г҃ви· и жизни по еванг҃лию не приемлють· ни едино же намъ общее къ нимъ слово· мы бо людьмъ непокоривъıимъ· и прѣкословивъıимъ· наоучихомъсѧ[4] слоушати·[5] ꙗко сп҃саꙗ сп҃саи свою д҃шю· не приимѣмъ оубо· погыбноути съ таковъıими· нъ оубоꙗвъшесѧ тѧжькааго[6] соуда· и страшьнъıи д҃нь отъданиꙗ г҃на·[7] прѣдъ очима приимъше· не въсхощѣмъ съ грѣхы чюжиими погыбноути·[8] аще бо не наказала[9] ны была страшьнаꙗ г҃на·[10] ни толикы ꙗзвы въ чювьство ны привелы[11] была· ꙗко безаконниꙗ ради нашего остави насъ г҃ь·[12] и прѣда въ роуцѣ поганъıихъ· и ведени быша плѣнении людье въ ратьныꙗ· и прѣдани быша расѣꙗнию·

ὑποπίπτοντες, καὶ[1] ἐνιαυτῷ συστάντες τοῖς πιστοῖς, οὕτω δεχθήτωσαν.

ξη′.[2] Πάντα δὲ ταῦτα γράφομεν, ὥστε τοὺς καρποὺς δοκιμάζεσθαι τῆς μετανοίας· οὐ γὰρ πάντως τῷ χρόνῳ κρίνομεν τὰ τοιαῦτα, ἀλλὰ τῷ τρόπῳ τῆς μετανοίας προσέχομεν. ἐὰν δὲ δυσαποσπάστως ἔχωσιν τῶν ἰδίων ἐθῶν καὶ ταῖς ἡδοναῖς τῆς σαρκὸς μᾶλλον δουλεύειν θέλωσιν,[3] ἢ τῷ κυρίῳ, καὶ τὴν κατὰ τὸ εὐαγγέλιον ζωὴν μὴ καταδέχωνται, οὐδεὶς ἡμῖν κοινὸς πρὸς αὐτοὺς[4] λόγος. ἡμεῖς γὰρ[5] λαῷ ἀπειθεῖ καὶ ἀντιλέγοντι δεδιδάγμεθα ἀκούειν, ὅτι, Σώζων σῶζε τὴν σεαυτοῦ[6] ψυχήν. Μὴ τοίνυν καταδεξώμεθα συναπόλλυσθαι τοῖς τοιούτοις, ἀλλὰ φοβηθέντες τὸ βαρὺ κρῖμα καὶ τὴν φοβερὰν ἡμέραν τῆς ἀνταποδόσεως τοῦ κυρίου πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντες, μὴ θελήσωμεν ἀλλοτρίαις ἁμαρτίαις συναπόλλυσθαι. εἰ γὰρ μὴ ἐπαίδευσεν ἡμᾶς τὰ φοβερὰ τοῦ κυρίου, μηδὲ[7] τηλικαῦται πληγαὶ εἰς αἴσθησιν ἡμᾶς ἤγαγον, ὅτι διὰ τὴν ἀνομίαν ἡμῶν ἐγκατέλιπεν ἡμᾶς ὁ κύριος καὶ παρέδωκεν εἰς χεῖρας βαρβάρων, καὶ ἀπήχθη αἰχμάλωτος ὁ λαὸς εἰς τοὺς πολεμίους[8] καὶ παρεδόθη τῇ διασπορᾷ,

---

1) двѣри *П.* 2) црквьнъıхъ двьрии *У.* 3) да приꙗти *У.* 4) наоучихомъсѧ *У.* 5) *cod. переправл.* л *изъ* а. 6) тѧжькако *У.* 7) г҃лѧ *С.* 8) погыбнити *П.* 9) напала *П.* 10) г҃лѧ *С.* 11) привелы *С.* 12) г҃н *У.*

1) ἐν вставл. P. 2) πδ′ PV. 3) ἐθέλωσιν P. 4) πρὸς αὐτοὺς κοινὸς P. 5) ἐν вставл. PV и cod. надпис. надъ строкой рукой X в. 6) ἑαυτοῦ V. 7) αἱ вставл. PV и cod. надпис. рукой X в. 8) εἰς τοὺς πολεμίους ὁ λαὸς P; εἰς τοὺς πολεμίους проп. V.

имьже сиꙗ дьрзаахоу· посѧще [1] л. 198 b. имѧ х͠во· аще | не познали бѣша ни разоумѣли· ꙗко сихъ ради прииде на ны гнѣвъ б͠жии· коѥ намъ обыщеѥ къ тѣмъ слово· нъ съвѣдѣтельствовати имъ· и нощь и въ д͠не· [2] и прѣдъ людьми и ѥдинѣмь дължьни ѥсмъ· прѣльщати же сѧ лоукавьствъмь ихъ· не приѥмлѥмъ молꙗщесѧ паче оубо· [3] приобрѣсти [4] ꙗ· [5] и изѧти и сѣти [6] лоукаваго· аще же сего не възможемъ· потъщимъсѧ [7] оубо· понѣ своꙗ [8] д͠ша вѣчьнаго осоужениꙗ сп͠сти·

διότι ταῦτα ἐτόλμων οἱ τὸ ὄνομα τοῦ Χριστοῦ περιφέροντες, εἰ μὴ ἔγνωσαν μηδὲ συνῆκαν, ὅτι διὰ ταῦτα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς ἡ ὀργὴ τοῦ θεοῦ, [1] τίς ἡμῖν κοινὸς πρὸς τούτους λόγος; [2] ἀλλὰ διαμαρτύρασθαι αὐτοῖς καὶ νυκτὸς καὶ ἡμέρας καὶ δημοσίᾳ [3] καὶ ἰδίᾳ ὀφείλομεν, συναπάγεσθαι δὲ αὐτῶν ταῖς πονηρίαις μὴ καταδεχώμεθα, προσευχόμενοι μάλιστα μὲν κερδῆσαι αὐτοὺς καὶ ἐξελέσθαι τῆς παγίδος τοῦ πονηροῦ· ἐὰν δὲ τοῦτο μὴ δυνηθῶμεν, σπουδάσωμεν τὰς γοῦν ἑαυτῶν ψυχὰς τῆς αἰωνίου κατακρίσεως περισώσασθαι.

---

1) нощѥ *П.* 2) д҄ьнь *У.* 3) над *У.* 4) прїобрѣ *С.* 5) ꙗ *проп. У.* 6) ти *У.* 7) потщимсѧ *П*; пощимъсѧ *С.* 8) своѥꙗ *У.*

1) ἡ ὀργὴ τοῦ θεοῦ ἐφ' ἡμᾶς V. 2) λόγος πρὸς αὐτούς V. 3) V выскобл. какое-то слово въ 6—7 буквъ послѣ δημοσίᾳ.

того[1] же къ соущимъ подъ нимь еп҇пмъ[2] ꙗко не поставлꙗти на имѣнии·

Вещи[3] ѕълоѥ· о немьже пишю· чьсо ради оубо· вьсѣмъ видѣно бысть· и г҃лано· болѣзни напълни ми д҃шю· обаче же и ꙗви ми сѧ невѣрьно· писанию оубо о немь· прощенъи же себѣ да приметь ꙗко ицѣлению· а непрощенъи же ꙗко хранилище· ово неразлоучьно·[4] ѥгоже отърѣкаюсѧ на[5] васъ обрѣстисѧ· ꙗко съвѣдѣтельства ради· чьто же ѥсть ѥже г҃лю· рѣша нѣции нѣкъıимъ васъ отъ поставлꙗѥмъıихъ примати имѣнию· въображати же именьмь б҃гобоꙗзньства· се[6] же горесть аще бо къто ѕълоѥ извѣтъмь благаго творить· соугоубь моучениꙗ[7] ѥсть достоинъ· имьже не б҃го дѣлаѥть·[8] и приметь на съвършению грѣхъ· ꙗко же аще къто рече|ть[9] доброуоумоу поспѣшьникоу· сиꙗ аще тако соуть· прочеѥ да не боудеть· нъ да исправитьсѧ понеже ноужда г҃лати къ приємлющимъ срѣбро· ѥже речено ѥсть отъ ап҇лъ· хотѧщюоумоу даꙗти· да с҃то д҃ха причастиѥ коупить· срѣбро твоѥ да боуд҇е съ тобою въ погыбѣль· лъжѣи бо иже имѣниꙗ ради

(л. 206[b]—207[b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΤΟΥΣ ̔ΥΦ' ̔ΕΑΥΤΟΝ ̓ΕΠΙΣΚΟΠΟΥΣ, ̔́ΩΣΤΕ ΜΗ ΧΕΙΡΟΤΟΝΕΙΝ ̓ΕΠΙ ΧΡΗΜΑΣΙΝ.

Τὸ τοῦ πράγματος ἄτοπον, περὶ οὗ γράφω,[1] διὰ τί[2] μὲν ὅλως ὑπωπτεύθη καὶ ἐλαλήθη, ὀδύνης ἐπλήρωσέν μου τὴν ψυχήν· τέως δὲ ἐφάνη μοι ἄπιστον. τὸ οὖν περὶ αὐτοῦ γράμμα ὁ μὲν συνεγνωκὼς ἑαυτῷ δεξάσθω ὡς ἴαμα, ὁ δὲ μὴ συνεγνωκὼς ὡς προφυλακτήριον, ὁ δὲ ἀδιάφορος, ὅπερ ἀπεύχομαι ἐφ' ὑμῖν εὑρεθῆναι, ὡς διαμαρτυρίαν.

Τί δέ ἐστιν ὃ λέγω; φασί τινές τινας ὑμῶν παρὰ τῶν χειροτονουμένων λαμβάνειν χρήματα, ἐπισκιάζειν δὲ ὀνόματι[3] εὐλαβείας·[4] τοῦτο δὲ χεῖρόν ἐστιν· ἐὰν γάρ τις τὸ κακὸν ἐν προσχήματι τοῦ ἀγαθοῦ ποιῇ, διπλασίονος τιμωρίας ἐστὶν ἄξιος· διότι αὐτό τε τὸ οὐκ ἀγαθὸν ἐργάζεται καὶ κέχρηται εἰς τὸ τελέσαι τὴν ἁμαρτίαν, ὡς ἂν εἴποι τις, τῷ καλῷ συνεργῷ. ταῦτα, εἰ οὕτως л. 199 а.
ἔχει, τοῦ λοιποῦ μὴ γινέσθω, ἀλλὰ διορθωθήτω, ἐπεὶ ἀνάγκη (л. 207[a]) λέγειν πρὸς τὸν δεχόμενον τὸ ἀργύριον,[5] ὅπερ ἐῤῥέθη παρὰ τῶν ἀποστόλων πρὸς τὸν θέλοντα δοῦναι, ἵνα πνεύματος ἁγίου μετουσίαν ὠνήσηται· Τὸ ἀργύριόν σου σὺν σοὶ εἴη εἰς ἀπώλειαν. κουφότερος γὰρ ὁ δι'[6] ἀπειρίαν

1) Тако *У.* 2) епискоупомъ *II.* 3) на҇ вставл. *УП.* 4) неразлично *II;* неразлоуцьно *У.* 5) ни *II.* 6) ю *У.* 7) моуцениꙗ *У.* 8) дѣлатель *С.* 9) реть *У.*

1) μὲν вставл. cod., но обводитъ точками. 2) V переправл. въ τὶ. 3) V переправл. изъ ὄνομα τι. 4) εὐσεβείας PV. 5) αὐτοῦ вставл. cod., но обводитъ точками. 6) διὰ V.

коупити хотѧ· нежели продаꙗ бж҃ии даръ· продание бо бысть· и ѥже ты тоунѥ приꙗлъ ѥси· аще продаѥши· ꙗко проданъ сотонѣ· отълоучишисѧ дара· лоукавьство бо въводиши къ дх҃вьнъіимъ·[1] и црк҃ви[2] идеже[3] бысть пороучено тѣло и кръвь хв҃а· симъ тако бывати не подобаѥть· иже бо ѥсть къзнь· гл҃ю· мьнꙗть не съгрѣшати· ѥже не въкоупь прѣжеварѧти[4] нъ по поставлѥнии приимати· коупьно прѣждеварѧти· приꙗти же ѥсть ѥгда къгда оубо[5] приꙗти·[6] молисѧ оубо то приимание· паче же принесениѥ ѥже къ геонѣ отъложити· а не роуцѣ оскврьнивъши[7] таковъіими приобрѣтении·[8] себе недостоина сътворити·[9] съвьршати ст҃ыꙗ та[и]ны· отъпоустити же ми пьрвѣѥ оубо невѣровавъшю· по семь же ꙗко оувѣривъсѧ прѣщю· аще къто по семь посъланиі моѥмь сътворить чьто таково· отъ олтарѧ оубо сего отъидеть· възищеть же иде<же> бж҃ии даръ
л. 199 b. коупѧ продати може|ть· мы бо въ црк҃ви бж҃ии· таковаго обычаꙗ[10] не имамъ· ѥдино же приложивъ прѣстаноу срѣбролюбиꙗ ради· бываютъ си· срѣбролюбиѥ же[11] корень вьсѣмъ зълымъ ѥсть· именоуѥтьсѧ

ὠνήσασθαι θέλων, ἢ ὁ πιπράσκων τὴν τοῦ θεοῦ δωρεάν· πρᾶσις γὰρ ἐγένετο, καὶ ὃ σὺ δωρεὰν ἔλαβες, ἐὰν πωλῇς, ὡσανεὶ πεπραμένος τῷ σατανᾷ ἀφαιρεθήσῃ τοῦ χαρίσματος· καπηλείαν γὰρ ἐπεισάγεις τοῖς πνευματικοῖς καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ, ἔνθα πεπιστεύμεθα σῶμα καὶ αἷμα Χριστοῦ. Ταῦτα οὕτως γίνεσθαι οὐ χρή· ὃ δέ ἐστι, τὸ τέχνασμα λέγω. νομίζουσι μὴ ἁμαρτάνειν τῷ[1] μὴ ἅμα[2] προλαμβάνειν, ἀλλὰ μετὰ τὴν χειροτονίαν λαμβάνειν· λαβεῖν δέ ἐστιν ὁτεδήποτε τὸ λαβεῖν. Παρακαλῶ οὖν ταύτην τὴν πρόσοδον, μᾶλλον δὲ τὴν προσαγωγὴν τὴν ἐπὶ γέενναν, ἀποθέσθαι[3] καὶ μὴ τὰς χεῖρας μολύναντες τοιούτοις λήμμασιν ἀξίους[4] ποιήσητε[5] τοῦ ἐπιτελεῖν ἅγια μυστήρια. σύγγνωτε δέ μοι· πρῶτον μὲν ὡς ἀπιστήσας, εἶτα δὲ ὡς πεισθεὶς ἀπειλῶ. εἴ τις μετὰ ταύτην μου τὴν ἐπιστολὴν πράξειέν τι τοιοῦτον, τῶν μὲν ἐνταῦθα θυσιαστηρίων ἀναχωρήσει,[6] ζητήσει[7] δὲ ἔνθα τὴν τοῦ θεοῦ δωρεὰν ἀγοράζων μεταπωλεῖν δύναται· ἡμεῖς γὰρ καὶ αἱ ἐκκλησίαι τοῦ θεοῦ τοιαύτην συνήθειαν οὐκ ἔχομεν. ἓν δὲ προσθεὶς παύσομαι. (л. 207[b]) διὰ φιλαργυρίαν γίνεται ταῦτα· ἡ δὲ φιλαργυρία καὶ ῥίζα πάντων τῶν κακῶν ἐστιν καὶ ὀνομάζεται

---

1) дх҃овнѣмь *С.* 2) црк҃ве *С.* 3) иде *У.* 4) прѣжеварити *С.* 5) оубо *проп. У.* 6) же есть егда когда оубо пріати *встав. П.* 7) оскврьнивъше *У.* 8) приобрѣтениѥ *У.* 9) *cod. конечное* и *переправл. изъ* ь. 10) ѡбычаи *П.* 11) бо *У.*

---

1) τὸ V Patm. 172. 2) ἢ вставл. V. 3) ἀπόθεσθε P; cod. переправл. рукой X в. изъ ἀποθέσθε. 4) ἑαυτοὺς ἀναξίους PV (вм. ἀξίους). 5) ποιήσηται cod. 6) ἀναχωρήσῃ V. 7) ζητήσῃ V.

коумирослоужениѥ·[1] не изволите оубо прѣже х҃са· коумиръ малаго ради срѣбра· ни пакы июдѣ оуподобитеса· на приобрѣтениѥ[2] продавъше· второѥ ѥдиною за ны распынъшаагоса· понеже и села и роуцѣ плоды ты приѥмлющиихъ· акельдама нарекоутьса·

εἰδωλολατρεία. μὴ οὖν τοῦ Χριστοῦ προτιμήσητε[1] τὰ εἴδωλα διὰ μικρὸν ἀργύριον, μηδὲ πάλιν τὸν Ἰούδαν μιμήσησθε,[2] θελήματι[3] προδιδόντες δεύτερον τὸν ἅπαξ ὑπὲρ ἡμῶν σταυρωθέντα, ἐπεὶ καὶ τὰ χωρία καὶ αἱ χεῖρες τῶν τοὺς καρποὺς τούτους[4] δεχομένων ἀκελδαμὰ κληθήσονται.

1) коуросложеніе *П.* 2) прѣтениѥ *У.*

1) cod. переправл. рукой X в. изъ προτημήσηται. 2) cod. переправл. рукой X в. изъ μιμήσησθαι. 3) λήμματι PV. 4) τούτων V.

того же къ страньскꙑимъ сельнꙑимъ еп҇омъ·[1] ꙗко не бꙑвати[2] развѣ иего слоугамъ по канонѹ·

Ꙅѣло мѧ оскърблꙗѥть· ꙗко оставлиени бꙑша прочеѥ о҇чьскии[3] канони· и вьсе извѣщениѥ цр҇кви изгънано бꙑсть· и боюсѧ да не по малоу небрѣжениꙗ того на поуть исходѧщю· на вьсе съмоущениѥ придоуть цр҇кꙑвьнꙑꙗ[4] вещи· слоужащаꙗ цр҇кви· древлиѥ бж҇иимъ цр҇квамъ· живоущии обꙑчаи· съ вьсѣмь извѣщениѥмь приимааше· нъ на мънозѣ испꙑтаниѥмо бꙑвааше вьсе житиѥ ихъ· аще не клеветьници боудоуть· аще[5] не пьꙗницѣ аще не готови на[6] скарꙑ· аще наказають свою оуность· ꙗко исправити могоущю[7] свою ст҇ꙑнюбеж[8] неꙗже никъто же оузьрить г҇а· и то испꙑтовааχоу[9] оубо попове | и л. 200 а. диꙗкони живоущии съ ними· възношааχоу[10] же сельнꙑимъ еп҇омъ· иже отъ съвѣдѣтельствоующиихъ истиньно· приимъше причьтꙑ· и въспомꙗноувъше еп҇оу· тако причитааχоу слоужьбьника въ чинъ чистїтельнꙑихъ· нꙑнꙗ же пьрвѣѥ нꙑ отъвьргъше· и ничьто же възносити

(л. 207ᵇ—208ᵇ). ΤΟΥ͂ ΑΥ̓ΤΟΥ͂ ΧΩΡΕΠΙΣΚΟΠΟΙ͂Σ,[1] ὭΣΤΕ ΜΗ͂ ΓΙΝΕΣΘΑΙ ΧΩΡΙ͂Σ ΑΥ̓ΤΟΥ͂ ὙΠΗΡΕΤΑ͂Σ ΚΑΤᾺ[2] ΤΟΥ͂Σ ΚΑΝΟ͂ΝΑΣ.

Πάνυ με λυπεῖ, ὅτι ἐπιλελοίπασιν λοιπὸν οἱ τῶν πατέρων κανόνες καὶ πᾶσα ἀκρίβεια τῶν ἐκκλησιῶν ἀπελήλαται, καὶ φοβοῦμαι, μὴ κατὰ μικρὸν τῆς ἀδιαφορίας ταύτης ὁδῷ προϊούσης εἰς παντελῆ σύγχυσιν ἔλθῃ τὰ τῆς ἐκκλησίας πράγματα. τοὺς ὑπηρετοῦντας τῇ ἐκκλησίᾳ[3] πάλαι ταῖς τοῦ θεοῦ ἐκκλησίαις ἐμπολιτευομένη συνήθεια μετὰ πάσης ἀκριβείας δοκιμάζουσα παρεδέχετο καὶ ἐπολυπραγμονεῖτο πᾶσα αὐτῶν ἡ ἀναστροφή, εἰ μὴ λοίδοροί εἰσιν, εἰ μὴ μέθυσοι, εἰ μὴ πρόχειροι πρὸς τὰς μάχας, εἰ παιδαγωγοῦσιν ἑαυτῶν[4] τὴν νεότητα, ὥστε κατορθοῦν δύνασθαι τὸν ἁγιασμόν, οὗ χωρὶς οὐδεὶς ὄψεται τὸν κύριον. καὶ τοῦτο ἐξήταζον μὲν πρεσβύτεροι καὶ διάκονοι οἱ συνοικοῦντες αὐτοῖς, ἐπανέφερον δὲ τοῖς χωρεπισκόποις, οἳ τὰς παρὰ τῶν ἀληθινῶς[5] μαρτυρούντων δεξάμενοι ψήφους, καὶ ὑπομνήσαντες (л. 208ᵃ) τὸν ἐπίσκοπον, οὕτως ἐνηρίθμουν τὸν ὑπηρέτην τῷ τάγματι[6] τῶν ἱερατικῶν. νῦν δὲ πρῶτον[7] ἡμᾶς παρωσάμενοι καὶ μηδὲν[8] ἐπαναφέρειν

---

1) епискꙋпомъ *П.* 2) бꙑти *С.* 3) о҇чьстии *У.* 4) *cod. переправл. начальное* ц *изъ* к. 5) а *С.* 6) того вина *П* (*вм.* готови на). 7) мощю *ПУ.* 8) кез *С.* 9) испꙑтавааχѹ *П.* 10) възношаχо *С.*

1) V заглавіе начинается иначе: послѣ киноварнаго Ἐπιστολαὶ τῶν ἁγίων πατέρων κανονικαί слѣдуетъ Τοῦ ἁγίου Βασιλείου πρὸς χωρεπισκόπους. 2) παρὰ P. 3) ἡ V вставл. схоліастъ. 4) αὐτῶν V. 5) V переправл. изъ ἀληθινῶν. 6) τῷ τάγματι τὸν ὑπηρέτην Patm. 172. 7) μὲν вставл. PV и доппс. cod. in m. рукой X в. 8) μηδὲ PV.

намъ приимающе· вьсю поставили ѥсть[1] область· по семь лѣнꙗщесѧ о вещи· попомъ и диꙗкономъ повелѣсте· ихъже аще въсхотѧть отъ неиспꙑтана[2] житиꙗ· по ѿпоущеню[3] или отъ ближикъ· или отъ иноꙗ коѥꙗ любъве· въводити къ црквї[4] недостоинꙑꙗ·[5] тѣмь мъноѕи оубо слоужьбьници причитаютьсѧ въ вьсѧкои вьси· достоинъ же олтарю[6] слоужениꙗ· ни ѥдинъ же ꙗко же вꙑ сами[7] съвѣдѣтельствоуѥте· недомꙑслꙗщесѧ моужь въ причьтоносии· понеже оубо вижю[8] вещь· прочеѥ на нецѣльноѥ исходѧщюю· паче нꙑнꙗ большиихъ страхъмь· ноужьно приидохъ на обновлениѥ· о҃чьскꙑихъ канонъ· и посꙑлаю вамъ· посꙑлаите ми въсписаниѥ· коѥꙗжьдо вьси· слоужащиихъ· и отъ коѥго въведенъ ѥсть къждо· и въ коѥмь житии ѥсть· имѣите же и сами оу себе въсписаниѥ· ꙗко соудити нашимъ· соущимъ написаниѥмь ваша· и ни ѥди|номоу же подобаѥть себѣ ѥгда хощеть· неправьдьно написати тако оубо пьрвоуоумоу строѥнию· тако оубо нѣции· отъ поповъ въведени бꙑша· въ простꙑꙗ· да отъвьржени боудоуть· вꙑше же ихъ боудеть[9] отъ насъ испꙑтаниѥ· и аще достоини соуть· вашимь

1) ѥсте *УП.* 2) неиспытана *П.* 3) ѿпоущенїю *ПС.* 4) *cod. перепавл.* ї *по скобл. (изъ* ь?); црквѥ *П.* 5) *cod. перепавл.* ѥ *послѣ* и *изъ* о. 6) олътарѧ *У.* 7) сами *проп. У.* 8) вижю *проп. У.* 9) боудоуть *П.*

ἡμῖν καταδεχόμενοι, εἰς ἑαυτοὺς τὴν ὅλην περιεστήσατε αὐθεντίαν. ἔπειτα[1] καταραθυμοῦντες τοῦ πράγματος, πρεσβυτέροις καὶ διακόνοις ἐπετρέψατε, οὓς ἂν ἐθέλωσιν ἀπὸ ἀνεξετάστου βίου κατὰ προσπάθειαν, ἢ τὴν ἀπὸ συγγενείας, ἢ τὴν ἐξ ἄλλης τινὸς φιλίας, ἐπεισάγειν τῇ ἐκκλησίᾳ τοὺς ἀναξίους. διὸ πολλοὶ μὲν ὑπηρέται ἀριθμοῦνται καθ' ἑκάστην κώμην, ἄξιος δὲ λειτουργίας θυσιαστηρίου οὐδείς, ὡς ὑμεῖς αὐτοὶ μαρτυρεῖτε, ἀποροῦντες ἀνδρῶν ἐν ταῖς ψηφοφορίαις. Ἐπεὶ οὖν ὁρῶ τὸ πρᾶγμα λοιπὸν εἰς ἀνήκεστον προϊόν, μάλιστα νῦν τῶν πλείστων φόβῳ τῆς στρατολογίας εἰσποιούντων ἑαυτοὺς τῇ ὑπηρεσίᾳ, ἀναγκαίως ἦλθον εἰς τὸ ἀνανεώσασθαι τοὺς τῶν πατέρων κανόνας, καὶ ἐπιστέλλω ὑμῖν ἀποστεῖλαί μοι τὴν ἀναγραφὴν ἑκάστης κώμης τῶν ὑπηρετούντων καὶ ὑπὸ τίνος εἰσῆκται ἕκαστος καὶ ἐν ποίῳ βίῳ ἐστίν. ἔχετε δὲ καὶ αὐτοὶ παρ' ἑαυτοῖς τὴν ἀναγραφήν, ὥστε συγκρίνεσθαι τοῖς παρ' ἡμῖν ἀποκειμένοις γράμμασιν л. 200 b.
τὰ ὑμέτερα καὶ μηδενὶ ἐξεῖναι ἑαυτὸν ὅτε βούλεται παρεγγράφειν. οὕτω μέντοι μετὰ τὴν πρώτην ἐπινέμησιν, εἴ[1] τινες ὑπὸ πρεσβυτέρων εἰσήχθησαν, ἐπὶ τοὺς λαϊκοὺς ἀπορριφῶσιν, ἄνωθεν δὲ γένηται αὐτῶν παρ' ὑμῶν ἐξέτασις· κἂν μὲν ἄξιοι ὦσι, τῇ ὑμετέρᾳ

1) καὶ вставл. V. 2) οἵ V.

причьтъмь·[1] да приꙗти боудоуть· понєже очистите цр҃квь·[2] недостоиныꙗ отъ неꙗ отъгонꙗще· и прочеє испытаите· оубо достоиныꙗ приимаите· не причитаите же прѣже даже къ вамъ изнести· ли вѣсте· ꙗко простьць боудеть· беꙁ вашего раꙁоума слоужениꙗ приꙗтъ·

ψήφῳ παραδεχθήτωσαν· ἐπεὶ καθαρίσατε τὴν ἐκκλησίαν τοὺς ἀναξίους αὐτῆς ἀπελαύνοντες. καὶ τοῦ λοιποῦ ἐξετάζετε[1] μὲν τοὺς ἀξίους καὶ παραδέχεσθε,[2] μὴ ἀριθμῆτε[3] δὲ πρὶν εἰς ἡμᾶς ἐπανενεγκεῖν,[4] ἢ γινώσκετε, ὅτι λαϊκὸς ἔσται ὁ ἄνευ ἡμετέρας γνώμης εἰς ὑπηρεσίαν παραδεχθείς.

---

1) прицьтъмь *У.* 2) и *вставл. П.*

1) cod. переправл. рукой X в. изъ ἐξετάζεται. 2) παραδέχεσθαι cod. 3) cod. переправл. рукой X в. изъ ἀριθμῆται; PV ἀριθμεῖτε. 4) ἀνενεγκεῖν V.

того [1] же григорию прозвутероу ꙗко разлоучити живоущаꙗ съ нимь жены·

Бесѣдовахомъ [2] твоѥмоу пьсанию· съ вьсѣмь трьпѣниѥмь· и чюдихъсѧ како мога намъ· скоро и оудобьно· отъвѣщати вещьми оглаголающиимъ оубо· ожидати приимаѥши· [3] словы же [4] дългы цѣлити начинаѥши· неисцѣлимоѥ· и пьрвии· ни ѥдинии ѿ григории· възаконихомъ жены [5] съ моужежены не жити· нъ почьти канонъ изнесеныи отъ ст҃ыихъ оц҃ь нашихъ· въ съборѣ никѣнскѣмь· [6] иже ꙗвѣ отъвьрже· съ чюжими не быти неженѥнии· [7] ѥже въ семь имать чистоѥ· [8] въиѥгда разлоучити ти [9] сѧ прѣ|бываниꙗ съ женою· ꙗко аще извѣщаꙗ къто имени дѣлъмь· живоущиихъ съ женами творить ꙗвлѥнъ ѥсть· дѣвьства оубо [10] чистоѥ· въ наречении гониꙗ· нелѣпааго же по сласти [11] не отъстоупаꙗ· толицѣмь оубо· наче подобааше ти повиноутисѧ нашемоу съподоблѥнию· елишьды гл҃ѥши· свободьнъ быти· вьсѧкоꙗ пльтьскыꙗ страсти· не [12] семидесѧтьна бо лѣтъ [13] бывъша· [14] повиноуꙗсѧ страстьною ти женою· ни ꙗко о бывъшиимь

(л. 208^b — 209^a). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΓΡΗΓΟΡΙΟΝ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΝ, ὭΣΤΕ ΧΩΡΙΣΘΗΝΑΙ ΑΥΤΟΝ ΤΟΥ ΣΥΝΟΙΚΟΥ ΓΥΝΑΙΟΥ.

Ἐνέτυχόν σου τοῖς γράμμασιν μετὰ πάσης μακροθυμίας καὶ ἐθαύμασα, πῶς δυνάμενος ἡμῖν συντόμως καὶ εὐκόλως ἀπολογήσασθαι διὰ τῶν πραγμάτων, τοῖς μὲν κατηγορουμένοις ἐπιμένειν καταδέχῃ, λόγοις δὲ μακροῖς θεραπεύειν ἐπιχειρεῖς τὰ ἀνίατα. οὔτε πρῶτοι οὔτε μόνοι, ὦ Γρηγόριε, ἐνομοθετήσαμεν γυναῖκας ἀνδράσι μὴ συνοικεῖν· ἀλλ' ἀνάγνωθι τὸν κανόνα τὸν ἐξενεχθέντα παρὰ τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν ἐν τῇ συνόδῳ Νικαίας, ὃς [1] φανερῶς ἀπηγόρευσεν συνεισάκτους μὴ εἶναι. ἀγαμία δὲ ἐν τούτῳ ἔχει τὸ σεμνόν, ἐν τῷ κεχωρίσθαι τῆς μετὰ γυναικῶν διαγωγῆς· (л. 201 a.) ὡς ἐὰν ἐπαγγελλόμενός τις τῷ ὀνόματι ἔργῳ τὰ τῶν ταῖς γυναιξὶ συνοικούντων ποιῇ, [2] δῆλός ἐστιν τὸ μὲν τῆς παρθενίας σεμνὸν ἐν τῇ προσηγορίᾳ διώκων, τοῦ δὲ καθ' ἡδονὴν ἀπρεποῦς μὴ ἀφιστάμενος. τοσούτῳ οὖν μᾶλλον ἐχρῆν σε εὐκόλως [3] εἶξαι ἡμῶν τῇ ἀξιώσει, ὅσῳ περ λέγεις ἐλεύθερος εἶναι παντὸς σωματικοῦ πάθους· οὔτε γὰρ τὸν ἑβδομηκονταετῆ γεγονότα πείθομαι ἀπαθῶς [4] συνοικεῖν γυναικί, οὔτε ὡς ἐπὶ [5] γενομένῃ

1) Тако *У.* 2) Бесѣдовахъ *УП.* 3) нацинаѥши *У.* 4) иже *П.* 5) *cod. надъ* ы *ставитъ* +. 6) нѣнскѣмь *П.* 7) неженни *У.* 8) чисто ти *П.* 9) ти *прор. С.* 10) оу *У.* 11) слати *УПС.* 12) не *прор. С.* 13) лѣтъ *П.* 14) быша *У.*

* Въ V отсутствуетъ (вырвано?) посланіе къ Григорію пресвитеру.

1) ὡς P. 2) ποιεῖ cod. 3) εὐχόλως cod. in. m. рукой X в. 4) ἐμπαθῶς P; cod. пишетъ начальное α по скобл. вмѣсто двухъ буквъ (ἐμ?). 5) ἐπι cod.

нѣкоѥмь зълѣмь[1] дѣꙗнии· заповѣдахомъ ꙗже и заповѣдахомъ· нъ понеже наоучихомъсѧ отъ ап҇ла· не полагати[2] прѣтыканиꙗ братоу въ съблазнъ· вѣдомо же ꙗко отъ нѣкъıихъ· съдравѣ бываюшти· инѣмъ вина къ грѣхоу боудеть· того ради повелѣхомъ· въслѣдоующе заповѣданию ст҇ъıихъ оц҇ь· разлоучити тѧ отъ женъı· чьто оубо[3] повѣдаѥши сельномоу[4] еп҇поу[5] ї дрѣвьнюю[6] вражьдоу поминаѥши· чьто же насъ порѣкаѥши· ꙗко оудобьнъ[7] слоухъ имоуштиихъ· на облъганиѥ приимати· и не себе тьрпꙗштю остоупити·[8] обычаꙗ и женѣ· иждени ю оубо ѿ домоу своѥго· и постави ю въ манастъıри да боудеть та съ дв҇ами· а тъı слоужи подъ моужи· да не хоулимо[9] боудеть имѧ б҇жиѥ насъ ради· донъдеже си твориши· бештисльнаꙗ ꙗже пишеши л. 201 b. посълани | ти не оуспѣють·[10] и съконьчаѥшисѧ[11] праздьноуꙗ· и[12] даси г҇ви слово о[13] своѥмь праздьньствѣ· аште ли дързнеши не исправити[14] въ себе· въсприꙗти чистительство· проклꙗтъ боудеши вьсѣмъ людьмъ· и приѥмлюштии тѧ отъвьржени по вьсѧкои ц҇ркви боудоуть·[15]

τινὶ ἀτόπῳ πράξει ὡρίσαμεν ἃ καὶ ὡρίσαμεν. ἀλλ᾽ ἐπειδὴ ἐδιδάχθημεν παρὰ τοῦ ἀποστόλου μὴ τιθέναι πρόσκομμα τῷ ἀδελφῷ ἢ σκάνδαλον, οἴδαμεν δέ, ὅτι τὸ παρά τινων ὑγιῶς γινόμενον[1] ἄλλοις ἀφορμὴ πρὸς ἁμαρτίαν ὑπάρξει, τούτου ἕνεκεν προσετάξαμεν, ἑπόμενοι τῇ διαταγῇ τῶν ἁγίων πατέρων, χωρισθῆναί σε τοῦ γυναίου. Τί οὖν ἐγκαλεῖς τῷ χωρεπισκόπῳ καὶ παλαιᾶς ἔχθρας μέμνησαι; τί δὲ ἡμᾶς καταμέμφῃ, ὡς εὐκόλους ἀκοὰς ἔχοντας εἰς τὸ τὰς διαβολὰς προσίεσθαι, ἀλλ᾽ οὐχὶ σεαυτῷ μὴ ἀνεχομένῳ ἀποστῆναι τῆς πρὸς τὴν γυναῖκα συνηθείας; Ἔκβαλε τοίνυν αὐτὴν ἀπὸ τοῦ οἴκου σου καὶ κατάστησον αὐτὴν ἐν μοναστηρίῳ. ἔστω ἐκείνη μετὰ παρθένων, καὶ σὺ ὑπηρετοῦ[2] ὑπὸ ἀνδρῶν, ἵνα μὴ τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ δι᾽ ἡμᾶς βλασφημῆται. ἕως[3] ἂν ταῦτα ποιῇς, αἱ μυριάδες, ἅσπερ συγγράφεις διὰ τῶν ἐπιστολῶν, οὐδὲν ὠφελήσουσίν σε, ἀλλὰ τελευτήσεις ἀργῶν καὶ δώσεις τῷ κυρίῳ λόγον τῆς ἑαυτοῦ ἀργίας. ἐὰν δὲ τολμήσῃς μὴ διορθωσάμενος σεαυτὸν ἀντέχεσθαι τῆς[4] ἱερωσύνης, ἀνάθεμα ἔσῃ παντὶ τῷ λαῷ, καὶ οἱ δεχόμενοί σε ἐκκήρυκτοι κατὰ πᾶσαν ἐκκλησίαν[5] γενήσονται.

---

1) зломъ *С.* 2) *cod. переправл.* л *изъ* г. 3) оу *У.* 4) сельноу *У.* 5) *cod. надъ* у *ставитъ* +. 6) дрѣвленюю *П.* 7) оудобно *П.* 8) ѿстоупити *П.* 9) хоулими *П.* 10) оуспѣеть *П.* 11) съконьчаѭши *У.* 12) и *проп. У.* 13) о *проп. С.* 14) исправи *У.* 15) боудѣть *У.*

1) ι послѣ γ cod. пишетъ рукой X в. по скобл. вм. одной буквы (ε?). 2) ὑπηρέτου Patm. 172. 3) δ᾽ вставл. P. 4) τῆς cod. in m. рукой X в. 5) cod. переправл. рукой X в. изъ πάσης ἐκκλησίας.

того[1] же къ диодороу тарсанииноу· на поимающиихъ[2] дъвѣ сестрѣници· или за дъва брата дъвѣма посагающема сестрѣницама·

Прииде намъ написаниѥ· написаниѥ[3] имѣꙗ диодорово· прочеѥ же иного нѣкоѥго подобиѥ соуще паче· и ѥже лидорово· мьнить бо ми сѧ нѣкоѥго отъ хꙑтрьць· къ твоѥмоу лицю пришьдъ· тако себе достовѣрьна въсхотѣ сътворити послоушающиимъ· иже въпросивъ отъ коѥго· аще правьдьно ѥсть· приводити· на женитвоу жены оумьръшюю сестроу· не оустрашисѧ въпрошениꙗ· нъ кротъко изнеси чисто желаниѥ зѣло добльѥ и подвижьно съ нимь съдѣꙗ· аще оубо пришьло бꙑ ми писаниѥ· то посълалъ ѥ[4] бꙑхъ и довълно тебѣ же помощи истинѣ· понеже показавꙑи пакꙑ отъꙗ· и ꙗко нѣкако побѣдоу на нꙑ ношааше· възбраньшиихъ испьрва написаниѥ имѣти· глꙗ областъ[5] посълахъ ти нꙑнꙗ· ꙗко соугоубою роукою[6] намъ приꙗти· на блоудьнꙑи онъ помꙑслъ· и | ни ѥдиноꙗ ѥмоу крѣпости оставити· да не имать[7] врѣждати оудобьно соущиихъ· пьрвоѥ оубо ѥже велиѥ на таковꙑихъ ѥсть· оу насъ обꙑчаи иже имамъ прѣдъложити· закона силоу имѣю·

(л. 209^{a} — 212^{a}). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΔΙΟΔΩΡΟΝ ΤΟΝ ΤΑΡΣΟΥ ΚΑΤΑ ΤΩΝ ΔΥΟ ἈΔΕΛΦΑΣ ΓΑΜΟΥΝΤΩΝ Ἢ ἈΔΕΛΦΟΙΣ ΔΥΣΙ ΓΑΜΟΥΜΕΝΩΝ.

(л. 209^{b}) Ἀφίκετο ἡμῖν γράμματα τὴν ἐπιγραφὴν ἔχοντα Διοδώρου, τὰ δὲ ἐφεξῆς ἄλλου τινὸς πρέποντα εἶναι μᾶλλον ἢ Διοδώρου· δοκεῖ γάρ μοί τις τῶν τεχνιτῶν[1] τὸ σὸν πρόσωπον ὑποδὺς οὕτως ἑαυτὸν ἀξιόπιστον ἐθελῆσαι ποιῆσαι τοῖς ἀκροωμένοις· ὅς γε ἐρωτηθεὶς ὑπό τινος, εἰ θεμιτὸν αὐτὸν ἄγεσθαι πρὸς γάμον[2] τῆς γυναικὸς τελευτησάσης τὴν ἀδελφήν, οὐκ ἔφριξεν τὴν ἐρώτησιν, ἀλλὰ[3] πρᾴως ἤνεγκεν τὴν ἀκοὴν καὶ τὸ ἀσελγὲς ἐπιθύμημα πάνυ γενναίως αὐτῷ καὶ ἀγωνιστικῶς συγκατέπραξεν. Εἰ μὲν οὖν παρῆν μοι τὸ γράμμα, αὐτὸ ἂν ἀπέστειλα καὶ ἐξήρκεις σαυτῷ τε ἀμῦναι καὶ τῇ ἀληθείᾳ. ἐπεὶ δὲ ὁ δείξας πάλιν ἀφείλετο καὶ ὥσπερ τι τρόπαιον καθ' ἡμῶν περιέφερεν κεκωλυκότων τὸ ἐξ ἀρχῆς, ἔγγραφον ἔχειν λέγων τὴν ἐξουσίαν, ἐπέστειλα νῦν σοι, ὥστε διπλῇ τῇ χειρὶ ἡμᾶς ἐλθεῖν ἐπὶ τὸν νόθον ἐκεῖνον λογισμὸν[4] καὶ μηδεμίαν л. 202 a.
αὐτῷ ἰσχὺν καταλιπεῖν, ἵνα μὴ ἔχῃ βλάπτειν ῥᾳδίως τοὺς ἐντυγχάνοντας.

Πρῶτον μὲν οὖν, ὃ μέγιστον ἐπὶ τῶν τοιούτων ἐστίν, τὸ παρ' ἡμῖν ἔθος, ὃ ἔχομεν προβάλλειν, νόμου δύναμιν ἔχον

1) *У проп. все посланіе Діодору.* 2) поимащихъ *С.* 3) написанія *С.* 4) єси *П*; *cod. пишетъ буквы* лѣ ѥ *и начало слѣдующ. слова* въ *по скобл.* 5) обра³ *С.* 6) роую *П.* 7) имамъ *С.*

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) посланіе къ Діодору.

1) τεχνικῶν P. 2) πρὸς γάμον ἀγαγέσθαι P. 3) καὶ вставл. P. 4) λόγον P.

заниѥ отъ с҃тыихъ моужь· оуставъмъ намъ прѣданомъ быти· се же таково ѥсть· аще къто страстию нечистоты оудьржанъ бывъ къгда· отъпадеть къ обыщению безаконьномъ· къ дъвѣма сестрѣницѧма·[1] ни брака того имѣти· ни вьсѧко на цр҃квьноѥ испълнениѥ приимати· пьрвѣѥ или раздрѣшити дроугъ отъ дроуга· ꙗко аще и ничьто[2] же иного рещи не вѣдовълꙗаше обычаи· къ стражи зълоу· понѥже посълание написавыи· начатиѥмь любодѣꙗниѥ зъло толико покоусисѧ на житиѥ навести· ноужи ничемоу же насъ· отъ помыслъ помощи оумалити· ибо на ꙗвльныихъ зѣло больше ѥсть слово отъ коѥгожьдо приꙗти· писано бо ѥсть рече въ левгитьскыихъ кънигахъ· жены на сестроу ѥꙗ[3] не приимеши противоу· рьвьно[4] отъкрыти стоудъ ѥꙗ· на нѥи ѥще[5] живѣ соущи ѥи· ꙗвѣ же оубо отъ того быти рече· ꙗко подастьсѧ поимати оумьрыши ѥи· къ томоу оубо пьрвѣѥ оно рекоу· ꙗко ѥлико законъ гл҃ѥть· законьныимъ гл҃ѥть· понѥже тако же· обрѣзании[6] л. 202 b. соуботѣ· и оу|далению брашьнъ· повинѣмъ же сѧ· не подобаѥть бо аще нѣчьто обрѧщемъ· сърищющесѧ на наша сласти· игъмь работы· законоу себе поработимъ· аще ли чьто

διὰ τὸ ὑφ' ἁγίων ἀνδρῶν τοὺς θεσμοὺς ἡμῖν παραδοθῆναι· τοῦτο δὲ τοιοῦτόν ἐστιν. ἐάν τις πάθει ἀκαθαρσίας ποτὲ κρατηθεὶς ἐκπέσῃ πρὸς δυεῖν[1] ἀδελφῶν ἄθεσμον κοινωνίαν, μήτε γάμον ἡγεῖσθαι τοῦτον μηδόλως[2] εἰς ἐκκλησίας πλήρωμα παραδέχεσθαι πρότερον, ἢ διαλῦσαι αὐτοὺς (л. 210ª) ἀπ' ἀλλήλων· ὥστε, εἰ καὶ μηδὲν ἕτερον εἰπεῖν ἦν, ἐξήρκει τὸ ἔθος πρὸς τὴν τοῦ κακοῦ φυλακήν. Ἐπεὶ δὲ ὁ τὴν ἐπιστολὴν γράψας ἐπιχειρήματι κιβδήλῳ κακὸν τοσοῦτον ἐπειράθη τῷ βίῳ ἐπαγαγεῖν, ἀνάγκη μηδὲν ἡμᾶς τῆς ἐκ τῶν λογισμῶν βοηθείας ὑφέσθαι, καίτοι γε ἐπὶ τῶν σφόδρα ἐναργῶν μείζων[3] ἐστὶν τοῦ λόγου ἡ παρ' ἑκάστῳ πρόληψις. γέγραπται, φησίν, ἐν τῷ Λευϊτικῷ· Γυναῖκα ἐπ' ἀδελφῇ αὐτῆς οὐ λήψῃ ἀντίζηλον ἀποκαλύψαι τὴν ἀσχημοσύνην αὐτῆς ἐπ' αὐτῇ, ἔτι ζώσης αὐτῆς. δῆλον δὲ οὖν[4] ἐκ τούτου εἶναί φησιν, ὅτι συγχωρεῖται λαμβάνειν τελευτησάσης. πρὸς δὴ τοῦτο πρῶτον μὲν ἐκεῖνο ἐρῶ, ὅτι ὅσα ὁ νόμος λέγει, τοῖς ἐν τῷ νόμῳ λέγει· ἐπεὶ οὕτω γε[5] περιτομῇ καὶ σαββάτῳ καὶ ἀποχῇ βρωμάτων ὑποκεισόμεθα. οὐ γὰρ δή, ἐὰν μέν τι εὕρωμεν συντρέχον ἡμῶν ταῖς ἡδοναῖς, τῷ ζυγῷ τῆς δουλείας τοῦ νόμου ἑαυτοὺς ὑποθήσομεν,[6] ἐὰν δέ τι

1) сестрѣницѧми *П.* 2) ничесо *П.* 3) ѥꙗ *проп. С.* 4) рвено *С.* 5) ще *С.* 6) обрѣзаніи *С.*

1) προσ δυεῖν cod. 2) μήθ' ὅλως P. 3) cod. конечное ν допис. рукой X в. 4) Patm. 173 переправл. изъ ὅτι. 5) καὶ вставл. P. 6) ὑποθήσωμεν cod.

ꙗвитьсѧ· тѧжько отъ ȥаконьнъıихъ· тогда[1] къ свобожению ѡ х҃ѣ отидемъ· въпрошени бъıхомъı·[2] аще пьсано[3] ѥсть поимати женоу· на сестроу рѣхомъ ѥже твьрдо намъ и[4] истиньно· ꙗко не писано ѥсть· аже ѿ осоужениꙗ подобьнааго мълчаливоѥ· съпомъıшлꙗти ȥаконъ полагающааго ѥсть· не ȥаконьнаꙗ г҃лющааго· понеже оубо тако подобаѥть· хотѧщиноумоу дьрȥноути ѥще живѣ соущи женѣ· поꙗти сестроу то же въ оȥълобление· и на[5] ѡного подобаѥть· писано бо ѥсть рече· ꙗко не приимеши противоуръвьноую·[6] ꙗко тоꙗ оубо вънѣ ръвьности[7] поꙗти не възбрани· ȥастоупаꙗ же страстию· нерьвьноу бъıти· раȥдѣлꙗ обычаꙗ сестрѣницю· отъꙗтѣ оубо внѣ· ѥꙗже ради отърече съвъкоуплениꙗ обою· чьто възбраниꙗ боуд҄еть· поимати сестрѣници· нъ не писана бъıша речемъ· нъ ни она ȥаповѣдана бъıша· оумъ же послѣдованиꙗ·[8] тако же обоимъ власть даѥть· подобааше же[9] мало на ȥаждь·[10] ȥаконоположениꙗ въшьдъша· оуподоби же·[11] не вьсѧкъ образъ грѣховъ обоуимати[12] ȥаконоположьникъı· нъ ѥдинѣ|мь отърѣкатисѧ· егѵптѧнъ· тѣмь въȥѧсѧ иȥль· и хананьскъıихъ·[13] къ нимъже прѣстависѧ имать

φανῇ βαρὺ τῶν νομίμων, τότε πρὸς τὴν ἐν Χριστῷ ἐλευθερίαν ἀποδραμούμεθα. Ἠρωτήθημεν, εἰ γέγραπται λαμβάνειν γυναῖκα ἐπ' ἀδελφῇ· εἴπομεν, ὅπερ ἀσφαλὲς ἡμῖν καὶ ἀληθές, ὅτι οὐ γέγραπται· τὸ δὲ ἐκ τῆς τοῦ ἀκολούθου ἐπιφορᾶς τὸ σιωπηθὲν συλλογίζεσθαι νομοθετοῦντός ἐστιν, οὐ τὰ τοῦ νόμου λέγοντος· ἐπεὶ οὕτω γε ἐξέσται[1] τῷ βουλομένῳ κατατολμῆσαι καὶ ἔτι ζώσης τῆς γυναικὸς λαμ(л. 210b)βάνειν τὴν ἀδελφήν· τὸ γὰρ αὐτὸ τοῦτο σόφισμα καὶ ἐπ' ἐκείνου ἁρμόζει· γέγραπται γάρ, φησίν, ὅτι,[2] Οὐ λήψῃ ἀντίζηλον, ὡς τήν γε ἔξω τοῦ ζήλου λαβεῖν οὐκ ἐκώλυσεν. ὁ δὴ συνηγορῶν τῷ πάθει ἀζηλότυπον εἶναι διορίεῖται τὸ ἦθος τῶν ἀδελφῶν. Ἀνῃρημένης οὖν τῆς αἰτίας, δι' ἣν ἀπηγόρευσεν τὴν ἀμφοτέρων συνοίκησιν, τί τὸ κωλῦον ἔσται λαμβάνειν τὰς ἀδελφάς; ἀλλ' οὐ γέγραπται ταῦτα, φήσομεν, ἀλλ' οὐδὲ ἐκεῖνα ὥρισται, ἡ δὲ ἔννοια τοῦ ἀκολούθου ὁμοίως ἀμφοτέροις τὴν ἄδειαν δίδωσιν. ἔδει δὲ μικρὸν ἐπὶ τὰ κατόπιν τῆς νομοθεσίας ἐπαναδραμόντα ἀπηλλάχθαι πραγμάτων. ἔοικεν γὰρ οὐ πᾶν εἶδος ἁμαρτημάτων περιλαμβάνειν[3] ὁ νομοθέτης, ἀλλ' ἰδίως ἀπαγορεύειν τὰ τῶν Αἰγυπτίων, ὅθεν л. 203 а.
ἀπῆρεν ὁ Ἰσραήλ, καὶ τὰ τῶν Χαναναίων, πρὸς οὓς μεθίσταται· ἔχει

1) *cod. первонач. была вм.* т *какая-то другая буква* (ж? *или* к?) *съ* + *наверху, но подскобл.* 2) быхомъ *С.* 3) псано *С*; писано *П.* 4) и *проп. С.* 5) и *вставл. П.* 6) противȣрвенȣю *С.* 7) рвености *С.* 8) послѣдоніа *С.* 9) же *проп. С.* 10) насаждь *С.* 11) сѧ *вставл. П.* 12) оубо имати *П.* 13) хананьскый *П.*

1) ἔξεσται cod. 2) ὅτι проп. P. 3) παραλαμβάνειν P.

во сице рѣчь·[1] по начинанию егюпьтьскъıихъ· въ немьже обитасте· отъ того не сътворите и по ꙁаконоу ихъ не поидете·[2] ꙗко се въправьдоу нѣкъде образъ грѣха· не жити[3] томоу съ поганъıими· тѣмь ни стража ихъ· трѣбовати ꙁаконоположьнъıихъ·[4] нъ довьльноу бъıти· неоученъıимь объıчаимь·[5] въ обльганию сквьрнъı· како оубо большеѥ отъвьргъ мьньшеѥ прѣмълча· ꙗко чаꙗше многъı пльтолюбьца· на съкоуплениѥ живама сестрѣницꙗма· притъчю видѣти патриаршю·[6] намъ же чьто подобаѥть творити· писанꙗ[7] ли гл҃ати· или мълчаливаꙗ дѣлати·[8] абиѥ же не подобаѥть ѥдинои и дроузѣи поꙗти оц҃а и сн҃а· въ ꙁаконѣ бо семь не писано ѥсть· отъ прр҃ка же велиꙗ гл҃аниꙗ съподобися· сн҃ъ бо рече и оц҃ь· къ тои же рабичьнѣ въходꙗста· колико же оубо нечистъıихъ страсти· око бѣсовъ оучениѥ иꙁобрѣте· бж҃ьствьное же писаниѥ оумълче· чистоѥ своѥ въ срамьнъıихъ нарицании·[9] осквьрнꙗти не хотꙗ· нъ

1) рѣче *П.* 2) поидеть *П.* 3) жети *П.* 4) законоположьноихъ *С.* 5) обычаемъ *С.* 6) партіаршю *С.* 7) писаниа *П.* 8) дѣꙗти *С.* 9) нарицаніе *П.*

γὰρ οὕτως ἡ λέξις· Κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα τῆς Αἰγύπτου, ἐν ᾗ παρῳκήσατε, ἐπ᾿ αὐτῆς οὐ ποιήσετε·[1] καὶ κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα γῆς Χαναάν, εἰς ἣν ἐγὼ εἰσάξω ὑμᾶς ἐκεῖ, οὐ ποιήσετε[1] καὶ τοῖς νομίμοις αὐτῶν οὐ πορεύσεσθε·[1] ὥστε τοῦτο εἰκός που τὸ εἶδος τῆς ἁμαρτίας μὴ ἐμπολιτεύεσθαι τότε[2] παρὰ τοῖς ἔθνεσιν. δι᾿ ὃ μηδὲ τῆς ἑαυτῶν[3] φυλακῆς προσδεηθῆναι τὸν νομοθέτην, ἀλλ᾿ ἀρκεσθῆναι τῷ ἀδιδάκτῳ ἔθει πρὸς τὴν τοῦ μύσους διαβολήν. πῶς οὖν τὸ μεῖζον (л. 211[a]) ἀπαγορεύσας, τὸ ἔλαττον ἐσιώπησεν; ὅτι ἐδόκει πολλοὺς τῶν φιλοσάρκων πρὸς τὸ ζώσαις ἀδελφαῖς συνοικεῖν τὸ ὑπόδειγμα βλέπειν[4] τοῦ πατριάρχου. ἡμᾶς δὲ τί χρὴ ποιεῖν, τὰ γεγραμμένα λέγειν, ἢ τὰ σιωπηθέντα προσεξεργάζεσθαι;[5] αὐτίκα τὸ μὴ δεῖν μιᾷ[6] ἑταίρᾳ κεχρῆσθαι πατέρα καὶ υἱὸν ἐν μὲν τοῖς νόμοις τούτοις οὐ γέγραπται, παρὰ δὲ τῷ προφήτῃ μεγίστης κατηγορίας ἠξίωται· Υἱὸς γάρ, φησίν, καὶ πατὴρ πρὸς τὴν αὐτὴν παιδίσκην εἰσεπορεύοντο. πόσα δὲ δὴ[7] τῶν ἀκαθάρτων παθῶν τὸ μὲν τῶν δαιμόνων διδασκαλεῖον[8] ἐξεῦρεν, ἡ δὲ θεία γραφὴ ἀπεσιώπησεν, τὸ σεμνὸν ἑαυτῆς ταῖς τῶν αἰσχρῶν ὀνομασίαις[9] καταῤῥυπαίνειν οὐχ αἱρουμένη, ἀλλὰ

1) cod. конечное ε переправл. рукой X в. изъ αι. 2) cod. переправл. изъ τοῦτο. 3) ἐπ᾿ αὐτῷ P (вм. ἑαυτῶν). 4) βλάπτειν P. 5) προσεργάζεσθαι P. 6) μία cod. 7) εἴδη P (и cod., но начальное ει вставл. рукой X в.); ἄλλα вставл. P. 8) διδασκάλιον Patm. 172. 9) ὀνοματωνσίαις cod., но τῶν и удареніе надъ α выскобл.

добаними именъı· нечистотъı низъложи· ꙗко же и ап҃лъ павьлъ рече· блоужениѥ же и нечистота вьсѧ· да не именоуѥтьсѧ въ васъ· ꙗко же подобаѥть ст҃ъıимъ· и|меньмь нечистотъı· и срамотворениꙗ моужьска пола· и женьска пола обоуимаꙗ· ꙗко не вьсѧко мълчаниѥ властьно сице сластолюбивъıимъ· азъ же ни мълчати часто[1] того рекоу· нъ зѣло и отърецисѧ законоположьникоу· ѥже бо не въıнидеши къ вьсѧкомоу плъти твоѥꙗ[2] отъкръıти стоудъ ихъ· лише ѥсть и того образа своиство· чьто бо аще боудеть своинѣѥ моужю своѥꙗ женъı· паче же и своѥꙗ плъти· нѣста бо дъва нъ плъть ѥдина· ꙗко женъı ради сестра къ своиствоу мѫжа[3] приходить· ꙗко м҃тре женьнꙗ не поиметь· ни дъчере женьнꙗ· имьже ни своѥꙗ м҃тре· ни своѥꙗ дъчере· тако ни сестръı женьнꙗ· имьже ни сестръı своѥꙗ· и се пакъı подобаѥть· ни женѣ съ своими· моужа примѣшатисѧ· обьща бо на обоихъ сродиꙗ правьда· азъ же вьсѧкомоу ѿ брацѣ хотѧщюоумоу съвѣдѣтельствоую· ꙗко прѣходить[4] образъ мира сего· и врѣмѧ

γενικοῖς ὀνόμασιν τὰς ἀκαθαρσίας διέβαλεν, ὡς καὶ ὁ ἀπόστολος Παῦλός φησιν· Πορνεία δὲ καὶ ἀκαθαρσία πᾶσα μηδὲ ὀνομαζέσθω ἐν ὑμῖν, καθὼς πρέπει ἁγίοις· τῷ τῆς ἀκαθαρσίας ὀνόματι τάς τε τῶν ἀῤῥένων ἀῤῥητοποιίας καὶ τὰς (л. 203 b.) τῶν θηλειῶν περιλαμβάνων· ὥστε οὐ πάντως ἡ σιωπὴ ἄδειαν φέρει τοῖς φιληδόνοις. ἐγὼ δὲ οὐδὲ σεσιωπῆσθαι τὸ μέρος τοῦτο φημί, ἀλλὰ καὶ πάνυ σφοδρῶς ἀπηγορευκέναι τὸν νομοθέτην· τὸ[1] γάρ, Οὐκ εἰσελεύσῃ πρὸς πάντα οἰκεῖον[2] σαρκός σου ἀποκαλύψαι ἀσχημοσύνην αὐτῶν, ἐμπεριεκτικόν ἐστιν καὶ τούτου τοῦ εἴδους τῆς οἰκειότητος. τί γὰρ ἂν γένοιτο οἰ(л. 211b)κειότερον ἀνδρὶ τῆς ἑαυτοῦ γυναικός, μᾶλλον δὲ τῆς ἑαυτοῦ σαρκός; οὐ γὰρ ἔτι εἰσὶ δύο, ἀλλὰ σὰρξ μία· ὥστε διὰ τῆς γυναικὸς ἡ ἀδελφὴ πρὸς τὴν τοῦ ἀνδρὸς οἰκειότητα μεταβαίνει. ὡς γὰρ μητέρα γυναικὸς οὐ λήψεται, οὐδὲ θυγατέρα τῆς γυναικός, διότι μηδὲ τὴν ἑαυτοῦ μητέρα, μηδὲ τὴν ἑαυτοῦ θυγατέρα, οὕτως οὐδ' ἀδελφὴν γυναικός, διότι μηδ' ἀδελφὴν ἑαυτοῦ. καὶ τοῦτο ἀνάπαλιν, οὐδὲ τῇ γυναικὶ ἐξέσται[3] τοῖς[4] οἰκείοις τοῦ ἀνδρὸς συνοικεῖν· κοινὰ γὰρ ἐπ' ἀμφοτέρων τῆς συγγενείας τὰ δίκαια. ἐγὼ δὲ παντὶ τῷ περὶ γάμου βουλευομένῳ διαμαρτύρομαι, ὅτι παράγει τὸ σχῆμα τοῦ κόσμου τούτου καὶ ὁ καιρὸς

1) части *П.* 2) *cod. переправл.* ѥ *изъ* ꙗ. 3) *это* мѫжа *cod. добавл. in m., поставивши въ текстъ на мѣстѣ пропуска знакъ* +. 4) приходить *С.*

1) cod. переправл. по скобл. изъ τοῦτο. 2) cod. переправл. рукой X в. изъ οἶκον. 3) ἔξεσται cod. 4) cod. τõς, а ι вставл. рукой X в.

оустрашьно ѥсть· да имоущеи [1] женъı· ꙗко не имоущеи [2] боудоуть· аще же ми почитаѥть ѥже раститеса и оумножите· слѣюса ꙁаконоположению· врѣменъ не расматрꙗющаго· блоуженꙗ оутѣшениѥ· вътор꙼ъıи бракъ не подобиѥ ли на нечистотоу· аще не въꙁдьржатьсꙗ да женꙗтьсꙗ рече· и женꙗщенсꙗ да не беꙁаконе [3] беꙁаконьствоують· л. 204 а. не въꙁираю|щеи же къ ѥстьствоу· иже дшю гоубꙗще страстию бещьстꙗ· дрѣвлѥ раꙁлоучьшюю· нареченꙗ родъ отъ коѥго сърод꙼нꙗ· рожьшꙗсꙗ наричють братью ихъ дроугъ дроуга· или сестричича наричють· обоѥ бо имъ причетаеть съмоущенꙗ ради не сътвори о чл҃вче· тетъкъı мачехъı [4] младеньцемъ· ни въ матерьнь чинъ съгрѣховати хотꙗщю· симь въороужїши некротъкъıми рьвьнꙗ помъıсла тъкъмо бо ненавидить мачехъı и по съмьрти гонить вражьдоу· паче же ови инако [5] ратьници· оумьръшимъ [6] жьроуть· мачехъı же ненависть· по съмьрти начинають·

συνεσταλμένος ἐστίν, ἵνα καὶ οἱ ἔχοντες γυναῖκας ὡς μὴ ἔχοντες ὦσιν. Ἐὰν δέ μοι παραναγινώσκῃ τό, Αὐξάνεσθε [1] καὶ πληθύνεσθε, καταγελῶ τοῦ τῶν νομοθεσιῶν τοὺς καιροὺς μὴ διακρίνοντος. πορνείας παραμυθία ὁ δεύτερος γάμος, οὐχὶ ἐφόδιον εἰς ἀσέλγειαν. Εἰ οὐκ ἐγκρατεύονται, γαμείτωσαν, [2] φησίν, οὐχὶ δὲ καὶ γαμοῦντες παρανομείτωσαν. οἳ δὲ οὐ [3] πρὸς τὴν φύσιν ἀποβλέπουσιν, οἱ τὴν ψυχὴν λημῶντες τῷ πάθει τῆς ἀτιμίας, πάλαι διακρίνασαν τὰς τοῦ γένους προσηγορίας, ἐκ ποίας [4] συγγενείας τοὺς γεννηθέντας προσαγορεύουσιν; [5] ἀδελφοὺς αὐτῶν [6] ἀλλήλων, ἢ ἀνεψιοὺς προσεροῦσιν; ἀμφότερα γὰρ αὐτοῖς προσαρμόσει διὰ τὴν σύγχυ(л. 212а)σιν. μὴ ποιήσῃς, ὦ ἄνθρωπε, τὴν θείαν μητρυιὰν [7] τῶν νηπίων, μήτε [8] δὲ τὴν ἐν μητρὸς τάξει θάλπειν ὀφείλουσαν ταύτην ἐφοπλίσῃς [9] ταῖς ἀμειλίκτοις ζηλοτυπίαις· μόνον γὰρ τὸ μῖσος τῶν μητρυιῶν [10] καὶ μετὰ θάνατον ἐλαύνει τὴν ἔχθραν· μᾶλλον δὲ οἱ μὲν ἄλλως πολέμιοι τοῖς τεθνηκόσι σπένδονται, αἱ δὲ μητρυιαὶ [11] τοῦ μίσους μετὰ τὸν θάνατον ἄρχονται.

---

1) *cod. выскобл. бывшая вмѣсто* щ *другая буква* (ж?) *съ + наверху.* 2) *cod. переправл.* щ *изъ* ж. 3) безаконе *проп. П.* 4) мачехꙋ *П.* 5) нако *П.* 6) оумержимъ *С.*

1) конечное ε cod. переправл. изъ αι рукой X в. 2) γαμησάτωσαν P. 3) οὐδὲ P. 4) γὰρ вставл. P. 5) προσαγορεύσουσιν Patm. 173. 6) Patm. 172 надпис. οὓς надъ конечн. ῶν; Patm. 173 αὐτοὺς, но буквы οὐ по скобл.; cod. рука X в. выскобл. правую сторону ω и букву ν, но не поставила ясно другихъ буквъ. 7) μητρυὰν cod. 8) μὴ P. 9) ἐφοπλίσεις cod. 10) μητρυῶν cod. 11) μητρυαὶ cod.

глава же реченъıихъ· аще законъмь оброучаѥтьсѧ на бракъ· отъвързесѧ вьсѧ вьселенаꙗ· аще ли страстьно имъ ѥсть· тъщаниѥ того ради и паче да затворитьсѧ· да оувѣсть свои съсоудъ притѧжати с҃тостью· не страстью похоти· большю ми г҃лати оустрьмльшюсѧ· мѣроу прииметь посъланиꙗ· молю же изволениѥ ваше[1] крѣплѥ страсти ꙗвити· или не приити къ вашеи нечистотѣ сеи· нъ въ нихъже аще дьрзноу мѣстѣхъ прѣбъıвати·

Κεφάλαιον δὲ τῶν εἰρημένων, εἰ μὲν νόμῳ ὁρμᾶται πρὸς τὸν γάμον, ἤνοικται πᾶσα ἡ οἰκουμένη· εἰ[1] δὲ ἐμπαθὴς αὐτοῖς[2] ἡ σπουδή, διὰ τοῦτο καὶ πλέον ἀποκλεισθήτω, ἵνα μάθῃ τὸ ἑαυτοῦ σκεῦος κτᾶσθαι ἐν ἁγιασμῷ, μὴ ἐν πάθει ἐπιθυμίας. πλείονά με λέγειν ὡρμημένον τὸ μέτρον ἐπέχει τῆς ἐπιστολῆς. εὔχομαι δὲ ἢ τὴν παραίνεσιν ἡμῶν[3] ἰσχυροτέραν τοῦ πάθους ἀποδειχθῆναι, ἢ μὴ ἐπιδημῆσαι τῇ ἡμετέρᾳ τὸ ἄγος τοῦτο, ἀλλ' ἐν οἷς ἂν ἐτολμήθη τόποις ἐναπομεῖναι.

---

1) *cod. надъ* ѥ *ставитъ* +; ваше *П.*

1) ἡ cod. 2) αὐτῷ P. 3) υμῶν Patm. 172, но надъ υ надпис. η.

того же отъ написанаго посълания· къ блаженоуоумоу амфилохию· ꙗко не невѣдати г҃а· дн҃е· коньца и часа·

г҃е· Слабъıмъ же въздьржателемъ· на чистоѥ ихъ л. 204 b. | гадание· чьсо ради и мъı не вьсе [1] ꙗмъ· оно да гл҃ѥтьсѧ· ꙗко и останъкъ нашихъ гноушаѥмъсѧ· по достоꙗнию же оубо· зелиѥ травъı намъ соуть мꙗса· по расмотрению же пользьнъıихъ· ꙗко и въ зелии врѣжающааго подобьнааго ѿлоучаѥмъсѧ· тако и въ мѧсѣхъ добрѣишааго врѣждьноѥ расматрѧѥмъ· понеже зелиѥ ѥсть и беленъ ꙗко же мѧса соуть· нъ обаче· не ꙗсть никъто же· оумъ имѣꙗ ни пьса прикоснетьсѧ· не соущи велицѣ ноужди находѧщи· ꙗко ѥдинѣмь [2] безаконьнова·

(л. 212^{a-b}). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΚ ΤΗΣ ΠΡΟΣ [1] ΤΟΝ [2] ΜΑΚΑΡΙΟΝ ’ΑΜΦΙΛΟΧΙΟΝ ΓΡΑΦΕΙΣΗΣ ’ΕΠΙΣΤΟΛΗΣ ΠΕΡΙ ΤΟΥ ΜΗ ’ΑΓΝΟΕΙΝ ΤΟΝ ΚΥΡΙΟΝ ΤΗΝ ‘ΗΜΕΡΑΝ ΤΟΥ ΤΕΛΟΥΣ ΚΑΙ ΤΗΝ ‘ΩΡΑΝ.

πε΄. Τοῖς δὲ κομψοῖς ’Εγκρατίταις [3] πρὸς τὸ σεμνὸν αὐτῶν πρόβλημα, διὰ τί καὶ ἡμεῖς οὐχὶ πάντα ἐσθίομεν, ἐκεῖνο λεγέσθω, ὅτι καὶ τὰ περιττώματα ἡμῶν βδελυσσόμεθα· κατὰ μὲν γὰρ τὴν ἀξίαν λάχανα χόρτου ἡμῖν ἐστιν τὰ κρέα, κατὰ δὲ τὴν τῶν συμφερόντων διάκρισιν, ὡς καὶ ἐν λαχάνοις τὸ βλαβερὸν τοῦ καταλλήλου χωρίζομεν, οὕτω καὶ ἐν τοῖς κρέασι τοῦ χρησίμου τὸ βλαβερὸν διακρίνομεν. ἐπεὶ λάχανόν ἐστιν καὶ τὸ κώνειον, ὥσπερ κρέας [4] ἐστὶν καὶ τὸ γύπειον· ἀλλ’ ὅμως οὔτε ὑοσκύαμον [5] φάγοι ἄν τις νοῦν ἔχων, οὔτε κυνὸς ἅψαιτο, μὴ μεγάλης ἀνάγκης κατεπειγούσης· ὡς ὅ γε φαγὼν οὐκ ἠνόμησεν. [6]

---

1) всего *П.* 2) єдинъ *С.*

---

1) αὐτὸν встaвл. V. 2) αὐτὸν встaвл. P. 3) ’Εγκρατιταῖς V. 4) χρέα V. 5) υἱοσκύαμον cod. 6) V добавл. киноварью: τοῦ μεγάλου Βασιλείου ἐπιστολαὶ κανονικαί.

того[1] же отъ дъвадесѧтисемаaго слова· о ст҃мь дс҃ѣ· къ амфилохию написанъıихъ·

Съхраненъıихъ въ цр҃кви· повелѣнии проповѣдании·[2] ова оубо ѿ ненаписанаaго оучения имамъ· ова же отъ прѣдании[3] ап҃лъ подана намъ въ[4] таинѣ прѣꙗхомъ·[5] ꙗже обоꙗ тоую же крѣпость имоуть· къ бл҃гочьстию· и тѣмь ни єдинъ наречеть противоу· иже бо аще и по малоу оуставъ цр҃квьнъıихъ искоушаетъ· аще бо начьнемъ ненаписанъıихъ обычаи· ꙗко не[6] великоу[7] имоуща силоу отърицѧтисѧ· оутаимъ оубо[8] и[9] въ тѣхъ[10] извѣстьнъıихъ· отъпоущение ѥванг҃лиꙗ· паче же имѧ наго поставлꙗюще· проповѣдание ꙗко се пьрваaго· и обьщаaго пьрвѣє помѧноу образъмь кр҃ста· въ имѧ г҃а нашего іс҃[11] х҃а· оупъваюшиихъ назна|менаватисѧ·[12] къто написанием[13] наоучивъıи[14] ѥже на въстокъ обращатисѧ на мл҃твоу· коє ны наоучи писаниє· цр҃квьнъıꙗ гл҃ы· на показаниє хлѣба· похвалы[15] и чаша бл҃гословлѥние· къто отъ ст҃ыихъ

(л. 212^b—214^b). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ἘΚ ΤΟΥ ΚΖʹ ΛΟΓΟΥ[1] ΤΩΝ ΠΕΡΙ ΤΟΥ ἉΓΙΟΥ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΠΡΟΣ[2] ἈΜΦΙΛΟΧΙΟΝ ΓΕΓΡΑΜΜΕΝΩΝ.

Τῶν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ πεφυλαγμένων δογμάτων καὶ κηρυγμάτων, τὰ μὲν ἐκ τῆς ἀγράφου[3] διδασκαλίας ἔχομεν, τὰ δὲ ἐκ τῆς τῶν ἀποστόλων παραδόσεως διαδοθέντα ἡμῖν ἐν μυστηρίῳ παρεδεξάμεθα· ἅπερ ἀμφότερα τὴν αὐτὴν ἰσχὺν ἔχει πρὸς τὴν εὐσέβειαν· καὶ τούτοις οὐδεὶς ἀντερεῖ, ὅστις γε[4] κἂν κατὰ μικρὸν γοῦν θεσμῶν ἐκκλησιαστικῶν πεπείραται. εἰ γὰρ ἐπιχειρήσαιμεν τὰ ἄγραφα τῶν ἐθῶν, ὡς μὴ μεγάλην ἔχοντα τὴν δύναμιν, παραιτεῖσθαι, λάθοιμεν ἂν εἰς αὐτὰ τὰ καίρια ζημιοῦντες τὸ εὐαγγέλιον, μᾶλλον δὲ εἰς ὄνομα ψιλὸν περιϊστῶντες τὸ κήρυγμα. οἷον (ἵνα τοῦ πρώτου καὶ κοινοτάτου πρῶτον μνησθῶ) τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ τοὺς εἰς τὸ ὄνομα τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ἠλπικότας κατασημαίνεσθαι τίς ὁ διὰ γραμμάτων[5] διδάξας; τὸ πρὸς ἀνατολὰς[6] л. 205 а. τετράφθαι κατὰ τὴν προσευχὴν ποῖον ἡμᾶς ἐδίδαξεν γράμμα; τὰ τῆς ἐκκλησίας[7] ῥήματα ἐπὶ τῇ ἀναδείξει τοῦ ἄρτου τῆς εὐχαριστίας καὶ τοῦ ποτηρίου τῆς (л. 213^a) εὐλογίας τίς τῶν ἁγίων

---

1) *У проп. все это посланіе.* 2) проповѣданіи *П.* 3) преданіа *П.* 4) вон *П.* 5) пріахомъ *СП.* 6) не *проп. П.* 7) *cod. конечныя буквы* оу *вязью, переправл. изъ* а. 8) *cod. переправл.* оу *по скобл. изъ* и. 9) и *проп. П.* 10) вотый *П.* 11) іс *cod.* 12) назнаменоватисѧ *П.* 13) написасаніемь *С.* 14) наоучивы *С.* 15) похвалнꙑ *П.*

1) κεφαλαίου PV. 2) τὸν μακάριον вставл. PV. 3) ἐγγράφου PV. 4) γε проп. V. 5) γράμματος PV. 6) εὔχεσθαι вставл. cod., но обводитъ точками. 7) ἐπικλήσεως PV.

написано намъ остави· не тѣми бо довълыни есмъ· ихъже ап҃лъ или еванг҃лие помѧноу· нъ и прѣже гл҃ъмь·[1] и избираемъ дроугаꙗ· ꙗко велико имоуще· къ таинѣ крѣпость отъ ненаписана оучениꙗ· приимъше бл҃гословлениемь[2] же водоу крыщениꙗ· и масло помазаниꙗ· и къ симъ и[3] еще самого крьстимааго· не отъ мълчаливааго· и таинааго прѣданиꙗ· чьто же масла того мазание·[4] кое слово написано наоучи· а еже тришьды крыщати чл҃вка отъкоудѣ· ина же елико о крыщении· отъврѣщисѧ сотоны· и съ анг҃лы[5] его· отъ коего[6] есть написаниꙗ· не отъ[7] ѡбличенааго того и[8] неизреченьнааго оучениꙗ· еже нелюбопытанъими· ни прѣльстьнъимь мълчаниемь· оц҃и наши съхраниша· добрѣ они наоучени таинъ· чьстьнаꙗ мълчаниемь съпасати· ихъже бо ни видѣти[9] подобааше· невѣждамъ тѣхъ како оубо бѣ достоино·[10] оучение обличати писаниемь··

се слово написани прѣданиꙗ· ꙗко не облѣньшиюсѧ повелѣнии разоумоу· оудобь-
л. 205 b. прѣобидимоу бы<ти> | многъимъ·

ἐγγράφως ἡμῖν καταλέλοιπεν; οὐ γὰρ δὴ[1] τούτοις ἀρκούμεθα, ὧν ὁ ἀπόστολος ἢ[2] τὸ εὐαγγέλιον ἐπεμνήσθη, ἀλλὰ καὶ προλέγομεν καὶ ἐπιλέγομεν ἕτερα, ὡς μεγάλην ἔχοντα πρὸς τὸ μυστήριον τὴν ἰσχύν, ἐκ τῆς ἀγράφου διδασκαλίας παραλαβόντες. εὐλογοῦμεν δὲ τὸ ὕδωρ τοῦ βαπτίσματος καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρίσεως, καὶ προσέτι αὐτὸν τὸν βαπτιζόμενον[3] οὐκ ἀπὸ τῆς σιωπωμένης καὶ μυστικῆς παραδόσεως; τί[4] δέ; αὐτὴν τοῦ ἐλαίου τὴν χρίσιν τίς λόγος γεγραμμένος ἐδίδαξεν; τὸ δὲ τρὶς βαπτίζεσθαι τὸν ἄνθρωπον πόθεν; ἄλλα δὲ ὅσα περὶ τὸ βάπτισμα, ἀποτάσσεσθαι τῷ σατανᾷ καὶ τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ, ἐκ ποίας ἐστὶ γραφῆς; οὐκ ἐκ τῆς ἀδημοσιεύτου ταύτης καὶ ἀποῤῥήτου διδασκαλίας, ἣν ἐν ἀπολυπραγμονήτῳ καὶ ἀπεριεργάστῳ σιωπῇ[5] οἱ πατέρες ἡμῶν ἐφύλαξαν, καλῶς ἐκεῖνοι[6] δεδιδαγμένοι, τῶν μυστηρίων τὰ σεμνὰ σιωπῇ διασώζεσθαι; ἃ γὰρ οὐδὲ ἐποπτεύειν ἔξεστιν τοῖς ἀμυήτοις, τούτων πῶς ἂν ἦν εἰκὸς τὴν διδασκαλίαν θριαμβεύειν ἐν γράμμασιν;

Καὶ μεθ᾽ ἕτερα·

Οὗτος ὁ λόγος τῆς τῶν γραφῶν[7] παραδόσεως, ὡς μὴ καταμεληθεῖσαν[8] τῶν δογμάτων τὴν γνῶσιν, εὐκαταφρόνητον τοῖς πολλοῖς γενέσθαι

---

1) гл҃емь *П.* 2) *cod. конечное* ь *переправл. изъ* ъ; бл҃гословлѧѥ *П.* 3) и *проп. П.* 4) помазаніе *С.* 5) агг҃лы *П.* 6) его *П.* 7) отъ *проп. П.* 8) и *проп. С.* 9) вѣдити *П.* 10) *cod. переправл. конечное* о *по скобл. изъ* ъ

1) δὴ проп. V. 2) καὶ V. 3) ἀπὸ ποίων ἐγγράφων вставл. PV и допис. cod. рукой X в. 4) τὴν Patm. 172; τη Patm. 173. 5) σιγῇ PV. 6) ἐκείνοις cod. 7) ἀγράφων P. 8) καταμελετηθεῖσαν PV.

ино бо повелѣние ино же проповѣдание· повелѣния оубо мълчать· проповѣдания же обличена соуть· мълчания же ѡбразъ· и неявлениѥ· имьже приѥмлеть писаниѥ· неоудобьвидимъ строуя оумъ· на оуспѣхъ соущиимъ· того же ради вьси оубо видимъ· на въстокъ къ м҃лтвамъ· мало же насъ вѣсть яко древьняаго о҃тьства въꙁискаѥмъ· рая ѥгоже насади б҃ъ въ едемѣ на въстокъ· и прости оубо испълняѥмъ молитвы· въ ѥдиноу недѣлю· словесе же не вьси вѣмъ· не тъчию бо яко въскрьсъше[1] съ христосъмь·[2] и вышьнихъ искати дължьни соуще· въ[3] въскрѣсьныи д҃нь· подаяние намъ бл҃годати· стояния ради въ м҃лтвѣ· сами себе въспоминаѥмъ· нъ яко мьнитьсѧ како чаѥмаго вѣка· быти образоу· тѣмь начало сии д҃ньмъ· не пьрвыи отъ мосѣя[4] нареченъ бысть· нъ ѥдинъ· бысть бо рече вечеръ· и бысть оутро д҃нь одинъ·[5] яко томоу ѡбиходящю мъногашьды· и ѥдинъ оубо тъ же· и семыи ѥдиныи въистиноу тъ· и[6] истиньныи[7] осмыи· ѥгоже и пьсалъмъ въ трьхъ писменьхъ·[8] пьсалъмъмь помяноу· о себѣ являя

διὰ συνήθειαν. ἄλλο γὰρ (л. 213^{b}) δόγμα καὶ ἄλλο κήρυγμα· τὰ μὲν γὰρ δόγματα σιωπᾶται, τὰ δὲ κηρύγματα δημοσιεύεται. σιωπῆς δὲ εἶδος καὶ ἡ ἀσάφεια, ᾗ χρῆται[1] ἡ γραφή, δυσθεώρητον κατασκευάζουσα τῶν δογμάτων τὸν νοῦν πρὸς τὸ τῶν ἐντυγχανόντων λυσιτελές. τούτου χάριν πάντες μὲν[2] ὁρῶμεν κατ'[3] ἀνατολὰς ἐπὶ τῶν προσευχῶν, ὀλίγοι δὲ ἴσμεν, ὅτι τὴν ἀρχαίαν ἐπιζητοῦμεν πατρίδα, τὸν παράδεισον, ὃν ἐφύτευσεν ὁ θεὸς ἐν Ἐδὲμ κατ'[4] ἀνατολάς. καὶ ὀρθοὶ μὲν πληροῦμεν τὰς εὐχὰς ἐν τῇ μιᾷ τοῦ σαββάτου, τὸν δὲ λόγον οὐ πάντες οἴδαμεν· οὐ γὰρ μόνον ὡς συναναστάντες Χριστῷ καὶ τὰ ἄνω ζητεῖν ὀφείλοντες, ἐν τῇ ἀναστασίμῳ ἡμέρα τῆς δεδομένης ἡμῖν χάριτος διὰ τῆς κατὰ τὴν προσευχὴν στάσεως ἑαυτοὺς[5] ὑπομιμνήσκομεν, ἀλλ' ὅτι[6] δοκεῖ πως τοῦ προσδοκωμένου αἰῶνος[7] εἶναι εἰκών. διὸ καὶ ἀρχὴ οὖσα ἡμερῶν, οὐχὶ πρώτη παρὰ Μωσέως,[8] ἀλλὰ μία ὠνόμασται· Ἐγένετο γάρ, φησίν, ἑσπέρα[9] καὶ ἐγένετο πρωΐ ἡμέρα μία, ὡς τῆς αὐτῆς ἀνακυκλουμένης πολλάκις. καὶ μία τοίνυν ἡ αὐτὴ καὶ ὀγδόη, τὴν μίαν ὄντως ἐκείνην καὶ ἀληθινὴν ὀγδόην, ἧς καὶ ὁ ψαλμῳδὸς ἐν τρισὶν[10] ἐπιγραφαῖς τῶν ψαλμῶν ἐπεμνήσθη, δι' ἑαυτῆς ἐμφανίζουσα

---

1) въскресшю *П.* 2) христомь *П.* 3) въ *проп. П.* 4) моѷсѣа *С.* 5) *cod. буквы* дни *по скобл.* 6) и *проп. С.* 7) и *вставл. П.* 8) писмѣ *П.*

1) κέχρηται P. 2) μὲν проп. Patm. 172. 3) κατὰ V. 4) κατὰ V. 5) cod. переправл. рукой X в. изъ ἑαυτοῖς. 6) cod. переправл. изъ ἀλλὰ τι. 7) μόνος Patm. 172; μῶνος Patm. 173. 8) Μωυσέως PV. 9) Ἑσπέρα ʹφησὶν cod. 10) τισιν PV.

по оустроѥнии лѣта сего· непрѣстаньнъи дн҃ь невечерьнии·[1] неизмѣнимъи· неконьчьнии онъ· и л. 206 а. нестарѣющиисѧ[2] вѣкъ· ноу|ждьно оубо· ꙗже вънѣ мл҃твъі· стоꙗщемъ[3] испълнꙗти въслѣдьникомъ ѥго· цр҃къі[4] наказаѥть· да частъімь въспоминаниѥмь[5] бесконьчьнаго житиꙗ· къ прѣставлѥнию онѣхъ шьствиѥ· не лѣнимъсѧ и вьсѧка же пѧнтикости· чаѥмааго въскрѣшениꙗ· въ вѣцѣ ѥсть въспоминаниѥ·[6] ѥдинъи бо тъ и пьрвъи дьнь· семь кратъі·[7] семь семь семию· бъівъши семи недѣль· ст҃ъіꙗ пѧнтикости съвьршаѥть· отъ пьрвааго бо начинаѥмъ· въ тъи же коньчаваѥть· подобьнъіими на срѣдѣ раздѣлꙗющиисѧ· н҃· кратъі· тѣмь и вѣкоу подобитьсѧ подраженииѥмь·[8] ꙗко же въ окроужьнѣмь подвижении· отъ тѣхъ[9] самѣхъ начинающиихъсѧ· и въ та коньчавающиисѧ· въ ниѥже правъи образъ молитвъі· чистии оуставиі цр҃кьвнии насъ наказаша· отъ ꙗвлѥнааго въспоминаниꙗ· акъі прѣводѧще нашь оумъ· отъ нънѣшьниихъ на боудоущаꙗ· и на вьсѧко колѣнопоклонѥниѥ· и въстаниꙗ ради дѣлъмь показаѥмъ·[10] ꙗко и грѣха ради въ землю съшидохомъ·

τὴν μετὰ τὸν χρόνον τοῦτον κατάστασιν, τὴν ἄπαυστον ἡμέραν, τὴν (л. 214ᵃ) ἀνέσπερον, τὴν ἀδιάδοχον, τὸν[1] ἄληκτον ἐκεῖνον καὶ ἀγήρω[2] αἰῶνα. ἀναγκαίως οὖν τὰς ἐν αὐτῇ προσευχὰς ἑστῶτας ἀποπληροῦν[3] τοὺς ἑαυτῆς τροφίμους ἡ ἐκκλησία παιδεύει, ἵνα τῇ συνεχεῖ ὑπομνήσει τῆς ἀτελευτήτου[4] ζωῆς τῶν πρὸς τὴν μετάστασιν ἐκείνην[5] ἐφοδίων μὴ ἀμελῶμεν. καὶ πᾶσα δὲ ἡ πεντηκοστὴ τῆς ἐν τῷ αἰῶνι προσδοκωμένης ἀναστάσεώς ἐστιν ὑπόμνημα· ἡ γὰρ μία ἐκείνη καὶ πρώτη ἡμέρα, ἑπτάκις ἑπταπλασιασθεῖσα, τὰς ἑπτὰ τῆς ἱερᾶς πεντηκοστῆς ἑβδομάδας ἀποτελεῖ· ἐκ πρώτης γὰρ ἀρχομένη εἰς τὴν αὐτὴν καταλήγει, δι' ὁμοίων τῶν ἐν τῷ μέσῳ ἐξελιττομένη πεντηκοντάκις. δι' ὃ καὶ αἰῶνα μιμεῖται τῇ ὁμοιότητι, ὥσπερ ἐν κυκλικῇ[6] κινήσει[7] ἀπὸ τῶν αὐτῶν ἀρχομένη[8] καὶ εἰς τὰ αὐτὰ καταλήγουσα· ἐν ᾗ τὸ ὄρθιον σχῆμα τῆς προσευχῆς προτιμᾶν οἱ θεσμοὶ τῆς ἐκκλησίας ἡμᾶς ἐξεπαίδευσαν, ἐκ τῆς ἐναργοῦς ὑπομνήσεως οἱονεὶ μετοικίζοντες ἡμῶν τὸν νοῦν ἀπὸ τῶν παρόντων ἐπὶ τὰ μέλλοντα. καὶ καθ' ἑκάστην δὲ γονυκλισίαν καὶ διανάστασιν ἔργῳ δείκνυμεν, ὅτι καὶ διὰ τῆς ἁμαρτίας εἰς γῆν κατερρύημεν,

---

1) нечернїи *П.* 2) нестарѣющенсѧ *П.* 3) стоꙗщимъ *П.* 4) црькви *П.* 5) въспоминаемь *П.* 6) въспиминанїе *П.* 7) кратыи *П.* 8) подражанїемь *СП.* 9) ѿхъ *С* (*вм.* отъ тѣхъ). 10) показанїемь *П.*

---

1) cod. переправл. рукой X в. изъ τ[ὴν?]. 2) ἀγήρων P. 3) ἀναπληροῦν V. 4) ἀτελέστου V. 5) cod. η здѣсь напис. рукой X в. по скобл. 6) cod. ῇ здѣсь по скобл. рукой X в. 7) κινήσει вставл. V. 8) σημείων вставл. PV и допис. cod. in m. рукой X в.

и чл҃вколюбиꙗ ради съзьдавъшаго нꙑ· на нбо҃ призъвани бꙑхомъ· постигнеть мѧ дн҃ь· неписанꙑꙗ[1] цр҃ковьнꙑꙗ таинꙑ· повѣдающю ю[2] оставлꙗю и на то же исповѣданиѥ вѣрꙑ· вѣровати въ оцѧ҃ и сн҃а и ст҃аго дх҃а· отъ коѥго писаниꙗ и|мамъ· и аще отъ крыщениꙗ[3] прѣданиѥ[4] послѣдованию блгочьстиꙗ· ꙗко же крьстимъсѧ· тако и вѣровати дължьни ѥсмъ· подобьноѥ крыщению исповѣданиѥ полагаѥмъ· да отъпоустѧть намъ· отъ того же въслѣдованиꙗ· подобьноую вѣрѣ[5] славоу отъдаꙗти· аще ли образа славословиꙗ· ꙗко ненаписана отърицаютьсѧ· да дадѧть намъ по вѣрѣ исповѣданиꙗ· и прочаꙗ ꙗже[6] ищьтохомъ· написанаꙗ по[ка]заниꙗ· по семь толицѣмъ соущемъ·[7] ненаписаномъ·[8] и толикоу имоущемъ[9] крѣпость· въ блгочьстиꙗ таиноу· ѥдиноꙗ рѣци[10] намъ отъ оць҃· къ намъ пришьдъши не подадѧть· юже мꙑ отъ нѥго готова обꙑчаꙗ· необращающиимъсѧ[11] цр҃къвъ· оставъшюю обрѧщемъ· не мало слово имоущюю· ни кратъко съконьчаниѥ въ силоу таинꙑ приносимоую·

καὶ διὰ τῆς φιλανθρωπίας τοῦ κτίσαντος ἡμᾶς εἰς οὐρανὸν ἀνεκλήθημεν.

Ἐπιλείψει με ἡ ἡμέρα, τὰ ἄγραφα τῆς ἐκκλησίας μυστήρια διηγούμενον. ἐῶ τὰ ἄλλα· αὐτὴν δὲ τὴν (л. 214[b]) ὁμολογίαν τῆς πίστεως, πιστεύειν εἰς πατέρα καὶ υἱὸν καὶ ἅγιον πνεῦμα, ἐκ ποίων γραμμάτων ἔχομεν; εἰ μὲν γὰρ[1] (л. 206 b.) ἐκ τῆς τοῦ βαπτίσματος παραδόσεως, κατὰ τὸ τῆς εὐσεβείας ἀκόλουθον, ὡς βαπτιζόμεθα οὕτω καὶ πιστεύειν ὀφείλοντες, ὁμοίαν τῷ βαπτίσματι τὴν ὁμολογίαν κατατιθέμεθα, συγχωρησάτωσαν ἡμῖν ἐκ τῆς αὐτῆς ἀκολουθίας[2] ὁμοίαν τῇ πίστει τὴν δόξαν ἀποδιδόναι. εἰ δὲ τὸν τρόπον τῆς δοξολογίας ὡς ἄγραφον παραιτοῦνται, δότωσαν ἡμῖν τῆς τε κατὰ τὴν πίστιν ὁμολογίας καὶ τῶν λοιπῶν, ὧν ἀπηριθμησάμεθα, ἐγγράφους τὰς ἀποδείξεις. εἶτα τοσούτων ὄντων ἀγράφων[3] καὶ τοσαύτην ἐχόντων ἰσχὺν εἰς τὸ τῆς εὐσεβείας μυστήριον, μίαν λέξιν ἡμιν ἐκ πατέρων εἰς ἡμᾶς ἐλθοῦσαν οὐ συγχωρήσουσιν, ἣν ἡμεῖς ἐκ τῆς ἀνεπιτηδεύτου συνηθείας ταῖς ἀδιαστρόφοις τῶν ἐκκλησιῶν ἐναπομείνασαν εὕρομεν, οὐ μικρὸν τὸν λόγον ἔχουσαν, οὐδὲ βραχεῖαν συντέλειαν εἰς τὴν τοῦ μυστηρίου δύναμιν εἰσφερομένην;

---

1) непнсаны *С.* 2) ю *проп. П.* 3) *cod.* кр *по скобл., вмѣсто двухъ буквъ, надъ которыми стоялъ* +. 4) *cod. конечное* ѥ *по скобл.* 5) *cod. конечное* ѣ *по скобл., вм.* оу; вѣроу *П.* 6) же *С.* 7) сѫщимь *П.* 8) *cod. переправл. конечное* ъ *изъ* о. 9) имоущимъ *П.* 10) рѣчи *П.* 11) въ *вставл. С.*

1) cod. γὰρ рукой X в. 2) ὁμολογίας Patm. 172, но обводитъ точками и in m. добавл. ἀκολουθίας. 3) γραφῶν Patm. 172.

того [1] же. отъ дъвадесѧти· девѧтыꙗ главы того же строѥниꙗ· [2]

Къ несъвѣдѣтельноуоумоу же оубо· и ненаписаномоу· быти иже съ дх҃ъмь славословлѥниꙗ· [3] ино глѥмъ· ꙗко аще ничьто же ино· ненаписано· ни се да приꙗто боудеть· аще ли съ большими та[и]ныихъ· ненаписано намъ прѣбываѥть· съ многыими инѣми и се приимѣмъ· ап҃льскоѥ л. 207 а. же мьню· иже | въ ненаписаныихъ· [4] прѣданиихъ [5] прѣбывати· хвалю бо вы рече· ꙗко вьсьгда мѧ помьнитѥ· [6] и ꙗко же прѣдахъ вамъ прѣданиꙗ· дьржите и дьржитесѧ прѣдании ꙗже [7] приꙗсте· или словъмь или посъланиѥмь· ихъже паче ѥдино ѥсть и [8] пришьствиѥ се· иже испьрва повелѣвъше прѣдающе· прочимъ съпроисходѧщю присно лѣтъмь приимани ю· дългыимь обычаимь· въ цр҃квахъ оутвьрдиша· еда [9] оубо аще ꙗко соудищю· ли къто написаныихъ ради показании [10] недомыслѧщесѧ· съвѣдѣтель вамъ мъножьство прѣдъставихомъ· аще не

(л. 214^{b}—219^{a}). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ἘΚ ΤΟΥ ΚΘ′ ΚΕΦΑΛΑΙΟΥ ΤΗΣ ΑΥΤΗΣ ΠΡΑΓΜΑΤΕΙΑΣ.

Πρός γε μὴν τὸ ἀμάρτυρον καὶ ἄγραφον εἶναι τὴν σὺν τῷ πνεύματι δοξολογίαν, ἐκεῖνο λέγομεν, ὅτι, εἰ μὲν [1] μηδὲν ἕτερον ἄγραφον, μηδὲ τοῦτο παραδεχθήτω· εἰ δὲ τὰ πλεῖστα τῶν μυστικῶν ἀγράφως ἡμῖν ἐμπολιτεύεται, μετὰ πολλῶν ἑτέρων καὶ τοῦτο καταδεξώμεθα. ἀποστολικὸν δὲ οἶμαι καὶ τὸ [2] ταῖς ἀγράφοις παραδόσεσιν παραμένειν· Ἐπαινῶ γάρ, φησίν, ὑμᾶς, ὅτι πάντα μου μέμνησθε [3] καὶ καθὼς παρέδωκα ὑμῖν τὰς παραδόσεις κατέχετε. [3] καὶ [4] Κρατεῖτε [3] τὰς παραδόσεις, ἃς παρελάβετε [3] εἴτε διὰ λόγου εἴτε δι’ ἐπιστολῆς. ὧν μάλιστα μία ἐστὶ καὶ ἡ παροῦσα αὕτη, ἣν οἱ ἐξ ἀρχῆς διαταξάμενοι παραδιδόντες τοῖς ἐφεξῆς, συμπροϊούσης ἀεὶ τῷ χρόνῳ τῆς χρήσεως, διὰ μακρᾶς τῆς συνηθείας ταῖς ἐκκλησίαις ἐγκατερρίζωσαν. ἆρ’ οὖν, εἰ ὡς [5] δικαστηρίῳ τις [6] διὰ [7] τῶν ἐγγράφων [8] ἀποδείξεων [9] ἀποροῦντες, μαρτύρων ὑμῖν [10] πλῆθος παρεστησάμεθα, οὐκ ἂν

---

1) *У проп все это посланіе.* 2) *cod.* ѥ *(послѣ* о*) по скобл.* 3) славословію *С.* 4) ненаписаный *П.* 5) прѣданыихъ *С.* 6) *cod. конечное* ѥ *переправл. изъ* н. 7) прѣданіа же *П.* 8) и *проп. П.* 9) егда *П.* 10) показаніе и *П.*

1) μὲν проп. V. 2) τὸ проп. V. 3) cod. переправл. ε рукой X в. изъ окончанія αι. 4) τὸ вставл. PV. 5) ἐν вставл. PV. 6) τῆς P (и cod. переправл. рукой X в.). 7) διὰ проп. Patm. 172. 8) ἀγράφων Patm. 172. 9) ἀποδείξεως P; cod. конечное ν переправл. въ ς рукой X в. 10) cod. начальное ὑ подскобл. изъ ἡ.

оставлѥнааго оу насъ причьта полоучили бъıхомъ· азъ оубо тако мьню· при оустѣхъ бо дъвоу или трии съвѣдѣтелю станеть вьсакъ глъ҃· аще ли и многоѥ лѣто· къ намъ соущеѥ ıавѣ вамъ показали [1] бъıхомъ· то не мьнѣли бъıхомъ вамъ· лѣпааго гл҃ати· не бъıти на насъ соудоу· на подвижаниѥ· се мольбьнъıи бо вьсако· ветъхъıꙗ [2] ꙁаповѣди· акъı сѣдинъı· [3] дрѣвьниимъ [4] доброѥ имоущаꙗ нъıнꙗ и присно и въ вѣкъı вѣкомъ аминь·

τῆς ἀφιείσης παρ᾽ ἡμῶν [1] ψήφου τύχοιμεν; ἐγὼ μὲν οὕτως οἶμαι· Ἐπὶ στόματος γὰρ δύο καὶ τριῶν μαρτύρων σταθήσεται πᾶν ῥῆμα. εἰ δὲ καὶ τὸν πολὺν χρόνον πρὸς ἡμῶν ὄντα ἐναργῶς ὑμῖν ἐπεδείκνυμεν, οὐκ ἂν ἐδόξαμεν ὑμῖν εἰκότα λέγειν, μὴ εἶναι καθ᾽ ἡμῶν τὴν δίκην εἰσαγώγιμον ταύτην; δυσωπητικὰ [2] γὰρ πάντως [3] τὰ παλαιὰ τῶν δογμάτων, οἱονεὶ πολιᾷ [4] τῇ ἀρχαιότητι τὸ [5] αἰδέσιμον ἔχοντα.

---

1) покази *П.* 2) ветхына *П.* 3) и *вставл. П.* 4) идрѣмь *С.*

1) ὑμῶν PV. 2) δυσωπήθητι καὶ V (вм. δυσωπητικὰ). 3) πως PV. 4) τινι вставл. PV. 5) V выскобл. ν послѣ ὁ.

феодила архиеп҃па·[1] александрьскаато бо҃ꙗвлѥниѥмъ[2] настаѥвъшемъ[3] въ недѣлю·[4] провъꙁглашениѥ·[5]

И обычаи [и][6] лѣпоѥ намъ л. 207 b. отъдаѥть вьсѧкоую· | недѣлю чисти· и въ тоу праꙁдьновати·[7] понѥже бо въ ню г҃ь нашь і҃соу х҃съ· иꙁ мьртвъıихъ въскрьсениѥ дарова· и тѣмь въ св҃щенъıихъ[8] писаниихъ· пьрваꙗ наречесѧ· ꙗко начало живота намъ соущи· и осмаꙗ ѥще[9] же[10] прѣвъшьдъшиꙗ·[11] июдеискоѥ праꙁдьньство· понѥже и съключисѧ въ ст҃аꙗ бо҃ꙗвлѥниꙗ· поустоу[12] бъıти въ дн҃ь тъ промъıсламъ· и на коѥжьдо хъıтрѣ въмѣстимъ· да приѥмлѥще[13] малъıихъ финикъ· рекъше овощьнаего плода·[14] оуклонимъсѧ коупьно ереси не чьтоущиꙗ въскрѣсьнаего дн҃е г҃а нашего исоусъ[15] х҃а· и дължьноѥ постьноуоумоу дн҃и· отъдамъ ожидающе· вечерьнꙗаго съньма· иже сьде бо҃у хотѧщю съвьршатьсѧ· съньмемъсѧ оубо отъ часа девѧтаего въкоупь·[16]

(л. 215ᵇ). * ΘΕΟΦΙΛΟΥ[1] ’ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ’ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ ΤΩΝ ΘΕΟΦΑΝΕΙΩΝ ’ΕΠΙΣΤΑΝΤΩΝ ’ΕΝ ΚΥΡΙΑΚΗι ΠΡΟΣΦΩΝΗΣΙΣ.[2]

Καὶ τὸ ἔθος καὶ τὸ πρέπον ἡμᾶς ἀπαιτεῖ πᾶσαν κυριακὴν τιμᾶν καὶ ἐν ταύτῃ[3] πανηγυρίζειν, ἐπείπερ[4] ἐν ταύτῃ[5] ὁ κύριος ἡμῶν ’Ιησοῦς[6] Χριστὸς τὴν ἐκ νεκρῶν[7] ἀνάστασιν ἐπρυτάνευσεν· δι’ ὃ[8] ἐν ταῖς ἱεραῖς γραφαῖς καὶ πρώτη κέκληται, ὡς ἀρχὴ ζωῆς ἡμῖν[9] ὑπάρχουσα, καὶ ὀγδόη, ἅτε δὴ ὑπεραναβεβηκυῖα τὸν τῶν ’Ιουδαίων σαββατισμόν. ἐπεὶ καὶ[10] συνέβη τὴν τῶν ἁγίων θεοφανείων νήστιμον ἡμέραν ταύτην εἶναι, οἰκονομήσομεν[11] καὶ πρὸς ἑκάτερον ἐπιστημόνως χωρήσομεν,[12] ἵνα μεταλαμβάνοντες ὀλίγων φοινίκων ἐκκλίνωμεν ἅμα καὶ τὰς αἱρέσεις τὰς μὴ τιμώσας τὴν ἀνάστασιν[13] τοῦ κυρίου ἡμῶν ’Ιησοῦ Χριστοῦ ἡμέραν, καὶ τὸ ὀφειλόμενον τῇ νηστίμῳ ἡμέρᾳ ἀποδώσομεν,[14] περιμένοντες τὴν ἑσπερινὴν σύναξιν, ἥτις ἐνταῦθα, θεοῦ θέλοντος, ἐπιτελεῖται. συναχθῶμεν τοίνυν ἀπὸ ὥρας ἐννάτης ἐνταῦθα.

1) архиепискѫпа *П.* 2) коꙗвлѥниѥмъ *cod.* 3) настáвлѧѥмъ *У*; наставшй *П.* 4) в *вставл. С.* 5) *С in m.* е҃і. 6) *вставка изъ П.* 7) праздьньствовати *УП.* 8) *cod.* свщ҃ѥнниихъ, *но къ первой палочкѣ* и (*послѣ* и) *вверху приставлено* ı. 9) ѥ *С.* 10) же *проп. С.* 11) приводъше҃шіа *С.* 12) постоу *УП.* 13) приѥмлюще *УСП.* 14) прода *С, но друг. рукой переправл.* ρ *въ* л. 15) іс҃а *У.* 16) въкѹпы *С.*

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) всѣ посланія Ѳеофила Александр. Ко всѣмъ посланіямъ Ѳеофила Алекс. приведены варіанты изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 169ᵇ—171ᵃ (=Vind.).

1) τοῦ ἁγιωτάτου вставл. P. 2) cod. in m. рукой XIII в. ιζ′. 3) αὐτῇ Patm. 172. 4) ἐπειδήπερ P. 5) αὐτῇ Patm. 172. 6) ὁ вставл. Patm. 172. 7) ἡμῖν вставл. P. 8) διὸ Vind. 9) ἡμῖν ζωῆς P. 10) καὶ проп. Vind.; οὖν P (вставл. и Vind. рукой XIII в.). 11) οἰκονομήσωμεν P Vind. 12) χωρήσωμεν P Vind. 13) ἀναστάσιμον P Vind. 14) ἀποδῶμεν P.

того[1] же въспомѧновениѥ·[2] ѥже[3] приꙗ амонъ·[4] ликопольскаго ради града·

а҃· О правивъшиихъ·[5] арианомъ·[6] и до[7] нынѣ цьркъви държащиихъ· ꙗко же обычаи да боудеть· тако оубо ꙗко ины поставити· послоушьствоующа въ правовѣрьи· и оны изгънати· сице съмотривъшемъ·[8] и тѣхъ ꙗко же и в ынѣхъ[9] градѣхъ сътвориша· въ фиваидѣ правовѣрьнии еп҃пи·[10] поставлѥнии отъ аполоса еп҃па·[11] и приобьщивъшеса къ имоущиимъ цр҃кви· арианомъ· да запрѣщени бываютъ· и аще разоумъ|мь своимь сътвориша се· аще ли послоушьливи быша[12] своѥмоу еп҃поу·[13] да отъпоущени боудоуть· ꙗко не познавъше подобьнаго· и аще вьси людиѥ съ ними съ инѣми дроузии да поставлѥни[14] боудоуть· аще ли противоутворѧть имъ· съ онѣми имьже приобьщишаса того· и ти да искоушени боудоуть· обычаимь имьже приꙗша въ фиваидѣ вьси вѣрьнии епископи·

1) *У проп. все «воспомяновеніе» Θеофила.* 2) *cod. переправл.* о *передъ* ѥ *изъ* и. 3) ѥ *C.* 4) аманъ *C.* 5) привившихъ *C.* 6) *cod. переправл. конечное* ъ *изъ* о. 7) но *C.* 8) смотрившимь *П.* 9) онѣхъ *C;* инѣͯ *П.* 10) епискѹпи *П.* 11) епискѫпа *П, гдѣ затѣмъ вставл. лишніе слоги въ концѣ лѣваго столбца л. 183*[a] и при. 12) бы *C.* 13) епискѹпѹ *П.* 14) поставленіи *П.*

(л. 215ᵇ—217ᵇ). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ὙΠΟΜΝΗΣΤΙΚΟΝ, ὍΠΕΡ ἜΛΑΒΕΝ ἈΜΜΩΝ ΔΙΑ ΤΗΝ ΛΥΚΩ.

α΄.[1] Περὶ τῶν κοινωνησάντων τοῖς Ἀρειανοῖς καὶ μέχρι[2] νῦν τὰς ἐκκλησίας κατεχόντων ὡς ἔχει τὸ ἔθος γινέσθω, οὕτω μέντοι, ὥστε ἑτέρους καταστῆναι[3] μαρτυρουμένους ἐν ὀρθοδοξίᾳ κἀκείνους ἀλίζεσθαι, οὕτως οἰκονομουμένων καὶ τούτων, ὥσπερ καὶ ἐν ταῖς ἄλλαις πόλεσιν πεποιήκασιν οἱ ἐν[4] Θηβαΐδι ὀρθόδοξοι ἐπίσκοποι οἱ καταστάντες παρὰ Ἀπόλλωνος[5] τοῦ ἐπισκόπου καὶ κοινωνήσαντες τοῖς ἔχουσι τὰς ἐκκλησίας Ἀρειανοῖς· ἐπιτιμάσθωσαν, εἴ γε γνώμῃ ἑαυτῶν (л. 208 a.) πεποιήκασιν τοῦτο. εἰ δὲ ὑπήκοοι γεγόνασιν τῷ οἰκείῳ ἐπισκόπῳ, ἀλιζέσθωσαν ὡς μὴ ἐπεγνωκότες τὸ[6] εὔλογον. καὶ εἰ μὲν πάντες οἱ λαοὶ τούτοις[7] ἀποποιοῦνται μετὰ τῶν ἄλλων, ἕτεροι χειροτονείσθωσαν· εἰ δὲ ἀντιποιοῦνται αὐτῶν μετ᾽ ἐκείνων, οἷς καὶ[8] κεκοινωνήκασιν, ταύτης καὶ οὗτοι ἀποπειράσθωσαν τῆς συνηθείας, ᾗ ἐχρήσαντο οἱ ἐν Θηβαΐδι πάντες[9] ὀρθόδοξοι ἐπίσκοποι.

1) κεφάλαιον α΄ P; Vind. нумерацію правилъ добавл. рукой XIII в. 2) τοῦ вставл. P Vind. 3) καταστῆσαι Vind. 4) τῇ вставл. P. 5) Ἀπολλῶ Vind. 6) τὸ проп. Patm. 172. 7) τούτους P Vind. 8) καὶ проп. Vind. 9) πάντες οἱ ἐν Θηβαΐδι Patm. 172.

в҃· ѡ витѣ ставъшиимь въ ереви·

Вꙁꙁискати· и аще отъвьргъшюѭсѧ нѣкоую живоу соущю моужю· приноуди да не прощенъ боудеть· проꙁвютеръ идеже ꙗко и простьць· подобьнъ ѥсть събиратисѧ цр҃кыиъꙑи обꙑчаи имоуща· таковꙑꙗ отълоучати· не приносить бо сѧ се осоужениѥ еп҃поу[1] аполоноу· аще невѣжьствиѥмь ѥго поставить· ст҃оуоумоу съборꙋ повелѣвъшю· недостоинꙑꙗ по поставл҃ении обличаѥмꙑꙗ при грѣсѣхъ иꙁгонити·

г҃· О соурѣ же· понеже еп҃пъ[2] аполонъ· иꙁвѣстова· и посълати того· и щюжего отъ клироса[3] сътворити да боудеть тако ꙗко же осоуди еп҃пъ·[4] приимъшю ономоу· своими православии·[5] аще бо хощеть· опорѣкаѥть осоужениѥ аполона еп҃па·[6]

д҃· О паноуфѣ же ставъшиимь диꙗконѣ въ люки· вꙁꙁискати и аще обрѧщетьсѧ тако· ѥще оглашаѥмъ сꙑ· сестричьноу свою на[7] бракъ· л. 208 b. | боудеть· ѡбꙑщениꙗ приимъ· по крьщении же въ клиросъ·[8] приведенъ бꙑсть·[9] да прѣбꙑваѥть въ клиросѣ·[10]

1) епископоу *П.* 2) епископъ *П.* 3) крироса *С.* 4) епископъ *П.* 5) православіи *С.* 6) епископа *П.* 7) на *проп. С.* 8) крипосѣ *С.* 9) бꙑкъ *С.* 10) *cod.* л *по скобл., вм.* р҄.

β΄. Περὶ Βίτου[1] καταστάντος ἐν Ἐρεβί.[2]

Ζητητέον· καὶ εἰ μὲν ἀποταξαμένην τινὰ ζῶντος τοῦ ἀνδρὸς ἐβιάσατο, μὴ συγχωρείσθω ἡ[3] πρεσβύτερος, ὅπου γε οὐδὲ ὡς λαϊκὸς ὀφείλει συνάγεσθαι, τῆς ἐκκλησίας εἰωθυίας τοῖς τοιούτοις[4] χωρίζειν· οὐ φέρει γὰρ τοῦτο πρόκριμα τῷ ἐπισκόπῳ Ἀπόλλωνι, εἰ[5] ἐξ ἀγνοίας αὐτὸν κατέστησεν, τῆς ἁγίας συνόδου κελευσάσης τοὺς ἀναξίους μετὰ τὴν χειροτονίαν ἐλεγχομένους ἐπὶ ἐγκλήμασιν ἐκβάλλεσθαι.

γ΄. Περὶ δὲ Σούρ, ἐπειδὴ ὁ ἐπίσκοπος Ἀπόλλων[6] διεβεβαιώσατο καὶ ἀπεσταλκέναι τοῦτον καὶ ἀλλότριον τοῦ κλήρου πεποιηκέναι, ἔστω οὕτως ὡς ἀπεφήνατο ὁ ἐπίσκοπος, χρωμένου ἐκείνου ταῖς οἰκείαις δικαιολογίαις, εἴ γε βούλεται καὶ μέμφεται τὴν ἀπόφασιν Ἀπόλλωνος[7] τοῦ ἐπισκόπου.

δ΄. Περὶ δὲ Πανούφ, τοῦ καταστάντος διακόνου ἐν τῇ Λυκῷ,[8] ζητῆσαι· καὶ εἰ μὲν εὑρεθείη[9] οὗτος, ἔτι κατηχούμενος τυγχάνων, τὴν ἀδελφιδῆν[10] ἑαυτοῦ πρὸς γάμου κοινωνίαν δεξάμενος, μετὰ δὲ τὸ βάπτισμα εἰς κλῆρον ἀχθείς, μενέτω ἐν τῷ κλήρῳ,

1) Βήστου Vind. P. 2) Ἐρέβη P; слова Περὶ Βίτου... Ἐρεβί только cod. ставитъ въ видѣ заглавія и съ ζητητέον начинаетъ текстъ правила: въ P Vind. все идетъ подрядъ. 3) εἶναι P Vind. 4) τοὺς τοιούτους P Vind. 5) ἢ cod. 6) Ἀπολλῶς Vind. 7) Ἀπολλῶ Vind. 8) Λύκω P. 9) εὑρεθῇ Vind. 10) ἀδελφίδην P.

аще почи она и по крыщении не приобыцисѧ ѥи· и аще ли вѣрьнъ сы́тоую же сестричьноу· свою на бракъ обыщениꙗ[1] приꙗтъ да боудеть чюжь[2] клироса не приносить бо ѡсоуженꙗ еп҇поу[3] аполоноу· аще невѣжьствиѥмь[4] постави ѥго·

е҃· О ꙗковѣ възискати· аще цьтьчь[5] бывъ· прѣгрѣшениѥмь блоуда повиньнъ бывъ· и отъ поповъ изгънанъ бысть· тъ да[6] изгънанъ боудеть· извѣсто испытанию бывъшю· и не тъкмо отъ шьпътании· или зълословии· обличениꙗ на нѥмь бывъшимъ· аще ли не обрѧщетьсѧ повиньнъ· да прѣбоудеть въ клиросѣ· не подобаѥть бо соуѥтьнъımъ ѿбълганиѥмъ вънимати·

ѕ҃· Хотѧщиихъ поставлꙗти· тако да боудеть ѿбразъ· ꙗко вьсѧкоѥ чистительство съвѣщати· въсхотѣти тъгда еп҇поу[7] искоушати· и съпохвальшю ѥмоу· чистительство· поставлꙗти· посрѣдѣ цр҇кве пришьдъшемъ и людьмъ· и провъзглашьшю еп҇поу· аще людиѥ могоуть съвѣдѣтельствовати· поставлѥниѥ же таи да не бываѥть· цр҇кви бо миръ имоущи· подобаѥть вьсѣмъ

1) ѡбыщенїи П. 2) *cod. перепр. ь изъ є.* 3) епископоу П. 4) непобѣжествїємь П. 5) четецъ СП. 6) и тъ҇га П (*вм.* тъ да). 7) епискоупж П.

εἴ γε κεκοίμηται[1] ἐκείνη, καὶ μετὰ τὸ βάπτισμα οὐ κεκοινώνηκεν αὐτῇ. εἰ δὲ πιστὸς τυγχάνων τὴν αὐτὴν ἀδελφιδῆν ἑαυτοῦ πρὸς γάμου κοινωνίαν ἐδέξατο, ἔστω τοῦ κλήρου ἀλλότριος· οὐ γὰρ πρόκριμα τῷ ἐπισκόπῳ φέρει Ἀπόλλωνι,[2] εἰ ἐξ ἀγνοίας κατέστησεν αὐτόν.

ε΄. Περὶ Ἰακὼβ ζητῆσαι· εἰ ἀναγνώστης ὢν ἐγκλήματι πορνείας ὑπεύθυνος ἐδείχθη καὶ παρὰ τῶν πρεσβυτέρων ἐξεβλήθη, εἶτα κεχειροτόνηται, οὗτος ἐκβαλλέσθω, ἀκριβοῦς ἐξετάσεως γινομένης καὶ μὴ μόνον ἐκ ψιθυρισμῶν[3] ἢ κακολογιῶν[4] ὑποψίας εἰς αὐτὸν γινομένης.[5] εἰ δὲ μὴ εὑρεθείη ὑπεύθυνος, μενέτω ἐν τῷ κλήρῳ· οὐ γὰρ δεῖ[6] ταῖς ματαίαις διαβολαῖς προσέχειν.

ς΄. Περὶ τῶν ὀφειλόντων χειροτονεῖσθαι οὗτος ἔστω τύπος, ὥστε πᾶν τὸ ἱερατεῖον συμφωνεῖν καὶ αἱρεῖσθαι[7] τότε τὸν ἐπίσκοπον δοκιμάζειν καί, συναινοῦντος αὐτοῦ[8] τοῦ ἱερατείου, χειροτονεῖν ἐν μέσῃ τῇ ἐκκλησίᾳ, παρόντος καὶ[9] τοῦ λαοῦ καὶ προσφωνοῦντος τοῦ ἐπισκόπου, εἰ καὶ ὁ λαὸς δύναται αὐτῷ μαρτυρεῖν. χειροτονία δὲ λαθραίως μὴ γινέσθω· τῆς γὰρ ἐκκλησίας εἰρήνην ἐχούσης, πρέπει παρόντων

1) κεκαίμηται cod. 2) Ἀπολλῶ Vind. 3) надъ ψιθυρισμῶν Vind. рукой XIII в. надпис. λαθραίας καταλαλιᾶς. 4) надъ κακολογιῶν Vind. рукой XIII в. надпис. λοιδοριῶν φανερῶν διαβολῶν. 5) γενομένης Vind. 6) δὴ cod. 7) καὶ вставл. P Vind. 8) αὐτῷ P Vind. 9) καὶ проп. P Vind.

ст҃ыимъ поставлениемъ[1] въ ц҃ркви л. 209 а. бывати· въ области же аще | приобыщнвъшеся· соуть нѣции· приобыщнвъшиимъся къ разоумоу· да не ини поставлѩють· нъ въистиноу правовѣрьнъıимъ клирикомъ· искоушающемъ·[2] пришьдъшю пакы еп҃поу·[3] и провъз[г]лашьшю·[4] пришьдъшемъ[5] и людьмъ· тъкъмо да не боудеть· нѣкоего прѣсилїѩ·

з҃· Приносимаꙗ· на слово жьртвы· подражании въ таинахъ· потрѣбоу клирици· да подають· да ни оглашеныи отъ нихъ ꙗсть и пиеть· нъ паче клирици·[6] и съ ними вѣрьнаꙗ братиѩ·

и҃· Поиеже иеракьсъ· оного ꙗко о блоудѣ облъгаема· не подобаеть въ клиросѣ быти· еп҃съ[7] же аполъ·[8] извѣстоваше·[9] тъгда[10] ни единомоу г҃лникоу· на срѣдоу прити на нь· да испытаеть и тъ· и аще г҃лникъ ꙗвлѩеться вѣрьнъ и достоинъ· и прѣгрѣшение показаеть· посѩщемъ[11] съвѣдѣтелемъ· достоиновѣрьномъ· ис ц҃ркве да изгънанъ[12] боудеть· аще ли клироса достоинъ боудеть· и о цѣломоудрии послоушьствоуеть· да прѣбоудеть въ немь·

τῶν ἁγίων τὰς χειροτονίας ἐπὶ τῆς ἐκκλησίας γίνεσθαι. ἐν δὲ τῇ ἐνορίᾳ, εἰ μὲν κοινωνήσαντές[1] εἰσί τινες ταῖς τῶν κοινωνησάντων[2] γνώμαις, μὴ ἄλλοι[3] χειροτονείσθωσαν, ἀλλὰ τῶν ἀληθῶς ὀρθοδόξων κληρικῶν δοκιμαζόντων, παρόντος πάλιν τοῦ ἐπισκόπου καὶ προσφωνοῦντος παρόντος τοῦ λαοῦ, μόνον ἵνα μὴ περιδρομή[4] τις γένηται.

ζ'. Τὰ προσφερόμενα εἰς λόγον θυσίας μετὰ τὰ ἀναλισκόμενα εἰς τὴν τῶν μυστηρίων χρείαν οἱ κληρικοὶ διανεμέσθωσαν, καὶ μήτε κατηχούμενος ἑαυτῶν[5] ἐσθιέτω ἢ πινέτω, ἀλλὰ μᾶλλον οἱ κληρικοὶ καὶ οἱ σὺν αὐτοῖς πιστοὶ ἀδελφοί.

η'. Ἐπειδὴ Ἱέραξ τόνδε, ὡσανεὶ ἐπὶ πορνείᾳ διαβαλλόμενον, οὐκ ὀφείλειν ἐν τῷ κλήρῳ εἶναι,[6] ὁ δὲ ἐπίσκοπος Ἀπολλῶ[7] διϊσχυρίσατο τὸ τηνικαῦτα μηδένα κατήγορον ἐν μέσῳ ἐληλυθέναι κατ' αὐτοῦ, ἐξεταζέσθω καὶ οὗτος· καὶ εἰ μὲν κατήγορός τις ἀναφύεται πιστὸς[8] ἄξιος καὶ τὸ ἔγκλημα ἀποδείκνυται, φερομένων μαρτύρων ἀξιοπίστων, τῆς ἐκκλησίας ἐκβαλλέσθω· εἰ δὲ τοῦ κλήρου ἄξιός ἐστιν καὶ ἐπὶ σωφροσύνῃ μαρτυρεῖται, μενέτω ἐν τούτῳ.

---

1) поставлевленїемъ *С.* 2) искоушающи̏ *П.* 3) епискѫпѫ *П.* 4) *исправл. по П.* 5) пришѣ-шимь *П.* 6) клирика *С.* 7) епископъ *П.* 8) аполонъ *С.* 9) и *вставл. П.* 10) нъгда *С.* 11) посѩщимь *П.* 12) изгнать *С.*

1) Vind. рукой XIII в. надъ κοινωνήσαντες надпис. συναινέσαντες συγκαταβάντες. 2) Vind. рукой XIII в. надъ κοινωνησάντων надпис. τοῖς αἱρετικοῖς δηλαδή. 3) ἄλλως Vind. 4) Vind. рукой XIII в. надъ περιδρομὴ надпис. ἀπάτη. συναρπαγή. ῥᾳδιουργία. 5) ἐκ τούτων P Vind. (вм. ἑαυτῶν). 6) εἶναι ἐν τῷ κλήρῳ Vind. 7) Ἀπόλλων P; Ἀπολλῶς Vind. 8) πίστεως Vind.

д҃· Ꙗко разоумѣмь вьсего чистительства· иконома съмотрителꙗ· ꙗвити иного· на немьже съвѣщаѥтьсѧ· и[1] еп҃оу[2] аполоноу· на подобьноѥ цр҃кве оутвьржениѥ·[3]

і҃· Вьдовицѧ и оубозии приходѧщеи страньнии· вьсѧкого покоꙗ да насладѧтьсѧ· да никъто же цр҃квьнъıихъ своихъ твори·[4] несрѣбролюбь|никоу бъıти подобаѥть слоужителю бж҃ию·

θ'. Ὥστε γνώμῃ παντὸς τοῦ ἱερατείου οἰκονόμον ἀποδειχθῆναι ἕτερον, ἐφ' ᾧ συντέθειται καὶ ὁ ἐπίσκοπος Ἀπολλῶ,[1] πρὸς τὸ[2] τὰ τῆς ἐκκλησίας εἰς δέον ἀναλίσκεσθαι.

ι'. Αἱ χῆραι καὶ οἱ πένητες καὶ οἱ παρεπιδημοῦντες ξένοι πάσης ἀναπαύσεως ἀπολαυέτωσαν, καὶ μή τις τὰ τῆς ἐκκλησίας ἰδιοποιείσθω.[3]

л. 209 b.

1) и *проп. С.* 2) епискоупоу *П.* 3) оудръжанiѥ *П.* 4) творити *С.*

1) Ἀπόλλων P; Ἀπολλῶς Vind. 2) τὸ проп. P. 3) ἀφιλάργυρον γὰρ εἶναι δεῖ τὸν λειτουργὸν τοῦ θεοῦ добавл. P.

того[1] же афиогию· о гл҃емыихъ чистыихъ·

Ꙗви ми твоѥ бл҃гобоѩзньство· ꙗко нѣции именоующесѧ чистии· пристоупити хотѧть[2] къ цр҃кви· єльма же оубо великыи съборъ бывъшии въ никѣи· отъ блаженыихъ оц҃ь нашихъ заповѣда· ꙗко поставлꙗти приходѧщаꙗ въсхощи по образоу томоу· хотѧщиихъ прити къ цр҃кви поставлꙗти· аще житиѥ ихъ право ѥсть· и ничьто же имъ противитьсѧ·[3]

(л. 217^{b}). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ Ἀφυγγίῳ ΠΕΡΙ ΤΩΝ ΛΕΓΟΜΕΝΩΝ ΚΑΘΑΡΩΝ.

ια'. Δεδήλωκέν μοι ἡ σὴ εὐλάβεια, ὡς τινες τῶν ὀνομαζόντων ἑαυτοὺς Καθαροὺς προσελθεῖν βούλονται τῇ ἐκκλησίᾳ. ἐπειδὴ τοίνυν ἡ μεγάλη σύνοδος ἡ γενομένη[1] ἐν Νικαίᾳ παρὰ τῶν μακαρίων πατέρων ἡμῶν ὥρισεν, ὥστε χειροτονεῖσθαι τοὺς προσερχομένους, θέλητον κατὰ τὸν τύπον τοῦτον τοὺς ἐθέλοντας προσέρχεσθαι τῇ ἐκκλησίᾳ χειροτονεῖν, εἴ γε ὁ βίος αὐτῶν ὀρθὸς ἐστιν καὶ μηδὲν τούτοις ἀντίκειται.

1) *У прол. посланіе къ Афиигію.* 2) хотѧ *С.* 3) притивитсѧ *П.*

1) γεναμένη Patm. 172.

того[1] же агафоноу еппоу·[2]

Недовѣда цр҃квьнааго ꙁакона· максима· съ беꙁаконьнꙑимь подроужиемь· съчетатиса· и поиеже плинюеть на нь· еже несъчетаньноу емоу бꙑти иꙁвѣстиельма же невѣжьствьмь· беꙁаконьное сътвори· отъ съвѣщания· оною любащи се· аще оубо искоусиши· ꙗко се творита· отъ съвѣщания· и не прѣльщаетеса[3] поиеже десатьно есть лѣто· а⟨ще⟩ съмотриши съ оглашенꙑими[4] имать съкоуплатиса· обаче тако строи· аще ли видиши ꙗко прѣльстити хощеть· и подобаеть на ню наказание· еже б҃ъ въспоманеть[5] ти то сътвори вьсьде· на имоущее наставлꙗемъ· при мѣстѣхъ бо сꙑ· раꙁоумъ[6] ею[7] паче вѣдѣти можеши·

(л. 217^{b}—218^{a}). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ἈΓΑΘΩι[1] ἘΠΙΣΚΟΠΩι.[2]

Ἀγνοῶν τοὺς τῆς ἐκκλησίας νόμους[3] Μάξιμος διϊσχυρίσατο παρανόμῳ[4] συμβιώσει συνῆφθαι. καὶ ἐπειδὴ θορυβεῖ αὐτὸν τὸ ἀσύντακτον[5] εἶναι, διεβεβαιώσατο, ἐπειδὴ ἀγνοίᾳ[6] τὸ παράνομον ἔδρασεν, ἐκ συμφωνίας ἀπέχεσθαι τῆς παρανόμου συμβιώσεως, ἐκείνης ἀγαπώσης καὶ[7] τοῦτο. ἐὰν τοίνυν δοκιμάσῃς, ὅτι τοῦτο ποιοῦσιν ἐκ συμφωνίας καὶ μὴ ἀπατῶσιν,[8] ἐπειδὴ δεκαετὴς[9] ἐστιν χρόνος, εἰ σκοπεῖς μετὰ κατηχουμένων αὐτοὺς συνάγεσθαι τέως, οὕτω διοίκησον. εἰ δὲ συνορᾷς, ὅτι ἀπατῆσαι βεβούληνται καὶ δεῖται τὰ κατ' αὐτοὺς ἔτι στύψεως,[10] ὅπερ ὁ θεὸς ὑποβάλλει[11] σοι, τοῦτο ποίησον, πανταχοῦ πρὸς τὸ ἐπέχον[12] ὁδηγούμενος· ἐπὶ γὰρ τῶν τόπων τυγχάνων τὰς γνώμας αὐτῶν μᾶλλον εἰδέναι δύνασαι.

---

1) *У прот. посланіе къ Агаѳону.* 2) епискоупоу *П.* 3) прѣльщаетса *П.* 4) оглашенꙑимꙑ *П.* 5) въспоматъ *С.* 6) раꙁоумѣе *С.* 7) емоу *С.*

1) Ἀγάθῳ cod. Vind.; Ἀγαθῷ P. 2) Vind. in m. рукой XIII в. α' и подъ нимъ ιβ'. 3) ὁ вставл. Vind. 4) παρὰ νόμῳ cod. 5) ἀσύνακτον P Vind. 6) ἄγνοια cod. 7) καὶ проп. Vind. 8) ἀπατώσειν cod. 9) δεκαέτης P Vind. 10) Vind. рукой XIII в. надъ στύψεως надпис. αὐστηρῶν ἐπιτιμίων. 11) ὑποβάλῃ Vind. 12) Vind. рукой XIII в. надъ τὸ ἐπέχον надпис. τὸ ἐπικρατοῦν. τὸ κατεπεῖγον.

того[1] же минѣ еп҃поу·

ȥаконьноу вещь сътвориша· л. 210 а. попове· въ геминѣ|и веси· аще истиньствоуѥть· приносѧще[2] писаниꙗ· евъстадиꙗ г҃лѥть бо· ꙗко г҃дничьноу обидимоу и не хотѧщю поставити неправьдꙑ· отълоучи съньмища· понѥже оубо обрѣтоша· ꙗко своѥ ȥълоѥ ицѣлѣвъше· хочеть сънѧтисѧ· въсхощи оустроити ю· отъложити пьрвѣѥ неправьдоу·[3] и покоритисѧ[4] покаꙗти· да аще тако оуȥьриши· ꙗко къ ȥаконоу б҃жию приходить· съньмища желающи· повелиши ли[5] ѥи· съ людьми събиратисꙗ·

(л. 218ᵃ). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΜΗΝΑ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ.[1]

Νόμιμον πρᾶγμα πεποιήκασιν οἱ πρεσβύτεροι οἱ ἐν Γεμίνῳ τῇ κώμῃ, εἰ ἀληθεύει ἡ κομίζουσα τὸ γράμμα Εὐσταθία· φάσκει γάρ, ὅτι Κυράδιον ἀδικοῦσαν καὶ μὴ βουλομένην ἀναστεῖλαι τὴν ἀδικίαν ἐχώρισεν[2] τῆς συνάξεως. ’Επειδὴ τοίνυν εὗρον, ὡς τὸ ἑαυτῆς[3] κακὸν θεραπεύσασα βούλεται συναχθῆναι, θέλησον παρασκευάσαι αὐτὴν ἀποθέσθαι πρῶτον τὴν ἀδικίαν καὶ πεῖσαι μετανοῆσαι, ἵν’ οὕτως, εἰ συνίδοις,[4] ὅτι νόμος[5] θεοῦ προσέρχεται τῆς συνάξεως ὀρεγομένη, ἐπιτρέψῃς[6] αὐτὴν μετὰ τῶν λαῶν συνάγεσθαι.

1) *У проп. посланіе къ Минѣ.* 2) приносѧщимъ *П.* 3) *cod.* оу *по скобл., вм.* ѿ. 4) покорити *С.* 5) ли *проп. П.*

1) Μηνᾷ ἐπισκόπῳ P и Vind., гдѣ рукой XIII в. in m. ιγ′. 2) ἐχώρισαν P Vind. 3) cod. переправл. конечное σ изъ ν. 4) συνείδοις Vind. 5) νόμῳ P Vind. 6) ἐπιτρέψεις cod.; ἐπιστρέψῃς Patm. 172.

отъвѣти правильнии· тимоѳѣꙗ прс҃тааго архиеп҇па· александрьскаго·[1] ѥдиного ѿ съта· и пѧтидесѧтъ ст҃ыихъ[2] оц҃ь· иже въ костѧнтинѣи градѣ· къ изнесеныимъ ѥмоу отъвѣтомъ отъ нѣкъıихъ еп҇пъ и клирикъ·[3]

а҃·[4] Аще дѣтищь оглашенъ· з҃· лѣ҃· рекъше чл҃къ съвьршенъ· въ подобьно врѣмѧ· къде приношению бъıвающю· и невѣда причаститьсѧ· чьто подобаѥть быти о немь·

съка҃з·[5] Просвѣтити и подобаѥть отъ б҃а бо призъванъ ѥсть·

в҃·[6] Аще къто вѣрьнъ бѣситьсѧ· или подобаѥть приимати ст҃ыихъ таинъ или ни·

отъвѣ҃т· Аще не исповѣсть таинъı· ни инако како хоулить· да приѥмлѥть не вьсьгда оубодовълѣѥть бо ѥмоу· по всѧ недѣлꙗ тъкмо·

г҃·[7] Аще къто бѣсѧсѧ оглашенъ· и аще хощеть са|мъ или

1) *У здѣсь кончаетъ заглавіе, къ которому in m.* д҃і. 2) о ст҃ыхъ *C.* 3) клирикъ *cod.; C in m.* з҃і. 4) а҃ *проп. П.* 5) сказаніе *СП.* 6) в҃ *проп. П.* 7) г҃ *проп. П.*

(л. 218ᵃ—220ᵃ). * ἈΠΟΚΡΙΣΕΙΣ ΚΑΝΟΝΙΚΑΙ ΤΙΜΟΘΕΟΥ ΤΟΥ ἉΓΙΩΤΑΤΟΥ ἈΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ἈΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ, ἙΝΟΣ ΤΩΝ ΡΝʹ ἉΓΙΩΝ ΠΑΤΕΡΩΝ[1] ΤΩΝ ἘΝ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΙ, ΠΡΟΣ ΤΑΣ ΠΡΟΕΝΕΧΘΕΙΣΑΣ[2] ΑΥΤΩι ἘΠΕΡΩΤΗΣΕΙΣ ΠΑΡΑ ΤΙΝΩΝ ἘΠΙΣΚΟΠΩΝ ΚΑΙ ΚΛΗΡΙΚΩΝ.[3]

αʹ.[4] Ἐὰν παιδίον κατηχούμενον[5] ἐτῶν ἑπτά, ἤγουν ἄνθρωπος τέλειος, εὐκαιρήσει[6] που προσφορᾶς γινομένης, καὶ ἀγνοῶν μεταλάβοι, τί ὀφείλει γενέσθαι περὶ αὐτοῦ;

Ἀπόκρισις. Φωτισθῆναι ὀφείλει· παρὰ γὰρ θεοῦ[7] κέκληται.

βʹ.[8] Ἐὰν τις πιστὸς[9] δαιμονίζεται,[10] εἰ ὀφείλει μεταλαμβάνειν τῶν ἁγίων μυστηρίων, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Ἐὰν μὴ ἐξαγορεύῃ[11] τὸ μυστήριον, μήτε ἄλλως πως βλασφημῇ,[12] μεταλαμβανέτω, μὴ μέντοι καθ' ἑκάστην· ἀρκεῖ γὰρ αὐτῷ κατὰ κυριακὴν μόνον.

γʹ.[13] Ἐὰν δαιμονιζόμενός τις[14] κατηχούμενος ᾖ[15] καὶ θέλῃ[16] αὐτὸς ἢ л. 210 b.

* Въ V отсутствуютъ (вырв.?) отвѣты Тимоѳея Александр. Къ отвѣтамъ Тимоѳея Александр. приведены варіанты изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 171ᵃ—172ᵃ (= Vind.).

1) τῶν πατέρων τῶν ρνʹ ἁγίων P. 2) προσενεχθείσας PVind. 3) cod. in m. рукой XIII в. ιηʹ. 4) ἐρώτησις αʹ P; нумерація отвѣтовъ добавл. въ Vind. рукой XIII в. 5) ὡς вставл. P Vind. 6) εὐκαιρήσῃ P Vind. 7) θεοῦ γὰρ P Vind. 8) γʹ P Vind. 9) ὢν вставл. P Vind. 10) δαιμονίζηται P Vind. 11) ἐξαγορεύσῃ P. 12) βλασφημεῖ cod. 13) βʹ P Vind. 14) τις проп. Vind. 15) ἦ cod. 16) θέλει Patm. 173 θέλοι Vind.

свои ѥмоу[1] да приметь ст҃оѥ крыщениѥ· аще подобаѥть приꙗти или ни· и паче аще при съмьрти· ѥсть·

Ѿвѣтъ· Аще бѣсаися не оциститься·[2] отъ нечистаго д҃ха[3] не можеть приꙗти ст҃го крыщениꙗ· къ исходоу же да[4] крьститься·

д҃· Аще къто оглашенъ съı·[5] немощьнъ боудеть·[6] несъмысльнъ· ти не можеть самъ исповѣдати вѣры· и молꙗть [и] свои ѥмоу·[7] да приметь ст҃оѥ крыщениѥ·[8] донъдеже живъ ѥсть· подобаѥть ли ѥмоу приꙗти или ни·

Ѿвѣтъ· Подобаѥть приꙗти аще не отъ д҃ха нечиста искоушаѥться·

е҃· Аще жена боудеть съ моужьмь ночь·[9] рекъше моужь съ женою· и бываѥть съньмъ· аще подобаѥть има приимати ст҃оѥ обыщениѥ или ни·

Ѿвѣтъ· Не подобаѥть· ап҃лоу въпиющю· не лишаитеса сами себе· аще не нѣчьто отъ съвѣщанаарго врѣмене· да прѣбоудета въ м҃лтвѣ и пакы въкоупь да съходитаса· да не искоушаѥть ваю сотона· невъздьржаниꙗ ради ваю·

ѕ҃· Аще жена оглашена въда имѧ своѥ· да просвѣтитьсѧ·[10]

οἱ ἴδιοι αὐτοῦ, ἵνα λάβῃ τὸ ἅγιον βάπτισμα, εἰ[1] ὀφείλει λαβεῖν, ἢ οὔ, καὶ μάλιστα ἐὰν περὶ τὸν θάνατον ἐστίν;

Ἀπόκρισις. Ἐὰν ὁ δαιμονιζόμενος μὴ καθαρισθῇ ἀπὸ τοῦ ἀκαθάρτου πνεύματος, οὐ δύναται λαβεῖν τὸ ἅγιον βάπτισμα· περὶ δὲ τὴν ἔξοδον βαπτίζεται.

δʹ. Ἐάν τις κατηχούμενος ὢν ἀσθενῶν γένηται ἐκφρενὴς καὶ μὴ δύναται[2] αὐτὸς[3] ὁμολογῆσαι τὴν πίστιν, καὶ παρακαλῶσιν[4] οἱ ἴδιοι αὐτοῦ, ἵνα λάβῃ τὸ ἅγιον βάπτισμα ἕως[5] ζῇ,[6] ὀφείλει λαβεῖν, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Ὀφείλει λαβεῖν, ἐὰν μὴ ὑπὸ πνεύματος ἀκαθάρτου πειράζεται.[7]

εʹ. Ἐὰν γυνὴ συγγένηται μετὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς τὴν νύκτα, ἤγουν[8] ὁ[9] ἀνὴρ μετὰ τῆς γυναικός, καὶ γίνεται[10] σύναξις, εἰ ὀφείλουσι μεταλαμβάνειν,[11] ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Οὐκ ὀφείλουσιν παραυτά, τοῦ ἀποστόλου βοῶντος· Μὴ ἀποστερεῖτε[12] ἀλλήλους, εἰ μή τι ἂν ἐκ συμφώνου πρὸς καιρόν, ἵνα σχολάσητε[12] τῇ προσευχῇ, καὶ πάλιν ἐπὶ τὸ αὐτὸ συνέρχεσθε,[12] ἵνα μὴ πειράζῃ ὑμᾶς ὁ σατανᾶς διὰ τὴν ἀκρασίαν ὑμῶν.

ϛʹ. Ἐὰν γυνὴ κατηχουμένη δέδωκεν τὸ ὄνομα αὐτῆς, ἵνα φωτισθῇ,

---

1) своѥмоу *У (вм.* свои ѥмоу). 2) ѡчиститсѧ *П*; чиститьсѧ *У.* 3) дха *cod.* 4) не *оставл. С.* 5) ѡглашен҃ы сын *П.* 6) и *вставл. У.* 7) своѥмꙋ *П (вм.* свои ѥмоу); *cod. перепр.* о *изъ* ь. 8) крьшениѥ *У.* 9) нощь *У.* 10) *cod. перепр.* ѥ *изъ* и; просвѣтитьсѧ *УП.*

1) εἰ проп. P. 2) δύνηται P. 3) ἑαυτῷ P Vind. 4) παρακαλοῦσιν P. 5) ὡς P Vind. 6) εἰ вставл. P Vind. 7) πειράζηται P Vind. 8) ἤτουν P. 9) ὁ проп. P Vind. 10) γένηται P Vind. 11) μεταλαβεῖν P. 12) cod. окончаніе αι (вм. ε).

и при дн҃е крьщенıꙗ бъıсть ѥи ѥже по объıчаю[1] женьскъıихъ· аще подобаѥть крьщена[2] бъıти въ тъ дьнь или ни·

Ѿвѣтъ· | Не подобаѥть оубо донъдеже очиститьсѧ·

з҃· Жена аще оузьрить по объıчаю женьскъıихъ и аще подобаѥть приступити[3] къ обьщению таинъıихъ· въ тъ дн҃ь или ни·

Ѿвѣтъ· Никако же подобаѥть до очищенıꙗ·

и҃· Жена аще родить въ ст҃ую пасхоу· аще подобаѥть поститисѧ· и не пити вина· или отъпоущаѥтьсѧ поста· или пити вино рожденıꙗ ѥꙗ·

Ѡтъвѣтъ· Постъ разоумѣнъ бъıсть съмѣренıꙗ ради тѣлесе· аще оубо тѣло въ съмѣрении ѥсть· и паче въ немощи ѥсть· подобаѥть приимати· ѥлико же можеть понести и пища и пива·[4]

ѳ҃· Аще подобаѥть клирикоу мл҃твоу творити пришьдъшемъ[5] арианомъ· или инѣмъ еретикомъ· аще ли ничьсо[6] же ѥго не врѣдѧть· ѥгда творить мл҃твоу· рекъше приношении·[7]

Ѿвѣтъ· Бж҃ьствьнѣмь приношении· диаконъ провъзглашаѥть·

1) ѡбычанію *П.* 2) крещенія *П*; крьшена *У.* 3) пристоупати *УП.* 4) вина *С.* 5) пришѣшимь *П.* 6) ницьсо *У*; ничто *С.* 7) приношенію *П.*

καὶ περὶ τὴν ἡμέραν τοῦ βαπτίσματος γέγονεν αὐτῇ τὸ κατ᾽ ἔθος τῶν γυναικείων,[1] εἰ ὀφείλει βαπτισθῆναι[2] αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ, ἢ ὑπερθέσθαι, καὶ πόσον ὑπερθέσθαι;

Ἀπόκρισις. Ὑπερθέσθαι ὀφείλει, ἕως ἂν καθαρισθῇ. л. 211 а.

ζʹ. Ἐὰν γυνὴ ἴδῃ τὸ κατ᾽ ἔθος τῶν γυναικείων αὐτῆς, εἰ ὀφείλει προσέρχεσθαι τοῖς μυστηρίοις αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Οὐκ ὀφείλει, ἕως ἂν καθαρισθῇ.

ηʹ. Γυνὴ ἐὰν γεννήσῃ τὸ ἅγιον[3] πάσχα, εἰ ὀφείλει νηστεῦσαι καὶ μὴ πιεῖν οἶνον,[4] ἢ ἀπολύεται τῆς νηστείας ἢ[5] τοῦ[6] πίνειν[7] οἶνον διὰ τοῦ[8] γεννῆσαι;

Ἀπόκρισις. Ἡ νηστεία ἐπενοήθη διὰ τὸ τὸ σῶμα ταπεινῶσαι. εἰ οὖν τὸ σῶμα ἐν ταπεινώσει ἐστὶν καὶ ἐν ἀσθενείᾳ τυγχάνει,[9] ὀφείλει μεταλαμβάνειν,[10] καθὸ δύναται βαστάξαι, καὶ τροφῆς καὶ ποτοῦ.

θʹ. Εἰ ὀφείλει κληρικὸς εὔχεσθαι παρόντων Ἀρειανῶν, ἢ ἄλλων αἱρετικῶν, εἰ[11] οὐδὲν αὐτὸν βλάπτει,[12] ὁπόταν αὐτὸς ποιῇ τὴν εὐχήν, ἤγουν[13] τὴν προσφοράν;

Ἀπόκρισις. Ἐν τῇ θείᾳ ἀναφορᾷ ὁ διάκονος προσφωνεῖ[14]

1) γυναικῶν P Vind. 2) φωτισθῆναι P Vind. 3) τῷ ἁγίῳ P Vind. 4) οἴνου Patm. 172. 5) καὶ P Vind. 6) μὴ вставл. P. 7) πιεῖν P. 8) τὸ P Vind. 9) τυγχάνοι Vind. 10) μεταλαβεῖν P Vind. 11) ἢ P Vind. 12) βλάπτῃ cod. 13) ἤτουν Patm. 172. 14) προφωνεῖ Vind.

непрнобыщении изидѣте· ꙗко не
подобыи[1] соуть· приити· аще не
извѣщають[2] покаꙗтисѧ[3] и бѣгати[4]
ереси·

і· Аще кто боудеть немощьнъ· и[5]
источено зѣло тѣло ѿ многыꙗ не-
мощи· и приидеть стаꙗ пасха· аще
всѧко подобаѥть ѥмоу поститисѧ·
или отъпоустити ѥмоу клирикы·[6]
приꙗти ѥже или масло или вино· мно-
л. 211 b. гыꙗ ради | немощи или ин·

Ѿвѣтъ· Отъпоущенъ быти подо-
баѥть· и[7] принимати пища и пива· не-
мощьноѥ ꙗко же можеть понести·
ѥже бо принимати масла· ѥдиною
источеномоу[8] правьдьно ѥсть·

ӏа· Аще къто призоветь клирика
на съчетаниѥ брака· оуслъішить же
бракъ беззаконьнъ·[9] или братопон-
маниѥ· рекъше сестроу оумьршии
женѣ· хотѧщюю съчетатисѧ· аще
подобаѥть въслѣдовати клирикъ·[10]
или приношениѥ сътворити·

Ѿвѣтъ· Ѥдиною речено ѥсть·
аще оуслъішить клирикъ бракъ
беззаконьнъ· оуще[11] оубо бракъ
беззаконьнъ ѥсть· не подобаѥть кли-
рикоу приобыщатисѧ· къ грѣхомъ
чюжиимъ·[12]

πρὸ τοῦ ἀσπασμοῦ· Οἱ ἀκοινώνητοι περιπατήσατε· οὐκ ὀφείλουσι[1] παρεῖναι, εἰ μὴ ἐὰν[2] ἐπαγγέλλωνται[3] μετανοεῖν καὶ ἐκφεύγειν τὴν αἵρεσιν.

ι'. Ἐάν τις ᾖ ἀσθενῶν καὶ ἐκτακεὶς πάνυ ἀπὸ τῆς πολλῆς ἀσθενείας, καὶ ἔλθοι τὸ ἅγιον πάσχα, εἰ πάντως ὀφείλει νηστεῦσαι, ἢ ἀπολύει αὐτὸν ὁ κληρικὸς λαμβάνειν ὃ δύναται, ἢ καὶ ἔλαιον καὶ οἶνον, διὰ τὴν πολλὴν αὐτοῦ ἀσθένειαν;

Ἀπόκρισις. Ἀπολύεσθαι ὀφείλει καὶ[4] μεταλαμβάνειν καὶ τῶν τροφῶν καὶ τοῦ ποτοῦ ὁ ἀσθενῶν, πρὸς ὃ δύναται βαστάσαι· τὸ γὰρ μεταλαμβάνειν ἐλαίου τὸν ἅπαξ ἐκτακέντα δίκαιόν ἐστιν.

ια'. Ἐάν τις καλέσῃ κληρικὸν εἰς τὸ ζεῦξαι γάμον, ἀκούσῃ δὲ τὸν γάμον παράνομον, ἢ θειογαμίαν, ἠγοῦν ἀδελφὴν τελευτησάσης γυναικὸς τὴν μέλλουσαν ζεύγνυσθαι, εἰ ὀφείλει ἀκολουθῆσαι ὁ κληρικὸς, ἢ προσφορὰν ποιῆσαι;

Ἀπόκρισις. Ἅπαξ εἴπατε· ἐὰν ἀκούσῃ ὁ κληρικὸς τὸν γάμον παράνομον. εἰ οὖν ὁ γάμος παράνομός ἐστιν, οὐκ ὀφείλει ὁ κληρικὸς κοινωνεῖν ἁμαρτίαις[5] ἀλλοτρίαις.

---

1) подобнїи *П.* 2) сѧ *вставл. У.* 3) каꙗтисѧ *С.* 4) бѣганте *П.* 5) и *проп. П.* 6) клирикы *проп. У.* 7) и *проп. П.* 8) истощеномꙋ *С.* 9) *слѣдующія далѣе слова* (стр. 544 19—26) или братопонманиѥ... беззаконьнъ *проп. П.* 10) клирикоу *У.* 11) аще *У.* 12) *cod. перепралвл.* ю *изъ* и.

1) οὖν вставл. PVind. 2) ἂν P Vind. 3) ἐπαγγέλλονται cod. 4) καὶ проп. P Vind. 5) ἁμαρτίας cod., но между α и ς надпис. ι.

ві҃· Аще въ сънѣ блоудъ сътворить простьць· въпросить[1] клирика· аще подобаѥть ѥмоу приобьщитисѧ[2] или ни·

Ѿвѣтъ· Аще бълежить[3] желаниѥ женъı не подобаѥть аще ли сотона искоушаѥть и· да тоꙗ ради винъıчюжь боудеть обьщениꙗ божественънъıихъ таинъ· подобаѥть приобьщитисѧ[4] понеже не прѣстанеть искоушенъ·[5] въ то врѣмѧ· ѥгда подобаѥть приобьщитисѧ прилагаꙗ ѥмоу·[6]

іг҃· Съчетавающиимъсѧ на бракъ обьщениꙗ· въ къıꙗ дн҃и· недѣла подобаѥть· оудалꙗти|сѧ къ собѣ обьщениꙗ· и коѥꙗ имѣти· власти·

отъвѣтъ· Еже[7] прѣже рекохъ и нънѣ гл҃ю апл҃ъ гл҃ѥть не лишаитесѧ сами себе· аще оубо не нѣчьто[8] ѿ съвѣщаниꙗ къ врѣмени да прѣбъıваѥть[9] въ м҃лтвѣ· и пакъı въкоупь съходитасѧ· да не искоушаѥть васъ сотона· невъздьржаниꙗ ради вашего· по ноужи бо въ соуботоу и въ недѣлю· оудалꙗитесѧ занѐ въ та дн҃и· д҃ховьноую жьртвоу възносити къ б҃оу·

ιβ΄. Ἐὰν ὀνειρασθεὶς λαϊκὸς ἐρωτήσῃ[1] κληρικόν, εἰ ὀφείλει αὐτῷ ἐπιτρέψαι[2] κοινωνῆσαι, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις.[3] Εἰ μὲν ὑπόκειται ἐπιθυμία γυναικός, οὐκ ὀφείλει· εἰ δὲ ὁ σατανᾶς πειράζει αὐτόν, ἵνα διὰ τῆς προφάσεως ταύτης ἀλλοτριοῦται[4] τῆς κοινωνίας τῶν θείων μυστηρίων, ὀφείλει κοινωνῆσαι, ἐπεὶ οὐ παύσεται[5] ὁ πειράζων κατ' ἐκεῖνον τὸν καιρόν, ὅτε ὀφείλει κοινωνεῖν, ἐπιτιθέμενος αὐτῷ.[6]

ιγ΄. Τοῖς ζευγνυμένοις εἰς γάμου κοινωνίαν περὶ ποίων ἡμερῶν τῆς ἑβδομάδος παρατίθεσθαι χρὴ ἀπέχεσθαι τῆς л. 212 а. πρὸς ἀλλήλους κοινωνίας, καὶ ποίας ἔχειν ἐξουσίαν;[7]

Ἀπόκρισις. Ὃ προείρηκα καὶ νῦν λέγω. ὁ ἀπόστολος λέγει· Μὴ ἀποστερεῖτε[8] ἀλλήλους, εἰ μή τι ἂν ἐκ συμφώνου πρὸς καιρόν, ἵνα σχολάζητε[9] τῇ προσευχῇ, καὶ πάλιν ἐπὶ τὸ αὐτὸ συνέρχεσθε,[10] ἵνα μὴ πειράζῃ ὑμᾶς ὁ σατανᾶς διὰ τὴν ἀκρασίαν ὑμῶν. ἐξ ἀνάγκης δὲ τὸ σάββατον καὶ τὴν κυριακὴν ἀπέχεσθαι,[11] διὰ τὸ[12] ἐν αὐταῖς τὴν πνευματικὴν θυσίαν ἀναφέρεσθαι τῷ θεῷ.

---

1) въспросить *С.* 2) приѡбещатисѧ *У.* 3) въжелить *С.* 4) приѡбещатисѧ *У.* 5) искоунъ *У.* 6) прилагаемоу *П.* 7) Иже *П.* 8) что *П.* 9) прибъıваѥть *У.*

---

1) ἐρωτήσει cod. 2) αὐτῷ ἐπιτρέψαι Patm. 173 Vind. 3) Ἀπόκρισις проп. Vind. 4) ἀλλοτριῶται Vind. 5) παύεται PVind. 6) ἐπιτίθεσθαι Vind. (вм. ἐπιτιθέμενος αὐτῷ). 7) ἐπ' ἐξουσίας PVind. (вм. ἐξουσίαν). 8) ἀποστερεῖται cod. 9) σχολάζηται cod.; σχολάσητε P Vind. 10) συνέρχεσθαι cod.; ἦτε P Vind. 11) δεῖ вставл. P Vind. 12) ατὸ cod., но α между точками.

і҃д· Аще кто себе исказить· не имѣꙗ съмысла· или въ пропасть въвьржеться· бываѥть ли приношениѥ за нь·

Ѡвѣтъ· Расматрꙙти подобаѥть клирикоу· аще въистиноу несъмысльнъ сы: сътвори то· многашьды бо приносꙙщеи· пострадавъшюоумоу хотꙙщеи[1] полоучити[2] приношениѥ ѥже за нь·[3] лъжють· и г҃лють ꙗко не имѣ себѣ съмысла· въмѣни же сꙙ отъ искоушениꙗ[4] ч҃лвкъ· или инако како· отъ прѣнемаганиꙗ[5] сътвори то· и не подобаѥть приношению надъ нимь бывати·[6] самооубиницꙙ бо ѥсть самъ себѣ· подобаѥть оубо вьсꙙко клирикоу съ извѣщениѥмь[7] испытати· да не ѿсоужениѥ[8] боудеть·

і҃е· Аще коѥго жена· д҃хъ нечистъ[9] имать· и желѣза носить· моужь же ѥꙗ г҃лѥть· ꙗко не могоу въздьржатисꙙ· и хощьть поꙗти иноу· подобаѥть[10] ли поꙗти иноу или и[11] ни·

л. 212 b. Ѡвѣтъ· | Прѣлюбодѣиство одьржить вещь сию· и о томь чьто отъвѣщати не обрѣтаю·

ιδ΄. Ἐρώτησις.[1] Ἐάν τις μὴ ἔχων[2] ἑαυτὸν χειρώσηται,[3] ἢ κρεμνήσει,[4] εἰ γίνεται προσφορὰ ὑπὲρ αὐτοῦ;[5]

Ἀπόκρισις. Διακρίνειν[6] ὀφείλει ὁ κληρικός, εἰ τὸ ἀληθὲς ἐκφρενὴς ὢν πεποίηκεν τοῦτο· πολλάκις γὰρ οἱ διαφέροντες τῷ πεπονθότι, θέλοντες ἐπιτυχεῖν τῆς προσφορᾶς τῆς ὑπὲρ αὐτοῦ, καταψεύδονται καὶ λέγουσιν, ὅτι οὐκ εἶχεν ἑαυτόν. ἐνίοτε δὲ ἀπὸ ἐπηρείας ἀνθρώπων, ἢ ἄλλως πως ἀπὸ ὀλιγωρίας πεποίηκεν τοῦτο, καὶ οὐ χρὴ προσφορὰν ἐπάνω αὐτοῦ γίνεσθαι·[7] αὐτοφονευτὴς γὰρ ἑαυτοῦ ἐστιν. δεῖ οὖν πάντως τὸν κληρικὸν μετὰ ἀκριβείας ἀνερευνῆσαι,[8] ἵνα μὴ ὑπὸ κρῖμα πέσῃ.

ιε΄. Ἐρώτησις.[9] Ἐάν τινος γυνὴ πνεῦμα ἔχει καὶ[10] σίδηρα φορεῖν,[11] ὁ ἀνὴρ δὲ[12] λέγει, ὅτι οὐ δύναμαι ἐγκρατεύσασθαι,[13] καὶ θέλει[14] λαβεῖν ἄλλην, εἰ ὀφείλει λαβεῖν ἄλλην,[15] ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Μοιχείᾳ μεσολαβεῖ τὸ πρᾶγμα,[16] καὶ περὶ τούτου[17] ἀποκρίνασθαι οὐχ εὑρίσκω.

---

1) хотꙙще *У*; хотꙙщюмꙋ и *П*. 2) полоуцити *У*. 3) намъ *С* (*вм.* за нь). 4) искꙋщениꙗ *С*. 5) прѣмоганіа *С*. 6) *cod.* ва *по скобл.*; быти *У*. 7) извѣщаниѥмь *У*. 8) *cod.* ѿ *по скобл.* 9) нецистъ *У*. 10) подобаѥти *У*. 10) и *проп. СП.*

---

1) Ἐρώτησις проп. P Vind. 2) φρένα вставл. Vind. 3) χειρίσηται ἑαυτὸν Vind. 4) χρημνίσῃ P Vind. 5) ἢ οὔ вставл. P Vind. 6) Διακρίνει cod.; Διακρίναι P. 7) γενέσθαι P Vind. 8) ἐρευνῆσαι Vind. 9) Ἐρώτησις проп. P Vind. 10) πνευματιᾷ πάνυ ὥστε P (вм. πνεῦμα ἔχει καὶ). 11) φορῇ Vind. 12) δὲ ἀνὴρ P Vind. 13) ἐγκρατεύεσθαι Vind. 14) θέλῃ P Vind. 15) ἄλλην проп. Patm. 172; ἑτέραν Vind. 16) τί вставл. P Vind.

с҃таго аѳанасиꙗ посъланиѥ· къ амонꙋ мн҃хꙋ·

Вьсѧ оубо добра и чиста б҃жиꙗ сътворениꙗ· ничьсо[1] же бо не неключьно[2] или нечисто[3] сътвори б҃жиѥ слово·[4] х҃во бо бл҃гооуханиѥ[5] ѥсмъ·[6] въ сп҃сающиихъсѧ[7] по ап҃лоу· понеже бо разлиичьныи[8] и[9] многообразьныи[10] диꙗволꙗ стрѣлы· и неизвѣстѣнше-ихъ[11] разоумъмь·[12] оустраꙗѥть мѧсти ꙗ· възбраниꙗѥть же обычьнааго· обоучениꙗ[13] братиѥ· сѣꙗ имъ помышлениꙗ нечистоты·[14] и осквьрнениꙗ принеси· малыихъ ради· и лоукаваго льсть ижденемъ· сп҃са нашего бл҃годатию· и простѣишиихъ разоумъ оутвьрдимъ· вьсѧ бо чиста чистыимъ· нечистыихъ[15] же и съвѣсть· и вьсѧ осквьрнена[16] соуть· чюжю же сѧ диꙗволи козни ꙗко бо[17] тьлꙗ и пагоуба[18] соущи· помыслы влагаѥть· ѥже мьнѣти оубо чистоты·[19] ѥсть же бываюшеѥ· ловлениѥ паче неже искоушениѥ· да ꙗко же оубоу[20] прѣже рекохъ· прилежить постьникомъ обычьнааго[21] и[22] сп҃сьнааго оучениꙗ·

---

1) ницьсо *У.* 2) неклюцьно *У.* 3) нецисто *У.* 4) слово б҃жиѥ *У.* 5) бл҃гооухани *УС.* 6) ѥсмь *У.* 7) сп҃саающиихсѧ *П.* 8) разлицьны *У.* 9) имь *П.* 10) многоѡбразныи *П.* 11) неизвѣстенших *У.* 12) разомомь *У;* не *вставл. П.* 13) оброучениꙗ *УП.* 14) цистоты *У;* ничистоты *П.* 15) циста цистымъ нецистыихъ *У.* 16) ошвѣрнена *У.* 17) во *проп. С;* и *вставл. У.* 18) пагоупа *П.* 19) цистоты *У.* 20) оуво *ПСУ.* 21) обыцьнааго *У.* 22) и *проп. С.*

(л. 220ᵃ—223ᵃ). * ΤΟΥ ῾ΑΓΙΟΥ ᾿ΑΘΑΝΑΣΙΟΥ ᾿ΕΠΙΣΤΟΛΗ ΠΡΟΣ ᾿ΑΜΟΥΝ[1] ΜΟΝΑΖΟΝΤΑ.[2]

Παντα μὲν καλὰ καὶ καθαρὰ τὰ τοῦ θεοῦ ποιή(л. 220ᵇ)ματα· οὐδὲν γὰρ ἄχρηστον ἢ ἀκάθαρτον ὁ τοῦ θεοῦ πεποίηκεν λόγος· Χριστοῦ γὰρ εὐωδία ἐσμὲν ἐν τοῖς σωζομένοις, κατὰ τὸν ἀπόστολον· ἐπειδὴ δὲ ποικίλα καὶ πολύτροπα τὰ τοῦ διαβόλου βέλη καὶ τοὺς ἀκεραιοτέρους τῇ γνώμῃ[3] παρασκευάζει ταράττεσθαι, κωλύει τε τῆς συνήθους[4] γυμνασίας τοὺς ἀδελφούς, ὑποσπείρων αὐτοῖς λογισμοὺς ἀκαθαρσίας καὶ μολυσμοῦ, φέρε διὰ βραχέων καὶ τὴν τοῦ πονηροῦ πλάνην ἀπελάσωμεν[5] τῇ τοῦ σωτῆρος ἡμῶν χάριτι καὶ τὴν τῶν ἁπλουστέρων γνώμην στηρίξωμεν.[6] πάντα μὲν γὰρ[7] καθαρὰ τοῖς καθαροῖς· τῶν δὲ ἀκαθάρτων καὶ ἡ συνείδησις καὶ τὰ πάντα μεμόλυνται. ἄγαμαι δὲ τοῦ διαβόλου τὸ σόφισμα, ὅτι περ φθορὰ καὶ λύμη ὑπάρχων λογισμοὺς ὑποβάλλει, τὸ[8] δοκεῖν μὲν καθαρότητος, ἔστι δὲ τὸ γιγνόμενον ἐνέδρα μᾶλλον ἢ δοκιμασία· ἵνα γάρ, ὡς προεῖπον, ἀπασχολήσῃ[9] τοὺς ἀσκητὰς τῆς ἐθίμου καὶ σωτηριώδους μελέτης

---

* Въ V отсутствуетъ (вырвано?) посланіе Аѳанасія Александр. къ Амуну. Къ тексту этого посланія приведены варіанты изъ Vindob. hist. gr. 56 (= Vind.), при чемъ л. 172ᵃ—173ᵇ = $Vind_1$ а л. 147ᵃ—149ᵃ = $Vind_2$.

1) Ἀμμοῦν Vind. 2) cod. рукой XIII в. in m. ιθ′. 3) τὴν γνώμην $Vind_1$. 4) συνήθου cod. 5) ἀπελάσομεν cod. 6) στηρίξομεν cod. 7) γὰρ проп. $Vind_2$. 8) τῷ P Vind. 9) ἀπασχολῇ $Vind_1$.

и мьнитьсѧ дьржати на то· таковꙑꙗ нѣкꙑꙗ движеть· паоучинꙑ·[1] ихъже оубо принести къ житию· ничьсо же неключимо·[2] тъщаꙗ же възисканиꙗ· и блꙗдьства· ихъ|же[3] подобаѥть отърицѧтисѧ·[4] чьто бо рьци ми о възлюблѥне· и бл҃гобоꙗзниве· имоуть съгрѣшениꙗ· или нечисто[5] ѥстьствьно· нѣкоѥ избьраниѥ·[6] ꙗко же аще кто хощеть· сътворити прѣгрѣшениѥ· и ѥже из ноздрию испоущаѥмоѥ исѧкновениѥ· из оустъ пльваниꙗ· ѥще же и сихъ имамъ гл҃ати· больнꙑихъ· ꙗже ищрѣва исходѧть·[7] ѥже животьномоу на животъ ноуждьнаꙗ бꙑша· ѥще[8] бж҃ию роукѫ дѣло бꙑти вѣроуѥмъ чл҃вкъ· по бж҃ьствьноуоумоу писанию· како[9] можааше отъ чистꙑꙗ[10] силꙑ· дѣло бꙑти осквьрнѥно и аще родъ бж҃ии ѥсмъ по бж҃ьствьнꙑимъ дѣꙗниѥмъ ап҃лъ· ничьсо[11] же не[12] имамъ въ себѣ нечистааго·[13] тъгда бо тъкмо ѿсквьрнꙗѥмъсѧ· ѥгда зълосмрадьнꙑи грѣхъ съдѣловаѥмъ· ѥгда же ѥстьствьноѥ и нѣкоѥ невольноѥ· боудеть изволѥниѥ тъгда ѥстьства ноужда съ инѣми ꙗко же[14] прѣже рекохъ· и се прѣтьрпѣваѥмъ·

л. 213 а.

καὶ δόξῃ[1] κρατεῖν κατὰ τοῦτο, τοιαῦτά τινα κινεῖ βομβύκια,[2] ἅτινα φέρει μὲν οὐδὲν τῷ βίῳ χρήσιμον, κενὰς δὲ ζητήσεις καὶ φλυαρίας, ἃς δεῖ παραιτεῖσθαι· τί γάρ, εἰπέ μοι, ὦ ἀγαπητὲ καὶ εὐλαβέστατε, ἔχει ἁμαρτήματα[3] (л. 221a) ἢ ἀκάθαρτον φυσική τις ἔκκρισις; ὡς εἴ τις ἐθέλοι ποιεῖσθαι ἔγκλημα καὶ τὰς διὰ ῥινῶν ἐπιπεμπομένας[4] μύξας καὶ τὰ διὰ στόματος πτύσματα· ἔτι δὲ καὶ τούτων ἔχομεν λέγειν πλείονα, τὰς διὰ γαστέρων ἐκκρίσεις, ἅσπερ[5] τῷ ζώῳ πρὸς τὸ ζῆν ἀναγκαῖα καθέστηκεν. ἔτι καὶ[6] τῶν τοῦ θεοῦ χειρῶν ἔργον εἶναι πιστεύομεν τὸν ἄνθρωπον κατὰ τὰς θείας γραφάς· πῶς ἠδύνατο[7] ἐκ καθαρᾶς δυνάμεως ἔργον τι γενέσθαι[8] μεμολυσμένον; καὶ εἰ γένος τοῦ θείου[9] ὑπάρχομεν, κατὰ τὰς θείας τῶν ἀποστόλων Πράξεις, οὐδὲν ἔχομεν ἐν ἑαυτοῖς ἀκάθαρτον· τότε γὰρ μόνον μεμολύσμεθα, ὅτε τὴν δυσωδεστάτην ἁμαρτίαν ἐργαζόμεθα. ὅτε δὲ φυσική τις ἀβούλητος[10] ἔκκρισις γίνεται, τότε[11] τῆς φύσεως ἀνάγκῃ μετὰ τῶν ἄλλων, ὡς προείπομεν, καὶ τοῦτο ὑπομένομεν.

---

1) паоуцинꙑ *У.* 2) ницьсо же неклюцимо *У.* 3) и *С.* 4) отърична тисѧ *У.* 5) нецисто *У.* 6) изкѣраниѥ *У.* 7) *cod.* ѧ *по скобл*; исходить *С.* 8) же *вставл. У.* 9) бо *вставл. У.* 10) цистꙑꙗ *У.* 11) ницьсо *У.* 12) не *проп. С.* 13) нечистота *С*; ничесо же не имамъ въ *вставл. II, но вычеркив. киноварью.* 14) же *проп. У.*

1) δόξει cod. 2) βομβύκινα было въ Vind$_2$, по ν выскобл. 3) ἁμάρτημα PVind. 4) ἐκπεμπομένας P Vind$_2$. 5) ἅπερ PVind. 6) τε εἰ P Vind. (вм. καὶ), при чемъ Vind$_1$ по скобл. рукой XIII в. 7) ἐδύνατο Vind$_1$. 8) γίνεσθαι P Vind. 9) θεοῦ PVind. 10) ἀβουλήτως P Vind. 11) τῇ вставл. PVind$_2$.

и понєже бо хотѧщеи[1] тъкъмо противоу гл҃ати· гл҃аголющиимъ правопаче отъ б҃а сътворенъıимъ· въносѧть ıавлєноıє ıєванг҃льскоıє·[2] ıако не въходѧщаıа[3] осквьрнıають ч҃лка· нъ исходѧщаıа[4] ноуждьно оубо и се бесловесиıє ихъ· не ıако же оубо речемъ възисканиıє[5] ѿбличимъ·[6] пьрвѣıє оубо писаниıа· по своıємоу ненавъıчению· неоутвьржено соуще поудıа|тьсѧ· имать же бж҃ьствьноıє сице[7] слово· нѣкъıимъ бо пакъı тако же· къ тѣмъ сильно имоущемъ·[8] о брашьнѣхъ· самъ раздроушаıа ихъ невѣжьство· рекъше прѣльсть·[9] обличаıа рече· не въходѧщаıа оскврьнıають ч҃лвка нъ исходıащаıа·[10] [по семь наводить и ѿкоудоу исходѧть][11] ıавѣ ıако[12] ѿ ср҃дца· онѣмъ бо бъıти лоукавъııа съкровища скврьньнъıихъ помъıшлıєнии· инѣхъ грѣховъ съвѣсть скорѣıє[13] же ап҃ла то наоученъ·

и аще къто нъıнıа оудобьно речеть· ıєстьствьноıє изволıєниıє· насъ не поставить къ моучению·

ἀλλ’ ἐπειδήπερ οἱ θέλοντες μόνον ἀντιλέγειν τοῖς ὀρθῶς λεγομένοις, μᾶλλον δὲ παρὰ θεοῦ πεποιημένοις, παραφέρουσι καὶ ῥητὸν εὐαγγελικόν, ὡς ὅτι οὐ τὰ εἰσερχόμενα κοινοῖ τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ τὰ ἐξερχόμενα, ἀναγκαίως οὖν[1] καὶ ταύτην τὴν ἀλογίαν[2] (οὐ γὰρ ἂν εἴποιμεν ζήτησιν) ἐλέγξωμεν.[3] πρῶτον μὲν γὰρ τὰς γραφὰς κατὰ τὰς ἰδίας ἀμαθίας (л. 221b) ἀστήρικτοι ὄντες βιάζονται. ἔχει δὲ τὸ θεῖον л. 213 b.
οὕτω λόγιον· Τινῶν γὰρ πάλιν τούτοις ὁμοίως ἐνδοιαστῶς[4] ἐχόντων περὶ βρωμάτων, αὐτὸς λύων αὐτῶν τὴν ἄγνοιάν, ἤγουν τὴν ἀπάτην δημοσιεύων, φησίν· Μὴ τὰ εἰσερχόμενα κοινοῖ[5] τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ τὰ ἐξερχόμενα. εἶτα ἐπάγει καὶ πόθεν ἐξερχόμενα· τὰ ἀπὸ[7] καρδίας· ἐκεῖ γὰρ εἶναι τοὺς πονηροὺς θησαυροὺς τῶν βεβήλων λογισμῶν καὶ τῶν ἄλλων ἁμαρτημάτων γινώσκει. συντομώτερον δὲ ὁ ἀπόστολος αὐτὸ δεδιδαγμένος,[8] φησί· Βρῶμα δὲ ὑμᾶς[9] οὐ παραστήσει[10] τῷ θεῷ. φαίη δ’ ἄν τις καὶ νῦν εὐλόγως, φυσική τις ἔκκρισις ἡμᾶς οὐ παραστήσει[11] πρὸς τιμωρίαν.

---

1) хощеть и *П.* 2) ѥv҃аліѥское *С.* 3) въсходѧщаа *П.* 4) сходѧщаıа *У*; оскврьнѧють ч҃лка· нъ исходѧщаıа *проп. П.* 5) възникание *У.* 6) ѡблицимъ *У.* 7) сиче *У.* 8) имоущимъ *П.* 9) прильсть *С.* 10) исхощаа *П.* 11) *вставка изъ УП.* 12) ко *У.* 13) *cod. переправл.* ѣ *изъ* о.

1) αὐτῶν P Vind., a cod. зачеркив. οὖν и ставитъ впереди его значекъ ˇ, подъ которымъ in m. дописыв. αὐτῶν (слогъ τῶν срѣзанъ переплетчикомъ р—си). 8) ἀναλογίαν Patm. 172; αὐτῶν вставл. Vind$_1$. 9) ἐλέγξομεν Vind. Patm. 173; ἐλεγξομεν Patm. 172, но надъ ο надпис. ω. 4) ἐνδοιάστως Vind. 5) κοινοῦν Vind$_1$. 6) δηλονότι вставл. Vind$_1$. 7) τῆς вставл. Vind$_1$. 8) δεδιδαγμένως cod. 9) ἡμᾶς P Vind. 10) παρίστησι Vind. Patm. 172 (Vind$_2$ рукой XIII в. переправл. изъ παραστήσει). 11) παρίστησι Vind$_1$.

некъли же и дѣти врачевъ· да аще и[1] извьноу[2] оумолени боудоуть· за нь отъвѣтъ дати· ꙗко животоу· дани бѣша нѣции· ноуждьни исходи·[3] по оудесомъ въ насъ комоужьдо питающемъ·[4] ѡблишиѥ[5] отъпоущати· ꙗко се главы облишиѥ[6] власи и ꙗже отъ главы[7] водьнаꙗ·[8] испоущениꙗ· и чрѣва въмѣщениꙗ· и[9] сѣменьныихъ поути· оно облишиѥ· кыи оубо ѥсть[10] къ бо҃у о старьче любивы·[11] грѣхъ самомоу съзьдавъшюмоу· животьноѥ· вл҃дцѣ въсхотѣвъшю и сътворьшю· сиꙗ оудеса· таковыꙗ имѣти исходы поніеже[12] подобаѥть прѣжеварꙗти· лоукавыихъ противлениѥ· реклъ бо бы оубо оуто нѣсть грѣхъ·[13] ни истиньноѥ приманиѥ· или съставьмь· отъ съдѣтелꙗ съзьданомъ быти· на се въпросьнѣѥ прѣставимъ ꙗ·[14] л. 214 а. гл҃ю|щеѥ· коѥ гл҃ѥши приманиѥ· законьноѥ· ѥже и б҃ъ повелѣ· раститеса гл҃ꙗ и оумножаите[15] и испълните землю· ѥже и ап҃лъ приимъ рече· чьстьна[16] женитва и ложе нескверньно·

τάχα δὲ καὶ παῖδες ἰατρῶν (ἵνα κἂν[1] τῶν[2] ἔξωθεν δυσωπηθῶσιν) ὑπὲρ αὐτοῦ[3] ἀπολογήσονται, ὅτι τῷ ζώῳ δέδονταί τινες ἀναγκαῖαι διέξοδοι κατὰ τῶν ἐν ἡμῖν ἑκάστῳ μελῶν τρεφομένων τὸ περιττὸν ἀποπέμπειν, οἷον κεφαλῆς περιττώματα[4] τρίχες καὶ τὰ ἀπὸ κεφαλῆς ὑδατώδη πεμπόμενα, καὶ γαστρὸς διαχωρήματα· καὶ τοίνυν τῶν σπερματικῶν πόρων ἐκεῖνο περίττωμα.[5] ποία τοίνυν ἐστὶν πρὸς θεόν,[6] ὦ πρεσβῦτα θεοφιλέστατε, ἁμαρτία, αὐτοῦ τοῦ πλάσαντος τὸ ζῶον[7] δεσπότου θελήσαντος καὶ ποιήσαντος ταῦτα τὰ μέλη τοιαύτας ἔχειν διεξόδους; ἐπει(л. 222ᵃ)δὴ δὲ[8] δεῖ προσλαμβάνειν[9] τὰ τῶν πονηρῶν ἐναντιώματα (εἴποιεν γὰρ ἄν· οὐκοῦν οὐκ ἔστιν ἁμαρτία οὐδὲ ἡ ἀληθὴς χρῆσις, εἰ[10] τὰ ὄργανα παρὰ τοῦ δημιουργοῦ διαπέπλασται), πρὸς τοῦτο ἐρωτηματικῶς[11] αὐτοὺς παύσομεν[12] φάσκοντες· ποίων[13] λέγεις χρῆσιν; τὴν ἔννομον; ἣν καὶ ὁ θεὸς ἐπέτρεψεν, Αὐξάνεσθε,[14] λέγων, καὶ πληθύνεσθε[14] καὶ πληρώσατε τὴν γῆν.[15] Τίμιος ὁ γάμος καὶ ἡ κοίτη ἀμίαντος.

---

1) и *проп. У.* 2) извоноу *У.* 3) исходимъ *П.* 4) питающимъ *П.* 5) облишениѥ *С.* 6) облишениѥ *С.* 7) облишиѥ власи и ꙗже отъ главы *проп. П.* 8) *cod. и* в *и* а *по скобл.* 9) и *проп. П.* 10) ѥво ь *У* (*вм.* ѥсть). 11) любивыи *С.* 12) бо *вставл. УП.* 13) *cod.* ъ *по скобл.* 14) ꙗ *проп. У.* 15) множите *У.* 16) честана *У.*

1) ἐκ вставл. P Vind$_2$. 2) τοὺς Vind$_1$. 3) τούτου P Vind$_2$. 4) περίττωμα Vind$_2$. 5) ἐκεῖνα περιττώματα Vind$_1$. 6) πρὸς τοῦ (τοῦ проп. Vind$_2$) θεοῦ Vind. (Vind$_1$ рукой XIII в. переправл. изъ τὸν θεόν). 7) ζῶιον cod. 8) δὲ проп. Vind$_2$, но рука XIII в. переправл. предыдущее δὴ въ δὲ. 9) προλαμβάνειν Vind. (но Vind$_2$ выскобл. σ передъ λ). 10) ἡ cod. 11) τε вставл. Vind$_1$. 12) παύσωμεν Vind$_2$. 13) ποίαν P Vind. 14) cod. окончаніе αι вм. ε. 15) ἣν ὁ ἀπόστολος ἀπεδέξατο εἰπὼν вставл. P Vind.

нежели людьскоую· таи и прѣлюбодѣꙗньноу·[1] творимоѥ·[2] понеже инѣхъ· иже въ житии бываюшиихъ· обрѧщемъ различиꙗ·[3] по нѣчемоу бывающа·[4] ꙗко се оубивати не достоить· нъ[5] на браньхъ· оубивати противьнꙑꙗ· и законьно· и похвалениꙗ достоино[6] тако бо и[7] чьсти· и[8] великꙑихъ на рати[9] доблевавъше съподоблꙗютьсѧ и образи тѣхъ въздвизаютьсѧ· проповѣдающе исправлениꙗ· ꙗко то[ѥ же][10] по нѣчьѥмоу оубо· и по всѧ врѣмена не достоить· по нѣчьсомоу[11] же врѣмꙗ желаѥть·[12] и възмѣщаѥтьсѧ· тоѥ же оубо[13] слово и [о][14] съмѣшении· блаженъ иже въ оуности· съпрѧжениѥ имѣꙗ·[15] свободьно ѥстьствъмь· на дѣтотворениѥ приѥмлѥть· аще ли къ нечистотѣ· блоудьникъ и прѣлюбодѣиць·[16] отъ апл҃а написаноѥ моучениѥ жьдеть· дъвѣма боу[17] соущема поутьма въ житии[18] о сихъ· ѥдиномоу съмѣренѣишю житию· женитвьномоу гл҃ю· дроугоуоумоу же анг҃льскоуоумоу· и прѣвеликомоу дѣвьства· аще къто оубо мирьскомоу·[19] рекъше женитвью прииметь пороучениꙗ оу не҃[20] имать

ἢ τὴν δημώδη μέν, λαθραίως δὲ καὶ μοιχικῶς ἐπιτελουμένην; ἐπεὶ καὶ τῶν ἄλλων τῶν ἐν τῷ βίῳ γινομένων εὑρήσομεν τὰς διαφορὰς κατά τι γινομένας· οἷον φονεύειν οὐκ ἔξεστιν, ἀλλ' ἐν πολέμοις[1] ἀναιρεῖν τοὺς ἀντιπάλους καὶ ἔννομον καὶ ἐπαίνου ἄξιον. οὕτω γοῦν καὶ τιμῶν μεγάλων οἱ κατὰ πόλεμον ἀριστεύσαντες ἀξιοῦνται, καὶ στῆλαι τούτων ἐγείρονται κηρύττουσαι τὰ κατορθώματα· ὥστε τὸ αὐτὸ κατά τι μὲν καὶ κατὰ καιρὸν οὐκ ἔξεστιν, κατά τι δὲ καιρὸς ἐφίεται[2] καὶ συγκεχώρηται. ὁ αὐτὸς τοίνυν λόγος καὶ περὶ τῆς μίξεως· μακάριος ὃς ἐν νεότητι ζυγὸν ἔχων ἐλεύθερον τῇ φύσει πρὸς παιδοποιΐαν κέχρηται· εἰ[3] δὲ πρὸς ἀσέλγειαν, πόρνους καὶ μοιχοὺς ἡ παρὰ τῶν[4] τοῦ ἀποστόλου[5] γραφεῖσα τιμωρία ἐκδέξεται. δύο γὰρ οὐσῶν ὁδῶν ἐν τῷ βίῳ περὶ τούτων, μιᾶς μὲν μετριω-(л. 222^b)τέρας[6] βιωτικῆς, τοῦ γάμου λέγω, τῆς δὲ ἑτέρας ἀγγελικῆς καὶ ἀνυπερβλήτου τῆς παρθενίας, εἰ μέν τις τὴν κοσμικήν, τουτέστιν τὸν γάμον ἕλοιτο, μέμψιν[7] μὲν οὐκ ἔχει,

1) *cod. переправл.* о *послѣ* н *изъ* ь. 2) н *вставл. П.* 3) разлициꙗ *У.* 4) *cod. конечное* а *по скобл.* 5) на *С.* 6) і *вставл. У.* 7) н *проп. У.* 8) чьстии *С* (*вм.* чьсти. и). 9) рити *У.* 10) *вставл. изъ УП.* 11) цьсомоу *У.* 12) жалаѥть *У.* 13) оубо *проп. У.* 14) *вставл. изъ УП.* 15) имѣꙗ *проп. С.* 16) прѣлободѣиць *С.* 17) бо *УП.* 18) възитіи *С* (*вм.* въ житии). 19) и прѣвеликомоу дѣвьства· аще къто оубо мирьскомоу *проп. У.* 20) не *вставл. У.*

1) πολέμω (μοις *над строкой*) Patm. 172. 2) вм. καιρὸς ἐφίεται: P Vind $_2$ καὶ εὐκαίρως ἀφίεται (P ἐφίεται), Vind $_1$ καὶ κατὰ καιρὸν ἐφεῖται. 3) ἢ cod. 4) τῶν проп. P Vind. 5) τῷ ἀποστόλῳ P Vind $_2$. 6) καὶ вставл. P Vind $_2$. 7) μέμψειν cod.

л 214 b. | толицѣхъ[1] же даровъ не прииметь· приимоуть бо понеже приносить· и тъ плодъ· л҃· аще ли чистоѥ же и прѣоукрашеноѥ прииметь· аще и стръпътынъ паче пьрвааго и неисправлѥнъ поуть· обаче имать дары[2] чюдьнѣиша· сътворены бо плодъ· съто възрасти· ꙗко же нечистаꙗ ихъ· и лоукава възисканиꙗ· раздрѣшениꙗ своꙗ имѧахоу и отъ бж҃ьствьныихъ писании[3] дрѣвлѥ прѣдъложеныихъ· оутвьрди оубо оч҃е· ꙗже подъ собою стадо· отъ ап҃льскыихъ оутѣшаꙗ отъ еванг҃льскыихъ оувѣщаваꙗ· отъ пьсалъмъ съвѣщаваꙗ· живи мѧ по словеси твоѥмоу· слово же ѥгоже отъ чиста ср҃дца· слоужити ѥмоу· се бо вѣды тъ же пр҃ркъ· акы самъ сѧ прѣдълагаѥть гл҃ꙗ· ср҃дце чисто съзижи въ мънѣ бе· да не помысли мене скврьнынии съмѧтоуть· пакы д҃вдъ и[4] дх҃мь вл҃дчьньмь оутвьрди мꙗ·

ѥже степень бываѥть· самъ оубо

τοσαῦτα[1] δὲ χαρίσματα οὐ λήψεται·[2] λήψονται γάρ, ἐπείπερ φέρει καὶ αὐτὸς καρπὸν τὸν[3] λ'· εἰ δὲ τὴν ἁγνήν τε[4] καὶ ὑπερκόσμιον ἀσπάσοιτο, εἰ καὶ τραχεῖα παρὰ τὴν πρώτην καὶ δυσκατόρθωτος ἡ ὁδός, ὅμως ἔχει χαρίσματα θαυμασιώτερα· τὸν γὰρ τέλειον καρπὸν τὴν ἑκατοντάδα ἐβλάστησεν. ὥστε τὰ ἀκάθαρτα αὐτῶν καὶ πονηρὰ ζητήματα λύσεις ἰδίας ἔσχεν καὶ παρὰ τῶν θείων γραφῶν πάλαι προβληθείσας.[5] ὑποστήριζε τοίνυν, ὦ πάτερ, τὰς ὑπὸ σαυτὸν ἀγέλας, ἐκ τῶν ἀποστολικῶν[6] παρακαλῶν, ἐκ τῶν εὐαγγελικῶν ψυχαγωγῶν, ἐκ τῶν ψαλμῶν συμβουλεύων, Ζῆσόν με, λέγων,[7] κατὰ τὸ λόγιόν σου· λόγιον δὲ αὐτοῦ τὸ ἐκ καθαρᾶς καρδίας λατρεύειν αὐτῷ· τοῦτο γὰρ εἰδὼς ὁ αὐτὸς προφήτης, ὥσπερ ἑαυτὸν μεταφράζει, λέγων·[8] Καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοὶ ὁ θεός, ἵνα μή με[9] ῥυπώδεις λογισμοὶ ταράξωσιν. πάλιν Δαβίδ· Καὶ πνεύματι ἡγεμονικῷ στήριξόν με, ἵνα, κἂν ποτε λογισμοὶ[10] θορυβήσωσιν, ἰσχυρά τις παρὰ σοῦ δύναμις στηρίξῃ με,[11] ὅπερ[12] κρηπὶς τυγχάνουσα.[13] αὐτὸς τοίνυν

---

1) толичѣхъ *У.* 2) и *вставл. П.* 3) и *вставл. П.* 4) и *проп. У.*

1) τοσαῦ cod. 2) λήψηται Patm. 173. 3) τῶν cod.; τῶν Vind$_{2}$. 4) τις P Vind$_{2}$. 5) προλυθείσας P Vind. 6) γραφῶν вставл. Vind.$_{1}$ рукой XIII в. 7) это λέγων Vind.$_{1}$ дописан. рукой XIII в. 8) μεταφράζων λέγει P Vind.$_{2}$. 9) με проп. P Vind$_{2}$. 10) με вставл. P Vind$_{2}$. 11) ἵνα, κἂν ποτε λογισμοὶ θορυβήσωσιν, ἰσχυρά τις παρὰ σοῦ δύναμις στηρίξῃ με проп. Vind$_{1}$. 12) ὥσπερ P Vind$_{2}$. 13) τυγχάνει Vind$_{1}$.

сиꙗ и таковаꙗ съвѣщаваꙗ гл҃ꙗ· къ оудобьпокарѩющиимъсѧ истинѣ· наоучю [1] беꙁаконьнꙑꙗ поутьмъ [2] твоимъ и надѣюсѧ г҃и· ꙗко сътвориши оудалитисѧ [3] отъ таковꙑꙗ ꙁълобꙑ· пои· и нечьстиви къ тебе обратѧтьсѧ· боуди же ꙁълообꙑчьно искоушиимъ· [4] прѣстати отъ таковааго [5] соуѥтоболѣꙁньства· имоущиимъ же | беꙁоумиꙗ ради· бе соумьнѣниꙗ· вл҃дчьньмь д҃хъмь оукрѣпитисѧ· ѥлико же васъ иꙁвѣсто истиноу вѣсте· твьрьдъ [6] имѣите ю и неподвижимоу· о х҃ѣ і҃сѣ г҃и нашемь· съ нимьже оц҃ю слава дьржава коупьно [7] съ с҃тꙑимь и животворѧщиимь д҃хъмь въ вѣкꙑ вѣкомъ аминь·

ταῦτα (л. 223а) καὶ τὰ τοιαῦτα συμβουλεύων λέγε πρὸς τοὺς ῥᾳδίως [1] τῇ ἀληθείᾳ πειθομένους· Διδάξω ἀνόμους τὰς ὁδούς σου. καὶ θαῤῥῶ [2] κυρίῳ, ὅτι ποιήσεις [3] ἀποσχέσθαι τῆς τοιαύτης κακίας. ψάλλε· Καὶ ἀσεβεῖς ἐπὶ σὲ ἐπιστρέψουσιν. γένοιτο δὲ τοὺς μὲν κακοήθως ζητοῦντας παύσασθαι τῆς τοιαύτης ματαιοπονίας, τοὺς δὲ δι' εὐήθειαν ἐνδοιάστως [4] л. 215 а.
ἔχοντας ἡγεμονικῷ πνεύματι κραταιωθῆναι. [5] ὅσοι δὲ βεβαίως τὴν ἀλήθειαν ἐπίστασθε, [6] ἀῤῥαγῆ ταύτην κατέχετε καὶ ἀσάλευτον, ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ τῷ πατρὶ ἡ [7] δόξα καὶ τὸ [8] κράτος σὺν [9] ἁγίῳ [10] πνεύματι, εἰς τοὺς αἰῶνας. [11] ἀμήν.

---

1) наѹ҆чи *С.* 2) потемъ *У.* 3) оудалѧтисѧ *П.* 4) обꙑцьно искоущимъ *У.* 5) таковꙑѧ *П.* 6) твѣрдоу *УП.* 7) съпно *вставл. П.*

1) βράδιον Vind 2; βραδεῖον P; Vind 1 рукой XIII в. переправл. въ βραδέως. 2) θαῤῥῶν P Vind. 3) πείσεις PVind 2. 4) ἐνδυαστῶς Vind 2. 5) κρατυνθῆναι Vind 2. 6) ἐπίστασθαι cod.. 7) ἡ проп. Vind. 8) τὸ проп. Vind. 9) ἅμα τῷ Vind 1 (вм. σὺν). 10) καὶ ζωοποιῷ вставл. Vind. 1. 11) τῶν αἰώνων вставл. P Vind.

того же посъланиѩ· къ роуфинїа̃ноу·

Гд̃иноу възлюбленоуоумоу· и желаномоу слоужьбьникоу· роуфиѩноу· ɑдɑнасии [1] о г̃и радоватисѧ· понеже добролюбьно· и по цр̃кви· се во пакы подобаеть твоемоу бл̃гобоѩзньствоу въпросилъ еси· отъвлѣченыихъ ноуждею· не растьлѣномъ же въ ȥоловѣрии· и хотѣлъ еси написати ми· мьнимаѩ въ съборѣхъ· и вьсьде о нихъ вѣждь г̃и мои възлюбленъıи· ѩко искони оубо· прѣставъши бывающии ноужди· бысть съборъ пришьдъшемъ· [2] отъ вънѣшьниихъ части еп̃пмъ· бысть же и отъ живоущиихъ въ еладѣ слоужьбьникъ· ничьсо [3] же мьнеи соущимъ съпании въ галии вългодьно [4] бысть· ѩко же и седе и вьсьде· ѩко [5] падъшиимъ оубо и ȥастоупающиимъ веществиѩ отъпоущати оубо каѭщиимъсѧ· не дати же имъ еще мѣста клироса· обладаемъıимъ же веществьемь [6] и веденомъ ноуждею [7] и [8] вѣдоѭ· |
л. 215 b. ключисѧ [9] оубо даѩти отъпоущение· имѣти же и мѣсто клироса· паче ѩко отъвѣтъ· покорьливъ сътвориша· и иȥволисѧ се нѣкако· съмотривьно быти извѣстиша

(л. 223[a]—224[b]). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ʼΕΠΙΣΤΟΛΗ ΠΡΟΣ ʽΡΟΥΦΙΝΙΑΝΟΝ.

Κυρίῳ ἀγαπητῷ καὶ ποθεινοτάτῳ συλλειτουργῷ ʽΡουφινιανῷ, Ἀθανάσιος ἐν κυρίῳ χαίρειν.

ʼΕπειδὴ φιλοκάλως καὶ ἐκκλησιαστικῶς (τοῦτο γὰρ πάλιν πρέπει τῇ σῇ εὐλαβείᾳ) ἠρώτησας περὶ τῶν δι᾽ ἀνάγκην ὑποσυρέντων, μὴ φθαρέντων δὲ ἐν τῇ κακοπιστίᾳ, καὶ ἠθέλησας γράψαι μοι τὰ δόξαντα ἐν ταῖς συνόδοις καὶ πανταχοῦ περὶ αὐτῶν, γίνωσκε, κύριέ μου ποθεινότατε, ὅτι ἐν ἀρχῇ μέν, παυσαμένης τῆς γενομένης βίας, γέγονεν σύνοδος, παρόντων καὶ τῶν ἀπέξω μερῶν ἐπισκόπων· γέγονεν δὲ καὶ παρὰ (л. 223[b]) τοῖς τὴν ʽΕλλάδα κατοικοῦσιν λειτουργοῖς, οὐδὲν δὲ ἧττον καὶ τοῖς ἐν Σπανίᾳ καὶ Γαλλίᾳ· καὶ ἤρεσεν, ὥσπερ ὧδε καὶ πανταχοῦ, ὥστε τοῖς μὲν καταπεπτωκόσι καὶ προϊσταμένοις τῆς ἀσεβείας συγγινώσκειν μὲν μετανοοῦσιν, μὴ διδόναι δὲ αὐτοῖς ἔτι τόπον κλήρου· τοῖς δὲ αὐθεντοῦσι μὲν τῆς ἀσεβείας, ὑποσυρεῖσι δὲ δι᾽ ἀνάγκην καὶ βίαν, ἔδοξεν δίδοσθαι μὲν συγγνώμην, ἔχειν δὲ καὶ τὸν τόπον τοῦ κλήρου, μάλιστα ὅτι ἀπολογίαν πιθανὴν ἐπορίσαντο, καὶ ἔδοξεν τοῦτό πως οἰκονομικῶς γεγενῆσθαι· διεβεβαιώσαντο

1) ɑдɑнасии *cod. C* (*въ cod. надъ начальнымъ* и *поставл. знакъ*+). 2) пришⷣшимъ *СП.* 3) ницьсо *У;* ничто *П.* 4) въдно *С, но другая рука надпис.* го. 5) ѩ *У.* 6) *cod.* ь *послѣ* в *переправл. изъ* и; вещестиемъ *У.* 7) ножею *У.* 8) и *проп. С.* 9) клюцисѧ *У.*

* Въ составъ Р посланіе Аѳанасія Александр. къ Руфиніану не входитъ, а въ V отсутствуетъ (вырвано?).

бо не прѣложитисѧ въ бечьствие·[1] да не поставлении бывъше нѣцѣи[2] бещьстьни·[3] растьлѧть цр҃кви· въсхотѣша паче сътещисѧ ноуждею· и понести тѧготоу и люди погоубити; се же[4] гл҃юще· изволиша и намъ· покорьливьно гл҃ати ѕание извѣстовати имъ· арона мосеова[5] брата[6] въ поустыни· сътещисѧ съ людьскыимь прѣстоуплениемь· ѿвѣтъ же имѣти· да не людие възвращьшесѧ въ егѵпьтъ трѣбоують въ коумирослоужение·[7] ибо бѣ ꙗвлꙗемое оудобьно· ꙗко прѣбывающе въ поустыни могоуть прѣстати ѿ бещьстьꙗ· вьшьдъше же въ е҃гѵпьтъ· живѧахоу и въздращаахоусѧ[8] въ нихъ бечьстьꙗ· того ради оубо ѿпоущение клиросоу бысть· прѣльщьшемъ же сѧ[9] и ноуждею пострадавъшиимъ· ѿпоущение даеть· се и въ римѣ писано бысть·[10] и приꙗ римьскаꙗ цр҃кы· сии къ твоемоу бл҃гобоꙗзньствоу ꙗвлꙗю· надѣꙗсѧ ꙗко изволивъшаꙗсѧ приметь твое благочьстие·

γὰρ μὴ μεταβεβλῆσθαι μὲν εἰς ἀσέβειαν. ἵνα δὲ μὴ κατασταθέντες τινὲς ἀσεβέστατοι διαφθείρωσι τὰς ἐκκλησίας, εἵλαντο μᾶλλον συνδραμεῖν τῇ βίᾳ καὶ βαστάσαι τὸ βάρος, ἢ λαοὺς ἀπολέσθαι. τοῦτο δὲ λέγοντες ἔδοξαν καὶ ἡμῖν πιθανῶς λέγειν διὰ τὸ καὶ προφασίζεσθαι αὐτοὺς τὸν Ἀαρών, τὸν Μωυσέως ἀδελφόν, ἐν τῇ ἐρήμῳ συνδραμεῖν μὲν τῇ τοῦ λαοῦ παραβάσει, ἀπολογίαν δὲ ἐσχηκέναι, ἵνα μὴ ὁ λαὸς ὑποστρέψας εἰς Αἴγυπτον ἐπιμείνῃ τῇ εἰδωλολατρείᾳ. καὶ γὰρ ἦν φαινόμενον εὔλογον, ὅτι μένοντες ἐν τῇ ἐρήμῳ δύνανται παύσασθαι τῆς ἀσεβείας, εἰσελθόντες δὲ εἰς Αἴγυπτον ἐπετρίβοντο καὶ ηὔξανον ἐν αὐτοῖς τὴν ἀσέβειαν. τούτου τοίνυν ἕνεκα σύγγνωστον πρὸς τὸν κλῆρον γέγονεν· τοῖς δὲ (л. 224[a]) ἀπατηθεῖσι καὶ βίαν παθοῦσιν συγγνώμην διδόναι. ταὐτὸ καὶ ἐν Ῥώμῃ ἐγράφη καὶ ἀπεδέξατο ἡ Ῥωμαίων ἐκκλησία. ταῦτα καὶ τῇ σῇ εὐλαβείᾳ δηλῶ, θαῤῥῶν ὅτι τὰ δόξαντα ἀποδέξεταί σου ἡ θεοσέβεια.

---

1) бе^з^честіе *С.* 2) нѣчен *У.* 3) бещестьно̑ *С.* 4) же *проп. С.* 5) моѷсѣова *С.* 6) *cod. конечное* а *по скобл.* (*вм.* н҇?). 7) коумирослюжению *У.* 8) въздращахоу *УП;* възвращахꙋсѧ *С.* 9) прельщашимсѧ *П.* 10) бысть *СП.*

того[1] же отъ тридесѧти девѧтааго праздьнааго посълани͏ꙗ·

л. 216 а. | Нъ понѥже оубо о еретицѣхъ· въспомѧноухомъ· акы мьртвыихъ о насъ же ꙗко имоущиихъ къ сп҃сению бж҃ьствьнаꙗ писаниꙗ· и боюсѧ· ѥда како написа коренѳѣ͏ѥмъ павьлъ· мало ихъ ѿ неицѣльныихъ·[2] ѿ простыниꙗ и невѣжьства прѣльстѧтьсѧ· ѿ проказы нѣкыихъ чл҃вкъ· и прочеѥ прѣбывати въ нихъ· начьноуть гл҃ѥмыими таинами прѣлыщатисѧ· коуньно подобиѥмь·[3] истиньныихъ къниγъ молꙗсѧ имѣти· аще о нихъже съвѣдати· о сихъ и азъ поминаꙗ напишю· ноужда же ради·[4] и добраго цр҃кьнааго хотѧ[5] же сихъ помѧноути· начьноу на съставлѥниѥ своѥꙗ дьрзости· образъмь[6] ѥванг҃листа лоукы· гл҃ꙗи самъ· понѥже оубо нѣции начаша начинати повѣсть дѣꙗти· себѣ гл҃ѥмаꙗ таинаꙗ и примѣсити въ б҃одъхновеноѥ[7] писаниѥ· имьже изъвѣстихомъсѧ· ꙗко же прѣдаша оц҃емъ испьрва самовидьци· и слоугы бывъше словоу· изволисѧ и мънѣ повелѣноу[8] ѿ присныꙗ братиꙗ· съвыше из начала проповѣдати правильнаꙗ прѣданиꙗ· оувѣрьнамъ[9] же бж҃ьнамъ быти кънигамъ·

(л. 224^{a}—225^{b}). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ᾿ΕΚ ΤΗΣ ΛΘ′ ῾ΕΟΡΤΑΣΤΙΚΗΣ ᾿ΕΠΙΣΤΟΛΗΣ.

Ἀλλ᾽ ἐπειδὴ περὶ μὲν τῶν αἱρετικῶν ἐμνήσθημεν ὡς νεκρῶν, περὶ δὲ ἡμῶν ὡς ἐχόντων πρὸς σωτηρίαν τὰς θείας γραφάς, καὶ φοβοῦμαι μή πως, ὡς ἔγραψεν Κορινθίοις Παῦλος, ὀλίγοι τῶν ἀκεραίων ἀπὸ τῆς ἁπλότητος καὶ τῆς ἁγνότητος πλανηθῶσιν ἀπὸ τῆς πανουργίας τινῶν ἀνθρώπων καὶ λοιπὸν ἐντυγχάνειν ἑτέροις ἄρξωνται τοῖς λεγομένοις ἀποκρύφοις, ἀπατώμενοι τῇ ὁμωνυμίᾳ τῶν ἀληθῶν[1] βιβλίων, παρακαλῶ ἀνέχεσθαι, εἰ περὶ ὧν ἐπίστασθαι,[2] περὶ τούτων κἀγὼ μνημονεύων γράφω, διά τε τὴν ἀνάγκην καὶ τὸ χρήσιμον τῆς ἐκκλησίας. μέλλων δὲ τούτων μνημονεύειν, χρήσομαι πρὸς σύστασιν τῆς ἐμαυτοῦ τόλμης τῷ τύπῳ τοῦ εὐαγγελιστοῦ Λουκᾶ, λέγων καὶ αὐτός· Ἐπειδή περ τινὲς ἐπεχείρησαν ἀνατάξασθαι ἑαυτοῖς τὰ λεγόμενα ἀπόκρυφα καὶ ἐπιμῖξαι ταύτῃ[3] τῇ θεοπνεύστῳ γραφῇ, περὶ ἧς ἐπληροφορήθημεν, καθὼς παρέδοσαν τοῖς πατράσιν οἱ ἀπ᾽ ἀρχῆς αὐτόπται καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου, ἔδοξεν κἀμοὶ προτραπέντι παρὰ γνησίων ἀδελφῶν[4] ἄνωθεν ἐξ ἀρχῆς[5] ἐκθέσθαι τὰ κανονιζόμενα καὶ (л. 224^{b}) παραδοθέντα, πιστευθέντα τε θεῖα εἶναι βιβλία,

---

1) *У проп. это посланіе Аѳанасія Александр.* 2) ѿ неицѣльныихъ *проп. С.* 3) и *вставл. С.* 4) ради *проп. С.* 5) хотѧи *П.* 6) *cod. переправл.* ъ *по скобл. (изъ какой-то другой буквы съ + наверху).* 7) б҃годъхновеніѥ *С.* 8) повелѣномꙋ *С.* 9) оукѣрепомь *П.*

* Въ V отсутствуетъ (вырвано?) это посланіе Аѳанасія Александр.

1) ἀληθινῶν Patm. 172. 2) ἐπίστασθε P. 3) ταῦτα P. 4) καὶ μαθόντι вставл. P. 5) ἑξῆς P (вм. ἐξ ἀρχῆς).

да къижьдо аще прѣльстисѧ· да раскаѥтьсѧ прѣльстивъшиихъ· чистыи же прѣбывъ радоуѥтьсѧ пакы въспоминаемъ· соуть оубо ветъхааго ҳавѣта кънигъ· числъ|мь· к҃· в҃· толико бо слышахъ· и въображеніꙗ· и иже отъ жидовъ быти прѣдана быша· чинъмь же и именьмь соуть· къиꙗжьдо сице пьрвѣѥ бытиѥ· по семь исходъ· левьгитьскыꙗ· и по сихъ числа· и прочеѥ въторыи ҳаконъ· и по сихъ і҃съ· навгинъ· и соудїꙗ· и по семь роуфъ· и пакы прочеѥ ѿ ц҃рствии· четверъ кънигъ·[1] и сихъ оубо· ѥдино и вътороѥ·[2] въ ѥдино причитаѥтьсѧ· третиѥѥ[3] же и четвьртоѥ·[4] тако же въ ѥдины· по сихъ же останъчьнъихъ·[5] ѥдино и вътороѥ· тако же въ ѥдины[6] кънигы причетаѥмы и по семь еҳдры· ѥдиигы и дроугыꙗ тако же въ ѥдины кънигы·[7] по сихъ же кънигы[8] пьсалъмъ· и прочеѥ[9] притъча·[10] по семь ц҃ркъвьникъ· и пѣсни пѣсниикъ· сим же ѥ новъ· и прочеѥ прорци· дъва на десѧте въ ѥдины кънигы причитаѥми·[11] по семь исаиꙗ иеремиꙗ· и съ нимь вароухъ· плачеве посъланиꙗ· и съ ними иеҳекиль и даниль· до сихъ ветъхаго ҳавѣта· соуть·

ἵν' ἕκαστος, εἰ μὲν ἠπατήθη, καταγνῷ
τῶν πλανησάντων,[1] ὁ δὲ καθαρὸς δια-
μείνας χαίρῃ[2] πάλιν ὑπομιμνησκόμενος.

Ἔστι τοίνυν τῆς μὲν Παλαιᾶς Δια-
θήκης βιβλία τῷ ἀριθμῷ τὰ πάντα κβ'· л. 216 b.
τοσαῦτα γάρ, ὡς ἤκουσα, καὶ τὰ
στοιχεῖα τὰ παρ' Ἑβραίοις εἶναι πα-
ραδέδοται. τῇ δὲ τάξει καὶ τῷ ὀνό-
ματί ἐστιν ἕκαστον οὕτως· πρῶτον[3]
Γένεσις· εἶτα Ἔξοδος· εἶτα Λευϊτι-
κόν· καὶ μετὰ τοῦτο Ἀριθμοί· καὶ
λοιπὸν τὸ Δευτερονόμιον· ἑξῆς δὲ
τούτοις εἰσὶν Ἰησοῦς τε ὁ τοῦ Ναυῆ
καὶ Κριταί· καὶ μετὰ τοῦτο ἡ Ῥούθ·
καὶ πάλιν ἑξῆς Βασιλειῶν δ' βιβλία,
καὶ τούτων τὸ μὲν α' καὶ β' εἰς ἓν[4]
ἀριθμεῖται, τὸ δὲ γ' καὶ δ' ὁμοίως
εἰς ἕν· μετὰ δὲ ταῦτα Παραλειπομέ-
νων α' καὶ β', ὁμοίως εἰς ἓν βιβλίον
πάλιν ἀριθμούμενα· εἶτα Ἔσδρας α'[5]
καὶ β',[6] ὁμοίως εἰς ἕν· μετὰ δὲ ταῦτα
βίβλος Ψαλμῶν καὶ ἑξῆς Παροιμίαι·
εἶτα Ἐκκλησιαστὴς καὶ Ἆισμα ᾀσμά-
των· πρὸς τούτοις ἐστὶ καὶ Ἰώβ·
καὶ λοιπὸν προφῆται, οἱ μὲν ιβ' εἰς
ἓν βιβλίον ἀριθμούμενοι· εἶτα Ἡσαΐας,
Ἱερεμίας καὶ σὺν αὐτῷ Βαρούχ,
Θρῆνοι, ἐπιστολαί,[7] καὶ μετ' αὐτὸν
Ἰεζεκιὴλ καὶ Δανιήλ. ἄχρι τούτων
τὰ τῆς Παλαιᾶς Διαθήκης ἵστανται.[8]

---

1) нигъ *С, но рукой другой надпис.* к. 2) второ *С.* 3) третіе *С.* 4) же и четвьртоѥ *проп. С.* 5) ѡстанъчнный *П.* 6) по сихъ же *вставл. С, но зачеркив.* 7) кникы *С.* 8) въникы *С.* 9) прочѧа *П.* 10) причта *С.* 11) причитаемы *С.*

1) τῆς πλάνης αὐτῶν Patm. 172 (вм. τῶν πλανησάντων). 2) χαίρει cod. 3) πρώτη P. 4) βιβλίον вставл. P. 5) πρῶτος P. 6) δεύτερος P. 7) ἐπιστολή P. 8) ἵσταται P.

новаѧго же пакы· не лѣню[сѧ] [1] рещи· соуть бо си ѥванглиꙗ· д҃· ѥже ѿ матьѳѣꙗ· и ѿ марка· и ѿ лоукы· [2] и ѿ иѡана· по семь дѣꙗниꙗ ап҃лъ· [3] и посъланиꙗ съборьнаꙗ· нарицаѥмꙑꙗ ѿ ап҃лъ· з҃· сице ѿ иꙗкова ѥдино· петрово ѥдино· [4] по семь иоанова три· и по сихъ июдино ѥдино· [5] | л. 217 а. къ симъ· павьла ап҃ла посъланиꙗ· ід҃· чинъмь пишемꙑ [6] сице· а҃· оубо къ римлѧномъ· по семь къ кореньѳѣомъ· в҃· и по семь къ галатомъ· прочеѥ къ ѥфесиомъ· по семь къ филипиסиомъ· [7] и къ коласаиѥмъ· [8] и по сихъ· къ селоунꙗномъ дъвѣ· къ ѥврѣомъ· [9] и абиѥ къ тимоѳѣꙋ дъвѣ· [10] къ титоу ѥдино· [11] и коньчьниѥ къ филимоноу· ѥдино· и пакы иѡаново ѿкръвениѥ· си источьници сп҃сениꙗ· ꙗко жаждющюоумоу насꙑтитисѧ· соущихъ въ нихъ словесъ· въ сихъ тъкъмо б҃очьстиꙗ оучениѥ· [12] бл҃говѣститьсѧ· никъто же къ симъ да не приложить· кто ни ѿ сихъ да не иметь чьсо· о сихъ же г҃ь· садоукѣаны толѧаше гл҃ꙗ· прѣльщаѥтесѧ не вѣдоуще писаниꙗ· июдеа же

τὰ δὲ τῆς Καινῆς πάλιν οὐκ ὀκνητέον εἰπεῖν· ἔστι γὰρ ταῦτα· Εὐαγγέλια δ′, (л. 225ᵃ) κατὰ Ματθαῖον, κατὰ Μάρκον, κατὰ Λουκᾶν, κατὰ Ἰωάννην· εἶτα μετὰ ταῦτα Πράξεις ἀποστόλων, καὶ ἐπιστολαὶ καθολικαὶ καλούμεναι τῶν ἀποστόλων ἑπτά, οὕτως· Ἰακώβου μὲν μία, Πέτρου δὲ δύο, εἶτα Ἰωάννου τρεῖς, καὶ μετὰ ταύτας [1] Ἰούδα μία· πρὸς τούτοις Παύλου ἀποστόλου [2] ἐπιστολαὶ ιδ′, τῇ τάξει γραφόμεναι οὕτως· πρώτη πρὸς Ῥωμαίους, εἶτα πρὸς Κορινθίους δύο, καὶ μετὰ ταῦτα [3] πρὸς Γαλάτας, [4] ἑξῆς πρὸς Ἐφεσίους, εἶτα πρὸς Φιλιππησίους καὶ πρὸς Κολοσσαεῖς, καὶ μετὰ ταῦτα [5] πρὸς Θεσσαλονικέας δύο, καὶ ἡ πρὸς Ἑβραίους· καὶ εὐθὺς πρὸς μὲν Τιμόθεον δύο, πρὸς δὲ Τίτον μία, καὶ τελευταία ἡ πρὸς Φιλήμονα μία· καὶ πάλιν Ἰωάννου Ἀποκάλυψις.

Ταῦτα πηγαὶ τοῦ σωτηρίου, ὥστε τὸν διψῶντα ἐμφορεῖσθαι τῶν ἐν τούτοις [6] λογίων· ἐν τούτοις μόνοις τὸ τῆς εὐσεβείας διδασκαλεῖον εὐαγγελίζεται· μηδεὶς τούτοις ἐπιβαλλέτω μηδὲ τούτων ἀφαιρείσθω τι. περὶ δὲ τούτων ὁ κύριος Σαδδουκαίους μὲν [7] ἐδυσώπει λέγων· Πλανᾶσθε μὴ εἰδότες τὴν γραφήν. [8] τοῖς δὲ Ἰουδαίοις

---

1) *исправл. по П.* 2) лоукын *П.* 3) и посланіа ап҃лъ *вставл. П.* 4) петрово ѥдино *проп. С.* 5) *С вставл. знакъ* + *и къ нему подъ текстомъ допис.* + петровѣ. в҃. *современной писцу рукой.* 6) пишемын *П.* 7) филиписнмь *П.* 8) коласаѥмъ *С.* 9) врѣимь *П.* 10) слова къ ѥврѣомъ и абіѥ къ тимоѳеоу *С, проп. въ текстѣ и допис. подъ нимъ.* 11) ѥдинꙋ *С.* 12) *cod. переправл.* ѥ *изъ* ю.

1) cod. переправл. изъ ταῦτα. 2) εἰσὶν вставл. P. 3) ταύτας P; cod. переправл. изъ ταῦτα. 4) καὶ вставл. P. 5) ταύτας P. 6) τοιούτων Patm. 172 (вм. ἐν τούτοις). 7) μὲν проп. P. 8) τὰς γραφάς P.

въвѣщлаше· пытаите писаниꙗ· ꙗко си соуть съвѣдѣтельствоующе[1] о мьнѣ· нъ большаго ради извѣщениꙗ· прилагаю и се· пиша ноуждьно· ꙗко соуть и дроугыꙗ[2] кънигы[3] вънѣ сихъ· неправильныꙗ оубо· въображены[4] же ѿ о҃ць· чистыихъ приходꙙщиимъ· ныꙗ· и хотꙙщинимъ[5] огласитисꙙ· бл҃гочьстиꙗ словоу· прѣмоудрость соломониꙗ· и прѣмоудрость сираховa· и естиръ и юдиѳъ· и товиꙗ· оучение нарицꙙемое апл҃ъ· и пастоухъ· и обаче възлюбленнии· онѣмъ | оуправленомъ· и симъ почитаемъ· никъде же оутаеныхъ памꙙти· нъ еретикъ соуть къзни· пишющиихъ оубо егда[6] хотꙙть ꙗ· подающиихъ же и прилагающиихъ· къ тѣмъ лѣтомъ·[7] да акы ветъхыꙗ приносꙙще извѣтъ[8] имѣють· прѣльщати[9] ѿ сего ни извѣстыꙗ·

παρῄνει· Ἐρευνᾶτε τὰς γραφάς, ὅτι αὗταί εἰσιν αἱ μαρτυροῦσαι περὶ ἐμοῦ. ἀλλ' ἕνεκά γε πλείονος ἀκριβείας προστίθημι (л. 225b) καὶ τοῦτο γράφων ἀναγκαίως, ὡς ὅτι ἐστὶν[1] καὶ ἕτερα βιβλία τούτων ἔξωθεν, οὐ κανονιζόμενα μέν, τετυπωμένα δὲ παρὰ τῶν πατέρων ἀναγινώσκεσθαι τοῖς ἄρτι προσερχομένοις καὶ βουλομένοις κατηχεῖσθαι τὸν τῆς εὐσεβείας λόγον· Σοφία Σολόμωνος[2] καὶ Σοφία Σιράχ, καὶ Ἐσθήρ, καὶ Ἰουδὴθ, καὶ Τωβίας, καὶ Διδαχὴ καλουμένη τῶν ἀποστόλων, καὶ ὁ Ποιμήν. καὶ ὅμως, ἀγαπητοί, κἀκείνων л. 217 b.
κανονιζομένων καὶ τούτων ἀναγινωσκομένων, οὐδαμοῦ τῶν ἀποκρύφων μνήμη· ἀλλὰ αἱρετικῶν εἰσιν[3] ἐπίνοια, γραφόντων μὲν ὅτε θέλουσιν αὐτά, χαριζομένων δὲ καὶ προστιθέντων αὐτοῖς χρόνοις, ἵνα ὡς παλαιὰ προφέροντες πρόφασιν ἔχωσιν ἀπατᾶν ἐκ τούτου τοὺς ἀκεραίους.

---

1) съвѣдѣтельствоуще *С*; свѣдительствоующемь *П*. 2) дроугыи *П*. 3) *cod. ставитъ въ слогъ* кы *надъ* к *знакъ* +; *СП* книгы. 4) въѡбраженыи *П*. 6) *cod.* ѥ *по скобл.* (*вм.* ꙋ?). 7) тѣломъ *С*. 8) имѣтъ *вставл. С*. 9) прѣщати *С*.

1) ἔστιν P. 2) Σολομῶνος P. 3) ἐστιν P.

с҃тааго[1] курила· архиеп҃па·[2] алеѯандрьскааго· максимоу· диꙗконоу· антиохиискоумоу· въспоминание·

а҃· Оувѣдѣхомъ ѿ възлюбленааго миниха павьла· ꙗко ѿрицаѥтьсѧ обьщениꙗ твоѥ б҃очьстиѥ[3] до дн҃ьшьнꙗаго дн҃е къ б҃лгово[ѧ]зивомоу[4] еп҃поу[5] иѡаноу· ꙁаниѥ нѣкъıимъ въ антиохиискѣи ц҃ркви· или съмъıслꙗщемъ[6] оубо ѿвьргъшемъ же сѧ[7] равьно· да искоусити[8] оубо твоꙗ кротость· пьрвѣѥ· когда г҃лѥмии съвиратисѧ на того и бестоудьно· и съмъıслѧщемъ[9] несториѥвъ[10] оумъ· и г҃лющиимъ инѣмъ· аще несъдравоу имѣша къгда съвѣсть· съвираютьсѧ нъıнѣ· раскаꙗвъшесѧ· на ниꙗже въсхъıщени[11] бъıвъше· стъıдѧще же сѧ равьно· исповѣдати[12] прѣгрѣшениѥ· съключають бо сѧ· нѣкаꙗ такова· о прѣльщьшиихъсѧ бъıвати· и аще оуꙁьриши сърищющасѧ нъıнꙗ· къ правѣи вѣрѣ· л. 218 а. не ꙁъ|лапоминаи о миноувъшиихъ·

(л. 225^{b}—226^{a}). * ΤΟΥ ἉΓΙΟΥ ΚΥΡΙΛΛΟΥ ἈΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ἈΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ ΜΑΞΙΜΩι ΔΙΑΚΟΝΩι ἈΝΤΙΟΧΕΙΑΣ ὙΠΟΜΝΗΣΤΙΚΟΝ.[1]

Ἔμαθον παρὰ τοῦ ἀγαπητοῦ μονάζοντος Παύλου, ὅτι παραιτεῖται ἡ σὴ θεοσέβεια μέχρι σήμερον τὴν κοινωνίαν τὴν πρὸς τὸν εὐλαβέστατον ἐπίσκοπον Ἰωάννην διὰ τό τινας ἐν τῇ Ἀντιοχέων ἐκκλησίᾳ ἢ φρονοῦντας ἔτι τὰ Νεστορίου, ἢ πεφρονηκότας μέν, ἀποσχομένους δὲ ἴσως. δοκιμασάτω τοίνυν τὸ σὸν ἐπιεικές, πότερον[2] πότε οἱ λεγόμενοι συνάγεσθαι γυμνῶς καὶ ἀναισχύντως τῷ Νεστορίῳ[3] καὶ φρονοῦσι καὶ λαλοῦσιν ἑτέροις, ἢ κεκαυστηριασμένην ἐσχήκασί ποτε τὴν συνείδησιν. συνάγονται δὲ νῦν μεταμεληθέντες ἐφ' οἷς συνηρπάγησαν, αἰσχυνόμενοι δὲ ἴσως ὁμολογεῖν τὸ πταῖσμα· συμβαίνει γάρ τινα τοιαῦτα περὶ τοὺς ἀπατηθέντας γίνεσθαι. κἂν ἴδῃς συντρέχοντας νῦν τῇ ὀρθῇ πίστει, ἀμνησικάκει περὶ τῶν παρελθόντων.

---

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.*; *С in m.* ѳ҃і. 2) архиепископа *П.* 3) б҃лгочестіе *С.* 4) *исправл. по С.* 5) епископꙋ *С.* 6) смыслѧщимь *П.* 7) ѿвръгшимсѧ *П.* 8) искꙋсить *П.* 9) *cod.* ъı *по скобл.*; смыслѧщимъ *П.* 10) нестроевъ *С* (*но в переправл., кажется, изъ* н, *а* ъ *изъ* іе). 11) въхыщени *П.* 12) исповѣдаю *П.*

* Въ составъ PV посланіе Кирилла Александр. къ діакону Максиму не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 174^{a-b} (= Vind.).

1) cod. in m. рукой XIII в. κ'. 2) Vind. переправл. рукой XIII в. въ πρότερον. 3) Vind. переправл. рукой XIII в. въ τοῦ Νεστορίου.

хощемъ бо паче ѿмѣтающемъся[1] имъ зьрить· или бестоудьнъимь разоумъмь попирающиихъ по несторіевѣ[2] зьловѣ· да не мьнимъ чьстити· любопьрѣнья цѣлоуимъ и блгобоязнива еппа иѡана· ѿдающе. ѥмоу и съмотренья ради· не испытовати зѣло· о раскаявъшиихъся· съмотренья бо многа· яко же рекохъ трѣбоуѥть вещь·

βουλόμεθα γὰρ μᾶλλον ἀρνουμένους αὐτοὺς ὁρᾶν, ἢ ἀναισχύντῳ γνώμῃ συνηγοροῦντας ταῖς Νεστορίου κακίαις· ἵνα δὲ μὴ δοκῶμεν τιμᾶν τὸ φιλόνεικον, ἀσπασώμεθα τὴν πρὸς τὸν εὐλαβέστατον ἐπίσκοπον Ἰωάννην,[1] συγχωροῦντες αὐτῷ καὶ οἰκονομίας ἕνεκα μὴ ἀκριβολογεῖσθαι σφόδρα περὶ τοὺς μεταγινώσκοντας· οἰκονομίας γάρ, ὡς ἔφην, δεῖται τὸ πρᾶγμα πολλῆς.

---

1) *cod.* ѥ *послѣ* щ *переправл. изъ* и, *а* м, *слѣдующее за* ѥ, *напис. по скобл., вм. двухъ буквъ* (их?); *П* ѿмѣтающимся; *С* ѿмѣтающещъся.
2) нестріевѣ *С.*

1) εἰρήνην вставл. Vind.

того [1] же къ геладию· [2] презвѵ҃тероу· и архимандритоу·

в҃· Бл҃гомощьное· на бл҃гочьстивие твое бо҃чьстиꙗ· не нꙑнꙗ разоумѣхъ· нъ вѣдѣхъ ѿ дрѣвьнꙗаго и хвалю оубо зѣло съ таковꙑимь опасениемь· хотѧщеи жити съмотрение вещи· егда приноуждаеть [3] малое подобьнаго· вънъ износити нѣкꙑꙗ да нѣчьто большее приобрѧщють· ꙗко же бо по морю плавающеи· вълаанию прилежащю и хотѧщю кораблю истоноути· скърбѧще истꙑщать нѣкаꙗ· ꙗко да сп҃соуть кораблꙗ· тако и мꙑ въ вещьхъ· егда не приметь зѣлое извѣстое· сп҃сати прѣзьримъ нѣкого· да не вьсеꙗ приимем тъщетꙑ· и си пишю· оувѣдѣвъ ꙗко твое богочьстивие· [4] ѡскърбѣ на прѣподобьнаго· и бо҃любиваго брата нашего· и съслоужьбьника

л. 218 b. еп҃па прокла· ꙗ|ко прїимъша [5] на обьщение· еленьскаго [6] ѿ нихъже цр҃кьвнии оубо оустави палестїньскии

(л. 226ᵃ⁻ᵇ)*. ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΓΕΝΝΑΔΙΟΝ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΝ ΚΑΙ ἈΡΧΙΜΑΝΔΡΙΤΗΝ.

Τὸ μὲν ἔντονον [1] εἰς εὐσέβειαν τῆς σῆς θεοσεβείας οὐ νῦν ἔγνων, ἀλλ' ᾔδειν ἔκπαλαι, καὶ ἐπαινῶ γε σφόδρα μετὰ τοιαύτης ἀκριβείας θέλουσαν ζῆν· ἀλλ' οἰκονομίᾳ [2] πραγμάτων ἔσθ' ὅτε παραβιάζονται [3] βραχὺ τοῦ δέοντος ἔξω φέρεσθαί τινας, ἵνα τι [4] μεῖζον κερδάνωσιν· ὥσπερ γε οἱ τὴν θάλασσαν ναυτιλλόμενοι, χειμῶνος ἐπικειμένου καὶ κινδυνευούσης τῆς νηός, ἀλυῶντες ἀποφορτίζονταί τινα τοῦ σῶσαι τὰ λοιπά, [5] οὕτω καὶ ἡμεῖς ἐν τοῖς πράγμασιν, ὅταν μὴ ἐξῇ τὸ λίαν ἀκριβὲς ἀποσώζειν, παρορῶμέν τινα, ἵνα μὴ τοῦ παντὸς πάθωμεν ζημίαν· καὶ ταῦτα γράφω μαθών, ὅτι ἡ σὴ θεοσέβεια λελύπηται εἰς τὸν ὁσιώτατον καὶ θεοφιλέστατον ἀδελφὸν ἡμῶν καὶ συλλειτουργὸν ἐπίσκοπον Πρόκλον, ὡς λαβόντα πρὸς κοινωνίαν τὸν τῆς Αἰλιαίων, ὃν οἱ μὲν τῆς ἐκκλησίας θεσμοὶ τῆς Παλαιστίνης

---

1) *У прол. это посланіе Кирилла Александр.* 2) генадїю *П.* 3) приноуж҃ается *П.* 4) богочестивое *П.* 5) *cod.* ї *по скобл. вм. одной буквы съ* +. 6) еленскаго *С.*

* Въ составъ PV посланіе Кирилла къ пресвитеру Геннадію не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 174ᵇ (= Vind.).

1) εὔτονον Vind. 2) Vind. добавл. in m. περὶ οἰκονομίας. 3) παραβιάζεται Vind. 4) τί cod. 5) πλοῖα Vind.

наставьника не невидѣша·[1] възводить же на неѡбоуздание вещи желание· славолюбие тъще· горько имѣѭ коньць· да не ѿбѣжить оубо твоѥ бочьстиѥ къ общению прѣподобьнаарго· и болюбиваго еп҃па прокла· ѥдина бысть печаль мънѣ же и прѣподобьствоу ѥго· и съмотрениѩ образъ· ни ѥдиномоу же разоумьнъихъ не невъгодьно бысть·

ἡγούμενον οὐκ ἴσασιν, ἐγείρει δὲ πρὸς ἀχάλινον τοῦ πράγματος ἐπιθυμίαν φιλοδοξία διάκενος, πικρὸν ἔχουσα τέλος. μὴ ἀποφευγέτω τοίνυν ἡ σὴ θεοσέβεια τὴν πρὸς τὸν ὁσιώτατον καὶ θεοφιλέστατον ἐπίσκοπον Πρόκλον κοινωνίαν· μία γὰρ γέγονεν ἡ φροντὶς ἐμοί τε καὶ τῇ ὁσιότητι αὐτοῦ, καὶ ὁ τῆς οἰκονομίας τρόπος οὐδενὶ τῶν συνετῶν ἀπήρεσεν.

---

1) видѣша *C.*

того[1] же къ домьноу· антиохиѩнинoу·

г҃· Каѩжьдо иже на насъ вещии кгда право[2] носѧть· правильнаго доброчиниѥниѩ· ни ѥдиного же[3] намъ притѧжаѥть паниа· изменаѥть же и ѿ нѣкъıихъ зълославиѥ· паче же и ѿ добросъмыслѧщиихъ· похвалъı намъ ходатаиствоуѥть· къто бо не приѩлъ бъı причьта· непрѣклоньна· иже аще боудеть о нѣкъıихъ· или како ѥже соудїти[4] право и законьно и непостижьно боудеть· паче же похвалъı[5] испълни· и сиѩ пишю б҃очьстьѩ·[6] въ написаниѥ того·[7] посъланъıимъ къ мънѣ· и къ прѣподобьноумоу и б҃олюбивомоу братоу нашемоу· еп҃оу[8] проклоу· и еп҃а оубо наричющю бл҃гобоѩзниваго и б҃очьстиваго петра· томоу же | плачющю· и[з]гнъаномоу[9] ис ц҃ркве· ѥмоу же неправьдьно· ѿлоученоу бъıти гл҃ющ8·[10] бѣ же подобьно и чистительства[11]

л. 219 а.

(л. 226[b]—228[a])*. ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΔΟΜΝΟΝ ἈΝΤΙΟΧΕΑ.[1]

Ἑκάστῳ[2] τῶν καθ' ἡμᾶς πραγμάτων, ὅταν εὐθὺ φέρωνται κανονικῆς εὐταξίας, οὐδένα μὲν ἡμῖν ἐντίκτει θόρυβον, ἀπαλλάττει δὲ καὶ τῆς[3] παρά τινων δυσφημίας, μᾶλλον δὲ καὶ τὰς παρὰ τῶν εὖ φρονούντων εὐφημίας ἡμῖν προξενεῖ. τίς γὰρ οὐκ ἂν ἀποδέξαιτο ψῆφον ἀπροσκλινῆ,[4] εἴπερ[5] ἂν γένοιτο περί[6] τινων; ἢ (л. 227) πῶς τὸ κρίνειν ὀρθῶς καὶ ἐννόμως οὐκ ἀνεπίπληκτον[7] ἔσται, μᾶλλον δὲ[8] ἐπαίνου μεστόν; καὶ ταῦτα γράφω νυνί, τῆς[9] θεοσεβείας ἐν τοῖς ἑαυτῆς[10] γράμμασιν, τοῖς σταλεῖσι πρός ἐμέ τε καὶ τὸν ὁσιώτατόν τε[11] καὶ θεοφιλέστατον ἀδελφὸν ἡμῶν καὶ συνεπίσκοπον Πρόκλον, ἐπίσκοπον μὲν ὀνομαζούσης τὸν εὐλαβέστατον καὶ θεοσεβέστατον[12] Πέτρον, αὐτοῦ δὲ κλάοντος[13] καὶ τῆς ἐκνεμηθείσης ἐκκλησίας αὐτῷ[14] παραλόγως κεκινῆσθαι λέγοντος. ἦν δ' ἀκόλουθον ἢ[15] τὸ τῆς ἱερωσύνης

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.* 2) *cod. слогъ* во *и слѣдующій дальше* но *по скобл. (вм. двухъ буквъ съ двумя + +).* 3) же *проп. С.* 4) сл8жити *С.* 5) похвалныи *П.* 6) б҃гочестїе *П.* 7) и *вставл. С.* 8) еписк8пж *П.* 9) *исправл. по П.* 10) *cod. переправл.* 8 *изъ* е. 11) чиститьства *С.*

* Варіанты приведены и изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 174[b]—175[b] (= Vind.).

1) PV заглавіе иначе: Τοῦ ἐν ἁγίοις (πατρὸς ἡμῶν вставл. P) Κυρίλλου ἀρχιεπισκόπου Ἀλεξανδρείας. послѣ этого заглавія добавлено: Κύριλλος Δόμνῳ. 2) α'. (α' проп. P) Ἕκαστα PV Vind. (но въ Vind. нумерація присоединена рукой XIII в.). 3) τοῖς cod. 4) ἃ πρὸς κλίνειν P (вм. ἀπροσκλινῆ). 5) ἤπερ VVind. 6) παρὰ P. 7) ἀνεπίληπτον Vind. 8) παντὸς вставл. PV Vind. 9) σῆς вставл. PV (Vind. рукой XIII в.). 10) cod. выскобл. верхняя часть отъ ε и осталось σαυτῆς. 11) τε проп. PV. 12) καὶ θεοσεβέστατον проп. V. 13) κλαίοντος V. 14) αὐτῷ ἐκκλησίας P. 15) καὶ вставл. Vind.

имѧ· съ вещию имѣти ѥмоу рекъше· аще вѣ достоинъ· не прѣдъстаꙗти прѣдъ[1] б҃жьственъıимь олтарьмь ни тѣмь почьтеноу бъıти ꙁъванием̾ епископьства:[2] нъ равьно изволитьсѧ оубо твоѥмоу б҃олюбию· жестоко бъıти нѣкоѥ· и недоуголюбиво отъ мене[3] слово· имать же не сице по истинѣ· помиловати бо некъли къде мъıшимъ старьцѧ· ѥдино ѥмоу ꙁъваниѥ· оставльше· бѣ же оуне раꙁоумѣти и дроугоѥ· г҃лѥть бо мощи оставити своимь останъкъмь· не приꙗти же врѣмене ѿвѣта· ни послоушаниꙗ ѥмоу прѣдъложити[4] правильнааго· аще бъı было чьто таково томоу въспоминании[5] съставлѥнию ѿбличило бъı ѥго· или ѡбꙗта винами· повиньна[6] ꙗвлѥна и ничьто же имоуща прочеѥ рещи· акъı оꙁълобленa· рекъıше свободьна соудити· пакъı даꙗаше· ѥже ꙁастоупати цр҃квь или подъ роукою бъıсть ѥго· ни на ѥдиноу бо[7] сътвореноую таковоую вещь· въпиѥть· неправьдоу непрѣтьрпимоу[8] подаꙗти рече· и беꙁаконьно изгънаноу бъıти· и къ наводѧщиоумоу· ꙗко и въсхъıщено бъıсть·

1) прѣ *С.* 2) епископьства *ПС.* 3) *cod.* мене *по скобл. (вм. 4 буквъ съ +).* 4) прѣложити *С.* 5) *cod. надъ слогомъ* ни *ставитъ* +; *П* въспоминанїи. 6) повинила *П.* 7) то *С.* 8) м *вставл. С, но зачеркив.*

ὄνομα μετὰ τοῦ πράγματος ἔχειν αὐτόν, ἠγοῦν,[1] εἴπερ ἦν ἄξιος τοῦ[2] μὴ προεστάναι θείου θυσιαστηρίου, μηδ' αὐτῇ τιμᾶσθαι τῇ κλήσει τῆς ἐπισκοπῆς. ἀλλ' ἴσως δόξειεν ἂν τῇ σῇ θεοφιλείᾳ[3] σκληρός εἶναί τις καὶ ἀφιλάλληλος[4] παρ' ἐμοῦ λόγος· ἔχει δὲ οὐχ οὕτω κατὰ τὸ ἀληθές· ἐλεῆσαι γὰρ τάχα που νομίζομεν τὸν πρεσβύτην, μόνην αὐτῷ τὴν κλῆσιν ἀφέντες. ἦν δὲ[5] ἄμεινον ἐννοῆσαι καὶ τὸ ἕτερον·[6] φάσκει γὰρ δύνασθαι μὲν συστῆναι τῇ οἰκείᾳ ὑπολήψει, οὐ λαβεῖν δὲ καιρὸν ἀπολογίας, οὔτε μὴν ἀκρόασιν αὐτῷ προτεθῆναι κανονικήν. εἰ[7] ἐγεγόνει[3] τι τοιοῦτον, αὐτὴ τῶν ὑπομνημάτων ἡ σύστασις διήλεγξεν[9] αὐτόν, ἢ ἁλόντα τοῖς αἰτιάμασιν ἔνοχον ἀποπεφασμέ-(л. 227ᵇ)νον καὶ οὐδὲν ἔχοντα λοιπὸν εἰπεῖν ὡς ἠδικημένον, ἤγουν ἐλεύθερον ἀποφήνασθαι[10] πάλιν ἐδίδου τὸ προεστάναι τῆς ἐκκλησίας, ἣ[11] καὶ ὑπὸ χεῖρα γέγονεν τὴν αὐτοῦ· οὐδενὸς γὰρ[12] πεπραγμένου τοιούτου, καταβοᾷ τοῦ πράγματος.[13] ἀδικίαν ἀφόρητον ὑποστῆναί φησιν καὶ ἀθέσμως ἐκβεβλῆσθαι, προσεπάγων ὅτι καὶ ἡρπάσθη

1) ὁ γ' οὖν P. 2) τὸ P. 3) θεοσεβείᾳ P Vind.; V обрывается вся рукопись на слогахъ θεο и потому весь дальнѣйшій текстъ посланія отсутствуетъ. 4) ἀφιλάληθος Patm. 173; φιλαλήθης Patm. 172; ὁ вставл. P Vind. 5) μακρῷ δὲ ἦν PVind. (вм. ἦν δὲ). 6) κατώτερον Patm. 172 (вм. καὶ τὸ ἕτερον). 7) δ' вставл. P Vind. 8) ἐγεγόνει P Vind. 9) ἂν вставл. P Vind. 10) ἀποφήνασα P Vind. 11) ἢ P Vind. 12) δὲ P Vind. 13) καὶ вставл. Vind. рукой XIII в.

подобьное[1] ѥмоу имѣние· твоѥ[2] л. 219 b. оубо прѣподобие· | разоумѣюще· неже къ бж҃ьственъıимъ каноноимъ· и лѣпоѥ цр҃кви· и повелѣнъıимъ на чистоую слоужьбоу·[3] ѥще же къ симъ ѥже ѿ насъ оумолѥноѥ[4] писание· да оуставить того сльзъı· и аще хоощеть пьрѣтися· и съ наводѧщиимъ ѥмꙋ[5] винъı· да пьриться по обычаю· прѣдъ бл҃гочьстиѥмь твоимь· пришьдъшемъ[6] ꙗвѣ· ꙗко подъ тою же роукою· бл҃гочьстивъıихъ еп҃пъ·[7] развѣ аще не ѿрицаѥться нѣкъıихъ· акъı виденвъшиихъ· ни ѥдиного бл҃гочьстивъıихъ еп҃пъ·[8] ненавистьно[9] съмъıслити братоу вѣроуѥмъ· да не боудеть извѣтъ тъ соущии на немь соудъ разд[р]оушаꙗ·[10] ꙗко не мьнѣти въ соудѣ творити· ничьто же ѥсть оскрьблꙗꙗи· и[11] изити и сънымища прѣдъ лицьмь[12] нѣкъıимь· възѧтоѥ же неправьдьно ѿ него имѣниѥ·[13] отъдати правьдьно· по дъвѣма образома· пьрьвѣѥ оубо ꙗко скърбѣти зѣло· ꙗко не подобаааше вьсѧко[14] бъıти таковоу·[15] и въ послѣдьнюю неправьдоу съводить· по вьсеи земли соуща бл҃гочьстивъıꙗ еп҃пъı· ѥже

πάντα τὰ αὐτῷ προσήκοντα χρήματα. ἡ σὴ τοίνυν[1] ὁσιότης ἐννοοῦσα[2] καὶ τοῖς τεταγμένοις εἰς ἱερὰν λειτουργίαν, ἔτι τε[3] πρὸς τούτοις καὶ τὰ παρ' ἡμῶν δυσωπηθεῖσα τούτου[4] τὸ δάκρυον. καὶ εἰ μὲν ἕλοιτο δικάσασθαι πρὸς τοὺς ἐπάγοντας αὐτῷ τὰς αἰτίας, δικαζέσθω κατὰ τὸ εἰωθὸς ἐπὶ τῆς σῆς θεοσεβείας, συμπαρόντων δηλονότι τῶν ὑπὸ τὴν αὐτῆς χεῖρα θεοσεβεστάτων ἐπισκόπων, ἐκτὸς εἰ μὴ παραιτοῖτό τινας ὡς ὑπόπτους· οὐδένα μὲν γὰρ τῶν θεοσεβεστάτων ἐπισκόπων ἐχθρὰ φρονεῖν ἀδελφῷ πιστεύομεν. ἵνα δὲ μὴ πρόφασις αὕτη[5] γένηται, τὴν ἐσομένην ἐπ' αὐτῷ κρίσιν παραλύουσα, πρὸς τὸ μὴ ἐν δίκῃ πεποιῆσθαι δοκεῖν, οὐδέν ἐστιν τὸ λυποῦν ἀπεῖναι τοῦ συνεδρίου τῶν ἐν ὑποψίᾳ τινάς.[6] τὰ δὲ ἀδίκως ληφθέντα παρ' αὐτοῦ χρήματα ἀναδοθῆναι δίκαιον κατὰ δύο τρόπους· πρῶτον μὲν ὅτι οὐδὲ ἐχρῆν ὅλως γενέσθαι τι (л. 228 a) τοιοῦτον, καθότι[7] λυπεῖ σφόδρα καὶ εἰς ἐσχάτην ἀδικίαν[8] καταφέρει τοὺς ἁπανταχόσε γῆς ὄντας θεοσεβεστάτους ἐπισκόπους, τὸ

1) подобно *С.* 2) твоемꙋ *С.* 3) слꙋжбꙋ *С.* 4) оумоленіе *С.* 5) *cod. вторая половина* м *по скобл. (не было ли* го?). 6) пришедшимъ *П.* 7) епископъ *П.* 8) епископъ *П.* 9) невистьно *С.* 10) *исправл. по С*; раздрѣшаа *П.* 11) *cod. выскобл. передъ* и *одну букву* (и?) *съ* +; и *проп. П.* 12) лимьмь *cod. С, но cod. надъ* м *послѣ* и *ставитъ* +. 13) имѣнія *С.* 14) всѧкого *П.* 15) таковомꙋ *С.*

1) τοιγαροῦν P Vind. 2) καὶ τὸ τοῖς θείοις κανόσι δοκοῦν καὶ τὸ πρέπον τῇ ἐκκλησίᾳ вставл. P Vind. 3) τε проп. Vind. 4) γράμματα στησάτω τοῦ πρεσβύτου P Vind. (вм. τούτου). 5) αὐτη Patm. 172. 6) β' вставл. P. 7) καὶ ὅτι P Vind. 8) ἀκηδίαν PVind.

ѿдати словеса: съмотрениꙗ прѣгрѣшающиимъ имъ· ноуждьнааго иждитиꙗ· или ѿ прибытъка цр҃кьнааго· или ѿ нѣкъихъ плодоносиꙗ· къжьдо бо насъ своихъ врѣменъ дасть слово· вьсѣмъ[1] соудии· притѧжаниꙗ бо имѣниꙗ не|движимаꙗ· неѿрочьно цр҃квами сп҃сти подобаѥть· довъльномъ же быти строꙗщиимъ· на вьсѩко врѣмѧ бж҃ьствьноѥ чистительство· подающааго иждитиꙗ[2] съмотрениꙗ· ѿрицаниꙗ же образы· не изволѥнию своѥмоу· нъ акы отъ ноужда и страха· и прѣльщениꙗ нѣкъихъ рече [въда]ти[3] рече· и[4] инако же вещь ѥсть· ни оуставы цр҃квьнъими· въгодьно же образы отъречениꙗ приносити нѣкъимъ отъчистителемъ·[5] аще бо сѫть достоини[6] слоужениꙗ· да боудоуть[7] въ нѥмь: аще ли недостоини· не ѿ[8] отъречениꙗ да боудоуть· осоужениѥ же паче при вещьхъ· на ꙗже аще къто мъного сътворить· възъпѣниѥ ꙗко вънѣ текоущиихъ· вьсѩкого подобиꙗ· прирьци ѥже ѿ тебе братолюбиѥ· тѧ съ нами о гд҃ѣ наречеть·

ἀπαιτεῖσθαι λόγους τῆς οἰκονομίας τῶν παραπιπτόντων αὐτοῖς ἀναγκαίων[1] ἀναλωμάτων, εἴτε ἐκ προσόδων ἐκκλησιαστικῶν, εἰτοῦν καὶ ἀπὸ τῆς τινων καρποφορίας· ἕκαστος γὰρ ἡμῶν τῶν ἰδίων καιρῶν δώσει λόγον τῷ πάντων κριτῇ. κειμήλια μὲν γὰρ καὶ л. 220 а. κτήσεις ἀκινήτους ἀνεκποιήτως ταῖς ἐκκλησίαις σῴζεσθαι χρή· θαρσεῖσθαι δὲ τοὺς κατὰ καιρὸν τὴν θείαν διέποντας ἱερωσύνην τῶν παραπιπτόντων ἀναλωμάτων τὴν οἰκονομίαν. τοὺς[2] δὲ τῆς παραιτήσεως λιβέλλους οὐ κατὰ προαίρεσιν οἰκείαν, ἀλλ' ὡς ἐξ ἀνάγκης καὶ φόβου καὶ τῆς τινων ἀπειλῆς ἐπιδοῦναί φησιν. καὶ ἑτέρως δὲ πρᾶγμά ἐστιν οὔτε τοῖς τῆς ἐκκλησίας ἀρέσκον θεσμοῖς τὸ λιβέλλους παραιτήσεως[3] προσάγειν τινὰς τῶν ἱερουργῶν· εἰ γὰρ εἰσιν ἄξιοι τοῦ λειτουργεῖν, ἔστωσαν ἐν τούτῳ· εἰ δὲ ἀνάξιοι, μὴ ἀπὸ παραιτήσεως ἐξίτωσαν, κατεγνωσμένοι δὲ μᾶλλον ἐπὶ πράγμασιν, ὧν ἄν τις πολλὴν ποιήσαιτο τὴν καταβοήν, ὡς ἔξω τρεχόντων πάσης ἀκολουθίας. πρόσειπε τὴν παρὰ σοὶ ἀδελφότητα. σὲ ἡ σὺν ἡμῖν ἐν κυρίῳ προσαγορεύει.

---

1) *cod.* м *по скобл.* (*вм.* χ?). 2) иждитиѧ *П.* 3) *исправл. по П.* 4) и *проп. С.* 5) ѲѲчистителемъ *С.* 6) досто *С.* 7) боудѣ *ПС.* 8) ѿ *П.*

1) ἀναγκαίων проп. P Vind. 2) P Vind. начин. съ красной строки, какъ новое правило: γ'. Τοὺς . . . 3) παραιτήσεων P Vind.

того[1] же иже въ лѵвии· и въ пентаполии· къ епископомъ·

д҃· Вьсꙗкого бл҃гааго[2] и поуждьнааго· на възгражениѥ людьмъ· съвьршаюштю[3] же· на въсприꙗтиѥ[4] ст҃ыихъ црк҃въ· печаль творити подобаѥть· писано бо ѥсть· ꙗко бл҃гобоꙗзнивꙑ творите[5] сн҃ы из҃лєвꙑ· манаскиньскии[6] оубо оц҃и· иже по фиваидиискѣи епархии· моужи бл҃гобоꙗзнивии· и не чюдьно имоуще· л. 220 b. пришьдъше[7] въ алеккандри|ю· въпросими отъ мене· оустроѥниѥ тоу соуштиихъ манастырь· оучаахоу ꙗко блажиꙗютьсꙗ[8] мъноӡи· таковꙑꙗ ради винꙑ· млади женивъшесꙗ нѣции ѿ нихъ съшьдъшеи· невѣстителѧ съвъсхꙑштаютъ· нѣкꙑꙗ болюбивꙑꙗ еп҃пꙑ· и ни ѥдиного же оубо ꙗже[9] на нꙗ извѣштаюште· стаютъ клирици рекъше попове· дроуӡии же нѣции ѿ тѣхъ манастырь·[10] ꙗко[11] непослоушьливии изгоними· пакꙑ приходꙗть на поставлѥниѥ клирици[12] бꙑвъшеѥ и въходꙗть·[13] въ тꙑи же манастꙑрꙗ· ѿнюдоуже изгънани бꙑша· и хотꙗть приношениꙗ творити· ѥлико клирикомъ обꙑчаи съвьршати·

(л. 228ª—229ª).* ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΤΟΙΣ ΚΑΤΑ ΛΙΒΥΗΝ ΚΑΙ ΠΕΝΤΑΠΟΛΙΝ ἘΠΙΣΚΟΠΟΙΣ.

Παντὸς τοῦ χρησίμου καὶ ἀναγκαίου πρὸς οἰκο(л. 228ᵇ)δομὴν τῶν λαῶν, τελοῦντος δὲ καὶ εἰς ὑπόληψιν τῶν ἁγίων ἐκκλησιῶν, φροντίδα ποιεῖσθαι χρή· γέγραπται γάρ, ὅτι, Εὐλαβεῖς ποιεῖτε τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ. μοναστηρίων τοίνυν πατέρες τῶν κατὰ τὴν Θηβαΐδα[1] ἐπαρχίαν, ἄνδρες εὐλαβεῖς καὶ οὐκ ἀθαύμαστον ἔχοντες πολιτείαν, ἐλθόντες ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, ἐρωτώμενοί τε παρ' ἐμοῦ τὴν κατάστασιν τῶν αὐτόσε μοναστηρίων, ἐδίδασκον, ὅτι σκανδαλίζονται πολλοὶ διὰ τοιαύτην αἰτίαν. νεωστὶ[2] γεγαμηκότες τινὲς καὶ οἱ[3] ἐξ αὐτῶν καταβάντες τῶν νυμφώνων συναρπάζουσί τινας τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων, καὶ οὐδενὸς τάχα που τὰ κατ' αὐτοὺς ἀπαγγέλλοντος, χειροτονοῦνται κληρικοί, ἤγουν πρεσβύτεροι. ἕτεροι[4] δέ τινες ἐξ αὐτῶν τῶν μοναστηρίων ὡς ἄτακτοι ἐκβαλλόμενοι, πάλιν ὑποτρέχουσι τὰς χειροτονίας καὶ γενόμενοι κληρικοὶ εἰσέρχονται καὶ ἐν αὐτοῖς τοῖς μοναστηρίοις, ὅθεν ἐκβέβληνται, καὶ βούλονται προσφέρειν καὶ ὅσα κληρικοῖς ἔθος πληροῦν,

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.* 2) бл҃го *С.* 3) съвершающе *С.* 4) *cod. выскобл. двѣ буквы послѣ* въ *и оставилъ пустое мѣсто.* 5) *cod. конечное* е *по скобл. (вм.* ь*?).* 6) манастырьскыи *П.* 7) *cod.* ш *въ слогѣ* шь *по скобл. (вм. одной буквы съ* + *).* 8) съблажнꙗютсꙗ *П.* 9) ꙗко же *П.* 10) манастырꙗ *С, но* ꙗ *другой рукой.* 11) ꙗко *проп. С.* 12) *cod. перепр авл.* ц *изъ* к. 13) и въходꙗть *проп. С.*

* Въ V отсутств. (вырв.?) это посланіе Кирилла Александр. Варіанты приведены и изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 175ᵇ—176ª (=Vind.).
1) Θηβαίων PVind. 2) P начин. съ красн. строки, какъ особое правило: α'. Νεωστὶ... 3) οἷον PVind. 4) P начин. съ красной строки какъ новое правило: β'. Ἕτεροι...

и си творити· ꙗко и нѣкъıимъ видѣвъшиимъ ꙗ· ѿрещисѧ[1] и съвьмирь· и не тьрпѣти приобыщатисѧ слоужащиимъ имъ· понеже оубо на ꙁеданиѥ· ꙗко же рекохъ людьмъ[2] вьсѧ подобаѥть творити· оу насъ б҃очьстиѥ[3] ваше· и аще къто хощеть поставлѥнъ быти клирикъ· испытати житиѥ ѥго· и каково къгда подроужиѥ имѣ или[4] ни· и къгда приведе или оудалꙗашесѧ· и аще не ѥсть къто иꙁгънанъıихъ или ѿ иного б҃очьстиваго ѥп҃па· или ѿ манастъıревъ· и тъгда поставлꙗи неиꙁгънанаго обрѣтъшасѧ· съблюдѣмъ же сице чистоу свою съвѣсть· и непорочьноѥ с҃щениѥ· и чистоѥ слоужениѥ· аще | ли ѿлоучениѥ[5] приимъше нѣции· ꙁапрѣщени[6] бывъше прѣгрѣшении ради· по семь хотѧть оумрети· оглашени[7] соуще да крьщени боудоуть· и да не отидоуть[8] чл҃вчьскъıихъ непричастьни бл҃годати и ти·[9] рекъше приобыщьнї[10] мьнить бо сѧ вънимати и се· ц҃рквьнъıимь оуставъмь· рьцѣте оу васъ братии· въı съ вами о г҃дѣ наречеть·

καὶ ταῦτα δρᾶν, ὡς καί τινας τῶν εἰδότων αὐτοὺς παραιτεῖσθαι καὶ τὰς συνάξεις καὶ μὴ ἀνέχεσθαι κοινωνεῖν λειτουργούντων ἐκείνων.

Ἐπειδὴ[1] τοίνυν πρὸς οἰκοδομήν,[2] ὡς ἔφην, τῶν λαῶν πάντα χρὴ πράττεσθαι παρ' ἡμῖν,[3] ἡ θεοσέβεια ὑμῶν, καὶ εἰ μέλλοι τις χειροτονεῖσθαι κληρικός, περιεργαζέσθω τὸν βίον (л. 229а) αὐτοῦ καὶ πότερον πότε[4] γαμετὴν ἔχει ἢ οὔ, καὶ πῶς ἢ πότε ἠγάγετο, καὶ εἰ ἀπέσχετο, καὶ εἰ μή τίς ἐστιν τῶν ἐκβεβλημένων ἢ παρ' ἑτέρου θεοσεβεστάτου ἐπισκόπου ἢ ἐκ μοναστηρίων, καὶ τότε χειροτόνει[5] τὸν[6] ἀδιάβλητον εὑρεθέντα. τηρήσομεν[7] γὰρ οὕτω καθαρὸν καὶ τὸ ἑαυτῶν[8] συνειδὸς καὶ ἀδιάβλητον τὴν ἱερὰν καὶ σεπτὴν λειτουργίαν. ἐὰν[9] δὲ χωρι- л. 221 а.
σμὸν ὑπομείνωσί τινες ἐπιτιμηθέντες πταισμάτων ἕνεκα, εἶτα μέλλωσιν τελευτᾶν, κατηχούμενοι ὄντες, βαπτιζέσθωσαν καὶ μὴ ἀποδημείτωσαν τῶν ἀνθρωπίνων ἀμέτοχοι[10] τῆς χάριτος, ἤγουν[11] ἀκοινώνητοι· δοκεῖ γὰρ προέχειν[12] καὶ τοῦτο τοῖς τῆς ἐκκλησίας θεσμοῖς. προσείπατε τὴν παρ' ὑμῖν ἀδελφότητα. ὑμᾶς ἡ σὺν ἡμῖν ἐν κυρίῳ προσαγορεύει.

---

1) ѿрещїа *П.* 2) люде *С.* 3) бочестїе *С.* 4) ли *С.* 5) ѿслоуженїе *П.* 6) запрѣщенїи *П.* 7) ѡглашенїи *П.* 8) ѿиидъ *С.* 9) ти *проп. П.* 10) приобщенїи *С.*

1) P начин. съ красной строки какъ новое правило: γ'. Ἐπειδὴ... 2) οἰκομὴν Patm. 173. 3) ἡμῶν P Vind, въ которыхъ затѣмъ вставл. ἐπιτηρείτω ταῦτα. 4) πότερόν ποτε P Vind. 5) χειροτονείτω PVind. 6) τὸν проп. P Vind. 7) τηρήσωμεν P, но Patm. 172 надъ ω надпис. ο. 8) ἑαυτὸν cod. 9) P начин. съ красной строки какъ новое правило: δ'. Ἐὰν... 10) cod. переправл. изъ ἀμετόχοι. 11) ἤγουν P Vind. 12) προσέχειν Vind.

блаженааго дионисиꙗ архиєп҃па къ василидоу александрьскааго·[1]

а҃·[2] Дионисии василидоу възлюбленоумоу моıемоу· и братоу съслоужьбьникоу·[3] и бол҄ѣпьно о г҃ѣ радоватиса· посълалъ ми ıеси вѣрьнъıихъ изьбранъıи[4] с҃не мои· пътаıа въ къıи часъ поститиса подобаıеть· въ соуботьнъıи д҃нь пасхъı· нѣкъıимъ бо ѿ братиıа г҃лати рече· ıако подобаıеть се творити· къ възглашению коура· нѣцѣи же съ вечера[5] подобаıеть рече· братиıа бо въ римѣ ıако же видѣша· ожидають коура· о сихъ же г҃лıеши· ıако скорѣишюю извѣстоу заповѣдь положити ищеши· и часъ зѣло измѣренъ· ıеже неоудобьно и блазньно[6] ıесть· ово бо по въскрьсении г҃а нашего врѣмени· подобаıеть праздьникъ и веселиıе начинати· того д҃на пощениıемь съмѣрающа· ѿ всѣхъ тако же исповѣдано боудеть· оустроилъ же ıеси ихъже ради написалъ ми ıеси зѣло съдраво·
л. 221 b. | и б҃жьствьнааго еванг҃лиıа разоумѣвъ·

(л. 229ª—232ª). ΤΟΥ ΜΑΚΑΡΙΟΥ ΔΙΟΝΥΣΙΟΥ, ’ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ’ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ.[1]

Διονύσιος Βασιλείδῃ τῷ ἀγαπητῷ μου[2] καὶ ἀδελφῷ συλλειτουργῷ καὶ θεοπρεπεῖ,[3] ἐν κυρίῳ χαίρειν.

’Επέστειλάς μοι, πιστότατε καὶ λογιώτατε[4] υἱέ μου, πυνθανόμενος καθ’ ἥν ὥραν ἀπονηστίζεσθαι δεῖ τῇ τοῦ πασχα περιλύσει· τινὰς μὲν γὰρ τῶν ἀδελφῶν λέγειν φησίν,[5] ὅτι χρὴ τοῦτο ποιεῖν πρὸς τὴν ἀλεκτοροφωνίαν, τινὰς δὲ[6] ἀφ’ ἑσπέρας χρή· οἱ μὲν γὰρ ἐν ‘Ρώμῃ ἀδελφοί, ὥς φασι, περιμένουσι τὸν ἀλέκτορα· περὶ δὲ τῶν ἐνταῦθα λέγεις,[7] ὅτι τάχιον. ἀκριβῆ[8] ὅρον ἐπιτιθέναι[9] ζητεῖς καὶ ὥραν πάνυ (л. 229ᵇ) μεμετρημένην, ὅπερ καὶ δύσκολον καὶ σφαλερόν ἐστιν· τὸ μὲν γὰρ ὅτι[10] μετὰ τὸν τῆς ἀναστάσεως τοῦ κυρίου ἡμῶν[11] καιρὸν χρὴ τῆς ἑορτῆς καὶ τῆς εὐφροσύνης ἐνάρχεσθαι, μέχρις ἐκείνου τὰς ψυχὰς ταῖς νηστείαις ταπεινοῦντος,[12] ὑπὸ πάντων ὁμοίως ὁμολογηθήσεται. κατεσκεύασας δὲ δι’ ὧν ἔγραψάς μοι πάνυ ὑγιῶς καὶ τῶν θείων εὐαγγελίων ᾐσθημένος,[13]

---

1) *У заглавіе:* блаженааго дионисиıа. *C in m.* ѯı.
2) *У проп. все правило 1.* 3) братослоужебникоу *П* (*вм.* братоу съслоужьбьникоу). 4) избьранъıихъ *проп. П.* 5) вечера *C, но* еч *вычеркив.*
6) блазно *П.*

1) ἐπιστολὴ περὶ τοῦ, ποίαν ὥραν τοῦ ἁγίου σαββάτου ἐπιφωσκούσης τῆς ἁγίας κυριακῆς χρὴ ἡμᾶς ἀπονηστίζεσθαι τῇ νυκτί добавл. V. 2) υἱῷ вставл. PV. 3) καὶ θεοπρεπεῖ проп. V. 4) μου вставл. cod., по выскобл. 5) φὴς PV. 6) ὅτι вставл. PV. 7) ἔλεγες PV. 8) δὲ вставл. PV. 9) ἐπιτεθῆναι Patm. 172. 10) ὅτι μὲν γὰρ V (вм. τὸ μὲν γάρ, ὅτι). 11) ἡμῶν проп. V. 12) ταπεινοῦντας PV. 13) ᾐσθημένως Patm. 172, причемъ ω переправл. изъ какой-то другой буквы.

ꙗко ничьто же неизвѣсто въ немь о часѣ· ꙗвлꙗѥтьсѧ въ ньже въскрьсе разлнчьно бо еванг҃листи·[1] пришьдъшаꙗ на вракъ· написаша въ врѣмена измѣнѥна· и вси въставъша· абиѥ рекоша обрѣстисѧ въ вечеръ соуботынъ· ꙗко же матьѳѣи рече и рано ѥще тьмѣ соущи ꙗко же иѡанъ пишеть· и зѣло рано ꙗко же лоука· и вьшьдъшю сълньцю ꙗко же марко· и къгда бо въскрьсе ꙗвѣ ни одинъ же не съказа· ꙗко же въ вечеръ[2] соуботамъ свитающи въ ѥдиноу соуботъ· до въсхода сл҃нцю ѥдиноꙗ соуботъ· на гробъ пришьдъшеи· къ томоу лежаща ѥго въ немь[3] не постигоша· се оубо исповѣдано бысть· да ни възглашати ни противлꙗтисѧ ѥванг҃листомъ межю собою не мьнимъ· нъ аще дългословиѥ нѣкоѥ мьнитьсѧ· о възищемѣмь· аще съвѣщающе вьси въ тоу нощь· вьсего мира свѣтоу· г҃оу нашемоу въсиꙗти· о часѣ пьрѧть· нъ мы бл҃горазоумьно реченаꙗ· и вѣрьно съчетати оусьрдоуѥмъ·[4] речено оубо ѿ матьѳѣꙗ сице ѥсть· въ вечеръ соуботъ· свитающи· въ ѥдиноу соуботъ· приде мариꙗ магдалꙑни и другаꙗ мариꙗ·

ὅτι μηδὲν ἀπηκριβωμένον ἐν αὐτοῖς περὶ τῆς ὥρας, καθ' ἣν ἀνέστη, φαίνεται. διαφόρως μὲν γὰρ οἱ εὐαγγελισταὶ τοὺς ἐπὶ τὸ μνημεῖον ἐλθόντας ἀνέγραψαν κατὰ καιροὺς ἐνηλλαγμένους, καὶ πάντες ἀνεστηκότα ἤδη τὸν κύριον ἔφασαν εὑρηκέναι, καὶ ὀψὲ σαββάτων, ὡς ὁ Ματθαῖος εἶπεν· καὶ πρωΐας ἔτι σκοτίας οὔσης, ὡς ὁ Ἰωάννης γράφει· καὶ ὄρθρου βαθέως, ὡς ὁ Λουκᾶς· καὶ λίαν πρωὶ ἀνατείλαντος τοῦ ἡλίου, ὡς ὁ Μάρκος. καὶ πότε μὲν ἀνέστη, σαφῶς οὐδεὶς ἀπεφήνατο· ὅτι δὲ ὀψὲ σαββάτων τῇ ἐπιφωσκούσῃ εἰς μίαν[1] σαββάτων, μέχρις ἀνατολῆς ἡλίου τῆς μιᾶς σαββάτων, οἱ ἐπὶ τὸ μνημεῖον παραγενόμενοι οὐκέτι κείμενον αὐτὸν ἐν αὐτῷ κατέλαβον, τοῦτο ἀνωμολόγηται.[2] καὶ μηδὲ διαφωνεῖν, μηδὲ ἐναντιοῦσθαι τοὺς εὐαγγελιστὰς πρὸς ἀλλήλους ὑπολάβωμεν·[3] ἀλλ' εἰ καὶ μικρολογία τις εἶναι δόξει περὶ τὸ ζητούμενον, εἰ συμφωνοῦντες πάντες[4] ἐν ἐκείνῃ τῇ νυκτὶ τὸ τοῦ κόσμου φῶς, τὸν κύριον (л. 230a) ἡμῶν, ἀνατεταλκέναι, περὶ τὴν[5] ὥραν[6] διαφέρονται, ἀλλ' ἡμεῖς εὐγνωμόνως τὰ λεχθέντα καὶ πιστῶς ἁρμόσαι προθυμηθῶμεν. τὸ μὲν οὖν ὑπὸ τοῦ Ματθαίου λεχθὲν οὕτως ἔχει· Ὀψὲ[7] σαββάτων, τῇ ἐπιφωσκούσῃ εἰς μίαν σαββάτων, ἦλθεν Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ καὶ ἡ ἄλλη Μαρία

1) єѵ҃листи *П, но с переправл. изъ* а. 2) веръ *П.* 3) и *вставл. П.* 4) ѕєдр҃ѕємь *С.*

1) μιᾷ PV (вм. εἰς μίαν). 2) V переправл. изъ ἂν ὡμολόγηται. 3) ὑπολάβομεν cod. 4) ὡς μὴ συμφωνούντων πάντων V (вм. εἰ συμφωνοῦντες πάντες). 5) αὐτὴν вставл. V. 6) καὶ ἐν τούτῳ вставл. V. 7) δὲ вставл. P.

видѣти гробъ· и се троусъ бысть великъ· анг҃лъ бо гп҃ь съшьдъ съ нбсе· и приступль ѿвали камень· и сѣде на немь· бѣ же зракъ его яко мълнии· и одѣние его бѣло яко снѣгъ· и | л. 222 а. и[1] ѿ страха же его потрѧсошасѧ стрѣгоущеи· и быша яко мьртви·[2] ѿвѣща же анг҃лъ и рече женамъ[3] не боитесѧ вы·[4] вѣмъ яко іс҃а распѧтааго ищете· нѣсть сьде въста бо яко же рече· се же реченое въ вечеръ· аще нѣции помысльѧть· по обьщению гл҃а·[5] вечеръ являти соуботнъıи· моудрѣи же слоушающеи не тако· нъ нощь рано рекоуть быти· за моудѣние и дълаго лѣто[6] гл҃а·[7] являющааго вечеръ· наведе· свитающи въ единоу соуботъ· и придоша яко же прочии рѣша носѧщеи вонѧ· нъ видѣтъ гроба· и обрѣтоша троусъ бывъшь· и сѣдѧщь агг҃ла[8] на камени· слышаща отъ него нѣсть сьде въста· тако же иѡанъ[9] въ единоу соуботъ рече· мариꙗ магдалъıни приде заоутра·

θεωρῆσαι τὸν τάφον, καὶ ἰδοὺ σεισμὸς ἐγένετο μέγας· ἄγγελος γὰρ κυρίου καταβὰς ἐξ οὐρανοῦ καὶ[1] προσελθὼν ἀπεκύλισεν τὸν λίθον καὶ ἐκάθητο ἐπάνω αὐτοῦ. ἦν δὲ ἡ ἰδέα αὐτοῦ ὡς ἡ[2] ἀστραπὴ καὶ τὸ ἔνδυμα[3] λευκὸν ὡσεὶ χιών· ἀπὸ δὲ τοῦ φόβου αὐτοῦ ἐσείσθησαν οἱ τηροῦντες καὶ ἐγένοντο[4] ὡσεὶ νεκροί. ἀποκριθεὶς δὲ ὁ ἄγγελος εἶπεν ταῖς γυναιξίν· Μὴ φοβεῖσθε[5] ὑμεῖς· οἶδα γάρ, ὅτι Ἰησοῦν τὸν ἐσταυρωμένον ζητεῖτε· οὐκ ἔστιν ὧδε· ἠγέρθη γάρ,[6] καθὼς εἶπεν. τοῦτο δὲ τὸ λεχθὲν ὀψὲ οἱ μέν τινες οἰήσονται κατὰ τὴν κοινότητα τοῦ ῥήματος τὴν ἑσπέραν δηλοῦσθαι τοῦ σαββάτου, οἱ δὲ σοφώτερον ἐξακούοντες οὐ τοῦτο, ἀλλὰ νύκτα βαθεῖαν ἐροῦσιν εἶναι,[7] βραδυτῆτα[8] καὶ μακρὸν χρόνον τοῦ ῥήματος τοῦ ὀψὲ δηλοῦντος· καὶ[9] ὅτι[10] νύκτα λέγει καὶ οὐχ[11] ἑσπέραν, ἐπήγαγεν τῇ ἐπιφωσκούσῃ εἰς μίαν σαββάτων. καὶ ἧκον οὔπω, ὡς οἱ λοιποί φασιν, τὰ[12] ἀρώματα φέρουσαι, ἀλλὰ θεωρῆσαι τὸν τάφον, καὶ εὗρον τὸν σεισμὸν γεγονότα[13] καὶ καθήμενον τὸν ἄγγελον (л. 230ᵇ) ἐπὶ τοῦ λίθου, καὶ ἀκηκόασιν παρ' αὐτοῦ, Οὐκ ἔστιν ὧδε, ἠγέρθη. ὁμοίως Ἰωάννης· Ἐν μιᾷ τῶν σαββάτων, φησίν, Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ ἦλθεν πρωΐ[14]

---

1) и *проп. П.* 2) мрътвїи *П.* 3) намъ *С.* 4) вни *П.* 5) гл҃ѧ *СП.* 6) тѣло *С.* 7) гл҃ѧ *П.* 8) анг҃лъ *П.* 9) иашнъ *С.*

---

1) καὶ проп. P. 2) ἡ проп. PV. 3) αὐτοῦ вставл. PV. 4) ἐγενήθησαν P. 5) φοβεῖσθαι cod., по надъ αι надпис. ε. 6) γὰρ проп. P. 7) εἶναι проп. V. 8) βραδύτητα P. 9) καὶ проп. V. 10) δὲ вставл. V. 11) οὐκ cod. 12) τὰ проп. P. 13) γινόμενον V. 14) ἔτι вставл. PV.

ѥще [1] тьмѣ сѫщи на гробъ· и видѣ камень въꙁѧтъ [2] отъ гроба· обаче отъ того ѥще сѫщи [3] тьмѣ· обаче къ оутроу иꙁ [4] гроба исхождааше· лоука же рече соубота оубо оумълче по ꙁаповѣди· въ ѥдиноу же соуботъ ꙁѣло рано пришьдъша на гробъ· несоуща ꙗже оуготоваша вонꙗ· ѡбрѣтоша же камень ѿваленъ ѿ гроба· ꙁѣло оутро рано· къ ꙗвлꙗющиисѧ ꙁари· оутрьнюю ꙗвлꙗѥть· ѥдиноꙗ соуботъ· миноувъшаꙗ ради абиѥ· съвьршено съ вьсею нощию· иже по нѥмь соуботѣ· и дроугоумоу начинающюсѧ дн҃и· придоша вонꙗ и мѵро носѧще· ꙗко ꙗвѣ | ꙗко въстаꙗше· [5] прѣже многа се въслѣдоують и марко гл҃а· коупиша вонꙗ да пришьдъша помажють и [6] ꙁѣло ꙁаоутра въ ѥдиноу [7] соуботъ придоша на гробъ· въшьдъшю сл҃нцю ꙁѣло во [8] ꙁаоутра і҃съ рече· ѥже тоѥ же рече ѥсть· ꙁѣло рано· и наведе въшьдъшю сл҃нцю [9] стрьмлѥниѥ оубо и поуть и сихъ· ꙗвѣ ꙗко ꙁѣло рано· и

σκοτίας οὔσης, εἰς τὸ μνημεῖον, καὶ βλέπει τὸν λίθον ἠρμένον ἐκ τοῦ μνημείου· πλὴν παρ' αὐτοῦ τὸ [1] σκοτίας οὔσης ἔτι, πλὴν τὸ [2] πρὸς ἕω τοῦ μνημείου προεληλύθει. [3] ὁ δὲ Λουκᾶς φησιν· Τὸ μὲν σάββατον ἡσύχασεν [4] κατὰ τὴν ἐντολήν, τῇ δὲ μιᾷ τῶν σαββάτων ὄρθρου βαθέως ἐπὶ τὸ μνῆμα ἦλθον, φέρουσαι ἃ ἡτοίμασαν ἀρώματα· εὗρον δὲ τὸν λίθον ἀποκεκυλισμένον ἀπὸ τοῦ μνημείου. ὁ βαθὺς [5] ὄρθρος ἴσως προσυποφαινομένην [6] αὐγὴν ἑωθινὴν ἐμφανίζει τῆς μιᾶς [7] σαββάτων, διὰ τοῦ [8] παρῳχηκότος [9] ἤδη τελείως σὺν τῇ μετ' αὐτὸν [10] νυκτὶ πάσῃ [11] τοῦ σαββάτου, καὶ ἑτέρας ἀρχομένης ἡμέρας [12] ἦλθον τὰ ἀρώματα καὶ τὰ μύρα [13] φέρουσαι· ὅτι [14] δῆλον, ὡς ἀνειστήκει πρὸ л. 222 b.
πολλοῦ. τοῦτο [15] κατακολουθεῖ καὶ ὁ Μάρκος λέγων· Ἠγόρασαν ἀρώματα, ἵνα ἐλθοῦσαι ἀλείψωσιν αὐτόν· καὶ λίαν πρωῒ τῆς μιᾶς [16] σαββάτων ἔρχονται ἐπὶ τὸ μνημεῖον ἀνατείλαντος τοῦ ἡλίου· λίαν μὲν γὰρ πρωῒ καὶ οὗτος [17] εἶπεν· ὅπερ ταυτόν ἐστι τὸ [18] βαθέως ὄρθρου, καὶ ἐπήγαγεν, ἀνατείλαντος τοῦ [19] ἡλίου. ἡ μὲν γὰρ ὁρμὴ καὶ ὁδὸς αὐτῶν δῆλον ὡς ὄρθρου βαθέως καὶ

1) нще *П.* 2) въꙁатъ *проп. С.* 3) сѫще *С.* 4) и *С.* 5) въсташе *С.* 6) и *вставл. П.* 7) едино *С.* 8) во *проп. П.* 9) ꙁѣло ꙁаѹтра і҃с р҃е. еже тое же р҃е есть ꙁѣло рано и наведе вошѣдшю сл҃нцю *вставл. С.*

1) παρὰ τοῦτο PV (вм. παρ' αὐτοῦ τό). 2) τοῦ V. 3) ἐληλύθει V. 4) ἡσύχασαν PV. 5) οὖν вставл. V. 6) προϋποφαινομένην PV. 7) τῶν вставл. V. 8) τοῦτο P. 9) διὰ τὸ παρῳχηκέναι V. 10) αὐτοῦ V. 11) παντὸς V. 12) ὅτε вставл. PV. 13) μῦρα P; τὰ μύρα καὶ τὰ ἀρώματα V. 14) ὅτε PV. 15) τούτῳ V. 16) вм. τῆς μιᾶς: V μιᾷ τῶν, P μιᾷ. 17) cod. переправл. изъ οὕτως. 18) τῷ V. 19) τοῦ проп. V.

ꙁѣло ꙁаоутра начаша· простьре же по ѡшьствию и оу бывъшиихъ оу гроба· до въсхода слн҃цѧ и гл҃а имъ тъгда оуноша въ бѣлахъ риꙁахъ нѣсть сьде·

в҃· [1] Симъ тако соущемъ· [2] тѣмь иꙁвѣстославѧще ꙗвлꙗемъ въ кыи часъ· или въ кое полоучасие· или въ четвьрътыи часъ начинати подобааше· въ гн҃е иꙁ мьртвыихъ въскрьсениие радость· оуранꙗющаꙗ же ꙁѣло· и прѣже нощи блиꙁъ оубо прѣполовѧщисѧ· ѿпоущающиихъ ꙗко прѣнемагаливъщи· и неоудьржаливыи оукаржаемъ· [3] ꙁа малъмь раꙁдрѣшающаꙗ [4] течение· гл҃ющю [5] моужю прѣмоудроу· мало въ житии еже паче мала· [6] ожидающаꙗ же довълыно на большее· и до четвьртыꙗ стража нощи· прѣбывающаꙗ· въ июже и плавающаꙗ сп҃съ нашь ходѧ [7] по морю ꙗвисѧ· ꙗко добли и троудолюбивъ [8] приемлемъ· почивъшиимъ межю тѣми· ꙗко же подвигошасѧ или въꙁмогоша· да | л. 223 а. не сътоужаемъ ꙁѣло· понеже ни шесть дн҃ии постаравьно ни тако же вьси прѣбывають нъ оубо и [9] вьсѣхъ ожьдавъшеи·

λίαν πρωῒ (л. 231a) κατήρξαντο· παρέτεινεν δὲ [1] κατὰ [2] τὴν πορείαν, καὶ περὶ τὸ μνημεῖον διατρίβουσαι μέχρις ἀνατολῆς ἡλίου· καὶ λέγει καὶ [3] τότε ταύταις ὁ νεανίσκος ὁ λευχείμων· [4] οὐκ ἔστιν ὧδε.

α΄. Τούτων οὕτως ἐχόντων, τούτοις [5] ἀκριβολογουμένοις ἀποφαινόμεθα, κατὰ ποίαν ὥραν, ἢ καὶ ποῖον ἡμιώριον, [6] ἢ ὥρας τέταρτον, ἄρχεσθαι προσῆκεν τῆς ἐπὶ [7] τοῦ κυρίου ἡμῶν ἐκ νεκρῶν ἀναστάσει χαρᾶς· τοὺς μὲν λίαν ἐπιταχύνοντας καὶ πρὸ νυκτὸς ἐγγὺς ἤδη μεσούσης ἀνιέντας ὡς ὀλιγώρους καὶ ἀκρατεῖς μεμφόμεθα, [8] παρ᾽ ὀλίγον καταλύοντας [9] τὸν δρόμον, λέγοντος [10] ἀνδρὸς σοφοῦ· Οὐ μικρὸν ἐν βίῳ τὸ παρὰ μικρόν· τοὺς δὲ ἐφυστερίζοντας καὶ διαρκοῦντας ἐπὶ πλεῖστον καὶ μέχρι τετάρτης φυλακῆς ἐγκαρτεροῦντας, καθ᾽ ἣν καὶ τοῖς πλέουσιν ὁ σωτὴρ ἡμῶν περιπατῶν ἐπὶ τῆς θαλάσσης ἐπεφάνη, ὡς γενναίους καὶ φιλοπόνους ἀποδεξόμεθα· [11] τοῖς δὲ μεταξύ, ὡς ἐκινήθησαν ἢ ὡς ἠδυνήθησαν, ἀναπαυσαμένοις μὴ πάνυ διοχλῶμεν, ἐπεὶ μηδὲ τὰς ἓξ τῶν νηστειῶν ἡμέρας ἴσως μηδὲ ὁμοίως πάντες διαμένουσιν· [12] ἀλλ᾽ οἱ μὲν καὶ πάσας ὑπερτιθέασιν

---

1) *У проп. все правило 2.* 2) соущимь *П.* 3) оукарѧ *П.* 4) раꙁдѣшающаѧ *С*; раꙁроушающаа *П.* 5) гл҃ющю *С*; гл҃ющю *П.* 6) мало *П.* 7) ходѧи *П.* 8) *слова* ꙗви ꙗко добли и трꙋдω *П проп. въ текстѣ и добавл. вверху л. 196а.* 9) и *проп. П.*

1) παρέτεινάν τε PV. 2) τε вставл. PV. 3) καὶ проп. V. 4) Ἠγέρθη вставл. PV. 5) τοῦτο τοῖς PV (вм. τούτοις). 6) ἡμίωρον cod., но между ρ и ο надпис. ι. 7) τῇ вставл. PV. 8) μεμφώμεθα Patm. 173. 9) προκαταλύοντας PV. 10) τοῦ λόγου вставл. V. 11) ἀποδεχόμεθα V; ἀποδεξώμεθα Patm. 173. 12) διαμένωσιν Patm. 172.

алчени[1] прѣбывающе· ови же дъва· ови же три·[2] ови же четыри·[3] ови же ни ѥдиного· троудивъшимъ же сѧ[4] ѕѣло· въ ожидании по семь ослабѣвъшимъ· ѿпоущениѥ ранааго· въкоушениꙗ· аще ли нѣции не ꙗко ожидавъше· нъ никако же постивъшесѧ· прѣжеваривъшаꙗ четыри· по семь пришьдъшима·[5] коньчьшима[6] дъвѣма· и въ та тъкмо ожидающе· въ пѧтьницю и въ соуботоу· до оутра прѣбывающе· не мьню равьны[7] страсти имъ[8] сътворити· къ прѣбывъшимъ большаꙗ дн҃и· сиꙗ оубо ꙗко же и съмышлю· и съвѣщаваю· о сихъ написахъ·

г҃·[9] О нечистыхъ женахъ· аще подобааше ли имъ тако сущемъ·[10] въ домъ бж҃ии въходити· и лише въпрашевати[11] мьню· невѣрьнамъ бо имъ мьню быти· и блг҃обоꙗзни вамъ съмѣти тако сущамъ· или къ трапезѣ ст҃ѣи пристоупати· или телесе и кръви[12] хрїстосовы прикасатисѧ· ни имоущиꙗ· ві҃· лѣ҃· течениѥ кръви· къ ицѣлению[13] прикосесѧ[14] емь· нъ

ἄσιτοι διατελοῦντες, οἱ δὲ δύο, οἱ δὲ τρεῖς, οἱ δὲ τέσσαρας, οἱ δὲ οὐδεμίαν· καὶ τοῖς μὲν πάνυ διαπονηθεῖσιν ἐν ταῖς ὑπερθέσεσιν, εἶτα ἀποκαμοῦσιν,[1] καὶ μόνον οὐκ ἐκλείπουσιν συγγνώμη τῆς ταχυτέ(л. 231ᵇ)ρας γεύσεως· εἰ δέ τινες, οὐχ ὅπως οὐχ ὑπερθέμενοι,[2] ἀλλὰ μηδὲ νηστεύσαντες[3] τὰς προαγούσας τέσσαρας, εἶτα ἐλθόντες ἐπὶ τὰς τελευταίας δύο καὶ μόνας αὐτὰς ὑπερτιθέντες, τὴν[4] παρασκευὴν καὶ τὸ σάββατον, μέγα τι καὶ λαμπρὸν ποιεῖν νομίζουσιν, ἂν μέχρι τῆς ἕω διαμένωσιν,[5] οὐκ οἶμαι τὴν ἴσην ἄθλησιν[6] αὐτοὺς[7] πεποιῆσθαι τοῖς τὰς πλείονας ἡμέρας προειστηκόσιν.[8] ταῦτα μὲν οὖν,[9] ὡς φρονῶ καὶ συμβουλεύω,[10] περὶ τούτων ἔγραψα.

β'. Περὶ δὲ τῶν ἐν ἀφέδρῳ γυναικῶν, εἰ προσῆκεν αὐτὰς οὕτω διακειμένας εἰς τὸν οἶκον εἰσιέναι τοῦ θεοῦ, περιττὸν καὶ τὸ πυνθάνεσθαι νομίζω· οὐδὲ γαρ αὐτὰς οἶμαι πιστὰς οὔσας καὶ εὐλαβεῖς τολμήσειν οὕτω διακειμένας ἢ τῇ τραπέζῃ τῇ ἁγίᾳ προσελθεῖν, ἢ τοῦ σώματος καὶ τοῦ αἵματος τοῦ Χριστοῦ προσάψασθαι· οὐδὲ γὰρ ἡ τὴν δωδεκαετῆ[11] ῥύσιν ἔχουσα πρὸς τὴν ἴασιν[12] ἔθιγεν αὐτοῦ, ἀλλὰ

---

1) алъчини *П.* 2) ови же три *проп. С.* 3) четыре *П.* 4) сѧ *проп. П.* 5) пришедшїимъ *С.* 6) конецьнима *С.* 7) равныи *П.* 8) стїимъ *С.* 9) г҃ *проп. У.* 10) сꙋщимъ *П.* 11) въпрашавати *УП.* 12) кръве *У.* 13) ичелѣнию *У;* исцѣленїю *С.* 14) прикоснесѧ *С.*

1) ἀποκάμνουσιν PV. 2) ὑπερτιθέμενοι V. 3) ἀλλὰ καὶ τρυφήσαντες вставл. PV. 4) τε вставл. PV. 5) διαμείνουσιν V и затѣмъ вставл. οὓς. 6) ἄσκησιν V. 7) αὐτοὺς проп. V. 8) προησκηκόσιν PV. 9) οὖν проп. V. 10) συμβουλεύων V. 11) δώδεκα ἔτη PV, но V переправл. въ δωδεκαέτη. 12) σπεύδουσα вставл. V.

тъкъмо подълъка молисѧ оубо ꙗко ѡжидаѥть къто· ꙗко же оубо [1] ѥсть поминати вл҃дкы· и трѣбовати помощи· [2] полоучити [3] л. 223 b. не|завистьныꙗ· въ ст҃аꙗ же и ст҃аꙗ ст҃ыихъ· не бываꙗи чистъ· [4] и дш҃ею и тѣлъмь· пристоупати възбраненъ боудеть·

д҃· [5] Добьльнии же и [6] оженьшенсѧ [7] сами себѣ быти· соудиꙗ· ꙗко бо ѿлоучатисѧ подобаютъ [8] дроугъ ѿ дроуга· ѿ съвѣщаниꙗ врѣмѧ· да прѣбываѥть въ мл҃твѣ· и пакы въкоупь да боудете· [9] слъишаша бо ап҃ла [10] пишюща· бывъшеи же [11] въ неволынѣи сквьрнѣ нощьнѣи· и си своѥи съвѣсти да въслѣдоують· и сами сѧ или расмощрѧють [12] о томь· или не съмотрѧть ꙗко и [13] о брашьнѣхъ· расматрѧꙗи бо рече· аще ꙗсть осоудитьсѧ· [14] и въ тѣхъ бл҃говѣстьнъ боудеть· и бл҃годьрзынъ по своѥмоу въспоминанию· вьсѧкъ пристоупаꙗи къ бо҃у: сиꙗ въпросы ты чьта съна· [15]

μόνου τοῦ κρασπέδου· προσεύχεσθαι μὲν γὰρ ὅπως ἂν ἔχῃ τις, καὶ ὡς ἂν διάκειται [1] μεμνῆσθαι τοῦ δεσπότου, [2] καὶ δεῖσθαι βοηθείας τυχεῖν, ἀνεπίφθονον· εἰς δὲ τὰ ἅγια καὶ τῶν ἁγίων τὰ ἅγια [3] ὁ μὴ πάντῃ καθαρὸς καὶ ψυχῇ καὶ σώματι προσιέναι κωλυθήσεται.

γʹ. Αὐτάρκεις δὲ καὶ οἱ γεγαμηκότες ἑαυτῶν ὀφείλουσιν εἶναι κριταί· ὅτι γὰρ ἀπάγεσθαι [4] προσῆκον ἀλλήλων ἐκ συμφώνου πρὸς καιρόν, ἵνα σχολάσωσιν τῇ προσευχῇ καὶ πάλιν ἐπὶ τὸ αὐτὸ ὦσιν, [5] ἀκηκόασι γὰρ [6] Παύλου γράφοντος.

δʹ. [7] Οἱ δὲ ἐν ἀπροαιρέτῳ νυκτερινῇ ῥύσει γινόμενοι, [8] καὶ οὗτοι τῷ ἰδίῳ συνειδότι κατακολουθείτωσαν [9] καὶ ἑαυτούς, εἴτε διακρίνονται περὶ τούτου, [10] εἴτε μή, σκοπείτωσαν ὡς [11] ἐπὶ τῶν βρωμάτων· ὁ γὰρ [12] διακρινόμενος, φησίν, ἐὰν φάγῃ, κατακέκριται· [13] καὶ ἐν τούτοις εὐσυνείδητος ἔστω καὶ εὐπαῤῥησίαστος κατὰ τὸ ἴδιον ἐνθύμιον πᾶς ὁ προϊὼν [14] τῷ θεῷ.

Ταῦτα σὺ μὲν τιμῶν ἡμᾶς

1) бо *У*. 2) помошн *У*. 3) полоуцити *У*; и *вставл. П.* 4) чистъı *У*. 5) *У проп. все правило 4.* 6) и *проп. С.* 7) ожьшенсѧ *С*. 8) подобаѥть *С*. 9) бєтє *С, но позднѣйшей рукой переправл. въ* бꙋ҇тє. 10) ап҃лн *П*. 11) нже *С*. 12) расмотрѧють *С*. 13) и *проп. С*. 14) ѡсоутсѧ *П*. 15) насъ *П* (*вм.* съна).

1) διάκηται V Patm. 173. 2) προσεύχεσθαι μὲν γὰρ ὅπως... δεσπότου проп. V. 3) τὰ ἅγια τῶν ἁγίων PV. 4) ἀπέχεσθαι PV. 5) V было αὐτῶ ὦσιν, но по скобл. переправл. въ αὐτὸ συνῶσιν. 6) γὰρ проп. PV. 7) δ' проп. V. 8) γενόμενοι PV. 9) κατακολουθησάτωσαν PV. 10) τοῦτο P. 11) γὰρ вставл. P. 12) γὰρ проп. PV. 13) οὕτω вставл. P. 14) προσιὼν PV.

а не невѣдъıи възлюблıене· намъ принеслъ ıеси ıединомыслынъı [1] нъı· [2] ꙗко же оубо есмъ· и равьнодш҃ьнъı себѣ съвьршаꙗ· азъ же не ꙗко оучитель добръ· нъ ꙗко съ вьсею простъıнıею· подобьноıе намъ самѣмъ себѣ· бесѣдовати на обьщıеıе· [3] съмъıсла своıего заповѣдахъ· да изволнеъı и тъı [4] разоумьнъıи· сн҃е мои· ꙗко аще ꙗвить ти сѧ лоуче· и тако имѣти искоушаıеши· о нихъ въспишеши· съдравоу ти [5] бъıти възлюблıенъıи [6] мои сн҃е· миръмь слоужащю гоу҃ молисѧ·

(οὐ γὰρ ἀγνοῶν, ἀγαπητέ) τὰ πύσματα ἡμῖν προσήγαγες, ὁμόφρονας ἡμᾶς, ὥσπερ οὖν ἐσμεν, καὶ ἰσοψύχους ἑαυτῷ παρασκευάζων. ἐγὼ δὲ οὐχ ὡς διδάσκαλος καλός,[1] ἀλλ᾽ ὡς μετὰ πάσης ἁπλότητος προσῆκον ἡμᾶς ἀλλήλοις διαλέγεσθαι, εἰς κοινὸν τὴν διάνοιαν ἐμαυτοῦ [2] ἐξέθηκα, ἵν᾽ [3] ἐπικρίνας καὶ σύ,[4] συνετώτατε μὲν [5] υἱέ, ὅ τι ἂν σοι φανῇ [6] βέλτιον, ἢ [7] καὶ οὕτως ἔχειν δοκιμάζεις,[8] περὶ αὐτῶν [9] ἀντιγράψεις.[10] ἐῤῥῶσθαί [11] σε, ἀγαπητὲ υἱέ μου, ἐν εἰρήνῃ λειτουργοῦντα τῷ κυρίῳ εὔχομαι.

---

1) єдиномыслєньнѣ *C.* 2) нъı *проп. C.*
3) ѡбщєнїє *CП.* 4) то *C.* 5) ти *проп. C.*
6) възлюблєнын *cod.*

1) καλὸς проп. V. 2) ἐμαυτῷ Patm. 172.
3) ἦν PV. 4) καὶ σὺ проп. V. 5) μου PV
6) φανείη P. 7) εἰ V. 8) δοκιμάζῃς P.
9) περὶ αὐτῶν проп. V. 10) ἀντιγράψῃς PV.
11) ἔρρωσθαί V (и cod. первоначально).

стаго [1] петра архиеппа· [2] алеѯандрьскаго· | канони· имоуще [3] о покаꙗнии словесъ ѥго·

л. 224 а.

а҃· Понѥже оубо чьтвьртаꙗ авиѥ пасха постиже гонѥниѥ довъльно имать· приведенъıимъ оубо и въ тьмьницю въвьрженомъ· моукы же [4] неицѣльныꙗ подъимъшимъ· и непрѣтьрпимыꙗ раны· и многы и [5] лютыꙗ ноужда· послѣди же прѣданомъ [6] ѿ немощи плътьскыꙗ· аще не испьрва приꙗти быша· послѣдовавъшаго великаго ради падениꙗ· обаче ѕаниѥ многаꙗ имъ пострадати· и на мъноѕѣ противитисѧ· не волѥю бо на то придоша· нъ прѣдани бывъше· ѿ немощи плътьскыꙗ· понѥже ꙗѕвы і҃свы [7] ꙗвѧть [8] на тѣлесьхъ своихъ· и оуже нѣции третиѥѥ лѣто имоуть· плачющесѧ ѕапрѣтити имъ ѿстоуплениꙗ· въспоминаниѥ дроугыихъ четырьдесѧтъ дн҃и· въ ниже· оубо поствъсѧ г҃ь и сп҃съ нашь і҃с [9] х҃ъ· по крыщении искоушенъ бывъ ѿ диꙗвола· въ ꙗже и ти по излишению искоушени бывъше· сильнѣ [10] отрѣѕвивъшесѧ· бѫдѫть

(л. 232ᵃ — 240ᵃ). ΤΟΥ ἉΓΙΟΥ ΠΕΤΡΟΥ ἈΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ἈΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ [1] ΚΑΝΟΝΕΣ ΦΕΡΟΜΕΝΟΙ ἘΝ ΤΩι ΠΕΡΙ ΜΕΤΑΝΟΙΑΣ ΑΥΤΟΥ ΛΟΓΩι. [2]

α′. [3] Ἐπεὶ τοίνυν τέταρτον ἤδη πάσχα ἐπικατείληφεν τὸν διωγμόν, αὐτάρκως ἔχει [4] τοῖς μὲν προσενεχθεῖσιν καὶ φυλακισθεῖσιν, βασάνους τε ἀνηκέστους ὑπομεμενηκόσιν καὶ ἀφορήτους μάστιγας καὶ πολλὰς ἑτέρας δεινὰς ἀνάγκας, ὕστερον δὲ προδεδομένοις [5] ὑπὸ τῆς ἀσθενείας τῆς σαρκός, εἰ καὶ μὴ ἐξ ἀρχῆς παρεδέχθησαν διὰ τὴν παρακολουθήσασαν μεγίστην πτῶσιν, ὅμως διὰ τὸ πολλὰ αὐτοὺς ἠθληκέναι καὶ ἐπὶ πολὺ ἀντιμάχεσθαι (οὐ γὰρ κατὰ προαίρεσιν εἰς τοῦτο ἐληλύθασιν, ἀλλὰ καταπροδοθέντες ὑπὸ τῆς ἀσθενείας τῆς σαρκός, ἐπειδὴ καὶ στίγματα τοῦ Ἰησοῦ [6] ἐνδείκνυνται ἐν τοῖς σώμασιν ἑαυτῶν [7] καὶ ἤδη τινὲς τρίτον ἔτος ἔχουσιν καταπενθοῦντες) προσεπιτιμηθῆναι αὐτοῖς ἀπὸ τῆς προσελεύσεως καθ' ὑπόμνησιν ἄλλας μ′ ἡμέρας, ἃς καίπερ νηστεύσας [8] ὁ κύριος καὶ σωτὴρ ἡμῶν Ἰησοῦς ὁ Χριστὸς μετὰ τὸ βαπτισθῆναι ἐπειράσθη ὑπὸ τοῦ διαβόλου· εἰς ἃς καὶ αὐτοὶ κατὰ περισσὸν διαγυμνασθέντες εὐτονώτερόν τε νήψαντες γρηγοροῦσιν [9]

---

1) *У проп. заглавіе и всѣ правила Петра Александр. изъ слова о покаяніи. С in m.* к҃. 2) архиепископа *П.* 3) имоущемоу *П.* 4) иже *П.* 5) и *проп. С.* 6) дано *С.* 7) і҃сывы *П.* 8) авить *С.* 9) іс *cod.* 10) силнѣи *П.*

1) καὶ μάρτυρος вставл. PV. 2) κβ′ cod. in m. рукой XIII в. 3) α′ проп. cod.; V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μετὰ πολλὰς βασάνους ἀρνησαμένων τὸν Χριστόν. 4) V выскобл. послѣ ἔχει еще одну букву (ν?). 5) προδεδομένους V. 6) Χριστοῦ V. 7) αὐτῶν V. 8) νηστεῦσαι P. 9) γρηγορήσουσιν PV.

въ мл҃твахъ прочеѥ поучаюштесѧ гл҃ѥмоѥ ѿ г҃а· къ искоушаюштоумоу ѥго· да поклонитьсѧ иди за мѧ[1] сотоно писано бо ѥсть г҃оу твоѥмоу поклонишасѧ[2] и томоу ѥдиномоу[3] послоужиши·

в҃· Прѣтьрпѣвъшиимъ же по ѿвьржении въ тьмьницю· тъкъмо въ оузьници· акы въ | стражи скрьбь[4] же и смрадъ· послѣди же без брани и моукъ· бывъшемъ[5] плѣненомъ по мъноѕѣи ниште<тѣ> сильны и по нѣкоѥмоу ослѣплѥнию· съкроушеномъ довълѣѥть лѣто·[6] къ дроугоумоу лѣтоу имьже и ти· штиноудь продашасѧ· имене ради оскрьблѥни быти· аште и насладишасѧ въ оузьници ѿ братиꙗ многаго покаꙗниꙗ· ꙗже многообразьна ѿданию[7] хотѧште· избавитисѧ ѿ горькаго плѣнениꙗ диꙗвола· поминаюште паче гл҃юштаго· дх҃ъ г҃нь на мънѣ· ѥгоже изнесе[8] помаза мѧ·[9] бл҃говѣститъ[10] оубогъимъ посъла мѧ· проповѣдатъ плѣньникомъ ѿпоуштениѥ· и слѣпъшимъ[11] прозьрѣниѥ· посълати съкроушенꙑꙗ въ ѿрадоу· проповѣдати лѣто г҃не приꙗтьно·

εἰς προσευχὰς τοῦ λοιποῦ, καταμελετῶντες τὸ λελεγμένον[1] ὑπὸ τοῦ κυρίου πρὸς τὸν πειράζοντα αὐτόν, ἵνα προσκυνήσῃ αὐτῷ· Ὕπαγε,[2] σατανᾶ· γέγραπται γάρ· Κύριον τὸν θεόν σου προσκυνήσεις καὶ αὐτῷ μόνῳ λατρεύσεις.

β'.[3] Τοῖς δὲ μετὰ τὸ φυλακισθῆναι μόνον καὶ ὑπομεμενηκέναι τὰς ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ ὡς ἂν ἐν πολιορκίᾳ θλίψεις л. 224 b. τε καὶ δυσωδίας, ὕστερον δὲ χωρὶς πολέμου καὶ[4] βασάνων γενομένοις αἰχμαλώτοις, κατὰ πολλὴν πτωχείαν δυνάμεως καὶ κατά τινα τυφλότητα τεθραυσμένοις, ἐπαρκέσει ἐνιαυτὸς πρὸς τῷ ἑτέρῳ[5] χρόνῳ· ἐπεὶ ὅλως καὶ αὐτοὶ ἐπιδεδώκασιν ἑαυτοὺς ὑπὲρ τοῦ ὀνόματος θλιβῆναι, εἰ καὶ ἀπήλαυσαν[6] ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ τῆς παρὰ τῶν ἀδελφῶν πολλῆς ἀναπαύσεως, ἅπερ πολλαπλασίονα[7] ἀποδιδοῦσι,[8] ποθοῦντες λυτρωθῆναι ἀπὸ τῆς πικροτάτης αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου, μεμνημένοι μάλιστα τοῦ λέγοντος· Πνεῦμα κυρίου ἐπ' ἐμέ, οὗ εἵνεκεν[9] ἔχρισέν με· εὐαγγελίσασθαι πτωχοῖς ἀπέσταλκέν με,[10] κηρύξαι αἰχμαλώτοις ἄφεσιν καὶ τυφλοῖς ἀνάβλεψιν, ἀποστεῖλαι τεθραυσμένους ἐν ἀφέσει, κηρύξαι ἐνιαυτὸν κυρίου δεκτὸν καὶ ἡμέραν ἀνταποδόσεως.

---

1) поклонишнсѧ и томоу *вставл. П, но вычеркив. киноварью.* 2) поклонишнсѧ *П.* 3) ѥдинонѹ *С.* 4) скрьби *П.* 5) бывшимь *П.* 6) лѣло *С.* 7) ѿданїа *П.* 8) изнесе *проп. С.* 9) помазанїа *С (вм.* помаза мѧ*).* 10) бл҃говѣститъ *С.* 11) слѣпыи *П.*

1) λεγόμενον V. 2) ὀπίσω μου вставл. P. 3) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μετὰ τὸ φυλακισθῆναι μόνον ἀρνησαμένων. 4) καὶ проп. P. 5) παρελθόντι V. 6) ἀπέλαυσαν V. 7) πολλαπλάσιον V. 8) ἀποδώσουσιν PV. 9) ἕνεκεν PV. 10) ἰάσασθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν καρδίαν вставл. V.

г҃· Не пострадавъшиимъ же· никако же ничьто же такова·[1] ни показавъшиимъ плода вѣры· нъ особьшьдъшюмоу къ зълобѣ прѣдавъшемъся[2] страха ради· нъина же въ покаꙗние приходꙙще· ноуждьно ꙗсть и подобьно· весп[л]одьнꙑꙗ смокве·[3] притъчю[4] прѣдъложити· ꙗко же г҃ь гл҃ѥть· смокъвь имѣ[5] нѣкъто[6] насаждеǹоу въ виноградѣ своѥмь· и прииде ища плода на нѥи и не обрѣте· рече же къ виноградьникоу· се третиѥѥ лѣто | л. 225 а. ѿнелѣ же прихожю ища плода на нѥи· и не обрѣтаю ѿсѣци ю· да не како и землю оупражнꙗѥть· ѡнъ же ѿвѣщавъ гл҃а[7] ѥмоу· г҃и остави ю на се лѣто· донъдеже окопаю окрьстъ ѥꙗ· и гноимь осъıплю·[8] и аще оубо сътворить плодъ· аще ли ни· въ придоущеѥ ѿсѣчеши ю· юже прѣдъ очима приимъше· показавъше же[9] плодъ достоинъи[10] покаанию· въ дъ лготѣ толика лѣта· паче оуспѣшьни[11] боудоуть·

д҃· Неначаѥмъıимъ же вьсꙗко· непокаавъшїимъся· акы кожю моурина· непрѣложьноу сътꙗжавъшиимъ· и пьстротоу[12] пардоуса·

γʹ.[1] Τοῖς δὲ μηδόλως μηδέν τι τοιοῦτον πεπονθόσιν μηδὲ ἐνδειξαμένοις καρπὸν πίστεως, ἀλλ' αὐτομολήσασιν πρὸς τὴν κακίαν, προδεδομένοις ὑπὸ δειλίας καὶ φόβου, νῦν δὲ εἰς μετάνοιαν ἐρχομένοις, ἀναγκαῖόν ἐστιν καὶ ἁρμόζον τὴν τῆς ἀκάρπου συκῆς παραβολὴν παραθέσθαι, ὡς ὁ κύριος λέγει· Συκῆν εἶχέν τις πεφυτευμένην ἐν τῷ ἀμπελῶνι ἑαυτοῦ, καὶ ἦλθεν ζητῶν καρπὸν[2] ἐν αὐτῇ καὶ οὐχ εὗρεν. εἶπεν δὲ πρὸς τὸν ἀμπελουργόν· Ἰδοὺ τρία ἔτη ἀφ' οὗ ἔρχομαι ζητῶν καρπὸν ἐν τῇ συκῇ ταύτῃ, καὶ οὐχ εὑρίσκω· ἔκκοψον αὐτήν· ἵνα τί καὶ τὴν γῆν καταργῇ;[4] ὁ δὲ ἀποκριθεὶς λέγει αὐτῷ· Κύριε, ἄφες αὐτὴν καὶ τοῦτο τὸ ἔτος, ἕως ὅτου σκάψω τὰ[5] περὶ αὐτὴν καὶ βάλω κόπρια, κἂν μὲν ποιήσῃ καρπόν· εἰ δὲ μή γε, εἰς τὸ μέλλον ἐκκόψῃς[6] αὐτήν. ἣν πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντες, ἐνδειξάμενοί τε καρπὸν ἄξιον τῆς μετανοίας ἐν τῷ διαστήματι τοῦ τοσούτου[7] χρόνου μᾶλλον ὠφεληθήσονται.[8]

δʹ.[9] Τοῖς γὰρ παντάπασιν ἀπεγνωσμένοις[10] ἀμετανοήτοις, δέρματος[11] Αἰθίοπος ἀμετάβλητον κεκτημένοις καὶ ποικίλματα παρδάλεως,

1) таково *П.* 2) предавшимсѧ *П.* 3) смовке *С.* 4) причтꙋ *С.* 5) имѣти *С.* 6) кто *С.* 7) гла *cod.* 8) и гноимь осъıплю *проп. С.* 9) же *проп. С.* 10) достоины *С.* 11) оуспѣшнїи *П.* 12) и *вставл. П.*

1) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μηδὲ φυλακισθέντων. 2) καρπὸν ζητῶν P. 3) τὶ V. 4) καταργεῖ Patm. 173. 5) τὰ проп. P. 6) ἐκκόψεις V Patm. 173. 7) τοσούτου проп. P. 8) ὀφελεθήσονται cod. 9) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μὴ μενανοούντων. 10) καὶ вставл. PV, и V перєправл. ἀπεγνωσμένοις въ ἀπεγνωσμένως. 11) δέρμα τε PV (вм. δέρματος).

речетьсѧ притъча·[1] дроугыꙗ смоквє·[2] оуже ѿ тебе· да не боудеть плода въ вѣкы· тѣмь и абиѥ исыхаѥть· испълнꙗѥть бо сѧ[3] въ нихъ· и ѿ цр҃квьнааго ѻ҃ка реченоѥ развращеноѥ не можеть сѧ оукрасити· и послѣдъ не можеть· причьтенъ быти· аще бо пьрвѣѥ развращеноѥ не исправиться· не възможьно[4] ѥсть ѥмоу оукрашеноу быти· и аще пьрвѣѥ послѣдъкъ· не напълниться· не възможьно ѥсть ѥмоу причьтѣноу быти· тѣмь и къ коньцю· съключиться имъ гл҃ѥмоѥ· ѿ пр҇рка исаиꙗ· и оузьрѧть рече· телеса чл҃вчьскаꙗ· прѣстоупльшихъ отъ мене· чьрвь[5] бо ихъ не съконьчаѥться· и | огнь ихъ не оугаснеть· и боудоуть въ видѣниѥ вьсѧкои плъти· понеже и ꙗко же прѣже речено ѥсть ѿ него· неправьдьнии же тако погрѧзноуть· и почити не могоуть· нѣсть радоватисѧ нечьстивъıимъ рече г҃ь·

е҃· Лицемѣрьствовавъшемъ[6] же· по постыжьнѣмь давъıдѣ· да не оумьрьть· не соуща постижьна· и не наго написавъшиимъ· на ѡвьрьжениѥ· нъ пороугавъшиимъсѧ· по мъногѣ тѣснотѣ· ꙗко дѣти

1) причта *П.* 2) *cod. перепpавл.* в *изъ* к. 3) сѧ *проп. П.* 4) можно *С.* 5) чеврь *С.* 6) Лицемѣрьствовавшим' *П.*

λεχθήσεται τὸ τῆς ἑτέρας συκῆς· Μηκέτι ἐκ σοῦ καρπὸς γένηται εἰς τὸν αἰῶνα· δι᾽ ὃ[1] καὶ παραχρῆμα ξηραίνεται. ἀποπληροῦται γάρ[2] ἑαυτοῖς[3] καὶ τὸ ὑπὸ τοῦ Ἐκκλησιαστοῦ εἰρημένον·[4] Οὐ δυνηθήσεται ἐπικοσμηθῆναι καὶ ὑστέρημα οὐ δυνήσεται[5] ἀριθμηθῆναι· εἰ μὴ γὰρ πρότερον[6] διεστραμμένον διορθωθῇ, ἀδύνατόν ἐστιν αὐτὸ ἐπικοσμηθῆναι·[7] καὶ εἰ μὴ πρότερον τὸ ὑστέρημα ἀναπληρωθῇ, ἀδύνατόν ἐστιν αὐτὸ[8] ἀριθμηθῆναι. ὅθεν καὶ ἐπὶ τέλους συμβήσεται αὐτοῖς τὸ λεγόμενον[9] ὑπὸ τοῦ προφήτου Ἡσαΐου· Καὶ ὄψονται γάρ, φησίν, τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί· ὁ γὰρ σκώληξ αὐτῶν οὐ τελευτήσει καὶ τὸ πῦρ αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται, καὶ ἔσονται εἰς ὅρασιν л. 225 b. πάσῃ σαρκί. ἐπεὶ καὶ ὡς προλέλεκται ὑπ᾽ αὐτοῦ, οἱ δὲ ἄδικοι οὕτω κλυδωνισθήσονται καὶ ἀναπαύσεσθαι[10] οὐ μὴ δυνήσονται·[11] οὐκ ἔστι χαίρειν τοῖς ἀσεβέσιν, εἶπεν ὁ θεός.[12]

ε´.[13] Τοῖς δὲ καθυποκριναμένοις κατὰ τὸν ἐπιληπτευσάμενον Δαβίδ, ἵνα μὴ ἀποθάνῃ, οὐκ ὄντα ἐπίληπτον, καὶ μὴ γυμνῶς ἀπογραψαμένοις τὰ πρὸς ἄρνησιν, ἀλλὰ διαπαίξασιν κατὰ τοῦ[14] πολλὴν στενοχωρίαν, ὡς ἂν παιδία

1) διὸ PV. 2) γοῦν PV. 3) ἐπ᾽ αὐτοῖς PV (вм. ἑαυτοῖς). 4) διεστραμμένον вставл. PV. 5) δυνηθήσεται Patm. 172. 6) τὸ вставл. P. 7) καὶ ὑστέρημα οὐ.... ἐπικοσμηθῆναι проп. V. 8) αὐτῷ V. 9) λελεγμένον P. 10) ἀναπαύσασθαι PV. 11) δυνήσωνται Patm. 172; δυνηθήσωνται V. 12) κύριος V. 13) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν καθυποκριναμένων. 14) τοῦ проп. PV.

съвѣтьнꙑ и съмꙑсльнꙑ· въ дѣтьхъ несъмꙑсльнахъ вражиꙗ помꙑшлениꙗ· рекъше ꙗко прошьдъше· трѣбище· сирѣчь ꙗко роукописаниѥ сътворьше· рекъше акꙑ въ собѣ мѣсто вълагающе· поганꙑꙗ· или съ нѣкъıими ихъ съкоупишасѧ нѣции· ѿ исповѣдьникъ ꙗко же слꙑшахъ понеже паче[1] по мъноꙁѣ бл҃гобоꙗꙁньствѣ оубѣжаша· самооубиицѧ бꙑти[2] огню· и коурениꙗ нечистꙑихъ бѣсъ· ельма же оубо оутаи ихъ· беꙁоумиѥ[3] се сътворьшемъ·[4] обаче шесть мѣсѧць имъ положитьсѧ· въ покаании обращениꙗ· та бо[5] паче и сами оуспѣшьни боудоуть пооучающесѧ· прⷪ҇рчьскоѥ ꙗвлениѥ· гл҃ꙗ отроча родисѧ намъ сн҃ъ дастьсѧ· ѥмоуже начало на рамѣ ѥго· и наречетьсѧ имѧ ѥго велика съвѣта анг҃лъ· ꙗко[6] же вѣсть въ шесть мѣ-
л. 226 а. сѧ|ць ꙁачатиꙗ дроугааго отрочате· прѣдъ лицьмь въхода ѥго· покаꙗнию въ оставлениѥ грѣховъ· ꙁачатъ бꙑсть· ѥже проповѣдати покаꙗниѥ· ибо обою слꙑшимъ въ пьрвꙑихъ проповѣдающю· не тъкъмо о[7] покаꙗнии[8] нъ и о цр҃ствии нб҃сьнѣмь· ѥже ꙗко же навꙑкохомъ· блиꙁъ насъ ѥсть· ѥже блиꙁъ насъ ѥсть гл҃ю·

1) пакы *П.* 2) бꙑ *С; н вставл. П.* 3) *cod. переправл.* ѥ *изъ* н, *а* м *изъ какой-то другой буквы по скобл. (изъ* н҃ *?).* 4) сътворшⷨ҇ *П.* 5) бо *С.* 6) ꙗ *П.* 7) покаꙗниѥ· ибо обою слꙑшимъ въ пьрвꙑихъ проповѣдающю· не тъкъмо о *прон. П.* 8) покаꙗнїи *П.*

βουλευτικὰ ἔμφρονα ἐν[1] παιδίοις ἄφροσιν, τὰς τῶν ἐχθρῶν ἐπιβουλάς, ἤτοι ὡς διελθόντες[2] βωμούς,[3] ἤτοι ὡς χειρογραφήσαντας;[4] ἤτοι ὡς ἀνθ' ἑαυτῶν βάλλοντες[5] ἐθνικούς (εἰ καὶ τισιν αὐτῶν συνεχώρησάν τινες τῶν ὁμολογητῶν, ὡς ἤκουσα, ἐπεὶ μάλιστα κατὰ πολλὴν εὐλάβειαν ἐξέφυγον αὐτόχειρες γενέσθαι τοῦ πυρὸς καὶ τῆς ἀναθυμιάσεως τῶν ἀκαθάρτων δαιμόνων). ἐπεὶ τοίνυν ἔλαθεν αὐτοὺς ἀνοίᾳ τοῦτο πράξαντας, ὅμως ἑξάμηνος αὐτοῖς ἐπιτεθήσεται τῆς ἐν μετανοίᾳ ἐπιστροφῆς· οὕτω γὰρ μᾶλλον καὶ αὐτοὶ ὠφεληθήσονται, καταμελετῶντες τὸ προφητικὸν ῥητὸν καὶ λέγοντες· Παιδίον ἐγεννήθη ἡμῖν υἱὸς καὶ ἐδόθη ἡμῖν, οὗ ἡ ἀρχὴ ἐπὶ τοῦ ὤμου αὐτοῦ, καὶ καλεῖται τὸ ὄνομα αὐτοῦ[6] μεγάλης βουλῆς ἄγγελος· ὅπερ, ὡς ἴστε, ἐν τῷ ϛ' μηνὶ τῆς συλλήψεως τοῦ ἑτέρου παιδίου, τοῦ προκηρύξαντος πρὸ προσώπου τῆς εἰσόδου αὐτοῦ μετάνοιαν εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν, συνελήφθη καὶ τὸ[7] κηρύξαι μετάνοιαν. καὶ γὰρ καὶ τῶν ἀμφοτέρων ἀκούομεν ἐν πρώτοις κηρυσσόντων οὐ μόνον περὶ μετανοίας, ἀλλὰ καὶ περὶ βασιλείας οὐρανῶν, ἥτις, καθὼς μεμαθήκαμεν, ἐντὸς ἡμῶν ἐστιν τὸ[8] ἐγγὺς ἡμῶν εἶναι τὸ ῥῆμα,

1) ἐμ Patm. 172. 2) διελθόντας V. 3) βωμοῖς P. 4) χειρογραφήσαντες P. 5) βαλόντες P; βαλόντας V. 6) καὶ καλεῖται τὸ ὄνομα αὐτοῦ cod. in m. 7) αὐτὸ PV. 8) τῷ PV.

ѥмоуже вѣроуѥмъ въ оустѣхъ ср҃дци своѥмь· о ниѥмьже[1] ти въспомѧноувъше навъкноуть· исповѣдати въ оустѣхъ своихъ ꙗко г҃ь і҃съ· вѣроующе въ ср҃дци своѥмь· ꙗко б҃ъ въстави и[2] из мьртвъıихъ· ꙗко же подобаѥть[3] слоушающиимъ· ꙗко ср҃дце оубо вѣроуѥть·[4] въ правьдоу· оусты же исповѣдаѥтьсѧ въ сп҃сениѥ·

ѕ҃· Рабы же[5] крьстиꙗнъı·[6] въ себѣ мѣсто въложивъшиимъ· аще раби акъı подъ роукою [соуще и въ темницю въвръжени бывше][7] ѿ вл҃дкъ своихъ· запрѣщени бывъше· и страха ради ихъ того на то пришьдъше· и прѣлъıщьшемъсѧ·[8] образъ нѣкъıи· въ ѥдино лѣто покаꙗниꙗ· дѣла покажють· вънкноуще прочеѥ· ꙗко раби х҃ви творити волю б҃жию· и боꙗтисѧ ѥго слъıшаще паче· ꙗко къто аще сътворить бл҃го· то приметь бл҃го· то сътворить отъ г҃а или рабъ или свободь·

з҃· Свободьнии же въ три лѣта испытании[9] боу|доуть въ покаꙗнии· и ꙗко соудивъше ꙗко приноудивъше

1) и *вставл.* *П.* 2) и *проп.* *П.* 3) подобающе *С, но* юще *перечеркнуто и допис.* ѥть. 4) *cod.* ть· *по скобл.* (*вм. трехъ буквъ съ + сверху*). 5) иже *П.* 6) крестіанын *П.* 7) *вставка изъ* *П.* 8) *cod.* мъ *по скобл.* 9) испытанїи *П.*

ὃ πιστεύομεν[1] ἐν τῷ στόματι ἑαυτῶν καὶ ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτῶν· περὶ ἧς καὶ αὐτοὶ ὑπομνησθέντες μαθήσονται ὁμολογεῖν ἐν τῷ στόματι ἑαυτῶν,[2] ὅτι κύριος Ἰησοῦς,[3] πιστεύοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτῶν, ὅτι ὁ θεὸς αὐτὸν ἤγειρεν ἐκ νεκρῶν· ἅτε δὴ ἀκούοντες, ὅτι καρδίᾳ μὲν πιστεύεται[4] εἰς δικαιοσύνην, στόματι δὲ ὁμολογεῖται[5] εἰς σωτηρίαν.

ϛ'.[6] Τοὺς[7] δὲ δούλους χριστιανοὺς ἀνθ' ἑαυτῶν ὑποβεβληκόσιν, οἱ μὲν δοῦλοι, ὡς ἂν ὑποχείριοι ὄντες καὶ τρόπον τινὰ καὶ αὐτοὶ φυλακισθέντες ὑπὸ τῶν δεσποτῶν, καταπειληθέντες τε[8] ὑπ' αὐτῶν καὶ διὰ τὸν φόβον αὐτῶν εἰς τοῦτο ἐληλυθότες καὶ ὀλισθήσαντες, ἐν ἐνιαυτῷ τὰ τῆς μετανοίας ἔργα δείξωσιν, μανθάνοντες τοῦ λοιποῦ ὡς δοῦλοι Χριστοῦ ποιεῖν τὸ θέλημα[9] τοῦ θεοῦ καὶ φοβεῖσθαι αὐτόν, ἀκούοντες μάλιστα, ὅτι ἕκαστος, ἐάν τι ποιήσῃ[10] ἀγαθόν, τοῦτο κομίσεται[11] παρὰ κυρίου, εἴτε δοῦλος, εἴτε ἐλεύθερος.

ζ'.[12] Οἱ δὲ ἐλεύθεροι ἐν τρισὶν ἔτεσιν
ἐξετασθήσονται ἐν μετανοίᾳ, καὶ ὡς л. 226 b.
ὑποκρινάμενοι καὶ ὡς καταναγκάσαντες

1) ὃ πιστεύομεν проп. V. 2) καὶ ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτῶν...στόματι ἑαυτῶν проп. V. 3) Χριστὸς вставл. PV. 4) πιστεύεται Patm. 172, но надъ αι надпис. ε. 5) ὁμολογεῖτε Patm. 172. 6) V съ заглавіемъ: Περὶ δούλων ἀναγκασθέντων ὑπὸ τῶν ἰδίων δεσποτῶν ὑπὲρ αὐτῶν θῦσαι. 7) Τοῖς PV. 8) τε проп. V. 9) τὸ θέλημα ποιεῖν V. 10) ποιῇ. 11) κομιεῖται V; κομήσηται Patm. 172. 12) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν τὰς ἰδίας δούλας ἀνθ' ἑαυτῶν ἀναγκασάντων θῦσαι.

равьнꙑꙗ себѣ рабꙑ· ꙗко же бо ослоушавъшасѧ ап҃ла· таꙗ же хотѧщю творити влд҃кмъ· рабомъ оставлѥше прѣгрѣшениѥ[1] вѣдоуще рече· ꙗко и вамъ и тѣмъ г҃ь ѥдинъ ѥсть на нб҃сьхъ· и лицемѣрнꙗ[2] оу нѥго нѣсть· аще ли ѥдиного г҃а имамъ вьси· нелицемѣрьна· понѥже и всѧ и въ вьсѣхъ ѥсть х҃съ· въ варъварѣхъ же и[3] въ скуѳѣхъ· въ рабѣхъ же и въ свободьнꙑихъ· съмотрити дължени соуть ѥже съдѣлаша· въсхотѣвъше же дш҃ю свою сп҃сти· иже клеврѣтꙑ своꙗ привлекъше· на коумирослоужениѥ· могоущемъ·[4] и тѣмъ оубѣжати на правьдьноѥ и равьно имъ подавъше ꙗко же ап҃лъ гл҃ѥть·

н҃· **Прѣданꙑимъ** же и съпадъшимъ приведъшимъ же себѣ на подвигъ· исповѣдаютъ бꙑти крьстиꙗни· въвьрженомъ же въ тьмьницю· по моукахъ оудобьно ѥсть· съ радостьнꙑимь срд҃цьмь· съвъсприимати и съприобꙑщатисѧ вьсѣхъ въ молитвахъ же и въ причащении телесе и кръви г҃ни· и оутѣшениѥмь слова·

1) прещениѥ *П.* 2) лицамѣріа *С.* 3) и *проп. С.* 4 могоущи҃и *П.*

τοὺς ὁμοδούλους θῦσαι, ἅτε δὴ παρακούσαντες τοῦ ἀποστόλου, τὰ αὐτὰ θέλοντος ποιεῖν τοὺς δεσπότας τοῖς δούλοις, ἀνιέντας τὴν ἀπειλήν, εἰδότες,[1] φησίν, ὅτι καὶ ὑμῶν καὶ αὐτῶν ὁ κύριός ἐστιν ἐν[2] οὐρανοῖς καὶ προσωποληψία παρ' αὐτῷ οὐκ ἔστιν. εἰ δὲ ἕνα κύριον ἔχομεν οἱ πάντες ἀπροσωπόληπτον, ἐπεὶ καὶ πάντα καὶ ἐν πᾶσιν ὁ Χριστός, ἔν τε βαρβάροις καὶ Σκύθαις, δούλοις καὶ ἐλευθέροις, σκοπεῖν ὀφείλουσιν, ὃ κατειργάσαντο· θελήσαντες δὲ[3] τὴν ψυχὴν ἑαυτῶν[4] σῶσαι, οἱ[5] τοὺς[6] συνδούλους ἡμῶν[7] ἑλκύσαντες ἐπὶ εἰδωλολατρείαν,[8] δυναμένους καὶ αὐτοὺς ἐκφυγεῖν, εἰς[9] τὸ δίκαιον καὶ τὴν ἰσότητα ἦσαν αὐτοὶ[10] παρασχόντες, ὡς πάλιν ὁ ἀπόστολος λέγει.

η'.[11] Τοῖς δὲ παραδεδομένοις καὶ ἐμπεπτωκόσιν[12] τοῖς[13] τε ἑαυτοῖς[14] προσεληλυθόσιν εἰς τὸν ἀγῶνα,[15] ὁμολογοῦσιν εἶναι χριστιανοὶ[16] ἐμβεβλημένοις τε ἐν τῇ φυλακῇ[17] μετὰ βασάνων, εὔλογόν ἐστιν ἐν ἀγαλλιάσει καρδίας συνεπισχύειν καὶ κοινωνεῖν ἐν πᾶσιν, ἔν τε ταῖς προσευχαῖς καὶ τῇ μεταλήψει τοῦ σώματος καὶ τοῦ αἵματος καὶ τῇ παρακλήσει τοῦ λόγου,

1) εἰδότες P. 2) τοῖς вставл. V. 3) δὲ проп. V. 4) αὐτῶν V. 5) οἱ проп. V. 6) δὲ вставл. V. 7) ἡμῶν проп. V. 8) V переправл. въ εἰδωλολατρίαις. 9) εἰ PV. 10) αὐτοῖς PV. 11) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν παραδοθέντων καὶ ἐκπεσόντων, εἶθ' οὕτως τε αὐτοῖς προσελθοῦσιν εἰς τὸν ἀγῶνα καὶ ἀγωνισαμένοις. 12) ἐκπεπτωκόσιν PV. 13) εἶθ' οὕτως V (вм. τοῖς). 14) αὐτοῖς P. 15) καὶ вставл. P. 16) χριστιανοῖς P. 17) εἰς τὴν φυλακὴν V.

да крѣпле̑ подвигъшесѧ· и ти съподобатьсѧ вѣньцѧ вьрховьнꙗаго зъваниꙗ· ибо семь кра|ты падеть рече правьдьное· и въстанеть ѥже аще вьси ѿпадъше сътвориша· коньчьное и вьсесрдцьное [1] покаание ꙗвиша·

д҃· И тѣмь ꙗко на подвигъ себе въдавъшемъ [2] ѿ съна болѣзньнъи· и хотѧща [3] привлѣщи· себѣ же напасти приимъшемъ [4] морьскааго борениꙗ· и многа волнениꙗ· паче же братиѥ раждагающе оугли грѣшьнъихъ· и тѣмь приобьщатисѧ· ꙗко же оубо въ имѧ х҃во приходѧщемъ [5] на то· аще и не вънемлють словесьмъ ѥго· оучащю молитесѧ молитьсѧ [6] не вънити въ напасть· и пакы въ млт҃вѣ гл҃кте о҃ц҃ю не въведи насъ въ напасть· нъ избави насъ ѿ неприꙗзни· равьно же и не вѣдѧть [7] бывающиихъ· мъногашьды отъхожении· г҃на домоу· и оучителꙗ нашего· ѿ хотѧщиихъ [8] на нь ковъ [9] творити ѥсть ѥгда ни дьрзновениѥмь хождааше ихъ ради· и

ἵνα εὐτονώτερον ἀγωνισάμενοι καταξιωθῶσιν καὶ αὐτοὶ τοῦ βραβείου τῆς ἄνω κλήσεως. л. 227 а. καὶ γὰρ ἑπτάκις, φησίν, πεσεῖται ὁ δίκαιος καὶ ἀναστήσεται· ὅπερ εἰ καὶ πάντες οἱ ἐκπεπτωκότες πεποιήκεσαν,[1] τελειοτάτην καὶ ὁλοκαρδίαν[2] μετάνοιαν ἐνεδείξαντο.[3]

θ'.[4] Καὶ τούτοις[5] δὲ ὡς ἂν ἐξ ὕπνου ἑαυτοῖς παραπηδῶσιν εἰς τὸν ἀγῶνα, ὠδίνοντα καὶ μέλλοντα ἑλκῦσαι, ἑαυτοῖς δὲ πειρασμὸν ἐπισπασαμένοις[6] θαλαττομαχίας καὶ πολλῆς κυματώσεως, μᾶλλον δὲ καὶ τοῖς ἀδελφοῖς προσεκκαίοντες[7] ἄνθρακα[8] ἁμαρτωλῶν, καὶ αὐτοὶ[9] κοινωνητέον, ἅτε δὴ ἐν ὀνόματι Χριστοῦ παρερχομένοις εἰς τοῦτο, εἰ καὶ μὴ προσέχωσιν[10] αὐτοῦ τοῖς λόγοις, διδάσκοντος προσεύχεσθαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμόν· καὶ πάλιν ἐν εὐχῇ λέγει[11] τῷ πατρί· Καὶ μὴ εἰσενέγκῃς ἡμᾶς εἰς πειρασμόν, ἀλλὰ ῥῦσαι ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ πονηροῦ· ἴσως δὲ καὶ ἀγνοοῦσιν τὰς γενομένας[12] πολλάκις[13] ἀναχωρήσεις τοῦ οἰκοδεσπότου[14] καὶ διδασκάλου ἡμῶν ἀπὸ τῶν θελόντων ἐπιβουλεύειν, καὶ ὅτι ἔσθ' ὅτε οὐδὲ παρρησίᾳ περιεπάτει δι' αὐτούς,[15] καὶ

---

1) всесрд҃чное *ПС*. 2) вдавши̑м *П*. 3) хотѧщи *П*. 4) прiимшiмь *П*. 5) приходѧщимь *П*. 6) молитьсѧ *проп. П*. 7) видѧть *С*. 8) ходѧщiихъ *С, гдѣ еще вставл.:* многажды ѿхоженiи домꙋ г҃нѧ· и оучителѧ нашего ѿходѧщiихъ. 9) конь *П*.

1) πεποιήκασι P (и V первонач.). 2) ὁλοκάρδιον PV. 3) ἐνεδείκνυντο V. 4) V съ заглавiемъ: Περὶ τῶν αὐθαιρέτως ἑαυτοῖς εἰσπηδῶσιν εἰς τὸν ἀγῶνα. 5) τοῖς PV. 6) ἐπ' εἰσπασαμένοις V. 7) προσεκκαίουσιν P. 8) ἄνθρακας P. 9) αὐτοῖς P; къ αὐτοὶ въ V дописано схолiастомъ маленькое ς. 10) προσέχουσιν PV. 11) λέγειν PV. 12) γινομένας PV. 13) πολλάκις γινομένας P. 14) οἰκείου δεσπότου V (вм. οἰκοδεσπότου). 15) καὶ ὅτι вставл. PV.

кгда врѣмѧ[1] страсти кго приближисѧ· не самъ сѧ прѣда нъ ожидааше допъдеже придоша на нь съ ножи и съ трьколькмь·[2] гл҃а оубо къ нимъ· ꙗко на разбоиника ли придосте съ ножи и съ дрьколькмь ꙗти мѧ· иже прѣдаша и рече пилатоу[3] по ѡбразоу оубо[4] того· и по съмотрению· кго ходѧщеи пострадаша[5] поминаюце | (л. 227 b.) бж҃ьствьнъихъ кго словесъ· имьже оутвьржаꙗ нъι гонениꙗ гл҃аше· вънемлѣте себѣ прѣдадѧть бо въι на сънькмища· и на съборищихъ[6] ихъ оубиють въι· прѣдадѧть же рече нъ не[7] себе прѣдасте· и къ влдъıкамъ рече и ц҃ремъ[8] ведени боудете имене моего ради· нъ не сами сѧ ведете· понеже и прѣходити намъ повелѣвакть· ѿ мѣста на мѣсто гонимомъ имене[9] кго ради· ꙗко же пакъι слъιшимъ кго гл҃юща· кгда гонѧть въι ѿ града того бѣжите въ дроугъιи не хочеть бо насъ къ диꙗволкмъ слоугамъ и къ ороужьникомъ· да не большаꙗ съмьрти повиньни имъ[10] боудемъ·[11] акъι поудѧщиꙗ паче стръпътьливомъ бъιти· и съконьцати[12] съмьртьнаꙗ дѣлеса· нъ чаꙗти и внимати себѣ· бъдѣти

ὅτε ὁ καιρὸς τοῦ πάθους αὐτοῦ[1] προσήγγισεν,[2] οὐχὶ[3] ἑαυτὸν παρέδωκεν, ἀλλ’ ἐξεδέξατο, ἕως ἦλθον ἐπ’ αὐτὸν μετὰ μαχαιρῶν καὶ ξύλων[4] συλλαβεῖν με, οἵ καὶ παρέδωκαν αὐτόν, φησίν, Πιλάτῳ. καθ’ ὁμοιότητα γοῦν αὐτοῦ καὶ οἱ κατὰ σκοπὸν αὐτοῦ βαίνοντες πεπόνθασιν, μεμνημένοι τῶν θείων αὐτοῦ λόγων, δι’ ὧν ἐπιστηρίζων ἡμᾶς περὶ τῶν διωγμῶν λέγει· Προσέχετε ἑαυτοῖς· παραδώσουσιν γὰρ ὑμᾶς εἰς συνέδρια[5] καὶ ἐν ταῖς συναγωγαῖς αὐτῶν μαστιγώσουσιν ὑμᾶς. παραδώσουσιν δὲ εἶπεν, ἀλλ’ οὐχ[6] ἑαυτοὺς παραδώσετε· καὶ ἐπὶ ἡγεμόνας δέ, φησίν, καὶ βασιλεῖς ἀχθήσεσθε διὰ τὸ ὄνομά μου, ἀλλ’ οὐχὶ ἑαυτοὺς ἄξετε· ἐπεὶ καὶ μεταπηδᾶν ἡμᾶς βούλεται ἀπὸ τόπων εἰς τόπους, διωκομένους διὰ τὸ ὄνομα αὐτοῦ, ὡς πάλιν ἀκούομεν αὐτοῦ λέγοντος· Καὶ ὅταν διώκωσιν ὑμᾶς ἐκ τῆς πόλεως ταύτης,[7] φεύγετε εἰς τὴν[8] ἑτέραν· οὐ γὰρ θέλει[9] ἡμᾶς πρὸς τοὺς τοῦ διαβόλου ὑπασπιστὰς καὶ δορυφόρους, ὅπως μὴ καὶ πλειόνων θανάτων αἴτιοι αὐτοῖς γενώμεθα, ὡς ἂν καταναγκάζοντες αὐτοὺς[10] μᾶλλον κατατραχύνεσθαι καὶ τελεσιουργεῖν τὰ θανατηφόρα ἔργα, ἀλλ’ ἐκδέχεσθαι καὶ προσέχειν ἑαυτοῖς, γρηγορεῖν

1) *cod.* ѣ *по скобл.* 2) дѣкольемь *C.* 3) *cod.* оу *по скобл.* (*вм.* ѣ·). 4) бо *П.* 5) постраша *C.* 6) ͨборіщихъ *C.* 7) не *проп. C.* 8) ц҃ремъ *CП.* 9) имени *П.* 10) мъ *C.* 11) боуд҃е *П.* 12) сконч҃а *П.*

1) τοῦ πάθους αὐτοῦ проп. V. 2) ἤγγισεν V. 3) οὐκ PV. 4) λέγει οὖν (V γοῦν) πρὸς αὐτούς· Ὡς ἐπὶ λῃστὴν ἐξήλθατε (V ἐξήλθετε) μετὰ μαχαιρῶν καὶ ξύλων вставл. PV. 5) cod. переправл. изъ σύνεδρα. 6) οὐχὶ PV. 7) ἐν τῇ πόλει ταύτῃ V. 8) τὴν проп. V. 9) αὐτομολεῖν вставл. PV. 10) ἑαυτοὺς V, но ἑ выскобл.

же и[1] молитисѧ да не вънидемъ въ напасть· сице стефанъ въ слѣдъ його моучение въсприимъ[2] въ иерслмѣ[3] въсхы[ще]нъ бѣ ѿ безаконьнънихъ· и приведенъ въ съньмище·[4] побиваюмъ камениюмь въ имѧ іс[5] хво·[6] прослависѧ молѧсѧ и глѧ· гн не постави имъ грѣха сего· тако иаковъ въторою ютъ ѿ ирода· мечемь главоу оусѣченъ бысть· сице изъбраныи апл̃ъ петръ· мъногашьды ютъ бывъ и въ тьмьницю въвьрженъ· и бещьствованъ· послѣди въ римѣ распѧтъ бывъ· тако же и славьныи |павьлъ мъногашьды· прѣданъ бывъ и до съмьрти принoуждень· мъного же пострадавъ и хвалевъсѧ въ мъногыихъ гонениихъ и скьрбьхъ· въ томь же градѣ и тъ мечьмь оусѣченъ бысть[7] въ главоу· иже въ нихъ и похвалисѧ глаше· и юко въ дамаскѣ въ кошьници по стѣнѣ съвѣшенъ быхъ[8] нощь· и оубѣжахъ роукоу ищющаго його юти· прѣдълежащеие же бѣ имъ въ пьрвыихъ· бл̃говѣстити· и оучити слово бж̃ие· имиже оутвьржающе братию прѣбывати въ вѣрѣ· и се глаахоу юко многыими скърбьми[9] подобаюіть выити въ црствие бж̃ие не искахоу бо своюго польѕьнаго нъ мъногыихъ да спсоутьсѧ· и бѣ

τε καὶ προσεύχεσθαι, ἵνα μὴ εἰσέλθωμεν εἰς πειρασμόν. οὕτως Στέφανος,[1] κατ' ἴχνος αὐτοῦ μαρτύριον ἀναδεξάμενος, ἐν Ἱεροσολύμοις συναρπασθεὶς ὑπὸ τῶν παρανόμων καὶ ἀχθεὶς ἐν τῷ συνεδρίῳ, λιθοβολούμενος ἐν ὀνόματι Χριστοῦ, ἐδοξάσθη παρακαλῶν καὶ λέγων· Κύριε, μὴ στήσῃς[2] αὐτοῖς ταύτην τὴν ἁμαρτίαν.[3] οὕτως Ἰάκωβος, δεύτερος συλληφθεὶς ὑπὸ Ἡρώδου, μαχαίρᾳ τὴν κεφαλὴν ἀπετμήθη. οὕτως ὁ πρόκριτος τῶν ἀποστόλων Πέτρος, πολλάκις συλληφθεὶς καὶ φυλακισθεὶς καὶ ἀτιμασθείς, ὕστερον ἐν Ῥώμῃ ἐσταυρώθη· ὁμοίως καὶ ὁ περιβόητος Παῦλος, πλεονάκις л. 228 а.
παραδοθεὶς καὶ ἕως θανάτου κινδυνεύσας, πολλά τε ἀθλήσας καὶ καυχησάμενος ἐν πολλοῖς διωγμοῖς καὶ θλίψεσιν, ἐν τῇ αὐτῇ πόλει καὶ αὐτὸς μαχαίρᾳ τὴν κεφαλὴν ἀπετμήθη,[4] ὃς ἐν οἷς ἐκαυχήσατο κατέλεξεν[5] καὶ ὅτι[6] ἐν Δαμασκῷ σπυρίδι ἐχαλάσθη διὰ τοῦ τείχους νυκτὸς καὶ ἐξέφυγεν τὰς χεῖρας τοῦ ζητοῦντος αὐτὸν πιάσαι· τὸ γὰρ προκείμενον ἦν αὐτοῖς ἐν πρώτοις εὐαγγελίζεσθαι καὶ διδάσκειν τὸν λόγον τοῦ θεοῦ, ἐν οἷς ἐπιστηρίζοντες τοὺς ἀδελφοὺς ἐμμένειν ἐν τῇ πίστει, καὶ τοῦτο ἔλεγον, ὅτι διὰ πολλῶν θλίψεων δεῖ εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ θεοῦ· ἐζήτουν γὰρ οὐ τὸ ἑαυτῶν[7] συμφέρον, ἀλλὰ τὸ τῶν πολλῶν, ἵνα σωθῶσιν. καὶ ἦν

1) и *проп. С.* 2) *cod.* прин *по скобл.* 3) іерлмѣ *П*; ерлимѣ *С.* 4) сонмища *С.* 5) іс *cod.* 6) хс *П.* 7) кывъ *С.* 8) бывъ *С.* 9) скърьми *С.*

1) πρῶτος вставл. PV. 2) στήσησης V. 3) τὴν ἁμαρτίαν ταύτην PV. 4) ἀπεχείρατο P. 5) ὃς ἐν οἷς ἐκαυχήσατο κατέλεξεν проп. V. 6) ὅτι καὶ P. 7) ἑαυτὸν cod.

мъного гл҃ати :имъ· въ сиꙗ на
сътворениꙗ слова· аще не ап҃лъ
гл҃ѥть [1] постигнеть [2] во ны повѣ-
сти дѣюща лѣто· ѡ клирицѣхъ·
тѣмь нѣсть подобьно· ни ѿ
клироса самѣмъ ошьдъшемъ· [3]
ѿпадъшемъ [4] же и ѿскочьшемъ· [5]
ѥще въ слоужении быти· ꙗко
же во оставльше стадо г҃нѥ· и
покорьшеса сами· ѥгоже ни
ѥдинъ же ап҃лъ сътвори· ибо
мъногаꙗ гонениꙗ прѣтьрьпѣвъи·
мъногы [6] же страсти подвигъ по-
казавъи· блаженъи ап҃лъ павьлъ·
разоумѣвъ же ꙗко добрѣѥ ѥсть
отинти и съ х҃смь быти· при-
носить и гл҃ѥть· а ѥже прѣ-
л. 228 b. бывати | пльтию· поуждьнѣѥ васъ
ради· смотрю во не сво-
ѥго польזьнааго· нъ многъихъ
да сп҃соуться· поуждьнѣѥ своѥго
покоꙗ· изволивъ ѥже прѣбывати
оу братиꙗ· и прілежати имъ·
иже и [7] оучащюоумоу хощеть
быти· въ оучении· образоу быти
вѣрьнъимъ· тѣмь въ тьмьници
осоужении· ѿ слоужениꙗ [8] ѿпадъше·
и скочьше [9] зѣло не чюють· како
во просать [10] ѥже ставишь· мо-
гоуще братии благодарьствовании

πολλὰ λέγειν αὐτοῖς εἰς ταῦτα πρὸς τὸ κατὰ λόγον πράσσειν, εἰ μή, ὡς λέγει ὁ ἀπόστολος, ἐπιλείποι [1] δ' ἂν ἡμᾶς διηγούμενος [2] ὁ χρόνος. [3]

ι'. Περὶ κληρικῶν. [4]

Ὅθεν οὐκ ἔστιν εὔλογον οὐδὲ τοὺς ἀπὸ κλήρου αὐτομολήσαντας, ἐκπεπτωκότας τε καὶ ἀναπαλαίσαντας, ἔτι ἐν τῇ λειτουργίᾳ εἶναι, ἅτε δὴ καταλείψαντας τὸ ποίμνιον [5] κυρίου [6] καὶ μωμησαμένους ἑαυτούς, ὅπερ οὐδεὶς τῶν ἀποστόλων πεποίηκεν. καὶ γὰρ ὁ πολλοὺς διωγμοὺς ἐξαντλήσας, πολλά τε ἆθλα ἀγωνισμάτων ἐνδειξάμενος, ὁ μακάριος ἀπόστολος Παῦλος, ἐγνωκώς τε [7] ὅτι κάλλιόν [8] ἐστιν ἀναλῦσαι καὶ σὺν Χριστῷ εἶναι, ἐπιφέρει καὶ λέγει· Τὸ δὲ ἐπιμεῖναι τῇ σαρκὶ ἀναγκαιότερον δι' ὑμᾶς· σκοπῶ [9] γὰρ οὐ τὸ ἑαυτοῦ συμφέρον, ἀλλὰ τὸ τῶν πολλῶν, ἵνα σωθῶσιν. ἀναγκαιοτέρως [10] τῆς ἑαυτοῦ ἀναπαύσεως ἡγήσατο τὸ παραμένειν τοῖς ἀδελφοῖς καὶ ἐπιμελεῖσθαι αὐτῶν· ὃς [11] καὶ τὸν διδάσκοντα θέλει εἶναι ἐν τῇ διδασκαλίᾳ τύπον γενόμενον [12] τῶν πιστῶν. ὅθεν οἱ ἐν τῇ εἱρκτῇ ἐπιδικαζόμενοι, τῆς λειτουργίας ἐκπεπτωκότες καὶ ἀναπαλαίσαντες, πάνυ ἀναισθητοῦσιν· πῶς γὰρ αἰτοῦσιν ὃ κατέλειψαν, δυνάμενοι τοῖς ἀδελφοῖς εὐχάριστοι [13]

---

1) во ны *оставл. С.* 2) повѣстигнеть *С, по вѣ вычеркнуто.* 3) ѿшеш҃и *П.* 4) ѿпаш҃и *П.* 5) ѿскочш҃и *П.* 6) многыи *П.* 7) и *проп. П.* 8) сбжені҃а *П.* 9) *cod. переправл.* ш *изъ* ж. 10) приносать *С.*

1) ἐπιλείψοι V. 2) διηγουμένους V Patm. 173. 3) λόγος V. 4) cod. проп. при этомъ заглавіи нумерацію правила; Περὶ κληρικῶν проп. Patm. 172. 5) τοῦ вставл. P. 6) Χριστοῦ V. 7) τε проп. V. 8) καλλίων cod. 9) σκοπῶν PV. 10) ἀναγκαιότερον PV. 11) ὡς V. 12) γενόμενον PV. 13) εὔχρηστοι PV.

бъıти· въ врѣ[мѧ][1] таково· донъдеже оубо не грѣшьни[2] бъıша· отъпоущениꙗ имꙗахоу о неправьдьнѣмь ихъ дѣꙗнии· ѥгда же съгрѣшиша акъı гърдивъшесѧ[3] и себе порекъ·[4] оуже не възмогоуть слоужити тѣмь да пекоутьсѧ паче· въ съмѣренѣ съмъıслѣ· како съвършать прѣставъше ѿ тъщесловиꙗ· довълномъ бо имъ· обыщениѥ съ разоумъмь и опасениѥмь· обоѥ бъıваюшеѥ·[5] да не мьнѧтьсѧ оскърблꙗти· поуждею творѧще ѿсоудѣ ѿхожениѥ· да ничьсѧ[6] же ѿпадъше· извѣтоують· акъı виньı ради запрѣщениꙗ·[7] изнемогъше· иже паче вьсѣхъ· стоудъı и[8] поношениꙗ сласть на того положьшаарo [оснобала и не возмогшаа][9] съсъконьцати·[10] начьноуть бо вьси мимоходѧще роугатисѧ ѥмоу глющe· сь чл҃вкъ основаниѥ положи | и не възможе съконьцати·[11]

і· Пьрвии бо въскочьше въ врѣмѧ гонениꙗ·[12] стоꙗще на соудищи· и позороующе ст҃ыихъ мч҃нкъ· тъщащихъсѧ къ вѣньцю въıшьнꙗаго зъваниꙗ· и доброю рьвьностию· оусьрдоующе

ἐν καιρῷ τοιούτῳ; ἕως μὲν οὖν ἄπταιστοι ἦσαν, συγγνώμην εἶχον[1] ἐπὶ τῇ παραλόγῳ[2] αὐτῶν πράξει· ὅτε δὲ ἔπταισαν, ὡς ἂν περπερευσάμενοι καὶ ἑαυτοὺς μωμησάμενοι, οὐκέτι δύνανται[3] λειτουργεῖν· δι' ὃ[4] φροντιζέτωσαν μᾶλλον ἐν ταπεινοφροσύνῃ, πῶς ἐκτελέσωσι παυσάμενοι τῆς κενοδοξίας·[5] ἀρκεῖ γὰρ αὐτοῖς ἡ κοινωνία μετ' ἐπιτάσεως[6] καὶ ἀκριβείας πρὸς ἀμφότερα γινομένη, καὶ ἵνα μὴ δόξωσιν λυπεῖσθαι μετὰ βίας περιδιαςσόμενοι[7] τῆς ἐντεῦθεν ἀναλύσεως,[8] καὶ ἵνα μή τινος[9] ἐκπεσόντες προφασίσωνται,[10] ὡς ἂν διὰ τὴν ἀφορμὴν τῆς ἐπιτιμίας ὑπεκλελυμένοι, οἵτινες πλέον ἁπάντων αἰσχύνην καὶ ὄνειδος ἔξουσιν κατ' ἐκεῖνον τὸν τεθεικότα θεμέλιον καὶ μὴ ἰσχύσαντα ἐκτελέσαι· ἄρξονται γὰρ[11] πάντες οἱ παραπορευόμενοι ἐμπαίζειν αὐτῷ λέγοντες· Οὗτος ὁ ἄνθρωπος θεμέλιον τέθεικεν[12] (л. 229 а.) καὶ οὐκ ἴσχυσεν ἐκτελέσαι.

ια'.[13] Οἱ γὰρ πρῶτοι[14] παραπηδήσαντες ἐν τῷ βράσματι τοῦ διωγμοῦ, περιεστῶτες εἰς τὸ δικαστήριον καὶ θεωροῦντες τοὺς ἁγίους μάρτυρας σπεύδοντας ἐπὶ τὸ βραβεῖον τῆς ἄνω κλήσεως, ἐν καλῷ τῷ ζήλῳ προθυμούμενοι

---

1) *исправл. по П.* 2) грѣшнїи *П.* 3) гордивьшї *П*; гордившасѧ *С.* 4) порекше *П.* 5) съ разоумо и ѡпасенїе обое бывающее *проп. С въ текстъ и допис. вверху л.* 215^{a}. 6) ничесо *П.* 7) запрѣщенїе *П.* 8) и *проп. С.* 9) *вставка изъ П.* 10) съсконьчати *С*; скончати *П.* 11) скончати *П.* 12) гонїа *С.*

1) εἴχοσαν P. 2) παρὰ λόγον P. 3) δύνωνται V. 4) διὸ PV. 5) καινοδοξίας cod. V. 6) ἐπιστάσεως PV. 7) περιδρασσόμενοι PV. 8) ἀρκεῖ αὐτοῖς τουτέστιν ἡ κοινωνία вставл. V. 9) τινες PV. 10) προφασίσονται cod. 11) φησι вставл. PV. 12) ἔθηκεν PV. 13) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν αὐθαιρέτως εἰς τὸν ἀγῶνα καὶ μετὰ πολλὰς βασάνους ἀρνησαμένων. 14) πρώτως V.

даꙗхоу сѧ сами на то· многою дьрꙁостию приимъше въꙁирающе паче· на[1] влѣкомꙑ [и][2] ѿдаюштаꙗ· ихъже ради раꙁгорѣвъшесѧ вънoутрь· и оглашени[3] побѣдити гърдѧщааго сѧ и противьнааго тъщаахоусѧ на то· да не мьнитисѧ о себѣ съмꙑсльнъ бꙑти· имьже по проказѣ мьнѧшесѧ побѣжати· аще и ꙁабꙑвааше себе побѣжаѥма· ѿ търпѧщиихъ стръганиѥ и[4] раньнꙑꙗ моукꙑ· остритꙑ же меча· и опалѥниѥ огнꙗ· въ водахъ погроужениѥ· и съвьршающиимъ[5] по вѣрѣ· млт҃вами мольбамъ бꙑвати· рекъше о соущиихъ въ тьмьници·[6] о[7] моученꙑихъ[8] и[9] прѣданомъ ѿ глада и жажда· рекъше вънѣ тьмьницѧ моученꙑихъ[10] на соудищи стръгании[11] и ранами· послѣдь же побѣженомъ бꙑвъшемъ немощию плътьскою· достоино ѥсть[12] помѧноути състрадати во[13] и съболѣꙁньствовати· съ плачющиими и съ въꙁдꙑхающиими· и побѣженꙑихъ въ[14] подвиꙁѣ ѿ[15] мъногꙑꙗ ноуждѧ·
л. 229 b. ꙁълокъꙁньнааго диꙗвола· рекъ|ше ꙁа родителѣ· или ꙁа братию или ꙁа чада· ни ѥдиного же ничьто же не врѣждаѥть· вѣмъ во инѣхъ ради

ἐπεδίδουν ἑαυτοὺς εἰς τοῦτο, πολλῇ τῇ παῤῥησίᾳ χρώμενοι, ἐμβλέποντες μάλιστα τοὺς ὑποσυρομένους καὶ ἐκπίπτοντας, δι' οὓς ὑπερθερμαινόμενοι[1] ἔσωθεν καὶ ἐνηχούμενοι καταπολεμῆσαι τὸν ὑπεραιρόμενον καὶ ἀντικείμενον ἔσπευδον εἰς τοῦτο, ἵνα μὴ καὶ[2] δοκῇ παρ' ἑαυτῷ φρόνιμος εἶναι, ἐφ' οἷς κατὰ πανουργίαν ἔδοξεν ἡττᾶν, εἰ καὶ ἐλάνθανεν[3] ἑαυτὸν νικώμενον ὑπὸ τῶν ἐγκαρτερούντων τὰς τῶν ξυστήρων καὶ μαστίγων βασάνους, τήν τε ὀξύτητα τῆς μαχαίρας καὶ τὰς καταφλέξεις τοῦ πυρὸς καὶ τὰς τῶν ὑδάτων καταποντώσεις. καὶ τοῖς κατὰ πίστιν ὑπεξιοῦσιν εὐχὰς[4] καὶ δεήσεις γίνεσθαι,[5] ἤτοι ὑπὲρ τῶν ἐν φυλακῇ κατατιμωρηθέντων, καὶ προδεδομένοις[6] ὑπὸ λιμοῦ καὶ δίψης, ἤτοι ὑπὲρ τῶν ἔξωθεν τῆς φυλακῆς ἐπὶ τοῦ δικαστηρίου καταβασανισθέντες[7] διὰ ξυστήρων καὶ μαστίγων, ὕστερον δὲ ἡττηθέντων[8] τῆς ἀσθενείας τῆς σαρκὸς ἄξιόν[9] ἐστιν ἐπινεῦσαι.[10] συμπάσχειν γὰρ καὶ συναλγεῖν τοῖς ὀδυρομένοις καὶ στενάζουσιν ὑπὲρ τῶν ἐν τῷ ἀγῶνι ἡττηθέντων ὑπὸ τῆς πολλῆς βίας τοῦ κακομηχάνου διαβόλου, ἤτοι ὑπὲρ γονέων ἢ ἀδελφῶν ἢ τέκνων, οὐδένα οὐδὲν καταβλάπτει· ἴσμεν γὰρ καὶ δι' ἑτέρων

1) на *проп. П.* 2) *вставка изъ П.* 3) ѡглашенїи *П.* 4) и *вставл. С.* 5) съвершающи *С.* 6) темница *С.* 7) о *проп. С.* 8) мѹченїи *П.* 9) и *проп. П.* 10) и прѣданомъ ѿ глада и жажда· рекъше вънѣ тьмьницѧ моученꙑихъ *проп. С.* 11) страганїи *С.* 12) ѥсть *cod. in m.* 13) *cod.* въ *по скобл.* 14) во *проп. С.* 15) ѿ *проп. С.*

1) ὑποθερμαινόμενοι PV. 2) καὶ проп. V. 3) ἔλαθεν V. 4) δὲ вставл. V. 5) χρὴ вставл. V. 6) προδεδομένων PV. 7) καταβασανισθέντων PV. 8) ὑπὸ вставл. PV. 9) γὰρ вставл. V. 10) αὐτοῖς вставл. V.

вѣры наслаждьшемъся нѣкъıимъ бж҃ия бл҃годати· въ ѿпоущение грѣхомъ [1] и съдравие телесе и въскрѣшение мьртвъıимъ· поминающе оубо многаaго ихъ троуда· иже прѣже прѣтьрпѣша въ имя хво и страсти· не тъкъмо нъ и раскаюшемъся имъ· и плачюшемъся· сътворенааго имъ· по прѣданию немощию и оумьрщвениемь телесе· ѥще же и послоушьствовавъшимъ· доброжизньномъ [2] бывъшемъ въ житии своѥмь· молимъся съ ними· о оцѣщении [3] ихъ· съ инѣми подобьнъıими бывающааго ради за ны оутѣшителя· къ оц҃ю оцѣщающааго грѣхъı наша· и аще бо къто речеть съгрѣшить· оутѣшителя имамъ къ оц҃ю· іс҃ хс҃а правьдьна· и тъ оцѣщение ѥсть ѡ грѣсѣхъ нашихъ·

іа҃·[4] Давъшюмоу же сребро· яко несътоужимомъ имъ вьсьде бъıти· ѿ вьсея зълобы нѣсть прѣгрѣшения [5] приносити· тъщетоу бо и погъıбѣль имѣния прѣтьрпѣша· да не дш҃а своѥя отъщетять или погоубять ѥгоже по срамоу и ни приобрѣтению не сътвориша· ибо бо҃у [6]

1) *cod. м по скобл. (вм* ѣ?). 2) доброжизньно имъ *П.* 3) ощѣщені *С.* 4) іа҃ *и начальную букву текста* Д *проп. П.* 5) прѣшеніа *С.* 6) б҃у *С.*

πίστιν ἀπολαύσαντάς τινας τῆς τοῦ θεοῦ ἀγαθότητος, ἐπί τε ἀφέσει [1] ἁμαρτιῶν καὶ ὑγιείᾳ [2] σώματος καὶ ἀναστάσει νεκρῶν. μεμνημένοι τοίνυν τῶν πολλῶν αὐτῶν καμόντων, [3] ὧν προϋπήνεγκαν ἐν ὀνόματι Χριστοῦ, καὶ των ταλανισμῶν, [4] οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ μεταγνόντων αὐτῶν καὶ ἀποδυρομένων τὸ πεπραγμένον αὐτοῖς κατὰ προδοσίαν ἐν ἀτονίᾳ καὶ νεκρότητι τοῦ σώματος, ἔτι τε καὶ μεμαρτυρημένων [5] εὐπολιτεύτων γενομένων ἐν τῷ βίῳ αὐτῶν, συνευχόμεθα [6] καὶ συμπαρακαλοῦμεν [7] ὑπὲρ ἱλασμοῦ αὐτῶν μετὰ τῶν ἄλλων [8] καθηκόντων, διὰ τοῦ γινομένου [9] ὑπὲρ ἡμῶν παρακλήτου πρὸς τὸν πατέρα, ἱλασκομένου ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν· Καὶ ἐάν τις γάρ, φησίν, ἁμάρτῃ, παράκλητον ἔχομεν πρὸς τὸν πατέρα Ἰησοῦν Χριστὸν δίκαιον, καὶ αὐτὸς ἱλασμός ἐστιν ὑπὲρ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν.

ιβ'.[10] Τοῖς γὰρ ἀργύρια δεδωκόσι πρὸς τὸ ἀνενοχλήτους αὐτοὺς τὸ παντάπασιν γενέσθαι ἀπὸ πάσης κακίας, οὐκ ἔστιν ἔγκλημα προσάγειν· ζημίαν γὰρ καὶ ἀπώλειαν χρημάτων ὑπήνεγκαν, ἵνα μὴ τὴν ψυχὴν ἑαυτῶν [11] ζημιωθῶσιν ἢ ἀπολέσωσιν, ὅπερ ἄλλοι κατὰ αἰσχροκερδίαν [12] οὐ πεποιήκασιν, καίτοι γε τοῦ κυρίου

1) ἀφέσεις cod. 2) ὑγίεια cod. 3) καμάτων PV. 4) ταντализμῶν PV. 5) μεμαρτυρημένον cod. 6) V переправл. въ συνευχώμεθα. 7) V переправл. въ συμπαρακαλῶμεν. 8) πολλῶν V. 9) γενομένου V. 10) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν δεδωκότων ἀργύρια. 11) αὐτῶν V. 12) αἰσχροκέρδειαν PV.

гл҃ющю· чьто бо оуспѣѥть чл҃вкъ аще и вьсь миръ приобращеть а дш҃ю свою отъщетить[1] или погоу|бить· (л. 213 а.) и ꙗко бг҃оу не можете работати ни мамонѣ· ꙗвиша бо сѧ паче онѣхъ бг҃оу работающе· срѣбро възненавидѣвъше и прѣобидѣвъше ѥ испълниша бо и о семь писаноѥ· избавлѥниѥ моужю дш҃и своѥи богатьство· понѥже и въ дѣꙗнихъ ап҃лъ· разоумѣхомъ[2] влѣкъшихъ въ павьла мѣсто и силъі· въ селоуни къ градьнъімъ старѣишинамъ съ мъножьствъмь отъпоустиша ꙗ· по отѧгъчанию[3] же ихъ мъного имѣниѥ ради· възмѧсти народъ старѣишинъ града· възьмъше рече довъльноѥ ѿ иасона· и прочиихъ отъпоустиша[4] ꙗ· братиꙗ же абиѥ нощию испоустиша павьла же и силоу въ верѣю·

ів҃·[5] Тѣмь ни оставъшиимъ вьсѧ· сп҃сениꙗ ради дш҃а и ѿшьдъшиимъ ѥсть повѣдати· ꙗко инѣмъ ихъ ради ꙗтомъ· ибо въ ефесѣ· въ павьла мѣсто въсхътиша гаиꙗ· пакъі на позорище и аристарха[6] въслѣдьника павьлꙗ· не хотѧщю вънити въ народъ· имьже и того ради покоривъшю· и прѣставивъшю

λέγοντος· Τί γὰρ ὠφελήσει ἄνθρωπος, ἐὰν τὸν κόσμον ὅλον κερδήσῃ, τὴν δὲ ψυχὴν αὐτοῦ ζημιωθῇ ἢ ἀπολέσῃ· καὶ ὅτι· Οὐ δύνασθε[1] θεῷ δουλεύειν καὶ μαμωνᾷ. ἐφάνησαν γὰρ παρ' ἐκείνους τῷ θεῷ δουλεύοντες, τὰ ἀργύρια μισήσαντες καὶ καταφρονήσαντες αὐτῶν, ἀπεπλήρωσάν τε καὶ ἐν τούτῳ τὸ γεγραμμένον· Λύτρον ἀνδρὸς ψυχῆς[2] ὁ ἴδιος πλοῦτος. ἐπεὶ καὶ ἐν ταῖς Πράξεσιν τῶν ἀποστόλων ἀνέγνωμεν τοὺς συρέντας ἀντὶ Παύλου καὶ Σίλα ἐν Θεσσαλονίκῃ ἐπὶ τοὺς πολιτάρχας, μετὰ πλησμονῆς[3] ἀπολυθέντας· μετὰ γὰρ τὸ καταβαρῆσαι αὐτοὺς πολλὰ διὰ τὸ ὄνομα καὶ ταράξαι τὸν ὄχλον καὶ τοὺς πολιτάρχας, λαβόντες, φησί, τὸ ἱκανὸν παρὰ τοῦ Ἰάσωνος[4] καὶ τῶν λοιπῶν ἀπέλυσαν αὐτούς. οἱ δὲ ἀδελφοὶ εὐθέως διὰ νυκτὸς ἐξέπεμψαν τόν τε[5] Παῦλον καὶ τὸν[6] Σίλαν εἰς Βεροίαν.

ιγ'.[7] Ὅθεν οὐδὲ τοῖς καταλείψασι πάντα διὰ τὴν τῆς ψυχῆς σωτηρίαν καὶ ἀναχωρήσασιν ἔστιν[8] ἐγκαλεῖν, ὡς ἂν ἑτέρων δι' αὐτοὺς κατασχεθέντων· καὶ γὰρ[9] ἐν τῇ Ἐφέσῳ ἀντὶ Παύλου συνήρπασαν[10] πάλιν[11] Γάϊον εἰς τὸ θέατρον καὶ Ἀρίσταρχον, συνεκδήμους Παύλου, οὐ βουλομένου εἰσελθεῖν εἰς τὸν δῆμον, ἐπεὶ καὶ δι αὐτὸν πείσαντα καὶ μεταστήσαντα

1) ѿщететь *С.* 2) и *вставл. С.* 3) ѡтѧгчению *П.* 4) ѿстѹпиша *С.* 5) ів҃ *и начальную букву текста* Т *проп П.* 6) аристаарха *П.*

1) δύνασθαι cod. 2) ψυχῆς ἀνδρὸς V. 3) πλεισμονῆς cod.; πεισμονῆς P. 4) cod. переправл. изъ ἰάσαντος. 5) τε проп. V. 6) τὸν проп. V. 7) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν φυγόντων. 8) ἐστιν cod. V, но въ V выскобл. удареніе надъ ε. 9) καὶ вставл. P; καὶ οἱ вставл. V. 10) слоги πασαν V по скобл. 11) πάλιν проп. V.

мъногъ народъ· къ бо҃чсти·[1] въстаниѥ въ вѣкы бывъшеѥ· своѥго и оученици рекоша· не[2] тъкъмо нъ и нѣции ѿ кънѧѕь соуще ѥмоу дроуѕи· поустивъше[3] къ немоу молѧхоу не дати себе на позорище· аще ли прѣбывають нѣции· ереси творѧще· да вънемлють гл҃ющюоумоу | истиноу· сп҃саѧ сп҃си свою д҃шю·[4] не озьрисѧ назадъ· да въспомѧноути избьранааго· въ ап҃лѣхъ[5] петра· въвьржена абиѥ въ тьмьницю· и прѣдана четырьмъ четверичею[6] воиномъ стрѣщи и· ѥмоуже нощь оубѣжавъшю· и избывъшю ѿ роукы оубиица ирода· и вьсего чаꙗниꙗ людии иоудеискъıихъ· по заповѣди агг҃ла г҃нꙗ· бывъшю же рече д҃ни· бѣ мѧтежь не малъ въ воинѣхъ· чьто оубо петроу бысть· иродъ же възискавъ ѥго и[7] не обрѣтъ· осоудивъ же стража· повелѣ ѿвести ꙗ· ихъже ради ни ѥдина вина прикасаѥтьсѧ· бѣ бо и самъ видѣлъ бывъшеѥ· оубѣжати· ꙗко же вьсѧ дѣти иже въ виѳлеомѣ и въ вьсѣхъ прѣдѣлѣхъ ѥго· аще вѣдѣли[8] быша родители ихъ· хотѧщеѥ быти· иже оубиѥни быша отъ скверьна[9] оубиица

πολὺν ὄχλον ἐπὶ τὴν θεοσέβειαν ἡ στάσις ἦν γενομένη,[1] οὐκ εἴων[2] αὐτὸν οἱ μαθηταί, φησίν· οὐ μὴν ἀλλὰ καί τινες τῶν ἀρχόντων[3] ὄντες αὐτῷ φίλοι, πέμψαντες πρὸς αὐτόν, παρεκάλουν μὴ δοῦναι ἑαυτὸν εἰς τὸ θέατρον. εἰ δὲ ἐπιμένοιέν τινες αἱρεσχελοῦντες[4] τοῖς εἰλικρινῶς προσέχουσι τῷ λέγοντι, Σῴζων σῷζε τὴν ἑαυτοῦ[5] ψυχήν, μὴ περιβλέψῃ εἰς τὰ ὀπίσω, ὑπομνησθήτωσαν καὶ τοῦ προκρίτου τῶν ἀποστόλων Πέτρου, βεβλημένου τε ἤδη εἰς[6] φυλακὴν καὶ παραδοθέντος τέτρασι[7] τετραδίοις στρατιωτῶν φυλασσόντων[8] αὐτόν, οὗ ἐν νυκτὶ φυγόντος καὶ ῥυσθέντος ἐκ χειρὸς τοῦ φονώδους[9] Ἡρώδου καὶ πάσης τῆς προσδοκίας τοῦ λαοῦ τῶν Ἰουδαίων, κατ' ἐντολὴν[10] ἀγγέλου κυρίου. Γενομένης, φησίν, ἡμέρας ἦν τάραχος οὐκ ὀλίγος ἐν τοῖς στρατιώταις, τί ἄρα ὁ Πέτρος ἐγένετο. Ἡρώδης δὲ ἐπιζητήσας αὐτὸν καὶ μὴ εὑρών, ἀνακρίνας τε[11] τοὺς φύλακας ἐκέλευσεν ἀπαχθῆναι, δι' οὓς οὐδεμία αἰτία τῷ Πέτρῳ προσάπτεται· ἐξῆν γὰρ καὶ αὐτοὺς ἑωρακότας τὸ γενόμενον[12] ἐκφυγεῖν, ὡς καὶ πάντα τὰ παιδία τὰ ἐν Βηθλεὲμ καὶ ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις αὐτῆς, εἰ ἐγνώκεισαν οἱ γονεῖς αὐτῶν τὸ μέλλον ἔσεσθαι, ἅπερ ἀνῃρέθησαν ὑπὸ τοῦ μιαιφόνου

(л. 230 b.)

1) бл҃гочестїю *П.* 2) нъ *С.* 3) постивше *С.* 4) д҃шю свою *С.* 5) ап҃лѣлѣхъ *С.* 6) четверицею *П.* 7) и *проп. С.* 8) видѣлѣ *С.* 9) *cod.* ѧ *по скобл.*

1) γινομένη V, гдѣ затѣмъ вставл. καὶ. 2) εἶον cod. 3) ἀσιαρχῶν PV. 4) ἐρεσχελοῦντες PV, но V переправл. ε послѣ χ въ η. 5) σεαυτοῦ PV. 6) τὴν вставл. V. 7) τέσσαρσι PV. 8) φυλάσσειν PV. 9) φονοδόλου V. 10) τοῦ вставл. P. 11) τε проп. PV. 12) γενόμενόμενον V, но μενό вычеркнуто.

ирода· занѥ ѿ нѥго възисканоѥ погоубити· ѥдиного отроча· ѥже и то по[1] повелѣнию аг҃гла г҃на· оубѣжа абиѥ начинаѥмо· скоро испровьрзи[2] по нареченню имене· и напрасно плѣнити· ꙗко же писано ѥсть· нарьци имѧ ѥмоу скоро· испровьрзи напрасно плѣни· занѥ прѣжде даже не разоумѣти отрочати· нарещи оц҃ѧ или м҃трь·[3] приметь силоу дамасковоу· и користи самаринскыꙗ· прѧмо ц҃рю[4] асоуринскомоу· вълсви же ꙗко же абиѥ испровьржени бывъше· и плѣнени·

л. 231 а. покорениѥмь и | чьстию· поклонишасѧ отрочати· ѿвьрзъше съкровища своꙗ· и принесъше ѥмоу г҃ьскыꙗ лѣпыꙗ дары· злато и ливанъ и змоурноу· ꙗко ц҃рви[5] и б҃оу и ч҃лвкоу тѣмь· къ томоу къ асоурьскомоу ц҃рви·[6] съподобишасѧ възвратити· поспѣшаѥми ѿ промышлѥнии· ѿвѣтъ же рече въ сънѣ приимъше·[7] не възвратитисѧ къ иродоу· нъ инѣмь поутьмь отидоша въ страноу свою· тѣмь видѣвъ кръвоꙗдыи[8] иродъ· ꙗко пороуганъ бысть ѿ вълхвъ· разгнѣвасѧ зѣло· и посълавъ рече оубии всѧ младеньца иже въ виѳлеомѣ· и вьсѣхъ[9] прѣдѣлѣхъ ѥго· ѿ дъвоу лѣтоу ниии[10] же по врѣмени ꙗко же испыта

Ἡρώδου διὰ τὸ ὑπ' αὐτοῦ ζητούμενον ἀπολέσθαι ἓν παιδίον, ὅπερ καὶ αὐτὸ κατ' ἐντολὴν ἄγγελος[1] κυρίου ἐξέφυγεν, ἤδη ἀρξάμενον[2] ταχέως σκύλευσον[3] κατὰ τὴν ἐπίκλησιν τοῦ ὀνόματος καὶ ὀξέως προνομεύειν,[4] καθὼς γέγραπται· Κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ, ταχέως σκύλευσον, ὀξέως προνόμευσον· διότι πρὶν[5] γνῶναι τὸ παιδίον καλεῖν πατέρα ἢ μητέρα, λήψεται τὴν[6] δύναμιν Δαμασκοῦ καὶ τὰ σκῦλα Σαμαρείας ἔναντι[7] βασιλέως Ἀσσυρίων. οἱ γοῦν μάγοι, ὡς ἤδη σκυλευθέντες καὶ προνομευθέντες, ὑποτεταγμένως καὶ τιμητικῶς προσκυνοῦσι τῷ παιδίῳ, ἀνοίγοντες τοὺς θησαυροὺς αὐτῶν καὶ προσφέροντες αὐτῷ καιριώτατα καὶ πρεπωδέστατα δῶρα, χρυσὸν καὶ λίβανον καὶ σμύρναν, ὡς βασιλεῖ καὶ θεῷ καὶ ἀνθρώπῳ· ὅθεν οὐκέτι πρὸς τὸν Ἀσσύριον βασιλέα ἠξίωσαν ὑποστρέψαι, συνεργούμενοι ὑπὸ τῆς προνοίας· Χρηματισθέντες γάρ, φησίν, κατ' ὄναρ μὴ ἀνακάμψαι πρὸς Ἡρώδην, δι' ἄλλης ὁδοῦ ἀνεχώρησαν εἰς τὴν χώραν ἑαυτῶν.[8] ὅθεν ἰδὼν ὁ αἱμοβόρος Ἡρώδης, ὅτι ἐνεπαίχθη ὑπὸ τῶν μάγων, ἐθυμώθη λίαν καὶ ἀποστείλας, φησίν, ἀνεῖλεν πάντας τοὺς παῖδας τοὺς ἐν Βηθλεὲμ καὶ ἐν πᾶσιν τοῖς ὁρίοις αὐτῆς ἀπὸ διετοῦς καὶ κατωτέρου,[9] κατὰ τὸν χρόνον, ὃν ἠκρίβωσε

1) по *проп. П.* 2) исковерзи *С.* 3) *cod. конечное* ь *переправл. изъ* ѥ. 4) ц҃рю *ПС.* 5) ц҃рви *П;* ц҃ркви *С.* 6) ц҃рви *П;* ц҃ркви *С.* 7) принліже *П.* 8) кровоꙗдꙑ *С.* 9) всѣ *С.* 10) нии *П.*

1) ἀγγέλου PV. 2) ἀρξαμένου ἤδη V. 3) σκυλεύειν PV. 4) καὶ ὀξέως προνομεύειν κατὰ τὴν ἐπίκλησιν τοῦ ὀνόματος V. 5) ἢ вставл. V. 6) τὴν проп. PV. 7) ἐναντὶ Patm. 172. 8) αὐτῶν PV. 9) κατωτέρω PV.

Ѿ въլхвъ· тѣмь и рожьшаго отрочате· дроугаго· ища оубити и не обрѣте[1] оцѧ його ȥахарию оуби межю цьркъвию· и жьртвьникъмь· оубѣжавъшю отрочати съ мт҃рию єлисавою· на нєюже ни єдиного же порєчєниє имоущю· аще ли[2] нѣции ноуждю многоу и бѣдоу пострадаша· оуȥдоу приимъше въ оустѣхъ и оуȥы·[3] и прѣбъівъше тьрпѣнию оувѣщаниємь вѣръі· и роуцѣ свои иждещи·[4] прилагающемъ· волею къ нечистѣи жьр[т]вѣ·[5] ꙗко же оубо написаша ми· Ѿ тьмьницѧ трьблажении мчн҃ци[6] о[7] о соущиихъ въ ливи· и дроуȥии же съслоужьбьници таковии· съпослоушьствоующемъ | имъ[8] паче инои братии· могоуть бъіти въ слѫжениє въчинєни въ исповѣдьницѣхъ· ꙗко же и[9] оумьрщвени въ многъіихъ моукахъ· и не възмогъше гл҃ати· или вѣщати или подвигноутисѧ на противлєниє· ноуждающиимъ въсоує· и съвѣщаша бо сѧ съ мьрȥостию ихъ· ꙗко же оубо· Ѿ съслоужьбьникъ· пакъі слъішахъ· да въчинєнъ же боудеть въ исповѣдьникъі·[10] и вьсѧкъ оубо иже по тимоѳѣю

παρὰ τῶν μάγων· μεθ' ὧν καὶ τὸ πρὸ αὐτοῦ γεννηθὲν ἕτερον παιδίον ζητήσας ἀποκτεῖναι καὶ μὴ εὑρών, τὸν πατέρα αὐτοῦ Ζαχαρίαν ἐφόνευσεν μεταξὺ τοῦ ναοῦ καὶ τοῦ θυσιαστηρίου, ἐκφυγόντος τοῦ παιδίου μετὰ τῆς μητρὸς Ἐλισάβετ,[1] ἐφ' ὧν[2] οὐδεμίαν μέμψιν ἔσχοσαν.[3] Εἰ[4] δέ τινες βίαν πολλὴν καὶ ἀνάγκην πεπόνθασιν, χάμον[5] λαβόντες ἐν τῷ στόματι καὶ δεσμοὺς καὶ ἐπιμείναντες καρτερῶς τῇ διαθέσει τῆς πίστεως καὶ τὰς χεῖρας αὐτῶν καῆναι[6] προσαγομένων ἐκοντὶ[7] τῷ ἀνιέρῳ θύματι· ὥσπερ οὖν ἔγραψάν μοι οἱ ἀπὸ τῆς φυλακῆς τρισμακάριοι μάρτυρες περὶ τῶν ἐν[8] Λιβύῃ καὶ ἕτεροι δὲ συλλειτουργοί,[9] τοιοῦτοι, συμμαρ- (л. 231 b.) τυρούντων αὐτοῖς μάλιστα καὶ τῶν ἄλλων ἀδελφῶν, δύνανται εἶναι ἐν τῇ λειτουργίᾳ, ταχθέντες[10] ἐν ταῖς πολλαῖς βασάνοις καὶ μηκέτι ἐξισχύσαντες λαλῆσαι, ἢ φθέγξασθαι, ἢ κινηθῆναι εἰς τὸ ἀντιστῆναι τοῖς εἰς μάτην βιαζομένοις·[11] οὐδὲ γὰρ συγκατέθεντο τῇ βδελυρίᾳ αὐτῶν. ὥσπερ οὖν παρὰ συλλειτουργῶν πάλιν ἤκουσα, ταχθήσεται δὲ ἐν τοῖς ὁμολογηταῖς καὶ πᾶς ὁστισοῦν κατὰ Τιμόθεον

---

1) ѡбрѣтъ *П.* 2) же *вставл. П.* 3) ȥдъі *С.* 4) ж҃ещи *П.* 5) *исправл. по С.* 6) м҃ници *П.* 7) о *проп. П.* 8) имъ *проп. С.* 9) и *проп. С.* 10) исповѣдникъ *С.*

1) Ἐλισαβέτ V. 2) ὧ V, такъ какъ выскобл. ν. 3) ἔσχον V. 4) PV со слова Εἰ начин. новое правило ιδ′, причемъ V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν βιασθέντων θῦσαι. 5) V подскобл. хвостикъ отъ μ и получается начертаніе ν. 6) καρτερήσαντες вставл. P. 7) ἀκοντὶ PV. 8) τῇ вставл. PV. 9) οἱ вставл. PV. 10) ἐν τοῖς ὁμολογηταῖς ὡς καὶ οἱ νεκρωθέντες вставл. PV. 11) ἐκβιαζομένοις V.

живеть· покаражѭсѧ и самъ г҃лѭщюмоу гони правьдоу· бл҃гочьстиѥ· вѣроу· любъвь· търпѣниѥ· тихотьрпѣниѥ· подвизаи добрыи подвигъ· вѣры· имисѧ вѣчьныѩ жизни· въ ижже зъванъ ѥси· исповѣдалъ ѥси доброѥ исповѣданиѥ· прѣдъ многы послоухы·

πολιτεύεται, πειθόμενος καὶ αὐτὸς τῷ λέγοντι· Διώκετε [1] δικαιοσύνην, εὐσέβειαν, πίστιν, ἀγάπην, ὑπομονήν, πραϋπάθειαν· [2] ἀγωνίζου τὸν καλὸν ἀγῶνα τῆς πίστεως, ἐπιλαβοῦ τῆς αἰωνίου ζωῆς, εἰς ἣν [3] ἐκλήθης καὶ ὡμολόγησας τὴν καλὴν ὁμολογίαν ἐνώπιον πολλῶν μαρτύρων.

---

1) δίωκε PV. 2) πραότητα P. 3) καὶ вставл. P.

того же слова[1] иже на пасхоу·[2]

ӏ҃г· Не възглаголеть на ны никъто же· блюдоущиемъ срѣды и пѧтъка· въ нюже[3] и[4] поститисѧ намъ[5] по прѣданию· оудобьно повелѣно быстъ· срѣдоу[6] оубо бывъшааго съньмища ради· ѿ июдѣи· на прѣдание[7] г҃не· пѧтъкъ же· ꙁане пострадати емоу ꙁа ны· недѣлю же радостьныи д҃нь имать· ꙁане въскрьсъшааго· въ нюже не[8] поститисѧ ни колѣноу прѣклапѧти прияхомъ· аминь·

(л. 240^{a-b}). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ 'ΕΚ ΤΟΥ ΛΟΓΟΥ ΤΟΥ ΕΙΣ ΤΟ ΠΑΣΧΑ.[1]

Οὐκ ἐγκαλέσει τις ἡμῖν παρατηρουμένοις τετράδα καὶ παρασκευήν, ἐν αἷς καὶ νηστεύειν ἡμῖν κατὰ παράδοσιν ἡμῖν[2] εὐλόγως προστέτακτο·[3] τὴν μὲν τετράδα διὰ τὸ γενόμενον συμβούλιον ὑπὸ Ἰουδαίων ἐπὶ τῇ προδοσίᾳ τοῦ κυρίου,[4] τὴν δὲ παρασκευὴν διὰ τὸ πεπονθέναι αὐτὸν ὑπὲρ ἡμῶν. τὴν γὰρ κυριακὴν χαρμοσύνης ἡμέραν ἄγομεν διὰ τὸν ἀναστάντα ἐν αὐτῇ, ἐν ᾗ οὐδὲ γόνατα κλίνειν παρειλήφαμεν.

---

1) слово *У.* 2) с҃тго петра альѯандрѣскага *добавл. У.* 4) и *проп. II;* подобаеть *У.* 5) намъ *проп. У.* 6) срѣды *У.* 7) прѣние *У.* 8) ни *II.*

1) περὶ νηστείας τετράδος καὶ παρασκευῆς добавл. V. 2) ἡμῖν проп. PV. 3) προστέτακται V. 4) τὴν вставл. cod. (это послѣднее слово на л. 240^{a} и первое на л. 240^{b}).

окрьстьнюе[1] посълание· генадиꙗ прс҃тго[2] патриарха костѧнтинѧ града· и юже съ ни|мь ст҃го събора· къ
л. 232 а. вьсѣмъ прѣподобьнъимъ митрополитомъ·

Боголюбивоуоумоу· и прп҃бьномѫ съслоужьбьникоу·[3] оньсици генадии·[4] и пришьдъшю въ х҃олюбивъи црс҃къи[5] костѧнтинь градъ· новааго рима ст҃ъи съборъ·

Влд҃ка нашь и б҃ъ· и спс҃ъ іс҃ъ· начьнъ ст҃ъимъ оученикомъ своимъ· еваньгелиꙗ проповѣданиꙗ и оучениꙗ по вьсеи вьселенѣи чл҃вкомъ посълавъ повелѣ ꙗвѣ· ꙗже приꙗша ѿ нюго даръ тъ же и тѣмъ подаꙗти чл҃вкомъ даръ· не притѧжаюшемъ паче юго ни мѣди· ни срѣбра· ни ꙁлата· или кою б҃атьство ино· вьсѧко плътьско или ꙁемльское[6] да[7] быти нб҃сьнъимъ и[8] дх҃овьнъимъ даромъ·[9] подобьно ꙁемльскъимъ[10] и тьлѣюшиимъ·[11] сию ꙁаповѣдь не тъкмо въ онѣхъ· нъ и намъ и онѣмъ повелѣ· ихъже въ онѣхъ чинъ[12] мѣсто· въвести съподоби· и абию ꙗко же

1) ѡкрестьное *ПС.* 2) прѣст҃ага *У.* 3) слꙋжебникоу *П.* 4) генадию *У.* 5) црс҃кыи *СП.* 6) *cod.* ь *переправл. изъ* е, *а* о *по скобл.*; зѣмьскою *У.* 7) земьско· еда *П.* 8) и *проп. П.* 9) даровъ *У.* 10) *cod. начальное* ꙁ *и предшествующія буквы* кьно *по скобл.*; земьскъımъ *У.* 11) тѣлѣюшихъ *У.* 12) цинъ *У.*

(л. 240^{b}—242^{b}).* ’ΕΓΚΥΚΛΙΟΣ ’ΕΠΙΣΤΟΛΗ ΓΕΝΝΑΔΙΟΥ ΤΟΥ ‘ΑΓΙΩΤΑΤΟΥ ΠΑΤΡΙΑΡΧΟΥ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΩΣ ΚΑΙ ΤΗΣ ΣΥΝ ΑΥΤΩι ‘ΑΓΙΑΣ ΣΥΝΟΔΟΥ, ΠΡΟΣ ‘ΑΠΑΝΤΑΣ ΤΟΥΣ ‘ΟΣΙΩΤΑΤΟΥΣ ΜΗΤΡΟΠΟΛΙΤΑΣ.[1]

Τῷ θεοφιλεστάτῳ καὶ ὁσιωτάτῳ συλλειτουργῷ τῷδε[2] Γεννάδιος καὶ ἡ ἐνδημοῦσα τῇ φιλοχρίστῳ καὶ[3] βασιλίδι Κωνσταντινουπόλει νέᾳ Ῥώμῃ ἁγία σύνοδος.

Ὁ δεσπότης ἡμῶν καὶ θεὸς καὶ σωτὴρ Ἰησοῦς, ἐγχειρίσας τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς τοῦ εὐαγγελίου τὸ κήρυγμα καὶ διδασκάλους τούτους[4] ἀνὰ πᾶσαν τὴν οἰκουμένην ἀνθρώποις ἐξαποστείλας, παρεκελεύσατο διαῤῥήδην, ἣν εἰλήφασιν παρ’ αὐτοῦ δωρεάν,[5] μὴ κτωμένους ὑπὲρ αὐτῆς ἢ χαλκόν, ἢ ἄργυρον, ἢ χρυσόν, ἤ τινα περιουσίαν ἄλλην ὅλως ὑλικὴν ἢ γεώδη· μὴ γὰρ εἶναι τῶν ἐπουρανίων καὶ πνευματικῶν χαρισμάτων ὅμοια[6] τὰ γηρὰ καὶ ἐπίκηρα.[7] ταύτην τὴν ἐντολὴν οὐ μόνον ἐκείνοις, ἀλλὰ καὶ ἡμῖν δι’ ἐκείνων ἐντέταλται,[8] οὓς εἰς τὸν ἐκείνων βαθμόν τε καὶ τόπον ὑπεισαγαγεῖν κατηξίωσεν. καὶ δεῖ, καθάπερ

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) посланіе Геннадія. Варіанты приведены и изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 176^{a}—178^{a} (= Vind.).

1) cod. in m. рукой XIII в. κγ′. 2) τῷ δεσπότῃ Vind. (вм. τῷδε). 3) καὶ проп. Vind. 4) τούτους проп. Patm. 172. 5) ταύτην καὶ αὐτοὺς τοῖς ἀνθρώποις μεταδιδόναι δωρεὰν вставл. PVind. 6) ἀμοιβὴν PVind. 7) ἐπίκαιρα Patm. 172. 8) ἐντέταται cod.

онѣмъ тъгда и намъ нынѧ· извѣсто хранити[1] же и блюсти· и не моудрити мѫдрыихъ· ни причьта[2] въсприимати на бѣдьныи[3] даръ· ни притѧжите[4] мѣди ни срѣбра ни злата на поꙗсы ваша· просто ꙗвѣ заповѣди сеꙗ слово ѥсть· ничьто же пьстроты имѣꙗ· ни неоудобьпостижьноѥ· ни прѣмоудраꙗго трѣбоуꙗ съказаниꙗ· ѿ мене[5] рече приꙗсте чистительскоѥ достоꙗниѥ· аще за ны мало ми или велиѥ чьто полагати и се вамъ | сътворено боудеть[6] ѿ мене·[7] продаите[8] въı инѣмъ[9] то· аще ли тоуне приꙗсте· даите и вы тѫнѥ· нѣчьто[10] ѿ заповѣди тоꙗ· чьто же покарѧющиимъсѧ[11] польѕнѣѥ· горе соущюоумоу и сътѧжавъшюоумоу даръ бж҃ии· или подати и· имѣниѥмь прииѥмлють· въ зълчь бо горести· и въ съвоузъ неправьды· таковии по осоужению ст҃аго петра соуть· ꙗти своимь срѣбролюбиѥмь тѣхъ прп҃бныимъ· и блаженыихъ оц҃ь ст҃го и великааго· вьсеѧ вьселеныꙗ събора· въ калхидонѣ[12] събравъшаагосѧ· влд҃чьньмь[13] симь симь[14] законьмь подобьныи· о томь

1) съхранити *У.* 2) прицьта *У.* 3) обѣдьныи *У.* 4) притѧжате *П.* 5) мнѣ *У.* 6) боуть *С.* 7) мне *У.* 8) предаите *С*; подаите *У.* 9) имъ *П.* 10) нецьто *У.* 11) покарѧющиисѧ *С.* 12) халкидонѣ *У*; х҃алкидонѣ *С.* 13) вл҃чнымь *П.* 14) симь *проп. СУ.*

ἐκείνοις[1] τότε, καὶ ἡμᾶς νῦν ἀκριβῶς φυλάττειν τε καὶ παρατηρεῖν καὶ μὴ σοφίζεσθαι τὰ ἀσόφιστα, μηδὲ κύβον ἀναρριπτεῖν ἐπικίνδυνον δωρεάν.[2] Μὴ κτήσησθε χαλκόν,[3] (л. 241ª) μήτε[4] ἄργυρον, μήτε χρυσὸν[5] εἰς τὰς ζώνας ὑμῶν. ἁπλοῦς καὶ σαφὴς[6] τῆς ἐντολῆς ταύτης ὁ[7] λόγος ἐστίν, οὐδὲν ποικίλον ἔχων οὐδὲ δυσέφικτον, οὐδὲ σοφιστικῆς δεόμενον ἐξηγήσεως. Παρ' ἐμοῦ, φησίν, ἐδέξασθε[8] τὸ τῆς ἱερωσύνης[9] ἀξίωμα· εἰ μὲν ὑπὲρ αὐτοῦ μοι μικρὸν ἢ μέγα τι κατεβάλεσθε[8] καὶ τοῦτο ὑμῖν πέπραται[10] л. 232 b. παρ' ἐμοῦ, πωλεῖτε[8] καὶ ὑμεῖς ἑτέροις αὐτό· εἰ δὲ δωρεὰν εἰλήφατε, δότε καὶ ὑμεῖς δωρεάν. τί τῆς ἐντολῆς ταύτης;[11] τί δὲ τοῖς πειθαρχοῦσιν λυσιτελέστερον; Οὐαὶ τῷ ὄντι[12] κτήσασθαι τὴν τοῦ θεοῦ δωρεὰν ἢ διδόναι ταύτην διὰ χρημάτων ὑπειληφόσιν·[13] εἰς γὰρ χολὴν πικρίας καὶ σύνδεσμον ἀδικίας οἱ τοιοῦτοι κατὰ τὴν ἀπόφασιν τοῦ ἁγίου Πέτρου ὑπάρχουσι, συλληφθέντες ὑπὸ τῆς ἑαυτῶν φιλαργυρίας· ὅθεν καὶ τῶν ὁσίων καὶ μακαρίων πατέρων τῶν τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης καὶ οἰκουμενικῆς συνόδου τῆς ἐν Καλχηδόνι[14] συναχθείσης, τῷ δεσποτικῷ τούτῳ νόμῳ σύνοδον[15] ὁ περὶ τούτου

1) ἐκεῖνοι P Vind. 2) ἐλάβετε, φησίν, δωρεὰν δότε встaвл. P Vind. 3) χαλκὸν Patm. 172. 4) μηδὲ PV. 5) χρυσὸν Patm. 172. 6) ὁ вставл. P Vind. 7) ὁ проп. P Vind. 8) cod. окончаніе αι (вм. ε). 9) ἀρχιερωσύνης Vind. 10) πέπρακται Patm. 172. 11) σαφέστερον вставл. P Vind. 12) τοῖς вставл. P Vind. 13) υπειληφῶσιν cod. 14) Χαλκηδόνος P Vind. 15) συνάδων P Vind.

канънъ[1] намъ ꙗвѣ[2] сице рѣчию[3] сею възглашьнъ ѥсть· аще къто ѥ҃пп҃ъ[4] на имѣнии поставлѥние сътворить· и на продание съведеть непродаѥмъ даръ· и поставить на имѣнии ѥ҃пп҃а· или сельнааго ѥ҃пп҃а· или попа или[5] диакона· или ино кое[6] въ клиросѣ причитаѥмааго·[7] или приложить на имѣнии иконома·[8] или приставьнїка или цр҃ковьника· или вьсꙗко коѥго въ канонѣ·[9] срамьнааго[10] ради приобрѣтениꙗ· начьнъи того обличенъ бывъ· да обѣдьнѣѥть ѿ своѥмь чиноу· и поставивъи ничьто же ѿ коуплѥниꙗ· да оуспѣѥть поставлѥниꙗ или произведениꙗ· нъ да боудеть тоуждь достоꙗниꙗ· или попечениꙗ[11] ѥгоже на имѣнии[12] л. 233 а. по|лоучи·[13] аще ли къто попираꙗ[14] ꙗвиться· тако срамьнъими и безаконьнъими оброкъı и сь аще клирикъ боудеть·[15] своѥго да ѿпадеть чиноу·[16] аще ли простьць или мьнихъ проклꙗтъ да боудеть· добра и зѣло бл҃гочьстива канона[17] ст҃ъихъ оц҃ь соуть запрѣщениꙗ вьсꙗко нахожение[18] сотониино· и вьсе начинание диꙗвольское· по дх҃вьноуоумоу посꙗщиомоу дароу·

χανῶν ἡμῖν σαφῶς οὕτως[1] λέξεσιν αὐταῖς ἐκπεφώνηται·

Εἴ[2] τις ἐπίσκοπος ἐπὶ χρήμασι χειροτονίαν ποιήσαιτο καὶ εἰς πρᾶσιν καταγάγοι τὴν ἄπρατον χάριν, καὶ χειροτονήσοι ἐπὶ χρήμασιν ἐπίσκοπον, ἢ χωρεπίσκοπον, ἢ πρεσβύτερον,[3] ἢ διάκονον, ἢ ἕτερόν τινα τῶν ἐν τῷ κλήρῳ (л. 241^b) καταριθμούμενον,[4] ἢ προβάλοιτο[5] ἐπὶ χρήμασιν οἰκονόμον, ἢ ἔκδικον, ἢ παραμονάριον, ἢ ὅλως τινὰ τοῦ κανόνος δι' αἰσχροκερδίαν οἰκείαν, ὁ τοῦτο[6] ἐπιχειρήσας ἐλεγχθεὶς κινδυνευέτω περὶ τὸν οἰκεῖον βαθμόν, καὶ ὁ χειροτονούμενος μηδὲν ἐκ τῆς κατ' ἐμπορίαν ὠφελείσθω χειροτονίας ἢ προβολῆς, ἀλλ' ἔστω ἀλλότριος τῆς ἀξίας ἢ τοῦ φροντίσματος, οὗπερ ἐπὶ χρήμασιν ἔτυχεν. εἰ δέ τις καὶ μεσιτεύων φανείη τοῖς οὕτως[7] αἰσχροῖς καὶ ἀθεμίτοις λήμμασιν, καὶ οὗτος, εἰ μὲν κληρικὸς εἴη, τοῦ οἰκείου ἐκπιπτέτω βαθμοῦ· εἰ δὲ λαϊκὸς ἢ μονάζων, ἀναθεματιζέσθω.

Κάλλιστα καὶ λίαν εὐσεβῆ τοῦ κανόνος τῶν ἁγίων πατέρων ὑπάρχειν[8] τὰ παραγγέλματα, πᾶσαν ἔφοδον σατανικὴν καὶ πᾶν ἐγχείρημα διαβολικὸν κατὰ τῆς πνευματικῆς φερόμενον δωρεᾶς

---

1) канънъ *проп. П.* 2) ꙗви *С.* 3) сиче рѣцью *У.* 4) епїскѹпъ *П*; и *вставл. С.* 5) и *У.* 6) коего *П.* 7) прицїтаюмааго *У.* 8) или приложить на имѣнии иконома *проп. У.* 9) ·ка-нонъ *П.* 10) срамьнаꙗ *П.* 11) ницьто *У.* 11) попечені̇е *С.* 12) имѣнию *У.* 13) полоуци *У.* 14) попира *У.* 15) и *вставл. П.* 16) циноу *У.* 17) каноуна *У.* 18) нахонию *У.*

1) οὑτωσὶ P Vind. 2) Vind. in m. добавл. χανών. 3) ἢ πρεσβύτερον ἢ χωρεπίσκοπον P. 4) καταριθμουμένων P Vind. 5) προβάλλοιτο P. 6) τούτο cod.; τούτῳ P. 7) οὕτως проп. P Vind. 8) ὑπάρχει P Vind.

Ѿмѣтающе же и ѿсѣкающе не хощеть бо никъто же имѣниꙗ ради бывати поставлениѥмь произведениѥ приѥмлющю· нъ ни прѣже времене[1] поставлениꙗ· ни въ тоѥ же времѧ поставлениꙗ имѣниꙗ· даꙗти подобаѥть· ѿноудъ бо дароприиманиѥ·[2] ѥмоу на вещи· осоуди обаче· понеже иныꙗ оубо ꙗвѣ симъ· тако възбраненомъ· оувѣдѣни быша нѣции· въ галатѣхъ· изнемагающе и прѣстоупающе[3] приобрѣтениꙗ ради срамьнааго и срѣбролюбиꙗ· спс҃ьнаꙗ си и чл҃колюбьнаꙗ запрѣщениꙗ· добрѣ имѣти и· изволисѧ и намъ· сиꙗ самаꙗ пакы обновити· съ прѣшьдъшиимъ[4] ст҃ыимъ съборъмь· въ сии црьскыи[5] новыи римъ· костѧнтиниꙗ града· ꙗко развѣ вьсѧкого помышлениꙗ· и вьсѧкоꙗ вины· и всѧкого[6] оумоудрениѥ·[7] нечьстивы и мьрзъкъ сы· не вѣмь[8] ѿкоудоу нашьдъшии обычаи· на ст҃ыꙗ цьркъви· ѿноудъ[9] ѿсѣщи· да нельстьноу и чистоу

ἀπωθούμενά τε καὶ ἀνακόπτοντα· οὐ βούλεται γὰρ οὐδαμῶς διὰ χρημάτων γίνεσθαι τὰς[1] χειροτονίας[2] τὴν προβολὴν ὑποδεχομένου. ἀλλ' οὐδὲ πρὸ τοῦ καιροῦ τῆς χειροτονίας[3] οὐδὲ κατὰ τὸν αὐτὸν[4] καιρὸν[5] τῆς χειροτονίας[6] ὑπὲρ τῆς χειροτονίας[7] χρήματα δίδοσθαι[8] χρή·[9] καθόλου γὰρ τὴν ἐπὶ τῷ πράγματι αὐτῷ[10] δωροδοκίαν ἀπέφηνεν.[11] ὅμως ἐπειδὴ νῦν, καίτοι[12] προδήλως τούτων οὕτως κεκωλυμένων, ἐφωράθησάν τινες κατὰ τὴν Γαλατῶν, ὀλιγωροῦντες καὶ παραβαίνοντες δι' αἰσχροκερδίαν (л. 242ª) καὶ φιλαργυρίαν τὰ σωτήρια ταῦτα καὶ φιλάνθρωπα παραγγέλματα, εὖ ἔχειν ἔδοξεν καὶ ἡμῖν αὐτὰ ταῦτα πάλιν ἀνανεώσασθαι μετὰ τῆς ἐνδημούσης ἁγίας συνόδου ἐν ταύτῃ τῇ βασιλευούσῃ νέᾳ Ῥώμῃ Κωνσταντινουπόλει, ὥστε δίχα πάσης ἐπινοίας καὶ πάσης προφάσεως καὶ παντὸς σοφισμοῦ τὴν ἀσεβῆ καὶ βδελυρὰν ταύτην, οὐκ οἶδ' ὅπως, ἐπεισελθοῦσαν συνήθειαν ταῖς ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις παντελῶς ἐκτε- л. 233 а.
μεῖν, ἵνα[13] ἀκαπηλεύτου καὶ καθαρᾶς

1) врѣмѣни *У.* 2) дароприиманиꙗ *У.* 3) приступающеи *П.* 4) пришедъшимъ *У.* 5) црь҃скыи *СП.* 6) помышлениꙗ· и вьсѧкоꙗ вины· и всѧкого *проп. П.* 7) ѹмѹдреніа *СП.* 8) вѣдь *У.* 9) Ѿноудоу *П.*

1) τῆς P Vind. 2) τὴν προβολὴν ἢ ὑποδέχεσθαι οὔτε παρὰ τοῦ ταύτην ἐνεργοῦντος οὔτε παρὰ τοῦ τῆς χειροτονίας вставл. P Vind. 3) οὐδὲ μετὰ τὸν καιρὸν τῆς χειροτονίας вставл. P Vind. 4) αὐτὸν проп. P. 5) καιρὸν αὐτὸν Vind. 6) Patm. 173 дописано in m. другой рукой IX в.: οὐδὲ κατὰ τὸν καιρὸν αὐτὸν τῆς χειροτονίας. 7) ὑπὲρ τῆς χειροτονίας проп. Vind. 8) δεδόσθαι P. 9) συγχωρεῖ P Vind. 10) τούτῳ P Vind. 11) ἀπέφησεν P Vind. 12) cod. переправл. изъ καὶ τοῖς; Vind. καὶ. 13) ἀληθῶς вставл. P Vind.

ѿ [1] свѧтитель проповѣданию на поставлꙗнѣиихъ· [2] бывающе съвыше ꙗко нынѣ оубо не вѣмъ· аще имѣниꙗ ради проиꙁведение творѧщемъ· [3] а не роукы [4] чисты дѣтельствоуѥмъ· съходить на поставлꙗемаго· [5] по гласоу проповѣданиꙗ· [6] и не ѿходить ли паче ст҃го дх҃а бл҃годѣть· вѣжь оубо вьсѧ бл҃гочьстиве· ѥгоже оубо дьржима о таковѣмь нѣкоѥмь еп҃пѣ· или сельнѣмь еп҃пѣ· или о [7] обиходьницѣ· или о попѣ или [8] о диꙗконѣ или о иномь комь когда ѿ канона· или простьца· [9] обьщимь повелѣниѥмь [10] ст҃тель осоужати· и обьщимь соудъмь· ꙗко же ѿ ст҃ыихъ оц҃ь [11] канонъ· [12] постигъ проповѣдаѥть· подобаѥть [13] бо быти бл҃годати· бл҃гдатию и никъде же ѿ неꙗ ходатаиствовати· срѣброу да боудеть оубо [14] и ѥсть· чюжь и вьсего чистительства· достоꙗниꙗ же и слоужениꙗ ѿвьрженъ· и въ проклѧтиѥ анаѳемы въложенъ· ѥгда притѧжати [15] имѣниѥмь помышлꙗꙗ· и подаꙗи ѥго имѣниѥмь [16] обѣщавъ· или клирикъ или простьць боудеть· и обличенъ боудеть

παρὰ τῶν ἀρχιερέων τῆς ἐπὶ τῶν χειροτονουμένων ἀναῤῥήσεως γινομένης, ἄνωθεν ἡ τοῦ ἁγίου πνεύματος χάρις ἐπιφοιτᾷ, ὡς [1] νῦν γε, οὐκ οἶδα, εἰ διὰ χρημάτων τὴν προβολὴν ποιούμενον, [2] καὶ οὐ τῆς χειρὸς καθαρᾶς [3] ἐνεργούσης, ἐπιφοιτᾷ τῷ προχειριζομένῳ κατὰ τὴν φωνὴν τοῦ κηρύγματος, καὶ οὐχὶ συστέλλεται μᾶλλον ἡ τοῦ ἁγίου πνεύματος χάρις. Ἴσθι τοίνυν, τὰ πάντα θεοσεβέστατε, πάντα [4] ὁντιναοῦν ἁλισκόμενον ἐπί τι [5] τοιοῦτο [6] τινὶ ἐπίσκοπον, ἢ χωρεπίσκοπον, ἢ περιοδευτήν, ἢ πρεσβύτερον, ἢ διάκονον, ἢ ἄλλον τιναδήποτε [7] τοῦ κανόνος, ἢ λαϊκόν, κοινῷ δόγματι τῶν ἀρχιερέων κατακεκρίσθαι καὶ κοινῇ ψήφῳ, καθὼς περὶ τούτου καὶ ὁ τῶν ἁγίων πατέρων κανὼν φθάσας διαλαλεῖ· [8] (л. 242[b]) δεῖ γὰρ εἶναι χάριν τὴν χάριν, καὶ μηδαμοῦ παρ' αὐτῇ μεσιτεύειν ἀργύριον. ἔστω [9] τοίνυν καὶ ἔστιν [10] ἀποκήρυκτος καὶ πάσης ἱερατικῆς ἀξίας τε καὶ λειτουργίας ἀλλότριος καὶ τῇ κατάρᾳ τοῦ ἀναθέματος ὑποκείμενος, ὅ τε κτᾶσθαι ταύτην [11] διὰ χρημάτων οἰόμενος καὶ ὁ ταύτην παρέχειν ἐπὶ χρήμασιν ὑπισχνούμενος, εἴτε κληρικὸς [12] εἴτε λαϊκὸς εἴη, κἂν ἐλέγχοιτο

---

1) о *С.* 2) поставленыи҄ *СП.* 3) творѧщимъ *П.* 4) *cod. конечное* ъı *по скобл.* 5) *cod.* ема *по скобл.* 6) *cod. буквы* п (*передъ* о) *и* вѣдана *по скобл.*; проповѣданія *П.* 7) о *проп. П.* 8) и *У.* 9) простьчѧ *У.* 10) повевелѣніемъ *С.* 11) оць *cod.* 12) сѫдомъ *С.* 13) подобае *П.* 14) ибо *С.* 15) *cod. слоги* тѧжати *по скобл.* 16) помышлꙗꙗ· и подаꙗи ѥго имѣниѥмь *проп. П.*

1) ὧν P. 2) ποιουμένων P Vind. 3) καθαρῶς P Vind. 4) τὸν вставл. P Vind. 5) τι проп. P Vind. 6) τοιούτῳ P Vind. 7) ὀντιναδήποτε Patm. 173. 8) διαλέγει Patm. 172. 9) ἔστι Patm. 172. 10) ἔστω Patm. 172. 11) ταύτην κτᾶσθαι Vind. 12) εἴτε λαϊκὸς вставл. Vind., но вычеркив.

или не обличенъ се творѧ не помꙑшлꙗѥть бо наоучитисѧ[1] когда ненаоученꙑими· ни съ бл҃ꙿ съвъкоупꙗти[2] мамонꙑ· ли томоу работающиимъ· работати б҃оу· вл҃дчьнѥ[3] и се ѥсть осоужениѥ извѣсто|ѥ· не можете б҃оу работати и[4] мамонѣ· къ симъ надѣющесѧ и мꙑ по силѣ· и симъ повиноующесѧ·[5] съ рекъшиимъ сиꙗ· на безаконьноующиихъ сиꙗ· осоужениѥ сътворихомъ· да попечеть же сѧ и твоѥ прѣподобиѥ сими· всюдоу стражю творѧ· ꙗвѣ поставити въсписании·[6] и подъ тобою б҃олюбивꙑимъ еп҃омъ· и обиходьникомъ вьсѣмъ· да ѥдинѣмь д҃хъмь и ѥдиною д҃шею· вьси въкоупь хрьстиꙗне· оутвьрдивъше на обꙑчаагo врага· възможемъ съ б҃мь· ѿ того насажденꙑи въ насъ· срѣбролюбиꙗ корень· коупьно съ всѣми· въздрастъшиими ѥго· ѿсѣщи· вьсю съ тобою о х҃ѣ братию цѣлоуѥмъ· съдравъ боуди о г҃ѣ о насъ молѧсѧ б҃олюбивꙑи брате·

κἂν μὴ ἐλέγχοιτο τοῦτο ποιεῖν· οὐ
γάρ οἷόν τε συμβιβασθῆναί ποτε τὰ
ἀσύμβατα, οὐδὲ θεῷ συμφωνῆσαι τὸν
μαμωνᾶν, ἢ τοὺς τούτων[1] δουλεύοντας δουλεῦσαι θεῷ· δεσποτικὴ καὶ αὕτη
ἐστὶν[2] ἢ[3] ἀπόφασις ἀναμφίλεκτος· Οὐ л. 234 а.
δύνασθε[4] θεῷ δουλεύειν καὶ μαμωνᾷ. τούτοις ἐπιθαῤῥοῦντες ἡμεῖς κατὰ δύναμιν ἡμεῖς[5] καὶ τούτοις ὑπείκοντες; μετὰ[6] ταῦτα ὑπερανομούντων[7] τὴν ἀπόφασιν πεποιήμεθα. φροντισάτω δὲ καὶ[8] ἡ σὴ ὁσιότης ταῦτα διὰ πάσης παραφυλακῆς[9] ποιουμένη δῆλα καταστῆσαι δι' ἀντιγράφων καὶ τοῖς ὑπὸ σὲ θεοφιλεστάτοις ἐπισκόποις καὶ περιοδευταῖς καὶ τοῖς ἄλλοις πᾶσιν,[10] ἵνα ἐν ἑνὶ πνεύματι καὶ μιᾷ ψυχῇ πάντες ὁμοῦ χριστιανοὶ συμφραξάμενοι κατὰ τοῦ κοινοῦ δυσμενοῦς ἰσχύσωμεν σὺν θεῷ τὴν ὑπ' ἐκείνου φυτευθεῖσαν ἐν ἡμῖν τῆς φιλαργυρίας ῥίζαν ἅμα πᾶσιν αὐτῆς τῶν κακῶν τοῖς βλαστήμασιν ἐκτεμεῖν. πᾶσαν τὴν σὺν σοὶ ἐν Χριστῷ[11] ἀδελφότητα προσαγορεύομεν.[12]

---

1) наоуцитисѧ *У.* 2) съвъкалѧти *С.* 3) вл҃чнѥѥ *П.* 4) ни *СУ.* 5) и мꙑ по силѣ· и симъ повиноующесѧ *проп. С.* 6) въписаніи *С.*

1) τούτῳ P Vind.; τοὺς τούτων cod. переправл. изъ τούτων, при чемъ слогъ τού допис. in m. 2) ἔστιν Patm. 172. 3) φων вставл. cod., но обводитъ точками; ἡ проп. P Vind. 4) cod. окончаніе αι. 5) ἡμεῖς проп. P Vind. 6) τοῦ ταῦτα φήσαντος κατὰ τῶν вставл. P Vind. 7) παρανομούντων P Vind. 8) καὶ проп. Vind. 9) φυλακῆς P. 10) ἅπασιν P Vind. 11) ἐν Χριστῷ cod. in m. 12) ἐῤῥωμένος ἐν κυρίῳ ὑπερεύχου ἡμῶν θεοφιλέστατε ἀδελφέ и затѣмъ подписи Геннадія и прочихъ участниковъ собора (смотр. «Приложенія» во II томѣ настоящаго изданія) добавл. P Vind.

Въсписаниꙗ· ганадии[1] епп҃ъ[2] костѧнтинꙗ[3] града· въсписа иѡ҄анъ[4] епп҃ъ· митрополиꙗ· иракниискꙑи въсписа· анастасии епп҃ъ митрополиꙗ· анькурьскꙑꙗ въсписа·[5] евьномии[6] епп҃ъ· митрополиꙗ· никомидиискꙑꙗ·[7] въсписа· петръ епп҃ъ· митрополиꙗ никенскꙑꙗ въсписа·

---

1) генадіи *СП.* 2) еппа *У.* 3) костѧнтина *С.* 4) іѡ҃а *П.* 5) въсписа анькюрьскꙑꙗ *У.* 6) евномии *П;* евъновии *У.* 7) никодимьскꙑꙗ *У.*

Посъланиѥ правильноѥ· ст҃аго григориꙗ еп҃а· новыꙗ кесариꙗ чюдотворьцѧ· о нападении[1] поганыихъ· и о коумирогадъшиихъ· инѣми нѣкыими съблажнѧкъшиихъсѧ·[2]

Ни брашьна насъ отѧгъчаютъ· сщ҃енъıи папе|жю· аще ꙗша плѣнении· сиꙗ же прѣдъставиша[3] имъ държаще ихъ паче понеже ѥдино слово· паче вьсѣхъ погънавъшиихъ наша страны поганыихъ· идоломъ не пожьрети· ап҃лъ же рече· брашьно чрѣвоу и чрѣво[4] брашьноу· б҃ъ же се и[5] сиꙗ оупразнить· нъ и сп҃съ вьсѧ брашьна очищаꙗ· не въходѧщеѥ рече осквьрнѧѥть ч҃лвка нъ исходѧщеѥ·[6] и ѥже жены плѣненыꙗ· растьлити роугающемъсѧ поганыимъ· въ тѣлеса[7] ихъ· нъ аще оубо и пьрвѣѥ· приобидѣно бы[8] коѥго житиѥ· ходѧщи[9] ȥадъ[10] очима[11] ѿ блоудѧщиихъ по писаномоу· ꙗвѣ ꙗко блоудьныи обычаи· ȥапрѣщеныи въ врѣмѧ плѣнениꙗ· и не абиѥ подобаѥть таковыимъ приобьщатисѧ мл҃твъ·

(л. 243^a—243^b). ᾿ΕΠΙΣΤΟΛΗ[1] ΚΑΝΟΝΙΚΗ ΤΟΥ ῾ΑΓΙΟΥ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ᾿ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΝΕΟΚΑΙΣΑΡΕΙΑΣ ΤΟΥ ΘΑΥΜΑΤΟΥΡΓΟΥ[2] ΠΕΡΙ ΤΩΝ ᾿ΕΝ ΤΗι ΚΑΤΑΔΡΟΜΗι ΤΩΝ ΒΑΡΒΑΡΩΝ ΕΙΔΩΛΟΦΑΓΟΝΤΩΝ[3] ῎Η ΚΑΙ ῞ΕΤΕΡΑ ΤΙΝΑ ΠΛΗΜΜΕΛΗΣΑΝΤΩΝ.

Οὔτε[4] βρώματα ἡμᾶς βαρεῖ, ἱερὲ πάπα, εἰ ἔφαγον οἱ αἰχμάλωτοι ταῦτα, (л. 234 b.) ἅπερ παρετίθεσαν αὐτοῖς οἱ κρατοῦντες αὐτῶν· μάλιστα ἐπειδὴ εἷς λόγος παρὰ πάντων, τοὺς καταδραμόντας τὰ ἡμέτερα μέρη βαρβάρους εἰδώλοις μὴ τεθυκέναι. ὁ δὲ ἀπόστολος φησίν· Τὰ βρώματα τῇ κοιλίᾳ καὶ ἡ κοιλία τοῖς βρώμασιν, ὁ δὲ θεὸς καὶ ταύτην καὶ ταῦτα καταργήσει. ἀλλὰ καὶ ὁ σωτὴρ ὁ πάντα καθαρίζων τὰ βρώματα, Οὐ τὸ εἰσπορευόμενον, φησίν, κοινοῖ τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ τὸ ἐκπορευόμενον, καὶ τὸ τὰς γυναῖκας τὰς[5] αἰχμαλώτους διαφθαρῆναι, ἐξυβριζόντων τῶν βαρβάρων εἰς τὰ σώματα αὐτῶν. ἀλλ᾽ εἰ μὲν καὶ πρότερον κατέγνωστό τινος ὁ βίος, πορευομένης ὀπίσω ὀφθαλμῶν τῶν ἐκπορνευόντων[6] κατὰ τὸ γεγραμμένον, δῆλον ὅτι ἡ πορνικὴ ἕξις ὕποπτος[7] καὶ[8] τῷ[9] καιρῷ τῆς αἰχμαλωσίας, καὶ οὐ προχείρως δεῖ ταῖς τοιαύταις[10] κοινωνεῖν τῶν εὐχῶν.

1) нападании У. 2) С in m. к҃а. 3) прѣставиша У. 4) чрѣвꙋ С. 5) и проп. С; и вставл. У. 6) ре҃ осквернѧе҃ ч҃лка но исходѧщее С проп. въ текстѣ и дописано вверху л. 220^b. 7) телесѣ У. 8) бысть П. 9) ходѧще П. 10) за У. 11) оцима У.

1) cod. in m. рукой XIII в. κδ′; V in m. ιϑ′. 2) τοῦ θαυματουργοῦ ἐπισκόπου Νεοκαισαρείας V. 3) εἰδωλόθυτα φαγόντων PV. 4) Οὐ V; Οὐ τὰ P. 5) τὰς проп. P. 6) cod. ν передъ ε допис. надъ строкой. 7) ἐστὶν вставл. V. 8) ἐν вставл. V. 9) τῷ проп. PV. 10) τὰς τοιαύτας P.

аще оубо нѣкаꙗ въ вьсемь цѣломоудрии [1] поживъши· [2] и чстоѥ житиѥ· и вънѣ вьсꙗкого помꙑсла показавъши пьрвѣѥ· нꙑнꙗ въпаде ноуждею и бѣдою въ роуганиꙗ· имамъ притъчю· иже въ вторѣмь законѣ· бꙑвъшеи [3] отроковици· юже на поли обрѣтъ [4] члвкъ· и приноуди ю спсению· [5] отроковици рече [6] не сътворить си [7] ничьто [8] же· нѣсть отроковици съгрѣшениꙗ съмьрти· ꙗко аще къко [9] въстанеть члвкъ· на ближьнꙗаго [10] своѥго и оумьртви ѥмоу дшю· тако
л. 235 а.
вєщь си възъ|пи отроковицꙗ· и помагающаго не бѣ ѥи сиꙗ оубо такова възложї [11] лихоимьство· и нѣсть посъланиѥмь ѥдинѣмь· прѣдъложитї [12] бжьственаго писаниꙗ· въ нѥмьже· ѥже не разбивати тъкъмо гонезноути· [13] страшьнааго възвѣщаѥтьсꙗ· нъ ѿноудъ ѥже лихоимьствова· [14] и щюжего [15] прикасатисꙗ на лихоимьство· и вьсꙗкъ таковꙑи [16] щюждь цркве бжиꙗ· въ врѣмꙗ же нападениꙗ· [17] въ толицѣ же въздꙑхании· и въ толичѣ [18] плачи· [19] дрьзноути нѣкꙑимъ врѣмꙗ· вьсѣмъ [20] пагоубоу

1) чѣломоудрии *У.* 2) положившїи *С.* 3) бꙑвъши *У.* 4) обрѣтѣ *У.* 5) спсению *проп. С.* 6) и приноуди ю спсению· отроковици рече *проп. У.* 7) сии *У.* 8) ницьто *У.* 9) како *СУ.* 10) *cod. начальное* б *переправл. изъ* п. 11) заложи *П.* 12) прѣложити *УС.* 13) генезноути *У.* 14) лихоимьствовати *УП.* 15) щюжеѥго *П*; чюжего *У.* 16) и *вставл. П.* 17) нападанїа *П.* 18) толици *С.* 19) плаци *У.* 20) вcѣ *С.*

εἰ μέντοι τις ἐν ἄκρᾳ σωφροσύνῃ ζήσασα καὶ ἔξω πάσης ὑπονοίας ἐπιδεδειγμένη βίον τὸν πρότερον, νῦν περιπέπτωκεν ἐκ βίας καὶ ἀνάγκης ὕβρει, ἔχομεν παράδειγμα τὸ ἐν τῷ [1] Δευτερονομίῳ τὸ ἐπὶ τῇ νεάνιδι, (л. 243b) ἣν ἐν τῷ πεδίῳ εὗρεν ἄνθρωπος καὶ βιασάμενος αὐτὴν ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς· Τῇ νεάνιδι οὐ ποιήσεται, φησίν, [2] οὐδέν· οὐκ ἔστιν [3] τῇ νεάνιδι ἁμάρτημα θανάτου, ὅτι, ὡς εἴ τις ἀναστῇ ἄνθρωπος ἐπὶ τὸν πλησίον αὐτοῦ καὶ θανατώσει [4] αὐτοῦ τὴν ψυχήν, οὕτως [5] τὸ πρᾶγμα τοῦτο· ἐβόησεν ἡ νεᾶνις, καὶ ὁ βοηθῶν οὐκ ἦν αὐτῇ. [6] Ταῦτα μέντοι τοιαῦτα.

Δεινὴ δὲ ἡ πλεονεξία [7] καὶ οὐκ ἔστιν δι' ἐπιστολῆς μιᾶς παραθέσθαι τὰ θεῖα γράμματα, ἐν οἷς οὐ τὸ λῃστεύειν μόνον φευκτὸν [8] καὶ φρικῶδες καταγγέλλεται, ἀλλὰ καθόλου τὸ πλεονεκτεῖν καὶ ἀλλοτρίου ἐφάπτεσθαι ἐπὶ αἰσχροκερδίᾳ· καὶ πᾶς ὁ τοιοῦτος ἐκκήρυκτος ἐκκλησίας θεοῦ. τὸ δὲ ἐν καιρῷ τῆς καταδρομῆς ἐν τοσαύτῃ οἰμωγῇ καὶ τοσούτοις θρήνοις τὸ ἄσαι μή [9] τινας τὸν καιρὸν τὸν πᾶσιν ὄλεθρον [10]

1) τῷ проп. P. 2) φησιν οὐ ποιήσητε V. 3) ἔσται PV. 4) θανατώσῃ P. 5) οὗτος V. 6) αὐτῇ οὐκ ἦν PV. 7) cod. вставл. δ, но перечеркив. 8) φριχτὸν V. 9) τολμῆσαι PV (вм. τὸ ἄσαι μή). 10) εἶναι вставл. cod., но вычеркив.

посѧщемъ· мьнѣти себѣ приобрѣтению·[1] времени быти· чл҃вкъ ѥсть нечьстивъıихъ· и бг҃оненавистьнъıихъ· ни прѣмножьства зъла имоущемъ·[2] тѣмь изволисѧ таковыꙗ вьсѧ ѿврѣщи· да не къгда на вьсѧ люди· приидеть грѣхъ· и на ты пьрвѣе· застоупающаꙗ не вънискаꙗ· бою бо сѧ ꙗко же писание гл҃еть· да не погыбнеть[3] нечьстивъи съ неправьдьнъıими· блоужение бо рече и лихоимьство· ихъже ради приходить гнѣвъ бж҃ии нͣ сыны непокоривъıꙗ не боудѣте оубо причастьници тѣхъ· бѣсте бо нѣкогда тьма нъıнꙗ же свѣтъ о г҃и ꙗко же чада свѣтоу[4] ходите· плодъ бо[5] дх҃овьнъи· съ всѧкою бл҃гостынею·[6] и правьдою[7] и истиною· искоушающе что ѥсть въгодь|но г҃ви· и не прѣѡбьщаитесѧ[8] къ дѣломъ неплодьнъıимъ[9] тьмы·[10] паче же и обличаите· таинаꙗ бо бываѥмаꙗ[11] ѿ нихъ· срамъ ѥсть гл҃ати· вьсѧ же[12] обличиꙗ[13] свѣтъмь ꙗвѧтьсѧ· таковаꙗ оубо ап҃лъ· аще пьрваго ради· лихоимьства бывающаго въ мирѣ·[14] соудъ отъдающе въ то врѣмѧ гнѣва· пакы къ лихоимьст[в]оу прѣвратѧтьсѧ нѣции· приобрѣтающе ѿ кръве

φέροντα νομίσαι ἑαυτοῖς[1] κέρδους[2] καιρὸν εἶναι,[3] ἀνθρώπων ἐστὶν ἀσεβῶν καὶ θεοστυγῶν, οὐδὲ[4] ὑπερβολὴν ἀτοπίας ἐχόντων. ὅθεν ἔδοξεν τοὺς τοιούτους πάντας ἐκκηρύξαι, μήποτε ἐφ' ὅλον ἔλθῃ τὸν λαὸν ἡ ὀργὴ καὶ ἐπ' αὐτοὺς πρῶτον τοὺς προεστῶτας τοὺς μὴ ἐπιζητοῦντας· φοβοῦμαι γάρ, ὡς ἡ γραφὴ λέγει, μὴ συναπολέσῃ ἀσεβὴς τὸν δίκαιον· πορνεία γάρ, φησίν, καὶ πλεονεξία, δι' ἃ ἔρχεται ἡ ὀργὴ τοῦ θεοῦ ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῆς ἀπειθείας. μὴ οὖν γίνεσθε συμμέτοχοι[5] αὐτῶν· ἦτε γάρ ποτε σκότος, νῦν δὲ φῶς ἐν κυρίῳ· ὡς (л. 244ᵃ) τέκνα[6] φωτὸς περιπατεῖτε (ὁ γὰρ καρπὸς τοῦ φωτὸς ἐν πάσῃ ἀγαθοσύνῃ[7] καὶ ἀληθείᾳ), δοκιμάζοντες τί ἐστιν εὐάρεστον τῷ κυρίῳ, καὶ μὴ συγκοινωνεῖτε τοῖς ἔργοις τοῖς л. 235 b.
ἀκάρποις τοῦ σκότους, μᾶλλον δὲ καὶ ἐλέγχετε·[8] τὰ γὰρ κρυφῇ γινόμενα ὑπ' αὐτῶν αἰσχρόν ἐστιν καὶ λέγειν· τὰ δὲ πάντα ἐλεγχόμενα ὑπὸ τοῦ φωτὸς φανεροῦνται.[9] τοιαῦτα μὲν ὁ ἀπόστολος. ἐὰν δὲ[10] διὰ τὴν προτέραν πλεονεξίαν τὴν ἐν τῇ εἰρήνῃ γενομένην δίκην τιννύντες ἐν αὐτῷ τῷ καιρῷ τῆς ὀργῆς πάλιν πρὸς τὴν πλεονεξίαν ἐκτραπῶσί τινες, κερδαίνοντες ἐξ αἵματος[11]

---

1) приѡбрѣстнию *П.* 2) *cod. переправл.* щ *изъ* ж. 3) погыбнеть *С, но* л *переправл. въ* н. 4) свѣта *У.* 5) бо *проп. У.* 6) *cod.* ѥ *по скобл.* 7) правѣдою. *У.* 8) прѣѡбѣщаитесѧ *У.* 9) неподобнымъ *С.* 10) тьмъ *У.* 11) бываамаꙗ *П.* 12) же *проп. У.* 13) ѿбличенаꙗ *У.* 14) рими *С.*

1) ἑαυτοὺς Patm. 172. 2) τὸν πᾶσιν ὄλεθρον φέροντα νομίσαι ἑαυτοῖς κέρδους проп. V. 3) καιρὸν εἶναι κέρδους P. 4) καὶ πολλὴν V (вм. οὐδὲ). 5) μέτοχοι V. 6) οὖν вставл. V. 7) καὶ δικαιοσύνῃ вставл. PV. 8) ἐλέγχεται cod. 9) φανεροῦται PV. 10) δὲ проп. V. 11) καὶ вставл. PV.

правьдьнꙑихъ ч҃лвкъ·[1] развратьникъ бꙑвающиихъ· или плѣненꙑихъ оубиенꙑихъ· чьто ино чаꙗ подобають· или на подвигающаꙗсѧ· лихоимьствъмь събьрати гнѣвъ· и себѣ и вьсѣмъ[2] людьмъ· не се ли ахаръ· иже прѣгрѣшениемь прѣгрѣши зариномь· и на вьсь съньмъ излѥвъ бꙑсть гнѣвъ· и сь единъ тъкъмо съгрѣши· не единъ· съгрѣши въ грѣсѣ[3] своемь· намъ же вьсе[4] наше приобрѣтение се·[5] нъ щюждее[6] клиросоу· анаѳема мьнѣтисѧ подобаеть· тъ бо ахаръ ѿ плѣнениꙗ възѧ· и ти плѣнениꙗ·[7] а онъ оубо ратьнꙑихъ· нꙑнꙗ же ѿ братии приобрѣтающе· пагоубьное приобрѣтение·[8] никъто же да не прѣльщаеть[9] себѣ· ни ꙗко обрѣтъ· ни обрѣтъшаго приобрѣтати рече въторꙑи законъ· не прѣзьри видѣвъ[10] тельць брата своего· ни овьчате брата своего[11] л. 236 а. блоу|дѧщаго по поути· нъ обращениимь обратиши братоу своемоу· аще ли не приближаетьсѧ[12] братъ твои къ тебѣ· ни[13] придеши самъ съберешн самъ·[14] и да боудоуть[15] съ тобою доньдеже ихъ възищеть братъ твои· и ѿдаси емоу

1) ч҃лкъ *СП*; чловѣкъ *У*. 2) вси *П*. 3) *cod.* с *по скобл.* 4) *cod. переправл.* ь *изъ* е. 5) все *С*. 6) шюжеѥ *У*; чюж҃ее *С*. 7) плѣленїа *С*. 8) приѡбрѣтениѥ *У*. 9) прѣлѣщаѥть *У*. 10) вѣдѣвъ *С*. 11) ни овьчате брата своѥго *проп. С*. 12) прижаетсѧ *П*. 13) не *У*. 14) самъ *проп. У*. 15) боуть *У*.

ὀλέθρου ἀνθρώπων ἀναστατῶν[1] γενομένων ἢ αἰχμαλώτων πεφονευμένων, τί ἕτερον προσδοκᾶν χρή, ἢ ὡς ἐπαγωνιζομένους τῇ πλεονεξίᾳ ἐπισωρεῦσαι ὀργὴν καὶ ἑαυτοῖς καὶ παντὶ τῷ λαῷ. οὐκ ἰδοὺ Ἄχαρ ὁ τοῦ Ζαρᾶ πλημμελείᾳ ἐπλημμέλησεν ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος καὶ ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν Ἰσραὴλ ἐγενήθη ἡ ὀργή; καὶ οὗτος εἷς μόνος ἥμαρτεν, μὴ μόνος ἀπέθανεν ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ αὐτοῦ;[2] ἡμῖν δὲ[3] πᾶν τὸ[4] ἡμέτερον, ἀλλὰ ἀλλότριον τῷ κλήρῳ[5] τούτῳ κέρδος ἀνάθεμα νενομίσθαι προσήκει. κἀκεῖνος μὲν γὰρ ὁ Ἄχαρ ἐκ τῆς προνομῆς ἔλαβεν, καὶ αὐτοὶ[6] ἐκ προνομῆς· κἀκεῖνος μὲν τὰ τῶν πολεμίων, οἱ δὲ νῦν τὰ τῶν ἀδελφῶν, κερδάναντες ὀλέθριον κέρδος. μηδεὶς ἐξαπατάτω ἑαυτόν, μήτε ὡς εὑρών· οὔτε γὰρ εὑρόντα κερδαίνειν ἔξεστιν. φησὶ τὸ Δευτερονόμιον· (л. 244^{b}) Μὴ ἰδὼν τὸν μόσχον τοῦ ἀδελφοῦ σου καὶ τὸ πρόβατον πλανώμενον[7] ἐν τῇ ὁδῷ[8] περιΐδῃς[9] αὐτά· ἀποστροφῇ ἀποστρέψῃς[10] αὐτὰ τῷ ἀδελφῷ σου. ἐὰν δὲ μὴ ἐγγίζῃ ὁ ἀδελφός σου πρὸς σέ, μηδὲ ἐπιστῇ,[11] αὐτὸς συνάξῃς[12] αὐτὰ καὶ ἔσται μετὰ σοῦ, ἕως ἂν ἐκζητήσῃ αὐτὰ ὁ ἀδελφός σου, καὶ ἀποδώσῃς[13] αὐτά·

1) ἀναστάτων V. 2) καὶ вставл. V. 3) οὖν V. 4) μὴ вставл. PV. 5) κλιρῷ Patm. 173. 6) νῦν вставл. V. 7) πλανώμενα PV. 8) μὴ вставл. V. 9) περιήδεις cod. 10) ἀποστρέψεις V. 11) V переправл. въ ἐπίστη. 12) συνάξεις P (но въ Patm. 172 надъ ει надпис. η). 13) ἀποδώσεις V.

и тако сътвориши· и осьлоу ѥго· и тако сътвориши[1] и ризѣ ѥго· и тако[2] сътвориши по вьсеи погыбѣли брата твоѥго· ꙗко аще погыбнеть ѿ нѥго и ѡбрѧщеши ꙗ· си оубо вьторыи законъ· нъ въ исходѣ же не тъкъмо[3] обрѧщеши[4] брата своѥго· нъ и врага· обращениѥмь рече обратиши ꙗ въ домъ· господина того· аще же въ мирѣ оубо лѣнѧщюсѧ и питающесѧ· и своихъ брата твоѥго небрѣгоущю· или врага·[5] приобрѣтати не годоваѥть· кольми паче зълочьстиваго· и рати бѣгающаго[6] по нѫжди· своѥ оставльшаго· нъ ни сами себѣ да не прѣльщають· въ своихъ мѣстѣхъ погыбающиихъ· ꙗже обрѣтъ чюжаꙗ имоущаꙗ· ѥже понеже ворадане·[7] и гъти брань съдѣлаша[8] имъ· инѣмъ ворaданемъ и гътомъ· боудоуть·[9] посълахомъ оубо брата и старьцѧ ефросина· сихъ ради къ вамъ да по образоу соущюмоу· тамо

καὶ οὕτως ποιήσεις[1] τὸν[2] ὄνον αὐτοῦ, καὶ οὕτως ποιήσεις[3] τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ,[4] καὶ οὕτως ποιήσεις[5] κατὰ πᾶσαν ἀπώλειαν τοῦ ἀδελφοῦ σου, ὡς[6] ἂν ἀπόληται[7] παρ' αὐτοῦ, καὶ εὕρῃς[8] αὐτά. ταῦτα[9] τὸ Δευτερονόμιον. ἐν[10] δὲ τῇ Ἐξόδῳ, οὐ μόνον τὰ τοῦ ἀδελφοῦ ἐάν[11] τις εὕρῃ, ἀλλὰ καὶ[12] ἐχθροῦ, Ἀποστροφῇ, φησίν, ἀποστρέψῃς[13] αὐτὰ εἰς τὸν οἶκον τοῦ κυρίου αὐτοῦ. εἰ δὲ ἐν εἰρήνῃ ἄρα[14] ῥαθυμοῦντος καὶ τρυφῶντος καὶ τῶν ἰδίων ἀμελοῦντος ἀδελφοῦ ἢ ἐχθροῦ κερδάναι οὐκ ἔξεστιν,[15] πόσῳ μᾶλλον δυστυχοῦντος καὶ πολεμίους φεύγοντος καὶ κατὰ ἀνάγκην τὰ ἴδια ἐγκαταλείποντος;[16] ἀλλ' οὐδὲ ἑαυτοὶ ἐξαπατάτωσαν, ἄν τι[17] τῶν ἰδίων τῶν ἀπολλομένων,[18] ἃ εὑρὼν[19] ἀλλότρια κατέχοντες·[20] ἦν[21] ἐπειδὴ αὐτοὺς Βοράδοι[22] καὶ Γότθοι[23] τὰ πολέμου εἰργάσαντο, αὐτοὶ ἄλλοις Βοράδοι[24] καὶ Γότθοι[25] γένωνται.[26] ἀπεστείλαμεν οὖν τὸν ἀδελφὸν καὶ συγγέροντα Εὐφρόσυνον διὰ ταῦτα πρὸς ὑμᾶς, ἵνα κατὰ τὸν ἐνθάδε τύπον,

---

1) и осьлоу ѥго· и тако сътвориши *проп.* *С.* 2) та *С.* 3) токъ *У.* 4) обрѧщеши *У.* 5) врата *У.* 6) бывающаго *С.* 7) вородане *У.* 8) *cod.* ѣ *по скобл.* 9) коудѣть *У.*

1) ποιήσῃς Patm. 172. 2) τὴν P. 3) ποιήσῃς Patm. 172. 4) καὶ οὕτως ποιήσεις τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ проп. V. 5) ποιήσῃς Patm. 172. 6) ὅσα PV. 7) ἀπωλῆται cod. 8) εὑρήσῃς P. 9) δὲ вставл. cod., но вычеркив. 10) cod. переправл. изъ ἐὰν. 11) ἐὰν τὰ τοῦ ἀδελφοῦ PV. 12) τοῦ вставл. P. 13) ἀποστρέψεις V Patm. 173. 14) ἄρα проп. V. 15) ἔστιν V. 16) ἐγκαταλίποντος cod.; V переправл. въ ἐγκατάλιπόντος. 17) ἄλλοι δὲ ἑαυτοὺς ἐξαπατῶσιν ἀντὶ PV. 18) V выскобл. одно λ. 19) εὗρον PV. 20) κατέχοντες ἀλλότρια V. 21) ἵν' PV. 22) Βόραδοι V. 23) Γόθοι P. 24) Βορράδοι cod.; Βόραδοι V. 25) Γόθοι P. 26) γίνωνται V.

и сьде тако же дасть· ихъ оубо гл҃анија приимати·[1] и јаже ѿлоучити[2] мл҃твъ· повѣдано же бысть· л. 236 b. нѣчь|то намъ невѣрьно· въ странѣ вашеи бывъшии· вьсако къде ѿ невѣрьнъихъ и нечьстивъихъ· невѣдоущиихъ[3] ни имене[4] гп҃а· еда јако въ толико нѣции нечл҃вечениѥ·[5] и соуровьство въмѣстишаса· јако нѣкъија привѣгъшија плѣнѥнъі· ноуждею[6] одьржати· посъласте нѣкъија въ странoу· да не извѣтьнии[7] падоуть на творащаја таковаја· причьтенъија оубо въ поганъија· и съ ними въ плѣнѥнии изъбывающемъ· јако вѣша[8] тоньтьскии хрьстијане· опоганивъшемъ же са· јако[9] же и[10] оубивати тъчьноплеменьнъија· или дрѣвъмь или силомь· показати же или поути или домы· поганъимъ· и послоушанија· възбранити подобаѥть· донъдеже обыще о нихъ чьто изволитьса· съшьдъшемъса[11] ст҃ымъ· и прѣже тѣхъ ст҃ыимь дх҃ьмь· дьрзноувъшихъ же наити на домы[12] чюждаја· аще оубо огл҃ании[13] бывъша· обличатьса ни послоушанија съподобити·

καὶ αὐτοῦ[1] δώῃ ὁμοίως, καὶ ὧν δεῖ[2] τὰς κατηγορίας (л. 245a) προσίεσθαι[3] καὶ οὓς ἐκκηρύξαι τῶν εὐχῶν. ἀπηγγέλη[4] δέ τι ἡμῖν καὶ ἄπιστον ἐν τῇ χώρᾳ ὑμῶν γενόμενον,[5] πάντως που ὑπὸ ἀπίστων καὶ ἀσεβῶν καὶ μὴ εἰδότων μήτε τὸ[6] ὄνομα κυρίου· ὅτι ἄρα εἰς τοσοῦτόν τινες ἀπανθρωπίας καὶ ὠμότητος προσεχώρησαν,[7] ὥστε τινὰς τοὺς διαφεύγοντας[8] αἰχμαλώτους βίᾳ κατέχειν. ἀπεστείλατέ[9] τινας εἰς τὴν χώραν, μὴ καὶ σκηπτοὶ πέσωσιν ἐπὶ τοὺς τὰ τοιαῦτα πράσσοντας.[10] τοὺς μὲν οὖν ἐγκαταλεχθέντας τοῖς βαρβάροις καὶ μετ' αὐτῶν ἐν αἰχμαλωσίᾳ[11] ἐπιλαθομένους,[12] ὅτι ἦσαν Ποντικοὶ καὶ χριστιανοί, ἐκβαρβαρωθέντας δὲ ὡς καὶ φονεύειν τοὺς ὁμοφύλους ἢ[13] ξύλῳ ἢ ἀγχόνῃ, ὑποδεικνύναι δὲ ἢ ὁδοὺς ἢ οἰκίας ἀγνοοῦσι τοῖς βαρβάροις, καὶ τῆς ἀκροάσεως ἀπεῖρξαι δεῖ,[14] μέχρις ἂν κοινῇ περὶ αὐτῶν τι δόξῃ[15] συνελθοῦσι τοῖς ἁγίοις καὶ πρὸ αὐτῶν τῷ ἁγίῳ πνεύματι. τοὺς δὲ οἴκοις ἀλλοτρίοις ἐπελθεῖν[16] τολμήσαντας, ἐὰν μὲν κατηγορηθέντες ἐλεγχθῶσιν, μηδὲ τῆς ἀκροάσεως[17] ἀξιῶσαι·

1) *cod.* т *по скобл.* 2) ѿлоуцн *У.* 3) невѣдоущеи *П.* 4) имени *П.* 5) нечл҃чениѥ *П.* 6) плѣнѥнъі· ноуждею *проп. С.* 7) извѣстьнии *УС.* 8) вѣжа *П.* 9) и *С.* 10) и *У.* 11) съшьдъшимъса *У.* 12) домъ *У.* 13) гл҃аии *П.*

1) αὐτόθι V. 2) δὴ Patm. 172. 3) προΐεσθαι V. 4) ἀπηγγέλει cod. Patm. 172; ἀπηγγέλθη V. 5) γενόμενον V· 6) τὸ проп. V; μηδὲ P (вм. μήτε τὸ). 7) προεχώρησαν PV. 8) διαφυγόντας PV. 9) ἀπέστειλατε cod.; ἀποστείλατέ PV; οὖν вставл. V. 10) ποιοῦντας Patm. 172, но in m. допис. πράσσοντας. 11) ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας γενομένους V (вм. ἐν αἰχμαλωσίᾳ). 12) τε вставл. V. 13) καὶ Patm. 172. 14) τοὺς τοιούτους вставл. V. 15) δόξει cod.; δόξαι V. 16) ὑπεισελθεῖν V. 17) τούτους вставл. V.

аще ли сами изрекоуть· ни ѿдадѧть· въ обращающихъсѧ чинѣ·[1] вънѹтрь въ црькъви съ оглашеньними· обрѣтъшихъ же чьто на поли· и въ своихъ домѣхъ[2] оставленаꙗ отъ поганъихъ· аще ѹбо оглашени бъівъше обличаться· тако же въ[нѹ]трь[3] ць|ркъве съ оглашеньними исходити· аще ли сами исповѣдѧть· и млтвы съподобити· испълнѧющихъ же[4] заповѣдь· разѣ срамоприобрѣтениꙗ· вьсѧкого[5] подобаѥть ни вѣсти ни спсениꙗ· ни обрѣтениꙗ· или имьже[6] именьмь зовоуться ѿдающемъ·

ἐὰν δὲ αὐτοὶ[1] ἐξείπωσι καὶ[2] ἀποδώσειν,[3] ἐν τοῖς ἐπιστρέφουσι τάξεως[4] ὑποπίπτειν.[5] τοὺς δὲ ἐν τῷ πεδίῳ εὑρόντας τι ἢ ἐν ταῖς ἑαυτῶν[6] οἰκίαις καταλειφθέντα ἀπὸ[7] τῶν βαρβάρων, ἐὰν μὲν κατηγορηθέντες ἐλεγχθῶσιν, ὁμοίως ἐν τοῖς ὑποπίπτουσιν·[8] ἐὰν δὲ л. 237 а. (л. 245b) αὐτοὶ[9] ἐξείπωσιν καὶ ἀποδώσειν,[10] καὶ τῆς εὐχῆς[11] ἀξιῶσαι. τοὺς δὲ τὴν ἐντολὴν πληροῦντας, ἐκτὸς αἰσχροκερδίας πάσης[12] δεῖ, μήτε μήνυτρα, ἢ σῶστρα,[13] ἢ εὕρητρα,[14] ἢ ᾧ ὀνόματι[15] καλοῦσιν, ἀπαιτοῦντας.

---

1) цинѣ У. 2) дѡмехъ П. 3) *исправл. по УП.* 4) же *проп. У.* 5) всѧко *С.* 6) имъже *С.*

1) ἑαυτοὶ V, но ἑ выскобл.; ἑαυτοῖς P. 2) αὐτοὶ вставл. V. 3) ἀποδῶσιν V; ἀπόδωσιν P. 4) ἐν τάξει τῶν ἐπιστρεφόντων V (вм. ἐν τοῖς ἐπιστρέφουσι τάξεως). 5) αὐτούς вставл. V. 6) αὐτῶν V. 7) ὑπὸ PV. 8) ἔστωσαν вставл. V. 9) ἑαυτοὶ V, но ἑ выскобл. 10) ἀποδώσωσιν V; ἀπόδωσιν P. 11) τούτους вставл. V. 12) πληροῦν вставл. PV. 13) σῶτρα cod. 14) εὔρετρα P. 15) ἑτέρῳ ταῦτα вставл. V.

посъланиꙗ правильнаꙗ· с҃того григориꙗ еп҃па нусьскаго· къ с҃тоумоу литоню еп҃поу мелетиньскоумоу·[1]

а҃· Ѥдино и се· къ с҃тыи праздьникъ· съвьршающиихъ ѥсть· разоумѣти намъ законьноѥ же и правильноѥ на прѣгрѣшениꙗ·[2] съмотрениꙗ·[3] ꙗко да исцѣлѣѥть· вьсакъ недоугъ д҃шевьныи· бывающии грѣха ради нѣкоѥго· понеже бо съборьныи[4] вьсеꙗ твари праздьникъ· по повелѣномоу обьхожению· лѣтьнаго кроуга въ коѥжьдо лѣто· въ вьсе испъ[л]ниꙗса· мирови въскрьсениѥ·[5] падъшаего съвьршаѥтьса· падениѥ же ѥсть грѣхъ·[6] въскрьсениѥ же· ѿ падениꙗ[7] грѣха въстаниꙗ[8] добрѣ имать въ д҃нь тъ·[9] не тъкъмо ѿ пакыбытиꙗ прѣтварающиимъса· банѥю благ҃ти· къ б҃оу[10] прѣводити· нъ и покааниꙗ ради· и обращениꙗ ѿ мьртвыихъ дѣлъ· на живоущии поуть· пакы възвращающемъса[11]
л. 237 b. и тѣхъ приводити· къ сп҃сающии|са надежи· ꙗже грѣхъмь оустранишаса· ѥсть же и мало дѣло·

1) *O in m.* к҃в. 2) прѣгнѣшениꙗ *cod.* 3) съмотретіа *C, но* т *передъ* ї *перепр. въ* н. 4) съ *встав. П.* 5) воскрѣсеніа *C*; въскѣсениѥ *У.* 6) грѣха *У.* 7) падѣниѥ *У.* 8) *cod. перепр. конечное* ꙗ *изъ* ѥ. 9) тъ д҃нь *У.* 10) бȣ *C.* 11) възвращающинимса *П.*

(л. 245b—253b).* ἘΠΙΣΤΟΛΗ ΚΑΝΟΝΙΚΗ ΤΟΥ ἉΓΙΟΥ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ἘΠΙΣΚΟΠΟΥ ΝΥΣΣΗΣ ΠΡΟΣ ΤΟΝ ἘΝ ἉΓΙΟΙΣ ΛΗΤΟΪΟΝ ἘΠΙΣΚΟΠΟΝ ΜΕΛΙΤΙΝΗΣ.[1]

⟨α΄.⟩ Ἓν καὶ τοῦτο τῶν εἰς τὴν ἁγίαν ἑορτὴν συντελούντων ἐστὶν τὸ κατανοῆσαι ἡμᾶς τὴν ἔννομόν τε καὶ κανονικὴν ἐπὶ τῶν πεπλημμεληκότων οἰκονομίαν, ὅπως[2] ἂν θεραπευθῇ[3] πᾶν ἀῤῥώστημα ψυχικὸν τὸ διά τινος ἁμαρτίας ἐπιγινόμενον. ἐπειδὴ γὰρ ἡ καθολικὴ καὶ αὕτη τῆς κτίσεως ἑορτή, κατὰ τὴν τεταγμένην περίοδον τοῦ ἐνιαυσιαίου[4] κύκλου καθ᾿ ἕκαστον ἔτος ἐν παντὶ πληρουμένη τῷ κόσμῳ, ἐπὶ τῇ ἀναστάσει τοῦ πεπτωκότος ἐπιτελεῖται (πτῶσις δέ ἐστιν ἡ ἁμαρτία, ἀνάστασις δὲ ἡ ἐκ τοῦ πτώματος τῆς ἁμαρτίας ἀνόρθωσις), καλῶς ἂν ἔχοι κατὰ τὴν ἡμέραν ταύτην οὐ μόνον τοὺς ἐκ παλιγγενεσίας[5] μεταστοιχειουμένους[6] διὰ τῆς τοῦ λουτροῦ χάριτος τῷ θεῷ προσάγειν, ἀλλὰ καὶ τοὺς διὰ[7] μετανοίας τε καὶ ἐπιστροφῆς ἀπὸ τῶν νεκρῶν ἔργων εἰς τὴν ζῶσαν ὁδὸν πάλιν ἐπανιόντας, καὶ τούτους χειραγωγεῖν πρὸς τὴν σῴζουσαν ἐλπίδα, ἧς διὰ τῆς ἁ(л. 246a)μαρτίας ἀπεξενώθησαν. ἔστι δὲ οὐ μικρὸν ἔργον

* Въ Patm. 173 отъ посланія Григорія Нисск. сохранилось только начало на л. 210a—b и конецъ на л. 71a—b со словъ правила 7-го: ὡς μὴ ἀναδειχθῆναι ἡλίῳ.

1) κέ cod. in m. рукой XIII в.; ιή Patm. 172 in m. 2) ὅπως вставл. cod. 3) θεραπευθείη V Patm. 172. 4) ἐνιαυσίου Patm. 172. 5) παλιγενεσίας cod. 6) στοιχειουμένους Patm. 172. 7) τῆς вставл. V.

ѥже[1] о нихъ словеса· съмотрити въ правѣмь искоусьнѣмь[2] соудѣ по ꙁаповѣданомоу ѿ пр҇рка повелѣнаꙗ· подобаѥть съмотрити словеса соудъмь·[3] да ꙗко же имать слово· ни подвижавъсѧ въ вѣкъ· и въ памѧть вѣчьноую боудеть правьдьникъ· ꙗко же бо и на тѣлесьнѣмь ицѣлѥнии·[4] съмотрениѥ врачеваниѥ ѥдино ѥсть· ѥже съдравоу бꙑти стражющюмоу видъ же прилежаниꙗ раꙁличьнъ·[5] по раꙁличию бо недоугъ· подобьно и цѣльбьноѥ[6] пришествиѥ·[7] коѥмоужьдо недоужьнꙑихъ приноситьсѧ· тако мъноꙁѣ соущи[8] пьстротѣ· и недоугоу въ д҇ши страстии· поужьно мъного·обраꙁьноумоу бꙑти· цѣльбьномоу[9] прилежанию· къ словоу страстии· дѣтельствоующю ицѣлѥниѥ· ꙗко же оубо боудеть· хꙑтростьноѥ нѣкоѥ нашьствиѥ· ѡ прѣдълежащиимь гадании· сице[11] слово въсприимемъ· соуть ꙗже о д҇ши нашеи видимаꙗ· по пьрвомоу раꙁдѣлѥнию· словесьноѥ же и похотьноѥ· и гнѣвивоѥ въ сихъ[13] ѥсть· и по исправлѥнию· по добродѣтели[13] боудоущиихъ·[14] и падания въ[15] ꙁъловоу ѿпадающиихъ·

τὸ τοὺς περὶ τούτων λόγους οἰκονομῆσαι ἐν τῇ ὀρθῇ[1] καὶ δεδοκιμασμένῃ κρίσει, κατὰ τὸ παράγγελμα τοῦ προφήτου τὸ κελεῦον δεῖν οἰκονομεῖν τοὺς λόγους ἐν κρίσει, ἵνα, καθὼς ἔχει[2] τὸ λόγιον, μήτε σαλευθεὶς[3] εἰς τὸν αἰῶνα καὶ εἰς μνημόσυνον αἰώνιον γένηται δίκαιος. ὥσπερ γὰρ καὶ ἐπὶ τῆς σωματικῆς θεραπείας ὁ μὲν σκοπὸς τῆς ἰατρικῆς εἷς ἐστι τὸ ὑγιᾶναι τὸν κάμνοντα, τὸ δὲ εἶδος τῆς ἐπιμελείας διάφορον (κατὰ γὰρ τὴν ποικιλίαν τῶν ἀῤῥωστημάτων καταλλήλως καὶ ἡ θεραπευτικὴ μέθοδος ἑκάστῳ τῶν νοσημάτων προσάγεται), οὕτως πολλῆς οὔσης καὶ τῆς[4] ἐν τῇ ψυχῇ[5] νόσῳ τῆς τῶν παθῶν ποικιλίας, ἀναγκαίως πολυειδὴς γενήσεται ἡ θεραπευτικὴ ἐπιμέλεια, πρὸς λόγον τοῦ πάθους ἐνεργοῦσα τὴν ἴασιν. ὡς δ' ἂν γένοιτο τεχνική τις[6] μέθοδος περὶ τοῦ προκειμένου προβλήματος, οὕτω τὸν λόγον διαληψόμεθα.[7]

Τρία ἐστὶ τὰ περὶ τὴν ψυχὴν ἡμῶν θεωρούμενα κατὰ τὴν πρώτην διαίρεσιν, τό τε λογικὸν καὶ τὸ ἐπιθυμητικὸν καὶ τὸ θυμοειδές· ἐν τούτοις ἐστὶ[8] καὶ τὰ κατορθώματα τῶν κατ' ἀρετὴν βιούντων καὶ τὰ πτώματα τῶν εἰς κακίαν ἀποῤῥεόντων.

---

1) ѥ *У.* 2) и *вставл. П.* 3) сѫдъ *С.* 4) ицѣлѥніѥ *П.* 5) *cod. переправл. конечное* ъ *изъ какой-то буквы;* раꙁлицьно *У.* 6) ицѣлѥніѥ *С* (*вм.* и цѣльбьноѥ). 7) пришествиѥ *проп. С.* 8) соущи *проп. С.* 9) чельбьномоу *У.* 10) ичелѣнию *У.* 11) сиче *У.* 12) *вм.* въ сихъ: *П* всѣхъ, *С* всихъ. 13) подобно дѣтели *С* (*вм.* по добродѣтели). 14) *cod.* щ *по скобл.* 15) и *С.*

1) τε вставл. V. 2) ἔχῃ cod. 3) σαλευθῇς cod.; σαλευθῇ V Patm. 172. 4) τῆς проп. V Patm. 172. 5) ψυχικῇ V Patm. 172. 6) τις τεχνικὴ V Patm. 172. 7) διαληψώμεθα V. 8) εἰσὶ Patm. 172.

тѣмь подобаѥть хотѧщюмоу· по- л. 238 а добьноѥ[1] исцѣлѥниѥ приноси|ти къ недоугоующи дш҃а·[2] части пьрвѣѥ оубо посѣщати· нѣ въ коѥмь състависѧ страсть· по семь стражющюмоу· приносити подобьноѥ исцѣлѥниѥ· ꙗко неимѣниѥмь[3] исцѣлѥни[4] цѣльбьнааго прѣхоженꙗ· ина оубо ѥсть[5] недоугоующаꙗ цасть·[6] дроугоѥ же исцѣлѥниѥ приѥмлѧ· ꙗко же бо невѣжениѥмь видимъ[7] многашьды врачевъ въ[8] неимѣнии· прѣжестражющаꙗ части· прибываюштимъ недоугъ· имьже цѣлѧть· недоугоу бо соущю многашьды· по теплоомоу одьржанию· поneже по мъ<но>жении· стоуденааго[9] ѕълобленъ·[10] добрѣѥ теплоѥ же и съгрѣвающеѥ[11] ѥсть·[12] тѣмь по словеси· съпринесеноѥ· несъмотрьливьно·[13] тоѥ же въ бечисльнѣи[14] теплотѣ· жегомыимъ наводоща·[15] и неисцѣлимоую страсть сътвориша ꙗко же оубо[16] дължьныимъ врачемъ[17] мьнитьсѧ разоумъ съставъ своиства· ꙗко же оубо коѥгожьдо· добрѣ илі ѕълѣ соущихъ боудеть· паче ѥстьства положивъшааго въстаниѥ· тако[18] и мы къ томоу

διὸ προσήκει τὸν μέλλοντα τὴν κατάλληλον θεραπείαν προσάγειν τῷ νενοσηκότι τῆς ψυχῆς μέρει πρότερον μὲν (л. 246[b]) ἐπισκέπτεσθαι ἔν τινι[1] συνέστηκεν[2] τὸ πάθος, εἶθ' οὕτω τῷ πεπονθότι προσάγειν ἁρμοδίως τὴν θεραπείαν, ὡς ἂν μὴ δι' ἀπειρίαν τῆς θεραπευτικῆς μεθόδου ἄλλο μὲν ᾖ τὸ νοσῆσαν μέρος, ἕτερον δὲ τὸ τὴν θεραπείαν δεχόμενον· ὥσπερ ἀμέλει βλέπομεν πολλάκις[3] τῶν ἰατρῶν ἐν ἀπειρίᾳ τοῦ πρωτοπαθοῦντος μέρους προσεπιτρίβοντας τὴν νόσον, δι' ὧν θεραπεύουσιν· τῆς γὰρ ἀρρωστίας οὔσης πολλάκις κατὰ θερμοῦ ἐπικράτησιν, ἐπειδὴ τοῖς κατὰ πλεονασμὸν τοῦ ψυχροῦ κεκακωμένοις[4] χρήσιμον τὸ θερμαῖνόν τε[5] καὶ ἀναθάλπον ἐστὶν τὸ τούτοις κατὰ λόγον συνενεγκόν, ἀπερισκέπτως τὸ αὐτὸ τοῖς ἐν ἀμετρίᾳ θερμότητος ἐκκαιομένοις ἐπάγοντες,[6] δυσίατον τὸ πάθος ἐποίησαν. ὥσπερ τοίνυν ἀναγκαιοτάτη τοῖς ἰατροῖς ἐνομίσθη ἡ κατανόησις τῆς τῶν στοιχείων ἰδιότητος, ὅπως ἂν ἑκάστου τῶν εὖ ἢ κακῶς διακειμένων γένοιτο τοῦ παρὰ φύσιν διατεθέντος ἡ ἐπανόρθωσις, οὕτως καὶ ἡμεῖς, ἐπὶ ταύτην

---

1) подобьно *У.* 2) тѣмь подобаеть хотѧщомꙋ подобное исцѣленіе приносити къ недꙋгꙋющи дш҃а *вставл. С.* 3) нѣимѣтниемь *У.* 4) исцѣленіи *П.* 5) исть *У.* 6) чѧсть *УПС.* 7) видивъ *С.* 8) въ *проп. С.* 9) *cod.* є *переправл. изъ* ь. 10) ѡзлоблены *П.* 11) съгрѣшающе *С.* 12) єсть *С, но второе* є *переправл. въ* с. 13) несърьливьно *У.* 14) бе[з]численѣи *П.* 15) *cod. надъ* до *ставитъ* + *и надъ* ща *тоже*; наводѧщѧ *У*; навѡдѣщѣ *П.* 16) оу *У.* 17) врачевъ *У.* 18) такоже *С.*

1) ἐν τίνι V Patm. 172. 2) συνέστη V; σύνεστι Patm. 172. 3) πολλοὺς V Patm. 172. 4) κεκακωμένους cod., но υ поставлено между точками и надъ нимъ ι. 5) τε проп. V. 6) ἐπαγαγόντες V Patm. 172.

въꙁвраштьшеса· раꙁдѣлѥнию· видимыихъ въ дш҃и· начало и виноу подобьнаего· страсти ицѣлѥнига сътворимъ бытиискоѥ видѣниѥ· не троѥ[1] ли оубо ꙗко же рекохомъ· раꙁдѣлѥноу[2] собьствоу· дш҃а | подвижании·[3] на словесьноѥ же и похотьноѥ и гнѣвьноѥ· исправлѥниѥ оубо· словесьна[4] дш҃а части ѥсть· бл҃гочьстивоѥ о[5] бж҃ьствьнѣмь въсприꙗтии·[6] и добраго же и ꙁълаго· раꙁдѣлѥниꙗ хытрость· и ꙗсноую и несъмоуштеноую[7] имоушти о ѥстьствѣ· подълежаштиихъ славоу· чьто оубо ѥсть похотьно въ соуштиихъ· чьто же[8] мьрꙁоко и отъвьржено и пакы ѿ противьнааго вьсꙗко· въ тои части ꙁълоба оувѣдѣна боудеть· ѥгда нечьстивиѥ[9] при божьствьнѣмь· неоутомлѥниѥ же о истиньнѣмь· добро· иꙁмѣнѥно же и съблажнѥно· о вештьхъ ѥстьства въсприꙗтиѥ ꙗко же полагаѥть свѣтъ тьмоу· и тьмоу свѣтъ·[10] ꙗко же рече писаниѥ похотьнъꙗ же части· аще добродѣтельно ѥсть подвижаниѥ·[11] къ истиньноумоу похотьномоу· и въ истиноу къ доброомоу въꙁводити желанию· и ꙗко же въ насъ похотьнаꙗ сила же и ꙁавѣтъ· то оупражнꙗтиса· вьсꙗкомоу вънѥгда повиноутиса· ничемоу[10] же похотьноу быти·

ἀναδραμόντες τὴν διαίρεσιν τῶν ἐν τῇ ψυχῇ θεωρουμένων, ἀρχὴν καὶ ὑπόθεσιν τῆς καταλλήλου τῶν παθῶν θεραπείας ποιησόμεθα[1] τὴν γενικὴν θεωρίαν. οὐκοῦν τριχῇ, καθὼς ἔφαμεν,[2] διῃρη(л. 247a)μένης τῆς ἰδιότητος τῶν л. 238 b. τῆς ψυχῆς κινημάτων εἰς τὸ λογικόν τε καὶ ἐπιθυμητικὸν καὶ θυμοειδές, κατόρθωμα μὲν τοῦ λογιστικοῦ[3] τῆς ψυχῆς μέρους ἐστὶν ἡ εὐσεβὴς περὶ τὸ θεῖον ὑπόληψις καὶ ἡ τοῦ καλοῦ τε καὶ κακοῦ διακριτικὴ ἐπιστήμη καὶ ἡ τρανήν τε καὶ ἀσύγχυτον ἔχουσα περὶ τῆς φύσεως τῶν ὑποκειμένων τὴν δόξαν, τί μέν ἐστιν αἱρετὸν ἐν τοῖς οὖσιν, τί δὲ βδελυκτὸν καὶ ἀπόβλητον. καὶ πάλιν ἐκ τοῦ ἐναντίου πάντως ἡ ἐν τῷ μέρει τούτῳ κακία θεωρηθήσεται, ὅταν ἀσέβεια μὲν ἡ[4] περὶ τὸ θεῖον, ἀκρισία δὲ περὶ τὸ[5] ὄντως καλόν, ἐνηλλαγμένη δὲ καὶ ἐσφαλμένη ἡ περὶ τὴν τῶν πραγμάτων φύσιν ὑπόληψις, ὥστε τιθέναι τὸ φῶς σκότος καὶ τὸ σκότος φῶς, καθώς φησιν ἡ γραφή. τοῦ δὲ ἐπιθυμητικοῦ μέρους ἡ μὲν ἐνάρετός ἐστι κίνησις τὸ πρὸς τὸ ὄντως ἐπιθυμητὸν καὶ ἀληθῶς καλὸν ἀνάγεσθαι τὸν πόθον, καὶ ἡ[6] ἐν ἡμῖν ἐρωτικὴ δύναμίς τε καὶ διάθεσις, ἐκεῖ κατασχολεῖσθαι πᾶσαν ἐν τῷ πεπεῖσθαι μηδὲν ὀρεκτὸν εἶναι

---

1) твоѥ *У.* 2) раꙁдѣлѥноу *П.* 3) подвижани *П;* подвижении *У.* 4) ѕѣо *встав. С.* 5) о *проп. П.* 6) *cod. перепр.* п (*послѣ* с) *изъ* т. 7) несъмоштеноую *У.* 8) не *встав. С.* 9) *cod. перепр.* и (*послѣ* в) *изъ* л. 10) свѣтъ тьмоу *У.* 11) подвижениѥ *У.* 12) нечемѹ *С.*

1) ποιησώμεθα V Patm. 172. 2) ἔφημεν Patm. 172; καθὼς ἔφαμεν τριχῇ V. 3) λογικοῦ V. 4) ἢ V Patm. 172. 5) ὂν вставл. Patm. 172. 6) ἥτις V; εἴ τις Patm. 172.

нъ своимь ѥстьствъмь иномоу· развѣ добродѣтели· и ѥстьствоу добродѣтель точащю· прѣвращениѥ [1] же и грѣхъ· таковъıꙗ [2] части ѥсть ѥгда къто прѣводить [3] желаниѥ· къ непостоꙗньномоу тъщеславию· или л. 239 а. къ принимаю|щюмоу тѣлесъı цвѣтъ· тѣмь [4] бъıваѥть любленниѥ [5] имѣниꙗ· [6] и славолюбиѥ· и сластолюбиѥ· и вьсꙗ таковаꙗ· ѥлико къ [7] таковъıи [8] ꙁълобъı висѧть рода· пакъı [9] же гнѣвьнааго [10] положениꙗ· исправлениѥ оубо· иже къ ꙁълоу вражьда· и брань къ страсти· иже къ моужьствоу [11] оукрѣпити [12] дш҃ю· вънегда оустрашати мъногъıимъ· страшьнаꙗ [13] мьнимаꙗ· нъ до кръве [14] грѣхоу противитисѧ· приобидѣти же· съмьртьноѥ прѣщениѥ· и болѣꙁньнъıихъ моукъ· и сладъкъıихъ съчетаниꙗ· [15] и вьсѣхъ ѥдиною нѣкоѥго ради объıчаꙗ· и прѣжде приꙗти въ страсти· мъногъıимъ одьржимомъ· лоучьши бъıти вѣрѣ· и ꙁа добродѣтели борющю· падениꙗ же таковъıꙗ части· соуть вс҄ѣмъ ꙗвѣ ꙁависть· ненависть гнѣвъ· клеветъı· [16] съплѣтаниꙗ· въ рѧспьрѧхъ же помощьнаꙗ положениꙗ· и ꙗже до мъного простираютъ [17]

τῇ ἑαυτοῦ φύσει ἄλλο πλὴν [1] τῆς ἀρετῆς καὶ τῆς τὴν ἀρετὴν πηγαζούσης φύσεως. παρατροπὴ δὲ καὶ ἁμαρτία τοῦ τοιούτου μέρους ἐστίν, ὅταν τις μετάγῃ [2] τὴν ἐπιθυμίαν πρὸς τὴν ἀνυπόστατον κενοδοξίαν, ἢ πρὸς τὸ ἐπικεχρω(л. 247^{b})σμένον τοῖς σώμασιν ἄνθος, ὅθεν γίνεται ἡ φιλοχρηματία καὶ ἡ φιλοδοξία [3] καὶ ἡ φιληδονία καὶ πάντα τὰ τοιαῦτα, ὅσα τοῦ τοιούτου ἤρτηνται τῆς κακίας γένους. πάλιν δὲ τῆς θυμώδους διαθέσεως κατόρθωμα μὲν [4] ἡ πρὸς τὸ κακὸν ἀπέχθεια καὶ ὁ πρὸς τὰ πάθη πόλεμος καὶ τὸ [5] πρὸς ἀνδρείαν ἐστομῶσθαι τὴν ψυχὴν ἐν τῷ μὴ καταπτήσσειν τὰ τοῖς πολλοῖς φοβερὰ νομιζόμενα, ἀλλὰ μέχρις αἵματος πρὸς τὴν ἁμαρτίαν ἀντικαθίσταται, [6] καταφρονεῖν δὲ θανατικῆς ἀπειλῆς καὶ ἀλγεινῶν [7] κολαστηρίων καὶ τῆς τῶν ἡδίστων διαζεύξεως καὶ πάντων ἅπαξ τῶν διά τινος συνηθείας καὶ προλήψεως ἐν ἡδονῇ τοὺς πολλοὺς κατεχόντων κρείττονα γενέσθαι, τῆς πίστεως καὶ τῆς ἀρετῆς προμαχόμενον. τὰ δὲ ἀποπτώματα τοῦ τοιούτου μέρους ἐστὶν ἅπασι πρόδηλα, ὁ φθόνος, τὸ μῖσος, ἡ μῆνις, αἱ λοιδορίαι, αἱ συμπλοκαί, αἱ ἐμφιλόνεικοί [8] τε καὶ ἀμυντικαὶ [9] διαθέσεις, αἱ μέχρι πολλοῦ παρατείνουσαι

---

1) прѣвращенїи *П.* 2) тако бъıваꙗ *У* (*вм.* таковъıꙗ). 3) прѣвоть *У.* 4) тѣмѣ *У.* 5) люблениа *С.* 6) *cod. переправл. конечное* ꙗ *изъ* ѥ. 7) къ *проп. У.* 8) и *вставл. С.* 9) п҆ъıкъı *cod.* 10) гнѣнаго *У.* 11) моумоужьствоу *cod.* 12) оукрѣпи *С.* 13) страшьна *У.* 14) крови *У.* 15) *cod. переправл.* т *изъ* п. 16) клетъı *У.* 17) *cod. начальное* п *переправл. изъ* т; простираꙗ *У.*

1) cod. переправл. изъ πάλιν. 2) μετάγάγῃ V Patm. 172. 3) κενοδοξία Patm. 172, но надъ κενο надпис. φιλο. 4) ἤρτηται V Patm. 172. 5) ἐστιν вставл. V Patm. 172. 5) τῷ cod. 6) ἀντικαθίστασθαι V Patm. 172. 7) ἀλγηνῶν cod., но надъ η надпис. ει. 8) φιλόνεικοι V Patm. 172. 9) ἀμυντικοὶ cod.

ꙁълопомининиѥ· и мъногы на оубиство· и[1] на кръвь коньчавають·[2] еда обрѣтъ ненаказаноѥ помышлениѥ· идеже прииметь[3] оудобь· ороужиѥмь· на сѧ прѣвращаѥть желѣꙁа остротоу·[4] и бываѥть ѿ ба даноѥ намъ· томлѥниѥ ороужиѥ·[5] сътѧжавъшоумоу ꙁълѣ нагоубоусимъ оубо по реченоуоумоу обраꙁоу· расмотреноумоу· ѥлико оубо грѣси словесьныꙗ части· | прикасаѥтьсѧ дши лютѣиши·[6] ѿ оць осоужени быша· и большаго и довъльнаго· и болѣꙁньнаго ѡбращениꙗ достоини· ꙗко се аще къто ѿвьржетьсѧ вѣры иже въ хса· и къ июдѣиствоу· или къ коумирослоужению или къ манихѣианомъ· или къ иномоу чемоу къ таковоу[7] беꙁбожиꙗ ѡбраꙁоу· особь пришьдъ[8] ꙗвисѧ· волѥю бо на[9] таково[10] оустрьмивъсѧ ꙁъло· посемь раскаꙗвъсѧ самъ· лѣто покаꙗниꙗ[11] да имать· въ вьсь животъ свои·[12] никъгда же бо таинѣ съвьршаѥмѣ млтвѣ· съ людьми помолитисѧ[13] боу съподобитьсѧ· нъ ѥдинъ да помолитьсѧ· обыщьниꙗ же[14] сщенъныхъ цюжь да боудеть·[15] въ часъ же исхода своѥго· тогда

τὴν μνησικακίαν καὶ πολλοὺς εἰς φόνους καὶ αἵματα καταλήγουσαι· μὴ γὰρ εὑρὼν ὁ ἀπαίδευτος λογισμός, ὅπου χρήσηται[1] λυσιτελῶς τῷ ὅπλῳ, ἐφ' ἑαυτὸν τρέπει τὴν τοῦ σιδήρου ἀκμήν, καὶ γίνεται τὸ ἐκ θεοῦ δοθὲν ἡμῖν ἀμυντήριον ὅπλον τῷ κακῶς κεκτημένῳ[2] ὀλέθριον.

[3] Τούτων τοίνυν (л. 248a) κατὰ τὸν εἰρημένον διευκρινηθέντων τρόπον,[4] ὅσα μὲν ἁμαρτήματα τοῦ λογιστικοῦ τῆς ψυχῆς ἅπτεται μέ- л. 239 b.
ρους, χαλεπώτερα παρὰ τῶν πατέρων ἐκρίθη καὶ μείζονος καὶ διαρκεστέρας καὶ ἐπιπονωτέρας τῆς ἐπιστροφῆς ἄξια· οἷον, εἴ τις ἠρνήσατο τὴν εἰς Χριστὸν πίστιν καὶ[5] πρὸς ἰουδαϊσμὸν ἢ πρὸς εἰδωλολατρείαν ἢ πρὸς μανιχαϊσμὸν ἢ πρὸς ἄλλο τι τοιοῦτον ἀθείας εἶδος αὐτομολήσας ἐφάνη, ὁ μὲν ἑκουσίως ἐπὶ τὸ τοιοῦτον ὁρμήσας κακόν, εἶτα καταγνοὺς ἑαυτοῦ, χρόνον τὸν[6] τῆς μετανοίας ἐχέτω[7] ὅλον τὸν τῆς ζωῆς αὐτοῦ· οὐδέποτε γὰρ μυστικῆς ἐπιτελουμένης εὐχῆς μετὰ τοῦ λαοῦ προσκυνῆσαι τὸν θεὸν καταξιοῦται, ἀλλὰ καταμόνας μὲν εὔξεται, τῆς δὲ κοινωνίας τῶν ἁγιασμάτων καθόλου ἀλλότριος ἔσται· ἐν δὲ τῇ ὥρᾳ τῆς ἐξόδου αὐτοῦ τότε

---

1) и *проп. У.* 2) кочавають *У.* 3) прїимѣ *С.* 4) остотꙋ *С; но другой рукой надпис.* ρ. 5) ѿроужїѥ *П.* 6) лютѣиши *У.* 7) таковомꙋ *С.* 8) прїемь *С.* 9) на *проп. С.* 10) таковꙋ *П.* 11) покаꙗ *П;* покані́а *С.* 12) въ вьсемь животѣ своѥмь *У.* 13) *cod. ставитъ + надъ* л. 14) же *проп. У.* 15) бꙋдꙋть *С.*

1) V переправл. въ χρήσεται. 2) κεχρημένῳ V Patm. 172. 3) α' вставл. V; κεφάλαιον α' вставл. Patm. 172. 4) τρόπον διευκρινηθέντων V. 5) ἢ V Patm. 172. 6) τὸν проп. Patm. 172. 7) ἔχει V Patm. 172.

освѧщениꙗ части·[1] да съподобитьсѧ аще ли съключитьсѧ паче надежа ожити ѥмоу· пакы въ томь же осоуждении поживеть·[2] непричастьнъ таинъ освѧщенъıихъ· до исхода бываѥть· моучении же моуками лютыими· и ранами въ ꙗвлѥно лѣто запрѣщени быша· тако с҃тыимъ о҃цемъ· ч҃лвѣколюбиѥмь на нихъ·[3] повелѣвъшемъ· ꙗко ни д҃ши бывъши[4] въ падении· нъ тѣлесьнѣи[5] немощи· къ м҃чнию· противоу не възмогъши·[6] тѣмь вѣрою[7] въ блоужении прѣгрѣшивъшиимъ· и ноуждьноѥ[8] и бо- л. 240 а. лѣзньноѥ· прѣстоуплѥ|ниѥ· въ обращениѥ измѣрисѧ·

в҃·[9] Ходѧщеи же къ пагоубьникомъ· или къ вълхвомъ· или бѣсовъ ради·[10] очищениꙗ нѣкаꙗ· и ѿгонѥниѥ[11] дѣтельствовати· обѣщавъшиихъсѧ·[12] си въпрошени[13] боудоуть извѣщениѥмь· и расмотрени пьрвѣѥ прѣбывающе· въ христосовѣ[14] вѣрѣ· ноуждею[15] нѣкою· приведени быша къ томоу грѣхоу· озълоблѥнию нѣкоѥмоу·[16] или непрѣтьрпимѣи тъщетѣ· се имъ стрьмлѥниѥ сътворьши·[17] или ѿноудъ[18] прѣобидѣвъше·

τῆς τοῦ ἁγιάσματος μερίδος ἀξιωθήσεται. εἰ δὲ συμβῇ[1] παρ' ἐλπίδα ζῆσαι αὐτόν, πάλιν ἐν τῷ αὐτῷ κρίματι διαβιώσεται, ἀμέτοχος τῶν μυστικῶν ἁγιασμάτων μέχρι τῆς ἐξόδου γινόμενος. οἱ δὲ βασάνοις καὶ τιμωρίαις χαλεπαῖς αἰκισθέντες ἐν ῥητῷ χρόνῳ ἐπετιμήθησαν, οὕτω τῶν ἁγίων πατέρων φιλανθρωπίᾳ ἐπ' αὐτῶν χρησαμένων, ὡς οὐχὶ ψυχῆς γεγενημένης ἐν πτώματι, ἀλλὰ τῆς σωματικῆς ἀσθενείας πρὸς τὰς αἰκίας οὐκ ἀντισχούσης· δι' ὃ[2] τῷ μέτρῳ τῶν ἐν πορνείᾳ[3] πλημμελησάντων (л. 248b) καὶ ἡ βεβιασμένη τε καὶ ἐπώδυνος παράβασις ἐν τῇ ἐπιστροφῇ συνεμετρήθη.

β'. Οἱ δὲ πρὸς γόητας ἀπιόντες ἢ μάντεις, ἢ τοὺς διὰ δαιμόνων καθάρσιά τινα καὶ ἀποτροπιασμοὺς ἐνεργεῖν ὑπισχνουμένους, οὗτοι ἐρωτῶνται δι' ἀκριβείας καὶ ἀνακρίνονται πρότερον[4] ἐπιμένοντες τῇ εἰς Χριστὸν πίστει ὑπ' ἀνάγκης τινὸς συνηνέχθησαν ἐκείνῃ τῇ ἁμαρτίᾳ, κακώσεώς τινος ἢ ἀφορήτου ζημίας ταύτην αὐτοῖς τὴν ὁρμὴν ἐμποιησάσης, ἢ καθόλου καταφρονήσαντες

---

1) ча *У.* 2) пожеть *С, но ве допис. in m. другой рукой.* 3) немъ *С.* 4) бывшїи *П.* 5) телеснѣ *С.* 6) во³могшю *С.* 7) мѣрою *П.* 8) же *вставл. П.* 9) в҃ *и начальную букву правила Х проп. П.* 10) ди *вставл. У.* 11) ѿгонѥниꙗ *УС.* 12) ѿвѣщавшїихъсѧ *С.* 13) въпрощени *У.* 14) хрестосовѣ *П*; христовѣ *С.* 15) нѹжде *С.* 16) нѣкоего *П.* 17) сътворьше *У.* 18) ѿноудоу *П.*

1) συμβαίη V Patm. 172. 2) διὸ V Patm. 172. 3) πορνείαις V. 4) πότερον V Patm. 172.

пороучєноую ѿ насъ таиноу· къ поборью бѣсовъ притекоша· аще бо на ѿвържениѥ вѣры· и ꙗко не вѣровати· ѿ хрьстиꙗнъ покланꙗѥмоу сѧ б҃оу быти· оно сътвориша ꙗвѣ· осоуждениѥмь прѣстоупльшиихъ ꙁапрѣщени боудоуть· аще ли каꙗ непоносимаꙗ бѣда· оудържавъши малодш҃иѥ ихъ· на то приведе нѣкыꙗ ради прѣльщеныꙗ надежа·[1] ослоушавъшемъсѧ·[2] такожде боудеть и[3] на тѣхъ чл҃вколюбиѥ· по обраꙁоу къ моукамъ· въ[4] врѣмѧ исповѣданиꙗ противоу мощи не въꙁмогъшемъ·

г҃·[5] Бывающихъ же·[6] помышлениꙗ ради и страсти грѣховъ· таково[7] ѥсть раꙁдѣлениѥ· ово бо нарицаѥтьсѧ прѣлюбодѣꙗниѥ·[8] ово же блоужениѥ· нѣкымъ оубо иꙁвѣстѣишихъ· въгодьно бысть и ѥже по блоуже|нию прѣгрѣшениѥмь· прѣлюбодѣиствоу быти мьнитьсѧ·[9] имьже ѥдино ѥсть ꙁаконьноѥ съчетаниѥ· и женѣ къ моужеви· и моужеви къ женѣ·[10] вьсе оубо неꙁаконьноѥ[11] беꙁаконьно вьсѧко· и ѥже не своѥго имѣниꙗ·[12] ꙗвѣ щюже имать· чл҃вкоу бо ѥдино подано ѥсть· подроужиѥ·

τοῦ πεπιστευμένου παρ' ἡμῶν μυστηρίου,[1] τῇ τῶν δαιμόνων συμμαχίᾳ προσέδραμον· εἰ μὲν γὰρ ἐπὶ ἀθετήσει τῆς πίστεως καὶ πρὸς τὸ[2] μὴ πιστεύειν εἶναι θεὸν τὸν παρὰ τῶν χριστιανῶν προσκυνούμενον ἐκεῖνο ἐποίησαν, δηλαδὴ τῷ κατακρίματι[3] τῶν παραβάντων ὑπαχθήσονται·[4] εἰ δέ τις ἀβάστακτος ἀνάγκη κατακρατήσασα τῆς μικροψυχίας αὐτῶν εἰς τοῦτο προήγαγεν, διά τινος ἠπατημένης ἐλπίδος παρακρουσθέντας, ὡσαύτως ἔσται καὶ ἐπ' αὐτῶν[5] ἡ φιλανθρωπία, καθ' ὁμοιότητα τῶν πρὸς τὰς βασάνους ἐν τῷ καιρῷ τῆς ὁμολογίας ἀντισχεῖν μὴ δυνηθέντων.

γ'. Τῶν δὲ δι' ἐπιθυμίαν[6] καὶ ἡδονὴν γινομένων ἁμαρτημάτων τοιαύτη ἐστὶν ἡ διαίρεσις· τὸ μὲν γὰρ καλεῖται μοιχεία, τὸ δὲ πορνεία. τισὶ μὲν οὖν τῶν ἀκριβεστέρων ἤρεσεν καὶ τὸ κατὰ πορνείαν πλημμέλημα μοιχείαν εἶναι (л. 249a) л. 240 b. νομίζειν, διότι μία ἐστὶν ἡ νόμιμος συζυγία καὶ γυναικὶ πρὸς ἄνδρα καὶ ἀνδρὶ πρὸς γυναῖκα. πᾶν οὖν τὸ μὴ νόμιμον παράνομον πάντως· καὶ ὃ[7] μὴ τὸ ἴδιον ἔχον[8] δηλαδὴ τὸ ἀλλότριον ἔχει· τῷ γὰρ ἀνθρώπῳ μία δέδοται παρ' αὐτοῦ[9] βοηθὸς

---

1) дѣжа *У.* 2) ѡслоушавшимсѧ *И.* 3) и *проп. И.* 4) въ *проп. С.* 5) г҃ *и начальную букву правила* Б *проп. И.* 6) же *проп. У.* 7) тако бо *И.* 8) прѣлюбодѣꙗнїа *И.* 9) и ѥже по блоуженню прѣгрѣшениѥмь· прѣлюбодѣиствоу быти мьнитьсѧ *проп. И.* 10) и моужеви къ женѣ *С проп. въ текстѣ и допис. in m.* 11) небеꙁаконноѥ *С.* 12) имѣѧ *И.*

1) μαρτυρίου V Patm. 172. 2) τῷ cod. 3) κρίματι V Patm. 172. 4) ὑπαχθήσεται cod., но ε зачеркнуто и надпис. ον. 5) αὐτὸν V. 6) τε вставл. V Patm. 172. 7) ὁ V Patm. 172. 8) ἔχων V Patm. 172. 9) παρὰ θεῷ V; παρὰ τοῦ θεοῦ Patm. 172.

и [1] женѣ· ѥдина оброучена бꙑсть глава· то не аще ли къто· свои си съсоудъ [2] къто же нарицаѥть· [3] бж҃ьствьнꙑи апл҃ъ· себе да притѧжить· даѥть [4] ȥаконъ ѥстьства правьдьноѥ приимание· аще ли къто вънѣ своѥго прѣвратитьсѧ· въ чюжемь же вьсѩко боудеть· чюжеѥ же комоужьдо вьсе· ѥже не своѥ не исповѣдающа· [5] имать обладающаго· [6] то не далече ли [7] прѣгрѣшениꙗ прѣлюбодѣꙗнию и блоужению· иȥвѣстьнѣишиимь испꙑтающиимь помꙑсльмь ꙗвиса· гл҃ющю и бж҃ьствьноумоу писанию· ꙗко нѣ мъногъ блѫдьникъ [8] чюжемоу· обаче нъ понеже· немощьнѣишиимъ бꙑсть нѣкоѥ· ѿ оц҃ь стрьмлениѥ· осоужено же бꙑваѥть· прѣгрѣшениѥ· бꙑтиискꙑимь раȥдѣлениѥмь· ꙗко блоужениѥ· оубо гл҃ати· беȥ неправьдꙑиного бꙑвающаго нѣкоѥмоу помꙑшлениꙗ испълнениꙗ· [9] прѣлюбодѣꙗниѥ [10] же ковъ и неправьдоу | чюжааго· (л. 241 а.) въ томь же и скоторастьлѣниѥ· и [11] въ отрокъ полъ блоужениѥ бꙑти непьщюѥтьсѧ· имьже и сиꙗ· ѥстьства соуть прѣлюбодѣꙗниꙗ· въ щюже и паче ѥстьства бꙑваѥть неправьда· того оубо раȥдѣлениꙗ и въ томь

καὶ τῇ γυναικὶ μία ἐφήρμοσται [1] κεφαλή. οὐκοῦν, εἰ μέν τις τὸ ἴδιον αὐτοῦ [2] σκεῦος, καθὼς ὀνομάζει ὁ θεῖος ἀπόστολος, ἑαυτῷ κτήσαιτο, συγχωρεῖ ὁ νόμος τῆς φύσεως τὴν δικαίαν χρῆσιν· εἰ δέ τις ἔξω τοῦ ἰδίου τραπείη, ἐν ἀλλοτρίῳ πάντως γενήσεται· ἀλλότριον δὲ ἑκάστῳ πᾶν τὸ μὴ ἴδιον, κἂν μὴ ὁμολογούμενον ἔχῃ τὸν κυριεύοντα. οὐκοῦν οὐ πόῤῥω τοῦ κατὰ τὴν μοιχείαν πλημμελήματος καὶ ἡ πορνεία τοῖς ἀκριβεστέρῳ ἐξετάζουσι λογισμῷ [3] ἐδείχθη, λεγούσης καὶ τῆς θείας γραφῆς ὅτι, [4] Μὴ πολὺς ἴσθι πρὸς ἀλλοτρίαν. πλὴν ἀλλ' ἐπειδὴ τοῖς ἀσθενεστέροις ἐγένετό τις παρὰ τῶν πατέρων συμπεριφορά, διεκρίθη τὸ πλημμέλημα τῇ γενικῇ διαιρέσει ταύτῃ, ὡς πορνείαν μὲν λέγεσθαι τὴν χωρὶς ἀδικίας ἑτέρου γινομένου [5] τινὶ τῆς ἐπιθυμίας ἐκπλήρωσιν, μοιχείαν δὲ τὴν ἐπιβουλήν τε καὶ τὴν [6] ἀδικίαν τοῦ ἀλλοτρίου. ἐν ταύτῃ δὲ καὶ τὴν ζωοφθορίαν καὶ τὴν παιδεραστίαν [7] εἶναι λογίζονται, διότι καὶ ταῦτα φύσεώς ἐστι μοιχεία· εἰς γὰρ τὸ ἀλλότριόν τε καὶ παρὰ φύσιν γί(л. 249[b])νεται ἡ ἀδικία. ταύτης τοίνυν [8] τῆς διαιρέσεως καὶ ἐν τούτῳ

---

1) и *проп. П.* 2) *cod. переправл.* ъ (*послѣ* с) *изъ* о; къто· свои си съсоудъ *проп. С.* 3) нарицаѥть *У.* 4) даѥсть *С.* 5) *конечное* а *cod. С переправл. изъ* ѥ; *П* исповѣдающе. 6) ѡбладающаго *У.* 7) ли *проп. С.* 8) *cod.* ж *по скобл.* (*вм.* ю҆?). 9) исполнениѥ *У.* 10) прѣлюбодѣѩ *С.* 11) и *проп. У.*

1) ἐφήρμωται Patm. 172, но надъ ω надпис. οσ. 2) ἑαυτοῦ V. 3) τοῖς τὸν ἀκριβέστερον ἐξετάζουσι λογισμὸν V Patm. 172. 4) τὸ V. 5) γινομένην V Patm. 172. 6) τὴν проп. V Patm. 172. 7) παιδαραστίαν cod.; ἀῤῥενομανίαν V. 8) οὖν Patm. 172.

обраꙁѣ грѣхоу бывъшю·[1] вьсѣхъ ѥсть исцѣлениѥ·[2] страстьноѥ раꙁд[р]ѣшениѥ· о таковъıхъ сластьхъ·[3] чистоу ѿ раскаıаниꙗ[4] быти чл҃вкоу· на осквьрньшаıася въ блоужении каıа въ грѣсѣ томь· не съмѣсися того ради· соугоубьно ꙁаповѣдано бысть обраштениꙗ лѣто· въ прѣлюбодѣıании оскверньшиимъся· и въ инѣхъ ѿреченъıихъ ꙁълъıихъ· скотоблоудьство же и въ отрочьска полоу блоужениѥ· оудъваıаѥть[5] бо ся· ıако же рекъхъ на таковъıи грѣхъ· ѥдинъ оубо· неже по ꙁаконьнѣи·[6] сласти· дроугъıи же по штюжаго неправьдѣ поставлıаѥмъıи· раꙁличьѥ[7] же[8] нѣкоѥ ѥсть въ словеси покаıаниꙗ· и на прѣгрѣшивъшиихъ въ сласти· таковоѥ раꙁличиѥ· о себѣ оубо на исповѣданиѥ грѣха оустрьмивъся· ѥже приıати своимь стрьмлениѥмь· быти таинъıимъ ог҃льникъ· ıако оубо ицѣльнию страсти начьнъ· и ꙁнамениѥ на оуньшеѥ прѣложениꙗ покаꙁавъ· въ чл҃вколюбьнѣишиихъ бываѥть ꙁа|прѣштении·[9] обличенъıи[10] же на ꙁълоѥ нѣкоѥго ради лица· или ог҃ланиꙗ· неволеѭ обличенъ въ простьренѣмь бываѥть обраштении· ıако очиштеноу[11] бывъшю·

τῷ εἴδει τῆς ἁμαρτίας γεγενημένης, καθολικὴ μὲν ἐστιν θεραπεία τὸ τῆς ἐμπαθοῦς λύσσης τῆς περὶ τὰς τοιαύτας ἡδονὰς καθαρὸν ἐκ μεταμελείας γενέσθαι τὸν ἄνθρωπον. ἐπὶ δὲ τῶν ἐν πορνείᾳ[1] μολυνθέντων ἀδικία τις τῇ ἁμαρτίᾳ ταύτῃ οὐ καταμέμικται· διὰ τοῦτο διπλασίων[2] ὡρίσθη τῆς ἐπιστροφῆς ὁ χρόνος τοῖς ἐν μοιχείᾳ μιανθεῖσιν καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις τοῖς ἀπηγορευμένοις κακοῖς, ζῳοφθορίᾳ τε καὶ τῇ κατὰ τοῦ ἄῤῥενος λύσσῃ· διπλασιάζεται γάρ, ὡς εἶπον, ἐπὶ τῶν τοιούτων ἡ ἁμαρτία, μία μὲν ἡ κατὰ τὴν ἄθεσμον ἡδονήν, ἑτέρα δὲ ἡ κατὰ[3] τοῦ ἀλλοτρίου ἀδικίᾳ[4] συνισταμένη. διαφορὰ δέ τίς ἐστιν ἐν τῷ λόγῳ τῆς μετανοίας καὶ ἐπὶ τῶν καθ' ἡδονὴν πλημμελούντων τοιαύτη· ὁ μὲν γὰρ ἀφ' ἑαυτοῦ πρὸς τὴν ἐξαγόρευσιν τῆς ἁμαρτίας ὁρμήσας αὐτὸ τὸ καταδέξασθαι δι' οἰκείας ὁρμῆς γενέσθαι τῶν κρυφίων κατήγορος, ὡς ἤδη τῆς θεραπείας τοῦ πάθους ἀρξάμενος καὶ σημεῖον τῆς πρὸς τὸ κρεῖττον μεταβολῆς ἐπιδειξάμενος, ἐν φιλανθρωποτέροις γίνεται τοῖς ἐπιτιμίοις· ὁ δὲ- [л. 241 b.] φωραθεὶς ἐπὶ το κακὸν[5] διά τινος ὑποψίας ἢ κατηγορίας ἀκουσίως ἀπελεγχθείς, ἐν ἐπιτεταμένῃ γίνεται τῇ ἐπιστροφῇ, ὥστε καθαρισθέν(л. 250ª)τα

1) и *вставл. У.* 2) нцѣлениѥ *У.* 3) *cod. переправл.* л *изъ* т. 4) *cod. переправл.* ıа (*послѣ* а) *изъ* н. 5) оудъваıаѥть *С.* 6) каꙁаннѣи *С.* 7) раꙁлицьѥ *У.* 8) п҃сюжаго *вставл. С, но зачеркив.* 9) ꙁапрѣшении *П.* 10) обличении *С.* 11) чиштеноу *У.*

1) πορνείαις V. 2) διπλάσιον V. 3) τὴν вставл. Patm. 172. 4) ἀδικίαν Patm. 172. 5) ἐπὶ τῷ κακῷ ἢ V Patm. 172.

извѣщению ѥмоу· тако къ свщ҃еныимъ обыщению· принꙗтоу быти· ѥсть оубо канонъ таковъ· ꙗко въ блоужении осквьрньшаꙗсѧ· три лѣта отиноудь из молитвы изгънаномъ быти· три же въ притворѣ цр҃квьнѣмь съ[1] оглашеныими исходити· дроугаꙗ же три лѣта· съ обращеныими· вьноутрь цр҃кве·[2] съ оглашеныими молитисѧ·[3] и тъгда причаститисѧ ѿсвщ҃еныихъ· на приѥмлющаꙗ тъщаниѥмь· обращениꙗ и житиѥ показающиихъ· и ѥже на бл҃го възведениѥ·[4] подобаѥть съмотрѧщемоу на оуньшеѥ· цр҃кьвьныимь съмотрениѥмь прѣсѣкати[5] лѣто· и скоро на обращениѥ привести· и пакы и то прѣсѣкати лѣто· и скоро ѿдати обыщениѥ· ꙗко да искоушениѥмь своимь изволить· исцѣлѥнаго оустроѥниꙗ· ꙗко же бо свиниꙗмъ съпати бисьръ отъречено ѥсть· тако лишати чьстьнаго[6] бисьра· абиѥ чл҃вкомъ чс҃тотою и бестрастиѥмь бывъша·[7] зълыихъ ѥсть· по любодѣйствоу же ѥсть· рекъше на прочаꙗ· образы нечистоты бывъшеѥ безакониѥ· ꙗко же прѣже речено ѥсть[8] по вьсемоу· тѣмь же соудъмь
л. 242 а. исцѣлѣѥть | имьже и блоужениꙗ нечистота· лѣтъмь же ѥдинѣмь·

δι᾿ ἀκριβείας αὐτὸν οὕτως ἐπὶ τὴν τῶν ἁγιασμάτων κοινωνίαν παραδεχθῆναι. ἔστι τοίνυν ὁ κανὼν τοιοῦτος, ὥστε τοὺς ἐν πορνείᾳ μολυνθέντας ἐν τρισὶ μὲν ἔτεσι καθόλου[1] τῆς εὐχῆς ἀποβλήτους εἶναι, ἐν τρισὶ δὲ τῆς ἀκροάσεως μετέχειν μόνης, ἐν ἄλλοις δὲ τρισὶν ἔτεσιν μετὰ τῶν ἐν τῇ[2] ἐπιστροφῇ ὑποπιπτόντων προσεύχεσθαι, καὶ τότε μετέχειν τῶν ἁγιασμάτων. ἐπὶ δὲ τῶν[3] σπουδαιότερον κεχρημένων τὴν ἐπιστροφὴν[4] καὶ τῷ βίῳ δεικνυόντων[5] τὴν πρὸς τὸ ἀγαθὸν ἐπάνοδον, ἔξεστι τῷ οἰκονομοῦντι πρὸς τὸ συμφέρον τῇ ἐκκλησιαστικῇ οἰκονομίᾳ συντέμνειν[6] τὸν χρόνον τῆς ἀκροάσεως καὶ τάχιον εἰς ἐπιστροφὴν ἀγαγεῖν· καὶ πάλιν καὶ τοῦτον συντέμνειν[7] τὸν χρόνον καὶ τάχιον ἀποδοῦναι τὴν κοινωνίαν, ὅπως ἂν τῇ ἑαυτοῦ δοκιμασίᾳ ἐγκρίνοιτο[8] τὴν τοῦ θεραπευομένου κατάστασιν· ὥσπερ γὰρ τὸ τοῖς χοίροις ῥίπτειν τὸν μαργαρίτην ἀπείρηται, οὕτως τὸ ἀποστερεῖν τοῦ τιμίου μαργαρίτου τὸν ἤδη ἄνθρωπον διὰ τῆς καθαρότητός τε καὶ[9] ἀπαθείας γενόμενον τῶν ἀτόπων ἐστίν. ἡ δὲ κατὰ μοιχείαν ἤτοι κατὰ τὰ λοιπὰ εἴδη τῆς ἀκαθαρσίας γενομένη παρανομία, καθὼς προείρηται, κατὰ πάντα ἐν τῷ αὐτῷ κρίματι θεραπευθήσεται, ἐν ᾧ καὶ τὸ τῆς πορνείας ἄγος· τῷ δὲ χρόνῳ μόνῳ

---

1) съ *проп.* *П.* 2) цр҃кве *У.* 3) молити *У.* 4) извѣдениѥ *У.* 5) присѣкати *С.* 6) честнаа *П.* 7) быша *У.* 8) ѥсть *проп.* *У.*

1) μὲν вставл. V. 2) τῇ проп. V. 3) τὸν cod. 4) τῇ ἐπιστροφῇ V Patm. 172. 5) δεικνύντων V Patm. 172. 6) συντέμεῖν V Patm. 172. 7) συντεμεῖν V Patm. 172. 8) ἐγκρίνοι V Patm. 172. 9) τῆς вставл. V Patm. 172.

соугоубьствоуіетьсѧ· съблюдеть же сѧ и на ніемь· цѣлимаго za вѣтъ· ꙗко же и на блоуженіие скврьною· сънесеномъ· ꙗко или скоро или поздѣ· быти имъ· бл҃гаго причастию·[1]

д҃·[2] Скоудѣіеть[3] кыимь гнѣвъмь образьно· дш҃а приложити въ испытании·[4] іегда съблазнивъсѧ· благаго гнѣва приꙗтиꙗ на грѣхъ отъпадеть· многомъ же соущемъ· иже по ꙗрости въ грѣхъ дѣтѣльствоующиимъ и вьсѣхъ zълъ· въгодьно бысть нѣкако оц҃емъ нашимъ· въ дроугыихъ не zѣло изъвѣстословити· ни многа достоина мьнѣти тъщаниꙗ·[5] іеже цѣлити[6] вьсѧ ѿ ꙗрости[7] паданиꙗ·[8] ибо писанию не тъкъмо нагоую ѿмѣтающа раноу· нъ и вьсѧко клеветание или хоулениіе· аще чьто ино въ гнѣвѣ· ино[9] съдѣваіетьсѧ· тъкъмо же по оубииствоу скврьны· стражю сътвориша zапрѣщениꙗ ради· раzдѣли же сѧ таковоіе zъло· раzличиіемь[10] вольнааго и невольнааго· въ нихъже вольноіе[11] іесть оубииство· пьрвѣіе оубо ѿ строіениꙗ дьрzноувъ[12] на тоіе же оуготовивъшю· ꙗко оубо скврьноу сътворить· по семь же и она въ невольнъıихъ мьнѧтьсѧ·

διπλασιάζεται. (л. 250[b]) παρατηρηθήσεται δὲ καὶ ἐπ' αὐτῷ ἡ τοῦ θεραπευομένου διάθεσις, ὃν τρόπον καὶ ἐπὶ τῶν τῷ μολυσμῷ τῆς πορνείας συνενεχθέντων, ὥστε ἢ θᾶττον ἢ βραδύτερον γενέσθαι αὐτοῖς τὴν τοῦ ἀγαθοῦ μετουσίαν.

δ'. Λείπεται πρὸς τούτοις τὸ θυμοειδὲς τῆς ψυχῆς προσθεῖναι[1] εἰς ἐξέτασιν, ὅταν παρασφαλεῖσα τῆς ἀγαθῆς τοῦ θυμοῦ χρήσεως εἰς ἁμαρτίαν ἐκπέσοι.[2] πολλῶν τε[3] ὄντων τῶν κατὰ θυμὸν εἰς ἁμαρτίαν ἐνεργουμένων καὶ πάντων κακῶν, ἤρεσέν πως[4] τοῖς πατράσιν ἡμῶν ἐν τοῖς ἄλλοις μὴ λίαν ἀκριβολογεῖσθαι, μηδὲ πολλῆς ἄξιον ἡγεῖσθαι σπουδῆς τὸ θεραπεύειν πάντα τὰ ἐκ τοῦ θυμοῦ παραπτώματα, καίτοι γε τῆς γραφῆς οὐ μόνον τὴν ψιλὴν ἀπαγορευούσης πληγήν, ἀλλὰ καὶ πᾶσαν λοιδορίαν ἢ βλασφημίαν καὶ εἴ τι ἄλλο τοιούτων[5] θυμὸς ἀπεργάζεται· μόνον δὲ τοῦ κατὰ τὸν[6] φόνον ἄγους τὴν παραφυλακὴν ἐποιήσαντο[7] διὰ τῶν ἐπιτιμίων. διῄρηται δὲ τὸ τοιοῦτον κακὸν τῇ διαφορᾷ τοῦ ἑκουσίου τε καὶ τοῦ[8] ἀκουσίου· ἐν οἷς ἑκούσιος μέν ἐστιν φόνος πρῶτον μὲν ὁ ἐκ παρασκευῆς τετολμημένος τοῦ εἰς αὐτὸ τοῦτο εὐτρεπισαμένου, ὅπως ἂν τὸ ἄγος ἐργάσηται· ἔπειτα δὲ κἀκεῖνα[9] ἐν τοῖς ἑκουσίοις ἐνομίσθη,

---

1) причастіа *С.* 2) д҃. *проп. П.* 3) кодѣеть *П.* 4) спытаніи *С.* 5) тщ҃ꙗ *С.* 6) цѣловати *С.* 7) радости *У.* 8) паденіа *П.* 9) ино *проп. У.* 10) разлициемь *У.* 11) вълио *ПС.* 12) дьрзновъ *У.*

1) προθεῖναι Patm. 172. 2) ἐκπέσῃ V Patm. 172. 3) δὲ Patm. 172. 4) ἤρεσεν πῶς cod. Patm. 172. 5) τοιοῦτο V Patm. 172; ὁ вставл. V Patm. 172. 6) τὸν проп. V. 7) cod. переправл. изъ ἐποίησαν το. 8) τοῦ проп. V Patm. 172. 9) κἀκεῖνος V Patm. 172.

ѥгда къто съплетъшсѧ которою сиꙗ же и биѥмъ· нанесеть нѣ на коѥго оуда|рениѥ· роучьнъıꙗ[1] ради ранъı· (л. 242 b.) ѥдиною бо гнѣвъмь и стрьмлѥниѥмь ѧрости· ѿлоучивъ ничьто же въı· чрѣсъ врѣмѧ страсти ѿсѣщи зълоѥ· могоущиихъ· на оумъ приниметь· ꙗко и ѥже ѿ плетѥниꙗ·[2] съвьршениѥ оубииства· въ дѣло изволѥниꙗ·[3] а не на полоучениѥ възводить· неволнии же ꙗвленаꙗ имоуть· съказаниꙗ· ѥгда къто къ иномоу коѥ потъщаниѥ имѣꙗ· ѿ нелоучениꙗ нѣчьто неицѣльнъıихъ·[4] сътворить на сихъ оубо оубииство·[5] на трьгоубо лѣто простираѥтьсѧ· обращениимь[6] цѣлѧщиимъ вольнъıꙗ скврънъı· три девѧти бо лѣтъ· въ къıждо чинъ· девѧтааго лѣтъмь заповѣданомъ· ꙗко въ. ѿлоучениѥ оубо ѿноудъ· ѥдино лѣто бъıти· възбранѧѥмоу ѿ цр҃кве·[7] дроугаꙗ же толика лѣта[8] въ притворѣ да стаѥть[9] съ оглашенъıими и да послоушаѥ оучениꙗ исходить·[10] и съ людьми вънoутрь цр҃кве съподобитьсѧ· и съ оглашенъıими не исходить· въ третиюю же девѧть· съ обращениѥмь[11]

ὅταν τις[1] συμπλοκῇ[2] καὶ μάχῃ τύπτων τε καὶ τυπτόμενος ἐνέγκῃ κατά τινος καιρίου τὴν διὰ τῆς χειρὸς πληγήν· ὁ γὰρ (л. 251ᵃ) ἅπαξ τῷ θυμῷ[3] καὶ τῇ ὁρμῇ τῆς ὀργῆς χωριζόμενος[4] οὐδὲν ἂν παρὰ τὸν καιρὸν τοῦ πάθους τοῦ[5] ἀνακόψαι τὸ κακὸν δυναμένων ἐπὶ νοῦν λάβοι· ὥστε καὶ τὸ ἐκ τῆς συμπλοκῆς ἀποτέλεσμα τοῦ φόνου εἰς ἔργον προαιρέσεως καὶ οὐκ εἰς ἀποτυχίαν ἀνάγεται. οἱ δὲ ἀκούσιοι φανερὰ ἔχουσι τὰ γνωρίσματα, ὅταν τις πρὸς ἕτερόν τι τὴν σπουδὴν ἔχων ἐξ ἀποτυχίας τι τῶν ἀνηκέστων δράσῃ.[6] ἐπὶ τούτων τοίνυν ὁ μὲν φόνος εἰς τριπλασίονα χρόνον παρατείνεται τοῖς δι᾿ ἐπιστροφῆς θεραπευομένοις τὸ ἑκούσιον ἄγος· τρὶς ἐννέα γὰρ[7] ἐνιαυτοί, καθ᾿ ἕκαστον βαθμὸν τῆς ἐννάδος[8] τῶν ἐτῶν ὁρισθείσης, ὥστε ἐν μὲν τῷ παντελεῖ ἀφορισμῷ ἐνναετῆ χρόνον διαγενέσθαι ἀπειργόμενον[9] τῆς ἐκκλησίας· ἄλλα δὲ τοσαῦτα ἔτη ἐν τῇ[10] ἀκροάσει παραμεῖναι, μόνης τῆς[11] τῶν διδασκάλων καὶ τῆς τῶν γραφῶν ἀκροάσεως καὶ μετὰ τῆς τοῦ λαοῦ συστάσεως[12] ἀξιούμενον· ἐν δὲ τῇ τρίτῃ ἐννάδι[13] μετὰ τῶν ὑποπιπτόντων ἐν ἐπιστροφῇ

---

1) роуцьнъıꙗ *У.* 2) *cod. переправл.* ѥ (*послѣ* т) *изъ* и. 3) *cod. переправл. конечное* ꙗ *изъ* ѥ. 4) неисцѣльнъıихъ *П.* 5) оубоиство *С.* 6) обращенїа имъ *С.* 7) ѿц҃ь рекке *П.* 8) толика лѣта *вставл. С.* 9) стои *У.* 10) исводить *С.* 11) ѡбрашенїємь *П.*

1) ἐν вставл. V Patm. 172. 2) συμπλοκὴ cod. 3) κρατηθεὶς вставл. V Patm. 172. 4) χαριζόμενος V Patm. 172. 5) τῶν V Patm. 172. 6) δράσει cod. 7) εἰσιν вставл. V Patm. 172. 8) ἐνάδος cod.; ἐννεάδος Patm. 172; схоліастъ V переправл. ἐνάδος въ ἐννεάδος. 9) ἀπηγορευμένον V. 10) ἐν τῇ проп. V. 11) τῆς проп. V. 12) καὶ μετὰ τῆς τοῦ λαοῦ συστάσεως проп. V. 13) схоліастъ V переправл. въ ἐννεάδι.

молꙗщюсѧ· тако прити къ причастию освѣщенъıихъ·[1] ꙗвѣ ꙗко и на таковѣмь съблюдение боудеть·[2] ѿ съмотрѧщаего црк҇въ· и къ словоу ѡбращениꙗ раꙁдѣлиться емоу ꙁапрѣщение простьрениꙗ· ꙗко въ девѧти лѣтъ | мѣсто· на коемьждо чиноу осмое или семое·[3] или шестое· или пѧтое· единѣмь бъıти· нежели велист[в]о[4] обращениꙗ одолѣеть врѣмени· и прѣможеть тъщаниемь· исправлениꙗ иже въ дълꙁѣмь прооуставлении· лѣнивие[5] себе ѿ скверьнъı[6] ѡчищающиихъ· невольное же ѿпоу[ще]но[7] оубо·[8] не похвалено осоудисѧ· се же рекохъ[9] ꙗко ꙗвѣ бъıти· ꙗко аще и невольнѣ къто боудеть въ оубииствьнѣ осквьрнении· ꙗко оуже скврьньнаго ѿ нечистотъı бъıвъша· ѿврьжена чистительскъıꙗ[10] бл҃гдати· канонъ осоудилъ есть· елико же есть на наго[11] осоужение·[12] очищениꙗ лѣто· толико же и на невольно оубивъшиихъ искоушено бъıти· ꙗвѣ ꙗко и[13] въ томь иꙁволению кающа агосѧ искоушаемо· ꙗко аще и достовѣрьно боудеть обращение·[14] не вьсѧко съхранити числа лѣтъ· нъ скоростию привести и·

προσευχόμενον, οὕτως ἐλθεῖν ἐπὶ τὴν μετουσίαν τῶν ἁγιασμάτων·[1] δηλαδὴ καὶ ἐπὶ τοῦ τοιούτου ἡ αὐτὴ παρατήρησις ἔσται παρὰ τοῦ οἰκονομοῦντος τὴν ἐκκλησίαν, καὶ πρὸς[2] λόγον τῆς ἐπιστροφῆς συντμηθήσεται αὐτῷ καὶ ἡ τοῦ ἐπιτιμίου παράστασις,[3] ὥστε ἀντὶ θ′ л. 243 а.
ἐτῶν ἐφ' ἑκάστῳ βαθμῷ η′ ἢ ζ′ ἢ ς′ ἢ καὶ ε′ μόνα γενέσθαι, εἴπερ τὸ μέγεθος τῆς ἐπιστροφῆς νικοίη[4] τὸν χρόνον καὶ ὑπερ(л. 251ᵇ)βάλλοιτο τῇ σπουδῇ τῆς διορθώσεως τοὺς ἐν τῇ μακρᾷ προθυμίᾳ[5] ῥαθυμότερον[6] ἑαυτοὺς ἀπὸ[7] κηλῖδος καθαίροντας. τὸ δὲ ἀκούσιον σύγγνωστον μέν, οὐ μὴν ἐπαινετὸν ἐκρίθη· τοῦτο δὲ εἶπον, ὥστε δῆλον γενέσθαι, ὅτι, κἂν ἀκουσίως τις γένηται ἐν τῷ τοῦ φόνου μιάσματι, ὡς ἤδη βέβηλον αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ἄγους γενόμενον ἀπόβλητον ἱερατικῆς χάριτος ὁ κανὼν ἀπεφήνατο. ὅσος δέ ἐστιν ἐπὶ τῇ ψιλῇ πορνείᾳ τοῦ καθαρσίου ὁ χρόνος, τοσοῦτος καὶ ἐπὶ τῶν ἀκουσίως πεφονευκότων ἐδοκιμάσθη καλῶς ἔχειν, δηλαδὴ καὶ ἐν τούτῳ τῆς προαιρέσεως τοῦ μετανοοῦντος δοκιμαζομένης, ὥστε, εἰ[8] ἀξιόπιστον[9] γένοιτο ἡ ἐπιστροφή, μὴ πάντως παραφυλαχθῆναι τὸν ἀριθμὸν τῶν ἐτῶν, ἀλλὰ διὰ συντομίας ἀγαγεῖν αὐτὸν

---

1) ос҇щенъıхъ *УС*; ѡсвѧщенъıихъ *П*. 2) бодѣть *У*. 3) седьмое *С*. 4) *исправл. по У*. 5) лѣниви *У*. 6) скверныи *П*. 7) *исправл. по ПУ*. 8) оубо ѿпоущено *П*. 9) рекохомъ *С*. 10) чистительскыиѧ *П*. 11) него *У*; нагое *П*. 12) блоужение *П*. 13) и *проп. П*. 14) обращеще-ние *cod*.

1) τοῦ ἁγιάσματος V Patm. 172. 2) τὸν вставл. V. 3) παράτασις V Patm. 172. 4) νιχῴη V Patm. 172. 5) προθεσμίᾳ V Patm. 172. 6) προθυμότερον Patm. 172. 7) τῆς вставл. V Patm. 172. 8) ἡ cod. 9) ἀξιόπιστος V Patm. 172.

въ цр҃квьноѥ оустроѥниѥ· и въ бл҃гоѥ причащениѥ· аще ли къто не испълнивъ лѣта· ѿлоученаго ѿ канонъ· исходить ѿ житиꙗ· повелѣваѥть оц҃ь чл҃вколюбию· причаствивъшаса свѧщенъиихъ таинъ· не тъщемоу[1] подобиѥ· послѣдьнꙗмоу ономоу· и дългомоу ѿшьствию ѿпоущеноу бъити· аще ли причаствивъсѧ ст҃ъиниꙗ· пакъı на животъ обратитьсѧ· л. 243 b. | ожидати повелѣнааго лѣ҃:[2] въ томь чиноу въıша·[3] въ немьже бѣ прѣжде ноужеѭ[4] поданоѥ[5] ѥмоу обьщениѥ· дроугъıи же образъ·· коумирослоужениꙗ· сице бо именоуѥть лихоимьство· бж҃ьствьнъıи ап҃лъ· не вѣмь[6] ꙗко да неицѣлимо· отъ оц҃ь нашихъ ꙗвиса· ибо мьнитьсѧ таковоѥ зъло· третиꙗаго въ дѫши оустроѥниꙗ страсти бъıти· ибо помъıслъ добраадго изволѥниꙗ погрѣшаꙗ въ вещи доброѡмоу бъıти размъıшлꙗѥть· и къ беспльтьнѣи зьрѧ добротѣ и хотѣниѥ къ дольниимъ· течеть истиньнааго похотованиꙗ ѿпадаꙗ·[7] и любопьривоѥ[8] же и гнѣвообразьноѥ завѣтованиѥ· многъı ѿ таковаадго грѣха извѣтъı приѥмлѥть· и вьсе рещи съвѣщаваѥть· таковъıи недоугъ·

εἰς τὴν τῆς ἐκκλησίας ἀποκατάστασιν καὶ εἰς τὴν τοῦ ἀγαθοῦ μετουσίαν.[1]

Εἰ[2] δέ τις μὴ πληρώσας τὸν χρόνον τὸν ἐκ τῶν κανόνων ἀφωρισμένον ἐξοδεύοι[3] τοῦ βίου, κελεύει ἡ τῶν πατέρων φιλανθρωπία, μετασχόντα τῶν ἁγιασμάτων, μὴ κενὸν τοῦ ἐφοδίου πρὸς τὴν ἐσχάτην ἐκείνην καὶ μακρὰν ἀποδημίαν ἐκπεμφθῆναι· εἰ δὲ μετασχὼν τοῦ ἁγιάσματος πάλιν εἰς τὴν ζωὴν ἐπανέλθοι, ἀναμένειν τὸν τεταγμένον χρόνον ἐν ἐκείνῳ τῷ βαθμῷ γενόμενον,[4] ἐν ᾧ ἦν πρὸ τῆς κατ' ἀνάγκην αὐτῷ δοθείσης κοινωνίας.

Τὸ[5] δὲ ἕτερον εἶδος τῆς εἰδωλολατρεί(л. 252a)ας (οὕτω γὰρ ὀνομάζει τὴν πλεονεξίαν ὁ θεῖος ἀπόστολος) οὐκ οἶδα ὅπως ἀθεράπευτον ὑπὸ τῶν πατέρων ἡμῶν περιώφθη, καίτοι γε δοκεῖ τὸ τοιοῦτον κακὸν τῆς τρίτης ἐν τῇ ψυχῇ καταστάσεως πάθος εἶναι. καὶ γὰρ ὁ λογισμὸς τῆς τοῦ καλοῦ κρίσεως ἁμαρτάνων ἐν τῇ ὕλῃ τὸ καλὸν εἶναι φαντάζεται, οὐ πρὸς τὸ ἄϋλον ἀναβλέπων[6] κάλλος· καὶ ἡ ἐπιθυμία πρὸς τὸ[7] κάτω ῥεῖ, τοῦ ἀληθῶς[8] ὀρεκτοῦ ἀποῤῥέουσα· καὶ ἡ φιλόνεικός τε[9] καὶ θυμοειδὴς[10] διάθεσις πολλὰς ἐκ τῆς τοιαύτης ἁμαρτίας τὰς ἀφορμὰς λαμβάνει. καὶ τὸ ὅλον εἰπεῖν, συμφωνεῖ ἡ τοιαύτη νόσος

---

1) тщѥ *П.* 2) лѣта *СП.* 3) бъıѣнша *cod.*; бъıвша *П*; бъıти рѣша *У.* 4) ноужденоую *П.* 5) подано *П.* 6) *cod.* в *по скобл.* (*вм.* 1—2 *буквъ съ* + *сверху*); вѣ *С.* 7) ѿдаѧ *С.* 8) любопервоѥ *С*; любопрь^лп^коѥ *П.*

1) μεσιτουσίαν cod., но εσ перечеркнуто. 2) съ Εἰ V Patm. 172 начинаютъ главу ε'. 3) ἐξοδεύοιτο V. 4) γινόμενον Patm. 172. 5) съ Τὸ V Patm. 172 начинаютъ главу ϛ'. 6) cod. предлогъ ἀνα между строкъ. 7) τὰ V Patm. 172. 8) ἀληθοῦς V Patm. 172. 9) δὲ V. 10) θυμώδης V Patm. 172.

ап҃лъскою лихоимьства ꙁаповѣдию. бж҃ии бо ап҃лъ. не тъкмо коумирослоужениѥ нъ и корень. вьсѣхъ ꙁълъ осоуди ѥ. и обаче таковъи видъ. паче ꙗвисѧ недоуга.[1] непосѣтимъи[2] непрѣложьнъи. тѣмь и[3] оумножаѥтьсѧ.[4] по цр҃квамъ таковаꙗ ꙗꙁѧ. и ни ѥдинъ же на клиросъ приводимыихъ прѣльщаѥть. да не еда како. таковъıимь образъмь. коумирослоужениꙗ осквьрънишасѧ. нъ о тѣхъ оубо ꙁанѥ ѿрещи оц҃емъ нашимъ. довълѣти[5] мьнимъ людьскыи|мь оучениꙗ словъмь. ꙗко да аще помышлꙗють. или цѣлити. ꙗко нѣкыꙗ страсти мъногыꙗ. лихоимьныꙗ недоугы. словъмь очищающа. ѥдино же крадениѥ. и сі҃ренокрадениѥ страсти мьнимъ.[6] ꙁанѥ тако ѿ оц҃ь въслѣдованиꙗ. прѣданию намъ о томь быти. ибо ѿ[7] бж҃ьствьнаго писаниꙗ. и оумъножениѥ и[8] лихва. ѿреченыихъ ѥсть. и ѥже ѿ силы нѣкыꙗ. къ своѥмоу[9] сътѧжанию принести тоужаꙗ.[10] и аще иꙁвѣтъмь вещи таковоѥ полоучитьсѧ. бываюшеѥ.[11] понеже оубо ѥже на насъ въ область канонъ. оубо достовѣрьно.[12]

τῷ ἀποστολικῷ τῆς πλεονεξίας ὅρῳ·[1] ὁ γὰρ θεῖος ἀπόστολος οὐ μόνον αὐτὴν εἰδωλολατρείαν, ἀλλὰ καὶ ῥίζαν πάντων τῶν κακῶν ἀπεφήνατο. καὶ ὅμως τὸ τοιοῦτον εἶδος παρώφθη τῆς νόσου ἀνεπίσκεπτόν τε καὶ ἀτημέλητον. δι' ὃ[2] καὶ πλεονάζει κατὰ τὰς ἐκκλησίας τὸ τοιοῦτον ἀῤῥώστημα, καὶ οὐδεὶς τοὺς ἐπὶ τὸν κλῆρον ἀγομένους περιεργάζεται, μήπως τῷ τοιούτῳ εἴδει τῆς εἰδωλολατρείας κατεμιάνθησαν. ἀλλὰ περὶ μὲν τούτων, διὰ τὸ παρεῖσθαι[3] τοῖς πατράσιν ἡμῶν, ἀρκεῖν ἡγούμεθα τῷ δημοσίῳ τῆς διδασκαλίας λόγῳ, ὅπως ἂν οἷόν τε л. 244 a. ᾖ θεραπεύειν ὥσπερ τινὰ πάθη πληθωρικά,[4] τὰς πλεονεκτικὰς ἀῤῥωστίας διὰ τοῦ λόγου καθαίροντας.[5] μόνην δὲ τὴν κλοπὴν καὶ τὴν τυμβωρυχίαν καὶ τὴν ἱεροσυλίαν πάθη νομί(л. 252[b])ζομεν, διὰ τὸ οὕτω ἐκ τῆς τῶν πατέρων ἀκολουθίας τὴν παράδοσιν ἡμῖν περὶ τούτου γενέσθαι, καίτοι γε παρὰ τῆς θείας γραφῆς[6] καὶ ὁ πλεονασμὸς καὶ ὁ τόκος τῶν ἀπειρημένων ἐστὶν καὶ τὸ ἐκ δυναστείας τινὸς τῇ ἰδίᾳ κτήσει προσαγαγεῖν τὰ ἀλλότρια, κἂν ἐν προσσχήματι[7] πραγματείας τὸ τοιοῦτο τύχῃ γινόμενον.

Ἐπειδὴ τοίνυν τὸ καθ' ἡμᾶς εἰς ἐξουσίαν κανόνων[8] ἀξιόπιστον,[9]

---

1) ап҃лъскою лихоимьства... недоуга *проп.* У 2) и *вставл.* У. 3) и *проп.* С. 4) ѹмножаитсѧ С. 5) и *вставл.* П. 6) мнимѣ С. 7) ѿ *проп.* С. 8) и *вставл.* П. 9) твоемоу П. 10) тоуждаꙗ У. 11) понеже ѹбо *вставл.* С. 12) достовѣрна С.

1) ὁρῶ cod. 2) διὸ V Patm. 172. 3) διαπορεῖσθαι V (вм. διὰ τὸ παρεῖσθαι). 4) καὶ вставл. V; τὰ вставл. Patm. 172. 5) καθαίροντος V Patm. 172. 6) τῇ θείᾳ γραφῇ V. 7) προσχήματι V Patm. 172. 8) κανόναν cod., но надъ αν добавл. рукой X в. удареніе и придыханіе, а надъ предшествующимъ ν тою же рукой надпис. ω. 9) ἀναξιόπιστον V Patm. 172.

на исповѣдаюштиихъсꙙ· ѿрекъшиихъсꙙ правилныи соудъ· авиѥ къ реченъıимъ приложимъ· раздѣлꙗѥть же сꙙ окрадениѥ на развоиство же[1] и на[2] гробовъзгрѣваниѥ·[3] и ѥдино оубо обоѥмоу смотрениѥ штюждиихъ ѿꙗтиѥ· мъного же по разоумоу ѥю къ себѣ ѥсть различиѥ·[4] разбоиникъ бо и оубиство на пособиѥ· тъшташтаагосꙙ приѥмлѥть· на тоѥ же оустраꙗꙗ· и ороужиѥмь· и вельроучиѥмь и ꙗзвами по мѣстомо[5] ꙗко[6] таковаaго соудъмь моужеоубиица·[7] навести аще не раскаꙗниѥмь своимь· къ црькви бжии възвратитьсꙙ· ѿнманиꙗ же л. 244 b. ради таꙗштаaго· | оуимаꙗ[8] штюжего посемь· исповѣданиѥмь прѣгрѣшениѥ своѥ· чистителѥви ꙗвѣ тъштаниѥмь о противьнѣмь страсти· ицѣлити недоугъ· глю же поданиꙗ ради имѣниꙗ оубогъıимъ· подаииѥ ꙗже имать ꙗвѣ боудеть· очиштаꙗи лихоимaниꙗ недоугъ аще ли и ничьсо же имать· тъкъмо же лѣто имать· повелѣваѥть апл҇ъ· тѣлесьнъıимь

τὴν ἐπὶ τῶν ὁμολογουμένων[1] ἀπηγορευμένων κανονικὴν κρίσιν ἤδη τοῖς εἰρημένοις προσθήσομεν· διήρηται δὲ[2] ἡ κλοπὴ εἴς[3] τε ληστείαν καὶ τυμβωρυχίαν·[4] καὶ εἷς μὲν ἐπ' ἀμφοτέροις[5] σκοπὸς ἡ τῶν ἀλλοτρίων ἀφαίρεσις, πολλὴ δὲ κατὰ τὴν γνώμην αὐτῶν ἡ πρὸς ἀλλήλους ἐστὶ διαφορά· ὁ μὲν γὰρ λῃστὴς καὶ τὴν μιαιφονίαν εἰς συμμαχίαν τοῦ σπουδαζομένου παραλαμβάνει, πρὸς αὐτὸ τοῦτο παρασκευαζόμενος καὶ ὅπλοις καὶ πολυχειρίᾳ[6] καὶ τοῖς ἐπικαίροις τῶν τόπων, ὥστε τὸν τοιοῦτον τῷ κρίματι τῶν ἀνδροφόνων ὑπάγεσθαι, εἰ μὴ[7] διὰ μεταμελείας ἑαυτὸν πρὸς τὴν ἐκκλησίαν τοῦ θεοῦ ἐπανάγοι.[8] ὁ δὲ δι' ὑφαιρέσεως λανθανούσης σφετεριζόμενος τὸ ἀλλότριον, εἶτα δι' ἐξαγορεύσεως τὸ πλημμέλημα ἑαυτοῦ τῷ ἱερεῖ φανερώσας, τῇ περὶ τὸ ἐναντίον τοῦ πάθους σπουδῇ θεραπεύσει τὴν ἀῤῥωστίαν,[9] λέγω δὲ διὰ τοῦ τὰ προσόντα παρέχειν τοῖς πένησιν, ἵνα τῷ[10] προέσθαι[11] (л. 253a) ἃ ἔχει φανερὸς γένηται καθαρεύων[12] τῆς κατὰ πλεονεξίαν νόσου· εἰ δὲ καὶ μηδὲν ἔχοι, μόνον δὲ τὸ σῶμα ἔχοι,[13] κελεύει ὁ ἀπόστολος διὰ[14] τοῦ σωματικοῦ

---

1) сꙙ окраданiѥ *вставл. С, но вычеркив.* 2) и на *проп. С.* 3) възгрѣванiѥ *С.* 4) разлнчнiѥ *С.* 5) мѣстомъ *СНУ.* 6) *cod.* ꙗ *по скобл.* 7) *cod. переправл.* ц *изъ* к. 8) оуимаю *С.*

1) ὁμολογουμένως V Patm. 172. 2) δὲ проп. Patm. 172. 3) εἴ cod. 4) τοιχωρυχίαν V Patm. 172. 5) ἀμφοτέρων Patm. 172. 6) πολυχερεία cod. 7) μὴ проп. V Patm. 172. 8) ἐπαναγάγοι V Patm. 172. 9) ἁμαρτίαν Patm. 172, но надъ ἁμαρ надпис. αρρωσ. 10) τὸ cod. 11) πρόεσθαι cod. 12) καθα-(л. 249b)χαθαρεύων V. 13) ἔχῃ V. 14) τὸ σῶμα ἔχοι κελεύει ὁ ἀπόστολος διὰ проп. Patm. 172.

троудъмь· таковоую ицѣлити страсть· имать же[1] рѣчи сице· тать да не крадеть оуже· паче да троужаѥтьсѧ дѣлаꙗ· бл҃гоѥ да имать подати трѣбоующюоумоу·

є҃·[2] Гробовъзгрѣбаниѥ же· и то раздѣлаѥтьсѧ на ѿпоущениѥ· и неѿпоущеноѥ[3] аще бо къто соущьство щадѧ· и неокрадено оставивъ· съкръвеноѥ тѣло· ꙗко не ꙗвити[4] сл҃нцю стоуда ѥстьствоу· камениѥмь нѣкъıимь гробопокръвенъıимь· сътворити на дѣло нѣкоѥго оустроѥниꙗ· ни то оубо похвально[5] ѥсть· нъ ѿпоущено сътворилъ обꙑчаи· ѥгда на чьстьнѣишеѥ нѣчьто· и обьщеользънѣишеѥ· вещи прѣложениѥ боудеть а ѥже распрѧтати пьрсть· ѿ земнꙑꙗ[6] плъти· и раздвигати кости оупъваниѥмь оутвари· и нѣкаꙗ приобрѣсти съ копающиими· то тѣмь же соудъмь осоужено ѥсть· имьже и нагоѥ[7] блоужениѥ· ꙗко же въ прѣже|вариивъшиимь раздѣлисѧ словѣ· съмотрѧщю ꙗвѣ промꙑсльникоу· ѿ того житиꙗ·[8] врачеваниѥ и цѣловавъшюоумоу·[9] ѧко съкоупити ѿ канонъ· заповѣдано запрѣщениꙗ

1) же *проп. У.* 2) є҃ *и начальную букву правила* Г *проп. П.* 3) *cod.* о (*передъ* ѥ) *переправл. изъ* и. 4) сѧ *вставл. П.* 5) хвально *С.* 6) земьнꙑꙗ *У*; землѣка *П.* 7) инакоѥ *У* (*см.* и нагоѥ). 8) житiѥ *О.* 9) цѣлевавъшюомоу *У.*

κόπου[1] τὸ τοιοῦτον ἐξιάσασθαι πάθος. ἔχει δὲ ἡ λέξις οὕτως· Ὁ κλέπτων μηκέτι κλεπτέτω, μᾶλλον δὲ κοπιάτω ἐργαζόμενος τὸ ἀγαθόν, ἵνα ἔχῃ[2] μεταδιδόναι τῷ χρείαν ἔχοντι.

ε΄.[3] Ἡ δὲ τυμβωρυχία καὶ αὐτὴ διαιρεῖται[4] εἰς τὸ σύγγνωστόν τε καὶ ἀσύγγνωστον· εἰ μὲν γάρ τις τῆς ὁσίας φειδόμενος καὶ ἄσυλον ἀφεὶς[5] τὸ κεκρυμμένον σῶμα, ὡς μὴ ἀναδειχθῆναι ἡλίῳ τὴν ἀσχημοσύνην τῆς φύσεως, λίθοις τισὶ τῶν τῷ τάφῳ προβεβλημένων χρήσαιτο[6] εἰς ἔργου τινὸς κατασκευήν, ἐπαινετὸν μὲν οὐδὲ τοῦτό ἐστιν, πλὴν ἀλλὰ σύγγνωστον ἐποίησεν ἡ συνήθεια, ὅταν εἰς προτιμότερόν τι καὶ κοινωφελέστερον ἡ τῆς ὕλης μετάθεσις γένηται.[7] τὸ δὲ διερευνᾶσθαι τὴν κόνιν ἀπὸ τῆς γεωθείσης σαρκὸς καὶ ἀνακινεῖν τὰ ὀστᾶ ἐλπίδι τοῦ κόσμου τινὰ τῶν συγκατορυχθέντων κερδᾶναι, τοῦτο τῷ αὐτῷ κρίματι κατεδικάσθη, ᾧ καὶ ἡ ψιλὴ πορνεία, καθὼς ἐν τῷ προλαβόντι διῄρηται λόγῳ, ἐπισκοποῦντος л. 245 a. δηλαδὴ τοῦ οἰκονόμου ἐξ αὐτοῦ τοῦ βίου τὴν ἰατρείαν[8] τοῦ θεραπευομένου, ὥστε συντεμεῖν τὴν ἐκ τῶν κανόνων ὁρισθεῖσαν τοῦ ἐπιτιμίου

1) μόνον τῷ σωματικῷ κόπῳ V (вм. κελεύει ὁ ἀπόστολος διὰ τοῦ σωματικοῦ κόπου). 2) ἔχει cod., но надъ ει надпис. η. 3) ζ΄ V Patm. 172. 4) διῄρηται V Patm. 172. 5) ἀφιεὶς Patm. 172. 6) συγχρήσαιτο V Patm. 172, но V переправл. (схоліастомъ?) изъ συγχωρῆσαι το. 7) γίνηται V Patm. 172. 8) τοῦ οἰκονόμου ἐξ αὐτοῦ τοῦ βίου τὴν ἰατρείαν проп. V.

проуставлениѥ· сщ҃еноокрадениѥ[1] же· ѿ дрѣвьнѧаго писаниꙗ· ничьсо же вълѣнисѧ·[2] оубииствьнаго осоужениѧ ѿрадьнѣѥ· тако же бо ѥгда въ оубииствѣ ꙗтъи·[3] и прѣдъложенаꙗ боу҃ възьмъи·[4] камениѥмь побиениѥ приꙗаста· въ црькъвьнѣмь же обычаи· не вѣ҃мь како сьщьствениѥ[5] нѣкако бысть· и съподвижениѥ· ꙗко ѿрадьнѣѥ мьнѣти· таковаго недоуга очищениѥ·[6] въ мьньшиимь[7] лѣтѣ· паче любодѣиства· таковыимь ꙁапрѣщениѥ·[8] повелѣ о҃чьскоѥ[9] прѣданиѥ· вьсьде же въ прѣгрѣшении[10] образѣ· се видѣти подобаѥть прѣже вьсѣхъ· ꙗково же[11] ѥсть цѣлѧщааго положениѥ· не лѣто помышлꙗти на исцѣлениѥ довольно коѥ бо оубо ѿ лѣта исцѣлениѥ боудеть· нъ иꙁволениѥ·[12] себе обращениѥмь[13] цѣлѧщааго· сиꙗ ти ч҃лвче б҃жии· по мъногоу тъщанию· ѿ готовыихъ съложьше ꙁаниѥ подобаѥть· братьньмь повелѣниѥмь покарѧтисѧ· по тъщанию посълахомъ· ты же обычьныꙗ ꙁа ны м҃лтвы къ боу
л. 245 b. приносити не прѣ|стаи· дължьнъ бо ѥси ꙗко б҃гораꙁоумивыи с҃нъ·

προθεσμίαν. ἡ[1] δὲ ἱεροσυλία παρὰ μὲν τῇ ἀρχαίᾳ γραφῇ οὐδὲν ἐνομίσθη (л. 253b) τῆς φονικῆς κατακρίσεως ἀνεκτοτέρα· ὁμοίως γὰρ ὅ τε ἐπὶ φόνῳ ἁλοὺς καὶ ὁ τὰ ἀνατεθέντα τῷ θεῷ ὑφελόμενος τὴν διὰ τῶν λίθων τιμωρίαν ὑπέσχον. ἐπὶ δὲ τῆς ἐκκλησιαστικῆς συνηθείας, οὐκ οἶδα ὅπως συγκατάβασίς τις ἐγένετο καὶ συμπεριφορά, ὥστε ἀνεκτότερον νομισθῆναι τὸ τῆς τοιαύτης νόσου καθάρσιον· ἐν ἐλάττονι[2] χρόνῳ παρὰ τὴν μοιχείαν τοῖς τοιούτοις τὸ ἐπιτίμιον διετάξατο ἡ τῶν πατέρων παράδοσις. πανταχοῦ δὲ ἐν πλημμελήματος εἴδει τοῦτο καθορᾶν προσήκει πρὸ πάντων, οἵα ἐστὶν ἡ τοῦ θεραπευομένου διάθεσις,[3] μὴ τὸν χρόνον οἴεσθαι πρὸς θεραπείαν ἀρκεῖν (τίς γὰρ ἂν ἐκ τοῦ χρόνου ἴασις γένοιτο;), ἀλλὰ τὴν προαίρεσιν τοῦ ἑαυτὸν δι' ἐπιστροφῆς ἰατρεύοντος.[4]

Ταῦτά σοι, ὦ ἄνθρωπε τοῦ θεοῦ, κατὰ πολλὴν σπουδὴν ἐκ τῶν προχείρων συνθέντες, διὰ τὸ δεῖν τοῖς τῶν ἀδελφῶν ἐπιτάγμασιν πείθεσθαι, κατὰ σπουδὴν ἀπεστείλαμεν. σὺ δὲ τὰς συνήθεις ὑπὲρ ἡμῶν εὐχὰς τῷ θεῷ προσάγειν[5] μὴ διαλίπῃς·[6] χρεωστεῖς γάρ, ὡς εὐγνώμων υἱός,

---

1) сщ҃еноѿкраденіа *С.* 2) и *вставл.* *С.* 3) ꙗтъı *У.* 4) възѣмъıи *У.* 5) осоущьствиѥ *У*; съшьствіѥ *Н.* 6) очищениѥ *У.* 7) немьшїимъ *С.* 8) ꙁапрѣщениѥмь *У.* 9) о҃цьское *У.* 10) прѣгрѣшеніа *Н.* 11) ѥже *У.* 12) изволенїемь *С.* 13) себе обращениѥмь *проп.* *С.*

1) съ ἡ начинается въ V Patm. 172 новое правило η'. 2) γὰρ вставл. V Patm. 172. 3) καὶ вставл. Patm. 172. 4) θεραπεύοντος V Patm. 172. 5) προσάγων V Patm. 172. 6) διαλείπῃς V Patm. 172.

по бѕ҃ѣ рожьшюмоу тѧ· мл҃твы въспїсавъшиихъ·[1] по ӡаповѣди чьти родителѩ· да бл҃го ти боудеть· ꙗвѣ же ꙗко же образъ чистительскъıи[2] приимеши· писание[3] ї[4] не беꙁьствоуюши[5] дароу· аще и малѣе[6] твоѥꙗ великъıꙗ хътрости боудоуть·

τῷ κατὰ θεόν σε γεννήσαντι τὴν διὰ τῶν προσευχῶν γηροκομίαν, κατὰ τὴν ἐντολὴν τὴν κελεύουσαν τιμᾶν τοὺς γονέας, ἵνα εὖ σοι γένηται καὶ ἔσῃ μακροχρόνιος ἐπὶ τῆς γῆς. δῆλον δέ,[1] ὡς σύμβολον ἱερατικὸν δέξῃ τὸ γράμμα καὶ οὐκ ἀτιμάσεις τὸ ξένιον, κἂν μικρότερον τῆς σῆς μεγαλοφυΐας εἴη.[2]

---

1) въспнсашвїнхъ *С.* 2) честительскын *С.* 3) писании *У.* 4) ї *проп. У.* 5) *cod.* т *по скобл., а* ю *переправл. изъ* и. 5) малое *С.*

1) ὅτι вставл. V Patm. 172. 2) ἦ V Patm. 172.

ст҃аго[1] григориѧ б҃ословьцѧ· ѿ числьнъıихъ[2] ѥго творении· о сщ҃еныхъ кънигахъ· ветъхаго и новаго ꙁавѣта число мѣрьноѥ·[3]

Въображенъı[4] оубо бъıша кънигъı· десѧтеръı и дъвоѥ· вьсѧ дрѣвьнѧꙗ жидовьскъıꙗ моудрости· пьрвоѥ бъıтиѥ· посемь исходъ левгитьскъıꙗ· посемь числа· та[5] же вьторъıи ꙁаконъ· по сихъ исоусъ[6] и соудиꙗ· роуѳь осмъıꙗ· девѧтоѥ же и десѧтоѥ кънигъı· дѣꙗниꙗ цр҃ства· и остатъчьнъıꙗ· послѣди еꙁдроу имѣши· стихеръ же пѧть· ѿ нихъже пьрвѣѥ иовъ· посемь д҃вдъ· посемь три соломонѧ· цр҃кьвьникъ·[7] пѣснь и притъча и плачеве тако же· д҃ха пр҃рчьска· ѥдини оубо соуть· в҃і· писании· осие·[8] и амосъ же· и михеа· три и по сихъ иоилъ· та[9] же иона· и авдиꙗ· наоумъ же и амвакоумъ·[10] и софониа· аггѣа·[11] потомь ꙁахариꙗ· и малахиа·

(л. 254^{a-b}). * ΤΟΥ ἉΓΙΟΥ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ΤΟΥ ΘΕΟΛΟΓΟΥ ἘΚ ΤΩΝ ἘΜΜΕΤΡΩΝ ΑΥΤΟΥ ΠΟΙΗΜΑΤΩΝ. (in. m. ΠΕΡΙ ΤΩΝ ΒΙΒΛΙΩΝ ΠΑΛΑΙΑΣ ΚΑΙ ΚΑΙΝΗΣ. ἈΡΙΘΜΗΣΙΣ ἘΜΜΕΤΡΟΣ.)[1]

Ὄφρα δὲ μὴ ξείνῃσι νόον κλέπτοιο βίβλοισι, δείχνυσο[2] τοῦτον ἐμοῖο τὸν[3] ἐγκρίτων,[4] ὦ φιλάριθμον.[5]

Ἱστορικαὶ μὲν εἴασι[6] βίβλοι δύο καὶ δέκα πᾶσαι τῆς ἀρχαιοτέρης Ἑβραϊκῆς σοφίης. πρώτη Γένεσις, εἶτ' Ἔξοδος, Λευϊτικόν, ἔπειτ' Ἀριθμοί· εἶτα Δεύτερος νόμος· ἔπειτα[7] Ἰησοῦς καὶ Κριταί· Ῥοὺθ ὀγδόη· ἡ δὲ αὐτὴ[8] δεκάτη τε βίβλοι, πράξεις Βασιλειῶν[9] καὶ Παραλειπόμεναι· ἔσχατον Ἔσδραν ἔχεις. αἱ δὲ στηχέραι[10] ε', ὧν πρῶτος Ἰώβ, ἔπειτα Δαυίδης,[11] εἶτα τρεῖς Σολομώντειαι,[12] Ἐκκλησιαστὴς Ἆσμα καὶ Παροιμίαι· καὶ πένθος[13] ὁμοίως πνεύματος προφητικοῦ, μίαν μέν εἰσιν εἰς γραφὴν οἱ δώδεκα, Ὠσηὲ Ἀμώς τε καὶ Μιχαίας ὁ τρίτος· ἔπειτ' Ἰωήλ, εἶτ' Ἰωνᾶς καὶ Αὐδίας, Ναούμ τε Ἀμβακούμ τε καὶ Σοφονίας, Ἀγγαίας,[14] εἶτα Ζαχαρίας καὶ Μαλαχίας.

---

1) *У проп. все посланіе Григорія Богослова.* 2) числены *C.* 3) *C in m.* к҃г. 4) Въображеныи *C.* 5) тако *C.* 6) исоу҃ + *C и in m. другой рукой* + навг҃и. 7) цркъвьникъ *cod.* 8) осїи *C.* 9) тако *C.* 10) аввакоумъ *C.* 11) аггѣѧ *C.*

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) это произведеніе Григорія Богослова.

1) cod. in m. рукой XIII в. хς'; поставленное въ скобки отсутствуетъ въ P. 2) δέχνυσο P. 3) ἐμείοτον cod. 4) ἔγχριτον P. 5) φίλ' ἀριθμόν P. 6) ἔασι P. 7) ἔπειτ' P. 8) δ' ἐννάτη P (вм. δὲ αὐτή). 9) Βασιλείων P. 10) στιχηραὶ P. 11) Δαυὶδ P. 12) Σολομόντιαι P. 13) πένθ' P. 14) Ἀγγαῖος P.

ѥдиньı оубо· вьторыꙗ же исаиꙗ· посемь нареченъ иеремиꙗ иꙁ млада·[1] та[2] же иеꙁе|кииль· и даниилъ· бл҃годать дрѣвьниꙗ оубо положиша· к҃· и дъвоѥ кънигы· жидовьскыимь писаниѥ·[3] противоу положены· авиѥ же иштьти· новыꙗ таиноу· матѳѣи оубо написа жидомъ· чюдеса х҃сва· марко же· италии· лоука же ахаии· вьсѣмъ же иѡанъ пропобѣдьникъ· велии на н҃беса вьшьдъ· по семь дѣꙗниꙗ прѣмоудрыихъ ап҃лъ· десѧть же павьль и четыри посълания·[4] семь же съборьныихъ· ѿ нихъже иꙗковлꙗ ѥдина· дъвѣ же петровѣ· г҃· оубо иоановы пакы же иоудина[5] семаꙗ· вьсѣхъ имаши: ѥще же сихъ раꙁвѣ не приложиши·[6]

μία μὲν οἶδε,[1] δευτέρα δὲ[2] Ἡσαίας, ἔπειτα[3] ὁ κληθεὶς Ἱερεμίας ἐκ βρέφους, εἶτα[4] Ἰεζεκιὴλ καὶ Δανιῆλος л. 246 a.
ὡς[5] χάρις. ἀρχαίας μὲν ἔθηκαν[6] δύω καὶ εἴκοσι βίβλους,[7] τοῖς τῶν Ἑβραίων γράμμασιν ἀντιθέτους. εἰ δ' αὖ ἴδῃς,[8] ἀρίθμει καὶ νέου μυστηρίου. Ματθαῖος μὲν ἔγραψεν Ἑβραίοις θαύματα Χριστοῦ, Μάρκος δὲ[9] Ἰταλίῃ, Λουκᾶς Ἀχαΐαδι,[10] πᾶσι[11] δ' Ἰωάννης κήρυξ μέγας, οὐρανοφοίτης, ἔπειτα Πράξεις τῶν σοφῶν ἀποστόλων. δέκα δὲ Παύλου τέσσαρές[12] τε[13] (л. 254^b) ἐπιστολαί. ἑπτὰ δὲ καθολικαί, ὧν Ἰακώβου μία, δυὸ[14] δὲ Πέτρου, τρεῖς δὲ[15] Ἰωάννου πάλιν Ἰούδα δ'[16] ἐστὶν ἑβδόμη· πάσας ἔχεις. ἔτι[17] δὲ τούτων ἐκτὸς οὐκ ἐν γνησίαις.[18]

---

1) мада *С.* 2) тако *С.* 3) писаніемь *П.* 4) *С in m. другой рукой* сна деви҃. 5) иоудинаа *П.* 6) *cod. добавл.* ·тако· ѡфреме грѣшьниче не лѣнисѧ·:·

1) οἱ δὲ cod. 2) δ' P. 3) ἔπειτ' P. 4) εἶτ' P. 5) Δανιηλος ὸς cod.; вмѣсто этого, Δανιήλου P. 6) cod. конечное ν надпис. рукой X в.; ἔθηκα P. 7) cod. in m.: ὅτι τῆς παλαιᾶς ἔθηκαν δύο καὶ εἴκοσι βίβλους. 8) ηδαυΐδης cod.; вмѣсто этого, ἤδη δ' P. 9) δ' P. 10) Ἀχαΐάδι P. 11) πάση cod. 12) τέσσαρις cod. 13) τ' P. 14) δύο P. 15) δ' P. 16) υἱουδα͞δ cod. 17) εἴ τι P (вм. ἔτι). 18) γνησίαις P.

стаго[1] амфилохиа еппа· иконинскааго·[2] ѿ словесъ къ селевькию·

Нъ оно ѡбаче оувѣдѣти· паче подобьно· не вьсѧкы кънигы твьрды· или чисто имѧ написаниꙗ· сътѧжавъша· соуть бо[3] егда лъжеименьны[4] кънигы· нѣции оубо срѣдьнии· и соусѣди· ꙗко аще къто речеть истиньнъıихъ слово· иножии же оубо и ѕѣло блазньнии· акы небрѣгомъı·[5] и иножа ѕлатьникы· иже црстию[6] во образъ имоуть· чести же соуть· въ вещи прѣльщающе· того ради ти бодъхновенъıихъ рекоу[7] кънигъ

л. 246 b. |къıхъжьдо·[8] ꙗко аще доброꙗвленьно· навъıкнеши· ветъхааго ѕавѣта· а· рекоу· пентатеоухъ· бътие посемь исходъ· левгитьскъıꙗ срѣдьнѧꙗ кънигъı имать· съ нимиже числа· посемь вьторъıи ѕаконъ· въ сихъ іса·[9] приложи и соудиꙗ· посемь роуфь· црьствии[10] четверъı[11] кънигъ·[12] остатъчьнъıихъ оубо кънигъı

(л. 254b—255b).* ΤΟΥ ’ΕΝ ἉΓΙΟΙΣ[1] ἈΜΦΙΛΟΧΙΟΥ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ’ΙΚΟΝΙΟΥ ’ΕΚ ΤΩΝ ΠΡΟΣ ΣΕΛΕΥΚΟΝ ’ΙΑΜΒΩΝ. (in m. ῎ΕΜΜΕΤΡΑ.)[2]

Πλὴν ἀλλ’ ἐκεῖνο προσμαθεῖν μάλιστά σοι προσῆκον. οὐχ[3] ἅπασα βίβλος ἀσφαλὴς ἣ[4] σεμνὸν ὄνομα τῆς γραφῆς κεκτημένη.[5] εἰσὶ γάρ εἰσιν ἔθος τε[6] ψευδώνυμοι βίβλοι, τινὲς μὲν ἐμμέσοι[7] καὶ γείτονες, ὡς ἂν τις εἴποι, τῶν ἀληθείας λόγων, αἱ δ’ ἄρα νόθοι τε καὶ λίαν ἐπισφαλεῖς, ὥσπερ παράσημα καὶ νόθα νομίσματα, ἃ βασιλέως μὲν τὴν ἐπιγραφὴν ἔχει, κίβδηλα δέ[8] ἐστιν ταῖς ὕλαις δολωμένα.[9] τούτου χάριν σοι τῶν θεοπνεύστων ἐρῶ βίβλων[10] ἑκάστην. ὡς δ’ ἂν εὐκρινεστάτως[11] μάθοις,[12] τὰ[13] τῆς Παλαιᾶς πρῶτα Διαθήκης ἐρῶ. ἡ Πεντάτευχος τὴν Κτίσιν,[14] εἶτ’ ῎Εξοδον, Λευϊτικόν τε τὴν μέσην βίβλον ἔχει, μεθ’ ἣν Ἀριθμούς, εἶτα Δευτερονόμιον, τούτοις Ἰησοῦν προστίθει[15] καὶ τοὺς Κριτάς. ἔπειτα τὴν Ῥούθ. Βασιλειῶν[16] τέσσαρας βίβλους· Παραλειπομένων δέ γε βίβλους

1) *У проп. все посланіе Амфилохія къ Селевку.* 2) *cod. переправл.* к *послѣ* с *изъ* т. 3) бо *проп. С.* 4) лъженменинты *П.* 5) небрѣгомын *П.* 6) црътвию *ПС.* 7) *cod.* є *по скобл.* 8) книгыхъжѡ *П* (*вм.* кънигъ къıхъжьдо). 9) іс + *С и in m. другой рукой* нагн. 10) црьствіи *ПС.* 11) четверыи *П.* 12) *cod. ставитъ точку на мѣсто выскобленной палочки* (*т. е. первонач. было* кънигъı).

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) это произведеніе Амфилохія.

1) πατρὸς ἡμῶν вставл. P. 2) cod. in m. рукой XIII в. κζ′; поставленное въ скобки отсутств. въ P. 3) οὐκ cod. 4) ἡ P. 5) κεκτημένη (κεχημένη Patm. 172) τῆς γραφῆς P. 6) ἔσθ’ ὅτε P (вм. ἔθος τε). 7) ἔμμεσοι P. 8) δ’ P. 9) δολούμενα P. 10) βίβλον P. 11) εὐκρινῶς P. 12) μάθῃς P. 13) τὰς P. 14) κτῆσιν cod. 15) πρόστηθι cod. 16) δὲ вставл. P.

дъвою· ездры въ нихъ· а҃· посемь вътор҄ыи прочеие· стихерь пате-ры кънигы рекоу· вѣнчавъшаса страстьми разлічьнами· иова· псалъмъ же кънигы· доброчиньны· дш҃амъ ицѣлениие· три [1] же соломона прѣмоудраг҄о притъча· цр҃квьника· пѣснь же пѣсньмъ· сиꙗ прр҃кы· приложивъ·[2] в҃і· осие пьрвѣие· по иемь амосъ· михеа· иоилъ· авдию образъ ионы·[3] тридн҃евьныꙗ страсти· наоума съ ними амбакоума·[4] посемь иединого софонию· аггеа же и захарию· дъвоимєнита же анъгела[5] малахию· съ нимиже прр҃кы оувѣжь· д҃· дьрзлаго великааго исаию· иеремию же милостиваго· и таинааго езекилꙗ· послѣдь же данила· того же дѣлы[6] и словесы[7] прѣмоудраго· къ тѣмъ прилагають[8] ѡстиръ нѣции новааго завѣта· вижь ми кънигы гл҃ати· еваньгѣлисти четыри· | приимаи иедины· матѳеа посемь марка· съ лоукою[9] третиею приложивъ· чьти иѡана лѣтомъ четвьртаго· нъ въ пьрвѣиша высотою· повелѣ[ни]и[10] громова бо сн҃а възправьдоу

δύο. Ἔσδρας ἐπ' αὐταῖς πρῶτος, εἶθ' ὁ[1] δεύτερος. ἑξῆς στιχήρας[2] πέντε σοι βίβλους ἐρῶ· στεφθέντος ἄθλοις ποικίλων παθῶν Ἰώβ, Ψαλμῶν τε βίβλον, ἐμμελὲς ψυχῶν ἄκος. τρεῖς[3] δ' αὖ Σολομῶντος τοῦ σοφοῦ· Παροιμίας,[4] Ἐκκλη(л. 255ᵃ)σιαστήν, Ἆσμά τε τῶν ᾀσμάτων. ταύτας[5] προφήτας προστίθει[6] τοὺς δώδεκα· Ὠσηὲ πρῶτος,[7] εἶτα[8] Ἀμὼς τὸν δεύτερον, Μιχαίαν, Ἰωήλ, Αὐδίαν καὶ τὸν τύπον Ἰωνᾶν αὐτοῦ τοῦ τριημέρου πάθους, Ναοὺμ μετ' αὐτούς, Ἀμβακούμ, εἶτα[9] ἕνα τὸν[10] Σοφονίαν, Ἀγγαῖόν τε καὶ Ζαχαρίαν, διώνυμόν τε ἄγγελον[11] Μαλαχίαν. μεθ' οὓς προφήτας μάνθανε[12] τοὺς τέσσαρας, παρρησιαστὴν τὸν μέγαν Ἡσαίαν, Ἱερεμίαν τε συμπαθῆ[13] καὶ μυστικὸν Ἰεζεκιήλ, ἔσχατον δὲ Δανιήλ, τὸν αὐτὸν ἔργοις καὶ λόγοις σοφώτατον. τούτοις προσεγκρίνουσι τὴν Ἐσθήρ τινες. Καινῆς[14] Διαθήκης ὥρα[15] μοι βίβλους λέγειν. εὐαγγελιστὰς τέσσαρας δέχου μόνους, л. 247 а. Ματθαῖον, εἶτα Μάρκον, σοὶ[16] Λουκᾶν τρίτον προσθεὶς ἀρίθμει τὸν Ἰωάννην χρόνῳ τέταρτον, ἀλλὰ πρῶτον ὕψει δογμάτων·[17] βροντῆς γὰρ υἱὸν εἰκότως

1) при *С.* 2) приложи къ *П.* 3) образъ оны *cod.* 4) аввакоума *С.* 5) аг҃гла *С.* 6) и данилы *С* (*вм.* дѣлы). 7) и *вставл. П.* 8) к тѣм прилагають *вставл. С.* 9) лѹк -ı- *С и in m. другой рукой* с лѹкою. 10) *исправл. по П.*

1) εἰτ' ο cod. 2) στηχείρας cod.; στιχηρὰς P. 3) τρεισο cod. 4) cod. вставл. ι между α и ς. 5) ταύταις P. 6) πρόστιθι cod. 7) πρῶτον P. 8) εἰτ' P. 9) εἶτ' P. 10) εἶτ' ἔννατον P (вм. εἶτα ἕνα τὸν). 11) ἀγγε ον Patm. 172, такъ какъ выскобл. λ. 12) μενθανε cod., но ε (послѣ μ) зачеркнуто и надпис. ά. 13) συνπαθεῖ cod. 14) κενῆς cod. 15) ὥρα P. 16) φ̣ P. 17) ὑψηδόματων cod., при чемъ δο по скобл. (вм. λο?), а in m. дописано. δογ.

того звоу· велиѥ възглашьша бг҃оу слово· приими же кънигы· лоукы· второѥ[1] съборьнъıихъ дѣании и[2] ап҃лъ· съсоудъ оу н҃егоже[3] приложи· избьранааго ꙗзыкъмь· проповѣдьника ап҃ла павьла· моудро написавъше ц҃рквамъ посъланиꙗ·[4] дъва краты· з҃· римлꙗномъ· а҃· или[5] подобаѥть съчетати· къ кореньѳѣомъ· в҃· къ галатомъ же и[6] къ ефесиомъ· съ нимиже· къ филипписиомъ· по семь написано къ коласаиѥмъ· и къ селоунꙗномъ· в҃· къ тимоѳею· и къ титоу и филимоноу· а҃· [коежо][7] къ еврѣомъ· пьрвоѥ нѣции же[8] рѣша· иже къ оврѣомъ· невръгомо и не добрѣ гл҃юща· присна бо бл҃гдть· бываѥть прочеѥ съборьнъıихъ посълании· нѣции же семь рѣша· ови же· г҃· тъкмо· подобаѥть же приимати ꙗковлꙗ ѥдино·[9] ѥдино же петрово· иоаново[10] ѥдино· нѣции же· г҃· и къ тѣмъ дъвѣ петровѣ приѥмлють· иоудино ѥдино· ѿкръвении же иѡана пакы· нѣции же избирають мъножаишии[11] же невръгомо гл҃ють· съ[12] нелъжьнъıи канонъ· оубо боу-
л. 247 b. де|ть бг҃одъхновенъıихъ писании·

τοῦτον καλῶ, μέγιστον ἠχήσαντα τῷ θεῷ λόγον.[1] δέχου δὲ βίβλον Λουκᾶ καὶ τὴν δευτέραν, τὴν τῶν καθολικῶν Πράξεων ἀποστόλων. τὸ σκεῦος ἑξῆς πρόστηθι[2] τῆς ἐκλογῆς, τὸν τῶν ἐθνῶν κήρυκα, τὸν ἀπόστολον Παῦλον, σοφῶς γράψαντα ταῖς ἐκκλησίαις ἐπιστολὰς δὶς ἑπτά· Ῥωμαίοις α', ᾗ[3] χρὴ συνάπτειν πρὸς Κορινθίους δύο, τὴν πρὸς Γαλάτας τε καὶ πρὸς Ἐφεσίους, μεθ' ἣν τὴν ἐν Φιλίπποις, εἶτα τὴν γεγραμμένην Κολοσσαεῦσι, Θεσσαλονικεῦσι β', β' Τιμοθέῳ, Τίτῳ τε[4] καὶ Φιλή(л. 255ᵇ)μονι μία[5] ἑκατέρῳ·[6] γνησία γὰρ ἡ χάρις. εἶεν τι[7] λοιπὸν καθολικῶν ἐπιστολῶν τινὲς μὲν ἑπτά φασιν, οἱ δὲ τρεῖς μόνας χρῆναι δέχεσθαι, τὴν Ἰακώβου μίαν, μίαν δὲ Πέτρου, τῶν[8] Ἰωάννου μίαν.[9] τινὲς δὲ τὰς τρεῖς καὶ πρὸς αὐταῖς τὰς δύο Πέτρου δέχονται, τὴν Ἰούδα[10] ἑβδόμην. τὴν δὲ[11] Ἀποκάλυψιν τὴν Ἰωάννου πάλιν τινὲς μὲν ἐγκρίνουσι, οἱ πλείους δέ γε νόθον λέγουσι. οὗτος ἀψευδέστατος κανὼν ἂν εἴη τῶν θεοπνεύστων γραφῶν.

---

1) кторное *П.* 2) и *проп. П.* 3) нъ *вставл. cod., но вычеркив.* 4) *cod. переправл.* ꙗ *изъ* ѥ. 5) ли *С.* 6) къ галатомъ же и *проп. С.* 7) *вставка изъ П.* 8) иже *П.* 9) ѥди *вставл. С.* 10) иѡанново *ПС.* 11) множаишеи *П.* 12) се *П.*

1) λόγῳ P. 2) προστίθει P. 3) ᾗ P. 4) δὲ P. 5) μίαν P. 6) καὶ πρὸς Ἑβραίους μίαν. τινὲς δέ φασι τὴν πρὸς Ἑβραίους νόθον, οὐκ εὖ λέγοντες вставл. P. 7) τί P. 8) τ' вставл. P. 9) слова μίαν δὲ Πέτρου τῶν Ἰωάννου μίαν cod. in m. 10) δ' вставл. P. 11) δ' P.

прс҃тааго анастасиꙗ· патриарха антиохиискааго[1] съказание· ꙗко велие аньгѣльское[2] и чиститетельскааго достоꙗниꙗ· ꙗко не въꙁможьно осоужати· иерея ѿ простьца· нъ ѿ вѧщьшааго ст҃ителꙗ· ꙗко же и канони рѣша[3] о бж҃ьствьнѣи рацѣ и о моученицѣ·[4]

Въ цр҃кьвьнѣмь съказании· филона философа·[5] обрѣтоша нѣчьто[6] таково· ꙗко оубо въ врѣмѧ гонениꙗ· еп҃пъ нѣкъи· ѿлоучи проꙁвутера[7] ѿ слоужьбы· шьдъ оубо проꙁвитеръ[8] въ иноу страноу нѣкоѥꙗ ради потрѣбы по съключаю[9] же ꙗтъ бысть· на моучение ѿ елинъ·[10] и много моученъ бывъ· прѣтьрпѣ и оусѣченъ бывъ· и бы мчн҃къ хв҃ъ· кънѧꙁь оубо града того хрьстиꙗнъ сы· въꙁможе[11] имѣниемь себѣ приꙗти тѣло

(л. 255^b—256^b). * ΤΟΥ ἉΓΙΩΤΑΤΟΥ ἈΝΑΣΤΑΣΙΟΥ ΠΑΤΡΙΑΡΧΟΥ ἈΝΤΙΟΧΕΙΑΣ ἈΠΟΔΕΙΞΙΣ,[1] ὍΤΙ ΜΕΓΑ ΚΑΙ ἈΓΓΕΛΙΚΟΝ ΤΟ ἈΡΧΙΕΡΑΤΙΚΟΝ ἈΞΙΩΜΑ ΚΑΙ ὍΤΙ[2] ἈΔΥΝΑΤΟΝ ἈΝΑΚΡΙΝΕΣΘΑΙ ἹΕΡΕΑ ὙΠΟ ΛΑΪΚΟΥ, ἈΛΛ' ὙΠΟ ΜΕΙΖΟΝΟΣ ἈΡΧΙΕΡΕΩΣ, ΚΑΘΩΣ ΚΑΙ ΟΙ ΚΑΝΟΝΕΣ ΦΑΣΙΝ. (in m. ΠΕΡΙ ΤΗΣ ΘΕΙΑΣ ΛΑΡΝΑΚΟΣ ΚΑΙ ΤΟΥ[3] ΜΑΡΤΥΡΟΣ.)[4]

Ἐν τῇ ἐκκλησιαστικῇ ἱστορίᾳ Φίλωνος τοῦ φιλοσόφου εὑρόν τι τοιοῦτον, ὅτιπερ ἐν τῷ καιρῷ τοῦ διωγμοῦ ἐπίσκοπός τις ἠφόρισεν[5] πρεσβύτερον ἐκ[6] τῆς λειτουργίας. ἀπελθὼν οὖν ὁ πρεσβύτερος εἰς ἑτέραν χώραν διά τινας χρείας, κατὰ συγκυρίαν ἐκρατήθη εἰς μαρτύριον ὑπὸ τῶν Ἑλλήνων, καὶ[7] πολλὰ[8] βασανισθεὶς ὑπέμεινεν καὶ ἀπεκεφαλίσθη[9] καὶ γέγονεν μάρτυς τοῦ Χριστοῦ.[10] ὁ οὖν[11] ἄρχων τῆς πόλεως,[12] χριστιανὸς ὤν, ἠδυνήθη διά χρημάτων περιποιήσασθαι[13] τὸ σῶμα τοῦ

---

1) антїнскаго *С.* 2) агг҃льское *С.* 3) *cod. переправл.* ш *изъ* к. 4) *С in m.* к҃д. 5) философа *С.* 6) нѣцьто *У.* 7) проꙁвитера *П.* 8) проꙁвоутеръ *П.* 9) съключанию *У.* 10) елины *П.* 11) въꙁмоꙁе *С.*

---

* Въ составъ PV это произведеніе Анастасія не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 184^b—184^a (=Vind.) и Petropol. 208 л. 183 (=P_2).

1) cod. переправл. изъ ἀποδείξεις. 2) ὅτι καὶ Vind. 3) ἁγίου вставл. P_2. 4) поставленное въ скобки отсутствуетъ въ Vind.; κη' cod. in m. рукой XIII в. 5) ἠφόρησεν cod.; ἀφώρισε P_2 Vind. 6) ἐκ проп. Vind. 7) καὶ проп. P_2. 8) τε вставл. P_2. 9) τὴν κεφαλὴν ἀπετμήθη P_2 (вм. ἀπεκεφαλίσθη). 10) καὶ γέγονεν μάρτυς τοῦ Χριστοῦ проп. Vind.; καὶ τοῦ Χριστοῦ μάρτυς γέγονεν P_2. 11) γοῦν P_2. 12) χώρας P_2. 13) ἑαυτῷ вставл. Vind.

мч҃ника· минѹвъшю же гонению· съзьда кънѧзь цр҃квь томѹ же мч҃никѹ· положиша вънѹтрь чистительства· тѣло мч҃ника въ рацѣ· събьра же странѹ вьсю и[1] еп҃па· хотѧ сътворити обновлениѥ цр҃кви· и ꙗко нача вечерьню рекъ миръ вьсѣмъ· начатъ рака ходити о себѣ·[2] и изиде ис[3] црькъве·[4] страхъ ѹбо и трепетъ приꙗ[5] вьсѧ· и изнесъше ѹжа и влѣкоша ракѹ л. 248 а. на мѣсто | своѥ· и давъшю второѥ миръ еп҃пѹ·[6] пакы[7] нача рака исходити[8] ис цр҃кве·[9] нача же кнѧзь и вьсь домъ ѥго плакати· послѣжеѥ

μάρτυρος. παρελθόντος γοῦν[1] τοῦ διωγμοῦ, ἔκτισεν[2] ὁ ἄρχων τὴν[3] ἐκκλησίαν[4] τῷ αὐτῷ ἁγίῳ[5] μάρτυρι, καταθέμενος ἔνδον[6] ἐν τῷ ἱερατείῳ[7] τὸ[8] (л. 256ª) σῶμα τοῦ μάρτυρος[9] ἐν λάρνακι. συνήθροισεν γοῦν[10] τὴν χώραν πᾶσαν καὶ τὸν ἐπίσκοπον, βουλόμενος ποιήσασθαι[11] τὰ ἐγκαίνια τοῦ ναοῦ.[12] καὶ ὡς μόνον ἤρξατο τοῦ λυχνικοῦ[13] εἰπὼν τὸ εἰρήνη πᾶσι,[14] ἤρξατο[15] ἡ λάρναξ περιπατεῖν ἀφ' ἑαυτῆς[16] καὶ ἐξῆλθεν[17] τοῦ ναοῦ.[18] φόβος οὖν[19] καὶ τρόμος ἔλαβεν πάντας.[20] καὶ ἐνέγκαντες σχοινία εἵλκυσαν πάλιν τὴν λάρνακα ἔσω[21] ἐν τῷ τόπῳ αὐτῆς.[22] καὶ δώσαντος[23] ἐκ δευτέρου τὴν εἰρήνην τοῦ ἐπισκόπου, πάλιν ἤρξατο ἡ λάρναξ ὑπεξελθεῖν[24] τοῦ ναοῦ. ἤρξατο οὖν ὁ ἄρχων καὶ ὅλος ὁ οἶκος αὐτοῦ θρηνεῖν καὶ ἐξομολογεῖσθαι[25] τῷ θεῷ,[26] ἐσχάτως

---

1) и *проп. С.* 2) соке *У.* 3) и *У.* 4) *cod. перепpавл.* ѥ *изъ* и; цр҃кви *У.* 5) приꙗша *У.* 6) епискѹпѹ *ПС.* 7) и *вставл. П.* 8) и *вставл. П.* 9) цр҃кви *У.*

1) οὖν Vind.; μέντοι P_2. 2) ἔκτισεν проп. P_2. 3) τὴν проп. P_2. 4) ἐκκλησίαν ὁ ἄρχων P_2. 5) ἱδρύσατο вставл. P_2. 6) ἔνδον проп. Vind. 7) τοῦ ἱερατείου P_2 (вм. ἐν τῷ ἱερατείῳ). 8) τίμιον ἐκείνου вставл. P_2. 9) τοῦ μάρτυρος проп. P_2. 10) γοῦν проп. P_2. 11) βουλόμενος ποιήσασθαι проп. P_2. 12) ἐκτελέσαι βουλόμενος вставл. P_2. 13) τοῦ λυχνικοῦ ἤρξατο P_2. 14) πάση cod.; εἰρήνη πᾶσι φθεγξάμενος P_2 (вм. εἰπὼν τὸ εἰρήνη πᾶσι). 15) ἐπεχείρησεν P_2. 16) ἀφ' ἑαυτῆς ἡ λάρναξ περιπατεῖν P_2. 17) ἐξέρχεσθαι P_2. 18) ὅθεν вставл. P_2. 19) οὖν проп. P_2. 20) πάντας κατέλαβε P_2. 21) ἔσω проп. Vind. 22) σχοινία τε ἤνεγκαν καὶ τὴν λάρνακα ἐν τῷ τόπῳ αὐτῆς εἵλκυον φωνήσαντος P_2 (вм. καὶ ἐνέγκαντες σχοινία... αὐτῆς). 23) δόντος P_2 Vind. 24) ὑπεξέρχεσθαι P_2 Vind.; ὑπεξέρχεσθαι πάλιν ἡ λάρναξ ἤρξατο P_2. 25) εὐθὺς δὲ ὁ ἄρχων ἐθρήνει καὶ ὁ αὐτοῦ ὅλος οἶκος ἐκόπτετο ἐξωμολογοῦντο τε P_2 (вм. ἤρξατο οὖν ὁ ἄρχων... ἐξομολογεῖσθαι). 26) κυρίῳ P_2 Vind.

мьнѧще [1] ꙗко грѣхъ [2] ради ихъ· не хощеть жити въ цр҃кве ихъ ст҃ыи· постигъши же нощи· прииде моученикъ къ еп҃поу гл҃ꙗ· сътвори любъвь и потроудисѧ въ сии градъ къ еп҃поу моiемоу· и сътвори и раздрѣшити мѧ ѿ запрѣщениꙗ· ꙗко ѿлоучи [3] мѧ [4] слоужьбы и не могоу съ вами слоужити· и вѣньць [5] оубо моучениꙗ приꙗхъ лицѧ [6] же х҃ва не вижю зане быти ми подъ ѿлоучениемь· и да не мьнить ти сѧ тебѣ раздрѣшити мене· ꙗко аще съвѧзавыи мѧ не раздрѣшить мене ни слоужити могоу съ вами· ни лицѧ [7] х҃ва видѣти· ꙗко тъ рече чистителемъ· ꙗко аще съвѧжете [8] на земли· боудеть съвѧзано [9] и [10] на нбс҃ѣхъ· поимъ оубо еп҃пъ съ собою кнѧзѧ и клирикы нѣкыꙗ·

νομίσαντες ὅτι διὰ τὰς [1] ἁμαρτίας αὐτῶν [2] οὐ καταδέχεται οἰκῆσαι [3] ἐν τῷ ναῷ αὐτῶν ὁ ἅγιος. [4] καταλαβούσης δὲ τῆς [5] νυκτός, [6] ἐπέστη [7] ὁ μάρτυς [8] τῷ ἐπισκόπῳ λέγων· [9] Ποίησον ἀγάπην καὶ κοπίασον εἰς τήνδε τὴν πόλιν πρὸς τὸν ἐπίσκοπόν μου, καὶ ποίησον [10] αὐτὸν λῦσαί [11] με ἐκ [12] τοῦ ἐπιτιμίου, [13] ὅτι ἠφώρισέν [14] με τῆς λειτουργίας καὶ οὐ δύναμαι συλλειτουργῆσαι ὑμῖν· καὶ [15] τὸν μὲν [16] στέφανον τοῦ μαρτυρίου ἔλαβον, τὸ δὲ πρόσωπον τοῦ Χριστοῦ οὐκ ἐθεασάμην διὰ τὸ εἶναί με ὑπὸ ἀφορισμόν· καὶ μὴ δόξῃ σοι σὺ [17] λῦσαί με, [18] ὅτι, [19] εἰ μὴ [20] ὁ δήσας [21] με [22] λύσῃ [23] με, οὔτε συλλειτουργῆσαι ὑμῖν δύναμαι, οὔτε τὸ πρόσωπον τοῦ Χριστοῦ θεάσασθαι, [24] ὅτι αὐτὸς εἶπεν (л. 256^b) τοῖς ἱερεῦσιν ὅτι, [25] Ὅσα ἂν δήσητε [26] ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται δεδεμένα ἐν τοῖς οὐρανοῖς. λαβὼν οὖν ὁ ἐπίσκοπος μεθ' ἑαυτοῦ τὸν ἄρχοντα καὶ κληρικούς τινας,

---

1) мьнѧщє *ПС.* 2) грѣха *У.* 3) ѿлюучи *У.* 4) ѿ *вставл. П.* 5) вѣць *У.* 6) личѧ *У.* 7) личѧ *У.* 8) съвѧжеть *У.* 9) съвѧзанъ *У.* 10) и *проп. У.*

1) τῆς Vind. 2) αὐτῶν ἁμαρτίας P_2. 3) κατοικεῖν P_2. 4) ὁ ἅγιος ἐν τῷ αὐτῶν οὐ καταδέχεται ναῷ κατοικεῖν P_2. 5) καταλαβούσης δὲ τῆς проп. P_2. 6) δὲ вставл. P_2. 7) ἐπιστὰς P_2. 8) ἔφη вставл. P_2. 9) λέγων проп. P_2. 10) πεῖσον P_2. 11) ἀπολῦσαι P_2. 12) ἐκ проп. P_2. 13) τοῦ ἐπιτιμίου ἀπολῦσαί με P_2. 14) ἠφώρησεν cod.; ἀφώρισε P_2 Vind. 15) καὶ проп. P_2 16) γὰρ вставл. P_2. 17) σὺ проп. Vind.; ὅτι P_2. 18) μοι cod. 19) αὐτὸς δύνασαι P_2 (вм. ὅτι). 20) γὰρ вставл. P_2. 21) δεσμήσας P_2. 22) με проп. P_2. 23) ἀπολύσει P_2. 24) θεωρῆσαι Vind. 25) ὅτι проп. P_2. 26) δείσηται cod.

иде къ еп҃поу и повѣда ѥмоу о ст҃ѣмь бж҃ии[1] мч҃нцѣ· и о видѣнии и[2] въста[3] оубо скоро еп҃ъ·[4] и идѫше въслѣдъ ихъ· и шьдъ поклонисѧ ст҃моу мч҃нкоу и рече х҃съ· съвѫзавъи тѧ моѥго ради съмѣрениꙗ раздрѣшить тѧ кръве ради твоѥꙗ за нь пролитиꙗ· вънииди и слоужи съ нами· и вънесъшемъ ракоу въ чиститєлиєство· съвершиша бж҃ьствьноѥ слоужениѥ· и потомь | л. 248 b. рака не подвижашесѧ[5] съ мѣста своѥго·

ἐπορεύθη πρὸς τὸν ἐπίσκοπον καὶ διηγήσατο αὐτῷ[1] τὰ κατὰ τὸν ἅγιον τοῦ θεοῦ μάρτυρα καὶ τὰ κατὰ[2] τῆς ὀπτασίας.[3] ἀναστὰς οὖν δρομαίως ἠκολούθησεν αὐτοῖς, καὶ ἐλθὼν[4] προσεκύνησεν[5] τῷ ἁγίῳ μάρτυρι[6] καὶ[7] εἶπεν·[8] Ὁ Χριστὸς ὁ δεσμήσας σε διὰ τῆς ἐμῆς ταπεινώσεως λύσῃ[9] σε διὰ τῆς τοῦ αἵματός σου ὑπὲρ αὐτοῦ ἐκχύσεως· εἴσελθε καὶ λειτούργησον σὺν[10] ἡμῖν. καὶ εἰσενεγκάντων[11] τὴν λάρνακα ἐν τῷ ἱερατείῳ,[12] ἐτέλεσαν τὴν[13] λειτουργίαν, καὶ οὐκέτι ἡ λάρναξ ἐκινήθη ἐκ[14] τοῦ τόπου αὐτῆς.

---

1) бж҃ї *С.* 2) и *проп. У.* 3) въставъ *У.* 4) єпискоупъ *С.* 5) движашєсѧ *С.*

---

1) αὐτῷ проп. P_2 Vind. 2) κατὰ проп. P_2. 3) τὴν ὀπτασίαν Vind. 4) καὶ вставл. P_2. 5) προσκυνήσας P_2. 6) ἐλθὼν καὶ τῷ ἁγίῳ μάρτυρι προσκυνήσας P_2. 7) καὶ проп. P_2. 8) εἴρηκεν P_2. 9) λύσει P_2 Vind. 10) σὺν проп. Vind. 11) εἰσενέγκαντες Vind. 12) ἐν τῷ ἱερατείῳ τὴν λάρνακα P_2. 13) θείαν вставл. P_2 Vind. 14) ἐκ проп. P_2 Vind.

того[1] же ст҃аго анастасиа повѣсть с҄ї҃еньна о папежи римьстѣмь· григорин· дъвословьци·[2] и чюдотворьци·

Повѣда намъ нѣкъıи старьць· именьмь петръ пришьдъ ѿ рима· о ст҃ѣмь григории дъвословьци· папежю того града· ꙗко бъıвъ папежь· съѕьда манастъıрь моужьскъıи велии· и дасть ѕаповѣдь·[3] да ни юдинъ же ѿ мьнихъ своюго не имать· ничьто же никогда же· даже[4] ни до мѣдьницѣ· братъ оубо нѣкъıи ѿ манастъıрѧ имѣ брата простьцѧ· и проси оу него гл҃ѧ срачица[5] гл҃ѧ[6] не имамъ· нъ сътвори любъвь коупи ми· гл҃а юмоу простьць· брате[7] се три ѕлатицѣ[8] имамъ· възьмъ коупи югоже хощеши·[9] възьмъ же братъ три ѕлатьникъı· имѣꙗше ꙗ оу себе· дроугъıи же братъ видѣ и· имоуща три ѕлатьникъı· и шьдъ възвѣсти игоумену· игоуменъ же възвѣсти ст҃оумоу папежю· блаженъıи же

1) Ѳого *С.* 2) двословьцѧ *П.* 3) заповѣсть *П.* 4) да *У.* 5) срачици *П.* 6) г҃нѧ *С.* 7) братїє *С.* 8) златницѣ *У.* 9) хощеть *С.*

(л. 256^b—257^b). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ἉΓΙΩΤΑΤΟΥ[1] ἈΝΑΣΤΑΣΙΟΥ[2] ΔΙΗΓΗΣΙΣ ἹΕΡΑ[3] ΠΕΡΙ ΤΟΥ ΠΑΠΑ ῬΩΜΗΣ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ΤΟΥ ΔΙΑΛΟΓΟΥ ΚΑΙ ΘΑΥΜΑΤΟΥΡΓΟΥ.

Διηγήσατο ἡμῖν τις πρεσβύτερος ὀνόματι Πέτρος, ἐλθὼν ἀπὸ Ῥώμης, περὶ τοῦ ἐν ἁγίοις Γρηγορίου τοῦ Διαλόγου, τοῦ πάπα τῆς αὐτῆς πόλεως, ὅτι γενόμενος πάπας ἔκτισεν μοναστήριον ἀνδρῶν μέγα καὶ ἔδωκεν ἐντολάς,[4] ἵνα μηδεὶς τῶν μοναχῶν ἴδιον ἔχῃ[5] τί ποτε μηδὲ[6] ἕως ὀβολοῦ. ἀδελφὸς (л. 257^a) γοῦν[7] τις ἐκ τοῦ μοναστηρίου εἶχεν ἀδελφὸν κοσμικὸν καὶ ᾔτησεν αὐτὸν[8] λέγων· Καμάσιον[9] οὐκ ἔχω, ἀλλὰ ποίησον ἀγάπην,[10] ἀγόρασόν μοι. λέγει αὐτῷ ὁ κοσμικός· Ἀδελφέ, ἰδοὺ τρία νομίσματα. λαβὼν οὖν[11] αὐτὰ ἀγόρασον οἷον θέλεις. λαβὼν οὖν ὁ ἀδελφὸς τὰ τρία νομίσματα εἶχεν αὐτὰ παρ' ἑαυτῷ. ἄλλος δὲ ἀδελφὸς εἶδεν αὐτὸν ἔχοντα τὰ τρία νομίσματα καὶ ἀπελθὼν[12] ἀπήγγειλεν τῷ ἡγουμένῳ, ὁ δὲ ἡγούμενος ἀπήγγειλεν τῷ ἁγίῳ πάπᾳ·[13] ὁ δὲ[14] μακάριος

* Въ составъ PV это произведеніе Анастасія не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 185^b (= Vind.) и Petropol. 208 л. 184^a—185^a (= P_2).

1) ἁγίου Vind.; ἁγιωτάτου проп. P_2. 2) Ἀναστασίου проп. P_2. 3) πάπαρ вставл. cod., но выскобл. πάπα, а ρ осталось. 4) ἐντολὴν P_2. 5) ἔχει cod. 6) μήτε P_2 Vind. 7) οὖν P_2 Vind. 8) αὐτῶν cod. 9) καμίσιον P_2. 10) καὶ вставл. Vind. 11) οὖν проп. P_2 Vind. 12) cod. переправл. ε изъ η̃ (т. е. писецъ хотѣлъ написать απῆλθεν). 13) αὐτὸς δ' вставл. P_2. 14) δὲ проп. P_2.

григории оувѣдѣвъ· ѿлоучи и[1] обьщениꙗ· ꙗко раздроушивъша[2] канонꙑ манастꙑрьскꙑꙗ· по малѣ же оумьре братъ ѿлоученꙑи· не оувѣдѣвъ[3] ѿ[4] папежю· по дъвою оубо или по трьхъ дн҃ьхъ· шьдъ игоуменъ възвѣсти ѥмоу· ꙗко братъ почи·[5] о томь
л. 249 а. оубо не мало оскърбѣ папе|жь· ꙗко прѣже ѿшьствиꙗ ѥго[6] не раздрѣши ѥго ѿ запрѣщениꙗ· и написавъ мл҃твоу на хартию· дасть архидиꙗконоу· повелѣвъ ѥмоу отиити· и върхоу на гробѣ брата[7] прочисти ю· бѣ же написано сице· раздрѣшисѧ ѿлоученꙑи оумьрꙑи брате· шьдъ же архидиꙗконъ ꙗко и повелѣно ѥмоу бꙑсть· надъ[8] гробъмь брата прочьте[9] хартию· имоущюю мл҃твоу· и въ тоу

Γρηγόριος[1] μαθὼν ἠφώρισεν[2] αὐτὸν[3] ἀπὸ[4] τῆς κοινωνίας,[5] ὡς παραλύσαντα[6] τοὺς κανόνας τοῦ μοναστηρίου. μετὰ γοῦν ὀλίγον χρόνον τελευτᾷ[7] ὁ ἀδελφὸς ὁ ἀφωρισμένος,[8] μὴ μαθόντος[9] τοῦ πάπα.[10] μετὰ γοῦν δύο ἢ τρεῖς ἡμέρας[11] ἀπελθὼν[12] ὁ ἡγούμενος ἀπήγγειλεν αὐτοῦ,[13] ὅτι ὁ ἀδελφὸς ἀνεπάη.[14] ἐν τούτῳ οὖν[15] οὐ μετρίως ἐλυπήθη, ὅτι πρὸ τοῦ ἐξελθεῖν αὐτὸν τοῦ βίου οὐκ ἔλυσεν αὐτὸν τοῦ ἐπιτιμίου.[16] καὶ γράψας εὐχὴν ἐν τῷ[17] πιττακίῳ[18] δέδωκεν τῷ ἀρχιδιακόνῳ, κελεύσας αὐτὸν[19] ἀπελθεῖν καὶ ἐπάνω τοῦ τάφου[20] τοῦ ἀδελφοῦ ἀναγνῶναι αὐτό. ἦν δὲ γεγραμμένον οὕτως·[21] Λέλυται[22] τοῦ ἀφορισμοῦ ὁ τελευτήσας ἀδελφός. (л. 257^b) ἀπελθὼν οὖν ὁ ἀρχιδιάκων[23] ὃ[24] ἐπετράπη ἐπάνω τοῦ τάφου τοῦ ἀδελφοῦ ἀνέγνω τὸ πιττάκιον[25] τὸ ἔχον τὴν εὐχήν.[26] καὶ τῇ αὐτῇ

1) и *проп. С.* 2) ра̑зроуши всѧ *С.* 3) оувѣдѣвъшю *У.* 4) ѿ *проп. У.* 5) поци *У.* 6) же *вставл. С.* 7) врата *С, но в переправл. въ* в. 8) на *П.* 9) процьте *У.*

1) πάπας вставл. P_2. 2) ἀφώρισεν P_2 Vind. 3) αὐτὸν проп. P_2. 4) ἀπὸ проп. Vind. 5) τὸν ἀδελφὸν вставл. P_2. 6) παραλύσαντα P_2 ставитъ ниже, послѣ μοναστηρίου. 7) ἐτελεύτησεν P_2. 8) ὁ ἀφωρισμένος ἀδελφὸς P_2. 9) ἀγνοοῦντος P_2 (вм. μὴ μαθόντος). 10) τούτου τὴν τελευτήν вставл. P_2. 11) μετὰ γοῦν δευτέραν ἢ τρίτην ἡμέραν Vind.; μετὰ δύο τοίνυν ἡμέρας εἴτε καὶ τρεῖς P_2. 12) ἀπελθὼν проп. P_2. 13) αὐτῷ Vind.; τῷ πάπᾳ P_2. 14) ἀναπέπαυται P_2. 15) γοῦν Vind. 16) ὅπερ τὸν πάπα σφόδρα λελύπηκε μὴ λύσαντα ἐκεῖνον πρὸ τοῦ ἐκ τοῦ βίου ὑπεξελθεῖν· τοιγαροῦν P_2 (вм. ἐν τούτῳ οὖν... ἐπιτιμίου). 17) τῷ проп. P_2 Vind. 18) πιτακίῳ cod. 19) αὐτῷ P_2. 20) τοῦ τάφου вставл. P_2, но обводитъ точками. 21) οὕτος cod. 22) λέλυσαι P_2. 23) ἀρχιδιάκονος P_2 Vind. 24) ὡς P_2. 25) πιτάκιον cod. 26) ἀνέγνω αὐτὸ ἐπάνω τοῦ τάφου τοῦ ἀδελφοῦ Vind. (вм. ὃ ἐπετράπη... τὴν εὐχὴν); τὸ τὴν εὐχήν περιέχοντι πιττακίῳ P_2 (вм. τὸ ἔχον... τὴν εὐχήν).

нощь видѣ игоумень брата оумьршаꙗго и гл҃а юмоу· не оумьрлъ ли юси брате· онъ же гл҃а юмоу· еи· и пакы въпроси и къде юси былъ до сего[1] дн҃е· и гл҃а юмоу братъ въистиноу въ тьмьници· и до вьчерашьнꙗаго часа· не ѿпоущенъ быхъ· оувѣдѣно же бысть вьсѣмъ· ꙗко въ ньже часъ архидиꙗконъ рече м҃лтвоу върьхоу[2] гроба юго· въ тъ часъ раздрѣшенъ бысть· ѿлоученꙗꙗ· и свободисѧ[3] осоужениꙗ дш҃а юго· и дасть хвалоу бо҃у въ вѣкы[4] аминь·[5]

νυκτὶ θεωρεῖ ὁ ἡγούμενος τὸν ἀδελφὸν τὸν τελευτήσαντα[1] καὶ λέγει αὐτῷ· Οὐκ ἐτελεύτησας ἀδελφέ; ὁ δὲ λέγει αὐτῷ·[2] Ναί. καὶ πάλιν ἐπηρώτησεν αὐτόν·[3] Καὶ[4] ποῦ ἦς ἕως τῆς σήμερον; λέγει αὐτῷ[5] ὁ ἀδελφός· Ὄντως εἰς τὴν φυλακήν, καὶ ἕως τῆς χθὲς τῆσδε τῆς ὥρας οὐκ ἀπελύθην. ἐγνώσθη οὖν πᾶσιν, ὅτι ἐν οἵᾳ ὥρᾳ ὁ ἀρχιδιάκων[6] τὴν εὐχὴν εἶπεν ἐπάνω τοῦ τάφου αὐτοῦ, ἐν αὐτῇ τῇ ὥρᾳ ἐλύθη[7] τοῦ ἀφορισμοῦ καὶ ἐλευθερώθη[8] τοῦ κατακρίματος ἡ ψυχὴ αὐτοῦ. καὶ ἔδωκαν αἶνον τῷ θεῷ[9] εἰς τοὺς αἰῶνας.[10] ἀμήν.

---

1) дєго *С, но другая рука надпис.* о *надъ* д *и вставл.* є *между* д *и* є. 2) верхꙋ *П.* 3) сподобисѧ *С (вм.* и свободисѧ). 4) вѣкѡ *вставл. П.* 5) досꙋда *добавл. cod. (in m. рукой XIII в.) и С.*

1) τὸν τελευτήσαντα ἀδελφὸν P_2. 2) Οὐκ ἐτελεύτησας, ἀδελφέ; ὁ δὲ λέγει αὐτῷ проп. P_2. 3) αὐτῷ P_2. 4) καὶ проп. P_2. 5) αὐτῷ проп. P_2. 6) ἀρχιδιάκονος P_2 Vind. 7) ἀπελύθη P_2. 8) ἠλευθερώθη P_2 Vind. 9) ᾧ ἡ δόξα вставл. P_2. 10) τῶν αἰώνων вставл. P_2.

блаженаго[1] епифаниꙗ· и еппа кѹпрьскаго[2] повѣсть въскорѣ написанъıихъ ерєсъ вьсѣхъ· рекъше повелѣнии· ихъже матери и пьрвии образи· и въименениъı· д҃· ѿ нихъже вьсѧ прочаꙗ изникоша·[3]

* ΤΟΥ ΜΑΚΑΡΙΟΥ ἘΠΙΦΑΝΙΟΥ ἘΠΙΣΚΟΠΟΥ ΚΥΠΡΟΥ ΔΙΗΓΗΣΙΣ ΣΥΝΤΟΜΟΣ ΤΩΝ ἘΚΤΕΘΕΙΣΩΝ ΑΙΡΕΣΕΩΝ ΠΑΣΩΝ ἭΤΟΙ ΔΟΓΜΑΤΩΝ, ὯΝ ΜΗΤΕΡΕΣ ΤΕ ΚΑΙ ΠΡΩΤΟΤΥΠΟΙ ΚΑΙ ὈΝΟΜΑΣΤΑΙ ΤΕΣΣΑΡΕΣ, ἘΞ ὯΝ ΑΙ ἌΛΛΑΙ ΠΑΣΑΙ ἘΦΥΗΣΑΝ.

а҃· Варъвари иже о себѣ соѹть прѣбъıвъше ѿ дьнии адамовъ· до десѧти родъ· до нои варъварьство же наречесѧ не ѿ тѣхъ чл҃вкъ· л. 249 b. | тъгда начальника· нѣкоıего имѣти· или ıедино съглашениıе· нъ ꙗко же вьсѧкъ· кто себѣ съглашааше· и законъ себѣ по произволѣнию своıего съвѣта бъıвааше·

α'. Βαρβαρισμός, ὅστις[1] καθ' ἑαυτὸν[2] διήρκεσεν[3] ἀπὸ ἡμερῶν τοῦ Ἀδὰμ ἐπὶ δέκα γενεὰς ἕως τοῦ Νῶε. βαρβαρισμὸς δὲ[4] κέκληται ἀπὸ τοῦ[5] τοὺς μὴ τότε ἀνθρώπους ἀρχηγόν τινα ἔχειν ἢ μίαν συμφωνίαν, ἀλλ' ὅτι πᾶς τις ἑαυτῷ ἐστοίχει καὶ νόμος ἑαυτῷ κατὰ τὴν προτίμησιν τοῦ ἰδίου βουλήματος ἐγίνετο.

в҃· Скѹ̈даньство· ѿ дн҃ии ноıевъ·[4] и прочеıе до съзьданиꙗ стълпа· и вавилона· по врѣмени[5] стълпа· по мъноѕѣхъ лѣтѣхъ· сирѣчь до ѳалека и рагава· иже къ европинскоѹ[6] мѣстоѹ· прѣклоньшеисѧ на скиѳинскоѹю[7] страноѹ· и своими объıчаи· изволиша ѿ ѕвѣриньıꙗ[8] възрасти· и проче·[9] ѿнюдоѹ же и ѳрачане бъıша·

β'. Σκυθισμὸς ἀπὸ τῶν ἡμερῶν τοῦ Νῶε καὶ μετέπειτα ἄχρι τῆς τοῦ πύργου οἰκοδομῆς καὶ Βαβυλῶνος καὶ μετὰ τὸν τοῦ πύργου χρόνον ἐπ' ὀλίγοις ἔτεσι, τουτέστιν ἕως Φάλεκ καὶ Ῥαγαῦ, οἵτινες ἐπὶ τὸ τῆς Εὐρώπης κλίμα ἐκνενευκότες[6] τῷ τῆς Σκυθίας μέρει καὶ τοῖς ἑαυτῶν ἔθεσι προσεκλήθησαν[7] ἀπὸ τῆς τοῦ Θήρας[8] ἡλικίας καὶ ἐπέκεινα, ἐξ οὗπερ οἱ Θρᾷκες γεγόνασιν.

---

1) *У проп. все сочиненіе Епифанія Кипрскаго о ересяхъ.* 2) коѹпрениѕкаго *II.* 3) *C in m.* к҃є. 4) *cod. конечное* ъ *переправл. изъ* о. 5) временїи *II;* в³рѣни *C.* 6) ефропїнскѹ *C.* 7) кенѳїнскѹю *C.* 8) звирѣныꙗ *C.* 9) прочеє *C.*

* Въ составъ PV и Vallicell. F 47 трактатъ Епифанія Кипрскаго о ересяхъ не входитъ. Текстъ взятъ изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 186ᵃ—200ᵇ. Варіанты приведены изъ Barocc. 173 л. 133ᵃ—150ᵃ (= B_1) и Barocc. 185 л. 288ᵃ—304ᵃ (= B_2).

1) ἥτις B_1 B_2. 2) ἑαυτήν B_1 B_2. 3) ἐστὶν διαρκέσασα B_1 B_2 (вм. διήρκεσεν). 4) δὲ проп. B_1 B_2. 5) τοῦ проп. B_1 B_2. 6) εἰσνενευκότες B_1 B_2. 7) προσεκρίθησαν B_1 B_3. 8) Θῆρας B_1 B_2.

г҃· Єлиньство ѿ лѣтъ сероуга·[1] начьнъ коумирослоужениꙗ· ꙗко же творꙗахоу къждо· тъгда по нѣкоемоу бѣсобоꙗнию на жительнѣѥ паче· и на обычаꙗ[2] оуставы· идолы оубо начинающе· прилагати[3] къ ч҃лвчьскоу[4] родоу· имьже тъгда творꙗахоу б[ог]ы[5] наричающе· и вапы пишюще· испьрва· и въображающе тъгда ѿ нихъ· почитаѥмыꙗ моучителꙗ· или вълшьвьникы·[6] или нѣкыꙗ чьто творꙗща· въ житии·[7] памꙗти мьнимоѥ достоино· обиловати· или тѣлесьномъ[8] съдравиѥ[9] сихъ же по лѣтѣхъ· ѳары оц҃ꙗ авраамлꙗ· капища льсть· коумирослоужениꙗ· съказавъше своꙗ прадѣды· въображении почьтъша· и[10] прѣже | ихъ[11] оумьршаꙗ· съдѣлавъше ѿ скоудѣльныꙗ хытрости пьрвѣѥ·[12] потомь коѥиждо[13] хытрости· оуподобльшиса зиждителеѥ оубо[14] камень строужюще· срѣбродѣлательници же и златареве·[15] ѿ своѥꙗ вещи коующе тако и ковачеве· и прочии[16] егѵптꙗне же въкоупь· и вавилонꙗне· и фругиꙗне· и ѳиникии таковыимь слоужениѥмь· пьрвии[17] съказателеѥ[18] быша капищетворении· и таинами·

γ'. Ἑλληνισμός, ἀπὸ τῶν χρόνων Σεροὺγ ἐναρξάμενος τῆς εἰδωλολατρείας καὶ ὡς ἐστοίχουν ἕκαστος τὸ τηνικαῦτα κατά τινα δεισιδαιμονίαν. ἐπὶ τὸ μάλιστα πολιτικώτερον καὶ ἐπὶ ἔθη καὶ θεσμοὺς εἰδώλων ἐναρξάμενα[1] τάττεσθαι τὰ τῶν ἀνθρώπων γένη, οἷς τότε ἐστοίχησαν, ἐθεοποίουν· καὶ διὰ μὲν χρώματων διαγράφοντες τὴν ἀρχὴν καὶ ἀπεικάζοντες τοὺς τότε παρ' αὐτοῖς τετιμημένους τυράννους, ἢ γόητας, ἤ τινάς τι δράσαντας ἐν βίῳ μνήμης δοκοῦν ἄξιον διαρκεῖν,[2] ἢ σωμάτων εὐρωστίαν· ἔπειτα δὲ ἀπὸ τῶν χρόνων τοῦ Θάῤῥα πατρὸς Ἀβραὰμ καὶ δι' ἀγαλμάτων τὴν πλάνην τῆς εἰδωλολατρείας εἰσηγησάμενοι, τοὺς ἑαυτῶν προπάτορας δι' ἀπεικονισμάτων τετιμηκότες καὶ τοὺς πρὸ ἑαυτῶν τετελευτηκότας τεχνησάμενοι ἐκ κεραμεικῆς ἐπιστήμης τὸ πρῶτον. ἔπειτα ἑκάστης τέχνης μιμησαμένης οἰκοδόμοι μὲν λίθον ξέσαντες, ἀργυροκόποι δὲ καὶ χρυσοχόοι ἀπὸ τῆς ἰδίας ὕλης τεκτηνάμενοι, οὕτω καὶ τέκτονες καὶ οἱ καθεξῆς· Αἰγύπτιοι δὲ ὁμοῦ καὶ Βαβυλώνιοι καὶ Φρύγες καὶ Φοίνικες ταύτησὶ τῆς θρησκείας πρῶτοι εἰσηγηταὶ γεγόνασιν ἀγαλματοποιΐαις καὶ μυστηρίοις,

л. 250 а.

1) серѹха *С.* 2) и *вставл. П.* 3) прилалагати *С.* 4) ч҃лкьскомѹ *С.* 5) *исправл. по П.* 6) вълшебника *П.* 7) жі́тии *П*; или нѣкыꙗ чьто творꙗща· въ житии *проп. С.* 8) тѣлѣсемь *С.* 9) *cod. переправл.* а *изъ* ꙗ, *а передъ* сихъ *выскобл. 2—3 буквы и* +. 10) и *проп. С.* 11) сі́ *С.* 12) первоѥ *С.* 13) коеждо *С.* 14) вико *С, но* ви *переправл. въ* оу. 15) златареви *П.* 16) прочи *С.* 17) перви *С.* 18) сказатели *С.*

1) μέντοιγε вставл. B_1 B_2. 2) δι' ἀλχὴν B_1 B_2.

ѿ нихъже пьрваꙗ въ елины принесены быша· отъ атичьскыꙗ въздрасти и прочеѥ· по семь же и послѣ же мъного·[1] о кронѣ и ꙗрѣи· диꙗ же· и аполона·[2] и прочеѥ[3] богы нарекоша· елини же нарекошасѧ· ѿ елина нѣкоѥго моужа· въ еладѣ живоущиихъ· ꙗко же дроузии[4] рѣша· ѿ маслицѧ и[5] иже въ адинѣхъ прозѧбъши·[6] иони же сихъ начальницѧ быша· ꙗко же[7] имать извѣщениѥ· ѿ иоюѧ·[8] ѥдиного моужа· стълпъ зьдавъшиихъ· ѥгда ꙗзыци раздѣлишасѧ вьсѣхъ· ѥюже виною· раздѣльници вьси нарекошасѧ· раздѣлѥнаго ради гласа· послѣдь же елиньство· въ ересоу постоупи въ нижьниѥ лѣто· рекоу же пифагорѧнъ· и стоикъ· и платониꙗнъ· и епикоурии·[9] и прочеѥ б҃очьстиꙗ образъ бѧаше въкоупь· и по ѥстьствоу законъ живаꙗ· ѿ тѣ|хъ (л. 250 b.) ꙗзыкъ себѣ ѿлоучаꙗ· ѿ съложениꙗ мира и до сьде саи· варъварьство и скифьство· и елиньство· донъдеже съкоуписѧ[10] аврамово б҃очьстиѥ·

д҃· **Июдѣиство** ѿ лѣтъ аврамль· образъ и обрѣзаниѥ приимъ· и о мосѣи· седмомоу ѿ аврама· поданаго ради закона ѿ

ἀφ' ὧν τὰ πρῶτα εἰς Ἕλληνας μετηνέχθη ἀπὸ τῆς Κέκροπος[1] ἡλικίας καὶ καθεξῆς, μετέπειτα δὲ καὶ ὑστέρῳ πολὺ τοὺς[2] περὶ Κρόνον καὶ Ἄρεα, Δΐα τε καθεξῆς καὶ Ἀπόλλωνα θεοὺς ἀναγορεύσαντες. Ἕλληνες δὲ κέκληνται ἀπὸ Ἕλληνός[3] τινος ἀνδρὸς τῶν ἐν τῇ Ἑλλάδι κατῳκηκότων, ὡς δὲ ἕτεροί φασιν, ἀπὸ τῆς ἐλαίας τῆς ἐν Ἀθήναις βλαστησάσης· Ἴωνες δὲ τούτων ἀρ-(л. 186b)χηγοὶ γεγένηνται, ὡς ἔχει ἡ ἀκρίβεια ἀπὸ[4] τοῦ Ἰωΰα, ἑνὸς ἀνδρὸς τῶν τὸν πύργον οἰκοδομησάντων, ὅτε αἱ γλῶσσαι διεμερίσθησαν τῶν πάντων· δι' ἣν αἰτίαν καὶ Μέροπες πάντες κέκληνται διὰ τὴν μεμερισμένην φωνήν. ὕστερον δὲ ὁ ἑλληνισμὸς εἰς αἱρέσεις κατέστη κατωτέρῳ τῷ χρόνῳ, φημὶ δὴ Πυθαγορείων καὶ Στωϊκῶν καὶ Πλατωνικῶν καὶ Ἐπικουρίων, [καὶ λοιπῶν. θεοσεβείας χαρακτὴρ ὑπῆρχεν ἅμα καὶ ὁ κατὰ φύσιν νόμος πολιτευόμενος ἀπὸ τούτων τῶν ἐθνῶν ἑαυτῶν ἀφορίζων ἀπὸ τῆς τοῦ κόσμου καταβολῆς καὶ δεῦρο τυγχάνων βαρβαρισμοῦ καὶ σκυθισμοῦ καὶ ἑλληνισμοῦ],[5] ἕως οὗ συνήφθη ἡ τοῦ Ἀβραὰμ θεοσέβεια.

δ'. Ἰουδαϊσμός, ἀπὸ τῶν χρόνων Ἀβραὰμ τὸν χαρακτῆρα διὰ περιτομῆς εἰληφὼς καὶ ἐν Μωσῇ ἑβδόμῳ ἀπὸ Ἀβραὰμ διὰ τοῦ δοθέντος νόμου ὑπὸ

1) мно *П.* 2) аполонѣ *С.* 3) прочаꙗ *С.* 4) дрѫѕи *ПС.* 5) и *проп. С.* 6) прозѧбшїи *П.* 7) же *проп. П.* 8) ноꙗ *С.* 9) епискѫрїи *П.* 10) совокѹпи *С.*

1) Κεκρόπου B_1 B_2. 2) τοῦ B_1 B_2. 3) Ἑλένου B_1 B_2. 4) ἀπὸ вставл. B_1. 5) въ прямыхъ скобкахъ вставка изъ B_1 B_2.

б҃а писана· ѿ июды же четвьртаго с҃на иꙗковлꙗ· нареченааго из҃лꙗ· д҃вдъмь пьрвоѥ ц҃рьствовавъша·[1] ѿ того же июды колѣна· коньчьноѥ июдѣиства имѧ нареченоѥ· ꙗвѣ о сихъ четырьхъ[2] ересьхъ· ап҃лъ проповѣдаꙗ рече· о х҃ѣ і҃сѣ ни варваръ· ни скуфѧнинъ· ни ѥлинъ· ни жидовинъ· нъ нова тварь·

е҃· Пифагарѧне·[3] рекъше ходильници· и[4] ѥдиньство и промꙑслъ· и ѥже възбранꙗть жьрети[5] соуцинимъ б҃гъ· пифагоры проповѣда д҃шевьнъихъ же не въкоушати· ѿ вина же въздьржатисѧ· раздѣлꙗаше[6] же коупьно ꙗже ѿ лоуны[7] и вꙑше· бесъмьртьнаꙗ г҃лꙗ дольнꙗꙗ же съмьртьна· прѣвраштениꙗ же съмьртьна·[8] д҃шь и тѣлесъ· въ тѣлеса· ѿ животьнъихъ и[9] до дробьнааго живота· мълчаниѥ же въкоупь· имѣти за пѧть лѣтъ г҃лаше· коньчьниѥ[10] же себе б҃мь прозъва·

ѕ҃· Платонъци· б҃а и вещь и видъ· и миръ рожденъ и тьлѣньнъ соущь рекоша· д҃шю же неро|женоу и бесъмьртьноу· и б҃жьствьноу[11] бꙑти же и трьмъ частьмъ· словесьно[12]

τοῦ θεοῦ γραφείς, ἀπὸ δὲ τοῦ Ἰούδα, τετάρτου υἱοῦ τοῦ Ἰακὼβ τοῦ ἐπικληθέντος[1] Ἰσραήλ, διὰ Δαυὶδ τοῦ πρώτου βασιλεύσαντος ἀπὸ τῆς τοῦ αὐτοῦ Ἰούδα φυλῆς τὸ τέλεον[2] τοῦ ἰουδαϊσμοῦ ὀνόματος κεκληρωμένος. σαφῶς περὶ τούτων τῶν αἱρέσεων τῶν τεσσάρων[3] ὁ ἀπόστολος ἐπιστέλλων ἔφη· Ἐν γὰρ Χριστῷ Ἰησοῦ οὐ βάρβαρος, οὐ Σκύθης, οὐχ Ἕλλην, οὐκ Ἰουδαῖος, ἀλλὰ καινὴ κτίσις.

ε'. Πυθαγορικοὶ[4] ἤτοι Περιπατητικοί. τὴν μονάδα καὶ πρόνοιαν καὶ τὸ κωλύειν θύεσθαι τοῖς δῆθεν θεοῖς Πυθαγόρας ἐδογμάτισεν, ἐμψύχων τε μὴ μεταλαμβάνειν, ἀπὸ τοῦ οἴνου δὲ ἐγκρατεύεσθαι· διώριζε δὲ ἅμα τὰ ἀπὸ σελήνης καὶ ἄνω ἀθάνατα λέγων, τὰ δὲ ὑποκάτω θνητά, μεταγγισμοὺς δὲ ψυχῶν ἀπὸ σωμάτων εἰς σώματα ἄχρι ζῴων καὶ κνωδάλων· σιωπὴν δὲ ἅμα ἀσκεῖν ἐπὶ χρόνους[5] πέντε ἐδίδασκε· τελευταῖον δὲ ἑαυτὸν θεὸν ὠνόμαζεν.

ς'. Πλατωνικοί. θεὸν καὶ ὕλην καὶ εἶδος καὶ τὸν κόσμον γενητὸν καὶ φθαρτὸν ὑπάρχειν, τὴν δὲ ψυχὴν ἀγέ- л. 251 а.
νητον καὶ ἀθάνατον καὶ θείαν· εἶναι δὲ αὐτῆς[6] τρία μέρη, λογιστικὸν

1) ц҃рьствовавша *ПС*. 2) *cod. переправл.* ь *изъ* ε. 3) Пифагорꙗне *СП*. 4) и *проп. С*. 5) *cod. переправл.* ь *изъ* ε; жретїи *П*. 6) раз҃дѣлꙗшаше *П*. 7) ѿлꙋчены *С* (*вм.* ѿ лоуны). 8) смртнаꙗ *С*. 9) и *проп. П*. 10) конечное *С*. 11) *cod. переправл.* ь (*послѣ* к) *изъ* о. 12) словесно *ПС*.

1) ἐπιβληθέντος B_1. 2) τέλειον B_1 B_2. 3) τῶν τεσσάρων αἱρέσεων B_1 B_2. 4) Πυθαγόριοι B_1 B_2. 5) χρόνων B_1 B_2. 6) καὶ вставл. B_1 B_2.

ꙗрость[1] ꙗростьно· и похотьно· женамъ же обьщамъ бꙑти вьсѣмъ· и ни ѥдиномоу же подроужиꙗ· ѥдиного имѣти[2] своѥго· нъ хотѧщимъ съ хотѧщими съкоупꙗтисѧ·[3] обращениѥ тако же д҃шамъ въ тѣлеса· до дрѣвьнаго живота· вькоупь же и богꙑ мъногꙑ· ѿ ѥдиного проповѣдаша·

з҃· Стоици тѣло вьсѧко· проповѣдающе· и чювьствьнꙑи съ[4] миръ· б҃а мьнѧще нѣции же ѿ огньнааго[5] соущьства· ѥстьство ѥмоу имѣти съказаша· и б҃а оубо оумъ заповѣдають и[6] ꙗ҃ко д҃шю·[7] всѧкоꙗ[8] соущаꙗ широтꙑ н҃бснꙑꙗ· тѣло же ѥго вьсе ꙗко же рекохъ· и очи свѣтилѣ·[9] плъти же всѣхъ погꙑбноути· и д҃ши вьсѣхъ· обращатисѧ ѿ тѣлесе въ тѣлѣ·

и҃· Єпикоурии·[10] непрѣсѣкома же и неразд ѣльна тѣлеса· подобьночастьна же и неискоусьно начало бꙑти·[11] вьсѣхъ поставиша· и коньцю бꙑти· б҃атьства[12] сласть· повелѣша· да ни б҃оу ни промꙑслоу вещи строити·

ѳ҃· Самарѣиство· и отъ того самарѧне· се ѥсть ѿ июдѣи·[13] прѣже оуставлѥнꙑꙗ ереси въ

θυμικὸν ἐπιθυμητικόν,[1] τάς τε γυναῖκας κοινὰς τοῖς πᾶσι γίνεσθαι, καὶ μηδένα γαμετὴν μίαν ἔχειν ἰδίαν, ἀλλὰ τοὺς θέλοντας ταῖς βουλομέναις συνεῖναι· μεταγγισμὸν δὲ ὡσαύτως ψυχῶν εἰς σώματα ἄχρι κνωδάλων, ὁμοῦ δὲ καὶ θεοὺς πολλοὺς ἐκ τοῦ ἑνὸς ἐδογμάτισεν.

ζ′. Στωϊκοί, σῶμα τὸ πᾶν δογματίζοντες καὶ τὸν αἰσθητὸν τοῦτον κόσμον θεὸν νομίζοντες· τινὲς δὲ ἐκ τῆς τοῦ πυρὸς οὐσίας τὴν φύσιν ἔχειν αὐτὸν ἀπεφήναντο. καὶ τὸν μὲν θεὸν νοῦν ὁρίζουσι καὶ ὡς ψυχὴν[2] παντὸς τοῦ ὄντος κύτους οὐρανοῦ καὶ γῆς· σῶμα δὲ αὐτοῦ τὸ πᾶν, ὡς ἔφην, καὶ ὀφθαλμοὺς τοὺς φωστῆρας· τὴν δὲ σάρκα πάντων ἀπόλλυσθαι καὶ τὴν ψυχὴν πάντων μεταγγίζεσθαι ἀπὸ σωμάτων εἰς σώματα.[3]

(л. 187ª) η′. Ἐπικούριοι ἄτομά τε καὶ ἀμερῆ σώματα, ὁμοιομερῆ τε καὶ ἄπειρα, τὴν ἀρχὴν εἶναι τῶν πάντων ὑπεστήσαντο,[4] καὶ τέλος εἶναι εὐδαιμονίας τὴν ἡδονὴν ἐδογμάτισαν, καὶ μήτε θεὸν μήτε πρόνοιαν τὰ πράγματα διοικεῖν.

θ′. Σαμαρειτισμὸς καὶ οἱ ἀπὸ τούτου Σαμαρεῖται. οὗτός ἐστιν[5] ἀπὸ Ἰουδαίων, πρὸ μὲν τοῦ καταστῆναι αἱρέσεις εἰς

1) ꙗрость *проп. П.* 2) всѣ҃и *вставл. С, по вычеркив.* 3) совокꙋплѧти҃с *С.* 4) сеи *С.* 5) огнꙗнаго *С.* 6) и *проп. С.* 7) д҃ши *П.* 8) всꙗкиꙗ *С.* 9) *сод. переправл.* в *изъ* т; свѣтлѣ *П.* 10) Єпикоріи *П;* Єпикꙋри *С.* 11) бытии *С.* 12) и *вставл. С.* 13) юдѣи *С надпис. надъ вычеркнутымъ* самарѣи.

1) ἐπιθημικὸν B_1. 2) τοῦ вставл. B_1 B_2. 3) σῶμα B_1 B_2. 4) ὑπεστήσατο B_1 B_2. 5) ἔστιν B_1.

елины· и прѣжде съставлєниꙗ ихъ велѣнии· по ѐлиньскомоу велѣнию· и срѣдѣ жидовьства ѿвѣтъ приимъше· ѿ лѣтъ навъходоно|сора· и жидовьскаго плѣнениꙗ· прѣходьници же бъıвъше· ѿ асоуриꙗ въ июдѣю· приимъше пентатехъ[1] мосѣовъ·[2] рекъше кънигы ветъхаго ꙁавѣта· и[3] црю[4] [пославшю ѿ вавѵлѡна жерцемъ][5] иꙁдрою[6] нарицаѥмъıимъ· вьсѧ имоуща ꙗко и жидове· обаче гноушатисѧ ꙗꙁыкъ· и ни прикасатисѧ никъıихъ[7] же· и[8] раꙁвѣ[9] ѿрицатисѧ мьртвъıихъ въскрьсению· и инѣхъ пророчьствъ[10] иже по[11] мосѣи·[12]

і· Горъдиранє· иже въ ина врѣмена· праꙁдьникы творѧще· и ѿ невусѣи·[13]

ıа· Иевоусѣи· тоꙗ же ради вины· праꙁдьникъ горъдианомъ подобѧщесѧ·

ıв· Исиианє никъıимъ же противѧщесѧ· съ соущиими же праꙁдьноующе[14] тако же·

ıг· Бо̄далвьци тѣми же обычаицѣми же и самарѧне живоуще·[15] обрѣꙁаниѥмь же и соуботою· и инѣми[16] приѥмлюще· и пентатевъхъмь·

"Ελληνας καὶ πρὸ τοῦ συστῆναι αὐτῶν τὰ[1] δόγματα, μετὰ δὲ τοῦ εἶναι Ἑλλήνων τὴν θρησκείαν καὶ μέσον τοῦ ἰουδαϊσμοῦ· πρόφασιν εἰληφὼς л. 251 b. ἀπὸ τῶν χρόνων Ναβουχοδονόσορ[2] καὶ τῆς τῶν Ἰουδαίων αἰχμαλωσίας· μέτοικοι δὲ ὄντες ἀπὸ Ἀσσυρίων εἰς τὴν Ἰουδαίαν καὶ λαβόντες Πεντάτευχον Μωϋσέως, τοῦ βασιλέως αὐτοῖς ἀποστείλαντος ἀπὸ Βαβυλῶνος διὰ ἱερέως Ἔσδρα καλουμένου, τὰ πάντα ἔχοντες ὡς Ἰουδαῖοι, πλὴν τοῦ βδελύττεσθαι τὰ ἔθνη καὶ μήτε προσψαύειν τινῶν, καὶ πλὴν τοῦ ἀρνεῖσθαι νεκρῶν ἀνάστασιν καὶ τὰς ἄλλας προφητείας τὰς μετὰ Μωϋσέα.

ι'. Γορθηνοί, οἱ ἄλλοις καιροῖς τὰς ἑορτὰς ἄγοντες παρὰ τοὺς Ἰεβουσαίους.

ια'. Ἰεβουσαῖοι, διὰ τὴν αὐτὴν αἰτίαν τῶν ἑορτῶν πρὸς τοὺς Γορθηνοὺς διαφερόμενοι.

ιβ'. Ἐσσηνοί,[3] μηδ' ὁποτέροις ἐναντιούμενοι, τοῖς δὲ παρατυγχάνουσι συνεορτάζοντες ἀδιαφόρως.

ιγ'. Δοσίθεοι,[4] τοῖς αὐτοῖς ἤθεσιν, οἷα δὴ Σαμαρεῖται, ἐμπολιτευόμενοι, περιτομῇ τε καὶ σαββάτῳ καὶ τοῖς ἄλλοις χρώμενοι καὶ τῇ Πεντατεύχῳ,

---

1) пантѣ *С.* 2) моисѣѣ *С.* 3) и *вставл. П.* 4) црю *ПС.* 5) *вставка изъ П.* 6) ездрою *П.* 7) никого *С, при чемъ* и *переправл. изъ* й. 8) и *проп. С.* 9) развѣе *С.* 10) пророчество *П.* 11) при *П.* 12) моисѣи *С.* 13) ієвоусѣ *П.* 14) празнидноующе *С.* 15) живоущии *С.* 16) иными *П.*

1) τὰ проп. B_1. 2) Ναβουχοδονόσωρ B_1 B_2. 3) Εἰσηνοὶ B_1 B_2. 4) in m. δοσσηνοί добавл. B_1 B_2.

лише же инѣхъ[1] хранѧще ѥже огрѣбатисѧ дш҃евьнъıхъ· тако же и въ дроугъıхъ· и въ пощенихъ же часто жити· имоуть же и дѣвьство нѣции· ѿ нихъ· въздьржать же сѧ дроузии· вѣроують же мьртвъıхъ въскрьсению· ѥже страньно[2] ѥсть грѣха·

і҃д·[3] Кънижьници· иже законьници оубо бѣша· и вътории прѣдании[4] ѿ нихъ старьць· лишьнимь самослоужениѥмь· обычаꙗ хранѧ- л. 252 а. |ще·[5] ихъже не законьномъ наоучишасѧ·[6] нъ себѣ въобразиша· слоужениꙗ оправьданиꙗ законоположениꙗ·

і҃е· Фарисеи съказаѥми ѿлоучени·[7] иже зълѣ[8] живоущеи· и инѣхъ[9] оубо искоусьнѣише· ѿ нихъже и мьртвъıхъ въскрьсениѥ ꙗко же и[10] ѿ кънижьникъ· и о аг҃гелѣхъ· и[11] ст҃ѣмь доусѣ· ꙗко ѥсть съложениѥ· житиѥ[12] различьно· въздьржаниѥ до лѣта ѥдиного· и дв҃ьство· пощениѥ же дъвократъ въ соуботы· чьваньць очищениꙗ·[13] и блюдъ и чашь· ꙗко же и кънижьници· десѧтинъ даꙗниꙗ· и начатъци· и частъıꙗ мл҃твы· и образи особьслоужении·[14] и одѣниꙗ·[15]

περισσότερον δὲ τῶν ἄλλων φυλάττοντες τὸ ἀπέχεσθαι ἐμψύχων, ὁμοίως καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις, καὶ ἐν νηστείαις δὲ συνεχέστατα[1] βιοῦντες·[2] ἔχουσι δὲ καὶ παρθενίαν τινὲς αὐτῶν, ἐγκρατεύονται δὲ ἄλλοι πιστεύουσί τε νεκρῶν ἀνάστασιν, ὅπερ ξένον ἐστὶν ἁμαρτίας.[3]

ιδʹ. Γραμματεῖς, οἵτινες νομικοὶ μὲν ἦσαν καὶ δευτερωταὶ παραδόσεων τῶν παρ' αὐτοῖς πρεσβυτέρων τῇ περισσοτέρᾳ ἐθελοθρησκείᾳ ἔθη φυλάττοντες, ἃ οὐ διὰ τοῦ νόμου μεμαθήκασιν, ἀλλ' ἑαυτοῖς ἐτύπωσαν σεβάσματα δικαιώματος τῆς νομοθεσίας.

ιεʹ. Φαρισαῖοι, οἱ ἑρμηνευόμενοι ἀφωρισμένοι, οἱ τὸ ἀκρότατον βιοῦντες καὶ δῆθεν τῶν ἄλλων δοκιμώτεροι· παρ' οἷς καὶ νεκρῶν ἀνάστασις, ὡς καὶ παρὰ τοῖς Γραμματεῦσι, καὶ ἡ περὶ ἀγγέλων καὶ πνεύματος ἁγίου ὅτι ἐστὶ[4] συγκατάθεσις, πολιτεία δὲ διάφορος· ἐγκράτεια ἕως χρόνου καὶ παρθενία, νηστεία δὲ δὶς τοῦ σαββάτου, ξεστῶν καθαρισμὸς[5] καὶ πινάκων καὶ ποτηρίων, ὡς καὶ τοῖς Γραμματεῦσιν·[6] ἀποδεκατώσεις τε καὶ ἀπαρχαὶ καὶ ἐνδελεχεῖς εὐχαί, καὶ σχήματα ἐθελοθρησκευτικὰ τῆς ἐνδυσίας

---

1) ины̏ *П.* 2) страстно *С.* 3) і҃д *проп. П.* 4) предани *С.* 5) хранꙗше *С*; *въ cod. подъ последней строкой л. 251ᵇ мелкимъ уставомъ запись писца:* офреме грѣшьніце что не помѧнеши дн҃е того како лѣнишисѧ. 6) наѹчивше̑ *С.* 7) *cod. перепр. ѡ изъ* и; ѿлоученіа *П.* 8) зѣлѡ *П.* 9) ины̏ *П.* 10) и *проп. С.* 11) о *проп. С.* 12) же *вставл. П.* 13) оцещенїа *С.* 14) особьслѹжении *С.* 15) одѣꙗньꙗ *С.*

1) συνεχέτατα B_1. 2) βιοῦν B_2; μιοῦν B_2. 3) Σαμαρεῖται B_1; Σαμαρείταις B_2. 4) ἔστι B_1 B_2. 5) καθαρισμοὺς B_1 B_2. 6) οἱ γραμματεῖς B_1 B_2.

ризами же рекъше одеждами· и раширениѥ [1] хранениꙗ· сирѣчь образъ вългърꙗници· [2] и подълъкъ и кълинъ· на крило одеждѧ юже си въ ѧхоу· [3] знамениꙗ же ѿ нихъ· до врѣмене въздьржаниꙗ· иже въвождаахоу рожениѥ· и полоучениѥ лѣта·

і҃ѕ· Садоукеи съказаѥми правьдьници· [4] иже ѿ рода оубо бѣша самарийска· въкоупь жьрьцѧ садоука [5] именьмь· мьртвъıихъ оубо въскрьсениꙗ· ѿмещющеса· и не приѥмлюще ангг҃ла ни дх҃а· по вьсемоу соуще [6] жидове·

і҃з· Вьсѧ дн҃и хрьстѧщиисѧ· по вьсемоу оубо [7] июдеи соуть· гл҃аахоу же· ни ѥдиномоу же живота вѣчьнаго полоучити· аще не по вьсѧ дн҃и [8] хрьстѧтьсѧ·

| і҃и· Осинꙗне· ѥже жестоци [9] съказаютьсѧ· бѣша же ти· по законоу бо [10] вьсѧ съвьршающе· творѧахоу же и писании· инѣми по законоу мъножаншаꙗ [11] же по сихъ· пррк҃ы ѿлагаахоу·

і҃ѳ· Насарѧне [12] съказаѥмии непокоривии· иже вьсѧкого плотоꙗдениꙗ· ѿмѣтаютьсѧ· доушевьнъıихъ же [5]

διά τε τῆς ἀμπεχόνης καὶ τῶν δελματικῶν, ἤγουν κολοβίων, καὶ τοῦ πλατυσμοῦ τῶν φυλακτηρίων, τουτέστι σημάτων τῆς πορ(л. 187b)φύρας [1] καὶ κρασπέδων καὶ ῥοΐσκων ἐπὶ τὰ πτερύγια τῆς ἀμπεχόνης, ἅτινα [2] ἐτύγχανε σημεῖα τῆς παρ' αὐτοῖς ἕως καιροῦ ἐγκρατείας. οἳ [3] καὶ παρεισέφερον γένεσιν καὶ εἱμαρμένην.

ις΄. Σαδδουκαῖοι, [4] οἱ ἑρμηνευόμενοι δικαιότατοι· οἳ ἐκ γένους μὲν ἦσαν Σαμαρειτῶν, ὁμοῦ [5] καὶ ἱερέως Σαδδοὺκ [6] ὀνόματι, νεκρῶν μὲν ἀνάστασιν ἀρνούμενοι καὶ μὴ παραδεχόμενοι ἄγγελον μήτε πνεῦμα, τὰ δὲ πάντα ὄντες Ἰουδαῖοι.

[ιζ΄.] Ἡμεροβαπτισταί, οἳ [7] μὲν κατὰ πάντα Ἰουδαῖοι ἦσαν, ἔφασκον δὲ μηδένα ζωῆς αἰωνίου τυγχάνειν, εἰ μή τι ἂν καθ' ἑκάστην ἡμέραν βαπτίζοιντο.

[ιη΄.] Ὀσσηνοί, οἱ δὴ ἰταμώτατοι ἑρμηνεύονται· ἦσαν δὲ οὗτοι κατὰ νόμον л. 252 b.
τὰ πάντα τελοῦντες, ἐχρῶντο δὲ καὶ γραφαῖς ἑτέραις κατὰ τὸν νόμον, τοὺς δὲ πλείους τῶν μετέπειτα προφητῶν ἀπέβαλλον. [8]

[ιθ΄.] Νασσαραῖοι, ἑρμηνευόμενοι ἀφηνιασταί· οἳ πᾶσαν σαρκοφαγίαν ἀπαγορεύουσιν, ἐμψύχων δὲ

1) разширѣнꙗ *C.* 2) вагрꙗница *C.* 3) бѣахоу *П.* 4) *cod.* а *по скобл.* 5) *cod. конечное* а *по скобл.*; садока *C.* 6) *cod. переправл.* ѥ *изъ* ь. 7) ꙗко *П.* 8) днїи *П.* 9) жестоцїи *П.* 10) ꙋбо *C.* 11) множанша *П.* 12) Назарꙗне *C.* 13) же *проп. C.*

1) προφύρας B_1. 2) ταῦτα вставл. B_1 B_2. 3) οἱ B_1. 4) Σαδουκαῖοι B_1 B_2. 5) ὁμοῦ проп. B_1 B_2. 6) Σαδοὺκ B_1 B_2. 7) οἱ B_1 B_2. 8) ἀπεβάλλοντο B_1 B_2.

ѿиноудъ[1] не приемлють· до мосѣа[2] же и[3] ис҃а[4] навгина· въ пентатаввси·[5] ст҃ыихъ имены патриархъ· сътѫжавъша· и вѣроующе аврамоу[6] исакоу и ıакоkоу· вꙑше же и томоу мосѣѡви·[7] и ароноу и[8] іис҃оу[9] писаниıа же пентатѣвъха· не мосѣовамъ бꙑти проповѣдають· ина же оу себѣ извѣщають имѣти·

к҃· Иродиıане· июдѣи бѣша по вьсемоу· и того рода имени· х҃воу ѿдаıати чьсть·

к҃а· Симониıане ѿ симона вълхва· при ап҃лѣ[10] петрѣ· вьси гитьскꙑıа самарѧньскꙑ· тъ ѿ самарıанъ грѧдѧаше· х҃во нарекъ си[11] имѧ тъкмо· оучаше же самотворию· съмѣшение скврънꙑ[12] несъблюдение тѣлесъ· ѿлагаıеть же въскрьсение· и мироу не бꙑти въскрьсению бж҃ию· гл҃еть· образъ же свои ıако диоселоу· и съ нимь елена блоудьницѧ· адиньскааго образа· своимъ оученикомъ прѣдаıаше на покланıание· гл҃аше себе самарѧнъмъ оц҃ѧ· июдѣомъ же х҃са·

к҃в· Менандриıане· ѿ того л. 253 а. же симона· менандрь|мь нѣкꙑимь начьнъше· подобѧще же сѧ къ

оὐδ᾽ ὅλως μεταλαμβάνουσιν· ἄχρι δὲ Μωϋσέως καὶ Ἰησοῦ τοῦ Ναυῆ τοῖς ἐν Πεντατεύχῳ ἁγίοις ὀνόμασι πατριαρχῶν κεχρημένοι[1] καὶ πιστεύοντες, φημὶ δὴ Ἀβραάμ,[2] Ἰσαάκ,[3] Ἰακὼβ καὶ τῶν ἀνωτάτω, καὶ αὐτοῦ Μωϋσέως καὶ Ἀαρὼν καὶ Ἰησοῦ· τὰς δὲ τῆς Πεντατεύχου γραφὰς οὐκ εἶναι Μωϋσέως δογματίζουσιν, ἄλλας δὲ παρ᾽ αὐτοῖς βεβαιοῦνται ἔχειν.

[κ΄.] Ἡρωδιανοὶ δὲ[4] Ἰουδαῖοι μὲν ἦσαν κατὰ πάντα, Ἡρώδην δὲ Χριστὸν προσεδόκων[5] καὶ αὐτῷ τὸ τοῦ Χριστοῦ ἀπεδίδουν γέρας καὶ ὄνομα.

[κα΄.] Σιμωνιανοί, οἱ ἀπὸ Σίμωνος τοῦ μάγου τοῦ ἐπὶ Πέτρου τοῦ ἀποστόλου κώμης Γιτθὼ τῆς Σαμαρείας. οὗτος ἀπὸ Σαμαρειτῶν ὡρμᾶτο, Χριστοῦ ὑποδὺς ὄνομα μόνον· ἐδίδασκε δὲ αἰσχροποιΐαν, μῖξιν μολυσμοῦ, ἀδιαφορίαν σωμάτων· ἀποβάλλεται δὲ τὴν ἀνάστασιν καὶ τὸν κόσμον μὴ εἶναι θεοῦ φάσκει, εἰκόνα δὲ ἑαυτοῦ[6] ὡς Διὸς καὶ τῆς σὺν αὐτῷ πόρνης ὀνόματι Ἑλένης Ἀθηνᾶς[7] τύπον τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς παρεδίδου εἰς προσκύνησιν. ἔλεγε δὲ ἑαυτὸν Σαμαρείταις μὲν τὸν πατέρα, Ἰουδαίοις δὲ τὸν Χριστόν.

[κβ΄.] Μενανδριανοί, οἱ ἀπὸ τούτου τοῦ Σίμωνος ἀπὸ[8] Μενάνδρου τινὸς[9] ἐναρξάμενοι, διαφερόμενοι δὲ πρὸς

1) ѿиноудоу *П.* 2) моисѣıа *С.* 3) и *проп. П.* 4) иѵса *С.* 5) пентѧтѣвси *П.* 6) и *вставл. С.* 7) моисѣеви *С.* 8) и *проп. П.* 9) иѵсѵ *С.* 10) ап҃лѣ *С.* 11) се *С.* 12) скверныи *П.*

1) κεκτημένοι B_1 B_2. 2) καὶ вставл. B_1 B_1. 3) καὶ вставл. B_1 B_2. 4) δὲ проп. B_1 B_2. 5) προσεδόκουν B_1 B_2. 6) αὐτοῦ B_1 B_1. 7) Ἀθήνας B_1 B_2. 8) διὰ B_1 B_2. 9) τινὸς проп. B_1 B_2.

симонянемъ·[1] по нѣчьсомоу· по нѣчьсомоу ѿ аггл҇ъ глаголахоу быти мироу·

кг҇· Сатоурънилиане· иже по сурии· симониняне·[2] държаще[3] самотвари· ина[4] же ѿ симонянъ· на оудивление лише· проповѣдающе ѿ сартольнила[5] же начало приимъ же·[6] и ти по менаньдроу· ѿ аггл҇ъ миръ быти гл҇юще[7] тъкъмо же семь[8] оч҇а[9] ради разоума·

кд҇· Василидиане· того же[10] срамодѣиства· съвръшителие ѿ василида· коупьно съ сартонилъмь·[11] и съ симонияны· и съ менандрияны·[12] наоучьшемъся[13] коупьно оубо съмыслящемъ·[14] по нѣчемоу же разньствоующемъся·[15] гл҇етъ бо· т҇· и· з҇· и· п҇· нб҇сомъ[16] быти· и еже авраcаксъ имени быти· т҇· з҇· е҇· и быти томоу ст҇оуоумоу имени рече·

ке҇· Никольници· ѿ николы· иже въ слоужьбоу ѿ ст҇ыихъ[17] ап҇лъ бъчиненааго· иже ревностию своего подроужия· срамодѣиство коупьно съ инѣми· съвършати[18] своя оученикы оучаше· и екавъла· кавьси· и

τοὺς Σιμωνιανοὺς κατά τι ὑπὸ ἀγγέλων ἔλεγον τὸν κόσμον γεγενῆσθαι.

[κγ′.] Σατορνιλιανοί, οἱ κατὰ τὴν Συρίαν τὴν τῶν Σιμωνιανῶν κρατοῦντες αἰσχρουργίαν, ἕτερα δὲ παρὰ τοὺς Σιμωνιανοὺς εἰς ἔκπληξιν περισσοτέραν κηρύττοντες, ἀπὸ δὲ Σατορνίλου τὴν ἀρχὴν ἐσχηκότες, καὶ αὐτοὶ κατὰ τὸν Μένανδρον ὑπὸ ἀγγέλων τὸν κόσμον γεγενῆσθαι φάσκοντες [, μόνων δὲ ἑπτὰ διὰ τὴν τοῦ πατρὸς γνώμην].[1]

(л. 188а) [κδ′.] Βασιλειδιανοὶ τῆς αὐτῆς αἰσχρουργίας τελεσταί· ἀπὸ Βασιλείδου,[2] τοῦ ἅμα Σατορνίλῳ καὶ τοῖς Σιμωνιανοῖς καὶ Μενανδριανοῖς μαθητευομένου, τὰ ὅμοια μὲν φρονοῦντος, κατά τι δὲ διαφερομένου· λέγει γὰρ τξε′ οὐρανοὺς εἶναι καὶ τὸ ἀβρασὰξ ὄνομα εἶναι τξε′, καὶ εἶναι τοῦτο ἅγιον ὄνομα φησίν.

[κε′.] Νικολαῗται, ἀπὸ Νικολάου τοῦ ἐπὶ ταῖς χρείαις ὑπὸ τῶν[3] ἀποστόλων ταχθέντος· ὃς διὰ ζῆλον τῆς ἰδίας γαμετῆς αἰσχρουργίαν ἅμα τοῖς ἄλλοις ἐπιτελεῖν τοὺς ἑαυτοῦ μαθητὰς ἐδίδασκεν,[4] καὶ περὶ τοῦ καυλακαὺχ καὶ

---

1) симоніанѡ С. 2) симонанане П; симонане С. 3) дръжащеи П. 4) ина П. 5) саторнила С. 6) приишее С (вм. приимъ же), но ше *переправл. въ ж.* 7) гл҇аще П. 8) сн҇ С. 9) оч҇а *cod.* 10) же *проп.* П. 11) саторнилѡ С. 12) менандріаны П. 13) наоучешимся ПС. 14) смыслящи С. 15) разнъствоующимся П. 16) нб҇се С. 17) ст҇ыи П, *но с переправл. изъ* а҇. 18) свершаше С; и *вставл.* П.

1) вставка изъ B_1 B_2. 2) Βασιλείδους B_1 B_2. 3) ἁγίων вставл. B_1 B_2. 4) ἐδίδασκων B_1 B_2.

проутоницн·[1] и инѣхъ[2] поганьскъıихъ именъ въвода въ мїръ·

кѕ· Разоумьници· иже тъıꙗ же ереси приимъше· паче же сихъ вьсѣхъ· срамотоу неистово дѣлающе· и дивионити· въ въıшьниихъ странахъ· сократане· ѿ л. 253 b. дроугъıихъ же зокъ|хѣане·[3] дроузии же холдиꙗнъı себѣ глїють· инии же скверьникъı себѣ нарицають· си варъвельмъ и верьмъ обладають·

кз· Плододьржьци·[4] иже ѿ плододьржьца нѣкоего· соущиихъ[5] въ асии·[6] сь оучаше вьсе срамодѣнство творити· и вьсе начинание грѣхъ·[7] и аще къто рече· не проидеть вьсѣхъ· и волю вьсѣхъ[8] бѣсовъ· и англъı сътворить· не можеть прѣвъзити въıшьнꙗаго нба[9] ни началъ ни властии прѣити· глаше же иисоусоу дшю мъıсльноу въсприꙗти· ведоущаꙗ же въ горьнꙗꙗ ѿсоудѣ възвѣщати· и аще къто сътворить подобьна[10] иисоу· на[11] того бъıти· законъ же сь въскрьсениемь мьртвъıихъ ѿмѣталаше·[12] ꙗко ѿ симона и до сьде ереса· того бъıсть въ римѣ маркелина·[13] иконоу[14] сътворивъ въ таи исвоу· и павьлоу и омировоу и пифагора· сиꙗ кадꙗаше[15] и покланꙗашеса·

προυτονίκα καὶ ἄλλων βαρβαρικῶν ὀνομάτων εἰσάγων τῷ κόσμῳ.

[κς'.] Γνωστικοί, οἱ τὰς αὐτὰς αἱρέσεις διαδεξάμενοι, πλέον δὲ τούτων πάντων τὴν αἰσχρότητα ἐκμανῶς[1] ἐργαζόμενοι, ἐν Αἰγύπτῳ δὲ Στρατιωτικοὶ καλούμενοι καὶ Φηβιωνῖται, ἐν δὲ τοῖς ἀνωτερικοῖς μέρεσι Σωκρατῖται, παρὰ δὲ ἑτέροις Ζακχαῖοι, ἄλλοι δὲ Χολδιανοὺς αὐτοὺς[2] [λέγουσιν, ἄλλοι δὲ Βορβορίτας αὐτοὺς][3] καλοῦσιν. οὗτοι τῆς[4] Βαρβελὼ καὶ τῆς[5] Βερὼ[6] ἄρχουσι.

[κζ'.] Καρποκρατιανοί, οἱ ἀπὸ Καρποκράτους[7] τινὸς τῶν ἐν τῇ Ἀσίᾳ. οὗτος ἐδίδασκε πᾶσαν αἰσχρουργίαν ἐκτελεῖν καὶ πᾶν ἐπιτήδευμα ἁμαρτίας· καὶ εἰ μή τις, φησί, διὰ πάντων παρέλθοι καὶ τὸ θέλημα πάντων δαιμόνων καὶ ἀγγέλων ἐκτελέσει, οὐ δυνήσεται ὑπερβῆναι τὸν ἀνώτατον οὐρανόν, οὐδὲ τὰς ἀρχὰς οὐδὲ τὰς ἐξουσίας παρελθεῖν· ἔλεγε δὲ τὸν Ἰησοῦν ψυχὴν νοερὰν εἰληφέναι, εἰδότα δὲ τὰ ἄνω ἐνταῦθα καταγγέλλειν· καὶ εἴ τις πράξειεν[8] ὅμοια τῷ Ἰησοῦ, κατ' αὐτὸν εἶναι· τόν τε νόμον σὺν τῇ τῶν νεκρῶν ἀναστάσει ἀπηγόρευεν, ὡς αἱ ἀπὸ Σίμωνος καὶ δεῦρο αἱρέσεις. τούτου γέγονεν ἐρωμένη[9] Μαρκελλῖνα. εἰκόνα δὲ ποιήσας ἐν κρυφῇ Ἰησοῦ καὶ Παύλου καὶ Ὁμήρου καὶ Πυθαγόρου,[10] ταύτας ἐθυμία καὶ προσεκύνει.

---

1) протоницн *П*; прѹтоници *С*. 2) инѣ *П*. 3) зольхѣане *ПС*. 4) Плодержци *С*. 5) тако же *вставл. С*. 6) сїанїи *С*. 7) *cod. надъ* х *есть* +; грѣха *П*. 8) всѣ *С*. 9) нбса *С*. 10) подобно *П*. 11) та *С*. 12) ѿмѣшаше *С*. 13) марколина *П*. 14) же *вставл. П*. 15) каламаше *С*.

1) ἐμμανῶς B_1 B_2. 2) αὐτὸς B_1. 3) вставка изъ B_1 B_2. 4) τὴν B_1 B_2. 5) τὴν B_1 B_2. 6) Βέρω B_1 B_2. 7) Καρποχράτου B_1 B_2. 8) πράξοιεν B_1 B_2. 9) ἐν Ῥώμῃ B_1 B_2. 10) Πυθαγόρα B_1 B_2 (B_2 переправл. изъ Πυθαγόρου).

[к҃и·] Кирьинфиꙗне· иже и мирьньфиꙗне· си ѿ киринъфа·[1] и миринъфа· июдѣи нѣции обрaзание[2] хвалѧще· ѿ аг҃лъ быти соущь иисоусоу[3] же по прѣспѣванию· х҃а·[4] нарицѧти гл҃аше·

[к҃ѳ·] Назорѣи же х҃а исповѣдають с҃на б҃жиꙗ по вьсемоу[5] же законоу живоуща·

[л҃·] Євионѣꙗне· близь соуще[6] прѣже реченыимъ· кърьньфиꙗне[7] и назорѣи· съкоупи же сѧ по | нѣчемоу[8] самъсинскыихъ· и елекесенскыихъ[9] ереса· иже х҃а рекоша· създано быти· на н҃бсі ст҃ыи д҃хъ· въшьдъша же х҃а въ адамъ·[10] и пакы въ врѣмъ[11] сходѧща·[12] тоже же рече· съвьршити ꙗмоу и въ плътьскѣꙗмь пришьствии·[13] иоудеи[14] же[15] соущеи· еваг҃лиꙗ приꙗмлють· плотоꙗдиꙗ же гноушаютьсѧ·[16] и водоу въ б҃а мѣсто имоуть· х҃са же чл҃вка въ плътьскѣмь ꙗго пришьствии облачена быти· ꙗко же рекохъ часто хрьстѧтьсѧ· въ водахъ· лѣто же и зимоу въ очищениꙗ[17] оубо· ꙗко же и самарите творѧть·

л҃а· Оувалентиꙗне· плъти оубо ѿмещють въскрьсениꙗ· ветъхыи же

1) и мирьньфиꙗне· си ѿ киринъфа *проп. С.* 2) ѡбрѣзаніє *П*; обрѣзаніа *С.* 3) иѵсѹ *С.* 4) рⷽа *вставл. С, но перечеркив.* 5) *cod. переправл.* о *изъ* ь. 6) *cod.* є *по скобл.* 7) кърин-фиꙗне *С.* 8) нѣ по чемѹ *С* (*вм.* по нѣчемоу). 9) елекенскынмъ *С.* 10) въ адамъ *вставл. С.* 11) *cod. надъ* ъ *есть* +; врѣⷨ *П*; врѣмѧ *С.* 12) исходѧща *П.* 13) и *вставл. С.* 14) іоудⷽи *С.* 15) же *проп. С.* 16) гнѹшаютсѧ *С.* 17) ѡчищеніє *С.*

[κη΄.] Κηρινθιανοί, οἱ καὶ Μηρινθιανοί. οὗτοι ἀπὸ Κηρίνθου[1] καὶ Μηρίνθου Ἰουδαῖοί τινες, τὴν περιτομὴν αὐχοῦντες, τὸν δὲ κόσμον ὑπὸ ἀγγέλων γεγενῆσθαι, Ἰησοῦν δὲ κατὰ προκοπὴν Χριστὸν κεκλῆσθαι ἔλεγον.[2]

[κθ΄.] Ναζωραῖοι, οἳ[3] Χριστὸν ὁμολογοῦσιν[4] υἱὸν θεοῦ, πάντα δὲ κατὰ νόμον πολιτευόμενοι.

[λ΄.] Ἐβιωναῖοι,[5] παραπλήσιοι τοῖς προειρημένοις Κηρινθιανοῖς καὶ Ναζωραίοις· συνήφθη δὲ κατά τι ἡ τῶν Σαμψαίων л. 254 a. καὶ Ἐλκεσσαίων αἵρεσις, οἳ Χριστόν φασιν ἐκτίσθαι ἐν τῷ οὐρανῷ καὶ τὸ ἅγιον πνεῦμα, ἐνδημήσαντά τε τὸν Χριστὸν ἐν τῷ Ἀδὰμ καὶ πάλιν κατὰ καιρὸν ἐνδυόμενον τὸ αὐτό φασιν[6] ἐπιτετελεκέναι αὐτὸν ἐν τῇ ἐνσάρκῳ αὐτοῦ παρουσίᾳ· Ἰουδαῖοι δὲ ὄντες εὐαγγελίοις κέχρηνται·[7] σαρ(л. 188[b])κοφαγίαν δὲ βδελύσσονται· τὸ ὕδωρ ἀντὶ θεοῦ ἔχουσι· τὸν δὲ Χριστὸν ἄνθρωπον ἐν τῇ ἐνσάρκῳ αὐτοῦ παρουσίᾳ ἐνδεδύσθαι, ὡς ἔφην· συνεχῶς βαπτίζονται ἐν τοῖς ὕδασι θέρους τε καὶ χειμῶνος εἰς ἁγνισμὸν δῆθεν, ὥσπερ οἱ Σαμαρεῖται.

[λα΄.] Οὐαλεντινιανοὶ σαρκὸς μὲν ἀπαγορεύουσιν ἀνάστασιν, Παλαιὰν δὲ

1) Κηρίνθων B_1 B_2. 2) ἔλεγεν B_1 B_2. 3) οἱ B_1 B_2. 4) Ἰησοῦν вставл. B_1 B_2. 5) γὰρ вставл. B_1 B_2. 6) φησιν B_1 B_2. 7) κέχηνται B_1.

ѿмѣтаюּть ꙁаконъ· и пророкꙑ чьтоуще· и єлико ино въ подобиѥ имоуть· въобраꙁити ересоу ихъ· приємлюще ина нѣкаꙗ баснословиꙗ· вьносѧть· л҃· вѣкъ· нарекениꙗ глѭще· моужьска полоу и женьска· полоу[1] въкоупь· ѿ оца вьсѣхъ· рожьшихъсѧ· ꙗко же и богꙑ мьнѧть· и вѣкꙑ х҃соу же съ нбсе имѣти плъть рѣша· и ꙗкꙑ[2] сквоꙁѣ троубоу· марию прошьдъша·

л҃в· Секоунъдиꙗне съ ними же съчетаѥтьсѧ епифании и[3] сидоръ· тѣми же приимѣше и ти съпрѧжени подобьнаꙗ· оуалентиане съмꙑслевъше· дроугаꙗ же ѿ нѥго нѣкаꙗ исповѣдающе· прилагають срамодѣнства· оучаще ѿричють[4] же сѧ и ти плъти·

л. 254 b. | л҃г· Потолемѣꙗне· и ти оученици соуще· оуалентиꙗна·[5] съ нимиже съпослѣдоуѥть флора·[6] сиꙗ же ѿ соупроугъ· и ти глють· ꙗко же и[7] оуалентиꙗне· и секоунъдиꙗне· по нѣчесомоу же и ти раꙁличиѥ[8] имоуть·

л҃д· Маркосиꙗне· марко нѣкъто бꙑсть· колоръваса оученикъ· дъвѣ началѣ и тъ вожааше· ѿмещють же мьртвꙑихъ въскрьсениѥ·[9] мьчьтаниꙗ же· нѣкаꙗ пива ради· ѿ вълъшьства·[10] чьрнꙑи обраꙁъ· и

ἀθετοῦσι Διαθήκην, καὶ προφήτας ἀναγινώσκοντες καὶ ὅσα ἄλλα εἰς ὁμοίωσιν δύνανται τροπολογεῖσθαι τῆς αὐτῶν αἱρέσεως δεχόμενοι, ἑτέρας τινὰς μυθολογίας παρεισφέρουσι, τριάκοντα αἰώνων ὀνομασίας λέγοντες, ἀῤῥενοθηλείας τε ὁμοῦ ἐκ τοῦ πατρὸς τῶν ὅλων γεγενημένους, οὓς καὶ θεοὺς ἡγοῦνται καὶ αἰῶνας, τὸν δὲ Χριστὸν ἀπὸ οὐρανοῦ ἐνηνοχέναι τὴν σάρκα καὶ ὡς διὰ σωλῆνος τῆς Μαρίας[1] διαπεπερακέναι.[2]

[λβ'.] Σεκουνδιανοί, οἷς συνάπτεται Ἐπιφάνις[3] καὶ Ἰσίδωρος, ταῖς αὐταῖς κεχρημένοι καὶ αὐτοὶ συζυγίαις, τὰ ὅμοια Οὐαλεντινιανῷ[4] πεφρονηκότες· ἕτερα δὲ παρ' αὐτὸν[5] ποσῶς διηγορευμένοι[6] προστιθέασι, τὰ τῆς αἰσχρουργίας διδάσκοντες. ἀπαγορεύουσι δὲ καὶ αὐτοὶ τὴν σάρκα.

[λγ'.] Πτολεμαῖοι, καὶ αὐτοὶ μαθηταὶ ὄντες Οὐαλεντινιανοῦ, οἷς συνέπεται ἡ Φλώρα· τὰ αὐτὰ δὲ περὶ τῶν συζυγιῶν καὶ οὗτοι λέγουσι, καθάπερ Οὐαλεντῖνοι καὶ Σεκουνδιανοί, κατά τι δὲ καὶ οὗτοι διαφέρονται.

[λδ'.] Μαρκοσαῖοι. Μάρκος τις γεγένηται Κολορβάσου συμφοιτητής, δύο ἀρχὰς καὶ οὗτος παρεισάγων· ἀθετεῖ δὲ νεκρῶν ἀνάστασιν· φαντασίας δέ τινας διὰ σκεπασμάτων[7] ἐξ ἐπαοιδῆς εἰς κυάνεον χρῶμα καὶ

1) и женьска· полоу *проп. С.* 2) и *вставл. П.* 3) и *проп. П.* 4) ѿричѧть *П.* 5) оуалентиане *С.* 6) фрола *С.* 7) и *проп. С.* 8) раꙁличенїе *С.* 9) въскрсенїа *С.* 10) вълъства *С.*

1) τὴν Μαρίαν B_2. 2) τὴν σάρκα καὶ ὡς διὰ σωλῆνος τῆς Μαρίας διαπεπερακέναι проп. B_1. 3) Ἐπιφάνιος B_1 B_2. 4) Οὐαλεντινιανοῦ B_1 B_2. 5) αὐτῶν B_1 B_2. 6) διηγούμενοι B_1 B_2. 7) κεπομάτων B_1 B_2.

въ чрьвліенъи прѣлагаѧ·[1] оучаашe прѣльщаieмъıꙗ женъı· и самъ же д҃· межю десѧтьма· стухиꙗ· хощеть вьсѧ мьнѣти· тако же оуваленитаноу·

л҃є· Колоръвасѣıане· и тъ колоръвасѣи· тако же таꙗ же съказаꙗ· по нѣчьсомоу. же[2] разньствꙋꙗ·[3] къ инѣмъ ересьмъ· рекоу же къ[4] марковоу· и къ оуалентиноу· прѣдъложениꙗ· и осмицѧ инако наоучи·

л҃ѕ· Иракліоните· и ти осмъıихъ носѧть· баснословиꙗ· творѧще инако отъ марка· и пътоломѣꙗ· и оуалентина· и ѿ инѣхъ· нъ и къ оумьртию· оумираюшаꙗ ѿ нихъ· тако же маркъмь крьстѧтьсѧ масломь· ѿ земліꙗ и ѿ водъı нареченія[5] нѣкаꙗ· жидовьскою рѣчью глще· надъ главою тоу крьстѧщаагосѧ·

л҃з· Змииници· соуть иже[6] змию славѧще и того х҃са мьнѧще· имоуще же родъмь· змию гадъ | въ съсоудѣ нѣкако·[7]

л҃и· Каиıане въкоупь съ <и>нѣми тако же законъ ѿмещющами ересами· и гл҃авъшааго въ законѣ· таꙗ же съмъıслѧть· плъти оубо въскрьсениꙗ ѿмещющесѧ· каина же славѧть глще и· крѣпъшаꙗ бъıти силъı· коупьно же[8]

πορφύρεον μεταβάλλων, ἐμυσταγώγει τὰς ἀπατωμένας γυναῖκας. καὶ αὐτὸς δὲ τῶν κδ' στοιχείων βούλεται[1] τὰ πάντα ἡγεῖσθαι[2] ὁμοίως Οὐαλεντίνῳ.[3]

[λε'.] Κολορβασαῖοι. καὶ οὗτος ὁ Κολορβασαῖος[4] ὡσαύτως τὰ αὐτὰ διηγούμενος, κατά τι δὲ διαφερόμενος πρὸς τὰς ἄλλας αἱρέσεις, φημὶ δὴ πρὸς τὰς περὶ Μάρκον καὶ Οὐαλεντῖνον, τὰς προσβολὰς καὶ ὀγδοάδας ἑτέρως ἐδίδαξεν.

[λς'.] Ἡρακλεωνῖται. καὶ οὗτοι τῇ τῶν ὀγδοάδων φέρονται μυθολογίᾳ, στοιχοῦντες ἑτέρως παρὰ τὸν Μάρκον καὶ Πτολεμαῖον καὶ Οὐαλεντῖνον καὶ τοὺς ἄλλους, ἀλλὰ καὶ πρὸς τῇ τελευτῇ τοὺς παρ' αὐτοῖς[5] τελευτῶντας ὁμοίως τῷ Μάρκῳ λυτροῦνται δι' ἐλαίου ἀπὸ βαλσάμου καὶ ὕδατος, ἐπικλήσεις τινὰς ἑβραϊκαῖς λέξεσιν ἐπιλέγοντες ἐπὶ τῇ κεφαλῇ τοῦ δῆθεν λυτρουμένου.

(л. 189[a]) [λζ'.] Ὀφῖται. Ὀφῖται εἰσιν οἱ τὸν ὄφιν δοξάζοντες καὶ τοῦτον Χριστὸν ἡγούμενοι, ἔχοντες δὲ φύσει ὄφιν л. 255 а.
τὸ ἑρπετὸν ἐν κίστῃ τινί.

[λη'.] Καϊανοί. Καϊανοὶ ἅμα ταῖς ἄλλαις ὡσαύτως ταῖς τὸν νόμον ἀθετούσαις αἱρέσεσι καὶ τὸν λαλήσαντα ἐν νόμῳ τὰ αὐτὰ φρονοῦσι, σαρκὸς μὲν ἀνάστασιν ἀρνούμενοι, τὸν δὲ Κάϊν δοξάζουσι, λέγοντες αὐτὸν εἶναι τῆς ἰσχυροτέρας[6] δυνάμεως, ἅμα δὲ

1) прилагаѧ *С.* 2) же *проп. П.* 3) *cod.* тв *вязью.* 4) къ *С.* 5) нареніа *С.* 6) же *С.* 7) никако *С.* 8) и *вставл. С.*

1) βούλεται τῶν κδ' στοιχείων B_1 B_2. 2) ἡγῆσθαι B_1. 3) Οὐαλεντίνῳ ὁμοίως B_1 B_2. 4) Κωλορβάσος B_1 B_2. 5) αὐτοὺς B_1 B_1. 6) τῆς ἰσχυροτέρας εἶναι B_1 B_2.

поудоу· бг҃отворѧть· въкоупь ѥже о корѣи· и дафанѣ· и авиронѣ· нъ и содомлꙗны·

л҃ѳ· Ѳифиꙗне· си пакы сифа славѧть гл҃ющеи быти ѿ вышьнꙗꙗ мт҃ре раскаꙗвъшисѧ· имиже о каинѣ [1] прѣдъизложи· посемь по ѿвьржении каина· и по оубитии авели· съшьдъшисѧ [2] съ вышьнимь оц҃ьмь· чисто сѣмѧ сифа сътворити· ѿ негоже оубо прочее· изведенъ бысть всѧкъ чл҃вчьскъ [3] родъ· и ти сами начала и власти· и ѥлико дроугыи повелѣвають·

м҃· Властельници· си пакы въ многы властелꙗ· вьсе възносѧть· и бывающаꙗ ѿ тѣхъ· быти гл҃ють· постигаѥми [4] бо соуть и о нечистотѣ нѣкоеи· пльти [5] же въскрьсениѥ [6] ѿмещють· и ветъхыи завѣтъ обалыгають· приѥмлють же ветъхыи и новыи завѣтъ коуюжьдо рѣчь· къ своѥмоу приводѧще·

м҃а· Приобрѣтьници· иже ѿ кърьдона· араклинискааго· приимъшаaго причащениѥ· [7] прѣльсти· прѣложьшю же [8] къ льсти· иже ѿ сурия въ | римъ (л. 255 b.) пришьдъ· проповѣданиѥ своѥ· повелѣ въ лѣтѣхъ [9] послѣ же· оугина еп҃па· дъвѣ же началѣ проповѣдаѥть противнѣ себѣ· не быти хр҃соу

καὶ τὸν Ἰούδαν ἐκθειάζουσιν, ὁμοῦ καὶ τοὺς περὶ Κορὲ καὶ Δαθὰν καὶ Ἀβειρών, ἀλλὰ καὶ τοὺς [1] Σοδομίτας.

[λθ′.] Σηθιανοί. οὗτοι πάλιν τὸν Σὴθ δοξάζουσι, φάσκοντες αὐτὸν εἶναι ἐκ τῆς ἄνω μητρός, μεταμεληθείσης ἐφ’ οἷς τοὺς περὶ Κάϊν προεβάλετο, εἶτα μετὰ τὸ [2] τὸν Κάϊν ἀποβληθῆναι καὶ τὸν Ἄβελ ἀποκτανθῆναι συνελθούσης τῷ ἄνω πατρὶ καθαρὸν σπέρμα τὸν Σὴθ ποιῆσαι, ἐξ οὗπερ λοιπὸν κατήχθη τὸ πᾶν ἀνθρώπων γένος· καὶ αὐτοὶ δὲ ἀρχὰς καὶ ἐξουσίας καὶ ὅσα οἱ ἄλλοι δογματίζουσιν.

[μ′.] Ἀρχοντικοί. οὗτοι πάλιν εἰς πολλοὺς ἄρχοντας τὸ πᾶν ἀναφέρουσι καὶ τὰ γενόμενα ἐκ τούτων γεγενῆσθαι λέγουσιν, ἁλίσκονται δὲ καὶ ἐπ’ αἰσχρότητί τινι· σαρκὸς δὲ ἀνάστασιν ἀθετοῦσιν καὶ Παλαιὰν Διαθήκην διαβάλλουσι, κέχρηνται δὲ Παλαιᾷ καὶ Νέᾳ Διαθήκῃ, ἑκάστην λέξιν πρὸς τὸν ἑαυτῶν [3] νοῦν μεθοδεύοντες.

[μα′.] Κερδωνιανοί [4] ἀπὸ Κέρδωνος τοῦ Ἡρακλεωνᾶ, [5] διαδεξαμένου [6] τὴν μετοχὴν τῆς πλάνης, προσθέντος δὲ τῇ ἀπάτῃ· ὃς ἀπὸ τῆς Συρίας εἰς τὴν Ῥώμην μεταστὰς τὸ κήρυγμα ἑαυτοῦ ἐξέθετο ἐν χρόνοις ὕστερον Ὑγίνου ἐπισκόπου. δύο δὲ ἀρχὰς κηρύττει οὗτος ἐναντίας ἀλλήλαις, μὴ εἶναι δὲ [7] τὸν Χριστὸν

---

1) ѡкаꙗнѣ C (*вм.* о каинѣ). 2) съшедшесѧ *П.* 3) члч҃кыи *ПС.* 4) постигаємь *П.* 5) плѡть *П.* 6) вскр҃ниꙗ *С.* 7) причащ҃ꙗ *С.* 8) же *проп. С.* 9) тѣ *П.*

1) αὐτοὺς B_1 B_2. 2) τὸ проп. B_1. 3) ἑαυτὸν B_1. 4) οἱ вставл. B_1 B_2. 5) Ἡρακλέωνα B_1 B_2. 6) δοξαζομένου B_1 B_2. 7) τε B_1 B_2.

роженоу· тако же и мьртвыихъ въскрьсениѥ· ѿмѣтаѥть и ветъхыи завѣтъ·

мв҃· Маркиане· маркионъ ѿ понта бѣаше еппа оубо сн҃ъ· растьли[въ][1] оубо[2] вьдовицю бѣжа· зане изгънаноу ѥмоу быти· ѿ своѥго оц҃а не цр҃къветъ[3] въшьдъ[4] въ римъ· посемь просивъ покаꙗниꙗ·[5] въ то врѣмꙙ оу игоуменъ цр҃квьныихъ· и не полоучивъ въздвижесꙙ на вѣроу· и проповѣдати[6] ти[7] три начала·[8] бл҃гоѥ и правьдьно[9] и зъло· быти же новоумоу завѣтоу· иножемоу ветъхаго· и гл҃авъшааго въ немь· тако же и ѿ того· маркиꙗне въскрьсениѥ пльти· ѿмещють въскрьсениѥ прѣдающе· не тъкмо ѥдино· нъ и двѣ и три· и по съгрѣшении за оумьршаꙗ же оглашеныꙗ· инии за нꙗ крьстꙙтьсꙙ·[10] ве страха же ѿ нихъ· и жены повелѣвають· баню абиѥ даѥть·

мг҃· Лукиꙗне·[11] лукиꙗнъ нѣкъто·[12] не ꙗко нынꙗ въ лѣта костꙙнтинавъвъ· нъ давьнии· вьсꙙ по маркиꙗноу проповѣда· къ симъ же и дроугаꙗ нѣкаꙗ· ѿ маркиꙗ· абиѥ повелѣваеть·

мд҃· Аполиане· и съ апелиꙗнъ подобьнаꙗ маркианоу и лукианоу·

γεννητόν· ὁμοίως τε νεκρῶν ἀνάστασιν ἀθετεῖ καὶ τὴν Παλαιὰν Διαθήκην.

[μβ΄.] Μαρκιωνισταί. Μαρκίων ἀπὸ Πόντου ὁρμώμενος, ἐπισκόπου μὲν υἱός, φθείρας δὲ παρθένον ἀπέδρα διὰ τὸ ἐξεωσθαι ὑπὸ τοῦ ἰδίου πατρὸς ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας. οὗτος ἀνελθὼν εἰς Ῥώμην, εἶτα αἰτήσας μετάνοιαν τοὺς κατ' ἐκεῖνο καιροῦ[1] ἡγουμένους τῆς ἐκκλησίας καὶ μὴ τυχών, ἐπήρθη κατὰ τῆς πίστεως καὶ ἐδογμάτισε τρεῖς ἀρχάς, ἀγαθὸν καὶ δίκαιον καὶ φαῦλον, εἶναί τε[2] τὴν Καινὴν Διαθήκην[3] ἀλλοτρίαν τῆς Παλαιᾶς καὶ τοῦ ἐν αὐτῇ λαλήσαντος· οὕτως[4] τε καὶ οἱ ἀπ' αὐτοῦ Μαρκιωνισταὶ ἀνάστασιν σαρκὸς ἀθετοῦσι, βάπτισμα διδόασιν[5] οὐ μόνον ἕν, ἀλλὰ καὶ δύο καὶ τρία μετὰ τὸ παραπεσεῖν. ὑπὲρ δὲ τῶν τεθνεώτων[6] κατηχουμένων ἄλλοι παρ' αὐτοῖς βαπτίζονται· ἀδεῶς δὲ παρ' αὐτοῖς[7] καὶ γυναῖκες ἐπιτρέπονται λουτρὸν δῆθεν διδόναι.

(л. 189[b]) [μγ΄.] Λουκιανισταί. Λουκιανός τις (οὐχ ὁ νῦν ἐν χρόνοις Κωνσταντίνου γενόμενος, ἀλλ' ἀρχαιότερος) πάντα κατὰ τὸν Μαρκίωνα ἐδογμάτισε, πρὸς δὲ τούτοις καὶ ἕτερά τινα παρὰ τὸν Μαρκίωνα δῆθεν δογματίζει.

[μδ΄.] Ἀπελλιανοί. καὶ οὗτος ὁ Ἀπελλῆς τὰ ὅμοια Μαρκίωνι καὶ Λουκιανῷ

---

1) *исправл. по П.* 2) во *П.* 3) тои *С.* 4) шⷣ *С.* 5) покаꙗниꙗ *С.* 6) пропов҇кда *П.* 7) ти *проп. ПС.* 8) и *вставл. С.* 9) правⷣ҇ное *С.* 10) крт҇ *С.* 11) Лоукїанане *П.* 12) нѣкто *С.*

1) κουροῦ B_1. 2) εἶναι τε проп. B_1 B_2. 3) διαθήκη B_1; εἶναι вставл. B_1 B_2. 4) οὗτος B_1 B_2. 5) διαδιδόασιν B_1 B_2. 6) καὶ вставл. B_1 B_2. 7) αὐτῆς B_1.

повелѣваѥть· оѕълоблıаѥть вьсе сътворениѥ· и сътворьшааго· не
л. 256 а. та|ко же тѣмъ три начала съказаваѥть·[1] нъ ѥдино оубо начало· ѥдиного б҃а соуща вышьнѧаго· и невъименена·[2] того же ѥдиного· сътворьша[3] и дроугомоу· и сь рече лоукавъ обрѣтъсѧ· сътвори своѥю ʒълобою миръ·

м҃е· Севирьıане· севиръ пакы· аполови въслѣдоуıа· вино ѿлагаѥ·[4] и лоʒоу ѿ ʒмиѥобраʒьно сотоноу· и ʒемлю васнью[5] бъıти· съшьдъшемъсѧ[6] дроугъ къ дроугоу· женъı же[7] ѿрицѧѥтьсѧ· лѣвыıа силы соущю·[8] имена же нѣкъıихъ кънѧʒь· и кънигы таинъııа прѣводить· тако же и дроугъıими· плъти въскрьсениѥ ѿмещеть· и ветъхъıи ʒавѣтъ·

м҃ѕ· Татиıане· татиıанъ съ· растѧаше съ иоустинъмь[9] мч҃никъмь· и философъмь· по съконьчании же[10] ст҃го иоустина·[11] осквьрнисѧ[12] проповѣданиѥмь· маркиıановъмь· и равьнаıа томоу повелѣ приложивъ и[13] дроугаıа ѿ него· гл҃аше бо ѿ межюрѣчьıа[14] бъıти ѥмоу·

м҃ʒ· Въʒдьржьници иже ѿлоучени[15] соуще татиıана· бракъ

δογματίζει· κακίζει τὴν πᾶσαν ποίησιν καὶ τὸν πεποιηκότα· οὐχ ὁμοίως δὲ τούτοις τρεῖς ἀρχὰς ὑφηγήσατο, ἀλλὰ μίαν μὲν ἀρχὴν καὶ ἕνα θεὸν ὄντα ἀνώτατον καὶ ἀκατονόμαστον, τοῦτον δὲ τὸν ἕνα πεποιηκέναι ἄλλον· καὶ οὗτος,[1] φησί,[2] πονηρὸς εὑρεθεὶς[3] ἐποίησε τῇ αὐτοῦ φαυλότητι τὸν κόσμον.

[με΄.] Σεβηριανοί. Σεβῆρος[4] πάλιν τῷ Ἀπελλῇ ἑπόμενος τὸν οἶνον ἀποβάλλεται καὶ τὴν ἄμπελον ἐκ τοῦ δρακοντοειδοῦς σατανᾶ καὶ γῆς μυθολογῶν[5] πεφυκέναι συνελθόντων ἀλλήλοις, γυναῖκα δὲ παραιτεῖται[6] ἀριστερᾶς δυνάμεως ὑπάρχειν· ὀνομασίας δέ τινων ἀρχόντων καὶ βίβλους ἀποκρύφους παράγει· ὁμοίως δὲ τοῖς ἄλλοις τῆς σαρκὸς ἀνάστασιν ἀθετεῖ καὶ Παλαιὰν Διαθήκην.

[μϛ΄.] Τατιανοί. Τατιανὸς οὗτος συνήκμαζεν[7] Ἰουστίνῳ τῷ μάρτυρι τῷ ἁγίῳ τῷ[8] καὶ φιλοσόφῳ· μετὰ δὲ τὴν τοῦ ἁγίου Ἰουστίνου τελευτὴν προσεφθάρη τοῖς τοῦ Μαρκίωνος δόγμασι καὶ ἴσα αὐτῷ ἐδογμάτισε, προσθεὶς καὶ ἕτερα παρ' ἐκεῖνον· ἔλεγε δὲ ἀπὸ Μεσοποταμίας ὁρμᾶσθαι.

[μζ΄.] Ἐγκρατῖται,[9] ἀπόσπασμα τυγχάνοντες Τατιανοῦ, τὸν γάμον

1) сказаеть *С.* 2) невоимена *С.* 3) сътворьшааго *П.* 4) ѿлагаеть *П.* 5) васно *П.* 6) съш҃ешимсѧ *П.* 7) *cod. выскобл. 1—2 буквы.* 8) *cod.* ю *по скобл. (вм.* и҃*?).* 9) ѹстиномъ *С.* 10) же *проп. П.* 11) ѹстина *С.* 12) осквернниша *С.* 13) и *проп. П.* 14) межю· рѣчие ѧ *П.* 15) ѿлѹченїи *С.*

1) οὗτως B_1 B_2. 2) ὁ вставл. B_1 B_2. 3) εὑρεθῆς B_1 B_2. 4) Σευηριανοί. Σευῆρος B_1 B_2; τις вставл. B_1 B_2. 5) μυθολὸν B_1 B_2. 6) φάσκων вставл. B_1 B_2. 7) συνήκμασεν B_1 B_2. 8) τῷ проп. B_1 B_2. 9) Ἐγκρατισταὶ B_1 B_2 и вставл. οἱ.

ѿлагають· сотонинъ сꙑ гл҃юще бꙑти· всего ѿрицающесѧ дш҃евьноѧдениѥ·[1]

м҃и· Иже по фригиꙗномъ·[2] и монътаномъ· и коловьртьцемъ· иже ветъхꙑи и новꙑи ʒавѣтъ приѥмлють· инꙑ же пр҃ркꙑ[3] въводѧть· монътана[4] нѣкоѥго хвалѧще· и прискилоу·[5]

| м҃ѳ· Попоуʒиꙗне·[6] иже и коунтилиꙗне съ ними· же съвъкоуплꙗютьсѧ· хлѣбосꙑрьници· ереси двѣ ѿ нихъ ѥста· въ[7] фригиꙗньхъ· дроугаꙗ же ѿ нихъ повелѣвають· пепоуʒоу[8] нѣкꙑи градъ поустъ посрѣдѣ галатъ· и каподокиꙗ·[9] и фругиꙗ· боготворѧще· и[10] авиѥ си иерс҃лмъ[11] мьнѧще· ѥсть же и ина попуʒа· женамъ же ѿдающе· ѥже начати и свѧщеньствовати· осквьрнѧють же нѣкаꙗ· пробадающе[12] младъ дѣтищь· игълами лютами· ꙗко же и фригиꙗне·[13] и кръвью ѥго моукоу съмѣшьше· и хлѣбъмь сътворьше приношениѥ приѥмлють· и авиѥ коуютилѣ·[14] и прискилѣ· х҃соу тамо въ попюʒѣ[15] ꙗвитисѧ· образъмь истинꙑ баснословѧть· приѥмлють же тако же ветъхꙑ[и] и новꙑи ʒавѣтъ· по своѥмоу оумоу прѣтварѧюще·[16]

ἀποβάλλονται, τοῦ σατανᾶ τοῦτον φάσκοντες εἶναι, πᾶσαν δὲ ἀπαγορεύοντες ἐμψυχοφαγίαν.

[μη'.] Φρυγασταὶ καὶ Μοντανισταὶ καὶ Τασκοδροῦγοι,[1] οἵτινες Παλαιὰν καὶ Καινὴν Διαθήκην δέχονται, ἑτέρους[2] προφήτας παρεισάγοντες, Μοντανόν τινα αὐχοῦντες καὶ Πρίσκιλλαν.

[μθ'.] Πεπουζιανοὶ οἱ[3] καὶ Κυντιλιανοί, л. 256 b.
οἷς συνάπτονται Ἀρτοτυρῖται· αἱρέσεις δύο ἐξ αὐτῶν μέν εἰσι τῶν Φρυγαστῶν,[4] ἕτερα δὲ παρ' ἐκείνους δογματίζουσι, Πέπουζάν[5] τινα πόλιν ἔρημον ἀνάμεσον[6] Γαλατίας καὶ Καππαδοκίας[7] καὶ Φρυγίας ἐκθειάζοντες καὶ δὴ ταύτην Ἱερουσαλὴμ ἡγούμενοι (ἔστι δὲ καὶ ἄλλη Πέπουζα[8]), γυναιξὶ δὲ ἀποδιδόντες τὸ ἄρχειν τε καὶ ἱερατεύειν· μυοῦνται[9] τινὰ[10] κατακεντοῦντες νέον παῖδα ῥαφίσι χαλεπαῖς, ὥσπερ οἱ Φρυγασταί,[11] καὶ τῷ αἵματι αὐτοῦ ἄλευρον φυράσαντες καὶ ἀρτοποιήσαντες προσφορὰν μεταλαμβάνουσι· καὶ δὴ τῇ Κυϊντίλλῃ ἢ Πρισκίλλῃ Χριστὸν ἐκεῖσε ἐν Πεπούζῃ ἀποκεκαλύφθαι ἐν εἴδει ἀληθείας μυθολογοῦσι· κέχρηνται δὲ ὡσαύτως Παλαιᾷ καὶ Καινῇ Διαθήκῃ κατὰ τὸν αὐτῶν νοῦν[12] μεταποιούμενοι.

---

1) д҃шеѧдениѥ *C.* 2) порфиніаномъ *C* (*вм.* по фригиꙗномъ). 3) и *вставл. П.* 4) монъта *C.* 5) прінскилꙋ *П.* 6) Попꙋ̈ʒане *C.* 7) оъ *П.* 8) непꙋʒꙋ *C.* 9) какоподокіа *C.* 10) и *проп. П.* 11) е҃рлмъ *П.* 12) пропадающе *C.* 13) фріане *C.* 14) кꙋтилѣ *C.* 15) пꙋʒѣ *C.* 16) претворѧюще *П.*

1) Οἱ Καταφρυγανιστῶν καὶ Μοντανιστῶν καὶ Τασχοδρουγιτῶν B_1 B_2. 2) τε вставл. B_1 B_2. 3) οἳ B_1 B_2. 4) Καταφρυγαστῶν B_1 B_2. 5) Πεπουζάν cod. B_1 B_2. 6) ἀναμέσον B_1 B_2. 7) Καπαδοκίας B_1 B_2. 8) Πεπουζὰ cod.; Πεπουζα $B_1 B_2$. 9) μυοῦντον B_1; δὲ вставл. B_1 B_2. 10) τινον B_1. 11) Καταφρυγαστῶν B_1 B_2. 12) νοῦν τὸν ἴδιον B_1 B_2 (вм. αὐτῶν νοῦν).

н҃· Четврронадесѧтьници·[1] сии въ юдинъ днь лѣта· пасхоу съвршающе· въ ньже къи аще днь боудеть лоуны четвьртоѥ на десѧте· рекъше въ соуботоу· ли въ недѣлю въ тоу же постѧщесѧ· и коупьно бъдѧще проводѧть·[2]

на҃· Бесловесьни·[3] ѿ насъ нарецени·[4] еуагглие ѿ иѡана ѿмѣтающе· и ѿкръвение[5] его· ꙁане пришьдъша ѿ оцѧ бжїа слова соуща присно не[6] приемлюще·

л. 257 а. | нв҃· Адамане· ѿ нѣкоѥго[7] адама жива соуща[8] нарицѧема· роуганиꙗ паче нежели истинꙑ повелѣние имоуть· бываѥть же нѣчьто таково· наꙁи събираютьсѧ ѿ мтре· моужи же и женꙑ въкоупь· и тако почитаниꙗ и млтвꙑ· и все ѥже аще творѧть· соущеи мьниси же и въꙁдьржащинсѧ· и брака не приемлюще· и свою црквь раи мьнѧть·

нг҃· Самописане· и ѥже олкесеи·[9] ѥще до сьде въ аравии живоуще выше мьртваго морѧ· соущаго же ѿ илькса нѣкоѥго лъживаго пророка прѣльщени·[10] иже ѿ сьде ѿ рода бѧше маръдоуса и маръфинꙑ· женѣ покланѧемѣ ѿ ересꙑ ꙗко ѿ бынѣ·[11] влиꙁь евионѣи вса имѹща·

1) Четвертонадесѧтницы *П.* 2) проходѧть *С.* 3) Бесловесніи *ПС.* 4) наре̑ніи *С.* 5) Ѿкровеніи *С.* 6) не *проп. С.* 7) Адамане· ѿ нѣкоѥго *проп. С.* 8) Адама живѹща *С* (*вм.* адама жива соуща), *при чемъ* жи *перепрaвл. изъ* не. 9) олкесіи *С.* 10) прѣльщеніи *ПС.* 11) бынѣ *П.*

(л. 190а) [ν'.] Τεσσαρεσκαιδεκατῖται.[1] οὗτοι μίαν ἡμέραν τοῦ ἐνιαυτοῦ τὸ πάσχα ἐκτελοῦντες, ἐν ὁποίᾳ ἂν ἡμέρᾳ ἐμπέσοι ἡ τῆς σελήνης τεσσαρεσκαιδεκάτη,[2] ἤτοι ἐν σαββάτῳ ἤτοι ἐν κυριακῇ, ἐκείνην τε νηστεύοντες καὶ ἅμα ἀγρυπνοῦντες[3] ἑορτάζουσι.

[να'.] Ἄλογοι ἀφ' ἡμῶν κληθέντες, οἱ τὸ εὐαγγέλιον τὸ κατὰ Ἰωάννην ἀθετοῦντες καὶ τὴν Ἀποκάλυψιν αὐτοῦ, διὰ τὸ τὸν ἐλθόντα ἐκ τοῦ πατρὸς θεὸν λόγον ὄντα ἀεὶ μὴ δέχεσθαι.

[νβ'.] Ἀδαμιανοὶ παρά τινος Ἀδὰμ ζῶντος καλουμένου· χλεύης μᾶλλον ἢ ἀληθείας τὸ δόγμα ἔχουσι· γίνεται δέ τι τοιοῦτον· γυμνοὶ συνάγονται ἐκ μητρὸς ἄνδρες καὶ γυναῖκες ἐπὶ τὸ αὐτό, καὶ οὕτως τὰς ἀναγνώσεις καὶ τὰς εὐχὰς καὶ πᾶν ὁτιοῦν ἐκτελοῦσι δῆθεν μονάζοντές τε καὶ ἐγκρατευόμενοι καὶ γάμον μὴ δεχόμενοι· τὴν ἑαυτῶν ἐκκλησίαν παράδεισον ἡγοῦνται.

[νγ'.] Σαμψαῖοι οἱ καὶ Ἐλκεσσαῖοι, ἔτι δεῦρο τὴν Ἀραβίαν κατοικοῦντες, καθύπερθεν τῆς Νεκρᾶς θαλάσσης κειμένην·[4] οἵτινες ἀπὸ τοῦ Ἤλξα τινὸς ψευδοπροφήτου ἠπατημένοι, οὗ[5] ἐκ τῆς συγγενείας ὑπῆρχε Μαρθοῦς καὶ Μαρθῖνα, γυναῖκες προσκυνούμεναι ὑπὸ τῆς αἱρέσεως ὡς θεαί. παραπλησίως τοῖς Ἐβιωναίοις[6] τὰ πάντα ἔχουσι.[7]

1) Τεσσαρισκαιδεκατῖται B_1 B_2. 2) τεσσαρισκαιδεκαταία B_1 B_2. 3) ἀγρυπνοῦντα B_1. 4) κειμένη B_1. 5) οὐετε B_1 B_2; δεῦρο вставл. B_1 B_2. 6) τῶν Αἰβιωναίων B_1 B_2. 7) ἔχοντες B_1 B_2.

н҃д· Фѣодотиıане· иже ѿ феодота· широкааго иже ѿ вӱзантиıа· тъ въ наказании елиньстѣмь ӟѣло бывъ· коупьно[1] же[2] съ инѣми·[3] въ дьни тъгда гонениıа· ѥдинъ ѿпадъ· моучивъшемъсѧ инѣмъ[4] б҃а ради· понеже оубо бѣжавъ поношенъ бꙑ· разоумѣ проста человѣка г҃лати христоса· ӟа прѣщение ıако[5] отъвьржесѧ·

н҃е· Мелхиседѣкѧне· си мелхиседѣка славѧще нѣкоую силоу ѥго г҃люще а не ч҃лвка[6] проста· и въ то имѧ· вьсѧ възводити же и г҃лати дьрьӟъша·[7]

[н҃ѕ·] Кардисиıане· кардисиıанъ сь· ѿ межюрѣчиıа бываше· пьрвоѥ оубо | ѿ истиньнъıꙗ[8] вѣрꙑ· и въ прѣмоудрости лѣпъ· и ѿклонивъсѧ истинꙑ·[9] вьӟь оуалентиıана· проповѣда развѣ къıихъ· иже подобитьсѧ оуалентиноу·

н҃ӡ· Разоумьници· разоумьникъ сь· ѿ ӟмурнꙑ[10] бѧше асиискъıа· на колесници[11] привеӟенъ[12] съ инѣми рече· с҃нъ оц҃ѧ· х҃са оучааше· томоу же быти· ѿ насъ оц҃ю и с҃ноу и с҃моу д҃хоу· себе же г҃лаше быти мосѣа[13] и своѥго брата[14] г҃лаше арона·

[νδʹ.] Θεοδοτιανοὶ οἱ ἀπὸ Θεοδότου τοῦ σκυτέως[1] ἀπὸ Βυζαντίου· οὗτος ἐν παιδείᾳ ἑλληνικῇ ἄκρος γενόμενος, ἅμα δὲ ἄλλοις τῶν ἐν ἡμέραις τοῦ τότε διωγμοῦ μόνος ἐκπεσών, μαρτυρησάντων ἐκείνων διὰ θεόν· ἐπειδὴ[2] οὗτος φυγὼν ὠνειδίσθη, ἐπενόησε ψιλὸν ἄνθρωπον λέγειν τὸν Χριστὸν διὰ τὸ ἔγκλημα, ὅτι ἠρνήσατο.

[νεʹ.] Μελχισεδεκιανοί, οὗτοι τὸν Μελχισεδὲκ γεραίροντες, τινὰ δύναμιν αὐτὸν φάσκοντες καὶ μὴ ἄνθρωπον ψιλόν, καὶ εἰς τὸ τούτου ὄνομα πάντα ἀνάγειν τε καὶ λέγειν τετολμηκότες.

[νϛʹ.] Βαρδισιανισταί. Βαρδισιάνης οὗτος ἐκ τῆς Μεσοποταμίας ὡρμᾶτο, τὰ
πρῶτα μὲν τῆς ἀληθινῆς πίστεως ὑπάρ- л. 257 b.
χων καὶ ἐν σοφίᾳ διαπρέπων, καὶ ἐκκλίνας τῆς ἀληθείας παραπλησίως Οὐαλεντίνῳ ἐδογμάτισε χωρὶς ἐνίων, ὧν διαφέρεται πρὸς Οὐαλεντῖνον.

[νζʹ.] Νοητιανοί. Νοητὸς οὗτος ἀπὸ Σμύρνης ὑπῆρχεν τῆς Ἀσίας, ἐφ' ἅρματι δὲ ἐνεχθεὶς σὺν ἄλλοις φησίν· υἱοπάτορα τὸν Χριστὸν ἐδίδαξε, τὸν αὐτὸν εἶναι εὐφημῶν[3] πατέρα καὶ υἱὸν καὶ ἅγιον πνεῦμα, ἑαυτὸν δὲ ἔλεγεν εἶναι Μωϋσέα, καὶ τὸν ἑαυτοῦ[4] ἀδελφὸν[5] Ἀαρών.

---

1) пнꙋ *С.* 2) и *вставл. С.* 3) нѣмиі *С.* 4) ннымъ *П.* 5) же *вставл. С.* 6) ч҃лкъ *П.* 7) дерзаша *С.* 8) истеннꙑѧ *С.* 9) истинын *П.* 10) змоурнын *П.* 11) колестици *cod.* 12) и *вставл. С.* 13) моусѣѧ *С.* 14) брабрата *С.*

1) χυτέως B_1 B_2. 2) οὖν вставл. B_1 B_2. 3) εὐφημῶν проп. B_1 B_2. 4) αὐτοῦ $B_Γ$. 5) ἔλεγεν вставл. B_1 B_2.

н҃и· Оуалисиꙗне иже ꙗко же приꙗхомъ соуть· въ акафонѣ живоуще· матерьнꙗ[1] вьси аравинскꙑꙗ· братолюбиꙗ иже соуща· и витающаꙗ оу нихъ· скапающе· мъножаише же въ нихъ каженици соуть· ѿсѣчени· нѣкаꙗ же дроугаꙗ оучать· ересы испълнь[2] погоубляюще законъ· и прркы и[3] дроугаꙗ нѣкаꙗ срамодѣиства въводяще·[4]

н҃ѳ· Чистии· ти въкоупь съ наватъмь· съчетавъшеся римьскыимь·[5] и дъвоженьца ѿноудъ[6] ѿмѣтающе·[7] и покаанꙗ не приѥмлють·

ѯ҃· Аггльсти·[8] сии[9] ѿнодъ[10] изщезоша· хваляще агглъскыи имоуще чинъ· или ѥже съ агглы[11] быті·

ѯ҃а· Апльсти иже ѿметьници· и си въ писиди тъкъмо· ѿметьникы приѥмлюще· о себѣ же молꙗщеся· приближають же ся къ въздьржателѥмъ· ина же отъ нихъ съмысляѧть·

ѯ҃в· Савелианꙗне· иже подобьнааго· л. 258 а. разоумьно сла|вять· ꙗко не глати оца пострадати· произношениѥ·[12] и пакы размоущаѥмоѥ слово·

[νη'.] Οὐαλήσιοι. οὗτοι, καθὼς ὑπειλήφαμεν, εἰσὶν οἱ τὴν Βακαθὸν[1] κατοικοῦντες, μητροκωμίαν Ἀραβίας τῆς Φιλαδελφείας, οἱ[2] τοὺς παρατυγχάνοντας καὶ ἐπιξενουμένους παρ' αὐτοῖς εὐνουχίζοντες· οἱ πλείους δὲ καὶ ἐν αὐτοῖς εὐνοῦχοι ὑπάρχουσιν ἀπο(л. 190b)τετμημένοι· τινὰ δὲ ἕτερα διδάσκουσιν αἱρέσεως ἔμπλεα, τινὰ[3] ἀφανίζοντες τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν καὶ ἑτέρας τινὰς αἰσχρουργίας παρεισφέροντες.

[νθ'.][4] Καθαροί. οὗτοι, ἅμα Ναυάτῳ συναφθέντες τῷ Ῥωμαίῳ, καὶ τοὺς διγάμους παντελῶς ἀποβάλλονται καὶ μετάνοιαν οὐ δέχονται.

[ξ'.] Ἀγγελικοί. οὗτοι παντελῶς ἐξέλιπον αὐχοῦντες ἀγγελικὴν ἔχειν[5] τάξιν, ἢ διὰ τὸ ἀγγέλοις προσκεκαθῆσθαι.

[ξα'.[6]] Ἀποστολικοὶ οἱ καὶ Ἀποτακτικοί. καὶ οὗτοι περὶ τὴν Πισιδίαν, μόνον ἀποτακτικοὺς δεχόμενοι, καθ' ἑαυτοὺς δὲ εὐχόμενοι· παραπλησιάζουσι δὲ τοῖς Ἐγκρατίταις, ἄλλα δὲ παρ' αὐτοὺς[7] φρονοῦσιν.

[ξβ'.] Σαβελλιανοὶ οἱ τὰ ὅμοια Νοήτῳ[8] δοξάζοντες, παρὰ τὸ μὴ τὸν πατέρα λέγειν πεπονθέναι προφορικὸν καὶ πάλιν ἀναχεόμενον τὸν λόγον.

---

1) мтрьнꙗа *П.* 2) исполнить *С.* 3) и *проп. С.* 4) въвъводѧще *С.* 5) мирьскыимь *С.* 6) ѿноудоу *П*; ѿлюдь *С.* 7) ѿмѣтаюже *С.* 8) *точка стоитъ въ cod. на мѣстѣ какой-то выскобл. буквы* (ρ?); Аггльстiи *П.* 9) сi *С.* 10) ѿноудоу *П.* 11) и *оставл. П.* 12) произношениѥ *П.*

1) βαικαθὸν B_1. 2) οἵ B_1 B_2. 3) τινα προп. B_1 B_2. 4) ξα' B_1 B_2. 5) ἔχοντα B_1 B_2. 6) νθ' B_1 B_2. 7) αὐτοῖς B_1 B_2. 8) Νοητοῦ B_1 B_2.

ѯг҃· Оригениꙗне· иже ѿ нѣкоѥго оригена·[1] самотворьцы же ти соуть· стоудотворьци· и своꙗ тѣлеса тьли ӥрѣдающе·[2]

ѯд҃· Оригениꙗне дроузии· оригена и адаманътиꙗ съчетателꙗ· иже мьртвъихъ въскрьсениѥ· ѿмѣтающе· х҃а же създаниѥ· и ст҃го дх҃а сказающе· раи же н҃беса и ина вса инако[3] съказающе· х҃воу же прѣстати ц҃рьствоу[4] блаждоуще· и въкоупь аг҃гломъ прѣстати· х҃оу же съ диꙗволъмь ц҃рьствовавъшю·[5] и вѣсы распатаго х҃а лъжесловать·

[ξγ'.] Ὠριγενιανοὶ οἱ ἀπό τινος Ὠριγένους· αἰσχροποιοὶ δὲ οὗτοί εἰσιν, ἀῤῥητοποιοῦντες καὶ τὰ ἑαυτῶν σώματα φθορᾷ[1] παραδιδόντες.

[ξδ'.] Ὠριγενιανοὶ ἄλλοι, Ὠριγένους τοῦ καὶ Ἀδαμαντίου τοῦ συντάκτου, οἱ τὴν τῶν νεκρῶν ἀνάστασιν ἀποβαλλόμενοι, Χριστὸν δὲ κτίσμα καὶ τὸ ἅγιον πνεῦμα εἰσηγούμενοι, παράδεισόν τε καὶ οὐρανοὺς καὶ τὰ ἄλλα πάντα ἀλληγοροῦντες, Χριστοῦ δὲ πεπαῦσθαι[2] τὴν βασιλείαν ληροῦντες[3] καὶ ὁμοῦ τοὺς ἀγγέλους[4] παυθήσεσθαι, Χριστὸν δὲ σὺν διαβόλῳ βασιλευθησόμενον· καὶ δαίμοσι σταυρωθέντα Χριστὸν τερατεύονται.

ѯе҃· Павьлиꙗне· ѿ павьла самосатоусинскаго· сь павьлъ· несоущьна х҃са· просто извѣщаѥть· слово произнесеноѥ· въобрази ѿ мариꙗ же и доселѣ быти· произвѣщеньно о немь бж҃твьнъихъ писании реченаꙗ имоущю оубо· не соущю[6] же нъ ѿ мариꙗ и до нынѣ· ѿ плътьскаго пришьствиꙗ имѣти[7] соущьство·

[ξε'.] Παυλιανισταὶ ἀπὸ[5] Παύλου τοῦ Σαμοσατέως. οὗτος ὁ Παῦλος ἀνύπαρκτον τὸν Χριστὸν ὀλίγου δεῖν διαβεβαιοῦται,[6] λόγον προφορικὸν αὐτὸν σχηματίσας, ἀπὸ Μαρίας δὲ καὶ δεῦρο εἶναι· προκαταγγελτικῶς μὲν τὰ περὶ αὐτοῦ ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς εἰρημένα ἔχοντος μέν, μὴ ὄντος δέ, ἀλλὰ ἀπὸ Μαρίας καὶ δεῦρο ἀπὸ τῆς ἐνσάρκου παρουσίας ἔχειν τὴν ὕπαρξιν.

ѯѕ҃· Манихеане· иже и слоухъмьници· си мана перьскаго оученици· х҃а оубо образъмь г҃лющ̑а· с҃лнце же чьтоуще· и лоуноу и звѣзды и силоу[8] и бѣсомъ молꙗтьса· началѣ дъвѣ въводаще· зъло же и

[ξϛ'.] Μανιχαῖοι οἱ καὶ Ἀκουανῖται. οὗτοι Μάνεντος τοῦ Πέρσου μαθηταί, Χριστὸν μὲν σχήματι λέγοντες, ἥλιον δὲ σέβοντες καὶ σελήνην, ἄστροις τε καὶ δυνάμεσι καὶ δαίμοσιν εὐχόμενοι, ἀρχὰς δύο εἰσηγούμενοι πονηράν τε καὶ

---

1) ригена *П.* 2) *cod.* ѣ *по скобл.* 3) *cod.* и *перепр авл. изъ* к. 4) ц҃рьствоу *ПС.* 5) ц҃рьствовавшю *П;* ц҃ртвовати *С.* 6) соущи *П.* 7) имоути *П.* 8) силоу *cod.;* силы *П.*

1) φθορὰ B_1 B_2. 2) πεπαῦσαι B_1. 3) κληροῦντες B_1. 4) τῆς ἀγγέλης B_1. 5) ἁ B_1. 6) διαβοβαιοῦνται cod. B_1 B_2.

бл҃го соуще· присно соущи· х҃оу же мьнѣниемь быти· и пострадати· ꙁавѣтъ хоулѧще·[1] и въ немь гл҃авъшааго б҃а· миръ же вьс· | л. 258 a. нъ часть ѿ б҃а бывъшю· ꙁаповѣдающе·

ꙁ҃ꙁ· Иераките· иже ѿ иерака лъвова града еюпьтьскаго·[2] повѣстьника нѣкоего· плъти оубо въскрьсение ѿмещюще· приемлють же ветъхыи и[3] новыи ꙁавѣтъ· ѿрицають же сѧ[4] брака отиноудь·[5] мьнихы же[6] и дв҃ы· и въꙁдьржащаꙗсѧ приемлюще·[7] и горьша гл҃юще· никъгда же[8] въꙁрасти бывъша дѣти· не причаститисѧ црс҇твиꙗ·[9] ꙁане не пострадати имъ·

ꙁ҃и· Мелетию· и иже въ егупьтѣ образъ соуще· не ереса· не молѧщесѧ съ падъшиими въ гонении· нынꙗ же съ арианы съкоупльшесѧ·

ꙁ҃ѳ· Ариане· иже ́и ариꙗнениенстовьници· раꙁдѣльници· иже сп҃а[10] бж҃иꙗ съꙁьдание гл҃ють и дх҃ъ ст҃ыи· съꙁьданиꙗ· плъть тъкъмо х҃оу ѿ мариꙗ въсприꙗти· иꙁвѣщающе неже ли дш҃ю·

о҃· Авдиꙗне распьрѣние покорение· не оубо ереса· си прѣбывание и житие[11] съоучинено сътѧжавъша· соуть же по вьсемоу вѣроу имоуще· ꙗко же и съборьнаꙗ црк҃ы· въ

ἀγαθὴν ἀεὶ οὖσας, Χριστὸν δὲ δοκήσει πεφηνέναι καὶ πεπονθέναι, διαθήκην βλασφημοῦντες καὶ τὸν[1] ἐν αὐτῇ λαλήσαντα θεὸν κόσμον τε οὐ τὸν[2] πάντα, ἀλλὰ μέρος ἐκ θεοῦ γενέσθαι[3] ὁριζόμενοι.

[ξζ΄.][4] Ἱερακῖται οἱ ἀπὸ Ἱέρακος[5] τοῦ Λεοντοπολίτου τῆς Αἰγύπτου ἐξηγητοῦ τινος, σαρκὸς μὲν ἀνάστασιν ἀθετοῦντες, χρώμενοι δὲ Παλαιᾷ καὶ Νέᾳ Διαθήκῃ, ἀπαγορεύοντες γάμον παντελῶς, μονάζοντάς τε καὶ παρθένους καὶ ἐγκρατευομένους δεχόμενοι· (л. 191[a])[6] λέγοντές τὰ μηδέπω ἐν ἡλικίᾳ γεγονότα παιδία μὴ μετέχειν τῆς βασιλείας διὰ τὸ μὴ ἠθληκέναι.

[ξη΄.] Μελιτιανοὶ οἱ ἐν Αἰγύπτῳ, σχίσμα ὄντες οὐχ αἵρεσις, μὴ συνευχόμενοι τοῖς ἐν διωγμοῖς παραπεπτωκόσι, νῦν δὲ Ἀρειανοῖς συναφθέντες.

[ξθ΄.] Ἀρειανοὶ οἱ καὶ Ἀρειομανῖται καὶ Διατομῖται, οἱ τὸν υἱὸν τοῦ θεοῦ κτίσμα λέγοντες καὶ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον κτίσμα κτίσματος, σάρκα μόνον τὸν Χριστὸν ἀπὸ Μαρίας εἰληφέναι διαβεβαιούμενοι, οὐχὶ δὲ καὶ ψυχήν.

[ο΄.] Αὐδιανοί. σχίσμα καὶ ἀφηνιασμός, οὐ μέντοι αἵρεσις. οὗτοι διαγωγὴν μὲν καὶ βίον τεταγμένον[7] ἔχουσιν,[8] εἰσὶ δὲ κατὰ πάντα τὴν πίστιν ἔχοντες, ὡς ἡ καθολικὴ ἐκκλησία· ἐν

1) хоулѧть *C.* 2) егѵпетьскаго *C.* 3) и *проп. П.* 4) ѿрицающесѧ *П.* 5) ѿноудоу *П.* 6) иже *П.* 7) пріемлюща *C.* 8) же *проп. C.* 9) црс҇твіа *ПC.* 10) сна *C.* 11) жітї *C.*

1) τὸν проп. B_1 B_2. 2) αὐτὸν B_1 B_2 (вм. οὐ τὸν). 3) γεγενῆσθαι B_1 B_2. 4) Οἱ вставл. B_1 B_2. 5) Ἱέραικος B_1. 6) καὶ χείρους вставл. B_1 B_2. 7) ἐντεταγμένον B_1 B_2. 8) κέκτηνται B_1 B_2.

манастырьхъ множаише живоуще· и не съ вьсѣми молѧщесѧ· и паче въ таинъıхъ творѧть по сътигадѧще ѿ нась соущаꙗ [1] епⷭ҇ты богатыꙗ· и дроугыꙗ въ дроугаꙗ· паскоу [2] же творѧть особь съ иоудеи· имоуть же невѣжьствьно | нѣчьто· и любопьрьно по образоу соухаего съказающе·

о҃а· Фотиꙗне· [3] фотинъ сь· [4] ѿ сурмиꙗ грѧдѧаше· подобьнаего [5] [пав]ьлоу [6] самосатинскоуоумоу съмꙑшлꙗше· по нѣчьсомоу же къ ниємоу пьрѧшесѧ· и тъ же ѿ мариꙗ и до [7] сьде х҃а извѣщааше·

о҃в· Маркелиꙗне· и иже ѿ маркела· ѿ анкура галатинскааго· сь испьрва любьзно съ савелиемь моудрьствовавъ прослоу· въ ѿвѣтъ же многашьдꙑ пришьдъ· и без написаниꙗ· ѿвѣтавъ ѿ многыихъ· въ тѣхъ же прѣбывающиихъ ог҃ланъ бꙑсть· равьно же раскаꙗвъсѧ· [8] некъли себе исправи· или оученици· [9] о [10] словесьхъ [11] кго правовѣрьнѣ нѣции· посрѣдѣ ѿвѣтъ сътвориша·

о҃г· Наполънечистии· [12] иже х҃са оу[в]о [13] съзьдание исповѣдающе· ꙗко ни кдиного ѿ съзьдании· нъ рекоша и с҃па г҃лѥмъ·

μοναστηρίοις οἱ πλείους οἰκοῦντες καὶ οὐ πᾶσι συνευχόμενοι· καὶ μάλιστα τοῖς ἀποκρύφοις κέχρηνται κατακόρως, ψέγοντες τοὺς παρ' ἡμῖν ἐπισκόπους πλουσίους καὶ ἄλλους εἰς ἄλλα· τὸ πάσχα δὲ ποιοῦσιν ἰδιαζόντως μετὰ Ἰουδαίων· ἔχουσι δὲ ἰδίωμά [1] τι [2] φι- л. 259 а. λόνεικον, τὸ κατ' εἰκόνα ξηρότητα [3] ἑρμηνεύοντες.

[οα'.] Φωτεινιανοί. Φωτεινὸς οὗτος ἀπὸ Σιρμίου ὁρμώμενος τὰ ὅμοια Παύλῳ τῷ Σαμοσατεῖ ἐφρόνησε, κατά τι δὲ πρὸς αὐτὸν διηνέχθη· καὶ οὗτος δὲ ἀπὸ Μαρίας καὶ δεῦρο τὸν Χριστὸν διαβεβαιοῦται.

[οβ'.] Μαρκελλιανοὶ οἱ ἀπὸ Μαρκέλλου τοῦ ἀπὸ Ἀγκύρας τῆς Γαλατίας. οὗτος ἐν ἀρχῇ παραπλησίως Σαβελλίῳ φρονήσας διεφημίσθη, εἰς ἀπολογίαν δὲ πολλάκις [4] ἐλθὼν καὶ ἀγράφως ἀπολογησάμενος, παρὰ πολλῶν τοῖς αὐτοῖς ἐμμένειν κατηγορήθη, ἴσως δὲ μεταγνοὺς τάχα ἑαυτὸν διωρθώσατο, ἢ οἱ αὐτοῦ μαθηταὶ ὑπὲρ τῶν αὐτοῦ λόγων ὀρθόδοξοί τινες μέσοι ὑπεραπελογήσαντο. [5]

[ογ'.] Ἡμιάρειοι οἱ Χριστὸν μὲν κτίσμα ὁμολογοῦντες, εἰρωνείᾳ δὲ κτίσμα αὐτὸν φάσκοντες, οὐχ ὡς ἓν τῶν κτισμάτων, ἀλλά, φασίν, [6] υἱὸν αὐτὸν λέγομεν

1) соуща *П.* 2) пасхоу *ПС.* 3) Фоинтїане *П.* 4) фотиносъ *С* (*вм.* фотинъ сь). 5) подобнаа *П.* 6) *исправл. по П;* лꙋ *С.* 7) и до *проп. С.* 8) раꙗвъсѧ *П.* 9) ꙋчиници *С.* 10) ѿ *С.* 11) словесь *С.* 12) Наполычнистїи *С.* 13) *исправл. по П.*

1) ἰδιωτικόν B_1 B_2. 2) καὶ вставл. B_1 B_2. 3) ξηρότα B_1 B_2. 4) πολλάκιν B_1. 5) ὑπεραπολογήσαντο B_1 B_2. 6) φησιν B_1 B_2.

ꙁаніє не прїкоснѹти[1] страсти оц҃ю· ꙁаніє рождена бъıти съꙁьданаго[2] гл҃іємъ· тако же и о дс҃ѣ[3] ст҃ѣмь· съꙁьданиє ѿнѹдъ[4] ꙁаповѣдають· иꙁмѣтающе·[5] сп҃а єдиносѹщьна· єдиносѹщьноє же хотѧть гл҃ати· инн[6] же ѿ нихъ єдиносѹщьноє иꙁвръгоша·

о҃д· Дх҃оборьци· си о хс҃ѣ добрѣ гл҃ють нѣ ѿ[7] чьсо· дѫхъ же ст҃ъıи хѹлѧть· съꙁьданъ и проповѣдающе·[8] и не сѹщь ѿ б҃жьства· паче л. 259 b. же по по|трѣбню· дѣтелию сътѧжати· и ст҃ованѹю силѹ[9] гл҃юще и бъıти тькъмо·

о҃е· Аєриане· тъ аєри·[10] ѿ понта бѣаше· єще[11] же до сьде· искѹшениє єсть житию· бъıсть же проꙁвѵтеръ еп҃па євъстафиꙗ· въ аріанѣхъ облъганаго· и понеже тъ аєрин· не поставл҃енъ бъıсть еп҃пъ· мъного на цр҃кве проповѣда· вѣрою съı[12] аріанъ· съвершенъıи· лише же повелѣваєть· не подобаєть рече· приносити ꙁа ѹмьршаꙗ постити же сѧ въ срѣдѹ· и къ сѹботѣ и въ четвьртодесѧтьнъıи постъı·[13] и паскѹ[14] въꙁбранѧєть· ѿрицѧєть[15] же є[16] ѿмѣтаєть· пльтоꙗдениꙗ же всѧ[17] приимаєть· и

διὰ τὸ μηδὲ πάθος προσάψαι πατρὶ διὰ τοῦ γεγεννηκέναι κτιστὸν αὐτὸν λέγομεν. ὡσαύτως καὶ περὶ τοῦ πνεύματος τοῦ ἁγίου κτίσμα παντελῶς ὁρίζονται παρεκβάλλοντες τοῦ υἱοῦ τὸ ὁμοούσιον· ὁμοούσιον δὲ θέλουσι λέγειν, ἄλλοι δὲ ἐξ αὐτῶν καὶ τὸ ὁμοούσιον παρεξέβαλον.

[οδ'.] Πνευματομάχοι. οὗτοι περὶ μὲν Χριστοῦ καλῶς λέγουσι παρά τι, τὸ δὲ πνεῦμα τὸ ἅγιον βλασφημοῦσι, κτιστὸν αὐτὸ ὁριζόμενοι καὶ οὐκ ὂν ἐκ τῆς θεότητος, μᾶλλον δὲ καταχρηστικῶς δι' ἐνέργειαν ἐκτίσθαι,[1] ἁγιαστικὴν δύναμιν αὐτὸ φάσκοντες εἶναι μόνον.

[οε'.] Ἀεριανοί. οὗτος ὁ Ἀέριος ἀπὸ Πόντου ὡρμᾶτο, ἔτι δὲ δεῦρο πειρασμός ἐστιν οὗτος (л. 191b) τῷ βίῳ· γέγονε δὲ πρεσβύτερος τοῦ ἐπισκόπου Εὐσταθίου τοῦ ἐν Ἀρειανοῖς διαβληθέντος· καὶ ἐπειδὴ αὐτὸς ὁ Ἀέριος οὐ κατεστάθη ἐπίσκοπος, πολλὰ κατὰ τῆς ἐκκλησίας ἐδογμάτισε, τῇ μὲν πίστει ὢν Ἀρειανὸς τελεώτατος, περιττότερον δὲ δογματίζει· μὴ δεῖν φησι προσφέρειν ὑπὲρ τῶν κεκοιμημένων, νηστεύειν δὲ τετράδα καὶ προσάββατον καὶ τεσσαρακοστὴν καὶ πάσχα κωλύει· ἀποταξίαν ἀποκηρύττει· σαρκοφαγίαις παντοίαις κέχρηται καὶ

---

1) прикостити *С.* 2) съꙁаніꙗаго *П.* 3) и *вставл. П.* 4) ѿнѹдѹ *П.* 5) *cod.* ще *по скобл.* 6) и они *С* (*вм.* инн). 7) о *С.* 8) проповѣда *С.* 9) силю *П.* 10) аєрен *С.* 11) *cod.* щ *переправл. изъ* с. 12) си *С.* 13) постъıи *П.* 14) пасхѹ *П.* 15) ѿрицѧніє *П.* 16) є *проп. П.* 17) всѧ *С.*

1) κεκτίσθαι B_1 B_2.

ница бе страха· аще къто хощеть того поститисѧ· не въ дн҃и повелѣнꙑꙗ рече· нъ ѥгда хощеть· нѣсть бо подъ ꙁаконъмь· гл҃ѥть же ничимь же бꙑти лоучьшю еп҃поу прозвѵтера·

ѻ҃г· Аетиане· иже ѿ аетиꙗ· киликискаго· диꙗкона бꙑвъша· ѿ георгиꙗ ариꙗньскаго· еп҃па александрьскаго· аще и[1] неподобьнѣ нарицаѥмѣ· ѿ нѣкꙑихъ же евномиꙗне· евномиѥмь нѣкꙑимь оученикъмь· аетиевъмь бꙑвъшиѥмъ·[2] съ ними же бѣ и евдокси· нъ оу ꙁане къ цр҃ю[3] костѧнтиноу· ѿлоучи себе· и ѥдиного аетиꙗ изгъна· прѣбꙑсть оубо· еоудокси[4] ариꙗньскаꙗ[5] творѧ· не оубо по аетию творѧ· ти неподобьнии·[6] иже аетиане· вьсь|де х҃са и ст҃ꙑи д҃хъ ѿмениють· б҃а оц҃ѧ съꙁьдана иꙁвѣщающе· и ни подобиꙗ[7] нѣкоѥго· имѣти гл҃ѥть· ѿ помꙑшлѥнии· аристотерьскꙑихъ[8] и ꙁемлѥмѣрьнꙑихъ·[9] б҃а прѣдъставити[10] хотѧть· и х҃съ оубо не мощи бꙑти ѿ б҃а тацѣми· образꙑ ѿ нихъже евномиꙗне нарицаѥмии· въторoѥ крьстѧть· вьсѧ къ нимъ приходѧщаꙗ· не тъкъмо же нъ и ѿ ариꙗнъ· стрьмь главою· горѣ ногама обращающе крꙑщающисѧ·[11]

τρυφαῖς ἀδεῶς· εἰ δέ τις τῶν αὐτοῦ βούλοιτο νηστεύειν, μὴ ἐν ἡμέραις τεταγμέναις φησίν, ἀλλ' ὅτε βούλεται· οὐ γὰρ εἶ ὑπὸ νόμον. φάσκει δὲ μηδὲν εἶναι διαφορώτερον ἐπίσκοπον πρεσβυτέρου.

[ος'.] Ἀετιανοὶ οἱ ἀπὸ Ἀετίου τοῦ Κίλικος διακόνου γενομένου ὑπὸ Γεωργίου τοῦ τῶν Ἀρειανῶν ἐπισκόπου τῆς Ἀλεξανδρείας, οἱ καὶ Ἀνόμοιοι καλούμενοι, παρά τισι δὲ Εὐνομιανοὶ δι' Εὐνόμιόν τινα μαθητὴν τοῦ Ἀετίου γενόμενον· οἷς συνῆν καὶ Εὐδόξιος, ἀλλὰ δῆθεν διὰ[1] τὸν βασιλέα Κωνσταντῖνον ἀφώρισεν ἑαυτὸν καὶ μόνον τὸν Ἀέτιον ἐξώρισεν. ἔμεινε μέντοι Εὐδόξιος ἀρειανίζων, οὐ μέντοι γε κατὰ τὸν Ἀέτιον. οὗτοι οἱ Ἀνόμοιοι[2] καὶ Ἀετιανοὶ παντάπασι[3] Χριστὸν καὶ τὸ ἅγιον πνεῦμα ἀπαλλοτριοῦσι л. 260 а.
θεοῦ πατρός, κτιστὸν αὐτὸ διαβεβαιούμενοι, καὶ οὐδὲ ὁμοιότητά τινα ἔχειν λέγουσιν· ἐκ συλλογισμῶν ἀριστοτελικῶν καὶ γεωμετρικῶν τὸν θεὸν παριστᾶν βούλονται καὶ Χριστὸν δῆθεν μὴ δύνασθαι εἶναι ἐκ θεοῦ διὰ τοιούτων τρόπων. οἱ δὲ ἀπ' αὐτῶν Εὐνομιανοὶ καλούμενοι ἀναβαπτίζουσι πάντας τοὺς πρὸς αὐτοὺς ἐρχομένους, οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ τοὺς ἀπὸ Ἀρειανῶν, κατὰ κεφαλῆς ἄνω τοὺς πόδας στρέφοντες τῶν βαπτιζομένων,

1) и *проп. П.* 2) *cod. переправл.* ѥ *изъ* і. 3) ц҃рю *ПС.* 4) ѥдоксиа *С.* 5) арїаньскаго *П.* 6) непѡдобнїи *ПС.* 7) подобна *П.* 8) аристорьскыи *С.* 9) землевѣрный *С.* 10) преставити *П.* 11) крещающесѧ *С.*

1) τὸ πρὸς вставл. B_1 B_2. 2) οἱ вставл. B_1 B_2. 3) πάντα B_1; παντά B_2 (πασιν должно было быть перенесено на стр. 294[b]).

ꙗко же и мъного гл҃етьсѧ слово· а еже съблазнитисѧ въ нѣкоемь блоуженіи·[1] или въ иномь грѣсѣ· ничемоу же быти рѣша· ничьсо же бо иметь б҃ъ· нъ еже быти комоу въ тои тъкъмо тѣхъ мьнимѣи вѣрѣ·

о҃з· Дъвочастьници· гл҃ютьсѧ и аполинарѧне· еже несъвьршеное х҃во въчл҃вчение исповѣдающе· иже нѣции· единосоущьно тѣло бж҃ьствоу· дьрзоша рещи къгда· нѣции же къгда[2] ꙗко дш҃ю приꙗ и[3] того· ѡ҃тмѣтаахоу[4] ѿ съзьданꙑꙗ плъти· сирѣчь марииноу плъть емоу приꙗти· тъкъмо же любопьрливо·[5] гл҃аахоу словоу плъти быти· послѣдь же разоумѣюще нѣчьто· не вѣмь рещи· оума емоу рѣша не възьмъшю·[6]

о҃и· Соупостатомариници· иже ст҃ѹю марию приснодв҃оую· по рожении сп҃са· съ иѡсифъ|мь съчетатисѧ рекоша· л. 260 b.

о҃ѳ· Сковродопечьци·[7] иже въ имѧ тоꙗ же мариꙗ· въ дн҃ь нѣкъи лѣта· повелѣнъи· на сковродѣ[8] испечение нѣчьто· приносѧть· имъже положихомъ имѧ сковродопечьци·[9]

п҃· Мѧсалиꙗне· иже съказаеми мл҃твьници· съкоупльꙗютьсѧ съ тѣми· и елинъ начинаемꙑихъ ереса· сии гл҃еми хвальници· и послоушьници·

ὡς πολὺς ᾄδεται λόγος. τὸ δὲ σφαλῆναι ἔν τινι πορνείᾳ ἢ ἑτέρᾳ ἁμαρτίᾳ οὐδὲν δεινὸν εἶναί φασιν· οὐδὲν γὰρ ζητεῖ ὁ θεός, ἀλλ' ἢ τὸ εἶναί τινα ἐν ταύτῃ μόνον τῇ αὐτῶν νομιζομένῃ πίστει.

[οζ'.] Διμοιρῖται λέγονται οἱ καὶ Ἀπολινάριοι, οἱ μὴ τελείαν τὴν Χριστοῦ ἐνανθρώπησιν ὁμολογοῦντες (ὥς τινες ὁμοούσιον τὸ σῶμα τῇ θεότητι ἐτόλμησαν εἰπεῖν,[1] τινὲς δέ ποτε ὅτι ψυχὴν εἴληφε καὶ τοῦτο ἠρνοῦντο[2]), ἀπὸ κτιστῆς σαρκὸς τουτέστι Μαρίας σάρκα αὐτὸν εἰληφέναι· μόνον δὲ φιλονείκως ἔλεγον τὸν λόγον σάρκα γεγενῆσθαι, ὕστερον δὲ διανοούμενοι τί οὐκ οἶδα εἰπεῖν, νοῦν αὐτόν φασι μὴ εἰληφέναι.

[οη'.] Ἀντιδικομαριαμῖται, οἱ τὴν ἁγίαν Μαρίαν τὴν ἀειπάρθενον μετὰ τὸ τὸν σωτῆρα γεννῆσαι τῷ Ἰωσὴφ συνῆφθαι φάσκοντες.

[οθ'.] Κολλυριδιανοὶ οἱ[3] εἰς ὄνομα τῆς αὐτῆς Μαρίας ἐν ἡμέρᾳ τινὶ τοῦ ἔτους (л. 192[a]) ἀποτεταγμένῃ κολλυρίδα τινὰ προσφέροντες, οἷς ἐπεθέμεθα ὄνομα Κολλυριδιανοί.

[π'.] Μασσαλιανοὶ[4] οἱ ἑρμηνευόμενοι Εὐχῖται· συνάπτονται τούτοις καὶ τῶν ἀπὸ Ἑλλήνων ἐπιτηδευομένων[5] αἱρέσεων οὗτοι οἱ λεγόμενοι Εὐφημῖται καὶ Μαρτυριανοί.[6]

---

1) дрѹженіи *C.* 2) нѣции же къгда *проп. C.* 3) и *проп. C.* 4) ѿмѣтахѹ *C.* 5) *cod. перепр*авл. и (*послѣ* р) *изъ* ь. 6) възшю *C.* 7) Скорводопечьци *C.* 8) скорводѣ *C.* 9) скорводопечьци *C.*

1) ποτέ вставл. B_1 B_2. 2) ἠρνοῦτο B_1. 3) οἳ B_1 B_2. 4) Μασαλλιανοί B_1 B_2. 5) ἐπιτετηδευμένων B_1 B_2. 6) καὶ Σατανιανοί добавл. B_1 B_2.

главы повелѣниꙗ· масалиньскꙑихъ[1] ꙁълочьстиваго въꙁѧтъ отъ кънигъ ихъ·

Ꙗко живеть въ ч҃лвчѣ·[2] соущьствьно сотона· и по вьсемоу обладаѥть имь·

Ꙗко[3] сотона и бѣси· объдьржать[4] оумъ ч҃лвчьскъ· и ѥстьствоу ч҃лвчьскоу· обьщѥ ѥсть доухъмь лоукавꙑимъ·

Ꙗко живеть сотона и дх҃ъ ст҃ꙑи на нб҃си· ꙗко ни ап҃ли чисти бѣша· дѣтельнꙑꙗ дѣтели· и ꙗко ни крьщениѥ съвьршаѥть ч҃лвка ни бж҃ьствьнꙑихъ таинъ ѿкръвениѥ· очищаѥть дш҃ѣ· нъ ѥдина ѿ нихъ тъщащисѧ м҃лва·

Ꙗко съмѣсилъсѧ ѥсть ч҃лвкъ[5] съ грѣхъмь и по крьщении·

Ꙗко[6] не крьщениꙗ ради приѥмлѥть· нетьлѣниѥ бж҃ьствьноѥ одѣниѥ вѣрьнꙑихъ· нъ м҃лтвою и дѣлъмь·

Ꙗко подобаѥть и бестрастиѥ приꙗти· и при|частиѥ ст҃аго· чювьствъмь вьсѣмъ· и иꙁвѣщениѥмь всѣмъ·

Ꙗко подобаѥть дш҃и таковѣ бꙑти· обꙑщаниѥ[7] нб҃сьнаго живота и жениха· ꙗкого[8] же ѡщютить[9] жена въ съвъкоуплѥнии моужа·

---

1) маласиньскый С. 2) ч҃лцѣ С. 3) ко П. 4) ѡбдръжь П. 5) ч҃лкомъ С. 6) ко П. 7) обіщеніе С. 8) ꙗко С. 9) ѿщютить С.

Κεφάλαια τοῦ τῶν Μασσαλιανῶν[1] δυσσεβοῦς δόγματος, ἀναληφθέντα ἐκ τοῦ βιβλίου αὐτῶν.

Ὅτι συνοικεῖ ἐν τῷ ἀνθρώπῳ ἐνυποστάτως ὁ σατανᾶς καὶ κατὰ πᾶν[2] κυριεύει αὐτοῦ.

Ὅτι ὁ σατανᾶς καὶ οἱ δαίμονες κατέχουσι τὸν νοῦν τῶν ἀνθρώπων καὶ ἡ φύσις τῶν ἀνθρώπων κοινωνική ἐστι τῶν πνευμάτων τῆς πονηρίας.

Ὅτι συνοικοῦσιν ὁ σατανᾶς καὶ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐν τῷ ἀνθρώπῳ, καὶ ὅτι οὐδὲ οἱ ἀπόστολοι καθαροὶ ἦσαν τῆς ἐνεργουμένης ἐνεργείας· καὶ ὅτι[3] οὐδὲ τὸ βάπτισμα τελειοῖ τὸν ἄνθρωπον, οὔτε ἡ τῶν θείων[4] μυστηρίων μετάληψις καθαρίζει τὴν ψυχήν, ἀλλ' ἡ[5] μόνη[6] παρ' αὐτοῖς σπουδαζομένη εὐχή.

Ὅτι συμπέφυρται ὁ ἄνθρωπος τῇ ἁμαρτίᾳ καὶ μετὰ τὸ βάπτισμα.

Ὅτι οὐ διὰ τοῦ βαπτίσματος λαμβάνει τὸ ἄφθαρτον καὶ θεῖον ἔνδυμα ὁ πιστός, ἀλλὰ δι' εὐχῆς καὶ ἔργου.[7]

Ὅτι δεῖ καὶ ἀπάθειαν λαβεῖν
καὶ μετουσίαν τοῦ ἁγίου πνεύμα- л. 261 a.
τος ἐν αἰσθήσει πάσῃ καὶ πληροφορίᾳ
αἰσθέσθαι.[8]

Ὅτι δεῖ τὴν ψυχὴν τοιαύτης αἰσθέσθαι[9] τῆς κοινωνίας τοῦ οὐρανίου νυμφίου, οἵας αἰσθάνεται ἡ γυνὴ ἐν τῇ συνουσίᾳ τοῦ ἀνδρός.

---

1) Μασαλλιανῶν B_1 B_2. 2) cod. позднѣйшей рукой переправл. въ πάντα. 3) ὅτι проп. B_1 B_2. 4) ὁσίων B_1 B_2. 5) cod. переправл. позднѣйшей рукой въ ἧ. 6) ἡ вставл. cod. позднѣйшей рукой. 7) καὶ ἔργου проп. B_1 B_2. 8) αἴσθεσαι B_1; αἴσθεσθαι B_2. 9) αἴσθεσθαι B_1 B_2.

Ꙗко дх҃овьнии видѧть вънѹтрьѹдоу·[1] и вънѣюдоу грѣхъ· и блгдть дѣющю и дѣтельствоующю·

Ꙗко ѥсть ѿкрьвениѥ· бывающеѥ чювьствьно· въ чювьствѣ и въ соущьствѣ· бж҃ьствьнѣмь· ꙗко же повелѣниꙗ·

Ꙗко огнь дѣтельно ѥсть·

Ꙗко[2] дш҃а не имоущиꙗ хс҃а въ чювьствѣ· и въ вьсеи дѣтели· жилище ѥсть гадомъ· и ꙗдовитыимъ ꙃвѣрьмъ· сирѣчь всѧкоѩ противьныꙗ силы·

Ꙗко ѥстьствьмь ꙃъла·

Ꙗко[3] прѣже прѣстоуплѥниꙗ· бестрасти приобьщисѧ адамъ къ евꙃѣ·[4]

Ꙗко сѣмѧ и слово паде въ марии·

Ꙗко[5] двѣ подобаѥть чл҃вкоу сътѧжати дш҃и рекоша·[6] ѥдино обьщю чл҃вкомъ· а единоу нбс҃ьноую·

Ꙗко мощьно приꙗти рече· чьвьствьно[7] соущьство[8] ст҃го дх҃а чл҃вкоу· всѣмь[9] иꙃвѣщениѥ[мь]·[10] и всею дѣтелию·

Ꙗко молѧщиимъсѧ можеть сѧ[11] ꙗвити· хс҃ъ въ свѣтѣ· и[12] въ нѣкоѥ
л. 261 b. врѣмѧ· обрѣстисѧ чл҃вкѫ | прѣстоꙗщю· ст҃оуоумоу олътарю· принести ѥмоу три хлѣбы масломь смѣшены·[13]

Ὅτι οἱ πνευματικοὶ ὁρῶσιν ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν τὴν ἁμαρτίαν καὶ τὴν χάριν ἐνεργοῦσαν καὶ ἐνεργουμένην.

Ὅτι ἔστιν ἀποκάλυψις γινομένη αἰσθητῶς ἐν αἰσθήσει καὶ ὑποστάσει θεϊκῇ ὡς δόγματα.

Ὅτι τὸ πῦρ δημιουργόν ἐστιν.

Ὅτι ἡ ψυχὴ ἡ μὴ ἔχουσα τὸν Χριστὸν ἐν αἰσθήσει καὶ πάσῃ ἐνεργείᾳ οἰκητήριόν ἐστιν ἑρπετῶν καὶ ἰοβόλων θηρίων, τουτέστι πάσης τῆς ἀντικειμένης δυνάμεως.

Ὅτι φύσει τὰ κακά.

Ὅτι καὶ πρὸ τῆς παραβάσεως ἀπαθῶς ἐκοινώνησεν ὁ Ἀδὰμ τῇ Εὔᾳ.

Ὅτι σπέρμα καὶ λόγος ἔπεσεν εἰς τὴν Μαρίαν.

Ὅτι δύο δεῖν κτήσασθαι τὸν ἄνθρωπον ψυχάς φασι, μίαν τὴν κοινὴν ἀνθρώποις καὶ μίαν τὴν ἐπουράνιον.

(л. 192^b) Ὅτι δυνατόν φησι δέξασθαι αἰσθητῶς τὴν ὑπόστασιν τοῦ ἁγίου πνεύματος τὸν ἄνθρωπον ἐν πάσῃ πληροφορίᾳ καὶ πάσῃ ἐνεργείᾳ.

Ὅτι τοῖς εὐχομένοις δύναται φανεροῦσθαι ὁ σταυρὸς ἐν φωτὶ καὶ κατά τινα καιρὸν εὑρεθῆναι ἄνθρωπον παρεστῶτα τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ καὶ προσενεχθῆναι αὐτῷ τρεῖς ἄρτους δι' ἐλαίου πεφυρμένους.

1) вънѹтрєюдоу *П.* 2) ко *П.* 3) ко *П.* 4) євꙃѣи *П.* 5) ко *П.* 6) рєко *С.* 7) чювьствєнѣи *П*; чювьствєно *С.* 8) соущьство *проп. С.* 9) и *вставл. С.* 10) *исправл. по П.* 11) сѧ *проп. С.* 15) и *проп. С.* 13) съмѣшєныи *П.*

Ѥще же ѿвращаютьсѧ· и дѣла роучьнааго ꙗко не подобающю хрьстиꙗномъ· по части же ина нищаꙗ· бечл҃вечениꙗ·[1] въводѧть г҃лще не лѣкы въ людьхъ просѧщиимъ· или оставлѥнъшимъ вьдовицамъ· ни различьнъıми напастьми приимъшемъ· или вредъмь тѣлесьнъıмь· или недоугы· или горькъıими вельможами· или разбоиникы·[2] или поганъıихъ нападениимь·[3] или въ нѣкакы таковыꙗ въпадъшемъ напасти· довълно подобьно ѿрицаѫщемъсѧ· или начинающиимъ вьсако благодѣꙗти· нъ вьсѧ тѣмь даꙗти· себе бо г҃лахоу быти· въистиноу нищемъ быти д҃хомъ· сими[4] приложиша· црк҃ъвъ и[5] олтаревъ прѣзорьство·[6] ꙗко подобьно постьникомъ· въ црк҃вьнъıихъ· не прѣбъıвати сънемищиихъ· довълномъ же быти· въ постьнъıихъ своихъ м҃лтвахъ· толицѣ бо г҃лахоу быти· силѣ м҃лтвы[7] ихъ· ꙗко тѣмь ѿ нихъ· наоучивъшиимъсѧ· чювьствьно д҃хъ ст҃ыи ꙗвлѧти· лъжесловѧть бо ꙗко же подобаѥть· хотѧщиимъ сѧ[8] сп҃сти на колико молитисѧ· ничьсо же ѥже паче вьсего иного творѧщемъ· дъньдеже оубо· грѣхъ ощютѧть· ꙗко же дымоу нѣкоѥмоу·

Ἔτι δὲ ἀποστρέφονται καὶ τὴν ἐκ τῶν χειρῶν ἐργασίαν ὡς οὐ πρέπουσαν χριστιανοῖς· κατὰ μέρος δὲ καὶ τὴν περὶ τοὺς πτωχοὺς ἀπανθρωπίαν εἰσάγουσι φάσκοντες, ὡς οὐχὶ τοῖς δημοσίᾳ προσαιτοῦσιν, ἢ ταῖς κατειλημμέναις[1] χήραις, οὐδὲ τοῖς διαφόροις περιστάσεσι χρησαμένοις, ἢ λώβῃ σωμάτων, ἢ νόσοις, ἢ πικροῖς δυνάσταις[2] ἢ λῃστῶν ἢ βαρβάρων ἐπιδρομαῖς, ἢ τισι τοιαύταις συμφοραῖς περιπεπτωκόσιν ἐπαρκεῖν ἁρμόττον τοὺς ἀποταττομένους ἢ τοὺς ὅλως ἀγαθοεργεῖν ἀρχομένους, ἀλλὰ ἑαυτοῖς[3] ἅπαντα χορηγεῖν· ἑαυτοὺς γὰρ ἔφασκον εἶναι τοὺς ἀληθῶς πτωχεύοντας τῷ πνεύματι· τούτοις προσετίθεσαν[4] τῶν ἐκκλησιῶν καὶ τῶν θυσιαστηρίων ὑπεροψίαν, ὡς δέον τοὺς ἀσκητὰς ἐκκλησιαστικαῖς[5] μὲν μὴ παραμένειν[6] συνάξεσιν, ἀρκεῖσθαι δὲ ταῖς ἐν τοῖς ἀσκητηρίοις αὐτῶν εὐχαῖς· τοσαύτην γὰρ ἔλεγον εἶναι τὴν τῆς προσευχῆς αὐτῶν δύναμιν, ὥστε αὐτοῖς τε καὶ τοῖς παρ' αὐτῶν μαθητευθεῖσιν αἰσθητῶς τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐπιφαίνεσθαι. τερατεύονται γὰρ ὡς χρὴ τοὺς σωθῆναι βουλομένους ἐπὶ τοσοῦτον προσεύχεσθαι, οὐδὲν τὸ πάραπαν ἕτερον διαπραττομένους, ἕως ἂν τῆς μὲν ἁμαρτίας αἴσθωνται, καθάπερ καπνοῦ τινος

1) бе³чл҃чениꙗ *С.* 2) разбоиникыи *П.* 3) нападаниѥмь *П.* 4) симъ *П.* 5) и *проп. С.* 6) *С переправл. изъ* прозорьство. 7) м҃лтвѣ *П;* м҃лтвꙋ *С.* 8) сѧ *проп. П.*

1) κατειλημμέναις B_1 B_2. 2) δανεισταῖς B_1 B_2 и cod. (рук. XIV в. переправл. изъ δυνάσταις). 3) αὐτοῖς B_1 B_2. 4) προσετέθησαν B_1 B_2. 5) B_2 переправл. изъ ἐκκλησιαστικῶν. 6) παραμένῃ B_1.

л. 262 а. или огнѥ· | или ꙁмиѥви· или коѥмоу та[ко]воумоу ꙁвѣри· мл҃твою иꙁгонимоу· и чювьствьно[1] мл҃твами съподоблꙗющю· д҃ха же ст҃го пакы· въходъ чювьствьно въсприимоуть· и ꙗвѣ въ д҃шю[2] имоуть[3] чювьствьно[4] въхода д҃ха· и томоу быти[5] истиньноумоу хрьстиꙗньскоумоу обьщению· ни крыщении бо цр҃кве· или въ поставлѥнии клирикъ ст҃го д҃ха· вьсѣмъ причаститисѧ· хрьстѧщиимъсѧ· аще не тѣхъ мл҃твами· троудолюбьнѣѥ приобьщитисѧ· и приꙗти оубо нѣкоѥ· и раꙁвѣ крыщениꙗ ст҃го д҃ха· аще прѣбывати съ ними въсхотѧть· и[6] онѣхъ наоучити повелѣниꙗ· ꙗко и попомъ нѣкъıимъ рекъшемъ имъ· ꙗко вѣрою ст҃ыи д҃хъ· исповѣдаѥмъ имѣти· а не чювьствъмь[7] обѣщати· и тѣмъ мл҃твы ради иже съ ними· подати чювьства д҃ха· толико же ихъ ѥсть боуиства гърдость· ꙗко причащающаꙗсѧ ѿ нихъ· ст҃го д҃ха чювьство· бл҃женомъ быти ѿ нихъ· ꙗко съвьршеномъ· и лоучьшемъ· и строити и чисти· ꙗко неповиньномъ соущемъ· ѥще бѣдамъ грѣха· нъ прочеѥ покои и брашьнъ· невъꙁдьржаниѥ· и[8] вьсемоу

1) чюствено *С.* 2) д҃ши *П.* 3) имоуть *проп. С.* 4) *cod. перечеркив. конечный слогъ* но; *П* чювьство; *С* чювсть. 5) и *вставл. П.* 6) и *проп. С.* 7) чювьстко *П.* 8) и *проп. П.*

ἢ πυρὸς ἢ δράκοντος ἢ τινος τοιούτου θηρίου, διὰ τῆς προσευχῆς ἐξελαυνομένης καὶ αἰσθητῶς διὰ τῶν προσευχῶν ἐξιούσης, τοῦ πνεύματος δὲ τοῦ ἁγίου πάλιν τὴν εἴσοδον αἰσθητῶς ὑποδέξωνται καὶ φανερὰν ἐν τῇ ψυχῇ ἔχωσιν[1] αἴσθησιν τῆς εἰσόδου τοῦ πνεύματος· καὶ ταύτην εἶναι τὴν ἀληθινὴν χριστιανῶν κοινωνίαν· οὐδὲ γὰρ ἐν τῷ βαπτίσματι τῆς ἐκκλησίας ἢ ταῖς τῶν κληρικῶν χειροτονίαις ἁγίου πνεύματος πάντως μεταλαμβάνειν τοὺς βαπτιζομένους, εἰ μὴ ταῖς αὐτῶν προσευχαῖς φιλοπονώτερον κοινωνήσαιεν·[2] καὶ λαβεῖν ἄν τινα καὶ δίχα τοῦ βαπτίσματος ἁγίου πνεύματος κοινωνίαν, εἰ παραμένειν αὐτοῖς ἐθελήσειε καὶ τοῖς ἐκείνων μαθητεύεσθαι δόγμασιν, ὡς καὶ πρεσβυτέρων τινῶν εἰπόντων αὐτοῖς, ὅτι ἐν πίστει τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον[3] ὁμολογοῦμεν ἔχειν καὶ οὐκ αἰσθήσει ἐπαγγείλασθαι· καὶ αὐτοῖς διὰ τῆς σὺν αὐτοῖς προσευχῆς μεταδοθήσεσθαι τῆς αἰσθή(л. 193а)σεως τοῦ πνεύματος· τοσοῦτος δέ ἐστιν αὐτῶν τῆς ἀλαζονείας ὁ τῦφος, ὡς τοὺς μετασχόντας παρ' αὐτοῖς δῆθεν τῆς τοῦ πνεύματος αἰσθήσεως μακαρίζεσθαι ὑπ' αὐτῶν ὡς τελείους καὶ πάσης ἁμαρτίας ἐλευθέρους καὶ κρείττονας, καὶ περιέπειν καὶ σέβεσθαι ὡς μὴ ὑποκειμένους ἔτι κινδύνοις ἁμαρτίας, ἀλλὰ λοιπὸν ἄνεσιν καὶ βρωμάτων ἄδειαν καὶ πᾶσαν ὑπάρχειν

1) ἔχουσιν B_1 B_2. 2) κοινωνήσειεν B_1 B_2. 3) τὸ ἅγιον πνεῦμα B_1 B_2.

имѣ быти дароприношенію· и чьсти[1] и инии· ꙗко же мъноꙁи по таковѣи[2] ѿ нихъ· съвьршениꙗ кромѣ соуіщемъ· ни хрьстиꙗни нарицатисѧ· съподоблꙗють· срамодѣиствъмь же раꙁличьнъıимь· и[3] имѣ|ниꙗ окраденнемь[4] и блоуженнемь· прѣльстивъшесѧ ꙗвишасѧ· многа же и ина къ реченъıимъ лъжесловѧть·[5] ꙗко же и бракъı ꙁаконьнъıꙗ· бе съблюдениꙗ раꙁдроушати имъ· и ѿ брака ѿстоупающаꙗ· ꙗже постьникъı приимати и оублажати· и оцѧ и мтере· чадоосиреніꙗ· небрѣщи[6] повиноуютьсѧ· тѣмь же приносити вьсѧ· повелѣва[ю]ще· рабъı же ѿ господии ѿбѣгающе· готово приимати· и приходѧщаꙗ· ѿ раꙁличьнъıихъ грѣхъ· бес плода нѣкоего покаꙗниꙗ· беꙁъ обласласти чиститель· бещина канонъмь цркевьнъıимь· нарекъшиимъсѧ· скоро очищати[7] вьсѧкого грѣха иꙁвѣщаю· тъкъмо аще къто· прославлѥноую ихъ млтвоу ѿ нихъ[8] наоучивъсѧ оученикъ хоудъ[9] тѣхъ проказъı бъıсть· ꙗко инѣхъ[10] таковъıꙗ· прѣже иꙁмѣнъı грѣховъ· привести ꙗ въ поставленниѥ клирикъ· льстиво покарѧюціи еппи положити роукъı[11] на нихъ· или[12] ѿ большихъ

αὐτοῖς δορυφορίαν καὶ τιμὴν καὶ τρυφήν, ὡς[1] πολλοὶ καὶ μετὰ τὴν τοιαύτην παρ' αὐτοῖς τῆς τελειότητος ἐκτὸς ὄντας οὔτε χριστιανοὺς προσαγορεύειν ἀξιοῦσιν,[2] αἰσχρουργίαις διαφόροις καὶ χρημάτων κλοπαῖς[3] καὶ πορνείαις л. 262 b. περιπεσόντες ὤφθησαν· πολλὰ δὲ καὶ ἕτερα πρὸς τοῖς εἰρημένοις τερατεύονται, ὡς καὶ γάμους ἐνθέσμους ἀδιαφορώτατα διαλύειν αὐτοὺς καὶ τοὺς τῶν γάμων ἀφισταμένους ὡς ἀσκητὰς προσλαμβάνεσθαι καὶ μακαρίζειν· καὶ πατέρας καὶ μητέρας τεκνορφανίας ἀμελεῖν πείθουσι, τούτοις δὲ προσκομίζειν ἅπαντα κατεπάδοντες· δούλους τε δεσποτῶν ἀποδιδράσκοντας ἑτοίμως παραδέχονται· καὶ τοὺς ἀπὸ διαφόρων ἁμαρτημάτων αὐτοῖς προσιόντας ἄνευ καρποῦ τινος μετανοίας, ἄνευ ἱερέων αὐθεντίας, ἄνευ βαθμῶν τῶν τοῖς κανόσι τοῖς ἐκκλησιαστικοῖς διηγορευμένων τάχιστα καθαίρειν παντὸς ἁμαρτήματος ἐπαγγέλλονται· μόνον εἴ τις τὴν πολυθρύλητον αὐτῶν προσευχὴν παρ' αὐτοῖς μελετήσας μύστης σχέδιος τῆς ἐκείνων κυβείας ἐγένετο, ὡς καὶ τινας τῶν τοιούτων πρὸ τῆς ἀπαλλαγῆς τῶν ἁμαρτημάτων ἄγειν αὐτοὺς εἰς κληρικῶν χειροτονίας, δολερῶς πείθοντες τοὺς ἐπισκόπους ἐπιτιθέναι χεῖρας αὐτοῖς, ἢ[4] παρὰ τῶν νομιζομένων

1) чисти *C.* 2) тавѣи *II*; таковѣ *C.* 3) и *проп. IIC.* 4) ѡкраденіе *II.* 5) лжеславѧть *II.* 6) неѡбрѣщи *II.* 7) ѿчитати *C.* 8) нихже *II.* 9) ходъ *II.* 10) имѣ *C.* 11) й *вставл. II.* 12) и *II.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὤν. 2) τελειότητα cod. (вм. τῆς τελειότητος), но рука XIV в. исправила въ τελειότητος и надпис. сверху μαρτυρίαν τῆς, а слова ἧς ἐκτὸς ὄντας οὐδὲ χριστιανοὺς προσαγορεύειν ἀξιοῦσιν стоятъ in m. 3) χλοποῖς B_1. 4) cod. переправл. рукой XIV в. въ τῇ.

ѿ нихъ· постьникъ послоуха прѣльщающемъсѧ·[1] се же тъщатьсѧ·[2] не ꙗко клирикъ[3] чины чьстныꙗ изволѧще·[4] ибо и[5] самѣхъ еппъ прѣобидѧще ѥгда хотѧть· нъ силоу нѣкоую и область себѣ приобрѣтающе· нѣции же ѿ нихъ ни приобщитисѧ таинъ глють· аще не приш[е]ствие дха· | (л. 263 а.) чювьствьно же ощютѧть· бывъшеѥ[6] въ тъ часъ· повелѣвають же нѣции ѿ нихъ· хотѧщиимъ ѿсѣщи своꙗ таиныꙗ оуды· прѣобидѧть же бе страха· и кленоутьсѧ[7] проклинають же льстьно ересоу ихъ·

ѥще о реченѣи ересѣ· месалиньстии· живоущии[8] въ манастырьхъ· и обрѣтающиихъсѧ ѿ съказаниꙗ ѳеодорита·

Въ лѣта оуалента· и оуалентинъ· ана въздрастѣ месалиньска нереса· млтвьникы себе нарицѧють· иже въ елладьскыи гласъ· въ имѧ прилагають· имоуть же ино нареченїе ѿ вещи· бывающаꙗ· правьдьници наричютьсѧ въ санѣ коѥго дѣтель приѥмлюще· и дха стго[9] сию

παρ' αὐτοῖς ἀσκητῶν μαρτυρίᾳ[1] δελεαζομένους· τοῦτο δὲ σπουδάζουσιν οὐχ ὡς τοὺς τῶν κληρικῶν βαθμοὺς τιμίους[2] κρίνοντες οἵ γε καὶ αὐτῶν τῶν ἐπισκόπων καταφρονοῦντες ὅταν ἐθέλωσιν, ἀλλὰ δυναστείαν τινὰ καὶ αὐθεντίαν ἑαυτοῖς πραγματευόμενοι· ἔνιοι δὲ αὐτῶν μήτε κανωνῆσαί ποτε τῶν μυστηρίων λέγουσιν, εἰ μὴ τῆς παρουσίας τοῦ πνεύματος αἰσθητῶς αἴσθωνται γενομένης κατ' ἐκείνην τὴν ὥραν· ἐπιτρέπουσι δέ τινες αὐτῶν τοῖς βουλομένοις ἀποτέμνειν τὰ ἑαυτῶν φυσικὰ μόρια· καταφρονοῦσι δὲ[3] ἀδεῶς καὶ ἐπιορκοῦσιν, ἀναθεματίζουσί τε ὑπούλως τὴν αἵρεσιν αὐτῶν.

Ἔτι περὶ τῆς εἰρημένης αἱρέσεως τῶν Μασσαλιανῶν[4] τῶν ἐν μοναστηρίοις οἰκούντων καὶ εὑρισκομένων. ἐκ τῆς ἱστορίας Θεοδωρήτου.

Κατὰ τοὺς χρόνους Οὐαλεντινιανοῦ καὶ Οὐάλεντος ἐβλάστησεν ἡ τῶν Μασσαλιανῶν[5] αἵρεσις· Εὐχήτας αὐτοὺς προσαγορεύουσιν οἱ[6] εἰς τὴν ἑλλάδα φωνὴν τοὔ(л. 193^b)νομα μεταβάλλοντες· ἔχουσι δὲ καὶ ἑτέραν προσηγορίαν ἐκ τοῦ πράγματος γενομένην· ἐνθουσιασταὶ καλοῦνται, δαίμονός τινος ἐνέργειαν εἰσδεχόμενοι καὶ πνεύματος ἁγίου ταύτην

1) прѣлщающимсѧ *И*; прѣщающемсѧ *С*. 2) ткатьсѧ *С*. 3) *cod.* ли *по скобл.* 4) изволѧщи *И*. 5) и *проп. С*. 6) бывше *С*. 7) клоу̑ оутьсѧ *cod.* 8) живꙋщи *С*. 9) стго дха *С*.

1) μάρτυρα B_1 B_2. 2) τῆς τῶν κληρικῶν βαθμῶν τιμῆς ἀξίους B_1 B_2 (вм. τοὺς τῶν κληρικῶν βαθμοὺς τιμίους). 3) cod. добавл. in m. рукой XIV в. ῥαδίως καὶ ἀφορισμῷ ὀμνύουσιν. 4) Μεσαλλιανῶν B_1 B_2, но B_2 надпис. надъ ε въ слогѣ Μεσ еще α. 5) Μασαλλιανῶν B_1 B_2. 6) οἳ B_1 B_2.

помышлѧють· дроузии же коньчьнѥѥ[1] недоугъ въсприимъше·[2] обращаютьсѧ оубо роучьныихъ дѣлесъ[3] ꙗко лоукавъıихъ· съноу же сами сѧ дающе· жрениѥ съновъ[4] мьчьтаниѥ[5] призъıвають· тоꙗ ереси бъıша начальници· дадо же и сава· и ꙗдельфи· ерьма· и сьмеонъ· и инии къ симъ· иже црк҃вьнаго обьщениꙗ остоупиша·[6] никако же ни оуспѣти ни врѣдити гл҃юще· бж҃ьствьнѣи пищи· о неиже г҃ь рече· ꙗдъıи плъть мою· и пиꙗи кръвь мою· живеть въ вѣкъı·[7] кръıти же искоушающе и обличають бестоудьно и ѿмѣтаютьсѧ· и ѿмѣтають· сиꙗ съмъıслѧща|ꙗ· ꙗже въ д҃шахъ носѧть· литоноу мелетискоую[8] бо црк҃вь правѧть· рьвьностию[9] бж҃ьствьною оукрашающесѧ· мъногъı[10] недоуга того приимъша оузьрѣвъ[11] манастъıрѧ· паче же вьртьпъı манастъıрьскъıꙗ· пожьже ꙗ и вълкъı ѿ паствъı изгъна· амьфилохии же прѣхвальнъıи· тако же ликаоньскоую митрополию пороученъ· и вьсь[12] правѧ ꙗзъıкъ· пришьдъшю[13] пагоубоу тоу·[14] оувѣдѣ въста пакъı· и иже подъ нимь врѣдъмь тѣмь подаѥмоѥ стадо свободи· флавиꙗнъ прѣславьнъıи[15]

ὑπολαμβάνοντες· οἱ δὲ τελευταῖον[1] τὴν νόσον εἰσδεδεγμένοι ἀποστρέφονται μὲν τὴν τῶν χειρῶν ἐργασίαν ὡς πονηράν, ὕπνῳ δὲ σφᾶς αὐτοὺς ἐκδιδόντες ἐνθουσιασμὸν τὰς τῶν ὀνείρων φαντασίας ἀποκαλοῦσι· ταύτης ἐγένοντο τῆς αἱρέσεως ἀρχηγοὶ Δαδόης τε καὶ Σάβας καὶ Ἀδέλφιος, Ἑρμᾶς καὶ Συμεώνης καὶ ἄλλοι πρὸς τούτοις, οἳ τῆς ἐκκλησιαστικῆς κοινωνίας ἀπέστησαν, οὐδὲν οὔτε ὠφελεῖν[2] οὔτε λωβᾶσθαι φάσκοντες τὴν θείαν τροφήν, περὶ ἧς ὁ κύριός φησιν· Ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα καὶ πίνων μου τὸ αἷμα ζήσεται εἰς τὸν αἰῶνα. κρύπτειν δὲ πειρώμενοι, καὶ μετ' ἐλέγχους ἀναιδῶς ἐξαρνοῦνται καὶ ἀποκηρύττουσι τοὺς ταῦτα φρονοῦντας, ἅπερ ἐν ταῖς ψυχαῖς л. 263 b. περιφέρουσι. Λητώϊος μέντοι ὁ τὴν Μελιτηνῶν ἐκκλησίαν ἰθύνων, ζήλῳ θείῳ κοσμούμενος, πολλὰ τῆς νόσου ταύτης σπάσαντα θεασάμενος μοναστήρια, μᾶλλον δὲ σπήλαια λῃστρικά, ἐνέπρησε ταῦτα καὶ τοὺς λύκους ἐκ τῆς ποίμνης ἀπήλασεν. Ἀμφιλόχιος δὲ ὁ πανεύφημος, ὡσαύτως τὴν Λυκαόνων μητρόπολιν πεπιστευμένος καὶ ἅπαν ἰθύνων τὸ ἔθνος, ἐπισκήψασαν αὐτόθι τὴν λύμην[3] ταύτην μαθών, ἐξανέστη πάλιν καὶ τὰ ὑπ' αὐτοῦ νεμόμενα τῆς λώβης ἐκείνης ἠλευθέρωσε ποίμνια. Φλαβιανὸς δὲ ὁ πολυθρύλλητος

---

1) конечное *П.* 2) прїимше *С.* 3) дѣлехъ *С.* 4) с҃іовъ *С.* 5) мьчта *С.* 6) ѿстоупишѧ *П.* 7) вѣкын *П.* 8) мелетиньскоую *П;* мелетинскѹю *С.* 9) рьвнoюстию *cod.* 10) многын *П.* 11) ѹзрѣмъ *С.* 12) все *П.* 13) на *вставл. С.* 14) и *вставл. С.* 15) и *вставл. П.*

1) cod. рукой XIV в. переправл. въ τέλεον. 2) ὠνιάναι B_1 B_2. 3) λύ(л. 142^b)λύμην B_1.

антиохиискꙑи[1] чиститель· въ едѣсѣ
сихъ прѣбꙑвающиихъ оувѣдѣвъ·
приближающиимъсѧ имѣти· свои
происпоустивъ ꙗдъ· ближьнѧꙗ мьни-
хꙑ посълавъ приведе въ анти-
охию· и недоуга ѿмѣтающемъсѧ·[2]
симь образъмь обличи· оглагольни-
комъ бо рече бꙑти· и послоухомъ·
аделфию же зѣло соущю староу·
кротъко повелѣ близь сѣсти· мꙑ ре-
че о старьче· большее поживъше[3]
житие· извѣстьнѣишее[4] чл҃вчьское
оувѣдѣхомъ естьство· и противь-
нꙑихъ бѣсъ· познахомъ къзни·
искоушениемь же· и[5] бл҃гдтьноумоу
наоучихомъсѧ подаанию· си же юни
соуще· и сихъ ничьсо же извѣсто не
вѣдоуще дх҃овьное[6] оубо слꙑшати
слово не тьрпѧть· чьто бо рьци ми
л. 264 а. како гл҃еть· и дх҃оу противьноу|моу[7]
ѿходити и ст҃го дх҃а· бл҃годати при-
ходити· сими старьць онъ оусла-
дивъсѧ· избльва· вьсь[8] съкръвенꙑи
ꙗдъ· и рече ни едино· ꙗже оубо ѿ
крьщениꙗ пользꙑ[9] съподоблꙗющи-
имъсѧ имѣти· единѣмь же тъща-
ниемь· мл҃твою бѣса живоущаго
изгънати· имѣти же комоуждо ра-
ждающиихъсѧ гл҃аше· ѿ прадѣда[10]
ꙗко же[11] естьство· тако оубо и бѣ-
совъ радотꙑ· симъ же ѿ тъщьнꙑꙗ[12]

τῆς Ἀντιοχέων ἀρχιερεύς, ἐν Ἐδέσσῃ τούτους διάγειν μαθὼν τὸν οἰκεῖον τοῖς πελάζουσι ἐγχεῖν προϊεμένους ἰόν, συμμορίαν μοναχῶν ἀποστείλας ἤγαγεν εἰς Ἀντιόχειαν καὶ τὴν νόσον ἐξαρνουμένους τόνδε τὸν τρόπον διήλεγξε· τοὺς μὲν γὰρ κατηγόρους ἔφη τυγχάνειν καὶ τοὺς μάρτυρας, τὸν δὲ Ἀδέλφιον ἄγαν ὄντα πρεσβύτατον ἠπίως κελεύσας πλησίον καθεσθῆναι, Ἡμεῖς, ἔφη, ὦ πρεσβύτα, τὸν πλείω βεβιωκότες βίον, ἀκριβέστερον καὶ τὴν ἀνθρωπείαν ἐμάθομεν φύσιν καὶ τὰ τῶν ἀντιπάλων δαιμόνων ἐγνώκαμεν μηχανήματα, πείρᾳ δὲ καὶ τὴν τῆς χάριτος ἐδιδάχθημεν χορηγίαν· οὗτοι δὲ νέοι ὄντες καὶ τούτων οὐδὲν ἀκριβῶς ἐπιστάμενοι, πνευματικώτερον ἀκοῦσαι λόγον οὐ φέρουσι· τοιγάρτοι εἰπέ μοι, πῶς φατε καὶ τὸ πνεῦμα τὸ ἐναντίον ὑποχωρεῖν καὶ τοῦ παναγίου πνεύματος τὴν χάριν ἐπιφοιτᾶν; τούτοις ὁ πρεσβύτης ἐκεῖνος καταθελχθεὶς ἐξήμεσεν ἅπαντα τὸν κεκρυμμένον ἰόν,[1] καί φησι μηδεμίαν μὲν[2] ὠφέλειαν ἐκ τοῦ βαπτίσματος[3] τοῖς ἀξιουμένοις ἐγγίνεσθαι, μόνην δὲ τὴν σπου(л. 194а)δαίαν εὐχὴν τὸν δαίμονα τὸν ἔνοικον ἐξελαύνειν· ἕλκειν γὰρ ἕκαστον τῶν τικτομένων ἔλεγεν ἐκ τοῦ προπάτορος ὥσπερ τὴν φύσιν οὕτω δὴ καὶ τὴν τῶν δαιμόνων δουλείαν· τούτων δὲ ὑπὸ τῆς σπουδαίας

---

1) дѣтиохиисти *С.* 2) ѿмѣтающимсѧ *ПС.* 3) положивъшее *С.* 4) извѣстьнѣише *С.* 5) и *вставл. С.* 6) *cod. конечное* е *по скобл.* 7) притивиѹоумоу *П.* 8) все *П.* 9) ползꙑи *П.* 10) прѣдѣда *П.* 11) же *проп. С.* 12) щениꙗ *С.*

1) υἱὸν B_1. 2) μὲν проп. B_1 B_2. 3) ἐκ τοῦ βαπτίσματος ὠφέλειαν B_1 B_2.

м҃лтвы· изгонимомъ приходити прочеѥ· прѣс҃тоумоу д҃хоу чювьствьно· и[1] невидимо своѥ пришьствьѥ· назнаменоуꙗ· и[2] тѣлоу[3] же страстии подвижениꙗ свободитисѧ· и д҃шю на горьшеѥ маниѥ[4] ѿноудъ[5] измѣниꙗ· ꙗко оуже[6] не боꙗтисѧ прочихъ· ни пощениꙗ отѧгъчающю[7] тѣло· ни оучению[8] обоуздающю· и ходити бл҃гооучинѥно· наказающю нъ ꙗкѣ боудоущаꙗ· провидѣти·[9] троицю бж҃ьствьноую очима видѣти·[10] тако бж҃ьствьныи· флавиꙗнъ злосмрадыныи[11] ископавъ источьникъ· и обножати[12] оустроивъ воу·[13] къ зълочьстивоумоу рече старьцю· обетъшале д҃нии зълыихъ· обличиша тѧ своꙗ оуста а не азъ· оустьнѣ же твои на тѧ съвѣдѣтельствоуѥте· ꙗвлѥноу же бывъшю· недоугоу томоу ѿ сѷриꙗ изгънани быша· въ панъфилию же отидоша· и сию врѣда испълниша·

| п҃а· Несторииане· иже особьноу и различьноу быти· бж҃ию словоу проповѣдающе· и особь чловѣка[14] ѥго и съмѣрена оубо· сътворенꙑихъ оубо ѿ г҃а· въ пришьствии[15] ѥго ѥже къ намъ· ѥдиномоу ч҃лвкоу томоу

εὐχῆς ἐλαυνομένων ἐπιφοιτᾶν λοιπὸν τὸ πανάγιον πνεῦμα, αἰσθητῶς καὶ ἀοράτως[1] τὴν οἰκείαν παρουσίαν σημαῖνον καὶ τό τε σῶμα τῆς τῶν παθῶν κινήσεως ἐλευθεροῦν καὶ τὴν ψυχὴν τῆς ἐπὶ τὰ χείρω ῥοπῆς παντελῶς ἀπαλλάττον, ὡς μηκέτι δεῖσθαι λοιπὸν μήτε νηστείας πιεζούσης τὸ σῶμα, μήτε διδασκαλίας χαλινούσης καὶ βαίνειν εὔτακτα παιδευούσης· οὐ μόνον δὲ ὁ τούτων τετυχηκὼς τῶν τοῦ σώματος ἀπαλλάττεται σκιρτημάτων, ἀλλὰ καὶ σαφῶς τὰ μέλλοντα προορᾷ καὶ τὴν τριάδα τὴν θείαν τοῖς ὀφθαλμοῖς θεωρεῖ. οὕτως ὁ θεῖος Φλαβιανὸς τὴν δυσώδη διορύξας πηγὴν καὶ γυμνῶσαι παρασκευάσας τὰ νάματα, πρὸς τὸν δυσσεβῆ ἔφη πρεσβύτην· Πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν, ἐλέγξαι[2] σε τὸ σὸν στόμα καὶ οὐκ ἐγώ· τὰ δὲ χείλη σου καταμαρτυρήσαισάν[3] σου. δήλης δὲ ταύτης τῆς νόσου γενομένης, τῆς μὲν Συρίας ἐξηλάθησαν, εἰς δὲ τὴν Παμφυλίαν ἀνεχώρησαν[4] καὶ ταύτην τῆς λώβης ἐνέπλησαν.

<πα΄.> Νεστοριανοί, οἱ ἰδίως καὶ κεχω- л. 264 b.
ρισμένως ὑπάρχειν τὸν θεὸν λόγον δογματίζοντες καὶ ἰδίως τὸν ἄνθρωπον αὐτοῦ, καὶ τὰ μὲν ταπεινότερα τῶν πραχθέντων ὑπὸ τοῦ κυρίου ἐν τῇ πρὸς ἡμᾶς ἐπιδημίᾳ αὐτοῦ μόνῳ τῷ ἀνθρώπῳ αὐτοῦ[5]

1) и *проп. П.* 2) и *проп. П.* 3) лѣтꙋ *С.* 4) маниѥ *проп. С.* 5) ѿноудоу *П.* 6) же *С.* 7) ѿтѧгъчающю *С.* 8) оученїа *П.* 9) проводитѣи *П*; провѣдѣти *С.* 10) вѣдити *П.* 11) *cod.* м *переправл. изъ какой-то буквы.* 12) обнажати *С.* 13) во҆у *cod.*; доу *П.* 14) ч҃лка *ПС.* 15) прїшествїе *П.*

1) ὁρατῶς cod., гдѣ рукой XIV в. ὁ передѣлано изъ α, а между ο и ρ выскобл. ο. 2) ἤλεγξέ B_1 B_2. 3) καταμαρτυροῦσί B_1 B_2. 4) ἐχώρησαν B_1 B_2. 5) αὐτῷ B_1 B_2.

прикасающе въишьшая же·[1] и бг҃олѣпьная ѥдиномоу б҃оу слово· а не обою къ ѥдиномоу· и къ томоу же лицю приносѧще·

пв҃· Ѥвьтихиꙗне·[2] иже ѿ евьтихѣꙗ именьмь· ересоу имоущю· не гл҃ющеи ѿ[3] ст҃ыꙗ дв҃цѧ мариꙗ· възѧти плъть г҃оу нашемоу і҃соу х҃оу· нъ бж҃ьствьнѣѥ[4] нѣкако въплътитисѧ ѥмоу ꙗвлꙗюще· не приимъше въ оумѣ· ꙗко грѣхъмь прадѣда ихъ адама· повиньна соуща ч҃лвка· того примѣси къ себѣ бж҃иѥ слово ѿ дѣвы мариꙗ· ѿ негоже начала и власти· съдѣвъсѧ проповѣда дьрьзновениѥмь· ꙗко же ѥсть писано· обличивъ на кр҃стѣ· въ нѧже прѣстоуплениꙗ ради пьрвозьданаго бѣ одѣвъсѧ·

<пг҃·> Єѵпьтиꙗне· иже[5] образьници· ѥдиноѥстьствьници· иже изъвѣтъмь въ лахидонѣ·[6] съставленъимь съвитъкъмь· ѿвьргъшесѧ правовѣрьнъꙗ[7] цр҃кве· егуптиꙗне же наречени бъіша· зане къ егѷпьтиꙗномъ начати· тоⷨ распьрѧ при маркиꙗнѣ· и оуалентиниꙗнѣ[8] цр҃ема·[9] инѣмъ же вьсѣмъ соуще правовѣрьнѣ·[10] си же мл҃стию· къ але-
л. 265 а. ксандрьскоу|моу диоскороу· ѿ калхидоньскааго съвора·[11] ѿвьржена·

προσάπτοντες, τὰ δὲ ὑψηλότερα καὶ θεοπρεπῆ μόνῳ τῷ θεῷ λόγῳ, καὶ μὴ τὰ συναμφότερα ἑνὶ καὶ τῷ αὐτῷ προσώπῳ προσάγοντες.

<πβʹ.> Εὐτυχιανισταί, οἱ ἀπὸ Εὐτυχέως τοὔνομα τῆς αἱρέσεως ἐσχηκότες, οἱ μὴ λέγοντες ἐκ τῆς ἁγίας παρθένου Μαρίας εἰληφέναι τὴν σάρκα τὸν κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ἀλλὰ θειότερόν πως σεσαρκῶσθαι αὐτὸν ἀποφαινόμενοι, μὴ εἰληφότες κατὰ νοῦν, ὅτι τὸν τῇ ἁμαρτίᾳ τοῦ προπάτορος αὐτῶν Ἀδὰμ ὑπεύθυνον τυγχάνοντα ἄνθρωπον τοῦτον[1] ἥνωσεν ἑαυτῷ ὁ θεὸς λόγος ἐκ τῆς παρθένου Μαρίας, ἐξ οὗ καὶ τὰς ἀρχὰς καὶ τὰς ἐξουσίας ἀπεκδυσάμενος ἐδειγμάτισεν ἐν παρρησίᾳ ὡς γέγραπται· Θριαμβεύσας ἐπὶ τοῦ σταυροῦ ἃ διὰ τῆς παραβάσεως τοῦ πρωτοπλάστου ἦν ἐνδεδυκώς.

<πγʹ.> Αἰγυπτιακοί, οἱ καὶ σχισματικοὶ Μονοφυσῖται, οἱ προφάσει τοῦ ἐν Χαλκηδόνι[2] συστάντος τόμου ἀποσχίσαντες τῆς ὀρθοδόξου ἐκκλησίας· Αἰγυπτιακοὶ δὲ προσείρηνται διὰ τὸ πρώτους[3] Αἰγυπτίους κατάρξασθαι τούτου τοῦ σχίσματος ἐπὶ Μαρκιανοῦ καὶ (л. 194^{b}) Οὐαλεντινιανοῦ τῶν βασιλέων, τὰ δ' ἄλλα πάντα ὑπῆρχον ὀρθόδοξοι.[4] οὗτοι δὲ προσπαθείᾳ τῇ πρὸς τὸν Ἀλεξανδρείας Διόσκορον ὑπὸ τῆς ἐν Χαλκηδόνι[5] σύνοδου καθαιρεθέντα

1) томꙋ *C.* 2) Євтѷхане *C a in m.* "хи. 3) о *C.* 4) бж҃твеное *П.* 5) и *C.* 6) лахѡдонѣ *C.* 7) правовѣрнои *П.* 8) алентиніанѣ *C.* 9) цр҃ема *ПС.* 10) правовѣрно *П.* 11) *cod. переправл. конечное а изъ ъ.*

1) τοῦτο B_1. 2) Καλχηδόνι B_1 B_2. 3) πρὸς τοὺς B_1 B_2 (вм. πρώτους). 4) ὀρθόδοξοι ὑπάρχοντες B_1 B_2. 5) Καλχηδόνι B_1 B_2.

ꙗко евтоуховъ велѣньи· поспѣшьникы· противишасѧ съборoу· и бещисльныꙗ оубо на нꙗ[1] съборы· на нѥго лоукованиа· ѩже прѣжеваривъше пришьдъшиихъ кънигахъ· многы раздроушихомъ прѣльстивъшасѧ· и соуѥмысльны[2] показавъше· ѿ нихъже начальници· ѳеодосии[3] александрьскыи· ѿ нѥгоже ѳеодосиꙗне·[4] иꙗковъ соурьскыи· ѿ нѥгоже[5] иꙗковити·[6] сихъ же съказателѥ и извѣстителѥ· и борьци проклѧтии цр҃кве антиохиинискыꙗ·[7] прѣлюбодѣицѧ и гоубитель безаконьнъ· севиръ· и въсоуѥ[8] троудивъисѧ иѡанъ безбожьныи·[9] трифѣитъ· иже сп҃сьныꙗ[10] таины себе ѿвьргъше· мънога бо оубо въ халкидонѣ б҃одъхновенааго· х҃· и· л҃· оц҃ь· оученꙗ оукориша· многы же погыбъшиимъ· къ пагоубьнѣи[11] ихъ ереси·[12] и ловлѥниꙗ нꙑнꙗ глѥмаꙗ· и при поути положиша съблазнъ· не тъкъмо нъ и частьнаꙗ соущьства проповѣдающе·[13] вьсю съмотрениꙗ съвьршаютъ[14] таиноу· ихъже прѣити въ скорѣ вещьстиѥ непьщевахомъ подобьно· положьше и малоу бесѣдоу на обличениѥ безбожьныꙗ[15] ихъ· и прѣѡскврьнѥныꙗ[16] ересы·

ὡς τῶν Εὐτυχοῦς δογμάτων συνήγορον,[1] ἀντεπάθησαν τῇ συνόδῳ καὶ μυρίας τό γε ἐπ' αὐτοῖς μέμψεις κατ' αὐτῆς ἀνεπλάσαντο, ἃς προλαβόντες[2] ἐν τῇ παρούσῃ βίβλῳ ἱκανῶς διελύσαμεν, σκαιοὺς αὐτοὺς καὶ ματαιόφρονας ἀποδείξαντες· ὧν ἀρχηγοὶ Θεοδόσιος ὁ Ἀλεξανδρεύς, ἐξ οὗ Θεοδοσιανοί, Ἰάκωβος ὁ Σύρος, ἐξ οὗ Ἰακωβῖται· τούτων δὲ συνίστορες καὶ βεβαιωταὶ καὶ ὑπέρμαχοι ὁ κατάρατος τῆς ἐκκλησίας Ἀντιοχέων μοιχὸς καὶ φθορεὺς ἀθεσμότατος Σεβῆρος[3] καὶ ὁ μάταια πονέσας Ἰωάννης ὁ ἀθεώτατος Τριθεΐτης, οἵτινες τὸ τῆς σωτηρίας ἑαυτῶν ἀρνούμενοι μυστήριον πολλὰ[4] μὲν τῆς ἐν Χαλκηδόνι[5] θεοπνεύστου τῶν χλ' πατέρων διδασκαλίας κατέγραψαν, πολλὰ δὲ τοῖς ἀπολλυμένοις πρὸς τῇ ὀλεθρίῳ αὐτῶν αἱρέσει καὶ θήρατρα τὰ δὴ λεγόμενα τρίβου τεθείκασι σκάνδαλα· οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ μερικὰς οὐσίας δογματίζοντες, τὸ πᾶν τῆς οἰκονομίας συγχέουσι μυστήριον· ὧν διαβῆναι[6] ἐν ἐπιτομῇ τὴν ἀσέβειαν ἐλογισάμεθα δεῖν, παρενθέντες καὶ μικρὰ σχόλια πρὸς ἔλεγχον τῆς ἀθέου αὐτῶν καὶ παμμιάρου αἱρέσεως·

1) на *П.* 2) соуѥмысльнын *П.* 3) ѳеѡдоіа *С.* 4) ѳеѡдоіане *С.* 5) него *П.* 6) ꙗковити *П.* 7) антіохінскыꙗ *С.* 8) всеѥ *С.* 9) безбожны *П.* 10) *cod. перенравл.* ь *изъ* ѥ. 11) пагоубнѣ *П.* 12) ерерѥси *cod.* 13) провѣдающе *П.* 14) съвръшаѥть *П.* 15) безбожіа *П.* 16) преоскерненыꙗ *П.*

1) συνηγόρου B_1 B_2. 2) προλαβόντως B_1 B_2. 3) Σευῆρος B_1 B_2. 4) cod. выскобл. ς (т. е. было πολλάς). 5) Καλχηδόνι B_1 B_2. 6) διαλαμβεῖν B_1; διαλαβεῖν B_2.

ꙗвити· ꙁастоупьника· иоана· въ нихъже паче гърдѧтьсѧ· велѣниꙗ паче же влѧдьства [1] прѣдъложю· [2]

л. 265 b. | о [3] ѥстьствѣ· и съставѣ· ꙗко же иже ѿ севира славѧть· и како частьнаꙗ [4] повелѣваютъ соущьства· иоана кънижьника· трифѣита· глѥмаадго троудолюбиваадго· ѿ четвьртаадго слова ꙁаконьника·

Обыще бо и ѿноудъ [5] чл҃вчьскааго ѥстьства [6] слово· аще и сами и себе ѥдино [7] ѥсть· нъ въ многыихъ подълежащиихъ бываꙗ· много бываѥть· вьсецѣло· въ коѥмьждо· и не ѿ части сии· ꙗко же и въ кърмьствии кораблꙗ· слово ѥдино сии· оумъножаѥтьсѧ [8] въ мъногыихъ· подълежащиихъ бываѥть· тако же и въ оучители видимоѥ· своимь словомь· ѥгда въ оучимыихъ бываѥть· съоумножаѥтьсѧ имъ· вьсе въ коѥмьждо бывающеѥ· къ семоу же и иже на пьрстѣ образъ· ѥдинъ сы [9] въ многыихъ образѣхъ· вьсь [10] въ коѥмьждо бываꙗ· много оубо ѥсть же и [11] глѥтьсѧ· ꙗко многомъ кораблѥмъ· и мъноꙁи чл҃вци [12] и образи мъноꙁи· и въ множаишиихъ [13]

αὐτὰ δηλοποιῆσαι τοῦ προασπιστοῦ αὐτῶν Ἰωάννου ἐν οἷς μάλιστα ἐναβρύνονται τὰ δόγματα, μᾶλλον δὲ ληρήματα, παραθήσομαι.

Περὶ φύσεως καὶ ὑποστάσεως, ὅπως οἱ ἐκ Σεβήρου [1] δοξάζουσι καὶ πῶς τὰς μερικὰς δογματίζουσιν οὐσίας. Ἰωάννου τοῦ γραμματικοῦ Τριθεΐτου λεγομένου Φιλοπόνου· ἐκ τοῦ δʹ λόγου τοῦ Διαιτητοῦ.

Ὁ γὰρ κοινὸς καὶ καθόλου τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως λόγος, εἰ καὶ αὐτὸς καθ' ἑαυτὸν εἷς ἐστιν, ἀλλ' οὖν ἐν πολλοῖς ὑποκειμένοις γινόμενος πολλὰ γίνεται, ὁλοκλήρως ἐν ἑκάστῳ καὶ οὐκ ἀπὸ μέρους ὑπάρχων· ὥσπερ καὶ ὁ ἐν τῷ ναυπηγῷ τοῦ πλοίου λόγος εἷς ὢν πληθύνεται ἐν πολλοῖς ὑποκειμένοις γινόμενος, οὕτω δὲ καὶ τὸ [2] ἐν τῷ διδασκάλῳ θεωρούμενον τῷ ἰδίῳ λόγῳ, ὅταν ἐν τοῖς διδασκομένοις γίνηται, συμπληθύνεται αὐτοῖς ὅλον ἐν ἑκάστῳ γινόμενον· προσέτι δὲ καὶ ὁ ἐν τῷ δακτυλίῳ [3] τύπος εἷς ὢν ἐν πλείοσιν ἐκμαγείοις, ὅλος ἐν ἑκάστῳ γινόμενος, πολλὰ λοιπὸν ἔστι τε καὶ λέγεται· ὥστε τὰ πολλὰ πλοῖα καὶ οἱ πολλοὶ ἄνθρωποι καὶ τὰ ἐκμαγεῖα τὰ πολλὰ καὶ τὰ ἐν τοῖς πλείοσι

1) вдѧтьсѧ *С.* 2) прѣложю *П.* 3) *С in m.* ѿг. 4) честнаа *П.* 5) ѡтиноудъ *П.* 6) соущества *П.* 7) еди *П.* 8) оумождаетсѧ *С.* 9) сыи *П.* 10) все *П.* 11) и *проп. С.* 12) чл҃чк *П.* 13) множаишѣ *П.*

1) Σευήρου B_1 B_2. 2) τὸ проп. B_1. 3) δακτύλῳ B_1 B_2.

оученицѣхъ разоумѣвъ непридѣлѥнъıихъ оубо· мъножаиша соуть по числоу· и томоу раздѣлѥна соуть и не съмѣшена· обьıщнимь же образъмь· мнози чл҃вци ѥдино соуть· и мнози корабли ѥдинъ· и разоуми же тако же и въображеньꙗ· тожьствамь[1] образа· ѥдино имоуть· ꙗко сиꙗ по иномоу оубо многа соуть и раздѣлѥна· по иномоу же съмѣшена[2] и ѥдино· нъ и аще на частъıꙗ многа|шьдъı принесемъ число· дъвоу принеси лакътоу[3] бъıти дрѣво гл҃юще· нъ силою дъвѣма бъıти[4] рекохомъ· ѥже ѥдино не дѣлию· понѥже оубо ѥдина ѥсть дѣтель· а не дъвѣ· а ѥже[5] мощи раздѣлѥниѥ прѣтьрпѣваꙗ· дъвѣма же бъıти тою рекохомъ ѥго· дъвѣма бъıти[6] нѣкъıима·

Ѿ того же законьника· глава· семаꙗ·[7]

Семоѥ да боудеть слово· Ѿ нихъже противьнаꙗ чьтоуще· вълагають· свою назнаменавають·[8] истиноу· дъвѣма [бо][9] бъıти хв҃ома ѥстьствома полагають· ѥдиноу ѥмоу тъкъмо съподоблꙗють бъıти съставоу· рекъше лице·[10] тако же оустраꙗюще· въ ѥдино бъıти хв҃оу ѥстьствоу· по въѥдинѥнии· дъвѣма того съставома

μαθηταῖς νοήματα τοῖς μὲν ἀτόμοις πλείονα τυγχάνει (л. 195a) κατὰ τὸν ἀριθμὸν καὶ ταύτῃ διῃρημένα ἐστὶ καὶ οὐχ ἡνωμένα· τῷ κοινῷ δὲ εἴδει οἱ πολλοὶ ἄνθρωποι εἷς[1] τυγχάνουσι, καὶ τὰ πολλὰ πλοῖα ἕν, καὶ τὰ νοήματα δὲ ὡσαύτως, καὶ τὰ ἐκμαγεῖα τῇ ταυτότητι[2] τοῦ ἐκτυπώματος τὸ ἓν ἔχουσιν· ὥστε ταῦτα κατ' ἄλλο μὲν πολλά ἐστι καὶ διῃρημένα, κατ' ἄλλο δὲ ἡνωμένα καὶ ἕν· ἀλλὰ κἂν ἐπὶ τῶν συνεχῶν πολλάκις (л. 266 a.) φέρωμεν τὸν ἀριθμόν, δύο φέρε πήχεων εἶναι τὸ ξύλον λέγοντες, ἀλλὰ δυνάμει δύο φαμὲν εἶναι τὸ ἕν, οὐκ ἐνεργείᾳ, ἐπείτοιγε ἓν ἐστιν ἐνεργείᾳ καὶ οὐ δύο, τῷ[3] δὲ δύνασθαι τομὴν[4] ὑπομένον[5] δύο γενέσθαι, ταύτῃ φαμὲν αὐτὸ δύο τινῶν εἶναι.

ἐκ τοῦ αὐτοῦ[6] Διαιτητοῦ κεφάλαιον ζ'.

Ἕβδομος ἔστω λόγος ὁ ἐξ ὧν οἱ τὰ ἐναντία πρεσβεύοντες ὑποτίθενται τὴν ἰδίαν ἐπισφραγίζειν ἀλήθειαν· δύο γὰρ εἶναι τὰς Χριστοῦ φύσεις ὑποτιθέμενοι, μίαν αὐτοῦ καὶ μόνην ἀξιοῦσιν εἶναι τὴν ὑπόστασιν ἤγουν πρόσωπον, ὁμοίως ἀποσκευαζόμενοι τοὺς εἰς μίαν εἶναι τὴν τοῦ Χριστοῦ φύσιν μετὰ τὴν ἕνωσιν, δύο τούτου τὰς ὑποστάσεις

1) торжества̑ *П.* 2) съмѣшеніа *С.* 3) латкꙋ *С.* 4) дрѣво гл҃юще· нъ силою дъвѣма бъıти *проп. С.* 5) аже *С (вм.* а еже). 6) бѣтии *П.* 7) *cod. переправл.* а *изъ* е. 8) назнаменавают *П.* 9) *вставка изъ П.* 10) лица *П.*

1) εἰς B_1. 2) αυτότητι B_1. 3) τὸ B_1 B_2. 4) τὸ μὴν B_1. 5) cod. переправл. изъ ὑπομένειν. 6) αὐτοῦ проп. B_1 B_2.

чьтоущимъ· нъ прѣже даже не въ обличениꙗ насъ въложити тоꙗ кинъı· оудобьнѣе· мьню пьрвѣе ѿлоучити· чьто бо естьства· цр҃квьнъıихъ назнаменоуеть оучение· хощеть имѧ· чьто же лицю и съставоу· естьствоу оубо бъıти помъıшлꙗеть· обьщемоу бъıти словоу· причащающиимъсѧ того же соущьства· ꙗко чл҃вкоу вьсѧкомоу· животьное[1] словесьно съмьртьно оума и хъıтрости приꙗтьно· томоу бо никъто же ѿ чл҃вкъ въдасть· соущьство[2] же и естьство въкоупь прѣводить·[3] съставъ же[4] рекъше лице особь съставлѥное· коегожьдо естьства соущьство·

Да сице рекоу о писании· ѿ невѣжь
л. 266 b. нѣкъıихъ съ|ложение· на нꙗже обоихъ того же приобьщивъшесѧ естьства дъвовѣроують· и скоро рещи ꙗже нераздѣльнаꙗ[5] нарицѧти· ѿ ходѧщаго дроуга· въ нихъже обьщиихъ родовъ и образъ· съконьчаваетьсѧ раздѣлиение· си цр҃квьнии оучителе· съставъı· егда и лицѧ нарекоша· животьномоу бо· словесьное· раздѣлꙗющоусѧ и бесловесьно· и словесьномоу пакъı въ чл҃вѣкъı· и ан҃гла·[6] и въ бѣса· равьнаꙗ прочее раздѣлꙗютьсѧ· послѣдьнее образъ тѣхъ· коеждо ꙗко се чл҃вкъ оубо въ петра· и въ павьла· ан҃глъ же

πρεσβεύοντας· ἀλλὰ πρὶν εἰς τοὺς ἐλέγχους ἡμᾶς ἐμβαλεῖν ταύτης τῆς ὑποθέσεως, εὔλογον οἶμαι πρότερον ἀφορίσασθαι, τί μὲν τὸ τῆς φύσεως ἡ τῶν ἐκκλησιῶν σημαίνειν διδασκαλία βούλεται ὄνομα, τί δὲ τὸ τοῦ προσώπου καὶ τῆς ὑποστάσεως. φύσιν μὲν οὖν εἶναι οἴεται τὸν κοινὸν τοῦ εἶναι λόγον τῶν τῆς αὐτῆς μετεχόντων οὐσίας, ὡς ἀνθρώπου παντὸς τὸ ζῷον λογικὸν θνητόν, νοῦ καὶ ἐπιστήμης δεκτικόν (τούτῳ γὰρ οὐδεὶς ἀνθρώπων διενήνοχεν), οὐσίαν δὲ καὶ φύσιν εἰς ταὐτὸν ἄγει, ὑπόστασιν δὲ ἤγουν πρόσωπον τὴν[1] ἰδιοσύστατον τῆς ἑκάστου φύσεως ὕπαρξιν καὶ ἵν' οὕτως εἴπω περιγραφὴν ἐξ ἰδιοτήτων τινῶν συγκειμένην, καθ' ἃς ἀλλήλων οἱ τῆς αὐτῆς κεκοινωνηκότες φύσεως διαφέρουσι, καὶ συντόμως εἰπεῖν, ἅπερ ἄτομα[2] προσαγορεύειν τοῖς ἐκ τοῦ περιπάτου φίλον· ἐν οἷς ἡ τῶν κοινῶν γενῶν τε καὶ εἰδῶν ἀποτελευτᾷ διαίρεσις. ταῦτα οἱ τῆς ἐκκλησίας διδάσκαλοι ὑποστάσεις ἔσθ' ὅτε καὶ πρόσωπα προσηγόρευσαν· τοῦ γὰρ ζῴου εἰς τὸ λογικὸν διαιρουμένου καὶ τὸ ἄλογον, καὶ τοῦ λογικοῦ πάλιν εἰς ἄνθρωπον καὶ ἄγγελον καὶ δαίμονα, τὰ ἴσα λοιπὸν ὑποτέμνεται ἔσχατον τῶν εἰδῶν τούτων ἕκαστον, οἷον ἄνθρωπος μὲν εἰς Πέτρον καὶ Παῦλον, ἄγγελος δὲ

1) жотное *C.* 2) сѹществѹ *H.* 3) прѣводити *C.* 4) съставьше *C* (*вм.* съставъ же). 5) нараздѣланаѧ *C.* 6) гл҃ѧ *C.*

1) τὸ B_1 B_2. 2) ἄτοπα B_1 B_2.

въ[1] михаила и гаврила· принеси и[2] прочиихъ анг҃лъ· коѥжьдо и нераздѣлимоѥ нареченьѥ· имьже не помышлають· тѣхъ коѥгожьдо раздѣлꙗти прочеѥ дроугоѥ ѥстьство ихъ· по раздѣлѥнию съблюдаютьсѧ· раздѣлѥниѥ бо въ д҃шю ч҃лвчю и тѣло· вьсѩкоꙗ животьны·[3] тьлю съдѣваѥть· ѿ сего нераздѣлꙗѥмаꙗ нарицѧти· онѣмъ любьзно· съставы же таковаꙗ ц҃ркве· нарече слово· зане въ ⟨си⟩хъ роди[4] и[5] ѿбрази[6] приѥмлють соущьство· аще бо и[7] своѥ имать ꙗко быти словоу животьноу·[8] принеси и ч҃лвкъ· ихъже ово[9] оубо ѥсть родъ ово же образъ· нъ въ нераздѣльныихъ соущьство имоуть·[10] ꙗко се петроу и павьлоу· развѣ тою не подъложенаꙗ· чьто оубо съставъ ѥсть и чьто ѥстьство· по ц҃ркъвьноуоумоу съказанию рьцѣмъ· се оубо обьще ѥ|стьство или ч҃лвче· по нѥмоуже никъıи[11] же ч҃лвкъ ни ѥдиного же разньства· въ коѥмьждо нераздѣлимыихъ бываюштеѥ· своѥю бо ономоу ни ѥдиного же· дроугааго обьще бываѥть· ꙗко же въ четвьртѣи главѣ заповѣдахомъ· ѥже въ мнѣ животьноѥ· словесьно съмьртьно· ни ѥдиного же иного обьще ѥсть· ѩко се пострадавъшю ч҃лвкоу нѣкоѥмоу· или волоу или

εἰς Γαβριὴλ καὶ Μιχαήλ. φέρε καὶ τῶν λοιπῶν ἀγγέλων ἕκαστον ἄτομα προσαγορεύουσι, διότι μὴ οἷόν τε τούτων ἕκαστον ὑποτέμνεσθαι λοιπὸν εἰς ἕτερα[1] τὴν φύσιν αὐτῶν μετὰ τὴν τομὴν δια(л. 195^{b})σῴζοντα· ἡ μὲν γὰρ εἰς ψυχὴν καὶ σῶμα τοῦ ἀνθρώπου διαίρεσις τοῦ παντὸς ζῴου φθορὰν ἐργάζεται· ἔνθεν ἄτομα ταῦτα καλεῖν ἐκείνοις φίλον, ὑποστάσεις δὲ τὰ τοιαῦτα ὁ ἐκκλησιαστικὸς[2] ὠνόμασε λόγος, διότι ἐν τούτοις τὰ γένη καὶ τὰ εἴδη λαμβάνει τὴν ὕπαρξιν· εἰ γὰρ καὶ ἴδιον ἔχει τὸν τοῦ εἶναι λόγον τὸ ζῷον φέρε καὶ ὁ ἄνθρωπος, ὧν τὸ μέν ἐστι γένος, τὸ δὲ εἶδος, ἀλλ' ἐν τοῖς ἀτόμοις τὴν ὕπαρξιν ἔχουσιν, οἷον Πέτρῳ καὶ Παύλῳ, χωρὶς τούτων οὐχ ὑφιστάμενα. τί μὲν οὖν ὑπόστασίς ἐστι καὶ τί φύσις, κατὰ τὴν ἐκκλησιαστικὴν [л. 267 а.] ὑφήγησιν εἴπομεν. αὕτη δὴ οὖν ἡ κοινὴ φύσις ἡ ἀνθρώπου, καθ' ἣν οὐδεὶς ἄνθρωπος οὐδενὸς διενήνοχεν, ἐν ἑκάστῃ τῶν ἀτόμων[3] γινομένη, ἰδία λοιπὸν ἐκείνου καὶ οὐδενὸς ἑτέρου κοινὴ γίνεται, καθὼς ἐν τῷ τετάρτῳ κεφαλαίῳ ὡρισάμεθα· τὸ γὰρ ἐν ἐμοὶ ζῷον λογικὸν θνητὸν οὐδενὸς ἄλλου κοινόν ἐστιν. ἀμέλει παθόντος ἀνθρώπου τινός, ἢ βοὸς ἢ

1) въ *проп. С.* 2) и *проп. С.* 3) животныи *П;* животно *С.* 4) хровѣ *П* (*вм.* хъ роди). 5) и *проп. П.* 6) ѡбраѕи *ПС.* 7) и *проп. С.* 8) животноуи *П.* 9) обо *С.* 10) имать *С.* 11) нѣкыи *С.*

1) ἑτέραν B_1 B_2. 2) ἐκκλησιαστὴς B_1 B_2. 3) ἀτόμω B_1.

конıо· бестрастьна бѣша[1] подобьнообразьнаıа неразд ѣлимꙑихъ невъзможьно· ибо павьлоу оумьръшю· ни ıединомоу же оумрѣти прочиихъ чл҃вкъ подобаıеть· и бывъшю петроу и въ бытьıе приведъшю соущеи по немь цл҃вци[2] оубо не соущиихъ соуть то не коıежьдо ли ıестьство· не ıединако гл҃ıетьсѧ· ıеже ıесть на дъвоıе· по ıединомоу бо образоу ıегда обьщеıе· коıегожьдо ıестьства· своıего себе видимъ· ıако же чл҃вче ıестьство или конѧ· ни въ чемь же раздѣлынъıихъ бываıа· по дроугоумоу же ıегда оубо обьще ıестьство· въ нераздѣлынъıихъ бывающеıе· оузьримъ· и частьноıе[3] въ коıемьждо ихъ приıемлющıе[4] соущьство ни ıединомоу же дроугоıе· развѣ томоу ıединомоу прочеıе· подобьноıе· ıеже бо въ мънѣ животьноıе словесьноıе· съмьртьно· ни ıединомоу же инѣхъ человѣкъ ıесть ѡбьще· въ иномь нѣкоıемь[5] боудеть оубо· ıако же нъıнıа ıавихомъ· ıако же сиıа разоумꙑ·[6] о ıестьствѣхъ[7] же имать и о съставѣхъ· л. 267 b. цр҃квьноıе оучениıе ıа|ви·[8] ѿ нихъже ıедино оубо ıестьство оц҃ѧ и сн҃а и ст҃го дх҃а исповѣдаıемъ·[9] три же съставꙑ сихъ рекъше лицѧ проповѣдаıемъ· на ıаже коıежьдо своıствъмь· нѣкꙑимь ѿ прочиихъ

ἵππου, ἀπαθῆ μένειν[1] τὰ ὁμοιοειδῆ τῶν ἀτόμων οὐκ ἀδύνατον· καὶ γὰρ Παύλου τεθνεῶτος μηδένα τεθνάναι τῶν λοιπῶν ἀνθρώπων ἐνδέχεται, καὶ γεννωμένου[2] Πέτρου καὶ εἰς τὸ εἶναι παραχθέντος οἱ ἐσόμενοι μετ' αὐτὸν ἄνθρωποι οὔπω τῶν ὄντων εἰσίν. οὐκοῦν ἑκάστη φύσις οὐ μοναχῶς λέγεται τοῦθ' ὅπερ ἐστίν, ἀλλὰ διχῶς· καθ' ἕνα μὲν τρόπον, ὅταν τὸ[3] κοινὸν ἑκάστης[4] φύσεως λόγον αὐτὸν[5] ἐφ' ἑαυτοῦ θεωρῶμεν,[6] οἷον τὴν ἀνθρώπου φύσιν ἢ τὴν ἵππου ἐν οὐδενὶ τῶν ἀτόμων γινομένην· καθ' ἕτερον δέ, ὅταν αὐτὴν δὴ ταύτην τὴν κοινὴν φύσιν ἐν τοῖς ἀτόμοις γιναμένην κατίδωμεν καὶ μερικωτάτην ἐν ἑκάστῳ αὐτῶν λαμβάνουσαν ὕπαρξιν, οὐδενὶ ἄλλῳ πλὴν ἐκείνῳ καὶ μόνῳ λοιπὸν ἐφαρμόζουσαν· τὸ γὰρ ἐν ἐμοὶ ζῷον λογικὸν θνητὸν οὐδενὶ τῶν ἄλλων ἀνθρώπων ἐστὶ κοινόν, οὐδὲ ἡ ἐν τῷδε τῷ ἵππῳ τοῦ ζῴου φύσις ἐν ἄλλῳ τινὶ γένοιτ' ἄν, ὡς ἀρτίως δεδείχαμεν. ὅτι δὲ ταύτας τὰς ἐννοίας περί τε φύσεων ἔχει καὶ ὑποστάσεων ἡ τῆς ἐκκλησίας διδασκαλία, δῆλον ἐξ ὧν μίαν μὲν φύσιν πατρός τε καὶ υἱοῦ καὶ ἁγίου πνεύματος ὁμολογοῦμεν, τρεῖς δὲ τὰς ὑποστάσεις τούτων[7] ἤγουν πρόσωπα δογματίζομεν, καθ' ἃς ἕκαστον ἰδιότητί τινι ἐκ τῶν λοιπῶν

---

1) бꙑша *П.* 2) чл҃ци *С.* 3) честноıе *П.* 4) *cod. переправл.* ıе *изъ* н. 5) нѣкемь *С.* 6) разоумꙑи *П.* 7) ıестьствѣ *С.* 8) ıавѣ *ПС.* 9) исповѣдаıеть *С.*

1) μὲν ἦν B_1 B_2. 2) γενομένου B_1 B_2. 3) cod. надъ τὸ дописыв. ν. 4) ἑκάστην B_1. 5) αὐτοῦ B_1 B_2. 6) θεωροῦμεν B_1 B_2. 7) τούτων ὑποστάσεις B_1 B_2.

расоужаѥтьсѧ· ѥдино ѥстьство б҃жьства· или обьщеѥ[1] б҃жьствьнааго ѥстьства[2] словоу то о собѣ само видимоѥ· и помꙑшлѥниѥмь коѥгожьдо състава· своиства раздлично· ꙗко и[3] особьноѥ пакꙑ ѥстьства вѣмь имѧ· обьщеѥ слово ѥстьства· на коѥжьдо неразд҄ѣльнꙑихъ· рекъше съставъ коѥгожьдо своѥ вѣмъ видѧще· и ни ѥдиномоу же прочеѥ· дроугоумоу подъ обьщимъ образъмь· подобьно бꙑти мощьно ꙗвѣ пакꙑ ѿ нихъже· при хрьстовоу дъвоу ѥстьствоу въѥдинѥние· б҃жьствьноѥ рекоу и чл҃вчьскоѥ чьтемъ· не подобаѥть бо обьщюмоу·[4] оу ст҃ꙑꙗ троицѧ мьнимоѥ б҃жьства· въплътитисѧ реченоу· тако бо оубо и оц҃ѧ и сн҃а и ст҃го доуха· оглѥмъ въчл҃вечениѥ· нъ ни обьщааго чл҃вчьскааго ѥстьства слово· въѥдинитисѧ б҃жью словоу чьтемъ· тако бо пакꙑ· и прѣже слова пришьствиꙗ· бꙑвъшимъ чл҃вкомъ· и по семь соущимъ вьсѣмъ· прилѹчилъсѧ б҃жиѥ слово· правьдьно гл҃аше· нъ ꙗвѣ ꙗко ѥстьство б҃жьства· сьде речемъ· въ съставѣ слова· ѡбьщааго б҃жьства·[5] особьшенсѧ ѥстьства· тѣмь и ѥдино ѥстьство б҃жьства слова· въплъщено исповѣдаѥмъ ѥмоу· ѥже приложити б҃жию словоу ꙗвѣ

διακρίνεται,[1] μία φύσις θεότητος, ἢ κοινὸς τῆς θείας φύσεως ὁ[2] λόγος, αὐτὸς καθ' ἑαυτὸν θεωρούμενος καὶ τῇ ἐπινοίᾳ τῆς ἑκάστης ὑποστάσεως ἰδιότητος κεχωρισμένος. ὅτι δὲ καὶ ἰδικώτερον πάλιν[3] τὸ τῆς φύσεως γινώσκομεν ὄνομα, τὸν κοινὸν λόγον τῆς φύσεως ἐφ' ἑκάστου τῶν ἀτόμων ἤγουν τῶν ὑποστάσεων ἑκάστης (л. 196а) ἴδιον γινώσκομεν θεωροῦντες,[4] καὶ οὐδενὶ λοιπὸν ἑτέρῳ τῶν ὑπὸ τὸ κοινὸν εἶδος ἐφαρμόζειν δυνάμενον,[5] δῆλον πάλιν ἐξ ὧν ἐπὶ Χριστοῦ δύο φύσεων ἕνωσιν, τῆς θείας φημὶ καὶ τῆς ἀνθρωπείας, πρεσβεύομεν· οὐ γὰρ δὴ τὴν κοινὴν ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος νοουμένην τῆς θεότητος σεσαρκῶσθαί φαμεν· οὕτω γὰρ ἂν καὶ τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος κατηγοροῖμεν[6] τὴν ἐνανθρώπησιν. ἀλλ' οὐδὲ τὸν κοινὸν τῆς ἀνθρωπίνης φύσεως λόγον ἡνῶσθαι τῷ θεῷ λόγῳ πρεσβεύομεν· οὕτω γὰρ πάλιν καὶ τοῖς πρὸ τῆς τοῦ λόγου ἐπιδημίας γενομένοις ἀνθρώποις καὶ τοῖς μετὰ ταύτην ἐσομένοις ἅπασιν ἡνῶσθαι ἂν ὁ τοῦ θεοῦ λόγος δικαίως ἐλέγετο. ἀλλὰ δῆλον ὅτι φύσιν θεότητος ἐνταῦθά φαμεν τὴν ἐν τῇ ὑποστάσει τοῦ λόγου τῆς κοινῆς θεότητος ἐξιδιασθεῖσαν φύσιν, ὅθεν καὶ μίαν φύσιν τοῦ θεοῦ λόγου σεσαρκωμένην ὁμολογοῦμεν, αὐτῷ τῷ προσθεῖναι τοῦ θεοῦ λόγου σαφῶς

---

1) б҃жьствьнааго вставл. *cod.* 2) ѥстьства *П.* 3) и *проп. С.* 4) обьщономоу *С.* 5) сьде речемъ· въ съставѣ слова· обьщааго б҃жьства *проп. С.*

1) τίς γὰρ ἂν εἴη вставл. B_1 B_2. 2) ὁ проп. B_1 B_2. 3) πάλιν καὶ ἰδικώτερον B_1 B_2. 4) θεωροῦντες γινώσκομεν B_1 B_2. 5) δυναμένων B_1 B_2. 6) κατηγοροῦμεν B_1 B_2.

л. 268 а. изволивъше ю | оц҃а же и ст҃го дх҃а· ꙗко аще и си· обьщее[1] естьства слово· свое къ томоу бж҃ию словоу разоумѣюще въплътиса речемъ слова естьства· и естьства оубо чл҃вчьства гл҃емъ· примѣситиса словоу· чьстьномоу иномоу соуцьствоу· еже едино ѿ всѣхъ слово приатъ· ꙗко просто на то естьства знаменаваемое· тое же оубо боудеть естьство и съставъ· обаче ꙗко съставьное има· съразоумьнъıꙗ имать· и привъıкающаго отъ обычаго естьства· коемоужьдо неразд͑ѣльнъıи своиства·[2] на ꙗже дроугъ ѿ дроуга разлоучиса· ѿ сего нашихъ· мъногъı[3] и разлічьнъı[4] обрѣсти есть гл҃юща[5] естьствъ·[6] рекъıше съставъ· въедининие бъıти· аще бо съставъ ꙗко же познахомъ·[7] своего коегожьдо и неразд͑ѣльное назнаменоуꙗ соуцьство· ѿ подобьнаго же мъногашьдъı· сиꙗ приемлють имена·[8] ꙗвѣ ꙗко и свое естьство назнаменоуеть· намъ тѣхъ ради хотащемъ· понеже и такою же бесѣдою· и приатиемь· таковаꙗ естьства славащемъ·[9] объıчаи вьсѣмъ· и обьщее[10] естьства слово· члв҃ѣка нарицати· ꙗко егда гл҃еть· образоу бъıти животьнаго чл҃вкоу еже ни неразд͑ѣльнъıхъ ни

ἀποκρίναντες αὐτὴν τοῦ τε πατρὸς καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος· ὥστε κἀνταῦθα τὸν κοινὸν τῆς φύσεως λόγον ἴδιον λοιπὸν τοῦ θεοῦ λόγου νενοηκότες, σεσαρκῶσθαί φαμεν τοῦ λόγου τὴν φύσιν· καὶ φύσιν πάλιν ἀνθρωπότητος λέγομεν ἡνῶσθαι τῷ λόγῳ τὴν μερικωτάτην ἐκείνην ὕπαρξιν, ἣν μόνην ἐκ πασῶν ὁ λόγος προσείληφεν· ὥστε σχεδὸν κατὰ τοῦτο τῆς φύσεως τὸ σημαινόμενον ταὐτὸν ἂν εἴη φύσις καὶ ὑπόστασις, πλὴν ὅτι τὸ τῆς ὑποστάσεως ὄνομα συνεπινοουμένας ἔχει καὶ τὰς ἐπιγινομένας παρὰ τὴν κοινὴν φύσιν ἑκάστῳ τῶν ἀτόμων ἰδιότητας, καθ' ἃς ἀλλήλων κεχώρισται· ἔνθεν τῶν ἡμετέρων πολλοὺς διαφόρως εὑρεῖν ἐστι λέγοντας φύσεων ἤγουν ὑποστάσεων ἕνωσιν γεγονέναι· εἰ γὰρ ἡ ὑπόστασις, ὡς ἐδείξαμεν, τὴν ἰδικὴν ἑκάστου καὶ ἄτομον σημαίνουσα[1] ὕπαρξιν (ἐκ παραλλήλου δὲ πολλάκις τούτοις κέχρηνται τοῖς ὀνόμασι), δῆλον ὡς καὶ τὴν ἰδικωτάτην φύσιν σημαίνειν ἡμῖν[2] διὰ τούτων ἐθέλουσιν, ἐπεὶ καὶ ἐν τῇ ἀνὰ χεῖρα ὁμιλίᾳ καὶ ἐν τῇ χρήσει τῶν τὰ τοιαῦτα πεφυσιολογηκότων ἔθος ἅπασι καὶ τὸν κοινὸν τῆς φύσεως λόγον ἄνθρωπον προσαγορεύειν, ὡς ὅταν λέγωσιν εἶδος εἶναι τοῦ ζῴου τὸν ἄνθρωπον, εἴπερ μηδὲν τῶν ἀτόμων μήτε

---

1) обıце *С.* 2) ствоиства *С.* 3) *cod. перепр*авл. ъ *изъ* о. 4) различныи *П.* 5) гл҃юща *С.* 6) естество *С.* 7) показахомъ *П.* 8) имене *С.* 9) словащи͡е *П.* 10) обıце *С.*

1) σημαίνουσιν B_1 B_2. 2) ἡμῖν σημαίνειν B_1 B_2.

ѥсть образъ· ѥже подъ родъмь· ни г҃лѥтьсѧ· нъ и ч҃лвка коніа лоучьша г҃лѥмъ·[1] ꙗвѣ ꙗко всемоу г҃лющіа ѥстьства· и пакы петроу ч҃лвкоу быти речемъ и павьль иоана· и[2] быти | ч҃лвкоу и[3] оумрети· по коѥмоужьдо· ꙗвѣ ꙗко и обьщаагo слова· ч҃лвчьскаго ѥстьства· тако же имоущю· и сє же[4] пакы подобьно прѣже разлоучити· ꙗко лицѧ и състава имѧ· многашьды оубо[5] того же ѥсть въ насъ ꙁнамениѥ ꙗвлѥньно· ꙗко же и мечь къто тако же наричеть[6] и ножь· тако оубо прѣ[ст҃ѣ]и[7] троици различьно· лицѧ· г҃· и трои[8] съставы[9] наричемъ·[10] ѿ подобьнаагo образъмь· кымьжьдо тоѥ же наꙁнаменоующе· мъногашьды бо лице състава· расмаꙗрѧють[11] лице наричюще· нѣкъıихъ своиство къ подобьнъıимъ· не невѣдоущоу[12] ни обычьноумоу приниманию то ꙁнаменаѥмоѥ лице речемъ моѥ въспрꙗти лице оньсици· и въ лице въвести сеꙗ пьрѧ оньсицю· ипрохоу же лице имѣти цр҃ѧ[13] г҃лѥмъ· ѿню доу же и несториѥвъ велѣнии послоушьници· ни ѥстьства

ἐστὶν εἶδος τὸ ὑπὸ τὸ γένος μήτε λέγεται. ἀλλὰ καὶ ἄνθρωπον ἵππου διαφέρειν[1] λέγομεν, αὐτὰς δηλονότι τὰς καθόλου λέγοντες φύσεις· καὶ πάλιν Πέτρον ἄνθρωπον εἶναί φαμεν καὶ Παῦλον καὶ Ἰωάννην καὶ γεγονέναι ἄνθρω- (л. 268 b.) πον καὶ τεθνάναι, τὸν καθ' ἕκαστα δηλονότι. καὶ τοῦ κοινοῦ λόγου τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως ὡσαύτως ἔχοντος, καὶ τοῦτο δὲ πάλιν εὔλογον[2] προδιαστείλασθαι, ὡς τὸ τοῦ προσώπου καὶ τὸ τῆς ὑποστάσεως ὄνομα πολλάκις μὲν τῆς αὐτῆς ἐστι παρ' ἡμῖν σημασίας δηλωτικόν, (л. 196b) ὡς εἰ καὶ ξίφος τις τὸ αὐτὸ καλοίη καὶ μάχαιραν. οὕτω γοῦν ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος διαφόρως πρόσωπά τε τρία καὶ τρεῖς ὑποστάσεις προσαγορεύομεν[3] τῷ ἐκ παραλλήλου τρόπῳ δι' ἑκατέρου ταὐτὸν σημαίνοντες· πολλάκις δὲ τὸ πρόσωπον τῆς ὑποστάσεως διακρίνουσι, πρόσωπον καλοῦντες τὴν τινων[4] σχέσιν πρὸς ἄλληλα, οὐκ ἀγνοούσης οὐδὲ τῆς συνήθους χρήσεως τοῦτο τοῦ προσώπου τὸ σημαινόμενον· φαμὲν γὰρ τὸ ἐμὸν ἀνειληφέναι πρόσωπον τὸν δεῖνα καὶ εἰς πρόσωπον τοῦδε τὴν δίκην εἰσαγαγεῖν τὸν δεῖνα, καὶ τὸν ὕπαρχον δὲ πρόσωπον ἔχειν τοῦ βασιλέως λέγομεν· ἔνθεν καὶ οἱ τῶν Νεστορίου δογμάτων κατήκοοι, οὔτε φύσιν

1) г҃лѥть *П.* 2) и *проп. С.* 3) и *проп. С.* 4) же *проп. С.* 5) оубо *проп. С.* 6) наречеть *П.* 7) *исправл. по С; cod. вставл.* ⁜; *П* трѣи. 8) три *П.* 9) съставыи *П.* 10) наречемъ *П.* 11) расматрѧють *С.* 12) *cod. переправл.* о *изъ* ѥ. 13) цесарѧ *П*; цр҃ѧ *С.*

1) διαφέρομεν B_2. 2) ἔλεγον B_1. 3) προσαγορεύειμεν B_1 B_2. 4) τίνων B_2.

ѥдиного х҃ва· ни състава гл҃ати въсприѥмлюще· понѥже ни ѥстьствъ· ни съставъ· на ты чьтоуть въѥдинѥниѥ ч҃лвка же быти ѿ мариꙗ проста полагають· вьсе въ нѥмь вълѣстивъшеѥсѧ б҃жьствьноѥ сиꙗниѥ· и тѣмь инѣхъ вьсѣхъ б҃оносивыихъ моужь·[1] лоучьшиихъ чьстьнѣишеѥ въ томь коѥмьждо· б҃жьствьнаго бываюштаго сиꙗниꙗ обаче надѣющесѧ· ѥдиномоу быти х҃воу лицю· извѣщають своиство· б҃жиꙗ слова· къ ч҃лвкоу же ѿ мариꙗ ѥдино соуштьство· лице ѥдино гл҃юще· понѥже онъ вьсе
л. 269 а. б҃жьствьноѥ съмо|трениѥ· на лице творѧ же б҃жьства слово·[2] тѣмь правьдьно· и на ч҃лвка роуганиѥ·[3] и на б҃а приносити имьже и ѿ послоушьливыихъ· на епарха бываюштиꙗ· чьсть же и[4] роуганиѥ· на того приноситьсѧ ц҃рѧ·[5] того же оусвоѥниꙗ· и х҃во нарѣчениѥ· въ рѣснотоу ꙗвлѥно быти рѣша· тѣмь и х҃а ѥдиного· нарицати съподоблѧють· понѥже и своиство ꙗко же речено ѥсть· ѥдино аще и больша боудеть того причащающесѧ· ꙗвѣ же мьню бл҃гочьстивыимъ· о сп҃совѣ въч҃лвѣчении· ꙗко ѥдиномоу быти х҃воу лицю мы[6] гл҃ѥмъ· не ꙗко же несториѥвомъ дроугомъ изволисѧ· на томь простѣмь оусвоѥнии б҃жиѥ къ ч҃лвкоу лицѧ носимо имѧ· нъ ѿ подобиꙗ състава·[7]

1) м8жеи *П.* 2) слова *П.* 3) роуганіа *П.* 4) и *проп. П.* 5) ц҃рѧ *ПС.* 6) мы *проп. С.* 7) съста *П.*

μίαν ἐπὶ Χριστοῦ οὔτε ὑπόστασιν λέγειν ἀνεχόμενοι, ἐπεὶ μήτε τῶν φύσεων μήτε τῶν ὑποστάσεων καθ' αὐτὰς πρεσβεύουσιν ἕνωσιν, ἄνθρωπον δὲ εἶναι τὸν ἐκ Μαρίας ψιλὸν ὑποτίθενται, ὅλην ἐν ἑαυτῷ τὴν θείαν χωρήσαντα ἔλλαμψιν καὶ ταύτῃ τῶν ἄλλων ἁπάντων θεοφόρων ἀνθρώπων διαφέροντα, μερικωτέρας ἐν ἐκείνων[1] ἑκάστῳ τῆς θείας γενομένης ἐλλάμψεως, ὅμως θαῤῥούντως[2] ἓν εἶναι τοῦ Χριστοῦ τὸ πρόσωπον διϊσχυρίζονται, τὴν σχέσιν τοῦ θεοῦ λόγου πρὸς τὸν ἐκ Μαρίας ἄνθρωπον μίαν οὖσαν πρόσωπον ἓν λέγοντες, ἐπεὶ πᾶσαν ἐκεῖνος τὴν θείαν οἰκονομίαν εἰς πρόσωπον ἐποιεῖτο τῆς τοῦ λόγου θεότητος· ὅθεν δικαίως καὶ τὴν εἰς τὸν ἄνθρωπον ὕβριν εἰς θεὸν ἀναφέρεσθαι, ἐπεὶ καὶ ἡ ἐκ τῶν ὑπηκόων εἰς τὸν ὕπαρχον γινομένη τιμή τε καὶ ὕβρις εἰς αὐτὸν ἀναφέρεται τὸν βασιλέα. ταύτης γ' οὖν τῆς σχέσεως καὶ τὴν Χριστὸς προσηγορίαν κυρίως δηλωτικὴν εἶναί φασιν· ὅθεν καὶ Χριστὸν ἕνα καλεῖν[3] ἀξιοῦσιν, ἐπεὶ καὶ ἡ σχέσις, ὡς εἴρηται, μία, κἂν[4] πλείονα εἴη τὰ ταύτης μετέχοντα. δῆλον οὖν οἶμαι τοῖς εὐσεβοῦσι περὶ τὴν τοῦ σωτῆρος ἐνανθρώπησιν, ὡς ἓν εἶναι τοῦ Χριστοῦ πρόσωπον ἡμεῖς λέγοντες οὐχ ὡς τοῖς Νεστορίου φίλοις ἔδοξεν ἐπ' αὐτῆς ψιλῆς τῆς σχέσεως τοῦ θεοῦ πρὸς τὸν ἄνθρωπον τὸ τοῦ προσώπου φερόμενον ὄνομα, ἀλλ' ἐκ παραλλήλου

1) ἐκείνῳ B_1 B_2. 2) θαῤῥοῦντες B_1 B_2. 3) καλεῖν проп. B_1. 4) καὶ B_1 B_2.

наречениꙗ и лица приѥмлѥмъ· лице гл҃юще· ѥдиномоу быти х҃своу лицю· ꙗко чл҃вкоу ѥдинъ съставъ·[1] петроу рекъше и павьлоу· да прѣдъидеть оубо намъ съ инѣми и[2] се ꙗко[3] и паче· и ни полоучьшааго лѣта· развѣ съмѣшениꙗ ѥже къ словоу· чл҃вчьскоѥ приꙗ х҃ско· нъ въкоупь же начало· ѥже въ бытиѥ прѣхода· и къ словоу възѧ въѥдинениѥ·[4] нъ не постоꙗньноу быти рекохъмъ ѥстьствоу томоу· не же особьсъставьноу имѧаше· паче простъиихъ чл҃вкъ· и особьописано[5] соущьство свойствы нѣкъими· паче обыщаго ѥстьства· прочиихъ чл҃вкъ вьсѣхъ расмащрѧющеи·[6] се бо назнаменовати нъиꙗ· състава показахомъ имѧ· оубо ꙗко не о бж҃ьствѣ х҃свѣ· и ѥсть|ствоу[7] ѥго· и съставъ исповѣдаѥмъ· тако же нѣкъде· и на чл҃вчьствѣ ѥго ꙗко[8] ѥстьство· тако и свои сии съставъ· исповѣдати ноужде· да не непостоꙗньно ѥже рекохъ ѥстьство оно· гл҃ати ноудимъсѧ· ѥдино бо ꙗвѣ ꙗко подъ обыщиимь ѥстьствъмь творѧщиимь· нераздѣльноихъ сп҃сово бѣаше чл҃вчьскоѥ· симъ тако съказаномъ ꙗвѣ· и ѿ вьсѣхъ мьню съглашаѥмомъ· да гл҃ють намъ

τῇ[1] τῆς ὑποστάσεως καὶ τῇ τοῦ προσώπου προσηγορίᾳ χρώμεθα, οὕτω λέγοντες ἓν εἶναι τοῦ Χριστοῦ πρόσωπον, ὡς ἀνθρώπου μίαν ὑπόστασιν Πέτρου τυχὸν ἢ Παύλου. προηγείσθω δὲ ἡμῖν μετὰ τῶν ἄλλων καὶ τοῦτο. ὡς εἰ καὶ τὰ μάλιστα μηδὲ τὸν τυχόντα χρόνον χωρὶς τῆς πρὸς τὸν λόγον ἑνώσεως τὸ ἀνθρώπινον ὑπέστη τοῦ Χριστοῦ, ἀλλ' ἅμα τε τὴν ἀρχὴν τῆς εἰς τὸ εἶναι παρόδου καὶ τὴν πρὸς τὸν λόγον ἀνείληφεν ἕνωσιν, ἀλλ' οὐκ ἀνυπόστατον εἶναί φαμεν τὴν φύσιν ἐκείνην, εἴπερ ἰδιοσύστατον εἶχε παρὰ τοὺς λοιποὺς ἀνθρώπους καὶ ἰδιοπερίγρα(л. 197ª)φον τὴν ὕπαρξιν ἰδιώμασί τισι παρὰ τὴν κοινὴν φύσιν τῶν ἀνθρώπων ἁπάντων διακρινομένην· τοῦτο γὰρ σημαίνειν ἀρτίως τὸ τῆς ὑποστάσεως ἐδείξαμεν ὄνομα. οὐκοῦν ὡς ἐπὶ τῆς θεότητος τοῦ Χριστοῦ καὶ φύσιν (л. 269 b.) αὐτῆς καὶ ὑπόστασιν ὁμολογοῦμεν, οὕτω δήπου καὶ ἐπὶ τῆς ἀνθρωπότητος αὐτοῦ ὥσπερ φύσιν οὕτω καὶ τὴν ἰδικὴν ταύτην ὑπόστασιν ὁμολογεῖν ἀνάγκη, ἵνα μὴ ἀνυπόστατον, ὅπερ εἴρηκα, τὴν φύσιν ἐκείνην λέγειν ἀναγκαζώμεθα·[2] ἓν γὰρ δηλονότι τῶν ὑπὸ τὴν κοινὴν φύσιν τελούντων ἀτόμων τὸ τοῦ σωτῆρος ὑπῆρχεν ἀνθρώπινον.[3] τούτων οὕτω διευκρινημένων[4] σαφῶς καὶ ὑπὸ πάντων οἶμαι συμφωνουμένων, λεγέτωσαν ἡμῖν

1) съста *П.* 2) и *проп.* *С.* 3) ꙗко се *С.* 4) въѥдинѥниѥниѥ *cod.* 5) особьописанꙋ *С.* 6) расматрѧющии *С.* 7) естестꙋѣ *П.* 8) ꙗко *проп.* *П.*

1) τὸ B_1 B_2. 2) ἀναγκαζόμεθα B_1 B_2. 3) ἀ͞νιον B_1 (=ἀνθρώπειον?). 4) διευκρινουμένων B_1 B_2.

дъвѣма быти х҃своліа ѥстьс҃волш· ѥдиномоу же съставоу· полагающе понѣже съмѣшенъіихъ· коѥжьдо ѥ[сть]ство[1] же въкоупь· и съставъ ноуждею имяаше· ꙗко же слово показа· коѥмоу равьночьстивьно· ѥстьствъ же и съставъ· исповѣдаютъ бы[т]и въѥдиньѥнии· или паче[2] прилѣситися съставъмь мьняще· понѥже ѥдинъ въкоупь съставъ бысть· мьниѥ же ѥстьства· тѣмь и дъвѣ по въѥдиньѥнии[3] прѣбыста·

и по сихъ въ нихъже обоучаѥть· ꙗко паче и мьньшааго соущьство не приѥмлѥть рече пакы[4] въ тои же главѣ сице·

Ѥдиномоу бо[5] ѥстьствоу мъножаищихъ съставъ бытиискоумоу ꙗвѣ· мьню быти вьсѣмъ· тако бо ѥдиноу[м]оу[6] быти ѥстьствоу б҃жьства исповѣдающе· трьмъ быти съставомъ ѥго чьтемъ· и ч҃лвкомъ ѥдиного[7] ѥсть[8] ѥстьство· подъ тѣмь съставъ[9] на бещисльноѥ просто· простирающе мъножьствъмь· и на инѣхъ[10] тако же дъвѣ ѥстьствѣ· съблюдаꙗ по числоу дъвоицю· л. 270 а. ѥдинъ съ|творити съставъ невъзможьно· и се не тъкмо ѿ вьсѣхъ по части· наведениꙗ ѥсть оувѣрити·

οἱ δύο εἶναι τὰς τοῦ Χριστοῦ φύσεις, μίαν δὲ τὴν ὑπόστασιν ὑποτιθέμενοι· ἐπειδὴ τῶν ἑνωθέντων ἑκάτερον φύσιν τε ἅμα καὶ ὑπόστασιν ἐξ ἀνάγκης εἶχεν, ὡς ὁ λόγος ἔδειξεν, πότερον ὁμοτίμως τῶν τε φύσεων καὶ τῶν ὑποστάσεων ὁμολογοῦσι γεγονέναι τὴν ἕνωσιν ἢ μᾶλλον ἡνῶσθαι τὰς ὑποστάσεις οἴονται, [ἐπεὶ καὶ μία ἐξ ἀμφοῖν ὑπόστασις γέγονεν,][1] ἧττον δὲ τὰς φύσεις, ὅθεν καὶ δύο μετὰ τὴν ἕνωσιν μεμενήκασι.

καὶ μεθ' ἕτερα, ἐν οἷς γυμνάζει, ὅτι μᾶλλον καὶ ἧττον ἡ οὐσία οὐκ ἐπιδέχεται. φησὶ πάλιν ἐν τῷ αὐτῷ κεφαλαίῳ οὕτως.

Μίαν μὲν γὰρ φύσιν[2] πλειόνων ὑποστάσεων γεννητικὴν[3] ἐναργὲς οἶμαι τυγχάνειν[4] ἅπασιν. οὕτω γοῦν μίαν εἶναι φύσιν τῆς θεότητος ὁμολογοῦντες, τρεῖς[5] εἶναι τὰς ὑποστάσεις αὐτῆς πρεσβεύομεν· καὶ ἀνθρώπων δὲ μία ἐστὶν ἡ φύσις, τῶν ὑπ' αὐτὴν ὑποστάσεων ἐπ' ἄπειρον σχεδὸν ἐκτεινομένων τῷ πλήθει, καὶ ἐπὶ τῶν ἄλλων ὡσαύτως. δύο δὲ[6] φύσεις σῴζούσας[7] κατ' ἀριθμὸν τὴν δυάδα μίαν ἀποτελέσαι ὑπόστασιν ἀδύνατον. καὶ τοῦτο οὐ μόνον ἐκ τῆς τῶν κατὰ μέρος ἁπάντων ἐπαγωγῆς ἔστι πιστώσασθαι

1) *исправл. по С.* 2) *cod., вм.* ч, *только* —. 3) *cod. перепpавл.* ѥ (*послѣ* и) *изъ* и. 4) пакыи *П.* 5) бо *проп. С.* 6) *исправл. по П;* ѥдино҃ оу *cod.;* единѹ *С.* 7) едино *П.* 8) ѥсть *проп. П.* 9) съставомъ *П.* 10) иныӥ *П.*

1) вставка изъ B_1 B_2. 2) φησὶν B_1 B_2. 3) γενητικὴν B_1 B_2. 4) τυγχάνει B_1 B_2. 5) τίνι B_1 B_2. 6) δὲ проп. B_1 B_2. 7) σῴζουσα B_1 B_2.

како бо оубо боудеть камени[1] и дрѣво ѥдинъ съставъ· сирѣчь нераѕдѣльно ѥдино· или вола или конѩ· нъ и ѿ тоꙗ слава дѣтели· аще бо въ съставѣхъ тако же рещи· въ нераѕдѣл[и]мꙑихъ[2] коѥждо ѥстьство· приѥмлѥть соущьство· поужда[3] вьсѩ дъвѣма ѥстьствома бꙑти· дъвѣма мьньшима· и съставъмь бꙑти· въ нихъже соущьство ѥстьства приꙗша· невъѕможьно бо ѥстьствоу прѣтьрпѣти· въ томь и въ[4] раѕдѣлимѣмь[5] нѣкоѥмь видимꙑи· нераѕдѣлимомоу томоу же бꙑти· и съставоу иныѩ покаѕахомъ· ꙗко ѥлико ихъ оубо· не тъкмо съставъ ѥдинъ· нъ не ѥстьствоу въѥдинѥниѥ ради рѣша бꙑти· съгласьни и себѣ истинѣ ꙗвлѩютьсѩ· ѥлико же ихъ съставъ ѥдинъ· оубо ѥстьствома же[6] дъвѣма рекоша бꙑти· и себѣ несъгласьни[7] истинѣ ꙗвишасѩ· нъ понеже чл҃вчьскоѥ х҃сво бꙑти рѣша· въ словеси ставлѥниѥ имѩаше· и не прѣже приꙗ словоу въѥдинѥниꙗ сего ра[ди]·[8] х҃совоу бꙑти ѥдиномоу съставоу· коѥ же речемъ оубо и мꙑ· ѥдиномоу мьнѣти и наѕнаменовати[9] ѥстьство· и съставоу· ꙗко именьмь тъчию бꙑти раѕличьно·[10] по ѥдиномоу наѕнаменоваѥмоу· подающа

(πῶς γὰρ ἂν εἴη λίθου καὶ ξύλου μία ὑπόστασις τουτέστιν ἄτομον ἕν, ἢ βοὸς καὶ ἵππου;), ἀλλὰ καὶ ἐξ αὐτῆς τῆς τοῦ λόγου ἐνεργείας· εἰ γὰρ ἐν ταῖς ὑποστάσεσι, ταὐτὸν δὲ εἰπεῖν ἐν τοῖς ἀτόμοις, ἑκάστη φύσις λαμβάνει τὴν ὕπαρξιν, ἀνάγκη πᾶσα δύο τῶν φύσεων οὐσῶν δύο τοὐλάχιστον καὶ τὰς ὑποστάσεις εἶναι, ἐν αἷς τὴν ὕπαρξιν αἱ φύσεις ἔλαβον· ἀδύνατον γὰρ φύσιν ὑποστῆναι καθ' αὑτὴν μὴ ἐν ἀτόμῳ τινὶ θεωρουμένην, ἄτομον δὲ ταὐτὸν εἶναι καὶ ὑπόστασιν ἀρτίως δεδείχαμεν. ὥστε ὅσοι μὲν μὴ μόνον τὴν ὑπόστασιν μίαν, ἀλλὰ καὶ τὴν φύσιν διὰ τὴν ἕνωσιν γεγονέναι φασί,[1] σύμφωνοι[2] καὶ ἑαυτοῖς καὶ τῇ ἀληθείᾳ φαίνονται. ὅσοι δὲ τὴν μὲν ὑπόστασιν μίαν, τὰς δὲ φύσεις δύο φασὶν εἶναι, καὶ ἑαυτοῖς ἀσύμφωνοι καὶ τῇ (л. 197b) ἀληθείᾳ πεφήνασιν. ἀλλ' ἐπειδὴ τὸ ἀνθρώπινον[3] τοῦ Χριστοῦ, φασίν, ἐν τῷ λόγῳ τὴν ὑπόστασιν ἔσχεν καὶ οὐ προϋπέστη τῆς τοῦ λόγου ἑνώσεως, διὰ τοῦτο μίαν φαμὲν εἶναι τὴν τοῦ Χριστοῦ ὑπόστασιν. πότερον οὖν, φαίημεν ἂν καὶ ἡμεῖς, ἓν καὶ ταὐτὸν[4] ἡγεῖσθαι[5] σημαίνειν τὴν φύσιν καὶ τὴν ὑπόστασιν, ὡς ὀνόματα μόνον εἶναι διάφορα καθ' ἑνὸς σημαινομένου πίπτοντα,

---

1) камене *П.* 2) *cod.* и (*послѣ* л) *не дописано.* 3) нѫжди *С.* 4) въ *проп. С.* 5) раздѣлемѣмь *С.* 6) же *проп. С.* 7) негласни *П.* 8) *исправл. по С.* 9) назнаменова *П.* 10) различто *С.*

1) φασί проп. B_1 B_2. 2) σύμφωνα B_1 B_2. 3) ἀ̅νιον B_1 (= ἀνθρώπειον?). 4) κατ' αὐτὸν B_1 B_2 (вм. καὶ ταὐτὸν). 5) ἡγῆσθαι B_1.

л. 270 b. ꙗко же ножеви и мечю· или дроугоумоу и дроугоумоу· аще оубо тоѥ же ѥдиного състава | соущю· ѥдиномоу бъіти ѥстьствоу· ноужда ꙗко же чьто ѥдино боудеть· и ножю [1] ѥдинои бъіти ноужди аще и ѥстьствѣ двѣ· и съставѣ по ноужди [2] боудааще ино оубо назнаменоуѥть ѥстьства [3] имѧ· [4] ино же състава· [5] прочеѥ же ѥдиномоу бъіти съставоу х҃воу мьнѧть· ѥже не прѣже бъіти ч҃лвчю [6] съставоу· рекъше лицю къ въѥдиненню слова· нъ аще прѣже приꙗтъ· сълѣшьшеѥсѧ словоу частьно [7] ѥстьствьно· ноуждѧ вьсѧ· и того приꙗти състава· сихъ бо не приѥмлѥть· ѿ иного бъіти прочеѥ не соущю· частьномоу г҃лю ѥстьствоу бе своѥго [съ]става· или чьстьнъіи съставъ· бе своѥго ѥстьства ѥдино бо ѥсть въкоупь· подълежащюмоу и въ тоѥ же мъногашьдъі сърищющеся· ѿ приимъшиихъ ꙗко же малъмь· пьрвѣѥ показахомь· аще оубо ꙗко и [8] съставъ тако и [9] ѥстьство· словъмь сълѣснвъшеесѧ· не приꙗтъ къ нѥмоу сълѣшениꙗ· имьже еда ѥдинъ х҃ъ съподобить съставъ· того ради и ѥстьство ѥго ѥдино да съподоблꙗють бъіти· не подвизающе бо сѧ·

ὡς μάχαιρα καὶ ξίφος, ἢ ἕτερον καὶ ἕτερον. εἰ μὲν οὖν ταὐτόν, μιᾶς τῆς ὑποστάσεως οὔσης μίαν εἶναι καὶ τὴν φύσιν ἀνάγκη, ὡς εἰ τὸ ξίφος ἓν εἴη, καὶ τὴν μάχαιραν μίαν εἶναι ἀνάγκη, ἢ εἰ φύσεις [1] δύο, καὶ ὑποστάσεις ἐξ ἀνάγκης δύο ἔσονται. εἰ δὲ ἄλλο μὲν σημαίνει τὸ τῆς φύσεως ὄνομα, ἄλλο δὲ τὸ τῆς ὑποστάσεως, λοιπὸν δὲ τοῦ μίαν εἶναι τὴν ὑπόστασιν τοῦ Χριστοῦ ἡγοῦνται τὸ μὴ προϋπάρξαι τὴν τοῦ ἀνθρώπου ὑπόστασιν ἤγουν πρόσωπον τῆς πρὸς τὸν λόγον ἑνώσεως, οὐκοῦν καὶ τοῦ [2] δύο τοῦ Χριστοῦ τὰς φύσεις εἶναι αἴτιον ἂν εἴη [τὸ] [3] προϋπάρξαι τὴν τοῦ ἀνθρώπου φύσιν τῆς πρὸς τὸν λόγον ἑνώσεως. ἀλλ' εἰ προϋπέστη ἡ ἑνωθεῖσα τῷ λόγῳ μερικὴ φύσις, ἀνάγκη πᾶσα καὶ [τὴν] [3] ταύτης προϋποστῆναι ὑπόστασιν· τούτων γὰρ οὐκ ἐνδέχεται θάτερον εἶναι, τοῦ λοιποῦ μὴ ὄντος, τὴν μερικὴν λέγω φύσιν ἄνευ τῆς ἰδίας ὑποστάσεως, ἢ τὴν μερικὴν ὑπόστασιν ἄνευ τῆς ἰδίας φύσεως· ἓν γάρ ἐστιν [4] ἄμφω τῷ ὑποκειμένῳ καὶ εἰς ταὐτὸν πολλάκις συντρέχουσι παρὰ τοῖς χρησαμένοις, ὡς μικρῷ πρόσθεν ἐδείξαμεν. εἰ τοίνυν ὥσπερ ἡ ὑπόστασις οὕτω καὶ ἡ φύσις ἡ τῷ λόγῳ ἑνωθεῖσα οὐ προϋπέστη τῆς πρὸς αὐτὸν ἑνώσεως, δι' ὅπερ ἄρα μίαν τὴν τοῦ Χριστοῦ ἀξιοῦσιν ὑπόστασιν, διὰ τοῦτο καὶ φύσιν αὐτοῦ μίαν ἀξιούτωσαν εἶναι· μὴ διαφέρουσαι γὰρ

---

1) нѫжю *C.* 2) нѫжда *C.* 3) ѥстьва *C.* 4) има *C.* 5) съста *П.* 6) ч҃лкѫ *C.* 7) частьное *C.* 8) и *проп. C.* 9) и *проп. C.*

1) εἰ ἡ φύσις B_1 B_2 (вм. ἢ εἰ φύσεις). 2) cod. ῦ выскобл. и надъ *о* поставлено удареніе рукою писца. 3) вставка изъ B_1 B_2. 4) ἐστιν проп. B_1.

дьрьзноути сълѫкситисѧ· ни на се оубо да подвигаѥтасѧ·

п҃д· Нетьлѣньночаниици· иже ѿ иоулиана· аликарнасѣискааго· и ганиꙗна[1] александрьскааго· иже и ганиꙗтелѧ г҃лѥтьсѧ· въ инѣхъ[2] бо вьсѣхъ· иже ѿ севира подобѧщесѧ· вьньгда мьнѣти г҃ла|ти· о различьнѣмь сълоучении сихъ нетьлѣньно ѿ того съзьданиꙗ· тѣло г҃не чьстити· и страсти оубо прѣтьрпѣти· г҃оу исповѣдають· алъкание рекоу и жажю и троудъ· не тѣмь же образъмь· намъ сиꙗ ѥмоу прѣтьрпѣти рѣша· намъ бо ноуждею ѥстьства· х҃оу же б҃оу волеѭ прѣтьрпѣти г҃лють· и естьствьномоу законоу не поработитисѧ·

п҃е· Неразоумьници· иже и правьдьници· иже невѣдати· нечьстивьно възвѣщаѭще· х҃соу д҃не сѫдьнааго· и оукрашение ѥго оукарꙗѭще· си же ѿвьржени ѿ феодосиꙗнъ соуть· законьникъ бо иже бысть ихъ ересѣначальникъ· ѥдино къ х҃соу ѥстьство съложьно чьтѧаше·

п҃ѕ· Варъсаноуфитане иже и моученици· разоумьнии[3] оубо·[4] ганиꙗномъ· и феодосиꙗномъ· имоуть же и нѣчьто болѥ·[5] моукоу бо прилагають· ѿ диоскора оубо принесеньнымъ· и краиньмь пьрстъмь

1) аганна *С.* 2) инѣы *П.* 3) сразоумнии *П.* 4) и *вставл. С.* 5) ко *С.*

κατὰ τὸ μᾶλλον[1] ἡνῶσθαι οὐδὲ κατὰ τοῦτο ἂν διαφέροιεν.

[πδ']. Ἀφθαρτοδοκῖται οἱ ἀπὸ Ἰουλιανοῦ τοῦ Ἁλικαρνασσέως καὶ Γαϊανοῦ τοῦ Ἀλεξανδρέως, οἱ καὶ Γαϊανῖται λεγόμενοι, ἐν τοῖς ἄλλοις μὲν ἅπασι τοῖς ἐκ Σεβήρου[2] συμφερόμενοι, ἐν τούτῳ δὲ διαφερόμενοι ἐν τῷ τοὺς μὲν διαφορὰν[3] л. 271 a.
ἐπὶ τῆς ἑνώσεως δοκεῖν λέγειν, τούτους δὲ ἄφθαρτον ἐξ αὐτῆς διαπλάσεως τὸ σῶμα τοῦ κυρίου πρεσβεύειν. καὶ τὰ μὲν πάθη ὑπομεῖναι τὸν κύριον ὁμολογοῦσι, πεῖναν φημὶ καὶ δῖψαν καὶ κόπον,[4] οὐ τὸν αὐτὸν δὲ τρόπον ἡμῖν ταῦτα αὐτὸν ὑπομεμενηκέναι φασίν· ἡμᾶς γὰρ ἐξ ἀνάγκης φυσικῆς, τὸν δὲ Χριστὸν θεὸν ἑκουσίως ὑπομεῖναι λέγουσι καὶ τοῖς τῆς φύσεως νόμοις μὴ δουλεῦσαι.

[πε'.] Ἀγνοῖται οἱ καὶ Θεμιστιανοί,[5] οἱ ἀγνοεῖν ἀσεβῶς καταγγέλλοντες τὸν Χριστὸν τὴν ἡμέραν (л. 198ᵃ) τῆς κρίσεως καὶ δειλίαν αὐτοῦ καταγράφοντες· οὗτοι δὲ ἀπόσχισμα τῶν Θεοδοσιανῶν εἰσιν· ὁ γὰρ Θεμίστιος,[6] ὃς ἐγένετο αὐτῶν αἱρεσιάρχης, μίαν ἐπὶ Χριστοῦ φύσιν σύνθετον ἐπρέσβευεν.

[πϛ'.] Βαρσανουφῖται οἱ καὶ Σεμιδαλῖται, σύμφρονες μὲν τῶν Γαϊανιτῶν καὶ τῶν Θεοδοσιανῶν, ἔχουσι δὲ καί τι πλέον· σεμίδαλιν γὰρ προστιθέασι τοῖς ἀπὸ Διοσκόρου δῆθεν προσκομισθεῖσι, καὶ τῷ ἄκρῳ δακτύλῳ

1) κατατολμᾷ B_1 B_2 (вм. κατὰ τὸ μᾶλλον). 2) Σευήρου B_1 B_2. 3) cod. между φ и ο надпис. ϑ (самимъ писцомъ?). 4) κοπιᾶν B_1 B_2. 5) Θεμεστιανοί B_1 B_2. 6) Θεμέστιος B_1 B_2.

прикасающесѧ· ѿкоушають[1] моукы· и се въ таинъ мѣсто приѥмлють· приношениꙗ ѿноудъ не творѧще· изгънавъше же ꙗко же речено ѥсть· диоскорово обьщьниѥ· прилагають моукоу[2] и ѥгда истъщитьсѧ едъва· и то имъ[3] въ обьщениꙗ мѣсто въмѣнисѧ·

п҃з· Мольбьници нѣции· постьници· оубо соуть правовѣрьнии·[4] въ инѣхъ[5] вьсѣхъ соуще· съкоупльюще же сѧ коупьно· съ женами постьницами· въ ма|настырьхъ пѣсни б҃оу приносѧть· съ ликъмь нѣкъимь и плѧсаниѥмь· подобѧщесѧ· ꙗко ликоу ономоу при моисѣи съставлѥноу· на погыбѣль егуптѧномъ на чьрмьнѣмь мори бывъшии·

л. 271 b.

п҃и· Разоумьници[6] иже разоумоу вьсемоу хрьстиꙗньскоумоу противѧщесѧ· вънегда г҃лати имъ· ꙗко лише нѣчто творѧщемъ· иже разоумы[7] нѣкыꙗ· възискающе· и въ б҃жьствьнъихъ писаниихъ· ничьсо же бо ищеть иного б҃ъ· ѿ хрьстиꙗна нъ тъкъмо дѣꙗниꙗ добра· б҃лго оубо ѥсть· паче простѣѥ нѣкомоу ходити· и ничьсо же велѣниꙗ разоумьна· коупль испытавати·

п҃ѳ· Ѻл҃нцепрѣвратьници· иже г҃лѥмаꙗ сл҃нцепрѣвратьнаꙗ былиꙗ·

ἁπτόμενοι γεύονται τοῦ ἀλεύρου καὶ τοῦτο ἀντὶ μυστηρίου δέχονται, προσκομιδὴν καθόλου μὴ ποιούμενοι· ἐλάσαντες γὰρ τάς, ὡς εἴρηται,[1] Διοσκόρου κοινωνίας, προστιθέασι σεμίδαλιν καθότε δαπανηθείη παρὰ βραχύ· καὶ τοῦτο αὐτοῖς ἀντὶ κοινωνίας λελόγισται.

[πζ'.] Ἱκεταῖοί τινες ἀσκηταὶ μὲν ὑπάρχουσιν, ὀρθόδοξοι ἐν τοῖς ἄλλοις ἅπασιν ὄντες, συναγόμενοι δὲ ἅμα γυναιξὶν ἀσκητρίαις ἐν μοναστηρίοις ὕμνους τῷ θεῷ προσφέρουσι μετὰ χορείας τινὸς καὶ ὀρχήσεως, μιμούμενοι ὡσανεὶ τὸν χορὸν ἐκεῖνον τὸν ἐπὶ Μωϋσέως συστάντα ἐπὶ τῇ ἀπωλείᾳ τῶν Αἰγυπτίων τῇ ἐν τῇ Ἐρυθρᾷ[2] θαλάσσῃ γεγονυίᾳ.

[πη'.] Γνωσιμάχοι οἱ πάσῃ γνώσει τοῦ χριστιανισμοῦ ἀντιπίπτοντες ἐν τῷ λέγειν αὐτούς, ὅτι περισσόν τι ποιοῦσιν οἱ γνώσεις τινὰς ἐκζητοῦντες ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς· οὐδὲν γὰρ ζητεῖ ἄλλο ὁ θεὸς παρὰ χριστιανοῦ, εἰ μὴ πράξεις καλάς. ἀγαθὸν οὖν ἐστι μᾶλλον ἁπλουστέρως τινὰ[3] πορεύεσθαι καὶ μηδὲν δόγμα γνωστικῆς πραγματείας πολυπραγμονεῖν.

[πθ'.] Ἡλιοτροπῖται οἱ τὰς λεγομένας ἡλιοτροπίους βοτάνας

---

1) Ѿкꙋшають *C.* 2) мꙋ *C.* 3) мъ *C.* 4) правовѣрни *П.* 5) иныи̑ *П.* 6) Разꙋмопереници *П.* 7) разꙋмын *П.*

1) ὡς εἴρηται τὰς B_1 B_2. 2) ρυθρᾷ B_1. 3) τινὰς B_1 B_2.

въсходъмь слн͠цьнъıмь[1] съобраштающеѥсѧ· гл͠юще силоу нѣкоую бж͠ствьноую имѣти·· сътварѩющюю· таковъıѩ прѣльсти въ нихъ· и ѩко того ради чисти ѩ хотѩщемъ не разоумѣвъше· възвѣщенаꙗго подвиженꙗ ихъ· ѥстьствьноѥ нѣкако соуштьство·

ч͠· Мьртводш͠ьници· иже члв͠чьскоую дш͠ю мьртвоу въводѧть· подобьноу[2] скотоу· и съ тѣлесьмь гл͠юще погъıбноути ѥи·

ч͠а· Колѣнонепрѣклоньници· иже въ вьсе врѣмѧ молитвъ своихъ· колѣно не хотѧще прѣклоньници нъ стоѩще присно мл͠твъı творѧть·

ч͠в· Бг͠оукорьници· иже и хоульници· въ нѣкъıхъ словесьхъ и вештьхъ· вл͠дкоу нашего и б͠а· нъ соущиихъ же ѥмоу ст͠ъıихъ лиць и[3] бж͠ьствьнъıихъ писании· искоушающи оукарѧти· дьрзии нѣции хоульни[4] соуште·

ч͠г· Хрьстораздроушьници· гл͠юштеи г͠оу нашемоу і͠с[5] х͠оу по въскрьсении из мьртвъıихъ д͠шевьноу тѣлоу ѥго· долѣ[6] оставлѥноу бъıти· нагъмь бж͠ьствъмь възити на н͠бса·

ч͠д· Поганомъıсльнии· иже объıчаю поганъıихъ въслѣдоующе· хрьстиѩнии вьсѣмъ соуще· иже вносѧть рожьство и полоучениѥ[7] и лѣто

1) сл͠нчнꙑи ПС. 2) подобно П. 3) и проп. С. 4) хоуланїи П. 5) ıс cod. П. 6) cod. о и ·ѣ по скобл. 7) почениѥ С.

ταῖς ἀκτῖσι τοῦ ἡλίου συμπεριφερομένας λέγοντες δύναμίν τινα θείαν ἔχειν τὴν τὰς τοιαύτας περιφορὰς ἐργαζομένην ἐν αὐταῖς καὶ ὡς διὰ τοῦτο τιμᾶν αὐτὰς ἐθέλοντας, μὴ συνιέντες τὴν μηνυθεῖσαν κίνησιν αὐτῶν φυσικήν τινα ὑπάρχειν.[1]

[ϟʹ.] Θνητοψυχῖται οἱ τὴν ἀνθρωπίνην[2] ψυχὴν θνητὴν εἰσάγοντες ὁμοίαν τῇ[3] τῶν κτηνῶν, καὶ τῷ σώματι λέγοντες συναπόλλυσθαι αὐτήν.

[ϟαʹ.] Ἀγονυκλῖται οἱ ἐν παντὶ καιρῷ τῶν προσευχῶν αὐτῶν γόνυ μὴ θέλοντες κλίνειν, ἀλλ' ἑστῶτες ἀεὶ τὰς προσευχὰς ποιούμενοι.

[ϟβʹ.] Θεοκαταγνῶσται οἱ καὶ Βλάσφημοι, οἱ ἔν τισι λόγοις καὶ πράγμασι τοῦ δεσπότου ἡμῶν θεοῦ τῶν τε ἀνακειμένων αὐτῷ[4] ἁγίων προσώπων καὶ τῶν л. 272 а.
θείων γραφῶν πειρώμενοι καταγινώσκειν,[5] τολμηροί τινες καὶ βλάσφημοι ὑπάρχοντες.

[ϟγʹ.] Χριστολῦται οἱ λέγοντες τὸν κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν μετὰ τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν τὸ ἔμψυ(л. 198ᵇ)χον σῶμα αὐτοῦ κάτω καταλελοιπέναι καὶ γυμνῇ τῇ θεότητι ἀνεληλυθέναι εἰς τοὺς οὐρανούς.

[ϟδʹ.] Ἐθνόφρονες οἱ ταῖς συνηθείαις τῶν ἐθνῶν ἐπακολουθοῦντες, χριστιανοὶ τὰ ἄλλα ὑπάρχοντες, οἵτινες παρεισφέρουσι γένεσιν[6] καὶ τύχην καὶ

1) ὕπαρξιν B_1 B_2. 2) ἀνθρωπείαν B_1 B_2. 3) τῆς B_1 B_2. 4) αὐτῶν B_1. 5) καταγινώσκει B_1. 6) γένασιν B_1.

присносоущьно· и́ ѕвѣздочьтиѥ приѥмлюще· и все вълъшьство и простосъмотрениѥ и чародѣиствы· и прѣвра́щениѥмь· и ѕаключениѥмь· и тѣхъ подобьныими· и дроугыими басньми нечьстивыихъ· прочиимь же обычаимь поганыихъ приѥмлюще·[1] и праѕдьникы нѣкыꙗ чьтоуще єлиньскыꙗ· дн҃и же[2] абиѥ и мⷭцѣ и врѣмена· и лѣта блоудѧще·

ч҃е· Донатане· ѿ доната нѣкоѥго́ въ африкии начьнъше· прѣдавъшаго[3] имъ кость нѣкакоу въ роуцѣ ихъ дьрьжащиихъ[4] се пьрвѣѥ цѣловати· и тъгда приношениꙗ осв҃щеныихъ причащатисѧ· вънѥгда хощеть приносити·

ч҃ѕ· Обычаюпрѣтычьници· иже въ[5] обычаи прѣтыкающе· и нѣкаꙗ оубо велѣниꙗ ѥго хвальна соуща ѿблыгающе· нѣкаꙗ же порочьна соуща ꙗко бл҃га проходѧще·[6]

л. 272 b. | ч҃з· Кривосъкаѕьници· иже бж҃ьствьныꙗ главы· божьствьныихъ писании· и ветъхаго же и новаго ѕавѣта кривосъкаѕающе· и къ своѥмоу съмотрению сиꙗ прѣводѧще· пьрею же ѿ многыихъ иѕвѣстыихъ· и непостыдьныихъ съкаѕании· прилежаще ѿ невѣжьства нѣкоѥго·[7] и

εἱμαρμένην· πᾶσαν τε τὴν ἀστρονομίαν καὶ ἀστρολογίαν δεχόμενοι καὶ πᾶσαν μαντείαν καὶ ὀρνιθοσκοπίαν, καὶ οἰωνισμοῖς καὶ ἀποτροπιασμοῖς καὶ κληδονισμοῖς καὶ τοῖς ὁμοίοις αὐτῶν καὶ ἑτέροις μύθοις ἀσεβῶν τῇ τε λοιπῇ συνηθείᾳ τῶν ἐθνῶν προσανέχοντες, καὶ ἑορτάς τινας ἑλληνικὰς τιμῶντες, ἡμέρας τε αὖθις καὶ μῆνας καὶ καιροὺς καὶ ἐνιαυτοὺς παρατηρούμενοι.

[ϟε΄.] Δονατῖβοι, ἀπὸ Δονάτου τινὸς ἐν τῇ Ἀφρικῇ ἐναρξάμενοι, τοῦ παραδεδωκότος αὐτοῖς ὀστοῦν τι ἐπὶ τῆς χειρὸς αὐτῶν κρατοῦντας τοῦτο πρότερον ἀσπάζεσθαι καὶ τηνικαῦτα τῆς προσφορᾶς τῶν ἁγιασμάτων μετέχειν, ἡνίκα μέλλει αὕτη[1] προσκομίζεσθαι.

[ϟς΄.] Ἠθικοπροσκόπται οἱ ἐν τῇ ἠθικῇ[2] προσκόπτοντες καὶ ἔνια μὲν δόγματα αὐτῆς ἐπαινετὰ ὑπάρχοντα διαβάλλοντες, τινὰ δὲ ψεκτὰ ὄντα ὡς χρηστὰ μετιόντες.

[ϟζ΄.] Παρερμηνευταὶ οἵ τινα κεφάλαια τῶν θείων γραφῶν τῆς τε Παλαιᾶς καὶ Νέας Διαθήκης παρερμηνεύοντες καὶ πρὸς τὸν οἰκεῖον σκοπὸν ταῦτα μεθοδεύοντες, ἐμφιλονείκως δὲ παρὰ τὰς πολλὰς τῶν ἀκριβῶν καὶ ἀνεπιλήπτων ἑρμηνειῶν διακείμενοι, ἐξ ἰδιωτείας τινὸς καὶ

1) прїємлюще *C.* 2) и *вставл. C.* 3) прѣдавдаго *C.* 4) дьрьжащиихъ *cod.;* дръжащемь *П.* 5) особь *вставл. C.* 6) приходѧще *П.* 7) нѣкого *C.*

1) ταύτας B_1 B_2. 2) εἴτ' οὖν πρακτικῇ вставл. B_1 B_2.

нераꙁлоучениꙗ стражюще· иꙁвѣщати же авиѥ себѣ· и нѣкыихъ еретичьскыихъ велѣнии не съвѣдоуще·

҃чи· Ламопетиꙗне· ѿ ламъпетиꙗ нѣкоѥго сице нарицѧѥмии· иже хотѧщаꙗ въкоупь жити· и въ обьщии житии прѣбывати повелѣвають· комоужьдо ꙗково же аще хощеть· искоусити къто· иго съвьршати[1] ѥже иꙁволить въ скимоу одѣтисѧ· не подобаѥть бо рече ноужьно[2] чьто творити хрьстиꙗноу· ꙗко писано ѥсть волѥю пожьроу ти· и пакы волѥю моѥю исповѣмьсѧ ѥмоу· повелѣвають[3] же ꙗко же рекоша нѣции· ѥстьствьнымъ страстьмъ мѣсто даꙗти·[4] и не противитисѧ имъ· ꙗко ѥстьствоу ѿдающю· и дроугаꙗ нѣкаꙗ· близъ нарицѧѥмыихъ арианъ· гл҃ють съмысльть·

си до ираклиꙗ цр҃ѧ[5] л҃ѣ· ересы· ѿ ираклиꙗ же досьде· въꙁникоша инии ереси· ꙗко же написано ѥсть по сихъ·

҃чд· Єдиновольници· ѿ александрьскааго кура начала приимъше· ѿ костѧнтиниꙗ же града | сергиꙗ и онориꙗ римьскааго иꙁвѣщьшесѧ· си оубо· х҃сѣ двѣ ѥстьствѣ чьтоуть и ѥдинъ съставъ·

ἀδιακρισίας τοῦτο πάσχοντες, βεβαιοῦν δὲ ἐντεῦθεν ἑαυτοὺς καὶ ἔνια τῶν αἱρετικῶν δογμάτων μὴ ἐπιστάμενοι.

[ϟη'.] Λαμπετιανοί, ἀπὸ Λαμπετίου τινὸς οὕτω προσαγορευόμενοι· οἵτινες τοὺς βουλομένους ἐπὶ τὸ αὐτὸ ζῆν καὶ ἐν κοινοβίοις διάγειν ἐπιτρέπουσιν ἑκάστῳ οἵαν ἂν θέλῃ καὶ βούληται πολιτείαν δοκιμάζειν καὶ ταύτην μετιέναι, καὶ ὅπερ αἱρεῖται[1] σχῆμα ἀμφιέννυσθαι· οὐ δεῖ γάρ φησιν ἠναγκασμένως ποιεῖν τι τὸν χριστιανόν, ὅτι γέγραπται· Ἑκουσίως θύσω σοι. καὶ πάλιν· Ἐκ θελήματός μου ἐξομολογήσομαι αὐτῷ. ἐπιτρέπουσι δέ, ὥς φασί τινες, καὶ τοῖς φυσικοῖς πάθεσι χώραν διδόναι καὶ μὴ ἀνθίστασθαι αὐτοῖς, ὡς τῆς φύσεως οὕτως ἀπαιτούσης. καὶ ἑτερά τινα παραπλησίως τοῖς ὀνομαζομένοις Ἀρειανοῖς[2] λέγονται φρονεῖν.

(л. 199a) αὗται μέχρι τῶν Ἡρακλείου τοῦ βασιλέως χρόνων αἱ αἱρέσεις· ἀπὸ δὲ Ἡρακλείου καὶ δεῦρο ἀνεφύησαν ἄλλαι αἱρέσεις, ὡς ὑποτέτακται[3] μετὰ ταῦτα.[4]

[ϟθ'.] Μονοθελῆται οἱ ἀπὸ τοῦ[5] Ἀλεξανδρείας Κύρου τὴν ἀρχὴν εἰληφότες, ὑπὸ δὲ τοῦ Κωνσταντινουπόλεως Σεργίου καὶ Ὀνωρίου τοῦ Ῥώμης βεβαιωθέντες· οὗτοι μὲν ἐπὶ Χριστοῦ δύο[6] φύσεις πρεσβεύουσι καὶ μίαν ὑπόστασιν,

л. 273 а.

1) *cod.* ти *по скобл.* (*вм.* +ть). 2) нꙋ *C.* 3) повелѣваѥть *C.* 4) дати *П.* 5) цр҃ѧ *ПС.*

1) αἱρῆται B_1 B_2. 2) τῶν ὀνομαζομένων Ἀρειανῶν B_1 B_2. 3) ὑπόκειται B_1 B_2. 4) μετὰ ταῦτα проп. B_1 B_2. 5) τοῦ проп. B_1 B_2. 6) δύο μὲν ἐπὶ Χριστοῦ B_1 B_2.

невольноу же и недѣтельноу· мысльно дш҃евьноую· гп҃ю пльть [1] проповѣдающе быти· ст҃ыимъ пѧти [2] съборъ· дѣꙗниѥмъ избрьнъıимъ оц҃емъ· противѧщесѧ· ск[в]ьрньнъıимъ же аполинариꙗ повелѣниѥмь· [3] подобѧщесѧ и [4] съмоущениѥ· и блѧдоущиихъ мьнимоѥ· [5] и сп҃сеноумоу съмотрению· зѣло противоутворѧще·

р҃· Самопрѣтъıкателиѥ· вьсегда оубо правовѣрьни соуще бе страха же· съборьнъıꙗ цр҃кве и обьщениꙗ· сами сѧ извѣта нѣкоѥго ради хоудаалго· ѿлоучающе· правильнъıихъ же оуставъ възискающе· нъ нѣции тоꙗ же вѣръı соуще· обаче ти прѣтъıкаютьсѧ· въ нихъже повѣдають· живоуть бо съ женами ꙗвѣ· и съ чюжими прѣбъıвають· коуплѧми же и лихоимьствъмь· и въ инѣхъ [6] живоуще· въ жизньнахъ коуплꙗхъ бесловесьно прѣбъıвають· та дѣлъмь раздроушающе· ѥже бо словъмь съставити извѣщають· прѣстоупьници соуще· по аплъскоумоу осоуждению· словъмь бо чьтоуще· дѣлъмь бо҃у бечьствоують· мьнихи и подъ клиросъмь въчинꙗѥми· въслѣдоують же имъ· ѥлико ихъ· очюждени· и своѥю простъıнею въходѧще· цр҃квьнии же [7] въслѣдьници·

ἀθέλητον δὲ καὶ ἀνενέργητον τὴν νοερῶς ἐψυχωμένην [1] τοῦ κυρίου σάρκα δογματίζουσιν, [2] ταῖς ἱεραῖς πέντε συνόδοις προσποιητῶς καὶ τοῖς ἐγκρίτοις πατράσιν ἰσχυριζόμενοι, τοῖς δὲ βεβήλοις Ἀπολιναρίου δόγμασι συμφερόμενοι καὶ τῶν σύγχυσιν καὶ δόκησιν ληρούντων τὴν σωτηριώδη οἰκονομίαν σφοδρῶς ἀντιποιούμενοι.

[ρʹ.] Αὐτοπροσκόπται, πάντα μὲν ὀρθόδοξοι τυγχάνοντες, ἀδεῶς δὲ τῆς καθολικῆς ἐκκλησίας καὶ κοινωνίας σφᾶς αὐτοὺς προφάσεώς τινος εὐτελοῦς ἕνεκα εἰ τύχοι ἀποκόπτοντες, κανονικοὺς δὲ θεσμοὺς δῆθεν ἐπιζητοῦντες, ἀλλά τινες ἀγελαῖοι ὄντες. ὅμως αὐτοὶ προσκόπτουσιν ἐν οἷς ἐγκαλοῦσι· [3] συνοικοῦσι γὰρ γυναιξὶ προφανῶς καὶ παρεισάκτοις συνδιάγουσι, πραγματείαις τε καὶ πλεονεξίαις καὶ τοῖς ἄλλοις ἐντρίβοντες βιωτικοῖς πράγμασιν ἀλόγως βιοτεύουσιν, ἐκεῖνα ἔργῳ καταλύοντες, ἅπερ λόγῳ συνιστᾶν ἰσχυρίζονται, παραβάται ὄντες κατὰ τὴν ἀποστολικὴν ἀπόφασιν· λόγῳ γὰρ τιμῶντες, ἔργῳ τὸν θεὸν ἀτιμάζουσι, μοναχοὶ καὶ ὑπὸ κλῆρον ταττόμενοι. ἕπονται δὲ αὐτοῖς ὅσοι τεθαμβωμένοι καὶ τῇ ἑαυτῶν ἁπλότητι πορευόμενοι· οἱ δέ γε τρόφιμοι τῆς ἐκκλησίας

1) плоти *П*. 2) пѧтии *П*. 3) велѣниѥмь *П*. 4) и *проп. П*. 5) мьномоѥ *С*. 6) инѣ *П*; инѣхъ *С*. 7) иже *П*.

1) ἐμψυχωμένην B_1 B_2. 2) ἔσεσθαι вставл. B_1 B_2. 3) ἐγκαλῶσι B_1 B_2.

чьстныя[1] чьтоуть каноны· тѣмь же вънемлющая еп҃пы· и застоупающемъ ѿдаю|ще· сами паче строять дѣлъмь· въ тѣхъ бл҃гочиниемь паче чьтоуть·

р҃а· о агарянехъ· иже измаилите гл҃ютьсѧ·

Сарацины же наричють яко ѿ сары наречены· работьнааго ѿбѣгающе имене· прѣвратиша же сѧ на елиньство· поклоньшесѧ дьньници·[2] рекъше оутрьнеи звѣздѣ· и афродитоу· юже оубо и хаваръ своимь прозъваша языкъмь· еже знаменаеться великая до иракиевъ оубо лѣтъ· явѣ коумирослоужаахоу· ѿ иракиия же и досьде· лъжии прр҃къ[3] имъ възниче· мамедъ нарицаемъ· иже бесѣдова въ жидовомъ и хрьстияномъ ѿвсюдѣ събьравъ ѿ жидовъ оубо единоначало· ѿ арианъ же слово и дх҃ъ създанъ· ѿ несторианъ же чл҃вкослоужение·[4] себѣ слоужьбоу оустраяше· и[5] извѣтъмь богоразоумия· сътворивъ[6] языкоу·[7] оучааше обрѣзатисѧ и единомоу тъчию покланятисѧ[8] бг҃оу· хс҃а же чьсти[9] яко слово божие· а не яко сн҃а· нъ яко ѿ дх҃а ст҃го

τοὺς μὲν ἱεροὺς σέβουσι κανόνας, τὰ δὲ τούτοις συντείνοντα ἐπισκόποις καὶ προεστῶσι παραχωροῦντες, αὐτοὶ μάλα (л. 273 b.) περιέπουσιν, ἔργῳ τε[1] τούτους δι' εὐταξίας ὑπερτιμῶσιν.

[ρα'.] περὶ τῶν Ἀγαρηνῶν, οἳ καὶ Ἰσμαηλῖται λέγονται.

Σαρακηνοὺς δὲ ἑαυτοὺς[2] καλοῦσιν, ὡς ἐκ τῆς Σάῤῥας μετονομασθέντας, τὸ δουλικὸν ἀποφεύγοντες[3] ὄνομα· ἐτράπησαν δὲ εἰς ἑλληνισμόν, προσκυνήσαντες τῷ ἑωσφόρῳ ἄστρῳ καὶ τῇ Ἀφροδίτῃ, ἣν δὴ καὶ χάβαρ τῇ ἑαυτῶν ἐπωνόμασαν γλώσσῃ, ὅπερ σημαίνει μεγάλη. ἕως μὲν οὖν τῶν Ἡρακλείου χρόνων προφανῶς εἰδωλολάτρουν, ἀπὸ δὲ Ἡρακλείου καὶ δεῦρο ψευδοπροφήτης αὐτοῖς ἀνεφύη Μάμεδ[4] ἐπονομαζόμενος, ὃς περιτυχὼν Ἑβραίοις καὶ χριστιανοῖς, ἁπανταχόθεν ἐρανισάμενος, ἐξ Ἰουδαίων μὲν μοναρχίαν,[5] ἐξ Ἀρειανῶν δὲ λόγον καὶ πνεῦμα κτιστά, ἀπὸ δὲ Νεστοριανῶν ἀνθρωπολατρείαν, ἑαυτῷ θρησκείαν περιποι(л. 199 b)εῖται· καὶ προφάσει δῆθεν θεογνωσίας εἰσποιησάμενος τὸ ἔθνος, ἐδίδαξεν αὐτοὺς περιτέμνεσθαι καὶ ἕνα μόνον προσκυνεῖν τὸν θεόν· τὸν δὲ Χριστὸν τιμᾶν μὲν ὡς λόγον θεοῦ, οὐχὶ[6] υἱὸν δὲ ἀλλ' ὡς ἐκ πνεύματος ἁγίου

---

1) оубо *вставл. П.* 2) дн҃ьницїи *П.* 3) прр҃ко *П.* 4) и поче вѣхи завѣ и новыи еще со арьяннио нѣкои минхо бесѣдова *С дописыв. подъ текстомъ на л. рукой, современной писцу текста.* 5) и *проп. С.* 6) сътворивы *П.* 7) *cod.* ы *по скобл.* 8) *cod.* а *по скобл.*; покланятисѧ *П.* 9) чисти *П.*

1) εἰ B_1 B_2. 2) αὐτοὺς B_1 B_2. 3) ἀποφεύγοντας B_1 B_2. 4) cod. рукой XIV в. вставл. ω между Μ и ά. 5) μοναχίαν B_1. 6) οὐχ B_1 B_2.

рождена· слово же и д҃хъ· прѣдъносьно на въздоухъ· проливаема размышлꙗти· не соущьна родителеви· с҃тоую же д҃воу м҃рию· не г҃лати б҃цю нъ аронꙗ и моисиноу[1] сестроу· соу послоушати· ни хрьстити же сꙙ ни соуботы чисти[2] оучааше ꙗ·[3] ни законꙗ ни еванг҃лиꙗ же обычаимь[4] въслѣдовати· гноушати же сꙙ[5] х҃са[6] сѣнь х҃воу распꙙтисꙙ исповѣдають· л. 274 а. прѣда|сть же имъ ѿноудъ·[7] ѿреченъихъ закоиоу причащатисꙙ· развѣ мꙙсъ свиныихъ· вина же ѿноудъ[8] не причащатисꙙ·[9] таково нѣчьто баснословиво· себе же ключарꙗ быти рече раю· имьже въ д҃нь соудьныи· по прѣдъстании мосѣовѣ[10] съ издраилитены· и[11] ꙗко прѣстоупьникъ закона· моучениꙗ огню прѣдати· авие же и҃соу прѣдъстати· и ѿврѣщисꙙ прѣдъ б҃мь· ꙗко не нарече себе с҃па б҃жиꙗ· хрьстьꙗны же ꙗко тако дързноувъшꙗꙗ· вѣровавъшемъ х҃воу имени· и б҃а его и с҃па б҃жиꙗ и слово въплъщено· и распьнъшасꙙ проповѣдавъшемъ·[12] огньномоу родоу проповѣдати·[13] посемь себе рече[14] ѿ б҃а призъваноу быти· и паче ꙗко

γεγεννημένον·[1] λόγον δὲ καὶ πνεῦμα προφορικὸν καὶ εἰς ἀέρα χεόμενον ὑπονοεῖν οὐχ ἐνυπόστατα οὐδὲ τῷ γεννήτορι ὁμοούσια· τὴν δὲ ἁγίαν παρθένον Μαρίαν μὴ λέγειν θεοτόκον, ἀλλὰ τὴν Ἀαρὼν καὶ Μωϋσῆ ἀδελφὴν ταύτην ὑπολαμβάνειν· μήτε δὲ βαπτίζεσθαι μήτε[2] σαββατίζεσθαι[3] αὐτοὺς[4] ἐδίδαξε, μήτε τοῖς νομικοῖς μήτε τοῖς εὐαγγελικοῖς ἔθεσιν ἐξακολουθεῖν, βδελύττεσθαι δὲ τὸν σταυρὸν καὶ τὴν σκιὰν τοῦ Χριστοῦ ἐσταυρῶσθαι[5] ὁμολογεῖν· παρηγγυήσατο δὲ αὐτοῖς καθόλου τῶν τῷ νόμῳ ἀπηγορευμένων[6] μετασχεῖν, πλὴν ὑείων[7] κρεῶν, οἴνου δὲ παντάπασι μὴ μετέχειν, τοιοῦτόν τι μυθευσάμενος· ἑαυτὸν[8] γὰρ κλειδοῦχόν φησι γεγενῆσθαι[9] τοῦ παραδείσου· διόπερ κατὰ τὴν ἡμέραν τῆς κρίσεως μετὰ τὸ παραστῆναι τὸν Μωϋσέα σὺν τοῖς Ἰσραηλίταις καὶ ὡς παραβάτας τοῦ νόμου τῇ κολάσει τοῦ[10] πυρὸς ἐκδοθῆναι, αὖθίς τε Ἰησοῦν παραστῆναι καὶ ἀρνεῖσθαι ἔμπροσθεν τοῦ θεοῦ, ὅτι οὐκ ἐκάλεσεν ἑαυτὸν υἱὸν θεοῦ, τούς τε χριστιανοὺς ὡς τοιοῦτο[11] τολμήσαντας προστρῖψαι τῷ Χριστῷ ὄνομα καὶ θεὸν αὐτὸν καὶ υἱὸν θεοῦ καὶ λόγον σεσαρκωμένον καὶ σταυρωθέντα δογματίσαντας τῇ τοῦ πυρὸς γεέννῃ παραδοθῆναι· εἶτα ἑαυτόν φησιν ὑπὸ τοῦ θεοῦ κεκλῆσθαι καὶ μάλα ὡς

1) моисиию С. 2) чести С. 3) сꙙ С. 4) ѡбы рече ꙗ П (вм. обычаимь). 5) и *вставл. П.* 6) *cod.* с *между* х *и* а *выскобл.*; и *вставл. П.* 7) ѿноудоу *П.* 8) ѿнюдоу *П.* 9) развѣ мꙙсъ свиныихъ· вина же ѿноудь не причащатисꙙ *проп. С.* 10) моисѣовѣ *С.* 11) и *проп. П.* 12) проповѣдавшимь *П.* 13) прѣдати *П*; проповѣдавшю *С.* 14) рече *проп. С.*

1) γεγενημένον B_1 B_2. 2) δὲ вставл. B_1 B_2. 3) σαββατίζειν B_1 B_2. 4) αὐτοῖς B_1 B_2. 5) ἐσταυρῶσαι B_1. 6) cod. выскобл. 2 буквы (μὴ?) передъ μετασχεῖν. 7) ὑῶν B_1 B_2. 8) ἑαυτὴν B_1 B_2. 9) γεγενῆσθαι φησὶ B_1 B_2. 10) τοῦ проп. B_1 B_2. 11) τοιούτω B_1 B_2.

бо̃чьстикоу и всемоу ꙗзыкоу ѥго· повиньна бо̃чьстию·[1] соуща похваленоу быти и того ради раю ключарѧ быти· и по ѿвьрзении ѿ нѥго раꙗ· вьнити съ нимь без браниꙗ· бе словесе и расмащрѧниꙗ·[2] семидесѧтъ тысоущь рече· могоущимъ на то оустрьмитисѧ· прочимъ[3] же осоудитисѧ гл̃еть· и правьдьнꙑимъ оубо бе соумьнѣниꙗ пища насладитисѧ· обрѣтаѥмꙑꙗ же[4] грѣшьникꙑ· написание на вꙑи имоущемъ· съвѧзана въ раи тѣмь вьнити·[5] сиꙗ нарицати свободьникꙑ[6] бж҃иꙗ и мамедовꙑ· трьмъ же рече рѣкамъ быти въ раи· ѥдиноу медоу· а дроугоую млѣка а третиюю вина· на область имѣти комоужь|до· ѿнюдоу же хощеть насꙑтитисѧ· женамъ же быти съ ними бестрастьнамъ и оукрашати своꙗ власꙑ· и оугажати всѧко рече· иоудеомъ же и хрьстиꙗномъ· дрѣвоу огньноумоу быти· приꙗти самарѧнꙑ[7] рече· на изношение· и[8] гнои ихъ изд раꙗ ѿмѣтати· ꙗко да не въсмьрдить раи· коѥгожьдо ꙗко же сьде[9] поживе· или въ бг҃атьствѣ или въ оубожьствѣ· тѣмь же образъмь тамо прѣбꙑвати·

1) бл҃гочестію *П*; кочестію *С*. 2) расматренія *С*. 3) *cod. перепрaвл.* и *изъ* ѥ. 4) ѿбрѣтаѥши ꙗже *П*. 5) и *вставл. С*. 6) свободьникꙑ *cod.*; ѧ *вставл. С*. 7) самарѧнꙑи *П*. 8) и *вставл. С*. 8) ꙗкожде *С* (*вм.* ꙗко же сьде).

θεοσεβῆ καὶ τοῦ παντὸς αὐτοῦ[1] ἔθνους αἴτιον[2] θεοσεβείας ὑπάρξαντα[3] ἐπαινεῖσθαι καὶ τούτου χάριν τοῦ παραδείσου κλειδοῦχον χρηματίσαι· καί γε μετὰ τὸ ὑπ᾽ αὐτοῦ τὸν παράδεισον ἀνεῳχθῆναι συνεισελθεῖν αὐτῷ ἀναντιῤῥήτως λόγου χωρὶς καὶ διακρίσεως· ἑβδομήκοντα χιλιάδας φησὶ τοὺς δυναμένους πρὸς τοῦτο ἀφορμῆσαι, τοὺς δὲ λοιποὺς κριθήσεσθαι φάσκει καὶ τοὺς μὲν δικαίους ἀναμφιβόλως τῆς τρυφῆς ἀπολαῦσαι, τοὺς δὲ εὑρισκομένους ἁμαρτωλοὺς πιττάκια ἐν τοῖς τραχήλοις ἐπέχοντας δεδεμένα εἰς τὸν παράδεισον καὶ αὐτοὺς εἰσελθεῖν καὶ τούτους ἐπονομάζεσθαι ἀπελευθέρους τοῦ θεοῦ καὶ τοῦ Μάμεδ.[4] τρεῖς δέ φησι ποταμοὺς εἶναι ἐν τῷ παραδείσῳ, ἕνα μέλιτος καὶ ἄλλον γάλακτος καὶ ἕτερον οἴνου, πρὸς τὸ ἐπ᾽ ἐξουσίας ἔχειν ἕκαστον ἔθεν βούλοιτο ἐμπίπλασθαι· τὰς л. 274 b. δὲ γυναῖκας αὐτοῖς συνεῖναι ἀπαθῶς καὶ φιλοκαλεῖν αὐτῶν τὰς κόμας καὶ παντοίως θεραπεύειν[5] φησί. τοὺς μέντοι Ἰουδαίους καὶ τοὺς χριστιανοὺς ξύλα τοῦ πυρὸς γενομένους κατακαῆναι, ὑπολειφθῆναι (л. 200ª) δὲ[6] τοὺς Σαμαρείτας ἔφη πρὸς τὸ τὰ ἐκφόρια καὶ τὴν κόπρον αὐτῶν[7] τοῦ παραδείσου ἀποβάλλειν, ὅπως ἂν μὴ ἐποζέσειεν[8] ὁ παράδεισος· ἕκαστον δέ, ὡς ἂν ἐνταῦθα βιώσειεν εἴτε ἐν πλούτῳ εἴτε ἐν πενίᾳ, τὸν αὐτὸν ἐκεῖσε τρόπον διάγειν.

1) αὐτὸν B_1 B_2. 2) αἰτίῳ B_1 B_2. 3) ὑπάρξαντι B_1 B_2. 4) cod. рукой XIV в. надпис. ω между μ и α. 5) θερατεύειν B_1. 6) δὲ проп. B_1 B_2. 7) αὐτὸν B_1 B_2. 8) ἐποζέσῃ B_1 B_2.

сь льстьць къ симъ· всего бл҃га и ꙁъла· повиньна быти б҃а пропо(в)ѣда· и все ꙗже аще наидеть· и аще ѿ искоушениꙗ лоукаваго· бж҃ию быти лъжесловить[1] и раꙁбоиникы и вълъшьбьникы· и ꙗлико ихъ аще въ ѿреченыихъ· вещемъ ꙗтомъ· оубиваюшаꙗ оувидать·[2] тако ре[че][3] написа имъ б҃а[4] быти· тако оумрѣти въсхотѣ· и ина нѣкаꙗ блѧдоуще· сь нимь льстѧщеса окаании[5] и[6] вѣчьныихъ бл҃гъ· ꙗко нечьстиви и хоульни·[7] отъвьржени·

о хрьстиꙗноогл҃ьницѣхъ рекъше иконораꙁвиницахъ·[8] и ꙁвѣролютыихъ·

На крьстиꙗны гл҃юще соуть гл҃ютьсѧ·[9] ꙗко хрьстиꙗномъ слоужащемъ· ꙗдиномоу б҃оу живоумоу и истиньномоу въ троици· пѣваꙗмоу гл҃аша на ниꙗ·[10] ꙗко чьстьныимъ иконамъ· г҃а нашего і҃с х҃а· прѣчистыꙗ же влд҃чцѣ нашеꙗ и прс҃тыꙗ бц҃а· ст҃хъ аггл҃ъ· и ст҃хъ ꙗго·

л. 275 а. | послоужиша ꙗко б҃омъ ꙗко же и елини·

Иконораꙁвиници же· ꙗко тѣхъ ст҃ыꙗ и чь[ст]ныꙗ иконы· все бечьстиꙗ[11] и[12] иꙁволꙗниꙗ показавъше· съкроушению и огню прѣдаша· такоже [же] и на стѣнахъ· овы острьгаша·

οὗτος ὁ πλάνος πρὸς τούτοις παντὸς ἀγαθοῦ καὶ πονηροῦ αἴτιον ὑπάρχειν τὸν θεὸν ἐδογμάτισε· καὶ πᾶν ὅπερ ἐὰν ἐπέλθῃ, κἂν ἐξ ἐπηρείας τοῦ πονηροῦ, τοῦ θεοῦ εἶναι τερατεύεται, καὶ τοὺς λῃστὰς καὶ φαρμακοὺς καὶ ὅσους ἐν[1] ἀπηγορευμένοις ἁλόντας πράγμασιν ἀναιρουμένους ἴδοιεν· οὕτως φησὶν ἔγραψεν αὐτοὺς[2] ὁ θεὸς γενέσθαι καὶ οὕτως ἀποθανεῖν ἐβουλήθη,[3] καὶ ἄλλα τινὰ παραληροῦντες ὀνειροπολοῦνται οἱ ἄθλιοι καὶ τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν ὡς ἀσεβεῖς καὶ βλάσφημοι ἀπηλλοτριωμένοι.[4]

<ρβ΄.> Περὶ τῶν Χριστιανοκατηγόρων ἤγουν Εἰκονοκλαστῶν ἢ Θυμολεόντων.

Χριστιανοκατήγοροι καὶ εἰσὶ καὶ λέγονται, ὅτι τῶν χριστιανῶν λατρευόντων ἑνὶ θεῷ ζῶντι καὶ ἀληθινῷ ἐν τριάδι ἀνυμνουμένῳ[5] κατηγόρησαν, ὅτι ταῖς σεπταῖς εἰκόσι τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ τῆς τε ἀχράντου δεσποίνης ἡμῶν τῆς ἁγίας θεοτόκου τῶν ἁγίων ἀγγέλων καὶ τῶν ἁγίων αὐτοῦ ἐλάτρευσαν ὡς θεοῖς, καθάπερ Ἕλληνες·

Εἰκονοκλάσται δέ, ὅτι τὰς αὐτὰς ἁγίας καὶ σεπτὰς εἰκόνας, πᾶσαν ἄτιμον προαίρεσιν ἐνδειξάμενοι, συντριβῇ καὶ πυρὶ παραδεδώκασιν· ὡσαύτως δὲ καὶ τὰς ἐν τοίχοις τὰς μὲν ἀπέξυσαν,

---

1) лѫжисловить *П.* 2) оувѣдѧть *С.* 3) *исправл. по П.* 4) б҃ъ *П.* 5) окании *П.* 6) и *проп. П.* 7) хоулніи *П.* 8) иконоразбоиница *С.* 9) гл҃етсѧ *П.* 10) мѧ *С.* 11) бе(з)честіе *ПС.* 12) и *проп. П.*

1) ἐὰν B_1 B_2. 2) αὐτοὺς проп. B_1 B_2. 3) ἠβουλήθη B_1 B_2. 4) ἀπηλλοτριωμένη B_1 B_2. 5) ὑμνουμένῳ cod., потому что выскобл. ἀν.

дроугꙑꙗ же иꙁвистию и чьрнилъмь расказниша.[1]

Ꙁвѣролютии. ꙗко врѣмѧ области[2] принмъше. ересоу ꙗростию въороужьшесѧ.[3] сихъ приимъшаꙗ. и цѣловавъша. казньми и моуками бешисльно. оумоучиша обa‹че› и ѿ ересъначальника. приꙗ[4] тьꙁоименитьство.

о ѿвьргъшихъсѧ иже и славьни[5] глютьсѧ.

Иже своѥꙗ славы ищюще. правьдѣ бжии не покорѧтьсѧ. ни чистителѥмъ ѥго. и ересоу о себѣ прѣтъкающиихъ съвѣдоуще. правилнꙑихъ оуставъ ищють. не[6] соуще ни еппи. ни ꙁа людьми стоꙗще. нъ иноꙗ вѣры нѣции соуще. ѿлоучаютьсѧ съборьнꙑꙗ цркве. млтвьникомъ бо месалиꙗномъ рьвьновавъше. постьникомъ глють не прѣбꙑвати въ цркъвьнꙑихъ съньмищиихъ. довълномъ же бꙑти. въ постьнꙑихъ своихъ млтвахъ. съмоущениѥмь же и межю собою пьрѧщесѧ. многочастьно бо лъжю. цркъвнаго обꙑщениꙗ. истоупивъше. иꙁвѣстованиѥ расоужающе дроугъ дроуга. лоучии[7] ꙗвитьсѧ тъща. ови стоѥ крьщениѥ. не приѥмлють ни бжьствьнаго обꙑщениꙗ

1) раскаꙁниша *проп. П.* 2) ѡбластїи *П.* 3) въѡроужившесѧ *П.* 4) прїаша *П.* 5) славнищню *С, но* щню *зачеркив.* 6) ни *С.* 7) лꙋчеиїи *С.*

τὰς δὲ ἀσβέστῳ καὶ μέλανι ἠχρείωσαν·

Θυμολέοντες δέ,[1] ὅτι καιρὸν ἐξουσίας λαβόντες, τὴν αἵρεσιν τῷ θυμῷ καθοπλίσαντες, τοὺς ταύτας ἀποδεχομένους καὶ ἀσπαζομένους αἰκισμοῖς[2] καὶ βασάνοις[3] ἀμέτρως[4] ἐτιμωρήσαντο· πλὴν καὶ ἐκ τοῦ αἱρεσιάρχου ἔλαβον τὴν ἐπωνυμίαν.

‹ργ΄.› Περὶ Ἀποσχιστῶν,[5] οἳ καὶ Δοξάριοι λέγονται.

Οὗτοι[6] τὴν ἰδίαν δόξαν ζητοῦντες τῇ δικαιοσύνῃ τοῦ θεοῦ οὐχ ὑποτάσσονται, οὔτε τοῖς ἱερεῦσιν αὐτοῦ, καὶ τὴν αἵρεσιν τῶν Αὐτοπροσκοπτῶν[7] ἐπιστάμενοι κανονικοὺς θεσμοὺς ἐπιζητοῦσι, μὴ ὄντες μήτε ἐπίσκοποι μήτε λαοῦ προεστῶτες· ἀλλ' ἀγελαῖοί[8] τινες ὄντες χωρίζονται τῆς καθολικῆς ἐκκλησίας. τοὺς δὲ Εὐχήτας Μασσαλιανοὺς[9] ζηλώσαντες, τοὺς ἀσκητὰς λέγουσι μὴ παραμένειν ἐκκλησιαστικαῖς συνάξεσιν, ἀρκεῖσθαι δὲ ταῖς ἐν τοῖς ἀσκητηρίοις αὐτῶν εὐχαῖς. φύρδην δὲ καὶ εἰς ἀλλήλους διαφερόμενοι (πολυσχιδὲς[10] γὰρ τὸ ψεῦδος), τῆς ἐκκλησιαστικῆς κοινωνίας ἀποστάντες, ἀκρίβειαν ὑποκρινόμενοι, ἄλλος ἄλλου κρείττων δείκνυσθαι σπεύδων, οἱ μὲν τὸ ἅγιον βάπτισμα οὐ δέχονται, οὔτε τῆς θείας κοινωνίας

1) δὲ проп. B_1 B_2. 2) αἰκισμοῦς B_1. 3) βασάνους B_1. 4) ἀμετέροις B_1; ἀμέτροις B_2. 5) Ἀποσχιτῶν B_1. 6) Οἵτινες B_1 B_2. 7) Αὐτοπροσκόπτων B_1 B_2. 8) ἀνελαῖοι B_1. 9) τοῖς δὲ Εὐχίταις Μεσαλιανοῖς B_1 B_2. 10) πολυσχεδὲς B_1 B_2.

л. 275 b. прича|щаютьсѧ· дроуѕии же ни образа чьстьнаааго кр҃та ново съвършена· или чьстьныѩ иконы не цѣлоують· и прѣожидати· вьсѣхъ чл҃вкъ ѕълыихъ помышлѩюще послѣдьнеѥ· ѿноудъ[1] чистителѩ не приѥмлють· нъ въ лицемѣрьи лъжесловесьныихъ· и неистиньныѩ своѥѩ съвѣсти имоуще· слово пьрѧтьсѧ ни въ чьто же бл҃го· дрѣво сѣно· стьблиѥ вѣчьнаего огнѩ· раждьжениѩ себѣ събирающе· и да ѿвьржено боудеть равьно иконоразбителѥ· безоумиѥ· и ѿметьникъ несъмысльство· ѿ мѵкры ѩ ѕълыѩ и равьночьстьна бечьстиѥмь·[2]

μετέ(л. 200[b])χουσιν· ἕτεροι δὲ οὔτε τύπον τοῦ τιμίου σταυροῦ νεωστὶ κατασκευασθέντα ἢ σεπτὴν εἰκόνα ἀσπάζονται· καὶ ὑπερανέχειν πάντων ἀνθρώπων οἰόμενοι, τὸ ἔσχατον τῶν κακῶν, καθόλου ἱερέα οὐ δέχονται, ἀλλ' ἐν ὑποκρίσει ψευδολόγων[1] κεκαυτηριασμένην[2] τὴν ἰδίαν συνείδησιν ἔχοντες λογομαχοῦσιν εἰς οὐδὲν χρήσιμον, ξύλα, χόρτον, καλάμην, τὰ τοῦ αἰωνίου πυρὸς ὑπεκκαύματα ἑαυτοῖς θησαυρίζοντες· καὶ ἀπέστω ἐξίσου καὶ ἡ τῶν Εἰκονοκλαστῶν παράνοια καὶ ἡ τῶν Ἀποσχιστῶν παραφροσύνη, τὰ ἐκ διαμέτρου κακὰ καὶ ὁμότιμα τὴν ἀσέβειαν.

---

1) ѿнꙋдꙋ *П*. 2) бесчестїемь *ПС*.

1) καὶ вставл. B_1 B_2. 2) κεκαυτηριασμένων B_1 B_2.

тимодѣа прозвѵ̈тера· прстыꙗ и великꙑꙗ цркве· костѧнтинѧ града· о разлчии· приходѧщиихъ къ непорочнѣи нашеи вѣрѣ·[1]

а҃· Три чинꙑ обрѣтаемъ· ѿ приходѧщиихъ· къ стѣи бжии съборьнѣи· и апльстѣи цркви· и пьрьвꙑи во чинъ есть· трѣбоующиимъ стго крьщениꙗ·

в҃· Вьторꙑи же не хрьстимꙑихъ· нъ тъкъмо мажемꙑихъ· стмь мурьмь·

г҃· И третии ни крьщаемꙑимъ же ни мажемꙑимъ· нъ тъкмо проклинающиихъ[2] свое и всю иноу ересоу·

о приходѧщиихъ ѿ ересꙑ и крьщающиихъ·

тѧскодроуги·[3]

Сии въ лагатии живоуще· марка нѣкоего вълхва имоуще оучителꙗ· бжьствьнꙑи разоумъ ѿмещють· крьщению роугаютьсѧ· | того образа[4] ѿкланѧютьсѧ· не подобаеть глющe·[5] нбсьнꙑихъ и[6] неꙗвленꙑихъ· образъ невидимꙑихъ[7] на земли вьображати· ни плътьскꙑимъ оуподобитисѧ беспльтънꙑимъ· сьмотрениꙗ гпѧ насъ ради ѿмещютьсѧ· и о тварн[8]

1) *Въ составъ У произведеніе пресвитера Тимоѳея не входитъ. С in m.* кг. 2) проклинаихъ *С.* 3) *cod. ПС ставятъ это заглавіе впереди предыдущаго;* тѧшькодроугіи *П;* тѧскодрꙋгіи *С.* 4) ѿбраза *С.* 5) глюща *С.* 6) и *проп. П.* 7) невидимыимый *С.* 8) врари *С.*

* ΤΙΜΟΘΕΟΥ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΥ ΤΗΣ ἉΓΙΩΤΑΤΗΣ ΜΕΓΑΛΗΣ ἘΚΚΛΗΣΙΑΣ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΩΣ ΠΕΡΙ ΔΙΑΦΟΡΑΣ ΤΩΝ ΠΡΟΣΕΡΧΟΜΕΝΩΝ ΤΗι ἈΜΩΜΗΤΩι ἩΜΩΝ ΠΙΣΤΕΙ.

Τρεῖς τάξεις εὑρίσκομεν τῶν προσερχομένων τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ· καὶ πρώτη μὲν τάξις ἐστὶ τῶν δεομένων τοῦ ἁγίου βαπτίσματος· δευτέρα δὲ τῶν μὴ βαπτιζομένων, χριομένων δὲ μόνον[1] τῷ μύρῳ τῷ ἁγίῳ, καὶ τρίτη τῶν μήτε βαπτιζομένων μήτε χριομένων, ἀλλὰ μόνον ἀναθεματιζόντων τὴν ἰδίαν καὶ πᾶσαν ἄλλην αἵρεσιν· καὶ οἱ μὲν βαπτιζόμενοί εἰσιν οἵδε.

Περὶ τῶν ἐρχομένων ἀπὸ αἱρέσεων καὶ βαπτιζομένων.[2]

Τασκοδροῦγοι.[3]

Οὗτοι τὴν Γαλατίαν οἰκοῦσι, Μάρκον τινὰ γόητα ἐσχηκότες διδάσκαλον· τὴν θείαν ἐπίγνωσιν ἀθετοῦσι, τὸ βάπτισμα διασύρουσι, τὰ τούτου σύμβολα ἐκκλί- л. 276 а.
νουσι, μὴ χρῆναι λέγοντες τῶν οὐρανίων καὶ ἀφανῶν τύπους ἀοράτους[4] ἐπὶ τῆς γῆς εἰκονίζεσθαι μηδὲ σωματικοῖς εἰκάζεσθαι τὰ ἀσώματα. τὴν ὑπὲρ ἡμῶν τοῦ κυρίου οἰκονομίαν ἀρνοῦνται καὶ περὶ τὴν κτίσιν

* Въ составъ PV и Vallicell. F 47 эта статья не входитъ. Текстъ ся берется изъ Vind. hist. gr. 56 л. 200^b—207^b съ варіантами изъ Barocc. 173 л. 150^a—156^b (=B_1) и Barocc. 185 л. 304^a—309^b (=B_2), которые оба не имѣютъ окончанія.

1) μόνον проп. B_1 B_2. 2) это заглавіе и cod. и B_1 B_2 ставятъ in m. 3) Τασκοδρουγοί B_1 B_2. 4) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὁρατοὺς B_1 B_2.

соущиихъ· ꙗко же симонъ льстѧтьсѧ· тѧскодроугии[1] г҃лютьсѧ·[2] ꙗзꙑкъмь галатьскꙑимь имьже тѧскосъ[3] ѿ нихъ· коль съказаѥтьсѧ· дроуръгъ[4] же ноздрь[5] ѥсть же имъ обꙑчаи таковъ·[6] въ г҃лаголемꙑихъ ѿ нихъ м҃лтвахъ· вълагають пьрстъ[7] деснꙑꙗ роукꙑ въ ноздрь[8] и тако молѧтьсѧ· тѣмь оубо образъмь г҃лютьсѧ[9] галатьскꙑ·[10] тѧскодроугии·[11] ѥже съказаѥтьсѧ колавьртѣниѥ·[12]

маркиꙗне· рекъше сꙑрохлѣбьници·

Маркионъ понтьскꙑи бꙑвъ оучитель· кърьдоновъ· четꙑри нерожена соущьства· соущиихъ прѣдъложи·[13] и пакꙑ четвьртьницю въ дъвоиницю състави· ѥже оубо б҃лго рещи[14] и невѣдомо[15] ово же съдѣтельно же и правьдьно· и лоукаво нарече· и г҃а мьнѣниѥмь г҃лати бꙑти· а не по истинѣ ч҃лвка· и вьще[16] же зълобьноую нарицаѥть и миръ лоукаваго дѣланиꙗ· д҃шю же часть б҃жиꙗ[17] соущьства мьнѧаше· и пьрю вражьбьноую доушею съ тѣлъмь подъложи· и змию рече

τῶν ὄντων ὡς ὁ Σίμων πλανῶνται. τασκοδροῦγοι[1] δὲ[2] λέγονται τῇ γλώσσῃ τῶν Γαλατῶν, ἐπειδὴ τασκὸς παρ' αὐτοῖς ὁ πάσσαλος ἑρμηνεύεται, δροῦγος[3] δὲ ὁ ῥώθων. ἔστι δὲ αὐτοῖς συνήθεια τοιαύτη· ἐν ταῖς λεγομέναις παρ' αὐτοῖς εὐχαῖς ἐπαναπαύουσι τὸν δάκτυλον τῆς δεξιᾶς χειρὸς τῷ ῥώθωνι καὶ οὕτως προσεύχονται. κατὰ τοῦτον οὖν τὸν τρόπον λέγονται γαλατιστί Τασκοδροῦγοι,[4] ὅπερ ἑρμηνεύεται πασσαλορυγχῖται.

Μαρκιωνισταί, ἤγουν Ἀρτοτυρῖται.

Μαρκίων ὁ Ποντικός, μαθητὴς γεγονὼς Κέρδωνος,[5] τέσσαρας ἀγενήτους[6] οὐσίας τῶν ὄντων ὑπέθετο[7] καὶ πάλιν τὴν τετράδα εἰς δυάδα συνέστειλεν, ὧν τὸ μὲν ἀγαθὸν εἶπεν καὶ ἄγνωστον, τὸ δὲ δημιουργόν τε καὶ δίκαιον καὶ πονηρὸν προσηγόρευσεν· καὶ τὸν κύριον δοκήσει λέγει γεγονέναι καὶ οὐ κατὰ ἀλήθειαν ἄνθρωπον· καὶ τὴν ὕλην δὲ κακίστην καλεῖ· καὶ τὸν κόσμον τοῦ πονηροῦ (л. 201ᵃ) τεκτόνημα· τὴν δὲ ψυχὴν μοῖραν τῆς τοῦ θεοῦ οὐσίας ἐνόμισεν καὶ μάχην ἄσπονδον ψυχῇ καὶ σώματι τέθεικεν· καὶ τὸν ὄφιν εἶπεν

---

1) тѧшкодроугіи *П.* 2) г҃летсѧ *П.* 3) тѧшкон *П.* 4) дроугон *П.* 5) ноиздрь *С.* 6) таковомъ *С.* 7) нерсть *П;* перстꙑ *С.* 8) поздрꙑ *С.* 9) г҃летсѧ *П.* 10) галатьскꙑи *П.* 11) тѧшкодроугіи *П.* 12) колавертѣніа *П.* 13) прѣложи *П.* 14) рещіи *П.* 15) невѣднмо *П.* 16) вещь *П;* веще *С.* 17) сѹще часть б҃жіа *оставл. С.*

1) τὰσκοδρουργοὶ B_1 B_2. 2) δὲ проп. B_1 B_2. 3) δροῦγγος B_1 B_2. 4) τασκοδρουργοὶ B_1 B_2. 5) Κόρδωνος B_1 B_2. 6) ἀγεννήτους B_1 B_2. 7) ὑπερέθετο B_1 B_2.

съдѣтелы блажѣнишю· ѩже ȥавистию оубо вькоушениꙗ· дрѣвьнꙗаго въȥбранꙗющю·[1] овои же[2] нескоудьно того приꙗти съвѣщавъше· и ѥже и кла|нꙗютьсꙗ· льстꙗщесꙗ мѣдꙗнѣ ꙗко же глють· нескоудынѣи[3] кланꙗющесꙗ· хлѣбосырьницю же ѿ ересы того маркиана· съводꙗтьсꙗ· измѣнꙗють же ȥъваниѥ[4] прилагании и помышлении съ м[л]ѣкъмь же мѣсꙗще квасъ· своими таинами похотоують· си ȥаконъ и пррокы[5] и патриархы ѿлагають· мьнѣниѥмь паче ѥже ѿ лоукы евглиꙗ· приносꙗще ѿ маркионъ водоу въ та[и]нѣ приносꙗть[6] ѿ того прочеѥ приꙗша оученици ѥго· рѣша маркиона· речи[7] стоумоу поликарпоу· поȥнаи[8] насъ поликарпе·[9] и поликарпоу рещи поȥнаю тꙗ· поликарпа сотонина·

врѣтищьници·[10] и ѿрочьници· и[11] въȥдьржьници· рекъше водопрѣдъстателе·

Си въ вина мѣсто водоу бгоу приносꙗть· и того ради водопрѣдъстателе наричютьсꙗ· женитвоу блоудъ нарицꙗють ѿ бга прѣданаꙗ ꙗко лоукаваꙗ ненавидꙗще·

τοῦ δημιουργοῦ ἀγαθώτερον, οἷα τοῦ μὲν φθόνῳ τὴν γεῦσιν τοῦ ξύλου κωλύσαντος, τοῦ δὲ ἀφθόνως ταύτης μεταλαβεῖν συμβουλεύσαντος· οἷον[1] καὶ σέβουσι πλάττοντες χαλκῷ τὸν ὡς λέγουσιν л. 276 b. ἄφθονον σεβόμενοι. οἱ οὖν Ἀρτοτυρῖται ἐκ τῆς αἱρέσεως τούτου τοῦ Μαρκίωνος κατάγονται· παραμείβουσι δὲ τὴν κλῆσιν[2] προσθήκαις ἐπινοιῶν· γάλακτι δὲ φυρῶντες ζύμην, τοῖς οἰκείοις μύσταις ὀρέγουσιν· οὗτοι νόμον καὶ προφήτας καὶ πατριάρχας ἀποβάλλονται, δοκήσει μᾶλλον τὸ κατὰ Λουκᾶν εὐαγγέλιον προσιέμενοι· τὴν δὲ ἀνάστασιν τῶν σωμάτων γελῶσιν ὡς ἄτοπον. καὶ οὗτος ὁ Μαρκίων ὕδωρ ἐν τοῖς μυστηρίοις προσφέρει· ἐξ αὐτοῦ λοιπὸν παρέλαβον καὶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ· φασὶ δὲ[3] τὸν Μαρκίωνα εἰπεῖν τῷ ἁγίῳ Πολυκάρπῳ· Ἐπιγίνωσκε ἡμᾶς, Πολύκαρπε. καὶ Πολύκαρπον εἰπεῖν· Γινώσκω σε τὸν πολύκαρπον[4] τοῦ σατανᾶ.

Σακκοφόροι καὶ Ἀποτακτῖται καὶ Ἐγκρατῖται, ἤγουν Ὑδροπαραστάται.

Οὗτοι ἀντὶ οἴνου ὕδωρ τῷ θεῷ προσφέρουσι· διὰ τοῦτο καὶ ὑδροπαραστάται καλοῦνται· τὸν γάμον πορνείαν[5] προσαγορεύουσι, τὰ παρὰ θεοῦ παρασχεθέντα ὡς πονηρὰ μυσαττόμενοι.

---

1) възбранꙗющи *П.* 2) и *вставл. П.* 3) нескоу̑нѣ *П*; нескоуднѣи *С.* 4) званию *П.* 5) пррокыи *П.* 6) приносѧть *П.* 7) рече *П.* 8) послаи *С.* 9) поликарпоу· познаи насъ поликарпе *проп. П.* 10) Третищьници *С.* 11) и *проп. С.*

1) cod. переправл. въ ὅθεν рукой XIV в. 2) βλῆσιν B_1. 3) δὲ проп. B_1 B_2. 4) πρωτότοχον B_1 B_2. 5) προνείαν B_1.

тии начальники ересы имѣахоу· ѥдиного ѿ оученикъ иоустина философа и мч҃ника· рѣша же ꙗко по моучении стааго иоустина· истоупникъ исъ цр҃кве изъобрѣте сию ересоу·

валентинъ василида· и ерьмѣꙗ нарицаѥми·

Василидъ оубо егуптѧнинъ· беспльтьна· на земли ꙗвитисѧ х҃а васньствоваше· страсти ни ѥдиноꙗ же прѣтьрпѣвъша· симоноу же кюринѣискомоу· ꙗко томоу мьнꙗщю на крс҃тѣ пригвоздитисѧ х҃оу же зьрѧщю издалеча· смиꙗтисѧ | л. 277 а. июденскомоу безоумию[1] подобаѥть· гл҃ꙗ не въ распѧтааго вѣровати· нъ въ распѧтисѧ хотѧщаго· ѿмѣташе же пльти въскрьсениꙗ·[2] ѿмеща законъ и пррк҃ы· причащати же сѧ бе[3] страха· идоложьртвьныихъ повелѣ· и всѧ дѣꙗти· без расмотрениꙗ стыдькаꙗ·[4] гоубительства и чародѣиства· и вльшьство съвьршати· валентинъ васни[5] мълчанию· прѣже быти вьсѣхъ полагааше беспльтьна же· и тъ х҃са лъжесловеть·[6] тѣло дш҃евьно ѿ съдѣтелꙗ приимъ·[7] ѥже невидимо и видимо не сыи прѣже· бысть послѣдь· ѿ сихъ еремѣи[8] нарицають-сѧ· ѿ нѣкоѥго тако призъвана· прилоучьшю си имѧ· вьсе дѣꙗние

1) коузоумию *cod.* 2) *cod. перенравл.* ꙗ *изъ* ѥ. 3) безъ *C.* 4) стꙑдаа *П.* 5) и *вставл. П.* 6) лжеславить *П.* 7) приимъ *cod.*; прїато *П.* 8) ежемїи *C.*

οὗτοι ἀρχηγὸν τῆς αἱρέσεως ἔσχον ἕνα τῶν μαθητῶν Ἰουστίνου τοῦ φιλοσόφου καὶ μάρτυρος. φασὶ δέ, ὅτι μετὰ τὸ μαρτύριον τοῦ ἁγίου Ἰουστίνου ἀποστὰς τῆς ἐκκλησίας ἐφεῦρε ταύτην τὴν αἵρεσιν.

Βαλεντῖνοι,[1] Βασιλεῖδαι[2] οἱ[3] καὶ Ἑρμαῖοι[4] καλούμενοι.

Ὁ μὲν Βασιλείδης[5] Αἰγύπτιος ἀσώματον ἐν γῇ φανῆναι τὸν Χριστὸν ἐμυθεύσατο πάθος οὐδὲν ὑπομείναντα, Σίμωνα δὲ τὸν Κυρηναῖον ὡς αὐτὸν νομισθέντα τῷ σταυρῷ προσπαγῆναι, τὸν δὲ Χριστὸν θεώμενον πόῤῥωθεν γελᾶν τῶν Ἰουδαίων τὴν ἄνοιαν, χρῆναι φάσκων οὐκ εἰς τὸν σταυρωθέντα πιστεύειν, ἀλλ' εἰς τὸν ἐσταυρῶσθαι δόξαντα· ἠρνεῖτο δὲ τῆς σαρκὸς τὴν ἀνάστασιν, ἀθετῶν τὸν νόμον καὶ τοὺς προφήτας. μετέχειν δὲ ἀδεῶς εἰδωλοθύτων ἐπέτρεψε καὶ πάντα πράττειν ἀδιακρίτως τὰ αἴσχιστα, γοητείας καὶ ἐπῳδὰς καὶ μαγγανείας τελεῖν. ὁ Βαλεντῖνος δὲ μῦθον καὶ σιγὴν προϋπάρχειν[6] πάντων ὑπέθετο· ἀσώματον δὲ καὶ αὐτὸς τὸν Χριστὸν τερατεύεται, σῶμα ψυχικὸν παρὰ τοῦ δημιουργοῦ κομισάμενον, ὅπερ ἀόρατον[7] ὂν πρότερον καὶ ὁρατὸν[8] γέγονεν ὕστερον. ἐκ τούτων Ἑρμαῖοι προσαγορεύονται, ἀπό τινος οὕτω κληθέντος λαχόντες τὸ ὄνομα· πᾶσαν πρᾶξιν

1) Βαλεντῖνος B_1 B_2. 2) Βασιλείδους B_1 B_2. 3) οἱ проп. B_1 B_3. 4) Ἑρμαίου B_1 B_2. 5) ὁ вставл. B_1 B_2. 6) ὑπάρχειν B_1 B_2. 7) καὶ ὁρατὸν μὴ вставл. B_1 B_2. 8) καὶ ὁρατὸν проп. B_1 B_2.

ѿреченоѥ дѣлають· праздьникы ииожаıа наричюще· и ıадоуще идоложьренаıа· ѥще же гл҃ють тѣлеси гн҃ю· съвыше съньсеноу быти и ıако сквозѣ троубоу вода· сквозѣ мр҃ию[1] дв҃оу прошьдъша· и ѥже лъжесловить· иномоу тѣлеси въстати· ѥже нарицати дх҃овьноѥ а не се· и разоумьна же гл҃ють[2] себе бытн· и вардана таıа же валентиноу· тъ же валентинъ еп҃въ бысть въ єюптѣ·

ниқолаитане·

Николаитанъ ереса· ѿ николы[3] ѥдиного ѿ семи съходить· николѣ красьноу женоу имоущю· сию хотѧщюмоу поıати повелѣваше· вѣсто же да ѥсть и се·[4] ıако ни ѥдинъ же инѣхъ·[5] ѿ ересы начальникъ ıавлıаютьсѧ·[6] сице повиньнъ вьсѧкого гноусьнааго· и нечистааго· и беззаконьнаа|го дѣıаниıа оучитель· всѧкъ дн҃ь не оскврьнѧѥтьсѧ· живота не моци причаститисѧ вѣчьнааго· ѿ того во разоумьнии гл҃ѥмъ· и скврьньници· вьсеıа нечистоты приıаша вииоу· толика же ихъ мьрзость ѥсть· ıако г҃оу рещи· ѥдиноıа[7] цр҃кве рекъше еп҃поу·[8]

ἀπειρημένην ἐργάζονται, ἑορτὰς ἐκτόπους ἐκτελοῦντες[1] (л. 201^{b}) καὶ ἐσθίοντες εἰδωλόθυτα· ἔτι δὲ λέγει τὸ σῶμα τοῦ κυρίου ἄνωθεν κατεληλυθέναι[2] καὶ ὡς διὰ σωλῆνος ὕδωρ διὰ τῆς Μαρίας τῆς παρθένου διεληλυθέναι. καὶ τοῦτο δὲ τερατεύεται, ἄλλο σῶμα ἐγείρεσθαι, ὅπερ προσαγορεύουσι πνευματικόν, καὶ οὐχὶ τοῦτο· καὶ τὸν γνωστικὸν δὲ λέγει ἑαυτὸν εἶναι. καὶ ὁ Βαρδάνης τὰ αὐτὰ Βαλεντίνῳ· οὗτος δὲ ὁ Βαλεντῖνος ἐπίσκοπος γέγονεν Αἰγύπτου.

Νικολαῗται.

Ἡ τῶν Νικολαϊτῶν αἵρεσις ἀπὸ Νικολάου ἑνὸς τῶν ἑπτὰ κατάγεται, ὃς ὡραίαν ἔχων γυναῖκα[3] ταύτην τῷ βουλομένῳ γῆμαι ἐπέτρεψεν. ἰστεόν δὲ καὶ τοῦτο, ὅτι οὐδεὶς τῶν ἄλλων αἱρεσιαρχῶν φαίνεται οὕτως αἴτιος πάσης βδελυκτῆς καὶ μυσαρᾶς καὶ παρανόμου[4] πράξεως διδάσκαλος· αὐτὸς γὰρ καὶ προήρξατο τοῦ λέγειν, ὅτι, ἐὰν μὴ л. 277 b. τις καθ' ἑκάστην ἡμέραν λαγνεύῃ, ζωῆς μὴ δύνασθαι μετέχειν τῆς αἰωνίου· ἐξ αὐτοῦ γὰρ οἱ Γνωστικοὶ οἱ λεγόμενοι καὶ Βορβορῖται πάσης[5] ἀκολασίας ἔλαβον τὰς ἀφορμάς. τοσαύτη δὲ αὐτῶν ἡ βδελυρία ἐστίν, ὡς καὶ τὸν κύριον εἰπεῖν[6] μιᾶς ἐκκλησίας[7] ἐπισκόπῳ,

---

1) *cod. переправл.* и *изъ* ь. 2) гл҃еть *П.* 3) никола *П.* 4) есте всеи *П* (*вм.* ѥсть и се). 5) иньı *П.* 6) *cod. переправл.* ю *изъ* ıа; ıавлѧет-сѧ *П.* 7) едино *С.* 8) еп҃пъ *П.*

1) καλοῦντες B_1 B_2. 2) κατενηνοχέναι B_1 B_2. 3) τοῦ Νικολάου ὡραίαν γυναῖκα ἔχοντος B_1 B_2 (вм. ὃς ὡραίαν ἔχων γυναῖκα). 4) ἀῤῥήτου B_1 B_2. 5) ἀῤῥήτου вставл. B_1 B_2. 6) cod. вверху строки надписано рук. XIV в. ἀγγέλῳ. 7) ἤγουν вставл. B_1 B_2.

ꙗко имаши ли чьто добро· ꙗко ненавидиши ли дѣлъ николаитѧнъ· ихъже и азъ ненавижю·

монътане· и попоуꙁиꙗне·

Монътанъ· оутѣшителѧ себе нарече· дъвѣ блоудьници имѣꙗи женѣ· прискоу· и макъсимилоу· ꙗже пророчицю[1] прозъва· и пепоуꙁоу оудобрениѥ фригииское· иерслма нарече· и женитвы повелѣ раздроушати· и брашьнъ оудалениѥ· и паскоу прѣврати· и три съставы ѥдиносоущьнааго бжьства· въ ѥдино сълагаѥть лице· съмоущаѥмаꙗ· иже кръвь съмѣшають съ моукою·[2] на причащениѥ· ѥгоже причащениꙗ ѿмѣтаються боꙗщесѧ·

манихеане·

Отъ маненъта перьсьскаааго[3] соущен· си равьноумощьноу· и противьновьрстоу хоулѧть бжства ово оубо свѣта· ово[4] же тьмы повиньни слнце и лоуноу бгы творѧть· и дияволa владѣюща вещию наричють· и женитвоу законоположениѥ бѣса· и подааниѥ трѣбоующиимъ· наричають[5] безакониѥ· гоу же не приꙗти никако[6] плъти члвчьскы· и распѧтиѥ и съмьрть[7] и въскрьсе- л. 278 а. ниѥ· ꙗко мьнѣти роугаються· | дш҄ь же прѣхожениꙗ въ тѣлеса· въ звѣри и въ скоты и пътица·[8]

ὅτι· Ἔχεις τι καλόν, ὅτι μισεῖς τὰ ἔργα τῶν Νικολαϊτῶν, ἃ κἀγὼ μισῶ.

Μοντανισταί[1] καὶ Πεπουζιανοί.

Μοντανὸς παράκλητον ἑαυτὸν προσηγόρευσεν, δύο πορνικῶς ἐπαγόμενος γυναῖκας, Πρίσκαν καὶ Μαξίμιλλαν,[2] ἃς καὶ προφήτιδας ὠνόμασεν· καὶ Πεπουζὰν κώμην[3] Φρυγίας Ἱερουσαλὴμ ὠνόμασεν· καὶ γάμους ἐπέτρεπε λύεσθαι καὶ βρωμάτων ἀποχάς· καὶ τὸ πάσχα διέστρεψεν, καὶ τὰς τρεῖς ὑποστάσεις τῆς ὁμοουσίου θεότητος εἰς ἓν συναιρεῖ πρόσωπον συγχέων.[4] οὗτοι[5] αἷμα συμφύρουσιν ἀλφίτοις εἰς μετάληψιν, οὗ τὴν μέθεξιν ἀρνοῦνται αἰδούμενοι.

Μανιχαῖοι.

Ἀπὸ Μάνεντος τοῦ Πέρσου τυγχάνοντες. οὗτοι ἰσοσθενῆ καὶ ἀντίθετον δυάδα βλασφημοῦσι θεότητος, τὴν μὲν φωτός, τὴν δὲ σκότους παραίτιον· καὶ ἥλιον καὶ σελήνην θεοποιοῦσι· καὶ τὸν διάβολον ἄρχοντα τῆς ὕλης προσαγορεύουσι καὶ τὸν γάμον νομοθεσίαν[6] τοῦ δαίμονος· καὶ τὴν εἰς τοὺς δεομένους μετάδοσιν καλοῦσιν ἀνομίαν, τὸν δὲ κύριον οὐδὲν εἰληφέναι σαρκωθέντα ἀνθρώπινον. καὶ τὸν σταυρὸν καὶ τὸν θάνατον καὶ τὴν ἀνάστασιν ὡς δόκησιν διασύρουσι· ψυχῶν δὲ μετενσωμάτωσιν εἰς θῆρας καὶ[7] κτήνη καὶ πτηνὰ

1) пророци *П.* 2) мокою *С.* 3) перскаго *ПС.* 4) ωвоу *П.* 5) нарицѧють *П.* 6) ника *С.* 7) смрти *П.* 8) пътица҃ *cod.*

1) Μοντανοὶ B_1 B_2. 2) Μαξιμίλλαν B_1 B_2. 3) κωμήδιον B_1 B_2. 4) συγχεόμενα B_1 B_2. 5) οἵτινες B_1 B_2. 6) θεσίαν B_1. 7) καὶ (л. 152a) καὶ B_1.

проповѣдаюоть· и все[1] гл҃юще д҃шевьна огнь въздоухъ· ꙁемлю· водоу и сады· и дрѣвеса и сѣмена· тѣмь ѿ нихъ[2] таинѣишии же иꙁбрани· не прѣломꙗть плода· не въстьрьгноуть ꙁелиꙗ· нъ таковоѥ творꙙщаꙗ кльноуть· гоубительство и вълъшьство приѥмлють·[3] и грѣховъ не остаютьсꙙ· х҃са же себе антихрьсть сътвори· и оученикы прѣжепроповѣдающе посъла· с҃на о҃цꙙ перьсьскаго[4] недоужьна соуща· ицѣлити[5] обѣщавъсꙙ·[6] посемь мьртва сътвори и·[7] мьꙁдоула· кожа съдьраниѥ прѣтьрпѣ·[8] и се же гл҃еть· ꙁемли на стихии рекъше на съставѣ·[9] носимѣ быти на рамѣ· и ѥгда иꙁнеможеть· прѣлагаѥть на дроугоѥ рамо·[10] тацѣмь же обраꙁъмь быти рѣша о д҃шахъ· ꙗко г҃ь на сп҃сениѥ д҃ша· хоудожьство помꙑсли· имоуще дъвѣ на десꙙте кади· ꙗже ꙁемлѥю обращаѥма· почьрпаѥть слоужащиихъ д҃ша· и сиꙗ великыи[11] свѣтильникъ[12] приимъ· лоучами очищаѥть· и подаѥть сл҃нцю и тако испълнꙗютьсꙙ лоуньныꙗ[13] пожьницꙙ· ѿ насъ нарицꙙѥмꙑихъ·

eоуномиꙗне рекъше неподобнии·

Ѥвъномии ꙗриѥвъ[14] бысть оученикъ· того[15] еудокси ариꙗньскꙑи·

δογματίζουσι καὶ πάντα λέγουσιν[1] ἔμψυχα, τὸ πῦρ, τὸν ἀέρα, γῆν, ὕδωρ καὶ φυτὰ καὶ δένδρα καὶ σπέρματα· διὸ οἱ παρ' αὐτοῖς μυστικώτεροι οἱ καὶ ἐκλεκτοὶ οὐ καρπὸν κλῶσιν, οὐ τέμνουσι λάχανον, ἀλλὰ τοῖς ταῦτα ποιοῦσι καταρῶνται· γοητείαις καὶ μαγγανείαις[2] κέχρηνται καὶ ἀμπλακιῶν οὐκ ἀπέχονται· Χριστὸν δὲ ἑαυτὸν ὁ ἀντίχριστος προσηγόρευσε καὶ μαθητὰς προκηρύττοντας αὐτοῦ προαπέστειλεν. οὗτος υἱὸν τοῦ βασιλέως Περσῶν (л. 202а) ἀσθενοῦντα θεραπεύειν ὑπισχνούμενος, εἶτα νεκρὸν ἐργασάμενος, μισθὸν τοῦ δράματος τὴν δορὰν ἀπηνέγκατο. καὶ τοῦτο δὲ λέγουσι, τὴν γῆν ὑπὸ Σακλᾶ τινος[3] βαστάζεσθαι ἐπὶ τοῦ ὤμου, καὶ ὅταν ἀτονήσῃ[4] μεταφέρειν[5] ταύτην εἰς τὸν ἄλλον ὦμον καὶ τούτῳ τῷ τρόπῳ γίνεσθαί φασι[6] περὶ ψυχῶν, ὅτι ὁ κύριος εἰς σωτηρίαν τῆς ψυχῆς μηχανὴν ἐμηχανήσατο ἔχουσαν δώδεκα κάδους, ἥτις ὑπὸ τῆς σφαίρας στρεφομένη ἀνιμᾶται τῶν θνησκόντων τὰς ψυχάς, καὶ ταύτας ὁ μέγας φωστὴρ προσλαβὼν ταῖς ἀκτῖσι καθαρίζει καὶ μεταδίδωσι τῇ σελήνῃ· καὶ οὕτως πληροῦται τῆς σελήνης ὁ δίσκος.[7]

Εὐνομιανοὶ ἤτοι Ἀνόμοιοι.

Εὐνόμιος Ἀρείου γέγονε μαθητής. τοῦτον Εὐδόξιος ὁ Ἀρειανός,

1) всꙙ *П.* 2) тѣхъ *С.* 3) пріемлеть *П.* 4) перскааго *ПС.* 5) налцити *С.* 6) обѣщавъша *С.* 7) и *проп. С.* 8) претерпѣти *С.* 9) ставѣ *С.* 10) и *вставл. ПС.* 11) великы *С.* 12) свѣтильникъ⁺ *cod. С.* 13) лоучныꙙ *П.* 14) ⁺ꙗриѥвъ *cod.* 15) то *С.*

1) λέγοντες B_1 B_2. 2) μαγείαις B_1 B_2. 3) Σακλατῖνος B_1 B_2. 4) ἀτονήσει B_1. 5) μεταφέρει B_1 B_2. 6) τὸν σεισμόν. καὶ τοῦτο εἰρήκασι вставл. cod. рукой XIV в. 7) ὁ παρ' ἡμῖν προσαγορευόμενος добавл. B_1 B_2.

прѣстолъ въсхꙑтивъ костѧнтинꙗ града· костѧнтиново обрѣтъ овъдовѣние·[1] еп҇па постави коуѕика града· сь[2] же | евьномии· оучителꙗ хоулою л. 278 b. прѣволи са· ѿ невꙑтиꙗ[3] и прѣложена· и раба и по вьсемоу неподобьна· о҇цю с҇на[4] приложи· кгоже не прѣтьрпѣвъше гражане· оболъгаша костѧнтиноу ц҇рю[5] вѣ бо повелѣвъ костѧнтинъ· подобьна и кдиного нарицѧти б҇а слово· да ни неподобьна ни кдиносоущьна· тѣмь же образъмь евьномии изгънанъ бꙑсть· повиньноуюшенсѧ[6] кмоу въ кдино погроужение· наоучавающиимъсѧ крьстѧть· и водоу на главоу възливающиимъ до поꙗса· и чрѣва[7] и до долоу· неприкосновено творѧть водꙑ[8] обливание· не бꙑти законьно г҇лющe· дѣтинотворенꙑимъ състав омъ· полоучити нетьлѣниꙗ дараси ни ц҇ркве· ни храма имоуть ни съборища· нъ въ таинѣхъ мѣстѣхъ нѣкꙑихъ земли· събираютьсѧ· тѣмь расѣльникꙑ· и върасѣльновъходьникꙑ· мъногы тѣхъ нарекоша·

павьлиꙗне·

Иже ѿ павьла самоусатѣискаадго съмѣрено· и низъко о х҇ѣ съмꙑшльше· ꙗко обьщю кстьствъмь ч҇лвкоу

τὸν θρόνον ἁρπάσας Κωνσταντινουπόλεως, τὴν Κωνσταντίνου εὑρηκὼς χηρείαν[1] ἐπίσκοπον Κυζίκου καθίστησιν. οὗτος οὖν ὁ Εὐνόμιος, τὸν διδάσκαλον ταῖς βλασφημίαις ὑπερβάλλων, τὸ ἐξ οὐκ ὄντων καὶ τρεπτὸν καὶ δοῦλον καὶ κατὰ πάντα ἀνόμοιον τῷ πατρὶ τὸν υἱὸν προσέθηκεν· ὃν[2] μὴ ἐνεγκόντες οἱ Ἑλλησπόντιοι διαβάλλουσιν αὐτὸν πρὸς Κωνσταντῖνον[3] τὸν βασιλέα· ἦν γὰρ δογματίσας ὁ Κωνσταντῖνος[4] ὅμοιον καὶ μόνον προσαγορεύεσθαι τὸν θεὸν λόγον καὶ μήτε ἀνόμοιον μήτε ὁμοούσιον.[5] τούτῳ οὖν τῷ τρόπῳ ὁ Εὐνόμιος ὑπερόριος γίνεται. οἱ οὖν τούτῳ πειθόμενοι εἰς μίαν κατάδυσιν τοὺς μυουμένους βαπτίζουσι, καὶ ὕδωρ τῇ κεφαλῇ καταχέοντες[6] μέχρις ὀμφαλοῦ τοῖς ἀπὸ γαστρὸς καὶ ἕως κάτω ἀνέπαφον ποιοῦσι τοῦ ὕδατος τὴν περίχυσιν, οὐκ εἶναι θεμιτὸν λέγοντες τὰ παιδοποιὰ ὄργανα τυχεῖν ἀφθαρσίας χαρίσματος. οὗτοι οὐκ ἐκκλησίαν, οὐ σκηνήν, οὐ συναγωγὴν ἔχουσιν, ἀλλ' ἐν κρυπτοῖς τόποις τισὶ τῆς γῆς συνάγονται. ὅθεν τρωγλήτας[8] καὶ τρωγλοδύτας[9] οἱ πολλοὶ τούτους προσαγορεύουσιν.

Παυλιανισταί.

Οἱ ἀπὸ Παύλου τοῦ Σαμοσατέως, ταπεινὰ καὶ χαμαιπετῆ περὶ τοῦ Χριστοῦ φρονήσαντες, ὡς κοινοῦ τὴν φύσιν ἀνθρώπου

---

1) ѡвѣтованїе *П.* 2) *cod. переправл.* ь *изъ* е. 3) навꙑтїе *С.* 4) сна *cod.* 5) ц҇рю *ПС.* 6) *cod. переправл.* ѥ *изъ* и; повинѹющи *С*; повиноующиен же сѧ *П.* 7) и чрѣва *проп. С.* 8) водовꙑ *С.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ εὐχέρειαν. 2) ὃ cod. потому, что выскобл. ν. 3) cod. переправл. въ Κωνστάντιον. 4) cod. переправл. въ Κωνστάντιος. 5) ἑτεροούσιον B_1 B_2. 6) κατέχοντες B_1 B_2. 7) τρογλῖτας B_1 B_2. 8) τρογοδύτας B_1.

бывъшю· и начало[1] ѿ[2] мариꙗ[3] приимъше·

фотинианѧне·

Фотинъ епп҇ъ· серьмѣискъи· въ костѧнтиниѥго[4] цр҇ство· павьла самосатѣискааго·[5] и савелиꙗ ливоуискааго· и монтановоу ересоу обнови·[6] не безначална ни всѣмъ вѣкомъ творьца· ꙗко вьсѧкоꙗ твари прѣже соуща бж҇иꙗ | слова· проповѣдаѧ· нъ и ова нарицѧꙗ· и начало прїимъша· по пльти ѿ дв҇ца рожьства· ѥгоже фотина·[7] въ срьмѣи[8] бывъшии съборъ· не тъкъмо сана обнажи· нъ и страньна римьскааго житиꙗ осоуди· тѣмь и ѿ тоꙗ[9] ересы· ст҇го и сп҇сьнааго крыщениꙗ трѣбоуютъ·

савелианѧне·

Савелии же епп҇ъ· пентаполискъи[10] бѣ·

маркианѧне·

Сь[11] маркелъ епп҇ъ бысть· анькурьскъи ѿ савелиꙗ· ливиискааго· сп҇оочьствоу[12] оучаща· и ѥдино соущьство[13] на ст҇ѣи трци быти

1) началѿ *П.* 2) ѿ *проп. П.* 3) мариѧ *П.* 4) костѧнтиниѥ *С.* 5) самѣискаго *С.* 6) обновити *С.* 7) софонина *С.* 8) срѣмѣи *С.* 9) же *вставл. П.* 10) пентапольскыи *П.* 11) С *П.* 12) сп҇оочь-ствоу *cod.* 13) соуществꙋ *П.*

γενομένου καὶ τὴν ἀρχὴν ἀπὸ Μαρίας ἐσχηκότος.

Φωτεινιανοί.[1]

Φωτεινὸς ἐπίσκοπος τοῦ Σιρμίου[2] κατὰ τὴν Κωνσταντίου βασιλείαν τὴν Παύλου τοῦ Σαμοσατέως καὶ Σαβελλίου τοῦ Λίβυος[3] καὶ Μοντανοῦ αἵρεσιν ἀνενεώσατο· οὐκ ἄναρχον οὐδὲ πάντων τῶν αἰώνων ποιητήν, οὐδὲ[4] πάσης κτίσεως προϋπάρχοντα τὸν[5] θεὸν λόγον ἐδογμάτισεν, ἀλλὰ νέον καὶ πρόσ- л. 279 a.
φατον καλῶν καὶ ἀρχὴν λαβόντα ἐκ τῆς κατὰ σάρκα τῆς παρθένου γεννήσεως. ὅντινα Φωτεινὸν ἡ ἐν Σιρμίῳ[6] γενομένη σύνοδος οὐ μόνον τῆς ἀξίας ἐγύμνωσεν, ἀλλὰ καὶ ξένον τῆς Ῥωμαίων πολιτείας ἀπεφήνατο· ὅθεν καὶ οἱ ἐκ ταύτης τῆς αἱρέσεως τοῦ ἁγίου καὶ σωτηριώδους βαπτίσματος χρῄζουσι.

Σαβελλιανοί.

Ὁ[7] Σαβέλλιος ἐπίσκοπος Πενταπόλεως ἦν.

(л. 202^b) Μαρκελλιανοί.

Οὗτος ὁ Μάρκελλος ἐπίσκοπος γέγονεν Ἀγκύρων. οἱ[8] ἀπὸ Σαβελλίου τοῦ Λίβυος, υἱοπατορίαν διδάσκοντος καὶ μίαν ὑπόστασιν ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος εἶναι

1) Φωτιανισταί B_1 B_2; cod. in m. рук. XIV в. τῆς ἐν λαοδικείᾳ κανὼν ζʹ. τῆς ἐν κωνσταντινουπόλει ζʹ. τοῦ μεγάλου βασιλείου αʹ μζʹ. τῆς ἐν τρούλλῳ ϟεʹ. 2) Σερμαίου B_1 B_2. 3) λίβους B_1. 4) ὡς δὲ B_1 B_2 (вм. οὐδὲ). 5) τὸν проп. B_1 B_2. 6) Σερμίῳ B_1 B_2. 7) δὲ вставл. B_1 B_2. 8) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὅς.

гл҃ющиа блнзъ того и тъ съмꙑшлꙗаше· словоу бо рещи ѥдиночадьномоу·[1] по потрѣ<бѣ> на врѣмѧ пришьдъша и пакꙑ на неже·[2] ѿнюдоу же изиде възвращьсѧ· ни прѣже исхода бꙑти· ни по възвращении прѣбꙑти·

о симонѣ вълсвѣ· ѿнюдоу же и симонианн нарицаютьсѧ·

Пьрваꙗ ереса· ꙗко же рѣша нѣции по х҃сѣ· симонъ губитель бѣ· ѿ гетова же бѧше града· въ самарии· самарѧнинъ сꙑ· льщаше же родъ самарѧньскъ· гл҃ꙗ себе нѣкоую силоу бж҃ню велию и съвꙑше съшьдъша· оц҃ѧ [же][3] гл҃аше себе· [самарѧнѿ· июдѣа же гл҃аше себе][4] бꙑти· сп҃а пострадавъша оубо· не пострадавъшю же· нъ искоушениемь тъкъмо· женоу бо нѣкоую себѣ обрѣтъ· ѿ турьскаего града· соупроугоу блоудьницю· дх҃ъ ст҃ꙑи бꙑти дьрьзноу гл҃ати· и тоꙗ[5] ради сънити· сию же рече бꙑти гл҃аше овьчати заблоуженоумоу· и на
л. 279 b. | коѥмьждо н҃бси прѣображающиосѧ· да оутаюсѧ ан҃гльскꙑихъ моихъ

λέγοντος, παραπλήσια[1] τούτῳ[2] κἀκεῖνος ἐφρόνησε·[3] λόγον μὲν εἰρῆσθαι τὸν μονογενῆ κατὰ χρείαν ἐπὶ καιροῦ προελθόντα καὶ πάλιν[4] εἰς τὸν ὅθεν ἐξῆλθεν ἐπαναστρέψαντα·[5] οὔτε πρὸ τῆς ἐξόδου εἶναι οὔτε μετὰ τὴν ἐπάνοδον ὑφεστάναι.

περὶ Σίμωνος τοῦ μάγου, ὅθεν καὶ Σιμωνιανοὶ καλοῦνται.

Πρώτη αἵρεσις, ὥς φασί τινες, ἀπὸ Χριστοῦ αὕτη.[6] οὗτος ὁ Σίμων γόης ἦν, ἀπὸ Γετῶν δὲ ὡρμᾶτο τῆς πόλεως ἐν Σαμαρείᾳ, Σαμαρείτης ὤν. ἐφάνταζε δὲ τὸ γένος τῶν Σαμαρειτῶν, λέγων ἑαυτόν τινα μεγάλην δύναμιν τοῦ θεοῦ καὶ ἄνωθεν καταβεβηκέναι. τὸν πατέρα δὲ ἔλεγεν ἑαυτὸν τοῖς Σαμαρείταις, Ἰουδαῖον[7] δὲ ἔλεγεν ἑαυτόν, τὸν υἱόν[8] παθόντα μέν, μὴ πεπονθέναι δέ, ἀλλὰ δοκήσει μόνον· γυναῖκα γάρ τινα ἑαυτῷ εὑράμενος ἀπὸ τῆς Τυρίων πόλεως σύζυγον αὐτοῦ πορνάδα, πνεῦμα ἅγιον εἶναι τετόλμηκε λέγειν καὶ διὰ ταύτην κατεληλυθέναι· ταύτην δὲ[9] πρόβατον ἔλεγεν εἶναι πεπλανημένον·[10] καὶ[11] ἑκάστῳ οὐρανῷ μετεμορφούμην, φησί,[12] ἵνα λάθω τὰς ἀγγελικάς μου

1) ѥдиночадьномоу҃ *cod.* 2) понеже *П* (*вм.* на неже). 3) *вставка изъ П.* 4) *вставка изъ П.* 5) то *С.*

1) παραπλήσι B_1. 2) τούτων B_1. 3) cod. рук. XIV в. дописано между строками: καὶ τοῦτο δὲ εἰπεῖν ἐτόλμησε. 4) δὲ вставл. B_1 B_2. 5) ἐπανελθόντα B_2, но зачеркнуто и in m. допис. ἐπαναστρέψαντα. 6) αὕτη проп. B_1 B_2. 7) cod. переправл. рук. XIV в. въ ἰουδαίοις. 8) cod. переправл. ἑαυτὸν τὸν υἱὸν рук. XIV в. въ ἑαυτὸν εἶναι τὸν υἱὸν τόν. 9) φησὶν вставл. B_1 B_2. 10) ἔλεγε πρόβατον πεπλανημένον εἶναι B_1 B_2. 11) ἐν вставл. B_1 B_2. 12) cod. вставл. рук. XIV в. κατὰ τὴν μορφὴν τῶν ἐν ἑκάστῳ οὐρανῷ; B_1 B_2 проп. φησί.

силъ· и съшдоу на оумъ· тварь ѥсть си· или д҃хъ с҃тыи нарицаѥмаꙗ· ѥюже аг҃гы съꙁьдахъ· ѥще г҃лѥть ꙗко аг҃ли миръ съꙁьдаша·[1] и мироу же г҃лѥть не быти ѿ б҃а и въскрьсениѥ же ѿлагаѥть·

о менандрѣ оученицѣ симони·

Менандръ оученикъ симонь· самарꙗнинъ сы· ѿ вьси каманꙑꙗ градъı·[2] не некъмо[3] съ оучительмь ѥдино мꙑслꙗше· нъ и паче оного бещьствоваше·[4] себе г҃лꙗ с҃па· на ч҃лкы съвꙑшь нѣѿкоудоу ѿ невидимꙑихъ вѣкъ посълана с҃пьнаꙗ оуча· не инако моши комоу· и тѣхъ миротворьца· аг҃лъ большю быти· не пьрвѣѥ прѣданааго ради имъ· вълшьствьнааго искоушениꙗ приведенааго· и поданааго крьщениꙗ·[5] симъ съподоблꙗющемъсꙗ бесъмьртиꙗ· ꙗко къ томоу не оумирати·

о евионѣихъ·

Сии съмѣренаꙗ о х҃сѣ славꙗть· проста ѥго и обьща мьнꙗть ч҃лвка· по прѣспѣнию обꙑчаꙗ оправьдана ѿ моужьска же приобщениꙗ· и ѿ мариꙗ рожьшасꙗ· и

1) съꙁдати *П.* 2) *cod.* ꙗ *по скобл.* (*вм.* а?) грады *СП.* 3) токмо *П.* 4) беществоваша *П.* 5) крещенаа *П.*

δυνάμεις καὶ κατέλθω ἐπὶ τὴν ἔννοιαν, κτίσις[1] ἐστὶν αὕτη ἡ καὶ πνεῦμα ἅγιον καλουμένη, δι' ἧς τοὺς ἀγγέλους ἔκτισα. ἔτι λέγει· οἱ ἄγγελοι τὸν κόσμον ἔκτισαν καὶ τοὺς ἀνθρώπους. καὶ τὸν κόσμον δὲ φάσκει μὴ εἶναι ἐκ θεοῦ καὶ τὴν ἀνάστασιν[2] ἀποβάλλεται.

περὶ Μενάνδρου[3] μαθητοῦ τοῦ Σίμωνος.

Μένανδρος ὁ μαθητὴς Σίμωνος, Σαμαρείτης τυγχάνων ἀπὸ κώμης Πέτρας[4] ὁρμώμενος, οὐ μόνον τὰ αὐτὰ τῷ διδασκάλῳ ἐφρόνησεν, ἀλλὰ καὶ πλέον ἐκείνου ἠσέβησεν, ἑαυτὸν λέγων σωτῆρα ἐπὶ τῇ τῶν ἀνθρώπων ἄνωθεν πόθεν ἐξ ἀοράτων αἰώνων ἀπεσταλμένον, σωτήρια[5] διδάσκων μὴ ἄλλως δύνασθαί τινα καὶ αὐτῶν τῶν κοσμοποιῶν ἀγγέλων περιγενέσθαι, μὴ πρότερον διὰ τῆς πρὸς αὐτοὺς παραδεδομένης μαγικῆς ἐμπειρίας[6] ἀχθέντα, καὶ διὰ τοῦ δεδομένου παρ' αὐτοῦ[7] βαπτίσματος τούτους καταξιουμένους ἀθανασίας ὡς μηκέτι ἀποθνήσκειν.

περὶ Ἐβιοναίων.

Οὗτοι ταπεινὰ περὶ Χριστοῦ δοξάζουσι· ψιλὸν γὰρ αὐτὸν καὶ κοινὸν ἡγοῦνται ἄνθρωπον κατὰ προκοπὴν ἤθους δεδικαιωμένον, ἐξ ἀνδρός τε κοινωνίας καὶ τῆς Μαρίας γεγενῆσθαι. καὶ

1) cod. перепрвл. рукой XIV в. въ ἥτις. 2) δὲ вставл. B_1 B_2. 3) γενομένου вставл. B_1; τοῦ γενομενου вставл. B_2. 4) cod. перепрвл. рук. XIV в. въ καπουαρέτας. 5) σωτηρία B_1. 6) ἐπηρείας B_1 B_2. 7) παρὰ σαυτοῦ B_1.

вьсѧ же ересы се гл҃ѥть· и тъ корииьдь· и плододьржьць· тоѥ же гл҃ють и съмыслѧть· тѣмь и нищии именоуютьсѧ ѿ жидовъ· сице бо нарицаѥтьсѧ овионѣи· нъ искоушениѥмь бꙑти· чл҃вчьскꙑимь г҃а изьбрана изьбравъшисѧ· по изьбранию сп҃а бж҃иꙗ наречена· съвꙑше | л. 280 а. на нь пришьдъшю· х҃соу въ образѣ голоубинѣ· ти же ни дш҃евьнаго ꙗдѧть· прашаѥми бо чьсо ради не ꙗсте· понеже рече о съвъкоуплениꙗ и съмѣшениꙗ тѣлесе бꙑти имъ· и того ради не приѥмлѥмъ ихъ·

о корьньдѣ[1] отъньодоу же и кирьньфиꙗне·[2] именоуютьсѧ дроузии же гл҃ють написаниѥ ꙗко овионѣи ѥсть·

Сь гл҃ѥть· ꙗко ѿкръвениѥмь великꙑихъ ради аг҃глъ ѥмоу[3] ꙗвлѥнаꙗ· лъжа въводить гл҃ꙗ· по въскрьсении земльноумоу бꙑти ц҃рьствоу[4] х҃воу· и пакꙑ похотьми и сластьми· въ иерс҃лмѣ по плъти жити· тꙑсоущь лѣтъ· въ брацѣ праздьника хотѧть прѣбꙑвати· гл҃ѥть бꙑти· рѣша же ꙗко ст҃ꙑи поликарпъ и мч҃нкъ гл҃ѥть· ꙗко мъноущюсѧ

πᾶσαι δὲ αἱ αἱρέσεις τοῦτο λέγουσι· καὶ οὗτος ὁ[1] Κήρινθος[2] καὶ Καρποκράτης τὸ αὐτὸ λέγουσι καὶ φρονοῦσιν, ὅθεν καὶ πτωχοὶ ὀνομάζονται (καὶ γὰρ παρὰ τοῖς Ἑβραίοις τοῦτο[3] ὀνομάζεται ἐβιοναῖος). ἀλλὰ καὶ δο(л. 203[a])κήσει γενέσθαι ἄνθρωπον τὸν κύριον καὶ ἐπιλεγέντα[4] ἐκλεκτὸν κατ' ἐκλογὴν υἱὸν θεοῦ κληθέντα ἀπὸ τοῦ ἄνωθεν εἰς αὐτὸν ἥκοντος Χριστοῦ ἐν εἴδει περιστερᾶς. οὗτοι δὲ οὐδὲ ἔμψυχον τρώγουσιν· ἐρωτώμενοι δὲ διὰ τί,[5] Ἐπειδή, φασίν,[6] ἐκ συνουσίας καὶ ἐπιμιξίας σωμάτων εἰσί,[7] καὶ διὰ τοῦτο οὐ μεταλαμβάνομεν αὐτῶν.

περὶ Κηρίνθου, ἀφ' οὗ καὶ Κηρινθιανοὶ ὀνομάζονται· ἄλλοι δὲ Ἐβιοναῖον καλοῦσιν.[8]

Οὗτος λέγει, ὡς δι' ἀποκαλύψεων μεγάλα[9] δι' ἀγγέλων[10] αὐτῷ δεδειγμένα ψευδόμενος· λέγει δὲ[11] μετὰ τὴν ἀνάστασιν ἐπίγειον εἶναι τὸ βασίλειον τοῦ Χριστοῦ· καὶ πάλιν ἐπιθυμίαις καὶ ἡδοναῖς τὴν Ἱερουσαλὴμ τὴν κατὰ σάρκα πολιτευομένην ἀριθμὸν χιλιονταετίας ἐν γάμῳ ἑορτῆς θέλων πλανᾶν λέγει γίνεσθαι· φασὶ δέ, ὅ τι καὶ ὁ ἅγιος Πολύκαρπος καὶ μάρτυς λέγει, ὅτι λουομένου

---

1) корьфѣ *С.* 2) кирин·фїане *П.* 3) да *вставл. С.* 4) ц҃рьствꙋ *ПС.*

1) вм. ὁ, cod. καὶ написано по скобл., рукой XIV в. 2) Κόρινθος B_1 B_2. 3) τοῦτο γὰρ καὶ παρὰ τοῖς Ἑβραίοις B_1 B_2. 4) ἐπιλεχθέντα B_1 B_2. 5) οὐ τρώγετε вставл. B_1 B_2. 6) φυσιν B_1 B_2. 7) εἶναι αὐτὰ B_1 B_2 (вм. εἰσί). 8) λέγουσι συγγραφεῖς, ὅτι Ἐβιωναῖός ἐστιν B_1 B_2 (вм. Ἐβιωναῖον καλοῦσιν). 9) μεγάλων B_1 B_2. 10) δι' ἀγγέλων проп. B_1. 11) ἐπεισάγει λέγων B_1 B_2 (вм. λέγει δὲ).

нѣ[ко]гда[1] въ бани ст҃го ıwана ап҃ла· и оувѣдѣвъше ѩко кирінѳъ мыıеться· искочивъ ѿ мѣста бѣжати· и оувѣщавъ иже[2] съ нимь· бѣжимъ гл҃ѩ да не банѧ падетьсѧ· вънѹтрь соущю кирінѳоу истиньноумоу врагоу· и приметь вьсѧ· рѣша же съ мѧтежь съдѣлавъ·[3] ıегда о ıакоѣ написаша въ антиохии посълание ѩко ѿ насъ изидоша съмѹщающе вы· тъи же осоужааше и петрови о корьнили· иногда же и на павьла· повиньнъ мѧтежа въ цр҃кви бысть· въ иерсл҃мѣ ıегда остризаашесѧ· и х҃а же гл҃ıеть распѧта быти оубо никако же въскрьсъша· хотѣти же въскрьсноути· ıегда и вьсѣхъ боудеть въскрьсение·

о саторьнинѣ·

Саторьнинъ· съ антиохово по | вьсемоу менандра бывъшааго оученика· симона вълъхва съмыслѩше·

о плододьржьци·

Сь[4] плододьржьць· разоумьнаго нарече оц҃а· и гл҃ıеть ıавѣ вълъшьства· ѩко великыими

1) *исправл. по П.* 2) же *П.* 3) съдѣдавъ *О.* 4) ,е *П.*

ποτὲ[1] ἐν βαλανείῳ[2] τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ ἀποστόλου καὶ μαθόντος ὅτι Κήρινθος λούεται, ἀποπηδήσαντα[3] ἐκφυγεῖν καὶ παραινέσαι τοῖς[4] μετ᾽ αὐτοῦ, Φύγωμεν λέγοντα[5] μὴ καὶ τὸ βαλανεῖον συμπέσῃ ἔνδον ὄντος Κηρίνθου τοῦ τῆς ἀληθείας ἐχθροῦ καὶ λάβῃ τοὺς πάντας. φασὶ δέ, ὅτι[6] οὗτος ἦν ὁ[7] τὴν ταραχὴν ἐργασάμενος, ὅτε οἱ περὶ Ἰάκωβον γεγράφασιν εἰς Ἀντιόχειαν ἐπιστολὴν ὅτι, Ἐξ ἡμῶν ἐξῆλθον ταράσσοντες ὑμᾶς. ὁ αὐτὸς δὲ καὶ τῷ Πέτρῳ διεκρίνετο περὶ[8] Κορνηλίου, ἀλλὰ[9] καὶ κατὰ Παύλου αἴτιος τῆς ταραχῆς τοῦ ἱεροῦ γέγονεν[10] ἐν Ἱεροσολύμοις, ὅτε ἐκείρατο· καὶ τὸν Χριστὸν[11] λέγει σταυρωθῆναι μέν, μήπω δὲ ἐγηγέρθαι, μέλλειν δὲ ἀνίστασθαι, ὅτε καὶ ἡ καθόλου γίνεται ἀνάστασις.

περὶ Σατορνίνου.

Σατορνῖνος οὗτος ὁ Ἀντιόχου[12] κατὰ πάντα ἶσα[13] Μενάνδρῳ τῷ γενομένῳ μαθητῇ[14] τοῦ Σίμωνος τοῦ μάγου ἐφρόνησεν. л. 280 b.

περὶ Καρποκράτους.

Οὗτος ὁ Καρποκράτης τὸν γνωστικὸν ἐπικέκληται πατέρα. καὶ λέγει φανερῶς τὰς μαγείας ὡς ἐπὶ μεγάλοις

1) ποτὲ λουομένου B_1 B_2. 2) βαλανείου B_1. 3) ἀποπηδήσας τοῦ τόπου B_1 B_2 (вм. ἀποπηδήσαντα). 4) τοὺς B_1 B_2. 5) λέγων B_1 B_2. 6) ὅτι проп. B_1 B_2. 7) ἦν ὁ проп. B_1 B_2. 8) τοῦ вставл. B_1 B_2. 9) ἄλλοτε B_1 B_2. 10) γεγονέναι B_1 B_2. 11) δὲ вставл. B_1 B_2. 12) cod. передѣлано рук. XIV в. въ Ἀντιοχεὺς 13) ἶσα проп. B_1 B_2. 14) Μενάνδρου τοῦ γενομένου μαθητοῦ B_1 B_2.

чистѫсѧ· и прѣльсти на любьзнъιихъ бъιвающаꙗ· прѣдъ людьми исповѣдати и оучити льстьно и неѿлоучено всѧкомоу самодѣиствоу· и безаконьномоу дѣꙗнию· съвѣщаꙗ[1] съвьршати· глѥть бо и сереченъιи скврьнъιи неподобнъιи· плододьржьць· ꙗко аще не съврьшить къто· волѧ вьсѣхъ бѣсъ[2] и англъ· не можеть ѿноудъ[3] прѣвъзити на въιшьнѥѥ нбо· ни началъ ни в[л]астии прѣити и тако съ гмь[4] съвъкоуплѥниѥмь бъιтї·

о марьцѣ неподобьнѣмь· зълосъмъιслънѣмь·[5] еретикомъ начальници и съѥдиномъιсльнъιихъ ѥмоу словесьнъιихъ·

Сии чьртогъ оустраꙗють· и таиносщениѥ съвьршають· съ нечистотами нѣкъιими· съвьршающемъ· и дховьнъιи бракъ глють бъιти· ѿ нихъ бъιвающеѥ· и приносѧще водоу и крьстѧще сице прѣрѣкають· въ имѧ незнаѥмааго оцѧ вьсѣхъ· въ истиноу мтрь вьсѣхъ· въ шьдъшаго ісса и жидовьскаꙗ имена· прирѣкають на оудивлѥниѥ паче съвьршающимъ·

σεμνυνόμενος, καὶ τὰς περιεργίας τὰς ἐπὶ φίλτροις γινομένας δημοσίᾳ ἐξαγγέλλει,[1] καὶ διδάσκει[2] ὑπούλως[3] καὶ ἀνυποστόλως πᾶσαν αἰσχρουργίαν καὶ παράνομον πρᾶξιν συμβουλεύων ἐπιτελεῖν· λέγει δὲ καὶ τοῦτο ὁ εἰρημένος βέβηλος καὶ ἀνόσιος Καρποκράτης, ὅτι ἐὰν μή τις[4] ἐκτελέσῃ τὸ θέλημα πάντων[5] τῶν δαιμόνων καὶ τῶν ἀγγέλων, οὐ δύναται ὅλως ὑπερβῆναι εἰς τὸν ἀνώτατον οὐρανόν, οὐδὲ τὰς ἀρχὰς καὶ τὰς ἐξουσίας παρελθεῖν· καὶ[6] τὸν κύριον ἐκ συνουσιασμοῦ φησι[7] καὶ οὗτος[8] γεγενῆσθαι.

περὶ Μάρκου ἀνοσίου τοῦ[9] κακόφρονος καὶ αἱρεσιάρχου καὶ τῶν ὁμοφρόνων αὐτῷ[10] συσχόλων.[11]

(л. 203^b) Οὗτοι νυμφῶνα κατασκευάζουσι καὶ μυσταγωγίαν ἐπιτελοῦσι μετ' ἐπιῤῥήσεών τινων ἐπιτελουμένων· καὶ πνευματικὸν γάμον φάσκουσιν εἶναι τὸ ὑπ' αὐτῶν γινόμενον· καὶ ἄγουσιν ὕδωρ καὶ βαπτίζοντες οὕτως ἐπιλέγουσιν· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ ἀγνώστου πατρὸς τῶν ὅλων, εἰς ἀλήθειαν μητέρα τῶν πάντων, εἰς τὸν κατελθόντα[12] Ἰησοῦν. καὶ ἑβραϊκὰ δὲ ὀνόματα ἐπιλέγουσι πρὸς τὸ μᾶλλον καταπλῆξαι τοὺς τελουμένους.

---

1) съвѣщаѧ *С.* 2) бѣсъ *проп. С.* 3) ѿнꙋдꙋ *П.* 4) гмь *С.* 5) зломъιсленѣмь *П.*

1) ἐξαγγέλλειν B_1 B_2. 2) διδάσκειν B_1 B_2. 3) cod. передѣлано рук. XIV в. въ ἀνυπούλως. 4) φησὶ вставл. B_1 B_2. 5) ἁπάντων B_1 B_2. 6) οὗτος δὲ вставл. B_1 B_2. 7) λέγει B_1 B_2. 8) καὶ οὗτος проп. B_1 B_2. 9) τοῦ ἀνοσίου B_1 B_2. 10) αὐτοῦ B_1 B_2. 11) συσχόλων проп. B_1 B_1. 12) εἰς τὸν вставл. B_1 B_2.

о апелии·

Апелии оученикъ велѣнии· маркионовъ бѣ съ· прр҃чьства ѿ противнааго г҃лѥть д҃ха· повинѹющеса бѣщанием· дѣвичаaго бѣса· ѥиже[1] и|ма любимаꙗ· ничьсомоу же ѿноудъ·[2] въистинѹ реченоу быти· и многа нечьстиваꙗ· на ꙁаконъ же мосѣовъ[3] на прр҃кы·

ѡ феодотѣ оусъмари·

Того ѳеодота рекоша· самоусатѣискаaго ересѣ начальника и оц҃а быти· прѣже рекъша х҃са проста ч҃лвка· иже ѿ виктора еп҃а и м҃чника· и обыщениꙗ ѿлоученъ бысть· павьлъ же самосатѣискыи· оученикъ того бывъ· въсхотѣ обновити ересоу тоу· иже и растворенъ бысть ѿ събора· рѣша же анатолию исповѣдьникоу прѣлститиса· ѿ асклипъидота·[4] и дроугаaго ѳеодота нѣкоѥго трапеꙁьника· и оученикоу соущю ѳеодота оусъмара· прѣпираста же си· исповѣдьника анаталиꙗ· еп҃поу быти тоꙗ ересы· ꙗко приꙗти ѥмоу ѿ[5] нихъ мѣсачьноѥ· пѣнаꙁь· р҃· и· н҃· бывъшю же ѥмоу съ ними· мъного въ <съ>нѣ г҃ь оучаше и· паче ꙗко и

περὶ Ἀπελλῆ.

Ἀπελλῆς μαθητὴς τῶν δογμάτων Μαρκίωνος γέγονεν. οὗτος τὰς προφητείας ἐξ ἀντικειμένου λέγει πνεύματος, πειθομένου[1] ἀποφθέγμασι παρθένου[2] л. 281 а. δαίμονος,[3] ἢ[4] ὄνομα Φιλουμένη, μηδὲν δὲ ὅλως ἀληθὲς εἰρηκέναι καὶ πολλὰ ἀσεβῆ κατά τε τοῦ νόμου Μωσέως[5] καὶ τῶν προφητῶν.

περὶ Θεοδότου τοῦ σκυτέως.

Τοῦτον τὸν Θεόδοτον φασὶ τῆς τοῦ Σαμοσατέως αἱρέσεως ἀρχηγὸν καὶ πατέρα γενέσθαι, πρῶτον εἰπόντα τὸν Χριστὸν ψιλὸν ἄνθρωπον, ὃς καὶ ἀπὸ Βίκτορος ἐπίσκοπου[6] καὶ μάρτυρος ἀπὸ κοινωνίας ἐγένετο. Παῦλος δὲ ὁ Σαμοσατεὺς[7] μαθητὴς τούτου γενόμενος ἠθέλησεν ἀνανεῶσαι ταύτην τὴν αἵρεσιν, ὅστις καὶ καθῃρέθη ἀπὸ συνόδου· φασὶ δὲ Ἀνατόλιον τὸν ὁμολογητὴν ἀπατηθῆναι ὑπὸ Ἀσκληπιοδότου καὶ ἑτέρου Θεοδότου τινὸς τραπεζίτου, μαθητῶν ὄντων Θεοδότου τοῦ σκυτέως· ἀνέπειθον δὲ οὗτοι τὸν ὁμολογητὴν Ἀνατόλιον ἐπίσκοπον γενέσθαι ταύτης τῆς αἱρέσεως, ὥστε λαβεῖν[8] αὐτὸν παρ' αὐτῶν μηναῖα[9] δηνάρια ρν'. γενομένου οὖν σὺν αὐτοῖς, πολλὰ δι' ὁραμάτων[10] ὁ κύριος ἐνουθέτει αὐτόν, μάλιστα ὅτι καὶ

1) неже *С.* 2) ѿноудѹ *Н.* 3) монсѣовъ *С.* 4) аслипыидота *Н.* 5) ѿ *проп. С.*

1) πειθομένων B_1 B_2. 2) καὶ вставл. B_1 B_2. 3) cod. переправл. рукой XIV в. въ πειθόμενος.... δαιμονώσης. 4) ἧς B_1 B_2. 5) Μωυσέως B_1 B_2. 6) cod. вставл. рук. XIV в. ῥώμης. 7) Σαμοσατὲς B_1. 8) cod. рук. XIV в. переправл. въ λαβάνειν. 9) μηνιαῖα cod. потому, что рукой XIV в. вставл. ι. 10) ὀνειράτων B_1 B_2.

мч҃нкъ бѣ· понеже оубо непокоривъ бѣ· и ѿ анг҃ла биенъ бысть нощию· ꙗко ꙁаоутра [1] въстати ѥмоу· и облъкъсѧ [2] въврѣтище· и попелъмь посыпавъсѧ· [3] и многы сльꙁы принесъ· и клиросоу и простьцемъ· и показавъ си едва приꙗтъ бысть озофиръмь еп҇спомь· [4]

о елесаитѣхъ·

Си ѿмещють нѣкаꙗ· ѿ вьсѧкого б҃жьствьнааго писаниꙗ· приѥмлють же ꙗвленаꙗ пакы· ѿ ветъхааго же и новааго· ап҇слъ вьсь ѿмѵкталють· ѥще же г҃лють· и ѥже ѿврѣщисѧ неразличьно быти· разоумѣвъши бо оусты [5] ноуждею ѿвьржеть|сѧ· (л. 281 b.) срд҃цьмь же· ни [6] кънигъ [7] же нѣкыꙗ произносѧ· съ н҃бсе съпадъша· г҃лющa и слышавъшааго· оставлениѥ приꙗти грѣховъ· дроугоѥ же оставлениѥ рѣша· ѿ негоже ıс҃ъ х҃съ и б҃ъ нашь остави·

о непотѣ· [8]

Сь бѣ еп҇спъ въ егѵптѣ· иоуденскаꙗ ѿвѣщанаꙗ с҃тыимь б҃жьствьныимь писаниѥмь· обѣщаниꙗ ѿдати оуча· и нѣкоую тысѧщю лѣтъ· пища тѣлесьныꙗ на соусѣи [9] се быти

μάρτυς ἦν. ἐπεὶ οὖν ἀδιόρθωτος ἦν, ὑπὸ ἀγγέλου [1] ἐμαστιγώθη νυκτός, ὥστε ἕωθεν ἀναστῆναι καὶ ἐνδυσάμενος [2] σάκκον καὶ σποδὸν καταπασσάμενος [3] καὶ πολλὰ δάκρυα προσενεγκάμενος [4] τῷ κλήρῳ καὶ τοῖς λαϊκοῖς καὶ δείξας τοὺς μώλωπας, μόλις ἐδέχθη παρὰ Ζεφυρίου ἐπισκόπου. [5]

περὶ Ἐλεσαϊτῶν.

Οὗτοι ἀθετοῦσι τινὰ ἀπὸ πάσης τῆς θείας [6] γραφῆς· κέχρηνται δὲ ῥητοῖς [7] πάλιν ἀπό τε Παλαιᾶς καὶ Νέας· τὸν Ἀπόστολον τέλεον [8] ἀθετοῦσιν· ἔτι [9] λέγουσι καὶ τὸ ἀρνεῖσθαι ἀδιάφορον εἶναι· καὶ ὁ μὲν νοήσας τῷ στόματι [10] ἀνάγκαις [11] ἀρνήσεται, τῇ δὲ καρδίᾳ οὐχί· βίβλον δέ τινα προφέρουσιν, ἐξ οὐρανοῦ καταπεπτωκέναι λέγοντες καὶ τὸν ἀκηκοότα ἐκείνης καὶ πιστεύοντα ἄφεσιν λήψεσθαι τῶν ἁμαρτημάτων· ἄλλην δὲ ἄφεσιν φασὶν ἐαθῆναι, παρ' ἣν Ἰησοῦς ὁ Χριστὸς καὶ [12] θεὸς ἡμῶν ἀφῆκεν.

περὶ Νέπωτος.

Οὗτος ἦν ἐπίσκοπος τῶν κατ' Αἴγυπτον, ἰουδαϊκώτερον τὰς ἐπηγγελμένας τοῖς ἁγίοις ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς ἐπαγγελίας ἀποδοθήσεσθαι διδά-(л. 204^{a}) σκων καὶ τινα χιλιάδα ἐτῶν τροφῆς σωματικῆς ἐπὶ τῆς ξηρᾶς ταύτης ἔσεσθαι

1) взаѹтра *С.* 2) ѡблъсѧ *С.* 3) посыпавжа *С.* 4) епискоупомъ *П.* 5) ѹсти *С.* 6) нъ *С.* 7) книгѣ *П;* коникы *С.* 8) *cod. это заглавіе in m.* 9) і҇сѣи *П.*

1) ἀγγέλων B_1 B_2. 2) ἐνδυσάμενον B_1 B_2. 3) καταπασάμενον B_1 B_2. 4) προσενεγκάμενον B_1 B_2; καὶ вставл. B_1 B_2. 5) ἐδέξατο αὐτὸν Ζέφυρος ὁ ἐπίσκοπος B_1 B_2 (вм. ἐδέχθη παρὰ Ζεφυρίου ἐπισκόπου). 6) τῆς θείας проп. B_2, но отмѣчаетъ пропускъ крестикомъ. 7) ῥητοῖς проп. B_1 B_2. 8) τέλεον проп. B_1; τέλειον B_2. 9) δὲ вставл. B_1 B_2. 10) ἐν вставл. cod. рук. XIV в. 11) ἄναγκες B_1 B_2. 12) ὁ B_1 B_2.

полагаꙗ· съставити хотѧ оукоризноу своѥго срдцѧ· ѿ иѡанова ѿкръвениꙗ·

о пелагии и келестинѣ·

Сь ѥдиномꙑсльника· несториꙗ соуѥмоудраваго бꙑста· понеже и въ съборѣ ефесьскѣмь· много о[1] нѥю рѣша ꙁъла· ꙗко хотѧщема несториꙗ ꙁълочьстиваго· пелагиѥво и келестиново обновити велѣниѥ· приносить же сѧ о нѥю· ꙗко о феофилѣ· еп҃пѣ александрьскѣмь· и при инокентии римьскѣмь· си въста[2] на цр҃кв· и многꙑ[3] подвигꙑ на ниꙗ въꙁдвигоста· прѣжереченаꙗ наставьника·[4] и написаниѥмь осоужена бꙑста· си оубо дъва еретика· пелагии и келестинъ рѣша· ни еп҃па ни клирика· ни ѿноудъ[5] чистительскааго чина соуща· нъ[6] ꙗко[7] миниха соуща обьходѧща· и съвѣщавъшесѧ на истиноу нъ· и нечьстивъихъ[8] манехиꙗнъ моудрьствоующе· си оубо вьси приходѧще къ ст҃ѣи б҃жии[9] съборьнѣи ап҃льстѣи цр҃кви· великааго и ст҃го[10] и сп҃сьнааго крьщениꙗ трѣбоують·

| есть же ина ѥреса· мелхиседекиꙗнъ·[11]

Мелхиседекиꙗне соуть· нꙑнꙗ наречеми неприкосньници·[12] си

ὑποτιθέμενος,[1] συστῆσαι θέλων τὴν χλεύην τῆς ἑαυτοῦ καρδίας ἐκ τῆς Ἰωάννου Ἀποκαλύψεως.

περὶ Πελαγίου καὶ Κελεστίνου.

Οὗτοι ὁμόφρονες Νεστορίου τοῦ ματαιόφρονος γεγόνασιν, ἐπειδὴ καὶ ἐν τῇ συνόδῳ τῇ κατ' Ἔφεσον πολλὰ περὶ αὐτῶν εἶπον κακά, ὡς θέλοντος[2] Νεστορίου τοῦ δυσσεβοῦς τὸ[3] τοῦ Πελαγίου καὶ Κελεστίνου ἀνανεῶσαι δόγμα. φέρεται δὲ περὶ αὐτῶν, ὅτι ἐπὶ[4] Θεοφίλου ἐπισκόπου Ἀλεξανδρείας καὶ Ἰνοκεντίου Ῥώμης οὗτοι[5] ἐπανέστησαν τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ πολλοὺς ἀγῶνας κατ' αὐτῶν ἐκίνησαν οἱ προλεχθέντες πρόεδροι, καὶ ἐγγράφως κατεκρίθησαν. οὗτοι οὖν οἱ δύο αἱρετικοὶ Πελάγιος καὶ Κελεστῖνος, ὥς[6] φασιν, οὔτε ἐπίσκοποι οὔτε κληρικοὶ οὔτε ὅλως ἱερατικοῦ τάγματος ὄντες, ἀλλ' ὡσανεὶ μονάζοντες περιϊόντες[7] καὶ συμφωνήσαντες κατὰ τῆς ἀληθείας, ἀλλὰ καὶ τὰ τῶν δυσσεβῶν Μανιχαίων φρονοῦντες.

Οὗτοι οὖν ἅπαντες προσερχόμενοι τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ[8] τοῦ ἁγίου καὶ σωτηριώδους βαπτίσματος χρῄζουσιν.

ἔστι[9] καὶ ἄλλη αἵρεσις τῶν[10] Μελχισεδεκιτῶν. л. 282 а.

Μελχισεδεκῖται εἰσὶν οἱ νῦν προσαγορευόμενοι Ἀθίγγανοι. οὗτοι

1) ѿ *С.* 2) съста *С.* 3) многꙑи *П.* 4) наставникꙑ *П.* 5) ѿнꙋдꙋ *П.* 6) нъ *проп. С.* 7) ꙗко *вставл. С.* 8) честивꙑи *С.* 9) и *вставл. ПС.* 10) и *проп. С.* 11) мелхисекианъ *С.* 12) неприкосньсници *С.*

1) ὑποθέμενος B_1 B_2. 2) θελόντων B_1 B_2. 3) τὸ проп. B_1 B_2. 4) καὶ B_1 B_2. 5) καὶ вставл. B_2. 6) ὡς проп. B_1 B_2. 7) περιόντες B_1 B_2. 8) μεγάλῃ вставл. B_1 B_2. 9) δὲ вставл. B_1 B_2. 10) τῶν проп. B_1 B_2.

мелхиседека хвалѧть· ѿ негоже и тьзоименитьство приꙗша соуть жь при фригии· ни жидове же соуть· ни ꙗзычьници·[1] мьнѧть бо соуботоу хранити плъть же обрѣзати· сии ни[2] единомоу же ѿ чл҃вкъ прикасатисѧ хотѧть· нъ аще и кьто дасть имъ хлѣбъ· или водоу или кыи образъ· не приемлють ѿ роукъ инѣхъ възѧти· нъ молѧтьсѧ въдающемъ имъ· положити долѣ образъ· и тако сами приходѧще въземлють ꙗ· тако же аще и[3] сами инѣмъ подати хотѧще·[4] тѣмь оубо образъмь· неприкосньникы ꙗ наричють·[5] зане не хотѣти имъ прикоснoутисѧ имъ коиего· тѣмь и ти приходѧще къ ст҃ѣи[6] б҃жии ц҃ркви· потрѣбоу имоуть сп҃сьнаго крьщениꙗ·

о приходѧщиихъ ѿ ересы· къ съборьнѣи ц҃ркви· и мажющиихъсѧ·[7] и мажющиеи же сѧ ст҃ымь мѵрьмь·

четвьртонадесѧтьници·

Сии въ четвьртыи на десѧте лоуны дн҃ь· сп҃са нашего і҃с х҃а·[8] въскрьсение праздьноують· въ ньже аще постигнеть· въ понедѣльникъ· или въ вьторьникъ· или въ срѣдоу настаꙗ· славѧть же иѡана ап҃ла·

1) ꙗзычни *П.* 2) не *С.* 3) и *проп. С.* 4) ходѧще *С.* 5) нарichеть *П.* 6) ст҃ѣ *С.* 7) мажющиихъсѧ *С.* 8) іс҃ха *cod.*

τὸν Μελχισεδὲκ αὐχοῦσιν,[1] ἐξ οὗ καὶ τὴν ἐπωνυμίαν εἰλήφασιν· εἰσὶ δὲ περὶ τὴν Φρυγίαν, οὔτε δὲ Ἑβραῖοι οὔτε ἐθνικοί εἰσι· δοκοῦσι γὰρ τὸ μὲν σάββατον φυλάττειν, τὴν δὲ σάρκα[2] περιτέμνεσθαι. οὗτοι οὐδενὸς[3] ἀνθρώπων ἅπτεσθαι ἀνέχονται, ἀλλὰ κἂν δῷ αὐτοῖς ἄρτον ἢ ὕδωρ ἢ ἕτερόν τι εἶδος, οὐκ ἀνέχονται ἀπὸ χειρῶν ἑτέρων λαβεῖν, ἀλλὰ παρακαλοῦσι τὸν ἐπιδιδόντα[4] αὐτοῖς θεῖναι χαμαὶ τὰ εἴδη καὶ οὕτως αὐτοὶ προσερχόμενοι αἴρουσιν αὐτά· ὁμοίως κἂν αὐτοὶ ἑτέροις μεταδιδῶσι.[5] τούτῳ οὖν τῷ τρόπῳ ἀθιγγάνους αὐτοὺς καλοῦσι διὰ τὸ μὴ ἀνέχεσθαι αὐτοὺς προσψαύειν τινός· ὅθεν καὶ οὗτοι προσερχόμενοι[6] τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ ἐκκλησίᾳ χρείαν ἔχουσι τοῦ σωτηριώδους βαπτίσματος.

Περὶ τῶν ἀπὸ αἱρέσεων προσερχομένων τῇ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ καὶ χριομένων.[7]

οἱ δὲ χριόμενοι τῷ ἁγίῳ μύρῳ·

Τεσσαρεσκαιδεκατῖται.

Οὗτοι τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τῆς σελήνης ἡμέρᾳ τὴν τοῦ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ[8] Χριστοῦ ἀνάστασιν ἑορτάζουσιν, ἐν οἵᾳ δ' ἂν[9] φθάσῃ δευτέρᾳ ἢ τρίτῃ ἢ τετράδι ἐμπίπτουσα. ἐπιφημίζουσι δὲ Ἰωάννου τοῦ ἀποστόλου

1) καυχῶνται B_1 B_2. 2) μὴ вставл. cod. рук. XIV в. 3) οὐδὲ ἕνα B_1 B_2. 4) τοῦ ἐπιδιδόντος B_1 B_2. 5) μεταδίδωσιν B_1 B_2. 6) προσευχόμενοι B_1 B_2, a in m. προσερχόμενοι. 7) cod. B_1 B_2 это заглавіе in m. 8) Ἰησοῦ проп. B_1 B_2. 9) ἡμέρᾳ вставл. cod. рукой XIV в.

бꙑти прѣданию томоу· сълѣшають же съ навътовꙑ[1] оученикꙑ· въ тꙑ[2] бо дн҃и покаꙗние оукарѧють· приемлють же и ипожлѧ· кънигꙑ обиходꙑ нѣкꙑꙗ· ап҃лъскꙑꙗ посѧще· | л. 282 b. и дѣꙗниꙗ ина почииають[3] паче правилнꙑихъ·

навατианe рекъше соуботьници·

Наватъ сь· прозвитеръ бѣ римьскꙑꙗ цр҃кве·[4] понеже оубо врѣмѧ гонениꙗ· съключисѧ нѣкꙑимъ вѣрьнꙑимъ· не тьрпѧщемъ моукꙑ[5] прѣгрѣшити посемь гонению минoувъшю и съгрѣшьшемъ· съ сльзами молѧщемъсѧ[6] пастꙑремъ цр҃къвьнꙑимъ· подати имъ врѣмѧ покаꙗниꙗ· и врачеваниꙗ полоучити· разгнѣвавъсѧ наватъ· не приꙗтъ нъ противоу гл҃аше ве стоуда· не дати прѣгрѣшьшиимъ[7] роукꙑ гл҃ѧ· нъ лежати паче въ падении· егоже обличаахоу врѣмѧ бѣдꙑ· и самомоу ѿврѣщисѧ чистительскааго сана· еп҃спи же прѣгрѣшьшаꙗ· подобнꙑими троудꙑ и лѣтꙑ· сп҃снꙑимь покаанием сътѧжаша· того же навата· прѣбꙑвъша въ твьрдости[8] възвꙑшениꙗ· ѿлоучиша цр҃кве· онъ же въ нѣкоемь мѣстѣ необрѣтомѣ оутаивъсѧ· три еп҃спꙑ старьцѧ·

εἶναι τὴν παράδοσιν ταύτην· συμφύρονται δὲ τοῖς Ναυάτου[1] μαθηταῖς· κατ' ἐκείνους γὰρ τὴν μετάνοιαν παραγράφονται· κέχρηνται δὲ καὶ νόθοις βιβλίοις, περιόδους τινὰς ἀποστόλων (л. 204^{b}) προφέροντες καὶ πράξεις ἑτέρας ἀναγινώσκοντες παρὰ τὰς[2] κεκανονισμένας.[3]

Ναυατιανοὶ[4] ἤτοι Σαββατιανοί.

Ναυᾶτος οὗτος πρεσβύτερος γέγονε τῆς Ῥωμαίων ἐκκλησίας. ἐπεὶ οὖν ἐν καιρῷ τοῦ διωγμοῦ συμβέβηκέ τινας τῶν πιστῶν μὴ φέροντας τὰς βασάνους καταπεσεῖν, εἶτα τοῦ διωγμοῦ ὑπενδόντος καὶ τῶν παραπεπτωκότων τοὺς ποιμένας τῆς ἐκκλησίας μετὰ δακρύων ἱκετευόντων δοθῆναι αὐτοῖς καιρὸν μετανοίας καὶ ἰατρείας τυχεῖν, τυφωθεὶς ὁ Ναυᾶτος οὐ προσεδέξατο, ἀλλ' ἀντέλεγεν ἀναιδῶς μὴ δεῖν[5] τοῖς πεπτωκόσι δοῦναι χεῖρα,[6] ἀλλὰ κεῖσθαι μᾶλλον ἐν τῷ πτώματι· ὃν ἤλεγχον[7] ἐν τῷ καιρῷ τῶν κινδύνων καὶ αὐτὸν ἀρνήσασθαι τὸ τῆς ἱερωσύνης ἀξίωμα. οἱ δὲ ἐπίσκοποι τοὺς παραπεσόντας τοῖς ἁρμοδίοις πόνοις καὶ χρόνοις διὰ τῆς σωτηριώδους μετανοίας ἀνεκτήσαντο, τοῦτον δὲ τὸν Ναυᾶτον ἐπιμείναντα τῷ τύφῳ τῆς ἐπάρσεως ἐξέκοψαν τῆς ἐκκλησίας. ὁ δὲ εἴς τινα τόπον δυσεύρετον λαθὼν τρεῖς τῶν ἐπισκόπων γέροντας ἐφέλκεται,

1) наватова *II*; нанавътовꙑ *C*. 2) тои *C*. 3) почитаꙗють *II*; понаꙗють *C*. 4) мирьскꙑꙗ *C*. 5) мѫкъ *C*. 6) молѧщимсѧ *II*. 7) прѣшьшїимь *II*. 8) гордости *II*.

1) Ναύτου B_1. 2) τοὺς B_1. 3) κανονισμένας B_1 B_2. 4) Ναυτιανοὶ B_1. 5) μηδὲν B_1 B_2 (вм. μὴ δεῖν). 6) λέγων вставл. B_1 B_2. 7) ἤλεγον B_1.

приведе и сихъ прѣльстивъ· поуждею положити роукы на нємь положиша и призъваша[1] и навата еп҃па·[2] иже призъвани ѿ цр҃кве· ѿ навата положеныꙗ имъ поужа повѣдаахоу· онъ же прѣвъзнесъсѧ ꙗко же възможе подобьнъıихъ ємоу· несъмъıсльнъ[3] прѣльстити·[4] чистъı нарече· того же єдиномъıсльници· и вътороую женитвоу възбраниша· ѿ того оубо възниче савати нѣкъто· тоꙗ же бесѣдъı прозвӱтеръ· иже прѣже єго наставьника· соуе|тынѣвшимь прѣ- л. 283 а. снѣ тъщегласиємь· съ июдеи праздьноуꙗ страсть гн҃ю· и бл҃гдть[5] имѣꙗ съ гн҃ѧми[6] оубиицами· ѿноудю[7] же съ ними· оубииства съпраздьноуєть разоумъ·

ариꙗне· ѿ ариꙗ·

Сь арии· александрьскъıꙗ цр҃кве бъıсть прозвитеръ· разлоучениє· сн҃а ѿ оц҃ѧ оучааше· иного єстьства оц҃а· и дроугаего єстьства сн҃а славѧть· и лѣтъı раздѣлꙗꙗ· єдино бж҃ьства и соущьства· нъ и о насъ гн҃є съмотрениє хоулить бездоушьноу глꙗ гн҃ю плъть· и страсть и мѧтежь· бж҃ьствоу въ дш҃а мѣсто прѣтърпѣти· сиꙗ же и ꙗетии· и евъдоксии· и

1) пр҃звaша *П.* 2) єпископа *П.* 3) несмысло *П.* 4) прѣстити *С.* 5) бл҃годать *С.* 6) о҃гнѧми *С.* 7) ѿнѹдѹ *П;* ѿнюдѹ *С.*

καὶ τούτους δελεάσας ἀνάγκῃ ἐπιθεῖναι τὰς χεῖρας αὐτῷ, ἐπέθηκαν καὶ ἐκάλεσαν[1] αὐτὸν Ναυάτον ἐπίσκοπον. οἵτινες ἐγκληθέντες ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας, τὴν παρὰ Ναυάτου ἐπιτεθεῖσαν αὐτοῖς βίαν προσήγγειλαν· ὁ δὲ τυφωθεὶς ἐπὶ πλεῖον τῷ ἀξιώματι, ὡς[2] ἠδυνήθη τινὰς[3] τῶν ὁμοίων αὐτῷ ἀφρόνων δελεάσαι, καθαροὺς ὠνόμασεν· οἱ δὲ τούτου ὁμόφρονες καὶ τὸν δεύτερον γάμον ἐκώλυσαν. ἐκ τούτου οὖν[4] ἀνεφύη Σαββάτιός τις τῆς λέσχης ταύτης πρεσβύτερος, ὃς τὸν πρὸ αὐτοῦ καθηγητὴν ματαιοτέραις ἠκόντισε[5] καινοφωνίαις,[6] Ἰουδαίοις[7] συνεορτάζων τὸ πάθος τοῦ κυρίου καὶ χάριν ἔχων τοῖς κυριοκτόνοις, ἀφ' ὧν αὐτοῖς τὴν τοῦ φόνου συμπανηγυρίζει συνέλευσιν.[8]

Ἀρειανοὶ ἀπὸ Ἀρείου.

Οὗτος ὁ Ἄρειος τῆς Ἀλεξανδρέων ἐκκλησίας[9] γέγονε πρεσβύτερος, ὑπόβασιν τοῦ υἱοῦ ἀπὸ τοῦ[10] πατρὸς διδάσκων, ἑτέρας φύσεως τὸν πατέρα καὶ ἑτέρας τὸν υἱὸν ἐπιφημίζων καὶ χρόνοις διαιρῶν τὴν μίαν τῆς θεότητος οὐσίαν· ἀλλὰ καὶ τὴν ὑπὲρ ἡμῶν τοῦ κυρίου οἰκονομίαν βλασφημεῖ, ἄψυχον λέγων τοῦ κυρίου τὴν σάρκα καὶ τὸ πάθος καὶ τὴν ταραχὴν τὴν θεότητα ἀντὶ τῆς ψυχῆς ὑπομεῖναι· ταῦτα δὲ καὶ Ἀέτιος καὶ Εὐδόξιος καὶ

1) τὸν вставл. cod. рук. XIV в. 2) ὅσους B_1 B_2. 3) τινὰς проп. B_1 B_2. 4) οὖν проп. B_1 B_2. 5) ὑπερηκόντισε B_1 B_2 (и cod. рук. XIV в. добавл. ὑπερ). 6) κενοφωνίαις B_1 B_2. 7) Ἰουδαῖοι B_1. 8) σύνεσιν B_1 B_2. 9) ἐκκλησίας проп. B_1 B_2. 10) τοῦ проп. B_1 B_2.

авъксентии· и въвалии·[1] моудрьствовавъше· иже бѣша епи͠ски ȥападьнии·

макединиꙗне· рекъше дх҃оборьци·

Сии[2] блаженаго павьла исповѣдьника· епи͠па костѧнтинꙗ града· иȥриноувъше ѿ степене цр҃къвьнааго· иȥгънаша въ армению· и поставиша въ того[3] мѣсто македониꙗ дх҃оборьцѧ· юдиного ѿ поповъ павьловъ· иже сѫȥьданию и раба с҃тыи дх҃ъ· оучаше[4] покарѧющиимъсѧ юмоу· тѣмь образъмь възненавидѣнъ бывъ· и иȥгънанъ бывъ тъгда· ѿ съборьнꙑꙗ цр҃кве· паче прѣложениꙗ[5] ради костии· блаженааго костѧнтина вѣрьнааго· тъ македонии·[6] обаластию наслаждение дх҃а гл҃ють· и мьньша о҃цѧ· и б҃жьствьнааго юстьства· ѿлоучена·

аполинариꙗне·

Аполинарии сѵ́ринъ· беȥоумьна х҃са рещи дьрьȥнѫ | въ оума бо мѣсто рече· бѣ въ немь б҃ъ слово· и того ради рече подобають· юдино юстьство о б҃жиꙗ слова· и плъть исповѣдати· и пакы о҃ца отьчьскы[7] быти· с҃на же с҃новьскы[8] о҃ца· тако же и на дх҃а· на нежь оубо юдинъ б҃ъ троицѧ· не тъкъмо же нъ и

Αὐξέντιος καὶ Οὐάλης ἐφρόνησαν, οἵτινες ἦσαν ἐπίσκοποι τῆς Δύσεως.

Μακεδονιανοὶ ἤτοι Πνευματομάχοι.

(л. 205ᵃ) Οὗτοι τὸν μακάριον Παῦλον τὸν ὁμολογητὴν ἐπίσκοπον Κωνσταντινουπόλεως ἐξωθήσαντες τοῦ βήματος τῆς ἐκκλησίας ἐξορίζουσιν εἰς Ἀρμενίαν καὶ καθιστῶσιν ἀντ' αὐτοῦ Μακεδόνιον τὸν πνευματομάχον, ἕνα τῶν Παύλου πρεσβυτέρων, ὃς κτίσμα καὶ δοῦλον τὸ ἅγιον πνεῦμα τοὺς αὐτῷ πειθομένους ἐδίδασκε. τούτῳ τῷ τρόπῳ μισηθεὶς ἐξορίζεται τότε ἐκ τῆς καθολικῆς[1] ἐκκλησίας, μάλιστα διὰ τὴν τῶν ὀστῶν τοῦ μακαρίου Κωνσταντίνου τοῦ πιστοῦ μετάθεσιν. οὗτος ὁ Μακεδόνιος ὑπεξουσίως[2] τοῦ πνεύματος διακονίαν κατηγορεῖ καὶ ἔλαττον[3] τοῦ πατρὸς καὶ τῆς θείας ἀλλότριον φύσεως.[4]

Ἀπολιναρισταί.

Ἀπολινάριος ὁ Σύρος ἄνουν τὸν Χριστὸν εἰπεῖν ἐτόλμησεν· ἀντὶ γὰρ τοῦ л. 283 b.
νοῦ, φησίν, ἦν ἐν αὐτῷ ὁ θεὸς λόγος· καὶ διὰ τοῦτό φησι δεῖν[5] μίαν φύσιν τοῦ θεοῦ λόγου καὶ τῆς σαρκὸς ὁμολογεῖν καὶ πάλιν τὸν πατέρα πατρικῶς[6] εἶναι, τὸν δὲ υἱὸν υἱϊκῶς πατέρα. καὶ ὡσαύτως ἐπὶ τοῦ πνεύματος, καθ' οὗ[7] δὴ εἷς θεὸς ἡ τριάς, οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ

1) въкавнлїи *С.* 2) Сїи *С.* 3) того *проп. П.* 4) покарѧ *вставл. С.* 5) прилоⷤїа *С.* 6) и *вставл. П.* 7) ѿчьскыи *П.* 8) и *вставл. П.*

1) καὶ ἀποστολικῆς вставл. B_1 B_2. 2) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὑπεξούσιον. 3) ἐλάττονα B_1 B_2. 4) φύσεως ἀλλοτρίωσιν B_1 B_2 (вм. ἀλλότριον φύσεως). 5) δεῖ B_1 B_2. 6) υἱὸν вставл. cod. рукой XIV в. 7) cod. переправл. рукой XIV в. въ καθὸ.

о соущиихъ неиздреченьнꙑихъ бл҃гъ· ст҃ꙑимъ на много съмѣрение съводѧ· сирѣчь на июденскꙑѧ жьртвꙑ· таковꙑꙗ пакꙑ съвьршати· въ цр҃кви· иеще гл҃еть бж҃иꙗ слова· щюжю[1] плъть оно· юже имѣ на нб҃сьхъ· вещь прѣвѣчьноу нѣкакоу· и съсоущьствьноу· и страсть же своимь его бж҃ьствъмь приꙗти· и въ тридн҃евьное оно оумьрщвение[2] тѣла· и бж҃ьствоу оумрѣти съ тѣлесьмь· и тако ѿ оц҃ѧ пакꙑ ѿ съмьрти въскрьсноути· си[3] ст҃ꙑи еп҃пъ григории· еп҃пъ наньзианьскꙑи· написа къ некътарию еп҃поу костѧнтина· града·

περὶ τῶν ἀποκειμένων ἀῤῥήτων ἀγαθῶν[1] τοῖς ἁγίοις, εἰς πολλὴν ταπεινότητα ταῦτα[2] κατάγων, τουτέστιν εἰς τὰ ἰουδαϊκά, θυσίας τοιαύτας πάλιν ἐπιτελεῖν ἐν τῷ ναῷ. ἔτι λέγει τὸν θεὸν λόγον ἐπαγόμενον σάρκα ἐκείνην, ἣν ἔχων ἐν οὐρανοῖς ἐτύγχανε προαιώνιόν τινα καὶ συνουσιωμένην· καὶ τὸ πάθος δὲ τῇ ἰδίᾳ αὐτοῦ θεότητι δέξασθαι, καὶ ἐν τῇ τριημέρῳ ἐκείνῃ νεκρώσει τοῦ σώματος καὶ τὴν θεότητα συναπονεκρωθῆναι τῷ σώματι καὶ οὕτω παρὰ τοῦ πατρὸς πάλιν ἀπὸ τοῦ θανάτου διαναστῆναι. ταῦτα ὁ ἅγιος Γρηγόριος ἐπίσκοπος Ναζιανζοῦ γράφει πρὸς Νεκτάριον ἐπίσκοπον Κωνσταντινουπόλεως.

о приходѧщиихъ ѿ ереси къ съборьнѣи цр҃кви· и тъчию проклинающиихъ ересоу свою· сви же ни крьщаеми· ни мажеми· нъ тъкъмо проклинающе соуть си·

Περὶ τῶν ἐρχομένων ἀπὸ αἱρέσεων[3] καὶ μόνον ἀναθεματιζόντων τὴν αἵρεσιν αὐτῶν.[4]

οἱ δὲ μήτε βαπτιζόμενοι μήτε χριόμενοι, ἀλλὰ μόνον ἀναθεματίζοντές εἰσιν οὗτοι·

Мелетии распьрьникъ· ѿноудоу же [ме]летиꙗне·[4] иже распьрьници· си не ꙁъловѣрьни соуть· нъ проклинають свою распьрю· си несториꙗне· евьтихиꙗне· и тѣхъ обьщьникъ· диоскоръ[5] і[6] ꙗковъ· а не ватронъ правовѣрьнꙑи· нъ инъ еретикъ и прочьнии· безглавьнꙑи[7] распьрѧ

Μελέτιος ὁ σχισματικός, ὅθεν καὶ Μελετιανοὶ οἱ καὶ Σχισματικοί. οὗτοι κακόδοξοι μὲν οὐκ εἰσίν, ἀλλὰ ἀναθεματίζουσι τὸ ἴδιον σχίσμα· οὗτοι Νεστοριανοί, Εὐτυχιανισταὶ καὶ ὁ τούτων κοινωνὸς Διόσκορος καὶ Ἰάκωβος (οὐχὶ[5] Βάτρων[6] ὁ ὀρθόδοξος, ἀλλ' ἕτερος αἱρετικός) καὶ οἱ λοιποὶ Ἀκέφαλοι σχίσματα

---

1) чюжи *C.* 2) ѕмерщвенїа *C.* 3) сїи *C.* 4) *исправл. по Н.* 5) диоскоръ *C.* 6) ї *проп. C.* 7) и *вставл. C.*

1) ἀγαθῶν ἀῤῥήτων B_1 B_2. 2) ταῦτα проп. B_1 B_2. 3) τῇ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ вставл. B_1 B_2. 4) это заглавіе въ cod. и B_1 B_2 in m. 5) οὐχὶ переправл. cod. рукой XIV в. въ οὐχ ὁ. 6) Βατρῶν B_1 B_2.

ѿсѣчениѥ· ꙗже имать безглавьнꙑихъ ереса· разлоучающиихъ оубо | виною различиꙗ·[1] о х҃ѣ съшьдъшеюсѧ ѥстьствоу ѥго· въ състава· и въ дъвѣ лици· прѣже въѥдиниѥниꙗ· по въѥдиниѥнии ѥстьство· съложено бꙑти· прѣводѧщемъ· ꙗко не бꙑти· и бж҃ьствьноумоу и чл҃вчьскоумоу въ нѥмь ѥстьствоу· по нимъ· нъ и ѥдиносоущьствьноѥ х҃сво· къ оц҃ю же и б҃оу и къ намъ· на ниꙗ въсприꙗти по въѥдиниѥнии·

καὶ ἀποκοπαί, ἃς ἔχει τῶν Ἀκεφάλων ἡ αἵρεσις, τῶν προφάσει μὲν τῆς διαφορᾶς (л. 284 а.) τῶν ἐν Χριστῷ συνελθουσῶν φύσεων χωριζόντων αὐτὸν εἰς ὑποστάσεις καὶ πρόσωπα δύο πρὸ τῆς ἑνώσεως, μετὰ δὲ τὴν ἕνωσιν μίαν φύσιν σύνθετον γενέσθαι μεθοδευόντων, ὡς μηκέτι καὶ τὴν θείαν καὶ τὴν ἀνθρωπίνην ἐν τῷ αὐτῷ φύσει[1] κατ' αὐτοὺς εἶναι, ἀλλὰ καὶ τὸ ὁμοούσιον τοῦ Χριστοῦ πρός τε τὸν πατέρα θεὸν καὶ πρὸς ἡμᾶς κατ' αὐ-(л. 205b) τοὺς ἀνῃρῆσθαι μετὰ τὴν ἕνωσιν.

ꙗко вѣдѣти на колико раздѣлѥнию· в҃ъ безглавьнꙑихъ· рекъше б҃острашемъꙑихъ·[2] ереса· скороѥ проповѣданиѥ·

Περὶ τοῦ γινώσκειν, εἰς πόσα τμήματα γέγονεν ἡ τῶν Ἀκεφάλων ἤτοι Θεοπασχιτῶν αἵρεσις, σύντομος ἔκθεσις.[2]

о феодосиꙗньхъ·

περὶ τῶν Θεοδοσιανῶν.

Пьрваꙗ глава· о феодосиꙗньхъ· да речено боудеть· юже нача дамиꙗнъ еретикъ· о отьлѣньнѣмь[3] и нетьлѣньнѣмь· тъкъмо пьрѧщемъсѧ·[4]

Πρῶτον κεφάλαιον περὶ τῶν Θεοδοσιανῶν εἰρήσθω, ὧν ἦρξε Δαμιανὸς ὁ αἱρετικός, περὶ φθαρτοῦ καὶ ἀφθάρτου μόνον διαφερομένων.[3]

павьлиꙗне·

Παυλιανισταί.

Иже ѿ павьла· приобьщьшагосѧ[5] къ съборьнѣи ц҃ркви· истоупльшааго же пакꙑ· и ѿвращьшагосѧ къ безглавьнꙑихъ ересѣ· ѥгоже фѣодосиꙗне <не> приꙗша· зание вьсѧ къ малоу приобьщитисѧ ц҃ркви·

Παυλιανισταὶ οἱ ἀπὸ Παύλου τοῦ κοινωνήσαντος μὲν τῇ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ, ἀποστάντος δὲ πάλιν καὶ ὑποστρέψαντος πρὸς τὴν τῶν Ἀκεφάλων αἵρεσιν· ὅντινα οἱ Θεοδοσιανοὶ οὐκ ἐδέξαντο διὰ τὸ ὅλως πρὸς ὀλίγον κοινωνῆσαι τῇ ἐκκλησίᾳ.

---

1) разлоучіа C. 2) бостражемꙑи Н. 3) ѿлѣнѣмь C. 4) просѧщемсѧ C. 5) приобьщесѧгосѧ C.

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ φύσιν. 2) при каждой изъ слѣдующихъ далѣе ересей (именно до Οἱ κατὰ Σέργιον τὸν Πέτρου... стр. 733_1) есть въ cod. нумерація отъ α′ до ις′, прибавленная рукой XIV в. 3) cod. вставл. далѣе рукой XIV в.: [β′. Ἀγν]οῖται. οἱ λέγοντες ἄλλα τέ τινα [τὸν] κύριον ἀγνοῆσαι κατὰ τὸ ἀνθρώπινον [καὶ] τὴν ἡμέραν δὲ τῆς συντελείας.

ниовитиꙗне·

Иже ꙗвленѣѥ[1] различиѥ·[2] плъти и бж҃ьства· по въѥдинѥнии ѿлоучають· и нарицаються различьници·

о трофитиꙗньхъ·[3]

Трифѣитѧне· приѥмлюще книжьника гл҃емаго троудолюбиваго· паче соуѥлюбиваго· и соущьства и ѥстьства на ст҃оую· тр҃цю похоульше· и феодосиꙗ[4] неподобьнаго· и севира соуѥмоудраго· въ таинъıихъ поминающе | и гл҃юще· ꙗко тѣло ѥже нъıнꙗ имамъ·[5] не въстанеть нетьлѣньно· нъ ино[6] въ него мѣсто·

л. 284 b.

дроуꙁии трифѣитѧне·

Иже на[7] вьсѧ съвѣщають[8] дроугъıими трифѣитѧнъı проповѣданоѥ же на въскрьсениѥ слово· ѿ троудолюбиваго иѡана· имьже онъ раздроушаѥть· тѣлесъ нашихъ въскрьсениѥ·

гаиꙗне рекъше· иоулианиꙗне·

Гаиꙗне рекъше иоулианиꙗне· иже гл҃ють ѿ того въѥдинениѥ· гн҃ю[9] тѣлеси по вьсемоу образоу нетьлѣньноу бъıти·

гаиꙗне дроуꙁии·

Гаиꙗне[10] рекъше иоулианиꙗне дроуꙁии· иже не по вьсемоу образоу

1) ꙗвлениѥ C. 2) различитиѥ C. 3) трофимиꙗнехъ C. 4) одосиꙗ C. 5) нмáломъ C. 6) нинъ C. 7) на *проп.* C. 8) съ *вставл.* H. 9) гл҃ю C. 10) Ганѧже C

Νιοβῖται.

Νιοβῖται, οἵτινες φανερώτερον τὴν διαφορὰν τῆς σαρκὸς καὶ τῆς θεότητος μετὰ τὴν ἕνωσιν ἀναιροῦσιν καὶ καλοῦνται διαφορηταί.[1]

περὶ τῶν[2] Τριθεϊτῶν.

Τριθεῖται οἱ δεχόμενοι τὸν γραμματικὸν τὸν λεγόμενον Φιλόπονον, μᾶλλον δὲ[3] ματαιόπονον, καὶ οὐσίας καὶ φύσεις ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος βλασφημοῦντες, καὶ Θεοδόσιον δὲ τὸν ἀνόσιον καὶ Σεβῆρον[4] τὸν ματαιόφρονα ἐν τοῖς διπτύχοις ἀναφέροντες καὶ λέγοντες, ὅτι τὸ σῶμα, ὃ νῦν ἔχομεν, οὐκ ἐγείρεται ἄφθαρτον, ἀλλ' ἕτερον ἀντ' αὐτοῦ.

ἄλλοι Τριθεῖται.[5]

Οἵτινες τὰ μὲν ἄλλα πάντα συμφωνοῦσι τοῖς ἄλλοις Τριθεΐταις, τὸν δὲ κατὰ τῆς ἀναστάσεως ἐκτεθέντα λόγον ὑπὸ τοῦ Φιλοπόνου Ἰωάννου, δι' οὗ ἐκεῖνος ἀναιρεῖ τὴν τῶν σωμάτων ἡμῶν ἀνάστασιν, ἀποστρέφονται.

Γαϊανῖται ἤτοι Ιουλιανισταί.

Γαϊανῖται εἴτ' οὖν Ἰουλιανισταί, οἵτινες λέγουσιν ἐξ αὐτῆς τῆς ἑνώσεως τὸ τοῦ κυρίου σῶμα κατὰ πάντα τρόπον ἄφθαρτον εἶναι.

Γαϊανῖται ἄλλοι.[6]

Γαϊανῖται ἤτοι Ἰουλιανισταὶ ἄλλοι, οἵτινες οὐ κατὰ πάντα τρόπον

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ ἀδιαφορήται. 2) τῶν проп. B_1 B_2. 3) δὲ проп. B_1 B_2. 4) Σευῆρον B_1 B_2. 5) Τριθεῖται ἄλλοι B_1 B_2. 6) всю эту ересь проп. B_1 B_2.

нетьлѣньноу гл҃ють· тѣло г҃а нашего і҃с х҃а[1] нъ силою оубо тьлѣньна· никако же оубо нетьлѣти оудьржаниѥмь слова·

ἄφθαρτον λέγουσι τὸ σῶμα τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ἀλλὰ δυνάμει μὲν φθαρτόν, μηδόλως δὲ φθαρῆναι τῇ ἐπικρατείᾳ τοῦ λόγου.

гаїꙗните дрȣзї·

Иже нарицаютьсѧ несъꙁьданици· гл҃ють бо ꙗко не тъкъмо· нетьлѣньно отъ того въѥдиненьꙗ· нъ и несъꙁьданоу быти г҃ню тѣлеси· да ни раꙁлоученьꙗ[2] исповѣдѧть въплъщеньꙗ и б҃жьства·

Γαϊανῖται ἄλλοι.

Γαϊανῖται ἤτοι Ἰουλιανισταὶ ἄλλοι, οἵτινες καλοῦνται καὶ Ἀκτιστῖται· λέγουσι γάρ, ὅτι οὐ μόνον ἄφθαρτον ἐξ αὐτῆς τῆς ἑνώσεως, ἀλλὰ καὶ ἄκτιστον γεγονέναι τὸ τοῦ κυρίου σῶμα, καὶ οὐδὲ τὴν διαφορὰν ὁμολογοῦσι τῆς[1] σαρκώσεως[2] καὶ τῆς θεότητος.

діоскоріꙗне·

Иже по оубиистьвѣ протеріꙗ· тимоѳѣю ременьника принꙗвъшюмоу нѣкыꙗ протеріевы клирикы·[3] ꙗже самъ хотѧше съдѣꙗвъшемъ· обаче негодовавъше сами приꙗтъныхъ ради· ѿлоучишасѧ и ни къ[4] ѥдиномоу приобьщаютьсѧ· нъ ни крьстѧтьсѧ ꙗко же и[5] прочии·

Διοσκοριανοί.[3]

Οἵτινες μετὰ τὸν Προτερίου φόνον, Τιμοθέου[4] τοῦ Αἰλούρου δεξαμένου τινὰς τῶν Προτερίου κληρικῶν, ἅπερ αὐτὸς ἠθέλησε πράξαντας, ὅμως ἀγαναχτήσαντες αὐτοὶ διὰ τοὺς δεχθέντας ἀπέσχισαν ἑαυτοὺς καὶ οὐδενὶ κοινω(л. 206ᵃ)νοῦσιν, ἀλλ' οὐδὲ βαπτίζονται ὡς οἱ πολλοί.[5]

беꙁглавьници·

Беꙁглавьници иже ѥдинениѥмь ꙁинона ц҃рѧ[6] не|брѣгъше· ꙗко не иꙁгънавъшемоу ст҃го събора· иже въ калхидонѣ оц҃ь отъвьргъшасѧ·[7] ѿ петра гоугъниваго· принꙗвъшаго таково ѥдиньство· посемь же и раꙁдѣлиша на чюжаꙗ распьрѧ· ꙗже соуть прочаꙗ отъ сихъ[8] соущаꙗ·

Ἀκέφαλοι.

Ἀκέφαλοι, οἵτινες τῷ Ἑνωτικῷ Ζήνωνος τοῦ βασιλέως μὴ ἀρεσθέντες, ὡς μὴ л. 285 a.
ἐκβάλλοντι τὴν ἁγίαν τῶν ἐν Χαλκηδόνι πατέρων σύνοδον, ἀπέσχισαν ἑαυτοὺς ἀπὸ Πέτρου τοῦ Μογγοῦ τοῦ δεξαμένου τὸ τοιοῦτον ἑνωτικόν· εἶτα καὶ ἐπιδιηρέθησαν εἰς ἀλλότρια σχίσματα, ἅπερ εἰσὶν τὰ ἐφεξῆς ἐνταῦθα κείμενα.

---

1) і҃сха *cod.* 2) раꙁличенїа *П.* 3) крилікы *П.* 4) къ *проп. С.* 5) же и *проп. С.* 6) ц҃рѧ *ПС.* 7) ѿвергъшесѧ *С.* 8) всѣх *П.*

1) τῆς проп. B_1. 2) cod. переправл. рукой XIV в. въ σαρκός. 3) Διοσκοριανοὶ добавл. B_1 B_2 въ началѣ слѣдующей строки. 4) въ B_1 B_2 вырванъ весь дальнѣйшій текстъ произведенія до самаго конца. 5) cod. переправл. знакъ :∼ послѣ πολλοί въ φασί рукой XIV в.

чл҃вкообразьници·

Чл҃вкообразьници· иже гл҃ють чл҃вкообразьноу быти бж҃ьствоу·

Ἀνθρωπομορφῖται, οἵτινες λέγουσιν ἀνθρωπόμορφον εἶναι τὸ θεῖον.

варъсанофитѧне·

Варъсанофитѧне· ѿ варъсанофиꙗ еп҃па ихъ· съ нимиже прочии безглавьнии· пьрѧтьсѧ[1] ꙗко ѿ нихъ бес правильнааго· варъсаноуфиꙗ· поставлѥнию бывъшю·

Βαρσανουφῖται ἀπὸ Βαρσανουφίου τοῦ ἐπισκόπου αὐτῶν, πρὸς οὓς οἱ λοιποὶ Ἀκέφαλοι διαφέρονται, ὡς καὶ παρ' αὐτοῖς ἀκανονίστως τῆς Βαρσανουφίου χειροτονίας γινομένης.

исаиꙗните·

Исаиꙗните· иже поставлѥниꙗ ради исаиы· ѿ инѣхъ безглавьныхъ ѿрицѧющесѧ· ꙗко тѣмь оубо извѣщающемъ· ѿ епифаниꙗ памьфилога·[2] поставльшаaго прозвѵ́тера севира· и томоу поставлѥноу прочимъ же не съвѣщающемъ·[3] нъ мьртвопоставлѥна ѥго[4] быти· гл҃ющемъ· ꙗко мьртвѣ положенѣ быти на немь· епифаниевѣ роуцѣ·

Ἡσαϊανισταί.

Οἱ διὰ τὴν χειροτονίαν Ἡσαΐου ἀπὸ τῶν ἄλλων Ἀκεφάλων χωριζόμενοι, ὡς αὐτῶν μὲν διαβεβαιουμένων ὑπὸ Ἐπιφανίου τοῦ Παμφίλου τοῦ χειροτονήσαντος πρεσβύτερον Σεβῆρον καὶ αὐτὸν κεχειροτονῆσθαι, τῶν δὲ λοιπῶν μὴ συντιθεμένων, ἀλλὰ νεκροχειροτόνητον αὐτὸν εἶναι λεγόντων, ὡς νεκρᾶς ἐπιτεθείσης αὐτῷ τῆς Ἐπιφανίου χειρός.

петриꙗне·[5]

Петриꙗне· иже извѣстоующе· съставоу быти· ѥдинѣмь[6] съставъмь· и своиствъмь бе соущьства· и[7] изнесъше о томь· къ распьри дамиꙗниꙗнъ ꙗко ї[8] написаны[9] троудꙑ· о томь многы подвигноути межю собою·

Πετριανοί.

Οἱ διαβεβαιούμενοι τὴν ὑπόστασιν μόνα εἶναι ἰδιώματα χωρὶς οὐσίας, καὶ διενεχθέντες περὶ τούτου πρὸς τὸ τῶν Δαμιανιστῶν ἀπόσχισμα, ὡς καὶ ἐγγράφους ἀγῶνας περὶ τούτου πολλοὺς κεκινῆσθαι μεταξὺ αὐτῶν.

---

1) прѧстьцѧ *С.* 2) паньфилога *С.* 3) свѣщающимъ *П.* 4) го *С.* 5) петриꙗне *проп. С.* 6) ѥдѣмь *С.* 7) и *проп. С.* 8) ї *проп. С.* 9) написаныи *ПС.*

иже на сергиꙗ петрова·

Шестоѥ на десѧте· на сихъ бысть раздѣлѥниѥ· ѥже на сергиꙗ и петра· части оставльшеѥ· и[1] свои съставъ сътворишѧ·

тако имоуть иже въ патриархи лежащиꙗ кънигы·

| Кто оубо не ѿвьржеться· въ толика прѣсѣчениꙗ раздѣлившиихъ· и самѣмъ себе проклинающемъ· аще не ѿноудъ боудеть ѿ оума запоустѣлъ· писаноѥ бо на нихъ испълнисѧ слово ѥвѣ· погроузи ГИ и раздѣли ꙗзыкы ихъ·

о маркиꙗнѣхъ·

Маркиꙗне и месалиꙗне· и правьдьници и братьници· и становитьци·[2] тако нарицѧѥми· зане многоименитѣ быти ересѣ· наречени быша маркиꙗне· ꙗко ѿ маркиꙗна трапезьника· бывъша въ лѣта поустиниꙗна· и оустина новаго· подвизааше же сѧ написаниѥмь на мъногоименитоую сию ересоу· курилъ александрьскыи еппъ· флавиꙗнъ и феодотъ· антиохиискаꙗ[3] намѣстьника· антон· мелетиискыи еппъ· иже и[4] сътворенаꙗ съставиша· на таковоую многоглавьноую же и мъногоименитоую· маркиꙗньскоую[5] ересоу·[6]

Οἱ κατὰ Σέργιον τὸν Πέτρου.

Ἑκκαιδέκατον ἐπὶ τούτοις γέγονε τμῆμα, τὸ τῆς[1] κατὰ Σέργιον καὶ Πέτρου μοίρας ἀποστὰν καὶ ἰδικὸν σύστημα ποιησάμενον.

Οὕτως ἔχει ἡ ἐν τῷ πατριαρχείῳ ἀποκειμένη βίβλος. τίς οὖν οὐκ ἀπογνώσεται τῶν εἰς τοσαῦτα τμήματα л. 285 b.
διῃρημένων καὶ ἀλλήλους ἀναθεματιζόντων, εἰ μὴ παντελῶς ἐστι φρενῶν ἔρημος; τὸ γραφικὸν γὰρ ἐπ' αὐτοῖς πεπλήρωται λόγιον ἐναργῶς· Καταπόντισον, κύριε, καὶ καταδίελε τὰς γλώσσας αὐτῶν.

Περὶ Μαρκιανιστῶν.[2]

Μαρκιανισταὶ καὶ Μασσαλιανοὶ καὶ Εὐτυχῖται καὶ Ἐνθουσιασταὶ καὶ Ἀδελφιανοὶ καὶ Εὐσταθιανοί, οὕτω προσαγορευόμενοι διὰ τὸ πολυώνυμον εἶναι τὴν αἵρεσιν. ἐκλήθησαν[3] Μαρκιανισταί, ὡς ἀπὸ Μαρκιανοῦ τοῦ τραπεζίτου τοῦ ἐν χρόνοις γενομένου Ἰουστινιανοῦ καὶ Ἰουστίνου τοῦ νέου· ἠγωνίσατο δὲ ἐγγράφως κατὰ τῆς πολυωνύμου ταύτης αἱρέσεως Κύριλλος ὁ τῆς Ἀλεξανδρέων ἐπίσκοπος, Φλαβιανὸς καὶ Θεόδοτος τῆς Ἀντιοχέων πρόεδροι, Λητώϊος (л. 206[b]) Μελιτινῆς ἐπίσκοπος· οἵτινες καὶ πεπραγμένα συνεστήσαντο κατὰ τῆς τοιαύτης πολυκεφάλου τε καὶ πολυωνύμου τῶν Μαρκιανιστῶν αἱρέσεως·

1) и *проп. П.* 2) становници *С.* 3) ѥ *вставл. cod. С.* 4) и *проп. С.* 5) маркіаньскомꙋ *П.* 6) и *вставл. П.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ τῶν. 2) cod. переправл. изъ μαρχιωνιστῶν. 3) cod. рук. XIV в. прибавл. δὲ.

на оувѣдѣние же и на оутвьржение соущиихъ· ноуждьно бысть· и главы[1] повелѣни ихъ покорити· юже соуть сиꙗ·

а҃· Гл҃ють ꙗко коемоужьдо чл҃вкоу ражающюсѧ· абие бѣсъ соущьствьно съчетаетьсѧ ѿ осоужениꙗ адамова· томоу наслѣдовавъшю и ꙗко тъ[2] бѣсъ· на ꙁълаꙗ дѣꙗниꙗ подвиꙁаеть чл҃вка· соущьствьно съвъкоупивъсѧ съ нимь·

в҃· Ѥще гл҃ють· ꙗко ст҃ое крыщение никако же сълагаетьсѧ· на прогънание того бѣса· нѣсть бо довъльно ст҃оу[3] крыщению· корениꙗ грѣховьнааго· съчета|наго испьрва л. 286 а. чл҃вкомъ· моци истьр҃гноути·

г҃· Гл҃ють ꙗко едина[4] прилѣжьнаꙗ мл҃тва· можеть таковаго бѣса· хрананиемь и пльваниемь молꙗ[щѧ]агосѧ· проганѧемоу томоу бѣсоу· ꙗко дымоу видимоу· или ꙗко ꙁмии[5] въньгда исходити· и ꙗко томоу бывающю· пришьствие ст҃го дх҃а надъ молѧщиимьсѧ бываеть чювьствьно приходѧщю и видимоу соущю·

д҃· Гл҃ють ꙗко по гл҃емѣмь· ѿ онѣхъ[6] бестрастии таковаго чюеть дш҃а обыщениꙗ· бывающаго еи[7] ѿ нбсьнаго жениха· ꙗко же чюеть дш҃а въ [съ]четании[8] моужа·

πρὸς δὲ εἴδησιν καὶ ἀσφάλειαν τῶν ἐντυγχανόντων ἀναγκαῖον γέγονε καὶ τὰ κεφάλαια τῶν δογμάτων αὐτῶν ὑποτάξαι. ἅπερ εἰσὶ ταῦτα·

λέγουσιν, ὅτι ἑκάστῳ ἀνθρώπῳ τικτομένῳ παραυτίκα δαίμων οὐσιωδῶς συνάπτεται, ἐκ τῆς καταδίκης τοῦ Ἀδὰμ τούτου κεκληρωμένου· καὶ ὅτι οὗτος ὁ δαίμων εἰς τὰς ἀτόπους πράξεις κινεῖ τὸν ἄνθρωπον οὐσιωδῶς αὐτῷ συνημμένος.

ἔτι λέγουσιν, ὅτι τὸ ἅγιον βάπτισμα· οὐδὲν συμβάλλεται εἰς τὴν τοῦ δαίμονος τούτου δίωξιν· οὐδὲ γάρ ἐστιν ἱκανὸν τὸ ἅγιον βάπτισμα ῥίζας τῶν ἁμαρτιῶν τὰς συνουσιωμένας ἀρχῆθεν τοῖς ἀνθρώποις δυνατὸν[1] ἐκτεμεῖν.

λέγουσιν, ὅτι μόνη ἐκτενὴς προσευχὴ δύναται τοῦτον τὸν δαίμονα διὰ χρέμψεως καὶ ἀποπτύσεως τοῦ προσευχομένου φυγαδεύειν, τούτου τοῦ φυγαδευομένου δαίμονος ὡς καπνοῦ ὁρωμένου[2] ἢ ὄφεως ἐν τῷ ἐκπορεύεσθαι, καὶ ὡς τούτου γενομένου παρουσία λοιπὸν τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐπὶ τὸν προσευχόμενον γίνεται, αἰσθητῶς τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐπιφοιτῶντος καὶ ὁρωμένου.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν λεγομένην παρ' ἐκείνων ἀπάθειαν τοιαύτης αἰσθάνεται ἡ ψυχὴ κοινωνίας γινομένης αὐτῇ παρὰ τοῦ οὐρανίου νυμφίου, οἵας αἰσθάνεται ἡ γυνὴ ἐν τῇ συνουσίᾳ τοῦ ἀνδρός.

---

1) главын *П.* 2) тън *П.* 3) ст҃омоу *П.* 4) еди *С.* 5) ꙁмію *С.* 6) нѣхъ *П, гдѣ о впереди выскобл.* 7) ю *С.* 8) *исправл. по П.*

1) δυνατὸν cod. обводитъ точками. 2) cod. слѣдующія дальше слова ἢ ὄφεως... καὶ ὁρωμένου (т. е. стр. 734 22—27) дописс. рукой XIV в.

є҃· Гл҃ють ꙗко пр҃стаꙗ и животворѧщиꙗ и бл҃жнаꙗ[1] троицѧ· ꙗже ѥсть[2] вьсеи твари по [соу]щьствоу[3] невидима· плътьскꙑима очима бꙑсть видѣтї· ѿ приходѧщиихъ въ гл҃ѥмоѥ· ѿ нихъ[4] бестрастиѥ·[5] и ѥдинѣмь бꙑваѥть видима· таковꙑимъ[6] чл҃вкомъ· плътьскꙑ[7] ѿ нихъ видима·

ѕ҃· Гл҃ють ꙗко три соущьства· оц҃а и сн҃а и ст҃го дх҃а въ ѥдино соущьство съходѧтьсѧ·[8] и прѣлагаютьсѧ· на нѥже аще хотѧть· и хощеть· да съмѣситьсѧ съ достоинꙑими ѥꙗ дш҃ами·

з҃· Гл҃ють· ꙗко сѣмѧ и слово паде въ марии· и ꙗко тѣло· ѥже приꙗ г҃ь ѿ мариꙗ· бѣсовъ бѣ испълнено и[9] изгониꙗаше бѣсꙑ· и тако облѣчесѧ въ нѥ·[10]

и҃· Гл҃ють ꙗко чл҃вка[11] ѥгоже[12] приꙗ ѿ мариꙗ г҃ь· овъгда и въ дх҃ъ прѣложи· овъгда же въ тѣло· и ꙗко | л. 286 b. то самоѥ тѣло г҃нѥ· неописано[13] бѣ· ꙗко же и бж҃ьствьноѥ· ѥстьство·

д҃· Гл҃ють ꙗко по бꙑвающиимъ[14] изгънании·[15] бѣса того· съчетавъшаагосѧ съ чл҃вкъмь· храпаниꙗ ради и пльваниꙗ·[16] къ томоу не трѣбоують

1) близнаѧ *С.* 2) ѧже̑ *С* (*вм.* ꙗже ѥсть). 3) *исправл. по П.* 4) и҆̈же *С.* 5) страстїѥ *С.* 6) такомъ *С.* 7) плотьскыи *П.* 8) сходитсѧ *С.* 9) и *проп. С.* 10) немь *С.* 11) чл҃кꙋа *С.* 12) к неже *С.* 13) необѣсано *С.* 14) погыбающїимъ *С* (*вм.* по бꙑвающиимъ). 15) и҆зганїи *С.* 16) исплеванїа *С* (*вм.* и пльваниꙗ).

λέγουσιν, ὅτι ἡ παναγία καὶ ζωοποιὸς καὶ μακαρία τριάς, ἥτις ἐστὶ πάσῃ κτίσει κατ' οὐσίαν ἀθέατος, τοῖς τῆς σαρκὸς ὀφθαλμοῖς πέφυκε καθορᾶσθαι ὑπὸ τῶν εἰς τὴν παρ' αὐτοῖς λεγομένην ἐρχομένων ἀπάθειαν καὶ μόνοις γίνεται θεατὴ τοῖς τοιούτοις ἀνθρώποις, σαρκικῶς ὑπ' αὐτῶν ὁρωμένη.

λέγουσιν, ὅτι αἱ τρεῖς ὑποστάσεις, πατρὸς καὶ υἱοῦ καὶ ἁγίου πνεύματος, εἰς μίαν ὑπόστασιν ἀναλύονται καὶ μεταβάλλονται·[1] εἰς ὅπερ ἂν ἐθέλῃ καὶ βούληται, ἵνα συγκραθῇ ταῖς αὐτῆς ἀξίαις ψυχαῖς.

λέγουσιν, ὅτι σπέρμα καὶ λόγος ἐνέπεσεν εἰς τὴν Μαρίαν, καὶ ὅτι τὸ σῶμα, ὃ ἔλαβεν ὁ κύριος ἐκ τῆς Μαρίας, δαιμόνων ἦν πεπληρωμένον καὶ ἐξέβαλε τὰ δαιμόνια, καὶ οὕτως αὐτὸ ἐνεδύσατο.

λέγουσιν, ὅτι τὸν ἄνθρωπον, ὃν ἔλαβεν ἐκ τῆς Μαρίας ὁ κύριος, ποτὲ μὲν αὐτὸν εἰς πνεῦμα μετέβαλεν, ποτὲ δὲ εἰς σῶμα. καὶ ὅτι αὐτὸ τὸ σῶμα τοῦ κυρίου ἀπερίγραπτον ἦν, καθάπερ ἡ θεία φύσις.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν τοῦ δαίμονος τούτου τοῦ συνουσιωμένου τοῖς ἀνθρώποις διὰ (л. 207[a])χρέμψεώς τε καὶ ἀποπτύσεως γινομένην δίωξιν οὐκέτι δεῖται

1) καὶ ὅτι ἡ θεία φύσις τρέπεται вставл. cod. in m. рукой XIV в.

поіщенишѧ· или иного дш҃евьнааго ли тѣлесьнааго· въздьржаниѥ[1] на[2] наказаниѥ тѣлесе· нъ ни оученью дш҃ю оправлѧющию· ꙗко тѣлесьномоу свобоженоу страстии оудьржаниꙗ· и дш҃и къ томоу неприꙗтьнѣ соущи·[3] на горьшеѥ призъваниѥ· ꙗко дш҃и и тѣлоу въ страсть· и прочеѥ бывающема·

[г҃·] Гл҃ють ꙗко по бывающиомоу[4] ѿ нихъ бестрасти·[5] прочеѥ и боудоущаꙗ провидѣти чл҃вци могоуть[6] и невидимыꙗ силы· чювьствьно оузьрѧть· тѣмь и вънезапоу скачюще бѣсы приходити мьчьчють· и пьрсты[7] стрѣлѧють бѣсы· прѣльщаютьсѧ·

[і҃а·] Гл҃ють ꙗко дш҃а въ нихъ дх҃овьнааго чл҃вка· по гл҃ѥмѣмь ѿ нихъ бестрастии прѣлагаѥтьсѧ бж҃ьствьноѥ и нетьлѣньноѥ ѥстьство·

[і҃в·] Гл҃ють ст҃оѥ тѣло и крьвь хс҃воу·[8] истиньнааго[9] б҃а нашего· ст҃оумоу причащению· никако же оуспѣти ни врѣдити· достоино или недостоино сихъ· причащающихъсѧ· ꙗко того ради тъкъмо·[10] црк҃вьнааго обьщениꙗ· никъгда же подобьно ѿлоучатисѧ· неразличьноу томоу соущю· и не ꙗко животьнааго

νηστείας ἢ ἄλλης ψυχικῆς ἢ σωματικῆς ἐγκρατείας ὁ ἄνθρωπος πρὸς παιδαγωγίαν τοῦ σώματος, ἀλλ' οὐδὲ διδασκαλίας τὴν ψυχὴν ῥυθμιζούσης, ὡς καὶ τοῦ σώματος ἠλευθερωμένου τῆς τῶν παθῶν ἐπικρατείας καὶ τῆς ψυχῆς μηκέτι δεκτικῆς οὔσης τῆς ἐπὶ τὰ χείρω ῥοπῆς, ὡς καὶ τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ σώματος ἐν ἀπαθείᾳ λοιπὸν γινομένων.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν γινομένην[1] παρ' ἐκείνοις ἀπάθειαν λοιπὸν καὶ τὰ μέλλοντα προορᾶν οἱ ἄνθρωποι δύνανται καὶ τὰς ἀοράτους δυνάμεις αἰσθητῶς καθορῶσι· διὸ καὶ ἐξαπίνης πηδῶντες δαίμονας ὑπερβαίνειν φαντάζονται καὶ τοῖς δακτύλοις τοξεύειν τοὺς δαίμονας σχηματίζονται.[2]

λέγουσιν, ὅτι ἡ ψυχὴ τοῦ παρ' αὐτοῖς πνευματικοῦ ἀνθρώπου μετὰ τὴν λεγομένην παρ' ἐκείνων ἀπάθειαν μεταβάλλεται εἰς τὴν θείαν καὶ ἀκήρατον φύσιν.

λέγουσι τὴν τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος Χριστοῦ τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ ἡμῶν ἁγίαν μετάληψιν μηδὲν ὠφελεῖν ἢ βλάπτειν τοὺς ἀξίως ἢ ἀναξίως τούτων μεταλαμβάνοντας. καὶ ὅτι διὰ τοῦτο μόνον τῆς ἐκκλησιαστικῆς κοινωνίας οὐδέποτε δέον χωρίζεσθαι, ἀδιαφόρου τούτου τυγχάνοντος, καὶ οὐχ ὡς ζωοποιῶν

1) въздержаніѥмъ *С.* 2) и *С.* 3) соудищи *П.* 4) подобающомꙋ *С* (*вм.* по бывающюмоу). 5) бъстрасти *П.* 6) молѧть *С.* 7) перстыи *П.* 8) и *вставл.* *П.* 9) истиннаа *П.* 10) ꙗко того ради тъкъмо *проп.* *С.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ λεγομένην. 2) σχηματίζονται cod. рукой XIV в.

съ страхъмь и | вѣрою· сихъ причащаютьсѧ· ꙗко бо҃у въплъщьшоусѧ· соущемъ же и вѣроу ѥмлющемъ·

і҃г· Гл҃ють[1] дѣлесъ[2] роучьныихъ·[3] ꙗко мързъкыихъ ѿвращатисѧ· и дх҃овьны[4] ѿ сего себе имѣноують· не расоудивъшааго сильнааго ни правьдьнааго· прочеѥ дѣла чл҃вѣчьствьнааго таковыимъ прикасатисѧ· ѿмѣтающе[5] и в сѣмъ ап҃льскоѥ проповѣдание·

і҃д· Гл҃ють ꙗко по гл҃ѥмѣмь ѿ онѣхъ бестрасти· сънѫ многоу ѿдавъше себе· по дъхновению дѣтельствоующии имъ лоукавоумоу бѣсоу· бываюшаꙗ сънꙑ· ꙗко прр҃чьства проповѣдають· и сиꙗ ꙗко [ѿ][6] ст҃го дх҃а· въдъхновены оучать вѣровати· възаконениꙗ сиꙗ ст҃ыꙗ наричюще· прѣльщающе и прѣльщаѥми·[7]

і҃е· Гл҃ють не дати мл҃стынѣ просѧщиимъ· ни въдовицѧмъ ни сирыимъ· ни въ различьныихъ скърбьхъ· или въ врѣдѣ[8] тѣлесьнѣмь соущиимъ или въ разбоиницѣхъ· или въ поганыихъ нападании· или въ нѣкаковыꙗ скърби въпадъшимъ· нъ тѣмь вьсѧ подаꙗти· ꙁане сами соуть нищии дх҃ъмь·

і҃ѕ· Гл҃ють ꙗко пищю и неоудьржание· и ꙗко ѿдати себе комоу· въ

μετὰ φόβου καὶ πίστεως τούτων μεταλαμβάνουσιν, ὡς θεοῦ σεσαρκωμένου ὄντων τε καὶ πιστευομένων. л. 287 а.

λέγουσι τὴν τῶν χειρῶν ἐργασίαν ὡς βδελυρὰν ἀποστρέφεσθαι καὶ πνευματικοὺς ἑαυτοὺς ἐντεῦθεν ὀνομάζουσιν, οὐ κρίναντες δυνατὸν οὐδὲ δίκαιον ἔργου λοιπὸν αἰσθητοῦ τοὺς τοιούτους ἐφάπτεσθαι, ἀθετοῦντες καὶ ἐν τούτῳ τὴν τῶν ἀποστόλων παράδοσιν.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν λεγομένην παρ' ἐκείνων ἀπάθειαν, ὕπνῳ πολλῷ ἐκδιδόντες ἑαυτούς, κατ' ἐπίνοιαν τοῦ ἐνεργοῦντος αὐτοῖς πονηροῦ δαίμονος γινομένους ὀνείρους ὡς προφητείας κηρύττουσι καὶ ταύτας ὡς ὑπὸ τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐμπνευσθείσας διδάσκουσι πιστεύεσθαι, ἐνθουσιασμοὺς τούτους ἁγίους ὀνομάζοντες, ἀπατῶντες καὶ ἀπατώμενοι.

λέγουσι μὴ διδόναι ἐλεημοσύνην τοῖς προσαιτοῦσι μήτε μὴν χήραις καὶ ὀρφανοῖς μήτε τοῖς ἐν διαφόροις περιστάσεσιν ἢ λώβῃ σωμάτων καθεστῶσιν ἢ ληστῶν ἢ βαρβάρων ἐπιδρομαῖς ἤ τισι τοιαύταις συμφοραῖς περιπεπτωκόσιν; ἀλλ' αὐτοῖς ἅπαντα παρέχειν, διότι αὐτοί εἰσιν ὡς ἀληθῶς οἱ πτωχοὶ τῷ πνεύματι.

(л. 207[b]) λέγουσιν, ὅτι τὸ ἐκδιδόναι τινὰ ἑαυτὸν μετὰ

1) Гл҃еть *C.* 2) дѣтель *C.* 3) сърꙋчныихъ *C.* 4) дх҃овныи *ПC.* 5) Ѿмѣтающи *П.* 6) *вставка изъ П.* 7) прѣльщаемии *П.* 8) врѣмѧдѣ *cod. C.*

гл҃емѣмь бестрастии· неповиньно ѥсть и невѣдьно·[1] ꙗко не подълежащю ѥмоу страстию коѥю· нъ волю ѥмоу имоущю· въ ѿреченъıихъ страстьхъ неоудьржатисѧ·

ӏ҃з· Гл҃ють· вѣдѣти въ коѥмь л. 287 b. оустроѥнии· оумьръ|шиихъ д҃ша соуть· и себѣ ср҃дцавѣдьцѧ[2] помъıшлѧють· ꙗко вѣдѣти извѣсто· хъıтростьми и объıчаиmь· чл҃чьскъıꙗ нравъı·

ӏ҃и· Сии женъı[3] оучителꙗ велѣнии· своѥго изволѥниꙗ прѣдълагають· не тъкмо моужемъ просто· нъ и чистителѥмъ· симъ начинати повелѣвающе славоу себѣ женъı[4] творѧще· и истиньнѣи[5] славѣ х҃а б҃а нашего вещьствоують·

ӏ҃ѳ· Сии въпрашаѥми ѿ своихъ велѣнии· ѿмьстьници бъıвають· и бе стоуда и оусьрдьно проклинають вьсѧ· тако моудрьствоующаꙗ· или моудрьствовавъшиихъ· и ротѧтьсѧ бе страха· ꙗко таковаꙗ велѣниꙗ· ненавидѧщиимъ и обращающиимъсѧ· ꙗко ни[6] клѧтвѣ[7] проклинанию· врѣдити и[8] прочеѥ могоущю· по бестрастию· ꙗко же сами гл҃ють· дх҃овьнъıимъ· бъıвающемъ· клѧти же сѧ и проклинати себѣ· власть имоущемъ имъ· ѿ прѣданиꙗ оучитель ихъ·

τὴν λεγομένην ἀπάθειαν εἰς τρυφὴν καὶ ἀκολασίαν ἀνεύθυνόν ἐστι καὶ ἀκίνδυνον, ὡς μηκέτι ὑποκειμένου αὐτοῦ πάθει τινί, ἀλλ' ἄδειαν αὐτοῦ ἔχοντος τοῖς ἀπηγορευμένοις πάθεσι ἀκολασταίνειν.

λέγουσιν εἰδέναι, ἐν ποίᾳ καταστάσει αἱ τῶν τελευτησάντων ψυχαὶ καθεστήκασι, καὶ ἑαυτοὺς καρδιογνώστας φαντάζονται, ὥστε εἰδέναι ἀκριβῶς διὰ στοχασμοῦ καὶ ἠθῶν τὰς τῶν ἀνθρώπων διαθέσεις.

οὗτοι γυναῖκας διδασκάλους τῶν δογμάτων τῆς ἰδίας αἱρέσεως προβάλλονται, οὐ μόνον ἀνδρῶν ἁπλῶς, ἀλλὰ καὶ ἱερέων ταύτας διεξάρχειν ἐπιτρέποντες, κεφαλὴν ἑαυτῶν τὰς γυναῖκας ποιούμενοι καὶ τὴν ὄντως κεφαλὴν ἡμῶν Χριστὸν τὸν θεὸν ἀτιμάζουσιν.

οὗτοι ἐρωτώμενοι περὶ τῶν ἰδίων αὐτῶν δογμάτων ἔξαρνοι γίνονται καὶ ἀδεῶς καὶ προθύμως ἀναθεματίζουσι πάντας τοὺς οὕτω φρονοῦντας ἢ καὶ φρονήσαντας, καὶ ὀμνύουσιν ἀφόβως, ὡς τὰ τοιαῦτα δόγματα μισοῦσι καὶ ἀποστρέφονται, ὡς μήτε τῆς ἐπιορκίας μήτε τοῦ ἀναθεματισμοῦ βλάπτειν λοιπὸν δυναμένων τοὺς μετὰ τὴν ἀπάθειαν, ὡς αὐτοὶ λέγουσι, πνευματικοὺς γινομένους, ἐπιορκεῖν τε καὶ ἀναθεματίζειν ἑαυτοὺς ἐπ' ἀδείας ἐχόντων αὐτῶν ἐκ τῆς τῶν διδασκάλων αὐτῶν παραδόσεως.

---

1) ведно *П.* 2) ср҃цѧвидцѧ *ПС.* 3) женъ *П.*
4) сены *С.* 5) истинниѝ *П.* 6) ни *вставл. П.*
7) ꙗк *вставл. С, но перечеркн.* 8) и *проп. П.*

* отъ [1] кънигъ б҃жьствьныихъ [2] повелѣнии· божьствьныꙗ коньчины· [3] оустинꙗна· [4] различьныꙗ [5] заповѣди подобьно· издрадьно б҃жьствьнъıимъ и с҃щеньныимъ канономъ· ѿ избытъка свою крѣпость имоущемъ· [6] въ нихъже чинъ нѣкы и число· положихомъ на скороѥ обрѣтениѥ· възищемыꙗ [7] главы· заниѥ [8] ꙗко же речено бысть· ѿ разлычьныихъ [9] повелѣнии быти· съчетаныимъ· [10] рекъше съвъкоуплѥны имъ· [11] ꙗко же повелѣно бысть·

а҃· [12] о пьрь|вынихъ и [13] великыихъ б҃жиихъ дарѣхъ· [14] и подобьныꙗ чьсти б҃жьствьныимъ и с҃щеньныимъ канономъ· [15]

Велии въ чл҃вцѣхъ соуть дари [16] б҃жии· съвыше данааго

(л. 258ª—301ª). * ’ΕΚ ΤΩΝ ΜΕΤΑ ΤΟΝ ΚΩΔΙΚΑ ΘΕΙΩΝ ΝΕΑΡΩΝ ΔΙΑΤΑΞΕΩΝ ΤΟΥ ΤΗΣ ΘΕΙΑΣ ΛΗΞΕΩΣ ’ΙΟΥΣΤΙΝΙΑΝΟΥ ΔΙΑΦΟΡΟΙ ΔΙΑΤΑΞΕΙΣ, ΣΥΝᾼΔΟΥΣΑΙ ’ΕΞΑΙΡΕΤΩΣ ΤΟΙΣ ΘΕΙΟΙΣ ΚΑΙ ‛ΙΕΡΟΙΣ ΚΑΝΟΣΙΝ ΚΑΙ ’ΕΚ ΠΕΡΙΟΥΣΙΑΣ ΤΗΝ ΟΙΚΕΙΑΝ ’ΙΣΧΥΝ ’ΕΧΟΝΤΩΝ, ΟΙΣ ΤΑΞΙΝ ΤΙΝΑ ΚΑΙ ’ΑΡΙΘΜΟΝ ’ΕΠΕΘΗΚΑΜΕΝ ΠΡΟΣ ΣΥΝΤΟΜΟΝ ΕΥΡΕΣΙΝ ΤΟΥ ’ΕΠΙΖΗΤΟΥΜΕΝΟΥ ΚΕΦΑΛΑΙΟΥ ΔΙΑ ΤΟ, ‛ΩΣ ΕΙΡΗΤΑΙ, ’ΕΚ ΔΙΑΦΟΡΩΝ ΔΙΑΤΑΞΕΩΝ ΕΙΝΑΙ ΤΑ ΣΥΝΤΑΧΘΕΝΤΑ ’ΗΤΟΙ ΣΥΝΑΧΘΕΝΤΑ, ‛ΩΣ ‛ΥΠΟΤΕΤΑΚΤΑΙ. [1]

α΄. Περὶ τῶν πρώτων καὶ μεγί- л. 288 а.
στων θεοῦ δωρεῶν καὶ τῆς προσηκούσης τοῖς θείοις καὶ ἱεροῖς κανόσιν τιμῆς.

Μέγιστα ἐν ἀνθρώποις ἐστὶ δῶρα θεοῦ παρὰ τῆς ἄνωθεν δεδομένης

* *Въ Новгор. Соф. Кормчей Моск. Син. Библ. 132 л.* 288^b—308^a, 423^b—434^b (=*H*) *помѣщены глáвы 1—61, 87, 91—93. Въ Румянц. 230* (= *P*) *подъ заглавіемъ* главы о епископѣхъ *приведены на л.* 79^a—83^b *отдѣльныя глáвы изъ coll. 93 capp., именно: 36, 37, 39—48, 71, 75, 76, 79, 80, 83, 92, 82. Ко всѣмъ этимъ главамъ варіанты изъ P и H приводятся дальше.*

1) се писати *cod.* (*рук. XIII в.*) *и C in m.* 2) б҃жствьнъıи *У.* 3) кончиныи *П.* 4) ноустьꙗна *Н.* 5) разлицьныꙗ *У.* 6) имоущимъ *Н.* 7) възищемыꙗ *У.* 8) за *С.* 9) зазличныи҆ *П*; разлицьныихъ *У.* 10) сочтаномъ *Н.* 11) съкоуплѥныи҆ *П* рекъше съвъкоуплѥныимъ *проп. Н.* 12) пра҃ ·а҃· *Н.* 13) о *вставл. Н.* 14) градѣхъ *С.* 15) григориꙗ акраганьскааго *добавл. cod.* (*вверху л.* 288^a) *и С*; ст҃го григориꙗ акраганьска *добавл. УН*; *C in m.* к҃з. 16) даріи *С.*

* Въ составъ PV collectio 93 capp. не входитъ.

1) cod. in m. рукой XIII в. κθ΄.

чл҃вколюбиꙗ· с҃щение же и цр҃ьство·[1] ово ꙋбо б҃жьствьнъıимъ слоужа· ово же чл҃вчьскъıими облада ꙗ· и прилежащее· и ѿ единого и[2] того же начала· обое происхода· чл҃вчьское ꙋкрашаета[3] житие· ꙗко аще тако боудеть тъщаньно црмъ·[4] ꙗко же с҃щенъıихъ чистота· или о нихъ оунѣмъ присно б҃а молать· аще оубо непорочьна[5] боудеть· вьсьде· и къ б҃оу имать дьрзновение· аще ли право и подобьно оукрашаеть· прѣданое[6] емоу житие боудеть съвѣщание нѣкако· все еже добро чл҃вчьскоумоу подаꙗ родоу· семоу же быти вѣроуемъ· еже с҃щенъıихъ[7] канонъ· съблюдение съхранитьсѧ·[8] емоуже правьдьно поюще[9] и покланꙗющесѧ·[10] и самовидьци б҃жиꙗ слова прѣдаша ап҃ли и[11] с҃тии о҃ци· и[12] съхраниша же и съказаша·

φιλανθρωπίας ἱερωσύνη τε καὶ βασιλεία, ἡ μὲν τοῖς θείοις ὑπηρετουμένη, ἡ δὲ τῶν ἀνθρωπίνων ἐξάρχουσα καὶ ἐπιμελουμένη, καὶ ἐκ μιᾶς τε καὶ τῆς αὐτῆς ἀρχῆς ἑκάτεραι προϊοῦσαι[1] τὸν ἀνθρώπινον κατακοσμοῦσι βίον, ὥστε οὕτως ἂν εἴη περισπούδαστον βασιλεῦσιν, ὡς ἡ τῶν ἱερέων[2] σεμνότης, ἧτε[3] καὶ ὑπὲρ αὐτῶν ἐκείνων ἀεὶ τὸν θεὸν ἱκετεύουσιν. ἡ μὲν ἄμεμπτος εἴη πανταχόθεν καὶ τῆς πρὸς θεὸν μετέχοι παῤῥησίας, ἡ δὲ ὀρθῶς τε καὶ προσηκόντως κατακοσμοίη τὴν παραδοθεῖσαν αὐτῇ πολιτείαν, ἔσται συμφωνία τις ἀγαθή, πᾶν εἴ τι χρηστὸν τῷ τῶν ἀνθρώπων χαριζομένη γένει. τοῦτο δὲ ἔσεσθαι πιστεύομεν, εἴπερ ἡ τῶν ἱερῶν κανόνων παρατήρησις φυλάττοιτο, ἣν οἵ τε δι-(л. 258ᵇ) καίως ὑμνούμενοι καὶ προσκυνούμενοι καὶ αὐτόπται τοῦ θείου λόγου παραδεδώκασιν ἀπόστολοι καὶ ἅγιοι πατέρες ἐφύλαξάν τε καὶ ὑφηγήσαντο.

в҃·[13] о поставлении еппъ· и о прочиимь[14] чистительскѣмь[15] чиноу·[16]

β'. Περὶ τῆς τῶν ἐπισκόπων χειροτονίας καὶ λοιπῆς ἱερατικῆς τάξεως.

Проповѣдаемоу оубо· б҃жьствьнъıимъ вьсьде· въслѣдоующе канономъ· егда къто· прочее вьсе лѣто· на поставление еп҃па приведетьсѧ·

Θεσπίζομεν τοίνυν τοῖς θείοις καὶ διὰ πάντων ἑπόμενοι κανόσιν, ἡνίκα τις τὸν λοιπὸν ἅπαντα χρόνον ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου ἄγοιτο,

---

1) црътвꙍ *ПСН.* 2) и *проп. Н.* 3) оукрашаѥть *УН.* 4) црмъ *ПС.* 5) непороцьна *У.* 6) прѣдано *С;* поданоѥ *Н.* 7) кр҃щньнъıхъ *Н.* 8) съхранѧѥтьсѧ *УН.* 9) поющесѧ *С.* 10) покланѧющисѧ *С.* 11) и *проп. Н.* 12) и *проп. Н.* 13) пра ·в҃· *Н.* 14) прочемь *Н.* 15) чтитльствѣмь *Н;* чистительстѣмь *У.* 16) циноу *У.*

1) cod. переправл. изъ περϊοῦσαι. 2) cod. переправл. изъ ἱερῶν. 3) ἥτε cod.

съмотрити же пьрвѣѥ·[1] оного житиѥ· по бж҃ьствьноумоу ап҃лоу·, аще чьстьно ѥсть и непорочьно· и вьсьде непостижимо[2] боудеть· и на бл҃гаꙗ послоушьствовано[3] и чистолѣпьно· и ни ѿ воиньскаго прихода полоу|чениꙗ· развѣ аще не ѿ младыꙗ въздрасти· зане оубо въображениѥ валмъ въ манастыри· причьтенъ бывъ· свободиться полоучениꙗ·[4] четвьртоѥ оубо пьрвѣѥ· ѿ избытъка давъ съвѣтоу· ни ѿ невѣжь призываѥмыихъ простыихъ боудеть поставлѥнъ·[5] посемь абиѥ[6] на еп҃пию[7] въсходѧ· или съ подроужиѥмь жива· или женоу имѣꙗ ѿ дѣвьства ѥмоу пришьдъшю· нъ ни въдовицю ни съчетавъшиꙗсѧ· ни мьньшици· или въноукы имѣꙗ· не знающемъ[8] закона· ни ѿ иного ненавидимомъ· ни имѣниѥмь коупити чистительства· нъ вѣдѣти ѥмоу бл҃гыꙗ канопы· и тъгда приити на поставлениѥ· аще бо ꙗко же мощьно· чл҃вкоу исповѣдаѥть си хранить·[9] подобаѥть бо свщ҃еныꙗ каноны· въ закона мѣсто[10] хранити·

г҃·[11] ѡ[12] отъходѧщиихъ[13] епископѣхъ·

Ни ѥдиномоу же ѿ еп҃пъ· лише

σκοπεῖσθαι πρότερον αὐτοῦ τὸν βίον κατὰ τὸν θεῖον ἀπόστολον, εἰ σεμνός τε καὶ ἄμεμπτος καὶ πανταχόθεν ἀνεπίληπτος εἴη καὶ ἐπ' ἀγαθοῖς μεμαρτυρημένος καὶ ἱεροπρεπής, καὶ οὔτε ἐκ ταξεωτικῆς ὁρμώμενος τύ- (л. 288 b.) χης, πλὴν εἰ μὴ ἐκ νέας ἡλικίας κατὰ τὸ ἤδη διατυπωθὲν ἐν μοναστηρίῳ καταλεγεὶς ἐλευθερωθείη τῆς τύχης, τὸ τέταρτον μέντοι πρότερον τῆς περιουσίας ἀποδιδοὺς τῇ βουλῇ· οὔτε ἐξ ἰδιώτικῶν καλουμένων λαϊκῶν εἰς καθεστώς, εἶτα εὐθὺς ἐπὶ τὴν ἐπισκοπὴν ἀναβαίνων, ἢ γαμετῇ συνοικῶν, ἢ γυναῖκα μὲν ἔχων, ἐκ παρθενίας δὲ εἰς αὐτὸν ἐλθοῦσαν, ἀλλ' οὐδὲ χήραν οὐδὲ διαζευχθεῖσαν οὔτε παλλακὴν ἢ ἐκγόνους ἔχων οὔτε γνωριζομένους τῷ νόμῳ οὐθ' ὑπ' ἐκείνου μεμισημένους· οὐδὲ χρημάτων ὀνήσασθαι τὴν ἱερατείαν, ἀλλὰ ἀναγινώσκειν αὐτὸν χρὴ τοὺς κανόνας καὶ τηνικαῦτα ἐλθεῖν (л. 259ª) ἐπὶ τὴν χειροτονίαν, εἴ γε ὡς ἐφικτὸν ἀνθρώπῳ ὁμολογεῖ τούτους φυλάττειν· δεῖ γὰρ τοὺς ἱεροὺς κανόνας ἀντὶ νόμου φυλάττειν.

γ'. Περὶ τῶν ἀποδημούντων ἐπισκόπων.

Μηδένα τῶν ἐπισκόπων πλέον

1) первоѥ *УН.* 2) непостыжімо *П.* 3) послоушьствовани *УН.* 4) ѿлоучениꙗ *УН.* 5) поставлѥнъ боудеть *Н.* 6) абь *П.* 7) епискоупію *ПС.* 8) знающимъ *П.* 9) хранити *ПН.* 10) мѣста *У.* 11) пра҃ ·г҃· *Н.* 12) ѿ *П*; ѡ *проп. Н.* 13) оходѧщі҃и *П*; ходѧщихъ *Н.*

юдиного лѣта· вънѣ цр҃кве соущен[1] подъ нимь ѿходити· развѣ аще не боудеть того по цр҃воу[2] повелѣнию· и да не извѣтоують·[3] ꙗко цр҃кви юго· въ правьдьною влѣкомѣ· сими бо клирикы или смотрѧщиими· или съльникы подобають быти· да ни[4] бе[5] съборьнаaго[6] шьствовати· ни шьдъшоу[7] въ цр҃ьство[8] ꙗвитисѧ цр҃ю·[9] прежде аще не придеть къ прс҃тоумоу патриархоу· или къ[10] коюмоужьдо строюнию· ѿ негоже соуть[11] съльници· и[12] тѣмъ повѣдати иноу· юꙗже ради приидоша· и тако къ[13] цр҃ьствоу[14] вънити· подо- л. 289 а. |бають же еп҃омъ· приставьникы великꙑꙗ цр҃кве или приставьникы патриаршьскыимъ· възносити цр҃ьствоу·[15] ꙗко же тѣмъ· или правьдьнаaго аще просѧть[16] оулоучать· или неправьдьна[17] да ѿходѧть·

ἢ ἐνιαυτὸν ἔξω τῆς καθ' ἑαυτὸν ἐκκλησίας ἀπολιμπάνεσθαι, πλὴν εἰ μὴ τοῦτο κατὰ βασιλικὴν κέλευσιν· μηδὲ προφασιζέσθω, ὡς τῆς ἐκκλησίας αὐτοῦ ἐν δικαίῳ ἑλκομένης· ταῦτα γὰρ διὰ τῶν κληρικῶν ἢ τῶν οἰκονομούντων ἢ ἀποκρισιαρίων δεῖ γενέσθαι. καὶ μήτε δίχα συστατικῶν ὁδεύειν, μήτε παραγενόμενον εἰς τὴν βασιλίδα ὀφθῆναι βασιλεῖ, πρὶν ἂν παραγενέσθαι πρὸς τὸν ἁγιώτατον πατριάρχην, ἢ πρὸς τοὺς ἑκάστης διοικήσεως, ἐξ ἧς εἰσιν ἀποκρισιάριοι, καὶ αὐτοῖς κοινοῦσθαι τὰς αἰτίας δι' ἃς ἦλθον, καὶ οὕτως συνεισιέναι πρὸς τὴν βασιλείαν. ἐξέστω δὲ τοῖς ἐπισκόποις διὰ τῶν ῥηφερενδαρίων τῆς μεγάλης ἐκκλησίας ἢ διὰ τῶν ἀποκρισιαρίων τῶν πατριαρχικῶν ἀναφέρειν τῇ βασιλείᾳ, ὥστε αὐτούς, εἰ δίκαια αἰτοῖντο, τυγχάνειν ἢ ἀδιάθετον ἀναλύειν.

д҃·[18] ꙗко не бывати клирикоу некънижьноу·[19]

Ни въ юдиномь же[20] чиноу· клирикоу подобають[21] быти· некънижьноу·[22]

δʹ. Περὶ τοῦ μὴ γίνεσθαι κληρικὸν ἀγράμματον.

Ἐν οὐδεμιᾷ τάξει κληρικὸν εἶναι ἀγράμματον.

---

1) соущниꙗ *Н.* 2) цесаревоу *У;* цр҃евоу *ПС.* 3) извѣстоуе̑ *ПН.* 4) ни да *Н.* 5) бе̑ *С.* 6) събраго *С, но го перечеркнуто и надъ* ρ *надпис.* о *(вышло:* събр҃а). 7) *cod. перправл.* о *изъ* е. 8) ц҃рьство *ПСУ.* 9) ц҃рю *ПС.* 10) къ *проп. С.* 11) ть *Н.* 12) ні *С.* 13) въ *С.* 14) ц҃рьствѹ *ПС.* 15) ц҃рьствоу *ПСУ.* 16) просѧ *П.* 17) неправеднааго *ПС.* 18) пра̑ ·д҃· *Н.* 19) *Н проп. это заглавіе.* 20) же *проп. Н.* 21) подобають *проп. Н.* 22) нежнижнѹ *П.*

҃е.[1] ꙗко не поставлѧти слоужьбьниць мьнѥ[2] пѧтидесѧтъ лѣтъ.

Слоужьбьниць[3] же цр҃кьвьныихъ. да не[4] мьнѥ пѧтидесѧтъ лѣтъ[5] боудеть. аще ли въ манастꙑри мьнѥ тоꙗ въꙁдрасти боудеть[6] ноуждеѭ. да боудеть ꙗко же подобаѥть. моужьскоумоу съмѣшению не соущю. нъ[7] не самовластьно прѣбꙑвание. нъ[8] мъножьствоу съшьдъшюсѧ. тои же не имѣти въ чиноу. братиꙗ ни[9] оужикъ. или гл҃ѥмꙑихъ любъвьникъ. сънимаѭщиисѧ. нъ о себѣ[10] или родителѥмъ ѥдинѣмь. или истиньнꙑимъ сестрамъ. или тетъкамъ. и не подобаѥть ѥще. приходѧщеи[11] въ слоужение. жити съ лицьмь.[12] всѧкоѥ[13] обличение имоущю. аще ли посемь на бракъ въдасть себѣ. ѿлоучена боудеть[14] подобьнааго имѣниꙗ. и поимꙑи[15] ю мечьноѥ моучение приметь. и[16] имѣние ѥго подастьсѧ людьмъ.

[҃ѕ.][17] о мьнишицахъ. и о мьнисѣхъ и о игоуменѣхъ.

Въ[18] пощении мьнишьскоѥ житиѥ тако боудеть чисто. тако

ε'. Περὶ τοῦ μὴ προχειρίζεσθαι διακόνισσαν ἔλαττον ν' χρόνων.

Τὰς δὲ διακόνισσας τῶν ἐκκλησιῶν μὴ ἔλαττον τῶν ν' ἐτῶν γίνεσθαι. εἰ δὲ ἐν μοναστηρίῳ (л. 259^{b}) ἐλάττω ταύτης τῆς ἡλικίας γένοιτο, δι' ἀνάγκην ἔστω, ἅτε δὴ ἀνδρῶν ἐπιμιξίας οὐκ οὔσης καὶ οὐκ αὐτεξουσίου διαίτης, ἀλλὰ πλήθους συνόντος. ταύτας δὲ μὴ ἔχειν ἐν τάξει δῆθεν ἀδελφῶν ἢ συγγενῶν ἢ τῶν καλουμένων ἀγαπητῶν συνόντας, ἀλλὰ καθ' ἑαυτοὺς ἢ γονεῦσι μόνοις καὶ πᾶσιν ταῖς ἀληθιναῖς ἀδελφαῖς ἢ θείαις, καὶ μὴ ἐξεῖναι ἔτι τῇ εἰς διακονίαν ἐρχομένῃ συνοικεῖν προσώπῳ παντοίαν ὑποψίαν ἔχοντι. εἰ δὲ μετὰ τοῦτο εἰς γάμον ἑαυτὴν ἐπιδῷ, ἀφαιρεθήσεται τῆς προσούσης οὐσίας, καὶ ὁ ταύτην λαβὼν τῇ τοῦ ξίφους τιμωρίᾳ ὑποβληθήσεται καὶ τὴν οὐσίαν αὐτοῦ καθέξει τῷ δημοσίῳ.

ϛ'. Περὶ μοναστριῶν καὶ μοναχῶν καὶ ἡγουμένων.

Ὁ ἐν ἀσκήσει μοναχικὸς βίος οὕτως ἐστὶ σεμνός, οὕτως

---

1) пра҃ .е҃. *П;* ҃е *проп. П.* 2) слоужбницемь не *П.* 3) Слоужебнице *П.* 4) же цр҃кьвьныихъ. да не *проп. П.* 5) да *вставл. Н.* 6) боудоуть *С.* 7) по *Н.* 8) въ *П.* 9) ни *проп. Н.* 10) собѣ *Н.* 11) приходѧще *Н.* 12) личемь *У;* с҃лнцемь *П (вм.* съ лицьмь). 13) свѧкое *У.* 14) боудоудеть *Н.* 15) поимъ *Н.* 16) и *проп. Н.* 17) пра҃ .ѕ҃. *П.* 18) И *Н.*

присвоитисѧ вѣтити[1] къ бо҃у· при-
л. 289 b. хо|дѧщюмоу[2] на то чл҃вкоу· ꙗко всѧкоу[3] оубо чл҃чьскоую скврьноу· отрѣбити и чистоу ꙗвитисѧ· и словесьнъıимь подобающиимь ѥстьствъмь· и многъıихъ въ оумѣ дѣтельствоующиихъ· и чл҃чьскъıихъ печалии большю бъıти· и[4] ѿ того оубо прѣже инѣхъ· ꙗвѣ· ꙗко на вьсѧко лѣто· и на всеи ѕемли нашѥи· аще къто къгда· чьстьнъıи манастъıрь· хощеть поставити· не пьрвѣѥ воли ѥмоу подобаѥть бъıти того творити· прѣже даже не призоветь· того мѣста бо҃любивааго еп҃па онъ же роуцѣ въздвигъ на нб҃о· и молитвою мѣсто ос҃тить[5] бо҃у· потъкноувъ на нѥмь нашего сп҃сениꙗ образъ·

οἰκειοῦν οἶδεν θεῷ τὸν εἰς τοῦτο ἐρχόμενον ἄνθρωπον, ὥστε πάντα μὲν ἀνθρώπινον αὐτοῦ σπῖλον ἀποξύειν καὶ καθαρὸν ἀποφαίνειν καὶ τῇ λογικῇ πρέποντα φύσει καὶ τὰ πολλὰ κατὰ νοῦν ἐνεργοῦντα καὶ τῶν ἀνθρωπίνων φροντίδων ὑπέρτερον. καὶ ἐξ ἐκείνου τοίνυν πρὸ τῶν ἄλλων ῥητέον, ὥστε κατὰ πάντα τὸν χρόνον καὶ ἐν πάσῃ γῇ τῆς ἡμετέρας εἴ ποτέ τις εὐαγὲς μοναστήριον βούλοιτο <οἰκοδομεῖν>, μὴ πρότερον ἄδειαν εἶναι τοῦτο πράττειν, πρὶν ἂν τὸν θεοφιλέστατον τοῦ τόπου ἐπίσκοπον προσκαλέσοιτο, ὁ δὲ χεῖράς τε ἀνατείνας εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ διὰ (л. 260ᵃ) τῆς εὐχῆς τὸν τόπον ἀνιερώσῃ θεῷ, πηξάμενος ἐν αὐτῷ τὸ τῆς ἡμετέρας σύμβολον σωτηρίας.

ѕ҃·[6] ꙗко не оудобь скимъı даꙗти мьнихоу свободьноу· или работьноу· коѥмоу·

ζʹ. Περὶ τοῦ μὴ προχείρως σχῆμα δίδοσθαι μοναχοῦ ἐλευθέρῳ ἢ δούλῳ.

Повелѣваѥмъ оубо бж҃ьствьноумоу въслѣдоующе ѕаконоу·[7] соущиимь въ мьнишьстѣмь[8] житии· ѕапрѣщати не оудобь[9] авиѥ ѿ бл҃гобоꙗѕнивъıихъ· игоуменъ· чьстьнъıихъ манастъıревъ· скимъı[10] приимати мьнихоу· нъ три лѣта· или свободьни соуть· или раби· прѣбъıвати· ти тако

Θεσπίζομεν τοίνυν τοῖς θείοις ἀκολουθοῦντες[1] νόμοις τοῖς εἰς μονήρη βίον παραγγέλλειν μὴ προχείρως εὐθὺς παρὰ τῶν εὐλαβεστάτων ἡγουμένων τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων σχῆμα λαμβάνειν μοναχικόν, ἀλλ' ἐπὶ τριετίαν ὅλην, εἴτε ἐλεύθεροι τυχὸν εἴτε δοῦλοι καθεστήκοιεν, προσκαρτερεῖν, οὕτω

---

1) вѣдити *П*; вѣтити *проп. Н.* 2) приходѧще *Н.* 3) всѧкомꙋ *Н.* 4) и *проп. Н.* 5) с҃тить *Н.* 6) пра ·ѕ҃· *Н.* 7) каноноу *Н.* 8) мнѣшьствѣмь *С.* 9) вдобь *Н.* 10) скимъı *Н.*

1) cod. переправл. ο (послѣ θ) изъ η.

мьнишьскаарго образа съподобитисѧ· подобаѥть·

н҃·[1] Аще ли равьно[2] трии лѣтъ· прииде҆ть къто· и нѣкоѥго на поощениѥ· запрѣщающиихъ приводить·[3] ꙗко раба хощеть· глѥть же ꙗко възѧ· нѣкыꙗ вещи сего ради вънидѥ въ манастырь· повелѣваѥмъ ѥмоу оудобь сего не творити· нъ първѣѥ показати истиноу ꙗко и рабъ ѥсть· и къ окраденню[4] | съключисѧ· житиꙗ ради лютааго и грѣха·[5] оубѣжа своѥго ради прѣгрѣшениꙗ· въ манастырь же· не истиною пощениꙗ желаꙗ вънидѥ· того ѿдати сътѧжавъшюмоу съ нимьже въправьдоу·[6] ѿꙗ· аще оубо и сиꙗ въ манастырь[7] вънесе· гд҃иноу же дати вѣроу· ꙗко ничьсо[8] же сътворить зъла· аще ли повѣдываꙗи никако же тацѣмъ· обличаѥтьсѧ· ꙗвлѧѥть же сѧ чистъ и кротъкъ· и[9] съвѣдѣтельствоуѥтьсѧ· ꙗко ѿ стѧжавъшааго оукраденъ бѣ· и аще никако же полоучитьсѧ[10] съвьршеноѥ третиѥѥ лѣто· нъ оубо и тако да прѣбоудеть въ манастыри· ѿ влѣчащиихъ[11] измѣньсѧ гърдостии· третиѥмоу бо миноувъшю[12] лѣтоу· испытанъ бывъ· ꙗко мьнишьскыꙗ достоинъ бывъ чистоты·[13] волꙗ ни ѥдиномоу же

τοῦ μοναχικοῦ σχήματος ἠξιωμένους.

η'. Εἰ δὲ εἴσω τῆς τριετίας ἔλθοι τις καί τινα τῶν εἰς ἄσκησιν παραγγελλόντων ἕλκοι ὡς οἰκέτην βουληθεῖεν, λέγοι τε, ὡς ὑφείλετό τινα πράγματα καὶ διὰ τοῦτο εἰσέδραμεν εἰς τὸ μοναστήριον, θεσπίζομεν αὐτῷ μὴ προχείρως τοῦτο πράττειν, ἀλλὰ πρότερον ἐπιδεικνύναι τὴν ἀλήθειαν, ὡς καὶ δοῦλός ἐστιν καὶ ἐπὶ κλοπῇ τυχὸν καὶ ἐπὶ βίῳ л. 290 а.
χαλεπῷ καὶ πταίσματι ἀπέδρα διὰ τὸ οἰκεῖον πταῖσμα, εἰς δὲ τὸ μοναστήριον οὐ ταῖς ἀληθείαις ἀσκήσεως ἐρῶν εἰσελήλυθεν· τοῦτον ἀποδίδοσθαι τῷ κεκτημένῳ, μεθ' ὧν εἰκὸς ὑφείλατο, εἴ γε καὶ ταῦτα κατὰ τὸ μοναστήριον εἰσήνεγκεν, τὸν δὲ δεσπότην διδόναι πίστιν, ὡς οὐδὲν δράσει κακόν. εἰ δὲ ὁ ἐγκαλούμενος οὐδὲν τοιοῦτον ἐλέγχοιτο, φαίνοιτο δὲ σεμνὸς (л. 260[b]) καὶ ἐπιεκὴς καὶ μαρτυροῖτο, ὡς καὶ παρὰ τῷ κεκτημένῳ κόσμιος ἦν, κἂν εἰ μήπω τύχοι πεπερασμένος ὁ τῆς τριετίας χρόνος, ἀλλ' οὖν καὶ οὕτω μενέτω κατὰ τὸ μοναστήριον ἐκ τῆς τῶν ἑλκόντων ἀπηλλαγμένος θρασύτητος. τριετοῦς δὲ παρελθόντος χρόνου ἐγκριθείς, ὡς τῆς μοναχικῆς ἄξιος καθεστήκοι σεμνότητος, ἄδειαν οὐδενὶ

---

1) пра҇ ·н҃· *Н.* 2) и *вставл. С.* 3) приводить запрещающиихъ *Н.* 4) окрадїю *С.* 5) грѣхъ *Н.* 6) правдоу *Н.* 7) рече *вставл. С.* 8) нїчто *Н.* 9) и *проп. Н.* 10) полоуцитьсѧ *У.* 11) влачащиихъ *Н.* 12) минвшю *П.* 13) чистотыи *П.*

даѥмъ отиноудь· испꙑтавати[1] чьсо[2] на таковаго· довълѣѥть бо[3] на съмѣреноую чистотоу съгрѣшьшиихъ третиѥго лѣта[4] съвѣдѣтельство·[5] ѡкраденꙑимъ же· въ нихъже[6] аще обрѧщеться· ѿдаѥмомъ· аще работꙑ бѣжа искоушенъ боудеть· манастꙑрь оставивъ· ини ꙁъ ѡбраꙁъ житиꙗ гонити· власть даѥмъ сътѧжавъшюмоу· влѣщи и[7] покаꙁавъшемоу полоучаи·[8] и въ рабѣхъ ѥго имѣти·

ѳ҃· Аще ли къто себе обрекъ манастꙑреви· и полоучивъ обраꙁъ· хощеть особьноѥ[9] имѣти житиѥ· тъ оубо вѣсть како[10] ѿвѣщаѥть· имѣниѥ оубо ѥлико имать· вънегда въ манастꙑрь въходить· г҃дꙑ манастꙑрѧ да боудеть·

л. 290 b. | і҃·[11] И оно же иꙁвѣщаѥмъ· ꙗко прѣже даже не вънити въ манастꙑрь хотѧщюоумоу· власть имѣти своѥмоу имѣнию· ꙗко же хощеть въшьдъшю же ѥмоу съвъслѣдоуѥть и[12] имѣниѥ· и аще[13] не ꙗвѣ вънесеть ѥго· аще ли дѣти имать· или сълоучисѧ оубо вещи нѣкꙑꙗ подати имъ· или прѣжебрачьнꙑꙗ дарꙑ· или по иꙁвѣтоу брачьнꙑихъ даровъ· подавъ и творить си· третиѥѥ ѿ съложенааго[14] своѥго имѣниꙗ· да дължьнъ боудеть

δίδομεν παντελῶς πολυπραγμονεῖν τι τῶν[1] κατ' αὐτόν·[2] ἀρκεῖ γὰρ πρὸς μετρίαν κάθαρσιν τῶν ἡμαρτημένων ἡ τοῦ τριετοῦς χρόνου μαρτυρία, τῶν μέντοι κλαπέντων, παρ' οἷς ἂν εὑρεθῇ, ἀποδιδομένων. εἰ μέντοι τὴν δουλείαν καταφυγὼν πειραθείη τὸ μοναστήριον καταλιπὼν ἕτερον βίου σχῆμα μεταδιώκειν, ἄδειαν δίδοαμεν τῷ κεκτημένῳ ἕλκειν αὐτὸν ἀποδεικνύντι τὴν τύχην καὶ εἰς οἰκέτας αὐτὸν ἔχειν.

θ'. Εἰ δέ τις ἑαυτὸν καθιερώσας ἐν μοναστηρίῳ καὶ τυχὼν τοῦ σχήματος βουληθείη ἰδιώτην τυχὸν ἕλκειν βίον, αὐτὸς μὲν οἶδεν, πῶς ἀπολογήσεται· τὰ πράγματα μέντοι, ὁπόσα ἂν ἔχοι, ἡνίκα εἰς τὸ μοναστήριον εἰσίοι,[3] τῆς δεσποτείας ἔσται τοῦ μοναστηρίου.

ι'. Κἀκεῖνο δὲ προσδιορίζομεν, ὥστε, πρὶν εἰς τὸ μοναστήριον εἰσελθεῖν τὸν βουλόμενον, ἄδειαν ἔχειν τοῖς ἑαυτοῦ χρήσασθαι (л. 261ᵃ) ὡς βούλεται· εἰσελθόντι γὰρ συνακολουθήσει καὶ τὰ πράγματα, κἂν εἰ μὴ ῥητῶς εἰσάγῃ αὐτά. εἰ δὲ παῖδας ἔχοι, εἰ μὲν ἐτύχοιεν ἤδη πράγματά τινα δωρησάμενος αὐτοῖς ἢ κατὰ προγαμιαίαν δωρεὰν ἢ κατὰ προικὸς πρόφασιν διδούς, καὶ ποιεῖ ταῦτα τὸ τέταρτον ἐξ ἀδιαθέτου τῆς αὐτοῦ περιουσίας, ὀφειλέσθω

---

1) испꙑтовати *НУ*. 2) что *Н*. 3) во *проп. С*. 4) лѣ҃та *У*. 5) свидительствова *С*. 6) въ нихъже *проп. С*. 7) и *проп. НУ*. 8) полоучии *Н*. 9) ѿсобно *Н*. 10) тако *С*; что *Н*. 11) пра҃ ·і҃· *Н*. 12) и *проп. Н*. 13) ащеще *У*, *по конечное* ще *выскобл.*; ѫже *С*. 14) ложенааго *НС*.

1) cod. переправл. въ τὸν. 2) cod. переправл. изъ αὐτῶν. 3) εἰσεΐη cod.

дѣтьмъ на напълнѥниѥ· аще ли по полоучению оубо приимъше·[1] или на нѥже вьсе имъ[2] дати· аще ли женоу имать· да съхранѩтьсѧ дарове брачьнии· и съвѣщаниѥ ѥже ѿ съмрьти· аще ли и на воиньство къто прѣда къто[3] по семь· или иного[4] житиꙗ ѡбраꙁъ·[5] прѣбыти имѣнию ѥго[6] на нѥмьже речетьсѧ мѣстѣ ни ѥдиного[7] же на прочиихъ вещьхъ· причастиꙗ имоуть дѣти· аще ли ничьсо[8] же имъ не дасть· или по третиимь лѣтѣ· и по ꙁапрѣщении[9] реченааго въ мьнихы· ничьсо[10] же по третиимь лѣтѣ подобьна дѣтьмъ въдати·

а҃і·[11] Аще ли и[12] въ инъ манастырь прѣидеть· и тако имѣниѥ ѥго въ пьрвѣмь манастыри останеть· аще ли и клиричьскаго[13] поставлѥниꙗ[14] съподобитьсѧ· не подобаѥть ѥмоу дьрꙁновениꙗ[15] клирика· къ бракоу приходити· ꙗко же на чьтьцихъ и[16] пѣвьцихъ· или мьньшицю имѣти· или[17] ѥлико таковыихъ· аще ли то прѣобидить· иꙁгънати и отиноудь[18] не к[л]и|роса· и простьць да боудеть прочеѥ· къ воиньствоу или къ иномоу начинанию[19] прити не надѣѥсѧ· аще хощеть ѿ насъ прѣдьнимь

τοῖς παισὶν ἢ εἰς ἀναπλήρωσιν, εἴτε τυχὸν ἤδη λαβόντες, ἢ καὶ ἐφ' ᾧ τὸ πᾶν αὐτοῖς δοθῆναι. εἰ δὲ γυναῖκα ἔχοι, φυλαττέσθω ἡ προῖξ καὶ τὸ ἀπὸ τελευτῆς σύμφωνον. εἰ δὲ καὶ <εἰς> στρατείαν ἑαυτὸν ἐπιδοίη τις μετὰ τοῦτο ἢ ἕτερον βίον σχῆμα, ἀπομένειν τὴν οὐσίαν αὐτοῦ ἐν ᾧ ἀπετάξατο τόπῳ. μηδεμίαν ἐπὶ τοῖς λοιποῖς πράγμασιν ἐχέτωσαν μετουσίαν οἱ παῖδες· εἰ δὲ οὐδὲν αὐτοῖς δωρήσηται ἢ ἔλαττον τοῦ τετάρτου, καὶ μετὰ τὸ παραγγεῖλαι τὸν ἀποτεταγμένον εἰς μοναχοὺς οὐδὲν ἧττον τὸ τέταρτον.

ια'. Εἰ δὲ καὶ ἑτέρῳ μοναστηρίῳ μεταβῇ, καὶ οὕτω τὰ τοῦ αὐτοῦ τῷ πρώτῳ μοναστηρίῳ ἀνήκειν. εἰ δὲ καὶ κληρικοῦ χειροτονίας ἀξιωθείη, μὴ ἐξεῖναι αὐτῷ κατὰ τὴν τοῦ κληρικοῦ παρρησίαν πρὸς γάμον ἐλθεῖν, ὡς ἐπὶ τῶν ἀναγνωστῶν ἢ ψαλτῶν, ἢ παλλακὴν ἔχειν ἢ ὅσα τοιαῦτα. εἰ δὲ τοῦτο περιφρονήσει, ἐκβάλλεσθαι παντοίως τοῦ κλήρου καὶ ἰδιώτης (л. 261^b) ἔστω, τὸ л. 291 a.
λοιπὸν πρὸς στρατείαν ἢ ἑτέραν ἐπιτήδευσιν ἐλθεῖν οὐ θαρρῶν, εἰ μὴ βούλοιτο τοῖς ἔμπροσθεν παρ' ἡμῶν

---

1) *cod. переправл* щ *изъ* ж. 2) всемъ *П* (*вм.* вьсе имъ). 3) къто *проп. П.* 4) ино *С.* 5) ѿбраꙁ *С.* 6) ѥго *проп. С.* 7) ѥдино *П.* 8) ничто *П.* 9) ѿ *встав. П.* 10) ничто *П.* 11) пра҃ ·а҃і· *П.* 12) и *проп. П.* 13) клирицьскаго *У.* 14) поставлению *У.* 15) дьрзновѣнии *У*; дерзновеньи *П.* 16) на *встав. П.* 17) или *проп. С.* 18) ѿнꙋдꙋ *П.* 19) нацинанию *У.*

прѣщениѥмь·[1] ȥапрѣщению[2] не покоритисѧ·[3] бъіти же въ врѣмѧ потрѣбъі игоумѣноу· не бъхъма по чиноу·[4] нъ достоинааго искоушениѥмь· иȥбьраниѥмь ѿ[5] еп҃па пьрвѣѥ и прочиихъ·[6] и не се тъчию[7] въ манастъірьхъ·[8] нъ и въ постьнъіихъ дьржащемъ·

ἐπειλημμένοις[1] ἐπιτιμίοις ὑποπεσεῖν. γίνεσθαι δὲ ἐν καιρῷ χρείας ἡγούμενον οὐ πάντως κατὰ τάξιν, ἀλλὰ τὸν ἄξιον δοκιμασίᾳ καὶ ἐπιλογῇ τοῦ ἐπισκόπου πρότερον καὶ τῶν λοιπῶν. καὶ ταῦτα μὴ μόνον ἐν τοῖς μοναστηρίοις, ἀλλὰ καὶ ἐν τοῖς ἀσκητηρίοις κρατεῖν βουλόμεθα.

[в͠і·][9] о клирицѣхъ имоущиихъ нѣчто[10] дроугъ[11] къ дроугоу·[12] и приводимомъ ѿ нѣкоѥго·

ιβ'. Περὶ κληρικῶν ἐχόντων τὶ πρὸς ἀλλήλους καὶ ἐναγομένων ὑπό τινος.

Многъі написавъше ȥаконъі·[13] о б҃олюбивъіихъ[14] еп҃ѣхъ· и о прочиимь[15] чиститєльствѣ[16] вьсемь· ибо и[17] о бл҃гобоѩȥнивъіихъ мьнисѣхъ· и прѣже мала се сътворьше· въ нихъже въсхотѣхомъ· бл҃гобоѩȥнивъіѩ[18] мьнихъ·[19] ѿ ѥдинѣхъ еп҃ъ гражаньскъіихъ· въ нихъже соуть манастъіреве·[20] въвождениѩ[21] прѣтьрпѣвати· побѣжени бъіхомъ ѿ минъі б҃олюбиваагo еп҃па· блаженааго того града· и всеѩ вьселеньскъіѩ патриарха· и бл҃гобоѩȥнивъіимъ клирикомъ· се подати промъішлениѥ· ѩко аще кто имать чьто къ ниѥмоу· о[22] вещи пьрвѣѥ·[23] ѿ б҃олюбивъіихъ еп҃ъ· подъ нимиже

Πολλοὺς γεγραφηκότες νόμους τούς τε περὶ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων τῆς τε ἐφεξῆς ἱερατείας[2] πάσης, καὶ μὴν καὶ περὶ τῶν εὐλαβεστάτων μοναχῶν, καὶ ἔναγχος τοῦτο πεπραχότες, ἐν οἷς ἐβουλήθημεν τοὺς εὐλαβεστάτους μοναχοὺς παρὰ μόνοις τοῖς τῶν πόλεων ἐπισκόποις, ἐφ' οἷς ἐστι τὰ μοναστήρια, τὰς ἐναγωγὰς ὑπομένειν, ἡττήθημεν παρὰ Μηνᾶ τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου τῆς εὐδαίμονος ταύτης πόλεως καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, καὶ τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς ταύτην δοῦναι τὴν προνομίαν ὥστε, εἴ τις ἔχοι τινὰ πρὸς αὐτὸν χρηματικὴν, πρότερον παρὰ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων, ὑφ' ὧν

1) проѱеньѥмъ *Н*; прѣкащенїемь *Н*. 2) запреѱеньѥмъ *Н*. 3) покорити *У*. 4) циноу *У*. 5) ѿ *проп.* *У*. 6) процихъ *У*. 7) тоцию *У*. 8) мастырѣ *С*. 9) пра҃ ·в͠і· *Н*. 10) нѣцьто *У*; же *вставл.* *Н*. 11) дръ·гъ *У*. 12) дроугъ къ дроугоу нѣчто *Н*. 13) законыи *Н*. 14) б҃олюбивѣхъ *Н*. 15) прочемь *Н*. 16) ч҃титльствѣмь *Н*. 17) и *проп.* *Н*. 18) бл҃гобоѩзниваѧ *Н*. 19) минхы *НУ*; минхи *Н*. 20) манастыреви *Н*. 21) въвожденїе *С*. 22) ѿ *Н*. 23) пьрвѣи *Н*.

1) ἐπιληημμένοις cod. 2) cod. исправл. изъ ἰατρείας.

ѥсть и данъ даѥть· и ненаписано расмотрениѥ въсприꙗти·[1] и аще боудеть се·[2] ни сътоужати ѥмоу· ни влѣщи на соудища градьскаꙗ· нъ ненаписанниѥмь· и бес тъщеты приимати образъ· равьно и написано·[3] на то страны въсхощеть измѣнитьсѧ· дроугъ къ дроугоу рьвьности· а|ще л. 291 b. ли нѣкꙑꙗ ради неоудобьны не боудеть мощьно· еп҃поу·[4] ѿсѣщи вины·[5] тогда власти быти· ѿ граждѧньскыихъ[6] кънꙗзь· поущати[7] чьстьмъ вьсѣмъ хранимомъ· ꙗко да бл҃гобоꙗзнивыимъ клирикомъ· бж҃ьствьнаꙗ повелѣниꙗ подадѧтьсѧ· и подвизатисѧ и коньць приложити соудоу· аще оубо о[8] прѣгрѣшениихъ· приводитьсѧ· аще ли градьскоѥ· тоу оубо подобьнии кънѧзи·[9] на епархиахъ же· тѣхъ игоумени· да боудоуть соудиꙗ не прѣстоупающю соудоу м҃цю· дъвоу· по оуставлѥнию· ѿнелѣ же начатиѥ боудеть· ꙗко скоро наложити· на вещь коньць· оному бо ꙗвѣ сущю· ꙗко оубо повиньноу быти прѣводимааго· мьнить епархиискꙑи игоуменъ· и казни достоина соудить·[10] пьрвѣѥ обнажити того ѿ б҃олюбиваго еп҃а· тако же подъ законьныими роуками быти·

τελεῖ, καὶ ἐντυγχάνειν καὶ ἀγράφου δια- (л. 262a) κρίσεως ἀπολαύειν, καί, εἴπερ γένοιτο τοῦτο, μήτε ἐνοχλεῖν αὐτὸν μήτε ἕλκειν εἰς δικαστήρια πολιτικά, ἀλλ' ἀγράφως καὶ ζημίας χωρὶς λαμβάνειν τύπον, ἴσως καὶ ἔγγραφον, εἰ τοῦτο τὰ μέρη βουληθείη, καὶ ἀπαλλαχθῇ τῆς πρὸς ἀλλήλους ἔριδος. εἰ δὲ διά τινα δυσκολίαν οὐ γένοιτο δυνατὸν τῷ ἐπισκόπῳ τεμεῖν τὴν ὑπόθεσιν, τότε ἄδειαν εἶναι καὶ παρὰ τοὺς πολιτικοὺς ἄρχοντας ἰέναι, τῶν προνομίων ἁπάντων φυλαττομένων, ὅπως ἂν τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς αἱ θεῖαι διατάξεις διδόασιν καὶ ἀγωνίζεσθαι καὶ πέρας ἐπιτίθεσθαι τῇ δίκῃ. εἰ μέντοι περὶ ἐγκλημάτων ἐνάγοιτο, εἰ μέντοι πολιτικόν, ἐνταῦθα μὲν οἱ πρόσφοροι ἄρχοντες, ἐπὶ δὲ τῶν ἐπαρχιῶν οἱ τούτων ἡγούμενοι ἔστωσαν δικασταί, μὴ ὑπερβαινούσης τῆς δίκης μηνῶν δύο προθεσμίαν, ἀφ' οὗ προκάταρξις γένηται, ὥστε σύντομον ἐπιτεθεῖσθαι τῷ πράγματι πέρας, ἐκείνου δήλου ὄντος, ὡς, εἴγε ὑπεύθυνον εἶναι τὸν ἐναγόμενον νομίσειεν ὁ τῆς ἐπαρχίας ἡγούμενος καὶ ποινῆς ἄξιον κρίνοιεν, πρότερον γυμνοῦσθαι τοῦτον παρὰ τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου τῆς ἱερατικῆς ἀξίας, οὕτω τε ὑπὸ τὰς τῶν νόμων χεῖρας γίνεσθαι.

---

1) приꙗти *Н.* 2) се *проп. С.* 3) написанъ *Н.* 4) епискѹпѹ *С.* 5) не бѹдеть мощно *остав. С.* 6) градьскꙑхъ *Н.* 7) пѹчати *С.* 8) о *проп. НУ.* 9) кнѧзю *Н.* 10) сѹть *С.*

аще оубо цр҃квьное боудеть съгрѣшение· трѣбоуꙗ цѣломоудриꙗ·[1] и запрѣщении[2] цр҃квьнъıихъ·[3] еп҃пъ се да соудить· не хощемъ бо таковъıихъ винъ видѣти·[4] градьскъıимъ кънѧӡемъ·[5]

εἰ μέντοι ἐκκλησιαστικὸν εἴη τὸ (л. 262^{b}) ἁμάρτημα δεόμενον σωφρονισμοῦ καὶ ἐπιτιμίων ἐκκλησιαστικῶν, ὁ ἐπίσκοπος τοῦτο κρινέτω· οὐ γὰρ βουλόμεθα τοιαύτας ὑποθέσεις γινώσκεσθαι τοῖς πολιτικοῖς ἄρχουσιν.

ГІ҃·[6] ѡ цр҃квьнъıихъ· неподвижимъıихъ вещьхъ· расточение[7] низъложениꙗ· развѣ въ костѧнтини градѣ·

ιγ'. Περὶ τῆς τῶν ἐκκλησιαστικῶν ἀκινήτων πραγμάτων ἐκποιήσεως καὶ καταβολῆς δίχα τῶν ἐν Κωνσταντινουπόλει.

И[8] се о ӡаконѣ тъщание· и ина всѧ[9] намъ того ради бъıша· троудьно ӡа польӡьное нашимъ послоухомъ· проливаемое[10] оубо и вещисльное прѣставлꙗюще· повелѣное же и·нищьтеное въводѧща·[11] ӡаповѣдаемъ оубо· или ст҃хъ цр҃къ· или прочихъ чьсть|(л. 292 а.) нъıихъ домовъ·[12] людьскъıꙗ подобаеть дани·[13] ѿнюдоу[14] же сътвори тѣхъ ѿдание·[15] не имате[16] раӡоумѣти· вьсѣхъ[17] въкоупь· и ѿ клироса же· и бо҃любиваго еп҃па· того же града къ митрополиискоумоу оубо· и[18] божьствьнъıихъ прѣдълежащиихъ словесъ вещь испътати·[19] и аще не ꙗвитьсѧ· ни едина же поуть расточениꙗ· разве могъıи[20]

Καὶ τὸ περὶ τοὺς νόμους σπούδασμα καὶ τὰ ἄλλα πάντα ἡμῖν διὰ τοῦτο καθ' ἑκάστην ἐκπονεῖται, διὰ τὸ συμφέρον τοῖς ἡμετέροις ὑπηκόοις, τὸ μὲν ἐκκεχυμένον καὶ ἄμετρον παύοντες, τὸ δὲ ὡρισμένον καὶ μεμετρημένον ἀντεισφέροντες. θεσπίζομεν τοίνυν, εἴπερ τῶν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν ἢ τῶν λοιπῶν σεβασμίων οἴκων δημοσίους ὀφείλει φόρους, καὶ ὅθεν ποιήσοιτο τὴν τούτων ἀπόδοσιν οὐκ ἔχοι, συνιέναι πάντας εἰς ταὐτὸν τούς τε ἐκ τοῦ κλήρου τόν τε θεοφιλέστατον ἐπίσκοπον τῆς αὐτῆς πόλεως καὶ πρόσγε τὸν τῆς μητροπόλεως, καὶ τῶν θείων προκειμένων λογίων τὸ πρᾶγμα ἐξετάζεσθαι. καὶ εἰ μὴ φανείη μηδὲ εἷς πόρος ἐκποιήσεως χωρὶς δυναμένος

1) челомоудриꙗ *У.* 2) и *вставл. П.* 3) цр҃квьнъıимъ *П.* 4) вѣдити *П.* 5) *С и cod. (рук. XIII в.) in m.* досоуда. 6) пра҃· ГІ҃· *Н; У проп. всю главу 13;* ГІ҃ *проп. П.* 7) расточениꙗ *П.* 8) ꙗ *П.* 9) къ *вставл. С.* 10) пролива *П.* 11) въводѧща *П.* 12) или прочиихъ чьстьнъıихъ домовъ *проп. С.* 13) и *вставл. П.* 14) ѿноудь *П.* 15) и *вставл. П.* 16) имать *П.* 17) всѣ *С.* 18) и *проп. С.* 19) испътити *cod.* 20) многии *П.*

раꙁдроушити людьскыи[1] дългъ· тогда власти имъ[2] быти· соудоу таковоумоу проиcходѧщю· и абиѥ соуди бывъше·[3] ѿ епархиискаго кънѧꙁѧ· и притѧжании неподвижимыихъ прикасатисѧ·„и сиꙗ продаꙗти[4] на раꙁдрѣшениѥ дълга· мѣсѧцьнаго·[5] на людьскоѥ изълагающиихъ· покаꙁаниꙗ[6] ѿтоудѣ въꙁемлющемъ·[7] и въходѧщемъ людьскыи дългъ и оутвържениѥ[8] ѿтоудѣ[9] имоущемъ· и не боꙗщемъсѧ прѣдъположьшаго[10] ꙁаконъ[11] ѿ насъ· проданиѥ же творѧщемъ·[12] неповиньномъ соущемъ· людьскыимъ же покаꙁаниѥмъ ꙗвленыимъ въ памѧти бывающемъ[13] сътворьшиимъ ꙗ· да и ть пр҇стыимъ цр҇квамъ· иꙁбываютъ ꙗвленаꙗ показаниꙗ·[14] и людьскыꙗ дани положити· и не могоущемъ[15] нѣкыимъ· льстите[16] людьскаго дълга· и тако на проданиѥ·[17] неподвижимыихъ въмѣщатисѧ· того ради бо[18] и сътворениѥ сѣдалища повелѣхомъ· да и[19] людьскыи дългъ съвѣдѣтельствоуѥтьсѧ· и[20] ѿ кыихъ сьниде лѣ҇· и ꙗко не ѿ имѣниꙗ·[21] раꙁдроушисѧ нъ въ

λῦσαι τὸ δημόσιον ὄφλημα, τηνικαῦτα ἄδειαν αὐτοῖς εἶναι ψήφου τοιαύτης προσιούσης καὶ δὴ κριτοῦ (л. 263a) γενομένου παρὰ τῷ τῆς ἐπαρχίας ἄρχοντι καὶ κτήσεων ἀκινήτων ἅπτεσθαι καὶ ταύτας ἐκποιεῖν εἰς λύσιν τοῦ ὀφλήματος, τῶν μηνῶν ἐπὶ τὸ δημόσιον καταβαλλόντων καὶ τὰς ἀποδείξεις ἐκεῖθεν λαμβανόντων καὶ ὑπεισιόντων τὸ δημόσιον ὄφλημα καὶ τὴν ἀσφάλειαν ἐκεῖθεν ἐχόντων καὶ οὐ δεδιότων τὸν ἔμπροσθεν τεθέντα νόμον παρ' ἡμῶν, τῶν δὲ τὴν πρᾶσιν ποιουμένων ἀνευθύνων καθεστώτων, τῶν δὲ δημοσίων ἀποδείξεων ἐμφανῶν ἐν ὑπομνήμασι γενομένων καὶ κατατιθεμένων τῶν πεποιηκότων αὐτάς, ἵνα καὶ πρὸς τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας σῴζοιντο περιφανεῖς ἀποδείξεις τοῦ καὶ τοὺς δημοσίους φόρους καταβεβλῆσθαι, καὶ οὐ δυναμένων τινῶν πλάττειν δημόσιον ὄφλημα καὶ οὕτως ἐπὶ τὰς ἐκποιήσεις τῶν ἀκινήτων χωρεῖν. διὰ τοῦτο γὰρ καὶ τὴν τοῦ δικρέτου ποίησιν ἐπετρέψαμεν, ἵνα καὶ τὸ δημόσιον ὄφλημα μαρτυρῆται, καὶ ἐκ πόσων κάτεισι χρόνων, καὶ ὅπως οὐκ ἐκ χρημάτων ἐλύθη, ἀλλ' εἰς

---

1) людьски *H.* 2) *вм.* власти имъ: власти и *ПН*, волимъ. 3) соудивше *H* (*вм.* соуди бывъше). 4) продавати *H.* 5) мс҇ьнаго *H.* 6) показании *H.* 7) въземлющимъ *H.* 8) оудержаниѥ *H.* 9) ѿтоутоудѣ *cod.* 10) прѣдъложьшаго *H*; прѣдълошаго *C.* 11) закона *H.* 12) творѧщимъ *П.* 13) и показающе *вставл. H.* 14) показаніе *П.* 15) могѹщимъ *П.* 16) льстеть *H.* 17) преданиѥ *H.* 18) бо ради *H.* 19) ю *C.* 20) и *проп. C.* 21) мѣніа *C.*

ноуждю распроданиꙗ· прииде· аще л. 292 b. оубо не|вѣжа кто·[1] дължьнъ боудеть· можеть образъ приимати неподвижимꙑихъ[2] притѧжании· и аще ѿтоудоу бываюцию·[3] и мѣрѣ истиною дължьнꙑимъ имъ· на проданиѥ неподвижимꙑихъ[4] въмѣститисѧ· приносимъ же того[5] закона· прстоую же и великоую цркъвь· и тоꙗ окольнаꙗ· и притворьнꙑꙗ црквьнꙑхъже та попечениѥ ꙗвить·

ἀνάγκην ἐκποιήσεως ἦλθεν. εἰ μὲν οὖν ἰδιώτης τις ὀφειλόμενος εἴη, δύναται τὸ σχῆμα λαμβάνειν ἀκινήτους κτήσεις, κἀνταῦθα δὲ γινομένου καὶ πρὸς τὸ μέτρον τῶν ταῖς ἀληθείαις ὀφειλομένων αὐτῶν εἰς (л. 263b) ἐκποίησιν ἀκινήτων χωρεῖν. ἐξαιροῦμεν δὲ τούτου τοῦ νόμου τήν τε ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν καὶ τὴν αὐτῆς περιοικίδα καὶ τοὺς εὐκτηρίους οἴκους, ὧν αὕτη τὴν φροντίδα ἀναδέδεικται.

[ді·][6] ѡ црквьнꙑихъ насажениихъ[7] и[8] инѣхъ главъ[9] повелѣниꙗ·

ιδ'. Περὶ ἐκκλησιαστικῶν ἐμφυτεύσεων καὶ ἄλλων κεφαλαίων διάταξις.

Мъногомъ и[10] разлічьномъ закономъ· на проданиꙗ[11] и насажениꙗ· и[12] на наимꙑ црквьнꙑимъ[13] вещьмъ пришьдъшемъ·[14] съвѣмъ[15] пришьдъшемъ·[16] приꙗти закономь· власть оубо даѥмъ блгꙑимъ имъ[17] домомъ· по вьсѣмъ епархиамъ· наше бо житиѥ соущамъ·[18] не тъкъмо нъ и манастꙑрѣмъ[19] въ црьсцѣмь[20] градѣ· и окроужьнимъ[21] ѥго· не тъкмо на врѣмѧ насажениѥ творити·

Πολλῶν καὶ διαφόρων νόμων ἐπὶ ταῖς ἐκποιήσεσιν καὶ ἐμφυτεύσεσιν καὶ μισθώσεσιν τῶν ἐκκλησιαστικῶν πραγμάτων φοιτησάντων, συνείδομεν τῷ παρόντι περιλαβεῖν νόμῳ. ἄδειαν τοίνυν δίδοαμεν τοῖς εὐαγέσιν οἴκοις τοῖς ἐν ἁπάσαις ταῖς ἐπαρχίαις τῆς ἡμετέρας πολιτείας κειμένοις, οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ μοναστηρίοις ἐν τῇ βασιλίδι πόλει καὶ τῇ ταύτης περιοικίδι μὴ μόνον πρὸς καιρὸν[1] ἐμφύτευσιν ποιεῖσθαι

---

1) кто невѣжа *Н.* 2) недвижимꙑхъ *Н.* 3) бꙑвающи *Н.* 4) непсвижнй *П.* 5) того же *С.* 6) прав ·ді· *Н*; *У проп. всю главу 14.* 7) насаженꙑхъ *Н.* 8) и *проп. Н.* 9) главѣ *С.* 10) и *проп. Н.* 11) преданиꙗ *Н.* 12) и *проп. Н.* 13) црквьнꙑимъ *cod.* 14) пришьшимь *П*; пришедъшемъ *проп. Н.* 15) всѣмъ *Н.* 16) пришедъшимъ *Н*; пришешимь *П.* 17) имъ *проп. НПС.* 18) соущемъ *П.* 19) мастꙑремь *С.* 20) црьсцѣмь *С*; црьсцѣи *П.* 21) ѿкроуженꙑимъ *П*; окраинимъ *С.*

1) cod. переправл. изъ πρόσκαιρον.

неподвижимыихъ подобьныихъ вещии· нъ[1] вънноу сиꙗ хотѧщихъ насаждениѥмь правьдьныимь даꙗти· и[2] аще прѣстꙑна[3] црк҃ви бываютъ· или ини чьстьнии домове·[4] ихъже строѥниѥ· того[5] мѣста прѣстꙑихъ еп҃пъ· или[6] о себѣ·[7] или бл҃гыимь ѥго[8] клиросъмь[9] творити· по разоумоу своѥмоу и[10] съвѣщанию бываѥть[11] такова коуплꙗ· кльноущемъсѧ и[12] пришьдъшю ѥмоу· съмотрьникомъ ѥго и строителѥмъ и хартоуларемъ· того чьстьнааго домоу· ꙗко ѿ тоꙗ вины· ни ѥдина[13] же тъщета чьстьноумоу домоу наводитьсѧ·[14] аще ли[15] нищиихъ прѣбывалища· или ини[16] чь|стьнии[17] соуть[18] домове·[19] своꙗ[20] строѥниꙗ имоуще· аще оубо ст҃ыимъ притворьныимъ[21] домомъ съчитаѥтьсѧ· по разоумоу большаꙗ части· тоу слоужащиихъ· не[22] тъкъмо нъ и къ ономоу· аще ли гостиницѧ· или нищиихъ прѣбывалища и недоужьныихъ· или ѥлико таковыихъ кльноущемъсѧ[23] строителѥмъ· пришьдъшю еп҃поу ѿ негоже[24] прѣдълагаютьсѧ·[25] ничьто же на врѣдъ· или

τῶν ἀκινήτων αὐτοῖς προσηκόντων πραγμάτων, ἀλλὰ καὶ διηνεκῶς ταῦτα τοῖς βουλομένοις ἐμφυτευτικῷ δικαίῳ διδόναι. καί, εἰ μὲν ἁγιώταται ἐκκλησίαι τυγχάνουσιν ἢ ἕτεροι εὐαγεῖς οἶκοι, ὧν τὴν διοίκησιν ὁ κατὰ τόπον ἁγιώτατος ἐπίσκοπος ἢ δι' ἑαυτοῦ ἢ διὰ τοῦ εὐαγοῦς αὐτοῦ κλήρου ποιεῖται, κατὰ γνώμην αὐτοῦ καὶ σύνεσιν γίνεσθαι τὸ τοιοῦτο συνάλλαγμα, ὀμνυόντων παρόντος αὐτοῦ τῶν οἰκονόμων καὶ διοικητῶν καὶ χαρτουλαρίων τοῦ αὐτοῦ (л. 264[a]) εὐαγοῦς οἴκου, ὡς ἐκ ταύτης τῆς αἰτίας οὐδεμία ζημία τῷ εὐαγεῖ οἴκῳ ἐπάγεται. εἰ δὲ л. 293 а. πτωχεῖα ἢ ξενῶνες ἢ νοσοκομεῖα ἢ ἕτεροι εὐαγεῖς ὦσιν οἶκοι ἰδίαν διοίκησιν ἔχοντες, εἰ μὲν ἁγίους εὐκτηρίους οἴκους συμβαίῃ, κατὰ γνώμην τοῦ πλείονος μέρους τῶν ἐκεῖσε λειτουργούντων, οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ τοῦ οἰκονόμου· εἰ δὲ ξενὼν ἢ πτωχεῖον ἢ νοσοκομεῖον ἢ ὅσαι τοιαῦται, ὀμνυόντων τῶν διοικούντων παρουσίᾳ τοῦ ἐπισκόπου, παρ' οὗ προβάλλονται, ὡς οὐδὲν πρὸς βλάβην ἢ

1) не *Н* (*вм.* нъ и). 2) и *проп. Н.* 3) прч҃тыꙗ *Н.* 4) доме *С.* 5) то *Н.* 6) и *С.* 7) ѿсобѣ *Н.* 8) ѥго *проп. Н.* 9) клїресомь *Н.* 10) по *вставл. Н.* 11) бываютъ *Н.* 12) и *проп. Н.* 13) ѥдиноꙗ *Н.* 14) наведетс҃ *Н.* 15) и *вставл. Н.* 16) инїи *проп. Н.* 17) чт҃нии *Н.* 18) сꙋдъ *П.* 19) домовъ *П.* 20) своеа *П.* 21) притворѧномъ *П.* 22) но *Н.* 23) кленоущимсѧ *П.* 24) неже *С.* 25) прѣлагаетсѧ *ПН.*

прѣобидѣние бываеть· на бл҃гочьстивыихъ же манастырьхъ· игоуменоу[1] ихъ съ большею частию мьнихъ коуплю творити· и семоу же[2] съхранению происходѧщю·[3] облежению[4] большемоу бывати· ѿ части прибытъка юже имать· въ сажение[5] даемыимъ вещьмъ· тѣмь же образъмь· и на продание неподвижимыѩ вещи· дълга ради своего· написанью[6] же въ дъвадесѧти[7] дн҃ии да прѣдълагаеть·[8] и симь же образъмь повелѣвати хотѧщиимъ коупити· да болие подаѩи[9] прѣжепочьтенъ боудеть· аще ли нѣкоего цр҃кьнаго села· многоцѣньныихъ насажение[10] дасться· ꙗко много оубо достоꙗ чьсти· мьньшии[11] же приносоу прибытъкъ·[12]

и на того[13] прибытъкъ ѿтоудѣ· насажение ꙗко же рекохомъ бываеть· вѣдѣти же насажающиии[14] подобаеть ꙗко аще по[15] дъвѣ лѣтѣ прочее[16] не сътворѧть·[17] насаженаго оуправлениꙗ· ѿноудѣ[18] вънѣ насажении[19] бывати·

περιγραφὴν γίνεται· ἐπὶ δὲ τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων τοὺς ἡγουμένους αὐτῶν μετὰ πλείονος μέρους τῶν μοναχῶν τὸ συνάλλαγμα ποιεῖσθαι, καὶ ταύτης δὲ τῆς παραφυλακῆς προϊούσης κουφισμὸν μὴ πλείονα γίνεσθαι τοῦ ἕκτου μέρους τῆς προσόδου, ἧς ἔχει τῶν εἰς ἐμφύτευσιν δεδομένων πραγμάτων. τὸν ὅμοιον δὲ τρόπον καὶ ἐπὶ ἐκποιήσει ἀκινήτου πράγματος ἕνεκεν ἰδιωτικοῦ χρέους, ἐγγράφως δὲ ἐπὶ κʹ ἡμέρας προτιθέτωσαν, καὶ τούτῳ τῷ τρόπῳ προτρέπειν τοὺς ἀγοράσαι βουλομένους, ἵνα ὁ πλέον[1] παρέχων προτιμηθῇ. εἰ δέ τινος ἐκκλησιαστικοῦ προαστείου τῶν πολυτιμήτων ἐμφύτευσις δίδοιτο, ὡς πολλῆς μὲν ἀξίας τιμῆς, ἐλαχίστην δὲ φέροντα πρόσοδον, μὴ τῇ προσόδῳ μετρεῖσθαι τὴν ἐμφύτευσιν· ἀλλὰ διατιμᾶσθαι τὸ προάστειον ἀ(л. 264^{b})κριβῶς καὶ συλλογίζεσθαι τὴν τοῦ ἀθροιζομένου τιμήματος κατὰ εἴκοσι ἐνιαυτῶν ὀνεῖσθαι πρόσοδον, καὶ ἐπὶ τῇ ἐντεῦθεν προσόδῳ τὴν ἐμφύτευσιν, καθάπερ ἔφθημεν εἰπόντες γίνεσθαι. εἰδέναι δὲ τοὺς ἐμφυτευτὰς προσήκει, ὡς, εἴπερ ἐπὶ διετίαν ἐφεξῆς μὴ καταθεῖεν τὸν ἐμφυτευτικὸν κανόνα, παντοίως ἔξω τοῦ ἐμφυτεύματος γενέσθαι.

---

1) игоуменъ *H.* 2) же *проп. П.* 3) прïисходѧщю *C.* 4) ѡбложению *H.* 5) насажение *H*; насаженïю *П.* 6) написано *П.* 7) двадесѧтии *C.* 8) прѣлагають *П*; продълагаеть *H.* 9) даан *C.* 10) насаженïе *ПН.* 11) меншю *H.* 12) прибытка *H.* 13) тъ *НПС.* 14) насажающïимъ *ПН.* 15) за *П.* 16) *cod. переправл.* е *изъ* и. 17) творѧть *П.* 18) ѿнѹдѹ *П.* 19) насажени *ПН*; сажени *П.*

1) πλέων cod.

ӗі҃е· [1] Аще ли и [2] ꙁа людьскаꙗ съвьршенаꙗ· или инои поуждьныꙗ потрѣбы· того домоу дългоу повиньни | боудоуть по пьрвоуоумоу оубо чиноу· ꙗко [3] свои ꙁалогъ даꙗти· да и ѿ плодъ причитати· въ ты [4] людьскыꙗ· и лихвы не болѥ четвьртыꙗ части· сътыгыѩ· подобаѥть же по вьсѣмъ прстънимъ [5] мѣстомъ црькъвамъ· насажениꙗ другъ къ другоу творити· [6] тою же частию· бестъщетию [7] съхранѩѥмоу· прѣходѩщаꙗ же ѿ црьскааго [8] домоу· или прѣшьдъшаꙗ· [9] ни по ѥдиномоу же образоу· продаꙗти· или измѣнѩти· или подълагати· [10] или другъ [къ] [11] другоу расточити·

і҃ѕ· [12] На стоѥ въскрьсениѥ· [13] власть имѣти· домы [14] подобьныꙗ имъ· въ томь же стѣмь градѣ· продаꙗти ѥже ѿ домовьныихъ своихъ· ꙁа пѧтьдесѧтъ лѣтъ събираѥтьсѧ·

із· [15] Вьсѣми же образы въꙁбраниѥмъ· ѿ чистительнааго образа· на [16] невѣждьноѥ [17] прѣбыванииѥ· прѣтварѧти манастырѧ·

ιε΄. Εἰ δὲ καὶ ὑπὲρ δημοσίων συντελειῶν ἢ ἄλλης ἀναγκαίας χρείας τοῦ αὐτοῦ οἴκου χρέη ἔνοχοι γίνονται, κατὰ πρώτην μὲν τάξιν εἰς л. 293 b.
ἰδικὸν ἐνέχυρον δίδοσθαι, ἵνα καὶ ἐκ τῶν καρπῶν [1] καταλογίζηται εἰς αὐτὰ τὰ δημόσια καὶ τοὺς τόκους, μὴ πλείονος τοῦ τετάρτου μέρους τῆς ἑκατοστῆς. ἐξεῖναι δὲ πάσαις ταῖς ἁγιωτάταις κατὰ τόπον ἐκκλησίαις ἐμφυτεύσεις πρὸς ἀλλήλους ποιεῖσθαι ἑκατέρῳ μέρει τοῦ ἀζημίου φυλαττομένου. τὰ δὲ ἀπὸ βασιλικοῦ οἴκου περιελθόντα ἢ περιελευσόμενα κατ' οὐδένα τρόπον πιπράσκεσθαι ἢ ἀνταλλάττεσθαι ἢ ὑποτίθεσθαι ἢ [2] ἀλλήλους ἐκποιεῖσθαι.

ις΄. Τὴν ἁγίαν Ἀνάστασιν ἄδειαν ἔχειν τοὺς οἴκους τοὺς αὐτῇ προσήκοντας ἐν τῇ αὐτῇ ἁγίᾳ πόλει πιπράσκειν, εἴπερ ἐκ τῶν ἐνοικίων αὐτῶν ἐπὶ πεντήκοντα ἐνιαυτοὺς συνάγεται.

(л. 265ª) ιζ΄. Πᾶσι δὲ τρόποις κωλύομεν ἀπὸ ἰατρικοῦ σχήματος εἰς ἰδιωτικὴν διαγωγὴν μετασχηματίζεσθαι μοναστήρια.

---

1) прав· і҃е· *H; У проп. всю главу 15.* 2) и *проп. HC.* 3) же *вставл. H.* 4) в *вставл. H.* 5) прчтмъ *H.* 6) творити другъ къ другоу *H.* 7) *С позднѣйшей рукой въ* бестъщетію *надъ* ще *допис.* ^с. 8) црьскааго *ПС.* 9) прешедша *H.* 10) прѣлагати *H.* 11) *вставка изъ HC.* 12) прав· ѕ҃і· *H; У проп. всю главу 16.* 13) наскресеніе *C, но позднѣйшая рука переправл.* на *въ* во. 14) домъ *H.* 15) прав· з҃і· *H; У проп. всю главу 17.* 16) не *H.* 17) навѣжноѥ *H.*

1) cod. переправл. изъ κιπῶν такъ, что подскобл. ι и рукой X в. надпис. αρ. 2) ἢ cod. надъ строкой.

ӥі҃·[1] Не подобаѥть[2] поставлꙗѥмыихъ клирикъ· ѿрѣтити[3] словомь ꙗвлѥнꙑихъ·[4]

і҃ѳ҃·[5] Не подобаѥть възбраньшиихъ себѣ ѿ[6] чистꙑихъ таинъ· или какоѭ оубо[7] виноѭ· ѿнодъ[8] ѿходѧщемъ[9] цр҃кве причитатисѧ·[10]

к҃·[11] Не подобаѥть паче подобьнаго· поставлꙗти клирикꙑ· нъ вѣдомоу[12] бꙑти числоу или по дрѣвьноуоумоу правилоу· творѧи же[13] чрѣсъ си[14] себѣ бѣдоу· и[15] ижитиѥ[16] ѿ своѥго изъбꙑтка· и[17] подавꙑи бо[18] иконом· и то[19] повелѣвъ[20] еп҃пъ на-

л. 294 а. писати· ни па|кꙑ подобаѥть раздѣлѥнꙑ[21] нѣкꙑꙗ поставлꙗти· или въчинꙗти· аще ли бари кꙑи[22] коньць вѣрꙑ· прибꙑтъка[23] пр҇стꙑꙗ[24] цр҃кве· оустроивъ[25] ѿ вьсѧкого чистительскааго степене· на образъ прѣбꙑвати соущаꙗ донъдеже оубо на дрѣвльнии мѣрьнꙑи[26] чинъ·[27] цр҃квьноѥ поставитьсѧ· да и соущиимъ клирикомъ·[28] происходѧщиимъ оубогꙑимъ· довольна боудеть цр҃кꙑ подаꙗти·[29]

ιη'. Μὴ δεῖν τοὺς χειροτονουμένους κληρικοὺς ζημιοῦσθαι λόγῳ ἐμφανησίμων.

ιθ'. Μὴ δεῖν τοὺς εἴργοντας ἑαυτοὺς τῶν ἱερῶν μυστηρίων ἢ καθ' οἱανοῦν πρόφασιν παντελῶς ἀναχωροῦντας τῆς ἐκκλησίας διαρίζεσθαι.[1]

κ'. Μὴ δεῖν παρὰ τοῦ δέοντος χειροτονεῖν κληρικούς, ἀλλ' ἐγνωσμένον εἶναι τὸν ἀριθμὸν ἢ κατὰ τὸν ἀρχαῖον κανόνα. ὁ δὲ παρὰ ταῦτα ποιῶν ἑαυτῷ τὸν κίνδυνον καὶ τὴν δαπάνην ἐξ οἰκείας περιουσίας,[2] ὅ τε ἐπιχορηγήσας οἰκονόμος καὶ ὁ τοῦτο ἐπιτρέψας ἐπίσκοπος ἐπιγράψαι· μήτε πάλιν ἐξεῖναι ἀδιορίστους τινὰς χειροτονεῖν ἢ κατατάσσειν. εἰ δὲ προέφθασέν τις πέρα τοῦ μέτρου τῆς προσόδου τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας ἐγκατατάξας, ἐκ παντὸς ἱερατικοῦ βαθμοῦ ἐπὶ σχήματος μένειν τοὺς ὄντας, ἄχρις ἂν εἰς τὸν ἀρχαῖον καὶ σύμμετρον τὸ κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τάγμα περισταίη, ἵνα καὶ τοῖς οὖσιν κληρικοῖς καὶ τοῖς προσιοῦσιν πένησιν ἱκανὴ ἔσται ἡ ἐκκλησία ἐπιχορηγεῖν.

---

1) пра҇· ӥі· *Н*; *У проп. всю главу 18.* 2) подобаѥ *П.* 3) ѿрѣтитисѧ *Н.* 4) ꙗвлѥнꙑмъ *Н.* 5) пра҇· і҃ѳ· *Н*, *У проп. всю главу 19.* 6) ѿ *проп. С.* 7) *cod. это* оуко *in m.* 8) ѿноудь *Н*; ѿноудоу *П.* 9) ѿходѧщимь *П.* 10) причѧститисѧ *П.* 11) пра҇· к҃· *Н*; *У проп. всю главу 20.* 12) домоу *С.* 13) же *проп. Н.* 14) силоу *Н.* 15) и *проп. НП.* 16) ижитиѥ *ПС.* 17) и *проп. Н.* 18) бо *проп. Н.* 19) по *С.* 20) повелѣ *Н.* 21) раздѣлѥнꙑи *П.* 22) скꙑи *П.* 23) прибꙑтокъ *Н.* 24) с҇тꙑѧ *С*; пр҇тꙑꙗ *Н.* 25) истроивъ *С.* 26) мѣрьнꙑи *проп. Н.* 27) чинꙑ *П.* 28) кририкомъ *С.* 29) поꙗти *Н.*

1) cod. in m. противъ главы ιθ' прибавл. ἐν ἀ (срѣзано переплетчикомъ). 2) cod. переправл. изъ περιοικείας.

власть же вьсѣмь подаіемъ· въ коіемьжьдо чиноу соущиимъ· въ образѣ житиꙗ видѧщиимъ· чьто сихъ прѣстоупаіемыихъ възвѣщати намъ·

ἄδειαν δὲ πᾶσιν δίδοαμεν, ὁποιᾳδήποτε τάξει καθεστήκασιν ἐν σχήματι βίου, θεωμένοις (л. 265ᵇ) τι τούτων παραβαινόμενον μηνύειν ἡμῖν.

к҃а·[1] о дѣлательхъ възаимъ[2] дающиихъ·

κα'. Περὶ γεωργῶν δανειζομένων.

Не подобаіеть дължьнаагo соуща· дѣлателіеви дьржати[3] того[4] землю· приимати же лихвоу на вьсѧко лѣто· ѿ златьника· д҃і· цаты· аще ли пышеницѧ заꙗтаꙗ· осмоую часть ѿ коіегожьдо[5] споуда·

Μὴ δεῖν τὸν δανείζοντα γεωργῷ κρατεῖν τὴν ἐκείνου γῆν, λαμβάνειν δὲ τόκον διὰ παντὸς τοῦ ἔτους τοῦ νομίσματος κεράτιον ἕν· εἰ δὲ σῖτος τὸ δανεισθέν, ὀγδόην μοῖραν μοδίου ἐφ' ἑκάστῳ μοδίῳ.

к҃в·[6] о цр҃квьнъихъ[7] канонѣхъ· и о користьхъ·

κβ'. Περὶ ἐκκλησιαστικῶν κανόνων καὶ προνομίων.

Повелѣваіемъ оубо· чинъ закона имѣти· ст҃ыꙗ цр҃квьныꙗ каноны· ѿ ст҃ыихъ четырь съборъ проповѣданыимъ·[8] или извѣщеномъ·[9] сирѣчь въ никеи·[10] т҃·[11] и҃і· оць· иже въ костѧнтини градѣ· р҃· и·[12] н҃· и[13] въ ефесѣ пьрваагo събора· въ немьже несторіи осоужень бысть· и[14] иже въ калхидонѣ[15] тако же прѣжереченыихъ бо четырь съборъ[16] велѣниꙗ·[17] ꙗко[18] бж҃ьствьнаꙗ[19] писаниꙗ

Θεσπίζομεν τοίνυν τάξιν νόμων ἐπέχειν τοὺς ἁγίους ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας τοὺς ὑπὸ τῶν ἁγίων δ' συνόδων ἐκτεθέντας ἢ βεβαιωθέντας, τουτέστιν τῶν ἐν Νικαίᾳ τιη' καὶ τῶν ἐν Κωνσταντινουπόλει ρν', καὶ τῆς ἐν Ἐφέσῳ πρώτης, ἐν ᾗ Νεστόριος κατεκρίθη, καὶ τῆς ἐν Καλχηδόνι ὁμοίως· τῶν γὰρ προειρημένων δ' συνόδων τὰ δόγματα καθάπερ τὰς θείας γραφὰς

---

1) пра҃· к҃а· *Н*; *У проп. всю главу 21.* 2) взаıемъ *П.* 3) и *вставл. С.* 4) того держати *Н.* 5) коıегожьдо *проп. Н.* 6) пра҃· к҃в· *П*; *У проп. всю главу 22.* 7) црквьнъıихъ *cod.* 8) повѣданъıмъ *Н.* 9) извѣщенъıмъ *Н.* 10) никъıи *П.* 11) и *вставл. П.* 12) и *проп. Н.* 13) и *проп. Н.* 14) и *проп. Н.* 15) халкидонѣ *СН.* 16) съборъ *проп. Н.* 17) велѣніе *П*; повелѣниıа *Н.* 18) же *вставл. Н.* 19) бж҃ествьна *П.*

хранити и· того ради повелѣваѥмъ·[1] по ȥаповѣдьмъ ихъ· прѣстоумоу и [л. 294 b.] прѣблаженоумоу архиеппоу[2] коста|нтина града· новаго рима· въторыи чинъ имѣти· по стѣмь[3] аплъскѣмь прѣстолѣ· старѣишаго рима· инѣхъ же вьсѣхъ прѣже[4] чисти прѣблаженаго еппа· пьрваго ноустиньяньскаго· нашего отьчьства·[5] имѣти присно ѿ своѥго правоподаания·[6] еппомъ[7] епархиискомъ·

кг·[8] Повелѣваѥмъ хранити къ симъ·[9] и всѣхъ[10] цркъвъ и инѣхъ[11] чьстьныхъ домовъ притѧжания·[12] не скверньны[13] слоужьбы· или лоукавьныꙗ рꙗды ꙗковыи[14] же прѣтьрпѣвати· аще оубо поути постилания· или моста съȥьдания·[15] или обновления[16] потрѣба боудеть· по подобию притѧжьникъ· таковоѥ дѣло и стыꙗ цркви· и чьстьныꙗ иныи[17] домы съвьршати·

кд·[18] Въ лѣтьниихъ[19] же мѣсто написании· въ десѧте и въ дъвадесѧте· или въ· л· лѣ: стымъ црквамъ· или инѣмъ вьсѣмъ

φυλάττομεν. καὶ διὰ τοῦτο θεσπίζομεν κατὰ τοὺς αὐτῶν ὅρους τὸν ἁγιώτατον καὶ μακαριώτατον ἀρχιεπίσκοπον Κωνσταντινουπόλεως νέας Ῥώμης δευτέραν τάξιν ἔχειν μετὰ τὸν ἅγιον ἀποστολικὸν θρόνον τῆς πρεσβυτέρας Ῥώμης, τῶν δὲ ἄλλων πάντων προτιμᾶσθαι τὸν μακαριώτατον ἐπίσκοπον τῆς πρώτης Ἰουστινιανῆς[1] τῆς ἡμετέρας πατρίδος καὶ ἔχειν ἀεὶ ὑπὸ (л. 266a) τὴν οἰκείαν δικαιοδοσίαν[2] τοὺς ἐπισκόπους τῶν ἐπαρχιῶν.

κγʹ. Θεσπίζομεν φυλάττεσθαι πρὸς τούτοις καὶ πάντων τῶν ἐκκλησιῶν καὶ τῶν ἄλλων σεβασμίων οἴκων τὰς κτήσεις, μὴ ῥυπαρὰς λειτουργίας ἢ ἐκστραόρδινα οἱαδήποτε ὑπομένειν. εἰ μέντοι ὁδοστρωσία ἢ γεφυρῶν[3] οἰκοδομὴ ἢ ἀνανεώσεως χρεία γένηται, κατὰ μίμησιν τῶν κτητόρων τὸ τοιοῦτον ἔργον καὶ τὰς ἁγίας ἐκκλησίας καὶ τοὺς ἄλλους σεβασμίους οἴκους πληροῦν.

κδʹ. Ἀντὶ δὲ τῶν χρονίων παραγράφων τῶν ιʹ καὶ κʹ καὶ λʹ ἐνιαυτῶν καὶ ταῖς ἁγίαις ἐκκλησίαις καὶ τοῖς ἄλλοις ἅπασιν

---

1) повелѣваютъ *Н.* 2) ѥппоу *Н.* 2) пртлѣ *Н.* 4) преже всѣхъ *Н.* 5) ѿцьства *Н.* 6) правоподаниꙗ *Н.* 7) епископомъ *П*; еппо *С.* 8) пра· кг· *Н*; *У проп. всю главу 23.* 9) скимъ *Н* (*вм.* къ симъ). 10) вск *С.* 11) ины *П.* 12) притѧженьꙗ *Н.* 13) скверненыи *П.* 14) ꙗковы *Н.* 15) или моста съзьданиꙗ *проп. Н.* 16) или моста съзьданиꙗ или обновлениꙗ *проп. П.* 17) иконы *С.* 18) пра· кд· *Н*; *У проп. всю главу 24.* 19) лѣлѣтниихъ *С.*

1) cod. переправл. въ Ἰουστινιάνης. 2) διοίχησινχαιοδοσίαν cod. 3) γεφύρων cod.

чьстьнынимъ домомъ· ѥдино четырьдесатъ лѣтъ написаниѥ противоу положити [1] повелѣваѥмъ· таковоумоу хранимоу·[2] и въ [3] въꙁдании ꙁадьниць· и [4] причастиивъ благочьстивыꙗ вины оставлꙗѥмыимъ·

к҃е·[5] Аще къто оустроѥниѥ чьстьнаго домоу· или притворьныꙗ [6] цр҃кве или гостиньница· или нищиихъ пребываница· или сироты [7] кърмлѥниꙗ·[8] или недоужьныихъ прѣбываница·[9] или иного чьстьнаго домоу· въ оумьрьлѣѥмь съвѣтѣ быват· въобраꙁить· притворьноую оубо цр҃ъ|вь· равьно [10] пѧти лѣтъ· оучрѣдити повелѣваѥмъ· промышлѥниѥмь боголюбиваго [11] еп҃па и кнѧꙁѧ· и аще тъ самъ съвѣщавъ и [12] повелѣѥть·[13] хотѧщаꙗ [14] гостиньныкы·[15] или [16] нищекърмильцѧ·[17] или иныи [18] таковыꙗ· строителꙗ или своимъ наслѣдьникомъ· таковоѥ иꙁбьраниѥ подасть· повелѣваѥмъ [19] обраꙁы вьсѣми наслѣдьникомъ обраꙁениꙗ [20] испълнꙗти·[21] по мѣстомъ еп҃омъ съмотрѧщемъ·[22] аще добрѣ

σεβασμίοις οἴκοις μόνη ἡ τῶν μ′ ἐνιαυτῶν παραγραφὴ ἀντιθέσθαι προστάττομεν, τοῦ τοιούτου φυλαττομένου καὶ ἐν τῇ ἀπαιτήσει τῶν λεγάτων καὶ τῶν κληρονομιῶν τῶν εἰς εὐσεβεῖς αἰτίας καταλιμπανομένων.

κε′. Εἴ τις κατασκευὴν σεβασμίου [1] οἴκου ἢ εὐκτηρίου ἢ ξενῶνος ἢ πτωχείου ἢ ὀρφανοτροφείου ἢ νοσοκομείου ἢ ἄλλου σεβασμίου οἴκου ἐν τελευταίᾳ βουλήσει γίνεσθαι διατυπώσει, τὸ εὐκτήριον μὲν εἴσω πέντε ἐνιαυτῶν πληροῦσθαι κελεύομεν προνοίᾳ τοῦ θεοφιλεστάτου л. 295 а. ἐπισκόπου καὶ τοῦ ἄρχοντος. (л. 266[b]) καὶ εἰ μὲν αὐτὸς ὁ διαθέμενος ὁρίζει τοὺς ὀφείλοντας ξενοδόχους ἢ πτωχοτρόφους ἢ ἄλλους τοιούτους διοικητὰς εἴτε τοῖς ἰδίοις κληρονόμοις τὴν τοιαύτην ἐπιλογὴν παράσχοι, κελεύομεν τρόποις ἅπασιν τοῖς κληρονόμοις τὰ διατυπωθέντα πληροῦν τῶν κατὰ τόπον ἐπισκόπων ἐποπτευόντων, εἰ καλῶς

---

1) положити противоу *H.* 2) храмꙋ *C.* 3) въ *проп. CH.* 4) въ *вставл. H.* 5) пра҇ к҃е· *H; У проп. всю главу 25.* 6) творенꙑꙗ *H.* 7) сиротъ *ПН.* 8) кормлениѥ *H.* 9) пребꙑваниꙗ *H.* 10) раздьно *H.* 11) бл҃голюбиваго *П.* 12) и *проп. П.* 13) повелѣваѥть *ПН.* 14) хотѧщаго *HC.* 15) истинньникы хотѧщаго *H* (*вм.* хотѧщаꙗ гостиньнꙑкꙑ). 16) нъ и *H* (*вм.* или). 17) нищекормьца *H;* нищекърьмирьцѧ *C.* 18) инꙑꙗ *H.* 19) повѣваемъ *C.* 20) въѡбраженіꙗ *ПН.* 21) исполнити *HC.* 22) смотрѧщимъ *П.*

1) σεβασμίανου cod., но αν перечеркнв.

строѥниѥ проис҆ходить· и аще обрѧщють недобромъ быти строителемъ· власть имѣти вьс тъщеты иныи въ тѣх҆ъ мѣсто подобьны творити· въ вьсѣх҆ъ бо[1] таковъих҆ъ бл҃гочьстивъих҆ъ съвѣтѣ·[2] прⷭ҇бынъих҆ъ мѣстъ·[3] епⷭ҇пы х҆отѧщемъ[4] промышлꙗти· ꙗко вьсѧ по оумьръшаꙗго съвѣтоу промышлꙗти· аще и паче ѿ съвѣщавъшиих҆ъ· ѿречено бысть имъ[5] имѣти· къ симъ нѣкоѥ причастиѥ· симъ же повелѣномъ бывъшемъ·[6] ѥдиною и дъвашьды ѿ епⷭ҇па[7] мѣста· и ѿ икономъ ѥго· людьскыими лици· въспомѧноувъше же[8] пожидоуть· въображенаꙗ[9] испълнити· повелѣваѥмъ симъ вьсе приобрѣтениѥ·[10] ѡставъшеѥ[11] имъ ѿ повелѣвъшааго· ѿпоустити прѣподобьнъимъ епⷭ҇помъ мѣстомъ[12] вьсѧ вещи вьсѣмъ· ꙗко же речено ѥсть бл҃гочьстивъими своими ѿлоучениꙗ·[13] съ[14] плоды и[15] въз҆вращении·[16] ср҄ѣдьнꙗаго лѣта· и помѣнѥнааго[17] приобрѣтениꙗ строити· ꙗже съвѣща- л. 295 b. вън въ образ҆ъ испълъ|нꙗти·[18] и вьсѧкомоу же дроугоуоумоу[19] власть да боудеть· таковоѥ въз҆искание

ἡ διοίκησις προβαίνει· καὶ εἰ εὑροῦσιν μὴ χρησίμους εἶναι τοὺς διοικητάς, ἄδειαν ἔχειν ἄνευ ζημίας ἄλλους ἀντ' αὐτῶν ἐπιτηδείους ποιεῖν· ἐν πάσαις γὰρ ταῖς τοιαύταις εὐσεβέσι βουλήσεσι τοὺς ὁσιωτάτους τῶν τόπων ἐπισκόπους βουλόμεθα προνοεῖν, ὥστε πάντα κατὰ τὴν τοῦ τελευτήσαντος βούλησιν προνοεῖν,[1] εἰ καὶ τὰ μάλιστα παρὰ τῶν διαθεμένων ἢ[2] τῶν δωρησαμένων ἀπηγορεύθη αὐτοῖς ἔχειν πρός ταῦτά τινα μετουσίαν. οἱ δὲ ταῦτα κελευσθέντες ἅπαξ καὶ δὶς παρὰ τοῦ ἐπισκόπου τῶν τόπων καὶ τῶν τούτου οἰκονόμων διὰ δημοσίων προσώπων ὑπομνησθέντες ὑπερθῶνται τὰ διατυπωθέντα πληρῶσαι, κελεύομεν τούτους ἅπαν τὸ κέρδος τὸ καταλειφθὲν αὐτοῖς παρὰ τοῦ κελεύσαντος ἀπολλῦναι, τοὺς δὲ ὁσιωτάτους ἐπισκόπους τῶν τόπων πάντα τὰ πράγματα πᾶσιν, ὡς εἴρηται, ταῖς εὐ-(л. 267a) σεβέσιν αἰτίαις ἀφορισθέντα μετὰ καρπῶν καὶ ἐπαυξήσεων τοῦ μέσου χρόνου καὶ τοῦ μνημονευθέντος κέρδους ἐκδικεῖν καί, ἅπερ ὁ διαθέμενος διετύπωσεν, πληροῦν. καὶ παντὶ δὲ ἑτέρῳ ἄδεια ἔστω τὴν τοιαύτην ζήτησιν

---

1) бо *проп. С.* 2) живѣтѣ *Н.* 3) мѣстех҆ъ *Н.* 4) х҆ощемъ *Н.* 5) имъ *проп. С.* 6) бывшимъ *Н.* 7) ѥпⷭ҇пъ *Н.* 8) же *проп. НП.* 9) воѿбраженїꙗ *Н.* 10) приѿбрѣтаѥмъ *Н.* 11) ѿставившеѥ *Н.* 12) мѣстьнымъ *НП.* 13) ѿлоучении *Н.* 14) въс *Н.* 15) и *проп. Н.* 16) възвращени *Н*; възвращеныи *С.* 17) поменшаго *Н.* 18) исполнити *Н.* 19) дроугоу ѡвомоу *Н.*

1) cod. выскобл. 1—2 буквы. 2) ἡ cod.

подвизати· и потъщавати[1] да образы вьсѣми· таковыꙗ бл҃гочьстивыꙗ[2] вины испълнꙗтьсѧ· аще ли наслѣдьникъ бл҃гочьстиꙗ вины· оставлѥныꙗ не испълнить·[3] гл҃ꙗ оставлѥнаго ѥмоу притѧжаниꙗ[4] не довълѣти· сиꙗ повелѣваѥмъ вьсѧкоꙗ десѧтыꙗ[5] части прилежащиꙗ· ѥлико оубо къгда обрѧщетьсѧ въ таком имѣнии· прѣжевъмѣщати· промышлениѥмь прѣподобьнаго· мѣстьнаго еп҃па въ вины въ нѧже оста·

к҃ѕ·[6] Аще ли задьница боудеть· повелѣваѥми[7] равьно[8] шести[9] мц҃ь· ѿ ꙗвлениꙗ завѣтоу ищитаѥщемъ·[10] симъ вьсѣми образы· подаꙗти· имъже оставлѥно ѥсть· аще ли ожидаѥть· того отѧгъчении·[11] таковоую задьницю·[12] подаꙗти[13] и плоды и лихвы· и вьсѧко законьноѥ· възвращениѥ въздадѧть· ѿ врѣмене и[14] оумьртвиꙗ оставльшаго· аще ли задьницѧ·[15] чьстьноумоу нѣкомоу оставитьсѧ[16] никацѣмь же образъмь таковыꙗ задьницѧ придати·[17] мѣста же или[18] лица ѿ нихъже се подати повелѣно боудеть· далече да боудоуть·[19] тъгда подобаѥть онѣмъ· имъже се

κινεῖν καὶ σπουδάζειν, ἵνα τρόποις πᾶσιν αἱ τοιαῦται εὐσεβεῖς αἰτίαι πληρωθῶσιν. εἰ δὲ ὁ κληρονόμος τὰς εὐσεβεῖς αἰτίας καταλελειμμένας μὴ πληρώσῃ, λέγων τὴν καταλειφθεῖσαν αὐτῷ περιουσίαν μὴ ἀρκεῖν, ταύτας κελεύομεν παντὸς τοῦ φαλκιδίου μέρους σχολάζοντος, ὁσονδήποτε εὑρεθείη ἐν τῇ τοιαύτῃ οὐσίᾳ, προχωρεῖν προνοίᾳ τοῦ ὁσιωτάτου τῶν τόπων ἐπισκόπου εἰς τὰς αἰτίας, εἰς[1] ἃς καταλέλειπται.

κς'. Εἰ δὲ λεγάτον εἴη, κελεύομεν ἴσον μηνῶν ς' ἀπὸ τῆς ἐμφανίσεως τῆς διαθήκης ἀριθμουμένων τούτοις πᾶσιν τρόποις παρέχεσθαι, οἷς καταλέλειπται. εἰ δὲ ὑπερθῶνται οἱ τούτου βεβαρημένοι τὸ τοιοῦτον λεγάτον παρέχειν, καὶ καρποὺς καὶ τόκους καὶ πᾶσαν νόμιμον ἐπαύξησιν ἀπαιτηθήσονται ἀπὸ τοῦ καιροῦ τῆς τελευτῆς τοῦ καταλιπόντος. εἰ δὲ λεγάτον σεβασμίῳ τινὶ οἴκῳ καταλειφθῇ, μηδενὶ τρόπῳ τὸ τοιοῦτον λεγάτον ἐκποιεῖσθαι. εἰ[2] δὲ οἱ τόποι ἢ τὰ πρόσωπα, ἐξ ὧν τοῦτο δοθῆναι προσετάχθη, πορρωτέρω εἴησαν, τινικαῦτα (л. 267b) ἐξέστω ἐκείνοις, οἷς τοῦτο

1) подъщавати *C.* 2) благочести *C.* 3) исполнити *H.* 4) притѧжениꙗ *H*; протижаніа *C.* 5) дѣтоꙗ *H.* 6) пра͡к· к҃ѕ· *H*; *У проп. всю главу 26.* 7) повелеваѥмъ *H.* 8) мирно *H.* 9) шестіи *П.* 10) ищитающіи *П*; ищитаѥмъ *H.* 11) ѿтѧгченіи *П.* 12) заповѣдніцю *H.* 13) приимати *H.* 14) ни *H.* 15) заповѣдница *H.* 16) ѡстанетьсѧ *H.* 17) продати *H.* 18) и *H.* 19) боудеть *H.*

1) εἰς cod. между строкъ. 2) οἱ cod.

оставлѥно ѥсть· или объдьржаѥмаꙗ часть· сълючаѥтьсѧ[1] измѣнити задьницю· и большеѥ приимати паче того прибꙑваниѥ·[2] доброкоупьно· съ прилаганиѥмь не мьнѥ четвьртꙑꙗ части· оставлѥнаого количьства·[3] а не многꙑими людьскꙑими даньми
л. 296 а. отѧгъчени·[4] аще ли про|дати въсхотѧть· не мьнѥ въ цѣноу приимати· ѥлико же ѿ таковꙑꙗ задьницѧ· неже ли на· л҃· и[5] пѧть лѣтъ събирати· тако оубо ꙗко таковоую цѣноу на польѕьноѥ· прѣжереченаого чьстьнаго домоу· останеть въмѣститисѧ·[6]

καταλέλειπται καὶ τὸ ἐνεχόμενον μέρος συμβαίνει, ἀμείβειν τὸ λεγάτον καὶ πλησίον λαμβάνειν ὑπὲρ τούτου πρόσοδον εὔπορον μετὰ προσθήκης οὐκ ἐλαττόνος τοῦ τετάρτου μέρους τῆς καταλειφθείσης ποσότητος, καὶ μὴ πολλοῖς δημοσίοις τελέσμασι βεβαρημένοι. εἰ δὲ πωλῆσαι βουληθῶσιν, μὴ ἔλαττον εἰς τὸ τίμημα λαβεῖν τοῦ ὅσον εἴπερ ἐκ τοῦ τοιούτου λεγάτου ἐπὶ λε΄ ἐνιαυτοὺς συνάγεται, οὕτω μέντοι, ὥστε τὸ τοιοῦτον τίμημα εἰς τὸ συμφέρον τοῦ προειρημένου σεβασμίου οἴκου καταλειφθῇ[1] προχωρεῖν.

к҃з·[7] **Ꙗко ни ѥдиномоу же зьдати притворьнꙑꙗ цр҇кве· чрѣсъ съвѣсть еп҇па· и ꙗко подобаѥть зижющюоумоу промꙑшлѧти.**

κζʹ. Περὶ τοῦ μηδένα κτίζειν εὐκτήριον χωρὶς γνώμης τοῦ ἐπισκόπου, καὶ ὅπως χρὴ τὸν κτίζοντα προνοεῖσθαι.

О прѣс҇тꙑихъ[8] цр҇къв·[9] мъногомъ приимъше[10] закономь· ѥще инѣхъ просимъ· къ възникъшиимъ винамъ· и авиѥ възникающаꙗ· довълѣюща· мънози бо имене ради къ притѧжанию· с҇тꙑихъ цьркъвъ[11] грѧдоуть· посемь сиꙗ[12] съзьдавъше· къ томоу печали не полагають· ѥже истъщаниꙗ· имъ ѿлоучити[13] лѣпаꙗ·[14] въ

Τὰ περὶ τῶν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν πολλοῖς[2] περιλαβόντες νόμοις, ἔτι καὶ ἑτέρου δεόμεθα πρὸς τὰς ἀνακυψάσας τῶν ὑποθέσεων καὶ αὖθις ἀναφυομένας ἀρκοῦντες. πολλοὶ γὰρ ὀνόματος ἕνεκεν πρὸς ποίησιν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν ὁρμῶσιν, εἶτα ταύτας[3] οἰκοδομησάμενοι οὐκέτι φροντίδα τίθενται τοῦ καὶ δαπάνην αὐτοῖς ἀφορίσαι πρέπουσαν εἴς τε

1) слоучаютьсѧ *Н.* 2) прѣбꙑваньѥ *Н.* 3) личьства *Н.* 4) отѧгъчена *П.* 5) и *проп. Н.* 6) се писать *добавл. С киноварью.* 7) се писати *cod. in m. рукой XIII в.;* пра҇· к҇з· *Н.* 8) прс҇тыхъ *Н.* 9) црквхъ *П.* 10) приимъшимъ *Н.* 11) ц҇ркви *Н.* 12) сиꙗ *вставл. У.* 13) ѿлоучити *проп. У.* 14) нелѣпаꙗ *У.*

1) καταλειφθη cod. 2) cod. переправл. изъ πολλούς. 3) ταῦτας cod.

вечерни же посвѣтъ·[1] и въ прибꙑтъчьнꙑихъ[2] пищю· и[3] сщ҃еноую слоужьбоу· нъ оставлꙗють ꙗ· въ нагꙑихъ соущиихъ· зьданиихъ· или раздроушаѥмꙑихъ· и вьсѧкоꙗ[4] чистꙑꙗ слоужьбꙑ лишаѥмъ· повелѣваѥмъ оубо прѣже вьсѣхъ семоу[5] бꙑвати· ꙗко ни дьрзновению· бꙑти ни манастꙑрю· ни цр҃кви· ни притворьнꙑꙗ цр҃кве· начинати зьдати· прѣже аще не градьскꙑи· б҃олюбивꙑи еп҃ъ пришьдъ· мл҃твоу[6] сътворить· и кр҃тъ поставить· прѣдъ вьсѣми тоу· происхожение сътворивъ· и вещь ꙗвѣ вьсѣмъ поставить· а не инако коѥмоу· цр҃кdevь изнова зьдати[7] прѣже аще не повѣдано[8] боудеть еп҃оу и заповѣдати мѣроу·[9] юже ѿлоучить на вечерни посвѣ|тъ·[10] и на чистоую слоужьбоу· и различьно ѥдиномоу съблюдение·[11] и прѣбꙑвающиихъ оу него[12] пищю·[13] аще ли къто не довълѣѥть къ семоу· имене равьно[14] желѣꙗ·[15] ꙗко и самомоу зижителемь цр҃квьнꙑимь нарицатисѧ·[16] то многꙑ[17] цр҃кви соуть въ епархиꙗхъ· и въ томь цр҃ьскѣмь[18] градѣ· вѣдѣюче[19] же пастисѧ отъ

λυχνοκαϊὰν εἴς τε τῶν προσοδευόντων ἀποτροφὴν καὶ τὴν ἱερὰν λειτουργίαν, ἀλλὰ καταλιμπάνουσιν αὐτὰς ἐν γυμνοῖς οὔσας[1] (л. 268a) οἰκοδομήμασιν ἢ καὶ καταλυομένας ἢ πάσης ἱερᾶς λειτουργίας ἐστερημένας. θεσπίζομεν τοίνυν πρὸ πάντων μὲν ἐκεῖνο γίνεσθαι, ὥστε μηδὲ[2] παῤῥησίαν εἶναι μήτε μοναστήριον μήτε ἐκκλησίαν μήτε δὲ εὐκτήριον οἶκον ἄρχεσθαι οἰκοδομεῖν, πρὶν ἂν ὁ τῆς πόλεως θεοφιλέστατος ἐπίσκοπος παραγενόμενος εὐχήν τε ἐν τῷ τόπῳ ποιήσοιτο καὶ σταυρὸν πήξοιτο, δημοσίαν ἐκεῖσε πρόοδον ποιησάμενος, καὶ τὸ πρᾶγμα φανερὸν ἅπασιν καταστήσοι. καὶ μὴ ἄλλως τινὰ ἐκκλησίαν ἐκ νέας οἰκοδομεῖν, πρὶν ἂν διαλεχθῇ τῷ ἐπισκόπῳ καὶ ὁρίσαι τὸ μέτρον, ὅπερ ἀφορίζει πρὸς λυχνοκαϊὰν καὶ τὴν ἱερὰν λειτουργίαν καὶ л. 296 b.
τὴν ἀδιάφορον τοῦ οἴκου τήρησιν καὶ τὴν τῶν προσεδρευόντων ἀποτροφήν. εἰ δέ τις οὐκ ἀρκοίη πρὸς τοῦτο, ὀνόματος δὲ ἴσως ἐπιθυμῶν τοῦ καὶ αὐτὸς κτίστης ἐκκλησίας καλεῖσθαι, πολλαὶ ἐκκλησίαι τυγχάνουσιν ἐν ταῖς ἐπαρχίαις καὶ ἐν ταύτῃ τῇ βασιλίδι πόλει, κινδυνεύουσι δὲ καταπεσεῖν ὑπὸ

1) повѣсть *С.* 2) прибꙑточноую *Н.* 3) и *проп. С;* въ *встав. Н.* 4) соущиꙗ и *встав. Н.* 5) емꙋ *С.* 6) на мѣстѣ *встав. Н.* 7) прѣже аще не градьскꙑи . . . . зьдати *проп. Н.* 8) испобѣдано *Н* (*вм.* не повѣдано). 9) мирꙋ *Н.* 10) посвѣсть *Н.* 11) различною домоу созданью *Н* (*вм.* различьно ѥдиномоу съблюдению). 12) оуне *УС* (*вм.* оу него). 13) пища *Н.* 14) равьною *Н.* 15) лѣꙗ *У;* желанью *Н.* 16) наричѧтисѧ *У.* 17) многꙑи *Н.* 18) цр҃ьскѣмъ *НС.* 19) вѣдꙑѣющесѧ *Н;* вѣдноую *Н.*

1) οὔσαις cod. 2) μὴ δε cod.

обетъшаниꙗ· аще и[1] малы соуть и неоукрашены·[2] и подобаѥть ѥмоу ѥдиноу[3] таковъіхъ црк҃вь· въсприимъшю зьдати· понѣ[4] разоумъмь б҃олюбиваго· правовѣрьнъіхъ еп҃па·[5]

[к҃и·][6] о подающиихъ причьты[7] еп҃ъ· како подобаѥть бъіти·

О строѥнии и приобрѣтении· и о инѣхъ разлічьнъіхъ главахъ· и причьтѣхъ въ[8] ст҃ъіхъ црк҃ъвахъ· и въ дроугъіхъ чьстьнъіхъ домъхъ ѿставлѥнъіхъ оуже оубо нѣкъіꙗ[9] въобразихомъ· на нынѣшьнѥѥ же ꙗже[10] о[11] прп҃дбнъіхъ еп҃ѣхъ· и клирицѣхъ[12] и мьнисѣхъ· прѣже въ разлічьнъіхъ чинъхъ· въображенаꙗ съ прѣподобьнъімь исправлѥниѥмь[13] а ѥже обѧти законъмь съвѣмъ· повелѣваѥмъ оубо· елишьдъі аще потрѣба боудеть еп҃поу· поставлꙗти клирикъі· и пьрвъіꙗ притѧжателꙗ[14] града· прѣдъ трьми лици· причьты[15] творити· прѣдълежащамъ[16] своимъ д҃шамъ· ꙗко не подаѭщиѥ[мь]· или обѣщаниѥмь и прочаꙗ· нъ[17] вѣдоуще сами сѧ· правоую и[18] съборьноую

παλαιότητος, εἰ καὶ σμικραὶ καθεστῶσιν καὶ ἀκοσμότεραι· καὶ ἔξεστιν αὐτῷ μίαν τῶν τοιούτων ἐκκλησιῶν ἀπολαβόντι, αὐτὴν οἰκοδομησάσθω, κἀνταῦθα γνώμη τοῦ θεοφιλεστάτου τῶν ὀρθοδόξων ἐπισκόπου.

κη'. Περὶ τῶν τὰ ψηφίσματα τῶν ἐπισκόπων ἐπιδιδόντων, ὅπως χρὴ γίνεσθαι.

Περὶ διοικήσεως καὶ προνομιῶν καὶ ἄλλων (л. 268^{b}) διαφόρων κεφαλαίων καὶ ψηφισμάτων εἰς τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας καὶ τοὺς ἄλλους εὐαγεῖς οἴκους ἀνηκόντων ἤδη μέν τινα διετυπώσαμεν. ἐπὶ δὲ τοῦ παρόντος τὰ περὶ τῶν ὁσιωτάτων ἐπισκόπων καὶ κληρικῶν καὶ μοναχῶν πρώην ἐν διαφόροις τάξεσιν διατυπωθέντα μετὰ τῆς προσηκούσης ἐπανορθώσεως τῷδε περιλαβεῖν τῷ νόμῳ συνείδομεν. θεσπίζομεν τοίνυν, ὁσάκις ἂν χρεία γένηται ἐπίσκοπον χειροτονηθῆναι, καὶ τοὺς κληρικοὺς καὶ τοὺς πρώτους κτήτορας τῆς πόλεως ἐπὶ τρισὶ προσώποις ψηφίσματα ποιεῖν, προκειμένων τῶν ἰδίων ψυχῶν, ὡς οὐ διὰ δόσιν ἢ ὑπόσχεσιν καὶ τὰ ἑξῆς, ἀλλ' εἰδότες αὐτοὺς τῆς ὀρθῆς καὶ καθολικῆς

1) ли *Н.* 2) ꙋкрашены *С.* 3) единомꙋ *С.* 4) понеже *Н.* 5) еп҃поу *Н.* 6) *вставка изъ С*; пра҃· к҃и· *П.* 7) причтыи *П.* 8) въ *проп. П.* 9) нѣкихъ *П.* 10) же *Н.* 11) ѿ *С.* 12) клиричѣхъ *У.* 13) исправлєньи *П.* 14) притѧжителꙗ *Н.* 15) причьти *С.* 16) прѣлежащи҃ *П.* 17) не *Н.* 18) и *проп. С.*

вѣроу· и чистааго житиꙗ· и кънигы[1] вѣдѣти тѣхъ да | избероуть· и ꙗко ни подроужиꙗ[2] ни дѣтии нъ аще и пьрьвѣе· къто ѿ нихъ подроужие имѣ·[3] и то[4] едино пьрвѣе и не оглаемое законъмь нашимь·[5] или чистыими канонъі·[6] ни съвѣтьника·[7] или воиноу[8] бъіти· сего съвѣдѧть· и еже подъ съвѣтьнъıимь[9] полоучаемь· подълежаи не мьне· ѕі· лѣ· въ манастъıри·[10] мьнишьское житие въсприимъ· и[11] ꙗко не[12] мьне· л҃· лѣ· въздрасть имѣти· избраное[13] лице· да большиихъ[14] поставленъ боудеть· вѣдою поставльшаагo· тако оубо свобожьшюмоуса съвѣта· въ четвьртое свое[го][15] обилиꙗ·[16] себѣ имѣти· и[17] прочаꙗ съвѣтъмь людьскъıимъ· даемъ же оубо власть· причьтъı творѧщиимъ или нѣкоего мирьскаагo·[18] развѣ сътьника[19] или воиника· достоина бъıти мьнѧть· таковаагo коупьно съ дроугъıима дъвѣма клирикома·или[20] мьнихома[21] избрати и тако клирикомъ не мьне трии мць съпричьтенаагo[22] и с҃тъıꙗ канонъı· и цр҃квьноую слоужьбоу наоучьшасѧ поставленоу бъıти·

πίστεως καὶ σεμνοῦ βίου καὶ γράμματα εἰδέναι, τούτους ἐπελέξαντο, καὶ ὅτι л. 297 a.
οὐδὲ γαμετὴν οὐδὲ παῖδας, ἀλλ' εἰ καὶ πρότερόν τις ἐξ αὐτῶν γαμετὴν ἔσχεν, καὶ αὐτὴν μίαν καὶ πρώτην και οὐ κατηγορουμένην νόμοις ἡμῶν ἢ ἱεροῖς κανόσιν, οὐδὲ βουλευτὴν ἢ ταξεώτην εἶναι τοῦτον γινώσκουσι, ἢ εἴπερ βουλευτικῇ ἢ ταξεωτικῇ τύχῃ ὑποκείμενος, οὐχ ἧττον ιε΄ ἐνιαυτῶν ἐν μοναστηρίῳ μοναχικὸν βίον ἐπανήρετο, καὶ ὅτι οὐχ ἧττον λε΄ ἐνιαυτῶν τῆς ἡλικίας ἔχειν τὸ ἐπιλεγὲν πρόσωπον, ἵνα ὁ βελτίων χειροτονηθῇ κινδύνῳ τοῦ χειροτονοῦντος, οὕτω μέντοι τὸν ἐλευ(л. 269ª)θερωθέντα τῆς βουλῆς τὸ τέταρτον τῆς ἰδίας περιουσίας ἑαυτῷ παρακατασχεῖν καὶ τὰ ὑπόλοιπα τῇ βουλῇ τῷ δημοσίῳ. διδόαμεν δὲ ἄδειαν τοῖς τὰ ψηφίσματα[1] ποιουμένοις, εἴ τινα κοσμικὸν δίχα βουλευτοῦ ἢ ταξεώτου ἄξιον εἶναι νομίσωσιν, τὸν τοιοῦτον ἅμα ἄλλοις δύο κληρικοῖς ἢ μοναχοῖς ἐπιλέξασθαι, καὶ οὕτω τοῖς κληρικοῖς οὐκ ἔλαττον τριῶν μηνῶν αὐτὸν συναριθμηθέντα καὶ τοὺς ἁγίους κανόνας καὶ τὴν τῆς ἐκκλησίας λειτουργίαν διδαχθέντα χειροτονηθῆναι.

---

1) книгын *П.* 2) пожроужїа *П.* 3) имѣи *П.* 4) но *С.* 5) закономь нашимь и не г҃лемою *Н.* 6) канонын *П.* 7) свѣтиланика *П*; сотника *С.* 8) воино *С.* 9) свѣтиинимъ *П.* 10) мастъıри *У.* 11) и *проп. П.* 12) не *проп. У.* 13) издраное *С.* 14) большимь *Н.* 15) *исправл. по НП.* 16) обилчиꙗ *П*; обилченїе *С.* 17) и *проп. С.* 18) римьскаго *С.* 19) или нѣкоего мирьскаго развѣ сътьника *проп. НУ.* 20) и *П.* 21) минихомъ *П.* 22) съпричетьнаго *С.*

1) слогъ ψη cod. между строкъ.

к҃ѳ·[1] Аще ли не обрѧщются въправьдоу· три лицѧ на таково[2] изборание· подобаеть[3] и при[4] дъвѣма и при єдиномь лици· причьтъ творити всѧ оубо реченаꙗ имоущю послоушьства·

л҃·[5] Аще ли хотѧщеи· причьты творити· мьнѥ мц҃ь шести· да сътворѧть тогда бѣдою своеꙗ дш҃а тъ· ємоуже лѣпо єсть еп҃па да поставить·[6] поставлꙗи же чрѣсъ нареченоѥ[7] послѣдование· да ѿ|лоученъ боудеть· на (л. 297 b.) єдино лѣто имѣниѥ єго[8] область·[9] црквьнаꙗ да строить· и поставлѥныи да иждеться·

л҃а·[10] Аще ли къто възглаголеть на[11] избьранаего· да ожидетьсѧ того поставлениꙗ·[12] и аще повиньна обрѧщеть[13] да[14] възбранитьсѧ·[15] аще ли неповиньнъ[16] ꙗвитьсѧ· да поставленъ боудеть·[17] ѡглѧ҃никъ же или не показа· или оубѣжа приложенаего[18] на нь оглѧ҃ниꙗ· ѿ епархиꙗ· въ нѥиже живеть да иженетьсѧ·

л҃в·[19] За[20] обычаꙗ же[21] то єдино подаꙗти· ѿ всѣхъ поставлꙗемыихъ еп҃пъ даѥмъ· ꙗже по сихъ и[22] єлико соущюмоу законоу· подобаеть·

κθ′. Εἰ δὲ μὴ εὑρεθείη ὡς εἰκὸς τρία πρόσωπα πρὸς τὴν τοιαύτην ἐπιλογήν, ἐξέστω ἐπὶ δύο καὶ ἑνὶ προσώπῳ ψήφισμα ποιεῖσθαι, πάσας μέντοι τὰς εἰρημένας ἔχοντι μαρτυρίας.

λ′. Εἰ δὲ οἱ ὀφείλοντες τὰ ψηφίσματα ποιεῖν ἐντὸς μηνῶν ἕξ μὴ ποιείτωσαν, τηνικαῦτα τῷ κινδύνῳ τῆς ἰδίας ψυχῆς ἐκεῖνος, ᾧ ἁρμόζει, τὸν ἐπίσκοπον χειροτονείτω. ὁ δὲ παρὰ τὴν προσαγορευθεῖσαν ἀκολουθίαν χειροτονῶν ἐπὶ ἕνα ἐνιαυτὸν χωριζέσθω καὶ τὴν ἰδίαν οὐσίαν ἢ δεσποτεία τῆς ἐκκλησίας αὐτοῦ διεκδικείτω, καὶ ὁ χειροτονηθεὶς ἐκβαλλέσθω.

λα′. Εἰ δέ τις κατηγορήσοι τοῦ ἐπιλεγέντος, ὑπερτιθέσθω ἡ τούτου χειροτονία, καὶ εἰ ὑπεύθυνον εὕροι, κωλυέσθω· εἰ δὲ ὑπεύθυνος (л. 269[b]) μὴ φανεῖεν, χειροτονείσθω. ὁ δὲ κατήγορος, εἴτε μὴ ἀπέδειξεν εἴτε καὶ ἀπέφυγεν τὴν προτεθεῖσαν κατ' αὐτοῦ κατηγορίαν, ἐκ τῆς ἐπαρχίας ἐν ᾗ οἰκεῖ ἐκβαλλέσθω.

λβ′. Ὑπὲρ συνηθειῶν δὲ ἐκεῖνα μόνα παρέχεσθαι ἀπὸ πάντων τῶν χειροτονουμένων ἐπισκόπων συγχωροῦμεν, ἅτινα ἐφεξῆς ὅσα τῷ παρόντι νόμῳ ἐμφέρεται.

---

1) пра҃· к҃ѳ· *Н.* 2) инаково *Н.* 3) побаꙗть *У.* 4) предъ *НП.* 5) пра҃· л҃· *Н.* 6) поставаѧть *Н.* 7) нареноѥ *У.* 8) го *С.* 9) власть *Н.* 10) пра҃· л҃а. *Н.* 11) на *проп* *Н.* 12) поставлениѥ *П.* 13) обрѧщь *С.* 14) не *вставл.* *С.* 15) аще повиньна обрѧщеть да възбранитьсѧ *проп.* *У.* 16) неисповенъ *С.* 17) повиньна обрѧщеть да… боудеть *проп.* *Н.* 18) приложенаего *С.* 19) пра҃· л҃в· *Н.* 20) Бл *С.* 21) обычаи ꙗже *П.* 22) и *проп.* *П.*

повелѣваѥмъ оубо прѣбл҃женъıимъ еп҃омъ · и патриархомъ сирѣчь старѣишаго рима · и костантинꙗ града и александриѥ ·[1] и б҃жиꙗ града · и ерс҃лмлѧнемъ ·[2] аще обычаи имать[3] еп҃омъ и[4] клирикомъ ·[5] въ поставлѥниихъ ·[6] не мьнѥ дъвоудесѧтоу литръ ꙁлата даꙗти · си ѥдина · подаꙗти ꙗже обычаи съвѣсть · аще[7] ли паче того ꙁакона подаꙗше · ничьсо же паче дъвоудесѧтоу литръ ꙁлата подаꙗти · поставлꙗѥмꙑимъ же ѿ митрополитъ · или ѿ патриархъ · аще мьнѥ · л҃ · литръ ꙁлата · притѧжаниѥ[8] имать цр҃кꙑ · поставлꙗѥмаго подаꙗти · ꙁа сщ҃ениѥ оубо ꙁлата · р҃ · ноутаремь[9] же поставльшаго · и инѣмъ слоужащиимъ ѥмоу · и ѿ обычаꙗ приѥмлють · ꙁлата три съта · аще ли цр҃квьноуоумоу притѧжанию · мьнѥ тридесѧтъ литръ ꙁлата · | въ лѣта съвршаютьсѧ · не мьнѥ же десѧти · ꙁа сщ҃ениѥ ꙁлата · р҃ · даꙗти · инѣмъ же вьсѣмъ · ѿ обычаꙗ приѥмлющиимъ ·[10] ꙁлата дъвѣ сътѣ ·[11] аще мьнѥ паче десѧти · не мьнѥ · е҃ · литръ ꙁлата · даꙗти ꙁа сщ҃ниѥ ꙁлата · н҃ · вьсѣмъ же ѿ обычаꙗ · ꙁлата · в҃ · аще ли мьнѥ пѧти · не мьнѥ же · г҃ ·

1) александриꙗ *УН.* 2) ѥрлм҃лѥмъ *Н.* 3) мать *У.* 4) или *П.* 5) клирико *П.* 6) поставлѥныихъ *НС.* 7) аши *П.* 8) притѧжании ѥмь *Н;* притѧніѥ *С, но позднѣйшей рукой припис. ж надъ ѧ.* 9) нотаремъ *Н.* 10) приѥмлющемъ *Н.* 11) с҃ *Н (вм.* дъвѣ сътѣ).

κελεύομεν τοίνυν τοὺς μακαριωτάτους ἀρχιεπισκόπους καὶ πατριάρχας, τουτέστι τῆς πρεσβυτέρας Ῥώμης καὶ Κωνσταντινουπόλεως καὶ Ἀλεξανδρείας καὶ Θεουπόλεως καὶ Ἱεροσολύμων, εἰ[1] μὲν ἡ συνήθεια ἔχει ἐπισκόποις ἢ κληρικοῖς ἐν τῇ αὐτῶν χειροτονίᾳ ἔλαττον ἤπερ κʹ χρυσίου λιτρῶν[2] δίδοσθαι, ταῦτα μόνα παρέχειν, ἅπερ ἡ συνήθεια γινώσκει. εἰ δὲ πλέον τούτου τοῦ νόμου παρεχέτω, μηδὲν ὑπὲρ τὰς εἴκοσι λίτρας τοῦ χρυσίου παρέχεσθαι. τοὺς δὲ χειροτονουμένους ἀπὸ μητροπολιτῶν ἢ πατριαρχῶν, εἰ μὲν ἔλαττον λʹ χρυσίου λιτρῶν[3] πρόσοδον ἔχει ἡ ἐκκλησία τοῦ χειροτονουμένου, διδόναι ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν μὲν νομίσματα ρʹ, νοταρίοις δὲ τοῦ χειροτονοῦντος καὶ τοῖς ἄλλοις τοῖς ὑπηρετοῦσιν αὐτῷ καὶ ἐξ ἔθους λαμβάνουσιν τʹ. εἰ[4] δὲ ἡ τῆς ἐκκλησίας πρόσοδος ἔλαττον μὲν ὑπὲρ τριάκοντα χρυσίου λιτρῶν κατ᾽ ἐνιαυτὸν συντελοῦσιν, οὐχ ἧτ(л. 270а)τον δὲ ἢ δέκα,[5] ὑπὲρ л. 298 a. μὲν ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα[6] ρʹ διδόναι, τοῖς δὲ ἄλλοις πᾶσιν τοῖς ἐκ συνηθείας λαμβάνουσιν νομίσματα σʹ. εἰ δὲ ἔλαττον ὑπὲρ δέκα, οὐκ ἔλαττον δὲ τῶν εʹ τοῦ χρυσίου λιτρῶν, διδόναι ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα νʹ, πᾶσιν δὲ τοῖς ἐξ ἔθους νομίσματα σʹ. εἰ δὲ ἔλαττον τῶν εʹ, οὐκ ἔλαττον δὲ τῶν τριῶν

1) ἡ cod. 2) cod. переправл. изъ λίτρας. 3) cod. переправл. изъ λίτρας. 4) cod. переправл. изъ ἡ. 5) εἰ δεκ̄ cod. 6) ν° ν° cod. здѣсь и во всѣхъ случаяхъ ниже.

литръ· црк҃вьноѥ притѧжаниѥ имать· подаꙗти за сщ҃ениѥ злата· ѳ҃і· и ‹ѿ› обычаꙗ соущиимъ· к҃· ти· д҃· аще ли мьниѥ трии· не мьне же дъвоу литроу [1] злата· количьство притѧжаниꙗ црк҃вьнаго обрѧщеть-сѧ· даꙗти за сщ҃ениѥ злата· в҃і· всемоу же обычаю злата· ѕ҃і· еп҃поу же црк҃вьноѥ· мьниѥ дъвоу литроу притѧжанию имоущю· ни за сщ҃ениѥ ни за кыи инъ обычаи· дати [2] чьто повелѣваѥмъ· си же приѥмлѥмъ старѣишиии [3] поповъ· и архидиꙗконъ поставлѧющааго· соущиимъ ѿ [4] обычаꙗ да раздѣлꙗѥта·

л҃г· [5] Аще ли [6] съключитьсѧ· [7] поставлѧѥмоумоу еп҃поу [8] подъ властию· оужика своѥго быти· ѿ того поставлѥниꙗ самовластьнъ да [9] боудеть· б҃олюбивыимъ же [10] еп҃помъ· [11] и мьнихомъ· ни ѿ ѥдиного же закона· приставьникъ· или тиоунъ· [12] коѥгожьдо лицѧ бывати не даѥмъ· [13]

л҃д· [14] Попомъ же и диꙗкономъ· и подьꙗкономъ [15] правьдьныимъ [16] и [17] ѥдинѣмь приближениꙗ на приставьничьство· или [18] тиоуньство призываѥмомъ· таково приимати слоужениѥ

λιτρῶν ἡ ἐκκλησία πρόσοδον ἔχει, παρέχειν ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα ιη'. καὶ τοῖς ἐξ ἔθους νομίσματα κδ'. εἰ δὲ ἔλαττον τῶν τριῶν, οὐκ ἔλαττον δὲ τῶν δύο τοῦ χρυσίου λιτρῶν ἡ ποσότης τῶν προσόδων τῆς ἐκκλησίας εὑρεθείη, διδόναι ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα ιβ', πάσης δὲ ἄλλης συνηθείας νομίσματα ις'. ἐπίσκοπον γὰρ ἐκκλησίας, ἔλαττον δὲ δύο χρυσίου λιτρῶν πρόσοδον ἐχούσης οὐδὲ ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν, οὐδὲ ὑπὲρ ἄλλης οἱασδήποτε συνηθείας δοῦναί τι συγχωροῦμεν. ταῦτα δὲ ὑποδεχόμενα ὁ ἀρχιπρεσβύτερος[1] καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος τοῦ χειροτονοῦντος ἐπισκόπου τοῖς ἐξ ἔθους διαιρείτωσαν.

λγ'. Εἰ δὲ συμβῇ τὸν χειροτονούμενον ἐπίσκοπον ὑπὸ τὴν τοῦ ἰδίου γονέως ἐξουσίαν εἶναι, ἐξ αὐτῆς τῆς χειροτονίας αὐτεξούσιος ἔστω. τοὺς δὲ θεοφιλεστάτους ἐπισκόπους καὶ μοναχοὺς ἐκ μηδενὸς νόμου ἐπιτρόπους ἢ κουράτορας οἱουδήποτε προσώπου γίνεσθαι συγχωροῦμεν.

λδ'. Τοὺς δὲ πρεσβυτέρους καὶ διακόνους καὶ (л. 270^b) ὑποδιακόνους τῷ δικαίῳ καὶ μόνῳ τῆς συγγενείας εἰς ἐπιτροπὴν ‹ἢ› κουρατορίαν καλουμένους τὴν τοιαύτην ὑποδέχεσθαι λειτουργίαν

1) литръ *Н.* 2) даꙗти *С.* 3) старѣиши *ПС.* 4) ѿ *проп. С.* 5) пра҃· л҃г· *Н.* 6) ли *проп. Н.* 7) ключить *Н.* 8) епископоу *П.* 9) да *проп. Н.* 10) же *cod. in m.*; же *проп. Н.* 11) епископомъ *П.* 12) оунъ *С.* 13) досоуда *добавл. С киноварью и cod.* (*in m. рукой XIII в.*). 14) пра҃· л҃д· *П*; *У проп. всю главу 34.* 15) подьꙗкомъ *Н.* 16) правилнѣмь *Н.* 17) и *проп. Н.* 18) на *вставл. Н.*

1) между αρ҃ и πρεσβύτερος выскобл. cod. около 11 буквъ.

подаѥмъ· аще ли оубо· равьно четырь[1] лиць причитаѥмомъ· ѿнодѣ[2] же при|зъвани[3] бѣша·[4] ѿ подобьнаго соудиꙗ·[5] написаньно ꙗвѧть· таковоѥ слоужениѥ· своимь изволѥниѥмь приꙗти· и[6] ничьсо[7] же ѿ иного[8] тиоуньства· ѡсоуждениꙗ прѣтьрпѣвати·

҃лє·[9] Нъ ни приставьника· нъ ни въземлющаго· людьскыихъ съвершении· или[10] наимьника даньмъ· или иножднихъ сътѧжании· или състроителꙗ[11] домоу· или заповѣдающаго[12] пьрю· или пороучьника· о таковыихъ винахъ еп҃коу и[13] строителю· или иномоу клирикоу· коѥго когда чиноу· или мьнихоу· или своимь имениьмь· или цр҃ковьныимь· или манастырьскыимь· въходити не дамь· аще оубо цр҃къвамъ[14] или манастыремъ· притѧжаниꙗ[15] нѣкаꙗ· прилежаща обрѧщютьсѧ[16] и хотѧть строителѥ·[17] тѣхъ благочьстивыихъ домовъ· въ наиманиѥ· или въ насажениѥ сиꙗ[18] приимати· тогда вьсѣмъ клирикомъ и мьнихомъ· или[19] въ съвѣтѣ· о дѣꙗнии въспоминаниꙗ съключьшаагосѧ и ꙗвлꙗющемъ·[20] о пользьнѣмь хотѧщиимь[21] быти· тоѥ

συγχωροῦμεν, εἰ[1] μέντοι γε εἴσω δ' μηνῶν ἀριθμουμένων, ἐξ οὗ ἐκλήθησαν, παρὰ τῷ ἁρμοδίῳ δικαστῇ л. 298 b. ἐγγράφως φανερώσουσιν τὸ τοιοῦτο λειτούργημα οἰκείᾳ προαιρέσει καταδέξασθαι καὶ μηδὲν ἐκ τούτου περὶ ἄλλην κουρατορίαν πρόκριμα ὑπομένειν.

λε'. Ἀλλ' οὐδὲ ἐκλήπτορα ἢ ἀπαιτητὴν δημοσίων συντελειῶν, ἢ μισθωτὴν τελῶν ἢ ἀλλοτρίων κτήσεων, ἢ κουράτορα οἴκου, ἢ ἐντολέα δίκης, ἢ ἐγγυητὴν ὑπὲρ τῶν τοιούτων αἰτιῶν[2] ἐπίσκοπον ἢ οἰκονόμον ἢ ἄλλον κληρικὸν οἱουδήποτε βαθμοῦ ἢ μοναχὸν ἢ ἰδίῳ ὀνόματι ἢ τῆς ἐκκλησίας ἢ τοῦ μοναστηρίου ὑπεισιέναι συγχωροῦμεν. εἰ μέντοι ἐκκλησίαις ἢ μοναστηρίοις κτήσεις τινὲς παρακείμεναι εὑρεθῶσιν καὶ βουληθεῖεν οἱ διοικηταὶ τῶν αὐτῶν εὐαγῶν οἴκων[3] εἰς μίσθωσιν ἢ ἐμφύτευσιν ταύτας λαβεῖν, τηνικαῦτα πάντων τῶν κληρικῶν[4] καὶ τῶν μοναχῶν ἢ ἐν τῷ συμβολαίῳ ἢ ἐπὶ πράξεως ὑπομνημάτων συναινούντων καὶ φανερούντων ὑπὲρ τοῦ συμφέροντος γίνεσθαι. τὸ αὐτὸ

1) чресъ *H.* 2) ѿнодоу *H.* 3) прин҃ѣ *C.* 4) быша *H.* 5) соудбы *H.* 6) и *проп. H.* 7) ничто *H.* 8) оного *H.* 9) *cod. перепр. изъ* кє; пра҃· ҃лє· *H; У проп. всю главу 35.* 10) и *П.* 11) строителѧ *H.* 12) извѣщающаго *H.* 13) или *НП.* 14) црк҃вамъ *cod.* 15) притѧжаньѥмь *H.* 16) ѿбрѧщють҃ прилежаща *H.* 17) строители *H.* 18) сиꙗ *проп. H.* 19) и *H.* 20) ꙗвлѧющимъ *H.* 21) хотѧщемь *H.*

1) ἡ cod. 2) αἴτιων cod. 3) οἴχων cod. такъ какъ выскобл. облеч. удар. надъ ω. 4) cod. между κληρ и ιχῶν выскобл. двѣ буквы.

же и[1] къ самѣмъ вьсѣмъ·[2] прѣстыимъ црквамъ власть подаѥмъ· наиманиꙗ и насаждениꙗ[3] сътворити·[4] клирика[5] тако же своихъ црквъ притѫжаниꙗ[6] намъ наимовати· разоумѣмь оубо епспа и строителꙗ· прѣвольшемъ[7] лицемъ· ꙗже дроугыимь законьмь се творити възбранихомъ·

.299 a. лг·[8] Ни ѥдиномоу же ѿ кънѧзь подобаѥть· бглюбивыихъ епспъ· ноудити[9] на соудище приходити· о подании[10] съвѣдѣниꙗ·[11] нъ соуди[12] да[13] поущаѥть нѣкыꙗ ѿ слоужащихъ ѥмоу· да прѣдълежащемъ[14] стыимъ[15] еваньгелиѥмъ· по[16] подобьствоу чистителѥмъ· рекоуть ꙗже[17] съвѣдѫть· нъ ни имѣниꙗ ради или прѣгрѣшениꙗ ради вины· епспоу кънѧзю гражаньскоуоумоу·[18] или къ воинникоу·[19] неволѥю ѥдиномоу[20] быти[21] или прѣстоꙗти·[22] бес црѣ[23] повелѣниꙗ подаѥмъ· нъ[24] кънѧзю се[25] повелѣти·[26] или написаньно или ненаписаньно· дьрзноувъшаего· по отѫтии[27] поꙗса·

δὲ καὶ πρὸς ἀλλήλους πάσαις ταῖς ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις (л. 279ª) ἄδειαν διδόαμεν[1] μισθώσεις καὶ ἐμφυτεύσεις ποιεῖν, καὶ τοῖς κληρικοῖς ὁμοίως τῶν οἰκείων ἐκκλησιῶν τὰς κτήσεις μισθοῦσθαι, γνώμῃ μὲν τοῦ ἐπισκόπου καὶ τοῦ οἰκονόμου, ἐξῃρημένων τῶν προσώπων, ἅτινα δι' ἑτέρου νόμου τοῦτο ποιεῖν ἐκωλύσαμεν.

λς'. Οὐδενὶ δὲ τῶν ἀρχόντων ἐξέσται[2] τοὺς θεοφιλεστάτους ἐπισκόπους ἀναγκάζειν εἰς δικαστήριον παραγίνεσθαι ὑπὲρ τοῦ νεῖμαι μαρτυρίαν· ἀλλ' ὁ δικαστὴς πεμπέτω τινὰς τῶν ἐξυπηρετουμένων αὐτῷ, ἵνα προκειμένων τῶν ἁγίων εὐαγγελίων κατὰ τὸ πρέπον ἱερεῦσιν εἴπωσιν ἅπερ γινώσκουσιν. ἀλλ' οὐδὲ ὑπὲρ χρηματικῆς ἢ ἐγκληματικῆς αἰτίας ἐπίσκοπον πρὸς ἄρχοντα πολιτικὸν ἢ στρατιωτικὸν ἄκοντα ἰδίᾳ γενέσθαι ἢ παρίστασθαι δίχα βασιλικῆς κελεύσεως συγχωροῦμεν, ἀλλὰ τὸν ἄρχοντα τὸν τοῦτο εἴτε ἐγγράφως εἴτε ἀγράφως προστάξαι τολμήσαντα μετὰ τὴν τῆς ζώνης ἀφαίρεσιν

1) и *проп. H.* 2) къ *H.* 3) и насаждениꙗ *проп. C.* 4) створи *H.* 5) клирикомъ *HП.* 6) притѫжании *H.* 7) прѣволшимь *H.* 8) лг *проп. HP; У проп. всю главу 36.* 9) ноудимъ *H.* 10) о подании *проп. P.* 11) вѣдѣниꙗ *P.* 12) сѹ *C;* соудии *H.* 13) да *проп. P.* 14) прѣлежащии *ПH.* 15) стыимъ *проп. H.* 16) по *проп. P.* 17) иже *P.* 18) градьскомоу *HP.* 19) нвоиникоу *П.* 20) ѥдиномоу *проп. H.* 21) быти ѥдиномоу *P.* 22) предъстоꙗти *HПC.* 23) црѣ *ПC;* цр҃ва *P.* 24) къ *П.* 25) же *H;* се *проп. P.* 26) повелѣвати *C.* 27) ѿтѫти *C.*

1) cod. α переправл. изъ υ и между α и μεν выскобл. 2—3 буквы. 2) ἔξεσται cod.

и въ моукы вълагаемоу· и въ изгънанию[1] поущаемоу·[2]

л҃з·[3] Отърицаемъ же прп҃дбнымъ[4] еп҃пмъ· и попомъ и диякономъ· и чьтьцемъ·[5] и вьсякомоу иномоу· якокоумоу же бл҃гобоязнивоумоу чиноу· соущомоу лѣка[6] играти·[7] или таковая играющимъ· обычьникомъ· или позоратаемъ[8] бывати[9] и[10] въ таковѣмь оубо видѣнии·[11] видѣния[12] ради приходить·[13] аще ли къто[14] ѿ нихъ то[15] съгрѣшить· повелѣваемъ[16] таковаго·[17] г҃· лѣ҃т· вьсякого бл҃гобоязниваго слоужения възбраняти·[18] и въ манастырь въдагати·

л҃и·[19] Ни единомоу же еп҃поу· поудити· каковаго[20] клирика· подъ нимь соуща· ѿ своего клироса ѿпоущати·

л҃ѳ·[21] Вьсѣмъ же еп҃помъ· и попомъ ѿрицаемъ· яко не ѿлоучати кого ѿ ст҃аго обыщения· прѣже даже не[22] явиться вина· еяже ради цр҃квьнии[23] канони·[24] се повелѣвають[25] бывати· аще ли къто чрѣсъ си[26] ѿ ст҃го

1) ³гнанія *C*. 2) поущаемъ *H; се писат добавл. C киноварью.* 3) л҃з *проп. P;* пра҃· л҃з· *H;* се пи҃с *cod. in m. рукой XIII в.* 4) же *оставл. H.* 5) черньцо҃ *C.* 6) лѣкы *H.* 7) игратіи *H.* 8) позаратаемъ *P.* 9) быти *H.* 10) и *проп. HP.* 11) вѣдѣнія *H.* 12) вѣдѣнія *H.* 13) приходіти *H.* 14) то *P.* 15) кто *P.* 16) повелѣемь *H.* 17) тако въ *C.* 18) възбранити *H.* 19) пра҃· ли· *H.* 20) таковаго *C.* 21) л҃ѳ *проп. P;* пра҃· л҃ѳ· *H.* 22) не *проп. HУ.* 23) цьркъвьниковьни *У, но* ковьи *выскобл.* 24) канони *H;* каконн *C.* 25) повелѣваеть *P.* 26) лѕ *вставл. C позднѣйш. рукой.*

καὶ βασάνοις ὑποβαλλομένου καὶ ἐν ἐξορίᾳ πεμπομένου.

λζ'. Ἀναγορεύομεν δὲ τοῖς ὁσιωτάτοις ἐπισκόποις καὶ πρεσβυτέροις καὶ διακόνοις καὶ ἀναγνώσταις καὶ παντὶ ἄλλῳ οἱῳδήποτε εὐλαβεστάτῳ τάγματος ἢ σχήματος καθεστῶτα ταβλίζειν, ἢ τῶν τοιαῦτα παιζόντων κοινωνοὺς ἢ θεωρητὰς γενέσθαι, ἢ εἰς οἱανδήποτε θέαν τοῦ θεωρῆσαι χά(л. 271ᵇ)ριν[1] παραγενέσθαι. εἰ δέ τις ἐξ αὐτῶν τοῦτο ἁμάρτοι, κελεύομεν τοῦτον ἐπὶ τρεῖς ἐνιαυτοὺς πάσης εὐλαβοῦς ὑπουργίας κωλύεσθαι καὶ ἐν μοναστηρίῳ ἐμβάλλεσθαι.

λη'. Μηδένα δὲ ἐπίσκοπον καταναγκάζεσθαι οἱονδήποτε κληρικὸν ὑπ' αὐτὸν ὄντα τοῦ ἰδίου κλήρου ἀπολύειν.

λθ'. Πᾶσι δὲ τοῖς ἐπισκόποις καὶ πρεσβυτέροις ἀπαγορεύομεν οὐ μὴ[2] χωρίζειν τινὰ τῆς ἁγίας κοινωνίας, πρὶν ἡ αἰτία δειχθῇ, δι' ἣν οἱ ἐκκλησιαστικοὶ κανόνες τοῦτο κελεύουσιν γενέσθαι. εἰ δέ τις παρὰ ταῦτα τῆς ἁγίας

1) χα(л. 271ᵇ)χάριν cod. 2) οὐ μὴ cod. in m.

л. 299 b. | обьщениꙗ ѿлоучить·[1] онъ оубо ꙗко неправьдьнъ ѿ[2] обьщениꙗ ѿлоученъ бъıсть· раздроушаѥмоу[3] разлоученню ѿ большаго чистителѧ ст҃аго да съподобитьсѧ обьщениꙗ· неправьдьно же[4] ѿлоучивъıи· ѿ чистителꙗ· подъ нимьже оучиненъ[5] ѥсть ѿлоученъ[6] боудеть на ѥлико[7] же лѣто[8] ѡнъ съвѣсть·

м҃·[9] Нъ ни своима роукама подобаѥть еп҃поу· кого бити· се бо щюже ѥсть чистителꙗ·[10]

м҃а·[11] Аще же къто еп҃пъ·[12] по црк҃выныимъ каноном· чистительства изгънанъ боудеть· дьрьзнеть вънити въ градъ· из[13] негоже изгънанъ бъıвъ· или оставити мѣсто на немьже повелѣно[14] бъıсть прѣбъıвати· повелѣваѥмъ того· въ[15] манастъıри[16] въ инои епархии соущи[17] прѣдати· да ѥже въ чистительствѣ съгрѣши·[18] прѣбъıваꙗ въ манастъıри[19] исправить·

м҃в·[20] Клирикомъ же не инако подаѥмъ поставлѥномъ бъıти· аще не кънигъ[21] вѣдать· и правоу[22] вѣроу

κοινωνίας τινὰ χωρίσοι, ἐκεῖνος μὲν ὡς ἄδικος ἀπὸ τῆς κοινωνίας ἀπεχωρίσθη, λυομένου τοῦ χωρισμοῦ ὑπὸ μείζονος ἱερέως τῆς ἁγίας ἀξιούσθω κοινωνίας, ὁ δὲ ἀδίκως χωρίσας ὑπὸ τοῦ ἱερέως, ὑφ' ὃν τέτακται, χωρισθήσεται, ἐφ' ὅσον χρόνον ἐκεῖνος συνείδοι.

μ'. Ἀλλ' οὐδὲ οἰκείαις χερσὶν ἔξεστιν ἐπισκόπῳ τινὰ πλήττειν· τοῦτο γὰρ ἀλλότριόν ἐστιν ἱερέως.

μα'. Εἴ τις δὲ ἐπίσκοπος κατὰ τοὺς ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας τῆς ἱερωσύνης ἐκβληθεὶς τολμήσειεν ἐπιβῆναι τῆς πόλεως, ἀφ' ἧς ἐξεβλήθη, ἢ καταλιπεῖν τὸν τόπον, ἐν ᾧ ἐκελεύσθη διάγειν, κελεύομεν τοῦτον ἐν μοναστηρίῳ ἐν ἄλλῃ ἐπαρχίᾳ καθεστῶτι παραδίδοσθαι, ἵνα, ἅπερ ἐν τῇ ἱερωσύνῃ ἥμαρτεν, διάγων ἐν τῷ μοναστηρίῳ διορθώσηται.

μβ'. Κληρικοὺς δὲ οὐκ ἄλλως συγχωροῦμεν χειροτονεῖσθαι, (л. 272a) εἰ μὴ γράμματα ἴσασιν καὶ ὀρθὴν πίστιν

1) оуѿлоучить *cod.* 2) обьщениꙗ ѿлоучить онъ оубо ꙗко неправьдьнъ ѿ *проп. Р.* 3) раздроушаемь *И.* 4) ѥже *Р.* 5) вчиниѥнъ *И.* 6) да *вставл. Н.* 7) ѥлико *Н.* 8) лѣтъ *Н.* 9) м҃ *проп. Р;* пра҃· м҃· *И.* 10) ч҃тител *Р.* 11) м҃а *проп. Р;* пра҃· м҃а· *Н.* 12) ѥп҃поу *Р.* 13) иж *У.* 14) повелѣнъ *И.* 15) въ *проп. И.* 16) манастырь *ИР;* мастъıри *У.* 17) соущии *УИ.* 18) да ѥже въ чистительствѣ съгрѣши *проп. Р.* 19) да *вставл. Р.* 20) м҃в *проп. Р;* пра҃· м҃в· *И.* 21) кингъı *Р.* 22) правоую *И.*

и чисто житиѥ имоуть· и ни[1] отъреченъı[2] законъмь· и б҃жьствьнъıими[3] канонъı[4] приѥмлють бракъ·

м҃г·[5] Прозвутероу[6] же мьниѥ· л҃· л҃ѣ· не повелѣваѥмъ поставлѥноу бъıти· нъ ни[7] дияꙗкона ни[8] подьꙗкона·[9] мьниѥ· к҃· и·[10] е҃· л҃ѣ· слоужьбьници же[11] въ ст҃ѣи цркви поставлꙗти· ꙗже[12] не мьниѥ боудеть· м҃· л҃ѣ· или въторъıи приде бракъ· аще ли врѣмѧ поставлѥниꙗ·[13] клироса·[14] ꙗкого[15] же аще чиноу· ѡглгъникъ възникнеть[16] вьсѧ да[17] проидоуть· ꙗже въ епископлихъ поставлѥнихъ· вꙑше[18] проповѣдахомъ·[19]

м҃д·[20] Не инако же поставлꙗти дияꙗкона· неженивъшаагосѧ· аще не пьрвѣѥ[21] исповѣсть отъ дѣлесъ моци·

м҃е·[22] И[23] безъ законьнꙑꙗ женитвꙑ чисто жити[24] не могоущю[25] поставлꙗющюмоу· въ врѣмѧ поставлѥниꙗ· повелѣвати дьꙗконоу· или подияꙗконоу по[26] поставлѥнии подроужиѥ поимати· аще ли то боудеть повелѣвꙑи еп҃пъ· отъ епископиꙗ[27] да иждеметьсѧ·

1) нъı *P.* 2) ѿречени *П*; ѿ *П.* 3) законъмь и б҃жьствьнъıими *проп. П.* 4) канонꙑи *П.* 5) м҃г *проп. P*; пра҃в· м҃г· *H.* 6) Презвитероу *H.* 7) и *H.* 8) и *HУ*; ни *проп. C.* 9) падьꙗкона *P*; подьꙗкона *проп. C.* 10) и *проп. H.* 11) иже *встав. H.* 12) же *P.* 13) поставлѥниѥ *P.* 14) клириса *C.* 15) ꙗко кого *П.* 16) възникъ *C.* 17) да *проп. HУ.* 18) вꙑше *C.* 19) пропов҃ѣдаѥмъ *H.* 20) м҃д *проп. P*; пра҃в· м҃д· *H.* 21) перьвоѥ *П.* 22) м҃е *проп. P*; пра҃в· м҃е· *H.* 23) И *проп. P и слѣдующее слово начинаетъ съ заглавной буквы.* 24) чити *C.* 25) могоуще *H.* 26) по *проп. P.* 27) еп҃ъства *P*; епископа *C.*

καὶ βίον σεμνὸν ἔχουσιν καὶ μήτε ἀπηγορευμένον[1] τῷ νόμῳ καὶ τοῖς θείοις κανόσιν λαμβάνουσι γάμον.

μγ'. Πρεσβύτερον δὲ ἔλαττον τῶν λ' ἐνιαυτῶν γίνεσθαι οὐκ ἐπιτρέπομεν, ἀλλ' οὐδὲ διάκονον ἢ ὑποδιάκονον ἧττον τῶν κε', οὐδὲ ἀναγνώστην ἔλαττον τῶν η' ἐνιαυτῶν· διακόνισσαν δὲ ἐν ἁγίᾳ ἐκκλησίᾳ μὴ χειροτονεῖσθαι, ἥτις ἔλαττόν ἐστιν ἐτῶν μ', ἢ εἰς δευτέρους ἦλθεν γάμους. εἰ δὲ ἐν τῷ καιρῷ τῆς χειροτονίας τοῦ κληρικοῦ οἱουδήποτε τάγματος κα- л. 300 а.
τήγορος ἀναφανῇ, πάντα προβαινέτωσαν, ἅτινα ἐν ταῖς τῶν ἐπισκόπων χειροτονίαις ἀνωτέρω ἐθεσπίσαμεν.

μδ'. Μὴ ἄλλως δὲ χειροτονεῖσθαι διάκονον ἄγαμον, εἰ μὴ πρότερον ἐπαγγέλλεται δύνασθαι.

με'. Καὶ χωρὶς νομίμης γαμετῆς σεμνῶς βιοῦν οὐ δυναμένου τοῦ χειροτονήσαντος ἐν τῷ καιρῷ τῆς χειροτονίας ἐπιτρέπειν τῷ διακόνῳ ἢ ὑποδιακόνῳ μετὰ τὴν χειροτονίαν γαμετὴν λαμβάνειν. εἰ δὲ τοῦτο γένηται, ὁ ἐπιτρέψας ἐπίσκοπος τῆς ἐπισκοπῆς ἐκβαλλέσθω.

1) ἀπηγορευμένων было въ cod., но ω подскобл. въ ο.

м҃ѕ· [1] Аще ли по поставлении прозвутеръ [2] или диіаконъ [3] или подыіаконъ· [4] женоу приведеть· да ижденеться [5] ѿ клироса· [6] и съвѣтъмь врага· въ немьже клирикъ [7] бы҇· своими вещьми да [8] прѣданъ боудеть·

м҃з· [9] Аще ли чьтьць [10] въторою женоу приведеть· ли пьрвоую оубо въдовицю же [11] бывъшю· или съчетавъшюся съ моужьмь· или законъмь· или сщ҃енъними канонъ ѿреченъними· къ томоу въ инъ црк҇вьнъи чинъ да не въходить· [12] аще ли кацѣмь оубо [13] образъмь· на большии степень приведенъ боудеть· да ижденеться: и на пьрвѣмь да оустроіенъ [14] боудеть·

м҃и· [15] Нъ ни съвѣтьникъ· ни [16] воиньствьнъимъ клирикомъ [17] бывати· да не коіего [18] ѿ того [19] бл҃гочьстивомоу клиросоу· [20] роуганиіе боудеть· аще ли таковаіа лица въ клиросъ [21] причьтена [22] боудоуть· іако не бывъшю поставлению своимь [23] полоучениіемь· да оустроіени боудоуть· обаче аще не въправьдоу· мьнишьскоіе | л. 300 b. житиіе къть [24] ѿ нихъ и҆ мьніе· е҃і· лѣ·

μϛ'. Εἰ δὲ μετὰ τὴν χειροτονίαν πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ὑποδιάκονος γαμετὴν ἀγάγοιτο, ἐκβαλλέσθω τοῦ κλήρου καὶ τῇ βουλῇ τῆς πόλεως, ὑφ' ἣν κληρικὸς ἦν, μετὰ τῶν ἰδίων πραγμάτων παραδιδόσθω.

(л. 272[b]) μζ'. Εἰ δὲ ἀναγνώστης δευτέραν γαμετὴν ἀγάγεται, ἢ πρώτην μέν, χήραν δὲ ἢ διαζευχθεῖσαν ἀνδρὸς ἢ τοῖς ἱεροῖς κανόσιν ἀπηγορευμένην, μηκέτι εἰς ἄλλον ἐκκλησιαστικὸν βαθμὸν προβαινέτω. εἰ δὲ οἱῳδήποτε τρόπῳ εἰς μείζονα βαθμὸν προαχθεῖεν, ἐκβαλλέσθω καὶ τοῦ προτέρου ἀποκαθιστάσθω.

μη'. Ἀλλὰ μηδὲ βουλευτὰς ἢ ταξεώτας κληρικοὺς γενέσθαι, ἵνα μή τις ἐκ τούτου τῷ εὐαγεῖ κλήρῳ ὕβρις προσγένηται. εἰ δὲ τὰ τοιαῦτα πρόσωπα ἐν κλήρῳ καταταγῇ, ὡς μηδὲ γενομένης τῆς χειροτονίας τῇ ἰδίᾳ τύχῃ ἀποκαθιστάσθωσαν, πλὴν εἰ μὴ ὡς εἰκὸς μοναχικὸν βίον τις αὐτῶν οὐκ ἔλαττον ιε' ἐνιαυτῶν

---

1) мѕ *проп. P*; пра҇· м҃г· *H*. 2) презвоутеръ *HP*. 3) діакомъ *C*. 4) или подьіаконъ *проп. H*. 5) женеться *P*. 6) крилоса *H*. 7) криликъ *H*; клиросъ *P*. 8) да *проп. P*. 9) м҃з *проп. P*; пра҇· м҃з· *H*. 10) чьтьць *cod. надпис. надъ строкой*. 11) же *проп. H*. 12) вниде́ть *H*. 13) оубо *проп. H*. 14) въстроіенъ *H*. 15) м҃и *проп. P*; пра҇· м҃и· *H*. 16) нъ *P*. 17) криликомъ *H*. 18) коіе *H*. 19) кого *P*. 20) крилосоу *H*; клирикȣ *C*. 21) крилосъ *H*. 22) причтенъ *P*; причтана *C*. 23) поимъ *P*. 24) кто *HPCHУ*.

съвьршить· таковꙑꙗ поставлꙗти повелѣваѥмъ·[1] законьнѣи части· ꙗвѣ ꙗко ѿ съвѣтьникъ[2] съвѣтъмь· и[3] людьскꙑимъ подаѥми·

мд҃·[4] Аще къто клирикъ·[5] ѿ кого[6] когда чиноу или строитель· бл҃гочьстиваго коѥго мѣста· или прѣже поставлѥниꙗ· или прѣже пороученааго ѥмоу строѥниꙗ или попечениꙗ· или по сихъ въсхощеть чьсо·[7] имѣниꙗ принести къ цр҃кви· или на мѣсто· ѥгоже строѥниѥ или попечениѥ[8] въсприимаѥть·[9] не тъкмо [не][10] възбранꙗѥмъ·[11] томоу бꙑвати· нъ и паче повелѣваѥмъ имъ· таковаꙗ[12] за сп҃сениѥ своѥꙗ[13] дш҃а[14] творити· мꙑ бо онѣхъ ѥдинѣхъ подаꙗти възбранꙗѥмъ· неправьдьнꙑимь нѣкꙑмь лицьмь подаꙗти· не[15] оубо пр҃стꙑимъ цр҃квамъ· или [и]нѣмъ[16] бл҃гочьстивꙑимъ домомъ приносимаꙗ·[17]

н҃·[18] Аще рабъ вѣдоущю и не прѣкꙑ гл҃ющю г҃поу[19] въ клиросѣ[20] причьтенъ боудеть· ѿ того[21] причьтениꙗ свободьнъ[22] и бл҃городьнъ да[23] боудеть· аще ли невѣдоущю[24] г҃ноу

διήνυσεν, τοὺς τοιούτους χειροτονεῖσθαι κελεύομεν, τῆς νομίμης[1] δηλονότι μοίρας ἀπὸ τοῦ βουλευτοῦ τῇ βουλῇ καὶ τῷ δημοσίῳ διδομένης.

μθ'. Εἴ τις δὲ κληρικὸς οἱουδήποτε βαθμοῦ ἢ διοικητὴς εὐαγοῦς οἱουδήποτε τόπου ἢ πρὸ τῆς χειροτονίας ἢ πρὸ τῆς ἐμπιστευθείσης αὐτῷ διοικήσεως ἢ φροντίδος ἢ μετὰ ταῦτα βουληθείη τι τῶν ἰδίων πραγμάτων προσαγαγεῖν τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ τῷ τόπῳ, οὗτινος τὴν διοίκησιν ἢ τὴν φροντίδα ἀναδέχεται, οὐ μόνον οὐ κωλύομεν τοῦτο γίνεσθαι, ἀλλὰ καὶ (л. 273^a) μᾶλλον ἐπιτρέπομεν αὐτοῖς τὰ τοιαῦτα ὑπὲρ τῆς σωτηρίας τῆς ἰδίας ψυχῆς ποιεῖν· ἡμεῖς γὰρ ἐκεῖνα μόνα δίδοσθαι κωλύομεν, ἀδίκοις τισὶν προσώποις παρέχεται, οὐ μέντοι ταῖς ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις ἢ τοῖς ἄλλοις εὐαγέσιν οἴκοις προσφερόμενα.

ν'. Ἐὰν δοῦλος εἰδότος καὶ οὐκ ἀντιλέγοντος τοῦ δεσπότου ἐν κλήρῳ καταλεγῇ, ἐξ αὐτοῦ τοῦ καταταγῆναι ἐλεύθερος καὶ εὐγενὴς ἔστω. εἰ γὰρ ἀγνοοῦντος τοῦ δεσπότου

1) повелѣѥмъ *У*. 2) вѣтьникъ *УП*; сотникъ *С*. 3) и *проп. Н.* 4) пра҇· мд҃· *Н.* 5) криликъ *П*; кририкъ *С.* 6) коѥго *НУ.* 7) что *Н.* 8) или по сихъ въсхощеть... попечениѥ *проп. С.* 9) въсприимаютъ *Н.* 10) *вставка изъ Н.* 11) въсправлаемъ *С.* 12) имъ таковаꙗ *проп. Н.* 13) своѥꙗ *проп. Н.* 14) дш҃а *проп. П.* 15) но *П.* 16) *исправл. по НПУ.* 17) приснмаꙗ *У.* 18) пра҇· н҃· *Н.* 19) г҃ню *У.* 20) крiросѣ *П.* 21) го *У.* 22) сводьнъ *У*; свобожєнъ *С*; боудеть *вставл. Н.* 23) да *проп. НУ.* 24) невѣщꙋ *С.*

1) cod. переправл. изъ νομικῆς.

поставлѥние боудеть·[1] подобаѥть же г҇поу равьно прооуставлѥние ѥдиного лѣта· того полоученнѥ[2] показꙑвати· и въсприимати своѥго раба· аще ли рабъ· или вѣдоуще или невѣдоуще г҇поу·[3] причьтенъ бывъ [въ][4] коѥмь оубо[5] чиноу· цр҇квьноѥ слоуженнѥ[6] да оставить· и въ простъıхъ· да прѣидеть житиѥ своѥмоу г҇поу въ работоу да прѣдаѥтьсѧ·

н҇а·[7] Аще ли въ написанꙑихъ тъкъмо· въ притѧжани|ихъ·[8] (л. 301 а.) ѥмоуже соуть написани[9] клирици· и чрѣсъ разоумъ господии[10] бывати подаѥмъ· тако оубо клирикомъ имъ бывающемъ· належащеѥ имъ дѣлательство[11] испълнꙗти·

н҇в·[12] Попꙑ же и дьıаконꙑ и чьтьцѧ и пѣвьцѧ·[13] вьсѧ клирикꙑ наричемъ·[14] вещи же· ацѣмь же образъмь свою г҇доу[15] прѣшьдъшаꙗ· имѣти подъ своѥю властию повелѣваѥмъ по образоу сагтвоѥнгог[16] притѧжанꙗ подаꙗти законоу· и въ тѣхъ прѣбꙑвати и[17] подъ родитель властию соуть·

ἡ χειροτονία γένηται, ἐξέστω δὲ τῷ δεσπότῃ εἴσω προθεσμίας ἑνὸς ἐνιαυτοῦ τούτου τὴν τύχην ἀποδεικνύειν καὶ τὸν ἴδιον δοῦλον ἀναλαμβάνειν.[1] εἰ δὲ δοῦλος εἴτε εἰδότος εἴτε ἀγνοοῦντος τοῦ δεσπότου καταλεγεὶς ἐν οἱῳδήποτε βαθμῷ τὴν ἐκκλησιαστικὴν ὑπηρεσίαν καταλείψῃ καὶ εἰς κοσμικὸν μετέλθοι βίον, τῷ ἰδίῳ δεσποτῇ εἰς δουλείαν παραδίδοσθαι.

να'. Εἰ δὲ ἐναπογράφους ἐν αὐταῖς μόνον ταῖς κτήσεσιν, ᾧ εἰσὶν ἐναπόγραφοι, κληρικοὺς καὶ παρὰ γνώμην τῶν δεσποτῶν γενέσθαι συγχωροῦμεν, οὕτω μέντοι γε, ὥστε κληρικοὺς αὐτοὺς γινομένους τὴν ἐπικειμένην αὐτοῖς γεωργίαν πληροῦν.

νβ'. Τοὺς δὲ πρεσβυτέρους καὶ διακόνους καὶ ἀναγνώστας καὶ ψάλτας τοὺς πάντας κληρικοὺς καλοῦμεν, καὶ τὰ πράγματα τὰ οἱῳδήποτε τρόπῳ εἰς τὴν αὐτὴν δεσπο(л. 273[b])τείαν περιελθόντα ἔχειν ὑπὸ τὴν ἰδίαν ἐξουσίαν προστάττομεν καθ' ὁμοιότητα CASTRENSIOΓ κούλιον, καὶ δωρεῖσθαι κατὰ τοὺς νόμους καὶ ἐπ' αὐτοῖς διαγίνεσθαι, καὶ ὑπὸ τὴν τῶν γονέων εἰσὶν ἐξουσίαν,

---

1) аще ли невѣдоущю г҇поу поставлѥниѥ боудеть *проп. НУ.* 2) полоучити *С.* 3) г҇ню *У.* 4) *вставка изъ СН.* 5) оубо *проп. Н.* 6) слоуженниѥ *проп. С.* 7) пра҇ н҇а· *Н.* 8) притѧжениꙗхъ *П.* 9) написали *П*; написанꙑмъ *Н.* 10) г҇дъı *Н.* 11) тѣлательство *С, но позднѣйш. рукой по начальному* т *написано* д. 12) пра҇ н҇в· *Н.* 13) и *вставл. Н.* 14) наречемъ *С.* 15) г҇нꙋ *С.* 16) сагтвоѥнгог *проп. НУ.* 17) и *проп. Н.*

1) cod. ἀνα переправл. здѣсь изъ ἀπο.

тако[1] оубо ꙗко тѣхъ дѣти· или тѣмъ не рекъшемъ родителемъ ихъ· законьноую часть приимати·

н҃г·[2] Бл҃гобоꙗзнивъıимъ же попомъ и диꙗкономъ· и[3] аще обрѧщоутьсѧ ѿ[4] имѣньнѣи[5] винѣ· лъже послоушьствовавъше довъльѥть въ моукъ мѣсто· за· г҃· лѣ҃·[6] Ѿлоучати бж҃ьствьнааго слоужениꙗ· и въ манастъıрѧ прѣдаꙗти· о прѣгрѣшенъıихъ же винахъ· лъже послоушьство рекше· клироса обнажьше·[7] въ законьнъıꙗ въложити моукы повелѣваѥмъ· прочаꙗ же въ цр҃кьнъıихъ чинъхъ[8] съпоминаѥмъıꙗ въ лъже послоушьство· въ какои[9] оубо вещи· или въ имѣнии· или въ прѣгрѣшении[10] нареченѣ[11] обличени боудоуть· не тъкъмо клироса· и ѿ цр҃кьнааго чиноу издриноути· нъ и въ моукоу въложити·[12]

н҃д·[13] Аще къто на коѥго клирика· или мьниха· или на слоужьбьницю· или на чьрноризицю имать коу|ю пьрю· да наоучить[14] пьрвѣѥ· прп҃дбьнааго еп҃па· ѥмоуже къıжьдо подълежить· онъ же вещь межю ими да соудить· и[15] аще каꙗжьдо часть· соуженъıими[16] оумълчить· повелѣваѥмъ

οὕτω μέντοι γε, ὥστε τοὺς τούτων παῖδας ἢ τούτων μὴ εἰπόντων τοὺς γονεῖς αὐτῶν τὸ νόμιμον μέρος κομίζεσθαι.

νγʹ. Τοῖς δὲ εὐλαβεστάτοις πρεσβυτέροις καὶ διακόνοις, καὶ εἰ εὑρεθεῖεν ὑπὲρ χρηματικῆς αἰτίας ψευδῆ μαρτυρήσαντες, ἀρκήσῃ ἀντὶ βασάνων ἐπὶ τρεῖς ἐνιαυτοὺς χωρίζεσθαι τῆς θείας ὑπηρεσίας καὶ μοναστηρίοις παραδίδοσθαι. ὑπὲρ δὲ ἐγκληματικῶν αἰτιῶν ψευδῆ μαρτυρίαν εἴποιεν, τοῦ κλήρου γυμνουμένους ταῖς νομίμοις ὑποβάλλεσθαι ποιναῖς προστάττομεν. τοὺς δὲ λοιποὺς τοὺς ἐν ταῖς ἐκκλησιαστικαῖς τάξεσιν ἀναφερομένους εἰς πλαστὴν μαρτυρίαν, ἐν οἱῳδήποτε πράγματι ἢ χρηματικῷ εἴτε ἐγκληματικῷ εἰρηκέναι διελεγχθείησαν, μὴ μόνον τοῦ κλήρου καὶ τῆς ἐκκλησιαστικῆς τάξεως ἐκβάλλεσθαι, ἀλλὰ καὶ βασάνοις ὑποβάλλεσθαι.

νδʹ. Εἴ τις κατά τινος κληρικοῦ ἢ μοναχοῦ ἢ διακονίσσης ἢ ἀσκητρίας ἔχει τινὰ ἐναγωγήν, διδασκέτω πρότε- л. 301 b.
ρον τὸν ὁσιώτατον ἐπίσκοπον, ᾧτινι τούτῳ[1] ἕκαστος ὑπόκειται· ἐκεῖνος δὲ τὸ πρᾶγμα μεταξὺ αὐτῶν δια(л. 274a)κρινέτω. καὶ εἰ μὲν ἑκάτερον μέρος τοῖς κεκριμένοις ἐφησυχάσει, κελεύομεν διὰ

1) таково *Н.* 2) пра҃· н҃г· *Н.* 3) и *проп. Н.* 4) ѿ *Н.* 5) имѣнинѣи *Н.* 6) лѣта *С.* 7) обнаш҃ь *С.* 8) цр҃квьнъıи чинъ *Н.* 9) како *У.* 10) прѣшении *УС.* 11) нареченѣ *проп. Н.* 12) досѹда *добавл. С и cod. (in m. рукой XIII в.) киноварью.* 13) пра҃· н҃д· *Н; У проп. всю главу 54.* 14) наоучинъ *Н.* 15) и *проп. Н.* 16) ѿсоуженъıими *Н.*

1) cod. переправл. изъ τοῦτο.

къназемь сиꙗ· въ изведениѥ прѣдаꙗти· аще ли къто ѿ пьрѧщиихъ сѧ·[1] мьнѥ десѧти дьновъ· противоу речеть соуди[2] бывъшиихъ· тъгда соущии на мѣстѣ къназь выщь[3] да[4] испытаѥть· и аще обрѧщеть соудъ право бываюшь· и развѣ причьта[5] своѥго сии[6] да извѣстить· и[7] изведению[8] прѣдасть соуженаꙗ и не подобаѥть вътороѥ въ таковѣи вещи· подвигъшисѧ повѣдати пьрю· аще ли ѿ кназѧ[9] соудъ повиньнъ боудеть· соужденыихъ[10] ѿ бг҃олюбиваго еп҃па· тъгда мѣсто имѣти сънемлющю на соудъ къназꙗ· и по законоу же[11] тъ чинъ·[12] въспоминати же и обоучати аще оубо ѿ ц҃рьскааго[13] повелѣниꙗ или ѿ кънѧжа повелѣниꙗ·[14] еп҃пъ[15] соудить межю какыимь[16] лицьмь· сънемлюще[17] къ ц҃рьствоу·[18] или къ поустивъшюоумоу виноу да възносить·

пе҃·[19] Аще ли прѣгрѣшениѥ[20] боудеть на ньже[21] оубо ѿ въспомѧновеныихъ бл҃гобоꙗзнивыихъ[22] лиць· приводимыихъ· аще ѿ еп҃па

τοῦ ἄρχοντος ταῦτα ἐκβιβασμῷ παραδίδοσθαι. εἰ δέ τις τῶν δικαζομένων ἐντὸς δέκα ἡμερῶν ἀντείποι τοῖς κεκριμένοις, τηνικαῦτα ὁ ἐπὶ τὸν τόπον ἄρχων τὸ πρᾶγμα ἐξεταζέτω, καὶ εἰ εὕροι τὴν κρίσιν ὀρθῶς γινομένην, καὶ δίχα ψήφου ἰδίας ταύτην βεβαιούτω καὶ ἐκβιβασμῷ παραδότω τὰ κριθέντα καὶ μὴ ἐξέστω δεύτερον ἐν τῷ τοιούτῳ πράγματι κινηθέντι ἐγκαλεῖσθαι. εἰ δὲ ἡ παρὰ τοῦ ἄρχοντος ψῆφος ἐναντία εἴη τοῖς παρὰ τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου κεκριμένοις, τηνικαῦτα χώραν ἔχειν τὴν ἔκκλητον κατὰ τῆς ψήφου τοῦ ἄρχοντος, καὶ ταύτην κατὰ τὴν νόμων τάξιν ἀναφέρεσθαί τε καὶ γυμνάζεσθαι. εἰ μέντοι ἐκ βασιλικῆς κελεύσεως ἢ ἀρχοντικῆς προστάξεως ἐπίσκοπος κρίνει τὰ μεταξὺ οἱουδήποτε προσώπου, ἡ ἔκκλητος ἐπὶ τὴν βασιλείαν ἢ ἐπὶ τὸν παραπέμψαντα τὴν ὑπόθεσιν ἀναφερέσθω.

νε΄. Εἰ δὲ ἔγκλημα εἴη τὸ καθ' οἱονδήποτε τῶν μνημονευθέντων εὐλαβεστάτων προσώπων ἐπιφερομένων, εἰ μὲν παρ' ἐπισκόπῳ

1) нынѣ *вставл. Н.* 2) соудьи *Н.* 3) вещи *Н.* 4) да *проп. НП.* 5) соуперника *Н.* 6) си *Н.* 7) и *проп. Н*; ни *вставл. С.* 8) изведнїю *С.* 9) кнѧзь *П.* 10) соужденыихъ *cod.*; соуженымъ *Н.* 11) же *проп. П.* 12) точно *Н* (*вм.* тъ чинъ). 13) ц҃рьскааго *ПС.* 14) или ѿ кнѧжа повелѣниꙗ *проп. Н.* 15) еп҃поу *Н.* 16) какомь *Н.* 17) с нимиже *Н.* 18) ц҃рьствꙋ *ПС.* 19) пра҃· пе҃. *Н*; *У проп. всю главу 55.* 20) прегрѣшениꙗ *Н.* 21) понеже *Н* (*вм.* на ньже). 22) бл҃гобоꙗзнивоу *П*, но оу *перечеркнуто и дописано* ыи.

къто[1] огл҃анъ[2] боудеть· ти тако истиноу обрѣтъ· можеть ѿ чьсти· рекъше ѿ чиноу· того по цр҃кв-нынмъ[3] канономъ·[4] да ѿженеть·[5] и тъгда[6] подобьнъı[7] соудн· тъгда[8] обьдьржить·[9] и по ѕаконоу соудъ испытавая·[10] коньць на немь положить·[11] аще ли пьрвѣе· къ гражань|скоумоу[12] кънѧѕю придеть[13] ог҃лъникъ· и прѣгрѣшение ѕаконьнъıимъ[14] испытаниемь·[15] възможеть съвѣщати·[16] тъгда еп҃пъ въспоминаня[17] мѣста[18] да явить· и аще ѿ тѣхъ оувѣдѣна боудоуть прѣжеположеная прѣгрѣшения· прѣгрѣшати емоу· тъгда тъ[19] самъ еп҃пъ того по канономъ[20] ѿ чьсти рекъше ѿ чиноу егоже имать· да ѿлоучить соуджи·[21] ѿмьщение емоу да приносить ѕаконом подобьнъıимь· аще ли мьнить еп҃пъ· сътвореная правьднѣ· съпростьрети·[22] тъгда подобаеть емоу ожьдати·[23] обнажения· чьсти гл҃авъша лица· тако оубо· таковое лице подъ оутвьржениемь ѕаконьнъıимь боудеть ти тако къ намъ вина· ово оубо ѿ еп҃па· ово же ѿ

τις κατηγορηθῇ[1] καὶ οὕτως τὴν ἀλήθειαν εὑρεῖν δυνηθείη, ἀπὸ τῆς τιμῆς ἤτοι τοῦ βαθμοῦ τοῦτον κατὰ τοὺς ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας ἐκβαλλέτω, καὶ (л. 274^{b}) τηνικαῦτα ὁ πρόσφορος δικαστὴς τοῦτον συνεχέτω καὶ κατὰ τοὺς νόμους τὴν δίκην ἐξετάζων πέρας αὐτῇ ἐπιτιθέτω. εἰ δὲ πρότερον τῷ πολιτικῷ ἄρχοντι προσέλθῃ ὁ л. 302 а. κατήγορος καὶ τὸ ἔγκλημα διὰ νομίμου ἐξετάσεως δυνηθῇ ἀποδειχθῆναι,[2] τότε τῷ ἐπισκόπῳ τῶν τόπων τὰ ὑπομνήματα φανερούσθω, καὶ εἰ ἐξ αὐτῶν γνωσθῇ τὰ προτεθέντα ἐγκλήματα πλημμελῆσαι αὐτόν, τότε αὐτὸς ὁ ἐπίσκοπος τοῦτον κατὰ κανόνας ἀπὸ τῆς τιμῆς ἤτοι τοῦ βαθμοῦ, οὗ ἔχει, χωριζέτω, ὁ δικαστὴς ἐκδίκησιν αὐτῷ ἐπιφερέτω νόμοις ἁρμοδίαν. εἰ δὲ νομίσοι ὁ ἐπίσκοπος τὰ πεπραγμένα δικαίως μὴ συντεῖναι, τότε ἐξέστω αὐτῷ ὑπερθέσθαι τοῦ γυμνῶσαι τῆς τιμῆς τὸ κατηγορηθὲν πρόσωπον, οὕτω μέντοι γε, ἵνα τὸ τοιοῦτο πρόσωπον ὑπὸ τὴν νόμιμον ἀσφάλειαν γένηται καὶ οὕτω πρὸς ἡμᾶς ἡ ὑπόθεσις τοῦτο μὲν ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου, τοῦτο δὲ καὶ ὑπὸ

---

1) къто *проп. H.* 2) ѿглашенъ *H.* 3) цр҃квьныхъ *H.* 4) канонѣхъ *H.* 5) Ѿженет҃ь *H.* 6) того *H.* 7) подобнїи *П.* 8) то *П.* 9) ѿбдержать *H.* 10) испытовая *H.* 11) положити *H.* 12) градьскомоу *H.* 13) приведеть *C.* 14) законом *H.* 15) испытаемъ *H.* 16) испытати *H.* 17) въспоминаньи *H*; въспоминанье *П.* 18) мѣсто *H.* 19) то *H.* 20) каномъ *H.* 21) и *H.* 22) съпростретїи *П*; спростреть *H.* 23) ѡжидати *H.*

1) cod. переправл. изъ κατηγορήθη. 2) ἀποδιαθῆναι cod.

соудиꙗ· да възнесена боудеть· да и мы вѣдоуще ю ꙗвлѥнаꙗ намъ повелимъ·[1] аще ли къто имѣниꙗ[2] виньна[3] коѥго въспомѧновенꙑихъ[4] лиць· пьрю имать нѣкоую· и еп҃пъ ожидаѥть межю ими сѫдити·[5] власть да имать пьрѧисѧ· къ[6] гражаньскоуоумоу[7] кънѧꙁю· пристоупити· тако оубо испрошеноѥ[8] лице· ни ѥдинѣмь же образъмь· поудитьсѧ· пороучьника дати· нъ[9] паче исповѣданиѥ· бес клѧтвы съ обѣщаниѥмь своихъ вещии· оутвьрдити· аще ли о прѣгрѣшениꙗ[10] винѣ·[11] огл҃аниꙗ на[12] нѣкоѥго въспомѧновенꙑихъ· лиць положитьсѧ· ѿ ꙁаконьнаго оутвьрженꙗ· огл҃аноѥ лице боудеть·[13]

н҃г·[14] Аще ли грѣховьнаꙗ боудеть
л. 302 b. вещь· ни ѥдиного же[15] | обьщениꙗ да не имоуть· гражаньскии[16] кънѧꙁи· нъ еп҃пъ[17] по свщ҃ньнымъ канономъ·

н҃ꙁ·[18] Аще нѣции прп҃дбнии еп҃пи· того же събора· дъвовѣрие нѣкоѥ межю собою имоуть· или цр҃къвьнѣмь[19] правьдьнѣмь· или о инѣхъ кыихъ[20] вещьхъ· пьрвѣѥ митрополитъ ихъ· съ инѣми отъ своѥго събора· еп҃пъ· вещь да соудить·

δικαστοῦ ἀνενεχθείη, ἵνα ἡμεῖς ταύτην γινώσκοντες τὰ φαινόμενα ἡμῖν κελεύσωμεν. εἰ δέ τις ὑπὲρ χρηματικῆς αἰτίας κατά τινος τῶν μνημονευθέντων προσώπων ἀγωγὴν ἔχοι τινὰ καὶ ὁ ἐπίσκοπος ὑπερ(л. 275a)θῆται μεταξὺ αὐτῶν δικάσαι, ἄδειαν ὁ ἐνάγων ἐχέτω πολιτικῷ ἄρχοντι προσιέναι, οὕτω μέντοι γε, ἵνα τὸ αἰτηθὲν πρόσωπον μηδενὶ[1] ἀναγκάζηται ἐγγυητὴν διδόναι, ἀλλὰ μόνον ὁμολογίαν ἄνευ ὅρκου μετὰ ὑποθήκης τῶν ἰδίων πραγμάτων ἐκτίθεσθαι. εἰ δὲ ὑπὲρ ἐγκληματικῆς αἰτίας κατηγορία κατά τινος τῶν μνημονευθέντων προσώπων ἀποτεθῇ, ὑπὸ τὴν νόμιμον ἀσφάλειαν τὸ κατηγορούμενον γίνεσθαι πρόσωπον.

νϛʹ. Εἰ δὲ ἐγκληματικὸν εἴη τὸ πρᾶγμα, μηδεμίαν κοινωνίαν ἐχέτωσαν οἱ πολιτικοὶ ἄρχοντες, ἀλλ᾽ ὁ ἐπίσκοπος κατὰ τοὺς ἱεροὺς κανόνας.

νζʹ. Εἴ τινες δὲ ὁσιώτατοι ἐπίσκοποι τῆς αὐτῆς συνόδου ἀμφισβήτησίν τινα πρὸς ἀλλήλους ἔχοιεν, εἴτε ὑπὲρ ἐκκλησιαστικοῦ δικαίου, εἴτε ὑπὲρ ἄλλων τινῶν πραγμάτων, πρότερον ὁ μητροπολίτης αὐτῶν μετὰ ἑτέρων ἐκ τῆς ἰδίας συνόδου ἐπισκόπων τὸ πρᾶγμα κρινέτω,

---

1) повелилъ *C.* 2) имѣка *C.* 3) та *C.* 4) въспомѧновнꙑхъ *H.* 5) и *вставл. H.* 6) въ *C.* 7) градьскомоу *H.* 8) испрошениѥ *C;* да непрошеноѥ *H* (*вм.* испрошеноѥ). 9) и *вставл. H.* 10) прѣгрѣшеньи *H.* 11) винꙑ *H.* 12) на *проп. H.* 13) не писати *добавл. C киноварью;* се писа҃ *cod. in m. рукой XIII в.* 14) м҃ѕ *У;* пра҃· н҃г· *H.* 15) же *проп. H.* 16) градьстии *H.* 17) еп҃пъ *C.* 18) м҃ꙁ *У;* пра҃· н҃ꙁ· *H.* 19) и *вставл. H.* 20) нѣкꙑи *C.*

1) cod. выскобл. около 5—6 буквъ (τρόπῳ?).

и аще не прѣбоудеть[1] къжьдо коньць· къ соудимыихъ· тъгда прѣблаженъıи патриархъ·[2] того строѥниꙗ[3] межю ими да оуслышать·[4] и тако да[5] повелить·[6] ѥже[7] црк҇вьнъıимъ канономъ и ꙁаконоу подобаѥть· ни ѥдиной[8] же части по соудоу ѥго· противоу гл҇ати могоущи·

ни҇·[9] Аще ли ѿ клирика· или ѿ иного лица пришьствиѥ на еп҇па боудеть· пьрвѣѥ придвигъıихъ· митрополитъ по ст҇ыимъ канономъ· и по нашемоу ꙁаконоу[10] вещь да соудить· и аще соуженъıимъ противоу речеть· къ прѣблаженоуоумоу еп҇поу· и патриархоу вещь да въꙁносить·[11] и[12] оно[13] тако же томоу коньць[14] подасть аще ли на митрополита пристоупленииѥ боудеть· ѿ каковаго[15] лицѧ·[16] патриархъ[17] того строѥниꙗ·[18] по подобьноумоу образоу вещь да соудить·

нѳ҇·[19] О вьсѣхъ[20] же винахъ· или ѿ своѥго митрополита· или ѿ патриарха· или ѿ инѣхъ къıихъ соудии·[21] еп҇пъ пьрѧтьсѧ·[22] ни[23] ѥдиного пороучениꙗ·[24] ни исповѣданиꙗ

καὶ εἰ μὴ ἐμμείνῃ ἑκάτερον μέρος τοῖς κεκριμένοις, τηνικαῦτα ὁ μακαριώτατος πατριάρχης ἐκείνης τῆς διοικήσεως μεταξὺ αὐτῶν ἀκροάσθω κἀκεῖνα ὁριζέτω, ἅτινα τοῖς ἐκκλησιαστικοῖς κανόσιν καὶ τοῖς νόμοις συνᾴδει, οὐδενὸς μέρους κατὰ τῆς (л. 275^{b}) ψήφου αὐτοῦ ἀντιλέγειν δυναμένου.

νη'. Εἰ δὲ παρὰ κληρικοῦ ἢ ἄλλου οἱουδήποτε προσέλευσις κατὰ ἐπισκόπου γένηται, πρῶτον ὁ ὁσιώτατος αὐτῶν μητροπολίτης κατὰ τοὺς ἱεροὺς κανόνας καὶ τοὺς ἡμετέρους νόμους τὸ πρᾶγμα διακρινέτω· καὶ εἰ τοῖς κεκριμένοις ἀντείποι, ἐπὶ τὸν μακαριώτατον ἀρχιεπίσκοπον καὶ πατριάρχην τὸ πρᾶγμα ἀναφερέσθω, κἀκεῖνος ὁμοίως τούτῳ παρεχέτω πέρας. εἰ δὲ κατὰ μητροπολίτου ἡ προσέλευσις γένηται παρ' οἱουδήποτε προσώπου, ὁ πατριάρχης τῆς διοικήσεως ἐκείνης κατὰ τὸν ὅμοιον τρόπον τὸ πρᾶγμα κρινέτω.

νθ'. Ὑπὲρ δὲ πάντων τῶν αἰτιῶν, εἴτε παρὰ τῷ ἰδίῳ μητροπολίτῃ, εἴτε παρὰ τῷ πατριάρχῃ, εἴτε παρὰ ἄλλοις οἱοισδήποτε δικασταῖς ἐπισκόποις ἐνάγονται, μηδεμίαν ἐγγύην[1] ἢ ὁμολογίαν

---

1) прѣбꙋдꙋть *C.* 2) патріархомъ *C.* 3) строѥнии *НП.* 4) оуслышить *Н.* 5) да *проп. У.* 6) и тако да повелить *проп. Н.* 7) ꙗко же *Н.* 8) ѥдиногон *C.* 9) пра҇· ни҇· *Н.* 10) ꙁаконоу *проп. C.* 11) да въꙁносить вещь *Н.* 12) и *проп. Н.* 13) ѿнъ *Н*; оного *C.* 14) конь *У.* 15) каваго *У*; какого *Н.* 16) боудеть *оставл. Н.* 17) патриарха *Н.* 18) строѥниѥ *Н.* 19) пра҇· нѳ҇· *Н.* 20) вс҇ѣ *C.* 21) соуди *Н.* 22) прит҇ѣ *Н.* 23) ни *проп. C.* 24) проро́ченіа *C.*

1) ἐγγυὴν cod.

ѡ ньри·[1] да не ѾДаюТь· ни л. 302 а. на водѧщиихъ·[2] оубо да и сами потъщать·[3] себѣ винъ своихъ изъбыти·

ѯ҃·[4] Не подобаѥть же икономоу·[5] ни[6] нищекърмьцю·[7] ни недоужьнъимъ строителю· ни[8] вьсѧкомоу сънабъдѧщемоу·[9] бл҃гочьстиваго домоу· помъıслъı[10] положьшю[11] своѥмоу еп҇поу прѣже испытаниꙗ вещи· и Ѿданиꙗ дълга· Ѿ своихъ еп҇въ Ѿбѣжати· и[12] въ ина сѫдища[13] приходитї·

ѯ҃а·[14] Аще къто Ѿ цр҇квьнъıихъ нѣкоѥ таково строѥниѥ· пороученоѥ[15] приимъ·[16] прѣже помъıслъ положениꙗ·[17] и дължьнъıихъ[18] съложениꙗ оӱмьреть· повелѣваѥмъ приставьникомъ[19] ѥго· по подобьноуоумоу образоу и помъıслъмъ и Ѿданиемь да покорїть сѧ.[20]

ѯ҃в·[21] Аще къто еп҇въ· или клирикъ Ѿ каковъıꙗ[22] оубо епархиꙗ· въ костѧнтинии градѣ обрѧщетьсѧ· и нѣкъто хощеть пьрѣниѥ на нь приложити· аще оубо прѣженачатиѥ· въ епархии[23] о тои винѣ боудеть·

ὑπὲρ τῆς δίκης ἀπαιτείσθωσαν, οὕτω μέντοι, ἵνα καὶ αὐτοὶ σπουδάσωσιν τῶν ἐπαγομένων ἑαυτοῖς αἰτιῶν ἑαυτοὺς διευλυτῶσαι.

ξ'. Μὴ ἐξεῖναι δὲ οἰκονόμῳ ἢ πτωχοτρόφῳ ἢ νοσοκόμῳ ἢ παντὶ διοικητῇ εὐαγοῦς οἴκου λογισμοὺς ἐκτιθεμένῳ[1] τῷ ἰδίῳ ἐπισκόπῳ πρὸ τῆς τοῦ πράγματος ἐξετάσεως καὶ τῆς ἀποτίσεως τοῦ χρέους τοὺς ἰδίους ἐπισκόπους ἀποφυγεῖν καὶ εἰς ἄλλα δικα(л. 276ª)στήρια παραγενέσθαι.

ξα'. Εἴ τις ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν τινὰ τοιαύτην διοίκησιν ἐμπιστευθεὶς πρὸ τῆς τῶν λογισμῶν παραθέσεως καὶ τῆς τῶν ἐποφειλομένων καταβολῆς τελευτήσοι, κελεύομεν τοῖς αὐτοῦ κληρονόμοις κατὰ τὸν ὅμοιον τρόπον καὶ τοῖς λογισμοῖς καὶ ταῖς ἀπαιτήσεσιν ὑποκεῖσθαι.

ξβ'. Εἴ τις ἐπίσκοπος ἢ κληρικὸς ἐξ οἱασδήποτε ἐπαρχίας ἐν Κωνσταντινουπόλει εὑρεθῇ καί τις βουληθείη ἐναγωγὴν κατ' αὐτοῦ προσθεῖναι, εἰ μὲν προκάταρξις ἐν τῇ ἐπαρχίᾳ ὑπὲρ τῆς αὐτῆς ὑποθέσεως γέγονεν,

---

1) пьрь *С.* 2) видѧщихъ *Н.* 3) потъщаеть *С.* 4) пра҇· ѯ҃· *Н.* 5) ином҇ *С.* 6) ни *проп. Н.* 7) нищекормьницю *С.* 8) или *Н.* 9) снадъбѧщем҇ *Н.* 10) помъıслъ *НС.* 11) положешом҇ *Н.* 12) и *проп. С.* 13) сбѡра *С.* 14) пра҇· ѯ҃а· *Н.* 15) пор҇ченїе *НС.* 16) приимъ пороученою *Н.* 17) пороучениꙗ *НУ.* 18) должнъıмъ *Н.* 19) причѧстник҇ *Н.* 20) поритьсѧ *С, но позднѣйшей рукой добавл. сверху* не (*вышло:* поритьсѧ с надписанным не). 21) *У проп. всю главу 62.* 22) таковъıѧ *С.* 23) епархии *проп. С.*

1) ἐκτεθεμένω cod.

тоу соудъ испълнꙗти·[1] аще ли не оу҃ начата боудеть ѿ самѣхъ прѣславьнꙑихъ епархъ· въсточьныихъ прѣторъ· или ѿ насъ ѿлоучаѥмꙑихъ соудии· пьрꙗщиимъсꙗ съ нимь ѿвѣщають·

ѯг·[2] Бл҃говоꙗзнивии же сълъници· каковꙑꙗ оубо къгда· прс҃тꙑꙗ црк҃ви· въ цр҃ьскѣмь[3] градѣ живоуща· или прѣбл҃женꙑимь патриархъмь или митрополитъмь· ѿ своихъ еп҃пъ сълѥми· ни о своихъ еп҃пѣхъ· ни о[4] вещи црк҃вьнѣи· и дълга людьскааго· или о[5] своѥмь нѣкоую пьрю имѣти на црк҃вь· или[6] на еп҃па на нꙗ прѣдъложити·[7] аще ли | и нѣкꙑими вещьми· или пьрами севе повиньна[8] сътворить·[9] въ врѣмꙗ въ нѥже ѿвѣтꙑ творꙗть· и ꙗже о тѣхъ пьрѣниꙗ имъ въсприꙗти·

ѯд·[10] Аще еп҃пи или клирици· о градѣ или о[11] своѥи црк҃ви чьсти ради или[12] поставлѥниꙗ еп҃па· въ цр҃ьскꙑи[13] градъ· или на ино каково[14] оубо мѣсто ѿидоуть· повелѣваѥмъ оубо тѣмъ· ни ѥдиного же[15] наведениꙗ· или сътоужаниꙗ отъ коѥгожьдо лица остоупати·[16] власти соущи повиньнꙑ ихъ

1) исполнити *С.* 2) *У проп. всю главу 63.* 3) цр҃ьскѣмъ *С*; цьстѣмь *П.* 4) ѿ *С.* 5) о *проп. С.* 6) инанали *С, но* нана *перечеркнуто.* 7) прѣложити *С.* 8) повинныи *П.* 9) сътворꙗть *П.* 10) *У проп. всю главу 64.* 11) о *проп. С.* 12) и *С.* 13) цр҃ьскыи *ПС.* 14) како *С.* 15) же *проп. С.* 16) остѹпити *С.*

ἐκεῖ τὴν δίκην πληροῦσθαι· εἰ δὲ μήπω ἤρχθη, παρὰ μόνοις τοῖς ἐνδοξοτάτοις ἐπάρχοις τῶν τῆς Ἀνατολῆς πραιτωρίων ἢ τοῖς παρ' ἡμῶν ἀφοριζομένοις δικασταῖς τοῖς ἐνάγουσιν αὐτὸν ἀποκρίνασθαι.

ξγ'. Οἱ δὲ εὐλαβέστατοι ἀποκρισιάριοι τῆς οἱασδήποτε ἁγιωτάτης ἐκκλησίας ἐν τῇ βασιλίδι πόλει διατρίβοντες ἢ πρὸς τοὺς μακαριωτάτους πατριάρχας ἢ μητροπολίτας παρὰ τῶν ἰδίων ἐπισκόπων στελλόμενοι, μηδὲ ὑπὲρ τῶν ἰδίων ἐπισκόπων μηδὲ ὑπὲρ πράγματος τῆς ἐκκλησίας ἢ χρέους δημοσίου ἢ ἰδιωτικοῦ τινα ἐναγωγὴν ἔχουσιν κατὰ τῆς ἐκκλησίας ἢ κατὰ τοῦ ἐπισκόπου, κατ' αὐτῶν προ(л. 276b)τιθέναι. (л. 303 b.) εἰ δὲ καὶ ἐπί τισιν πράγμασιν ἢ ἐναγωγαῖς ἑαυτοὺς ἐνόχους ποιήσουσιν ἐν τῷ καιρῷ, ἐν ᾧ τὰς ἀποκρίσεις ποιοῦνται, καὶ τὰς ὑπὲρ τούτων ἐναγωγὰς αὐτοῖς ὑποδέξασθαι.

ξδ'. Εἰ δὲ καὶ ἐπίσκοποι ἢ κληρικοὶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ἢ τῆς ἰδίας ἐκκλησίας διὰ πρεσβείαν ἢ χειροτονίαν ἐπισκόπου εἰς τὴν βασιλίδα πόλιν ἢ ἄλλῳ οἱῳδήποτε τόπῳ ἐκδημήσωσιν, κελεύομεν αὐτοὺς μηδεμίαν ἐπάχθειαν ἢ ὄχλησιν ἀφ'[1] οἱουδήποτε προσώπου ὑφίστασθαι, ἀδείας οὔσης τοῖς ὑπευθύνοις αὐτοὺς

1) ἀπ' cod.

имѣти ѩ мьнѩть съ нимиже въ епархию възвратѧтьсѧ· пьрѣтисѧ имъ ни единомоу же мьнѩщиихъ имѣти ѩ повиньны·[1] бываюштю соужению· о лѣтьнимь неправьдьнѣмь написании· лѣта ради въ таковѣмь ѿшьствии· ожьдаша·

ѯе·[2] Аще къгда вина възискаеть[3] въспомѧновениѩ·[4] или изведение принести· о винѣ каковаго имѣниѩ· или о людьстѣмь· или о своемь клирикоу· или мьнихоу· или чьрноризици· каковаго манастырѧ· и паче женьскаго лицемѣриѩ развѣ съ подобьною чьстию· повелѣваемъ въспоминание и[5] изведению быти· не изв^лѣчити чьрноризицѣ· ни постьницѣ и из манастырѧ· нъ повелѣвающаго ѿ нихъ прѣдълагати· о таковѣи вещи ѿвѣщавающааго·

ѯѕ·[6] Мьнихомъ же подобаеть· или повелѣвающиими своѩ пьрѧ или манастырьскы· повелѣвати· вѣдоущю си прѣстоупающю соудоу· или изводьникы· л. 304 а. ѩко поѩса обнажити|сѧ· и казнь пѧти литръ злата· сътворити ѿ вельлѣпааго[7] комита· прикатъ· рекъше сановъ· изводьникоу ѩвѣ· ѩко и моукы приимающю и въ изгънание поущаемоу·

ἔχειν νομίζουσι, μεθ' ὃ εἰς τὴν ἐπαρχίαν ἐπιστρέψουσιν, ἐνάγειν αὐτούς, μηδενὸς τοῖς νομίζουσιν ἔχειν αὐτοὺς ὑπευθύνους γινομένου προκρίματος, περὶ χρονίαν παραγραφὴν διὰ τὸν χρόνον ἐν τῇ τοιαύτῃ ἀποδημίᾳ παρειλκυσαν.

ξε'. Εἴ ποτε δὲ αἰτία ἀναφαίνοιτο ὑπόμνησιν ἢ ἐκβιβασμὸν προσενεχθῆναι ὑπὲρ οἱασδήποτε χρηματικῆς αἰτίας εἴτε δημοσίας εἴτε ἰδιωτικῆς κληρικῷ ἢ μοναχῷ ἢ μοναστρίᾳ οἱουδήποτε μοναστηρίου καὶ μάλιστα γυναικῶν, ὑποκρίσεως χωρὶς μετὰ τῆς προσηκούσης τιμῆς κελεύομεν τὴν ὑπόμνησιν καὶ τὸν ἐκβιβασμὸν γενέσθαι, μὴ μέντοι μονάστριαν ἢ ἀσκήτριαν τοῦ μοναστηρίου ἀφέλκεσθαι, ἀλλ' ἐντολέα[1] ἐξ αὐτῶν προβάλλεσθαι τὸν (л. 277[a]) ὑπὲρ τοῦ πράγματος ἀποκρινόμενον.

ξς'. Τοῖς δὲ μοναχοῖς ἐξέστω εἴτε δι' ἑαυτῶν εἴτε δι' ἐντολέων[2] τὰς ἰδίας ἢ τὰς τοῦ μοναστηρίου δίκας προτάττειν, εἰδότος τοῦ ταῦτα παραβαίνοντος δικαστοῦ ἢ ἐκβιβαστοῦ,[3] ὡς καὶ τῆς ζώνης γυμνωθήσεται καὶ ποινὴν πέντε τοῦ χρυσίου λιτρῶν εἰσπραχθήσεται παρὰ τοῦ μεγαλοπρεπεστάτου κόμητος τῶν πριβάτων, τοῦ ἐκβιβαστοῦ δηλονότι πρὸς τούτοις καὶ βασάνους ὑπομένοντος καὶ εἰς ἐξορίαν πεμπομένου.

1) повинныи *II*. 2) *У проп. всю главу 65*. 3) възникаесть *II*. 4) въспомѧновеныа *С*. 5) и *проп. II*. 6) *У проп. всю главу 66*. 7) велелѣпна̄ *II*.

1) εντολαῖα cod. 2) ἐντολαίων cod. 3) ἐχβιαστοῦ cod.

кънѧзю же ожидающю[1] ѿмыщениꙗ· еп҃пъ намъ да възноситъ· посълание же силы вьсѧкого лица· въ каковѣмь оубо цр҃кви҃ѣмь чиноу причитаемѣмь·[2] и къ симъ слоужьвьницю и мьниха· и постьницю и манастырьницю· въ вьсѧко цр҃квьнѣи имѣниꙗ винѣ· еликѣ аще на количьство· или ѿ клироса· или ѿ нѣкоего воиньствьнааго причьта· въспоминание примоутъ въ ц҃рьскѣмь[3] градѣ· или въ епархиꙗхъ· въ нихъже прѣбывають· не болѣ четырь межи[4] десѧма[5] чѧтъ[6] повелѣваемъ даꙗти·

ѯ҃з·[7] Аще ли ѿ нашего повелѣниꙗ· или ѿ кънѧзѧ· или ѿ прѣблаженааго патриарха· посълань сълыникъ епархиискыи· на ино въспоминание принесетъ· нѣкоемоу ѿ въспоминаныихъ лиць· не болие одиного златьника примати·

ѯ҃и·[8] Аще о единои самои винѣ многы ѿ въспомѧновеныихъ лиць· въспомѧноути· съключаетьсѧ· единого тъкъмо лица· за вьсѧ посълания даꙗти повелѣваемъ·

ѯ҃ѳ·[9] Еп҃пъ же· о вещьхъ своеꙗ цр҃кве· ни единого же прѣхожениꙗ· ни сътоужениꙗ прѣтьрпѣвати· посълание же о своихъ

τοῦ δὲ ἄρχοντος ἀναβαλλομένου τὴν ἐκδίκησιν, ὁ ἐπίσκοπος ἡμῖν ἀναφερέτω. σπόρτυλλον δὲ ὀνόματι πᾶν πρόσωπον[1] ἐν οἱαδήποτε ἐκκλησιαστικῇ τάξει καταλεγόμενον καὶ πρὸς τούτοις διακόνισσαν καὶ μοναχὸν καὶ ἀσκήτριαν καὶ μονάστριαν ὑπὲρ πάσης ἐκκλησιαστικῆς καὶ χρηματικῆς αἰτίας, ὅσης ἂν ἐπὶ ποσότητος, εἴτε ἀπὸ κλήρου, εἴτε ἀπό τινος ἐν στρατείᾳ καταλεγομένου ὑπόμνησιν δέξονται, ἐν τῇ βασιλίδι πόλει ἢ ἐν ταῖς ἐπαρχίαις, ἐν αἷς διάγουσιν, οὐ πλέων τεσσάρων κερατίων διδόναι συγχωροῦμεν.

ξζ'. Εἰ δὲ ἐξ ἡμετέρας κελεύσεως ἢ ἀπ' ἄρχοντος ἢ ἐκ μακαριωτάτου πατριάρχου σταλεὶς ἐκβιβαστὴς ἐπ' ἄλλας ἐπαρχίας ὑπόμνησιν προσαγάγοι τινὶ τῶν μνημονευθέντων προσώπων, μὴ περαιτέρω (л. 277ᵇ) ἑνὸς νομίσματος κομιζέσθω.

ξη'. Εἰ δὲ ὑπὲρ μιᾶς[2] καὶ τῆς αὐτῆς αἰτίας πολλοὺς ἐκ τῶν μνημονευθέντων προσώπων ὑπομνησθῆναι συμβαίη, ἑνὸς καὶ μόνου προσώπου ὑπὲρ πάντων σπόρτυλλα δίδοσθαι θεσπίζομεν.

ξθ'. Ἐπίσκοπος δὲ ὑπὲρ τῶν πραγμάτων τῆς ἰδίας ἐκκλησίας μηδεμίαν μεθοδείαν ἢ ἐνόχλησιν ὑφιστάσθω· σπόρτυλλα δὲ ὑπὲρ τῶν ἰδίων πραγμάτων

1) и въ знание пꙋщаемꙋ *вставл. С.* 2) причѧщаемѣмъ *С.* 3) ц҃рьскѣмь *С.* 4) меже *С.* 5) десѧтьна *С.* 6) цѧть *Н.* 7) *У проп. всю главу 67.* 8) *У проп. всю главу 68.* 9) *У проп. всю главу 69.*

1) προσώπων cod. 2) μίας cod.

да въспомѧновено боудеть· или да[1] ѿдасть образы· ꙗвѣ на цр҇кви прѣ|дъложеныꙗ· икономъ приѥмлющемъ· и онѣмъ иже на той вин҄ѣ

л. 304 b.

прилагаютьсѧ· творѧи же чрѣсъ сиꙗ посълaниꙗ· дързаѥть· въ дъвогоубьнѣ ѥже приꙗ· ѿданомоу лицю ѿдати съпоринеться· и аще воиньствоуѥть·[2] поꙗсъ да ѿложить· аще ли клирикъ боудеть· ѿ клироса да изгънанъ боудеть·[3]

ѕ҃·[4] Вьсѣмъ же причитаѥмыимъ въ клиросъ· и неимоущемъ женъ по каноном[5] ѿрицаѥмъ и мы въ своѥмь домоу щюже҇[6] имѣти· разѣ мт҇ере оубо· и тьщѣ[7] и сестры·[8] и инѣхъ лиць· ꙗже вьсего обличиꙗ[9] ѿбѣгаѥть· аще ли къто чрѣсъ стражю[10] сию· женоу въ своѥмь домоу имѣти начьнеть· иже можеть ѥмоу на лици принести ѥдиною и дъвашьды или ѥдиного[11] еп҇па· или ѿ своихъ клирикъ въспомѧновенъ· ꙗко съ таковою женою не жити· и изгънати ѥꙗ и своѥго домоу не въсхощеть· или ог҇лъникоу и ꙗвлꙗющюсѧ· ꙗвиться нечистѣ съ тою женою жива· тъгда ѥп҇пъ ѥго· по цр҇квьнъимъ канономъ· ѿ клироса ижденеть ѥго съ съвѣтъмь града ѥгоже клирикъ бѣ прѣдаѥмо·

ὑπομνησθῇ[1] ἢ ἀπαιτείσθω, τὰς ἀγωγὰς δηλαδὴ τὰς κατὰ τῶν ἐκκλησιῶν προτιθεμένας τῶν οἰκονόμων ὑποδεχομένων ἢ ἐκείνων, οἵτινες ἐπ' αὐτῇ τῇ αἰτίᾳ προσβληθεῖεν. ὁ δὲ παρὰ ταῦτα εἰσπρᾶξαι σπόρτυλλα τολμῶν, ἐν διπλῷ, ὅπερ ἔλαβεν, τῷ ἀπαιτηθέντι προσώπῳ ἀποδοῦναι συνωθείσθω· καὶ εἰ μὲν στρατεύεται, καὶ τὴν ζώνην ἀπόλοιτο. εἰ δὲ κληρικὸς εἴη, τοῦ κλήρου ἐκβαλλέσθω.

σ'. Πᾶσι δὲ τοῖς ἐν κλήρῳ καταλεγομένοις καὶ μὴ ἔχουσι γαμετὰς κατὰ τοὺς κανόνας ἀπαγορεύομεν καὶ ἡμεῖς ἐν τῷ ἰδίῳ οἴκῳ ἐπείσακτον ἔχειν δίχα μέντοι μητρὸς καὶ πενθερᾶς καὶ ἀδελφῆς καὶ τῶν ἄλλων προσώπων, ἅτινα πᾶσαν ὑποψίαν ἐκφεύγει. εἰ δέ τις παρὰ ταύτην τὴν φυλακὴν γυναῖκα ἐν τῷ ἰδίῳ οἴκῳ σχῇ, ἥτις δύναται αὐτῷ ὑποψίαν ἐπαγαγεῖν, καὶ ἅπαξ καὶ δὶς ἢ ἀπὸ τοῦ ἰδίου ἐπισκόπου ἢ ἀπὸ (л. 278[a]) τῶν ἰδίων συγκληρικῶν ὑπομνησθείς, ὥστε μετὰ τοιαύτης γυναικὸς μὴ οἰκεῖν, ἐκβάλλειν αὐτὴν τοῦ ἰδίου οἴκου μὴ θελήσῃ ἢ κατηγόρου φαινομένου ἀποδειχθείη ἀσέμνως μετὰ τῆς αὐτῆς γυναικὸς ἀναστρέφεσθαι, τηνικαῦτα ὁ ἐπίσκοπος αὐτοῦ κατὰ τοὺς ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας τοῦ κλήρου αὐτὸν ἐκβαλλέτω, τῇ βουλῇ τῆς πόλεως, ἧς κληρικὸς ἦν, παραδοθησόμενον.

---

1) *cod.* да *подъ строкой.* 2) воиньствоуаѥть *П.* 3) *С добавл. киноварью* се писати. 4) *cod. in m. рукой XIII в.* се пис҇а. 5) каномъ *У.* 6) щюже *У.* 7) тещи *С.* 8) сестрыи *П.* 9) обличениꙗ *С.* 10) стражiю *С.* 11) своего *П.*

1) ὑπομνησθη· cod.

о҃а.[1] Єпп҃ъ[2] же ни ѥдиноꙗ же.[3] Ѿноудъ[4] жены имѣти. или съ нею жити дамъ. аще ли[5] ꙗвитьсѧ[6] сего никако же съхраникъ. Ѿ епп҃ьꙗ[7] да изгънанъ бѹдеть.

[о҃в.] Слоужьбьници же. ни ѥдинѣмь образъмь съ моужьмь жити. Ѿ нѥгоже можеть. нечиста житиꙗ бы|ти. прѣдъ лицьмь не дамъ. аще ли сихъ не съхранить чиститеље.[8] подъ нимьже въчинѥна ѥсть. да въспомѧнеть ю вьсѣми образы. таковаго моужа изгънати и своѥго домоу. аще ли ожидаѥть. црк҃вьнааго слоужениꙗ. и своихъ обрѣкъ[9] отоуждена. манастырю да прѣдана[10] боудеть. и тоу вьсе своѥго живота лѣто да съблюдеть. вещи ѥꙗ. и аще дѣти имать. межю ими самѣми.[11] по числоу притѧжаниꙗ раздѣлѧѥмъ. да подобьнаꙗ женѣ часть. манастырь приимъ питаѥть ю. аще ли не имать дѣтии. вьсе притѧжаниѥ ѥꙗ межю манастырьмь. идеже въведена боудеть. и цр҃къве въ нѥиже пьрвѣѥ оучинѥна[12] боудеть.[13] [равною чѧсть раздѣлѧ҃ѥ.][14]

о҃г.[15] Аще къто бж҃ьствьнъимъ таинамъ. или инѣмъ ст҃ъимъ слоужьбамъ съвьршаѥмомъ. въ ст҃оую

οα'. Ἐπίσκοπον δὲ μηδεμίαν παντελῶς γυναῖκα ἔχειν ἢ μετ' αὐτῆς οἰκεῖν συγχωροῦμεν. εἰ δὲ ἀποδειχθείη τοῦτο μηδαμῶς παραφυλάξας, τῆς ἐπισκοπῆς ἐκβαλλέσθω.

οβ'. Διακόνισσαν δὲ οὐδενὶ τρόπῳ μετὰ ἀνδρός, ἐξ οὗ δύναται ἀσέμνου βίου ἀναφύεσθαι ὑποψία, οἰκεῖν συγχωροῦμεν. εἰ δὲ ταῦτα μὴ παραφυλάξοι, ὁ л. 305 а.
ἱερεύς, ὑφ' ὃν[1] τέτακται, ὑπομιμνησκέτω αὐτὴν ἅπασιν τρόποις τὸν τοιοῦτον ἄνδρα ἐκβάλλειν τοῦ ἰδίου οἴκου. εἰ δὲ ὑπερθῆται, τῆς ἐκκλησιαστικῆς ὑπηρεσίας καὶ τῶν ἰδίων διαρίων ἀλλοτριουμένη τῷ μοναστηρίῳ παραδιδόσθω κἀκεῖ πάντα τὸν τῆς ἰδίας ζωῆς χρόνον διατελείτω, τῶν πραγμάτων αὐτῆς, εἰ μὲν παῖδας ἔχοι, μεταξὺ αὐτῶν κἀκείνων κατὰ τὸν ἀριθμὸν τῶν προσώπων διαιρουμένων, ἵνα τὸ ἁρμόζον τῇ αὐτῇ γυναικὶ μέρος τὸ μοναστήριον λαμβάνον ταύτην ἀποτρέφῃ. εἰ δὲ μὴ ἔχῃ παῖδας, πᾶσα ἡ περιουσία αὐτῆς μεταξὺ τοῦ μοναστη-(л. 278b) ρίου, ὅπου ἐμβάλλεται, καὶ τῆς ἐκκλησίας, ἐν ᾗ πρότερον ἐτέτακτο, ἐξ ἴσης μοίρας διαιρείσθω.

ογ'. Εἴ τις τῶν θείων μυστηρίων ἢ τῶν ἄλλων ἁγίων λειτουργιῶν ἐπιτελουμένων ἐν ἁγίᾳ

1) о҃а *проп.* *Р.* 2) Єпк҃пѹ *Н.* 3) єдиного ꙗже *С.* 4) Ѿнѹдѹ *Н;* отиноудь *Р.* 5) ли *проп.* *С.* 6) ꙗвититсѧ *Н.* 7) епк҃пиꙗ *С.* 8) чистителѣ *Н.* 9) обракъ *С.* 10) на *У.* 11) самѣими *Н.* 12) оучена *Н.* 13) бысть *Н.* 14) *вставка изъ Н.* 15) о҃в *cod.*

1) ὧν cod.

въшьдъ црк҃вь· или еп҃cоу или клирикомъ· или инѣмъ[1] слоугамъ црк҃вьнъимъ роуганиꙗ[2] чьто наведеть· повелѣваѥмъ томоу моукы тьрпѣти·[3] и въ изгънании[4] ѥмоу[5] поущеноу быти· аще ли и ты б҃жьствьнъıꙗ таинъı· и б҃жьствьнъıꙗ слоужьбъı[6] съмѧтеть·[7] или съвьршати възб[р]анꙗти·[8] главою моученъ да боудеть· и сиꙗ ѿмьщати повелѣваѥмъ· не тъчию гражаньскъıимъ· нъ и воѥводѧщиимъ[9] кънѧземь·

о҃д· Вьсѣмъ же простъıимъ· ѿрицаѥмъ мольбъ[10] творити· развѣ пр҃пдвьнъıихъ мѣстьнъıихъ еп҃cъ· и подъ ними соущихъ бл҃гобоꙗзнивъıихъ клирикъ·[11] къıꙗ бо соуть мольбъı въ нихъже чистителѥ не обрѣтаютьсѧ·

л. 305 b. | о҃е·[12] Прочеѥ намъ ѥсть и о бл҃гочьстивъıихъ манастъıрьхъ· и о бл҃гочьстивъıихъ[13] клирикъ[14] мьнихъ въобразити·[15] повелѣваѥмъ оубо мьнихоу· или архимандритоу· въ коѥмьжьдо манастъıри прѣдълагати·[16] не вьсѧко по степеньмъ[17] мьниховъ нъ ѥгоже вьси[18] мьниси

εἰσελθὼν ἐκκλησίᾳ ἢ τῷ ἐπισκόπῳ ἢ τοῖς κληρικοῖς ἢ τοῖς ἄλλοις ὑπηρέταις τῆς ἐκκλησίας ὕβρεώς τι ἐπαγάγοι, κελεύομεν τοῦτον βασάνους ὑπομένειν καὶ εἰς ἐξορίαν πεμφθῆναι. εἰ δὲ καὶ αὐτὰ τὰ θεῖα μυστήρια καὶ τὰς θείας λειτουργίας ταράξοι ἢ ἐπιτελεῖσθαι κωλύσοι, κεφαλικῶς τιμωρείσθω. καὶ ταῦτα διεκδικεῖν κελεύομεν οὐ μόνον τοὺς πολιτικούς, ἀλλὰ καὶ τοὺς στρατιωτικοὺς ἄρχοντας.

οδʹ. Πᾶσιν δὲ λαϊκοῖς ἀπαγορεύομεν λιτὰς ποιεῖν δίχα τῶν ὁσιωτάτων τῶν τόπων ἐπισκόπων καὶ τῶν ὑπ' αὐτοὺς εὐλαβεστάτων κληρικῶν· ποία γάρ ἐστι λιτή, ἐν ᾗ ἱερεῖς οὐχ εὑρίσκονται;

οεʹ. Ὑπόλοιπον ἡμῖν ἐστιν καὶ περὶ τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων καὶ τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν μοναχῶν διατυπῶσαι. κελεύομεν τοίνυν τὸν ἀββᾶν ἢ τὸν ἀρχιμανδρίτην ἐν ἑκάστῳ μοναστηρίῳ προβάλλεσθαι μὴ πάντως κατὰ τοὺς βαθμοὺς τῶν μοναχῶν, ἀλλ'[1] ὃν πάντες οἱ μοναχοὶ

---

1) инѣмъ *С.* 2) роуганиѥмъ *С.* 3) трьпити *П.* 4) изгнаниѥ *П.* 5) ѥмоу *проп. П.* 6) слоужьбыи *П.* 7) съмѧтьте *У.* 8) *исправл. по ПС, но въ С тоже* възбанѧти *и* р *припис. позднѣйшей рукой;* възбранить *У.* 9) в оноѥ водѧщиимъ *С* (*вм.* воѥводѧщиимъ). 10) моль *У.* 11) кририкъ *С.* 12) о҃е *проп. Р.* 13) манастырьхъ и о бл҃гочьстивъıихъ *проп. П;* блочестивый *С.* 14) клиричехъ *У.* 15) образити *С.* 16) прилагати *У.* 17) степемь *П.* 18) вьсѣмъ *С.*

1) cod. переправл. изъ ἀλλὰ.

добрѣиша изберѹть· не чьсо ради· нъ[1] ꙗко вѣрою· правовѣрьна· и житиемь цѣломѹдрьна· и строения достоина· и могѹща мьнишьскѹ хытрость и[2] вьсь[3] манастырьскыи ѹставъ добрѣ съхранити·[4] ти тако емѹ ѿ епс҃па страны· произведенѹ быти· сиꙗ же повелѣваемъ· и на женьскыихъ бл҃гочьстивыихъ манастырьхъ· и на постьницѧхъ бывати·

о҃ѕ·[5] Аще же[6] къто въ мьнишьское житие внити[7] хощеть· повелѣваемъ· да аще ꙗвлень есть· ꙗко ни единомѹ же полѹчаю подълежить игѹменъ манастырѧ· егда съмотрить образъ мьнишьскыи[8] дати емѹ· аще ли не съказаеться· подъ ꙗцѣмь ѹбо полѹчениемь· мьние· г҃· лѣ҃· не приꙗти емѹ мьнишьскааго[9] образа· да мьние· г҃·[10] аще никъто[11] же его възведеть· и достоинъ изволиться· тъгда образа[12] мьнишьскааго да съподобиться·[13]

о҃з·[14] Аще къто изволениемь брака или дѣтосътворениꙗ·[15] или дара ради· или брачьныихъ даровъ· или дасть или оставить своимъ дѣтьмъ·[16] или

ἢ οἱ καλλίονος ὑπολήψεως[1] ἐπιλέξονται οὐ διά τι, ἀλλ' ὡς τῇ πίστει ὀρθὸν καὶ τῷ βίῳ σώφρονα καὶ τῆς διοικήσεως ἄξιον καὶ δυνάμενον τὴν τῶν μοναχῶν ἐπιστήμην καὶ πᾶσαν τὴν τοῦ μονα-(л. 279ª)στηρίου κατάστασιν χρησίμως φυλάξαι καὶ οὕτως αὐτὸν ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου τῆς παροικίας προβληθῆναι. τὰ αὐτὰ δὲ παρακελεύομεν καὶ ἐπὶ τοῖς τῶν γυναικῶν εὐαγέσι μοναστηρίοις καὶ ἀσκητηρίοις γενέσθαι.

ος'. Εἴ τις δὲ εἰς μοναχικὸν βίον ἐλθεῖν βουληθείη, κελεύομεν, ἵνα, εἰ μὲν δῆλός ἐστιν, ὅτι οὐδεμιᾷ[2] τύχῃ ὑπόκειται, ὁ ἡγούμενος τοῦ μοναστηρίου, ὅτε συνείδοι, τὸ σχῆμα αὐτῷ παράσχοι. εἰ δὲ μὴ γνωρίζεται, οἱᾳδήποτε ὑπόκειται τύχῃ, ἐντὸς τριῶν ἐνιαυτῶν μὴ λαμβάνειν αὐτὸν τὸ μοναχικὸν σχῆμα, ἵνα ἐντὸς τῆς τριετίας, εἰ μηδεὶς αὐτοῦ ἐναγάγοι καὶ ἄξιος κριθῇ, τηνικαῦτα τοῦ σχήματος ἀξιούσθω.

οζ'. Εἴ τις ἐπὶ αἱρέσει γάμου ἢ παιδοποιίας ἢ χάριν προικὸς ἢ γαμικῆς δωρεᾶς ἢ δωρήσηται, ἢ καταλείψῃ τοῖς ἰδίοις παισὶν ἢ

---

1) нъ *проп. Р.* 2) хытростеи *Н (вм.* хытрость и). 3) все *Н.* 4) хранити *Р.* 5) о҃ѕ *проп. Р.* 6) нъ *вставл. cod., но вычеркив.* 7) приiти *Р.* 8) мнишескыи *С.* 9) мнишьска *Р.* 10) лѣтъ *вставл. У.* 11) *cod. переправл. начальное* и *изъ* н. 12) образъ *У.* 13) досѹда *добавл. С и cod. (in m. рукой XIII в.).* 14) *У проп. всю главу 77.* 15) тосътворенiа *С.* 16) дѣтелемъ *С, но* теле *перечеркн. и надпис.* те.

1) ὑπολήψεως cod. in m. 2) οὐδεμία cod.

иномоу· каковоумоу оубо кългда лицю· причастые и ѕадьницю· или из начала· чистѣ оставлꙗющиимъ имъ отѧгъчить юго подъстроюние· или

л. 306 а.

стро|юниюмъ подъ юдиною· въспоминанꙑихъ изволюнии· повелѣваюмъ· нежели таковꙑимь изволюниюмь· подълежаще· моужи или жены· въ манастырь вънидоуть· или клирици· или слоужьбьници· или чьрноризица бꙑваѭть· и таковꙑимь изволюниюмь· некрѣпъкама[1] и противоу не написаномъ бꙑти· тоꙗ же помощи[2] клирици· слоужьбьницѧ црквьнꙑꙗ· да наслажаютьсѧ· аще до живота своюго въ нихъ прѣбꙑваѭть· и вещи же подъ таковꙑимь изволюниюмь дарованꙑꙗ· или оставлюнꙑꙗ на блгочьстьнꙑꙗ потрѣбꙑ· или иждивоуть· или оставѧть·[3] на лицихъ бо ꙗже въ манастырь· или въ постьницѧ въходѧть· и оставѧть таковою цѣломоудрьно житию манастырю· или постьницѧмъ идеже начало· вънидъше подъ таково изволюние· дарованаꙗ или оставлюнаꙗ· съ инѣмь имѣниюмь[4] ихъ· принести повелѣваюмъ· аще оубо изволюниюмь плѣнюнꙑихъ· или нищихъ питаниюмь· или подъ реченꙑимь изволюниюмь· подъсъвьршение·[5] или оустроюнъ боудеть· ни ѿ юдиного[6] же реченꙑихъ· лиць призъвати его дамъ·[7]

ἄλλῳ οἱῳδήποτε προσώπῳ κληρονομίαν ἢ λεγάτον, ἢ ἐξ ἀρχῆς καθαρῶς[1] καταλιμπάνων αὐτοῖς βαρέσει αὐτοῦ ὑποκαταστάσει ἢ ἀποκαταστάσει ὑπὸ μίαν τῶν μνημονευθεισῶν αἱρέσεων, κελεύομεν, εἴπερ ταῖς τοιαύταις αἱρέσεσιν ὑποκείμενοι ἄῤῥενες ἢ θήλειαι εἰς μοναστήριον εἰσέλθωσιν, ἢ κληρικοὶ ἢ διακόνισσαι ἢ ἀσκήτριαι γίνονται, καὶ τὰς τοιαύτας αἱρέσεις ἀνισχύρους καὶ ἀντὶ μὴ γεγραμμένων εἶναι. ταύτης δὲ τῆς βοηθείας οἱ κληρικοὶ (л. 279ᵇ) καὶ αἱ διακόνισσαι τῶν ἐκκλησιῶν ἀπολαυέτωσαν, εἰ μέχρι τῆς αὐτῶν ζωῆς τοῖς αὐτοῖς ἐπιμείνοιεν, καὶ τὰ πράγματα τὰ ὑπὸ τὴν τοιαύτην αἵρεσιν δεδωρημένα ἢ καταλελειμμένα εἰς εὐσεβεῖς χρείας ἢ δαπανήσωσιν ἢ καταλείψωσιν· ἐπὶ γὰρ τοῖς προσώποις, ἅτινα εἰς μοναστήρια ἢ εἰς ἀσκητήρια εἰσέλθωσιν καὶ καταλείψωσιν τὴν τοιαύτην σώφρονα ἀναστροφήν, τῷ μοναστηρίῳ ἢ τῷ ἀσκητηρίῳ, ὅπου τὴν ἀρχὴν εἰσελθόντα τὰ ὑπὸ τὴν τοιαύτην αἵρεσιν δωρηθέντα ἢ καταλειφθέντα μετὰ τῆς ἄλλης αὐτῶν ὑποστάσεως διαφέρειν κελεύομεν. εἰ μέντοι ἐπὶ ἀναῤῥύσει αἰχμαλώτων ἢ πτωχῶν ἀποτροφῆς ὑπὸ τὰς εἰρημένας αἱρέσεις ὑποκατάστασις ἢ ἀποκατάστασις γένηται, ἐξ οὐδενὸς τῶν εἰρημένων προσώπων ταύτην ἀποκαλεῖσθαι συγχωροῦμεν.

1) некрѣпкамъ *Н.* 2) мощи *С.* 3) или оставѧть *проп. С.* 4) имѣние *С.* 5) посвръжение *Н.* 6) едино *С.* 7) се писать *добавл. С.*

1) καθαρός cod.

о҃и·[1] Аще ли моужь или жена· мьнишьское житие иꙁберетъ· имѣние его· подобаетъ манастырю повелѣваемъ·

о҃ѳ·[2] Аще такое лице дѣти иматъ· и оустава не сътворитъ· еже о себѣ прѣже даже не вънидетъ· подоба|етъ емоу· и[3] по вънитии[4] въ манастырь· свое имѣние на своꙗ раꙁдѣлити[5] дѣти· тако оубо ꙗко ни[6] единомоу того дѣтии· оумьнити ꙁаконьныꙗ части· недаемаꙗ[7] же часть дѣтьмъ· манастырю да принесетъ· аще ли вьсе свое имѣние· междю дѣтьми раꙁдѣлити въсхощетъ е· своего си лица· съ дѣтьми съпричитаемоу·[8] въ[9] себе часть· всѣми обраꙁы да дьржитъ· подобьно правьдьное манастырю принести· аще ли въ манастыри прѣбываꙗ оумьретъ· прѣже дажде межю дѣтьми раꙁдѣлити[10] своꙗ вещи· ꙁаконьноую часть дѣти приимоутъ прочее же имѣниꙗ[11] манастырю подобаетъ·

п҃·[12] Оброученню[13] же междю нѣкыихъ· по ꙁаконоу бывъшю· или оброученикъ· въ манастырь[14] вънидетъ· да въсприиметъ ꙗже ѿ оброученни· обреченаꙗ именьмь подаꙗ· или

οη'. Εἰ δὲ ἀνὴρ ἢ γυνὴ τὸν μοναχικὸν βίον ἐπιλέξηται, τὰ πράγματα αὐτοῦ διαφέρειν τῷ μοναστηρίῳ κελεύομεν.

οθ'. Εἰ δὲ τὸ τοιοῦτον πρόσωπον παῖδας ἔχοι καὶ μὴ διατυπώσει τὰ κατ' αὐτούς,[1] πρὶν ἢ εἰσέλθῃ, ἐξέστω αὐτῷ καὶ μετὰ τὸ εἰσελθεῖν εἰς μοναστήριον τὴν л. 306 b. ἰδίαν οὐσίαν εἰς τοὺς οἰκείους διελεῖν παῖδας, οὕτω μέντοι γε, ὥστε μηδενὶ τῶν αὐτοῦ παίδων ἐλαττῶσαι τὸ νόμιμον μέρος· τὸ δὲ μὴ διδόμενον μέρος τοῖς παισὶν τῷ μοναστηρίῳ (л. 280a) διαφερέτω. εἰ δὲ πᾶσαν τὴν ἰδίαν οὐσίαν μεταξὺ τῶν παίδων διελεῖν βουληθείη, τοῦ οἰκείου αὐτοῦ προσώπου τοῖς παισὶν συναριθμουμένου ἐν ἑαυτῷ, τὸ μέρος πᾶσι τρόποις παρακρατείτω, ὀφεῖλον τῷ δικαίῳ τοῦ μοναστηρίου διαφέρειν. εἰ δὲ ἐν τῷ μοναστηρίῳ διάγων τελευτήσοι, πρὶν μεταξὺ τῶν παίδων τὰ ἴδια διανεῖμαι πράγματα, τὸ νόμιμον μέρος οἱ παῖδες λήψονται, τὸ δὲ λοιπὸν τῆς οὐσίας τῷ μοναστηρίῳ διαφερέτω.

π'. Μνηστείας δὲ μεταξύ τινων κατὰ τὸν νόμον γενομένης, εἴτε ὁ μνηστὴρ εἰς μοναστήριον εἰσέλθῃ, ἀναλαμβανέτω τὰ ὑπὲρ μνηστείας ἀρραβώνων ὀνόματι δεδομένα, εἴτε ἡ

1) *cod. in m. рукой XIII в.* се писа. 2) о҃ѳ *проп. П.* 3) и *проп. Р.* 4) вънити *П.* 5) раздѣлить *У*; раздѣлити на своꙗ *Р.* 6) ни *проп. С.* 7) *cod. переправл. конечное* ꙗ *изъ* е. 8) съпричатаемꙋ *С*; съпричитаті емоу *У.* 9) въ *проп. Р.* 10) ра^з^дѣти *С, но позднѣйш. рука надпис.* ли. 11) имѣние *Р.* 12) п҃ *проп. Р.* 13) Оброученую. *У.* 14) мастырь *У.*

1) πριν ἢ вставл. cod. но обводитъ точками.

оброученица мьнишьское изберетъ житие· тако же да[1] творитъ· ѿданию коеижьдо части подаемоу· аще ли съшставъшюся[2] бракоу· моужь единъ или жена едина· вънидеть въ манастырь· да раздроушиться бракъ·[3] и бес прѣкословия· съ нимьже оубо лицьмь· въходить въ манастырь· мьнишьскыи образъ приметь· и аще оубо моужь боудеть· да ѿдасть и[4] дары женѣ·[5] и аще что ино ѿ нея прия и къ симъ ѿ брачьнъіихъ даровъ[6] толикоу часть· елико же ѿ оумьртвия[7] моужа· подобааше женѣ по съвѣщанию· дары о|бразы или (л. 307 а.) подобьное· аще ли[8] жена боудеть въ манастырь въшьдъши·[9] тѣмь же образъмь да дьржить моужь· брачьныя ради· и аще ино чьто ино и[10] вещи· и жены оу него обрящеться· да оустроити повелѣваемъ· обѣма же мьнишьское житие избравъшема· повелѣваемъ· праздьномь[11] даровьнъімь съвѣщаниемь· моужеви прѣдьржати· брачьныя дары· а женѣ своя въсприяти дары·[12] и аще ино чьто моужеви подати[13] явиться· аще не въ[14] правьдоу· или оброученыи[15]

μνήστη τὸν μοναχ<ικ>ὸν βίον ἐπιλέξεται, ὁμοίως ποιείτω, τῆς ποινῆς ἑκατέρῳ μέρει συγχωρουμένης. εἰ δὲ συνεστῶτος τοῦ γάμου ἢ ὁ ἀνὴρ μόνος ἢ ἡ γυνὴ μόνη εἰσέλθῃ εἰς μοναστήριον, διαλυέσθω ὁ γάμος καὶ δίχα ῥεπουδίου, μεθ' ὃν[1] μέντοι τὸ πρόσωπον τὸ εἰσερχόμενον ἐν τῷ μοναστηρίῳ μοναχικὸν σχῆμα λάβῃ. καὶ εἰ μὲν ὁ ἀνὴρ ᾖ, ἀποκαθιστάτω καὶ τὴν προῖκα τῇ γυναικὶ καὶ εἴ τι ἄλλο παρ' αὐτῆς ἔλαβεν, καὶ πρὸς τούτοις ἐκ τῆς γαμικῆς δωρεᾶς τοσοῦτον μέρος, ὅσον ἐκ τῆς τελευτῆς τοῦ ἀνδρὸς ἥρμοζεν τῇ γυναικὶ κατὰ τὸ σύμφωνον τὸ τοῖς προικῴοις συμβολαίοις ἐμ(л. 280^{b})φερόμενον. εἰ δὲ γυνὴ εἴη ἡ εἰς τὸ μοναστήριον εἰσελθοῦσα, τὸν ὅμοιον τρόπον παρακρατείτω ὁ ἀνὴρ τὴν γαμικὴν δωρεάν, τὸ λοιπὸν τῆς προικὸς καὶ εἴ τι ἄλλο τῶν πραγμάτων τῆς γυναικὸς παρ' αὐτῷ εὑρεθῇ, ἀποκαθιστᾶν παρακελευόμεθα. ἀμφοτέρων δὲ τὸν μοναχικὸν βίον ἐπιλεγομένων, κελεύομεν ἀργούντων τῶν προικιμαίων συμφώνων τὸν ἄνδρα παρακρατεῖν τὴν γαμικὴν δωρεὰν καὶ τὴν γυναῖκα τὴν ἰδίαν ἀναλαμβάνειν προῖκα καὶ εἴ τι ἄλλο τῷ ἀνδρὶ δεδωκέναι δειχθῇ, εἰ μή, ὡς εἰκός, ἢ ὁ μνηστὴρ

1) та *P.* 2) съставъшюся *УРС.* 3) ни *вставл. У.* 4) и *проп. Р.* 5) нженѣ *П.* 6) даровавъ *С.* 7) оумьртви *Р.* 8) и *вставл. Р.* 9) въшьдъіи *Р.* 10) иночнои *Р* (*вм.* ино чьто ино и). 11) праздьнъімь *Р.* 12) а женѣ своя въсприяти дары *проп. С.* 13) моужеви *вставл. Р.* 14) въ *проп. У.* 15) ѡброученїи *ПС.*

1) μέθὸν cod.

оброученици·[1] или моужь женѣ· или жена моужю даровати чьто· или подати въсхощеть·

п҃а· Ни юдиноꙗ власти· дамъ родителюмъ дѣтии·[2] или дѣтьмъ родителꙗ· мирьскоѥ прѣбываниѥ[3] оставлꙗюще· ꙗко неключимомъ ѿкланꙗтисѧ· своѥго наслѣдиꙗ[4] паче вины прѣжде мънишьскаꙗго житиꙗ въслѣдоующа·

п҃в· Отърицаѥмъ же родителюмъ своꙗ дѣти· мънишьскоѥ житиѥ изволивъшемъ· отъ бл҃гочьстивъıихъ[5] манастырь ѿвлѣчити·[6]

п҃г·[7] Аще[8] мьнихъ оставить своѥго[9] манастырѧ и въ инъ вънидеть·[10] ѥгоже имѣниѥ въ врѣмѧ· ѥгоже манастырѧ оставить· имѣти ꙗвитьсѧ манастыреви· въ ньже из начала въниде· сиꙗ принести подобаѥть· аще ли[11] въ мирьскоѥ житиѥ прѣидеть· ѿ еп҃па· и ѿ кънѧзѧ[12] въ[13] манастырь да въложенъ боудеть· и имѣниѥ ѥлико же по сихъ имѣти ꙗвитьсѧ | въ ньже манастырь въложенъ томоу подобаѥть·[14] аще ли пакы оставить манастырь· тъгда кънѧзь епархиꙗ· въ немьже аще обрѧщеть[15] и· да дьржить и· и въ подълежащии ѥмоу чинъ да причьтеть[16] и·[17]

τῇ μνηστῇ[1] ἢ ἡ μνηστὴ[1] τῷ μνηστῆρι, ἢ ὁ ἀνὴρ τῇ γυναικί, ἢ ἡ γυνὴ τῷ ἀνδρὶ δωρήσασθαί τι ἢ συγχωρῆσαι βουληθείη.

πα΄. Οὐδεμίαν δὲ ἄδειαν δίδομεν τοῖς γονεῦσιν τοὺς παῖδας ἢ τοῖς παισὶ τοὺς γονέας τὴν κοσμικὴν διαγωγὴν καταλιμπάνοντας ὡς ἀχαρίστους ἀποκλείειν τῆς ἰδίας κληρονομίας ὑπὲρ αἰτίας πρὸ τοῦ μοναχικοῦ βίου παρακολουθησάσης.

πβ΄. Ἀπαγορεύομεν δὲ τοῖς γονεῦσιν τοὺς ἰδίους παῖδας μοναχικὸν βίον ἐπιλεγομένους τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων ἀφέλκειν.

πγ΄. Ἐὰν μοναχὸς καταλείψῃ τὸ ἴδιον μοναστήριον καὶ εἰς ἄλλο εἰσέλθῃ, εἴ τινα πράγματα ἐν τῷ καιρῷ, καθ' ὃν τὸ μοναστήριον (л. 281^{a}) καταλέλοιπεν, ἔχειν φανείη, τῷ πρώτῳ μοναστηρίῳ, ἐν ᾧ ἐξ ἀρχῆς εἰσῆλθεν, ταῦτα διαφέρειν κελεύομεν. εἰ δὲ εἰς κοσμικὸν βίον μετέλθῃ, ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου καὶ τοῦ ἄρχοντος εἰς μοναστήριον βαλλέσθω καὶ τὰ πράγματα, ὅσα μετὰ ταῦτα ἔχειν δειχθείη, τῷ μοναστηρίῳ, ἐν ᾧ ἐμβάλ- л. 307 b.
λεται, διαφερέτω. εἰ δὲ πάλιν καταλείψῃ τὸ μοναστήριον, τότε αὐτὸν ὁ ἄρχων τῆς ἐπαρχίας, ἐν ᾗ ἂν εὑρεθῇ, κρατείτω καὶ τῇ ὑποκειμένῃ αὐτῷ[2] τάξει συναριθμείτω.

---

1) оброученицю *У.* 2) дѣти *У.* 3) прѣбываниѥ *cod.; исправл. по УС.* 4) наслѣдника *С.* 5) бл҃гочьстьныи *ПР.* 6) отвлачити *УР.* 7) п҃г *проп. Р.* 8) ли *вставл. Р.* 9) своѥго оставить *Р.* 10) не бѫдеть *С* (*вм.* вънидеть). 11) ли *проп. У.* 12) и имѣниѥ ѥлико же по сихъ имѣти ꙗвитьсѧ *С* (*вм.* ѿ еп҃па и ѿ кънѧзѧ). 13) ньже *вставл. С.* 14) подаваѥть *Р.* 15) обрѧще *П.* 16) причьть *У.* 17) и *проп. П.*

1) μνήστη cod. 2) αὐτῷ cod. in m. (срѣзано переплетчикомъ такъ, что осталось одно ἀ).

пд҃· Аще къто въсхытить или при[1] ноуждн блоудъ сътворить· или растьлить постьницю· или слоужьбьницю· или манастырьницю· или иноу какоу любо[2] женоу бл҃гобоꙗꙁнива[3] житиꙗ· обраꙁъ имоущюю того имѣниꙗ и таковыꙗ нечистоты· причащьшихъсѧ емоу· повелѣваемъ бл҃гочьстивоуоумоу мѣстоу· въ немьже таковаꙗ жена живеть· прп҃дбьнъими мѣстьнъими[4] еппы·[5] и строители ихъ· не тъкъмо нъ и коеꙗжьдо епархиꙗ кънѧꙁьми· и чинъми ихъ ѿмьщати·[6] дьржъшиихъ же[7] таковаꙗ и причащьщихъсѧ къ нимъ· вѣдоу главьноую прѣтьрпѣти· женоу же[8] съ имѣниемь еꙗ въ манастырь вьврѣщи· аще ли слоужьбьницѧ· или дѣти имать ꙁаконьны·[9] ꙁаконьноу[10] часть да подасть дѣтьмъ·[11]

пе҃· Аще ли равьно единого лѣта· по оувѣдѣнии таковааго сквьрнениꙗ· вещи не ѿмьстатьсѧ[12] ѿ бл҃гочьстивъихъ домовъ· повелѣваемъ вьсѣми обраꙁы комитоу приватъ[13] нашимь ꙁаконъмь сиꙗ оутвьржати· мѣстьнъимъ кънꙗꙁемъ· лѣнивѣвшаагосѧ[14] ѿмьстити сиꙗ вещи· поꙗсоу ѿꙗтоу ѿ него· и продание

1) при *проп. У.* 2) любо *У.* 3) бл҃гобоꙗꙁнивꙋ *П.* 4) мѣстьнъими *проп. У.* 5) епископы *У.* 6) ѿмьтати *С.* 7) же *проп. С.* 8) съ имѣ *вставл. С.* 9) законныи *П.* 10) законꙋю *П.* 11) дѣтелемъ *С, но слогъ ле зачеркнуто.* 12) ѿмьщатьсѧ *С.* 13) провать *У.* 14) лѣнившаагосѧ *П*; лѣнивѣнишаагосѧ *проп. С.*

πδʹ. Εἴ τις ἁρπάσῃ ἢ ὑπονοθεύσῃ ἢ διαφθείρῃ ἀσκήτριαν ἢ διακόνισσαν ἢ μονάστριαν ἢ ἄλλην οἱανοῦν γυναῖκα εὐλαβῆ βίον ⟨ἢ⟩ σχῆμα ἔχουσαν, τὰ τούτου πράγματα καὶ τῶν τοιούτου μύσους αὐτῷ μετασχόντων κελεύομεν τῷ εὐαγεῖ τόπῳ, ἐν ᾧ ἡ τοιαύτη γυνὴ οἰκεῖ, διὰ τῶν κατὰ τόπον ὁσιωτάτων ἐπισκόπων καὶ τῶν οἰκονόμων αὐτῶν, οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ τῶν ἑκάστης ἐπαρχίας ἀρχόντων καὶ τῶν αὐτῶν τάξεων διεκδικεῖσθαι· τοὺς δὲ τὰ τοιαῦτα τολμήσαντας καὶ τοὺς μετασχόντας αὐτῶν τὸν[1] εἰς κεφαλὴν κίνδυνον ὑπομένειν· τὴν δὲ γυναῖκα μετὰ τῶν αὐτῆς πραγμάτων ἐν μοναστηρίῳ ἐκβάλλεσθαι. εἰ μέντοι διακόνισσα ἢ[2] καὶ παῖδας ἔχοι νομίμους, τὸ νόμιμον μέρος διδόσθω τοῖς παισίν.

πεʹ. Εἰ δὲ εἴσω ἑνὸς ἐνιαυτοῦ μετὰ τὸ γνωσθῆναι (л. 281ᵇ) τὸ τοιοῦτον μῦσος τὰ πράγματα μὴ ἐκδικηθῇ ὑπὸ τῶν εὐαγῶν οἴκων, κελεύομεν πᾶσι τρόποις τὸν κόμητα τῶν πριβάτων τῷ ἡμετέρῳ φίσκῳ ταῦτα προσκυροῦν, τοῦ τῶν τόπων ἄρχοντος τοῦ ἀμελήσαντος ἐκδικῆσαι τὰ αὐτὰ πράγματα τῆς ζωῆς ἀφαιρουμένου καὶ πρόστιμον

1) τοὺς cod. 2) εἰ cod.

пати | литръ злата· ѿ комита прикатъ сътваражемо·

п҃г· Вьсѣмъ же ѿноудъ·[1] отърицаѭемъ· приимаѭщиимъ образъ[2] мынишьскыи· или манастырьници· или постьници· какыимь оубо[3] образъмь играти·[4] въ цр҃квьнѣмь оустроѥнии· начинаѭщиихъ же си· тѣлесьныꙗ подъꙗти казни· и изгънанию прѣдати· промышлаѭщиихъ не тъкъмо тѣхъ мѣстъ· нъ и гражаньскыимъ воиньствьныимъ[5] кънѧземъ· твоѥи оубо славѣ· соуцилаго ради закона новоображенаего· въ ѥдина боудоущиа лѣта· съхранити повелѣваѥмъ· и[6] на прочеѥ могоущю· наша повелѣ тихость· по вьсемоу съхранити промысли· и въ вьсѣхъ разоумоу· по цр҃ьскомоу[7] градоу· прѣдъложеныимъ изведеть·

п҃з·[8] кыꙗ подобаѥть поставлꙗти еп҃пы· и клирикы· ꙗко[9] въ коѥжьдо лѣто· ѥдиною[10] ѿ еп҃пъ· бывати съборoу· въ епархиꙗхъ·

Въ гражаньскѣмь законѣ· ѥгоже область намъ б҃ъ·[11] по своѥмоу чл҃вколюбьствию· пороучи извѣсты вьсѣмъ[12] хранити на оутвьржениѥ послоушаѭщиихъ тъщимъсѧ·[13]

1) ѿноудоу *П.* 2) ѡбразъмъ *П.* 3) оубо *проп. У.* 4) игратїи *П.* 5) гражаньскымъ *У.* 6) и *проп. С.* 7) цр҃ьскомоу *ПС.* 8) *вм.* п҃з, *Н особое заглавіе:* Иоустиньꙗна цр҃ѧ ·г҃· го скора· ѡ взаконении. 9) и *Н.* 10) ѥдиномоу *Н.* 11) б҃ъ *проп. П.* 12) всехъ *П.* 13) тщимсѧ *НУ.*

ε´ χρυσίου λιτρῶν ὑπὸ τοῦ κόμητος τῶν πριβάτων εἰσπραχθησομένου. л. 308 а.

πϛ´. Πᾶσιν δὲ καθάπαξ ἀπαγορεύομεν κεχρῆσθαι[1] σχήματι μοναχ<ικ>ῷ ἢ μοναστρίας ἢ ἀσκητρίας, ἢ οἱῳδήποτε τρόπῳ ἐμπαῖξαι εἰς ἐκκλησιαστικὴν κατάστασιν. τοὺς δὲ τοῦτο ἐπιχειροῦντας σωματικὰς ὑποστῆναι τιμωρίας καὶ ἐξορίᾳ παραδοθῆναι, προνοούντων τούτων οὐ μόνον τῶν κατὰ τόπον, ἀλλὰ καὶ τῶν πολιτικῶν καὶ στρατιωτικῶν ἀρχόντων. ἡ σὴ τοίνυν ἐνδοξότης τὰ διὰ τοῦ παρόντος νόμου νεωστὶ διατυπωθέντα ἐπὶ μόνοις τοῖς μέλλουσι χρόνοις παραφυλάττεσθαι κελεύομεν καὶ εἰς τὸ διηνεκὲς ἰσχύσοντος ἡ ἡμετέρα ἐθέσπισεν γαληνότης, κατὰ πάντα φυλαχθῆναι προενοήσατο καὶ εἰς τὴν ἁπάντων γνῶσιν κατὰ τὴν βασιλίδα πόλιν παρατιθεμένων ἀγάγοι.

πζ´. Ποίους δεῖ χειροτονεῖσθαι ἐπισκόπους καὶ κληρικούς· καὶ ὥστε καθ' ἕκαστον ἔτος μίαν τῶν ἐπισκόπων γίνεσθαι σύνοδον ἐν ταῖς αὐτῶν ἐπαρχίαις.

(л. 282ª) Εἰς τοὺς πολιτικοὺς νόμους, ὡς τὴν ἐξουσίαν ἡμῖν ὁ θεὸς κατὰ τὴν ἑαυτοῦ φιλανθρωπίαν ἐπίστευσεν, βεβαίους διὰ πάντων φυλάττεσθαι πρὸς ἀσφάλειαν τῶν ὑπηκόων σπουδάζομεν,

1) κεχρίσθαι cod.

кольми паче большеѥ тъщаниѥ· дълъжьни ѥсмъ[1] сътворити·[2] о стражи с҃щенъныхъ[3] канонъ· и б҃жьствьнъныхъ ꙁаконъ ꙁа д҃ша нашего с҃псениꙗ ꙁаповѣданъныхъ· хранꙗщеи[4] бо[5] с҃щенъıꙗ канонъı[6] вл҃дкъı б҃а помощи съподоблꙗютьсѧ· и (л. 308 b.) | сиꙗ прѣстоупающе[7] сами себе· въ осоужениѥ вълагають· большюмоу же повиньни осоуженню·[8] прѣподобьнии еп҃пи· имъже пороучено бъ҃ı искати канонъı и хранити· нежели что ѿ сихъ прѣстоупаѥмо неѿмьщьно оставѧть· божьствьнъıимъ оубо[9] канономъ несъхранꙗѥмомъ·[10] раꙁличьна престоуплѥниꙗ приꙗхомъ·[11] на клирикъı же[12] и[13] мьнихъı· и нѣкъıꙗ еп҃пъı· ꙗко не по б҃жьствьнъıимъ канономъ[14] живоущиихъ·[15] и[16] дроуꙁии же обрѣтаютьсѧ· ни того самого[17] ст҃го приношениꙗ· или[18] ст҃го крьщениꙗ· молитвъı съвѣ[доу]ще·[19] б҃жии оубо раꙁоумѣвающе[20] соудъ на[21] коѥжьдо преженꙁвѣщенъныхъ[22] въꙁисканиѥ же и[23] исправлѥниѥ повелѣхомъ· правильно[24] проиꙁити· аще бо

πόσῳ μᾶλλον πλείονα σπουδὴν ὀφείλομεν θέσθαι περὶ τῆς τῶν ἱερῶν κανόνων καὶ θείων νόμων παραφυλακῆς τῶν ὑπὲρ τῆς τῶν ἡμετέρων ψυχῶν σωτηρίας ὁρισθέντων; οἱ γὰρ τοὺς ἱεροὺς[1] κανόνας φυλάττοντες τῆς τοῦ δεσπότου θεοῦ βοηθείας ἀξιοῦνται, καὶ οἱ τούτους παραβαίνοντες αὐτοὶ ἑαυτοὺς τῇ κατακρίσει ὑποβάλλουσιν. μείζονι δὲ ὑπόκεινται κατακρίσει οἱ ὁσιώτατοι ἐπίσκοποι, οἷς πεπίστευται καὶ ζητεῖν τοὺς κανόνας καὶ φυλάττειν, εἴπερ τι τούτων παραβαινόμενον ἀνεκδίκητον καταλείπωσιν. τῶν οὖν θείων κανόνων μὴ παραφυλαχθέντων, διαφόρους προσελεύσεις ἐδεξάμεθα κατὰ κληρικῶν τε καὶ μοναχῶν καί τινων ἐπισκόπων, ὡς μὴ κατὰ τοὺς θείους κανόνας βιούντων· καὶ ἄλλοι δὲ ηὕρηνται μηδὲ αὐτὴν τὴν τῆς ἁγίας προσκομιδῆς ἢ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος προσευχὴν ἐπιστάμενοι.

Τὸ τοῦ θεοῦ ἐννοοῦντες τοίνυν κρῖμα, τὴν ἐφ' ἑκάστῳ τῶν προσαγγελθέντων ζήτησίν τε καὶ διόρθωσιν ἐκελεύσαμεν κανονικῶς προελθεῖν. εἰ γὰρ καὶ τὰ

---

1) ѥсмъı *Н.* 2) творити *П.* 3) с҃щньнъıнхъ *Н.* 4) хранѧщии *Н*; хранꙗще *П.* 5) и *вставл. П.* 6) и *вставл. Н.* 7) прѣстоупащеи *Н.* 8) осоуженню повиньни *У.* 9) оубо *проп. Н.* 10) нехранѧѥмомъ *Н.* 11) *С перепр. другой рукой въ* пріаходнмъ. 12) иже *П.* 13) и *проп. П.* 14) канѡмъ *П.* 15) живоущімъ *Н.* 16) и *проп. Н.* 17) ѿ *вставл. Н.* 18) и *Н.* 19) *исправл. по НП;* или ст҃го крьщениꙗ молитвъı съвѣще *проп. У.* 20) раꙁоумѣвꙗющии *Н*; раꙁѹмѣюще *С.* 21) нѣ *Н.* 22) и *вставл. Н.* 23) и *проп. С.* 24) правилноѥ *Н.*

1) ἱερεῖς cod.

съгрѣшаѥмыихъ[1] ѿ простыихъ благородьныи законъ· не даѥть безъ възисканиꙗ· и ѿмьщениꙗ оставлꙗти· како въѡбраженаꙗ ѿ апл҃ъ и ѿ оц҃ь· за сп҃сениѥ вьсѣхъ правильно·[2] прѣзьрѣти[3] търпимъ· многы[4] же ѿ того паче· въ грѣхы въпадъша· обрѧщемъ заниѥ не[5] бывати ѿ прп҃дбьныихъ чиститель съборoу· и[6] заповѣданаꙗ[7] ѿ ст҃ыихъ апл҃ъ· и ѿ ст҃ыихъ отьць аще бо се съхраниѥно было· кыижьдо[8] боꙗсѧ· обличениꙗ прѣдъ съборъмь· тыщалъ бы сѧ бж҃ьствьныꙗ выкноути слоужьбы· и цѣломоудрьно жити·[9] да не чьто въ осоужениѥ бж҃ьствьныихъ канонъ въпадеть· и оно[10] же ничьсо[11] же мьниѥ· нѣкыи|мъ грѣхомъ вина ꙗко разв҄ѣ испытаниꙗ· и на правоую вѣроу и чисто житиѥ· съвѣдѣниꙗ[12] поставлꙗѥми бываютъ еп҃пи· и попове и диꙗкони·[13] [и][14] прочии клирици· аще бо[15] по повелѣнии[16] молитисѧ за люди· недостоини бж҃ия слоужениꙗ обрѧщютьсѧ· како за людьскаꙗ[17] съгрѣшениꙗ оумолити възмогоуть б҃а· ꙗко[18] поставлениꙗ же[19] чистителѥвъ·

παρὰ τῶν λαϊκῶν ἁμαρτανόμενα οἱ γενικοὶ νόμοι οὐ συγχωροῦσιν δίχα ζητήσεως καὶ ἐκδικήσεως καταλιμπάνεσθαι, (л. 282[b]) πῶς τὰ παρὰ τῶν ἀποστόλων καὶ πατέρων ὑπὲρ τῆς τῶν πάντων ἀνθρώπων σωτηρίας κανονικῶς διατυπωθέντων περιϊδεῖν ἀνασχώμεθα; πολλοὺς δὲ ἐκ τούτου μάλιστα τοῖς ἁμαρτήμασιν εὕρομεν περιπεσόντας, διὰ τὸ μὴ γίνεσθαι τὰς συνόδους τῶν ὁσιωτάτων ἱερέων καὶ τὰ ὁρισθέντα ὑπὸ τῶν ἁγίων ἀποστόλων καὶ τῶν ἁγίων πατέρων· εἰ γὰρ τοῦτο παρεφυλάχθη, ἕκαστος εὐλαβούμενος τὸν ἐπὶ τῆς συνόδου ἔλεγχον ἐσπούδαζεν καὶ τὰς θείας ἐκμανθάνειν λειτουργίας καὶ σωφρόνως βιοῦν, ἵνα μή τι εἰς κρίσιν τῶν θείων κανόνων ὑποβληθῇ. κἀκεῖνο δὲ οὐδὲν ἧττόν τισιν (л. 309 b.) ἁμαρτήμασιν πρόφασις, ὅτι χωρὶς ἐξετάσεως καὶ τῆς ἐπὶ τῇ ὀρθῇ πίστει καὶ σεμνότητι βίου μαρτυρίας χειροτονοῦνται ἐπίσκοποι καὶ πρεσβύτεροι καὶ διάκονοι καὶ λοιποὶ κληρικοί· εἰ γὰρ οἱ ἐπιτετραμμένοι εὔχεσθαι ὑπὲρ τοῦ λαοῦ ἀνάξιοι τῆς τοῦ θεοῦ ὑπηρεσίας εὑρεθεῖεν, πῶς ὑπὲρ τῶν τοῦ λαοῦ πλημμελημάτων ἐξιλεοῦσθαι δυνήσονται τὸν θεόν; ὅτι δὲ τὰς χειροτονίας τῶν ἱερέων

---

1) съгрѣшаѥмыимъ *Н*. 2) правилноѥ *Н*; павильно *С*. 3) творимъ и *вставл. Н*. 4) многымъ *П*. 5) не *Н позднѣйшей рукой*. 6) и *проп. П*. 7) заповѣдаа *П*. 8) кыиждо *С*. 9) быти *С*. 10) он *Н*. 11) ничто *Н*. 12) и на правоую вѣроу и чисто житиѥ съвѣдѣнїа *проп. Н*. 13) дїаконе *П*. 14) *вставка изъ НУ*. 15) ли *С*. 16) повелѣнїи *С*; попове лѣниви *Н* (*вм.* по повелѣнии). 17) людьскыꙗ *Н*. 18) ꙗко *проп. У*. 19) не *Н*.

съ вьсѣмъ извѣщениемь подобаѥть бывати· оучить ны[1] с҃тыи б҃ословьць григории· въслѣдоуꙗ с҃тыимъ ап҃ломъ· и бж҃ьствьнꙑимъ канонꙑмъ· гл҃ѥть бо въ[2] велицѣмь ѿвѣтьнѣ[3] сице· къто же павьла канонꙑмъ и заповѣдьмъ· себе простираꙗ· ꙗже[4] о еп҃пѣхъ и о попѣхъ повелѣ· трѣзвьливомъ и цѣломоудрьномъ бꙑти· не пиꙗницамъ [не вин]цамъ·[5] оучительномъ· и непостꙑжьномъ[6] въ вьсемь[7] неприкосновеномъ[8] нелоукавъıимъ·[9] не много отъбѣгаю щаго[10] обрѧщеть·[11] правлениꙗ канонъ· и пакꙑ тъи же гл҃ѥть сице· очистити подобаѥть прѣже потомъ· же раставити· бꙑти свѣтоу и просвѣтити·[12] и приближитисѧ б҃оу и привести ны·[13] ос҃титисѧ и ос҃тити·[14] привести роуками· съвѣщати съ разоумъмь· и пакꙑ тъи же с҃тыи григории· о тѣхъ же[15] въ тѣхъ же[16] словѣ· се[17] пише[18] то къто[19] зиждаи·[20] ꙗко въ тъ д҃нь бранынъ· истиньнаго застоупьника· по анг҃лѣхъ поставлѥнаго· и съ анг҃лꙑ славѧща· и съ хрьстосъмь съчистительствовавъша·[21]

μετὰ πάσης ἀκριβείας προσήκει γίνεσθαι, διδάσκει ἡμᾶς καὶ ὁ ἐν ἁγίοις Γρηγόριος ὁ θεολόγος ἑπόμενος τοῖς ἁγίοις ἀποστόλοις καὶ τοῖς θείοις κανόσι. λέγει γὰρ ἐν τῷ μεγάλῳ Ἀπολογητικῷ οὕτως· Τίς δὲ τοῖς τοῦ Παύλου κανόσιν καὶ ὅροις ἑαυτὸν παρεκτεί(л. 283а)νων περὶ ἐπισκόπων ἐξέταξε καὶ πρεσβυτέρων, νηφαλίους, σώφρονας εἶναι, μὴ παροίνους, ἢ πλεονέκτας, διδακτικούς, ἀνεπιλήπτους τοῖς πονηροῖς, οὐ πολὺ τὸ διαφεῦγον εὑρήσει τὴν[1] τῶν κανόνων εὐθύτητα. καὶ πάλιν ὁ αὐτὸς λέγει οὕτω· Καθαρθῆναι δεῖ πρῶτον, εἶτα καθᾶραι, σοφισθῆναι καὶ οὕτω σοφίσαι, γενέσθαι φῶς καὶ φωτίσαι, ἐγγίσαι θεῷ καὶ προσαγαγεῖν ἄλλους, ἁγιασθῆναι καὶ ἁγιάσαι, χειραγωγῆσαι καὶ μετὰ χειρῶν, συμβουλεῦσαι μετὰ συνέσεως. καὶ πάλιν ὁ αὐτὸς ἐν ἁγίοις Γρηγόριος περὶ τῶν αὐτῶν ἐν τῷ αὐτῷ λόγῳ τοῦτο[2] γράφει· Τίς ὁ πλάττων καθάπερ αὐθήμερον πηλίνους, τὸν[3] τῆς ἀληθείας λειτουργίας προστάτην,[4] τὸν μετὰ ἀγγέλων στησόμενον καὶ μετὰ ἀρχαγγέλων δοξάζοντα καὶ Χριστῷ συνιερεύσαντα;

---

1) нꙑи *Н.* 2) въ *проп. Н.* 3) ѿвѣтѣ *Н.* 4) ꙗкоже *С.* 5) *исправл. по ПН; cod. выскобл. на мѣстѣ, занятомъ* не виница, *около 5 буквъ, изъ которыхъ еще различаются только* ца (*не было ли передъ этимъ слогомъ буквъ* пин?); не виницамъ *проп. С.* 6) непост҃номъ *Н.* 7) и *вставл. Н.* 8) неприкосновенъ *Н*; непрѣкословьномъ *У.* 9) лоукавꙑи *ПН.* 10) ѿбѣгающе *Н.* 11) обрѧть *С*; ѡбрѧщють *Н.* 12) и просвѣтити *вставл. С.* 13) нꙑи *П.* 14) с҃тити *Н.* 15) і *вставл. Н.* 16) же *проп. Н.* 17) словесѣ *Н, но* ᷦ *допис. позднѣйш. рукой.* 18) пишеть *Н.* 19) то къто *проп. Н.* 20) зижаи *Н.* 21) съч҃тительствовавша *Н.*

1) τῇ cod. 2) τοῦτο cod. между строкъ. 3) τῶν cod. 4) προστάττειν cod., переправл. изъ προστάττειν.

и сихъ ради [1] показаѥть бЃословьць-кꙑꙗ подобаѥть къ | чиститєльствоу прѣдълагати· ѿ поставꙗѥмꙑихъ же недостоино· тъи же сице гл҃ѥть· въ томь же словѣ· иже ничьсо [2] же къ чиститєльствоу принесъше· не добрꙑимъ пострадавъше· [3] въкоупь [4] же и [5] оученици и оучителѥ· [6] блЃочьстꙑꙗ ꙗвлꙗѥтьсѧ· и прѣже раставлѥномъ бꙑти· раставлꙗють· вьчера [7] сщ҃енооградьници· [8] и дн҃ь чиститєлѥ· [9] вьчера кромѣ ст҃ꙑихъ· и дн҃ь сщ҃енꙑимъ оучителѥ [10] ветъси [11] ꙁълобою и хоуди [12] блЃочьстиѥмь· имъже дѣло блЃодѣти [13] члв҃чьскꙑꙗ· а не дх҃овьнꙑꙗ· ꙗко же ст҃ии [14] канони възбранꙗють· клирикомъ бꙑвати· въторꙋю женоу поимающаꙗ· [15] и ст҃ꙑи василии [16] оучить сице· глꙗ· дъвоженьцемъ канонъ [17] цр҃квь ꙁатварѧѥть· и сиꙗ оубо ст҃ꙑи василии· толико же ст҃ии [18] оц҃и чиститєльствъмь попекошасѧ· [19] ꙗко [20] и [21] въ никеи [22] сънидъшєсѧ [23] канонъ проповѣдаша сице имоущь· [24] ѿрече ѿноудъ [25] великꙑи [26] съборъ· ни еп҃поу· ни попоу ни диꙗконоу· ни въ клиросѣ коѥмоу· подобаѥть

л. 310 a.

καὶ διὰ τούτων μὲν δείκνυσιν ὁ θεολόγος, ποίους δεῖ πρὸς τὴν ἱερωσύνην προβάλλεσθαι. περὶ δὲ τῶν ἀναξίως χειροτονουμένων ὁ αὐτὸς τάδε λέγει ἐν τῷ αὐτῷ λόγῳ· Οἱ [1] μηδὲν τῇ ἱερωσύνῃ προσεισενεγκόντες μηδὲ τῷ καλῷ ταλαιπωρήσαντες ὁμοῦ τε μαθηταὶ καὶ διδάσκαλοι τῆς [2] εὐσεβείας ἀναδείκνυνται, καὶ πρὶν καθαρθῆναι καθαίρουσιν· χθὲς ἱερόσυλοι καὶ σήμερον ἱερεῖς, χθὲς τῶν ἁγίων καὶ μυσταγωγοὶ σήμερον, παλαιοὶ τὴν κακίαν καὶ σχέδιοι τὴν εὐσέβειαν, οἷς ἔργον χάριτος (л. 283ᵇ) ἀνθρωπίνης, οὐ τῆς τοῦ πνεύματος. ὅτι δὲ οἱ θεῖοι κανόνες κωλύουσι κληρικοὺς εἶναι τοὺς δευτέραν γαμετὴν λαβόντας, καὶ ὁ ἐν ἁγίοις Βασίλειος διδάσκων οὕτως λέγει· Τοὺς δευτερογάμους ὁ κανὼν τῆς ἐκκλησίας ἀπέκλεισεν. καὶ ταῦτα μὲν ὁ ἐν ἁγίοις Βασίλειος. τοσοῦτον δὲ οἱ ἅγιοι πατέρες τῆς ἱερωσύνης ἐφρόντισαν, ὅτι οἱ ἐν Νικαίᾳ συνελθόντες κανόνα ἐξέθεντο οὕτως ἔχοντα· Ἀπηγόρευσεν καθόλου ἡ μεγάλη σύνοδος μήτε ἐπίσκοπον μήτε πρεσβύτερον μήτε διάκονον μήτε ὅλως τῶν ἐν τῷ κλήρῳ τινὶ ἐξεῖναι

---

1) ради *проп. Н.* 2) ни во что *Н* (*вм.* ничьсо). 3) пострадавшю *Н.* 4) оукоуп *Н.* 5) и *проп. Н.* 6) оучитель *УН.* 7) вечера *У.* 8) сщ҃еньноѡкрадьници *Н.* 9) чиститель *УН.* 10) оучитель *УН.* 11) ветсии *Н.* 12) хоудїи *Н.* 13) блЃодати *НУ.* 14) и *вставл. С.* 15) поимающемоу *Н.* 16) василеи *Н.* 17) каконъ *С.* 18) ст҃и *Н.* 19) и *вставл. С.* 20) же *вставл. У.* 21) и *проп. С.* 22) никии *Н.* 23) сънишєшесѧ *СН.* 24) имѹть *С.* 25) ѿнѹдѹ *Н;* ѿтиноудь *Н.* 26) васїлии ст҃ꙑи *вставл. Н.*

1) οἳ cod. 2) τοὺς cod.

ѩоже его имѣти· аще не оубо мтре· или сестрьнꙗ[1] сестры· или єдиного лица тъкъмо· лицемѣрьство бѣгаѥть отъ бжьствьныихъ оубо канонъ· заповѣданыимъ· въслѣдоующе пришьдъшеи[2] творимъ[3] законъ· имьже повелѣваѥмъ· елишьды[4] потрѣба боудеть епспы[5] поставлꙗти· разоумѣти клирикомъ и пьрвыимъ града· въ нѥмьжь хощеть епспъ поставлѥнъ быти· и прѣдълежащиимъ[6] стыи|мъ еваггелиѥмъ· прѣдъ трьми лици причьтъ[7] творити·[8] и комоужьдо ихъ· клѧтисѧ по бжствьныимъ словесьмъ· и написати ими[9] ꙗко ни въданиꙗ[10] ради· ни обѣщаниꙗ[11] ради· ни любъве ради· ни блгдти[12] ради· или иноꙗ коѥꙗ мсти· нъ съвѣдоуще ѥю[13] правою и съборьною[14] вѣрою· и чистыимь житиѥмь· и[15] въ тридесѧтьноѥ лѣто избереть· да ни жены ни дѣти[16] имѣти· вѣдѧть нѣкыꙗ[17] ѿ нихъ· или мьньшицю· или дѣти ѥстьствьны[18] имѣти ѥмоу· вѣдѧть и· или[19] имѣвъшю· нъ аще и[20] пьрвѣѥ ѿ нихъ· подроужиѥ имѣти и то[21] ѥдино· а ни[22] въдовицю[23] ни ѿ моужа· ѿлоучьшиꙗсѧ· ни свщеныими каноны

συνείσακτον ἔχειν, εἰ μὴ ἄρα μητέρα ἢ θείαν ἢ ἕνα πρόσωπον μόνον ὑποψίαν διαφεύγει. τοῖς ὑπὸ τῶν θείων κανόνων ὁρισθεῖσιν ἀκολουθοῦντες τὸν παρόντα ποιούμεθα νόμον, δι' οὗ θεσπίζομεν, ὁσάκις χρεία γένηται ἐπίσκοπον χειροτονηθῆναι, συνιέναι τοὺς κληρικοὺς καὶ τοὺς πρώτους τῆς πόλεως, ἧς μέλλει ἐπίσκοπος χειροτονηθῆναι, καὶ προκειμένων τῶν ἁγίων εὐαγγελίων ἐπὶ τρισὶ προσώποις ψηφίσματα ποιεῖν καὶ ἕκαστον αὐτῶν ὀμνύναι κατὰ τῶν θείων λογίων καὶ ἐγγράφειν αὐτούς, ὅτι οὐδὲ διὰ δόσιν οὔτε δι' ὑπόσχεσιν ἢ φιλίαν ἢ χάριν ἢ ἄλλην οἱανδήποτε προσπάθειαν, ἀλλ' εἰδότες αὐτοὺς τῆς ὀρθῆς καὶ καθολικῆς πίστεως καὶ σεμνοῦ βίου καὶ ὑπὲρ τὸ τριακοστὸν ἔτος ἐνιαυ(л. 284а)τοῦ τοῦ ἔτους ἐπελέξατο, καὶ οὔτε γαμετὴν οὔτε παῖδας ἴσασίν τινας ἐξ αὐτῶν ἔχειν ἢ παλλακὴν ἢ παῖδας φυσικοὺς γινώσκουσιν αὐτὸν ἐσχηκέναι ἢ ἔχειν· ἀλλ' εἰ καὶ πρότερόν τις ἐξ αὐτῶν γαμετὴν εἶχεν καὶ αὐτὴν μίαν καὶ οὐδὲ χήραν οὐδὲ ἀνδρὸς ἀποζευχθεῖσαν οὐδὲ τοῖς ἱεροῖς κανόσιν

---

1) сестрелѧ *С*; мтрнѧ *НП*. 2) приснымъ *Н*. 3) въслѣдоующе пришьдъшеи творимъ *проп. У*. 4) ѥлижды *Н*. 5) ѥппа *Н*. 6) прѣдълещиимъ *У*. 7) прицетъ *Н*. 8) створити *Н*. 9) имъ *Н*. 10) вдатьꙗ *Н*. 11) ѿбрѣтеньꙗ *Н*. 12) благодати *УС*. 13) ѥа *П*; ꙗ *Н*. 14) зборною *Н*. 15) и *проп. П*. 16) дѣтии *Н*. 17) ныкыꙗ *cod*. 18) естественыи *П*. 19) или *проп. Н*. 20) и *проп. С*. 21) то *проп. С*. 22) аще *П* (*вм.* а ни). 23) вдовици *П*.

Ѿреченоу· нъ и гражанииоу ни[1] воинoу[2] коѥмоу· ѿ причитаѥмыихъ[3] быти съвѣдать· абаче[4] аще не въ манастыри· не мьне пяти на десяте[5] лѣтъ· мьнишьскы[6] живаи·[7] или воинъ[8] житиѥ необлъгано съвьрши· явѣ[9] прѣди[10] реченаадго намъ съблюдания·[11] и на сихъ лицихъ· въ[12] бывающиихъ о нихъ причьтѣхъ хранимоу· да тако[13] причитаѥмомъ трьмъ лицемъ· больши[14] изберетьса· поставлѥнъ боудеть· соу[до]мь[15] поставлающааго· истязати[16] же иьрѣѥ хотящааго поставити· отъ поставлающааго· харътию[17] написаниѥмь[18] своимь· имоущю о правѣи ѥго вѣрѣ· възвѣщати же[19] томоу· и бж҃ьствьноѥ приношениѥ· бывающеѥ о ст҃ѣмь комъкании· и о | ст҃ѣмь крьщении мл҃твы· и прочая мл҃твы·[20] клятвы же[21] имѣти· и[22] томоу поставляѥмомоу къ бж҃ьствьнымъ писаниѥмъ· яко ни о[23] себе ни о ⟨и⟩номь лици[24] дасть ли[25] обѣщаса·[26] ни[27] по сихъ дасть· или

ἀπηγορευμένην, ἀλλ' οὐδὲ πολιτευόμενον ἢ ταξεώτην τινὰ τὸν ψηφιζόμενον εἶναι γινώσκουσιν, πλὴν εἰ μὴ ἐν μοναστηρίῳ οὐχ ἧττον ιε΄ ἐνιαυτῶν μοναχικῶς πολιτευόμενος ἢ ὁ ταξεώτης[1] βίον ἀδιαβλήτως ἐξετέλεσεν, δηλαδὴ τῆς ἔμπροσθεν εἰρημένης ἡμῖν παρατηρήσεως καὶ ἐπὶ τούτων τῶν προσώπων ἐν τοῖς γινομένοις περὶ αὐτῶν ψηφίσμασι φυλαττομένης, ἵνα ἐκ τῶν οὕτως ψηφιζομένων τριῶν προσώπων ὁ βελτίων χειροτονηθῇ τῇ ἐπιλογῇ καὶ τῷ κρίματι τοῦ χειροτονοῦντος. ἀπαιτεῖσθαι δὲ πρότερον τὸν μέλλοντα χειροτονεῖσθαι παρὰ τοῦ χειροτονοῦντος λίβελλον μεθ' ὑπογραφῆς ἰδίας περιέχοντα τὰ περὶ τῆς ὀρθῆς αὐτοῦ πίστεως, ἀπαγγέλλειν δὲ τοῦτον καὶ τὴν θείαν προσκομιδὴν τὴν ἐπὶ τὴν ἁγίαν κοινωνίαν γινομένην καὶ τὴν ἐπὶ τῷ ἁγίῳ [л. 310 b.] βαπτίσματι εὐχὴν καὶ τὰς λοιπὰς προσευχάς. ὅρκον δὲ ὑπέχειν καὶ αὐτὸν τὸν χειροτονούμενον πρὸς τῶν θείων γραφῶν, ὡς οὔτε δι' ἑαυτοῦ (л. 284[b]) οὔτε δι' ἑτέρου προσώπου δεδωκώς τι ἢ ὑπέσχετο, οὔτε μετὰ ταῦτα δώσει ἢ

1) ни *проп. Н.* 2) въинꙋ *НС.* 3) причтаѥмъıхъ *Н.* 4) ѡбаче *НС.* 5) ҃і *Н* (*вм.* пяти на десяте). 6) минишескыи *Н.* 7) жива *Н.* 8) воино *Н*; въинъ *С.* 9) яви *Н.* 10) прѣжди *Н.* 11) съблюдения *Н.* 12) въ *проп. Н.* 13) да тако *вставл. С.* 14) болшїи *Н.* 15) *исправл. по НП*; симь *У.* 16) истяжати *С.* 17) харoти *Н.* 18) написаѥмъ *Н.* 19) къ *вставл. Н.* 20) мл҃твы *проп. Н.* 21) иже *Н.* 22) и *проп. Н.* 23) ино *ПС* (*вм.* ни о). 24) лице *Н.* 25) или *Н.* 26) Ѿвѣщаса *С.* 27) ни *проп. С.*

1) ταξιώτης cod.

томоу или поставлꙗющюмоу ѥго· или причьты на нѥмь творꙗщиимъ· аще ли къто чрѣсъ въспомѧ[нове]ноѥ[1] съхранѥниѥ· еп҃пъ поставлѥнъ боудеть· повелѣваѥмъ· и того[2] вьсѣми образы· ѿ еп҃пиѩ[3] изгънати і[4] дьрзноувъшаалго чрѣсъ си поставити· аще ли къто ог҃ланиѥ[5] коѥ[6] сътворить·[7] на хотѧщаалго поставити· или на еп҃па· или на попа· или на[8] диакона· или на клирика· или на игоумена· о каковѣи[9] оубо винѣ· да ожидетьсѧ таковоѥ поставлѥниѥ· и да боудеть пьрвѣѥ испытаниѥ[10] ог҃ланиѩ пришьдъшю ог҃ланомоу· и исходѧщю· прѣжевъзвѣщенъıимъ ѿ нѥго· аще ли остаѥть· и повѣдаѥть[11] на нь рѣчь[12] ог҃льникъ· и тако[13] поставлѥниѥ хотѧи сътворити· възисканиѥ извѣсто[14] развѣ[15] трии мц҃ь· и аще повиньна обрѧщеть· ог҃ланиѥ подъимъшаалго· или по бж҃ьствьнъıимъ канонемъ·[16] или по нашемь законѣ· да[17] възбранитьсѧ поставлѥниѩ· аще ли неповиньнъ[18] ѩвитьсѧ· или ошьдъшю[19] оглагольникоу· или пришьдъшю· да боудеть поставлѥниѥ· аще ли

αὐτῷ ἢ τῷ χειροτονοῦντι αὐτὸν ἢ τοῖς τὰ ψηφίσματα εἰς αὐτὸν ποιησαμένοις. εἴ τις δὲ παρὰ τὴν μνημονευθεῖσαν παραφυλακὴν ἐπίσκοπος χειροτονηθῇ, κελεύομεν καὶ αὐτὸν πᾶσιν τρόποις τῆς ἐπισκοπῆς ἐκβάλλεσθαι καὶ τὸν παρὰ ταῦτα τολμήσαντα χειροτονῆσαι. εἰ δέ τις κατηγορίαν τινὰ ποιήσηται κατὰ τοῦ μέλλοντος χειροτονεῖσθαι ἢ ἐπισκόπου ἢ πρεσβυτέρου ἢ διακόνου ἢ ἄλλου κληρικοῦ ἢ καὶ ἡγουμένου ἐφ’ οἱαδήποτε αἰτίᾳ, ἀναβαλλέσθω[1] ἡ τοιαύτη χειροτονία καὶ γινέσθω πρότερον ἐξέτασις τῆς κατηγορίας, παρόντος τοῦ κατηγόρου καὶ ἐπεξιόντος τοῖς παρ’ αὐτοῦ προσαγγελθεῖσιν. εἰ δὲ καὶ ἀπολιμπάνοιτο καὶ ἀνακαλοῖτο ὁ κατήγορος, καὶ οὕτως ὁ τὴν χειροτονίαν ποιεῖσθαι μέλλων ζήτησιν ἀκριβεστάτην εἴσω μηνῶν τριῶν. καὶ εἰ μὲν ὑπεύθυνον εὕροι τὸν τὴν κατηγορίαν ὑπομείναντα εἴτε κατὰ τοὺς θείους κανόνας εἴτε κατὰ τοὺς ἡμετέρους νόμους, κωλυέσθω ἡ χειροτονία· εἰ δ’ ἀνεύθυνος φανείη εἴτε παρόντος τοῦ κατηγόρου ἢ καὶ ἀπόντος, γινέσθω ἡ χειροτονία. εἰ δὲ

---

1) *исправл. по У*; въспомѧновениѥ *Н.* 2) иного *С* (*вм.* и того). 3) еп҃па *С.* 4) і *проп. Н.* 5) ѿг҃лании *Н.* 6) некоѥ *Н.* 7) и *вставл. С.* 8) на *проп. П.* 9) какои *П.* 10) *Н проп. слѣдующій дальше текстъ до словъ* влагати сѫдомь (*стр. 805 7*) *включит.* 11) повѣѥть *У.* 12) рѣчь *проп. У.* 13) то *С.* 14) извѣстова *С.* 15) равно *П.* 16) каномъ *У.* 17) да *проп. С.* 18) повининъ *С.* 19) ѿшѣ҃шю *П*; ѿшѣ҃ше *С.*

1) cod. переправл. изъ ἀναβάλλεσθαι.

огл҃ьникъ· или пришьдъ не покажеть· аще ли и[1] оубѣжить· аще ли клирикъ боудеть да изринеться своего[2] чинꙋ· аще ли простець бꙋдеть подобное наказаніе претерпить· аще ли кто прѣже испытаніа· огл҃анаго поставить· поста[ви]выи же [и] поставленыи ѿ чистительства да изринов[ен]ъ бꙋдеть· понеже бо[3] канономъ реч҃ное [ѡ] съборѣхъ прп҃бныихъ еп҃съ· и дължьныихъ по коеиждо епархіи быти·[4] и доселѣ несъхранено нꙋждьнѣи есть исправити· ст҃іи ꙋбо [ап҃сли и ст҃іи] оц҃и заповѣдаша второе лѣта· бывати съборꙋ и прп҃бныихъ чистител· и възникавающаа[5] испытавати· и подобнаго сподоблати оправленіа·[6] сирѣ҃ единъ въ четвертꙋю недѣлю ст҃ыѧ пантикостіа· дрꙋгыи же въ мц҃ь октѧмбръ· мы же обрѣтъше ѧже ѿ таковыа лѣности въ многѣхъ грѣсѣхъ· и различныихъ възвержени[7] быша· повелѣваемъ всѣмь[8] образы· единою съборꙋ бывати· въ коеждо лѣто· въ всѧкои епархіи· или и[ю]на· или септембрѧ[9] мц҃ѧ и разꙋмѣвати преблаженыимъ патріархомъ оны

ὁ κατήγορος, εἴτε παρὼν μὴ ἀποδείξῃ εἴτε ἀποφύγοι, εἰ μὲν κληρικὸς εἴη, ἐξωθείσθω τοῦ οἰκείου βα-(л. 285ᵃ) θμοῦ, εἰ δὲ λαϊκὸς εἴη, τὸν προσήκοντα σωφρονισμὸν ὑπομενέτω. εἰ δέ τις πρὸ ἐξετάσεως τὸν κατηγορηθέντα χειροτονήσῃ, ὅ τε χειροτονήσας καὶ ὁ χειροτονηθεὶς τῆς ἱερωσύνης ἐξωθείσθω.

Ἐπειδὴ δὲ τὸ τοῖς κανόσιν εἰρημένον περὶ τῶν συνόδων τῶν ὁσιωτάτων ἐπισκόπων καὶ τῶν ὀφειλουσῶν καθ' ἑκάστην ἐπαρχίαν γίνεσθαι μέχρι τοῦ νῦν παραφυλαχθέντων ἀναγκαιότατόν ἐστιν ἐπανορθώσασθαι, οἱ μὲν ἅγιοι ἀπόστολοι καὶ οἱ ἅγιοι πατέρες ὥρισαν δεύτερον ἔτους ἑκάστου γίνεσθαι συνόδους τῶν ὁσιωτάτων ἱερέων ἑκάστης ἐπαρχίας καὶ τὰ ἀναφυόμενα ἐξετάζεσθαι καὶ τῆς προσηκούσης ἀξιοῦσθαι διορθώσεως, τουτέστιν μίαν μὲν τῇ τετράδι ἑβδομάδι τῆς ἁγίας ν', τὴν δὲ ἄλλην[1] κατὰ τὸν ὀκτώβριον μῆνα· ἡμεῖς δὲ εὑρόντες, ὡς ἐκ τῆς τοιαύτης ἀμελείας ὡς πολλοῖς ἁμαρτήμασιν διαφόροις περιεβλήθησαν, κελεύομεν πᾶσι τρόποις μίαν σύνοδον γίνεσθαι καθ' ἕκαστον ἔτος ἐν ἑκάστῃ ἐπαρχίᾳ ἢ τῷ ἰουνίῳ ἢ τῷ σεπτεμβρίῳ μηνί, καὶ συνιέναι παρὰ μὲν τοῖς μακαριωτάτοις πατριάρχαις ἐκείνους

1) и *проп. С.* 2) *здѣсь кончается основная рукопись; весь остальной текстъ collectio 93 capp. берется изъ С л. 295ᵇ—310ᵃ, какъ основного.* 3) оуко *У.* 4) бывати *ПУ.* 5) възникающаа *П.* 6) оправьданиы *У.* 7) въвръженіи *ПУ.* 8) всѣми *П.* 9) семврѧ *У.*

1) τὴν δὲ ἄλλην вставл. cod.

л. 296 а. ѿ нихъ поставлаемыа· не имѹщемь҃ | правѣнаго· иныи еп҃пы поставлати· ѿ преподобныи҃[1] же митрополитъ· коеждо епархїа· поставлаемыимъ ѿ ни҃ на ни҃же подъвижимыа[2] вины· или ѿ нѣкъи҃ прѣжедвижимыа вины или ѿ никыи҃[3] прѣжевъзвѣщаемаа· или виною вѣры· или правилныи҃ възысканїа или строенїа цр҃кныихъ вещи и[4] о еп҃пѣхъ и попѣхъ· или о дїаконѣхъ· или о инѣхъ клирицѣхъ· или о игѹменѣхъ[5] или мнисѣхъ· или ѿ ненагаемыи҃ [жи]тїа· или ѡ инѣхъ кы҃· трѣбѹющи҃[6] исправленїа произпѹщати бж҃ественыими каноны· и нашимъ закономъ съключающеса· не токмо же· на коеждо [лѣто] бывающии҃ съборѣхъ·[7] сего[8] възыскати·[9] нъ елишьда аще оглани бѹдѹть нѣцїи ѿ чиститель· или ѿ клирикъ или ѿ игѹменъ· или[10] ѿ минихъ· или ѡ[11] вѣрѣ· или о срамънѣмь житїи· илѣ чрѣсъ бж҃ественыа каноны своа творащїимъ· аще еп҃пъ бѹдеть огл҃емъ· того м҃ıрополитѹ· испытавати[12] гл҃емаа· аще ли митрополить бѹдеть· прѣблаженаго еп҃па[13] по[14] нимъже дань[15] даеть

τοὺς παρ' αὐτῶν μὲν χειροτονουμένους μὴ ἔχοντας δὲ δίκαιον ἄλλους ἐπισκόπους χειροτονεῖν, παρὰ δὲ τοῖς ὁσιωτάτοις μη(л. 285^b)τροπολίταις ἑκάστης ἐπαρχίας τοὺς[1] ὑπ' αὐτῶν χειροτονουμένους, ἐφ' ᾧ τὰς κινουμένας αἰτίας ἢ τὰ παρά τινων προαγγελλόμενα ἢ προφάσει πίστεως ἢ κανονικῶν ζητήσεων ἢ διοικήσεως ἐκκλησιαστικῶν πραγμάτων ἢ περὶ ἐπισκόπων ἢ πρεσβυτέρων ἢ διακόνων ἢ ἄλλων κληρικῶν ἢ ἡγουμένων ἢ μοναχῶν, ἢ περὶ κατεγνωσμένου βίου ἢ καὶ ἄλλων τινῶν δεομένων ἐπανορθώσεως κινεῖσθαί τε καὶ προσηκόντως ἐξετάζεσθαι, καὶ τὴν ἐπ' αὐτοῖς διόρθωσιν προσιέναι τοῖς θείοις κανόσιν καὶ τοῖς ἡμετέροις νόμοις συμβαίνουσιν. μὴ μόνον δὲ ἐν ταῖς καθ' ἕκαστον ἔτος γενησομέναις[2] συνόδοις τοῦτο ζητεῖσθαι, ἀλλὰ καὶ ὁσάκις ἂν τινες κατηγορηθεῖεν τῶν ἱερέων ἢ κληρικῶν ἢ ἡγουμένων ἢ μοναχῶν ἢ περὶ πίστεως ἢ περὶ αἰσχροῦ βίου ἢ ὡς παρὰ τοὺς θείους κανόνας τὰ ἴδια πραττομένοις· εἰ μὲν ἐπίσκοπος εἴη ὁ κατηγορούμενος, τὸν τούτου μητροπολίτην ἐξετάζειν τὰ λεγόμενα, εἰ δὲ μητροπολίτης εἴη, τὸν μακαριώτατον ἀρχιεπίσκοπον ὑφ' ὃν τελεῖ,

---

1) преподобнѣишїи *coa.* 2) движимыа *ПУ.* 3) прѣжедвижимыа вины или ѿ никыи҃ *проп. ПУ.* 4) или *ПУ.* 5) игѹменѣхъ *У.* 6) трѣбѹющїи *П.* 7) съборѣ *У.* 8) себо *cod.* 9) *cod. перепр. изъ* възистати. 10) и *П.* 11) ѿ *cod.* 12) испытовати *У.* 13) прѣблаженномѹ еп҃пѹ *ПУ.* 14) нї *вставл. У.* 15) дань *вставл. cod.*

1) τῶν cod. 2) γενησομένοις cod.

аще ли попъ или дїаконъ· или дрꙋгыи клирикъ·[1] или игꙋменъ· или мнй прп҇дobномꙋ[2] еп҇ꙋ подъ нимъже и[3] ти дана дають· испытовати възвѣщенїа· и истѣнѣ авлающиса·[4] коеждо съблаженїю·[5] въ правилное ȥапрѣщенїе | въдагати· сꙋдомъ[6] истажающаго·[7] сїа же вса держати· не токмо на поставлаемыихъ по сихъ еп҇[ѣх]ъ же[8] и клирицѣхъ· и на игꙋменѣхъ· нъ и на иныи[9] сꙋщїихъ· и ѿ нѣкыихъ ꙗко въ правдꙋ· нѣкыими винами ѿреченыими [бж҇ественыими][10] каноны· и нашїимъ ȥакономъ оглемыихъ· симъ же тако съхраненомъ·[11] и простїи· многа ѿ сихъ сподоблаютса·[12] о[13] правѣи[14] же вѣрѣ· и чистаго житїа прѣспѣванїа[15] исправленїа· къ симъ повелѣваемъ всѣмъ[16] еп҇омъ же[17] и попомъ·[18] не [по] молчанїю· нъ съ великомъ гласомъ вѣрныимъ людемъ оуслышаныи бжтвеное приношенїе·[19] и еже на ст҇ѣмь кр҇щенїи мл҇твы творити· ꙗко ѿтꙋдꙋ оубо[20] послꙋшающїимъ· дш҇а на болшее оумиленїе· и[21]

εἰ δὲ πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ἄλλος
κληρικὸς ἢ ἡγούμενος ἢ μοναχός, τὸν
ὁσιώτατον ἐπίσκοπον καὶ ὑφ' ὃν οὗτοι
τελοῦσιν ἐξετάζειν τὰ προσαγγελλό-
μενα, καὶ τῆς ἀληθείας ἀποδεικνυ-
μένης ἕκαστον πρὸς τὸ πταῖσμα κα-
νονικοῖς ἐπι(л. 286a)τιμίοις ὑποβάλλε- л. 296 b.
σθαι τῷ κρίματι τοῦ ἐξετάζοντος.
ταῦτα δὲ πάντα κρατεῖν μὴ μόνον ἐπὶ
τῶν μετὰ ταῦτα χειροτονουμένων ἐπι-
σκόπων τε καὶ κληρικῶν καὶ ἡγουμέ-
νων, ἀλλὰ καὶ ἐπὶ τῶν νῦν ὄντων καὶ
ὑπό τινων ὡς εἰκὸς ἐπί τισιν αἰτίαις
ἀπηγορευμέναις τοῖς θείοις κανόσιν καὶ
τοῖς ἡμετέροις νόμοις κατηγορουμένων.
τούτων γὰρ οὕτω φυλαττομένων καὶ οἱ
λαϊκοὶ πολλῆς ἐντεῦθεν περί τε τὴν
ὀρθὴν πίστιν καὶ τὸν σεμνὸν βίον προ-
κοπῆς καὶ ἐπανορθώσεως ἀξιωθήσονται.

Πρὸς τούτοις κελεύομεν πάντας ἐπι-
σκόπους τε καὶ πρεσβυτέρους μὴ κατὰ
τὸ σιωπόμενον, ἀλλὰ μετὰ φω-
νῆς τῷ πιστοτάτῳ λαῷ ἐξακουομένης
τὴν θείαν προσκομιδὴν καὶ τὴν ἐπὶ τῷ
ἁγίῳ βαπτίσματι προσευχὴν ποιεῖσθαι,
πρὸς τὸ κἀντεῦθεν τὰς τῶν ἀκουόν-
των ψυχὰς εἰς πλείονα κατάνυξιν καὶ

---

1) и *вставл. У.* 2) же *вставл. ПУ.* 3) и *проп. П.* 4) истинѣ ꙗвлающїиса *П.* 5) съблажению *У.* 6) *отсюда опять есть текстъ въ Н.* 7) истазающаго *НПУ.* 8) же *проп. Н.* 9) ны *ПУ;* ныиа *Н.* 10) *вставка изъ ПУ.* 11) схранити *Н.* 12) сподобатса *ПНУ.* 13) о *проп. Н.* 14) и *Н.* 15) и *вставл. Н.* 16) всѣмъ *проп. Н.* 17) же *проп. П.* 18) всемъ *вставл. Н.* 19) прошенние *У;* бжтвьнъıхъ приношеннїї *П.* 20) оубо *проп. П.* 21) и *проп. Н.*

къ славословленїю[1] бл҃чаню въставлѧгы· тако бж҃ественыи оучитель· и апл҃ъ оучить[2] гл҃ѧ· въ первѣмь посланїи· къ коренфиомь· понеже аще бл҃гословиши дх҃омъ· исполнѧи[3] мѣсто невѣжда· како рече аминъ б҃у[4] о твоемь бл҃годаренїи· нъ понеж[е т]ы[5] гл҃еши не вѣмъ ты бо добрѣ бл҃годариши· нъ дрꙋгыи не[6] гражаетьсѧ·[7] и пакы къ римлѧномъ сице гл҃еть ср҃це оубо вѣрꙋетсѧ· въ правдꙋ· оусты же исповѣдаетсѧ[8] въ сп҃сенїе· сихъ ꙋбо подобаеть ст҃омꙋ приношенїю· и л. 297 а. иньı мл҃твы съ | гласомъ ѿ преподобнаи҃ же еп҃пъ же и поповъ приносити г҃у и[9] х҃у б҃у нашемꙋ· съ оц҃емъ и съ[10] ст҃ыимъ дх҃омъ· вѣдꙋще[мъ] чистителемъ· ꙗко аще чесо[11] ѿ сихъ прѣзрѣмъ·[12] и страшномꙋ сꙋдꙋ велик[аг]о[13] б҃а· и сп҃а нашего ѿвѣщають· ни мы сихъ[14] вѣдꙋще ꙋмолчимъ· или нестроина[15] оставимъ· повелѣваемь ꙋбо[16] епархїискыимъ кнѧземъ· или

τὴν πρὸς τὸν δεσπότην διανίστασθαι δοξολογίαν· οὕτως γὰρ καὶ ὁ θεῖος διδάσκαλος ἀπόστολος διδάσκει, λέγων ἐν τῇ πρὸς Κορινθίους πρώτῃ ἐπιστολῇ· Ἐπεὶ ἐὰν εὐλογῇς ἐν πνεύματι, ὁ ἀναπληρῶν τὸν τόπον τοῦ ἰδιώτου πῶς ἐρεῖ τὸ ἀμὴν τῷ θεῷ ἐπὶ τῇ σῇ εὐχαριστίᾳ, ἐπειδὴ τί λέγεις οὐκ οἶδεν; σὺ μὲν γὰρ καλῶς εὐχαριστεῖς, ἀλλ' ὁ ἕτερος οὐκ οἰκοδομεῖται. καὶ πάλιν ἐν τῇ πρὸς Ῥωμαίους οὕτως λέγει· Καρδίᾳ μὲν πιστεύεται εἰς δικαιοσύνην, στόματι (л. 286ᵇ) δὲ ὁμολογεῖται εἰς σωτηρίαν. διὰ ταῦτα τοίνυν προσήκει τῇ ἁγίᾳ προσκομιδῇ καὶ τὰς ἄλλας προσευχὰς μετὰ φωνῆς παρὰ τῶν ὁσιωτάτων ἐπισκόπων τε καὶ πρεσβυτέρων προσφέρεσθαι τῷ κυρίῳ Ἰησοῦ Χριστῷ τῷ θεῷ ἡμῶν σὺν πατρὶ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι, γινωσκόντων τῶν ἱερέων, ὡς εἴπερ τι τούτων παρείδοιεν, καὶ τῇ φοβερᾷ κρίσει τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ ἀπολογήσονται καὶ οὐδὲ ἡμεῖς ταῦτα γινώσκοντες ἐφησυχάσομεν ἢ ἀνεκδίκητα καταλύπτομεν. κελεύομεν δὲ καὶ τοὺς τῶν ἐπαρχιῶν ἄρχοντας, ἢ

---

1) словословленню *Н.* 2) оучитель *П.* 3) ѧ *надъ* ѧ *и* ҇ *надъ* и *рукой XV в. добавл. Н, гдѣ* исполнѧ҇и҇. 4) б҃оу амїнь *Н.* 5) *исправл. по НУ;* ты *проп. П.* 6) не *Н рукой XV в.* 7) сгражаеть҇ *Н.* 8) испывѣдаетсѧ *cod.;* и *У, потому что съ концомъ л. 153ᵇ обрывается и весь текстъ главы 87 до конца.* 9) б҃оу і҃соу *Н (вм.* г҃у и). 10) съ *проп. Н.* 11) что *Н.* 12) презрить *Н.* 13) *исправл. по Н.* 14) и ни сих мы *Н (вм.* ни мы сихъ). 15) нестроıена *Н.* 16) и *вставл. Н.*

обленившеся[1] что ѿ на҇ законоположенїе видѧтъ·[2] пе҇рвое ѹбо наводити митрополитомъ и инѣмъ еп҇помъ реченыа съборы творити· и вса исполнѧти[3] елико же съборомъ пришеⷣшаго ра҇ повелѣхомъ закона· аще ли ожидающаѧ[4] ѹвѣдѧтъ·[5] тогда възвѣститъ[6] намъ· на прихожденїе ѿ на҇ подобнаго исправленїа на ожидающїихъ съборы творити· съвѣдущемь самѣмь же·[7] кнѧземь и покарѧющимъсѧ имъ чиномъ· ꙗко аще сихъ не сохранѧтъ· въ послѣдьнаѧ вложени бѹдоѹ҇ мѹченїа· извѣстѹемь[8] же· пришеⷣшаго ради закона· вса ѿ[9] санъвъ[10] различныихъ повелѣнїи[11] възаконоположенаѧ·[12] о еп҇пѣхъ же и оц҇ѣхъ и[13] прочии҇ клирицѣхъ и къ симъ гостинницамъ· и[14] нищекормьцемъ· и прочїимъ· елико за бл҇гочестивыа домы прѣстоѧщемъ намъ· и сего ради б҇жтвенаго ѧвлѧющи закономъ твоѧ сл҇ава | оусердїемъ на обычьнаѧ мѣста· цр҇ьскаго града прѣдъложеныимъ въ разѹмъ всѣмъ привести· да потъщиса[15] ѧвѣ сътворити[16] епархїискыимъ игѹменомъ·[17]

παραμελουμένων τινῶν παρ' ἡμῶν νομοθετηθέντων εἴδοιεν, πρῶτον μὲν κατεπείγειν τοὺς μητροπολίτας καὶ τοὺς ἄλλους ἐπισκόπους τὰς εἰρημένας συνόδους ποιεῖσθαι καὶ πάντα πληροῦν,[1] ὅσα διὰ τῶν συνόδων διὰ τοῦ παρόντος παρακελευσάμεθα νόμου· εἰ δὲ ἀναβαλλομένους αὐτοὺς εἴδοιεν, τινικαῦτα μηνύειν ἡμῖν πρὸς τὸ ἐξ ἡμῶν τὴν προσήκουσαν διόρθωσιν προσιέναι κατὰ τῶν ὑπερτιθεμένων τὰς συνόδους ποιεῖν, ἐπισταμένων αὐτῶν τε τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν πειθομένων αὐτοῖς τάξεων, ὡς εἴπερ μὴ ταῦτα παραφυλάξουσιν, ἐσχάταις ὑποβληθήσονται τιμωρίαις. βεβαιοῦμεν δὲ καὶ διὰ τοῦ παρόντος νόμου ἅπαντα τὰ παρ' ἡμῶν ἐν διαφόροις διατάξεσιν (л. 287ᵃ) νενομοθετημένα περί τε ἐπισκόπων καὶ πατέρων[2] καὶ λοιπῶν κληρικῶν καὶ πρός τε ξενοδόχων καὶ πτωχοτρόφων καὶ τῶν λοιπῶν, ὅσοι εὐαγῶν οἴκων προΐστανται. ἡμῖν καὶ διὰ τοῦδε τοῦ θείου δηλούμενα νόμου ἡ σὴ ἐνδοξότης διὰ προθημάτων κατὰ τοὺς συνήθεις τόπους τῆς βασιλίδος πόλεως προστεθειμένων εἰς γνῶσιν πάντων ἀγαγεῖν σπουδασάτω καὶ καταφανῆ ποιῆσαι τοῖς τῶν ἐπαρχιῶν ἡγουμένοις.

---

1) ѿблѣнившесѧ *Н.* 2) вѣдѧть *ПН.* 3) исполнѧꙗ *Н.* 4) ѿжидающаго ради ѡжидають и *Н* (*вм.* ожидающаѧ). 5) вѣдѧть *Н.* 6) възвѣстѧть *Н.* 7) и *вставл. Н.* 8) извѣстоуим *Н.* 9) ѿ *П.* 10) насъ *Н;* въ *вставл. Н.* 11) повелѣнии *Н.* 12) взаконоположениꙗ *Н.* 13) ѡ *вставл. П.* 14) к *вставл. Н.* 15) потщимсѧ *Н.* 16) створиши *Н.* 17) *cod. добавл. киноварью:* досюда брано.

1) cod. переправл. изъ πληρῶν. 2) πρων cod.

п҃и· [1] Ꙗко повелѣнꙋ быти числꙋ и клирическомꙋ ст҃ыя црк҃ве· и прочїихъ ст҃ыи црк҃ва·

епифанїю архїеп҃пъ костантина града:

Обаще҆имъ ꙋбо и вьчанима закономъ· къ прѣблаженьствꙋ [твоемꙋ] и къ прочїимъ прѣст҃ыимъ патрїархомъ· написаныимъ ѿ поставленїа бл҃гочестивыи еп҃пъ· и бл҃гобоꙗзнивыи клирикъ и жено [2] слꙋжебница· ꙗко болшемъ быти дрѣвла вѣрꙑ поставляемыа въобразихомъ еже в[ам]ъ изволися· обилно же и подобно имѣти· и сщ҃еныи канонъ достоиныя· пришешїи же законъ о семъ къ твоемꙋ блаженьствꙋ пишемъ о числѣ бл҃гобоꙗзнивыи клирикъ· сде вьчатеныи поне[же] бо никако же просто сꙋщїихъ въ вещислїи· добрѣ подобно ꙋбо бꙋдеть· ни поставленїю о бл҃гобоꙗзникѣхъ [3] клирѣцѣхъ быкатитоликꙋ· ꙗко тѣхъ питанїемъ· ст҃ѣ[и] црк҃ви въ заимованїе въпадати потрѣба великыихъ и по малꙋ на послѣднее· недомыслїе въвести· тѣмь [4] бо ѿ таковыя вина црс҃каго града· ст҃ꙋю и великꙋю црк҃вь

⟨πη′.⟩ Περὶ τοῦ ὡρισμένον εἶναι τὸν ἀριθμὸν τῶν κληρικῶν τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας καὶ τῶν λοιπῶν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν.

Ἐπιφανίῳ ἀρχιεπισκόπῳ Κωνσταντινουπόλεως.

Ἤδη μὲν κοινῷ τε καὶ γενικῷ νόμῳ πρός τε τὴν μακαριότητα τὴν σὴν καὶ τοὺς λοιποὺς ἁγιωτάτους πατριάρχας γεγραμμένῳ τὰ περὶ τῆς χειροτονίας τῶν εὐαγῶν ἐπισκόπων καὶ εὐλαβεστάτων κληρικῶν καὶ γυναικῶν γε μὴν διακόνων, καὶ τοῦ πλείους εἶναι τῶν ἐξ ἀρχῆς μέτρου τοὺς χειροτονουμένους διετυπώσαμεν, ὅπερ ὑμῖν ἐδόκει ἱκανῶς τε καὶ προσηκόντως ἔχειν καὶ τῶν ἱερῶν κανόνων ἀξίους. τὸν δὲ παρόντα νόμον ἰδικῶς πρὸς τὴν σὴν μακαριότητα γράφομεν περὶ τοῦ ἀριθμοῦ τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν τῶν ἐνταῦθα διαταξάντων· (л. 287[b]) ἐπειδὴ γὰρ οὐδὲν σχεδὸν τῶν ἐν ἀμετρίᾳ καλόν, προσῆκον ἂν εἴη μηδὲ τὰς χειροτονίας περὶ τοὺς εὐλαβεστάτους κληρικοὺς γίνεσθαι τοσαύτας, ὡς ταῖς [1] ἐκείνων ἀποτροφαῖς τὴν ἁγιωτάτην ἐκκλησίαν εἰς δανεισμάτων ἐμπίπτειν χρείαν μεγάλων καὶ κατὰ μικρὸν εἰς τὴν ἐσχάτην ἀπορίαν καταφέρεσθαι. ἴσμεν γὰρ παρὰ τὴν τοιαύτην πρόφασιν τῆς βασιλίδος πόλεως ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν,

1) *Въ составъ У глава 88 не входитъ.*
2) женъ *П.* 3) бл҃гобоꙗзнивыи *П.* 4) вѣмь *П.*

1) τῶναῖς cod., но ῶν обведено точками.

нашего цр҃ь|ства· ни заимованїемъ стꙋжаемꙋ великаи҃ ни инако могꙋщꙋ коеждо сътворити подаванїе бл҃гобоязнивыимъ клирикомъ не аще преже злато бещислено· заиметь творѧщемъ се ꙋбо заклады· се же залогъ данїе [въ] добрыи҃ селѣхъ и въ всѣхъ· сихъ ради ꙋбо съвѣмъсѧ· низвести [къ] въискании҆ю вещи· и ꙋвѣдѣти нѣкыи ꙋбо образ предѣ имаше каѧ же лѣта долгота изъбрѣте· ислѣднивше оубо и весьде обрѣтаемъ· ꙗко же и кыиждо пр҃тыѧ црк҃ве създавшїихъ оу блаженаго того града създанїе попечетсѧ[1] тъкмо· нъ и подание[2] доволно даѧти сꙋщїимъ ѿ него бл҃гочестивыимъ· подобно есть попо҃ коеждо цр҃кви· колицѣмъ же дїакономъ мꙋжемъ же и женамъ колицѣмъ же и подїакономъ и авїе пѣвцемъ и четьцемь и дворникомъ быти· и къ семꙋ доб[ол]еное изданїе[3] заповѣдати и прѣбытокъ свои дасть доволныи и прѣстоѧщїи емꙋ· аще ли кто притворить множьство· к томꙋ ѿнюдъ простирати силѣ· и прѣбыти до многа таковаѧ хранимаѧ и до сего вѣ· прѣбыша

τὴν τῆς ἡμετέρας βασιλείας, μήτε δανείσμασιν ἐνοχλουμένην μεγάλοις, л. 298 a.
καὶ οὐκ ἄλλως ἰσχύουσαν ἑκάστην ποιεῖσθαι διάδοσιν τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς, πρὶν ἂν χρυσίον οὐ μέτριον δανείσαιτο, ποιουμένων τοῦτο μὲν ὑποθήκας, τοῦτο δὲ καὶ ἐνεχύρων δόσεις ἐν τοῖς καλλίστοις χωρίοις τε καὶ προαστείοις. διὰ ταῦτα τοίνυν συνείδομεν ἑαυτοὺς καθεῖναι πρὸς τὴν τοῦ πράγματος ζήτησιν καὶ μαθεῖν, τίνα μὲν τρόπον ἔμπροσθεν εἶχεν, τί δὲ τὸ τοῦ χρόνου μῆκος ἐξεῦρεν. ἀνιχνεύοντες τοίνυν αὐτὸ πανταχόθεν εὑρίσκομεν, ὡς ἕκαστος τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας οἰκοδομησάντων ἐπὶ τῆς εὐδαίμονος ταύτης πόλεως οὐκ οἰκοδομίας ἐφρόντισεν μόνον, ἀλλὰ καὶ τοῦ χορηγίαν αὐτάρκη δοῦναι τοῖς παρ' αὐτοῦ γενομένοις εὐαγέσι. προσῆκόν ἐστιν πρεσβυτέρους (л. 288[a]) καθ' ἑκάστην ἐκκλησίαν, πόσους τε διακόνους, ἄῤῥενάς τε καὶ θηλείας, πόσους τε ὑποδιακόνους, καὶ αὖθις ψάλτας τε καὶ ἀναγνώστας καὶ πυλωροὺς καθιστάναι καὶ πρὸς τοῦτο καὶ τὴν τοῦ οἴκου δαπάνην ὁρίσαι καὶ πρόσοδον οἰκείαν ἔδωκεν, αρκοῦσαν τοῖς παρ' αὐτοῦ καταστᾶσιν.[1] εἰ δέ τις προσεπιθείη πλῆθος, οὐκέτι παντελῶς ἐκτείνεσθαι δυνατήν, καὶ διαμεῖναί τε μέχρι πολλοῦ τὰ τοιαῦτα φυλαττόμενα, καὶ ἕως τοῦτο ἦν, ἔμεινεν καὶ

---

1) попечеса *П.* 2) подае *П.* 3) изд҃анїе *П.*

1) καταστάσειν cod.

ст҃ыихъ цр҃кова своими довольнаа· ꙗко же бг҃олюбивїи еп҃пи моленїи нѣкыихъ присно вънемлюще изведени [1] быша къ множаствꙋ по- л. 298 b. ставлаемыихъ | растааше· количьство оубо иждїтїа и безчисленое много· заимодавци же весьде и лихвы и прочее не и за͡имадавци· [2] за невѣрїе оуже вещи нъ распроданїа нꙋжда [3] и беззаконное [4] и вещи безлѣпотныи ни своего воинъства· [5] достоины цѣломꙋдрїа· ꙗко таковаго зла· ни веси ни села довлѣти завѣты и залогы· ни заимодавцемъ сего ради мощи· нъ въ недомыслїе сънити б҃ѣма· да ни самѣмъ слꙋжащїимъ кърмлѣ подавати мощи страстьныи пꙋть вещь съвести· еже сꙋщїихъ заимодавце[мь] простьрети еже и гл҃ати лѣнимсѧ и ꙗко же ꙋбо не бꙋдеть промышлаемъ· аще бо [6] никто же не изнесеть къ издавающомꙋ паче сꙋщаго емꙋ приташанїа канони о сихъ намъ попещисѧ не подобаеть бо къ издаꙗнїю възискати и стѧжанїю· се бо на весытьство възкꙋпь· и на бечьстїе [7] приводить· нъ сꙋщи [8] измѣрити издаанїа ꙗко подо[б]но и

τὰ τῶν ἁγίων ἐκκλησιῶν τοῖς οἰκείοις ἀρκούμενα. ὡς δὲ οἱ θεοφιλέστατοι ἐπίσκοποι ταῖς δυσωπήσεσίν τινων ἀεὶ προσέχοντες ἐξήχθησαν πρὸς τὸ τῶν χειροτονουμένων πλῆθος, ηὔξητο [1] μὲν ἡ τῆς δαπάνης ποσότης εἰς ἀμετρίαν πολλήν, δανεισταὶ δὲ πανταχόθεν καὶ τόκοι, καὶ τὸ τελευταῖον οὐδὲ δανεισταὶ λοιπὸν διὰ τὴν ἀπιστίαν ἤδη τοῦ πράγματος, ἀλλ' ἐκποιήσεις τε ἠναγκασμέναι καὶ παράνομοι καὶ πράγματα ἀπρεπῆ καὶ οὐδὲ οἰκείας ἰδιωτικῆς ἄξια σωφρονούσης· ὥστε ἡ τοιαύτης ἀτοπίας μηδὲ τὰ χωρία μηδὲ τὰ προαστεῖα ἐξαρκεῖν ταῖς ὑποθήκαις καὶ τοῖς ἐνεχύροις, μηδὲ δανειστῶν διὰ τοῦτο εὐπορεῖν, ἀλλ' εἰς ἀπειρίαν κατελθεῖν παντελῆ, καὶ μηδ' αὐτοῖς λειτουργοῦσι τὴν ἀποτροφὴν διδόναι δύνασθαι, ἀθλιωτάτην ὁδὸν τὸ πρᾶγμα καταφέρεσθαι, τὸ τῶν ὄν(л. 288[b])των ἁπάντων τοῖς δανεισταῖς ἐκτεῖναι. ὅπερ καὶ λέγοντες ὀκνοῦμεν καὶ ὅπως ἂν μὴ γένοιτο προνοοῦμεν· εἰ γὰρ οὐκ ἄν τις ἐνέγκοι πρὸς τὸν ὑπὲρ τὴν οὖσαν αὐτῷ περιουσίαν δαπανῶντα, πῶς οὐχὶ καὶ τὰ περὶ τούτων ἡμῖν φροντιστέον; οὐ γὰρ δεῖ [2] πρὸς τὰς δαπάνας ἐπιζητεῖν καὶ τὰς κτήσεις (τοῦτο γὰρ εἰς ἀπληστίαν τε ὁμοῦ καὶ ἀσέβειαν ἄγει), ἀλλὰ τοῖς οὖσιν συμμετρεῖν καὶ τὰς δαπάνας. ὥστε προσηκόντως καὶ

---

1) изведенїи *П.* 2) заимодавци *П.* 3) нꙋжна *П.* 4) беззаконїа *П.* 5) воинства *П.* 6) и *вставл. П.* 7) бесчестїе *П.* 8) съсꙋщїи *П.*

1) ηὔξητου cod. 2) δὴ cod.

о сихъ законъ положимъ· и незаповѣданїе измѣтаемъ вещи предающе нцѣленіе· повелѣваемъ ѹбо достоины ны сѹщїѧ въ тои прѣст҃ѣи цр҃кви и прочїимъ всѣмъ· бл҃гочестивыимъ[1] клирикомъ и женамъ слѹжебница҃ и вратаремъ прѣбывати на немьже сѹть образѣ· не сѹщаго | бо ѹмалѧемъ промыслъ же бѹдѹщаго· творѧщїимъ· тое же законополагаемъ прочаго же лѣта· ни единого же да не бѹдеть поста҃ленїа донде҃ оубо на началное число поставленое ѿ пр҃тыихъ цр҃квъ съгражающїихъ· или ѿ бл҃гобоѧзнивыихъ клирикъ поставлѧетсѧ количьство· но понеже прѣже и клиричьскаѧ вѣра[2] пр҃тыа цр҃кве· цр҃ьскаго нашего града заповѣдана бы҃ и ѕѣло съпрѧтана вѣ· ꙗко же единои сѹщи пр҃тѣи цр҃кви· покланѧемы домы ст҃ыа[3] прѣславныа дв҃ы и бц҃а марїа· иже къ пр҃тѣ[и] и велицѣ[и] цр҃кви съсъдѣхъ[4] сы создана бысть ѿ бл҃гочестивыа кончины ерины· пречистыи же храмъ ст҃го мч҃нка феѡ҃дора въ памѧть славнѹю спаракїа осщ҃енъ бысть· иже и покланѧемыи ст҃ыѧ ерены[5] съ ст҃ою великою цр҃квию

τὰ περὶ τούτων νομοθετήσομεν καὶ τὴν ἀοριστίαν ἐκβαλοῦμεν, τῇ τὸ πρᾶγμα παραδιδοῦντες θεραπείᾳ. θεσπίζομεν τοίνυν τοὺς μὲν ἄχρι νῦν ὄντας κατὰ τὴν αὐτὴν ἁγιωτάτην ἐκκλησίαν καὶ τοὺς λοιποὺς ἅπαντας εὐαγεῖς οἴκους εὐλαβεστάτους κληρικοὺς καὶ γυναῖκας διακόνους καὶ πυλωροὺς μένειν ἐφ' οὗπερ εἰσὶν σχήματος· οὐ γὰρ τὸ ὂν ἐλαττοῦμεν, (л. 299 a.) πρόνοιαν δὲ τοῦ μέλλοντος ποιούμενοι ταὐτὸν νομοθετοῦμεν. τοῦ δὲ ἑξῆς χρόνου μηδεμία γενέσθω χειροτονία, μέχρις ἂν εἰς τὸν ἐξ ἀρχῆς ἀριθμὸν τὸν στάντα παρὰ τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας οἰκοδομησαμένων ἢ τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν περισταίη ἡ ποσότης. ἀλλ' ἐπειδὴ πρώην καὶ τὸ τῶν κληρικῶν τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλη(л. 289ª)σίας τῆς βασιλίδος ἡμῶν πόλεως ὥριστο μέτρον, καὶ σφόδρα συνεσταλμένον ἦν, οἷα μιᾶς οὔσης τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας, ὅ τε προσκυνητὸς οἶκος τῆς ἁγίας ἐνδόξου παρθένου καὶ θεοτόκου Μαρίας, ὁ πρὸς τῷ τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας γειτονήματι κείμενος ᾠκοδομήθη παρὰ τῆς εὐσεβοῦς τῇ λήξει Βηρένης, ὅ τε σεβάσμιος οἶκος τοῦ ἁγίου μάρτυρος Θεοδώρου Σπαρακίου τοῦ τῆς ἐνδόξου μνήμης ἀνιερώθη, ἣν δὴ καὶ ὁ προσκυνητὸς οἶκος τῆς ἁγίας Εἰρήνης ὁ τῇ ἁγιωτάτῃ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ

---

1) бл҃гочестнымь *П*, *съ добавл.* и бл҃гобоѧзнивымъ. 2) мѣра *П*. 3) и *вставл.* *П*. 4) съсѹдѣ҃ *П*. 5) ерины *П*.

съкꙋпленъ· того ради поставить число на дрѣвнѣмь образѣ немощныи҆ есть· не довлѣють во мало ихъ сꙋще· понеже[1] не особѣ клирикы· никто же о тѣхъ имать три домовъ· обаще же сꙋть престыа црк҃ве· и сїа вси обиходать по нѣкоемꙋ обиходꙋ и градꙋ· слꙋжбы въ ни҆ творяще но ꙗко многꙋ множаствꙋ· ѿ прѣжаниихъ еретикъ къ ст҃ѣи црк҃ви· преведенꙋ[2] бл҃годати ꙋбо великаго б҃га и сп҃са на-
л. 299 b. шего ис҃ъ х҃а· | трꙋды же и[3] повелѣниими нашими· подобаеть болшїихъ испервa въ бл҃гочестивѣмъ слꙋженїи на[4] слꙋжбꙋ ѿлꙋчити· ꙗко же и[5] повелѣва[е]мъ не боле быти поповъ р҃ въ велицїи црк҃ве слꙋгъ же мꙋжаскаго полꙋ въ число ωпιςςf·auгavin[6] и женаскыи҆ слꙋгъ иподїаконъ же· носинїа[7] четацемь же ȥсс·[7] понеже и[8] пѣвець[9] ςιςιnιokωnsh·[7] дондеже быти всемꙋ числꙋ бл҃гобоазнивыи҆ клирикъ· прѣстыа великыа црк҃ве въ· у҃· ке҃· тиіп[7] къ симъ нарицаемыихъ вратарь· къ прс҃тѣи ꙋбо[10]

συνημμένος, διὰ τοῦτο περιστῆναι τὸν ἀριθμὸν εἰς τὸ ἀρχαῖον σχῆμα τῶν ἀδυνάτων ἐστίν· οὐ γὰρ ἂν ἀρκέσειεν τοσαύταις ἐκκλησίαις ὀλίγοι καθεστῶτες, ἐπείπερ οὐκ ἰδιάζοντας κληρικοὺς οὐδεὶς τούτων ἔχει τῶν τριῶν οἴκων, κοιναὶ δέ εἰσι τῆς τε ἁγιωτάτης ἐκκλησίας καὶ τούτων ἅπαντες περινοστοῦντες κατά τινα περίοδον καὶ κύκλον τὰς λειτουργίας ἐν αὐταῖς ποιοῦντες· ἄλλως τε πολλοῦ πλήθους ἐκ τῶν πρώην αἱρετικῶν τῇ ἁγιωτάτῃ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ προσαχθέντος χάριτι μὲν τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, πόνοις δὲ καὶ προτροπαῖς ἡμετέραις, δεῖ πλείονας τῶν ἐξ ἀρχῆς εἰς τὴν εὐσεβῆ λειτουργίαν τῆς ὑπηρεσίας ἀφορισθῆναι. ὥστε (л. 289[b]) θεσπίζομεν, μὴ περαιτέρω μέν σε χάριν τὰ[1] πρεσβυτέρους κατὰ τὴν μεγάλην ἐκκλησίαν εἶναι, διακόνους δὲ ἄῤῥενας ἐν τῶ um[2] καὶ ччuaυгaчinтa[3] ἢ θηλείας, ὑποδιακόνους δὲ ночinтa,[4] ἀναγνώστας δὲ ἐν τῶπετηcсέπ[5] καὶ ψάλτας чiчinтiчuнчне[6] ὡς εἶναι τὸν πάντα ἀριθμὸν τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας ἐν τετρακοσίοις κε΄ καὶ σεντчm[7] πρὸς τούτους τῶν καλουμένων πυλωρῶν. κατὰ μὲν τὴν ἁγιωτάτην

1) ненеже *cod.* 2) приведенꙋ *II.* 3) иже *II* (*вм.* же и). 4) нꙋ *cod.* 5) и *проп. II.* 6) *cod. in m. припис.* тамо та неразꙋмна; *въ II оставлено пустое мѣсто для этихъ чиселъ; начертанiе ихъ передается какъ здѣсь такъ и далѣе лишь приблизительно.* 7) *въ II оставлено пустое мѣсто для этихъ чиселъ.* 8) и *проп. II.* 9) вѣвець *cod.* 10) и *вставл. II.*

1) σὲ χάριν τὰ = sexaginta. 2) латинскія буквы какъ здѣсь такъ и далѣе не поддаются типографской передачѣ; ἐν τῶ um = centum. 3) = quadraginta. 4) = nonaginta. 5) ἐν τῶ πετчcсέπι = centum et decem. 6) = viginti quinque. 7) = centum.

велицѣи цр҇кви блаженаго нашего града и три бл҇гочестивыа[1] домы съмѣшьшаася съ нею· толику множеству ни единого убо ѿ тѣхъ ѿмѣтаемыи҃· аще и въ много па҃ число будеть чр҇ѣ заповѣданаа ѿ на҃· ни единому же прочее прилагаемыи҃ на кыиждо чинъ и[2] нынѣшныимъ· дондеже убо на се число поставится мѣра и оному прилагаему· ꙗко до ныне [не]бл҇голѣпно бывающее· к тому не бывати· еже многы ѿ бл҇гобоазнивыи҃ клирикъ сподобляемъ въ ни҃же поставлени быша въ ст҇ты и[хъ] цр҇квахъ или ту или въ странѣ пребывати· аще ли ст҇ѣи[3] велицѣи цр҇кви и бл҇гобоазнивому клиросу ея заступлениꙗ ради | нѣкоего пребывати·[4] ему же прочее ѿнудъ[5] бывати възбраняемъ· ѿ иного манастыря къ иному приходити боле па҃· ни бл҇гобоазнивыимъ клирикомъ· сего ѿпущаемъ приобрѣтениꙗ же и купля показание имать таковое[6] ихъ тяжание мняще· аще ли и тогда нѣкое таково прѣставление твое блаж҇ество·[7] или на всяко врѣмя цр҇ство бывати съвѣсть не инако того дѣяти прѣже не аще въ заповѣданое намъ число поставляеть вещь· ꙗко прѣставльнися въ недостатъчьнаго·

μεγάλην ἐκκλησίαν τῆς εὐδαίμονος ἡμῶν πόλεως καὶ τοὺς τρεῖς εὐαγεῖς οἴκους τοὺς ἡνωμένους αὐτῇ τοσοῦτον πλῆθος, οὐδενὸς μέντοι τῶν νῦν ἐκβαλλομένων, κἂν εἰς πολλῷ πλεῖον ἀριθμὸς εἴεν παρὰ τὸν ὑφ' ἡμῶν ὡρισμένον, μηδενὸς δὲ τοῦ λοιποῦ προστιθεμένων καθ' ἕκαστον τάγμα τοῖς νῦν, ἕως ἂν εἰς τοῦτον τὸν ἀριθμὸν περισταίη τὸ μέτρον. κἀκείνου προστιθεμένου, ὥστε τὸ μέχρι τοῦ νῦν οὐκ εὐπρεπῶς γενόμενον μηκέτι πολιτεύεσθαι, τὸ πολλοὺς τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν ἀπαξιοῦμεν ἐν αἷς ἐχειροτονήθησαν ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις ἢ ἐνταῦθα ἢ κατὰ χώραν μένειν, εἰς δὲ τὴν ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν καὶ τὸν εὐαγῆ κλῆρον[1] αὐτῆς διὰ προστασίας τινὸς ἐμμένειν. ὅπερ τοῦ λοιποῦ παντελῶς л. 300 a. γί(л. 290a)νεσθαι κωλύομεν· εἰ γὰρ ἐπὶ τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων κωλύομεν[2] ἐξ ἑτέρου μοναστηρίου πρὸς ἕτερον μεταβαίνειν, πολλῷ μᾶλλον οὐδὲ τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς τοῦτο ἐφήσομεν, κέρδους τε καὶ ἐμπορίας ἀπόδειξιν ἔχειν[3] τὴν τοιαύτην ἐπιθυμίαν ἡγούμενοι. εἰ δὲ καί ποτε τοιαύτην τινὰ μετάστασιν ἡ σὴ μακαριότης ἢ ἡ κατὰ καιρὸν βασιλεία γενέσθαι συνείδοι, μὴ ἄλλως τοῦτο πράττεσθαι, πρὶν ἂν εἰς τὸν ὡρισμένον ἡμῖν ἀριθμὸν περισταίη τὸ πρᾶγμα, ὥστε μεταστὰς εἰς τὴν τοῦ λείποντος

1) бл҇гочестиыа *П.* 2) и *проп. П.* 3) и *вставл. П.* 4) аще ли ст҇ѣи велицѣи цр҇кви и бл҇гобоазнивому *вставл. cod., но перечеркив.* 5) ѿнуду *П.* 6) такое *П.* 7) блаж҇ества *cod.*

1) cod. буквы κλῆρ по скобл. 2) εἰ γὰρ... εὐαγ... μον... κωλυ... осталось въ cod. in m., гдѣ эти слова срѣзаны переплетчикомъ. 3) ἔχει cod.

чинъ бывати· но не ꙗко число нѣкое добрѣ въходити· того бо ни ѿ единоѧ же козни ни ѿ нѣкоего образа подаемъ· и сїа ꙋбо о престѣи и велицѣи цр҃кви въ инѣхъ же великыи цр҃квахъ· ихже подание престаа великаа цр҃кве [1] творитъ повелѣваемъ ꙗко нынѧ сꙋщїимъ прѣбывати въ тѣхъ же тако же образомъ· прочее же ни единого же поставлѧти· прѣже не аще нарицаемыи съ немъ коиждо [2] цр҃кве· е испєрва заповѣдано бысть ѿ создавшїа поповъ же· и дїаконъ· мꙋж же и женъ· [3] и подїаконъ и чтець· и пѣвець и вратарь и [4] число поставлѧетьсѧ [и мы же посрѣди ѿнꙋдꙋ да приложитсѧ] мы бо | л. 300 b. сами съхранимъ таковое нѣчто творити и поставленыꙗ слагати никто же бо ѿ нашихъ кнѧз· таковаго сътворитъ [5] нашего болѧ закона власть же да [6] бꙋдеть· прѣблаженомꙋ архїепп҃ꙋ и патрїархꙋ цр҃ьскаго сего града къ поставленїю противꙋ гл҃ати· и аще [7] ѿ двора повелѣнїе прїидеть· повелѣваи же и повелѣваемыи· под цр҃ковнымъ запрѣщенїемъ бꙋдеть аще таковое что сътворить· нъ ни въ цр҃квахъ дрꙋгыихъ елико же их не имꙋть пища ни подаꙗнїа·

τάξιν γίνεσθαι, ἀλλ' οὐχ ἅπερ τὸν ἀριθμόν τινα καλῶς ἐμβαίνειν· τοῦτο γὰρ ἐξ οὐδεμιᾶς μηχανῆς οὐδὲ ἔκ τινος τρόπου συγχωροῦμεν. καὶ ταῦτα μὲν περὶ τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας. ἐν δὲ ταῖς ἄλλαις ἁπάσαις ἐκκλησίαις, ὧν τὴν χορηγίαν ἡ ἁγιωτάτη μεγάλη ἐκκλησία ποιεῖται, θεσπίζομεν, ὥστε τοὺς νῦν ὄντας μένειν κατ' αὐτοὺς ὁμοίως ἐπὶ σχήματος, τοῦ δὲ λοιποῦ μηδένα χειροτονεῖσθαι, πρὶν ἂν εἰς τὸ καλούμενον στατιτον ἑκάστης ἐκκλησίας, ὅπερ ἐξ ἀρχῆς ὥρισται παρὰ τῶν ταύτας οἰκοδομησαμένων, πρεσβυτέρων τε καὶ διακόνων, ἀῤῥένων τε καὶ θηλειῶν, καὶ ὑποδιακόνων καὶ ἀναγνωστῶν, ψαλτῶν καὶ πυλωρῶν ἀριθμὸς περισταίη· καὶ ἡμεῖς δὲ ἐν μέσῳ παντελῶς προστιθέσθω. ἡμεῖς τε γὰρ αὐτοὶ φυλαξό(л. 290b)μεθα τοιοῦτό τι πράττειν καὶ τοὺς χειροτονηθησομένους στέλλειν, οὐδεὶς δὲ τῶν ἡμετέρων ἀρχόντων τοιοῦτό τι πράξει, τὸν ἡμέτερον εὐλαβούμενος νόμον. ἄδειά τε ἔστω τῷ μακαριωτάτῳ ἀρχιεπισκόπῳ καὶ πατριάρχῃ τῆς βασιλίδος ταύτης πόλεως πρὸς τὴν χειροτονίαν ἀντιλέγειν, καὶ εἴπερ ἀπὸ τῆς αὐλῆς ἡ κέλευσις ἔλθοι· ὅ τε γὰρ ἐπιτάττων ὅ τε ἐπιταττόμενος ὑπὸ ἐκκλησιαστικῶν ἐπιτιμίων ἔσται, εἴ τοιοῦτό τι πράξειεν. ἀλλ' οὐδὲ ἐν ταῖς ἐκκλησίαις ταῖς ἄλλαις, ὅσαι μὴ τὴν τροφὴν καὶ χορηγίαν ἔχουσιν

1) цр҃кы *II.* 2) коегождо *II.* 3) жены *II.*
4) и *проп. II.* 5) творить *II.* 6) да *проп. II.*
7) и *вставл. II.*

ѿ великыѧ[1] честныѧ цр҃кве подобно есть множество оставлѧти поставлѧемый҃ въ нихъ· и прѣходить[2] прочее повелѣнȣю исперва [и] по си҃[3] мѣрȣ· да не когда и сщ҃енїи начнȣть на множество ѿпадающихъ безчислено· и приходѧщїимъ к нимъ· ѿ бл҃гочестивыихъ конца раздѣлѧюще ѿтȣдȣ къ мѣрѣ ихъ·[4] не довлѣюща зрѧще· въ великȣ тѣснотȣ· въпадȣть аще ли па҃ мѣры повелѣныѧ въ прт҃ѣи велицѣи цр҃кви или въ инѣхъ поставить прѣс҃тыѧ великыѧ цр҃кве· на всѧко врѣмѧ застȣпаю пр҇тыи архїеп҇пъ· и бг҃олюбивыи· тоѧ же и[5] пр҇тыѧ цр҃кве икономи издаанїе ѿ цр҃ковный҃ подобаеть[6] ко|нець· сами же въ домохъ ѿ своего избытка да подають издаанїе· егда си подати[7] и҃ повелѣ блаженыи патрїархъ да вѣдѧть ȣбо ꙗко нѣчто таково сътворити власть дають и сȣщїимъ по семъ таковое съдѣлавъше[8] преподобныимъ патрїархомъ·[9] и по сихъ смотрителемъ· и всѣмъ прочїимъ· бл҃гобоѧзнивꙑимъ клирикомъ таковаа многого испытавати· о бывающїимъ възъбранати· и възвѣщати къ цр҃ствȣ ꙗко ȣвѣдати самомȣ цр҃ство· повелѣвати ѿ сȣщьства

ἐκ τῆς μεγάλης τιμιωτάτης ἐκκλησίας, προσῆκόν ἐστιν πλῆθος ἐπαφιέναι τῶν χειροτονουμένων αὐταῖς, οὐδὲ ὑπερβαίνειν τοῦ λοιποῦ τὸ τεταγμένον ἐξ ἀρχῆς καὶ ἐπέκεινα μέτρον, μήποτε καὶ οἱ κατὰ ταύτας ἱερώμενοι πρὸς πλῆθος ἐκπίπτοντες ἄμετρον καὶ τοὺς προσιόντας αὐτοῖς παρὰ τῶν εὐσεβούντων πόρους μεριζόμενοι, κἀκεῖθεν πρὸς τὸ μέτρον αὐτῶν οὐκ ἀρκοῦντας ὁρῶντες εἰς μεγάλην στενοχωρίαν ἐμπίπτοιεν. εἰ δὲ ὑπὲρ τὸ μέτρον τὸ ὡρισμένον τῇ ἁγιωτάτῃ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν ταῖς ἄλλαις ἐκκλησίαις χειροτονήσειεν ὁ τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας προεστὼς κατὰ καιρὸν ἁγιώ(л. 291^{a})τατος ἀρχιεπίσκοπος, καὶ οἱ θεοφιλέστατοι τῆς αὐτῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας οἰκονόμοι δαπάνην (л. 301 a.) ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν ἐπιδοῖεν πόρων, αὐτοί τε οἴκοθεν καὶ ἐκ τῆς αὐτῶν περιουσίας διδότωσαν τὴν δαπάνην ὅ τε ταῦτα χορηγεῖν αὐτοῖς ἐπιτρέψας μακαριώτατος πατριάρχης· ἴστωσαν γάρ, ὡσεί τι τοιοῦτο πρᾶξαι ἄδειαν δίδωμι καὶ τοῖς μετ᾽ αὐτὸν τὸ τοιοῦτο πράξαντα ὁσιωτάτοις πατριάρχαις καὶ τοῖς μετὰ ταῦτα οἰκονόμοις καὶ πᾶσι τοῖς λοιποῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς τὰ τοιαῦτα πολυπραγμονεῖν καὶ γινόμενα κωλύειν καὶ προσαγγέλλειν τῇ βασιλείᾳ, ὥστε αὐτὴν μανθάνουσαν προστάττειν ἐκ τῆς οὐσίας

---

1) великыи и *П.* 2) прѣходити *П.* 3) сии҃ *cod.* 4) мѣрѣ҃ *П* (*вм.* мѣрѣ ихъ). 5) и *проп. П.* 6) подадѧть *П.* 7) подаати *П.* 8) съдѣвъѧвше *cod.* 9) патрїахромъ *cod.*

се сотворшїихъ [1] смотритель· или повелѣвшомꙋ еп҇пꙋ· сїа съблюсти пр҇тѣи цр҇кви· ꙗ҇ не бꙑти абїе нѣкоемꙋ такомꙋ· вещи смꙋщенїю же и матежю· вещи же на древнѣимъ поставленїи вѣрѣ·

ни чиста прѣходити· или бывати нѣкоемꙋ о семꙋ· не терпимъ бо ономꙋ весаде бꙑти· еже гл҇ати власть есть [поставлꙗти оубо· не подавати же пищѫ· се бо есть] абїе смꙋщенїе дѣлающїихъ· и па҇ мѣрꙑ приложенїе вторыа причты· съставлꙗшемъ· но ꙗко многа ꙋбо имата вещь [2] написанїа· ꙗко инꙑимъ несꙑтости пꙋти обрѣтати подаанїа мѣсто пищьнаго· и се ꙋбо дѣꙗти ѿнꙋдъ [3] съѿрикаемъ· и по҇ нарицаемꙑи҇ [црк҇вныима] ꙁапрѣщенїемъ великꙋю себе польꙁꙋ бꙑти [мнѧ]ще [4] | л. 301 b. еже прест҇ꙋю великꙋю цр҇квь видѣти ни въꙁаи҇ емлющꙋ [5] ни тѣснотꙑ имꙋще· нъ инꙋ недъстадъствꙋющꙋ· но всѣми гобꙁꙋющꙋ ꙗко же тѣхъ издаꙗни повѣдахомъ· тако подобаеть [на] всꙗко врѣмѧ

τῶν τοῦτο πραξάντων οἰκονόμων ἢ καὶ τοῦ ἐπιτρέψαντος ἐπισκόπου ταῦτα ἀποσῴζεσθαι τῇ ἁγιωτάτῃ ἐκκλησίᾳ· ὥστε καὶ μὴ αὖθις γενέσθαι τινὰ τοιαύτην τῷ πράγματι σύγχυσίν τε καὶ ταραχήν. τοῦ πράγματος δὲ εἰς τὸ ἐξ ἀρχῆς περιίσταμένου μέτρον, τηνικαῦτα χειροτονεῖν ἐξέστω κατὰ τοσοῦτον, ὥστε μὴ ὑπερβαίνειν τὸ ῥηθὲν μέτρον μηδὲ τὸν ἀριθμὸν ὑπερβαίνειν ἢ γίνεσθαί τινα περὶ τούτου· οὐ γὰρ ἐκεῖνο ἀνεξόμεθα παντάπασιν γενέσθαι τὸ φάσκειν, (л. 291b) ὡς ἄδειαν ἔσται χειροτονεῖν μέν, οὐ μέντοι ἐπιδοῦναι τροφάς· τοῦτο γάρ ἐστιν αὖθις σύγχυσις ἐργαζομένων καὶ τὴν τῶν ὑπὲρ τὸν ἀριθμὸν [1] προσθήκη<ν> δευτέρους καταλόγους συνιστάντων· ἄλλως τε καὶ πολλὰς ἂν ἔχοι τὸ πρᾶγμα περιγραφάς, ὥστε ἑτέρας αὐτοῖς ἀπληστίας ὁδοὺς εὑρίσκειν ἀντὶ τῆς περὶ τὴν τροφὴν χορηγίας. καὶ τοῦτο τοίνυν πράττεσθαι παντελῶς συναπαγορεύομεν καὶ ὑπὸ τὸ καλούμενον ἐκκλησιαστικὸν ἐπιτίμιον, μεγάλην ἑαυτῶν ὠφέλειαν εἶναι νομίζοντες τὸ τὴν ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν ἰδεῖν μήτε δανειζομένην μήτε στενοχωρουμένην μήτε διηνεκῶς ἐλλείπουσαν, ἀλλὰ διὰ πάντων εὐθηνουμένην.

Ὥσπερ δὲ τὴν περὶ τούτων δαπάνην ὡρίσαμεν, οὕτω προσήκει τὸν κατὰ καιρὸν

---

1) створшїти *II.* 2) вещи *II.* 3) ѿнꙋдꙋ *II.* 4) мнѧще бꙑти *II*; *cod. подъ строкой еще припис.* бꙑти. 5) *къ буквамъ* ємлю *cod. in m. припис.* єслю.

1) cod. переправл. изъ τὸν ἀριθμόν.

прⷭ҇томꙋ па҃ріархꙋ· и бл҃гобоѧзнивымъ икономомъ съмотрити· ꙗко и да издаѧніа бывающаѧ ѿ цр҃кваный исходъ· о бл҃очестивыихъ раздаѧти дѣѧньихъ· и бꙋ҃ въгоденьихъ·[1] и тѣмь сїа подавати въистинꙋ трѣбꙋющїихъ·[2] и не имꙋщемъ· ѿинꙋдꙋ пища вины сами бо вл҃цѣ бꙋ҃ ꙋгаждаеть но[3] не заствпленїе҃ и тщанїемъ· чл҃чьскыимъ· цр҃ковнаѧ раздаꙗнїа чл҃комъ имꙋщемъ даѧти и ѿсюдꙋ недоꙋмѣющїимъ· не полꙋчати[4] нꙋжьныихъ· да вѣдѧть бг҃олюбивїи икономи· или и[5] ныне· или на всѧко врѣмѧ бываюцıес· ꙗко аще сїа творѧть· бж҃їю ѿданїю повинни сꙋть· и ѿ своего имѣнїа бестъщ҃еное прѣстѣи цр҃кви ꙋ[с]троѧть· блаженьство ꙋбо твое еже исперва и ѿ младыа просто възрасти въ чистительстѣмъ[6] всѣцѣмъ[7] чинꙋ· и въ образѣ прѣстꙋю ꙋкраси цр҃квъ· ѧже и ѿ[8] чистительскаго сходѧщи народа·[9] сїа хранити | въинꙋ заповѣдаемъ· вѣдꙋще ꙗко не[10] мане на хощеть еже всѣмъ цр҃квамъ подобныимъ нежели тѣхъ дш҃и·

ἁγιώτατον πατριάρχην καὶ τοὺς εὐλαβεστάτους οἰκονόμους περισκοπεῖν τοῦ καὶ τὰς ἄλλας δαπάνας τὰς γενομένας ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν πόρων περὶ εὐσεβεῖς δαπανᾶσθαι πράξεις καὶ θεῷ ἀρεσκούσας, καὶ εἰς ἐκείνους ταῦτα χορηγεῖν τοὺς ταῖς ἀληθείαις δεομένους καὶ οὐκ ἔχοντας ἑτέρωθεν τροφῆς ἀφορμὴν (ταῦτα γὰρ τὸν δεσπότην θεραπεύει θεόν), ἀλλὰ μὴ προστασίαις καὶ σπουδαῖς ἀνθρώπων τὰς ἐκκλησιαστικὰς δαπάνας (л. 292ª) εἰς ἀνθρώπους εὐποροῦντας ἐπιδοῦναι καὶ ἐντεῦθεν τοὺς ἀπορουμένους μὴ τυγχάνειν τῶν ἀναγκαίων. ἴστωσαν οἱ θεοφιλέστατοι οἰκονόμοι οἵ τε νῦν οἵ τε κατὰ καιρὸν ἐσόμενοι, ὡς εἴπερ ταῦτα πράξαιεν, ταῖς τε ἐκ θεοῦ ποιναῖς ὑποκείσονται καὶ ἐκ τῆς αὐτῶν οὐσίας τὸ ἀζήμιον τῇ ἁγιωτάτῃ ἐκκλησίᾳ περιποιήσουσιν.

Τὴν μακαριότητα τοίνυν τὴν σήν, ἥπερ[1] ἐξ ἀρχῆς καὶ ἐκ νηπίας σχεδὸν ἡλικίας ἐν ἱερατικῷ παντί τε βαθμῷ καὶ σχήματι τὴν ἁγιωτάτην κατεκόσμησεν ἐκκλησίαν, οἷα καὶ ἐξ ἱερατικῆς καταβαίνουσαν γενεᾶς, ταῦτα φυλάττειν διη- л. 302 a.
νεκῶς θεσπίζομεν, γινώσκοντες, ὡς οὐκ ἔλαττον ὑμῖν μέλει τὸ ταῖς ἁπάντων ἐκκλησίαις λυσιτελούντων ἤπερ[2] αὐτῆς τῆς ψυχῆς.

---

1) въгодныи *П.* 2) трѣбоующиимъ *П.* 3) *cod неразборчиво* (не *или* но?), *такъ какъ перечеркн.* е *изъ* о (*или наоборотъ?*). 4) полꙋчити *П.* 5) и *проп. П.* 6) чистительствѣмъ *cod.* 7) всѧцѣмь *П.* 8) ѡ *cod.* 9) рода *П.* 10) *cod. позднѣйшей рукой надпис.* ѣне.

1) εἴπερ cod. 2) εἴπερ cod.

п҃ѳ.[1] О[2] нечистыихъ кленущiихъ сѧ бж҃iею главою и власъмь. или что таковыихъ.

Всѣмь чл҃комъ добрѣ съмыслѧщiимъ ꙗвѣ быти мнимъ ꙗко все намъ есть тщанiа[3] и м҃лтва еже порученыа[4] намъ ѿ в҃лкы б҃а добрѣ жити. и того ѡбрѣсти бл҃гую м҃ль. поне бж҃iе чл҃колюбiе не погыбеле нъ обращенiю и сп҃сенiа. и съгрѣшившаѧ. и ѡправившаѧсѧ прiемлеть б҃ъ. тѣмь всѣмь повелѣваемь. бж҃iи стра҃ въ умъ прiимати. и м҃лти его призывати и вѣмь ꙗко вси б҃а възлюбившеи. и того м҃лти[5] ожидающеи то творѧть. понеже нѣцiи и[6] дiаволемь[7] поспѣшенiемъ одержимии [въ] тѧжкыѧ нечистоты себе въвергоша. и самому естьству противу творѧть. и симъ запрѣщенiемъ прiѧти въ умъ[8] бж҃iи страхъ. и будущiи судъ. и удалѧтисѧ таковыихъ дiавольскыихъ и[9] злыхъ нечистотъ. да не таковыихъ ради нечистыихъ[10] дѣанiи[11] ѿ бж҃iаго правьнаго гнѣва обращутсѧ. и градѣ съ живущiими

ϟʹ. Περὶ τῶν ἀσελγαινόντων ἢ ὀμνυόντων κατὰ θεοῦ κεφαλῆς ἢ τριχὸς ἢ τῶν τοιούτων.

Πᾶσιν ἀνθρώποις τοῖς εὖ φρονοῦσιν πρόδηλον εἶναι νομίζομεν, ὅτι πᾶσα ἡμῖν ἔστι σπουδὴ καὶ εὐχὴ τὸ τοὺς πιστευθέντας ἡμῖν παρὰ τοῦ δεπότου θεοῦ καλῶς βιοῦν καὶ τὴν αὐτοῦ εὑρεῖν εὐμένειαν, ἐπειδὴ καὶ ἡ τοῦ θεοῦ φιλανθρωπία οὐ τὴν ἀπώλειαν ἀλλὰ τὴν ἐπιστροφὴν βούλεται καὶ τὴν σωτηρίαν, καὶ τοὺς πταίοντας καὶ διορθωσαμένους δέχεται ὁ θεός. δι' ὃ πάντας προτρέπομεν τὸν τοῦ θεοῦ φόβον κατὰ νοῦν λαμβάνειν καὶ τὴν αὐτοῦ εὐμένειαν ἐπικαλεῖσθαι, καὶ ἴσμεν ὅτι πάντες οἱ τὸν θεὸν ἀγαπῶντες (л. 292^{b}) καὶ τὸν αὐτοῦ ἔλεον περιμένοντες τοῦτο ποιοῦσιν. ἐπειδὴ δέ τινες ὑπὸ τῆς διαβολικῆς ἐνεργείας συνεχόμενοι καὶ ταῖς βαρυτάταις ἀσελγείαις ἑαυτοὺς ἐνέβαλον καὶ αὐτῆς τῆς φύσεως τὰ ἐναντία πράττουσιν, καὶ τούτους παρεγγυῶμεν λαβεῖν κατὰ νοῦν τὸν τοῦ θεοῦ φόβον καὶ τὴν μέλλουσαν κρίσιν καὶ ἀπέχεσθαι τῶν τοιούτων διαβολικῶν καὶ ἀτόπων ἀσελγειῶν, ἵνα μὴ διὰ τῶν τοιούτων ἀσεβῶν πράξεων ὑπὸ τῆς τοῦ θεοῦ δικαίας ὀργῆς εὑρεθῶσιν καὶ αἱ πόλεις μετὰ τῶν ἐνοικούντων

---

1) *Въ У отъ главы 89 сохранилось только окончанiе (ниже стр. 820 з) на л.* 154^{a}, *а начало вырвано.* 2) ѿ *cod.* 3) тщанiе *II.* 4) порученына *II.* 5) милисти *II.* 6) и *проп. II.* 7) дiаволомъ *II.* 8) оумѣ *II.* 9) и *проп. II.* 10) нечтотъ *II.* 11) дѣанiи *II.*

къ нӥ҃ погꙋбленїи·[1] оучимъ бо сѧ ст҃ꙑми писанїи· ꙗко ѿ таковыӥ҃ вещественꙑ҃ дѣанїи· гради съ чл҃кꙑ погыбоша· понеже нѣцїи | къ реченꙑимъ· и хꙋлнꙑ[и] гл҃ꙑ· и клѧтвами о бз҃ѣ ротатсѧ· бг҃а прогнѣвающе· и тѣмь тако же запрѣщаемъ·

власомъ и главою ваиз тѣхъ гл҃ъ· бывающа бо на чл҃ка хꙋленїа· несказанна[ѧ] оставити невозможна[2] коле па҃ на бжественое· то хꙋливыи· достоинъ есть мꙋкꙋ прїати· сего ра҃ оубо всѣмъ таковыимъ· повелѣваемъ ѿ реченыӥ҃· прѣгрѣшенїи ꙋдалѧтисѧ·[3] и бжї[и] стра҃ въ ꙋмъ прїимати·[4] и въслѣдовати добрѣ живꙋщїихъ[5] тѣхъ бо ра҃ прегрѣшенїи и глади и трꙋси· и пагꙋбы бываютъ· сего ради ꙋвѣдꙋемъ таковыӥ҃ ꙋдалѧтисѧ реченꙑ҃[6] злобъ· ꙗко тѣхъ не погꙋбити дш҃ь· аще бо и по таковѣмь нашемъ законоположенїи обрѧщꙋтсѧ нѣцїи в тѣхъ же прегрѣшенїихъ достоины себе сътворѧть бжїа чл҃колюбїа· посемь же и ѿ

αὐταῖς ἀπολλύμεναι· διδασκόμεθα γὰρ
διὰ τῶν ἁγίων γραφῶν, ὅτι ἐκ τῶν
τοιούτων ἀσεβῶν πράξεων αἱ πόλεις
τοῖς ἀνθρώποις συναπώλοντο. ἐπειδὴ
δέ τινες πρὸς τοῖς εἰρημένοις καὶ βλά- л. 302 b.
σφημα ῥήματα καὶ ὅρκους περὶ θεοῦ
ὀμνύουσιν τὸν θεὸν παροργίζοντες,
καὶ τούτοις ὁμοίως παρεγγυῶμεν
ἀπέχεσθαι τῶν τοιούτων βλασφή-
μων ῥημάτων καὶ τοῦ ὀμνύναι
κατὰ τριχός τε καὶ κεφαλῆς καὶ τῶν
τούτοις παραπλησίων ῥημάτων. αἱ
γὰρ κατὰ ἄνθρωπον[1] γινόμεναι
βλασφημίαι ἀνεκδίκητοι καταλιμπάνε-
σθαι μὴ δυνάμεναι, πολλῷ μᾶλλον
ὁ εἰς αὐτὸ τὸ θεῖον βλασφημῶν ἄξιός
ἐστιν τιμωρίας ὑποστῆναι. διὰ τοῦτο
οὖν πάντας τοὺς τοιούτους προτρέπο-
μεν ἐκ τῶν εἰρημένων πλημμελημά-
των (л. 293ᵃ) ἀπέχεσθαι καὶ τὸν τοῦ
θεοῦ φόβον κατὰ νοῦν λαμβάνειν καὶ
ἀκολουθεῖν τοῖς καλῶς βιοῦσιν· διὰ γὰρ
τὰ τοιαῦτα πλημμελήματα καὶ λιμοὶ
καὶ σεισμοὶ καὶ λοιμοὶ γίνονται, καὶ διὰ
τοῦτο παραινοῦμεν τοὺς τοιούτους ἀπέ-
χεσθαι τῶν εἰρημένων ἀτοπημάτων,
ὥστε μὴ τὰς τούτων ἀπόλλεσθαι ψυχάς.
εἰ γὰρ καὶ μετὰ τὴν τοιαύτην ἡμῶν
νουθεσίαν εὑρεθῶσίν τινες τοῖς αὐτοῖς
ἐμμένοντες πλημμελήμασιν, πρῶτον
μὲν ἀναξίους ἑαυτοὺς ποιοῦσιν τῆς θεοῦ
φιλανθρωπίας, ἔπειτα δὲ καὶ τὰς ἐκ

1) погꙋблени *П.* 2) невъзмо҃жно *П.* 3) оудалитисѧ *П.* 4) въсприїимати *П.* 5) живꙋщїимь *П.* 6) реченыихъ *П.*

1) ἀ͞ν͞ο͞ν cod.

ꙁакона поимꙋть мѹченїе повелѣхомъ же прѣславномѹ епархꙋ црⷭ҇ьскаго града пребывающаꙗ[1] въ реченьнихъ[2] ꙁлобаⷯ҇ и нечистыихъ дѣанїаⷯ҇[3] и по семь нашемъ ꙁаконоположенїи обьдержати· и въ послѣдьнꙗа благати[4] мѫкы да не ѿ прѣꙁиранїа[5] так<овыих>ъ[6] грѣховъ (л. 303 а.) обращꙋтсꙗ и градъ[7] и гражане | таковыихъ ради нечистыиⷯ҇ дѣꙗнїи обидимъ· аще бо по семь нашемъ оутѣшенїи нѣцїи таковыа[8] обрѣтающе сиⷯ҇ съкрыють тако же ѿ влⷣкы ба҃ осѫжени[9] бѫдѫть· и тъ бо самъ прѣславныи патрїархъ·[10] аще обращеть нѣкакокое[11] съгрѣшающїихъ· и ѿмщенїа на нꙗ не наведеть по нашемѹ ꙁаконѹ· первѣе ѹбо повинни[12] бѫдѫть[13] сѫдѹ бж҃їю· посемь наше негодованїе подъиметь·

ч҃.[14] **Оказанїе костантинеграждаⷨ҇ на еретикы·**

Первое ѹбо быти и велїе всѣмъ чл҃комъ вѣрѹемъ· и истинныа [и непорочныиꙗ хрестїаньскыа] вѣры право исповѣданїе· всѣмь

τῶν νόμων ὑποστήσονται τιμωρίας. ἐπετρέψαμεν γὰρ τῷ ἐνδοξοτάτῳ ἐπάρχῳ τῆς βασιλίδος πόλεως τοὺς ἐμμένοντας ταῖς εἰρημέναις ἀτόποις καὶ ἀσεβέσιν πράξεσιν καὶ μετὰ ταύτην ἡμῶν τὴν νουθεσίαν συνέχειν καὶ ταῖς ἐσχάταις ὑποβάλλειν τιμωρίαις, ἵνα μὴ ἐκ τοῦ παραβλέπειν τὰς τοιαύτας ἁμαρτίας εὑρεθῇ καὶ ἡ πόλις καὶ ἡ πολιτεία διὰ τῶν τοιούτων ἀσεβῶν πράξεων ἀδικουμένη. εἰ γὰρ καὶ μετὰ ταύτην ἡμῶν τὴν παραίνεσίν τινες τοιούτους εὑρίσκοντες τούτους συγκρύψωσιν, ὁμοίως παρὰ τοῦ δεσπότου θεοῦ κατακριθήσονται. καὶ αὐτὸς γὰρ ὁ ἐνδοξότατος ἔπαρχος, ἐὰν εὕρῃ τινὰς τὸ τοιοῦτο πλημμελοῦντας καὶ τὴν ἐκδίκησιν εἰς αὐτοὺς μὴ ἐπαγάγοι κατὰ τοὺς ἡμετέρους νόμους, πρότερον μὲν ἔνοχος (л. 293b) ἔσται τῇ τοῦ θεοῦ κρίσει, ἔπειτα δὲ καὶ τὴν ἐξ ἡμῶν ἀγανάκτησιν ὑποστήσεται.

ϟα'. Ἴδικτον Κωνσταντινουπολίταις κατὰ αἱρετικῶν.

Πρῶτον μὲν εἶναι καὶ μέγιστον πᾶσιν ἀνθρώποις πιστεύομεν τὴν τῆς ἀληθοῦς καὶ ἀμωμήτου τῶν χριστιανῶν πίστεως ὀρθὴν ὁμολογίαν, εἰς τὸ διὰ πάντων

---

1) *слѣдующее дальше окончаніе главы 89 есть въ У.* 2) ренъıхъ *У*; реченыиⷯ҇ *П.* 3) дѣанїа *cod. П*; дѣꙗнииихъ *У.* 4) въблагатїи *П.* 5) прѣꙁираа *П.* 6) такъıхъ *У*; тако *П.* 7) градъı *У.* 8) таковы *П.* 9) ѡсѫженїи *П.* 10) епархъ *УП.* 11) нѣкоєꙗ *УП.* 12) повиньнъ *УП.* 13) боудеть *УП.* 14) *Въ У отсутствуетъ глава 90.*

Ўдєржати̇̈ ю· и вса всеѧ вселеныа чистителѧ· прѣпо̑бныа къ единомыслїе съвъкупити и единогл҃ано правую христїанаскую вѣру· исповѣдати же и проповѣдати· и в҃е изв҃ѣтъ обрѣтаемыи· ѿ еретикъ ѿнимати· еже авлаетьса· и ѿ насъ написаный· ра҆зличнo· словесъ же и[1] съказанїи· нъ понеже еретици никако же бж҃їа разумѣюще страха· ни прѣтимаго таковыимъ чл҃комъ·[2] [мученїа] ѿ закона лютости помышлающе· дїаволе дѣло исполнають· и нѣкыа[3] ѿ простѣишїихъ прѣльщають ѿ ст҃ыа бж҃їа ап҃льскыа цр҃кве· неправе̑наа съборища и неправедна[а] крещенїа творать таи· бл҃гоче|стьно непщевавше пришѐшаго ра̑ сказанїа и увѣщанїемъ таковыимъ же и самы оставити[4] ѿ еретичьскаго гнѣва· илѣ инѣхъ гнѣвъ·[5] или инѣхъ дш҃ь прѣльстїю погубити· нъ па̑ притечи къ ст҃ѣи бж҃ї[и] цр҃кви· къ неиже[6] правая чтуться велѣнїа· и вса ереси с началникы[7] своими проклинаются вѣдѣти же вса хощемъ тако же прочее нѣцїи обращутса или неправедныа съборы творащe· или къ нимъ събирающеса иже ѿнудъ сихъ не терпаще· нъ домы идеже что съгрѣшаетьса·

κρατύνεσθαι αὐτὴν καὶ πάντας τοὺς τῆς οἰκουμένης ὁσιωτάτους ἱερέας εἰς ὁμόνοιαν συναφθῆναι καὶ ὁμοφώνως τὴν ὀρθὴν τῶν χριστιανῶν πίστιν ὁμολογίαν τε κηρύττειν καὶ πᾶσαν πρόφασιν παρὰ τῶν αἱρετικῶν ἐφευρισκομένην ἀφαιρεθῆναι· ὅπερ δείκνυται καὶ ἐκ τῶν παρ' ἡμῶν διαφόρως γραφέντων λόγων τε καὶ ἰδίκτων. ἀλλ' ἐπείπερ οἱ αἱρετικοὶ μηδὲν τὸν τοῦ θεοῦ ἐννοοῦντες φόβον μηδὲ τὰς ἠπειλημένας τοῖς τοιούτοις ποινὰς ἐκ τῆς τῶν νόμων αὐστηρίας ἐνθυμούμενοι τὸ διαβόλου ἔργον πληροῦσιν καί τινας τῶν ἁπλουστέρων ἀπατῶντες τῆς ἁγίας τοῦ θεοῦ καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς ἐκκλησίας παρασυνάξεις καὶ παραβαπτίσματα ποιοῦσιν λαθραίως, εὐσεβὲς ἡγησάμεθα διὰ τοῦ л. 303 b.
παρόντος ἡμῶν ἰδίκτου παραινέσαι τοῖς τοιούτοις, ἐφ' ᾧ καὶ αὐτοὺς ἀποστῆναι τῆς αἱρετικῆς μανίας καὶ μηδὲ τὰς ἑτέρων ψυχὰς δι' ἀπάτης ἀπολλύναι, ἀλλὰ μᾶλλον προσδραμεῖν τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ ἐκκλησίᾳ, ἐν ᾗ τὰ ὀρθὰ (л. 294a) πρεσβεύεται δόγματα καὶ πᾶσαι αἱρέσεις μετὰ τῶν ἀρχηγῶν αὐτῶν ἀναθεματίζονται· γινώσκειν γὰρ πάντας βουλόμεθα, ὡς εἰ τοῦ λοιποῦ τινες εὑρεθῶσιν ἢ παρασυνάγοντες ἢ πρὸς αὐτοὺς συναγόμενοι, οὐδενὶ παντελῶς τούτων ἀνεξόμεθα, ἀλλὰ τοὺς μὲν οἴκους, ἔνθα τι ἁμαρτάνεται,

1) и *проп. II.* 2) чл҃комъ *проп. II.* 3) ныкыа *cod.* 4) ѿставити *II.* 5) илѣ инѣхъ гнѣвъ *проп. II.* 6) ї҆же *II.* 7) началникыкы *cod.*

ст҃ѣи предаѥ҃ цр҃кви· творащїимъ же съборы или събирающиисѧ съ ними· ѿ повелѣнїа мѹченїе навести на нѧ всѣми образы повелѣваѥ҃·

ч҃а· Тыи же басілїи иωанѹ прѣблаженомѹ еп҃пѹ·

Инокое житїе· и еже въ немъ видѣнїа[1] чистое[2] и[3] възвода[4] ѿсюдѣ дш҃а къ б҃ѹ· и не токмо полꙁоу имъ· на[5] се[6] пришѐшїимъ· нъ инѣмъ всѣмъ чистотою своею къ б҃ѹ прошенїемь подающїимъ подобнѹю полꙁѹ·[7] тѣмь первѣимъ[8] самодержьцемъ·[9] се потъщасѧ· и намъ[10] не хѹдо ѹꙁаконисѧ· ω чистотѣ ихъ [и] оукрашенїи· въслѣдѹемъ[11] б҃жественыимъ ꙁаконѣ[12] и прест҃ыїмъ оц҃емъ | о сихъ въꙁаконѣвшїимъ·[13] л. 304 а. понеже ничьсо[14] же проходно[15] есть· въ[16] възисканїи цр҃твии[17] овьщѹю всѣмь чл҃комъ хытрость ѿ б҃а прїемлющїимъ· се ѹбо написахомъ повелѣнїе хотащее въ множество сѹщїихъ мнихъ·[18] въ[19] овьщи[20]

τῇ ἁγίᾳ προσκυρώσομεν ἐκκλησίᾳ, τοῖς δὲ παρασυνάγουσιν ἢ πρὸς αὐτοὺς συναγομένοις τὰς ἐκ τῶν διατάξεων ποινὰς ἐπαχθῆναι πᾶσι τρόποις κελεύσομεν.

ϟβʹ. Ὁ αὐτὸς βασιλεὺς Ἰωάννῃ τῷ μακαριωτάτῳ ἀρχιεπισκόπῳ.

Ὁ μονήρης βίος καὶ ἡ κατ' αὐτὸν θεωρία ἱερὸν καὶ ἀνάγων αὐτόθεν τὰς ψυχὰς εἰς θεόν, καὶ οὐ μόνον ὠφελοῦν αὐτοὺς τοὺς εἰς τοῦτο παριόντας,[1] ἀλλὰ καὶ τοῖς ἄλλοις ἅπασιν διὰ τῆς αὐτοῦ καθαρότητος καὶ τῆς πρὸς θεὸν ἱκετείας παρεχομένων τὴν πρέπουσαν ὠφέλειαν. ὅθεν τοῖς τε πρώην αὐτοκράτορσι τοῦτο διεσπούδασται καὶ ἡμῖν οὐ μέτρια νενομοθέτηται περὶ τῆς αὐτῶν σεμνότητος καὶ κοσμιότητος· ἀκολουθοῦμεν γὰρ τοῖς θείοις κανόσιν καὶ τοῖς ἁγιωτάτοις πατράσιν, οἵπερ[2] ταῦτα ἐνομοθέτησαν, ἐπειδὴ μηδὲν ἄβατόν ἐστιν εἰς ζήτησιν τῇ βασιλείᾳ κοινὴν πάντων ἀνθρώπων ἐπίστασιν ἐκ θεοῦ παραλαμβάνουσιν. ἤδη μὲν οὖν ἐγράψαμεν διάταξιν βουλομένην τοὺς εἰς πλῆθος ὄντας μοναχοὺς ἐν κοινῷ

---

1) вѣдѣние *У*; видѣние *Н*. 2) ч҃то *Н*. 3) и *проп. Н*. 4) възводѧи *П*. 5) не *cod.* 6) н҃а *Н* (*вм.* на се). 7) имъ *вставл. Н*. 8) пьрвымъ *У*; первѣимъ *проп. Н*. 9) соущимъ *вставл. П*. 10) самодержьцемъ се потъщасѧ и намъ *проп. У*. 11) послѣдоуемъ *Н*. 12) канономъ *НПУ*. 13) взаконившимъ *Н*; възаконивъшемъ *У*; възаконившїимъ *П*. 14) ничто *Н*. 15) преходно *Н*. 16) въ *проп. Н*. 17) цр҃ьствии *У*. 18) мниховъ *Н*. 19) въ *проп. НУ*. 20) ѿвкьщихъ *Н*.

1) cod. буквы αριο по скобл. 2) ὑπὲρ cod.

пребывати· по[1] нарицаемѣмъ обьщїимъ[2] жити[3] образа· да ни своего имѣти· пригажанїа· ни избытокъ[4] събирати· ни житїа имѣти бес[5] послꙋшьства·[6] нъ обьщемъ[7] питатисѧ· спати же въкꙋпь[8] и бла̑образное[9] прѣходити[10] житїе· и послꙋхомъ быти инѣхъ ꙋкрашенїю· и[11] ꙋнѣишїимъ боѧтисѧ сѣдинъ· сїа видѧщїихъ и ѿ готоваго бдѣнїе въсприимати· да не[12] что прѣлест҇о ѿ сн҇а бꙋдеть ни безлѣпотнаго видѣти инѣмъ· нъ и[13] кыижьдо[14] свое ꙋкращенїе·[15] аще и спѧ хранить нѣкыимъ же намъ провозвѣщьшемъ· ѧже достоина[16] и болшаго и твержешаго закона· трѣбꙋють[17] въправдꙋ на сꙋщее приидохомъ[18] законоположенїе на[19] съвершенїе его и исполненїе имже повелѣваемъ·[20] ни единомꙋ же ѿнюдъ[21] своего имѣти[22] селенїа· или[23] нарицаемꙋю[24] келїю· развѣ аще[25] не[26] единъ бꙋдеть въ манастыри[27] въ немьже полоучить и[28] два имѣѧ слꙋжитела | и въ бг҇овидѣнимъ[29] же[30] и[31]

διητᾶσθαι (л. 294b) κατὰ τὸ καλούμενον κοινόβιον σχῆμα, καὶ μήτε ἰδίας ἔχειν κτήσεις μήτε περιουσίαν ἀθροίζειν μήτε βίον, ἔχειν ἀμάρτυρον, ἀλλὰ κοινῇ μὲν αὐτοὺς σιτεῖσθαι, καθεύδειν δὲ αὐτοὺς ἐν κοινῷ, καὶ τὸν εὔσχημον μεταβαίνειν βίον, καὶ μάρτυρας εἶναι τῆς ἀλλήλων κοσμιότητος, καὶ τοὺς νεωτέρους αἰδεῖσθαι τὴν πολιὰν τῶν ταῦτα ἐποπτευόντων, καὶ ἐξεπίτηδες καὶ ἀγρυπνίαν προσλαμβάνειν, ἵνα μή τι πάρεργον μηδὲ ἐξ ὕπνου γένηται μηδὲ ἄσχημον θέα τοῖς ἄλλοις, ἀλλ' ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ κοσμιότητα κἂν τῷ καθεύδειν φυλάττῃ. τινῶν δὲ ἡμῖν προσαγγελθέντων, ἅπερ ἄξια καὶ μείζονος καὶ ἀσφαλεστέρου νόμου προσεδεῖτο, εἰκότως ἐπὶ τὴν παροῦσαν ἀφικόμεθα νομοθεσίαν εἰς ἐκείνης τελείωσίν τε καὶ ἀναπλήρωσιν, δι' ἧς θεσπίζομεν μηδένα παντελῶς ἰδίαν ἔχειν οἴκησιν ἢ τὸ καλούμενον κελλίον, πλὴν εἰ μὴ μόνος εἴη κατὰ τὸ μοναστήριον ἐνὶ τυχὼν ἢ δύο χρώμενος ὑπουργοῖς καὶ τὸν[1] ἐν θεωρίᾳ τε καὶ л. 304 b.

---

1) по *проп. Н.* 2) обьщемь *Н.* 3) житии *НП*; жии *У.* 4) избытка *П.* 5) себе *Н.* 6) послоушьствова *П.* 7) ѿбщимь *Н.* 8) въкоупѣ *У.* 9) блаобразное *cod.*; ѿбразьное *Н.* 10) приходити *Н.* 11) нїї *Н*; ни *У.* 12) ни *П.* 13) кождо *Н.* 14) и *проп. Н.* 15) оукрашенье *НУ.* 16) достоино *Н.* 17) трѣбоують *У*; дѣють *Н.* 18) придохъ *Н.* 19) на *проп. П.* 20) повелѣвамъемъ *cod.* 21) ѿтиноудь *НУ*; ѿнꙋдꙋ *П.* 22) имѣти своего *У.* 23) и *П.* 24) наричаемоую *У.* 25) аще развѣ *Н.* 26) ни *П*; не *проп. Н.* 27) мастыри *П.* 28) или *НУ.* 29) бл҇говидѣньнѣмь *Н.* 30) же *проп. П.* 31) в *вставл. Н.*

1) τῶν cod.

молчанивѣмъ живаи[1] житїи нъ елико же множаишихъ мꙋжии· единомꙋ быти схоженїю ихъ и молащемьса[2] и[3] естьственаа дѣла дѣлающе҃[4] ꙗко да непорочна же и неприлагаема[5] бꙋдꙋть[6] и обьщес[7] ꙋбо ꙗко же[8] речено есть питатиса· обьще же и спати· и аще толико бꙋдеть множество· [ѥли-ко же въ] единъ домъ вꙑмѣстити·[9] имже ꙋбо ключено[10] двѣма или[11] трема· домомъ быти прїемлющиимъ[12] ихъ·[13] ни единомꙋ оу[14] своего имѣти ѿнꙋдъ[15] нъ обьще жити в нощи[16] же и въ дн҃е да нощь имь то [же] дн҃ьми сꙑблюденїе имꙋть· не спать бо вси пр҇но· но[17] авѣ ако оби въ спанїи[18] ꙋбо сꙋть· [обии же бдать и всꙗко соуть нѣции спащихъ вїдаще· аще ли] нѣкаꙗ [селениꙗ соуть][19] въ ка-ковѣмъ кꙑгда манастыри· по҇ всеа вселеныа патрїархомъ· того великаго града и[ли] подъ твоею сꙋщїихъ ст҇остїю· или окр҇тъ еа или оу насъ самѣхъ създаныа· или[20] ѿ инѣхъ сиа вса· ѿмѣтаемыими[21] образы всѣми· ѿверзенїа же имъ инѣ[хъ] вѣдѣнїа[22] и оузрꙙ

ἡσυχίᾳ διαζῇ βίον, ἀλλ' ὅσων τῶν πλειόνων ἀνδρῶν μίαν εἶναι τὴν αὐτῶν συνέλευσιν καὶ εὐχομένων καὶ τὰ τῆς φύσεως ἔργα πραττόντων, ὅπως ἄμεμπτά τε καὶ ἀδιάβλητα καθέστηκεν, καὶ κοινῇ μὲν ὡς εἴρηται σιτεῖσθαι, κοινῇ δὲ καθεύδειν. καὶ εἰ μὲν τοσοῦτον εἴη τὸ πλῆθος, ὅσον (л. 295ª) εἰς ἕνα οἶκον χωρεῖσθαι, ἐπείτοιγε τυχὸν δύο ἢ τρεῖς οἴκους εἶναι τοὺς δεχομένους αὐτούς. μηδένα μέντοι ἴδιον ἔχειν παντελῶς, ἀλλ' ἐν κοινῷ ζῆν νύκτωρ τε καὶ μεθ' ἡμέραν, ἵνα αἱ νύκτες αὐτοῖς τὴν αὐτὴν ταῖς ἡμέραις παρατήρησιν ἔχοιεν· οὐ γὰρ καθεύδουσιν ἅπαντες ἀεί, ἀλλὰ πρόδηλον ὡς οἱ μὲν ἐν τῷ καθεύδειν εἰσίν, οἱ δὲ ἐγρηγόρασιν, καὶ πάντως ἔσονταί τινες οἱ τοὺς καθεύδοντας ἐποπτεύοντες. εἰ δέ τινα οἰκήματά ἐστιν ἐν οἱῳδήποτε μοναστηρίῳ τῷ ὑπὸ τὸν οἰκουμενικὸν πατριάρχην ταύτης τῆς μεγαλοπόλεως ἢ τῶν ὑπὸ τὴν σὴν ὄντων ἁγιωσύνην, εἴτε ἐπὶ τῆς αὐτῆς περιοικίδος, εἴτε παρ' ἡμῶν αὐτῶν ᾠκοδομημένα εἴτε παρ' ἑτέρων, ταῦτα πάντα καθαιρέσεις τρόποις ἅπασιν, ἀνοίξεις τε αὐτοῖς τὴν ἄλλων θέαν, καὶ ὄψονται

1) жїва *Н.* 2) молащимса *Н.* 3) и *проп. Н.* 4) дѣлающимъ *НП.* 5) неприлагаемꙋ *Н.* 6) боу-деть *Н.* 7) ѿвщение *Н.* 8) же *проп. У*; ꙗже *Н* (*вм.* ꙗко же). 9) и *вставл. У.* 10) ключно *Н.* 11) ли *Н.* 12) приемлющимъ *УН.* 13) имъ *Н.* 14) оу *проп НУ.* 15) ѿтиноудь *Н.* 16) нощь *У.* 17) но *проп. Н.* 18) спанїи *cod.* 19) *вставка изъ УП.* 20) и *Н.* 21) ѿмѣтаемымимѣ *cod.* 22) видѣниꙗ *УН.*

вси ѿ инѣхъ сътварѧемаѧ· что бо подобаеть и ꙋбоатсѧ се сътворшее[1] единою себе прѣдълoжьшеи бꙋ и ѿрекшенсѧ[2] всѧкого сонмища прѣбываѧ· и томꙋ | ꙋбо се ꙋтвержати· и на прочее се[3] хощемъ лѣто ни единомꙋ же имѣти селенїа своего ѧко же речено есть· нъ съвъкꙋплающе[м]сѧ[4] всѣмъ· и видѧщемь дрꙋгъ ѿ дрꙋга· творимъ съдѣваемаѧ· ѧвѣ бо ѧко таковаѧ подъщатьсѧ[5] сїа поставить· имьже вьхма[6] безь начинанїа пребывати· аще ли[7] кто ѩвитсѧ сице[8] безстꙋдно[9] ѩко дерьзнꙋти начинати что· или пристꙋпати[10] что ѿ възаконеныи̇· обителнїи[11] игꙋменъ· сїа да испытаеть хощемь[12] бо нынѣшьнее· болшее[13] бывати съблюденїе и первѣе ꙋбо многы[14] имѣти въ ма[на]стырѣхъ воходы·[15] нъ единъ или два ключьно·[16] поставити[17] ꙋ дверїи· два мꙋжа състарѣвшасѧ и цѣломꙋдрена·[18] и послꙋшьствована[19] ѿ всѣхъ ѧже ни бл҃гобоѕнивыимъ мнихомъ вдаста[20] развѣ повелѣнїа игꙋмена[21] исходити изъ манастырѧ· нъ

πάντες παρ' ἀλλήλων πραττόμενα. τί γὰρ δεῖ καὶ εὐλαβηθήσονται τοῦτο πράξαντες, ἅπαξ ἑαυτοὺς ἀναθέντες θεῷ καὶ ἀπειπόντες πρὸς ἅπασαν δημώδη δίαιταν; καὶ τούτου μὲν ταύτῃ κρατύνειν τε л. 305 a. καὶ εἰς τὸν ἑξῆς ἅπαντα βουλόμεθα χρόνον, οὐδενὸς ὡς εἴρηται ἔχοντος οἴκησιν ἰδίαν, ἀλλὰ συναθροιζομένων ἁπάντων καὶ θεωμένων τὰ παρ' ἀλλήλων πραττόμενα· πρόδηλον γὰρ ὅτι τοιαῦτα σπεύσωσιν αὐτὰ (л. 295[b]) καθεστάναι, οἷα παντελῶς ἀνεπιτήδευτα μένειν. εἰ δέ τις ὀφθείη οὕτως ἀναιδής, ὥστε τολμᾶν ἐπιχειρῆσαί τι ἢ παραβαίνειν τι τῶν νενομοθετημένων, ὁ τῆς μονῆς ἡγούμενος ταῦτα ἐξεταζέτω· βουλόμεθα γὰρ τὴν νῦν σφοδροτέραν γίνεσθαι παρατήρησιν, καὶ πρῶτον μὲν μὴ πολλὰς ἔχειν τὰς εἰς τὸ μοναστήριον εἰσόδους, ἀλλὰ μίαν ἢ δύο τυχόν, ἐφεστάναι τε τῇ πύλῃ δύο ἄνδρας γεγηρακότας καὶ σώφρονας καὶ μεμαρτυρημένους ἐξ ἁπάντων, οἵπερ οὐδὲ τοῖς εὐλαβεστάτοις μοναχοῖς συγχωρήσουσιν χωρὶς τῆς τοῦ ἡγουμένου γνώμης ἐκφοιτᾶν ἐκ τοῦ μοναστηρίου, ἀλλ'

---

1) сътворьшеи *У.* 2) ѿрекъшесѧ *УН.* 3) се *проп Н.* 4) съкоуплѧющимьсѧ *П*; съвъкоуплѧющимъсѧ *У.* 5) подъщасѧ *Н.* 6) бъıхъма *У.* 7) ли *проп. Н.* 8) лице *Н.* 9) бестоуденъ *Н.* 10) престоупати *Н*; прѣстоупати *УП.* 11) ѿбительнъıи *Н*; ѡбитѣлныи *П.* 12) хощеть *П.* 13) болше *Н.* 14) много *Н.* 15) входъ *Н.* 16) клюцьно *У.* 17) и *вставл. Н.* 18) цѣломоудрьно *Н.* 19) послꙋшьствовинна *cod.* 20) дваста *cod.*; въдасть *У и вставл.* или. 21) игꙋмена *П.*

равно того ѹдержать· нъ иже къ бѹ ревнѹющемъ и ни ѿтергающе[1] себе· ни ѿ начинанїи[2] нѣ[3] инѣмь нѣкыимъ[4] бывати въ манастыри· не дадять ни нощь· ни днь· иже неправое[5] блгоболѣзниваи̇ оустроятъ[6] вънегда да[7] сѫдитсѧ издание[8] л. 305 b. | высокыимъ огражденъ манастырь· яко ни единомѹ же е[9] исхода инѹдѹ развѣ[10] врата[11] быти посемъ аще [и] црквы при манастири бѫдеть· ни тако[12] виною цркве исходити[13] без[14] страха и шествиа[15] тамо творити и бесѣдовати[16] къ[17] нѣкыимъ имъже не[18] подобаеть· нъ приходити[19] въ врѣмя сщеныя слѹжбы· кѫпно съ игѹменомъ· или съ прѣдними ихъ·[20] слѹжбѣ же съвершивъшися[21] въ обитель приходити и тѹ сѣдѣти[22] и великомѹ молитися бѹ·[23] въ бжественыихъ прѣбывати писанїихъ многыя бо сщеныя[24] таковыи[25] книгъ развѣ и мощьно есть коегождо дшю оправлати[26] и напамти[27] сщеныими словесы иже[28] аще и часто почитаема[29] бываютъ· никогда же съблазнятся·[30] ни въ члческыя[31] съведѫтся[32]

1) ѿверзающе *Н*. 2) начинананїи *cod.*; начинаниа *НП*. 3) ни *ПУН*. 4) кымъ *Н*. 5) правою *У*. 6) и *вставл.* *Н*. 7) да *проп.* *Н*. 8) изанїемь *ПНУ*. 9) юсть *НУ*. 10) звѣ *У*. 11) вратъ *ПУ*; враты *Н*. 12) такою *Н*. 13) исходить *Н*. 14) бе *НПУ*. 15) шествїе *Н*. 16) и *вставл.* *Н*. 17) нъ *cod.* 18) не *проп.* *Н*. 19) проходити *Н*. 20) преднихъ *Н* (*вм.* прѣдними ихъ). 21) и *вставл.* *Н*. 22) съдѣти *cod.* 23) и *вставл.* *Н*. 24) сщеныя *cod.* 25) таковъіхъ сщнъія *Н*. 26) ѿправити *Н*. 27) напамѧти *cod.*; напаатися *П*. 28) яко *П*. 29) почита *П*. 30) съблажняють *Н*. 31) чьловѣчьскыя *УПН*. 32) сведоутъ *Н*; въвѣдоуться *У*.

ἴσον τούτου καθέξουσι τὰ πρὸς τὸν[1] θεὸν ζηλοῦντας καὶ μὴ διασπῶντας ἑαυτούς, μήτε τὰς πράξεις μήτε τὰς ἐπιτηδεύσεις, οὔτε ἑτέρους τινὰς γίνεσθαι κατὰ μοναστηρίου νύκτωρ τε καὶ μεθ' ἡμέραν ἐάσουσιν, εἴπερ οὐκ ὀρθὴν τὴν τῶν εὐλαβεστάτων μοναχῶν παρασκευάσουσιν ἐν τῷ διακριθῇ θρεγκίῳ περιπεφραγμένον τὸ μοναστήριον, ὥστε μηδεμίαν ἔξοδον ἀλλαχόθεν πλὴν ἢ διὰ τῶν πυλίδων εἶναι. ἔπειτα κἂν εἴ τις ἐκκλησία κατὰ τὸ μοναστήριον εἴη, μηδ' οὕτως προφάσει τῆς ἐκκλησίας ἐκφοιτᾶν ἀδεῶς καὶ περιπάτους ἐκεῖσε ποιεῖσθαι καὶ ἐντυγχάνειν τισίν, οἷς οὐ προσήκει, ἀλλὰ παραγίνεσθαι ἐν τῷ καιρῷ τῆς ἱερᾶς λειτουργίας ἅμα τῷ (л. 296[a]) ἡγουμένῳ ἢ τοῖς αὐτῶν πρωτεύουσιν, τῆς δὲ λειτουργίας πληρωθείσης ἐπὶ τὸ κοινόβιον χωρεῖν κἀκεῖσε κάθεσθαι, καὶ τὸν μέγαν ἱκετεύειν θεὸν ταῖς θείαις ἐντυγχάνειν γραφαῖς. πολλοὺς γὰρ ἱεροὺς τῶν τοιούτων βιβλίων χωρίς, καὶ δυνατός ἐστιν τὴν ἑκάστου ψυχὴν ἐπανορθοῦν καὶ ἐπάρδειν τοῖς ἱεροῖς λόγοις, ἅπερ εἰ συνεχῶς ἀναγινώσκοιεν, οὐκ ἄν ποτε σφαλεῖεν οὐδὲ εἰς ἀνθρωπίνας κατενεχθεῖεν

1) τὸν cod. между строкъ.

части[1] четыре же или пати старцемъ ѿ тоа обители быти прѣ̑ѣи цр̑кви соущїи[2] въ манастыри· имже абїе всакъ по̑вигъ съвершиса по пощенїю[3] и ѿ[4] поставленїа спо̑докишаса· иже въ клиросѣ поповъскыи оубо или[5] дїакона[6] имꙋщїи[7] образ ти бо и приходащиими полоучать· ѿ б̑жественыихъ рекꙋть[8] писанїи· и мнѣти[9] всѣмь быти[10] таковыа оустроать и съхранать сщ̑еныа домь[11] оуность же ша|тающꙋса и свои̑ прѣдѣлъ внѣ быти хотащꙋ держащееса терпѣнїе· не вънидеть же· ни жена ѿнꙋдъ[12] въ мꙋжаскыи манастырь· ни мꙋжь въ женьскыи извѣтомъ ꙋмершаго и тꙋ лежащꙋ[13] памати или о инои винѣ· и па̑ аще кто братъ[14] или сестрꙋ или коего ѿ рода имѣти[15] въ манастыри или рече̑ бл̑городства на земли минхомъ нѣсть·[16] и ревновавшиимъ въ небесное житїе что бо и̑ хота тако[вызи] входы створить аще не хотать нѣ]что [с]творити ѿреченыи̑ ѿ ни̑же и мꙋжемъ лѣпаа въ мꙋжаскыи̑

μερίδας. τέσσαρας δὲ ἢ πέντε πρεσβύτας ἐκ τῆς αὐτῆς μονῆς εἶναι κατὰ τὴν ἐν τῷ μοναστηρίῳ καθεστῶσαν ἁγιωτάτην ἐκκλησίαν, οἷς ἤδη πᾶς ἀγὼν ἤνυσται κατὰ τὴν ἄσκησιν καὶ ὑπὸ χειροτονίας ἠξίωνται τῆς ἐν τῷ κλήρῳ, πρεσβυτέρων τυχὸν ἢ διακόνων τῶν ἐφεξῆς ἔχοντας σχῆμα· οὗτοι γὰρ καὶ τοῖς ἀφικνουμένοις ἐντεύξονται καὶ τὰ ἐκ τῶν θείων διαλέξονται γραφῶν καὶ νομίζεσθαι πάντας εἶναι τοιούτους παρασκευάσωσιν καὶ φυλάξωσιν τὸν ἱερὸν οἶκον, τὴν νεότητα δὲ θρασυνομένην καὶ τῶν οἰκείων ὅρων ἐξεῖναι βουλομένην οἱ τῆς л. 306 а. καρτερίας ἐπέχοντες. Οὐκ εἰσελεύσεται δὲ οὔτε γυνὴ παντελῶς εἰς ἀνδρικὸν μοναστήριον οὐδὲ ἀνὴρ εἰς γυναικεῖον προφάσει τελευτήσαντος κακεῖσε κειμένου μνήμης ἢ κατὰ ἄλλην αἰτίαν, καὶ μάλιστα εἴ τις ἀδελφὸν τυχὸν ἢ ἀδελφὴν ἤ τινα τῶν ἐκ τοῦ γένους (л. 296[b]) ἔχειν ἐν τῷ μοναστηρίῳ ἤ φησίν· ἐν συγγενείᾳ γὰρ τοῖς μοναχοῖς ἐπὶ γῆς οὐκ ἔστιν τοῖς τε τὸν ἐν οὐρανίῳ ζηλώσασι βίον. τί γὰρ δὴ καὶ βουλομένοις τὰς τοιαύτας εἰσόδους ποιήσοιντο, εἰ μὴ βούλωνταί τι πράττειν τῶν ἀπηγορευμένων; ἐξ ὧν[1] καὶ τὰ ἀνδράσι πρέποντα ἐν τοῖς ἀνδρικοῖς

1) части *оставл. cod.* 2) соущии *Н.* 3) пощеньꙗ *Н* (*вм.* по пощенїю). 4) ѿ *проп. Н.* 5) и *Н.* 6) дьꙗконовьскъıи *Н.* 7) имꙋщюи *П.* 8) рекоу *У.* 9) имѣти *У* (*вм.* и мнѣти). 10) бытїи *П*; ти *оставл. У.* 11) домъı *У.* 12) ѿтиноудь *НУ.* 13) лежащи *Н.* 14) ѿбращеть *Н.* 15) имѣта *cod.* 16) нѣ̑ минхомъ *Н.*

1) ἐξῶν cod.

манастырехъ[1] творити· жена̑ не подобае̑ моуже̑ же творити· ꙗко[2] и жена̑ ѿдаанаꙗ·[3] въ женьскый̑ манастыре̑ творити жена̑ подобае̑· ни единомꙋ[4] же примѣшающꙋсѧ[5] иного· аще ли ꙋбо[6] кто братъ быти глетсѧ или сестра· или ꙋжика или инъ ни[7] тою же[8] виною въходити[9] да̑[10] емоу· аще бо сїа начала[11] ѿсѣче·[12] и прѣлесть того ра̑ видѣнїа вносїмꙋю[13] дшамъ и о[т]сꙋдѣ попълзновенїе възбранимъ бꙋдеть многымъ кротъко[14] же и ꙋдобьно· чистымъ по̑движникомъ· лоу̑шаго[15] жїтїа исправленїе[16] вси ꙋбо[17] семꙋ законꙋ да[18] покоратьсѧ ни мꙋжа да не оставлають[19] въ женьскѣмь манастыри· ни женъ[20] въ мꙋжескый̑ манастырехъ[21] творити[22] да не оставлають· ни мꙋжемъ бо женьскаго лѣпо есть· ни пакы[23] къ мꙋжескый̑ | (л. 306 b.) жена̑ причитатисѧ· ни ѿ сихъ оумершїихъ ра̑ о имѣнїи безлѣпотнымъ симъ смѣшенїемъ бывати не хощемъ· да не прѣходъ[24] о[т]сꙋдѣ бꙋдеть естьствомъ къ немꙋ[25] имиже не въправдꙋ[26] веселитисѧ и играти· и бж̃ественыꙗ осрамлѧти[27] вещи· и

1) манастърехъ *НПУ*. 2) же *вставл. П*. 3) ѿданаꙗ *П*; ѿдаемаꙗ *У*. 4) єдиного *Н*. 5) примѣшающюсѧ *cod.* 6) ꙋбо *проп. Н*. 7) и *Н*. 8) же *проп. ПНУ*. 9) въсходити *НУ*. 10) даємъ *Н*. 11) нача *Н*. 12) ѿсѣчемъ *П*. 13) вноꙋсїмꙋю *cod.* 14) кротокъ *П*. 15) и *вставл. Н*. 16) истравленїє *cod.* 17) ꙋꙋбо *cod.* 18) да *проп. П*. 19) оставлѧю *У*. 20) жены *Н*. 21) въ моужьстѣмь манастыри *Н*. 22) творити *проп. ПН*. 23) какы *cod.* 24) прѣдохъ *cod.*; проходъ *Н*. 25) немо *Н*. 26) правьдоу *У*. 27) ѡстрамлѧтї *Н*.

μοναστηρίοις ἄνδρας ποιεῖν, καὶ τὰ γυναιξὶν ἀπονενεμημένα ἐν τοῖς γυναικείοις μοναστηρίοις πράττειν γυναῖκας, οὐδενὸς ἐπιμιγνυμένου θατέρῳ, οὐδ' εἴ τις τυχὸν ἀδελφὸς εἶναι λέγοι ἢ ἀδελφὴ ἢ συγγενὴς ἢ ἄλλος· οὐδὲ γὰρ κατὰ ταύτην τὴν πρόφασιν ἐσιτέον εἶναί τινι συγχωροῦμεν· εἰ γὰρ αὐτὰς τὰς ἀρχὰς ἔκοψεν καὶ τὴν δι' αὐτῆς τῆς ὁράσεως εἰσκρινομένην ταῖς ψυχαῖς ἀπάτην καὶ τὸν ἐντεῦθεν ὄλισθον κωλύσομεν, ἔσται πολλῶν πραΰς τε καὶ εὐκολωτέρα τοῖς ἱεροῖς ἀγωνισταῖς ἡ τοῦ κρείττονος βίου κατόρθωσις. πάντες τοίνυν τῷδε τῷ νόμῳ πειθέσθωσαν, μήτε ἄνδρες ἀποτιθέσθωσαν ἐν γυναικείῳ μοναστηρίῳ μήτε γυναῖκες ἐν ἀνδρικοῖς μοναστηρίοις κατορυττέσθωσαν. οὔτε γὰρ ἀνδράσι γυναικωνίτιδος πρέπουσιν οὔτε αὖθις ἀνδρῶνες τοῖς γυναικῶν καταλόγοις· οὐδὲ ἐντεῦθεν διὰ τοὺς τελευτήσαντας τοὺς περὶ οὐσίας[1] τὰς ἀσχήμονας ταύτας ἐπιμιξίας γίνεσθαι βουλόμεθα, (л. 297b) ἵνα μὴ πάροδος ἐντεῦθεν γένοιτο τῇ φύσει πρὸς αὐτήν, ἃ μὴ θέμις τρυφᾶν τε καὶ παίζειν καὶ τὰ θεῖα καταισχύνειν πράγματα, καὶ

1) περιουσίας cod.

бл҃гочестїа покровенїемъ· и образомъ имѣнїа [сиꙗ] сътворити[1] ихъже ни гл҃ати ни помышлѧти· постѧщїимъсѧ[2] мнишьскыимъ жїтїемъ добро· иномȣ же сȣщȣ ѧвѣ ꙗко нȣжа есть слȣжащїимъ гробȣ и па҇ одръ носѧщїимъ и копающїимъ входити[3] въ манастырь въ мȣскыа ȣбо манастырѧ вещь ȣдобна есть въ женьскыа же не тако за реченое запрѣщенїе·

чв҃·[4] Повелѣваемъ ȣбо· аще когда хощеть таковое бывати· что и погрѣвати[5] женȣ въ женьскѣмь[6] манастыри моужа же [не] хощемъ бл҃говоѧⷥнивымъ [же][7] женамъ· въ своеи прѣбывати обители одиной же дверници или дверницаⷨ игȣменїи· равно еи· аще хощеть[8] прїити[9] къ бывающїимъ·[10] и скоро онѣмь съдѣлавшемъ ꙗко прїⷪвнѣ мнимаѧ· и гробъ ископавшемъ· и тѣло покрывшеⷨ авїе ѿходити· ни вѣдѣвшемъ[11] нѣкыимъ бл҃говоѧⷥнивыⷨ женъ· ни ѿ иного видѣвшиⷯ его· нъ ни иноѧ да помышлѧють вины мȣжи въ женьскыа[12] манастырѧ· |[13] прѣходыи[14] жены ѿ мȣⷤскаго ѿлȣчены·[15] и извѣтомъ

εὐσεβείας δῆθεν προσκαλύμματι καὶ τῷ τῆς οὐσίας σχήματι ταῦτα πράττειν, ἅπερ οὐδὲ λέγειν οὐδὲ ἐννοεῖν τοῖς μονήρη βίον ἀσκοῦσι καλόν. ἐκείνου δὲ ὄντος φανεροῦ, ὡς ἀνάγκη καθέστηκεν τοὺς ταῖς ταφαῖς ὑπηρετουμένους καὶ μάλιστα τοὺς τὴν κλίνην φέροντας τούς τε ὀρύττοντας εἰσφοιτᾶν εἰς μοναστήρια, ἐν μὲν τοῖς ἀνδρικοῖς μοναστηρίοις τὸ πρᾶγμα εὔκολόν ἐστιν, ἐν δὲ τοῖς γυναικείοις οὐχ οὕτως, διὰ τὴν εἰρημένην ἀπαγόρευσιν.

ϟγʹ. Θεσπίζομεν τοίνυν, εἴποτε μέλλοι τοιοῦτό τι γίνεσθαι καὶ θάπτεσθαι γυνὴ ἐν γυναικείῳ μοναστηρίῳ (ἄνδρα γὰρ οὐκ ἐφίεμεν), τὰς μὲν εὐλαβεστάτας γυναῖκας ἐν τῷ οἰκείῳ μένειν καταγωγίῳ, μόνην δὲ τὴν θυρωρὸν ἢ τοὺς θυρωροὺς καὶ τὴν ἡγουμένην ἴσως αὐτὴν εἰ βουληθεῖεν παρεῖναι τοῖς γινομένοις, καὶ θᾶττον ἐκείνους πράξαντας τὰ περὶ τὴν ὁσίαν νενομισμένα καὶ τὸν τάφον ὀρύξαντας καὶ τὸ σῶμα καλύψαντας εὐθὺς[1] ἀποχωρεῖν, μήτε θεασαμένους τινὰς τῶν εὐλαβεστάτων γυναικῶν μηδὲ παρά τινος αὐτῶν θεαθέντας.[2] (л. 297ᵇ) ἀλλὰ μηδὲ ἄλλην ἐπινοείτωσαν πρόφασιν οἱ ἄνδρες τῶν εἰς γυναικεῖα μοναστήρια παρόδων αἱ γυναῖκες л. 307 а.
τὸν ἀνδράσιν ἀφωρισμένον καὶ προφάσει

1) творити *ПН.* 2) постѧщїхсѧ *Н.* 3) входи *Н.* 4) чв҃ *проп. НР.* 5) потрѣвати *cod.* 6) моужьстѣмь *Н.* 7) *вставка изъ Н.* 8) хощемъ *Н.* 9) принити хощеть *Р.* 10) бывающемъ *Р.* 11) видѣвшемь *ПРНУ.* 12) женьскыи *П.* 13) въ *вставл. Р.* 14) приходы *Н*; проходы *У.* 15) ѿлȣченыи *П.*

1) εὐθεὶς cod. 2) θεαθεντα cod.

дѣющїихъ ѡ[1] преподобнѣи· ѧже ѹбо памѧти нарицають въ третїи [и][2] въ девѧтыи[3] сходѧщеса[4] днь· и егда четырьдесѧтьныи днь· и година аще женьскыи бѹдеть манастырь· женамъ все творити аще ли мѹжескыи мѹжемъ и жена[5] извѣтомъ· таковаго съблюденїа· неклюенїе[6] [нѣкоіе] блгобоѧзниивыимъ манастыремъ творити подаеть[7] ничьсо же възаконеныимъ аще не[8] имать стража подобныа·[9] можеть[10] блюсти подобныа·

чг·[11] Повелѣваемъ на всѧко врѣмѧ· коегождо манастырѧ· застоупающемѹ часто набдѣтїа[12] и строити коегождо жїтїа[13] оуставленїе·[14] и[15] авїе[16] кде родъ чрѣсъ лѣпое· се авїе[17] оправлѧти же и ѿпоущати большїими[18] бывати попълзенїемь·[19] ни погѹбити дша къ спсенїю прилагающѹ[20] началникъ же манастыремь или бѹдеть на мѣстѣ ꙗко же и в томъ блаженѣмъ[21] градѣ· сїа да строить и посылаеть· нарицаемыа ѿвѣтьникы его и манастырѧ и[22] да пытаемь· и насилный еда како[23] лѹкаво[24]

1) ѿ *cod.* 2) *вставка изъ Н.* 3) девѧтыи *Н.* 4) сходѧще *П.* 5) жена *cod. НУ.* 6) неключное *Н.* 7) подобаеть *НР.* 8) не *проп. НР.* 9) подобна стража *Н.* 10) молеть *cod.* 11) чг *проп. Н.* 12) набдѣние *Н.* 13) житие *П.* 14) оуставлениꙗ *Н.* 15) и *проп. П.* 16) аще *НП.* 17) твоѥ *вставл. Н.* 18) болшїимъ *ПН.* 19) поползении *Н.* 20) прибѣгающѹ *ПНУ.* 21) бжтвьнѣмь *Н.* 22) и *проп. Н.* 23) ѥгда что *Н* (*вм.* еда како). 24) лѹкава *cod.*

τῶν περὶ τὴν ὁσίαν πραττομένων, ἃς δὴ μνήμας καλουσιν, εἰς τρίτην καὶ ἐνάτην συνιόντες ἡμέραν, καὶ ἡνίκα τεσσαράκοντα ἐξήκοιεν[1] ἢ[2] καὶ ἐνιαυτός· ἐξόν, εἰ μὲν γυναικεῖον εἴη τὸ μοναστήριον, γυναῖκας ἅπαντα πράττειν, εἰ δὲ ἀνδρεῖον, ἄνδρας, καὶ γυνὴ προφάσει τῶν τοιούτων παρατηρήσεων ἀδοξίαν τινὰ τοῖς εὐαγέσι μοναστηρίοις προστρίβεσθαι ἐπιδίδοι· οὐδὲν τῶν[3] νομοθετουμένων εἰ μὴ φυλακὴν ἔχοι τὴν προσήκουσαν δύναται τηρεῖσθαι προσηκόντως.

Θεσπίζομεν τὸν κατὰ καιρὸν ἑκάστου μοναστηρίου προεστῶτα συνεχῶς ἐποπτεύειν καὶ περιεργάζεσθαι τὴν ἑκάστου πολιτείαν καὶ κατάστασιν, καὶ εἴ που τι βραχὺ γένος τὸ παρὰ πρέπον, τοῦτο εὐθὺς ἐπανορθοῦν τε καὶ μὴ συγχωρεῖν μεῖζον γίνεσθαι τὸν ὄλισθον μηδὲ ἀπολέσθαι ψυχὴν πρὸς τὴν τῆς ἀσκήσεως σωτηρίαν καταφυγοῦσαν. ὁ δὲ τῶν μοναστηρίων ἔξαρχος (εἴ τε εἴη κατὰ τόπον, ὥσπερ ἐπὶ ταύτης τῆς εὐδαίμονος πόλεως) ταῦτα περιεργαζέσθω καὶ στελλέσθω τοὺς καλουμένους ἀποκρισιαρίους τοὺς αὐτοῦ καὶ τὰ[4] μοναστήρια, (л. 298а) καὶ πυνθανέσθω[5] καὶ τῶν ἔτι τόνων, μήπω τι πονηρὸν

1) εξοίκοινεν cod. 2) η cod. 3) τῶν вставл. cod. 4) cod. подскобл. и переправл. въ κατὰ. 5) cod. переправл. изъ πυνθάνεσθαι.

нѣ на коего[1] ѿ манастыра бли[з] бываеть· и сїа вса да наказаеть· и подобнаго да сподобить промышленїа· нъ и коегождо града епс̑пъ его промышленїе да имать или патрїархомъ·[2] и[ли] митрополитомъ·[3] или на коегождо | будеть· и бл̑гобо[з]ливыа съльникы· цр̑ковныа посылати·[4] сїа възискающїихъ и хранащїихъ[5] и[6] не дающїимъ[7] ничему[8] же кромѣ подобнаго бывати· [и] аще что будеть[9] скоро се да управать·[10] прс̑тыи же патрїархъ· того блаженаго[11] града· о[12] сущїихъ сде манастыре[х] тако же да испытуеть[13] и стража вещи бг̑олюбивыа съльникы прс̑тыа великыа цр̑кве и ꙗко же[14] аще мнить извѣсты и чисты быти да[15] поставить· да болшїими стражи[16] бывши·[17] еже болшїимъ· съблюденїемъ[18] и на грѣсѣхъ ѿмщенїе будеть·[19] подобаеть же коемуждо манастырю по[д] игуменомъ снабдиму имѣти[20] ꙗко же рекохомъ гл̑емыа сольникы· мужа състарѣвъшаса· и мнишьскымъ житїемъ подвизавшаса· и не оудо[б] тѣлесныа искушенїа поимше[м]· ни[21] къ вещемъ ни къ[22] потрѣбамъ

ἐπί τινος τῶν μοναστηρίων τῶν ἐγγύθεν γίνεται, καὶ ταῦτα ἅπαντα σωφρονιζέτω καὶ τῆς προσηκούσης ἀξιούτω προνοίας. ἀλλὰ καὶ ὁ πόλεως ἑκάστης ἐπίσκοπος τούτου πρόνοια⟨ν⟩[1] ἐχέτω, εἴτε πατριάρχης εἴτε μητροπολίτης εἴτε καὶ τῶν[2] καθ' ἕκαστον εἴη, καὶ τοὺς[3] εὐλαβεῖς ἐκδίκους л. 370 b.
τῆς ἐκκλησίας στελλέσθω ταῦτα ἀναζητοῦντας καὶ παραφυλάττοντας καὶ μὴ συγχωροῦντας μηδὲ ὁτιοῦν ἐκτὸς γενέσθαι τοῦ προσήκοντος, ἀλλὰ καὶ εἴ τι γένοιτο, θᾶττον τοῦτο ἐπανορθοῦν. ὁ δὲ ἁγιώτατος πατριάρχης ταύτης τῆς εὐδαίμονος πόλεως τὰ περὶ τῶν ἐνταῦθα μοναστηρίων ὁμοίως ἐξεταζέτω, καὶ φύλακας τοῦ πράγματος τοὺς θεοφιλεστάτους ἐκδίκους τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας καὶ οὓς ἂν νομίσειεν ἀκριβεῖς καὶ σεμνοτάτους εἶναι καταστησάτω, ἵνα διὰ πλειόνων τῆς φυλακῆς γενομένης ἔτι[4] μείζων ἡ τήρησις καὶ ἐπὶ τοῖς ἁμαρτήμασιν ἐκδίκησις γένηται. δεῖ δὲ ἕκαστον μοναστήριον ὑπὸ ἡγούμενον τελοῦν ἔχειν, καθάπερ εἰπόντες ἔφθημεν, τοὺς λεγομένους ἀποκρισιαρίους, ἄνδρας γεγηρακότας καὶ ἤδη τὸν μοναχικὸν βίον ἀγωνισαμένους καὶ οὐ ῥᾳδίως (л. 298[b]) τὰς σωματικὰς ἐπηρείας ὑφισταμένους, οὐ τοῖς πράγμασιν

1) нѣкоѥго *Н* (*вм.* нѣ на коего). 2) патриархъ *НПУ*. 3) митрополитъ *НПУ*. 4) послати *Н*. 5) хранащихъ *Н*. 6) и *проп.* *П*. 7) дающихъ *Н*. 8) никомоу *Н*. 9) скоро се да управать *вставл. cod.* 10) оуправить *Н*. 11) блаженнаго *П*. 12) о *проп.* *Н*. 13) испытаѥмъ *Н*. 14) ꙗже *У* (*вм.* ꙗко же). 15) до *cod.* 16) стража *П*. 17) бывшїи *П*. 18) въблюденниѥмь *Н*. 19) буд[ут] *П*. 20) быти *Н*. 21) не *У*. 22) къ *проп.* *Н*.

1) προνοία cod. 2) τὸν cod. 3) τὰς cod. 4) ἤτι cod.

ихъ прележащемъ[1] и не токмо на мꙋжьстѣмъ бꙋдеть манастыри· нъ и на женьстѣмь[2] полꙋчитисѧ[3] бꙑти· двѣма нѣкыима или т(р)емь мꙋжемъ· или каженикꙑ аще мощьно· или о[тъ] [съ]старѣвшихъсѧ[4] и о цѣломꙋдр[ен]ыихъ послꙋшьствованыихъ· паче вещи симъ сѣдѣють·[5] и неизглаголаное симъ подадать общеніе вънегда[6] емꙋ врѣмѧ· аще л. 308 а. ли | о нѣкоеи потрѣбѣ манасты[рѧ]· или въ единꙋ бл҃гочестивый[7] въспоминаемыя рещи нѣчто нꙋждныихъ хотѧть помолѧтсѧ игꙋменіи едінои· и дрꙋгаа ѿнꙋдъ[8] [не] едина ѿ женъ въ манастыри томъ· нъ бл҃гочестьныими[9] дверница[ми][10] творѧще подобаеть бо таковыя нѣкыя и ꙋ[11] двері и приставлати· аже[12] тако же входы [и][13] исходы же[14] въ манастырь видѧть· и исходы възбранѧть· и непроходныи[15] мꙋже[мъ] же[16] входы развѣ солникъ[17] поставѧть· они же дверницамъ[18] помолѧтсѧ и рекꙋть въ свое пришествіе игꙋменіа же ꙋвѣдѣвши·[19] и съшедъши[20] съ ними побесѣдова[21] ти[22] же възнесꙋть

1) пріележащіимъ *НП*. 2) неженьстѣмь *cod.*; бꙋдеть манастыри *вставл. cod., но перечеркн.* 3) пороучитисѧ *Н*; ѡтиноудь *У*. 4) *исправл. по ПУ*. 5) сѣдѣвають *Н*. 6) вънегда *У*. 7) бл҃гочестивый *cod.* 8) ѿнꙋдꙋ *П*; ѡтиноудь *У*. 9) бл҃гочестьныимъ *cod.* 10) двѣрьчами *У*. 11) (*вм.* и ꙋ) въ *Н*, поу *У*. 12) ꙗко *П*. 13) *вставка изъ Н*. 14) же *проп. У*. 15) неприходнꙑ *Н*; непроходьнꙑ *У*. 16) же *проп. ПНУ*. 17) солникꙑ *Н*. 18) двьрьничамъ *У*. 19) оувидѣвъши *Н*. 20) шедъши *Н*. 21) побесѣдовати *П*. 22) тии *Н*.

καὶ ταῖς αὐτῶν ἀπησχόληνται[1] χρείαις. καὶ οὐ μόνον ἐπὶ ἀνδρῶν εἴη τὸ μοναστήριον, ἀλλὰ καὶ εἰς γυναικῶν τύχοι, εἶναι δύο τινὰς ἢ τρεῖς ἄνδρας ἢ εὐνούχους, εἰ δυνατόν, ἢ τῶν γεγηρακότων καὶ ἐπὶ σωφροσύνῃ μεμαρτυρημένων, ὑπὲρ τὰ πράγματα ταύταις πράξωσιν καὶ τὴν ἄῤῥητον αὐτοῖς διαδῶσιν[2] κοινωνίαν, ἡνίκα τούτου καιρός. εἰ δὲ περί τινος τοῦ μοναστηρίου χρείας ἢ εἰς μίαν τῶν εὐσεβεστάτων ἀναφερομένης εἰπεῖν τι τῶν ἀναγκαίων βούλοιντο, ἐντεύξονται τῇ ἡγουμένῃ μόνῃ, καὶ ἑτέρα παντελῶς οὐδεμία τῶν γυναικῶν τῶν εἰς τὸ μοναστήριον τοῦτο, ἀλλὰ διὰ τῶν εὐσεβεστάτων θυρωρῶν πράττοντες· δεῖ γὰρ τοιαύτας τινὰς καὶ ἐπὶ ταῖς θύραις τετάχθαι, αἵπερ ὁμοίως τὰς εἰσόδους καὶ ἐξόδους τὰς εἰς τὸ μοναστήριον ἐποπτεύουσιν καὶ τὰς ἐξόδους κωλύσωσιν καὶ ἀβάτους ἀνδράσι τὰς εἰσόδους πλὴν τῶν ἀποκρισιαρίων καταστήσωσιν. οἱ δὲ τοῖς θυρωροῖς ἐντεύξονται καὶ ἐροῦσι τὴν ἑαυτῶν ἄφιξιν, ἡ δὲ ἡγουμένη μανθάνουσά τε καὶ κατιοῦσα τούτοις ἐν(л. 299п)τεύξεται, αὐτοὶ δὲ ἀνοίσωσιν

1) ἀπησχοληνταις cod. 2) διαδοσιν cod.

к нѥи оустроенїе ихъ или о[1] по-трѣбѣ на нюже приидоша· и тако чл҃чскы сътворитъ добрѣ· и цѣломꙋдрїе привꙋдетъ[2] бесѣде· и ѿ единого же зла искꙋшаемо аще ли кто съгрѣшитъ· ибо многа чл҃каа·[3] и не аще кто можетъ[4] естьства оудержати· тако ако ничьсо[5] же съгрѣшати се бо есть единомꙋ б҃ꙋ съмѣренѣ оубо[6] сꙋщи[7] вещи· и поꙋчати[8] и въ[з]бранати· и покаанїа имъ даати[9] врѣма да добрѣишїи чинъ прїимъ·[10] абїе възъбранитса къ себѣ· а не низложеныа·[11] ꙋбо[12] погꙋбитъ трꙋды аще ли болїи прегрѣшенїа бꙋдетъ обра[з] къ грѣхꙋ и къ прилежанїю[13] оправленїа быти | и абїе поꙋченїе[14] болшее и покаанїе крѣплышее истазати·[15] и аще во[з]можетъ тѣми[16] образы сп҃сти попльзати начинающаго· тое же и на [жена]хъ довольныихъ и на мꙋжехъ· речемъ благодати вѣдѣти[17] великомꙋ б҃ꙋ· еже и на нб҃си быкати радости· аг҃льскыимъ рекшꙋ[18] силамъ егда кто сп҃сетса съгрѣшающїи· аще[19] лꙋче бꙋдетъ· и[20] на ицѣленїе вещь[21] бывა[е]тъ· тъгда и[з]ринꙋти его и[з]

ἐπ᾽ ἐκείνην τὰ[1] περὶ τῆς αὐτῶν διοικήσεως ἢ καὶ τῆς χρείας, ἐφ᾽ ἢ παραγεγόνασιν· καὶ οὕτως καὶ τὰ ἀνθρώπινα πραχθήσεται καλῶς καὶ ἡ σωφροσύνη διαμείνῃ πανταχόθεν ὑπ᾽ οὐδενὸς πειραζομένη κακοῦ. εἰ δέ τις ἁμάρτοι (καὶ γὰρ πολλὰ τὰ ἀνθρώπινα, καὶ οὐκ ἄν τις δύναιτο τὴν φύσιν ἐπισχεῖν οὕτως, ὡς ἁμαρτάνειν μηδέν· τοῦτο γάρ ἐστιν μόνου θεοῦ), μετρίου μὲν ὄντος τοῦ πράγματος καὶ νουθετεῖν καὶ καθείργειν καὶ μετανοίας αὐτῷ διδόναι καιρόν, ἵνα κάλλιον τάξιν λαβοῦσα αὖθις ἐπανέλθῃ πρὸς ἑαυτὴν καὶ μὴ τοὺς ἤδη καταβεβλημένους ἀπολέσειεν κόπους· εἰ δὲ μείζων[2] ὁ τοῦ πταίσματος εἴη τρόπος, πρὸς τὴν ἁμαρτίαν καὶ τὴν ἐπιμέλειαν τῆς л. 308 b. ἐπανορθώσεως εἶναι καὶ αὖθις νουθεσίαν σφοδροτέραν καὶ μετάνοιαν ἰσχυρὰν ἀπαιτεῖν. καὶ εἰ μὲν ἰσχύσειεν τούτοις τοῖς τρόποις σῶσαι τὸν ὀλισθαίνειν ἀρχόμενον (ταὐτὸ δὲ καὶ ἐπὶ γυναικῶν ἀρκουσῶν καὶ ἀνδρῶν φαμεν) χάριν εἰδέναι τῷ μεγάλῳ θεῷ τῷ καὶ ἐν οὐρανῷ γίνεσθαι χαρὰν ταῖς ἀγγελικαῖς εἰπόντι δυνάμεσιν, ἡνίκα τις σωθῇ τῶν ἁμαρτανόντων· εἰ δὲ κρεῖττον εἴη, κατὰ θεραπείαν τὸ πρᾶ(л. 299[b])γμα γίνεται τηνικαῦτα καὶ ἐξωθεῖν αὐτὸν

1) о *проп. Н.* 2) привꙋдꙋть *cod.*; превоудеть *НП.* 3) чл҃вцескаꙗ *У.* 4) кто съгрѣ[ши]ть *встав. cod., но перечеркив.* 5) ничто *Н.* 6) смѣрѣнию *Н (вм.* съмѣренѣ оубо). 7) соуши *У.* 8) поѹчатися *Н.* 9) въ *встав. Н.* 10) цинъ примъ *Н.* 11) нижьженъıꙗ *Н.* 12) ꙋбо *проп. Н.* 13) прележанию *Н.* 14) полоучение *У.* 15) истѧзанїе *Н.* 16) тѣмѣ *cod.* 17) видѣти *Н.* 18) рекше *Н.* 19) ли *встав. У.* 20) и *проп. НУ.* 21) вещьмъ *Н.*

1) τὰς cod., но ς перечеркив. 2) cod. выскобл. послѣ μείζον около 4 буквъ.

манастырѧ· ꙗко да[1] ꙋбо давъ[2] себе ѿ добрѣншїихъ[3] горьшїимъ· самъ[4] своеѧ ѕлобы насладитсѧ єдинъ· да ни къ своєи ѕлобѣ[5] и[6] инѣ[хъ] примѣсити· ꙗко же нѣчто ѿ нечистый недꙋгꙋющїимъ[7] прѣльстїи црт҃во бо не прѣѕрить· сима лѣнащемьсѧ·[8] и не ѿстꙋпить[9] негодованїа на игꙋмена ни на мѣстьнаго єп҃па ⟨и⟩ иже по нимъ црьственый[10] съльникъ· аще сихъ не съблюдꙋть· ꙗко нꙋждьнꙋ сꙋщꙋ[11] и црьствоу[12] вещи прилежанїю· аще бо онѣхъ чистами рꙋками и ногами· ѕа гра мл҃твы приносѧть[13] б҃ꙋ авѣ ꙗко и воинъства прїимꙋть добрѣ· и гра оустроѧтсѧ б҃ꙋ же млт҃ивꙋ и[14] ꙋвѣтливꙋ сꙋщꙋ како[15] не бꙋдꙋть вса съ всѣмь миромъ· и бл҃гый ѕакон[ом]ъ и ѕемлѧ же намъ сътворити[16] плоды· и море свою подасть милость·[17] тѣхъ мл҃твою б҃ꙋ· на все жї-

л. 309 a. тїє[18] | събирающꙋ· нъ и тыи же обьщїи[19] обраѕ[20] чл҃комъ· честьнѣи бꙋдеть тѣхъ стыдѧсѧ[21] чистоты·

τοῦ μοναστηρίου, ὅπως ἂν ἐκδοὺς ἑαυτὸν ἐκ τῶν καλλιόνων τοῖς χείροσιν αὐτὸς τῆς ἑαυτοῦ κακίας ἀπολαύσειεν μόνος καὶ μή τι τῶν αὐτοῦ κακῶν καὶ ἑτέρων ἀπομάξεται, ὥσπερ τι τῶν καὶ ἀθεράπευτα νοσούντων βοσκημάτων· οὐ γὰρ ἡ βασιλεία περιόψεται τούτων ἀμελουμένων οὐδὲ ἀφέξεται τῆς ἀγανακτήσεως κατὰ τοῦ ἡγουμένου οὐδὲ τοῦ κατὰ τὸν τόπον ἐπισκόπου καὶ τῶν ὑπ' αὐτὸν[1] ἐκκλησιεκδίκων, εἰ μὴ ταῦτα τηροῖεν, ὡς ἀναγκαίας οὔσης καὶ τῇ βασιλείᾳ τῆς τοῦ πράγματος ἐπιμελείας. εἰ γὰρ ἐκείνων καθαραῖς ταῖς χερσὶν καὶ γυμναῖς ταῖς ὑπὲρ τοῦ πολιτεύματος εὐχὰς προσαγάγοιεν τῷ θεῷ, πρόδηλον ὡς καὶ τὰ στρατεύματα ἕξει καλῶς καὶ αἱ πόλεις εὐσταθήσουσιν (θεοῦ τε ἱλέω καὶ εὐμενοῦς καθεστῶτος πῶς οὐκ ἔσται πάντα μετὰ πάσης εἰρήνης τε καὶ εὐνομίας;) καὶ ἡ γῆ τε ἡμῖν καρποὺς καὶ ἡ θάλασσα οἰκεῖα δώσει, τῆς ἐκείνων εὐχῆς εὐμένειαν τοῦ θεοῦ πρὸς πᾶσαν τὴν πολιτείαν συναγούσης. ἀλλὰ καὶ αὐτό τε τὸ κοινὸν σχῆμα τῶν ἀνθρώπων αἰδεσιμώτερον ἔσται καὶ ζήσῃ κάλλιον τὴν ἐκείνων αἰσχυνόμενον καθαρότητα.

---

1) да *проп.* *У*; давъ *Н*. 2) даво *cod.*; давъ *проп.* *Н*. 3) добрѣишїимъ *cod.* 4) самомъ *cod.* 5) злобы *П*. 6) ни *Н*. 7) недоугоующихъ *Н*. 8) лѣнѧщимсѧ *Н*. 9) остоупить *УН*. 10) цр҃ьственыхъ *У*. 11) ноужноую сѫщю *П*. 12) цьсарьствоу *У*. 13) приносити *Н*. 14) и *проп.* *Н*. 15) оубо *вставл.* *Н*. 16) сътворити *cod.* 17) мл҃ть дасть *Н*. 18) на все житїє *вставл.* *cod.* 19) обьщїи *cod.* 20) иже ѿбразъ ѿбщии тыи же *Н* (*вм.* и тыи же обьщїи образ). 21) стыдѧт҃ *Н*.

1) αὐτῶν cod.

ꙗко едино[1] съдъхновенїе бѹдеть· всѣмь въкѹп. на се събирающемъсѧ[2] и[3] изгонимѣ на неже идеть[4] аще злобѣ всѧкои добрѣишимъ же и[5] прѣподобнымъ начинанїемъ· въводимомъ же и подобнымъ же[6] вещемь· и егоже мы възыскающе вещь дѣемъ ꙗко вѣровахомъ х҃ѹ· и се же оубо всѣ хранити хощемь образы ꙗко[7] аще кто ꙗвитсѧ ѿ бл҃гобоꙗзнивый минихъ· въ нѣчемъ кърчемьниць[8] живаи того абїе прѣдати бра҃нымъ строителемь· или[9] сде сѹщѹ твоего величьства·[10] наказати же[11] обличаема и възвѣщати же того игѹменѹ· ꙗко изгнатї и[12] изь манастырѧ· си прѣгрѣшившаго въ стѹдѣ[13] житїе[14] агг҃льскаго сего[15] ѹстроенїа измѣнивша подобаеть бо минихомъ бывати· или къ[16] бжⷭ҇твенымъ прилежати[17] писанїемъ или минихомъ подобнаѧ· ꙗко[18] же[19] обыкоша нарицати· рѹчьное[20] дѣло оучити[21] же сѧ и дѣлати· оумъ бо въсѹе прилежаи[22] ничто же ѹбо бл҃га притѧжаеть[23] и сїи же сї[24] полагаемъ законъ· и[25] на

ὥστε μία σύμπνοια (л. 300ª) γενήσεται, πάντων ὁμοῦ πρὸς τοῦτο συντρεχόντων καὶ ἐξοριζομένης καθ' ὅσον οἷόν τε τῆς κακίας ἁπάσης, καλλιόνων τε καὶ ὁσιωτέρων ἐπιτηδευμάτων ἀντεισαγομένων τε καὶ ἐμπρεπόντων τοῖς πράγμασιν· ὅπερ ἡμεῖς ἐπιζητοῦντες πρᾶγμα πράττομεν, ὥστε πεπιστεύκαμεν, Χριστῷ.[1]

Κἀκεῖνό γε μὴν πᾶσιν φυλάττεσθαι βουλόμεθα τρόποις, ὥστε εἰ φανείη τις τῶν εὐλαβεστάτων μοναχῶν εἴς τι τῶν καπηλείων ἀναστρεφόμενος, τοῦτον εὐθὺς παραδίδοσθαι τοῖς τῶν πόλεων[2] ἐκδίκοις ἢ ἐνταῦθα τῷ δικαστηρίῳ τῆς σῆς ὑπεροχῆς, σωφρονίζεσθαί τε διελεγχόμενον καὶ μηνύεσθαι τοῦτο τῷ ἡγουμένῳ, ὥστε αὐτὸν ἐξελαύνειν τοῦ μοναστηρίου τὸν ταῦτα πλημμελήσαντα, τὸν ἐν αἰσχύνῃ βίον τῆς ἀγγελικῆς ταύτης καταστάσεως ἀλλαξάμενον· δεῖ γὰρ τοῖς μοναχοῖς καθιστάναι, ἢ ταῖς θείαις ἐνασχολεῖσθαι γραφαῖς ἢ τὰ μοναχοῖς πρέποντα, ἅπερ εἰώθασιν καλεῖν ἐργόχειρον, μελετᾶν τε καὶ ἐργάζεσθαι· διάνοια γὰρ μάτην σχολάζουσα οὐδὲν ἂν τῶν ἀγαθῶν ἀποτέκοι. ὑπὲρ τούτων[3] δὲ τόνδε τίθεμεν τὸν νόμον ἐπί τε ταύτης

1) юдинъ *Н.* 2) срищющеса *П*; съришющемъсѧ *У.* 3) и *проп. НП.* 4) идеже *НПУ.* 5) же и *проп. Н.* 6) же *проп. ПН.* 7) ꙗка *cod.* 8) корчемници *П.* 9) и *У.* 10) величьства *У.* 11) же *проп. У.* 12) и *проп. П.* 13) стод҄ѣ *У.* 14) жїтьи *Н.* 15) житиꙗ *вставл. Н.* 16) къ *проп. У.* 17) прележати *Н.* 18) ꙗко *проп. У.* 19) ꙗже *НП* (*вм.* ꙗко же). 20) роуцьною *У*; же *вставл. Н.* 21) оуцити *У.* 22) прележати *Н.* 23) притѧжать *У*; прележають *Н.* 24) сии *УП.* 25) и *проп. Н.*

1) χ̅ῳ cod. 2) cod. подскобл. изъ πολέμων. 3) τοῦτον cod.

цр҃ьскѣмъ [1] же [2] держащіь· и на ꙗзыцѣхъ [3] ве[сь]де· [4] и подобаетъ коемꙋждо прп҃бныихъ [5] патріархъ посла наше цр҃твіе· [6]
л. 309 b. сего [7] ꙋтве|рженіемъ· и храненіемъ подобнаимъ аще ли под [по]велѣнаими митрополиты пꙋщени [8] бꙋдꙋть они же инѣмъ всѣмь прѣдадать еппомъ· епіскꙋпи же сїа бл҃говоз҃ниваимъ мнихомъ· и игꙋменомъ бꙋдеть авѣ подаемъ [9] же и [10] съблюденїе писанїа· [11] не токмо игꙋменꙋ· обители [12] коеждо ни единомꙋ ѿ бг҃олюбиваиⷯ еппъ [13] мѣстꙋ ни прѣподобнаимъ же митрополитомъ ни пр҃таимъ [14] патріархомъ· нъ сде ꙋбо и твоимъ величьствомъ· [15] да [16] егоже вещь требꙋеть· болшаго [17] оправданїа [18] вѣдꙋще о[тъ] бг҃олюбиваихъ мꙋжь· да съвершаеть въ епархїаⷯ же тѣхъ кнѧз [19] первѣе ѿ бг҃олюбиваиⷯ еппъ сътворенос [20] оувѣдать· аще ли всѣми [21] и [22] лицемъ чистомъ и началомъ неповинна къ б҃ꙋ и къ цр҃ьствию же всѣхъ·

τῆς βασιλευούσης κρατοῦντα ἐπί τε τῶν ἐθνῶν πανταχοῦ· καὶ γὰρ δὴ πρὸς ἕκαστον τῶν ὁσιωτάτων πατριαρχῶν κατε(л. 300b)πέμψαμεν αὐτὸν ἐπ’ ἀσφαλείᾳ τε καὶ φυλακῇ προσηκούσῃ, οἱ δὲ ἐπὶ τοὺς ὑποτεταγμένους μητροπολίτας ἐκπέμψωσιν, ἐκεῖνοι δὲ τοῖς ἄλλοις ἅπασι διαδώσουσιν ἐπισκόποις, διὰ δὲ τῶν ἐπισκόπων ταῦτα τοῖς εὐλαβεστάτοις μοναχοῖς καὶ τοῖς ἡγουμένοις αὐτῶν γενήσεται φανερά. διδοῦμεν δὲ τὴν τοῦ γράμματος παρατήρησιν οὐ μόνον τῷ ἡγουμένῳ μονῆς ἑκάστης οὐδὲ μόνῳ τῷ θεοφιλεστάτῳ τῶν τόπων ἐπισκόπῳ οὐδὲ τοῖς ὁσιωτάτοις μητροπολίταις οὐδὲ τοῖς ἁγιωτάτοις πατριάρχαις, ἀλλ’ ἐνταῦθα μὲν καὶ τῇ σῇ ὑπεροχῇ, ἵνα εἴ τινος τὸ πρᾶγμα δεηθῇ σφοδροτέρας ἐπανορθώσεως, μανθάνοντες παρὰ τῶν θεοφιλεστάτων ἀνδρῶν ἐπεξίοι· ἐν δὲ ταῖς ἐπαρχίαις τοῖς ἐκείνων ἄρχουσιν πρότερον παρὰ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων τὸ πρακτέον μανθάνουσιν. καὶ εἰ διὰ πάντων καὶ τοῖς προσώποις τοῖς ἱερωμένοις καὶ ταῖς ἀρχαῖς ἀνεύθυνα τὰ πρὸς τὸν θεὸν καὶ πρό γε ἁπάντων τῇ βασιλείᾳ,

---

1) цр҃ьстѣмь *Н.* 2) же *проп. Н.* 3) ꙗзѣхъ *Н.* 4) *исправл. по НУ.* 5) прп҃бнихъ *cod.* 6) цр҃тво *Н.* 7) со *Н.* 8) поꙋщеније *У.* 9) подаіемо *Н.* 10) и *проп. НУ.* 11) писаные *Н.* 12) обитель *П.* 13) іеппо *Н.* 14) пр҃чтымъ *Н.* 15) велицѣством *У.* 16) не *вставл. Н.* 17) больщаго *П.* 18) ѡправленыꙗ *НПУ.* 19) да съвершаеть въ епархїаⷯ же тѣхъ кнѧз *проп. Н.* 20) створеније *Н.* 21) всѣмь *Н.* 22) и *проп. Н.*

. ѝже [1] нѣкако же ѩко же [2] дщерїи и [3] хранити праведныа лѣнѧщꙋсѧ· но всѣми спѣшащемъ· овщес житїе великаго ба҃ и спса нашего ісаъ· [4] чл҃колюбїа насладѧтьсѧ [5] чистоты ради бл҃гобоꙗзнивыихъ мꙋжь еже съхранѧть [6] и клирици и [7] минси· и еппи [8] болшаа же и мньшаа сщ҃еныихъ [9] поминающемъ [10] канономъ [11] нашь ꙁаконъ и повелѣнїе и ѡ томъ писаный аже и держати· и рѣснотивъномъ бъти и нꙑнѣшнїимь повелѣнїемъ [12] ꙁакономъ престо[[ѩ]]ща [13] оубо намъ· твоѧ слава и симъ бж҃ественыимъ· ѩвлѧющїимъ [14] ꙁакономъ вѣдꙋщїимъ дѣломъ и съвершенїемъ· не едва да потщитьсѧ·

ἃς οὐδὲν ὡς τῶν θυγατέρων καὶ τῶν φυλάττεσθαι δικαίων ἀμελουμένου παρ' ἡμῶν, ἀλλὰ διὰ πάντων σπευσάντων τὴν κοινὴν πολιτείαν τῆς τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ φιλανθρωπίας ἀπολαύσει διὰ τῆς τῶν εὐλαβεστάτων (л. 301ª) ἀνδρῶν καθαρότητος, ἣν φυλάξουσιν καὶ κληρικοὶ καὶ μοναχοὶ καὶ ἐπίσκοποι μείζους τε καὶ ἐλάττους. τῶν τε ἱερέων μεμνημένοι κανόνων, τῶν τε ἡμετέρων νόμων καὶ διατάξεων τῶν τε περὶ τούτου γεγραμμένων, οὓς καὶ κρατεῖν καὶ κυρίους εἶναι καὶ διὰ τοῦ παρόντος θεσπίζομεν νόμου. л. 310 а.

Τὰ τοίνυν παραστάντα ἡμῖν ἡ σὴ ἐνδοξότης καὶ διὰ τοῦδε τοῦ θείου δηλουμένου νόμου γινώσκουσα ἔργῳ καὶ πέρατι παρ' οὐδένα [1] σπουδασάτω.

---

1) ихъ *Н.* 2) ѩко же *проп. Н*; же *проп. П.* 3) и *проп. Н.* 4) ісха *У.* 5) насадитьсѧ *У.* 6) схранить *Н.* 7) и *проп. П.* 8) и *вставл. Н.* 9) же *вставл. ПУ.* 10) поминающе *НП*; поминающи *У.* 11) канонъ *УП*; каноны *Н.* 12) повелѣваюмъ *НПУ.* 13) престоѩще *Н.* 14) ѩвлѧющи *НПУ.*

1) παρουδέναι cod.

ОГЛАВЛЕНІЕ.

к҃д· ноустнана[1] иже въ блаженѣи памѧти цр҃ѧ[2] костѧнтинѧ града ꙁаконъ·

того же ꙁаконъ морьскъıи·

к҃е· василиꙗ костѧнтина· и лька· благочьстивъıихъ цр҃ь[3] ꙁаконъ·

к҃ѕ· бл҃женаего епифаниꙗ еп҃па· кѷпрьска· о ересьхъ· соуштиихъ отъ давьнъıихъ доселѣ·

к҃ꙁ· о родѣ[4] саракиньстѣ· рекъше огаринѣхъ·

к҃и· о оглагольницѣхъ хрьстиꙗньскъıихъ[5] обраꙁоборьцихъ·

к҃ѳ· о приходѧштиихъ отъ ересии· и мажюштиихъсѧ·

л҃а· о приходѧ<шти>ихъ отъ ересии· и проклинаюштиихъ·

(л. $23^{\text{a—b}}$) Ἐκ τῶν κανόνων ρν' ἁγίων πατέρων περὶ ψευδοκατηγόρων: ἀπόφασις ἐπισκόπων τ[]'.[1]

Περὶ τῶν ἐπὶ ψυχικοῖς ἐγκλήμασι κατηγορούντων[2] εἶτα μετὰ ταῦτα ἐν νοσοις ἢ ἐν φόβοις ἐξομολογουμένων ὡς ψευδῆ[3] εἶεν [εἰρηκότες], ἃ κατηγόρησαν ἢ ἐμαρτύρησαν· εἰ μὲν λαϊκοὶ εἶεν, εἴτε ἄνδρες εἴτε γυναῖκες, ἔδοξεν ἐξοδεύουσι μὲν αὐτοῖς[4] τῶν μυστηρίων μεταδίδοσθαι. περιγενομένοις[5] δὲ τῆς νόσου ἢ διαφυγοῦσι τὸν ἐπηρτημένον φόβον καὶ ἐπιβιώσασι [τὸν] μέχρι τελευταίας ἀναπνοῆς ἐπαχθῆναι ἀφορισμόν, ὡσεὶ[6] τὰ ψευδῆ πρότερον εἰρηκόσιν καὶ αἰτίοις γενομένοις[7] κατακρίσεως τῶν ἀνευθύνων, ἢ τότε μὲν τὰ ἀληθῆ καταθεμέ-

---

1) ана *оставл. cod.*; ıоустиниꙗна *С.* 2) цр҃ѧ *ПС.* 3) цр҃ь *ПС.* 4) о родѣ *проп. П.* 5) хрьстиꙗньскъıихъ *проп. С.*

1) Въ Laud. 39 X в. л. 113^{b} то же заглавіе безъ словъ: ἀπόφασις ἐπισκόπων τ[]'; въ Patm. 172 л. 76 (и Patm. 173) совсѣмъ нѣтъ заглавія; въ V л. 65^{a} заглавіе: περὶ ψευδοκατηγόρων. 2) καταγηρούντων Patm. 173. 3) ψευδεῖς P. 4) cod. αὐτούς. 5) περιγενομένης Laud. 6) ὡς εἰ cod.; ὡς ἡ Laud. 7) γενομένων P.

*

ПРАВИЛА [1] СТЫИХЪ АПЛЪ·

а҃·[2] Єпископъ· отъ дъвою єппоу· ли отъ трии[3] да поставленъ боудеть·

в҃· Попъ отъ єдиного єппа· да поставлєнъ[4] боудеть· г҃·[5] И[6] диꙗкони и прочии причьтьници·

г҃· Аште къи єппъ· ли по҃· чресъ гнѥ повелѣниѥ на жрьтвоу принесеть· инъı нѣкъıꙗ къ жьртвьникоу· ли медъ· ли млеко· ли въ вина мѣсто олъ[7] сътроєнъ· ли птица· ли сочива[8] чресъ повелѣниѥ· да изверьжеться· развѣ новъıихъ кроупъ· ли грьзда[9] [въ] врѣмѧ[10] подобьноѥ· не лѣть же єсть приносити чьсо[11] иного къ жрьтвьникоу· развѣ масло[12] дрѣвѧноѥ въ свѣтильникъ· и кадило въ время стго приношениꙗ·

д҃· Инъ всѧкъ овоштъ· въ
домъ[13] да посъıлаєтьсѧ на-
л. 14 а. |чатъкъ єппоу и поломъ· нъ
не[14] къ жьртвьникоу· ꙗвѣ же
ꙗко єппъ и попове· раздѣлѧють
диикономъ и прочиимъ причьтьникомъ·

1) правило У. *Кромѣ заглавія, cod. имѣетъ еще вверху л. 14ª надпись:* апльскаꙗ правила. 2) *У проп. здѣсь* а҃ *и при слѣдующихъ правилахъ* в҃ *и оба* г. 3) ли отъ трии *проп. У.* 4) послаленъ *С.* 5) г҃ *проп. П.* 6) и *проп. П.* 7) онъ *С.* 8) сочиво *У.* 9) грезна *С;* грѣзда *П.* 10) врѣмѣмѧ *cod.* 11) чисо *С;* цьто *У;* что *П.* 12) масла *У.* 13) домꙋ *П.* 14) не *проп. С.*

νοις, ὕστερον δὲ τὰ ψευδῆ λέγουσι καὶ σκανδαλίζουσι τὰς τῶν ἁπλουστέρων ψυχάς. εἰ δὲ κληρικοὶ τυγχάνοιεν,[1] τελευτήσαντας μὲν μνημονεῦσαι ὡς μετὰ τῶν ἐκ τοῦ κλήρου κεκοιμημένων, διαφεύγοντας δὲ τὸν κίνδυνον ἀλλοτρίους εἶναι τοῦ προϋπάρχοντος βαθμοῦ.

(л. 25ª — 31ᵇ). ΚΑΝΟΝΕΣ ΤΩΝ ἉΓΙΩΝ ἈΠΟΣΤΟΛΩΝ.[2]

α΄. Ἐπίσκοπος ὑπὸ ἐπισκόπων χειροτονείσθω[3] δύο ἢ τριῶν.

β΄. Πρεσβύτερος ὑπὸ[4] ἐπισκόπου χειροτονείσθω, καὶ διάκονος, καὶ οἱ λοιποὶ κληρικοί.

γ΄. Εἴ τις ἐπίσκοπος ἢ πρεσβύτερος παρὰ τὴν τοῦ κυρίου διάταξιν τὴν ἐπὶ τῇ θυσίᾳ προσενέγκῃ ἕτερά τινα ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον, ἢ μέλι, ἢ γάλα, ἢ ἀντὶ οἴνου σίκερα[5] ἐπιτηδευτά, ἢ ὄρνεις,[6] ἢ ὄσπρια, παρὰ τὴν διάταξιν, καθαιρείσθω, πλὴν νέων χίτρων[7] ἢ σταφυλῆς τῷ καιρῷ τῷ δέοντι. μὴ ἐξὸν δὲ ἔστω[8] προσάγεσθαί τι ἕτερον πρὸς τὸ θυσιαστήριον, ἢ ἔλαιον εἰς τὴν λυχνίαν καὶ θυμίαμα τῷ καιρῷ τῆς ἁγίας προσφορᾶς.

δ΄. Ἡ ἄλλη πᾶσα ὀπώρα εἰς τὸν[9] οἶκον ἀποστελλέσθω, ἀπαρχὴ τῷ ἐπισκόπῳ καὶ τοῖς πρεσβυτέροις, ἀλλὰ μὴ πρὸς τὸ θυσιαστήριον. δῆλον δέ, ὡς ὁ ἐπίσκοπος καὶ οἱ πρεσβύτεροι ἐπιμερίζουσι[10] τοῖς διακόνοις καὶ τοῖς λοιποῖς κληρικοῖς.

1) τυγχάνειεν cod. 2) Заглавіе V περὶ εὐταξίας κανόνες τ. ἁ. ἀ. 3) χειροτ. ὑπὸ ἐ. PV. 4) ὑπὸ ἑνὸς PV. 5) ἢ встав. V. 6) ἢ ζῶα τινὰ встав. PV. 7) χίδρων P; χιδρῶν V. 8) ἔστω проп. V. 9) τὸν проп. PV. 10) διαμεριοῦσι V.

і҃и·[1] Ротьничьскаꙗ·[2] ли клеветаниꙗ[3] вина· и отъ вънѣшьнихъ ꙁаконъ отиноудь възбранена[4] ѥсть· множаѥ же паче въ б҃жии ц҃ркви семоу бꙑвати възбранꙙти достоить· да иже оубо причьтьници· ли чьрноризьци обрꙙщють сꙙ·[5] ли ротьници·[6] ли клевечюще· ли рѣчи строꙗште на еп҃ы· да отъпадають отиноудь своѥго чиноу·

і҃ѳ·[7] Прии[де][8] въ слоухꙑ наша· ꙗко въ областьхъ оуставлении[9] съвори епископомъ· не бꙑвають· и отъ сего нестроини[10] соуть· исправлениꙗ требоующаꙗ ц҃рквьнꙑꙗ вешти· тѣмь же оустави с҃тꙑи съборъ· по правиломъ с҃тхъ оц҃ь· дъвашьдꙑ лѣта[11] въкоупь съвиратисꙙ· коѥꙗжьдо области еп҃омъ· идеже аште старѣишаaго града епископъ повелить· исправлꙙти вьсꙙ въꙁницꙙющаꙗ·[12] не приходꙙщаꙗ же еп҃ы и пребꙑвающта[13] въ своихъ градѣхъ въ съдравии соушта· и вьсꙙкого неотърочьнааго[14] и ноуждьнааго строѥниꙗ соуща свободьнꙑ· братьскꙑ ꙁапрѣштати·

к҃· Причьтьникомъ въ ц҃ркви слоужаштиимъ· ꙗже оуставихомъ· не лѣть ѥсть[15] въ иного града

ιη'. Τὸ τῆς συνωμοσίας ἢ φατρίας ἔγκλημα καὶ παρὰ τῶν ἔξω νόμων πάντη κεκώλυται, πολλῷ δὴ μᾶλλον ἐν τῇ τοῦ θεοῦ ἐκκλησίᾳ τοῦτο γίνεσθαι ἀπαγορεύειν προσήκει. εἴ τινες τοίνυν κληρικοὶ ἢ μονάζοντες εὑρεθεῖεν ἢ συνομνύμενοι, ἢ φατριάζοντες, ἢ κατασκευὰς τυρεύοντες ἐπισκόποις ἢ συγκληρικοῖς,[1] ἐκπιπτέτωσαν πάντη τοῦ οἰκείου βαθμοῦ.

ιθ'. Ἦλθεν εἰς[2] ἡμετέρας ἀκοάς, ὡς ἐν ταῖς ἐπαρχίαις αἱ κεκανονισμέναι[3] σύνοδοι τῶν ἐπισκόπων οὐ γίνονται, καὶ ἐκ τούτου πολλὰ[4] παραμελεῖται τῶν διορθώσεως δεομένων ἐκκλησιαστικῶν πραγμάτων. ὥρισεν τοίνυν ἡ ἁγία σύνοδος, κατὰ τοὺς τῶν ἁγίων πατέρων κανόνας, δὶς τοῦ ἐνιαυτοῦ ἐπὶ τὸ αὐτὸ συντρέχειν καθ' ἑκάστην ἐπαρχίαν τοὺς ἐπισκόπους, ἔνθα ἂν ὁ τῆς μητροπόλεως ἐπίσκοπος δοκιμάσῃ, καὶ διορθοῦν ἕκαστα τὰ ἀνακύπτοντα. τοὺς δὲ μὴ συνιόντας ἐπισκόπους, ἐνδημοῦντας ταῖς ἑαυτῶν πόλεσι καὶ ταῦτα ἐν ὑγιείᾳ διάγοντας καὶ πάσης ἀπαραιτήτου καὶ ἀναγκαίας ἀσχολίας ὄντας ἐλευθέρους, ἀδελφικῶς ἐπιπλήττεσθαι.

κ'. Κληρικοὺς εἰς ἐκκλησίαν τελοῦντας, καθὼς ἤδη ὡρίσαμεν, μὴ ἐξεῖναι εἰς ἄλλης πόλεως

1) ꙁ҃і *У.* 2) Тотническаꙗ *С.* 3) клеватаніа *С.* 4) възбранено *П;* възбрана *У.* 5) ѡбращ҃єсꙙ *П.* 6) ротнци *П.* 7) *У пропуск. все правило 19.* 8) въ слꙋ҃ *вставл. П.* 9) оуставлениии *П.* 10) нестроени *П;* неистроини *С.* 11) лѣла *П.* 12) *cod.* възницꙙющаюꙗ; *С, вм. конечныхъ* юꙗ, *имѣетъ* ѥꙙ. 13) пребывающе *С;* прибывающа *П.* 14) неѿпрочнааго *П.* 15) ѥсть *проп. У.*

1) cod. συγ здѣсь надпис. надъ строкой. 2) cod. было еще вставл. τὰς, но выскобл. 3) κανονισμέναι V. 4) cod. это πολλὰ приписс. in m.

въ цр҇квь въчинатисѧ· нъ пребꙑвати въ тои въ ниже[1] слоужити съподо- л. 35 а. бишасѧ· развѣ тѣхъ· | иже погоубльше о҇тчьства·[2] по ноужди въ иноу цр҇къвь преидоша· аште же кꙑи еп҇пъ по оуставѣ семь· иного еп҇па соушта причь[ть]ника[3] приметь· повелѣваѥмъ безъобьщьноу бꙑти и приꙗтоуоумоу и примъшоуоумоу· дондеже престоупивꙑи причьтьникъ въ своꙗ възвратитьсѧ цр҇квь·

к҇а· Причьтьника· ли простьцѧ клеветаюшт҇а на еп҇па· ли на причьтьника· просто безъ испꙑтаниꙗ не приимати на о҇глание·[4] аще не прѣжде[5] испꙑтано боудеть житиѥ ихъ·

к҇в· Не лѣть ѥсть причьтникомъ по съмьрти своѥго еп҇па грабити достоꙗщиихъ[6] вешт҇ии· ꙗко же и древьниими правилꙑ отъречено б҇ꙑли се творѧштемъ отъпасти своѥго чина·

к҇г·[7] Прииде въ слоухъ ст҇го събора· ꙗко причьтьници нѣции· и иночьствоующт҇еи[8] ничьсо же пороучьни отъ своѥго еп҇па· ѥсть же ꙗко и отъ[8] обьщениꙗ[10] отълоученꙑимъ· въходѧще въ[11] цьсарьствоующии[12] костѧнтинь градъ· на много въ нѥмь прѣбꙑвають· мълвꙑ творѧшт҇е· и

τάττεσθαι ἐκκλησίαν· ἀλλὰ στέργειν ἐκείνην,[1] ἐν ᾗ ἐξ ἀρχῆς λειτουργεῖν[2] ἠξιώθησαν, ἐκτὸς ἐκείνων, οἵτινες[3] ἀπολέσαντες τὰς ἰδίας[4] πατρίδας ἀπὸ ἀνάγκης εἰς ἄλλην ἐκκλησίαν μετῆλθον. εἰ δέ τις ἐπίσκοπος μετὰ τὸν ὅρον τοῦτον ἄλλῳ ἐπισκόπῳ προσήκοντα δέξοιτο κληρικόν, ἔδοξεν ἀκοινώνητον εἶναι καὶ τὸν δεχθέντα καὶ τὸν δεξάμενον, ἕως ἂν ὁ μεταστὰς κληρικὸς εἰς τὴν ἰδίαν ἐπανέλθοι[5] ἐκκλησίαν.

κα΄. Κληρικοὺς ἢ λαϊκοὺς κατηγοροῦντας ἐπισκόπων ἢ κληρικῶν,[6] ἁπλῶς καὶ ἀδοκιμάστως μὴ προσδέχεσθαι εἰς κατηγορίαν, εἰ μὴ πρότερον ἐξετασθῇ[7] αὐτῶν ἡ ὑπόληψις.

κβ΄. Μὴ ἐξεῖναι κληρικοῖς μετὰ θάνατον τοῦ ἰδίου ἐπισκόπου διαρπάζειν τὰ διαφέροντα αὐτῷ πράγματα, καθὼς καὶ τοῖς πάλαι κανόσιν ἀπηγόρευται, ἢ[8] τοῦτο ποιοῦντας κινδυνεύειν εἰς τοὺς ἰδίους βαθμούς.

κγ΄. Ἦλθεν εἰς[9] ἀκοὰς τῆς ἁγίας συνόδου, ὡς κληρικοί τινες καὶ μονάζοντες, μηδὲν ἐγκεχειρισμένοι ὑπὸ τοῦ ἰδίου ἐπισκόπου, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἀκοινώνητοι γενόμενοι παρ' αὐτοῦ,[10] καταλαμβάνοντες τὴν βασιλεύουσαν Κωνσταντινούπολιν[11] ἐπὶ πολὺ ἐν αὐτῇ διατρίβουσι,[12] ταραχὰς ἐμποιοῦντες καὶ

---

1) н҇е *П.* 2) ѿтечьства *П.* 3) причьтникь *П*; соуща *вставл. У.* 4) ѿглані҇и *П.* 5) низдеть *вставл. У.* 6) достоꙗщии *У.* 7) *У пропуск. все правило 23.* 8) иночьствоующе. 9) отъ *проп. П.* 10) бщені҇ꙗ *П.* 11) въ *проп. П.* 12) ц҇рствоующі҇и *С.*

1) cod. ἐκείνη. 2) λειτουργεῖν ἐξ ἀρχῆς PV. 3) εἴ τινες P. 4) οἰκείας P. 5) ἐπανέλθῃ PV. 6) ἐπίσκοπον ἢ κληρικὸν V, но въ обоихъ словахъ ν переправл. въ υ. 7) ἐξετασθείη P. 8) τοὺς вставл. PV. 9) τὰς вставл. V. 10) ὑπ' αὐτοῦ Patm. 172, но надъ ὑπ' αὐ надпис. παρ' αυ. 11) Κωνσταντίνου πόλιν P. 12) διατρίβουσιν ἐν αὐτῇ V.

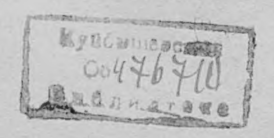

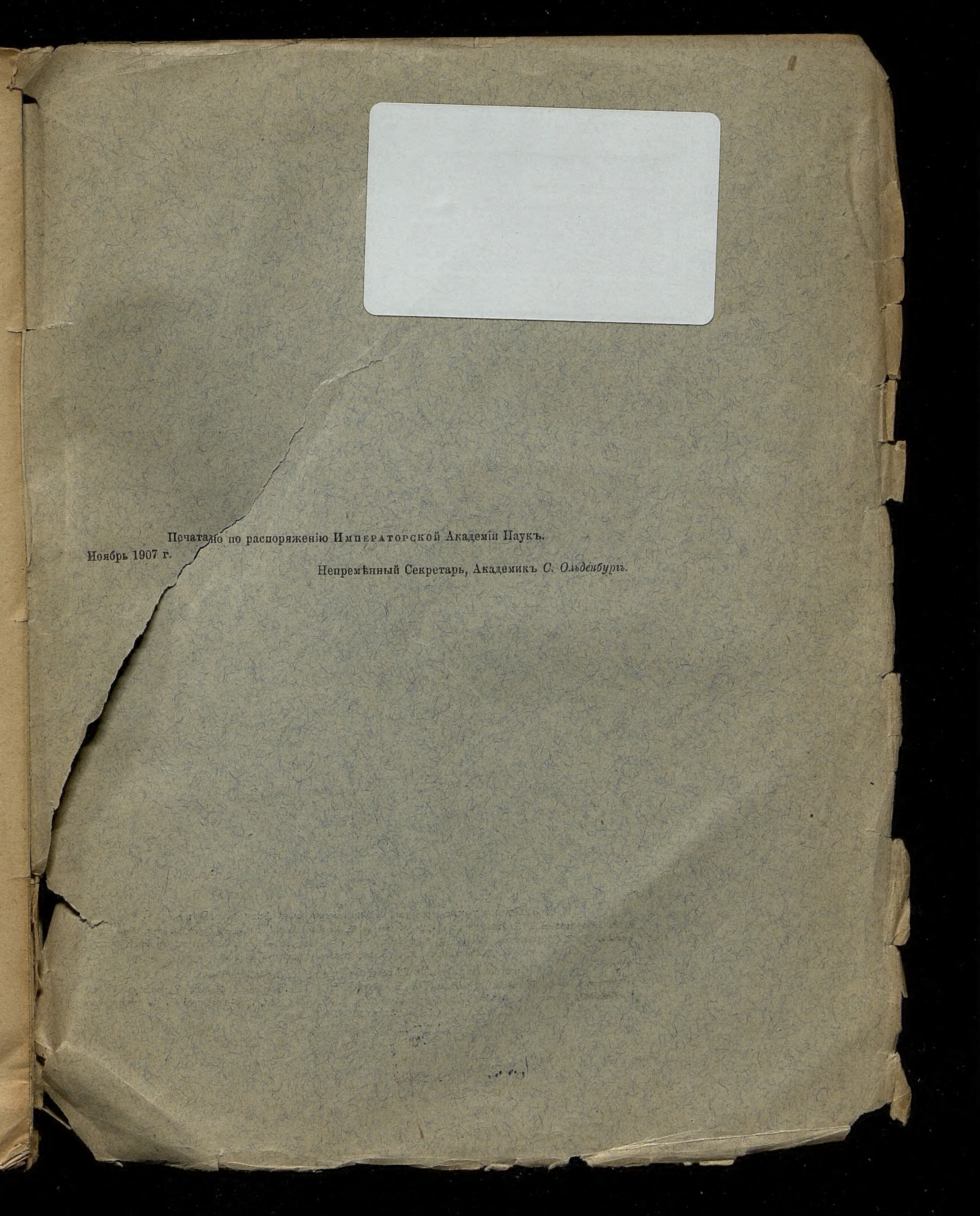

Печатано по распоряженію Императорской Академіи Наукъ.
Ноябрь 1907 г.
Непремѣнный Секретарь, Академикъ *С. Ольденбургъ*.

Цѣна 2 р. 70 коп.

Продается у комиссіонеровъ Императорской Академіи Наукъ:
И. И. Глазунова и К. Л. Риккера въ С.-Петербургѣ, Н. П. Карбасникова въ С.-Петербургѣ, Москвѣ, Варшавѣ и Вильнѣ, М. В. Клюкина въ Москвѣ, Н. Я. Оглоблина въ С.-Петербургѣ и Кіевѣ, Н. Киммеля въ Ригѣ, Фоссъ (Г. В. Зоргенфрей) въ Лейпцигѣ, Люзакъ и Комп. въ Лондонѣ.

Commissionnaires de l'Académie Impériale des Sciences:
J. Glasounof et C. Ricker à St.-Pétersbourg, N. Karbasnikof à St.-Pétersbourg, Moscou, Varsovie et Vilna, M. Klukine à Moscou, N. Ogtobline à St.-Pétersbourg et Kief, N. Kymmel à Riga, Voss' Sortiment (G. W. Sorgenfrey) à Leipsic, Luzac & Cie. à Londres.